हिंदी-साहित्यकार-कोश

'हिंदी-सेवी-संसार' : प्रथम खंड

[हिंदी के २७४९ साहित्यकारों के परिचय]

संपादक

डा० प्रेमनारायण टंडन, पी-एच० डी०

प्रकाशक : ‘हिंदी-सेवी-ससार’—कार्यालय
विद्यामंदिर, रानीकटरा, लखनऊ–३ ।

मुद्रक : विद्यामंदिर प्रेस, लखनऊ–३ ।

प्रकाशनतिथि : २३ जून १९६३ ।

मूल्य पंद्रह रुपये



डा० प्रेमनारायण टंडन, पी-एच.डी.

उसको

जिसके प्रसाद-कण के लिए

प्राण-चातक प्रति पल लालायित रहता है

निवेदन

प्रस्तुत संस्करण—

'हिंदी-सेवी-संसार'-जैसे संदर्भ-ग्रन्थ (Reference Book) की आवश्यकता का अनुभव पहली बार मैंने सन् १९४३ मे किया था और इसके पहले संस्करण का प्रकाशन आचार्यवर कालिदास जी कपूर के साथ १९४४ मे किया गया था। तीन वर्ष बाद ही दूसरे संस्करण की माँग हुई, परतु कार्य अधिक बढ जाने से वह १९५१ के पूर्व न छप सका। प्रथम और द्वितीय संस्करणों में सात वर्ष का अंतर था; उसी हिसाब से तीसरे संस्करण के प्रकाशन की योजना १९५७ मे बनायी गयी थी। प्रथम संस्करण में डबुल क्राउन साइज के लगभग ५०० पृष्ठ थे, द्वितीय मे ६५० थे और अनुमान यह था कि इस बार उसी साइज के लगभग ८०० पृष्ठ हो जायँगे। परंतु पाँच वर्ष तक उद्योग करते रहने के फलस्वरूप इस बार केवल हिंदी-सेवियों-सेविकाओं से संबंधित लगभग दो हजार पृष्ठो की सामग्री एकत्र हो गयी। अतएव विवश होकर प्रस्तुत संस्करण दो खंडो में प्रकाशित किया जा रहा है। प्रथम खंड आपके हाथ में है और द्वितीय प्रेस मे दिया जाने को है जो इसी वर्ष सितंबर तक निश्चित रूप से छप जायगा।

इस ग्रन्थ के लिए सामग्री-संकलन एवं संपादन-प्रकाशन में आनेवाली कठिनाइयों की चर्चा करना एक प्रकार से अनावश्यक ही है। परंतु इतना निवेदन अवश्य करना है कि केवल प्रथम खंड के लिए ही बारह-तेरह विज्ञाप्तियाँ प्रकाशित करने और लगभग बीस हजार पत्र लिखने पर भारत के विभिन्न प्रांतों के लेखकों के तरह-तरह के हस्तलेखों में अलग-अलग शैलियों और ढंगों से लिखे, निजी और पारिवारिक बातों से आदि से अंत

तक भरे लगभग चार सहस्र परिचयों की जो विशाल राशि एकत्र हो गयी, उसे देखकर बार-बार मन में यह विचार आता था कि यह श्रम-साध्य, समय-साध्य और व्यय-साध्य कार्य किसी एक व्यक्ति का नहीं, उत्साही सदस्यों वाली किसी ऐसी संस्था का है जिसके पास पच्चीस-तीस हजार रुपयों की निधि इसी कार्य के लिए सुरक्षित हो। हमारे पास न धन था, न किसी प्रकार का सरकारी या गैरसरकारी अनुदान या संरक्षण, और न किसी का सक्रिय सहयोग ही; जिससे अपनी क्षमता और सीमित साधनों का ध्यान किये बिना ही ऐसा आयोजन कर बैठने के उतावलेपन पर कभी-कभी बहुत खिझलाहट होती थी; परन्तु अनेकानेक हिंदी-प्रेमियों के शुभाशीर्वादों और उत्साहवर्द्धक संदेशों ने मानसिक दुर्बलता की ऐसी स्थिति में बराबर हमारा साहस बढ़ाया। इसके लिए हम उन सभी के अत्यंत आभारी हैं।

प्रथम खंड का नया नाम—

'संसार' के प्रथम खंड में केवल हिंदी-सेवियों के परिचय हैं। अतएव कुछ मान्य मित्रों के सुझाव पर उसका नया नाम 'हिंदी-साहित्यकार-कोश' रखा गया है। इस नाम की उपयुक्तता निर्विवाद है।

परिचय-प्रकाशन में संकोच क्यों—

अनेक लेखक-लेखिकाओं ने संकोच व्यक्त करते हुए पत्र लिखे कि अपने हाथ से अपना परिचय कैसे लिखा जाय अथवा हमें आत्मविज्ञापन से अरुचि है आदि। इस संबंध में निवेदन है कि 'संसार' में किसी साहित्य-सेवी-सेविका का विज्ञापनात्मक या प्रचारात्मक परिचय न देकर तथ्य-मात्र दिये गये हैं जिससे देशी-विदेशी साहित्य-प्रेमियों को ज्ञात हो सके कि भारत की राष्ट्रभाषा के साहित्य की श्री-वृद्धि में इतने हाथ लगे हुए हैं और ये हाथ भारत के किसी एक प्रांत के नहीं, समस्त प्रांतों के स्त्री-पुरुषों के हैं जिनमें अनेक ऐसे हैं जिनकी मातृभाषा हिंदी नहीं है। राष्ट्र-भाषा की सेवा में सेवियों-सेविकाओं के इतने विशाल समुदाय को संलग्न देखकर भारतीयता की भावना से पूर्ण किस हृदय को संतोष न होगा?

'संसार' के प्रथम संस्करण में प्रायः प्रत्येक लेखक के संबंध में कुछ 'प्रशंसात्मक शब्द' हमने दिये थे। द्वितीय संस्करण में ऐसे वाक्य केवल इने-गिने व्यक्तियों के लिए ही प्रकाशित किये गये थे। इस बार ऐसे प्रशंसात्मक शब्द 'वाक्यों' के रूप में नहीं, केवल वाक्यांशों के रूप में

हैं और वे भी मात्र वयोवृद्ध लेखकों के साथ जिनकी सेवा का अभिनंदन करके सभी आत्मिक तोष का अनुभव करते हैं अथवा जिनकी, विषय के विशिष्ट लेखक के रूप में, सर्वत्र ख्याति है। एक प्रतिशत से अधिक व्यक्तियों के साथ ये वाक्यांश नहीं मिलेंगे। हम समझते हैं, इससे पाठकों को संतोष होना चाहिए।

सामग्री की मौलिकता—

हमने शक्ति भर प्रयत्न किया कि देश-विदेश के सभी हिंदी-साहित्यकारों के परिचय 'संसार' में प्रकाशित हो जायँ। इसके लिए पहले तो लेखकों को जवाबी कार्ड लिख कर हमने अन्य साहित्यकारों के पते मँगवाये और तब प्रत्येक लेखक-लेखिका की सेवा में सात-सात पत्र भिजवाये। इतना प्रयत्न करने पर भी जिनके परिचय प्राप्त करने में हमें सफलता नहीं प्राप्त हो सकी, उनके परिचय 'संसार' के पिछले संस्करण अथवा अन्यत्र प्रकाशित तत्संबधी सामग्री के आधार पर हमने संकलित कर लिये हैं; क्योंकि उनके न दिये जाने पर ग्रन्थ अपूर्ण ही रहता। ये संकलित परिचय अन्यों की अपेक्षा संक्षिप्त तो हैं ही, अपूर्ण भी होंगे। इसके लिए संबधित लेखकों-लेखिकाओं से हम क्षमायाचनापूर्वक निवेदन करते हैं कि अपने पूर्ण परिचय शीघ्र ही भिजवा दें जिससे द्वितीय खंड की परिशिष्ट में उन्हें प्रकाशित किया जा सके।

प्रस्तुत खंड में ऐसे संकलित परिचय लगभग तीन प्रतिशत ही होंगे; शेष सत्तानवे प्रतिशत परिचय प्राप्त सामग्री के आधार पर ही तैयार किये गये हैं। इतना ही नहीं, ग्रंथ को पूर्णतया प्रामाणिक और अद्यावधि संपूर्ण बनाने के उद्देश्य से इस बार हमने प्रायः प्रत्येक हिंदी-सेवी-सेविका को प्रकाशित परिचय की 'कटिंग' भी भिजवा दी थी। उत्तर में संशोधन-परिवर्द्धन-संबंधी जो-जो सूचनाएँ प्राप्त हो सकीं, वे यथास्थान प्रकाशित की गयी हैं। ८ जून, १९६३ तक प्राप्त सभी संशोधन इस खंड में सम्मिलित कर लिये गये हैं। ये संशोधन-परिवर्द्धन इस दृष्टि से विशेष महत्व के हैं कि प्रायः सभी लेखकों-लेखिकाओं ने अपनी साहित्यिक सेवा-संबंधी सन् १९६३ की बातें भी दे दी हैं। प्रत्येक परिचय में नवीनतम सूचनाएँ सम्मिलित कर लेने के उद्देश्य से ही यह आयोजन किया भी गया था।

नयी सामग्री अब भी भेज सकते हैं—

संभव है ग्रीष्मावकाश के कारण अथवा अन्य किसी कारण से

कुछ लेखकों-लेखिकाओं को हमारी भेजी हुई उनके परिचयों की 'कटिंग' समय पर प्राप्त न हुई हो अथवा प्राप्त हो जाने पर भी कारण-विशेष से आवश्यक संशोधन-परिवर्द्धन की सूचना वे न भेज सके हों। उनसे सूचनार्थ निवेदन है कि ३१ जुलाई, '६२ तक भी यदि तत्संबंधी सामग्री भेज देंगे तो द्वितीय खंड की 'परिशिष्ट' में उसे प्रकाशित करके हमें प्रसन्नता होगी।

हम यह भी समझते हैं कि शक्ति भर प्रयत्न करने के बाद भी कुछ हिंदी-सेवियों-सेविकाओं के परिचय इस प्रथम खंड में न जा सके होंगे। ३१ जुलाई तक ये परिचय भी प्राप्त हो गये तो द्वितीय खंड में प्रकाशित कर दिये जायँगे।

नवोदित साहित्यकारों से क्षमायाचना—

लगभग ५०० नवोदित लेखकों-लेखिकाओं के परिचय हमने रोक लिये हैं; क्योंकि उनका 'कृतित्व' अभी सामान्य ही है। इन सबके प्रति हम क्षमाप्रार्थी हैं।

प्रस्तुत खंड में परिशिष्ट क्यों—

कुछ हिंदी-सेवियों-सेविकाओं की सेवा में सात-सात पत्र भेजने पर भी उनके परिचय हमें समय पर नहीं मिल सके, यद्यपि प्रकाशन-तिथि की सूचना उन्हें हर बार लिखी जाती थी। उधर जिनके परिचय आ चुके थे, वे बार-बार ग्रंथ के लिए लिख रहे थे। अतएव देर से प्राप्त परिचय पहली परिशिष्ट मे देने का निश्चय करके हमें मूल भाग की छपाई आरंभ करा देनी पड़ी। ऐसे परिचय मुख्यत प्रथम परिशिष्ट में हैं और जो उसके भी छप जाने के बाद प्राप्त हुए वे दूसरी, तीसरी और चौथी परिशिष्टों में दिये गये हैं। यों दूसरी परिशिष्ट ही संकलित परिचयों के लिए थी, तथापि ऐसे कुछ परिचय तीसरी और चौथी परिशिष्टों में भी हैं।

तीसरी परिशिष्ट मुख्यतः संशोधित-परिवर्द्धित परिचयांशों के लिए दी गयी है। इसका महत्व निर्विवाद है, क्योंकि संशोधन के साथ-साथ प्रकाशित परिचयों के संबंध मे नवीनतम सूचनाएँ भी इसमें आ गयी हैं। अंतिम परिशिष्ट को 'मिश्रित' समझना चाहिए जिसमें देर से प्राप्त, संकलित और संशोधित- तीनों प्रकार की सामग्री है

परिचय-क्रम के संबंध में एक बात—

प्रस्तुत खंड में सभी परिचय अकारक्रम से दिये गये हैं। जहाँ नामो मे किसी भी प्रकार का कुछ अंतर है, वहाँ तो अकारक्रम मे कोई कठिनाई नही होती, परंतु जब एक ही नाम के कई व्यक्ति निकल आते हैं, तब यह समस्या उठ खडी होती है कि किसका परिचय पहले दिया जाय और किसका बाद मे। ऐसे स्थलों पर 'आयु' का ध्यान रखा गया है और जो व्यक्ति आयु में अधिक हैं, उनके परिचय पहले और जो आयु में कम हैं, उनके बाद में दिये गये हैं। हमें विश्वास है, इस क्रम मे सभी को संतोष होना चाहिए।

संपादन-नीति के संबंध में—

'संसार' के प्रस्तुत खंड में प्रकाशनार्थ अनेक परिचय इतने विस्तृत रूप मे भेजे गये थे कि सात-आठ पृष्ठो से भी अधिक स्थान घेर लेते। ऐसे सभी परिचयों का संपादन करके हमें उनको संक्षिप्त करना पडा है। मुख्यत: व्यक्तिगत बातें हमने निकाल दी हैं। रेडियो मे रचना-प्रसारण अब इतनी सामान्य बात है कि 'न प्रसारण' करनेवालों का उल्लेख भले ही कुछ महत्व रखे; अत: उसकी चर्चा नहीं की गयी है। जिन पत्र-पत्रिकाओ मे रचनाएँ प्रकाशित होने की बात परिचयों में लिखी गयी थी, उनके नाम भी हमे अनावश्यक ही लगे। हस्तलिखित पत्रिकाओ के एवं विद्यालयो की हिंदी परिषदो के सभापतित्व या उनके मुखपत्रों के संपादन का उल्लेख भी स्थानाभाव से नही किया जा सका है। 'श्रीमतियों' के परिचयों में 'पतियो' के नाम देना भी हमें संगत नही लगा (यद्यपि उन्होने उनके नाम भेजे अवश्य थे), क्योंकि किसी 'पति' ने अपनी 'पत्नी' का नाम नही भेजा था। संपादकीय नीति के संबंध में इसी प्रकार की कुछ अन्य बाते ये हैं—

१ नाम—इसमें साहित्यकारों के सीधे-सादे नाम दिये गये हैं, जातीय या वर्गीय संबोधन से उनका प्रारभ नही किया गया है; क्योंकि वैसा करने पर सैकड़ों वर्मा, शर्मा आदि एक स्थान पर एकत्र हो जाते और नाम-विशेष ढूँढ़ने में कोई सुविधा भी न होती। 'उपनाम' कही-कही एक से अधिक भी दिये गये हैं।

२. जन्मतिथि (ज०)—लगभग पाँच प्रतिशत परिचयों मे जन्मतिथि 'सवत् में भजी गयी थी और शेष में सन् में अतएव ससार में सर्वत्र

'सन्' मे ही हर तिथि दी गयी है। 'संवत्' से 'सन्' बनाने में कभी-कभी वास्तविक तिथि में अंतर पड ही जाता है ; परंतु उसे दूर करने के लिए हमारे पास कोई साधन नही था। भविष्य में 'सन्' में ही तिथियाँ भेजी जायँ तो सुविधा रहेगी।

३. जानकारी (जा॰)—जिन परिचयों में हिंदी और अँगरेजी, केवल दो भाषाओं के जानने की बात लिखी गयी थी, उनमे 'जानकारी'-संबंधी उल्लेख नहीं किया गया है। जहाँ कई भाषाओं का जानना लिखा गया था, वहाँ सबका उल्लेख तो है, 'हिंदी' का नही है, क्योंकि हिंदी-साहित्यकारों का तो कोश या संदर्भग्रन्थ यह है ही।

४. शिक्षा (शि॰)—जिन्होंने बी॰ ए॰, एम॰ ए॰ किया है, उनके मैट्रिक, इंटर आदि का उल्लेख तभी किया गया है जब इनके संबंध मे कोई विशिष्टता रही है। 'शिक्षा' शीर्षक के अतर्गत किसी परीक्षा के आगे जहाँ कोष्ठक में 'प्रथम' और 'सर्वप्रथम' लिखा गया है, वहाँ तात्पर्य क्रमशः 'प्रथम श्रेणी मे' और 'प्रथम श्रेणी में सर्वप्रथम' समझना चाहिए। परीक्षा में प्राप्त पदक-पुरस्कार का उल्लेख भी अधिकांशतः यहीं किया गया है, यद्यपि कहीं-कहीं 'विशेष' (वि॰) मे भी वैसी सूचना दी गयी है।

५. सार्वजनिक एव साहित्यिक सेवा (सा॰)—इस शीर्षक से तात्पर्य सार्वजनिक और साहित्यिक जीवन के साथ-साथ जीविकार्जन के साधन से भी है। परंतु इसके अतर्गत हस्तलिखित पत्र-पत्रिकाओं का संपादन करने, विभिन्न विद्यालयों के परीक्षक होने या ग्रन्थों के पाठ्यक्रमो में स्वीकृत होने आदि का उल्लेख नही किया गया है।

६. 'प्र॰', 'प्रका॰' और 'अप्र॰'—इन शब्दों से तात्पर्य है—प्रथम रचना का प्रकाशनवर्ष, प्रकाशित हिंदी-ग्रन्थ और अप्रकाशित हिंदी-ग्रन्थ। 'प्रथम रचना का प्रकाशनवर्ष' के साथ रचना अथवा पत्र-पत्रिका का नाम, जिसमे वह प्रकाशित हुई थी, नही दिया गया है। प्रकाशित और अप्रकाशित ग्रंथों में स्फुट रचनाओं के नाम नही दिये गये हैं। अन्य भाषाओं में प्रकाशित ग्रंथों का उल्लेख 'प्रका॰' के अंतर्गत तभी किया गया है जब वे हिंदी भाषा अथवा हिंदी साहित्य से संबंधित हों। हाँ, हिंदी की उपभाषाओं के ग्रंथों का उल्लेख अवश्य कर दिया गया है प्रका

और 'अग्र' के अतर्गत 'कहा॰', 'लेख॰', 'गीत॰' आदि से इनके 'संग्रहों' का तात्पर्य समझना चाहिए।

७, वर्तमान (वर्त॰)—इस शीर्षक से तात्पर्य है जीविका के वर्तमान साधन या व्यवसाय से। इसका उल्लेख मुख्यतः उन्ही परिचयों मे किया गया है जिनमे निवासस्थान के पते दिये गये है। जहाँ यह 'पता' नही है, वहाँ 'पते' मे दिये गये संस्था के नाम आदि से ही व्यवसाय का अनुमान लगा लेना चाहिए।

८. विशेष (वि॰)—इस शीर्षक के अतर्गत साहित्यिक जीवन से संबद्ध विशेष बातो का, विशेषकर साहित्यिक कृतियो पर प्राप्त पदक, पुरस्कार या सम्मान का, हिंदी के अतिरिक्त अन्य भाषाओ के लेखन-कार्य आदि का, उल्लेख किया गया है। स्फुट रचनाओ पर अथवा विद्यार्थी-जीवन में प्राप्त पदक-पुरस्कारो की चर्चा नही की गयी है। इनके लिए 'स्फुट पुरस्कार' लिखा गया है।

वर्तनी के संबंध में—

'वर्तनी' के संबध में भी एक निवेदन करना है। 'पंचम वर्ण' के स्थान पर प्रस्तुत ग्रंथ में प्रायः सर्वत्र 'अनुस्वार' का प्रयोग किया गया है—कम से कम 'नामों' मे इसका निर्वाह इसलिए अनिवार्य रूप से किया गया है कि 'कोश' के क्रम को सुगमता और स्पष्टता से निभाया जा सके। विवरणात्मक अंश मे कही-कही, प्रेस की कठिनाई के कारण, अनुस्वार का प्रयोग नहीं निभ सका है जिसके लिए हम क्षमाप्रार्थी हैं।

'संसार' का दूसरा खंड—

'संसार' के दूसरे खड के सात भाग होंगे—(क) सरकारी एव गैरसरकारी-हिंदी-प्रचारिणी संस्थाएँ एव पुस्तकालय, (ख) हिंदी प्रकाशक, (ग) हिंदी पत्र-पत्रिकाएँ, (घ) हिंदी के पदक एवं पुरस्कार, (ङ) हिंदी में अनुसंधान-कार्य, (च) प्रत्येक विषय के श्रेष्ठ हिंदी ग्रंथ और (छ) विदेश मे हिंदी। इसके अत की परिशिष्ट में प्रथम खड के छूटे हुए परिचय और प्रकाशित परिचयों के संशोधन-परिवर्द्धन रहेगे। यह खड हम शीघ्र से शीघ्र प्रकाशित करना चाहते है; अतएव उक्त शीर्षको के अतर्गत प्रकाशित होनेवाली सामग्री भेजने मे प्रत्येक हिंदी-प्रेमी को शीघ्रता करनी चाहिए

एक विशेष निवेदन—

'संसार' के द्वितीय खंड की जो विषय-सूची ऊपर दी गयी है उसका छठा अंग है—'प्रत्येक विषय के श्रेष्ठ हिंदी ग्रंथ'। इससे तात्पर्य यह है कि साहित्य और साहित्येतर, सभी विषयों के प्रमुख ग्रंथों, उनके लेखकों-प्रकाशकों के नाम एक स्थान पर एकत्र हो जायँ। साहित्यिक विषयों के संबंध में तो कम, साहित्येतर विषयों के ग्रंथों के नामोल्लेख की वस्तुत: आज बहुत आवश्यकता है। यह कार्य सभी साहित्यकारों के सहयोग से ही हो सकता है। अतएव हमारा इन पंक्तियों के प्रत्येक पाठक से विनम्र निवेदन है कि निम्नलिखित विषयों में से अपने प्रिय विषय या विषयों के श्रेष्ठ २५-२५ ग्रंथों के नाम (लेखक-प्रकाशक के नामों सहित) भेजने की कृपा करें। यदि किसी विषय के २५ ग्रंथों के नाम न दे सकें तो कम भी भेजे जा सकते हैं, परंतु प्रत्येक ग्रंथ के लेखक-प्रकाशक का नाम होना आवश्यक है। विषय दो वर्गों में इस प्रकार विभाजित कर दिये गये हैं—

प्रथम वर्ग—हिंदी के २५ श्रेष्ठ (क) महाकाव्य, (ख) खंडकाव्य, (ग) गीतकाव्य, (घ) नाटक, (ङ) उपन्यास, (च) जीवनचरित्र, (छ) आत्मकथाएँ, (ज) साहित्य के इतिहास, (झ) भाषा के इतिहास, (ञ) काव्यशास्त्रीय ग्रंथ, (ट) हिंदी कोश, (ठ) हिंदी और अन्य भाषा-कोश, (ड) हिंदी व्याकरण, (ढ) भाषाशास्त्रीय ग्रंथ, (ण) वीरगाथाकालीन कवियों-काव्यों पर आलोचनात्मक ग्रंथ, (त, थ, द, और ध) भक्तिकालीन (संत, सूफी, रामभक्त और कृष्णभक्त पर अलग-अलग) कवियों-काव्यों पर आलोचनात्मक ग्रंथ, (न) रीतिकालीन कवियों-काव्यों पर आलोचनात्मक ग्रंथ, (प) आधुनिक कवियों-काव्यों पर आलोचनात्मक ग्रंथ, (फ) आधुनिक नाटकों-नाटककारों पर आलोचनात्मक ग्रंथ, (ब) आधुनिक कथाकारों पर आलोचनात्मक ग्रंथ, (भ) प्राचीन भारतीय भाषाएँ और साहित्य-संबंधी परिचयात्मक ग्रंथ, (म) आधुनिक भारतीय भाषाएँ और उनके साहित्य-संबंधी परिचयात्मक ग्रंथ, (य) विदेशी भाषाएँ और उनके साहित्य-संबंधी परिचयात्मक ग्रंथ आदि।

द्वितीय वर्ग—(क) भारतीय इतिहास, (ख) विदेशी इतिहास, (ग) भूगोल, (घ) भूगर्भशास्त्र, (ङ) खगोलविद्या, (च) भारतीय संस्कृति, (छ) विदेशी संस्कृति, (ज) चित्रकला, (झ) वास्तुकला, (ञ) मूर्तिकला,

(ट) संगीतशास्त्र, (ठ) राजनीति, (ड) धर्मशास्त्र, (ढ) तर्कशास्त्र, (ण) दर्शन, (त) मनोविज्ञान, (थ) अर्थशास्त्र, (द) समाजशास्त्र, (ध) पुरातत्व, (न) गणित, (प) भौतिक शास्त्र, (फ) रसायन शास्त्र, (ब) प्राणिशास्त्र, (भ) वनस्पति-शास्त्र, (म) चिकित्सा, (य) विधिशास्त्र, (र) कृषिशास्त्र, (ल) अन्य विषय आदि ।

'संसार' के प्रथम खंड का अँगरेजी संस्करण—

'संसार' के दोनों खंड छप जाने के बाद इस बार उसके प्रथम खंड ('हिंदी साहित्यकार-कोश') का अँगरेजी संस्करण छापने की भी हमारी योजना है। उसमें द्वितीय खंड की परिशिष्ट में प्रकाशित परिचय भी सम्मिलित कर लिये जायँगे। अँगरेजी संस्करण मे प्रकाशित परिचयों का ढंग 'संसार' के इस खड से कुछ भिन्न होगा। अतएव उसे अँगरेजी मे टाइप कराकर निम्नलिखित सात शीर्षकों में लिखकर भेजना चाहिए—

१. उपाधि सहित नाम।

२. जन्मतिथि और जन्मस्थान (केवल 'सन्' में लिखें)।

३. शिक्षा-स्थान—विश्वविद्यालय एवं स्थान।

४. साहित्यिक, सार्वजनिक एवं व्यावसायिक कार्य—अमुक संस्था के सदस्य, मंत्री, सभापति, पत्र-संपादक आदि और जीविका का साधन, ऐडवोकेट, डाक्टर, पत्रकार, प्राध्यापक आदि। विद्यालय-विशेष की परिषद या पत्र-पत्रिका की चर्चा न करे।

५. केवल हिंदी में प्रकाशित ग्रंथों की संख्या और उनमें से प्रमुख का प्रकाशन-वर्ष सहित नामोल्लेख—साथ में प्रत्येक गन्थ के विषय का भी संकेत करना चाहिए। मौलिक ग्रन्थों के नाम पहले और अनुवादित के बाद में लिखना चाहिए। अप्रकाशित ग्रंथो के नाम नही देने हैं, हिंदी के अतिरिक्त देशी-विदेशी भाषाओं में प्रकाशित ग्रंथों की संख्या भर लिखनी है—उनके नाम तभी देने चाहिए जब उनका विषय हिंदी भाषा या उसके साहित्य से संबंध रखता हो।

६ ग्रंथों पर प्राप्त पदक-पुरस्कार और साहित्य-सेवा के लिए प्राप्त सम्मान, उपाधि आदि। इसी शीर्षक में साहित्य-सेवा-संबंधी विशिष्ट सूचनाएँ भी देनी चाहिएँ।

७. पत्र व्यवहार का पता—पता केवल 'कार्यालय' का ही नहीं, 'निवासस्थान' का भी भेजना चाहिए और अंत में प्रदेश का उल्लेख भी आवश्यक है।

अँगरेजी संस्करण की प्रकाशन तिथि—

'संसार' का द्वितीय खंड निश्चित रूप से सितंबर में छप जायगा। उसके बाद ही अँगरेजी संस्करण हम प्रेस में दे देना चाहते हैं जिससे वह जनवरी १९६४ तक अवश्य छप जाय। प्रकाशन की इस तिथि का निर्वाह तभी संभव है जब प्रत्येक हिंदी-सेवी-सेविका अपना परिचय तो शीघ्र से शीघ्र भेज ही दे, साथ ही अपने परिचित लेखक-लेखिकाओं के परिचय भी उसी के साथ भिजवा दे। परिचय अँगरेजी में टाइप कराके भेजना चाहिए जिससे छपाई में किसी तरह की भूल न हो।

'संसार' के अँगरेजी संस्करण को सर्वथा प्रामाणिक बनाने की हमारी कामना है और हम समझते हैं कि राष्ट्रभाषा का प्रत्येक साहित्य-सेवी इस बात में हमसे सहमत होगा। परन्तु ग्रंथ को प्रामाणिक बनाना हमारे हाथ में नहीं, हिंदी के लेखकों-लेखिकाओं के हाथ में है। हमें पूर्ण विश्वास है कि इस महत्वपूर्ण कार्य में हमें सभी का सहयोग प्राप्त होगा।

कृतज्ञता-प्रकाशन एवं क्षमा-याचना—

देश-विदेश के अनेक स्थानों में बसे हिंदी-लेखक-लेखिकाओं के ध्येय की एकता का पता तो 'संसार' के प्रत्येक पृष्ठ से चलता ही है, यह भी ज्ञात होता है कि हमारा परिवार कितना विस्तृत है। इस विस्तृत परिवार के सभी सदस्यों को एक स्थान पर एकत्र करने के मूल में हमारा ध्येय यह रहा है कि तत्संबंधी जानकारी के लिए 'संसार' एक संदर्भग्रंथ का काम दे। इस प्रयत्न में हमें कितनी सफलता मिली है, इसका निर्णय पाठकों को करना है। अपनी ओर से हम कहना चाहते हैं कि अनेक व्यक्तियों के सक्रिय सहयोग से ही यह कार्य संपन्न हो सका है। उनकी नामावली यहाँ नहीं दी जा रही है, क्योंकि कुछ का नामोल्लेख करने का अर्थ होगा शेष की सहायता का मूल्य घटाना। अतएव, सामूहिक रूप से, हम सभी के प्रति हृदय से कृतज्ञ हैं और साथ ही, क्षमाप्रार्थी भी।

संकेत-सूची

अप्र०—अप्रकाशित रचनाएँ।
अनु०—अनुवाद, अनुवादित रचना, अनुवादक, अनुवादिका।
अ० भा०—अखिल भारतीय।
आलो०—आलोचना, आलोचनात्मक।
उप०—उपन्यास।
उ० प्र०—उत्तरप्रदेश।
कवि०—कविता, कविता-संग्रह।
कहा०—कहानी, कहानी-संग्रह।
खंड०—खंडकाव्य।
जा० भाषाओं की जानकारी।
ज०—जन्म-तिथि और स्थान।
गु० कु०—गुरुकुल।
दै०—दैनिक।
ना० प्र० स०—नागरीप्रचारिणीसभा।
नाट०—नाटक, नाटक-संग्रह।
निबं०—निबंधसंग्रह।
प०—पता।
पाक्षि०—पाक्षिक।
पो०—पोस्ट।
प्र०—(१)प्रथम रचना का प्रकाशन-वर्ष (२)प्रचार, प्रचारक, प्रचारिणी
प्रका०—प्रकाशन, प्रकाशित, प्रकाशक, प्रकाशिका।
प्रां०—प्रांतीय।
बालो०—बालोपयोगी।
भूत०—भूतपूर्व।
महा०—महाकाव्य।
मा०—मासिक।
यू० पी० युक्तप्रांतीय (उत्तरप्रदेश)
वर्त०—वर्तमान, वर्तमान कार्य।
राज०—राजस्थान।
लेख०—लेखसंग्रह।
वि०—विशेष।
वि० वि०—विश्वविद्यालय।
शि०—शिक्षा और शिक्षास्थान।
संस्था०—संस्थापक, संस्थापिका, संस्थापना।
संचा०—संचालक, संचालिका, संचालित।
संयो०—संयोजक-संयोजिका।
संपा०—संपादक-संपादिका, संपादन, संपादित।
स०—सभा, सम्मेलन, समिति।
सद०—सदस्य-सदस्या।
सभा०—सभापति-सभानेत्री।
सम्मे०प्रयाग—हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
सह०—सहकारी।
सहा०—सहायक-सहायिका।
स्था०—स्थापना, स्थापित।
स्व०—स्वर्गीय।
सा०—सार्वजनिक - साहित्यिक सेवा और जीवकोपार्जन-कार्य।
सा०आ०—साहित्याचार्य।
सा० भू०—साहित्यभूषण।
सा० र०, सा० रत्न—साहित्यरत्न।
सा० लं०—साहित्यालंकार।
साप्ता०—साप्ताहिक।
हास्य० हास्यसंग्रह।

क्रम-सूची

विनम्र निवेदन

'हिंदी-सेवी-संसार' के प्रथम खड ('हिंदी-साहित्य-कार-कोश') में प्रकाशित परिचयों के संशोधन तथा जो परिचय इसमे प्रकाशित नही हो सके हैं, वे भी द्वितीय खंड को परिशिष्ट में छापने की योजना है। साथ ही प्रथम खंड का अँगरेजी संस्करण Who's Who of Hindi Writers भी छापना है। अतएव प्रत्येक हिंदी-सेवी-सेविका से निम्नलिखित निवेदन हैं—

१ अपने परिचय के संबंध में यदि कोई संशोधन-परिवर्द्धन हो अथवा पते मे कुछ परिवर्तन करना हो तो तुरत सूचना देने की कृपा करे।

२ अपने परिचित उन लेखकों-लेखिकाओ के नाम-पते भी भेजने की कृपा करें जिनके परिचय इस खड मे न छप सके हों।

३. 'संसार' के द्वितीय खंड के लिए 'हिंदी के श्रेष्ठ २५ ग्रंथ' के संबंध मे अपने प्रिय विषय अथवा विषयों की सूची अवश्य भेजने की कृपा करें। यदि वे चाहेंगे तो उनका नाम भी सूचियाँ भेजनेवालों के साथ प्रकाशित करके हमें प्रसन्नता होगी।

४. 'संसार' के संबंध में अपनी सम्मति लिखे। इसको और अधिक उपयोगी बनाने के लिए उनके सभी प्रकार के सुझावों को सादर स्वीकार किया जायगा।

विद्यामंदिर,
रानीकटरा,
लखनऊ ३

प्रेमनारायण टंडन
संपादक 'संसार'

हिंदी-सेवी-संसार

पहला खण्ड

हिंदी-सेवियों के परिचय

अजनीकुमार सिंह—ज० २ मई, '३५ ; शि० बी० ए० आनर्स, एम० ए० अँगरेजी, पटना वि० वि० ; प्र० ४८ में, प्रका० स्फुट निबंध, कहानियाँ एवं कविताएँ ; अप्र० 'ओजूर त्रिस्तेस' (अनु० उप०), प्रभात अमरीको ; वि० बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना से कई निबन्ध पुरस्कृत ; वर्त० अँगरेजी प्राध्यापक, साइंस कालेज, १ ब्लाक ३, फ्लैट ४१, राजेन्द्रनगर, पटना—४

अंबडिपुडि हनुमैया 'मारुति'—ज० ६ दिसम्बर, '२३ : शि० विजयवाडा एवं आगरा ; प्र० एकवीरा (तेलगु उप० का अनु०), प्रका० बौद्ध धर्म के मूल सिद्धांत, गौतम बुद्ध, (हिंदी से तेलगु में अनु०) एवं अनेक कहानियों के अनु०, गीत भी रचे हैं ; अप्र० वेला तथा हाहाहूहू (अनु० उप०) ; वर्त० अध्यक्ष जिला हिन्दी प्रचारक मंडली, वारंगल; प० सेन्ट्रल रेलवे हिंदी विद्यालय, काजीपेट, वारंगल (आंध्र)।

अंबाप्रसाद 'सुमन', डा०—ज० २१ मार्च, '१६ ; शि० एम० ए० हिंदी, आगरा वि० वि०, साहित्यरत्न, सम्मे० प्रयाग, हिंदी आनर्स, पंजाब वि० वि०, पी-एच० डी० भाषा-विज्ञान में आगरा वि० वि० ; सा० सद०, सम्मे० प्रयाग, ना० प्र० सभा, वाराणसी, अखिल भारतीय हिंदी परिषद, प्रयाग, ब्रज-साहित्य-मंडल, मथुरा उ० प्र० जनपद हिंदी साहित्य सम्मेलन, अलीगढ़ के मंत्री एवं सक्रिय कार्यकर्ता ; प्र० '३७ ; प्रका० वाङ्मयी '४८, अनुत्तर और हम '५०, आदर्श विभूतियाँ '५१, साहित्यरत्न-दिग्दर्शन तीन भाग, कृषक-जीवन-संबंधी ब्रजभाषा शब्दावली दो भाग (पी-एच० डी० का शोध-प्रबंध), अप्र० हिंदी भाषा और उसका व्याकरणिक विवेचन ; ४० शोधात्मक और लगभग १५० साहित्यिक निबंधों के संकलन, वि० 'कृषक-जीवन-संबंधी ब्रजभाषा-शब्दावली' दो भाग पर उ० प्र० सरकार द्वारा १९००) का पुरस्कार ; अनेक ग्रंथों और साहित्य के इतिहासों में आलोचनात्मक निबंध संकलित हो चुके हैं ; ना० प्र० सभा के 'बृहत् इतिहास' के षष्ठ भाग के एक लेखक, प्रांतीय प्रतियोगिता में कविता पर स्वर्णपदक प्राप्त ; वर्त० प्राध्यापक, हिंदी विभाग, अलीगढ़ वि० वि० ; प० ८/७ हरिनगर, अलीगढ़।

अंबाशंकर नागर, डा०—ज० ६ अगस्त, '२५, जयपुर, शि० एम० ए०, पी-एच० डी० '४८, राजस्थान वि० वि०, सा० गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद में '५२ से '५८ तक हिंदी प्राध्यापक, '५८ से बड़ौदा वि० वि० के हिंदी विभाग में प्राध्यापक, 'गुजरात की हिंदी-सेवा' विषय पर शोध-प्रबंध प्रका० निबंध-निचय, संगीत प्रबोध, प्राचीन हिंदी कविता एवं गद्य-संग्रह सूत्र-सुधार, आंतर भाषा-पाठावली (६ भाग) बोधक कहानियाँ

महापुरुषों के मन, गुजराती-हिंदी-कोश ; वि० 'अमिताभ' उपनाम से भी स्फुट रचनाएँ लिखी हैं ; प० हिंदी विभाग, बड़ौदा वि० वि०, बड़ौदा ।

अंबिकाप्रसाद उपाध्याय, आचार्य—ज० १८८९ शि० व्याकरणाचार्य, सा० '१५ से '१७ तक लंदन मिशन हाई स्कूल, नदेसर, काशी में अध्यापक, '१८ से '२० तक नाथ क्षत्रिय ब्रह्मचर्याश्रम, काशी में प्रधानाध्यापक, '२१ से '५२ तक संस्कृत महाविद्यालय, काशी में व्याकरण शास्त्राध्यापक ; '१२ से '१६ तक अन्वेषण कार्य, सद० हिंदू वि० वि० कोर्ट, काशी, हिंदी वि० वि० प्रयाग , प्रका० हितोपदेश, गीत-गोविंद एवं जयदेव कवि के सम्पूर्ण साहित्य का हिंदी में अनु०, शिशुपाल-वध (दो सर्ग), किरातार्जुनीय (३ सर्ग), दुर्गा सप्तशती, माघ-माहात्म्य आदि के संस्कृत से हिंदी में अनु० ; वि० संस्कृत, पाली, प्राकृत के विद्वान ; प० सभापति भवन, नरिया, काशी वि० वि०, वाराणसी—५ ।

अंबिकाप्रसाद वाजपेई, सम्पादकाचार्य—ज० ३० दिसम्बर, १८८० ; शि० कानपुर ज्ञा० अँगरेजी, संस्कृत, प्राकृत, उर्दू आदि भाषाओं का उत्तम ज्ञान ; प्रका० हिंदी-कौमुदी, हिंदी पर फारसी का प्रभाव, अभिनव हिंदी व्याकरण, शिक्षा (अनु०), हिंदुओं की राजकल्पना, भारतीय शासन-पद्धति, समाचार-पत्रों का इतिहास, उपमन्यु-वंशावली, हिंदुस्तानी मुहावरे, हिन्दू राज्यशास्त्र, चीन और भारत; एवं 'पर्शियन इंफ्लुएंस आन हिंदी' (अँगरेजी); सा० संपा० 'हिन्दी बंगवासी', 'नृसिंह' एवं 'भारतमित्र', कलकत्ता 'स्वतंत्र' काशी वि० संपादन-कला के विशिष्ट अनुभवी , प० नजरबाग, लखनऊ ।

अंशुमान शर्मा—ज० मई, '२९ ; शि० आचार्य (विहार), साहित्यरत्न सम्मे० प्रयाग, साहित्यालंकार (हिंदी विद्यापीठ, देवघर), काव्यतीर्थ (कलकत्ता), प्रका० साहित्य-दिग्दर्शन '५१, भारतीय साहित्य और स्रष्टा '५३, चिकित्सा एवं तत्व-दर्शन '५५,प्राच्य और पाश्चात्य विज्ञान '५६, सेवती काव्य-संग्रह '५८, चन्द्रावती और माधुरी (कहानी-संग्रह) '६०, निबन्ध-संग्रह '६१ ; सा० संस्था० साहित्य मंदिर तथा राष्ट्रीय महाविद्यालय. वर्त० आचार्य, राष्ट्रीय महाविद्यालय, सेवती , प० सेवती, मखदुमपुर, गया ।

अक्षयकुमार जैन—ज० ३० दिसंबर, '१५ ; सा० संपा० 'नवभारत टाइम्स' दिल्ली, सद० कार्यकारिणी समिति 'आल इंडिया न्यूज पेपर्स एडीटर्स कान्फ्रेंस', 'इंटरनेशनलप्रेस इंस्टीट्यूट' जेनेवा,' इंटरनेशन होम्स इन इंडिया', गत २५ वर्षों से पत्रकारिता-क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं ; प्रका० परित्यक्ता (कहानी-संग्रह) '२९, युगपुरुष राम '५४, साहसी संसार '५५ 'मेरी

राजस्थान यात्रा '५७, ईरान की कहानियाँ '५८, दूसरी दुनिया '५८, ब्रिटेन में चार सप्ताह '६० ; वि० 'युगपुरुष राम' सरकार द्वारा पुरस्कृत, योरोप और अमरीका की यात्रा की ; प० 'नवभारत टाइम्स', दिल्ली ।

अखिल विनय—ज० १५ अक्टूबर, '२६, पिलानी शि० एम० ए०, नागपुर और बिहार वि० वि०, सा० रत्न सम्मे० प्रयाग, प्रभाकर पंजाब वि० वि० ; सा० सद० 'पी० ई० एन०' बम्बई, भूत० सद० 'सर्वेंट्स आफ इंडिया सोसाइटी', पूना, मासिक 'विश्व-साहित्य' होशियारपुर के संपा० '५८ से '६१ तक, 'विश्वज्योति' होशियारपुर के संपा० मंडल में दो वर्ष तक ; अवैतनिक मंत्री, सहकार-भारती '५० से ; प्रका० हिंदी की पत्र-पत्रिकाएँ '४८, हमारी आदिम जातियाँ '५०, युग विभूति स्वामी शिवानंद '५३, राजा राममोहनराय '६१, गुरुदेव रवींद्रनाथ '६१ ; वि० उ० प्र० सरकार से 'हमारी आदिम जातियाँ' पुरस्कृत ; प० सारस्वत-सदन, पिलानी ।

अखिलेश मिश्र—ज० २३ अक्टूबर, '२८ सेमरौता, रायबरेली ; सा० समाचार-संपा० 'स्वतंत्र भारत', लखनऊ ; प्रका० विविध विषयक अनेक स्फुट रचनाएँ ; प० ४१/५ नई श्रमिक बस्ती, ऐशबाग, लखनऊ ।

अखिलेश्वरप्रसाद सिंह 'अखिलेश'—ज० '३३ ; शि० बी० ए० ; सा० सद० हि० सा० सम्मे० चम्पारन; प्रका० हास्यरसास्वादन, आमोद-प्रमोद, कहानी-मंजूषा ; प० हरपुरनाग, महेसी, बेतिया, चम्पारन ।

अख्तरुल इस्लाम—ज० १ सितंबर, '३६ ; शि० बी० ए० '५७ ; प्रका० स्फुट कहानियाँ ; अप्र० तीन कहानी-संग्रह , वर्त० मारकेटिंग इंस्पेक्टर, घटकेश्वर कालोनी, आगरा ; प० ७७ पुर्वा महावीर, मेरठ ।

अगरचंद नाहटा—ज० '१० , सा० ब्रज-साहित्य-मंडल की साहित्य परिषद के सभापति, अखिल भारतीय लोक - संस्कृति-सम्मेलन के लोक साहित्य विभाग के अध्यक्ष, 'राजस्थान भारती' शोध पत्रिका, 'मरुभारती' और 'वरदा' के संपा० मंडल के सद० ; प्रका० विधवा-कर्तव्य, युगप्रधान जिनचंद्र सूरि, दादा जिन कुशल सूरि, मणिधारी जिनचंद्र सूरि, दादा श्रीदत्त सूरि, संपादित : जसवंत उद्योग, कयाम खाँ रासा, ऐतिहासिक जैन काव्य-संग्रह, ज्ञानसागर - ग्रंथावली, सीताराम चौपाई, दम्पति-विनोद, बृहद हमीरायण, सभाशृंगारादि वर्णन-संग्रह आदि ; अप्र० राजस्थानी जैन साहित्य ; वि० लगभग दो हजार आलोचनात्मक लेख लिख चुके हैं , अपने बड़े भाई अभयराज नाहटा के नाम से स्थापित अभय जैन ग्रंथालय में २०,००० महत्वपूर्ण हस्तलिखित तथा २१ ००० मुद्रित ग्रंथों का सकलन

किया, अपने पिता जी की स्मृति में स्थापित श्री शंकरदान नाहटा कलाभवन में प्राचीन चित्रों, मूर्तियों एवं मुद्राओं का संग्रह किया है, जिनदत्त-सूरि अष्टम शताब्दी महोत्सव, अजमेर में जैन संघ की ओर से 'साहित्य' एवं 'इतिहासरत्न' की उपाधि प्राप्त ; प० नाहटों की गवाड़, बीकानेर।

अजितनारायण सिंह 'तोमर'—ज० २१ जून, '२५, शि० एम० ए० '५८ बिहार वि० वि०, सा० रत्न '५७ सम्मे० प्रयाग, बाल एवं वयस्क-साहित्य-रचना की टेकनीक का प्रशिक्षण, सर्वप्रथम स्थान, '५८ में; प्र० '४१ में; सा० संपा० 'रश्मि' त्रैमासिक ; प्रका० अलंकार सारावली '५४, जनगणमंगल '६०, माछपरी '६०, 'एजूकेशनल रिकांस्ट्रक्शन इन इंडिया' (अनु०) '६१, मानस की नारदमोह-कथा का तुलनात्मक अध्ययन '६१, काग महासभा (नवसाक्षरों के लिए कहा०) '६१ ; बज्जिका भाषा, मुहावरे-कहावतें '६१, परतछ के परमान को (बज्जिका भाषा का कथा-संग्रह) '६२, सचिवालय अभ्यास तथा कार्यप्रणाली (अनु०), सचिवालय अभ्यास शब्दावली, आयव्यय नियमावली शब्दावली, बिहार वित्तीय अधिनियम शब्दावली, बिहार कोषागार अधिनियम शब्दावली (अनु०) ; वि० लोकभाषा बज्जिका के प्राचीन गीतों का संग्रह ; प० बिहार राष्ट्रभाषापरिषद, पटना—४।

अत्रिदेव गुप्त, विद्यालंकार—ज० १९०२ ; शि० एम० ए० गुरुकुल काँगड़ी वि० वि० ; प्र० '२९ में, प्रका० चरक, सुश्रुत, अष्टांग हृदय, अष्टांग-संग्रह, प्रत्यक्ष शरीर (अनु०), हमारे भोजन की समस्या, संस्कार विद्या-विमर्श, धात्री-शिक्षा, स्वास्थ्य-विज्ञान, रस-पद्धति, न्याय-वैद्यक, क्लिनिकल मेडिसिन, शल्यतंत्र, प्राचीन भारत में प्रसाधन आदि लगभग २५ ग्रंथ ; वि० क्लिनिकल मेडिसिन, शल्य-तंत्र, प्राचीन भारत में प्रसाधन आदि पर प्रांतीय सरकार द्वारा पारितोषिक तथा श्री के० एम० मुंशी द्वारा स्वर्ण-पदक प्राप्त ; प० न्यू लेडीज कालेज, काशी वि० वि०, वाराणसी।

अनंतकुमार 'पाषाण'—ज० ११ जुलाई, '२६ इंदौर ; शि० बी० ए० आगरा वि० वि०, एम० ए० सेंट स्टीवेंस कालेज, दिल्ली ; प्र० '४१ में ; प्रका० स्फुट कविताएँ, कहानियाँ आदि ; अप्र० १५ गीत एवं कहानी-संकलन ; प० चंदन निवास, कुली रोड, अँधेरी, बम्बई।

अनवर आगेवान—ज० '३२ आकोला ; शि० सौराष्ट्र और बंबई ; जा० बँगला, उर्दू, गुजराती, मराठी, राजस्थानी, सिंधी और पंजाबी ; सा० 'प्रेमायन प्रकाशन' संस्था के संचालक, भूत० संपा० 'जयगुजरात'. रूपलेखा' मेघदूत प्रका गुजराती में लोकसाहित्य एवं संतसाहि

विषयक दस पुस्तके, हिंदी में रागदेश (डा० इकबाल की उर्दू कविताओं का संग्रह ; प० प्रेमायन, शिवराजगढ़, बाया गोंडल, सौराष्ट्र ।

अनसूया बेन पुराणी—ज० ५ जनवरी, '२४ ; शि० श्री अरविंदाश्रम पांडिचेरी ; प्रका० राजकुमार नाटक ; वि० बुन्देलखंड की वीरता-संबंधी कहानियों के संकलन में सलग्न ; प० श्रीअरविंदाश्रम, पांडिचेरी २ ।

अनसूयाप्रसाद पाठक—ज० लगभग '११ ; शि० संस्कृत मंजूषा, सा० रत्न ; जा० उड़िया, बंगला, सा० संचालक उत्कलप्रांतीय राष्ट्रभाषा-प्रचार सभा, कटक, प्रका० लगभग एक दरजन कहा०, उप०, आलो० तथा काव्य वि० '३३ से राष्ट्रभाषा-प्रचार-कार्य में संलग्न, अनेक वर्षों से 'राष्ट्रभाषा' पत्र के संपादक ; प० राष्ट्रभाषा-प्रचार सभा, राष्ट्रभाषा रोड, कटक—१ ।

अनिलकुमार—ज० २ दिसंबर, '२४, शि० नागपुर, साहित्यरत्न ; सा० 'आनंदबन' मासिकी (बंबई), 'मयूर' मासिकी (इंदौर) के परामर्शदाता, नवसंस्कृति-केंद्र, इंदौर के संस्था० ; प्र० '४४ से; प्रका० ग्रहों का निर्णय (रेडियो एकांकी) '५७, आओ बच्चो नाटक खेलें (तीन भाग), '५९, वि० 'आओ बच्चों नाटक खेलें' पर उ० प्र० सरकार द्वारा '६१ में पुरस्कार ; वर्त० सरकारी मासिक 'समाज सेवा' के संपा० विभाग में कार्य कर रहे हैं ; प० डी-१०/१३ महेश गार्ड लाइंस, लक्ष्मीनगर, इंदौर ।

अनूपलाल मंडल—ज० १९००, पूर्णिया ; शि० साहित्यरत्न ; सा० सर्वप्रथम बिहारी कथाकार जिनके उपन्यास 'मीमांसा' का फिल्म 'बहूरानी' बनाया गया ; सेठिया कालेज बीकानेर के भूत० अध्यापक, भूत० संपा० 'कैवर्त्त कौमुदी' ; प्रका० समाज की वेदी पर, सविता, निर्वासिता, साकी, रूपरेखा, ज्योतिर्मयी, मीमांसा, गरीबी के दिन, ज्वाला, वे अभागे, अभिशाप, दर्द की तसवीरें, हिमसुधा, अलंकार दीपिका, मुसोलिनी का बचपन, नारी-एक समस्या, दस बीघे जमीन, आवारों की दुनिया आदि ; अप्र० लगभग एक दर्जन रचनाएँ ; प० सामेली, नौगछिया, पूर्णिया ।

अनूप शर्मा—ज० ५ सितंबर, १८९९, नवीनगर, सीतापुर ; शि० 'स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट '१९, बी० ए० '२३, लखनऊ वि० वि०, एल० टी० काशी वि० वि०, एम० ए० आगरा वि० वि० ; सा० '२१ से २३ तक 'माधुरी' का एवं 'महिला-समाचार', 'मर्यादा', 'वर्तमान' (कानपुर), 'कवींद्र' (कानपुर) आदि में संपा० कार्य, '२५ से '२८ तक सेठ जयदयाल हाईस्कूल बिसवाँ में अध्यापक, '२८ से '३९ तक सर रामसिंह हाईस्कूल सीतामऊ में, '३९-'४० में धर्मसभा हाईस्कूल लखीमपुर में, '४० से '४६ तक के०

 एम० हाई

स्कूल धामपुर में, '४६-'४७ में कैमरिया ग्राम विद्यालय में और '४८ से '५२ तक पुनः धामपुर में प्रधानाध्यापक, '५४ से '५८ तक आकाशवाणी लखनऊ से कार्य किया ; प्रका॰ मृनाल (खंड॰) '२५-'२६, सिद्धार्थ (महा॰) '२८-'३०, सुमनांजलि (स्फुट) '२८-'३८, फेरि मिलिबो (चंपू, ब्रजभाषा) '३८, शर्वाणी (स्तवन) '४२-'४७, विराट संग्राम '४४, वर्द्धमान (महा॰) '४७-'४८, अग्निपथ (खंड) '५१ ; अप्र॰ गाँधी चरित्र (महा॰) ; प॰ द्वारा डा॰ विनीत शर्मा, मेडिकल आफ़ीसर, सि॰ हि॰, लखनऊ।

अनोखेलाल त्रिवेदी 'मुकुल'—ज॰ १३ अप्रैल, '२८ ग्वालियर ; शि॰ बागली, बड़नगर, उज्जैन, एम॰ ए॰, बी॰ एड॰ विक्रम वि॰ वि॰, सा॰ अध्यक्ष हि॰ सा॰ परिषद् उज्जैन '५८-'६०, हिंदी-विद्यापीठ के अवै॰ प्राचार्य ; प्र॰ '४६ में, प्रका॰ माटी के गीत '५८, आग और आँसू '६२ ; अप्र॰ देवता (उप॰) ; प॰ महाराजवाड़ा हायरसेकेंडरी स्कूल, उज्जैन।

अपूर्वप्रकाश शिल्पाचार्य – ज॰ १८ फरवरी, १९०८, लखनऊ ; शि॰ लखनऊ वि॰ वि॰, रोम (इटली), प्रका॰ प्रेमांजलि (कविता) '५२, वि॰ बँगला में रेडियोनाटक एवं कविताएँ तथा अँगरेजी में कलाशिल्प-संबंधी लेख ; प॰ डाइरेक्टर आर्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट, १५६, पीर जलील, लखनऊ।

अभयकुमार यौधेय—ज॰ २१ अगस्त '२३, लाहौर ; प्रका॰ अंधकार के पार '४६, अनामिका, मेरी मनुहार, स्कंध, चंद्रापीड, विश्व-समीक्षा, मार्शल की सलामी, पहला मूर्तिकार '५२, मुक्तिदूत '५४, शिवभक्त, अप्र॰ डंके की चोट, प॰ ४१ बड़ा बाजार, काँकर खेरा, मेरठ।

अमरकांत—ज॰ १ जुलाई, '२५ ; शि॰ बलिया, बी॰ ए॰ प्रयाग वि॰ वि॰ ; सा॰ '४२ के आंदोलन में भाग लिया, प्रगतिशील लेखक-संघ के मंत्री, 'अमृत-पत्रिका', 'सैनिक', 'भारत' तथा 'कहानी' के संपा॰ विभाग में कार्य ; प्र॰ '४८ में ; प्रका॰ जिंदगी और जोंक (कहा॰), सूखा पत्ता, पराई डाल का पंछी, ग्रामसेविका (उप॰), अप्र॰ ५-६ रचनाएँ ; प॰ द्वारा श्री सीताराम वर्मा, मुख्तार, स्टेशन रोड, बलिया।

अमरनाथ शुक्ल—ज॰ ५ मई, '२८ ; शि॰ इंटर, साहित्यरत्न ; प्र॰ '४८ ; प्रका॰ विवाहित जीवन, उप लालारुख, राही, कुलवधू ; बाल अशोक महान, माँ कह एक कहानी, गंगा तोरी लहर (सांस्कृतिक), वर्त॰ संचालक, विद्या प्रकाशन मंदिर ; प॰ १६८१, दरियागंज, दिल्ली।

अमरनाथ सिनहा—ज॰ २८ अगस्त, '३६ ; शि॰ बी॰ ए॰ आनर्स, एम॰ ए॰ (हिंदी) प्रथम श्रेणी में पटना वि॰ वि॰ पी-एच॰ डी॰ के छात्र

सा० सप्तपर्णी संस्था के संस्था० ; प्र० '५६ में ; प्रका० स्फुट कविताएँ, कहानी एवं लेख ; प० प्राध्यापक, हिंदी विभाग, बी० एन० कालेज, पटना ।

अमरनारायण अग्रवाल—ज० ८ जुलाई, '१६ ; शि० एम० ए०, डी० लिट० प्रयाग वि० वि०, शिक्षा-काल में क्वीन विक्टोरिया जुबिली मेडल, फैल्कटी आफ कामर्स मेडल आदि प्राप्त किये ; प्रका० समाजवाद की रूपरेखा, भारतवर्ष का आर्थिक भूगोल, ग्रामीण अर्थशास्त्र और सहकारिता, अर्थशास्त्र का परिचय, अर्थशास्त्र-प्रवेशिका, व्यापारिक पद्धति और यंत्र, भारतवर्ष के लिए उद्योगपतियों की योजना, यू० के० सी० सी० में भारत की शिकायत और लड़ाई की कहानियाँ ; वि० सभी कृतियाँ मौलिक, अर्थशास्त्र और वाणिज्य के अधिकारी विद्वान, 'समाजवाद की रूपरेखा' पर हि० सा० सम्मे० द्वारा मुरारका पारितोषिक ; प० ४, बलरामपुर हाउस, इलाहाबाद—१२ ।

अमरबहादुरसिंह 'अमरेश'—ज० १ मार्च, '२८, रायबरेली ; शि० मुस्तफाबाद, रायबरेली, सा० रत्न० सम्मे० प्रयाग ; प्र० '४५ में कविता, सा० कई साहित्यिक संस्थाओं से संबद्ध तथा 'द्विवेदी स्मारक-समिति' के सद० ; उ० प्र० सरकार द्वारा 'राणाबेनीमाधव' पुस्तक पर ३००) का पुरस्कार ; 'बापू की खून भरी छाती' कवि० पर दो स्वर्णपदक इत्यादि ; प्रका० कविता : बापू की खून भरी छाती '४८, उप० : भटकती लहरें, '५३, राजकलश '६० आदि, बालो० आँचल के दीप '६०, सत्तावन की लोक-कथाएँ '६० आदि ; वि० मलिक मुहम्मद जायसी कृत 'मसलानामा', सुखदेवमिश्र-कृत 'छंद विचार' तथा पहलवानदास-कृत उपखान-विवेक के संपा० में संलग्न ; प० दक्षिणी जहानाबाद, रायबरेली ।

अमरसिंह महता—ज० ८ मई, '३१, उदयपुर ; शि० बी० काम० राजस्थान वि० वि०, एम० काम० दिल्ली वि० वि०, विशारद सम्मे० प्रयाग, सा० सम्पा० 'स्वर्णहंस' '४९-'५० ; संवाददाता 'स्टेटसमैन', 'लोकवाणी', तथा 'प्रजा-सेवक' '५२-'५६, सहा० सम्पा० सार्वजनिक सम्पर्क कार्यालय, राजस्थान '५८, मुख्य-मंत्री के प्रेस सहायक अधिकारी, दिल्ली तथा जयपुर आकाशवाणी केन्द्रों से वार्त्ता-प्रसारण ; प्रका० स्फुट लेख, अप्र० राजस्थान का आर्थिक भूगोल आदि ; प० रैन बसेरा, हास्पिटल रोड, उदयपुर ।

अमरेंद्रनारायण—ज० १ फरवरी, '११ ; शि० मुजफ्फरपुर, एम० एस-सी० काशी वि० वि० ; प्रका० वैज्ञानिक विषयों पर स्फुट लेख, अप्र० वैज्ञानिक विषयों पर सुबोध ग्रंथ एवं कोयले का कार्बनीकरण नामक पुस्तक ; प० रजिस्ट्रार, विश्वविद्यालय, भागलपुर ।

अमीरमोहम्मद खाँ—ज० ९ दिसंबर, '११, शि० बी० ए० जामिया मिलिया एवं विक्रम वि० वि०, प्रका० स्फुट पुस्तकविज्ञान-संबंधी लेख, वर्त० पुस्तकाध्यक्ष, टी०आर०एस० कालेज, रीवाँ ; प० ४३ मेवातीपुरा, रीवाँ।

अमृतधर तल्ले—ज० १ अक्टूबर, '०८, लाहौर ; प्रका० हरिजन, कवन, नारी और राजधानी ; अप्र० कई पांडुलिपियाँ और संकलन प० अमृत बुक कम्पनी, कनाट सरकस, नई दिल्ली।

अमृतराय—ज० १५ अगस्त, '२१, कानपुर, शि० एम० ए० (अँग्रेजी), '४२ प्रयाग वि० वि०, सा० '४२-'५२ तक 'हंस' के संपा०, प्रका० उप० बीज, नागफनी का देश, हाथी के दाँत ; कहा० जीवन के पहलू, इतिहास, लाल धरती, कस्बे का एक दिन, भोर से पहले, कठघरे, गीली मिट्टी, यात्रा, सुबह के रंग, आलो० नयी समीक्षा, साहित्य में संयुक्त मोर्चा, जीवनी प्रेमचंद : कलम का सिपाही, अग्निदीक्षा (अनु०) ; वि० 'नागफनी का देश' (उप०) तथा 'गीली मिट्टी' (कहा०) पर उ० प्र० सरकार के पुरस्कार प्राप्त, वर्ष के सर्वश्रेष्ठ अनु० का पुरस्कार भारत सरकार की ओर से 'आदि विद्रोह' (अनु०) पर प्राप्त, प० १८ हेस्टिंग्स रोड, इलाहाबाद।

अमृतलाल 'अकिंचन'—ज० १० अप्रैल, '२७, प्र० '४७ में 'कुर्बानी' कहानी, सा० संपा० 'सिपाही' साप्ता०, सह० संपा० 'शिक्षा युगांतर', प्रका० स्फुट कहानियाँ, निबंध एवं एकांकी, वि० 'कुर्बानी' एवं 'कब कहूँ ? कैसे कहूँ ?' कहानियाँ पुरस्कृत, प० २/२ ए० सदर बाजार, सागर।

अमृतलाल ठाकोरदास, नाणावटी—ज० जुलाई, १९०६, शि० स्नातक '२८, अहमदाबाद, सा० '३२-'३४ में असहयोग सत्याग्रह आंदोलन में जेल गये, '२८ से '३४ तक गांधी जी के निकट संपर्क में तथा '३९ से राष्ट्रभाषा-प्रचार-कार्य में आचार्य काका कालेलकर के सहायक, मंत्री गाँधी हिंदुस्तानी साहित्य-सभा दिल्ली, हिंदुस्तानी-प्रचार सभा एवं भारतीय भाषा-संघ, प्रका० हिंदुस्तानी बाल पोथी (दो भाग), व्याकरण के पारिभाषिक शब्द, अनु० सद्‌बोधशतक, मंगल प्रभात, सर्वोदय, हिंद स्वराज्य, गाँधी जी, दो आम, कैद की आजादी यानी उत्तर की दीवारें, संपा० हिंदुस्तानी छोटी कहानियाँ, हिंदुस्तानी कहानियाँ भाग एक, फुलवारी (गद्य-पद्य-संग्रह), सफाई की दीक्षा, अप्र० अनासक्तियोग, मनोबोध, वर्त० मंत्री हिंदुस्तानी-प्रचार-सभा, वर्धा, प० राजघाट, नई दिल्ली—१।

अमृतलाल नागर, 'तस्लीम लखनवी', 'मेघराज', 'इंद्र'—ज० १७ अगस्त '१६ आगरा शि जा बँगला तामिल गुजराती

मराठी, प्रका० कहा- वाटिका, अवगेप, नवाबी मसनद, तुलाराम शास्त्री, एटमबम, एक दिन हजार दास्ताँ, पीपल की पर्ती, उप० महाकाल, सेठ बाँकेमल, बूँद और समुद्र, शतरंज के मोहरे, सुहाग के नूपुर, लघु उप० पाँचवाँ दस्ता ; क्षेत्रीय शोधकार्य ' गदर के फूल, ये कोठेवालियाँ, बाल० नटखट चाची, निंदिया आ जा, अनु० प्रेम की प्यास, काला पुरोहित, बिसाती (मोपासा की कहा०), आँखो देखा गदर (मराठी से), सारस्वत (मामा वरेरकर-कृत मराठी नाट०), दो फक्कड (मुशी-कृत गुजराती नाट०) : अप्र० इक्कीस रेडियो नाटक, डेढ़ सौ रेडियो वार्त्ताएँ तथा स्फुट निबंध ; वि० संगम, कुँवारा बाप, उलझन, किसी से न कहना, पैगाम, पराया धन, आगे कदम, राजा, वीर कुणाल, कल्पना, मीरा और गुंजन नामक फिल्मो के संवादलेखक, उत्तरप्रदेशीय सरकार द्वारा अनेक बार पुरस्कृत, रूस की यात्रा कर आये है . प० चौक, लखनऊ।

अयोध्यानाथ शर्मा—ज० ८ दिसंबर, १८८७ शि० एम ए० (हिंदी) '२४, काशी वि० वि०, सा० '२६-'५८ तक सनातन धर्म कालेज, कानपुर मे हिंदी विभाग के प्रोफेसर तथा अध्यक्ष, २५ वर्षो तक आगरा वि० वि० के हिंदी 'बोर्ड आव स्टडीज' के संयोजक, आगरा वि० वि० के आरंभ से 'फैकल्टी आव आर्ट्स', 'बोर्ड आव स्टडीज' तथा 'एकेडेमिक कौसिल' के सद० रहे, काशी ना० प्र० सभा की प्रबंध-समिति के सद०, हिंदी साहित्य एकेडमी इलाहाबाद की कार्यकारिणी के भूत० सद०, सम्मे० प्रयाग की स्थायी-समिति, परीक्षा-समिति तथा अन्य अनेक समितियों के विशिष्ट सद० रहे, अनेक हिंदी प्रचारक समितियो के सहायक और परामर्शदाता, 'हिंदी शब्द-सागर' के सह-संपा०, प्रका० उज्ज्वल, गद्य-मुक्तावली, गद्य-मुक्ताहार, प्रभावली, साहित्य-कुसुम, बाल-व्याकरण, वि० हिंदी मे शोध-कार्य का संगठन करने वाले व्यक्तियो में अग्रणी, प० ८/१३१ साकेत, आर्यनगर, कानपुर।

अयोध्याप्रसाद अचल—ज० २३ जुलाई, '२४, शि० एम० ए० (दर्शन) लखनऊ वि० वि०, एम० ए० (मनोविज्ञान) काशी वि० वि०, प्र० ४० में, सा० संपा० 'स्वतन्त्र', झाँसी, 'मजदूर' एवं 'ससार', पटना, ; प्रका० मेरा अपराध '४४, विवाह ही क्यों '४६, अभिशाप '४८, बाल-मनोविज्ञान की रूपरेखा '५२, कागज की नाव '५४, अल्लाह ईश्वर तेरे नाम '५७ ; प० प्राचार्य, जगजीवन महाविद्यालय, बुनियादगंज, गया।

अयोध्याप्रसाद गोयलीय—ज० ७ दिसंबर, १९०८, शि० व्याकरण-न्याय मे विशारद, सा० '३० में दिल्ली के प्रथम नमक सत्याग्रही '४४ से

'५८ तक भारतीय ज्ञानपीठ काशी के अवै० मंत्री भूत० संपा० 'अनेकांत' (मा०), 'वीर' (साप्ता०), 'जैनोदय' (मा०) : प्रका० दान-पुण्यांजलि '२५, राजपूताने के जैनवीर, मौर्य साम्राज्य के जैन वीर '३०, आर्यकालीन भारत '३६, उर्दू शायरी का इतिहास ; लघु कथाएँ—गहरे पानी पैठ, जिन खोजा तिन पाइयाँ, कुछ मोती कुछ सीप, संस्मरण : जैन जागरण के अग्रदूत; प० लेबर वेलफेयर आफिसर, डालमिया नगर ।

अरविंद कुमार 'अशेष'—ज० शेखपुरा, मुँगेर, शि० एम० ए० '६०, जा० पाली, बँगला, असमिया, सिंहली, वर्मी, तिब्बती ; सा० मंत्री सांस्कृतिक संघ, किला विहारशरीफ ; प्रचा० जिला राष्ट्रभाषा प्रचार-समिति, मुर्शिदाबाद ; प्रका० अलकार-सोपान, रस-प्रबोध, रस और पिंगल, काव्य-कौमुदी, नव प्रसून आदि, प० अरविंद-कुटीर, किला विहारशरीफ, पटना ।

अरविंद जोशी—ज० २ अगस्त, '३३ शि० बी० ए० आनर्स, एम० ए० गुजरात वि० वि०, सा० रत्न ; बड़ौदा वि० वि० में 'हिंदी-गुजराती रास-रासो साहित्य की विशिष्टता' पर शोध प्रका० भूदान-क्रांति (काव्य) '५५, निबंध-प्रदीप '५६, हिंदी-निबंध-निधि ६०, वर्त० अहमदाबाद के एच० के० आर्ट्स कालेज में हिंदी-प्राकृत-प्राध्यापक, प० ५, नवजीवन ब्लाक, अहमदाबाद १४।

अरविंदमोहन, डा०—शि० एम एस-सी० '४८, डी० फिल० '५१ प्रयाग वि० वि०, प्र० '५१ में, प्रका० इन्द्रधनुष '५८-'५६ ; वि० ऋण किरणें, टेनिस, टेबुल टेनिस, एवं अन्य लगभग २४० लेख प्रकाशित कराये हैं जिनके विषय ऊर्जा स्रोत, परमाणु - शक्ति, अंतरिक्ष - विज्ञान, भूगर्भ विज्ञान आदि हैं ; प० विज्ञान-विभाग, वि० वि०, प्रयाग ।

अरुण—ज० ३ जनवरी, '२८, शि० एम० ए० मेरठ, सा० प्रगति-शील साहित्यकार - परिषद के प्रधान '५८ में ; प्र० '४४ में, प्रका० नरक का कीड़ा, मृत्यु में जीवन, सचित्र गृह-विनोद, सचित्र व्यंग-विनोद, भूत भाग गया, अमृत और विष, साहित्य में सत्य तथा तथ्य, महापुरुषों के संस्मरण, रेलगाड़ी के डिब्बे, भोर की किरणें, मनुष्य कैसे पैदा हुआ, हास-परिहास, नुक्कड की बत्ती और रास्ते, साहसी अलका, बुलबुला, तूफान और विस्फोट, फक्कड़ की फाइल ; वि० उ० प्र० सरकार से 'सचित्र गृह-विनोद' पर ४००) का पुरस्कार प्राप्त, प० निष्काम प्रेस, मेरठ ।

अरुणकुमार द्विवेदी—ज० १८ जुलाई, '३७, प्र० '५८ ; सा० भूत संपा० 'मानव', प्रका० स्फुट, अप्र० अंगफूल, प० चौबिगही, बिल्हौर, कानपुर।

अरुणा, श्रीमती—ज० २५ सितंबर '१८, जबलपुर, शि० एम० ए०

सा० 'निरुपमा' संस्था की मंत्राणी ; प्रका० हमारा जवाहर, रजनी (उप०) . प० संचा० विद्याविला, ८५ एस, ब्लाक ई, न्यू अलीपुर, कलकत्ता ३३ ।

अर्जुन चौबे काश्यप—ज० ३ जुलाई,' १६, शि० एम ए० (परीक्षा में सर्वप्रथम), बी० टी० वाराणसी, एम एड० इलाहाबाद; सा० प्रसाद-परिषद्, काशी के संस्था० सद० एवं प्रथम साहित्य-मंत्री '३८, मगध-कलाकार-समाज, गया के संस्था० एवं सभापति, अखिल भारतीय दर्शन-परिषद् के संस्था० एवं उपाध्यक्ष '५६, हिंदी भा० सम्मे० गया के उपसभापति तथा भूत० प्रधान मंत्री, सच्चिदानंद सिनहा डिग्री कालेज, गया के प्राचार्य '५८ से '६१ तक, प्रतापगढ़ डिग्री कालेज के प्रिंसिपल '६१ से; संपा० 'निनगारी', 'साथी' 'मगध-महान' और 'लोकमंच', प्र० '४८; प्रका० एक० परमाणु बम, नया युग, कवि-प्रिया; कविता : दो क्षण, जागते सपने; प्रियदर्शी अशोक (नाट०), धर्मशास्त्र का इतिहास, आदि भारत, विश्व का इतिहास एवं सभ्यता का परिचय, आदि मिस्र, तथा मनोविज्ञान पर अनेक पुस्तकें, वि० राय बहादुर दयाराम सहानी स्वर्णपदक प्राप्त' ४१, राव बहादुर रामास्वामी आयंगर पुरस्कार '४१, सामान्य मनोविज्ञान (दो खंड), तथा बाल - मनोविज्ञान पर उ० प्र० सरकार द्वारा ७००-७००) के दो पुरस्कार '५२ में, सबोधि की छाया में (नाट०) पर उ० प्र० सरकार द्वारा ६००) का पुरस्कार '५८ में प्राप्त; प० प्राचार्य, डिग्री कालेज, प्रतापगढ़ ।

अलीशेर 'अलि' यादव—ज० २० अक्टूबर, '१७ शि० पी० टी० सी०, सा० रत्न सम्मे० प्रयाग, प्र० बेसिक गीत '४०, सा० प्रचार मंत्री राष्ट्रभाषा विद्यापीठ मेरठ, मंत्री ग्राम सभ्य समाज सिंगावली, सद० प्रगतिशील साहित्यकार-परिषद् तथा कविकुंज, मेरठ; प्रका० मोहन-माला और विनय-माला '५०, अलीशेर की ट्ठलियाँ '५१, अली-काव्य-गीत, कलियुगी अमृत '५३; वि० कवि सम्मे० मुजफ्फरनगर ('४१) में पदक, अध्यापक मंडलोत्सव सन् १९३७ में कविता पर पदक, प० सिंगावली अहीर, खास, बागपत, मेरठ ।

अवधनंदन—ज० १९००, छपरा ; सा० '२० से '३२ तक दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा के मंत्री रहे, अनेक केंद्रों का संचालन किया, प्रका० हिंदी शिक्षा-कला '५०, वीर दुर्गादास '५१; प० दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, त्यागराय नगर, मद्रास-१७ ।

अवधबिहारी पांडेय डा०—ज० १९ नवंबर, '२०, शि० बी० ए० प्रथम श्रेणी, एम० ए० प्रथम श्रेणी, डी० फिल, प्रयाग वि० वि०; सा० भूत० संयोजक इतिहास-वर्ग, हिंदी सा० सम्मे० प्रयाग; प्रका० भारतवर्ष का इतिहास,

इँग्लैंड का वैधानिक इतिहास, नागरिक शास्त्र की रूपरेखा, भारतीय नागरिकता तथा शासन-पद्धति, भारतीय शिक्षा-विकास की कथा; प० बम-रौली, मूसानगर, कानपुर।

अवधविहारी पाठक—ज० १ जनवरी, '३८, शि० एम० ए० संस्कृत, हिंदी तथा दर्शन, पटना वि० वि०, प्रका० स्फुट रचनाएँ, प० प्राध्यापक, हिंदी विद्यापीठ, देवघर, संथाल परगना।

अवधविहारीशरण वाजपेयी वैद्य, 'अवधैया'—ज० १८९१, प्रका० स्फुट, अप्र० ग्यारह काव्य और वैद्यक ग्रंथ, प० ग्राम देवमयी, फतेहपुर।

अवधेंद्रदेवनारायण—ज० और शि० छपरा; सा० एक वर्ष तक विहार राष्ट्रभाषा-परिषद के अनुसंधान विभाग में भोजपुरी-शोधकर्त्ता के रूप में कार्य, आकाशवाणी पटना से आयोजित कवि-सम्मेलनों में भाग; प्र० '४५, प्रका० स्फुट, प० गवर्नमेंट ट्रांसपोर्ट आफिस, गया।

अवधेशकुमार श्रीवास्तव—ज० २० जनवरी, '३१, शि० शाहाबाद, बनारस, पटना; प्र० '४७; सा० जिला हि० सा० सम्मे० शाहाबाद के सद० तथा 'कला संगम' के प्रधान मंत्री, 'आर्यावर्त' के संवाददाता, 'हिन्दुस्तान समाचार' (समाचार-समिति) के प्रतिनिधि; प्रका० अनेक बालो० रचनाएँ; प० हिंदी अध्यापक, हायर सेकेंड्री स्कूल, तिलौथू, शाहाबाद।

अवधेशनारायण मिश्र 'दीपक'—ज० १ फरवरी, '२७; शि० एम० ए० (हिंदी), एल-एल० बी० लखनऊ वि० वि०; सा० व्यवस्था-मंत्री पांचाल साहित्य परिषद, फरुखाबाद, प्रका० मीनाक्षी (खंड०) '५३, मल्लिका (कवि०) '५८; वर्त० 'निराला और उनका काव्य' विषय पर शोध-प्रबंध लिख रहे हैं, प० लोहाई रोड, फरुखाबाद।

अवनींद्रकुमार—ज० मार्च, '१९०८, दानापुर, शि० गुरुकुल काँगड़ी, हरद्वार; सा० संपा० साप्ता० 'आर्य' '२८ से '३० तक, सहसंपा० 'शिशु-सखा', 'रंजना' '५२ से '५५ तक, 'नवभारत' '३६ से '४४ तक, संपा० 'नवयुग' '४५-४७, '४७ से 'नवभारत' के प्रधान संपा०, प्रोफेसर राजनीति, विहार विद्यापीठ '३०-३१, दानापुर काँग्रेस के प्रधान मंत्री '३१; प्रका० साम्राज्यवाद, घर-बाहर, ऐतिहासिक कहानियाँ, सरल अर्थशास्त्र, सामुदायिक विकास, बिजली और सिंचाई, शिवाजी (अनु०); प० इतिहास सदन, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

अशोक—ज० २० मई, '२२, शि० जाजगीर, बिलासपुर, सिवनी और बरेली, एम० ए०; सा० संपा० मासिक 'इंद्र-धनुष' '४७ में, 'सावन-भादों'

'५२ में, एवं 'बाल-सेवा', 'कन्या', 'आराधना', 'चेतना', 'मंगला' और 'शक्ति'; प्र० '३७ ; प्रका० फुलझड़ी '४२, घुनघुना और राजाभैया '४३, सोने का राजकुमार '४६, नवपल्लव और रहस्यमयी '४७, मोहनभोग, मोतीचूर का भट्टा '४७, भतों का डेरा. जादू का मजीरा, जादू का झूला, सोन चिरैय्या '४९, सहोदरा '५०, धरती के लाल '५२, हीरा-मोती, मुर्दा राजकुमार '५८, शबनम, मीना बाजार '५९, तितली '६०, ; वि० 'चाँद शरमा गया' नामक फिल्म के संवाद तथा गीत लिख रहे हैं; प० अरविन्द-कुटीर, इमामबाड़ा रोड, ट्रस्ट आफिस के पास, अजनी, नागपुर—२ ।

अशोक महाजन—ज० ६ जुलाई, '४२ . शि० बी० ए०, प्र० '५९, प्रका० कांगों की क्रांति '६१, पाप '६२ ; प० ११८/२८, कौशलपुरी, कानपुर ।

अशोक वाजपेयी—ज० २४ जनवरी, ४१ , शि० बी० ए० सागर वि० वि०, एम० ए० अँगरेजी में दिल्ली वि० वि० ; सा० 'समवेत' (संकलन) के एक संपा० ; प्र० '५४ में ; प्रका० स्फुट , प० गोपालगंज, सागर ।

अश्विनीकुमार चित्तौड़ा—ज० ६ मार्च, '३० , शि० एम० ए०, बी एड०, सा० रत्न० ; सा० संस्था० हिन्दी विद्यापीठ, बिजोलिया : प्रका० स्फुट , प० राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भीलवाड़ा, राज० ।

आत्मानंद मिश्र, डा०—ज० १ सितंबर, '१३, शि० एम० ए०, बी० एस-सी०, एल-एल० बी०, बी० टी०, काशी एवं प्रयाग वि० वि०, डी० लिट० सागर वि० वि०; प्र० '३४ में; प्रका० शिक्षा-संबंधी : भूगोल-शिक्षण-पद्धति, शिक्षण-कला, अध्यापन-सूत्र, हास्य : मजे में तो हैं, नमस्ते, जो है सो (लेख-संग्रह); वि० डी० लिट्० का विषय था 'एजूकेशनल फाइनेंस इन इंडिया'; हास्य के कुशल लेखक; प० प्राचार्य, प्रांतीय शिक्षण महाविद्यालय, जबलपुर ।

आदित्य मिश्र, 'कुमार'—ज० '१३, इटावा; शि० बी० एस-सी कलकत्ता वि० वि०; सा० संस्था० तथा संचा० मासिकी 'दूध-बताशा' ; 'भारत मित्र' के संपादकीय मंडल में, भूत० संपा० 'अभिनय' एवं 'विश्वमित्र'; प्रका० समाज की बात, प्रेम का मूल्य, दिल का सौदा (उप०); प० संपा०; 'चित्रलोक', ८५ एस, ब्लाक 'ई', न्यू अलीपुर, कलकत्ता ३३ ।

आद्याप्रसाद त्रिपाठी—ज० १ फरवरी, '२९; शि० सा०रत्न सम्मे० प्रयाग, एम० ए० हिंदी विक्रम वि० वि० प्रथम श्रेणी मे प्रथम ; प्र० '४९ में, प्रका० स्फुट. वि० पी-एच० डी० के लिए शोधकार्य में संलग्न, वर्त० प्राध्यापक, ठाकुर रणमतसिंह कालेज, रीवाँ; प० पांडेन टोला, रीवाँ ।

आनंद काश्यप—ज० ५ अक्टूबर, '३६; शि० एम० ए० समाजशास्त्र;

'२२८८

प्र॰ '५५; प्रका॰ स्फुट कविताएँ, वि॰ राज-साहित्य-अकेडमी से फेलोशिप प्राप्त; वर्त॰ प्राध्यापक समाजशास्त्र विभाग, वनस्थली विद्यापीठ, प॰ द्वारा श्री बेनी माधव शर्मा, ऐडवोकेट, रामपुरा बाजार, कोटा।

आनंद कौसल्यायन, भदंत—ज॰ ५ जनवरी, १९०५ मोहना, अंबाला; शि॰ बी॰ ए॰; प्रका॰ जातक (६ खंड), महावंश, सच्च संग हो, जो न भूल सका, जो लिखना पड़ा, कहाँ क्या देखा, पच्चीसवाँ घंटा, अछूत कौन और कैसे, जातक-कथा, भिक्षु के पत्र, बुद्ध और उनके अनुचर, रेल का टिकट, बहानेबाजी, स्वतंत्र चिंतन, धर्म के नाम पर, भगवान बुद्ध और उनका धर्म, तथागत, तुलसी के तीन पत्र, धम्मपद, बुद्ध-वचन, अंगुत्तर निकाय; वर्त॰ पिछले तीन वर्षों से लंका के विद्यालंकार वि॰ वि॰ में हिंदी विभागाध्यक्ष, प॰ हिंदी विभागाध्यक्ष, विद्यालंकार वि॰ वि॰, केलनिया, लंका।

आनंदनारायण शर्मा—ज॰ १५ अप्रैल, '३०, पटना में; शि॰ बी॰ ए॰ आनर्स '४८, एम॰ ए॰ (हिंदी) '५० पटना वि॰ वि॰; सा॰ संपा॰ श्रीरामचरित-अभिनंदन-ग्रंथ, उपसभापति हिंदी साहित्य सम्मेलन पटना, मंत्री साहित्य-कला-परिषद बेगूसराय, प्रका॰ स्फुट रचनाएँ, अनेक संकलनों में लेख और कविताएँ संगृहीत, वि॰ निराला-साहित्य के विशेष अध्ययन में संलग्न; प॰ प्राध्यापक, गणेशदत्त डिग्री कालेज, बेगूसराय, मुंगेर।

आनंदप्रकाश जैन—ज॰ १५ अगस्त, '२७ शाहपुर, मुजफ्फरनगर; सा॰ '४२ के स्वतंत्रता संग्राम में दो वर्ष का कारावास, संचा॰ संपा॰ कहानी मासिकी 'कल्पना' '४७ में, प्र॰ '४० में; प्रका॰ कहा॰ अतीत के कंपन, काल के पंख, आटे के सिपाही, लाल पन्ने, चार आँखें, मुर्गे; उप॰ कठपुतली के धागे, तीसरा नेत्र, पलकों की ढाल, आग और फूस, अदृश्य मानव (दस खंड), चाँद की मलका (दस खंड), अनु॰ शिकारी कुत्ता, चिड़िया की तिग्गी, पाल का इक्का, पचास सदी बाद, सागर और मनुष्य, सागर की खोज, एवं महात्मा गांधी, डा॰ राजेंद्र प्रसाद, प॰ जवाहर लाल नेहरू आदि की जीवनियाँ; वि॰ नवसाक्षर पुस्तकमाला में लगभग सवा सौ पुस्तकें लिखी हैं; प॰ संपा॰ 'पराग', टाइम्स आफ इंडिया बिल्डिंग, बम्बई।

आनंदप्रकाश दीक्षित, डा०—ज॰ ६ फरवरी, '२५; शि॰ एम॰ ए॰ (हिंदी) मेरठ कालेज, एम॰ ए॰ (संस्कृत) और पी-एच॰ डी॰ (हिंदी) आगरा वि॰ वि॰, सा॰ संपा॰ 'रागी'; 'हिंदी विश्वकोश' तथा 'साहित्य कोश' के लेखक एवं शोध-निर्देशक; प्र॰ '३९ में; प्रका॰ तुलसीदास : वस्तु और शिल्प '६०, सौंदर्यतत्व (बँगला से अनु॰) '६०, रस-सिद्धांत : स्वरूप-विश्लेषण (शोध

प्रबंध) '६०; वि० 'रस-सिद्धात : स्वरूप विश्लेषण' पर उ० प्र० शासन द्वारा पाँच सौ रुपये का पुरस्कार; 'हिंदी काव्यशास्त्र की सभावनाएँ' नामक प्रबध डी० लिट्० उपाधि के लिए तैयार कर रहे हैं; वर्त० हिंदी विभाग, गोरखपुर वि० वि०; प० ३।१०६ कसिया रोड, गोरखपुर।

आनंद मिश्र—ज० ५ जनवरी, '३४, सा० ग्वालियर के ३१ कवियों के रचना-संकलन 'आस्था के शिखर' एवं मध्यप्रदेश के साहित्यकारों के रचना-संकलन 'पूर्वा' का सपा० ; प्रका० काव्य · साधना '५२, चन्देरी का जौहर, झाँसी की रानी '५७, हिमालय के आँसू '६१ ; अप्र० अकुर की आस्था ; वि० लगभग सभी पुस्तके पुरस्कृत, 'हिमालय के आँसू' २१००) के देवपुरस्कार द्वारा सम्मानित ; प० जयेन्द्रगज, ग्वालियर।

आनंदवर्धन रामचंद्र रत्नपारखी—ज० २८ दिसबर, '१८, शि० विद्यालंकार काँगडी वि० वि० ; प्र० '५४ में, प्रका० कवि-विहग '५४, रश्मिहास '५६, साध्यरव '५६, सस्कृत एकांकी 'संवादमाला' '५८, वि० मातृभाषा मराठी है, परतु पद्य केवल हिंदी मे और गद्य सस्कृत मे लिखते हैं, प० एफ २६, नौरोजीनगर, नई दिल्ली—१६।

आनंदशंकर माधवन—शि० एम० ए०, सा० समस्त भारत की पद-यात्रा की है, संस्था० मंदार विद्यापीठ, एक अस्पताल, मातृसेवा मंदिर एव प्रेस ; 'प्राच्यभारती' मासिकी के सपा०, प्रका० बिखरे हीरे, अनलशलाका, हिंदी आदोलन, अनामत्रित मेहमान, अप्र० प्रसव-वेदना, खजूर के पत्ते, वैदिक अणुशक्ति, दार्शनिक निदान आदि, वि० बिहारराष्ट्रभाषापरिषद द्वारा 'अनामत्रित मेहमान' पुरस्कृत, प० मदार विद्यापीठ, भागलपुर।

आर० जनार्दन पिल्ले—ज० २७ फरवरी, '१८, शि० बी० ए०, केरल वि० वि०, एम० ए० अलीगढ़ वि० वि०, केरल वि० वि० के शोध-छात्र, सा० '४८ से तिरुवन्तपुरम् के महात्मा गाँधी कालेज में हिंदी विभाग के अध्यक्ष, संस्था० 'हिंदी करस्पाडेस स्कूल', तिरुवन्तपुरम रेडियो स्टेशन से कविता-पाठ तथा वार्त्ताएँ प्रसारित, प्रका० पंडित जवाहरलाल जी की जीवनी '५०, सरस कहानियाँ, प० अध्यक्ष हिंदी विभाग, महात्मा गाँधी कालेज, त्रिवेंड्रम—४।

आनंदभैरव शाही—ज० '२८, शि० एम० ए० दर्शन '५२, तथा मनोविज्ञान '५३ काशी वि० वि०, सा० काशी में तुलसी-पुस्तकालय, तुलसीदास-रामलीला-समिति, चेतना, ओंकार परिषद, साहित्यिक सघ आदि संस्थाओ मे विभिन्न पदो पर कार्य, एक वर्ष एक दैनिक 'सन्मार्ग' में समाचार-विभाग के सह-संपा०, ना० प्र० सभा काशी के प्रामाणिक अनवादकों में 'वासंती'

मासिकी वाराणसी के सपा० में सहयोग, प्र० '४१ में ; प्रका० कवि० ' लहरियाँ '४४, विशल्य '५८, अप्र अनु० रुबाइयात उमर खैयाम , प० (१) चकना, मुजफ्फरपुर। (२) भदैनी, वाराणसी १।

आर० पी० साहु, स्वामी—ज० २० मार्च, '१३, शि० प्रवेशिका; सा० सपा०-प्रका० 'संदेश'-'क्रूसवीर' (पत्रिकाएँ), प्रभात साहित्यमाला, नीति-शिक्षा संबंधी हिन्दी तथा अंग्रेजी पुस्तकें; प्र० 'हम' '३६ मे, प्रका० जीवनी पुष्पा '४२, संत मरियम गोरेत्ती '५३, संत दोमिनिक सावियो '५८, सन पीउस दसवें '५८, नाटक : संत फ्रांसिस जेवियर '५२, त्यागमूर्ति डेमियन '५३, खीस्ट जयंती '५७, प्रेम की विजय '५८, अन्य : चारो सुसमाचार '४०, भजनावली '४८, चिनगारी '४८, मरियम की लघुवंदना '४८, नया व्यवस्थान '५०, ख्रीस्तानुकरण '५०, भक्तिमाल '५७, प्रवेशिका ब्राह्मण '५८, बाल-नीति-शिक्षा दो भाग '५८, जीवन-निर्माण दो भाग '६० त्रि० अनेक पुस्तकें ॲंगरेजी में भी हैं; प० पवित्रतम हृदयनिवास, दीघाघाट, पटना११।

आर० माधवी, श्रीमती—ज० '२८, तत्तमंगल, पालघाट, कोचीन, शि० हिन्दीरत्न, सा० मैसूर हिन्दी प्रचार-परिषद की प्रचारिका, श्री कस्तूरबा गांधी शिक्षण शाला की उपाध्यक्षा तथा संस्थापिका, सरकारी वाणी विलास इंस्टीट्यूट में हिन्दी अध्यापिका, प्रका० राजभाषा रीडर (दो भाग), महात्मा धर्मराज, प० द्वारा टी० वी० मेनन, ३७/४, मेन रोड, चामराज पेट, बँगलौर-२।

आर० वीभिनाथन—ज० लगभग '२१, शि० 'विद्वान', 'प्रवीण', मद्रास मे, सा० दक्षिण भारत हिंदी-प्रचार सभा त्रिचनापल्ली में हिंदी का प्रचार, सह-सपा० 'हिंदी पत्रिका', हिंदी भाषा - शिक्षक, हिंदी प्रचार-सभा रजत जयंती विशेषांक के संपादकीय विभाग मे कार्य; स्फुट ४०० रचनाएँ प्रकाशित हो चुकी हैं, आकाशवाणी मद्रास मे नाटक तथा वार्त्ताएँ प्रसारित, उप सपा० 'कल्कि'; प्रका० हिंदी सुलभ बोधिनी '५२, वाणी हिंदी सुबोधिनी '५७, तथा तामिल और गुजराती से हिंदी मे अनु; प० द्वारा 'कल्कि', मद्रास-१०।

आरसीप्रसाद सिंह—ज० १९ अगस्त, '११, एरौत, दरभंगा, शि० इंटरमीजिएट, सा० अप्रैल, '४८ से जनवरी, '५१ तक कोशी डिग्री कालेज, खगडिया, मुंगेर में हिंदी अध्यापक, '५६ से '५८ तक आकाशवाणी के साहित्यिक कार्यक्रमो के संचा०, प्र० '२८ में, प्रका० आजकल '३७, कलापी '३८, संचयिता '४२, आरसी '४२, पंचपल्लव '४२, खोटा सिक्का '४२, जीवन और यौवन '४४, कालरात्रि, चंदा मामा '४४, नयी दिशा '४४, पांचजन्य '४५, एक प्याला चाय '४५ आँधी के पत्ते '५४, चित्रो में लोरियाँ '५२

ओनामासी '५३, नंददास '५२, प्रेमगीत '५४, रामकथा '५४, जादू की वंशी '५४, ठंडी छाया '५६, माटिर दीप (मैथिली) '५८, वर्त० आकाशवाणी लखनऊ में कार्य करते हैं प० पुराना किला, कैंट रोड, लखनऊ।

आलोक शीशोदिया—ज० १६ नवम्बर, '३०, शि० एम० ए०, बम्बई, राजस्थान और पंजाब में सा० प्रधान सपा० 'अल्वेला' मासिक, सपा० 'अनुजा' मासिक, प्र० '५५ में, प्रका० स्फुट वि० कुछ पत्रों के नियमित 'फीचर'-लेखक, प० जालोरियों का वास, फतहसागर नहर, जोधपुर।

आशारानी व्होरा—ज० अप्रैल, '२१, झेलम, पश्चिमी पंजाब, शि० हिंदी प्रभाकर, बी० ए०, प्र० '४६, में प्रका० स्फुट रचनाएँ अप्र० 'आग का आभार', प० फ्लैट न० १०, न्यू मार्केट, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली १२।

आशीर्वादीलाल श्रीवास्तव—ज० ७ अगस्त, १९०१, सीतापुर; शि० बी० ए० आनर्स, एम० ए० (इतिहास) प्रथम श्रेणी, पी-एच० डी '३२, लखनऊ वि० वि०, डी० लिट० '३८, आगरा वि० वि०, सा० 'पंजाब वि० वि० हिस्टोरिकल सोसाइटी जर्नल' का '४५-'४७ में, 'आगरा कालेज जर्नल आव हिस्ट्री एंड पोलिटिकल साइंस' का '५२-'६२ तक एवं उत्तरप्रदेशीय वि० वि० के 'रिसर्च जर्नल' 'दि उत्तर भारती' का '५७ से अब तक सपा०, प्रका० संसार का इतिहास '५१, दिल्ली सल्तनत '५०, मुगलकालीन भारत '५२, भारतवर्ष का राजनीतिक तथा सांस्कृतिक इतिहास (दो भाग) '५२, अवध के नवाब '५९, तथा अँग्रेजी में इतिहास-संबंधी अनेक प्रसिद्ध पुस्तकें, वि० लखनऊ वि० वि० की 'फेलोशिप', तथा 'बनर्जी रिसर्च प्राइज' '४७ में प्राप्त, एशियाटिक सोसाइटी कलकत्ता का 'सर जदुनाथ सरकार स्वर्णपदक' '५३ में प्राप्त वर्त० 'अकबर दि ग्रेट' ग्रंथ लिख रहे हैं जिसके लिए 'यु० जी० सी०' से मार्च, '६२ से 'आनरेरियम' प्राप्त, प० वजीरपुरा रोड, सिविललाइंस, आगरा।

आशुप्रसाद—ज० १९०५, शि० मोतीहारी, फारसी के विद्वान, सा० 'शब्द' त्रैमा० के सपा० मंडल के सद०, प्रका० कवि० नलिनी, वि० भोजपुरी में भी काव्य-रचना, प० मिशकोट, मोतिहारी, चंपारन।

इंद्रउमाशंकर वसावड़ा—ज० २३ नवंबर, '१२, शि० कोटा, बड़ौदा, बंबई और जूनागढ, एम० ए०, सी० टी, सा० बाल-साहित्य-समिति गुजरात के सचिव, प्रका० घर की राह, शोभा, गंगाजल, बड़े स्याँ, कोयल, संजीवनी (अनु०), देश की बोली (६ भाग), चंदा, उस अँधेरी रात में, वि० गुजराती में भी लगभग १२ पुस्तकें छपी, 'घर की राह' और बालो० नाटक पुरस्कृत, प० डिप्टी डाइरेक्टर आव एजुकेशन, मेंटल हास्पिटल, अहमदाबाद

इंद्रकुमार, 'रञ्जन'—ज २४ जनवरी, '३६, शि· फतेहपुर; ना· प्रधान मंत्री नवीन लेखक-मन एवं उपमंत्री साहित्यिक समाज, फतेहपुर; प्र· '६० मे, प्रका· शिल्पी का दपना '६०, प· कोडा, जहानाबाद, फतेहपुर ।

इन्द्रचंद्र नारंग—ज· २ अक्टूबर, '१९०७, शाहजहाँपुर, शि० गुरुकुल कुरुक्षेत्र तथा गुरुकुल कांगड़ी, लाहौर, सा '२४ से अनुशीलन समिति के सद०, '३० में देवघर षड्यंत्र में बंदी तथा २ वर्ष का कारावास, '३१ में बंगाल से निर्वासित तथा ४ मास का दंड, प्रका· पद्मावत का ऐतिहासिक आधार '५६, पद्मावत-सार '५७, वि· '५७ मे पंजाब ... द्वारा 'पद्मावत-सार' पर साहित्यिक आलो· का प्रथम पुरस्कार १०००) प्राप्त वर्त· हिंदी पुस्तकों का लेखन-प्रकाशन, प· हिंदी भवन, ३७० रानीमंडी, इलाहाबाद ३ ।

इंद्रनाथ चौधुरी—ज० २ अक्टूबर, '३५, शि· एम० ए हिंदी-अँग्रेजी, दिल्ली वि० वि·, सा रत्न सम्मे· प्रयाग, प्रभाकर पंजाब ,५० वि· प्रका निराला काव्य में बंगीय प्रभाव एवं स्फुट लेख, वि· एम० ए० (हिंदी) में प्रथम आने पर मैथिलीशरण गुप्त पुरस्कार , वि· शोध-उपाधि के लिए 'आधुनिक हिंदी-बँगला-काव्यशास्त्र के तुलनात्मक अध्ययन' में संलग्न, वर्त० प्राध्यापक, हंसराज कालेज, दिल्ली, प० ६ सी० मौरिस नगर, दिल्ली ६ ।

इंद्रनाथ मदान, डा०—ज० १ मार्च, '१० शि० एम० ए·, पी-एच० डी· , सा· पंजाब वि० वि· प्रकाशन विभाग के संपा०, दयालसिंह कालेज लाहौर के भूल० अध्यापक , प्रका० हिंदी-कलाकार, प्रेमचंद, शरच्चंद्र चट्टोपाध्याय, आलोचना तथा काव्य, आधुनिक हिंदी-कविता का मूल्यांकन, जयशंकर प्रसाद, हिंदी-काव्य-विवेचना, हिंदी-साहित्य-लेखक, हिंदी कहानी : प्रगति एवं प्रयोग, हिंदी-काव्य-धारा, काव्य-सरोवर, सुगम तथा शास्त्रीय संगीत (लेख-संग्रह) '६२ , वि· 'माडर्न हिंदी लिटरेचर' और 'शरच्चन्द्र' नामक पुस्तके अँगरेजी मे भी लिखी हैं , प्रथम ग्रंथ पर डाक्टरेट मिली थी ; वर्त० हिंदी विभाग, पंजाब वि० वि· , प· ३१/सी, सेक्टर १८ बी, चण्डीगढ़ ।

इंद्रनारायण द्विवेदी, बुद्धिपुरी—ज० ५ सितंबर, १८७९ , शि० प्राइवेट, ज्योतिष एवं पुराण के विद्वान , सा· १९०५ मे द्विजराज सभा के प्रधान मंत्री, '११-'१२ मे श्रीवैष्णव महासभा के मुखपत्र 'वैदिक सर्वस्व' प्रयाग के संपा· तथा हिंदी-पत्र-संपादक-समिति के मंत्री, हि· सा० सम्मे० की स्थायी समिति के सद०, '१७-'१८ मे संयुक्त प्रांतीय किसान-सभा प्रयाग के मंत्री, '२०-'२१ में साप्ता· 'किसान' के संपा०, '२८ में दैनिक एवं साप्ता· 'भारत वासी' प्रयाग के संपा·, अ· भा· सेवा-समिति-प्रयाग- ना प्र· सभा काशी

तथा अ० भा० कांग्रेस के सद०, प्रका० विमल प्रकाशिका, सिद्धांत-प्रकाशिका, सुमति-प्रकाशिका (चार खंड), समय की वृद्धि, समालोचना-समीक्षा, चमत्कार-समीक्षा, सूर्य-सिद्धांत (अनु०), भारतीय ज्योतिष, देवर्षि नाटक, धर्मराज युधिष्ठिर, सम्राट मान्धाता, भक्त प्रह्लाद, महर्षि पाराशर, द्विजराज पुंडरीक, भारतीय इतिहास, इतिहास-मीमांसा, भारत की सनातन काल-गणना का स्वरूप, भारतीय काल-गणना में वारों का महत्व, चैत्रादि मासों की प्राचीनता और मौलिकता, युधिष्ठिर संवत्सर और वाराहमिहिर का सप्तर्षि चार, महाभारत संहिता और उसका रचनाकाल, भारतीय ज्योतिविज्ञान, उपनिषदों का रचनाकाल, वेदांग ज्योतिष का हिंदी भाष्य, अशोक की धर्मलिपियों का अनु०, भारतीय राजवंशावलियों का संशोधन. वि० महाराजदरभंगा द्वारा स्वर्णपदक सहित 'ज्योतिषभूषण' की उपाधि प्राप्त. प० व्यवस्थापक, ज्योतिषभूषण-कार्यालय, वृद्धिपुरी, सरायआकिल, प्रयाग।

इंद्रपालसिंह 'इंद्र'—ज० '२५, आगरा, शि० प्रभाकर '४३, साहित्यरत्न '४७, एम० ए० (हिंदी) प्रथम श्रेणी '५४ आगरा वि० वि०, एम० ए० (संस्कृत) '५७, शोधछात्र. मा० '५४ से '५६ तक फैजाबाद गांधी कालेज में प्राध्यापक, '५९ से साकेत महाविद्यालय फैजाबाद में हिंदी विभागाध्यक्ष. प्र० '४२ में; प्रका० हिंदी साहित्य-चिंतन, पच्चीस निबंध, आचार्य चाणक्य कसौटी पर, संस्कृत नाटक-समीक्षा, साहित्यिक निबंधनिधि; वर्त० प्राचार्य, बलवंत राजपूत कालेज, आगरा, प० राम कुटीर, वजीरपुरा, आगरा।

इकराम 'सागरी'—ज० १४ फरवरी, '२४, शि० सा० रत्न; प्र० '४४ में; प्रका० सत्य के आधार (काव्य) '५४. प० १।२४, सदर बाजार, सागर।

ईशनारायण जोशी—ज० '१३. शि० शास्त्री; सा० अध्यक्ष अनाथालय, गीता-समिति एवं 'हिंदू एंडाउमेंट फंड', भोपाल; प्रका० मुखाकृति-रहस्य (सचित्र) '३५, साकोरी का संत, धर्मशिक्षा २ भाग (बालो०), भोजपुर; अप्र० स्पंदन (गद्यकाव्य), मालवे की लोक चित्रकला, हाथ और चेहरा; वि० राष्ट्रपति का जन-गणना रजतपदक प्राप्त प० चौक, भोपाल।

ईश्वरीप्रसाद गुप्त—ज० १९ जून, १६; शि० मोतीहारी; सा० संस्था० राजेंद्र पुस्तकालय '३८, संपा० त्रैमा० 'अर्घ्य' मोतीहारी, भूत० सद० भारतेंदु साहित्य-संघ तथा लोकमार्ग-परिषद, प्र० '३७ में; प्रका० उप० कमला '४० पाप और पुन्य '६२, कहा० विदुषी '४५, प० छतौनी, मोतीहारी, चंपारन

ईश्वरीसिंह ठाकुर—ज० २३ अगस्त, '२२; शि० ढाना, सागर एवं वर्धा; सा० संस्था० सद० 'रंगमंच', प्र० '४९ में; प्रका० देश भक्ति के

पुरस्कार '६१, अप्र दो उपन्यास एव एक नाटक; प० रविशंकर नगर, सागर।

उग्रसेन जैन—ज० ५ नवंबर, १८८३, शि० एम० ए० (गणित) '१७, दिल्ली वि वि०, एल-एल बी०, लाहौर, प्रका० धर्म-शिक्षावली (४ भाग), पुरुषार्थ सिद्धार्थोपाय, रत्नकांड श्रावकाचार, आप्त स्वरूप, नारीशिक्षादर्श, जीवधरचरित, भावना-कुसुम-गुच्छ, चरित्र-निर्माण, प० रेलवे रोड, रोहतक।

उत्तमचंद जैन 'प्रेमी'—शि० एम० ए० राजनीतिशास्त्र तथा अँगरेजी मे, सा० रत्न, प्रका० मैं और मेरा देवता (कवि०), सिलाई कला एक अध्ययन, वि अँगरेजी मे भी लिखते है, प० प्रेमाश्रम, सिकदरा, आगरा।

उत्सवलाल तिवारी 'सुमन'—ज० १ अप्रैल, '१९०८; शि० सा० रत्न, मध्यमा, वैद्यशास्त्री, इंटर, सा० संस्था० हिंदी-सा०-समिति; प्रका० भक्ति और भावना, प० सुमनकुटीर, कालियादहद्वार, ३१ वल्लभभाई मार्ग, उज्जैन।

उदयचंद्र जैन—ज० १ अक्टूबर, '२३; शि० एम० ए० दर्शनशास्त्र, सर्वदर्शनाचार्य, बौद्धदर्शनाचार्य, सिद्धांतशास्त्री, न्यायतीर्थ; प्र० '४८ में, प्रका तत्त्वार्थ-वृत्ति (संस्कृत से अनु०) अनेकांत और स्याद्वाद, अप्र० आप्त मीमांसा, वर्त० 'जैन-बौद्ध-तत्त्व-मीमांसा' पर पी-एच० डी० के लिए शोध में संलग्न प० प्राध्यापक बौद्धदर्शन, संस्कृत महाविद्यालय, वाराणसी ५।

उदयभानुसिंह—ज० '१७; शि० एम० ए० हिंदी तथा संस्कृत, पी-एच० डी०, डी० लिट० लखनऊ वि० वि० ; प्रका० महावीरप्रसाद द्विवेदी और उनका युग '४१ (पी-एच० डी० का शोध-प्रबंध), हिन्दी के स्वीकृत शोध-प्रबंध '५९, तुलसी-दर्शन-मीमांसा '६१ (डी० लिट० का शोध-प्रबंध), अनुसंधान का विवेचन '६२; अप्र० कामायनी-मीमांसा, तुलसी-काव्य-मीमांसा; वि० डी० लिट० के शोध प्रबंध 'तुलसी-दर्शन-मीमांसा' पर लखनऊ वि० वि० द्वारा प्रदत्त श्रेष्ठ शोधकार्य-पुरस्कार, एवं उ० प्र० सरकार द्वारा १०००) का विशेषपुरस्कार; वर्त० हिंदी विभाग, दिल्ली वि० वि० ; प० २०१३, शक्तिनगर, दिल्ली।

उदयभानु 'हंस'—ज० '२६ ; शि० एम० ए० हिंदी, शास्त्री ; प्र० संस्कृत कविता '४२ मैं : प्रका० हिंदी साहित्य के प्रमुख कलाकार '४८, साहित्य-परिचय '५०, संक्षिप्त नाटक इतिहास '५१, हिंदी रुबाइयाँ, निबंध-रत्नाकर '५२, धड़कन '५३, सरगम '६२ , अप्र० कुछ कलियाँ कुछ काँटे, साहित्य और संस्कृति , वि० संस्कृत कार्यालय अयोध्या द्वारा 'कविभूषणम्' और 'साहित्यालंकार' के उपाधिपत्र मिले, शास्त्री और प्रभाकर में पंजाब मे सर्वप्रथम होने से स्वर्णपदक प्राप्त किए ; दिल्ली से प्रकाशित 'राजधानी

के कवि' तथा पंजाब के प्रतिनिधि कवियों के संग्रह 'वसन्त के फूल' में रचनाएँ संकलित, प॰ राजकीय कालेज, हिसार, पंजाब।

उदयराजसिंह—ज॰ ५ नवम्बर, '२१, शि॰ बी॰ एस-सी॰ प्रयाग वि वि॰, सा॰ प्रधान संपा॰ 'नई धारा' पटना; प्रका॰ कहा॰ नवतारा, उप॰ अधूरी नारी, भूदानीसोनिया, भागते किनारे '६२, अप्र॰ रोहिणी तथा दो अन्य उप॰ एवं कहा॰, प॰ अशोक प्रेस, महेन्द्रू, पटना।

उदयवीर शास्त्री—ज॰ ६ जनवरी, १८९५, शि॰ न्यायतीर्थ, कलकत्ता, वेदांताचार्य वाराणसी, शास्त्री पंजाब वि॰ वि॰, विद्याभास्कर-विद्यावाचस्पति गुरुकुल ज्वालापुर, वेदरत्न प्रका॰ कौटलीय अर्थशास्त्र का हिंदी रूपांतर '२५, सत्य हरिश्चंद्र नाटक (संपा॰), वाग्भट्टालंकार, नयचंद्रिका, सांख्य-दर्शन का इतिहास, सांख्य-दर्शन-विद्योदय भाष्य, सांख्य-सिद्धांत, वि॰ 'सांख्य दर्शन का इतिहास' पर १०००) का श्री सेठ हरजीमल डालमिया ट्रस्ट, नई दिल्ली द्वारा, १२००) का उ॰ प्र॰ सरकार द्वारा, १०००) का बिहार राष्ट्रभाषा परिषद पटना द्वारा तथा १२००) का मंगलाप्रसाद पुरस्कार सम्मे॰ प्रयाग द्वारा प्राप्त, प॰ बड़ी होली, गाजियाबाद।

उदयशंकर भट्ट—ज॰ १८९७, शि॰ अजमेर, बड़ौदा, लाहौर तथा कलकत्ता; प्र॰ '२८ में; प्रका॰ खंड॰ : तक्षशिला, मानसी कवि॰ संक॰ राका, विसर्जन, युगदीप, यथार्थ और कल्पना, इत्यादि, कणिका, अंतर-मंथन (तीन चित्र) ऐति॰ नाट॰ : विक्रमादित्य, दाहर अथवा सिंध-पतन, क्रांतिकारी; सामा॰ नाट॰ कमला, अंतहीन अंत, नया समाज; पौरा॰ नाट॰ : अंबा, सगर-विजय; एकांकी-संक॰ : मत्स्यगंधा, विश्वामित्र, राधा, अशोकवन-बंदिनी, कालिदास, अभिनव एकांकी नाटक, स्त्री का हृदय, समस्या का अंत, धूम शिखा, पर्दे के पीछे, आज का आदमी; उप॰ एक नीड दो पंछी, नये मोड़, सागर लहरें और मनुष्य, लोक-परलोक, शेष-अशेष, निबं॰ साहित्य के स्वर, संपा॰ कृष्ण-चंद्रिका, शकुंतला, वि॰ कई रचनाएँ पंजाब, दिल्ली, राजपूताना, पटना, कलकत्ता, नागपुर और मद्रास वि॰ वि॰ में पाठ्यग्रंथ रूप में स्वीकृत, अनेक रचनाएँ पुरस्कृत प॰ २४५ ई॰ करौल बाग, दिल्ली ५।

उमाकांत 'दीप'—ज॰ '३४, शि॰ इंटर, विशारद, प्र॰ 'धोखा' कहानी '५२ में; प्रका॰ स्फुट रचनाएँ, प॰ ४०३, फूटाकुआँ, बुढ़ानागेट, मेरठ।

उमाकांत मालवीय—ज॰ २ अगस्त, '३१, बंबई, शि॰ बी॰ ए॰ '५३ प्रयाग वि॰ वि॰; सा॰ भूत॰संपा॰ मा॰ 'नयेफूल' '५८, संयोजक, 'परिमल' प्रयाग

'५६-'५७, प्र० '४८ में. प्रका० चंदा की माँ (बालो० पद्यरूपक-संग्रह) एवं स्फुट कविताएँ, प० ८८७ ए, कल्याणीदेवी, इलाहाबाद ३।

उमाकांतराय 'प्रलयंकर'—ज० ९ नवम्बर, '३४, नवादा, शि० बी० ए० आनर्स, एम० ए० (हिन्दी), प्र० '५० में; प्रका० विहार-विभूति '५३, अग्निमा '५७; अप्र० ओस के फूल, स्वप्न-वेला; वि० 'दिनकर के संदर्भ विशेष में छायावादोत्तर हिन्दी-काव्य का अनुशीलन' विषय पर शोध-कार्य में सलग्न; प० हिन्दी प्राध्यापक, आर० डी० कालेज, मुजफ्फरपुर।

उमादत्त सारस्वत, 'दत्त'—ज० १९०५, शि० बिसवाँ, सीतापुर; सा० संपा० 'काव्य कलाधर' कलकत्ता तथा संयोजक हिंदी-समिति-बिसवाँ; प्र० '२७ से प्रका० किरण (काव्य) '३८, मस्तराम का चिट्ठा (व्यंग्य) '४६, मस्तराम का सोंटा '४५, भैय्या कांचुलवदन (हास्य) '५४, अप्र० किसलय, कोयल, मस्तराम की कुंडलियाँ एव मदोदरी; प० कैथीटोला, बिसवाँ, सीतापुर।

उमाप्रसाद वाजपेई, 'सुजान'—ज० १९०२, शि० मिडिल '२०, सा० रत्न सम्मे० प्रयाग, सा० '४५ से '५१ तक स्थानीय म्यू० जूनियर हाईस्कूल के प्रधानाध्यापक, '५१ में स्थानीय उ० मा० विद्यालय में हिंदी अध्यापक, प्र० '२६ में प्रका० कृष्णकीर्तन, प० म्यु० उच्च० माध्य० विद्यालय, सीतापुर।

उमाशंकर—ज० '२८, शि० बी० ए०, सा० स्वतंत्रता-आदोलन में तीन बार जेल यात्रा, प्रका० उप० नाना फडनवीस '५६, पेशवा की कंचनी '५८, कावेरी के किनारे '५९, जब भारत जागा, भुवन विजयम (ऐति०), तारो से पूछिये (सामा०), गढमंडल की रानी, चित्तौडगढ की रानी, बाजीराव पेशवा '६१, आकाश तले धरती पर, नीर भर आये बदरा (सामा०) '६२, अप्र० उप० बेगम समरू, वि० 'नाना फडनवीस' तथा 'कावेरी के किनारे' उ० प्र० सरकार द्वारा पुरस्कृत, प० ३५/१९६ खासबाजार, कानपुर।

उमाशंकरप्रसाद सिंह 'शंकर'—ज० '२५, सा० बिहार राष्ट्रभाषा-परिषद पटना का प्रचार-कार्य, संचा० 'शशि प्रभाकर-मंदिर' तथा 'कैलाश-कुंज', प्रका० सक्रांति (कवि०) '५१, वि० एक कविता पर राष्ट्रपति से नकद पुरस्कार प्राप्त, प० कैलाश-कुंज, हरदिया, दरभंगा।

उमाशंकर बहादुर—ज० १८ जनवरी, '१८, शाहाबाद, शि० बी० ए० '४०, सा० '४२ के आदोलन में वि० वि० छोड दिया, मा० 'आरती' के सह-संपा० '४१-'४२, साप्ता० 'जनता' के प्रधान संपा० '४६-'४८, अँग्रेजी पाक्षिक 'नीयो-फाईनास' के प्रधान संपा० '४८-'५०, मा० 'व्यापार और कर' के प्रधान संपा० '५२-'५३ प्रका० नाट० वर्षकार- वचन का मोल- काल-पथ, रूपहीना

उदयन, एकां० मल्लिका, उप० राह के साथी, नाभाग; आलो० संस्कृति कला और मानव, भारत की पाँच कलाएँ, मिट्टी की पुकार, हमारा संघर्ष, इति० भारत का धार्मिक इतिहास, भारत की कहानी तथा अनेक बालोपयोगी पुस्तकें; प० दि कन्हैया क्लिनिक, नया कदमकुआँ, पटना ३।

उमाशंकर वर्मा—ज० ५ जनवरी, '२४; शि० एम० ए० हिंदी, पटना वि० वि०, एम० ए० राजनीति-विज्ञान, बिहार वि वि०; सा० भूत० सम्पा० 'आलोक' एवं 'विकास', भूत० सह० सम्पा० 'आदर्श'-'विश्वबन्धु', कलकत्ता एवं 'शिक्षा-समाचार' डालटनगंज, प्र० '४५ मे, प्रका० पराग, स्पन्दन, युग और मानव, अजलिका, अभिशाप, योजनगन्धा, शकुन्तला (महा०), रश्मि-संगीत (कवि०), नया स्कूल, नया ग्राम, नया समाज (नाट०), शिक्षा-शास्त्र, प्राथमिक शिक्षणकला, आधुनिक शिक्षण-विधान, समवायी शिक्षण, डालटन योजना, प्रोजेक्ट प्रणाली, शिक्षा-मनोविज्ञान एव हिंदी साहित्य का परिचयात्मक इतिहास, प० शिक्षक प्रशिक्षण विद्यालय, शिवहर, मुजफ्फरपुर।

उमाशंकर शर्मा, 'ऋषि'—ज० १० दिसंबर, '३८, शि० बी० ए० आनर्स '५७, एम० ए० (संस्कृत) '५६, दोनों कक्षाओं में प्रथम श्रेणी में प्रथम, सा० रत्न : प्रका० विजयसेन प्रशस्ति, अशोक के स्तंभ-लेख '६०, ऐहोल शिलालेख, हिंदी निरुक्त, काव्य-कलिका '६१, सिद्धांत-कौमुदी हिंदी टीका '६२ प० संस्कृत विभागाध्यक्ष, वि० वि०, राँची।

उमाशंकर शुक्ल—ज० ६ दिसंबर, '२४ . शि० एम० ए०, सा० भूत० अध्यक्ष महाकोशल साहित्य-परिषद, कुमार-साहित्य एवं जिला-पत्रकार-संघ, आजकल 'साहित्यकार' संस्था के अध्यक्ष, प्र० '४२ में; प्रका० कहा० मीठीकसक '५२, कागज की नाव '५५, जितने मुँह उतनी बातें '६२, बुंदेलखंड के लोकगीत '५३, बालकथाएँ; वि० '५४ में बुंदेलखंड के लोकगीत' पर म०प्र० शासन द्वारा 'ईसुरी पुरस्कार'; प० दुबे ट्रस्टबिल्डिंग, बिजलीघर के सामने, सागर।

उमेश चतुर्वेदी—ज० ३ मई, '१६, बरेली; शि० बी० ए० जयपुर, सा० रत्न सम्मे० प्रयाग ; प्रका० लगभग पचास एकांकी, जीवनचरित्र, कहानियाँ, बालो० ग्रंथ; वि० 'किसान' कविता जयपुर डेवलमेंट विभाग द्वारा '४२ में पुरस्कृत, '३६ में 'कविरत्न' उपाधि ; प० एफ, ७१७, गाँधीनगर, जयपुर।

उर्मिलाकुमारी गुप्त—ज० ७ मई, '३४ ; शि० एम० ए० '५३ पंजाब वि० वि०, बी० एड० '५८ दिल्ली वि० वि०, प्र० '५४ में, प्रका० निबंध-निकुंज '५४, कथा-निकुंज '५५, काव्य-समीक्षा '५६, वंश-वल्लरी (उप०) '५७, सुंदर कहानियाँ '५७, बोलनेवाली गुफा '५८, तीन साहसी यात्री '५८,

समय की सूझ '५८, आदर्श महापुरुष '५८, अप्र ३-४ आनो एवं बालो ग्रंथ, प० ३ सी/१४ रोहतक रोड, करौल बाग, नई दिल्ली।

उषादेवी मित्रा—ज० १८०१; शि० मैट्रिक; सा० 'नारी-मंगल-समिति' की संस्था० और सचा०, नागपुर रेडियो की परामर्शदात्री समिति की सद०, आरंभ में बँगला में रचना की प्र० '३३ में, प्रका० कहा० आँधी के छंद महावर, नीम चमेली, मेघमल्लार, सांध्य पूरबी, रागिणी, रातरानी ; उप० वचन का मोल, पिया, जीवन की मुसकान, सोहिनी, पथचारी, नष्टनीड़ ; वि० 'सांध्य पूरबी' पर हि० सा० सम्मे० प्रयाग से 'सेकसरिया' पुरस्कार प्राप्त, प० ११५, उषा मित्रा मार्ग, व्यौहार बाग, जबलपुर।

ऋषभचंद—ज० ३ दिसबर, १९००, सा० '२१ में असहयोग आंदोलन में भाग लिया, प्रका० हिंदी में स्फुट रचनाएँ तथा अँगरेजी में तीन पुस्तकें, प० अदिति कार्यालय, श्री अरविंद-आश्रम, पांडिचेरी २।

ऋषिदेव, विद्यालंकार, डा०—ज० १० अगस्त, '१६, जामपुर, डेरा गाजी खाँ, शि० विद्यालंकार, एम० ए०, गुरुकुल काँगड़ी वि० वि० एम० एस कलकत्ता वि० वि० सा० पंजाब में हिंदी-आंदोलन के प्रारंभकर्ता, दै० 'मिलाप', साप्ता० 'प्रकाश' एवं आर्यमित्र, दैनिक 'तरुण भारत' के भूत० संपा० एवं सह-संपा०; प्र० '३८ में; प्रका० आलोचनादर्श, आर्यसमाज, समाजशास्त्र, मानव-विज्ञान, मानव-विज्ञान व नृतत्वशास्त्र, प्रागैतिहासिक मानव-विज्ञान, प० ई।२, रिवरबैंक कालोनी, लखनऊ।

ऋषिरामचन्द्र कौशिक—ज० ८ फरवरी, ३६, प्रका० लगभग २०० स्फुट रचनाएँ; कई संकलनों में भी रचनाएँ संकलित हुई हैं, वि० चित्र-कला पर अधिक लिखा है; प० हाईकोर्ट रोड, इलाहाबाद २।

ऋषिमित्र शास्त्री—ज० '१८; शि० सा० रत्न '४२, सम्मे० प्रयाग, शास्त्री, काशी वि० वि०, बी० ए० ६१, प्रका० धार्मिक और दार्शनिक विषयों पर लेख; अप्र० कुटीर; प० आर्य-समाज-भवन, गिरगाँव, बंबई ४।

ए० *चन्द्रहासन*—ज० लगभग १८०५; शि० बी० ए० मद्रास वि० वि०, एम० ए० हिन्दी, कलकत्ता वि० वि०; सा० भूत० संपा० 'मातृ-भूमि'; प्रेमचंद जी के संपादन-काल में 'हंस' के मलयालम विभाग के संपादक, केरल हिन्दी ट्रेनिंग कालेज के प्रिंसिपल ३ वर्ष तक, केरल हिन्दी-प्रचार-सभा के मंत्री ३ वर्ष तक, १२ वर्षों तक भाषाओं के प्रोफेसर महाराजा कालेज एर्नाकुलम, ६ वर्ष तक मद्रास वि० वि० की 'बोर्ड आफ स्टडीज इन हिन्दी, मराठी, उड़िया आसामी' के अध्यक्ष '४६ से ट्रावनकोर वि वि के हिन्दी

बोर्ड आफ स्टडीज' के अध्यक्ष, ट्रावनकोर वि० वि० की 'फैकल्टी आफ ओरियंटल्ल स्टीज' के सदस्य, कई बार मद्रास वि० वि० के 'इंस्पेक्शन कमीशन' के सदस्य, मद्रास, मैसूर, कलकत्ता और ट्रावनकोर वि० वि० को हिन्दी परीक्षा-समितियों के सदस्य अथवा अध्यक्ष ; मद्रास, ट्रावनकोर तथा केरल विश्वविद्यालयों के हिन्दी शिक्षामंडलों के अध्यक्ष ; मद्रास, टावनकोर तथा केरल विश्वविद्यालयों की 'सिनेट' के सदस्य, केन्द्रीय सरकार की 'हिन्दी शिक्षा समिति' के सदस्य; भारतीय हिन्दी परिषद के उपाध्यक्ष, केरल साहित्य-परिषद सहकारी संघ के अध्यक्ष, ठक्कर बाबा के समय 'हरिजन-सेवक-संघ' केरल के मंत्री ६ वर्ष तक, ३ वर्ष तक ट्रावनकोर-कोचीन स्टेट के हिन्दी 'एजूकेशनल अधिकारी', एरणाकुलम जिला गाँधी - तत्व - प्रचार - केन्द्र के अध्यक्ष; प्रका० स्फुट रचनाएँ; वर्त० प्राचार्य, महाराजा कालेज, एरनाकुलम ।

एच० बालसुब्रह्मण्यम—ज० १० अप्रैल, '३२ ; शि० बी० ए०, 'विद्वान' केरल वि० वि , सा० रत्न सम्मे० प्रयाग, द० भा० हि० प्रचारसभा मद्रास के प्रवीण तथा प्रचारक, 'पारंगत' अ० भा० हिंदी-परिषद ; सा० निराला हिंदी कालेज तिरुवनतपुरम के संस्था०, द० भा० हिंदी-प्रचार-सभा मद्रास की शिक्षा-परिषद के सद० प्रका० हिंदी-निबंध तथा 'सहायक ग्रंथो' में लगभग एक दर्जन रचनाएँ ; वर्त० मद्रास न्यू कालेज मे हिंदी के प्राध्यापक ; प० निराला हिंदी कालेज, फर्स्ट तन स्ट्रीट, तिरुवनंतपुरम ।

एन० ई० विश्वनाथ अय्यर, डा०—ज० २०, मलाबार ; शि० एम० ए० संस्कृत, मद्रास वि० वि०, एम० ए० हिन्दी, काशी वि० वि०, पी-एच० डी० सागर व० वि० ; सा० केरल वि० वि० के 'बोर्ड आफ स्टडीज' तथा प्राच्यविद्या निकाय सद०, प्र० '४७ में ; प्रका० हिन्दी-रचना-मित्र, स्वतंत्र हिन्दी-बोधनी, अनुवाद-चंद्रिका, महाकवि रवीन्द्रनाथ, सेवासदन-समीक्षा, अनुवाद-मंजरी, निबंधोपहार, मलयालम-हिन्दी व्यावहारिक कोश, विज्ञान-योगिनी, काव्य-सुषमा (संकलन), होनहार बालक और अन्य कहानियाँ, गद्यांजलि (संक०), कथा-प्रदीप, काव्य-कथाएँ ; अप्र० कैरली औरराष्ट्रभाषा, मलयालम वाङ्मय की झाँकी (शोध-प्रबंध), आधुनिक हिन्दी काव्य और मलयालम काव्य की मुख्य प्रवृत्तियाँ, केरल-दर्शन ; वि० कई संकलनो मे भी निबंध संकलित हुए हैं ; 'मलयालम-हिंदी व्यावहारिक कोश' उ० प्र० सरकार द्वारा एवं 'विज्ञान-योगिनी' भारत सरकार द्वारा पुरस्कृत ; प० प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, यूनिवर्सिटी कालेज, त्रिवेन्द्रम ।

एन० एम० उपाध्याय—ज० १७ दिसम्बर, '३१ शि० एम ए

हिंदी तथा संस्कृत, प्रभाकर पंजाब वि० वि०, बी० एड० दिल्ली वि० वि०, प्र० '५१ में ; प्रका० भाषा-विज्ञान एवं भाषा-संबंधी लगभग पचास लेख अप्र० हिंदी शिक्षण, भारत का विकासशील लोकतंत्र, हमारे प्रमुख त्यौहार वि० अँगरेजी में अखिल भारतीय 'पापुलेशन' निबंध प्रतियोगिता, '६० में ५००) का प्रथम पुरस्कार प्राप्त ; प० चौबाटा, मंडी (हिमा० प्रदेश) ।

एन० एस० कल्याणसुंदरम् —ज० २८ मार्च, १९०१ ; शि० बी० ए०, विशारद मद्रास वि०वि०, प्रभाकर पंजाब वि०वि०, जा० अँग्रेजी, तामिल, तेलुगु, उर्दू एवं बंगाली ; सा० खद्दर, हिंदी तथा हरिजन आंदोलन संबंधी कार्य मदुराई में, आकाशवाणी से अँग्रेजी, तामिल तथा हिंदी में नाटक, कहानियाँ आदि प्रसारित, हिंदी-प्रचार-सभा द्वारा हिंदी-तामिल-शब्द-कोश के संपादन में सहायोग ; प्रका० स्फुट रचनाएँ , वि० तामिल तथा अँग्रेजी में भी लिखते हैं ; प० १/२ सातवी गली, सौराष्ट्र नगर, मद्रास—२४ ।

एन० एस० सुन्दर रामन—ज० १४ अगस्त, '२१ , शि० बी० ए० मद्रास वि० वि०, राष्ट्र-भाषा-प्रवीण, हिन्दी-पारगत (आगरा) ; प्र० '४४ में ; प्रका० स्फुट कविताएँ, कहानियाँ, निबंध एवं जीवनियाँ ; प० हिन्दी प्रवीण प्रचारक, सेंट मेरीज हाईस्कूल, डिंडीगल (द० भारत)

एन० चंद्रकांत मुदालियर—शि० एम० ए० हिंदी तथा संस्कृत, सा० रत्न, व्याकरणाचार्य, साहित्यशास्त्री, साहित्यालंकार ; सा० '४२ के आंदोलन में पाँच मास का कारावास, संस्कृत साहित्य पर आकाशवाणी मद्रास से वार्त्ताएँ प्रसारित, १० वर्ष तक विभिन्न कालेजों में प्राध्यापक ; प्रका०संस्कृत-रत्नावली ; प० २६, कार्यालय, वेंकटाचल मुदाली स्ट्रीट, ट्रिप्लीकेन, मद्रास५ ।

एन० चन्द्रशेखरन नायर—ज० '२३ , शि०, एम० ए० काशी वि० वि० ; साहित्यरत्न सम्मेलन प्रयाग ; सा० संपा० 'ग्रंथालोकम' ; प्रका० त्रिवेणी, कुरुक्षेत्र जागता है, चमार की बेटी, चिरंजीवी (कवि०) ; मलयालम में भी लिखते हैं ; द्वारा आर० जनार्दन पिल्लई, महात्मा गाँधी कालेज, त्रिवेन्द्रम४ ।

एन० ज्ञानप्पा नायडू—ज० १२ अप्रैल, '२८ ; शि० एम० ए०, सा० रत्न, अद्वैत वेदांत-शिरोमणि, वेंकटेश्वर ओरियंटल कालेज, बी० ओ० एल० ; प्रका० स्फुट लेख , प० हिंदी प्राध्यापक, एस० वि० ओ० कालेज, तिरुपति ।

एन० संगमेशम—ज० '१९ ; शि० बी० ए० आंध्र वि० वि०, एम० ए० '५१ काशी हिंदू वि० वि० , सा० '३९ से '५७ तक विविध केन्द्रों में हिंदी-प्रचार-कार्य, हिंदी-प्रेम-मंडली तिरुपति के प्रधान मंत्री तथा मंडली द्वारा संचालित हिंदी महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रका० आदर्श हिंदी किताबें

(४ भाग), जय भारत हिंदी किताबे (३ भाग), हिंदी-तेलुगु बालबोध, गद्य-पद्य-मंजरी, हिंदी-पुष्प, विश्वामित्र, बालभगवद्गीता आदि : वर्त० 'अन्न-आचार्य की पदावली' पर शोध-कार्य में सलग्न , प० हिंदी प्राध्यापक, श्री वेंकटेश्वर आर्ट्स कालेज, तिरुपति ।

एल० डी० राय,'अनंत'—ज० '२५ बलिया : शि एम० ए० हिंदी तथा संस्कृत ; प्रका० (अन्य लेखकों के सहयोग से) चंद बरदाई और उनकी कविता, विद्यापति और उनकी कविता, निराला और उनकी कविता ; अप्र 'आल्हा' एक साहित्यिक और सांस्कृतिक अध्ययन ; वर्त० पी-एच० डी० के लिए 'नाथ-साहित्य की भाषा' पर शोध-कार्य में संलग्न; प०, हिंदी प्राध्यापक, हरिजन कालेज, गाजियाबाद ।

एम० एन० गणेश, डा०—ज० २ फरवरी, '३० ; शि० बी० एस-सी० तिरुवनन्तपुरम, एम० ए०, पी एच० डी० काशी वि०वि०, सा० रत्न सम्मे० प्रयाग, सा० भूत० अध्यक्ष हिंदी विभाग, हिंदू कालेज नागरकोयल , प्रका० नाचती लहरें, काव्य-रूप-मंडल, हिंदी उपन्यास साहित्य का अध्ययन (पाश्चात्य उपन्यास से तुलना सहित) , वि० अंतिम ग्रंथ शोध-प्रबंध है, कई संकलनों में रचनाएँ संकलित हुई हैं, उ० प्र० सरकार के सूचना विभाग से प्रथम कहानी प्रतियोगिता '५७ में पुरस्कृत . प० हिंदी विभाग, वि० वि०, मद्रास—५ ।

एम० एन० लोकनाथ—ज० २५ दिसम्बर, '१५ ; शि० एम० ए० बॅंगलौर ; सा० द०भा० हिंदी-प्रचार-सभा की शिक्षा-परिषद तथा व्यवस्थापिका-समिति के बारह वर्ष तक प्रतिनिधि, 'टेक्स्ट बुक कमेटी' मैसूर सरकार के सद , संस्था० आदर्श हिंदी विद्यालय, स्थानीय हिंदी संस्था के अध्यक्ष, आकाशवाणी बॅंगलौर द्वारा आयोजित हिंदी-शिक्षण-कार्य के संचालक ; प्रका० सर सी वी० रमन (जीवनी), गोधन , वि० कन्नड और अँगरेजी में भी लिखते हैं ; प० १४२, छठी मेन रोड, ४ ब्लाक, वेस्ट जयनगर, बॅंगलौर ११

एस० एस० माथुर—ज० १३ जुलाई, '२८ ; शि० एम० ए० दर्शनशास्त्र, पी-एच डी० आगरा वि० वि०, एल० टी० ; प्र० '५६ ; प्रका० शिक्षा-मनोविज्ञान '६०, शिक्षा-सिद्धांत, शिक्षण-कला, सामान्य मनोविज्ञान, शिक्षालय-संगठन ; वि० हिंदी समिति उ० प्र० सरकार द्वारा 'शिक्षा मनोविज्ञान' पर ७००) का पुरस्कार '६१ में ; वर्त० प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, आर० ई० आई० कालेज, दयालबाग, आगरा ; प० पीपल मंडी, आगरा ।

एस० पी० मलहोत्रा, 'देश-चित्रकार'—ज० १८ नवंबर, '२३; शि० बी० ए०, प्रभाकर पंजाब वि० वि० ; प्रका० वहशी (कहा०) '६१. अप्र० उप० कतरे से

करने तक अनु०: वि० आकाशवाणी दिल्ली से कहानियाँ तथा वार्ताएँ प्रसारित; अंतर्राष्ट्रीय कहानी-प्रतियोगिता '५४ में उर्दू कहानी 'वहशी' पुरस्कृत; प० ए-च १७५, विनय नगर (मध्य), नई दिल्ली ३।

एस० वी० कृष्णा वरियार—ज० २६ मार्च, '१३, शि० मलाबार; प्र० '४६ में; प्रका० लगभग डेढ़ दरजन पुस्तकों का हिंदी से मलयालम में अनु०, वि० मलयालम में भी लिखा है; प० पेरिंग संडूर, त्रिचूर, केरल।

ए० सी० कामाक्षिराव - ज० १८ मई, '१८; शि० एम० ए० मद्रास वि० वि०; मा० अध्यक्ष साहित्यानुशीलन समिति, सद० 'हिन्दी बोर्ड आफ स्टडीज', मद्रास वि० वि० शि० परिषद व व्यवस्थापिका समिति, द० भा० हिन्दी प्रचार सभा; प्रका० कीचड का कमल, राणा प्रताप, (जीवनी), हिन्दी साहित्य का इतिहास, हिंदी-तेलुगु का तुलनात्मक व्याकरण, हिन्दी-तेलुगु कोश, तेलुगु-हिंदी-कोश, रंगनाथ रामायण (तेलुगु से अनु०), बाणभट्ट की आत्मकथा (तेलुगु से अनु०); वि० अनेक पाठ्य ग्रंथ आंध्र-मद्रास प्रदेशों में स्वीकृत हैं; प० अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, मद्रास क्रिश्चियन कालेज, तांबरम (मद्रास)।

ओंकार मिश्र 'प्रणव'—ज० ८ अगस्त, '१६ अलीगढ़; शि० एम० ए० संस्कृत, सा० रत्न, आचार्य वाराणसी, शास्त्री पंजाब, मा० संस्था० एवं संचा० आर्य हिन्दी विद्यालय गुजरात; प्रका० बोस बावनी '४६, धारण '५७, सुमंगली '५७, अमर ज्योति' ५८; अप्र० ज्वाला, रसनिर्झर; प० आर्यनगर, फीरोजाबाद।

ओंकारलाल वोहरा—ज० २८ दिसंबर, '२७ उदयपुर; शि० एम० ए० हिंदी, सा० रत्न; मा० संस्था० गांधी सेवा-सदन, संचा०-संपा० 'विशाल राजस्थान' कलकत्ता; प्रका० स्फुट; प० १०४ ए०, ग्रे स्ट्रीट, कलकत्ता ५।

ओंकारलाल वर्मा, 'माखन'—ज० १ जनवरी, '२२; शि० सा० रत्न, काव्यालंकार, साहित्यभूषण; सा० मधुर तरंग माला का प्रकाशन; प्र० '४४ में; प्रका० पाटीदार (भजनावली), नवनीत (उप०), नया प्रभात (प्रहसन), विकास-गीत, कताई-शिक्षा (तीन भाग), बागवानी (तीन भाग), अप्र० तक्रसार, मधुर वेणु, ग्रामदान, हमारा गाँव, उडान; प० राय बिडपुरा, पश्चिमी निमाड।

ओंकारलाल वैश्य, 'प्रणव'—ज० १८८६, मेलखेड़ा; जा० संस्कृत, मराठी, उर्दू, गुजराती; प्रका० उपदेश-वाटिका, स्तोत्र-वाटिका, बालबोध-निरुक्तियाँ, हरिनाममाला, अनुभूत योगावली, 'प्रणव'-चिकित्सावली, 'प्रणव'-दोहावली, बिकट दोहावली, अनुभूत-चिकित्सावली, लोकोक्ति-प्रकाश; अप्र० विनय-वाटिका, प्रणव-चालिसा, हरिनाम-शतक; प० कुटी मेलखेडा, मालवा।

ओंकारलाल शर्मा 'प्रमद'—ज० ३० दिसंबर, '३४; शि० एम० ए०

ग्वालियर '५७, बी॰ एड॰ देवास '६०, 'लिंग्विस्टिक्स ट्रेनिंग' डेकन कालेज पूना; प्र॰ '५१ में; प्रका॰ स्फुट कविता एवं निबंध, वर्त॰ प्राध्यापक कन्या उ॰ मा॰ वि॰ आगरा; प॰; पतली गली (जैन मंदिर), आगर, मालवा।

ओंकारेश्वरदयाल 'नीरद'—ज॰ २० मार्च, '३६; शि॰ मेरठ, बड़ौत तथा गाजियाबाद; सा॰ संपा॰ 'अवलोकन'; प्रका॰ रात झरे चाँदनी, साधू के आँचल, नाचो शेर, खुशहाली की ओर, खेत लहलहाये रे; अनु॰ दिन बहार के, बेवफा तथा जाल; प॰ मासिक 'अवलोकन', गाजियाबाद।

ओ॰ पी॰ गुप्त—ज॰ १५ अक्टूबर, '२७; शि॰ बी॰ ए॰, एल-एल॰ बी ; प्रका॰ बढ़ते कदम; प॰ रेलवे क्वार्टर टी॰ ८७ सी॰, जकहल, हिसार।

ओमकुमार शर्मा—ज॰ २२ अक्टूबर, '४१; शि॰ हाईस्कूल; सा सहायक संपा॰ 'अमर सहयोगी'; प्रका॰ विश्व के ऐतिहासिक एवं तीर्थ स्थल, महापुरुषों की अमूल्य वाणियाँ, गीतामृत; प॰ बलदेव, मथुरा।

ओम तिवारी अरुण—ज॰ १६ मई, '३३; शि॰ बी॰ ए॰ लखनऊ वि॰ वि॰; प्र॰ '५३ में; प्रका॰ स्फुट रचनाएँ; वर्त॰ उ॰ प्र॰ सचिवालय में सहायक, प॰ भंडारी निवास, मोतीनगर, लखनऊ।

ओमप्रकाश, डा॰—ज॰ '२४; शि॰ एम॰ ए॰, एल-एल॰ बी॰, पी-एच॰ डी॰ आगरा वि॰ वि॰; सा॰ आजीवन सद॰ ना॰ प्र॰ सभा काशी तथा भा॰ हि परिषद प्रयाग; कार्यकारिणी के सद॰ भारती साहित्य संगम तथा प्रादेशिक हि॰ सा॰ सम्मे॰ दिल्ली; प्रधान कमलानगर मंडल हि॰ सा॰ सम्मे॰; प्रका॰ आलोचना की ओर, भावना और समीक्षा, हिंदी अलंकार-साहित्य, प्राचीन हिंदी काव्य और उसका सौंदर्य; वि॰ उ॰ प्र॰ राज्य पुरस्कार तथा हरजीमल डालमिया पुरस्कार प्राप्त; प॰ अध्यक्ष हिंदी विभाग हंसराज कालेज, दिल्ली ८।

ओमप्रकाश अग्रवाल 'पवन'—ज॰ २ अप्रैल, '४२ ; शि॰ बी॰ ए॰ कलकत्ता वि॰ वि॰ ; प्र॰ '३८ में ; प्रका॰ उप॰ : धरती की धूल, आँसुओं की वर्षा, दर्द भरी आह, झूठे सपने, पत्थर के देवता और लाज का परदा ; वर्त॰ संपा॰ 'परंपरा'; प॰ ४७, मौट लेन, धर्मतल्ला स्ट्रीट, कलकत्ता—१३।

ओमप्रकाश चौहान—ज॰ १७ मार्च, '३४; शि॰ एम॰ ए॰, सा॰ रत्न; सा॰ संपा॰ मासिकी 'अनुपम' एवं 'दीप्ति', सह-संपा॰ दैनिक 'युगधर्म'; प्र॰ '५० में; प्रका॰ स्फुट रचनाएँ, प॰ ३५० पश्चिमी धमापुर, जबलपुर।

ओमप्रकाश दीक्षित, डा॰—ज॰ १५ फरवरी, '२१; शि॰ प्रभाकर (हिंदी) '४१ पंजाब वि॰वि॰, सा॰ रत्न '४१ सम्मे॰ प्रयाग, शास्त्री '४३, एम॰ ए॰ हिंदी '५२, एम॰ए॰संस्कृत '५४ पी-एच॰डी॰ हिंदी '६२ आगरा वि॰वि॰ प्र

'३९ में; प्रका॰ सहारनपुर और सन सत्तावन '५७, सहारनपुर के साहित्यकार '५९, निबंधमाला '६०; वि॰ "जैन कवि स्वयंभूदेव-कृत 'पउमचरिउ' एव तुलसी-कृत 'रामचरितमानस' का तुलनात्मक अध्ययन" विषय पर शोध-प्रबध अप्रकाशित है; डी॰ लिट्॰ के लिए कार्य कर रहे हैं; वर्त॰ अध्यक्ष हिंदी विभाग, जे॰ वी॰ जैन कालेज, सहारनपुर; प॰ ओमन जी रोड, सहारनपुर।

ओमप्रकाश माथुर—ज॰ १९ मई, '२८; शि॰ एम॰ ए॰ अँग्रेजी तथा हिन्दी; प्रका॰ स्फुट लेख, कहानी आदि; वि॰ आगरा वि॰ वि॰ का टी॰ सी॰ जोन्स स्वर्णपदक व आगरा कालेज का काजी अजीजुद्दीन स्वर्णपदक प्राप्त, 'अँगरेजी रोमैंटिक युग का कक्ष नाटक साहित्य' पर अनुसंधान कार्य कर रहे है; प॰ प्राध्यापक, गवर्नमेंट कालेज, नैनीताल।

ओमप्रकाश वर्मा—ज॰ १० जुलाई, '२३; शि॰ एम॰ काम॰ '४४, एम॰ ए॰ अर्थशास्त्र '४८, एल॰ टी॰ '५२; सा॰ '४२ के आदोलन में कारावास; प्रका॰ प्रारंभिक पुस्तपालन '६१; अप्र॰ प्रारंभिक व्यापार तथा प्रारंभिक अधिकोपण; प॰ अध्यक्ष वाणिज्य विभाग, डी॰ ए॰ वी॰ कालेज, लखनऊ।

ओमप्रकाश 'विश्व'—ज॰ १ जुलाई, '१७, सा॰ भारत सरकार की मासिक मुख-पत्रिका 'आजकल' दिल्ली के संपा॰ संडल के सद॰; प्रका॰ अतर्राष्ट्रीय राजनीति, संस्कृति, सिनेमा आदि विषयों पर कहानियाँ तथा दो ॲग्रेजी पुस्तकों के हिंदी अनु॰; प॰ दैनिक 'हिंदुस्तान', नई दिल्ली।

ओमप्रकाश शर्मा—ज॰ २४ फरवरी, '२४; शि॰ एम॰ एस-सी॰ तथा वर्धा से ग्राम-उद्योगों का प्रशिक्षण, सा॰ भूत॰ संपा॰ 'विज्ञान प्रगति' '५२-'५९, 'सेनानी' के दो वर्ष तक, 'सर्वोदय डाइजेस्ट' के ६ वर्ष तक, वैज्ञानिक अनुसंधान एवं सास्कृतिक मंत्रालय की त्रैमा॰ पत्रिका 'संस्कृति' के कुछ समय तक संपा॰; आकाशवाणी से वार्त्ताएँ तथा वैज्ञानिक उप॰ एवं नाट॰ प्रसारित; प्रका॰ उप॰ : मंगल यात्रा '५६, अंतिम सत्य '६१, 'सर्वोदय एवं ग्राम-विकास' माला के अंतर्गत लगभग ६५ पुस्तकें तथा 'लोक-विज्ञान-माला' के अंतर्गत लगभग १५ पुस्तकें लिखी हैं; वि॰ कुछ प्रकाशनों पर यूनेस्को, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार एवं उ॰ प्र॰ सरकार से पुरस्कार मिल चुके हैं; वर्त॰ भारत सरकार के खाद्य मंत्रालय के अंतर्गत भा॰ कृषि-अनुसंधान-परिषद द्वारा प्रकाशित 'खेती', 'पशुपालन', 'कृषि अनुसंधान समाचार-सेवा' के संपा॰; प॰ ३/४२६९, गली पंजाबियान, दरियागंज, दिल्ली।

ओमप्रकाश शर्मा—ज॰ ५ नवंबर, '३६; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी, दिल्ली

त्रि० वि०; प्रका० स्फुट रचनाएँ, अप्र० कवि पंचायत, कवि की रात; प० श्री अरविंद आश्रम, नई दिल्ली १६ ।

ओमप्रकाश सिंघल—ज० १ जनवरी, '३७; शि० बी० ए० आनर्स '५६, एम० ए० हिंदी '५८ दिल्ली वि० वि०; प्रका० पृथ्वीराज रासो के दो अध्याय '५८, संस्कृत साहित्य का इतिहास, साकेत का आलोचनात्मक अध्ययन, प्रियप्रवास का आलोचनात्मक अध्ययन, वैज्ञानिक विभूतियाँ, स्वास्थ्य शिक्षा (३ भाग); निबंध-मंजूषा, सरस कथाएँ, काव्य-कुसुम, एकांकी सप्तक, चिंतामणि-चिंतन, पुराने शीर्षक नए निबंध, हिंदी अपठित; अप्र० डा० रामकुमार वर्मा की काव्य-कला; वर्त० आगरा वि० वि० से 'हिंदी गद्य-साहित्य में प्रकृति-चित्रण' विषय पर शोध-कार्य में संलग्न; प० ६१/५, पश्चिमी विस्तार-क्षेत्र, रानजस रोड, नई दिल्ली ५ ।

ओमप्रकाश सिनहा—ज० १७ नवम्बर, '१५; शि० एम० ए०, एल० टी०, सा० रत्न, साहित्यालंकार, साहित्याचार्य, विद्यालंकार; सा० मंत्री हिंदी प्रचार-मंडल बदायूँ; प्रका० स्वराज्य के बाद '४२, हाय रे हम '४३, कद्दू के फूल '४४, औरत का प्यार '४५, साहित्य-परिचारिका '५८; अप्र० चलती हिंदी, जीवन की एक झलक, हिंदी संस्कृति के रक्षक एवं भक्षक आदि; वि० अखिल भारतवर्षीय विद्वत्मंडल काशी ने 'कहानीरंजन' की उपाधि दी; वर्त० प्रवक्ता, कुँवर दयाशंकर ई० एम० इंटर कालेज, बरेली; प० १७८ साहूकारा मंदिर, चित्रगुप्त, बरेली ।

ओमानंद रू० सारस्वत, डा०—ज० १५ मार्च, '३२; शि० एम० ए० हिंदी '५५, पी-एच० डी० '६२ राजस्थान वि० वि०; सा० वि० वि० हिंदी बोर्ड के '५५-'५८ तक अध्यक्ष तथा अब सद०, वि० वि० सिनेट के सद०, गुजरात हिंदी प्राध्यापक-परिषद के प्रधान मंत्री, वल्लभ विद्यानगर गुजरात में 'मिशनरी' के रूप में हिंदी अध्यापक; प्र० '४९ में; प्रका० चिता '५६, आलाप-प्रलाप (कहा०) '५७, आधुनिक गद्य-परिचय '५६, गद्य-मुकुल '५८; वि० एम० ए० कक्षा में प्रथम श्रेणी में सर्वप्रथम आने पर स्वर्णपदक प्राप्त; वर्त० सरदार वल्लभभाई विद्यापीठ के नलिनी एंड अरविंद आर्ट्स कालेज में हिंदी विभाग के अध्यक्ष; प० न्यू शोप ब्लाक, वल्लभविद्यानगर, वाया आनंद ।

कंचनकुमार—ज० २५ अक्टूबर, '३८; शि० बी० ए०, सा० संपा० 'आह्वान', 'नागफनी'; प्रका० राग-विराग (कहा०) '५६, पाषाण कन्या, अनजान द्वीप बदनाम घाटी (उप०), शोकसभा, कोचिंग क्लास (एका०), अनुरंजिता (कहा०), चल मेरे घोड़े; अनु० बालो० सुकुमार राय की 'उट

पटाग', दामू के कारनामे, मेढकों का राजा, सुबह होने तक ; अप्र० तीन ग्रंथ ; प० डी५३/६० डो, नारायणनगर, वाराणसी।

कंचनलता सब्बरवाल, डा०—ज० २८ अगस्त, '०८ ; शि० एम० ए (दर्शनशास्त्र, प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति तथा राजनीतिशास्त्र), पी-एच० डी० (दर्शन-शास्त्र) लखनऊ वि० वि० ; प्रका० उप० मूक प्रश्न, भोली भूल, संकल्प, त्रिवेणी, भटकती आत्मा, स्वाधीनता की ओर, मूक तपस्वी, अनजानी राहें, पुनरुद्धार, अनचाहा, नया मोड, स्नेह के दावेदार, नाट० आदित्यसेन गुप्त, लक्ष्मीबाई, अमिया, अनंता, भीगी पलकें; कहा० भूख, प्यासी धरती, सूखे तालु; अन्य० ईश्वर-संबंधी विचार, प्रगति की ओर, समाज शास्त्र, आचार-शास्त्र, समाजशास्त्र-परिचय, गृह-विज्ञान, शिष्टाचार, व्यावहारिक बाल-मनोविज्ञान, मनोविज्ञान ; वि० 'संकल्प' एवं 'मूक तपस्वी' पर सेक्सरिया महिला पुरस्कार एवं उ० प्र० सरकार का ५००) का पुरस्कार प्राप्त ; प० प्राचार्या, महिला विद्यालय, लखनऊ।

कंठमणि शास्त्री—ज० १८६६ ; ज्ञा० हिंदी, गुजराती, संस्कृत तथा अँग्रेजी , शि० काव्य-वेदांत-शास्त्री, काव्यालंकार, शुद्धाद्वैतरत्न आदि ; सा० विद्याविभाग काँकरोली के प्रतिष्ठापक, बालकृष्ण विद्याभवन काँकरोली के संस्थापक, त्रैमा० 'दिव्यादर्श', द्वैमा० 'वल्लभीय सुधा' के संपा० ; संस्था०-संचा० सरस्वती भंडार, पुस्तकालय विभाग, कविमंडल, विश्व-वस्तु-संग्रहालय, शुद्धाद्वैत एकेडमी काँकरोली , प्रका० संप्रदाय-प्रदीप (हिंदी अनु० सहित), काँकरोली का इतिहास, मंजरी पंचक पर एक दृष्टि-विक्षेप, शुद्धाद्वैत पुष्टिमार्गीय संस्कृत वाङ्मय (हिंदी-परिचय), काँकरोली-दिग्दर्शन, गीता-रहस्यार्थ दर्शन, कलाशिक्षण, बुरहानपुर आर्यसमाज-शास्त्रार्थ, 'सूरसागर' के प्रसिद्ध पदों का विश्लेषण, शु० पु० की आध्यात्मिक पृष्ठभूमि; संपा० गोविंदस्वामी पद-संग्रह, कुंभनदास पद-संग्रह, छीतस्वामी पद-संग्रह, चतुर्भुजदास पद-संग्रह, परमानंददास पद-संग्रह तथा कृष्णदास पद-संग्रह, अष्टछाप की वार्ता, वार्ता-रहस्य (३ भाग), सेवा-शृंगार-प्रणाली, कीर्तन-प्रणाली, प्राकट्य वार्ता, जगदानंद ग्रंथ-संग्रह, चौरासी वार्ता (राज० अनु०), ईशावास्योपनिषद् तथा केनोपनिषद् मनस्विनी व्याख्या ; अप्र० दिव्यादर्श (खंड०), शुद्धाद्वैत-दिग्दर्शन ; वि० शुद्धाद्वैत वेदांत शास्त्री स्वर्णपदक तथा काव्यालंकार स्वर्णपदक प्राप्त , प० संचालक, विद्याविभाग, काँकरोली।

कनकमल अग्रवाल, 'मधुकर'—ज० १२ जुलाई, '१२; शि० उदयपुर; सा० राज० हि० सा० सम्मे० की स्थायी समिति के मान्य सद०, साहित्य-कुल

अजमेर के भूत० मंत्री, भारतीय विद्वत-परिषद से 'साहित्य-महोपाध्याय' उपाधि प्राप्त, भूत० संपा० 'नवज्योति', 'राजस्थान' ; गुरुकुल चित्तौडगढ मे दो वर्ष तक अध्यापक ; प्रका०-संपा० 'नवजीवन' '४० ; प्रका० उद्‌गार (गद्यका०); अप्र० अनेक निबंध, कविता और गद्य काव्य-संग्रह ; वर्त० उदयपुर पत्रकार-संघ के संयोजक ; प० संपादक 'नवजीवन', उदयपुर ।

कन्हैयाप्रसाद सिंह—ज० १९००, शि० बी० ए० भागलपुर, एम० ए० काशी वि० वि०, प्र० '३३ मे ; प्रका० चित्रकथा (कहा०) '३२, साधना '६१, दो फूल '६२ (काव्य) ; अप्र० मखमली जूती ; वि० भूत० विभागाध्यक्ष दर्शन-शास्त्र-विभाग, नालंदा कालेज ; प० अशोक विला, हजारी बाग, नालंदा ।

कन्हैयालाल, 'चंचरीक'—ज० ३ जून, '३३; शि० बी० ए० '५४ आगरा वि० वि०, एम० ए० हिन्दी '५९, पंजाब वि० वि०, ग्रन्थालय-विज्ञान में डिप्लोमा '५५, दिल्ली वि० वि०; सा० भूत० सह-संपा० 'दिल्लगी '५९, 'रचना' '५१, 'शारदा' '५२, 'जन-साहित्य '५४-'५५; कबीर-विचार-परिषद एवं लोकवार्त्ता-परिषद के मंत्री; प्रका० गुनगुन (कवि०) '५०, शारदा-सेवक (परिचय-ग्रन्थ) '५२, बुनकरों का सवाल '५५, लोककथाओं की ग्रन्थ-सूची '५८, अतृप्ता (अनु०) '६१; प० ४८१७, मिश्रास्ट्रीट, रोशनआरा रोड, दिल्ली६

कन्हैयालालछानीवाल, 'सुहृद'—ज० ७ अगस्त, '२२; शि० एम० ए० उज्जैन; सा० रत्न; प्र० '५५ में, प्रका० स्फुट; प० १४५, महाकाल मार्ग, उज्जैन।

कन्हैयालाल परसाई—ज० ११ अक्टूबर, '२२; शि० एम० ए० हिंदी, सा० रत्न; सा० '५३ तक मध्य भारत हिं० सा० समिति के कार्यो में योग, इंदौर में विदेशियों को निःशुल्क हिंदी-शिक्षा दी; प्र० '४६ में; प्रका० स्फुट; प० ए ९९, पंडारा रोड, नई दिल्ली ।

कन्हैयालाल मिश्र, 'प्रभाकर'—ज० १९०६, देवबंद, सहारनपुर; सा० भूत० संपा० 'विकास', 'विश्वास', 'विश्व-ज्ञान', 'ज्ञानोदय' एवं 'नया जीवन'; '४२ के राष्ट्रीय आंदोलन मे जेलयात्रा; प्रका० आकाश के तारे धरती के फूल, जिंदगी मुस्काई, माटी हो गई सोना, बाजे पायलिया के घुँघरू, दीप जले : शंख बजे, महके आँगन : चहके द्वार, कण बोले : क्षण मुस्काये, बूँद-बूँद सागर लहराया, प० विकास लिमिटेड, सहारनपुर ।

कन्हैयालाल सहल, डा०—ज० '१० ; शि० एम० ए०, हिंदी तथा संस्कृत, पी-एच० डी०, सा० मंत्री श्री सूर्यकिरण पारीक-स्मारक-साहित्य-समिति, गत दस वर्षों से प्रधान संपा० त्रैमा० 'मरु-भारती ; प्रका० आलोचना के पथ पर समीक्षायण समीक्षांजलि वाद-समीक्षा साकेत के नवम सर्ग का

काव्य-वैभव, विवेचन, दृष्टिकोण, कामायनी-दर्शन, राजस्थान के सांस्कृतिक उपाख्यान, राजस्थान के ऐतिहासिक प्रवाद, राजस्थानी वीरकथाएँ, राजस्थानी लोककथाएँ, राजस्थानी कहावतें एक अध्ययन (शोध-प्रबंध), राजस्थानी लोक - कथाओं के मूल अभिप्राय, प्रयोग (काव्य), आधुनिक उद्योग और व्यवसाय की दुनियाँ (संपा०), राजस्थानी कहावतें, देश-विदेश की कहावतें, द्रौपदी-विनय अथवा करुण बहत्तरी, निहालदे-सुलतान (तीन खंड), हिंदी गद्य-रत्न-संग्रह, हिंदी-गद्य-संचय, केशव-सुधा क्षणों के धागे (काव्य), अन्य तीन-चार आलो० ग्रंथ : प० उपप्राचार्य तथा अध्यक्ष हिंदी विभाग, बिड़ला आर्ट्स कालेज, पिलानी।

कन्हैया सिंह—ज० '३५, धरवारा, आजमगढ़ , शि० बी० ए० शिवली कालेज, आजमगढ़, एम० ए०, एल-एल० बी प्रयाग वि० वि० , प्रका० पाठ-संपादन के सिद्धांत, चंद्रबली पांडेय-स्मृति ग्रंथ, पत्थर की मुस्कान (कहा०) ; वि० 'पाठ-संपादन के सिद्धांत' ग्रंथ प्रयाग तथा पटना वि० वि० द्वारा हिंदी एम० ए० का स्वीकृत पाठ्यग्रंथ, अपने विषय का हिंदी में पहला ग्रंथ , प० कानून के प्राध्यापक, तिलकधारी महाविद्यालय, जौनपुर ।

कपिलदेव तैलंग—ज० २० जून, '२८, टीकमगढ़ , शि० एम० ए० (हिंदी), सा० रत्न , सा० प्रधान मंत्री 'वीरेंद्र-केशव-साहित्य-परिषद' एवं 'टीकमगढ़ - संस्कृत-विश्व-परिषद' की स्थानीय शाखा ; प्रका० स्फुट लेख तथा कविताएँ , प० तैलंग-भवन, टीकमगढ़ ।

कपिलदेव द्विवेदी, डा०—ज० १६ दिसंबर, '१९ गहमर, गाजीपुर , शि० विद्याभास्कर '३९, गुरुकुल वि० वि० ज्वालापुर, एम० ए० संस्कृत '४६ पंजाब वि० वि०, एम० ए० हिंदी '५२ काशी वि० वि०, डी० फिल० संस्कृत '४९ प्रयाग वि०वि०, व्याकरणाचार्य संस्कृत वि०वि० काशी, शास्त्री '३८ काशी ;जा० फ्रेंच, जर्मन तथा रूसी भाषा ; सा० प्रयाग वि० वि० के संस्कृत विभाग के भूत० प्राध्यापक, भूत० प्राचार्य गुरुकुल महाविद्यालय,ज्वालापुर, चार वर्ष तक सेंट एंड्रूज कालेज गोरखपुर मे संस्कृत विभाग के अध्यक्ष, प्रका० अर्थ विज्ञान और व्याकरणदर्शन '५१, प्रौढ़ रचना - अनुवाद-कौमुदी '५१, रचनानुवाद-कौमुदी '५२, प्रारंभिक रचनानुवाद-कौमुदी '५२, अभिज्ञान प्रतिभा-नाटकम् '५३, संस्कृत साहित्य का इतिहास '५४, शाकुंतलम् '५८, वि० 'अर्थ विज्ञान तथा व्याकरण-दर्शन' पर उ०प्र० सरकार द्वारा १०००) का पुरस्कार '५२ , प० संस्कृत प्रोफेसर, गवर्नमेंट कालेज, नैनीताल ।

कपिलेश्वर झा- 'कमल'—ज० १९०७ शि० एम० ए०, बिहार वि० वि०

मा॰ रत्न, सम्मे॰ प्रयाग , सा॰ संस्था॰ श्रीकृष्ण-पुस्तकालय, हि॰ सा॰ सभा धमौरा, संयो॰ परीक्षा केंद्र हि॰ मा॰ सम्मे॰, भूत॰ मंत्री जिला हि॰ सा॰ सम्मे॰, स्वागताध्यक्ष चंपारन जिला कवि-सम्मे॰, संयुक्त मंत्री चंपारन जिला हि॰ सा॰ सम्मे॰ ; प्रका॰ स्फुट रचनाएँ ; अप्र॰ अरुण ; प॰ धमौरा, चंपारन ।

कमलजीत सिंह—ज॰ ७ दिसंबर, '२६ ; शि॰ एम॰ एस-सी॰ , प्र '६० में ; प्रका॰ लगभग ५० कहानियाँ , अप्र॰ दो कहानी-संग्रह , वर्त॰ प्राध्या॰ राजकीय साइंस कालेज, ग्वालियर; प॰ ७ ए॰, जवाहरनगर, ग्वालियर ।

कमलाकांत पाठक, डा०—ज॰ १९ फरवरी, '२१ ; शि॰ बी॰ ए॰, एल-एल॰ बी॰ आगरा वि॰ वि॰, एम॰ ए॰ नागपुर वि॰ वि॰ ; सा॰ रत्न सम्मे॰ प्रयाग, पी-एच॰ डी॰ '४७ सागर वि॰ वि॰ ; सा॰ समिति विद्यापीठ इंदौर के अवै॰ अधिष्ठाता '४२ - '४३, वनस्थली विद्यापीठ मे हिंदी-प्राध्यापक '४७ - '५९, नागपुर वि॰ वि॰ के हिंदी विभाग के अध्यक्ष तथा स्नातकोत्तर विभाग के सीनियर रीडर '५९ से , प्र॰ '३३ में ; प्रका॰ आधुनिक हिंदी काव्य (दो भाग), नवभारती '५३, पूर्वा '५५ ; संगम (नाट॰) '५५, फूल और पत्ते (कवि॰) '५६, मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्ति और काव्य '५९, वि॰ म॰ प्र॰ शासन पुरस्कार '५५ मे प्राप्त, वर्त॰ अध्यक्ष हिंदी विभाग नागपुर वि॰ वि॰ , प॰ शकुंतला सदन, रामदासपेठ, नागपुर—२ ।

कमलाकुमारी अग्रवाल, श्रीमती—ज॰ १५ अक्टूबर, '३२ , शि॰ बी॰ ए॰, बी॰ एड॰, उदयपुर ; प्र॰ '५३ में , प्रका॰ राजस्थानी चारणी-साहित्य '५९, छंद-अलंकारिका '५९, काव्य-दोष '६० ; भाषाश्री '६०, पत्र और अनुवाद '६० ; अप्र॰ मिटते-उभरते चित्र (कहानी), भारतीय नारियों की हिंदी साहित्य को देन, वागड़ी लोकगीत, राजस्थानी लोक-गीतों की रस-धारा, वागड के रीत-रिवाज ; वर्त॰ हिंदी प्राध्यापिका, राजकीय गर्ल्स हाई स्कूल, डूँगरपुर ; प॰ १७९, अशोकनगर, उदयपुर ।

कमलादेवी पालीवाल—ज॰ ८ अक्टूबर, '३२ , शि॰ बी॰ ए॰, शास्त्री, प्रभाकर , प्रका॰ साधना के स्वर '५०, संस्कृत साहित्य में गीत, घर का राग, बच्चों के बीच में, काव्य और नारी , प॰ द्वारा डा॰ हरिदत्त पालीवाल 'निर्भय', उपमन्यु भवन, कायमगंज ।

कमलापति त्रिपाठी—ज॰ १९०५, वाराणसी ; शि॰ सेंट्रल हिंदू कालेज वाराणसी एवं काशी विद्यापीठ शास्त्री '२६ , सा॰ '२० के प्रथम असहयोग आन्दोलन में शिक्षा स्थगित ; '३२ में 'आज' के संपादन विभाग मे कार्य, '४५ में दैनिक 'आज' तथा साप्ता॰ 'संसार' के संपा॰, पाक्षिक 'ग्राम संसार'

'युगधारा' और 'आँधी' मासिकों के संपा०, '२०-'४२ तक समस्त स्वाधीनता आंदोलनों में सक्रिय भाग, प्रथम असहयोग आंदोलन '२१ में बंदी, '३०, '३२ तथा '४० में भी जेल गये और '४२ के 'भारत छोड़ो' आंदोलन में बंदी होकर '४५ में मुक्त हुए, '३४ से अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सद०, '३७ से उ० प्र० विधान-सभा के सद०, संविधान-परिषद तथा भारतीय संविधान के हिंदी रूपांतर के लिए नियुक्त समिति के सद० रहे, '५२ के प्राथमिक सार्वजनिक निर्वाचन के समय प्रदेशीय निर्वाचन समिति के प्रधान मंत्री, निर्वाचन के उपरांत '५२ में उ० प्र० के मंत्रिमंडल में सिंचाई और सूचना मंत्री, '५७ में उत्तरप्रदेश के गृह-शिक्षा-सूचना तथा हरिजन-कल्याण मंत्री, '६२ के निर्वाचन के पश्चात उ० प्र० के वित्तमंत्री हैं, साहित्य-प्रणेता तथा पत्रकार के रूप में विख्यात, प्रका० मौर्यकालीन भारत, इस्लामी दुनिया का सरताज, चीन और च्यांग, पत्र और पत्रकार, बापू और मानवता, बापू और भारत, बापू के चरणों में, बंदी की चेतना, युग-पुरुष, वि० 'बापू और मानवता' नामक ग्रंथ पर 'मंगलाप्रसाद पुरस्कार' प्राप्त, '४८ में बिहार प्रादेशिक पत्रकार-संघ के वार्षिक सम्मे० के अध्यक्ष, '४७ में वर्ष में प्रकाशित सर्वोच्च ग्रंथ के लिए 'चीन और च्यांग' पुस्तक पर ना० प्र० सभा काशी ने स्वर्णपदक प्रदान किया, वर्त० वित्त मंत्री, उ० प्र० सरकार, विधान-सभा मार्ग, लखनऊ, प० औरंगाबाद वाराणसी ।

कमलापति मिश्र—ज० '१५ भवानीपुर, सुल्तानपुर; सा० '३६-'३८ तक स्व० पं० रामनरेश त्रिपाठी के साथ हिंदी - मंदिर प्रयाग में कार्य, श्री भारतीय के साथ मा० 'लेखक' के संपा०, '३८-'४५ तक 'हंस'-कार्यालय काशी में कार्य, काशी की 'अप्सरा' और 'बालिका' मा० पत्रिकाओं के संपा०, '४८ से आकाशवाणी लखनऊ में, '५१ में 'अखिल भारतीय संस्कृत परिषद की स्थापना लखनऊ में की तथा '६१ तक मंत्री, '५५ में मा० पत्रिका 'युग-चेतना' के संपा० मंडल में, प्रका० स्फुट रचनाएँ, अप्र० संस्कृतनाटकों के कथानक, नेहरू की आत्मकथा का संस्कृत अनु०, प० ४ए०, पार्करोड, लखनऊ ।

कमलापति शास्त्री—ज० मुबारकपुर; शि० एम० ए० हिंदी, काशी वि० वि०, एम० ए० संस्कृत, पटना वि० वि०, सा० रत्न, व्याकरणतीर्थ, काव्यतीर्थ, साहित्याचार्य; जा० संस्था० पूरणमल सांगवेद विद्यालय जहानाबाद '४४ में, पिछले पंद्रह वर्षों से इसके प्राचार्य, वैदिक पुस्तकालय एवं गौतम बुद्ध उच्च विद्यालय की नगर में स्था०, जहानाबाद से 'विमला' '४०-'४१, 'आशा' '४४-'४८ 'वासंती' '५०-'५१ और वासंतकी '५०-'५१ का संपा०: प्रका०

कणिका (कवि०), अप्र० श्रीगिमा, उपत्यका (कहा०), ऊषा (महा०) एवं अन्य ग्रंथ; प० भूदेव फार्मेसी, जहानाबाद, गया।

कमला रत्नम, श्रीमती—ज० '१८; शि० एम० ए० संस्कृत, लखनऊ वि वि० प्रथम श्रेणी में प्रथम, टी० डी० लन्दन वि० वि०; प्र० '४८ में; प्रका० अक्षर गीत एवं दर्शन, एवं साहित्य तथा कविता-संबंधी स्फुट लेख; अप्र० सोवियत रूस में भारतीय भाषाओं का अध्ययन, माँ गंगा, कालिदास और उनके समय की नारी-समस्या, दिनकर और उनका काव्य, रामकृष्ण विवेकानंद और निराला, वि० अँगरेजी में बुद्ध-चरितम् तथा बाल-रामायण का लेखन और अभिनय, दिनकर की कविताओं का अँगरेजी अनुवाद करने में संलग्न; प० द्वारा पी० रत्नम, भारतीय राजदूत, चिली (विदेश)।

कमलेश भारतीय—ज० ८ फरवरी, '१८, मथुरा; शि० बी० ए० आगरा कालेज; सा० प्रचार-मंत्री बंबई हिंदी-प्रचार सभा, संगठन-मंत्री गुजरात प्रान्तीय राष्ट्रभाषा-प्रचार-समिति अहमदाबाद, प्रबन्ध-मंत्री बंबई प्रांतीय हिं० सा० सम्मे०, पश्चिमी भारत में हिंदी-प्रचार-कार्य '३८ से '५० तक, संपा० मा० 'प्रेम' '५१-'५२; प्रका० स्फुट; प० प्रेम महाविद्यालय, वृंदावन।

कमलेश सक्सेना, कुमारी—ज० १ जनवरी '२८; सा० सम्मे० प्रयाग की स्थायी समिति की भूत० सदस्या, हिंदी साहित्यिक समाज तथा महिला साहित्यिक समाज दिल्ली की स्थापना में सहयोग; प्रका० शाप या वरदान; अप्र० तपस्विनी, बिखरे चित्र, बिखरे आँसू; प० प्राचार्या, कमलेश बालिका विद्यालय, बाजार सीताराम, दिल्ली—६।

करुणाशंकर पंड्या—ज० ६ दिसंबर, '१५; शि० बी० एस-सी०; सा० भूत० संपा०: 'नवजीवन' '४०, दै० 'विश्वमित्र' '४१-'४६, मासिक 'विश्व-दर्शन' '४८-'४९, दै० 'विकास' '४९-'५०, दै० 'नवभारत टाइम्स' '५०-'५६, मंत्री: महाकौशल भारत-सेवक-समाज, प्र० '६० में; प्रका० काव्य. एक धरोहर, पाषाणी, प्रजावत्सल भोज; प० संपा०, 'पंचायत' एवं 'समाज-सेवा', संचालनालय, म० प्र० शासन, इंदौर।

करुणाशंकर शुक्ल करुणेश—ज० १९०७; सा० '३० में राष्ट्रीय कविताओं को सार्वजनिक सभाओं में पढ़ने के कारण जेलयात्रा; प्रका० हिलोर; अप्र० दो-तीन काव्य; प० शुक्ल सदन, ८/६५ आर्यनगर, कानपुर।

कर्ण राजशेषगिरि राव—ज० १२ अप्रैल '२७; शि० बी० ए०, आंध्र वि० वि०, एम० ए० हिंदी, नागपुर वि० वि०, एम० ए० संस्कृत, काशी वि० वि०, सा० बीस वर्षों से आंध्र प्रांत में हिंदी-प्रचार, अध्यापक हिंदू कालेज गुंटूर

'४८-'४९ तक, नेशनल कालेज मछलीपट्टम '४९ से '५५ तक, लोयोला कालेज विजयवाडा '५६ से; प्र '५५ में; प्रका० आंध्र की लोककथाएँ, हिंदी-तेलुगु-बोधनी, सरल हिंदी-बोध, हिंदी-निबंध; वि० तेलुगु में भी लिखते हैं; 'आंध्र की लोककथाएँ केन्द्रीय सरकार से पुरस्कृत; प० अध्यक्ष, हिंदी विभाग, लोयोला कालेज, विजयवाडा ५।

कलक्टर सिंह, 'केसरी'—ज० १९०९, शि० एम० ए० पटना; सा० विहार हि० सा० सम्मे० की स्थायी समिति के सद०, '४१ में बिहार प्रांतीय कवि सम्मे० के सभा०; प्र० '२८ में; प्रका० कवि० : मराली '४३, कदंब '५४, आम-महुआ '५४, सफल जीवन की झाँकियाँ (गद्य) '४३; अप्र० दो कवि० संक०, प० प्राचार्य, समस्तीपुर कालेज, समस्तीपुर, दरभंगा।

कल्याणकुमार जैन, 'शशि'—ज० मार्च १९०८; सा० संचा० हि० सा० गोष्ठी, अध्यक्ष 'भारत स्काउट्स ऐंड गाइड्स', भूत सभा० स्थानीय ज्ञानमंदिर, भूत० शिक्षा-मंत्री स्थानीय जैन समाज, भूत० संपादक 'संदेश', 'आदर्श', 'वीरवाणी', 'शांति' एवं 'सिंधु'; प्र० '२८ से; प्रका० हृदय की आग '३०, पखुरिया, देवगढ; अप्र० दो संक; प० संपादक साप्ता० 'प्रदीप', रामपुर।

कांता सिन्हा—ज० १३ अक्टूबर, '३२; शि० बी० ए०; प्रका० काँच का रास्ता '६० (कहा०), अनुपमा (उप०) '६२ ; वि०आकाशवाणी नागपुर से कई एकांकी प्रसारित ; प० मातृछाया, नया धरमपेठ, नागपुर।

कांतिकिशोर भरतिया—ज० १२ नवंबर, '२८ लुधियाना ; शि० एम० ए० कानपुर ; प्रका० संस्कृत नाटककार, पशु जगत के कुछ चमत्कार ; प० संस्कृत-प्राध्यापक, डी० ए० वी० कालेज, कानपुर।

कांति त्रिपाठी, कु०—ज० २५ मई, '२५, शि० एम० ए० इतिहास '४७, एम० ए० हिंदी '५५, एल० टी० '४८ प्रयाग वि०वि० ; प्रका० गद्यकाव्य : जीवन दीप '५८ एवं ऊष्मा '६२ , वर्त० '५६ से गोकुलदास गर्ल्स डिगरी कालेज में हिंदी प्राध्यापिका ; वि० आगरा वि० वि० से 'हिंदी नाटकों मे कविता और गीत का प्रयोग' विषय पर शोधकार्य मे संलग्न ; प० लोहागढ़, मुरादाबाद।

कांतिमोहन शर्मा—ज० १४ जुलाई, '३६ , शि० बी० ए० आगरा वि० वि०, एम० ए० हिंदी, दिल्ली वि० वि० ; सा० एक वर्ष तक सहा० संपा० कोश-विभाग, हि० सा० सम्मे० ; प्रध्यापक डी० एस० डिग्री कालेज, गुड़गाँव , प्रका० कुरुक्षेत्र-मीमांसा '५८ ; अप्र० दो लेख-कहानी-संक० , वि० 'खड़ीबोली प्रबंधकाव्य में नायक की परिकल्पना' विषय पर शोध-कार्य-रत्त ; प० ३२३, कूचा संजोगीराम- नया बाँस- दिल्ली—६।

कांतिलाल मोदी, 'प्रभाती'—सा० '४६ में बंबई के दै० 'लोकमान्य' के सह० संपा०, प्रका० स्फुट रचनाएँ, वि० हि०मा० सम्मे० के बंबई अधिवेशन में 'क्षत्राणी' कविता पर पुरस्कार, प० हि०सा परि०, देवरी, सागर।

कांति श्रीवास्तव, श्रीमती—ज० ११ नवंबर, '२८, शि० सा० रत्न, प्रका० अर्थ एवं ध्वनि-विचार '५४; अप्र० दो लेख-संकलन, वि० 'अर्थ एवं ध्वनि-विचार' '५५ में विंध्यप्रदेश सरकार द्वारा पुरस्कृत; प० द्वारा प्रो० सूर्यप्रसाद श्रीवास्तव, युवराजदत्त महाविद्यालय, लखीमपुर, खीरी।

कामताप्रसाद जैन—ज० १९०१; सा० सद० रायल एशियाटिक सोसाइटी लंदन, भारतीय इतिहास-परिषद वाराणसी '३८, 'दि कीसरलिंग की फिलासफी सोसाइटी' जरमनी, 'वर्ल्ड पीस मिशन' टोरेंटो, कैनाडा, 'यूनिवर्सल रिलीज एलाइंस' हवाना, अ०भा० प्राच्यविद्या सम्मे० अहमदाबाद के जैन प्राकृत-विभाग के सभा०, भूत० संपा० दैनिक 'सुदर्शन', 'आदर्श जैन' तथा 'वीर'; वर्त० संपा० 'जैन सिद्धांत-भास्कर', 'अहिंसा वाणी' और 'वायस आव अहिंसा'; १० वर्ष तक स्थानीय आनरेरी मैजिस्ट्रेट तथा ६ वर्ष तक असि० कलक्टर, अलीगंज के महावीर जैन-पुस्तकालय के संस्था०, कांग्रेस के आंदोलनों में सक्रिय भाग, हि०सा०सम्मे० एटा की अलीगंज शाखा के संयो०, '५७ के विश्व शाकाहार सम्मे० के दिल्ली-केंद्र की स्वागत समिति के मंत्री, 'अखिल विश्व जैनमिशन' की स्थापना कर विदेश में अहिंसा और जैन-धर्म का प्रसार; प्रका० सत्यमार्ग, भ० महावीर, भ० पार्श्वनाथ, भ० महावीर तथा म० बुद्ध, संक्षिप्त जैन इतिहास (६ खंड), आदि तीर्थंकर, भ० ऋषभदेव, अहिंसा और उसका विश्वव्यापी प्रभाव, विचार और वितर्क, पंचरत्न, समाधिशतक का पद्यानुवाद, समाधि (अँग०अनु०), मेरी भावना (अँग०अनु०), बाहुबलि गोमटेश्वर, तथा अँगरेजी में अनेक पुस्तकें; वि० सो० बा० जैन एकेडमी द्वारा 'जैन इतिहास' की खोज पर 'डाक्टर आव लाज' की उपाधि, नेशनल कालेज (इयुकमेनियन चर्च) टोरेंटो, कैनाडा द्वारा तुलनात्मक अध्ययन पर 'डाक्टर आफ फिलासफी' उपाधि; प० जैन-भवन, अलीगंज, एटा।

कामताप्रसाद सोनी, 'शांत', डा०—ज० '३०; शि० मैट्रिक, आयुर्विशारद, आर०एम० पी०, एच० एम० बी० एस०; सा० भूत० संपा०-प्रका० मा० 'साथी', संस्था० 'साथी ऐंड कंपनी' नामक प्रकाशन संस्था, प्रका० गढ़ाकोटा का ३०० वर्ष का इतिहास; अप्र० निबंध, कहानियों एवं कविताओं के संक०; प० संपा० साप्ता० 'विजय घोष', गढ़ाकोटा, सागर।

कामिल बुल्के, डा०—ज० १ सितंबर, १९०९ शि० बी० एस-सी० इंजी

नियरिंग, बेल्जियम '३८, बी० ए० आनर्स, कलकत्ता वि० वि० '४५, एम० ए० हिंदी '४७ एवं डी० फिल '४९ प्रयाग वि० वि० ; सा० सद० बिहार राष्ट्र-भाषा परिषद ; प्रका० राम-कथा : उत्पत्ति और विकास '५०, नील पंछी (अँग्रेजी नाटक का अनु०), 'अँगरेजी-हिंदी पारिभाषिक शब्दावली' का संपादन किया है ; अँग्रेजी में कई ग्रंथ लिखे हैं ; वर्त० हिंदी-विभागाध्यक्ष, संत जेवियर कालेज, रांची ; प० मनरेसा हाउस, पो० बा० २, राँची ।

कालिकाप्रसाद दीक्षित, 'द्विजहंस'—ज० ५ अगस्त, १९०९ ; शि० एम० ए० हिंदी ; सा० '४२-'४६ तक मा० पत्रिका 'नागरिक रक्षा' के साहित्यिक स्तंभ का संपा०, '४७-'४८ में मा० 'सर्वहितकारी' का संपा०, 'द्विवेदी-स्मारक-समिति' की कार्य-कारिणी के सद०, १९ वर्ष तक अध्यापक रहे ; प्रका० स्फुट लेख, कविता तथा कहानियाँ ; वि० 'महायुद्ध' कविता पर उन्नाव के अन्तर्भारतीय कवि-सम्मेलन में स्वर्णपदक ; प० गुलाब रोड, रायबरेली ।

कालिदास कपूर—ज० ११ अगस्त, १८९२ , शि० एम० ए०, एल० टी० ; सा० कालीचरण इंटर कालेज, लखनऊ के प्रधानाध्यापक '२१-'५१ तक, 'यू० पी० सेकेंडरी एजुकेशन एसोसिएशन' के सभा० '२५-'२६, अँग्रेजी मा० 'एजुकेशन' के संपा० '२८ से '४९, 'बोर्ड आफ हाई स्कूल और इंटरमीजिएट एजुकेशन' में प्रधानाध्यापकों के प्रतिनिधि '२५-'३७, इस बोर्ड की हिंदी समिति के प्रधान '३१-'३७, जापान-यात्रा '३६ में, संयुक्तप्रांतीय 'टीचर्स कोआपरेटिव सोसाइटियों के सभा० '३३-'४२, 'हिंदी-सेवी-संसार' के प्रथम संस्करण के संचा० तथा संपा० , प्रका० स्वतंत्र भारत और किशोर-कर्तव्य, किशोरावस्था की नागरिकता, साहित्य-समीक्षा, शिक्षा-समीक्षा, भारतीय सभ्यता का विकास, भारतीय इतिहास की मानचित्रावली, मुदर्रिस की आत्मकहानी, स्वाधीनता की सुरक्षा, बाबा की बातें, भारतीय सभ्यता का विकास, 'टुवर्ड्स ए बेटर आर्डर' (अँग०), 'जापान ऐज़ आई सा इट' (अँग०), भारतीय इतिहास की रूपरेखा, विश्व-संस्कृति का विकास, मानव इतिहास की झलक, भारतीय इतिहास की कहानियाँ, हिंदी-सार-संग्रह (चार भाग), आधुनिक पद्यावली, विज्ञान-वार्ता, देश-देश के सखा-सहेली ; अप्र० भारतीय भू-नीति (यंत्रस्थ), दंपति-दर्पण, मानवता का विकास, नवीन नैतिकता, मानसिक स्वतन्त्रता की ओर, धर्म-विजय, वि० अँगरेजी से अनु० भी किये हैं , प० कपूर-कुटी, हरदोई मार्ग, लखनऊ ।

कासिमअली, सैय्यद—ज० २२ अप्रैल, १९००, साँई खेड़ा, नरसिंहपुर, शि० साहित्यालंकार ज्ञा० उर्दू, अँगरेजी फारसी अरबी गौंडी मराठी ·

मा० अनेक संस्थाओं के सद० एवं पदाधिकारी, 'टेक्स्टबुक कमेटी' के सद०, भूत संपा० दै० 'स्वदेश' इलाहाबाद, साप्ता० 'इत्तेहाद' सागर, साप्ता० 'महाकौशल' नागपुर, मा० 'दीपक' अबोहर, मा० 'संगीत' हाथरस, 'इन्कीलाब' जबलपुर, साप्ता० 'ऐटम' जबलपुर प्रका० नाट० देशभक्त नर्तकी, संयोगिता, ग्राम-सुधार, मुहब्बत इस्लाम; प्रह० : भ्रष्टाचार्य, शराब की बोतल, कहा० : हमारी परिशिष्ट, नूरजहाँ बाल कहानी; पद्य : सरल गीत, राष्ट्रीय दर्पण, आजाद वतन, जीव० : सर सैय्यद अहमद खाँ, महर्षि उमर, शान्तिदूत बापू, अन्य० हजरत मोहम्मद, गद्य-गरिमा, उर्दू के सेवक, नवीन संततिशास्त्र आदि, प० मिल्लौनीगंज, जबलपुर।

किरणकुमारी गुप्त श्रीमती, डा०—ज० ८ जुलाई, '२०, शि० बी० ए० '४० काशी वि० वि०, एम० ए० हिंदी '४३, एम० ए० संस्कृत '५०, पी-एच डी० हिंदी, आगरा वि० वि०, डी० लिट्० संस्कृत '६० आगरा वि० वि०; प्र '४८ में, प्रका० हिंदी-काव्य में प्रकृति-चित्रण '४८, कदीम अग्रवाल विवाह प्रथा, पुरस्कार (कहा०), तुलसी-सौरभ, कथा-कुंज, कथा-कुसुमांजलि (सक०); वि० प्रथम ग्रंथ पी-एच० डी० का शोधप्रबंध है, जो उ० प्र० सरकार द्वारा (१०००) से '५० में पुरस्कृत; वर्त० प्रधानाचार्या, मुरारीलाल खत्री बालिका विद्यालय, आगरा, प० ५ सी०, महात्मा गाँधी मार्ग, आगरा।

किरणचंद्र शर्मा, डा०—ज० ८ जनवरी, '१७, सोनीपत, रोहतक, शि० बी० ए० आनर्स संस्कृत, एम० ए० संस्कृत '३६, एम० ए० हिंदी '४८, दिल्ली वि० वि०, पी-एच० डी० '५७ पंजाब वि० वि०; सा० साहित्यकार-परिषद पटियाला के सभा०; प्रका० केशवदास : जीवनी, कला और कृतित्व (शोधग्रंथ), गद्य-चंद्रिका, आज की प्रतिनिधि कहानियाँ, हर्षचरित्र-सार (अँग० अनु०), आचार्य केशवदास-कृत जहाँगीर-जस-चंद्रिका (संपा०) '१८, केशवदास के तीन रीति-ग्रंथ, वि० पंजाब सरकार द्वारा 'केशवदास जीवनी कला और कृतित्व' पर पुरस्कार, वर्त० गवर्नमेंट कालेज होशियारपुर में हिंदी-विभाग के अध्यक्ष; प० गलीशोरा कोठी, पानीपत, करनाल।

किशवरजैदी, श्रीमती—ज० १२ जुलाई, '३४; शि० बी० ए० आनर्स दिल्ली वि० वि०; प्रका० नई किरण जागी, नई मंजिल नई राहें (लघु उप०) अप्र० एक उप० एक कहा० सक०, वि० दोनों उप० भारत सरकार की ओर से पुरस्कृत; प० स्क्रिप्ट लेखिका, उर्दू मजलिस विभाग, आकाशवाणी, दिल्ली।

किशोरचंद्र कपूर, 'किशोर'—ज० १८८६; सा० काँग्रेस के कार्यकर्ता यू० पी० किसान सेवा समिति कानपुर के प्रधान मंत्री अध्यक्ष 'दि किसान

मर्चेंट्स ऐसोसियेशन' कानपुर, भूत॰ प्रधान मंत्री एवं संस्था॰ श्री किराना धर्मादा कमेटी, भूत॰ अध्यक्ष स्था॰ नवजीवन सभा, प्र॰ '४१ में; प्रका॰ गजवदन विनोद महाकाव्य (दो भाग) '६२ ; प॰ लाठी मोहाल, कानपुर।

किशोरी त्रिवेदी, श्रीमती—ज॰ ५ अक्टूबर '३५ ; शि॰ बी॰ ए॰, सा॰ रत्न, विशारद, कृता॰, सा॰ महिला सहायक संघ हिंदी पुस्तकालय की स्था॰, हिंदी-लोक-परिषद-संसद की सक्रिय सद॰, नारी-साक्षरता-आंदोलन में कार्य ; प्र॰ '५२ में, प्रका॰ भारत की साहित्यिक महिलाएँ (संपा॰); अप्र॰ त्रिपथगा (कहा॰), नारी : नारी ; प॰ अवनि-अंबर, पुखरायाँ, कानपुर।

किशोरीदास वाजपेयी (गोविंदप्रसाद), आचार्य—ज॰ रामनगर, कानपुर ; शि॰ वृंदावन, प्रथमा काशी से प्रथम श्रेणी में '१७, (वि॰ वि॰ में द्वितीय स्थान), विशारद पंजाब वि॰वि॰, शास्त्री '१८ ; सा॰ '२०, '२४ तथा '४२ के राष्ट्रीय आंदोलन में भाग, भूत॰ संपा॰ 'वराल' आगरा, प्रका॰ हिंदी शब्दानुशासन, भारतीय भाषा-विज्ञान, साहित्य-निर्माण, राष्ट्रभाषा का इतिहास, अच्छी हिंदी, साहित्यिक संस्मरण, साहित्यिकों के पत्र, सुदामा (नाट॰), तरंगिणी (ब्रजभाषा-काव्य), द्वापर की राज्य-क्रांति, लेखन-कला, अच्छी हिंदी का नमूना, मानव धर्म-मीमांसा, कांग्रेस का संक्षिप्त इतिहास, ब्रजभाषा का व्याकरण ; वि॰ भाषा-शास्त्र का गहन अध्ययन किया है अनेक ग्रंथ पुरस्कृत हुए हैं ; प॰ कनखल, हरिद्वार।

किशोरीलाल गुप्त—ज॰ १८८३ ; शि॰ विशारद सम्मे॰ प्रयाग ; सा॰ कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, संपा॰ 'राजस्थान', सभा॰ पोरवाल महासभा, प्रजामंडल एवं पोरवाल किसान सेवा-संघ, संपा॰ 'पोरवाल हितकारी', प्रका॰ काव्य-वाटिका, विरहनी-विलाप, सदुपदेश-माला, अनुभूत प्रश्नावली, अप्र॰ मराठी-हिंदी-शिक्षा, गुजराती-हिंदी-शिक्षा ; वि॰ 'वाणीभूषण' और 'व्याख्यान केसरी' की उपाधियाँ मिली हैं, प॰ कुटीर, मेलखेड़ा, मालवा।

किशोरीलाल गुप्त, डा॰—ज॰ '१६, शि॰ बी॰ ए॰ आनर्स '४०, एम॰ ए॰ अँग्रेजी '४२, एम॰ ए॰ हिंदी '४३ काशी वि॰ वि॰, बी॰ टी॰ '४४, पी-एच॰ डी॰ '५७ एवं डी॰ लिट् '६२ आगरा वि॰वि॰ ; प्र॰ '३१ में ; सा॰ जुलाई '४८ से जून '६२ तक शिबली नेशनल कालेज आजमगढ़ में हिंदी विभागाध्यक्ष रहे; जुलाई '६२ से हिंदू डिगरी कालेज, जमानिया, गाजीपुर में प्राचार्य ; भूत॰ संपा॰ त्रैमा॰ 'हरिऔध' आजमगढ़; प्रका॰ शंपा '५१, रमामा '५२, प्रसाद का विकासात्मक अध्ययन '५३, भारतेंदु तथा अन्य सहयोगी कवि '५६ काव्य प्रवेश '५६ हिंदी साहित्य का प्रथम इतिहास अप्र

नागरीदास, शिवसिंह-सरोज, सरोज-सर्वेक्षण, सूरसागर का छंदोविधान, प्रसाद-चिंतन, कामायनी का अँगरेजी अनु०, कबीर-दोहावली की टीका, गीत-पायल, कलावती; नाट० प्रतिशोध, विध्वंस, वि० डी० लिट्० के शोध-प्रबंध का विषय 'हिंदी साहित्य के इतिहास के विविध सूत्रों का विश्लेषण' था, 'भारतेंदु और अन्य सहयोगी कवि' पर उ०प्र० सरकार द्वारा '५७ में ८००) का पुरस्कार प्राप्त, प० (१) मुधवै, गोपीगंज-बडागाँव, वाराणसी। (२) प्राचार्य हिंदू डिगरी कालेज, जमानिया, गाजीपुर।

किशोरीशरणलाल, डा०—ज० २६ फरवरी, '२० ; शि० एम० ए० '४१, डी० फिल० '४५ प्रयाग वि० वि० ; सा० सचिव मध्यप्रदेश इतिहास-परिषद, संयोजक म० प्र० 'रीजनल रिकार्ड्स सर्वे कमेटी', प्रका० आधुनिक यूरोप का इतिहास '५६, खिलजियों का इतिहास ; वि० 'लाइफ ऐंड कंडीशंस आफ दि पीपुल आफ हिंदुस्तान' का हिंदी में अनु० किया है जो छपने को है, तीन ग्रंथ अँगरेजी में लिखे, वर्त० इतिहास विभागाध्यक्ष हमीदिया आर्ट्स कालेज, भोपाल ; प० १८३।३ प्रोफेसर्स कालोनी, भोपाल।

कीर्तिप्रसाद गुप्त—ज० ३ मार्च, १९०२ ; सा० रत्न सम्मे० प्रयाग, साहित्यालंकार अयोध्या, साहित्य-मनीषी, काशी, प्रका० बेसिक-रचना-प्रणाली '४२, बेसिक व्याकरण-कीर्ति, प्राथमिक अपठित-भाषेंदु, अनुवाद-मंजरी, व्याकरण-बोधनी, माध्यमिक गणित-कीर्ति ; अप्र० स्फुट रचनाओं के दो-तीन संक०; प० कीर्ति-सदन, चंदिया, सहडोल (म० प्र०)।

कीर्त्यानंद शर्मा 'पंकज'—शि० बी० ए० पूर्णिया, एम० ए० भागलपुर ; विद्यावाचस्पति, अजमेर ; प्र० '५३ में ; प्रका० स्फुट कहानियाँ, कवितायें एवं निबंध ; प० कुरसाकांटा, पूर्णिया।

कुंजबिहारी पांडेय—ज० १९०९, फतेहपुर ; शि० मैट्रिक ; सा० भूत० संपा० दै० 'जनता' इंदौर, सह०संपा० दै० 'मालवा' रतलाम, संपा० में परामर्श-दाता साप्ता० 'तरंग' बनारस तथा पाक्षिक 'मतवाला' जोधपुर, मध्यभारत साहित्यालंकार परिषद इंदौर के '५२ तक अध्यक्ष, आकाशवाणी इंदौर के ग्रामवार्ता-विनोद विभाग में कुछ समय तक कार्य, अ० भा० मूर्ख महासम्मेलन दिल्ली '५९ के सभा० ; प्रका० निशीथिनी (कवि०) '४६, उपवन '५२ ; वि० भारत सरकार की ओर से प्रतिनिधि हास्य कवि के रूप में भारतीय दूतावास नेपाल के माध्यम से काठमाँडू में सम्मान प्राप्त, हास्यरस के प्रमुख कवि, प० कवि-कुंज, बडनगर, म० प्र०।

कुंजीलाल पंचोली—ज० १ जुलाई, '११ ; शि० विज्ञानरत्न (कृषि

'४१, सा० रत्न '४७, सा० संस्था० स्थानीय सम्मेलन-परीक्षा केंद्र ; प्रका० गोपालन '३६, फसलों का रोटेशन, उत्तम बीज, मुकद्दमेबाजी, संत गरीब नाथ की झाँकी, वि० होलकर स्टेट ग्राम-सुधार-समिति की ओर से एक लेख पर पदक प्राप्त ; प० अध्यापक माध्यमिक विद्यालय, खातेगाँव, देवास।

कुंदनलाल उप्रेती—ज० १३ सितंबर, '३५ आगरा, शि० एम० ए० सा० रत्न, प्रका० सुमित्रानंदन पंत और उनका आधुनिक काव्य, नाटककार जयशंकर प्रसाद और चंद्रगुप्त, हिंदी गद्य-लेखक और उनकी शैलियाँ, आधुनिक कवि और उनका काव्य (संपा०), सूर का भ्रमरगीत : एक अन्वेषण (सहलेखक), प० प्राध्यापक, वारहसेनी कालेज, अलीगढ़।

कुंदनलाल जैन—ज० १ फरवरी, '२६, शि० एम० ए० (संस्कृत, हिंदी), एल० टी०, साहित्यशास्त्री, प्र० '४२ से ; प्रका० स्फुट रचनाएँ, वर्त० प्राचीन पाडुलिपियों का वर्गीकृत सूचीपत्र तैयार करने में संलग्न ; प० ७।२४ दरियागंज, दिल्ली।

कुँवर देशमित्र, डा०—ज० ४ फरवरी, '२५, शि० एम० बी० एच०, साहित्यवाचस्पति, सा० '४२ के आदोलन मे भाग लिया, सह-संपा० 'मजदूर-ससार' एवं 'राकेश', 'ट्रांसवाल प्रजापति एसोसियेशन' अफ्रीका के 'प्रजापति गौरव-ग्रंथ' (गुजराती) के संपा० मडल के सद०, प्रका० स्फुट रचनाएँ ; अप्र० विदाई वेला, मैदान मे (कवि०), पथ की ओर (कहा०), विप्लव (उप०) ; प० २८००, शाहगंज, जी० टी० रोड, दिल्ली।

कुमार विमल—ज० १२ अक्टूबर, '३२ ; शि० एम० ए० (हिंदी) पटना वि० वि०, सा० भूत० प्राध्यापक आर० डी० एंड डी० जे० कालेज मुंगेर एव हरप्रसाददास जैन कालेज आरा में ; प्र० '४७ में ; प्रका० आगे बढ़ो (गद्य) '४८, अंगार (काव्य) '४९, मूल्य और मीमासा (आलो०) '५८, महादेवी वर्मा : एक मूल्याकन '६२ ; अप्र० गाँधीवाद की पृष्ठभूमि, महामानव बापू (खंड०), चदन गधा (कवि०), अत्याधुनिक साहित्य : एक सर्वेक्षण, महादेवी का काव्य-सौष्ठव (आलो०), ललित कालाओं का तात्त्विक विवेचन ; वर्त० प्राध्यापक हिंदी विभाग, वि० वि०, पटना ; प० रेलवे गुमटी नं० २, मोगल बाजार, मुंगेर।

कुमुद विद्यालंकार—ज० '१६, मुंगेर ; शि० विद्यालंकार, सा० संपा० 'नव संदेश', 'नौनिहाल', 'हितैषी', 'वर्द्धमान' (आगरा), 'गाँधीवाद', 'विद्यार्थी-संदेश' (दिल्ली), 'नवसंदेश', (पटना), प्रका० संगम (कवि०), निर्वाण (प्रबंध०), विद्यापति-पदावली (आलो०), साहित्य-परिचय, राजर्षि नमि

(खंड०), वि० 'निर्वाण' पर 'रत्न' पुरस्कार प्राप्त ; प० सौरभ कुटीर, ममारखपुर बेहटा, बनवारीपुर, मुंगेर।

कुलदीपचन्द्र चड्ढा—ज० ६ अप्रैल, '२५ लाहौर, शि० एम० एस-सी आनर्स भौतिकी, डी० ए० वी० कालेज लाहौर, सा० दिल्ली की साहित्य-परिषद से सबंधित ; प्र० '४७ मे ; प्रका० लगभग ५० वैज्ञानिक लेख, ६० कहानियाँ एवं ५० कविताएँ ; वर्त० आकाशवाणी दिल्ली के अनुसधान-विभाग मे इंजीनियर, वि० लेखादि 'कुलदीप चड्ढा' एवं कविताएँ कुलदीप सिंधु' नाम से छपी हैं ; प० सी ६/१७, राणाप्रताप बाग, दिल्ली ६।

कुलभूषण—ज० ५ सितंबर, '२०; शि० बी० ए० आनर्स बंबई वि० वि०, प्र० कहानी '३५ में ; प्रका० गाँधी जी के साथ सात दिन (अनु०) '४५, पगडंडी और परछाइयाँ '५५, सुलेमान का खजाना '५५, तेल की कहानी '५५, सपनों का टुकडा '५६, मुन्नू के मित्र '५९, अनेक देश एक इंसान (यात्रा) '५९, कहानियाँ रूसी मे अनु० संकलन '५९, , त्रि० म० प्र० शासन द्वारा 'मुन्नू के मित्र' पर विश्वनाथ पुरस्कार '६० मे , प० ४।८ पटेलनगर, नई दिल्ली।

कृपानाथ मिश्र—ज० १९०५, चम्पारन, भागलपुर , शि० एम० ए० पटना वि० वि०, बी० ए० आनर्स किंग्स कालेज, लदन, बी० ए० लन्दन स्कूल आफ ओरिएंटल स्टडीज ; सा० भूत० संपा० 'रोशनी' तथा संयो० संपा० बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित 'पाठ्य पुस्तक माला' ; प्रका० मणिगोस्वामी, इन्द्र धनुप (नाट०), प्यास (उप०), बालकों का योरोप, विदेश की बात, हिन्दुस्तानी कहानियाँ, अँगरेजी उच्चारण-विधान, प्रबंध-संग्रह, कविता-कौमुदी , अप्र० गायत्री, राग अमर, श्रीकृष्ण, फूलो के देश मे, सीता, चैतन्य, यह भारतवर्ष हमारा ; वि० प० जर्मनी मे बने ओलपिया-मिश्र हिंदी टाइपराइटर के आविष्कर्ता ; प० प्राध्यापक, साइंस कालेज, पटना।

कृपाशंकर अवस्थी—ज० १९०१ , शि० सांख्य-योग-साहित्य-आयुर्वेद-आचार्य, भिषग्भूषण, विशारद ; सा० संपा० संस्कृत मा० 'देववाणी' मुंगेर, सभापति , अ० भा० देव-भाषा-परिषद, स्थानीय संस्कृत-परिषद, हिंदी पुस्तकालय एवं जिला वैद्य सम्मेलन; सद० स्थानीय 'गवर्निंग बाडी' गवर्नमेंट संस्कृत उच्च विद्यालय, जिला-हिंदी सा० सम्मे०, हिंदी सा० परिषद एवं टेक्निकल इंस्टीट्यूट, भूत० प्राचार्य : सनातन धर्म संस्कृत कालेज मुंगेर, मंत्री श्रीकृष्ण पुस्तकालय हाजीपुर; सद० बिहार संस्कृत एसोसिएशन पटना; प्रका० स्फुट रचनाएँ, प० अवस्थी-निवास, मुंगेर।

कृपाशंकर गौड—ज० १५ अप्रैल '१७ दनकौर बुलंदशहर, शि

एम० ए० (भूगोल, अर्थशास्त्र तथा हिंदी), सा० रत्न० ; प्रका० सरल अर्थ-शास्त्र, '५२ अर्थशास्त्र के मूल आधार, वाणिज्य-अर्थशास्त्र के मूल आधार, कृषि-अर्थशास्त्र के मूल आधार, वाणिज्य-अर्थशास्त्र की रूपरेखा, वाणिज्य-भूगोल-भूमिका, माध्यमिक भारतभूमि, माध्यमिक एशिया, माध्यमिक विश्व-भूगोल, माध्यमिक प्रक्रियात्मक भूगोल, भारत की भौगोलिक समीक्षा, एशिया की भौगोलिक समीक्षा, उत्तरी अफरीका की भौगोलिक समीक्षा, भौतिक भूगोल के सिद्धांत इत्यादि ; वि० उ० प्र० सरकार की हिंदी समिति द्वारा दो बार पुरस्कृत ; प० मोदी साइंस एंड कामर्स कालेज, मोदीनगर ।

कृपाशंकर शुक्ल—ज० १० जुलाई, '१८; शि० एम० ए० '४१ प्रयाग वि० वि० प्रथम श्रेणी में, डी० लिट० '५५ लखनऊ वि० वि०; प्रका० हिंदू गणित शास्त्र का इतिहास (भाग १) '५६, सूर्य-सिद्धांत (परमेश्वर की टीका सहित) '५७, श्रीधराचार्य की पाटीगणित '५८, महाभास्करीय '६१, लघु भास्करीय, त्रि० प्रथम ग्रंथ हिंदी में तथा शेष संस्कृत व अँग्रेजी में हैं; भारतीय गणित एवं ज्योतिष-संबंधी विषयों के अधिकारी लेखक, वर्त० रीडर, गणित विभाग लखनऊ वि० वि०, प० चौराहा हुसैनगंज, लक्ष्मण भवन के पीछे, लखनऊ ।

कृष्णकांत व्रजलाल व्यास—ज० ३० अगस्त, '१०, शि० मैट्रिक ; सा० 'प्रजा-मंडल-पत्रिका' इंदौर के संपा० '४७-'५४ तक, दै० 'नई दुनिया' के प्रका०-संपा०, '५६ में म० प्र० कांग्रेस कमेटी के मुखपत्र 'कांग्रेस-संदेश' के संपा०, इंदौर राज्य-प्रजा-मंडल, मध्यभारत देशी राज्य-लोक परिषद एवं कांग्रेस-कमेटी के प्रधान मंत्री, '५०-'५२ तक 'प्रॉवीजनल पार्लियामेंट के सद० तथा '५२-'५६ तक राज्य-सभा के सद० ; प्रका० स्फुट; वर्त० संपा० साप्ता० 'लेखा-जोखा' इन्दौर, प० गांधी भवन, यशवंत रोड, इंदौर ।

कृष्णकांत शरण—ज० २२ अगस्त, '३८ ; शि० मिथिला, हाजीपुर, दरभंगा, मुजफ्फरपुर ; सा० पाक्षि० 'लोक-मंच' के सहा० संपा० '५५-५६, अध्यक्ष निराला-परिषद, पटना ; प्र० '५२ में ; प्रका० स्फुट कहानियाँ एवं कविताएँ ; प० हनुमान नगर, सुरसंड मुजफ्फरपुर ।

कृष्णकिशोर मिश्र—ज० ७ जनवरी, '२१ ; शि० बी० ए० आनर्स, एम० ए०, एल-एल० बी० लखनऊ वि० वि० ; सा० हिंदी सभा सीतापुर के अंतर्गत समाज-सेवा-संघ पुस्तकालय के अवै० संयो०; प्र० '४५ में, प्रका० स्फुट आलोचनात्मक लेख, कविताएँ एवं एकांकी ; अप्र० भारतेंदु और उनकी कविता (एम० ए० का शोधप्रबंध), १०० अवधी ग्रामकथाएँ, १५०० गीत, ३०० लोकोक्तियाँ, ३०० पहेलियाँ आदि वर्त० 'अवधी लोक साहित्य' पर लखनऊ वि० वि० में

शोधकार्य में संलग्न ; प० उपप्रधानाचार्य राजा रघुवरदयाल इंटर कालेज, हेड पोस्ट आफिस रोड, धूरामऊ कैंट, सीतापुर।

कृष्णकिशोर श्रीवास्तव—ज० १४ नवंबर, '२५ ; शि० एम० एस-सी० भौतिकशास्त्र, सा०रत्न सम्मे० प्रयाग ; सा० '५०-'५७ तक नागपुर वि० वि० के प्रकाशन-अधिकारी तथा सहा० रजिस्ट्रार, '५७-'६० कला संगीत वि० वि० खैरागढ़ के रजिस्ट्रार ; प्रका० एकांकी : रेखाएँ, आस्तीन के साँप, उद्घाटन-मन्त्री, आदर्श की छाया ; नाट० : नाटक का नाटक, मछली के आँसू, रास्ते मोड़ और पगडंडी, आदमी के टुकड़े, परमाणु शक्ति ; संपा० : सात हास्य एकांकी ; वि० 'आस्तीन के साँप' म०प्र० शासन-साहित्य-परिषद द्वारा पुरस्कृत, 'हिंदी साहित्य पर भौतिक विज्ञान का प्रभाव' विषय पर शोध-कार्य ; प० सहायक रजिस्ट्रार, वि० वि०, जबलपुर।

कृष्णकुमार, डा०—ज० '११ ; शि० विद्याभूषण, सा० रत्न, आयुर्वेद-शास्त्री ; सा० संस्था : निरंजनपुर (गया) में हाईस्कूल, आरा बेलाउर में मि० ई० स्कूल, तिरहुत मैथिली-हिंदी-साहित्य-परिषद पटना तथा दरभंगा में युवक-वाचनालय ; प्रका० बाल शिक्षा ; अप्र० तुलसीदास और उनकी कविता-कला ; प० डि० बो० डिस्पेंसरी, बलिदाद, मखदुमाबाद, गया।

कृष्णकुमार चौबे, 'नूतन'—ज० १२ सितंबर, '३५, रायसेन ; शि० बी० ए० ; सा० साप्ता० 'पंचायत राज' के भूत० संपा०, लगभग चार वर्ष तक स्थानीय पत्र 'दैनिक भास्कर' के सह-संपा० ; प्र० '५१ में ; प्रका० स्फुट काव्य एवं कहानी संक० ; प० सहायक संपा०, दैनिक 'जागरण', भोपाल।

कृष्णकुमार, 'नूतन'—ज० २८ नवंबर, '२८ ; शि० मैट्रिक, प्रभाकर ; सा० संपा० मा० 'शक्ति' '५० ; प्र० '४८ में ; प्रका० चंद्रहास, व्याकुल हृदय, परिप्रभा, आँखमिचौली, मानवाधिकार, आदर्श कहानी-संग्रह ; अप्र० ३-४ कविता-कहानी-संक० ; वि० 'रस-कलश' तथा 'आधी रात' शीर्षक रचनाएँ क्रमशः हिंदी-साहित्य-परिषद-पंजाब तथा रंग-भारती-प्रयाग द्वारा पुरस्कृत ; प० शक्ति प्रेस, बाजार भूतनाथ, मंडी, हिमांचल प्रदेश।

कृष्णकुमार वर्मा, 'राज'—ज० २१ मार्च, '२४, इकदिल, इटावा ; शि० मैट्रिक, पंजाब वि० वि० ; प्र० '५२ में ; प्रका० स्फुट रचनाएँ ; अप्र० राजस्थानी और उसका साहित्य, राजस्थानी लोकनृत्य : एक अध्ययन आदि ; प० श्री गोवर्धननाथ जी का मंदिर, नाहरगढ़ का रास्ता, जयपुर।

कृष्णगोपाल विजय—ज० १६ जनवरी, '२३, शि० मध्य, विशारद सम्मे० प्रयाग; सा० साहित्य मंत्री : हिंदी-साहित्य-परिषद म० प्र० हिंदी सा

साम मद्र प्रभा कहाँ और आग उमड़ पड़ी वन्ती तलवार कौन हारा कौन जीता गीतामृत स दवाणा (लघुकथा), मधुवन की साँझ (गीति-उत्तर-काव्य), कलदार (उप०), विजय के गीत (कवि०), वि० है० 'जागरण'-कहानी प्रतियोगिता से पुरस्कार; प० २०८/१३८ साँधी स्ट्रीट, मह ।

कृष्णचंद्र, 'उम्मीद'—ज० ५ सितंबर, '२५, गुड़गाँव, शि० बी० ए०, पंजाब वि० वि०; ज्ञा० फारसी, उर्दू, सा० हिंदी साहित्य परिषद के संस्था० तथा मंत्री '५०, मा० 'प्रबोधक' दिल्ली के संपा० प्रका० स्फुट कविताएँ; अप्र० पिपासा (कवि०); प० गुड़गाँव, पंजाब ।

कृष्णचंद्र बागरोदी—ज० '१०, पचेवर, जयपुर शि० व्याकरणशास्त्री काशी, काव्यतीर्थ कलकत्ता, मा० रत्न सम्मे० प्रयाग, धर्मशास्त्री साहित्याचार्य अजमेर, साहित्यालंकार देवघर, सा० श्रीनाथद्वार के साहित्य - मंडल के उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय विद्यापीठ के शिक्षा मंत्री, शिक्षा-सदन के संचा०, सनातन धर्म युवक मंडल के अध्यक्ष एवं रामराज्य-परिषद के प्रधान मंत्री, सनातन धर्महितसंरंजणी सभा तथा सनातन धर्मसंघ के मंत्री, प्रधानाध्यापक सनातनधर्म संस्कृत विद्यालय निवाई तथा भारतीय साहित्य विद्यालय जयपुर; आचार्य : भारती मंदिर जयपुर; प्र० '२८ में; प्रका० साहित्य-रसाल, सुदर्शनचक्र, राजस्तुति, श्रीमद्वल्लभाचार्य-चरित, शुद्धाद्वैत-रश्मि, घनश्याम-सागर (संपा०), श्रीनाथद्वार का संक्षिप्त इतिहास; अप्र० संत-सतसई, प्रभा (उप०), कृष्ण-विनोद आदि; प० श्री राधा-कृष्ण जी का मंदिर, रामजी का घेरा, जयपुर ।

कृष्णचंद्र वर्मा—ज० ३१ अगस्त, '२८, गोरखपुर; शि० एम० ए० प्रयाग वि० वि० '५०; सा० भूत० प्राध्यापक ठा० रणमतसिंह महाविद्यालय, रीवाँ एवं अध्यक्ष हिंदी विभाग, शासकीय महाविद्यालय, मह; प्रका० आलो० अयोध्याकांड की भूमिका '५१, उद्धवशतक-मीमांसा '५२, आचार्य कवि केशवदास '५७, चंद्रावली नाटिका की समीक्षा '६१, घनआनंद कवित्त-विवेचन '६२; अप्र० कई आलो० एवं संपा० ग्रंथ; वि० विंध्यप्रदेश शासन द्वारा 'आचार्य केशवदास ग्रंथ' पर '५३-'५४ में 'रघुराज पुरस्कार' प्राप्त; प० अध्यक्ष हिंदी विभाग, गवर्नमेंट संस्कृत कालेज, रायपुर ।

कृष्णचंद्र विद्यालंकार—ज० २९ नवंबर, १९०४; शि० विद्यालंकार गुरुकुल काँगड़ी वि० वि० '२६; सा० साप्ता० 'वीर अर्जुन' के १८ वर्ष तक संपा०, अर्थशास्त्रीय पत्र 'संपदा' का ११ वर्ष तक संपा०, शारदा विद्यालय का २० वर्ष तक संचालन; प्रका० चीन का स्वाधीनता-युद्ध '३८, भारतीय संस्कृति, वर्तमान जगत, आधुनिक संसार, आविष्कारक और आविष्कार,

वहन के पत्र, हिंदी-व्याकरण, मुक्ति-पथ : एक अध्ययन, हिंदी-निबंध, प्रबंध-प्रकाश, साहसी मानव, देशरत्न, श्रद्धा, कांग्रेस का इतिहास, नवीन तुर्की का जनक कमाल, अप्र० ५-७ ग्रंथ, वि० श्री गौरीशंकर हीराचंद ओझा के पास तीन साल तक इतिहास-संशोधन तथा भारत की मध्यकालीन संस्कृति का लेखन. प० २८/११, शक्तिनगर, दिल्ली ८।

कृष्णचंद्र शर्मा, 'चंद्र', डा०—ज० २३ अगस्त, '११ ; शि० बुलंद-शहर, कानपुर एवं आगरा, एम० ए०, पी-एच० डी० (लोकसाहित्य) आगरा वि० वि० ; सा० मंत्री० हिंदी-साहित्य-परिषद मेरठ '४०-'५१, उपाध्यक्ष हिंदी विभाग, मेरठ कालेज, मेरठ , प्रका० मदशाला '३९, प्रतिच्छाया '४०, मरीचिका '४२, प्राचीन कवियो का तुलनात्मक अध्ययन, भाषा-विज्ञान-दर्शन, तथा लगभग एक दर्जन पाठ्य एवं सहायक-पुस्तकें ; अप्र० मेरठ का लोकजीवन, खडीबोली (देशज), खडीबोली के लोकगीत : एक अध्ययन (शोध-प्रबंध), ऋतु-विज्ञान, गंगा-जमुना के कवि , वि० अनेक लेख विभिन्न संकलनो एवं अभिनंदन-ग्रंथो मे संक० , 'खडीबोली-लोकगीतों का भाषिक अध्ययन' विषय पर भाषा-वैज्ञानिक दृष्टि से डी० लिट्० के लिए कार्य कर रहे हैं ; प० रामवाटिका, शिवाजी मार्ग, मेरठ।

कृष्णचैतन्य भट्ट, 'राकेश'—ज० २ फरवरी, '२८ ; शि० एम०ए० हिंदी, एल-एल० बी० '५० लखनऊ वि-वि० ; सा० थियोसाफिकल सोसाइटी के मथुरा लाज के मंत्री ; प्र० '५० में, प्रका० स्फुट कविताएँ ; अप्रा० पूर्णिमा (कवि०), गोधूलि (गद्यगीत) , रासशतक (ब्रजभाषा काव्य) , वर्त० '५० से किशोरी रमण कालेज मथुरा के प्राध्यापक ; प० ६५, अठखंभा, बृंदावन।

कृष्णदत्त त्रिवेदी, 'कृष्ण'—ज० १८८५, सीतापुर , शि० मैट्रिक , सा० श्रीआदर्श पुस्तकालय की स्था० , प्रका० श्री नैमिषारण्य, सती-शक्ति , अप्र० कृष्ण-चरित-मानस, सीय-सुमन, ग्राम-सुधार-विवेचना, वेदांत-रत्नाकर, राणा प्रताप, मनुष्य-जीवन, मर्यादा की वेदी (नाटक), विवेक चूड़ामणि, महात्मा गाधी (महा०), कृष्ण दोहावली ; वि० कृष्ण-चरित-मानस महाकाव्य पर राज्य सरकार द्वारा ५००) का पुरस्कार, '३२ मे स्थानीय हिंदी-सभा के कवि-सम्मेलन में स्वर्णपदक और 'ट्राफी' प्राप्त ; प० ब्रह्मावली, सीतापुर।

कृष्णदत्त भारद्वाज—ज० १९०५ , शि० एम० ए०, पी-एच० डी० दिल्ली वि० वि०, शास्त्री पंजाब, आचार्य पटना, वेदांताचार्य गोवर्धनपीठ पुरी, विद्यासागर गौडीय संघ दिल्ली ; प्रका० एकांकी : प्रह्लाद, वृंदा, मिथिला, ऋष्यमूक : नाट० : अज्ञातवास : कवि० : पांचजन्य बालगीत, श्री विष्णु

चालीसा, वनमाला ; संपा॰ : मान सरम एकांकी, एकांकी-निकुंज, प्रबंध-पारिजात, दिल्ली-दर्शन, कथा-कदंब, कथा-कौमुदी, काव्यदीप, पद-तत्व-सूत्रम (संस्कृत) एवं 'द फिलासफी आव रामानुज (अँग्रे॰) ; त्रि॰ भारत के भूत॰ राष्ट्रपति जी से '६० मे प्रकृष्ट अध्यापकत्व के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त , प॰ ६, माडर्न स्कूल, नई दिल्ली-१।

कृष्णदत्त वाजपेयी—ज॰ ४ अप्रैल, '१८ , शि॰ कानपुर तथा काशी वि॰ वि॰ , सा॰ संपा॰ 'व्रजभारती' मथुरा ; प्र॰ '३८में; प्रका॰ भारतीय व्यापार का इतिहास, ब्रज का इतिहास (२ भाग), उ॰ प्र॰ मे बौद्ध धर्म, युग-युग मे उ॰ प्र॰ आदि १४ पुस्तकें; वि॰ उ॰ प्र॰ सरकार व केंद्रीय शासन से पुरस्कार प्राप्त ; प॰ अध्यक्ष, इतिहास-पुरातत्व-विभाग, वि॰ वि॰, सागर।

कृष्णदेव उपाध्याय, डा॰—ज॰ ३ मई '११; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी एवं संस्कृत, पी-एच॰ डी॰, सा॰ रत्न, शास्त्री , सा॰ अखिल भारतीय लोक-संस्कृति सम्मे॰ तथा भारतीय लोक-संस्कृति-शोधसंस्थान, इलाहाबाद के संस्था॰ तथा स्थायी मंत्री, भोजपुरी ग्रामगीतों के संक॰-संपा॰ में सलग्न , प्र॰ '२६ मे , प्रका॰ भोजपुरी-लोकगीत (दो भाग) '४७, भोजपुरी और उसका साहित्य '५२, लोकसाहित्य की भूमिका '५८, भोजपुरी लोक साहित्य का अध्ययन '५९, हिंदी साहित्य का वृहत्त इतिहास (१६ खंड तथा राहुल जी के साथ संपा॰) '६०, भोजपुरी लोकसंगीत '६२, चारुचरितावली , वि॰ ना॰ प्रचा॰ सभा, काशी से 'भोजपुरी लोकगीतों' ग्रंथ पर राजा बिडला रजक-पदक प्राप्त, 'लोक-साहित्य की भूमिका' और 'भोजपुरी लोक-साहित्य का अध्ययन' पुस्तकों पर उ॰ प्र॰ सरकार द्वारा पुरस्कार प्राप्त ; प॰ हिंदी विभाग, गवर्नमेंट डिग्री कालेज, ज्ञानपुर, वाराणसी।

कृष्णदेव झारी—ज॰ १९ जून, '२७ गुथलागढ, करनाल ; शि॰ मैट्रिक कैथल हाई स्कूल, एम॰ ए॰ हिंदी, अंबाला ; प्र॰ '५७ में , प्रका॰ अष्टछाप के कवि नंददास '५७, निबंधकार रामचंद्र शुक्ल '५८, छायावाद और उसके चार स्तंभ '५८, उपन्यासकार इलाचंद जोशी '६१, आलोचना के नए मानदंड (शोधपत्र) '६१ , वि॰ पी-एच॰ डी॰ के लिए शोधप्रबंध का विषय 'वीभत्स रस और हिंदी साहित्य' ; वर्त॰ 'उर्दू शैली और फारसी लिपि में रचित हिंदी साहित्य' पर नया शोधकार्य , प॰ प्राध्यापक हिंदी विभाग, पी॰ जी॰ डी॰ ए॰ वी॰ कालेज, नई दिल्ली।

कृष्णदेव पाठक—ज॰ २८ दिसंबर, १९०७ ; शि॰ आयुर्वेदाचार्य, व्याकरणतीर्थ- शास्त्री- सा॰ रत्न : प्रका॰ भक्ति-तरंग (महा॰). योगिमोहनी-

पन्यास, नाट० : राधाकृष्ण-चरित, गोलोक, श्रीमहर्षि पाणिनि, श्री मीरा, श्री रैदास, श्री बिल्वमंगल, श्री जयदेव, सुधारिका, सुधारचिंतामणि (हिंदी एवं मगही भाषा में), भारतादर्श, हिंदी भजन-शतक, समाज-सत्य-सुधा, समाज-कौस्तुभ, हरिकीर्तन-शतक, गोपिकोद्धव-संवाद, ब्रह्मांडीय भूगोल, वि० उक्त ग्रंथों में से अधिकांश संस्कृत में भी रूपांतरित हैं, प० संस्कृत प्रधानाध्यापक, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मसौढी, पटना।

कृष्णनंदन दीक्षित, 'पीयूष'—ज० ८ नवंबर, '३२ ; शि० एम० ए० मुजफ्फरपुर, सा० पिछले ६ वर्षों से हिंदी अध्यापक उमरी, बिहार, पटना एवं मगध वि० वि० में, प्रका० आचार्य '५८, उमापति का पारिजात-हरण (आलो०) '६०, साहित्यकार रमण (संपा०) '६०, दर्द की मीनार (कवि०) '६०, दो हथेलियों का प्रश्न '६२; अप्र० तीन आलो० ग्रंथ ; वर्त० हिंदी प्राध्यापक, भागलपुर वि० वि०; प० मीर जान हाट, भागलपुर ५।

कृष्णनारायण लाल—ज० १४ जनवरी, '१६ ; शि० एम० ए० हिंदी '४५, सा० रत्न ; सा० '३८-'४५ तक हनुमत हा० स्कूल कालाकांकर में तथा '४५ से प्रयाग के केसरवानी इंटर कालेज में हिंदी विभागाध्यक्ष; प्रका० हिंदी के प्रमुख साहित्यकार, हिंदी दर्शन, टूटते सपने (कहा०), चिड़ियों के देश में, जानवरों के देश में, चिड़ियों का संसार ; वि० 'चिड़ियों के देश में' पुस्तक उ० प्र० सरकार द्वारा पुरस्कृत ; वर्त० 'हिंदी उपन्यासों पर गाँधीवाद का प्रभाव' पर शोध; प० हिंदी विभागाध्यक्ष, केसरवानी इंटर कालेज, प्रयाग।

कृष्णनारायण वशिष्ट, 'कमलेश'—शि० बी० ए०, सा० रत्न ; सा० राष्ट्र-भाषा-शिक्षण संस्था के 'राष्ट्रीय विद्यामंदिर' में कार्य ; प्रका० स्फुट रचनाएँ ; अप्र० काव्य : बरस गए बादरवा, छाँव तले; कहानी : भूली बिसरी प्रीत ; प० नई सड़क, लश्कर।

कृष्णप्रकाश अग्रवाल—ज० '१० ; शि० बी-एस० सी०, एल० एल० बी० ; प्रका० स्फुट कविता, कहानी एवं नाटक ; अप्र० मानव (महा०) ; रेवा (उप०) ; प० वकील, मंडीबाँस, मुरादाबाद।

कृष्णमुनि प्रभाकर—सा० ब्रह्मविद्या मा० 'ब्रह्मवाणी' के संपा० ; प्रका० एकाकी-सप्तक, प० ११२७७, डोरीवालान करौलबाग, नई दिल्ली ५।

कृष्णमूर्ति मेहरोत्रा—ज० ३१ जनवरी, '२३; शि० बी० एस-सी, एल एल० बी०, एल० एम० जी० डी० प्रयाग वि० वि०; प्रका० सप्त एकांकी, सप्त वैज्ञानिक, पंच प्रसून, महात्मा बुद्ध, आविष्कारों के खेल ; वि० 'आविष्कारों के खेल' उ० प्र० सरकार द्वारा पुरस्कृत प० लखनऊ।

कृष्णलाल बजाज, 'प्रदीप'—ज० १५ फरवरी, '३५; शि० एम० लिट० विश्वविद्यालय प्रतिष्ठान दिल्ली, साहित्याचार्य स्वाध्याय-मंडल से, गीता-विशारद, ज्ञा० संस्कृत, सिंधी, मराठी, पंजाबी, गुजराती, पाली, उर्दू तथा अँग्रेजी ; सा० संपा० त्रैमा० 'वीणा' एवं 'वैदिक-जीवन' ; प्र० '५५ में ; प्रका० स्फुट लेख तथा कविताएँ ; प० बजाज निवास, उल्हासनगर १, महाराष्ट्र ।

कृष्णलाल हंस, डा—ज० १९०५, बेतूल; शि०एम० ए० '५२, पी-एच० डी० '५७ नागपुर वि वि , सा० रत्न; सा० भूत० संपा० मा० 'ज्योति' ; प्रका० सावित्री, मराठी साहित्य का इतिहास, भारतीय साहित्य-दर्शन, सूर-दर्शन, हिंदी साहित्य-दर्शन, निमाडी के लोकगीत, निमाड़ी की लोककथाएँ(दो भाग), निमाडी और उसका लोकसाहित्य; वि० 'अमर ज्योति' (कविता), 'निमाडी भाषा का शास्त्रीय अध्ययन', 'निमाडी लोकसाहित्य', 'निमाडी के लोकगीत' पर म० प्र० सरकार द्वारा क्रमशः पाँच सौ, पाँच सौ, सात सौ और एक सहस्र रु० के पुरस्कार और 'निमाडी और उसका साहित्य' पर उ०प्र० सरकार द्वारा चार सौ रु० का पुरस्कार ; वर्त० शासकीय-स्नातक महाविद्यालय, देवास ।

कृष्णवंश सिंह वाघेल—ज० १८९५ ; शि० रीवाँ, संस्कृत का विशिष्ट अध्ययन ; प्रका० तिब्बत में तेइस दिन (कैलाश यात्रा), काश्मीर और सीमा-प्रांत, हिमालय के कुछ स्थान तथा वेदस्तुति-विकासिका; अप्र० तुलसी-पंच-पत्र, महाकवि महाराज रघुराजसिंह, वेदों में बिखरे रत्न; प० भरतपुर, रीवाँ ।

कृष्णाचार्य—ज० नवंबर, '१७ मथुरा ; शि०एम०ए० '४२ काशी वि० वि०, सा० रत्न '३६; सा०ना० प्र०स० काशी में ५ वर्ष तक पारिभाषिक कोश-विभाग में सह-संपा०, '५०-'५४ तक सम्मे० प्रयाग में ग्रंथाध्यक्ष ; प्रका०संस्कृति, साहित्य एवं पुरातत्व-संबंधी शोधपूर्ण स्फुट निबंध ; अप्र० 'हिंदी के आदि मुद्रित ग्रंथ १८०१ से १८७०' (यंत्रस्थ), पुरातत्व-निबंधावली एवं अन्य संक०; वर्त० '५५ से राष्ट्रीय ग्रंथालय, कलकत्ता हिंदी विभाग के अध्यक्ष; प० नेशनल लाइब्रेरी, बेलवेडियर, कलकत्ता—२७ ।

कृष्णा चौधरी—ज० २ सितंबर, २३ ; शि० बी० ए०, मेरठ ; प्र० '५८ में ; प्रका० झलक '५८, अब उठो देव '६२ ; अप्र० आकाशवाणी से प्रसारित अनेक कविताओं से संक० ; प० ८, हेली रोड, नई दिल्ली ।

कृष्णानंद व्यास, 'बेआस'—ज० १ जुलाई '३१ ; प्रका० जयविश्व, बेआस-बोल, बेआस की फागें (दस भाग), बेईमान - चालीसा, गरौठा के गढीबंद, किस ओर जा रहे हो; अप्र० चाऊ-चालीसा, सीता के आँसू (खंड०), बुंदेली लोकगीत-संग्रह, रुबाइयाँ ; प० बेआस प्रकाशन, गरौठा, झाँसी ।

कृष्णा मजीठिया—शि० एम० ए० हिन्दी प्रथम श्रेणी में, अप्र० स्फुट लेख एवं कहानियों के संक० ; वि० 'हिंदी के तिलिस्मी और जासूसी साहित्य' पर शोधकार्य में सलंग्न ; प० २१४३, वाघावाडी मार्ग, कृष्णनगर, भावनगर।

के० एस० चिदंबरम, 'भारद्वाजन्'—ज० १४ अगस्त, '१७ तिरुनेलवेलि, शि० 'विद्वान' '४४ मद्रास वि० वि०, 'हिंदी प्रचारक' द० भा० हि० प्र० सभा मद्रास ; बी० ओ० एल० '४६, एम० ए० (हिन्दी तथा संस्कृत) '५१, प्र० '४० मे; प्रका० स्फुट रचनाएँ, वि० तामिल और संस्कृत में भी लिखते हैं, तामिल-संस्कृत-हिन्दी के भक्ति-साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन में संलग्न, प० प्राध्यापक, हिंदी विभाग, यूनिवर्सिटी कालेज, तिरुवनंतपुरम् ।

के० गणपति भट्ट—ज० २५ जनवरी '२० ; सा० आजी० सद० : द० भा० हि० प्र० सभा मद्रास, संस्था०-संचा० : 'श्री निराला एकेडमी', प्रबंधक : महाविद्यापीठ-हिन्दी कालेज, प्रधानाचार्य : राष्ट्रभाषा प्रवीण विद्यालय, प्रकाशक : साहित्य सेवा कुटीर, संपा० 'सामाजिक', व्यवस्थापक : जयलिंगो लिटरेचर कंपनी (अनु० गृह) ; प्रका० हिन्दी बोध ; वि० दक्षिण भारत में महाकवि 'निराला' का स्मारक बनानेवाले प्रथम विद्वान, दस वर्ष से मैसूर में हिंदी प्रचारक; प० न० ६१, छठा क्रास, के०आर० बोईनोइम, मैसूर –४ ।

के० तुलसी, कुमारी—ज० २१ जून, '३१ ; शि० बी० ए० नागपुर वि० वि० ; जा० तामिल, संस्कृत, अँगरेजी एवं बँगला, प्र० '५३ में; प्रका० संस्कृत अँगरेजी एवं तमिल से अनु० स्फुट कविताएँ एवं एकाकी; अप्र० अनेक भक्ति-गीतों एवं अनु० रचनाओं के संक०; वर्त० हिन्दी-तामिल-अनुवादिका, आकाशवाणी, मद्रास—४; प० ८, योगम्बाल स्ट्रीट, मद्रास १७ ।

केदारनाथ अग्रवाल—ज० ६ जुलाई, '१० कमासिन. बाँदा; शि० बी० ए० प्रयाग वि० वि, एल-एल०बी०, कानपुर; सा० बाँदा की साहित्यिक गतिविधि में विशेष योग, 'भारती' के संस्था०; प्र० '२८ में; प्रका० युग की गंगा, लोक और आलोक, नीद के बादल, वि० पहले 'शांति' एवं 'बालेंदु' नाम से लिखते थे; अब 'केदार' अथवा 'केदार अग्रवाल' नाम से भी लिखते हैं; काव्य की सभी शैलियों मे लिखा है, कवि-सम्मे० मे पदक प्राप्त; प० वकील, बाँदा ।

केदारनाथ गुप्त—ज० १८६३ राजापुर; शि० एम० ए० आगरा वि० वि, प्रका० हम सौ वर्ष कैसे जीवे, आसन और व्यायाम, आदर्श भोजन, स्वास्थ्य और जल-चिकित्सा, घरेलू प्राकृतिक चिकित्सा, रोगों की नवीन चिकित्सा-प्रणाली, ईश्वरीय बोध, स्वामी दयानंद, स्वामी रामतीर्थ, गुरुगोविंदसिंह, मनुष्य जीवन की उपयोगिता, सफलता की कुंजी, मन की अपार शक्ति

जेम्स एलेन की डायरी, विजय के आठ स्तंभ, मनुष्य ही मन-शरीर और परिस्थितियों का कारागार है, ईश्वर के संपर्क में, अप्र० स्वास्थ्य-संबंधी ग्रंथ; वि० स्वास्थ्य-विषयक प्रतिष्ठित लेखक; प० ७०८, दारागंज, प्रयाग।

केदारनाथ लाभ—ज० २ मई, '३२; शि० बी० ए० आनर्स '५३ दरभंगा, एम० ए० हिंदी '५६ बिहार वि० वि० ; प्र० ४८ में; प्रका० अशोक-पुत्र '५८ (अनु०), लखिमारानी '६० (खंड०); अप्र० गीत-गंध (गीत), त्याज्या (खंड०), ज्योतिपुत्र-महेंद्र (खंड); भारती (मैथिली खंड०); वि० मैथिली भाषा में भी लिखते हैं, प० प्राध्यापक हिंदी विभाग, राजेंद्र कालेज, छपरा।

केदारनाथ —ज० १९०७, बाँदा; शि० सा० रत्न सम्मे० प्रयाग; सा० स्थानीय जूनियर हाई स्कूल में अध्यापक, संपा० 'हैहय क्षत्रिय मित्र' '३७, सहसंपा० 'भारत जननी'; स्वतंत्रता-संग्राम में जेल-यात्रा, मंत्री मंझनपुर तहसील कांग्रेस-कमेटी, अ० भा० हैहय क्षत्रिय महासभा के मंत्री; प्रका०वर्मा-भजनावली; अप्र० बंदी-जीवन; प० ६०२ मुट्ठीगंज, प्रयाग।

केदारनाथ सिंह—ज० नवंबर, '३२; शि० एम० ए० हिंदी, काशी वि० वि० ; प्रका० अभी बिलकुल अभी (कवि०), कल्पना और छायावाद, तीसरा सप्तक, अप्र० एक काव्य-संग्रह ; वि० 'आधुनिक हिंदी कविता में बिंबविधान का विकास' विषय पर पी-एच० डी० का शोधप्रबंध समाप्तप्राय ; प० हिंदी विभाग, यू० एन० डिग्री कालेज, पडरौना, देवरिया।

केदारनाथ सेठ—ज० '२१ ; शि० वाराणसी , सा० गत चार वर्षों से संगीत परिषद, वाराणसी के प्रचारमंत्री तथा परिषद की वार्षिक पत्रिका 'संगीतिका' के संपा०, '६० से 'भारत-व्यापार-पत्रिका' के प्रका०-संपा० , प्रका० स्फुट; प० संपादक 'भारत-व्यापार-पत्रिका', राजादरवाजा, वाराणसी।

के० प्रसाद—ज० ११ सितंबर, '२५; शि०एम० ए० हिंदी तथा इतिहास, आगरा वि० वि०, हिंदी आनर्स पंजाब वि० वि०, विशारद सम्मे० प्रयाग; प्र० '५८ से; प्रका० स्फुट निबंध, रेखाचित्र एवं जीवनी; वि० लोक-साहित्य के संग्रह एवं उसके वैज्ञानिक अध्ययन में संलग्न; वर्त० प्राध्यापक जे० ए-एस० इंटर कालेज, खुरजा; प० पदमसिंह गेट, खुरजा।

के० बी० लाल, 'परदेशी'—ज० '३४ अलीगढ़; जा० बँगला, संस्कृत एवं अँग्रेजी; सा० संपा० जासूसी मा० 'खुफिया'; प्रका० खूँखार दीप, दुखिया की आह, दामन, कलंक, मुरदे बोलते हैं, धर्म की ओट में, गुनहगार, तूफान; प० चंद्रकांता प्रेस एवं प्रकाशन, कलकत्ता २।

के० भास्करन नायर, डा०—ज० जनवरी, '१२, शि० एम० ए० मद्रास

वि० वि०, पी-एच० डी० लखनऊ वि० वि०; सा० १६ वर्ष से हिंदी-प्रचार और शिक्षण में संलग्न, अध्यक्ष 'बोर्ड आव स्टडीज इन हिंदी', सद० 'सीनेट' तथा 'फैकल्टी आफ ओरिएंटल स्टडीज' केरल वि० वि०, केरल-हिंदी-प्रचार-सभा के उपाध्यक्ष, केरल वि० वि० में बी० ए०, एम० ए०, पी-एच० डी० तथा डी० लिट० में हिंदी पाठ्यक्रम को प्रारंभ कराया; प्रका० दस हीरे '४८, आठ तारे '५०, सुदामा-चरित्र, हिंदी और मलयालम में कृष्ण-भक्ति-काव्य : एक तुलनात्मक अध्ययन (शोध-प्रबंध) '६०, मलयालम साहित्य का इतिहास '६०, संपा० प्रेमधारा, साहित्य-मंजरी, कहानी-संग्रह; वि० 'हिंदी और मलयालम में कृष्ण-भक्ति-काव्य : एक तुलनात्मक अध्ययन' नामक ग्रंथ बिहार राष्ट्रभाषापरिषद तथा उ० प्र० सरकार द्वारा पुरस्कृत, वर्त० प्रोफेसर हिंदी विभाग,यूनिवर्सिटी कालेज, त्रिवेंद्रम; प० १३०, पोस्ट आफिस रोड, त्रिवेंद्रम।

के० भुजबली शास्त्री—ज० फरवरी, १८८७, काशिपट्ट; सा० लगभग २४ साल से हिंदी-सेवा में संलग्न, संपा० 'जैन सिद्धांत-भास्कर', 'जैन ऐंटिक्वेरी' आरा तथा 'वीर वाणी'; अनेक प्राचीन जैन-ग्रंथों के उद्धारक, हस्तलिखित ग्रंथों के लिपिकार, उप-पुस्तकाध्यक्ष सेंट्रल जैन ओरिएंटल लाइब्रेरी आरा, डाइरेक्टर 'गुरुदेव महावीर प्रिंटर्स ऐंड पब्लिशर्स लि०', मंत्री : वीर-वाणी-विलास जैन-सिद्धांत-भवन; प्रका० जैनधर्म, जैन-दर्शन, श्री मुनिसुव्रतकाव्य, कन्नडक विचरिते; प० ज्ञान-कुंज, मूडबिदरी (एस० के०)।

केरुबिम बारनो साहू—ज० २ जून, '२६ : शि० प्रवेशिका ; प्र० '४३ में ; प्रका० मृत्युंजयी प्रभुवर ईसा की जीवनी (छंद में) '५०, शुद्धता की समस्या '५८, सही रास्ता (उप०) '५९, वन के फूल (उप०) '६१, संतों की झाँकियाँ '६०, संत बेनेदिक '६०, तपस्वी मार्टिन '५६, धर्मपुस्तक (इति०) '६० ; प० पवित्रतम हृदय निवास, दीघाघाट, पटना -११।

केवलप्रसादसिंह 'केवल'—ज० ९ जुलाई, '३७ ; शि० शास्त्री (प्रथम खंड) काशी विद्यापीठ ; सा० प्रगतिशील नवयुवक-संघ के कोषाध्यक्ष, 'वरुण' साहि० संस्था के सद० ; प्र० '५७ में ; प्रका० स्फुट कविताएँ ; अप्र० भावायन (कवि); प० २०/१ रमाकांत नगर, वाराणसी।

केशनीप्रसाद चौरसिया, डा०—ज० १ जनवरी, '३० बाँदा ; शि० एम० ए०, डी० फिल० प्रयाग वि० वि० ; प्र० '४८ में ; प्रका० डा० रामकुमार वर्मा और ऋतुराज '५४, आदर्श निबंध '६०, साकेत और कामायनी '५५, घनानंद '५८, मेघदूत (रूपा०) '५८ ; अप्र० ऋतु-सहार (रूपां०), मध्यकालीन हिन्दी-संत-साहित्य की साधना-पद्धति (शोध-प्रबंध), छितराये पख (उप०)

एवं चिनगारियाँ (राष्ट्रीय सुरक्षा-संबंधी शौर्य-श्रद्धांजलिपूर्ण 'मुक्तक'); वर्त 'हिंदी निर्गुण संप्रदाय के परिप्रेक्ष्य में दादूदयाल का दर्शन' विषय पर डी॰ लिट के लिए शोधकार्य, प॰ प्राध्यापक, हिंदी विभाग, वि॰ वि॰, प्रयाग ;

केशरीचंद्र सेठिया—ज॰ अगस्त, '२५ बीकानेर ; प्रका॰ दो कहानी-संग्रह , वि॰ कुछ कहानियाँ गुजराती में भी अनूदित , प॰ 'दि भारत फाइनेंस कार्पोरेशन', १०१, मिंट स्ट्रीट, सोकरपेट, मद्रास १ ।

केशव अनंत पटवर्धन—ज॰ २१ अप्रैल, १८८२ , शि॰ एम॰ एस-सी प्रयाग वि॰ वि॰ ; सा॰ भूत॰ प्राध्यापक म्योर सेंट्रल कालेज प्रयाग '१६-'२०, भूत॰ प्राध्या॰ एवं प्राचार्य इंदौर डेली कालेज '२०-'४८ ; प्रका॰ वनस्पति-शास्त्र, भारतीय कृषि (अनु॰), ऋषियों के विज्ञान की श्रेष्ठता , अप्र॰ वैदिक धर्म में संप्रदायवाद और समाजवादी समाज-रचना एवं कई वैज्ञानिक तुलनात्मक लेख-संग्रह ; वि॰ 'उपनिषद ऐंड माडर्न बयालोजी' का अँग्रेजी से अनु॰ ; प॰ अनंत निवास, १८ पलसिया, इंदौर ।

केशवराव मुसलगाँवकर—ज॰ २७ मार्च, '३० ; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी '५२, एम॰ ए॰ संस्कृत '५५ आगरा वि॰ वि॰, सा॰ रत्न , सा॰ प्राध्या॰ राजकीय संस्कृत कालेज '५०-'५४, '५४ से राजकीय हिंदी विद्यापीठ ग्वालियर में; प्र॰ '५० में; प्रका॰ स्फुट आलो॰ लेख; वि॰ 'संस्कृत महाकाव्य की परंपरा' विषय पर प्रयाग वि॰ वि॰ से पी-एच॰ डी॰ के लिए शोधकार्य में संलग्न ; प॰ प्रोफेसर, राजकीय हिंदी विद्यापीठ, ग्वालियर ।

केशवलाल झा, 'अमल'—ज॰ १८८१ ; सा॰ भूत॰ संपा॰ मा॰ 'छाया' ; प्र॰ १९०८ में ; प्रका॰ पद्य : काव्य-प्रमोद '१८, प्रेम-पुष्प-मालिका '१८, गंगा-जन्हुस्थान '१८, काली-कथा '३४ ; गद्यकाव्य : प्रलाप '२६, वार्ता '३४, प्रकाश '३५ ; उप॰ ललित मालती '२३ ; संपा॰ विवेक-रत्नावली, पंच-रत्न-गीतावली-भजन , अप्र॰ गद्य : प्रमाद , हिंदी-कठोपनिषद, उन्मादिनी, आनंद-भवन ; जीवनी : गोस्वामी लक्ष्मीपति परमहंस; उप॰ अंतर्द्वंद, व्रत, शशिकला, रूपरानी, विमाता-माता; पद्य : काव्य-कुसुमावली, राष्ट्रीय मंत्र, कविता-कुंज , प॰ सोन्हौली, कहुआ, वाया तारापुर, मुंगेर ।

केसरी नारायण शुक्ल, डा॰—ज॰ १५ अप्रैल, '१६ ; शि॰ बी॰ ए॰ '३६ लखनऊ वि॰ वि॰, एम॰ ए॰, डी॰ लिट्॰ काशी वि॰ वि॰ ; सा॰ भूत॰ प्राध्यापक, हिंदी विभाग, काशी वि॰ वि॰ , तथा 'स्कूल आफ ओरिएंटल ऐंड अफ्रीकन स्टडीज' लंदन, रूस के मास्को वि॰ वि॰ में हिंदी प्रोफेसर तीन वर्ष तक रहे लखनऊ वि॰ वि॰ में '४३ से हिंदी विभाग में प्र एवं रीडर

रहे, प्रका० आधुनिक काव्यधारा, आधुनिक काव्यधारा का सांस्कृतिक स्रोत, रूमी साहित्य, भारतेंदु के निबंध, हिंदी कहानी-माला, 'मानस' की रूसी भूमिका (अनु०), किंजल्क (संपा), पाश्चात्य समीक्षा-सिद्धांत ; वि० प्रथम प्रकाशित ग्रंथ पर काशी वि० वि० से डी० लिट्० की उपाधि मिली थी और हिंदी-संसार के द्वितीय डी० लिट् ; तृतीय ग्रंथ पर उ० प्र० सरकार द्वारा पुरस्कार प० अध्यक्ष, हिंदी विभाग, वि० वि०, गोरखपुर ।

केसरीमल अग्रवाल, *'हितैषी'*—ज० १८८० , शि० साहित्यभूषण ; प्रका० दक्षिण-पश्चिम के तीर्थस्थान ; प० रक्षपाल-भवन, बड़वाहा, इंदौर ।

कैलाश कल्पित—ज० २५ जनवरी, '२५; सा० दो वर्ष तक साहित्यिक पत्र 'कल्पना' इलाहाबाद के संपा०, मंत्री ललित कला-संघ ; प्रका० साहित्य के साथी, साहित्य साधिकाएँ, (इंटरव्यूज); उप० चारुचित्रा, दुनिया गोल है, कवि० गीतांजलि (पद्यानुवाद), पत्रांजलि (रवींद्र के पत्रों का अनु०) ; अप्र० इंद्रबेला और नागफनी (काव्य), वि० 'गीतांजलि' पर उ० प्र० सरकार द्वारा २००) का पुरस्कार; प० २१५।६५, चक, इलाहाबाद ।

कैलाशचंद्र—ज० ५ नवंबर, १९०५ ; शि० न्यायतीर्थ कलकत्ता, शास्त्री बंबई , सा० स्याद्वाद महाविद्यालय में '२७ से जैनदर्शन के प्राध्यापक तथा '४० से प्रधानाचार्य, संस्था० तथा साहित्य-विभाग के मंत्री : भारतीय दिगंबर जैन-संघ मथुरा, संपा० 'जैन-संदेश' मथुरा, प्र० '२१ में प्रका० जैनधर्म '४८ ; कुंदकुंद प्राकृत संग्रह (प्राकृत-हिंदी अनु० सहित); २००० वर्ष प्राचीन जैन आगम की ८ जिल्दें ; अप्र० सोमदेव-उपासकाध्ययन (यंत्रस्थ) संस्कृत-प्राकृत जैन-साहित्य का इतिहास एवं जैन-धर्म-संबंधी लेखों के संक० ; वि० 'जैनधर्म' पर उज्जैन के सेठ लालचंद सेठी से ७५०) पारितोषिक प्राप्त, अनेक अभिनंदनग्रंथों एवं अन्य संकलनों में शोधपूर्ण लेख संकलित हैं ; प० स्याद्वाद महाविद्यालय, भदैनी, वाराणसी ।

कैलाशचंद्र, *'पीयूष'*—ज० १३ अक्टूबर, '१७ दिल्ली; प्रका० ग्रामबाला '४१, सरितदीप '४२, अवगुंठन '४३, कपोती '४३ ; अप्र० मांडवी तथा योगिराज श्रीकृष्ण (महा०), निरुत्तरा (गद्य-गीत), एवं दो अन्य संकलन , प० मोहल्ला स्टेट बैंक के पीछे, चाँदनी चौक, दिल्ली ।

कैलाशचंद्र भाटिया, डा०—ज० २ फरवरी, '२७ ; शि० एम० ए हिंदी, पी-एच० डी० '५८ आगरा वि० वि०, सा०रत्न ; प्रका० हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास '५०, भारती (अहिंदी भाषा-भाषियों के लिए संपा० '६१ खड़ीबोली तथा ब्रजभाषा का तुलनात्मक अध्ययन तथा ८० शोधलेख

अप्र० हिंदी में अँग्रेजी के आगत शब्दों का भाषातात्विक अध्ययन ; वि० भाषा-विज्ञान के प्रारंभिक तथा उच्चस्तरीय ४ स्कूल-फेलोशिप प्राप्त, वर्त० डी० लिट के लिए 'हिंदी के आक्षरिक विन्यास' पर शोधकार्य प० प्राध्यापक, हिंदी-संस्कृत-विभाग, वि० वि०, अलीगढ़।

कैलाशचंद्र माथुर, डा०—ज० १८ दिसंबर, '२५, लखनऊ ; शि० बी० ए० आनर्स अँगरेजी '४५, एम० ए० (स्पेशल) '४६, लखनऊ वि० वि०, एम० ए० हिंदी, आगरा वि० वि०, पी-एच० डी०, सा० रत्न ; सा० '४६-'५१ तक कान्यकुब्ज कालेज लखनऊ में एवं '५१-'५३ तक डी० ए० वी० कालेज कानपुर में प्राध्यापन-कार्य, अक्टूबर '५३ से लखनऊ वि० वि० के अँगरेजी विभाग में प्राध्यापक ; प्रका० मैकबेथ का हिंदी अनु० तथा स्फुट आलो० एवं शोध-निबंध ; वि० कुछ संकलनों में आलो० लेख संकलित हुए हैं ; वर्त० अँग्रेजी प्राध्यापक, लखनऊ वि० वि० ; प० जगत-निवास, अहियागंज, लखनऊ।

कैलाश तिवारी—२ जुलाई '३५, घाटमपुर, कानपुर, शि० एम० ए० जबलपुर वि० वि०; प्र० '५५ से, प्रका० स्फुट कविताएँ एवं आलो० लेख; अप्र० अद्यतन हिंदी कविता में रोमांसवाद ; वर्त० 'हिंदी उपन्यास में मजदूर जीवन का चित्रण' विषय पर शोध-कार्य में संलग्न, प० हिंदी-प्राध्यापक, दरबार कालेज, रीवाँ।

कैलाशनाथ जैन, 'कमल'—ज० ३० अगस्त, '३६, शि० बी० ए० विक्रम वि० वि०, विशारद सम्मे० प्रयाग ; सा० जन-कलाकार मंडल के मंत्री, जैन-संगीत मंडल के निर्देशक, मा० 'अग्रदूत' के अवै० संपा०, साहित्य-मंडल ग्वालियर के अध्यक्ष, मालव विद्यापीठ की प्रबंध-समिति के मंत्री ; प्र० '५० में ; प्रका० जैनभजनावलि '५४ ; अप्र० ४-५ काव्य-संकलन, प० जैन औषधालय, १६२ चौक, ग्वालियर।

कैलाशनाथ मेहरोत्रा—ज० २२ अक्टूबर, '१७ ; शि० एम० ए० हिंदी, प्र० '४० में ; प्रका० महान बनो, हस्तलेख से चरित्र-ज्ञान, गृह-विद्यालय और जीवन-प्रवेश ; अप्र० तीन-चार ग्रंथ एवं संकलन ; वि० अँगरेजी में भी लिखते हैं ; प० प्रभात होटल, इलाहाबाद—२।

कैलाश पाठक—ज० ११ जनवरी, '३५ ; शि० मैट्रिक ; जा० अँग्रेजी, उर्दू ; सा० '६० से संयोजक, स्थानीय साहित्यकार-संसद ; प्र० '५६ में, प्रका० स्फुट रचनाएँ ; वर्त० शासकीय राज्य-परिवहन निगम मंदसौर में कार्य ; प० म्यु० क्वार्टर नं० ७, नई आबादी, मंदसौर।

कादूराम, दलित—ज० ५ मार्च '१० टिकरी दुर्ग शि० विशारद

चित्रकला-परीक्षा : सा० मंत्री : दुर्ग जिला-हिंदी-साहित्य-समिति ; प्रका स्फुट रचनाएँ , अप्र० छत्तीसगढ़ी शब्द-भंडार, बाल निबंध-माला तथा कई कविता-कहानी-संग्रह , वि० आकाशवाणी से छत्तीसगढ़ी कविताओं का प्रसारण किया है ; प० १२, मैथिलीशरणगुप्त नगर, किलापारा, दुर्ग ।

कोमलसिंह सोलंकी, डा०—ज० २७ नवंबर, '२७ , शि० एम० ए०, पी-एच० डी०, सा०रत्न ; प्र० '४५ में , प्रका० उप० : समस्या, शैवालिनी, विकृत रेखाएँ, सतह के नीचे , आलो० . तितली . कला की कसौटी पर : गद्यगीत : माता के मंदिर में , कहा० आधुनिक भारतीय कहानियाँ, निबंध तथा कहानियाँ ; वि० 'हिंदी के निर्गुण संत - कवियों पर नाथ-पंथ का प्रभाव' विषय पर विक्रम वि० वि० से '६० में पी एच० डी० की उपाधि-प्राप्त ; प० प्राचार्य, लक्ष्मीबाई स्मारक उच्चतर विद्यालय, नई सड़क, लश्कर ।

कौशल मिश्र—ज० १ जनवरी, '३६ ; शि० बी० ए० ; सा० 'आग', 'उज्जैन-समाचार', 'नवप्रभात', 'जयवाणी' (उज्जैन), 'मध्यप्रदेश समाचार' (भोपाल), 'जागरण' (भोपाल), 'प्रतिभा' (भोपाल), 'धरती के लाल' (कोटा), 'कालिदास' (उज्जैन), 'जनबोध' (रतलाम) आदि पत्र-पत्रिकाओं के भूत० सह-संपा० ; प्रका० स्फुट रचनाएँ ; प० मगरमुहा, उज्जैन ।

क्षितीशकुमार, वेदालंकार—ज० १८ सितंबर, '१६ ; शि० वेदालंकार '३८ गुरुकुल काँगड़ी, एम० ए० '५२ आगरा वि० वि ; सा० '४७ तक आर्य-समाज का प्रचार-कार्य ; प० '३८ में ; प्रका० जेल में छः मास '३८, जातिभेद का अभिशाप '४८, जलविंदु (अनु०) '५५ ; वि० अनेक संकलन , वर्त० दै० 'हिंदुस्तान' नई दिल्ली के पत्र में 'चीफ सब-एडीटर' ; प० १५८/५, हरध्यानसिंह रोड, करौलबाग, नई दिल्ली ।

खुशीराम दिलकश, डा०—ज० जनवरी, १९०४; शि० एम० एस० बी०, एन० डी०,एम० एच० एम० सी०,एम० आई० एच० ए०,एल० एस० ई० पी०; सा० संचा० 'आरोग्य-निकेतन', संपा० मा० 'प्राकृतिक जीवन', उ० प्र० प्राकृतिक चिकित्सा-परिषद के अध्यक्ष, 'नेशनल कालेज आफ नेचुरोपैथी' लखनऊ के आचार्य ; प्रका० प्राकृतिक चिकित्सा, हमारा भोजन, उपवास-चिकित्सा, रंगीन रश्मि, चिकित्सा, दुग्ध-कल्प-विधि, वैद्यराज मिट्टी, वैद्यराज नींबू, डाक्टर मधु, वैद्यराज आँवला, प्राकृतिक चिकित्सा की विधियाँ ; वि० चिकित्सा विषय के प्रमुख लेखक ; प० आरोग्य-निकेतन, डालीगंज, लखनऊ—१ ।

गंगाधर मिश्र—ज० '२१, शि० शास्त्री काशी, सा०रत्न सम्मे० प्रयाग सा० संस्था०-संचा० श्री राष्ट्रभाषा विद्यालय '४१, राष्ट्रभाषा-प्रकाशन-मंदिर

६२ निराला व (जयन्ती महोत्सव के अधिष्ठाता ४७ प्र ३३ में प्रका भारतीय प्रगाथ ७८ रहस्यवाद, भारतीय काव्य में छायावाद, साहित्य सम्राट तुलसीदास, हमारे गाँव, कवि विद्यापति, वैदिक भाषानुशीलन, युगाराध्य 'निराला'; गीत : पंद्रह अगस्त, कुमारिका-गीत राष्ट्रीय शिशु-गीत, अप्र० सैनिक गीत, प्रकृति - गीत, युवकों के गीत आदि गीत-संग्रह; वि० 'साहित्यसम्राट तुलसीदास' पर उ० प्र० सरकार द्वारा ३००) का पुरस्कार मिला प० श्रीराष्ट्रभाषा-विद्यालय, त्रिलोचन, वाराणसी १।

गंगाप्रसाद गौड़, 'नाहर'—ज० १० अगस्त, १९०२, आजमगढ़; जा० उर्दू, अँग्रेजी एवं बंगला, सा० '२४-'२६ तक शिक्षक रहे, '२६-'५७ तक रेल विभाग में कार्य किया; अब संपा० 'प्राकृतिक जीवन' लखनऊ, प्र० '१७ में; प्रका० प्रवासिता (उप०), कालेज गर्ल (कहा०), मृत्यु और उसके बाद (दर्शन), काला (कवि०), दुग्ध-विज्ञान, उपवास-विज्ञान, दवाओं से बचो, स्वास्थ्य-पत्रक, हमारा शरीर, डाक्टर नीबू, डाक्टर शहद, डाक्टर आँवला, नवीन चैती का हीरा; अप्र० भक्ति - सतसई, गंग-तरंग, रोगों की प्राकृतिक चिकित्सा, गावों का आरोग्य, आहार - चिकित्सा तथा चिकित्सा-संबंधी अन्य ग्रंथ, प० रंजना-निवास, बाग आइना बीबी, उदयगंज, लखनऊ १।

गंगाप्रसाद पांडे, 'बसंत'—ज० १३ जुलाई, '१८ कंचनपुर, सतना, शि० एम० ए० प्रयाग वि० वि०; प्रका० काव्य : पर्णिका '३८, वासंतिका, नवीना '५४; उप० : देखासुना; कहा० : हँसना-रोना; समा० : काव्य-कलना, निबंधिनी, छायावाद : रहस्यवाद, कामायनी : एक परिचय, साहित्य-संतरण, महादेवी वर्मा, महाप्राण निराला, हिंदी-कथा-साहित्य, नीर-क्षीर; संकलन : साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबंध (महादेवी जी के विवेचनात्मक निबंधों का संकलन); अप्र० तीन आलो० निबंध-संक०; प० साहित्यकार संसद भवन, ५८ रसूलाबाद, इलाहाबाद।

गंगाप्रसाद मिश्र—ज० २८ जनवरी, '१७; शि० बी० ए० आनर्स, एम० ए० लखनऊ वि० वि०, सा० रत्न सम्मे० प्रयाग; प्र० '३४ में; प्रका० उप० : विराग, महिमा, संघर्षों के बीच; कहा० : सरोद की गत, नया खून, आदर्श और यथार्थ, नई राहें, काटों का ताज; बालो० : बिगुल; जीव० : गाँधी-गौरव; संकलन : ज्ञानलोक, साहित्य-संजूषा और गद्य-पारिजात; आधुनिक पत्र-व्यवहार-पद्धति, अप्र० दो-तीन कहानी-संग्रह, प० प्रधानाध्यापक राजकीय उच्च० माध्य० विद्यालय, सुलतानपुर।

गंगाप्रसाद, 'विमल'—ज० ३ जून, '३९; शि० एम० ए० हिंदी पंजाब

वि॰ वि॰ मे सर्वप्रथम; प्र॰ '५५ में, प्रका॰ शताधिक कविताएँ, कहानियाँ एवं आलो॰ लेख; वि॰ विदेशी छात्रों को हिंदी-शिक्षण, वर्त॰ पंजाब वि॰ वि॰ की 'रिसर्चफेलोशिप' प्राप्त; प॰ हिंदी विभाग, पंजाब वि॰ वि॰, चंडीगढ़ ।

गंगाप्रसादसिंह अघोरी—ज॰ १६०१, प्र॰ '२५ मे, प्रका॰ हिंदी के मुसलमान कवि, अभागिनी, माधुरी (अनु॰), विलासिनी, मिल (अनु॰), खुमान-कृत लक्ष्मण-शतक (संपा॰), बजरंग-बत्तीसी (संपा॰), देवदास (अनु॰), हनुमत-शिखनख (संपा॰), कुमारिल भट्ट (अनु॰), पद्माकर की काव्य-साधना, मृग-मरीचिका, पद्य-रत्नावली (संक॰), रात की बदली (अनु॰), महाभारत की नीतिकथा और भारतीय लोककथा; अप्र॰ निबधों के २ संग्रह; वर्त॰ अर्द्धसाप्ता॰ 'संसार' के संपा॰, प॰ 'संसार' प्रेस, वाराणसी १ ।

गंगाशंकर मिश्र—ज॰ १८८७, हरदोई ; शि॰ हरदोई, लखनऊ, एम॰ ए॰ इतिहास '१७, काशी वि॰ वि॰ ; सा॰ स्वदेशी आंदोलन में भाग लिया, १६०५ में राजघाट, काशी की कांग्रेस में भाग लिया, हिंदू वि॰ वि॰ के पुस्तकालय-अध्यक्ष, संस्था॰ धर्मसंघ शिक्षा-मंडल, संपा॰ साप्ता॰ 'सिद्धांत' काशी तथा 'सन्मार्ग' कलकत्ता ; प्रका॰ भारतवर्ष का इतिहास, भारत में ब्रिटिश साम्राज्य ; वि॰ 'एक किताबी कीड़ा' के नाम से विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में अनेक रचनाएँ प्रकाशित , वाराणसी के प्रमुख इतिहासज्ञ एवं सनातनधर्म के प्रमुख नेता ; वर्त॰ प्रधान संपा॰ 'सन्मार्ग', वाराणसी ; प॰ धर्मसंघ-शिक्षा-मंडल, दुर्गाकुंड, वाराणसी ।

गंगाशरण शर्मा, 'शील'—ज॰ २३ जून, १६०५; शि॰ एम॰ ए॰ (संस्कृत एवं हिंदी) मेरठकालेज , सा॰ संस्था॰ स्थानीय 'हिंदी-प्रचारिणी-सभा' एवं भारती-भवन हिंदी-साहित्य-परिषद ; प्रका॰ मोहन मुक्तावली, प्रेम - पुकार, अंक ब्रह्म, गीता-ज्ञान, मानस-पंचरत्न आदि ; वि॰ 'प्रेम-पुकार' की डेढ लाख से अधिक प्रतियाँ छप चुकी हैं; 'राम-चरित-मानस' के प्रचार में विशेष रुचि लेते हैं ; वर्त॰ अध्यक्ष, हिन्दी - संस्कृत - विभाग, एस॰ एम॰ कालेज, चँदौसी . प॰ प्रेमनिवास, चँदौसी ।

गजराजसिंह यादव—ज॰ १० फरवरी, '३० , शि॰ एम॰ ए॰, एल॰ टी॰ ; प्र॰ '५७ मे ; प्रका॰ स्फुट कविताएँ ; अप्र॰ कल्पना के कुसुम (गीत) ; प॰ प्राध्यापक, हनुमत विद्यालय, बिसवाँ, सीतापुर ।

गजाधरसिंह, कुँवरपाल—ज॰ २ अक्टूबर, '३७, अलीगढ़ , शि॰ एम॰ए॰, रिचर्स फेलो, अलीगढ़ वि॰वि॰ , जा॰ फ्रेंच एवं रूसी ; सा॰ संपा॰ 'नई किरण' हाथरस '५५-'५७, स्थानीय पत्र 'प्रकाश' में 'देहातों के आँचल से'

स्तम्भ के नियमित लेखक, 'संगम' संस्था के मंत्री, 'अनामिका-अंजुमन' के सहायक मंत्री; प्रका० स्फुट ; अप्र० 'आज की हिंदी कहानी' (यंत्रस्थ) ; प० हिन्दी विभाग, वि० वि०, अलीगढ़ ।

गजानन वर्मा—ज० '२२, अवन्तिका , शि० एम० ए० माधव महाविद्यालय उज्जैन, बी० टी० भोपाल , प्र० '३७ में, प्रका० स्फुट रचनाएँ , अप्र० तीन कवि०, कहा० तथा निबंध-संग्रह , वि० संस्कृत और अँगरेजी से अनुवाद भी किये हैं । प्रसिद्ध चित्रकार हैं . वर्त० विक्रम वि० वि० के शोधछात्र ; प० प्राध्यापक राजकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिकशाला, आष्टा, सीहोर ।

गजाननसिंह चौहान, 'नम्र'—ज० '३७ ; शि० मंडलेश्वर ; प्रका० स्फुट कविताएँ ; अप्र० कवि० . युग-माधुरी, नई ज्योति, मानस मोती, पर प्यास नहीं बुझी, गीता-संदेश, पर राह नहीं मिली; कहानी : मिलन , प० साहित्य-सदन, जगजीवन मार्ग ४, मंडलेश्वर, नीमाड ।

गणपतिचंद्र गुप्त—ज० '२८ , शि० एम० ए०, पी-एच० डी० पंजाब , प्र० '५१ में , प्रका० जयशंकर प्रसाद और उनका काव्य '५८, हिंदी-काव्य में शृंगार-परंपरा और महाकवि बिहारी (शोध-प्रबंध) '५९, साहित्यिक निबंध '५९, हिंदी साहित्य : समस्याएँ और समाधान '६०; अप्र० साहित्य-विज्ञान, हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास ; वि० उ० प्र० एवं पंजाब सरकार द्वारा शोधप्रबंध पर क्रमशः ५००) एवं ४००) का पुरस्कार प्राप्त ; वर्त० प्राध्यापक, हिंदी विभाग, पंजाब वि० वि०, चंडीगढ़ ।

गणपतिचंद्र भंडारी—ज० १४ सितंबर, '१२, जोधपुर ; शि० एम० ए० हिंदी '४८ ; सा० अंतरप्रांतीय कुमार साहित्य परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष तथा जोधपुरी शाखा के चार वर्षों तक अध्यक्ष, राजस्थान साहित्य अकादमी के सद० एवं गत तीन वर्षों तक उसकी संचालन-समिति के सद०, ना० प्र० सभा काशी एवं भारतीय हिंदी-परिषद प्रयाग के भूत० सद०, मरुधर बालिकाविद्यापीठ राखी के सहमंत्री, ओसवाल कन्याशिक्षा प्रचारिणी संस्था जोधपुर के उपमंत्री एवं १० वर्षों से सद०, बालमंदिर सरदारपुरा की प्रबंध० समिति के सद०, '४८ में एस० एम० के० कालेज जोधपुर में प्राध्यापक, अब वि० वि० जोधपुर में व्याख्याता ; प्र० '३४ में ; प्रका० हिंदी-भाषा-ज्ञान-प्रकाश (सहलेखक) '४४, नाट्य कथा-कुंज '४४, जनमेजय का नागयज्ञ : एक अध्ययन '५०, पंचरागिनी (आलो०) '५१, रक्त-दीप (कवि०) '५५, गद्य-पद्य-संग्रह (सहसंपा०) '६१, निबंधमाला (सहलेखक) '६२, इंद्रधनुष , 'जोधपुर जिले की बोली का वैज्ञानिक अध्ययन' पर शोधकार्य कर रहे हैं । 'राजस्थान

सेकेण्ड्री एजूकेशन बोर्ड द्वारा 'गद्य-पद्य-संग्रह' को सर्वश्रेष्ठ पाठ्यग्रंथ-रूप मे २०००) का पुरस्कार मिला ; प तीसरी सडक, सरदारपुरा, जोधपुर ।

गणपतिराय गुप्त—शि० एम० ए० हिंदी, बी० टी०, प्रभाकर , प्रका स्फुट लेख , प्राध्यापक सनातनधर्म कालेज, अम्बाला छावनी ।

गणपतिसिंह वर्मा, डा०—ज० १९०२ ; शि पंजाब, राजस्थान, और उ० प्र० , एम० एस-सी०, आयुर्वेदवाचस्पति, सा० संपा० मा 'रसायन' '४८ से , प्र० २८ मे ; प्रका० हुनर प्रचारक (दो भाग) '३१, अँग्रेजी वार्तालाप '३१, कल्पवृक्ष '३५, भारतीय जडी-बूटियाँ (दो भाग), साबुन-साजी, इंजेक्शन चिकित्सा-प्रदीप एव नपुंसक-चिकित्सा '४० ; गुप्त रोग-रत्नावली, अनुभूत योगचितामणि '४१ एवं अनुभूत योगप्रकाश '४५ ; इनके अतिरिक्त अर्क, बबूल, पलांडु, घृत, लवण, दुग्ध, अरिष्टक, एकौपधि, नीबू, स्वर्णक्षीरी, मधु, फिटकिरी, इंद्रायण, पीपल, धतूरा, आम्र, नीम आदि के 'गुण-निधान' शीर्षक अनेक ग्रंथ प्रकाशित कराये हैं; वि० मराठी, गुजराती और अँगरेजी मे वैद्यक-संबंधी अनेक उपयोगी ग्रंथों की रचना की है ; प० रसायन-भवन, ३ दरियागंज, अंसारी रोड, दिल्ली—६ ।

गणेश खरे—ज० १५ जनवरी, '३७, दमोह ; शि० एम० ए० हिंदी '६० प्रथम श्रेणी में प्रथम, एल-एल० बी० '६१, शोधछात्र ; सा० 'सर्जना' सस्था के संस्था० और मंत्री , प्र० '५५ में ; प्रका० प्रसाद के प्रगीत (समीक्षा) '६० ; अप्र० जगमगाते दीप (कहा०), बुन्देलखडी लोकगीत और जीवन , वत० 'छायावाद युग के प्रगीत काव्य का अनुशीलन' विषय पर शोधकार्य , वि० शोध कार्य के लिए केंद्रीय शासन की ओर से 'ह्यमिनिटीज' छात्रवृत्ति २००) मा० प्राप्त ; प० सुषमा-साहित्यायन, गोपालगंज, सागर ।

गणेश चौबे—ज० ६ दिसंबर, '१२ ; शि० मोतीहारी ; सा० भोजपुरी त्रैमा० पत्रिका 'अंजोर' (पटना), त्रैमा० 'अर्घ्य' (मोतिहारी), एव 'साहित्य-सूची-ग्रंथ' प्रयाग के सपा० मंडल के सद०, अँग्रेजी मा० 'फौक लोर' कलकत्ता एवं अर्द्धवार्षिक 'लोकायन' के क्षेत्रीय संपा०, भोजपुरी लोकगीतो, लोक-कथाओं आदि का सग्रह ; प्रका० भोजपुरी लोकसाहित्य-संबंधी लगभग ५० शोधपूर्ण लेख, वि० लगभग छह सौ हस्तलिखित ग्रंथों की खोज की है ; '५९ मे बिहार-राष्ट्रभाषा परिषद् द्वारा 'भोजपुरी भाषा और साहित्य 'विषय पर निबध-पाठ के लिए आमंत्रित ; निबंध 'पंचदशलोकभाषा निबंधावली' मे सकलित ; प० बंगही, वाया मोतिहारी, चंपारन ।

गणेशदत्त शर्मा 'इंद्र'—ज० २९ अक्टूबर १८९४ शि विद्यावाच-

रूपनि, काव्य-कलानिधि, धर्मवीर, ज्ञा० अँगरेजी, संस्कृत, उर्दू, गुजराती, बँगला एवं गुरुमुखी; सा० भूत० संपा० 'बाल-मनोरंजन', 'हिंदी-सर्वस्व', 'गौड़-हितकारी' (मैनपुरी), 'चंद्रप्रभा' (नीमाड़), 'अनाथ-रक्षक' (अजमेर), 'ब्राह्मण समाचार' (दल्ली), 'जीवन' (मथुरा) ; प्रका० वैदिकपताका, उपदेश-कुसुमाजलि, नागरी-पूजा, रूपसुन्दरी, लवकुश, भीष्म-चरित्र, राणा सग्राम सिंह, व्यावहारिक सभ्यता, शुद्ध नामावली, वीर कर्ण, वीर अभिमन्यु, भारत में दुर्भिक्ष, खादी का इतिहास, वीर अर्जुन, स्वप्नदोष, गुजराती-हिंदी शब्द-कोश, आर्य-समाजमहत्ता, संतानशास्त्र, हिंदू-पति प्रताप, यशवतराय होल्कर, लेखराम, गुरुनानक, यौवन के आँसू, गोरक्षा, हारमोनियम-तबला-बेला-मास्टर, जगदगुरु शंकराचार्य, अमर ज्योति, श्रीकृष्ण, देहाती कहावतें, स्त्रियों के व्यायाम, स्वराज्य का पतन, ग्राम-सुधार, टर्की का शेर, दीर्घायु, अक्षर-शास्त्र, इन्द्रधनुष, बलिदान, विचित्र लीला तथा अन्य ग्रंथ ; अप्र० प्रताप-प्रशस्ति, कर्णवध, गड़बड़ महाकाव्य, हमीर-हठ, समाज का कलंक, आगर (मालवा) का इतिहास ; वि० 'गुजराती-हिंदी-कोश' पर बड़ौदा में होनेवाले हि० सा० सम्मे० से और 'गोरक्षा' पर दरभंगा नरेश से रजतपदक प्राप्त ; प० शांति-कुटीर, आगर, मालवा।

गणेशदत्त सारस्वत—ज० १० सितंबर, '३६ ; शि० एम० ए० हिंदी एवं संस्कृत, एल० टी० लखनऊ वि० वि० ; प्र० '५३ में ; प्रका० स्फुट रचनाएँ, अप्र० झंकार (गीत), द्विज बलदेव : एक अध्ययन, अपराधी ; वि० 'सीतापुर जनपद के कवि' विषय पर लखनऊ वि० वि० में शोध कर रहे हैं ; प० प्राध्यापक सेठ जयदयाल इंटर कालेज, बिसवाँ, सीतापुर।

गणेश पांडेय—ज० १८८८ ; शि० इलाहाबाद ; सा० भूत० संपा० 'तरुण-भारत' पटना, कांग्रेसी कार्यकर्त्ता, '२२ में छः मास की सजा ; हि० सा० गोष्ठी दारागंज के मंत्री, हि० सा० सम्मे० की स्थायी समिति के भूत सद०, संस्था० छात्र हितकारी पुस्तकमाला ; प्रका० चित्रादर्श, एकांतवास, आहुतियाँ, देश की आन पर, गंगा-गोविंद (बंग० से अनु०), वीरबाला; अप्र० अनेक ग्रंथ एवं संकलन, प० दारागंज, प्रयाग।

गणेशप्रसाद, 'मंजुल मयंक'—ज० ३० सितंबर, '२२ ; शि० एम० ए०, हिंदी ; प्रका० रूप रागिनी (काव्य) '५२, तन-मन की भाँवरें (उप०) प० हिंदी-प्राध्यापक, विद्यामंदिर इंटर कालेज, हमीरपुर।

गणेश मंत्री—ज ८ दिसबर ३७ शि एम ए एल-एल बी

सा० साप्ता० 'सोशलिस्ट समाचार' कोटा के संपा० '५७ से '६२ तक ; प्रका० स्फुट लेख , प० द्वारा 'सोशलिस्ट समाचार', कोटा (राज)।

गणेशशंकर चैनपुरी—ज० '३० ; शि० प्रवेशिका ; सा० संपा० साप्ता 'प्रगति' और 'परिवर्तन', '४२ के आंदोलन में सक्रिय कार्य, '४८ में समाज-सेवा-संघ की स्थापना ; प्र० '४८ में ; प्रका० प्रवेशिका शब्द-रहस्य, मिट्टी के कंचन (कहा०), शूल के फूल (लघु० उप०) ; वि० 'मिट्टी के कंचन' (कहा०) पर ५०१) का पुरस्कार प्राप्त , प० चैनपुर, धरहरवा, मुजफ्फरपुर ।

गदाधरप्रसाद अंबष्ठ—ज० फरवरी, १९०३ , शि० विद्यालंकार बिहार-विद्यापीठ , सा० '२७ में प्रयाग के मा० पत्र 'चाँद' तथा '२८-'३२ तक पटना के साप्ता० पत्र 'देश' के सह-संपा०, '३३ मे पटना मे 'बिहार साहित्य मंदिर' नामक प्रकाशन संस्था की स्थापना, 'भारतीय इतिहास-परिषद' के '४३-'४७ तक स्थानापन्न मंत्री, बिहार-राष्ट्रभाषा-परिषद मे 'हिंदी साहित्य और बिहार' तथा 'भारतीय अब्दकोश' के मूल० सह-संपा०, 'अंगभाषा परिषद' की स्थापना . प्रका० मुंगेर '३०, अर्थशास्त्र-शब्दावली '३२, राजनीति शब्दावली '३२, देशपूज्य राजेंद्रप्रसाद '३४, हिंदुस्तानी भाषाकोश '३५, बिहार-दर्पण '४०, भारतीय अब्दकोश और व्यवसाय - दर्शक '५१ , वि० 'बिहार के दर्शनीय स्थान' पुस्तक पर बिहार-राष्ट्रभाषा-परिषद द्वारा एक सहस्र मुद्रा ताम्रपत्रसहित प्राप्त ; प० बिहार-साहित्य-मंदिर, पटना—३ ।

गनेशीलाल बुधौलिया—ज० ५ मार्च, '२० ; शि० एम० ए० हिंदी, प्रथम श्रेणी, सा०रत्न, साहित्याचार्य , सा० हिंदी-साहित्य परिषद राठ के मंत्री, बुंदेलखंड-साहित्य-परिषद के परीक्षामंत्री, उ० प्र० हिंदी-साहित्य-सम्मे० के सद०, मंडल कॉंग्रेस कमेटी राठ के मंत्री , प्रका० स्फुट रचनाएँ ; संपा० 'ब्रह्मानंद-अभिनंदन-ग्रंथ' ; वि० 'बुंदेलखंडी साहित्य' शीर्षक शोध-प्रबंध लिख लिया है ; वर्त० पिछले बीस वर्षों से प्रवक्ता . हिंदी विभाग बी० एन० बी० इंटर कालेज, राठ ; प० सदाशिव निवास, राठ, हमीरपुर ।

गयाप्रसाद—ज० १५ जुलाई, '२० ; शि० इंटरमीडिएट ; सा० स्थानीय सार्वजनिक पुस्तकालय के संगठनमंत्री, साहित्य-कला-परिषद एवं पत्रकार-संघ के मंत्री. साप्ता० 'तूफान' के संस्था०-संचा० : प्र० '५० में . प्रका० स्फुट; प० डालमियानगर, डेहरी आन सोन, शाहाबाद ।

गयाप्रसाद ज्योतिषी—ज० ४ अगस्त, १९०४, बन्नाद, सागर ; शि० एम० ए० हिंदी, काशी वि० वि० ; सा० साप्ता० 'सनातन धर्म' के अवै० प्रबंधक सहा० संपा० ; सनातन धर्म महासभा के मंत्री. संस्कृत विद्यालय में '३१

से प्राध्यापक : प्रका० सवर्ण विवाह शास्त्रसम्मत है, हिंदू-संस्कृति ; वि० मालवीय जी के शताब्दी-महोत्सव के तीन भागों का संपा० कर रहे है, प० प्राध्यापक, सनातन धर्म महासभा, वि० वि०, काशी।

गयाप्रसाद द्विवेदी, 'प्रसाद'—ज० १८९९, शि० छठी तक ; प्र० '३० में; प्रका० पावस-प्रमोद '३०, हृदय-निकुंज '३५, नवदल '३९, मधुपुरी (महा०), श्री बद्रीनारायण-दर्शन '५७, नन्दग्राम (काव्य) ; अप्र० अन्य परिणाम, आशा, उत्तराखंड के गान ; प० गंगावली, अमेठी, सुल्तानपुर।

गयाप्रसाद पांडेय—ज० ५ अप्रैल १९०८ ; ज्ञा० अँग्रेजी और संस्कृत, सा० '३१ में 'पंचांग-शोधन-समिति' इंदौर में हटा क्षेत्र से प्रतिनिधि, '५७ से विधान सभा भोपाल के सद० ; प्र० '३६ में ; प्रका० सतधर्म-प्रकाशिका, विवाह-पद्धति, ज्योतिष-प्रवेशिका, प० बडाबाजार, हटा, दमोह।

गयाप्रसाद शुक्ल—ज० १ दिसंबर, '२२ ; शि० लालगंज ; सा० अनेक दैनिक एवं साप्ता० पत्रों के संवाददाता ; प्रका० तीर्थयात्रा पथ-प्रदर्शक '५७ ; अप्र० दो संकलन ; प० लालगंज, रायबरेली।

गार्गी गुप्त, डा०—ज० २ अक्टूबर, '२९, शि० एम० ए०, हिंदी, पी-एच० डी० दिल्ली, एम० एस० (अमेरिका) ; सा० '४८ से '५५ तक मुरादाबाद, हापुड़ और बरेली के महिला-कालेजों में प्राध्यापिका, '५५ से '६१ तक भारत सरकार के प्रकाशन-विभाग में उप०-संपा०, '६१ में दिल्ली वि० वि० में अनुवाद का स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम आरम्भ होने पर प्राध्यापिका के पद पर नियुक्त, दिल्ली की साहित्यिक संस्था 'नव-पल्लव' की प्रधान मंत्राणी ; प्रका० लगभग दो सौ लेख-कहानियाँ आदि ; अप्र० "राम-काव्य की परम्परा मे 'रामचंद्रिका' का विशिष्ट अध्ययन" (शोध-प्रबन्ध), वि० कोलम्बिया वि० वि अमेरिका से पत्रकारिता मे 'मास्टर' की उपाधि पानेवाली प्रथम भारतीय महिला ; प० एफ २-७ माडल टाउन, दिल्ली—९।

गिरिजाकुमार माथुर—ज० १६ अगस्त, '१९, शि० एम० ए०, अँग्रेजी, एल-एल० बी०, लखनऊ वि० वि० ; सा० सद० : बुंदेलखंडीय कवि-परिषद, न्यूयार्क में 'इंटरनेशनल सिविल-सर्विस' के अंतर्गत प्रसाराधिकारी के पद पर नियुक्ति '५०, योरोप-भ्रमण '५१, नेपाल यात्रा को भेजे गये सांस्कृतिक-शिष्टमंडल के सद०, रेडियो-प्रतिनिधि-मंडल मे रूस तथा चेकोस्लोवाकिया की यात्रा '५६, प्रका० कवि० : मंजीर '४१, नाश और निर्माण '४६ तार सप्तक '४३ धूप के धान '५५ शिलापंख चमकीले '६१

नाट० : जनम कैद '५७ ; वि० 'पृथ्वीकल्प' (नाट्य-काव्य) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मान , प० आकाशवाणी, कटक, उड़ीसा ।

गिरिजाशंकर तिवारी, 'गिरिजेश'—ज० ११ जनवरी '३१, शि० बी० ए० इंदौर, सा० रत्न सम्मे० प्रयाग , प्र० '५१ से, प्रका० स्फुट गीत, अप्र० जीवन-गीत, मालवी गीत; वि० 'धरती के गीत' संग्रह में इनकी भी रचनाएँ संगृहीत हैं, प० कंजार्डा, वाया मनासा, मदसौर ।

गिरिजाशंकर द्विवेदी—ज० १९०१; शि० सा० रत्न; सा० '२७ में 'सुधा' तथा '३० में ६ महीने 'अभ्युदय' के संपादकीय विभाग में कार्य; प्रका० सौमित्र (जीव०), भरत का चरित्र, सफेद हाथी, साल मूर्ख, रीछ की पूँछ, विवाह और प्रेम, स्वामी दयानंद (जीव०), गृहस्थ जीवन; अप्र० साहित्य में प्रकृति-वर्णन, ज्ञान-मंजूषा; वर्त० हिंदी प्राध्यापक, जुबिली गर्ल्स कालेज, लखनऊ; प० राज-भवन, सातवीं लेन, निशातगंज, लखनऊ ।

गिरिजाशंकरलाल सक्सेना, 'स्वतंत्र'—ज० ८ फरवरी '२९ रसूलपुर, बाराबंकी; शि० एम० ए० हिंदी, लखनऊ वि० वि०; सा० हिंदी-परिषद-खजुहा, साहित्य-संगम तथा साहित्य-मंडल की स्थापना, '५२ में साहित्य-मंडल की ओर से मा० 'माधवी' के प्रका०-सह-संपा० ; प्र० '५२ में ; प्रका० रूप का अंत '५४, भीष्म-प्रतिज्ञा (खंड०) '६२ ; अप्र० प्रभाती, गीतमालिका, शत-सुमन, गिरिजा-दोहावली एवं महावीर कर्ण (महा०) ; वर्त० इलाहाबाद बेंक लखनऊ में कार्य करते है ; प० साहित्य-संगम, छाछू कुँआ, लखनऊ ।

गिरिजाशंकर शर्मा—ज० २६ सितंबर, '३३ ; शि० हिंदी आनर्स पंजाब वि० वि०, सा०रत्न सम्मे० प्रयाग, एम० ए० हिंदी तथा संस्कृत, आगरा वि० वि० ; मा० सह-संपा० 'दीप-शिखा' मेरठ, प्रधान : ऐतिहासिक कहानी-कार-परिषद मेरठ, मंत्री : 'कवि-कुंज', सामाजिक विकास-योजना के सद०; प्र० '४८ में ; प्रका० शिकस्त और प्रायश्चित (ऐति० उप०) तथा अन्य स्फुट रचनाएँ : वि० ऐतिहासिक कहानी-प्रतियोगिता मेरठ में 'अमर हुतात्मा मैना' कहानी पुरस्कृत ; वर्त० दिल्ली-शिक्षा-विभाग में अध्यापक ; प० (१) २५० बैकर्स स्ट्रीट, मेरठ कैंट (२) ५८१८, जोगीवाड़ा, नई सडक, दिल्ली ६ ।

गिरिधरलाल शास्त्री—ज० १८९३ ; शि० व्याकरण मध्यमा '१९, साहित्यशास्त्री '२६ ; प्रका० काव्य-प्रकाश '३४, पाणिनीय प्रवेशिका तथा संस्कृत-हिंदी एवं राजस्थानी में लगभग ४० पुस्तकें प्रकाशित ; अप्र० राज-स्थानी में मेघदूत का अनु० ; प० व्यासाश्रम, ब्रह्मपोल-दरवाजा, उदयपुर ।

गिरिधरशर्मा चतुर्वेदी, महामहोपाध्याय—ज० २९ दिसंबर, १८८१,

शि॰ व्याकरणाचार्य जयपुर, शास्त्री पंजाब वि॰वि॰, महामहोपाध्याय एवं वाचस्पति हिंदू वि॰ वि॰ काशी, साहित्य-वाचस्पति सम्मे॰ प्रयाग, विद्या-वाचस्पति जगन्नाथपुरी ; सा॰ प्राचार्य, ऋषिकुल ब्रह्मचर्याश्रम हरिद्वार '१९०८ से '१७, सनातन धर्म संस्कृत कालेज, लाहौर '१९-'२४, महाराजा संस्कृत कालेज जयपुर '२५-'४४, महाराजा संस्कृत कालेज, अलवर '४६-'४८, संचालक . मूलचंद खैरातीराम रिसर्च इंस्टीट्यूट, लाहौर '४४-'४७, 'डाइ-रेक्टर आफ संस्कृत स्टडीज ऐंड रिसर्च' हिन्दू वि॰ वि॰ काशी '५०-'५४, संस्थापक : अखिल भारतीय संस्कृत साहित्य सम्मेलन देहली, मंत्री : अ॰ भा॰ सं॰ सा॰ सम्मे॰ '१३-'२४, सभा॰ : मंगलाप्रसाद पारितोषिक-निर्णायिक-समिति, दर्शन-परिषद, हिंदी साहित्य सम्मे॰ कानपुर '३०, संस्कृत-परिषद 'ओरि-एंटल कानफ्रेंस' बनारस '४३; सद॰ कोर्ट हिंदू वि॰ वि॰ काशी '२७-'५२, 'एकेडेमिक कौंसिल', हिंदू वि॰ वि॰ काशी, '५४ से अब तक, 'एकेडेमिक कौंसिल' राजस्थान वि॰ वि॰ जयपुर '५०-'५३ तक, 'ओरिएंटल फैकल्टी' पंजाब वि॰ वि॰, 'लैंग्वेज एक्सपर्ट कान्फ्रेंस' भारत सरकार नई दिल्ली, संविधान संस्कृतानुवाद-समिति भारत सरकार नई दिल्ली '५१-'५२, ना॰ प्रचा॰ सभा काशी '१० से अब तक; सभापति : माथुर चतुर्वेदी-विद्यालय-संचालक-समिति मथुरा '२९ से अब तक, संपा॰ संस्कृत मा॰ 'संस्कृत-रत्नाकर' जयपुर '१९०३-'१४, हिंदी मा॰ 'ब्रह्मचारी' (हरिद्वार) '१४-'१९, हिंदी (मा॰) 'चतुर्वेदी' (मथुरा) '२१-'२४, 'वैष्णव धर्म-पताका' (बंबई) '१८-'२०, 'वेदांक संस्कृत रत्नाकर विशेषांक', जयपुर '३६, शिक्षांक-संस्कृत रत्नाकर विशेषांक', जयपुर '४० ; प्रका॰संपा॰ गीता-विज्ञान-भाष्य '३८, बालाम्बा परिणय-चंपू '२७, शतपथ ब्राह्मण, वेद-धर्म-व्याख्यान (३ भाग), मथुरा-वर्णन '५२, सिद्धांत-कौमुदी, अनुवाद-प्रणाली, महाकाव्य-संग्रह, महर्षि कुल-वैभव, ब्रह्मसिद्धांत, प्रमेय-पारिजात, चातुर्वर्ण्य, पाणिनीय परिचय, बालाम्बा परिणय चंपू (हिंदी अनु॰), वेद-विज्ञान-विंदु, हिंदी में स्मृति-विरोध-परिहार, गीता-व्याख्यान, वैदिक-विज्ञान और भारतीय संस्कृति, पुराण-पारिजात, वि॰ राष्ट्रपति द्वारा १५ अगस्त '५८ में सम्मानपत्र प्राप्त; 'वैदिक विज्ञान और भारतीय संस्कृति' ग्रंथ उ॰ प्र॰ एवं राज॰ सरकार तथा साहित्य एकेडमी दिल्ली द्वारा पुरस्कृत; प॰ धर्म-संघ-शिक्षा-मंडल, नवाबगंज, दुर्गाकुंड, वाराणसी

गिरिधारीलाल शास्त्री, डा॰—ज॰ २ जनवरी, '२३ ; शि॰ एम॰ ए॰ संस्कृत '५०, एम॰ ए॰ हिंदी '५२ आगरा वि॰ वि, पी-एच॰ डी॰ '५९, अलीगढ वि॰ वि॰, शास्त्री वाराणसी, सा॰ रत्न सम्मे॰ प्रयाग ; प्रका॰ हिंदी

साहित्य का इतिहास ; अप्र० हिंदी-कृष्ण-भक्ति काव्य की पृष्ठभूमि (शोध प्रबंध) : प० शास्त्री सदन, मैरिस रोड, अलीगढ़ ।

गिरीशचंद्र त्रिपाठी—ज० '२९, रामपुर ; शि० एम० ए० लखनऊ वि० वि० ; सा० का० ना० प्र० सभा वाराणसी की प्रवर-समिति तथा अवध-साहित्य-परिषद लखनऊ की प्रबंध-समिति के सद०, संस्था० स्थानीय 'साहित्यिकी' संस्था ; प्र० '४७ में ; प्रका० अजातशत्रु-समीक्षा ; अप्र० संपा० : युगमन् प्रसाद, बाबू देवकीनंदन खत्री-स्मृति-ग्रंथ ; वर्त० लखनऊ वि० वि० में शोधकार्य में संलग्न; प० जानकी-निकुंज, पुराना किला, लखनऊ ।

गीडाराम—ज० '२५ अप्रैल, '२२ ; शि० नवलगढ़ तथा पिलानी , सा० राजस्थान-साहित्य-समिति बिसाऊ की कार्यकारिणी के सद०, 'लोककला' (उदयपुर) तथा 'किलकारी' (जोधपुर) के संपा० मंडल के सद०, भारतीय लोक-कला मंडल के शोधविभाग में कार्य ; प्रका० राजस्थान के लोकोत्सव '५७, संपा० गुटका हिंदी शब्दकोश '४७, हिंदी की पत्र-पत्रिकाएँ '५०, सह-लेखक : राजस्थान के लोकानुरंजन '५६, राजस्थान का लोकसंगीत '५७, एवं राजस्थान के लोकनृत्य ; प० रुइया हाईस्कूल, रामगढ़, जयपुर ।

गुरुदयालुसिंह, 'प्रेम-पुष्प'—ज० १९०६, शि० बी० ए० प्रयाग वि० वि०, एम० ए० हिंदी, आगरा वि० वि०, बी० टी० शिलाँग ; सा० संपा० मा० 'आदर्श युवक' , प्रका० कवि० : प्रेमवीणा '२५, पुष्पांजलि '२८ (कहा०), छात्राभिनय (एकां०) '३४ ; अप्र० प्रेमाचंल, बालक का विकास, स्मृति की हिलोरें, प० हिंदी प्राध्यापक कुँवरसिंह इंटर कालेज, सरस्वती-मंदिर, बलिया ।

गुरुदेव त्रिपाठी—ज० जुलाई, '३६, अखोय, बिलथरा रोड, बलिया ; शि० एम० ए० '५८ काशी वि० वि० ; वि० 'रीतियुगीन काव्य का साहित्यिक मूल्यांकन' विषय पर सागर वि० वि० में पी-एच० डी० के शोध-कार्य में संलग्न ; प्रका० कविताएँ, कहानियाँ एवं अलो० लेख , अप्र० रीतियुगीन काव्य का विकास-स्रोत ; प० प्राध्यापक, हिंदी विभाग, बिडला कालेज, पिलानी ।

गुरुनाथ महादेव जोशी, 'जोगु', 'नीलकंठ'—ज० १५ मार्च, १९०८ ; शि० एम० ए० कर्नाटक वि० वि०, शास्त्री काशीविद्यापीठ, सा० रत्न सम्मे० प्रयाग, हिंदी-शिक्षक-सनद, बंबई , सा० सत्याग्रह आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन आदि में भाग तथा दो वर्ष का कारावास ; प्रका० जलतरंग (अनु० कन्नड कहा०), कन्नड-नवनीत, अंतरात्मा से, एकलव्य ('परपज' नाट० का अनु०) ; संपा० हिंदी-कन्नड-शब्दकोश, कन्नड-हिंदी शब्द-कोश, नागरिक (नाट०), शरतचंद्र के 'परणीता', 'देवदास', 'श्रीकांत', तथा प्रेमचंद्र एवं जैनेंद्र

की कहानियों का कन्नड में अनु०, कन्नड से हिंदी के भी सफल अनु० ; वर्त० '३० से हिंदी प्राध्यापक ; प० नानादीक्षित वाड़ा, लाइन बाजार, धारवाड़ ।

गुरुभक्तसिंह, 'भक्त'—ज० १८९३ ; शि० बॉसडीह, गोरखपुर, बी० ए० '१६, एल-एल० बी० '१९ प्रयाग वि० वि० ; सा० सद० विश्व-लेखक-संघ (पी० ई० एन०), प्रका० सरस सुमन '२५, कुसुम-कुंज '२९, वंशीध्वनि '३०, नूरजहाँ (महा०) '३५, वनश्री '४० विक्रमादित्य (महा०) '४४ ; वि० 'नूरजहाँ' महाकाव्य का अँगरेजी में अनु० किया है , 'रत्नाकर'-पुरस्कार, अ० भा० संस्कृत और आध्यात्मिक वि० वि० का मानपत्र तथा 'बलदेवदास पदक' प्राप्त ; अमेरिका के 'बयोग्रैफिकल एनसाइक्लोपीडिया आफ दि वर्ल्ड' में पूर्ण विवरणसहित परिचय प्रकाशित हुआ है ; प० अवकाशप्राप्त 'एक्जीक्युटिव आफिसर', भक्त-भवन, आजमगढ़ ।

गुरुबचनसिंह—ज० '२४, जमशेदपुर ; शि० बी० ए० जमशेदपुर ; प्र० '५२ में ; प्रका० उप० रेखाएँ '५६, वनपाखी '६२; कहा० युग और देवता '५८, नीम की निबौलियाँ ; अप्र० अर्पणा, बबूल के फूल, मलवा (कहा०), मेंहदी के फूल, लोहे के देवता, टूटी हुई धड़कनें ; वि० 'नई दिशा' नामक प्रका० संस्था के संस्था० ; प० २१ एन रोड, जमशेदपुर १ ।

गुलाबचंद तिवारी—ज० १८८० ; शि० मैट्रिक ; सा० '३७ में मा० 'स्कूल मास्टर' के संपा० तथा प्रका० ; प्रका० हैजा से बचने का उपाय, '५३, टिड्डी दलों की रोकथाम, गाँव की सफाई आदि ; वि० प्लेग, मलेरिया, क्षयरोग, 'माता' आदि रोगों की रोकथाम-संबंधी पुस्तकें भी लिखी हैं ; अप्र० तीन ग्रंथ ; प० गंजीपुरा, जबलपुर ।

गुलाबराय, डा०—ज० १८८७, इटावा ; शि० एम० ए०, एल-एल० बी०, आगरा कालेज और सेंट जोंस कालेज आगरा , सा० प्रोफेसर सेंट जोंस कालेज '१२, छतरपुर महाराज के यहाँ दार्शनिक अध्ययन में सहायक '१३, महाराज के 'प्राइवेट सेक्रेटरी' '१७, आंशिक समय देकर सेंट जोंस कालेज में अध्यापक '३२-'५६, मा० 'साहित्य-संदेश' के '३३-'५८ तक उपा०, इंदौर और पूना के साहित्य-सम्मेलनों में दर्शन-परिषद के सभापति , प्र० '१५ से ; प्रका० शांति धर्म, फिर निराशा क्यों ?, मैत्री धर्म, नवरस (छोटा-बड़ा संस्करण), कर्तव्यशास्त्र, तर्कशास्त्र (तीन भाग), पाश्चात्य दर्शन का इतिहास, प्रबंध-प्रभाकर, निबंध-रत्नाकर, भाषा-भूषण (संपा०), सत्य हरिश्चंद्र (संपा०), हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास, मेरी असफलताएँ (आत्मकथात्मक साहित्यिक हास्यपूर्ण निबंध) ठलुआ-क्लब विज्ञान-

विनोद, हिंदी नाट्यविमर्श, बौद्ध धर्म, सिद्धांत और अध्ययन, काव्य के रूप, हिंदी-काव्य-विमर्श (आलो०), मेरे निबंध, कुछ उथले कुछ गहरे, अध्ययन और आस्वाद, राष्ट्रीयता, जीवन रश्मियाँ, अभिनव भारत के प्रकाश-स्तंभ, विद्यार्थी-जीवन, जीवन-पथ ; वि० 'तर्कशास्त्र' (तीन भाग) हिंदुस्तानी एकेडमी द्वारा पुरस्कृत तथा 'अध्ययन और आस्वाद' उ० प्र० सरकार द्वारा पुरस्कृत; आगरा वि० वि० द्वारा डी० लिट० की सम्मानित उपाधि प्रदान की गई ; प० गोमती-निवास, दिल्ली दरवाजा, आगरा।

गेंदालाल सिंघई—शि० बी० ए०, सा० रत्न ; सा० अखिल विश्व जैन मिशन की मा० पत्रिका 'अहिंसावाणी' के भूत० सह-संपा० ; प्र० '३६ से ; प्रका० स्फुट लेख आदि ; प० सिंघई प्रेस, इतवारा, भोपाल।

गोकुलानंद तैलंग, 'निकुंज'—ज० १५ मई '१२, वृन्दावन ; शि० साहित्यभूषण '३९ काशी, सा० रत्न '५३; बी० ए० '५६, सा० श्रीकृष्ण-मित्र-मंडल वृंदावन के सभा० '३२, शुद्धाद्वैत एकेडमी काँकरोली के सह-मंत्री ब्रजसाहित्य-मंडल मथुरा की स्थायी समिति के सद०, छात्रहितैषी-संघ वृंदावन के संरक्षक-सभापति, भूत० संपा० 'प्रभाकर' '२९, 'किरण' '३३, 'श्रेय' '३७, 'नाम-माहात्म्य' '३९, 'स्वर-सागर' '३९, 'दिव्यादर्श' '३९, 'वल्लभीय सुधा' '५२ एवं 'अग्निकुमार' '६० ; प्रका० उत्तर भारतीय आंध्र-तैलंग जगत '५०, जातीय रीति-दर्पण '४५, ग्वारिया गौरव '३८, श्रीगोवर्द्धन-लीला '५५, गोविंदस्वामी '५१, कुंभनदास '५५, छीतस्वामी '५५, चतुर्भुजदास '५७, परमानंद-सागर '५९, कृष्णदास '६१, भ्रमर-गीत (ब्रजभाषा-काव्य) '६०, संगीत अष्टछाप '६२; नाट० श्रीकृष्णावतार '३३, रसधारा '५८ एवं दानलीला '५८; टीका० सूरसागर की विनय-पदावली एवं रामकथा '५२ ; संपा० श्रीगदाधर भट्ट '५७, श्रीमानस-सुधा '५७ ; अप्र० संपा० ब्रजमाधुरी ; गद्यका० प्रेम-मंदिर में, अरुणिमा, निकुंज, स्वर्णरज ; काव्य वंशी, ब्रज की झलक, वेदना, उमंग, मधुर स्मृति के गीत, चिड़ियाघर, पर्दे की ओट, भोजन भट्ट, कसक, प्रवासगीत आदि, प० (१) मधु निकुंज, भट्टगली, वृंदावन, (२) द्वारा महाराजा काँकरौली, द्वारकेश मार्ग, काँकरौली।

गोपालचंद्र दास— ज० '१८ वृंदावन ; शिक्षा एम० ए० (दर्शन तथा अँगरेजी) काशी वि० वि० ; प्रका० अँगरेजी एवं बँगला की अनेक कहानियों के अनु० ; वर्त० अँग्रेजी विभाग, सी० ए० बी० कालेज, वाराणसी ; वि० अँगरेजी मे भी लिखते हैं; 'वीमेन कैरेक्टर्स आफ डी० एच० लारेंस' पर शोध कार्य-रत ; प० ४५।२९, नई बस्ती वारासणी ।

गोपालजी चौरसे—ज० ; शि० आयुर्वेद-पंच पन्ननीति ; सं० मंत्री गांधी वाचनालय, प्रका० मंत्र-साम्य-निर्णय, शतपंच चौपाई-सुधा ; अप्र० दो ग्रंथ ; प० धन्वंतरि औषधालय, अंजड़ (म० प्र०)।

गोपालजी, 'स्वर्णकिरण'—ज० १६ मार्च, '३४ ; शि० बी० ए० आनर्स '५५ आरा, एम० ए० हिंदी '५७ पटना वि० वि० ; प्र० '५० में ; प्रका० संत रविदास '६० (नाट०), मिट्टी हुआ दर्द '६१, कुँए का ब्याह (कवि०) '६१, वि० 'हिंदी में समस्यापूर्ति की परंपरा तथा विकास' पर पटना वि० वि० में शोधकार्य-रत, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना द्वारा निबंध-पुरस्कार प्राप्त ; प० प्राध्यापक हिंदी-विभाग, किसान कालेज, सोहसराय, पटना।

गोपालदास अग्रवाल—ज० २ जनवरी '२५ करवी, बाँदा ; शि० एम० ए० हिंदी, एल० टी०, सा० मध्य प्रदेश हिंदी-सा० सम्मे० जयगढ़ के प्रधान मंत्री ; प्र० '६२ में ; प्रका० भारत के राष्ट्रीय महापुरुष, सरल कृषि और पशु-पालन, पाठशाला-प्रबंध, प० (१) पुरानी बाजार, करवी, बाँदा। (२) राजकीय प्रशिक्षण महाविद्यालय, शुजालपुर मंडी, शाजापुर।

गोपालदास गर्ग—ज० १० जून, १९०६, जोधपुर ; शि० एम० ए० संस्कृत '४०, एम० ए० अँगरेजी '४८ नागपुर वि० वि०, एम० ए० हिंदी, एल-एल० बी०, राजपूताना वि० वि०, सा० रत्न, सम्मे० प्रयाग, गीता-परीक्षा-प्रथम खंड (प्रथम), काव्यकोविद ; सा० भूत० प्रचारक आर्य-धर्म-सेवा-संघ दिल्ली, शोधछात्र विश्वेश्वरानंद वैदिक शोध-संस्थान लाहौर, भूत०प्राध्यापक, देवसमाज डिग्री कालेज लाहौर ; वैदिक विषयों पर जोधपुर-आकाशवाणी से वार्ताएँ प्रसारण ; प्रका० उपदेश-गुच्छ (दो भाग), संस्कृत साहित्य-मंजरी, हिंदी-रचना-निकुंज, संस्कृत-सुषमा-प्रदीपिका तथा पाठ्यग्रंथों की अनेक टीकाएँ ; अप्र० मेघनाद-वध, भागवत-दर्शन, रामायण-दर्शन ; वि० अँगरेजी में भी लिखते हैं, वर्त० प्रधानाध्यापक, श्रीजयकन्या पाठशाला, जोधपुर ; प० कल्लों की गली, नथावतों की गली, जोधपुर।

गोपालदास नागर—ज० २ जून '३३, ज्ञा० अँगरेजी, गुजराती एवं मराठी ; प्रका० तीन मौलिक उप०, चार अनु० उप०, तीन कहा० संग्रह ; प० २६।१६ ए०, चौखंबा, बाराणसी—१।

गोपालदास, 'नीरज'—ज० ८ फरवरी, '२६ ; शि० एम० ए० हिंदी, आगरा वि० वि० ; प्र० '४२ में, प्रका० कवि० : संघर्ष, अन्तर्ध्वनि, विभावरी, दो गीत, प्राणगीत (दो भाग), दर्द दिया है, आसावरी, मुक्तकी (मुक्तक) नीरज की पाती, बादर बरस गयो, नदी पुकारे, लहर पुकारे लिख-लिख

भेजत पाती (पत्र-सग्रह), नील विहग (अनु०), पंत : काव्य काव्य और दर्शन (आलो०), हिंदी रुबाइयाँ (संपा) , वि० '५८ में भारत सरकार के आमंत्रण पर साहित्य-समारोह के संबंध में नैपाल-यात्रा, '५८ मे 'दर्द दिया है' पर उ० प्र० सरकार द्वारा पुरस्कार प्राप्त, '६० में बंबई की जनता ने ७०००) की थैली मुख्य-मंत्री द्वारा भेंट की , 'नई उमर की नई फसल' और 'सत्याग्रह' फिल्म में गीत लिखे , वर्त० प्राध्यापक हिंदी विभाग, धर्म समाज कालेज, अलीगढ ; प० ४७, मेरिस रोड, अलीगढ ।

गोपालदास भार्गव—ज० २६ जनवरी '२६ ; शि० एम० ए०, राजनीतिशास्त्र. राज० वि०वि०, डी० एल० एस-सी० विक्रम वि०वि० उज्जैन , प्र '५८ मे ; प्रका० आठ शोधपत्र एवं अनेक लेख , अप्र० 'मैन्युअल आफ लाइब्रेरी अर्गनाइजेशन' ; प० (१) रामभवन, कोटा जकशन, राजस्थान । (२) प्राध्यापक, पुस्तकालय-विज्ञान, विक्रम वि० वि०, उज्जैन ।

गोपालनारायण बहुरा—ज० '१२ , शि० एम० ए० संस्कृत ; सा 'जयपुर पोथीखाना' मे दो वर्ष तक अध्यक्ष '४८-'५०, जयपुर में अखिल भारतीय हिंदी सम्मे० के सहस्वागतमंत्री , प्र० '३१ में ; प्रका० राम-माला (गुजरात का इतिहास, अँग्रेजी से अनु०), भुवनेश्वरी महास्तोत्र, राजविनोद महाकाव्य, कर्ण-कुतूहल, कृष्ण-लीलामृत काव्य, रस-दीपिका, पश्चिमी भारत की यात्रा, हस्तलिखित ग्रंथो की सूची , वर्त० लगभग दस वर्षों से उप-संचालक. 'राज० प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान' ; प० पुरातत्व मदिर, रेजीडेंसी रोड, जोधपुर ।

गोपाल नीलकंठ दांडेकर—ज० ८ जुलाई, '१७ अमरावती , प्र० '४५ मे ; प्रका० किसी एक की भ्रमण-गाथा '५७ ; अप्र० हम भगीरथ की संतान, रथयात्रा , वि० पुरी के शंकराचार्य जी से 'साहित्यवाचस्पति' की उपाधि प्राप्त, एक नाटक तथा बालसाहित्य पर भारत सरकार की ओर से पुरस्कार प्राप्त एवं दस-बारह उप० और नाट० आदि महाराष्ट्र सरकार द्वारा पुरस्कृत वि० मराठी के भी प्रसिद्ध लेखक हैं ; प० तलेगाँव, दभाडे, पूना ।

गोपालबाबू शर्मा—ज० ४ दिसंबर, '३२ ; शि० एम० ए० ; सा० मंत्री अलीगढ साहित्यकार-संघ; प्र० '५३ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० चंदा से बंदा परेशान (हास्य०), मैं चली सजन के देश, मैं गीत लिखूँ तुम गाओ (कवि०); वर्त० लोकगीतों पर शोध-कार्य-रत , प० ३९८, कृष्णपुरी, अलीगढ ।

गोपालचंद्र देव कपूर—ज० २८ नवंबर, १९१० ; शि० लायलपुर, लाहौर, गुरुकुल महाविद्यालय ज्वालापुर, शास्त्री (पंजाब), सा० 'विद्याभवन' नामक प्रकाशन संस्था की '३३ में लाहौर में स्थापना तथा बाद में 'व्रतीभ्राता

नाम से जालंधर में स्था० ; प्र० '२६ से ; प्रका० व्याकरणरत्न ३५, सरजा शिवाजी (नाट०) '३७, निबंध-कौमुदी '४१, निबंध-कुसुमावली '३६, महाराज छत्रसाल (जीव०) '४५, भारत माँ के लाल '३६ , अप्र० रोचक और सजीव कथाएँ, हिंदी गद्य का इतिहास, संगठन के मूल तत्व ; वर्त० उर्दू साप्ता 'हिंदू' के व्यवस्थापक , प० गोपाल नगर, जलधर ।

गोपाल माहेश्वरी, 'प्रताप' —ज० १५ जून, '२८ ; शि० बी० काम० कलकत्ता वि० वि , एम० काम० गौहाटी वि० वि०, अर्थशास्त्ररत्न, साहित्य-प्रभाकर, संपादन-कला-विशारद ; प्र० '५६ से ; प्रका० स्फुट कविताएँ ; अप्र० असमिया, उडिया, बँगला, गुजराती, अँगरेजी एवं राजस्थानी से अनु० कई कहानी संग्रह ; वि० कलकत्ता वि० वि० में पी-एच० डी के लिए शोधकार्यरत ; प० दिनबाजार, जलपाई गुड्डी, प० बंगाल ।

गोपाल सुंजाल—ज० २८ नवबर, '२० , सा० अ० भा० झारखड पार्टी के महामंत्री, संपा० 'अबुआ झारखंड' ; प्र० '२७ में ; प्रका० कहा० . सिद्धिश्री, फॉसी का सौदा, नीली आँखे, कवि० : बने अधकार की ओर, अटपटी उडानें , अनु० गर्म देश का प्यार, अनोखे प्रेमी और प्रेमिकाएँ, उप०; पूनम एक याद ; प० अपराजिता, मेन रोड, राँची ।

गोपाललाल खन्ना—ज० २२ दिसबर, '१४, लखनऊ , शि० एम० ए० हिंदी '३६, बी० टी० '३६ काशी वि० वि० ; सा० ना० प्र० सभा के आजीवन सद० तथा कार्य-कारिणी के सद० एवं अर्थमंत्री '४६, लखनऊ क्रिश्चियन कालेज में भूत० हिंदी प्राध्यापक, मासिक 'खत्री-हितैषी' के भूत० प्रधान संपा० , प्र० '३६ से ; प्रका० हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, हिंदी भाषा का सक्षिप्त इतिहास, काव्य कला, काव्य-कलाप, साहित्यिक लेख, हिंदी का सरल भाषा-विज्ञान, भाषा-विज्ञान, मृत मानव, हिंदी रचना की शिक्षा, सामान्य ज्ञान, भारतेंदु की भाषा और शैली, काव्यालोचन , अप्र० प्राचीन भारत का भौगोलिक इतिहास, स्व० डा० श्यामसुंदर दास के निबंधों का संग्रह, हिंदी भाषा की शिक्षा, शिक्षा का इतिहास ; वर्त० अध्यक्ष शिक्षा विभाग, धर्म समाज कालेज, अलीगढ; प० ६८, विष्णुपुरी, अलीगढ ।

गोपाल शेखरन—ज० २१ दिसबर, '३६ ; शि० एम० ए० हिंदी ; सा० दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी की साहित्यिक सभा के '६१ से सचिव , प्र० '६१ में ; प्रका० ससार की तेरह श्रेष्ठ कहानियाँ (अनु०) ; वर्त० आयकर विभाग, दिल्ली में कार्य ; प० १०२, गुप्ता कालोनी, दिल्ली—१ ।

गोपीकृष्ण प्रसाद ज० अप्रैल '२२ ; शि० एम० ए० (अँग्रेजी

हिंदी एवं समाजशास्त्र) , सा० '४७ में पटना के साप्ता० 'जनता' के सह-संपा-तथा बाद में संपा०, त्रैमा० 'अपरंपरा' साहित्य-संकलन के संपादक मंडल के सद०, 'इंडियन कमेटी आफ कल्चरल फ्रीडम' में सहयोग, '५२-'६१ तक मारवाड़ी कालेज भागलपुर में प्राध्यापक, अब पटना वि० वि० में प्राध्यापक, प्रका० कम्युनिस्ट पार्टी कथनी और करनी (अनु०) तथा एक पुस्तक अंग्रेजी में प० प्राध्यापक, समाजशास्त्र विभाग, वि० वि०, पटना—५।

गोपीलाल, 'अमर'—ज० १९ अक्टूबर '३५, शि० एम० ए०, जैनदर्शनशास्त्री, काव्यतीर्थ, साहित्यशास्त्री, सा० रत्न ; सा० भूत० प्राध्या० दिगंबर-जैन-संस्कृत डिग्री कालेज सागर में सात वर्ष तक एवं दिगंबर जैन उदासीनाश्रम सागर में, स्थानीय जैन-संस्थाओं के पदाधिकारी ; प्रका० संपा० : प्रमेय रत्नमाला, पांडव पुराण तथा स्फुट निबंध ; अप्र० चार पुस्तकें एवं संक०, वि० 'म० प्र० में जैनधर्म का विकास' पर पी-एच० डी० के लिए शोधप्रबंध लिख रहे हैं ; प० ५७, लक्ष्मीपुरा, सागर।

गोपीवल्लभ उपाध्याय—ज० १८८७ ; शि० आगर, मालवा ; सा० संपा० 'हिंदी चित्रमय जगत' '१८-'२१, मा० 'पचराज' '२१, 'हिंदी 'नव० जीवन' '२१-'२२, 'भ्रमर' (बरेली) '२३, 'सुदर्शन' (देहरादून) '२४-'२५, 'विद्या' (इंदौर) '२६-'२७, 'त्यागभूमि' (अजमेर) २८-'२९, 'खादी जीवन' (उज्जैन) '३०, 'हिंदी-स्वराज्य' (खंडवा) '३१-'३३, दै० 'अखंड भारत' (बंबई) ३६, दै० 'नवराष्ट्र' (बंबई) '४०, 'नवजीवन' (उदयपुर) '४४, 'वीणा' (इंदौर) '४७-'४८, 'शिक्षण-पत्रिका' (इंदौर) '४७, 'औदीच्य जीवन' '४०-'४६ तथा '५६-'६० , प्रका० भारतीय कहानियाँ '१९, लघु भारत, विनोद और आख्यायिका '२०, स्वप्न-विज्ञान '२५, बंगविजेता टोडरमल '२५, जब सूर्योदय होगा '२८, मुद्रण-प्रवेश '३४, श्यामू की माँ '३५, जीवन-रसायन विद्या '३६, तिलक चरित्र '३०, ज्ञानी गुरु, भक्तवाणी, सरल राज-योग, षष्टेंद्रिय मन, सप्तेंद्रिय ज्ञानचक्षु, वृद्धों के व्यायाम, भाग्यरेखा (सामुद्रिक), संस्कृति-संगम, बाग-विहार, सुवर्ण की माया, मराठों का साम्राज्य, प्रभु के पथ पर, प्रभुमय जीवन, आत्मसुधार या सुखशांति का मार्ग, स्वामी भास्करानन्द सरस्वती, श्रीमती बायजा बाई सिंधिया, जीवन का आदर्श, मेरी सिंधयात्रा, संध्याकर्म - रहस्य, डिमास्थनीज, मधु और उसके उपयोग, वाल्मीकि-विजय, विद्यार्थी-जीवन, जनता-जनार्दन, संजीवनी विद्या, मालवा के चार रत्न, विक्रम की उज्जयिनी में, बुद्धलीला-सारसंग्रह, मृत्यु के उस पार- संतों की अनुभव-वाणी मियाँ फुरकी ज्योतिर्विलास,

नाम्लीलामृत, नर्मदा-महिमामृत गुरुगीता, गुरुमहिमामृत, भक्तलीला (नाट०), सम्राट-संप्रति, मेघकुमार-चरित्र, स्वाध्याय माला की ४० छोटी छोटी पुस्तकों के अनु०, शनिकथा, श्री आगरकर-स्मृतिग्रंथ, ज्ञानेश्वरी कथामृत, कुमारपाल-चरित्र, जैन कथा माला, ५ पुस्तकों के गुजराती से अनु०, अप्र० अनेक ग्रंथ, प० भारती भवन, बड़े गणेश, उज्जैन।

गोमतीप्रसाद पांडेय, 'कुमुदेश'—ज० '२३, लखनऊ शि० इंटरमीडिएट, लखनऊ, प्रका० कुमुदावली (कवि०) '५३, 'तुलसी-रत्नावली' (खंड०)'६१, अप्र० जागृति युग तीन काव्य-संग्रह, वर्त० नगरपालिका के शिक्षा-विभाग में कार्य करते हैं, प० चौधरी गढ़ैया, ड्योढ़ी आगामीर, लखनऊ।

गोरखनाथ चौबे—ज० १ फरवरी, '१०; शि० एम० ए० राजनीति, प्रयाग वि० वि०, सा० हिंदी साहित्य सम्मे० मे अवै० रजिस्ट्रार, स्वराज्य भवन मे कांग्रेस बुलेटिन के संपा०, हिंदी विद्यापीठ प्रयाग तथा हरिजन गुरुकुल आजमगढ के प्रबंधक, कई शिक्षा संस्थाओं के मंत्री तथा सद०, उ० प्र० बेसिक शिक्षा बोर्ड के सद०, अध्यापक महिला विद्यालय कालेज, प्रयाग '३९; प्रेम भवन पुस्तकालय प्रयाग, महिला-शिक्षा-परिषद तथा मिसरान-ग्राम-शिक्षा-मंडल के मंत्री; प्र० '४० में, प्रका० नागरिक शास्त्र की विवेचना, आधुनिक भारतीय शासन, नागरिक सिद्धांत-कौमुदी, राजनीति-सिद्धांत, नागरिक ज्ञान प्रवेशिका (५ भाग), नागरिकता और शासन, राजकीय शब्दकोश, भारतीय नारी, उलटा जमाना, नागरिक शास्त्र, पैसा और सभ्यता, प्रजातंत्र की ओर, स्वराज्य, कृष्ण-गीता (पद्य-अनु०), भारतवर्ष का इतिहास, गाँवों का विकास, हमारा समाज, मोतियों की माला आदि लगभग ४० ग्रंथ, वि० अधिकांश पुस्तके पाठ्यग्रंथ हैं; प० २८९१, ममफोर्डगंज, इलाहाबाद।

गोलोकबिहारी चौधरी—ज० १६ फरवरी, १९०८, शि० बी० एल-सी, डिप० एड० पटना; सा० भागलपुर मंडल के शिक्षकों के बिहार विधान-परिषद मे प्रतिनिधि; प्र० '४७ में; प्रका० कृषि-वनस्पति-विज्ञान, विज्ञान की ओर (४ भाग), विज्ञान-प्रवेश, प्रवेशिका रसायन, खेती, पक्षी-पालन, मिट्टी और खाद, पौधों के शत्रु, व्यापारिक विज्ञान, उच्चतर विज्ञान-प्रवेश (तीन भाग), शरीर विज्ञान (तीन भाग), स्वास्थ्य-विज्ञान, वैज्ञानिकों की जीवनियाँ; प० (१) श्रीकुंज, नाथ नगर, भागलपुर। (२) सदस्य विधान-परिषद, फ्लैट नं० १३, गार्डनर रोड, पटना—१।

गोवर्धनदास त्रिपाठी—ज० २ जून, '११, शि० इंटर, सा० रत्न; प्रका० संगम (उप०) '३७, चित्रकूट-दर्शन '५८, कालिंजर-दर्शन '५९, ब्रह्मांड '६०,

अप्र० छत्रशाल, चित्रकूट, (खंड) दो पंछी, कपड़े का इन्स्पेक्टर (उप), भारत के तीर्थ स्थल, महेश्वर (ऐति०); वि० कुछ पत्रों के स्थानीय संवाद-दाता, प० प्रेमाश्रम, बलखंडी नाका, बाँदा।

गोवर्धनदास रस्तोगी—ज० '२८, शि० प्रवेशिका, सा० 'आज' के भूत सह-संपा० '४४-'४५; प० स्टैंडर्ड कलर कंपनी, मछुआटोली, पटना।

गोवर्धननाथ शुक्ल, डा०—ज० ८ नवम्बर, '१५; शि० अलीगढ़, ग्वालियर, आगरा एवं बनारस, पी-एच०डी० अलीगढ़ वि० वि०; सा० संपा० मा० 'औदीच्य बंधु' '४९-'५४, प्र० '२२ में; प्रका० परमानंद-सागर (प्रथम भाग) '५८, संपा० भौगोलिक कहानियाँ '५२, काव्य-सुषमा '५४, काव्य-मालिका '५५, हिंदी रत्नमाला '५६, अप्र० परमानंदसागर (द्वितीय भाग), वि० मराठी-गुजराती-भक्ति-साहित्य का हिंदी में अनुवाद किया है; वर्त० रीडर, हिंदी विभाग, वि० वि०, अलीगढ़, प० शुक्ल-सदन, अलीगढ़।

गोवर्द्धनलाल गुप्त—ज० १९०३, शि० एम० ए०, बी० एल०; सा० भूत संपा० 'अहिंसा', 'अंगार', 'गोशुभचिंतक', 'साहु-मित्र' '३२-'३३; हिंदुस्तानी एकेडमी इलाहाबाद द्वारा निबंध-पाठ के लिए आमंत्रित '३६-'३७, 'स्वाध्याय-मित्र मंडल' के संस्था०; प्रका० नीति-विज्ञान, धर्म-विज्ञान, प्राचीन ग्रीस का शासन-विज्ञान, विकास-विधान, युद्ध क्यों? एवं संस्मरण, अप्र० एक ही रास्ता; प० १० स्वराज्यपुरी रोड, गया।

गोवर्द्धन शर्मा, डा०—ज० जुलाई, '२७; शि० एम० ए० हिंदी प्रथम श्रेणी में प्रथम, स्वर्णपदक प्राप्त, पी-एच० डी० '५४ राजस्थान वि० वि०, प्रभाकर; सा० भूत० प्रधानमंत्री अखिल भारतीय कुमार हि० सा० सम्मे०, संस्था० साहित्य-सदन, जोधपुर तथा अनेक पत्र-पत्रिकाओं के संपादन-मंडल में; प्र० '४२ में; प्रका० हिंदी बाल-विनोद, राजस्थानी कवि (चार भाग), कुछ फूल कुछ शूल (लघुकथा), कला और साहित्य (निबंध), चंद वरदाई और पृथ्वीराज रासो; अप्र० जब इंद्र पानी भरता था (वैज्ञानिक निबंध), प्रयोगिका (एका०), ओडेसी, माधोदास चारण-ग्रंथावली; वर्त० अध्यक्ष हिंदी विभाग, गुजरात कालेज, अहमदाबाद, वि० गुजरात के हिंदीप्राध्यापकों में वरिष्ठतम व्यक्ति, प० एल ११, गुलबाई टेकरा फ्लैट्स, सचिवालय के पीछे, अहमदाबाद ६

गोविंद, 'चातक', डा०—शि० एम० ए०, पी-एच डी०; प्रका० गढ़वाली लोक-गीत, गढ़वाली लोककथाएँ, गढ़वाली भाषाएँ, गढ़वाल की लोक-कथाएँ, अप्र० लोकसाहित्य-संबंधी दो ग्रंथ; वि० प्रथम दो पुस्तकें पुरस्कृत। प० सह-निर्देशक (नाटक) आकाशवाणी दिल्ली।

गोविंद जी—ज॰ १ जनवरी, '३२, ओझवलिया, बलिया ; शि॰ बी॰ एस-सी॰ काशी वि॰ वि॰, एम॰ ए॰ हिंदी, प्रयाग वि॰ वि॰ ; प्र॰ '५० में ; प्रका॰ स्फुट कविताएँ एवं शोध-लेख : वर्त॰ 'हिंदी के ऐतिहासिक उपन्यासो मे इतिहास का व्यवहार' विषय पर प्रयाग वि॰ वि॰ के हिंदी विभाग मे शोधकार्य : प॰ ओझवलिया, बनरिकापुर, बलिया ।

गोविंददास, सेठ—मा॰ कांग्रेस मे '२० से प्रवेश, '२३ में केंद्रीय व्यवस्थापिका सभा मे चुनाव, तबसे अब तक केंद्रीय व्यवस्थापिका सभा, संविधान-परिषद और लोकसभा में बराबर चुने जा रहे है, '२८ में महाकोशल प्रदेश कॉंग्रेस-कमेटी के अध्यक्ष तथा ग्यारह बार इस पद पर चुने गए, प्रथम म॰ प्र॰ कॉंग्रेस कमेटी के २० वर्ष तक अध्यक्ष, '२० से अब तक अ॰ भा॰ कॉंग्रेस कमेटी के सद॰, तीन बार कॉंग्रेस वर्किंग कमेटी के सद॰, '३८ मे त्रिपुरी मे कॉंग्रेस अधिवेशन के स्वागताध्यक्ष, स्वतंत्रता-संग्राम में पाँच बार कारावास, विदेशो में अनेक भारतीय प्रतिनिधि-मंडलो के नेता और सद॰, '२० तथा '३४ में म॰ प्र॰ हि॰ सा॰ सम्मे॰ के अध्यक्ष, मा॰ पत्रिका 'श्री शारदा' तथा दै॰ 'लोकमत' और 'जयहिंद' पत्रो के संस्था॰ ; प्रका॰ एक सौ आठ पूर्ण एवं एकाकी नाट॰, इंदुमती (उप॰) तथा महाकाव्य एवं अनेक ग्रंथ ; प॰ राजा गोकुलदास महल, जबलपुर ।

गोविंद शर्मा—ज॰ २० अगस्त, '२८, वृंदावन; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी, काशी वि॰ वि॰, शास्त्री काशी, सा॰ मंत्री : नैनीताल साहित्य गोष्ठी ; प्रका॰ स्फुट कहानी एवं एकाकी ; वि॰ '५४ में 'हेराल्ड ट्रिब्यून' द्वारा आयोजित विश्व-कहानी-प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रतियोगिता मे तृतीय स्थान; प॰ हिंदी प्राध्यापक, राजकीय महाविद्यालय, नैनीताल ।

गोविंद शर्मा—ज॰ २० सितंबर, '३७ ; शि॰ बी॰ ए॰ आनर्स, डिप॰ इन एड॰ ; प्र॰ '५२ में , प्रका॰ तोपें गरज उठी, आधुनिक शिक्षा और समस्याएँ, इजोरिया (मगही कहा॰) ; अप्र॰ नौकरी नाट॰ (यंत्रस्थ) एवं एक-एक कविता तथा निबंध-संक॰ ; प॰ नवादा, कौशकोल, गया ।

गोविंदसिंह—ज॰ ३० सितंबर, '३० ; प्र॰ '४७ में ; प्रका॰ मिटती रेखाएँ, पत्थर के देवता, लाल हथेली, ईंट की बेगम, पान का बादशाह, स्मृतियो के तूफान, काली घटा, कागज के फूल, मकड़ी का जाल, विषकन्या, तथागत, जय मेवाड, अमर राठौर, भगतसिंह, नादिरशाह, धरती रोती है, रहस्यमयी, लोहे का फूल, अमावस का चाँद, एक रात के साथी, गदर के कीडे त्यागमूर्ति सागरिका सरगम सिसकियाँ १८५७ टूटे हुए आदमी

भीगा आँचल, आधुनिका, तीन पत्ते, राख की परतें आदि १७६ उपन्यास ; नाट० गुनहगार, गुमराह, गूँज, गीत गाने चले, गहरे दाग, कलाकार बालो० रुपया ही रुपया, काँटों की माला, हथेली पर हिमालय आदि १२ पुस्तकें ; अन्य० अपने को पहिचानो ; वि० उ० प्र० सरकार द्वारा दो बार पुरस्कृत ; केवल ३२ वर्ष की आयु और १२ वर्ष की अवधि में इतनी मौलिक रचनाएँ संभवतः कहीं प्रकाशित नहीं हुईं ; प० १६/१२ मानमंदिर, वाराणसी।

गौरीशंकर गुप्त—ज० २६ सितंबर, '३२ : शि० काशी ; सा० संस्था० और मंत्री : राष्ट्रकवि परिषद वाराणसी, संचालक : सर्वोदय केंद्र तथा हिंदी-संसद, वाराणसी, भूत० संपा० मा० 'आयुर्वेद', साप्ता० 'भूदान' (वाराणसी) ; प्र० '४७ में ; प्रका० प्रारंभिक स्वास्थ्य, बापू और उनकी दिनचर्या, ऋतु, और स्वास्थ्य, लोकोक्तियों में स्वास्थ्य, वि० स्वाध्यायी एवं विशुद्ध मसिजीवी; प० सर्वोदयकेंद्र, गायघाट, वाराणसी १।

गौरीशंकर त्रिपाठी, 'पीयूष'—ज० '२१ ; सा० मंत्री : साहि० संस्था शतदल; प्र० '४८ में ; प्रका० स्फुट कविताएँ ; अप्र० अमर बलिदान, अजामिल, परशुराम एवं मीरा, प० रूपनारायण पांडेय मार्ग, रानीकटरा, लखनऊ।

गौरीशंकर द्विवेदी, 'शंकर'—ज० १८८६ तालबेहट, झाँसी ; प्रका० गीता-गौरव, सुकवि-सरोज (दो भाग), बुंदेल-वैभव (तीन भाग), सावित्री-सत्यवान, पद्म-प्रभाकर, ईसुरी-प्रकाश ; अप्र० चार-पाँच काव्य एवं संक०; प० शंकर निवास, १७२, गणेश मढिया, झाँसी।

गौरीशंकर मिश्र, 'द्विजेंद्र'—ज० '५२ ; शि० एम० ए० हिंदी '४७ तथा संस्कृत '५५ ; प्र० '३२ में , प्रका० नीलिमा (कवि०) '४६, राजा परीक्षित (गीतिनाट्य) '५०, सावित्री (खंड०) '५३ ; वि० पटना वि० वि० की एम० ए० परीक्षा में सर्वप्रथम तथा भाषा और साहित्य में सर्वप्रथम होने के कारण 'रामानंदी देवी स्वर्ण-पदक' प्राप्त ; वर्त० प्राध्यापक टी० ए० बी० कालेज, भागलपुर, प०(१)भंडारी चक, चौसी, भागलपुर। (२)भीखनपुर, भागलपुर।

गौरीशंकर शर्मा—ज० १८८५ ; शि० गढ़ाकोटा ; प्र० '१६ में ; प्रका भारतीय देवियों के जीवन-चरित्र ; अप्र० ब्रह्मचारिणी, वीर हम्मीर (नाट०) एवं मेवाड़ के तीन रत्न ; प० गढ़ाकोटा, सागर।

गौरीशरण शर्मा, 'कौशिक'—ज० २५ जुलाई, '१२; शि० हिंदी आनर्स, एम० ए० (हिंदी, संस्कृत तथा अँग्रेजी), एल-एल० बी०, सा० रत्न, रत्नाकर, शास्त्री, एम० बी० एच०, सा० हि० सा० परिषद मेरठ के साहित्यमंत्री '३३-'३६ तक, हिंदी-सभा गंगोह में '६१ का दीक्षांत भाषण दिया रतनगढ

बीकानेर, टिहरी, लेखरी, अलीगढ़, मथुरा आदि स्थानों में शिक्षक रहे, ३ वर्ष तक 'जागृति' (मेरठ) के संपा०, साहित्यमंत्री फिरोजाबाद अधिवेशन में ब्रज-साहित्य-मंडल, सा० 'तपोभूमि' तथा साप्ता० 'निष्काम' पत्रों के संपा० में योग, '३८-'४० तक इटावा में 'सनातन जीवन' के सह-संपा०, प्रका० गोस्वामी तुलसीदास : एक अध्ययन, जायसी : एक अध्ययन, प्रसाद की ध्रुवस्वामिनी : एक अध्ययन, प्रसाद का स्कंदगुप्त : एक अध्ययन, महान् विभूतियाँ, यूनिवर्सिटी हिंदी निबंध, निबंध-निचय, पंचवटी : एक अध्ययन, सिद्धराज : एक अध्ययन, गोदान : एक अध्ययन, बेसिक हिंदी प्राइमर, प० प्राचार्य, राजकीय इंटर कालेज, सहारनपुर।

गौरीशंकर श्रीवास्तव—ज० '१४, शि० साहित्य महोपाध्याय अजमेर; सा० भूत० प्रधानाध्यापक मिडिल स्कूल म्यान ग्वालियर साहित्य अनुष्ठान बीना के ४ वर्षों से उपाध्यक्ष; प्र० '२० में, प्रका० स्फुट, अप्र० भूखा मानव, आशीर्वाद एवं दो गीत-संग्रह; प० बीना।

घनश्यामदास गोपालदास व्यास—ज० ७ नवंबर, '३५ ; शि० एम० ए० हिंदी '६२ नागपुर वि० वि०, सा० रत्न (हिंदी एवं इतिहास) सम्मे० प्रयाग, राष्ट्रभाषारत्न वर्धा ; सा० 'निखिलेश' नाम से साप्ता० 'यह लो' के संपा० ; प्र० '५४ में ; प्रका० स्फुट कहानियाँ एवं आलो० लेख ; वर्त० गोविंदराम सेक्सरिया अर्थवाणिज्य-महाविद्यालय में हिंदी के प्राध्यापक ; प० सराफा बाजार, इतवारी, नागपुर।

घनश्यामशरणसिंह, ठाकुर—शि० एम० ए० '५५ नागपुर वि० वि०, सा० रत्न सम्मे० प्रयाग ; प्रका० डाकुओं की रोमांचकारी कहानी (यंत्रस्थ) ; आपकी रचनाओं का अनु० अँग्रेजी, मराठी, गुजराती, पंजाबी, उर्दू तथा मलयालम में हो चुका है ; प० द्वारा सेंट्रल ब्रेल प्रेस, देहरादून।

घासीराम अग्रवाल, 'घनश्याम'—ज० '११, वल्लभनगर ; शि० एम० ए० उदयपुर ; प्रका० नेहरू-प्रकाश ; अप्र० दो कविता-संग्रह ; वर्त० स्थानीय सरकिल इंस्पेक्टर पुलिस ; प० नैनवा, बूँदी।

चंदाबाई, माँ श्री ब्रह्मचारिणी, पंडिता—ज० १८८८, वृंदावन ; शि० पंडिता, राजकीय संस्कृत कालेज काशी ; सा० '२१ से दिगंबर जैन महिला-परिषद द्वारा संचालित 'जैन-महिलादर्श' नामक पत्र की संपा०, संस्था० एवं संचा०, जैन-महिला विद्यापीठ एवं '२१ के कानपुर में दिगंबर जैन महिला-परिषद अधिवेशन की अध्यक्षा, प्रका० उपदेश रत्नमाला, सौभाग्य रत्नमाला, निबंधरत्नमाला, आदर्श कहानियाँ आदर्श निबंध निबंध दर्पण

अप्र० जैन-धर्म-संबधी अनेक महत्वपूर्ण निबंधों के चार-पाँच संकलन ; वि० आपकी स्मरणीय समाज-सेवा के लिए अ० भा० दिगंबर जैन महिला परिषद आरा द्वारा लगभग सात सौ पृष्ठों का अभिनंदन-ग्रंथ '५८ में भेंट किया गया था ; प० श्री जैनबाला-विश्राम, धर्मकुंज, धनपुर, आरा।

चंदूलाल दुबे—ज० २२ अक्टूबर, '२६ ; शि० धारवाड कालेज एवं सागर वि० वि०, एम० ए० (हिंदी), साहित्यरत्न सम्मे० प्रयाग, पी-एच० डी० '६१ सागर वि० वि० ; प्रका० हिंदी में उच्चारण, 'परख' की परख, विज्ञान-वीथिका, कन्नड-हिंदी-कोश, प्रेमचंद की कहानियों का विश्लेषण, अप्र० 'हिंदी नाटकों का रूप-विधान और वस्तु-विकास' (शोधप्रबंध), वर्त० 'हिंदी नाटकों का शिल्प-विकास' पर शोध कार्य-रत, अध्यक्ष हि० वि०, राजारामकालेज, कोल्हापुर, प० शांति निकेतन, खासबाग, कोल्हापुर।

चंदूलाल वर्मा, 'चंद्र'—ज० दिसंबर, १९०१ ; सा० सेठ क्षत्रियशाला के लगभग बीस वर्ष तक अवै० व्यवस्थापक, आर्यसमाज भिवानी के तीन वर्ष तक प्रधानमंत्री, सत्याग्रह आंदोलन के समय कांग्रेस कमेटी के प्रधान मंत्री, '४८ में नगरपालिका-भिवानी के अध्यक्ष ; प्र० '२४ में ; प्रका० अनुभूतमुलम्मासाजी (दो भाग), मीनाकारी शिक्षक (दो भाग), योरोप के हुनर और व्यापारिक रहस्य, सौंदर्य और शृंगार सामग्रियाँ, बिजली की प्राथमिक बैटरियाँ, शर्बत का व्यवसाय, रोशनाई का व्यापार, आईनासाजी, जोड़ने के सीमेंट, कुबेरभंडार, इंग्लिश स्वयं शिक्षक, नूतन तार-शिक्षक, मुनीमी शिक्षक, प्लास्टिक का व्यापार, मोमबत्ती का व्यापार, अँग्रेजी मिठाई का व्यापार, सुगंधित साबुन - विज्ञान, उपनेत्र-विज्ञान, सत्ययुग-मीमांसा, दान-व्यवस्था आदि, प० चंद्र कार्यालय, भिवानी (पंजाब)।

चंद्रकला मित्तल, श्रीमती—शि० एम० ए० राजनीतिविज्ञान, प्रका० गांधी : एक सामाजिक क्रांतिकारी (अनु०) तथा नागरिक शास्त्र के सिद्धांत और भारतीय संविधान, एवं भारतीय राजनीति का विकास और संविधान '६० की सहलेखिका, प० म्युनिसिपल महिला इंटर कालेज, हरिद्वार।

चंद्रकांतसिंह—ज० १ जुलाई, '२१ ; शि० एम० ए० काशी वि० वि० ; सा० 'परिमल' संस्था (पटना) के संस्था० में एक, दै० 'प्रदीप' के सह-संपा० तथा साप्ता० 'जनवाणी' (पटना), 'आलोक' और 'नया बिहार' (हजारीबाग) के संपा०, हजारीबाग जिला सा० सम्मे० के साहित्यमंत्री, बिहार राज्य सामाजिक एवं नैतिक संस्थान की स्थानीय इकाई के संयुक्त मंत्री, 'आर्यावर्त्त' तथा 'टाइम्स आव इंडिया' के संवाददाता ; प्र० '४२ में ; प्रका० जयगान

(कवि०), नया अभियान (नाट०) ; प (१) सिकठी, सभुआ, शाहाबाद (२) अध्यक्ष हिंदी विभाग, संत कोलंबिया, हजारीबाग।

चंद्रकांतावर्मा, कुमारी—ज० १४ जुलाई, '३६ : शि बी० एस-सी देहरादून, प्रभाकर पंजाब वि० वि०, एम० ए० अर्थशास्त्र, आगरा वि० वि० सा० संपा० मासा० 'दिल्ली मेल' तथा पाक्षिक 'ऋमैश' (अँग्रे०) ; प्र० '५० में, प्रका० स्फुट कहानियाँ, प० ८ सी० १६०, राजपतनगर, नई दिल्ली १४।

चंद्रकीर्तिसिंह, 'दयावानसिंह बाघेल'—ज० १८९५, शि रीवाँ ; सा० रघुराज हिंदी साहित्य परिषद रीवाँ के भूत० प्रबंधक, प्रका० स्फुट रचनाएँ, अप्र० तीन संक० ; प० भरतपुर, रीवाँ।

चंद्रगुप्त, 'मयंक'—ज० २ दिसंबर, '३२ ; शि० बी० ए० ; प्र० '५६ में; प्रका० स्फुट गीत ; अप्र० कवि० : बादल, बीन और स्वर; उप० : जीवन-कूल और कगार एवं दो संकलन ; प० आगर, मालवा।

चंद्रगुप्त वार्ष्णेय—ज० ३१ जुलाई, १९०४ ; शि० बी० एम-सी०, सी० टी०; सा '३० से '५० तक राजस्थान में 'हिन्दुस्तान टाइम्स' तथा 'हिन्दुस्तान' के प्रतिनिधि, '५१-'५२ मे जयपुरी दै० 'राष्ट्रदूत' के संपा, '५८-'६० मे राज० सरकार के 'राजस्थान विकास' के संपा०, राज० सा० अकादमी के सद०, '३० के सविनय अवज्ञा आंदोलन में सक्रिय भाग, '४२ के आंदोलन में दो वर्ष नजरबंद, '३९-'४० में सेवाग्राम आश्रम में हिंदुस्तानी तालीमी संघ की 'नई तालीम' के उप-संपा०, '५२-'५६ तक अजमेर राज्य के जनसंपर्क सचालक ; प्र० '२८ में ; प्रका० विश्व की विभूतियाँ, विश्व इतिहास की झलक (नेहरू जी की 'ग्लिम्प्सेज आफ वर्ल्ड हिस्ट्री' का अनु), गाँधी की कहानी (अनु०), ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती, विज्ञान पाठ, ऐतिहासिक कहानियाँ, अजमेर की स्मृतियाँ ; वर्त० व्यवस्थापक, राज० राज्य सहकारी मुद्रणालय जयपुर ; प० नागौरी चौक, मोतीसिंह भोमिया का रास्ता, जयपुर।

चंद्रदेव शर्मा—ज० ५ मई, १८८८, देहुनी, गया ; शि० सी० टी०, सा० भूषण, सा० रत्न; जा० संस्कृत, उर्दू, बँगला एवं अँगरेजी, सा० '२७-'२८ में साप्ता० 'लोक-संग्रह' के संपा, '४१-'४२ मे साप्ता० 'गुरुचेला' के प्रधान संपा०, '४२ के आंदोलन मे कारावास का दंड ; प्र० बालक श्रीराम (खंड०) ; प्रका० वीर बंदा (ऐति० काव्य), तुलसी (एकां०), हिंदी सत्य-नारायण (पद्यानुवाद), गुरुओं की हजामत (नाट०), बापू के सपूतों का राज (नाट०), दुःशासन-राज (कवि०), अनारकली (कहा) पंडा को फासी पद्य

कहा०), हाथी के दाँत (एकां०), कंट्रोल-कौमुदी, पवित्र पापी (निबं०), परख (एका०), प० संचा० चाँद प्रेस, चन्द्रलोक, जहानाबाद, गया ।

चंद्रदेव सिंह—ज० १९०२ ; शि० सा० रत्न ; सा० साहित्य-सदन पुस्तकालय के संचा० ; प्र० '५१ में ; प्रका० भ्रमर गान, अनूठे हीरे, कृषकोद्धार, श्रीमद्भगवद्गीता ; प० साहित्य-सदन, इंदारा, आजमगढ़ ।

चंद्रधर शर्मा, डा०—ज० ३१ जनवरी, '२०, कोटा ; शि० एम० ए०, डी० फिल०, डी० लिट, एल-एल-बी०, शास्त्री, साहित्याचार्य, सा० रत्न ; सा० प्राध्यापक दर्शन-विभाग, काशी वि० वि० '४८-'५५; उपाचार्य, दर्शनविभाग काशी वि० वि० '५५-'६०, आचार्य तथा अध्यक्ष, दर्शन विभाग जबलपुर वि० वि० '६० से ; प्र० '४८ में ; प्रका० बौद्धदर्शन और वेदांत (शोध-प्रबंध) '४८, सुर्जन चरित (संपा० महा०) '५२, श्रद्धाभरणम् (संस्कृत खंड०) '५३, स्तोत्र-त्रयी '५३, पाश्चात्य दर्शन '५४, सौगत-सिद्धांत-सार-संग्रह '५४ तथा अँग्रेजी में तीन पुस्तकें, वि० उ० प्र० सरकार द्वारा शोध-प्रबंध के हिंदी रूपांतर पर १०००), एवं 'श्रद्धाभरणम्' तथा 'पाश्चात्य दर्शन' पर दो अन्य पुरस्कार ; अँगरेजी ग्रंथों में एक लंदन से छपा है और दूसरा न्यूयार्क (अमेरिका) से, वर्त० अध्यक्ष एवं आचार्य, दर्शन-विभाग, वि० वि०, जबलपुर ; प० ४०७, गोलाबाजार, जबलपुर ।

चंद्रनाथमिश्र, 'अमर'—ज० जून, '२५, खोजपुर, दरभंगा ; शि० व्याकरणाचार्य, संस्कृत-समिति विहार; जा० मैथिली एवं बँगला ; सा० हिंदी-प्रचार एवं देवनागरी लिपि-आंदोलन में सक्रिय कार्य, विद्यापति गोष्ठी के प्रधानमंत्री, '५० में साप्ता० 'पंचायती राज' दरभंगा के स्तंभसंपा०, '५४-'५५ में साप्ता० 'निर्माण' पत्र के प्रधान संपा०, मा० 'वैदेही', 'इजोत' तथा दै० 'स्वदेश' का भी संपा० किया ; प्र० '४० में ; प्रका० मैथिली में—गुदगुदी (हास्य कवि०), युगचक्र (व्यंग्य कवि०), समाधान (प्रह०), वीरकन्या (उप०) त्रिफला (कहा०), अप्र० निबंध एवं कविताओं के चार संक० ; वर्त० प्राध्यापक एम० ए० एकेडमी, लहेरियासराय; प० मिश्र टोला, दरभंगा ।

चंद्रपालसिंह यादव, 'मयंक'—ज० १ सितंबर, '२५, कानपुर ; शि० एम० ए०, एल-एल० बी०, सा० रत्न ; सा० अध्यक्ष आर्यसमाज एवं आर्य कन्या-विद्यालय (रेलबाजार), अ० भा० बाल साहित्यकार-संघ के मंत्री ; प्र० '३४ में, प्रका० कवि० जागृति-गीत, जीवन-वीणा, वीरांगना लक्ष्मी ; बालो० साहसी सेठानी, पागल, किसान-गीत परियों का नाच, सैर-सपाटा मैंने

दावत खाई, भारत के लाल, चना और गरम ; अप्र० खंडकाव्य : देवकी, चित्तौड ; प० ३३१, फेथफुलगंज, कानपुर ।

चंद्रप्रकाश वर्मा ज० ८ जनवरी, '१७, सिहोरा, जबलपुर ; शि० बी० ए० आनर्स '४१, एम० ए० हिंदी '४२ प्रयाग वि० वि०, एल टी० ; सा० '४६ में जबलपुर के ट्रेनिंग कालेज मे प्राध्यापक, पुराने म० प्र० में शि० उप-संचालक, '६० से ग्वालियर मे पोस्ट ग्रेजुएट बेसिक ट्रेनिंग कालेज के प्राचार्य, प्रका० काव्य चाँदनी, समाधि-दीप, क्षितिज, रैनबसेरा, सीता (महा०), सावित्री (नाट०), साहित्यालोक (निबं०) ; अप्र० लंकापति, रेखाओं के बीच ; वि० 'सीता' (महा०) उ०प्र० सरकार द्वारा पुरस्कृत ; वि० परीक्षाओं मे अनेक पदक प्राप्त किये ; प० पोस्ट ग्रेजुएट ट्रेनिंग कालेज, ग्वालियर ।

चंद्रप्रकाशसिंह, कुँवर—ज० '१०, सीतापुर; शि०बी० ए० लखनऊ वि० वि०, एम० ए० नागपुर वि० वि०, लखनऊ वि० वि० मे 'सर जार्ज लेबर्ट गोल्ड मेडल' प्राप्त ; सा० सिधौली (सीतापुर) के श्री विक्रमादित्य क्षत्रिय विद्यालय के संस्थापक, आजीवन सद० और मंत्री ; हिंदी सभा सीतापुर के भूत० अध्यक्ष, हिंदी साहित्य परिषद बड़ौदा के सभा० ; प्रका० काव्य : मेघमाला, शम्पा, प्रतिपदा, बा और बापू ; नाट० जनकवि जगनिक, कवि कुलगुरु, पाँच एकाकी, कविवर नरोत्तमदास, महाकवि तुलसीदास; आलो० मध्यकालीन हिंदी नाट्य परम्परा और भारतेंदु, हिंदी नाट्य साहित्य और रंगमंच की मीमासा, हिंदी साहित्य का इतिहास ; अप्र० संपा० गोविंद हुलास (नाट०) दौलतिचागविलास, श्रवणाख्यान आदि, यंत्रस्थ : लखपति-यश-सिंधु, गोविंद-हजारा एवं लखपति हजारा ; वि० जनकवि जगनिक, कवि कुलगुरु, बा और बापू तथा मध्यकालीन हिंदी नाट्य परंपरा और भारतेंदु नामक रचनाएँ उ०प्र० सरकार द्वारा वर्ष की सर्वश्रेष्ठ कृतियों के रूप में पुरस्कृत ; वर्त० अध्यक्ष, हिंदी विभाग, वि० वि०, बडौदा ; प० उद्यान बँगला, सयाजीबाग, बडौदा ।

चंद्रभान रावत, डा०—ज० १९ जनवरी, '२५, लोहवन ; शि० एम० ए० हिंदी, लखनऊ वि० वि०, पी-एच० डी० आगरा वि० वि० ; प्रका० राम-चरितमानस मे लोकवार्ता ; अप्र० हिंदी का संत-साहित्य, सूर की बाललीला : एक सांस्कृतिक अध्ययन, हिंदी भाषा-तत्व, मथुरा जिले की बोली : एक तुलनात्मक तथा विवरणात्मक अध्ययन (शोध-प्रबंध) ; प० प्राध्यापक हिंदी विभाग, वेंकटेश्वर वि० वि०, तिरुपति ।

चंद्र भारद्वाज—ज० '३३, दिल्ली ; सा० भूत० संपा० '५० में साप्ता० 'चित्रकार' दिल्ली, मा० 'रिमझिम', 'अमर ज्योति' (दिल्ली) पाक्षिक

'पुरस्कार' (वाराणसी) ; प्र० '५४ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० लेख एवं प्रहसन-संक० , प० चीफ एनाउंसर, आकाशवाणी, मालवा हाउस, इंदौर ।

चंद्रपाल ओझा—ज० १४ जुलाई, १९०४, गोरखपुर , शि० एम० ए (संस्कृत एवं हिंदी), एल० टी० ; प्रका० सुबोध बालव्याकरण, रचना-प्रवेश, किशोर हिंदी व्याकरण, सौंदर्य और संस्कृति (लेख), एका० ये खट्टे-मीठे बेर, दड जो वरदान बन गया ; अप्र० याज्ञवल्क्य और व्यास की जीवनियाँ , प० प्राचार्य, तुलसीदास इंटर कालेज, गोरखपुर ।

चंद्रमोहन, 'मधुर'—ज० ५ दिसंबर, '३५ ; शि० एम काम० , प्र० '४९ से , प्रका० अनजाने रास्ते (उप०) एव लगभग सौ कहानियाँ तथा लेख ; अप्र० उप० चट्टान, रात और चाँद ; प० (१) १२१, राजापुर रोड, देहरादून । (२) एक्सटेंशन आफिसर आफ इंडस्ट्रीज, फरीदाबाद (पंजाब) ।

चंद्रराज भंडारी—ज० १९०२ ; सा० भूत० संपा० मा० 'जीवन-विज्ञान' , प्रका० आदर्श देशभक्त (उप०) '१९, गाधी-दर्शन '२०, नाट० : सिद्धार्थ-कुमार '२२, सम्राट अशोक '२३, भक्तियोग (अनु०) '२४, भारत के हिंदू सम्राट (इति०) '२५, भगवान महावीर (जीव०) '२५, नैतिक जीवन '२५, हरफनमौला '२७, भारतीय व्यापारियो का परिचय '३०, ओसवाल जाति का इतिहास '३४, अग्रवाल जाति का इतिहास '३६, वनौषधी-चन्द्रोदय (वनस्पति-विज्ञान) '४०, स्कूल मे फूलबाग (कृषि) '४५, भारत का औद्योगिक विकास' ५६ , प० ज्ञान-मंदिर, भानपुरा (म०प्र०) ।

चंद्रवती, 'प्रभा', श्रीमती—ज० '२७ जुलाई, '२१ ; शि० कोठी स्टेट ; प्रका० अंशु '५० ; प० द्वारा श्रीहरिशरण शर्मा, माधवगढ़, सतना ।

चंद्रवीर शर्मा, 'शैलज'—ज० ३० जून, '२४, लाक, मुजफ्फरनगर ; शि० बी० एस-सी०, एम० ए० हिंदी, सा०रत्न ; सा० केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिक अनुसधानशाला, मैसूर मे त्रैमा० 'खाद्य-विज्ञान' तथा अन्य हिंदी प्रकाशनो के संपा० ; प्र० '५० मे , प्रका० खाद्य-अनुसंधान के कुछ पहलू '६१, एवं स्फुट कविताएँ ; अप्र० काव्य : इरा, किकडी ; उप० : नदी की प्यास, कंठश्री ; वर्त० मैसूर वि० वि० की पी-एच० डी० उपाधि के लिए 'हिंदी मे वैज्ञानिक शब्दावली का विकास' पर शोध कार्य-रत, 'भारत के खाद्य' तथा खाद्य-विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का पारिभाषिक शब्द-कोश तैयार कर रहे हैं ; प० सी० एफ० टी० आर० आई, मैसूर २ ।

चंद्रशेखर शास्त्री, आचार्य—ज० ११ अगस्त, १८८७ ; शि० काशी विद्यापीठ के स्नातक काव्य-साहित्य-तीर्थ आचार्य विद्यासागर प्राच्य

विद्या-वारिधि, आयुर्वेदाचार्य ; सा० भूत० प्राध्यापक बुद्ध गव जैनवाद, काशी वि० वि०, भूत० हिंदी प्राध्यापक कामर्शियल कालेज, दिल्ली वि० वि०, संपा : दै० 'हिंदू संसार' (दिल्ली) '२७-'२८, 'फिल्म चित्र' (दिल्ली) '२९-'३२, साप्ता 'देश समाचार' (दिल्ली) '४५-'४७, सह-संपा० 'नवभारत' (दिल्ली) '४८-'४९, '४९ से संपा० 'राजस्थान न्यूज़ एंड फीचर्स सरविस' दिल्ली ; प्रका० न्याय-बिंदु '२४, क्षत्रिय साध्य प्रयोग '२२, तत्वार्थ सूत्र, जैन-आगम-समन्वय (प्राकृत) '३५, पृथ्वी और आकाश '३६, आधुनिक आविष्कार '३६, हिटलर महान '३६, सम्राट जार्ज षष्ठ '३७, अजय हिटलर '३७, आत्म-निर्माण '३७, चरित्र-निर्माण '३७, शरीर-विज्ञान '३७, मुसोलिनी '३७, वृत्ति हुकुमचंद जी का जीवन चरित्र, भारतीय आतंकवाद का इतिहास '३९, हिटलर और युद्ध '४१, स्टालिन '४१, जीवन शक्ति का विकास '४२, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास '५२, हरिजनबाला '५२, भीष्म-प्रतिज्ञा '५२, आकाश की बातें '५३, वन और वनमहोत्सव '५३, गाँव और गाँव के निवासी '५३, शहर और शहर के निवासी '५३, हमारी पृथ्वी '५३, वामन अवतार '५३, भगवान राम '५३, योगिराज कृष्ण '५३, क्षुल्लिका गुनावती '५४, प्रधानाचार्य श्री सोहनलाल जी '५४, श्रेणिक बिंबसार '५४, मौर्यपुत्र तैमू '५४, आल्हा-ऊदल '५६, पंच प्रसून '५६, लौहपुरुष पटेल '५६ ; अप्र० शिशुनाग वंश का इतिहास, अन्नदाता की बेटी, जंगल में जीवन-झाँकी, पचाध्यायी मंत्र (व्याकरण), बीजकोश (दो भाग) आदि , वि० 'न्याय बिंदु', 'हिटलर महान', 'मुसोलिनी', 'शरीर-विज्ञान' आदि पुस्तकें अनेक वि० वि० में स्वीकृत पाठ्यग्रंथ हैं; प० ४५६६, बाजार पहाड़गंज, नई दिल्ली ।

चंद्रसेन, 'विराट'—ज० ३ दिसंबर, '३६ ; शि० इंटर एवं सिविल इंजीनियरिंग डिप्लोमा , प्र० '५३ में ; प्रका० लगभग १००० गीत ; प० एस० डी० ओ०, पी० डब्लू० डी० (बी० आर०) मुलतानी, बेतूल ।

चंद्रवती ऋषभसेन जैन, श्रीमती—ज० १० मई, १९०९ ; सा० '४१ में 'दीदी' की प्रधान संपा० , प्र० '४० में ; प्रका० नींव की ईंट (कहा०) वि० 'नींव की ईंट' पर सेकसरिया पारितोषिक '४३ , अँग्रेजी, बँगला, उर्दू, मराठी, कन्नड और गुजराती भाषाओं में आपकी कहा० के अनु० हुए हैं ; प० प्रीतम कैसल, देहरादून ।

चंद्रावती लखनपाल—शि० एम० ए०, बी० टी०; महादेवी कन्या पाठ-शाला इंटर कालेज देहरादून की तीन वर्ष तक प्राचार्या, तत्पश्चात कन्या गुरुकुल देहरादून की प्राचार्या० '५२ में चार वर्ष के लिए राज्य-सभा क

सदस्या निर्वाचित तथा '५६ में छह वर्ष के लिए पुनः निर्वाचित, सत्याग्रह संग्राम में उ० प्र० की कांग्रेस डिक्टेटर के रूप में एक वर्ष का कारावास प्रका० शिक्षामनोविज्ञान, स्त्रियों की स्थिति, वि० 'शिक्षा मनोविज्ञान' पर १२००) का मंगलाप्रसाद पारितोपिक तथा 'स्त्रियों की स्थिति' पर ५००) का सेक्सरिया पुरस्कार प्राप्त; वि० सम्मे० से दोनों पुरस्कार प्राप्तकरनेवाली एकाकी महिला ; प० विद्या-विहार, ४ बलबीर रोड, देहरादून।

चंदिकाप्रसाद, 'जिज्ञासु'—ज० १८८८; शि० मैट्रिक, सा० संस्था- सदाचार-वर्द्धनी सभा, दो वर्ष 'नागरी-प्रचारक' में संपा० कार्य तथा छहमास तक कलकत्ते के साप्ता० पत्र 'मारवाडी' के संपा०, १६ वर्ष तक नवलकिशोर प्रेस मे कार्य, '३७ में दै० 'नवजीवन' के संपा०, स्वतन्त्रता-संग्राम मे कारावास, समाज-सेवा प्रेस स्थापित ; प्रका० नारायण स्वामी के उर्दू लेख एवं उपदेश, कुल्लयाते राम, खुमखाना-ए-राम, मैयारूल-मकाशिफा, रिसाला अजायबुल-, इल्म आदि ग्रंथो का हिंदी मे अनु० किया, मूल भारतवासी तथा आर्य, महाराणा प्रताप, भगवान गौतमबुद्ध तथा बौद्धचर्या-पद्धति, भारत के आदि-निवासी ; अप्र० 'प्रकाश लखनवी' नाम से प्रकाशित शताधिक लेखों और कविताओ के संकलन ; वर्त० आजकल 'बहुजन-कल्याण-माया' नामक सामाजिक विचारधारा के प्रचारक ; प० सआदतगंज, लखनऊ।

चंद्रिकाप्रसाद मिश्र—ज० १६०२, सँचेडी, कानपुर ; शि० ग्वालियर; सा० लगभग पंद्रह वर्ष तक प्रधानाध्यापक, नौ वर्ष तक ग्वालियर के केंद्रीय पुस्तकालय के ग्रंथपाल तथा मंत्री ; प्रका० मारवाड और वर (नाट०) '४२, नवप्रभात (कवि०) '४८, भारतीय नवनिर्माण की रूपरेखा '५०, किसानों से दो-दो बातें '५५, आकाश की सैर '५६, भगवान बुद्ध '५६, चिड़ियाघर (बालो०) '५६, जातक कथाएँ '५८; वि० वेदकालीन भारत पर शोधकार्य-रत ; प० ऑगरे का बाजार, लश्कर, ग्वालियर।

चंद्रिका श्रीवास्तव—ज० '२७ ; शि० एम० ए०, एल-एल० बी०, सा०रत्न; सा० दिल्ली खेड़ा (मेरठ) में राष्ट्रीय भाषा-परिषद एवं पुस्तकालय की स्था०, मा० 'उल्का' के संस्था०, प्रका० अंतररागिनी (गद्यका०), भारतीय दर्शन ; प० महानगर, लखनऊ।

चंद्रेश्वरप्रसाद कर्ण—ज० २ अक्टूबर, '४०, शि० बिहार तथा राँची वि० वि० ; सा० 'छोटा नागपुर लेखक संघ' की कार्यकारिणी के सद०, पाक्षिक पत्रिका 'प्रतीक' के संपा 'परिमल साहित्य परिषद के संस्था तथा

उपाध्यक्ष ; प्र० '५९ में . प्रका० स्फुट कहानियाँ एवं निबंध ; प० कुंड मोहल्ला, डाल्टनगंज, पलामू , बिहार ।

चंदोदयसिंह, 'राज'—ज० १ जून, '३८ ; शि० बी० ए० , प्रका० स्फुट कहानियाँ : अप्र० जलते प्रश्न दहकती कलियाँ, छलना ; वर्त० अध्यापक , प० द्वारा भारद्वाज साहित्य-निकेतन, मंदसौर ।

चंपालाल जैन—ज० १८९२ , शि० होशंगाबाद , प्रका० ख्यालिका विशेष, सिद्धि स्वभाव, मुक्त स्वभाव ; अप्र० द्वादशानुप्रेक्षा, आत्मयज्ञादि, तारण-तरण, अध्यात्मवाणी कुछ चर्चाएँ, तारणशब्दकोश, तारण तत्व-प्रकाश : प० सोहागपुर, होशंगाबाद ।

चंपालाल सिंघई—ज० ६ फरवरी, '१९ , शि० एम० ए० हिंदी '५६, इतिहास '५८, बी० एड० विक्रम वि० वि० ; प्र० कविता '३४ में ; प्रका० स्फुट कविता, कहानी एवं लेख: अप्र० एक कविता-संग्रह, एक खंड० एवं एक कहा० संक० ; प० फूटा कुआँ, चँदेरी, गुना ।

चक्रधर झा—ज० ३० अक्टूबर, १९०६; शि० साहित्यालंकार, देवघर; सा० गत २४ वर्षों से हिंदी साहित्य-परिषद बलबड्डा के सभा० ; प्रका० स्फुट रचनाएँ ; अप्र० कविवर भूषण और हिंदी व्याकरण ; प० प्रधानाध्यापक बलबड्डा बोर्ड माध्यमिक विद्यालय, संथाल परगना ।

चक्रधर शर्मा—ज० २३ दिसंबर, '३१; शि० एम० ए० पटना वि० वि०, साहित्यरत्न, काव्यतीर्थ कलकत्ता, साहित्यालंकार देवघर, आयुर्वेदरत्न सम्मे० प्रयाग, आयुर्वेदाचार्य पटना ; सा० '४२ के आंदोलन में सक्रिय भाग एवं कारावास ; प्र० '५५ में ; प्रका० सविता (कवि०) '५५, आलोचना : सिद्धांत और विवेचन '५६ ; अप्र० दो आलो० ग्रंथ एवं तीन कवि० संक० ; प० पतिआंवा, पाईबिगहा, बिहार ।

चतुर्भुज—ज० '२८ ; शि० एम० ए० पाली एवं बौद्धदर्शन ; सा० सांस्कृतिक नाट्य संस्था 'मगध-कलाकार' की स्थापना, नव नालंदा महा-विहार की 'त्रिपिटक' पत्रिका के सह-संपा०; प्रका० कलिंग-विजय, श्रीकृष्ण, मेघनाद, सिराजुद्दौला, मीरकासिम, अरावली का शेर, कर्ण, कुँवरसिंह, भगवान बुद्ध, कृष्णकुमारी, कंस-वध, चतुर्भुज नाटकावली (दो खंड) , वि० 'मीर कासिम' नाट० उ० प्र० सरकार द्वारा पुरस्कृत, राज० सरकार तथा संगीत नाटक अकेडमी द्वारा नाटकों के प्रकाशन में आर्थिक सहायता ; प० १०६, श्रीकृष्णनगर, पटना ।

चतुर्भुजदास रावत—ज० ५ नवंबर १९०३ मैनपुरी शि बी ए आनर्स

प्रभाकर (पंजाब), सा० रत्न (काशी), साहित्यकुलभूषण (इंदौर), साहित्याचार्य (लाहौर), एम० आर० ए० एस० (लंदन), साहित्यमार्तंड (काशी), काव्यभूषण (इटावा) ; सा० सद० : '४२ में 'रीजनल हिस्टारिकल सोसाइटी गवर्नमेंट आव इंडिया', 'यू० पी० हिस्टारिकल सोसाइटी', 'इंडियन हिस्टारिकल सोसाइटी', 'आर्ट ऐंड क्राफ्ट सोसाइटी' दिल्ली, 'न्यूमिसमेटिक सोसाइटी' बंबई, 'आल इंडिया म्यूजियम एसोसियेशन' बंबई, भारतीय विद्युत-परिषद अजमेर, 'वर्ल्ड हिस्टारिकल कांग्रेस' पेरिस, 'रायल एशियाटिक सोसाइटी आव ग्रेट ब्रिटेन ऐंड आयरलैंड' लंदन, 'न्यू हिस्ट्री सोसाइटी आव न्यूयार्क', अमेरिका, विज्ञान-परिषद होशियारपुर एवं ब्रज-साहित्य-मंडल मथुरा के स्थायी सद०, हिंदी साहित्य समिति के जीवन सद०, सनातनधर्म सभा, भरतपुर के मंत्री, '१८ में मैनपुरी राज्य के महाराजा के व्यक्तिगत सचिव, प्रका० काव्य : बधन, आत्मोल्लास, प्रभाकर प्रभा, मंगलाचरण, सुमन सवैया, चतुर्भुज - सतसई, काव्य-कुंज, हिय-हिलोर, पानांजलि, दुर्गा-चालीसा, सरोज-शतक; उप० : लावारिस का खाता, सुहाग की चूड़ी, सुशील स्काउट, कमला (अँगरेजी); निबंध : सुरीली बाँसुरी, मेरा स्वप्न, प्रेम-रहस्य, उपदेश - प्रभाकर, चतुर्भुज-नीति, गीता-ज्ञान-गौरव, विवेक-वाटिका, महाकाव्य, हिंदू त्योहार, दीपावली-महोत्सव, तुलसी-पूजन; वि० 'हरमिट' एवं 'मार्ट डी आर्डर' का अँगरेजी से अनुवाद किया है ; प० साहित्य कुटीर, दही गली, भरतपुर।

चतुर्भुज मामोरिया—ज० ११ नवंबर, '२१ नाथवाड़ा, राज०, शि० एम० ए० भूगोल '४७, एम० काम० '४५, पी-एच० डी० '५८, आगरा वि० वि०, सा० 'हायर सेकेंडरी बोर्ड आफ एजुकेशन' राज० की वाणिज्य पाठ्यक्रम-समिति, राज० वि० वि० की वाणिज्य-परिषद एवं राज० वि० वि० द्वारा प्रकाशित 'यूनिवर्सिटी स्टडीज' की वाणिज्य पत्रिका के संपा० मंडल के सद० ; राजस्थान सरकार द्वारा नियुक्त पुस्तकों के पाठ्यक्रम-संबंधी राष्ट्रीयकरण समिति में भूगोल के समीक्षक, 'इंडियन ज्याग्राफिकल सोसाइटी' कलकत्ता, 'नेशनल ज्याग्राफिकल सोसाइटी' बनारस के सद०, '३८ में गोवर्धन हाई स्कूल श्रीनाथद्वारे में अध्या०, '४३ में महाराणा मिडिलस्कूल चित्तौरगढ़ में सहा० प्रधाना०, '४५ में फतहहाईस्कूल उदयपुर में अध्या०, '४७ में महाराणा भूपाल कालेज उदयपुर में वाणिज्य के प्राध्या०, अब वहीं अर्थशास्त्र एवं वित्त विभाग के अध्यक्ष ; प्र० '४४ में ; प्रका० राजस्थान का सचित्र भूगोल '४४ मेवाड़ का सचित्र भूगोल '४६, प्रारंभिक बहीखाता '५१ प्रारंभिक व्यापार

शास्त्र '५१ भारत भूमि '५१ भारत का आर्थिक भूगोल '५१ विश्व भूगोल हमारी आर्थिक समस्या '५१ भारतीय अर्थशास्त्र '५२, भारत में यातायात '५२, भारत में व्यापार '५२, भारत का आर्थिक विकास '५४, हाई स्कूल व्यापार-पद्धति, इंटरमीडिएट व्यापार-पद्धति '५४, आर्थिक और वाणिज्य भूगोल '५७, आधुनिक भारत का बृहत भूगोल '६०, संयुक्तराज्य का आर्थिक विकास '६१, रूस का आर्थिक विकास (वही) '६२, इंगलैंड का आर्थिक विकास (वही) '६२, भारत का आर्थिक विकास (वही) '६२, तथा अँग्रेजी में अनेक पुस्तकें, अप्र॰ इंगलैंड, संयुक्तराज्य और रूस का आर्थिक भूगोल, मानव भूगोल के सिद्धांत, भारत की भौगोलिक समीक्षा, भारत का आर्थिक एवं वाणिज्य भूगोल, विदेशों में सहकारिता, भारतीय उद्योगों की व्यवस्था एवं वित्त, एशिया का भूगोल ; वि॰ 'आर्थिक एवं वाणिज्य भूगोल' नामक पुस्तक पर '५८ में उ॰ प्र॰ सरकार द्वारा ७००) का पुरस्कार प्राप्त तथा 'आधुनिक भारत का बृहत भूगोल' नामक पुस्तक पर उ॰ प्र॰ सरकार द्वारा पुनः ५००) का पुरस्कार ; वर्त॰ महाराजा भूपाल कालेज, उदयपुर में वाणिज्य एवं भूगोल के प्राध्यापक ; प॰ मामोरिया-कुटीर, १६८, भूपालपुरा, उदयपुर ।

चरनसरन, 'नाज'—ज॰ २३ जुलाई, '२४ ; शि॰ एम॰ ए॰ अँगरेजी ; प्रका॰ सफेद पंछी ; अप्र तीन उपन्यास, दो कविता-संग्रह एवं तीन कहा॰ संग्रह ; वि॰ राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक पुरस्कार प्राप्त ; प॰ अध्यापक सर्वोदय विद्यापीठ, सलोन, रायबरेली ।

चलमालि सुब्बाराव—ज॰ ५ नवंबर, '२५ इंदुपल्लि, कृष्णा; शि॰ सा॰ भूषण, साहित्यालंकार देवघर, सा॰ रत्न (वर्धा), एम॰ ए॰ (हिंदी तथा दर्शन) काशी वि॰ वि॰; सा॰ '५१ में आंध्र हिंदी परिषद - कार्यालय के व्यवस्थापक, '५८ से हिंदू कालेज मछलीपट्टम के हिंदी विभागाध्यक्ष; प्र॰ '४७ में ; प्रका॰ तेलगु साहित्य : एक ऐतिहासिक दिग्दर्शन '४८, शाहजहाँ-मार (आलो॰) '५०, तेलुगु रानी (अनु॰ नाट॰) '५५, संत वेयना (अनु॰ काव्य) '५६, रानी रुद्रइया (नाट॰) '५६, शरतचंद्र (तेलगु जीव॰); अप्र॰ आंध्र भारती व्यावहारिक शब्द-संग्रह एवं राजभाषा ; वि॰ रानी रुद्रइया (नाट॰) आंध्र वि॰ वि॰ में पाठ्य ग्रंथ ; वर्त॰ राम-भक्ति-साहित्य पर शोधकार्य-रत ; प॰ हिंदी विभागाध्यक्ष, हिंदू कालेज, मसुलीपट्टम, आंध्र ।

चावलि सूर्यनारायण मूर्ति—ज॰ १२ सितंबर, '२१ ; शि॰ एम॰ ए॰ काशी वि॰ वि॰, सा॰ रत्न ; प्र॰ '५६ में ; प्रका॰ समझौता '५६, महानारा की ओर (नाट॰) '६०, सती उर्मिला (खंड॰) '६० ; अप्र॰ तीन आलो॰ लेख-

संग्रह ; वि० अनेक कहानियों एवं एकांकियों के तेलगु से अनु० किये हैं ; वर्त० हिंदी विभागाध्यक्ष, एम० ए० जैन कालेज, मिनामबक्कम, मद्रास २७ प० १४ मरेश स्ट्रीट, त्यागरायनगर, मद्रास —१७।

चिंतामणि उपाध्याय, डा०—ज० ८ जून, '२१ उज्जैन ; शि० माधव कालेज उज्जैन, होलकर कालेज इंदौर, पी-एच० डी० '५६ नागपुर वि० वि०, सा० मालवा लोकसाहित्य-परिषद के मंत्री, विक्रम वि० वि० द्वारा प्रकाशित (त्रैमा०) 'दी विक्रम' के 'कालिदास-विशेषांक' के संपा०, मालवा एवं भिंड-भदावर के लोकसाहित्य का संक० ; प्रका० उलझे सूत्र (कहा०) '४८, मालवी : एक भाषाशास्त्रीय अध्ययन '६०, लोकायन (लोक साहित्य) '६१, विष्णुप्रिया एक अध्ययन, दिव्या : एक अध्ययन, मालवी लोकगीतों का अध्ययन (शोध-प्रबंध) ; वि० लगभग ४००० लोकगीतों, कहावतों, कथाओं आदि का संकलन किया है ; प० हिंदी प्राध्यापक, माधव कालेज, उज्जैन।

चिंतामणि शुक्ल—ज० '१० धौलपुर, शि० एम० ए० (हिंदी तथा राजनीति) आगरा विश्वविद्यालय, एम० ए० (इतिहास) काशी वि० वि०, सा०रत्न० (हिंदी, राजनीति तथा इतिहास), साहित्यालंकार (बिहार), सा० '३०, '३२ एवं '४२ के स्वतंत्रता-आंदोलन में कारावास, सम्मे० प्रयाग की परीक्षाओं के व्यवस्थापक, म्युनिसिपल इंटर कालेज में गत पंद्रह वर्षों से प्राध्यापक, प्रका० विश्व का सरल इतिहास, भारतवर्ष का इतिहास, वृंदावन के राष्ट्रीय आंदोलन का इतिहास '५३, मथुरा जनपद का राजनीतिक इतिहास '५५, चीन के इतिहास की रूपरेखा '५४, फ्रांस की राज्य-क्रांति एवं नेपोलियन, हमारी आजादी के चलचित्र, दासता के अभिशाप, राष्ट्रनिर्माता सरदार पटेल की अंतिम झलक, नेता जी सुभाष की अंतिम झलक, संत और हरिजन, सन् १८५७ की क्रांति के अमर शहीद; अप्र० योरोप का इतिहास, आधुनिक जर्मनी का इतिहास, वर्तमान रूस का इतिहास, मथुरा जनपदीय स्वातंत्र्य-संग्रामों के सैनिक ; वि० व्रज का सांस्कृतिक इतिहास लिख रहे हैं; प० म्युनिसिपल इंटरकालेज, वृंदावन।

चिन्मय चटर्जी, डा०—शि० एम० ए०, पी-एच० डी० '५२ ; प्रका० स्फुट निबंध, वि० अँग्रेजी तथा बँगला में कई ग्रंथ लिखे हैं ; वर्त० मुख्य संवाददाता, 'प्रेस ट्रस्ट आफ इंडिया' ; प० ज्योतिकुंज, मोतीनगर, लखनऊ।

चिरंजीत—ज० २० अप्रैल, '१७ ; शि० बी० ए० ; सा० संपा० साप्ता० 'वीर अर्जुन', मासिक 'मनोरंजन' एवं साप्ताहिक 'जनसत्ता' '५३ तक, आकाशवाणी दिल्ली के नाटक-विभाग के संचालक '५६ से, प्रका० नाट-

दादी माँ जागी, रंगारंग, अभिमन्यु चक्रव्यूह में ; कवि० चिलमन, मधु की रात और जिंदगी एवं 'कहें पैमन्दीदास' : कथा 'मास्टर सिलविन' ; बालो० एक था राजा, एक थी रानी, नटखट के गीत, बच्चों गाओ गीत ; प० ड्रामा प्रोड्यूसर, नाटक विभाग, आकाशवाणी, नई दिल्ली ।

चिरंजीलाल झा—ज० ८ दिसंबर, '१४ ; शि० बी० ए० '४४, बी० ए० चित्रकला '४८, एम० ए० हिंदी '५०, एम० ए० अँग्रेजी '५६ आगरा वि० वि०, बंबई सरकार की कला-परीक्षा '३१; सा० अवै० संपा० 'प्रवासी' (मैथिल) तथा 'कला-संदेश', संचालक-संयुक्तप्रांतीय श्री मैथिल ब्राह्मण महा० सभा ; भूत० सद० . 'एकेडमिक कोंउसिल, फैकल्टी आव आर्टस, सद० 'बोर्ड आव स्टडीज इन फाइन आर्टस' विक्रम वि० वि० उज्जैन, आगरा वि० वि० के भूत० संयोजक-चित्रकला-परिषद ; प्र० '४६ में ; प्रका० चित्रकला के ६ अंग, भारतीय चित्रकला का विकास, कला के दार्शनिक तत्व, विश्व की चित्रकला, कला : एक मीमांसा, वि० अनेक पुस्तकें कई वि० वि० की बी० ए० परीक्षा के लिए पाठ्यग्रंथ : वर्त० 'ब्रज में लोक चित्रकला निबद्ध लोकसाहित्य' पर आगरा वि० वि० में शोधकार्य-रत ; अध्यक्ष चित्रकला, महानंदमिशन हरिजनकालेज, गाजियाबाद; प० १०२,नयागंज, गाजियाबाद ।

चिरंजीलाल पाराशर—ज० मार्च, '२३, विजनौर ; शि० चाँदपुर ; सा० साप्ता० 'वीर अर्जुन' में व्यंग्य-स्तंभ के लेखक ; प्रका० महिला-शासन (कहा०) '५६, देवर-भाभी, नये रिश्ते, पत्नीव्रत (उप०) '६०, दूसरा रास्ता (उप०) '६१, स्वर्ग की दीवार (कहा०), नारी और समाज, विश्व-सभ्यता का विकास (प्रथम भाग) '६२ ; अप्र० विश्व-सभ्यता का विकास (तीन भाग), एक उप० एवं दो संग्रह ; वि० 'गड़बड़ गाजियाबादी' नाम से व्यंग्य-लेखक ; प० १११, डासनगर, गाजियाबाद ।

चिरंजीलाल माथुर, 'पंकज'—ज० जुलाई, '२६ ; शि० बी० ए० जोधपुर ; सा० 'राजस्थान केसरी', 'ज्वाला', 'कलम', 'प्रभा' आदि जोधपुरी पत्रों के भूत० संपा० ; 'सहकार संवाद' के संपा० मंडल के सद०, अध्यक्ष : कुमार-साहित्य-परिषद एवं साहित्य सदन जोधपुर ; प्र० '४६ में ; प्रका० जीवन के पथ पर (कहा०) '५१, कीर्ति कृति भक्ति-साहित्य (आलो०) '५०, गृहलक्ष्मी की सूझ (एका०) '६२, नवनीत पाठमाला (संपा०) '५२ ; अप्र० दूधों नहाओ पूतों फलो (एका०), सहदेव (नाट०), आम बोला जामुन से ; वि० रीवाँ की 'कीर्ति पुरस्कार समिति' द्वारा 'जीवन के पथ पर' (कहा०) पर २०१) का पुरस्कार, राजस्थान सरकार के सहकारी विभाग

द्वारा 'सहदेव' (नाट०) पर प्रथम पुरस्कार प्राप्त '६२, काव्य आराधना मंदिर दिल्ली द्वारा साहित्य सेवा के उपलक्ष में 'भाषारत्न' एवं 'काव्यरत्न' की उपाधि प्राप्त ; वर्त० राजस्थान सरकार के सहायक कृषि सूचना-अधिकारी ; प० जीवनभवन मुंशीजयलाल का रास्ता, जयपुर ।

चिरंजीवलाल बलदेवराम रावल—ज० २१ जुलाई, १८८७ , शि० बी० ए० अलीगढ़ और ग्वालियर ; प्र० '२० से ; प्रका० आनंदपद पर चौदह चौकड़ियों के राज्य '३४ (मराठी से अनु०) ; वर्त० सूर शब्दानुक्रमणी के निर्माण में संलग्न ; प० शिंदे की छावनी, लश्कर, ग्वालियर ।

चिरंतन चतुर्वेदी—ज० '३८ ; सा० दिल्ली प्रादेशिक हि० सा० सम्मे० की स्थायी समिति एवं कार्यकारिणी के भूत० सदस्य ; प्र० '५८ से ; प्रका० स्फुट ; अप्र० दो संग्रह ; प० १७०, भूपालपुरा, उदयपुर ।

चुन्नीलाल भारद्वाज—ज० २० जून, '२०, मसूरी ; शि० इंटर० ; सा० गाँधी आश्रम मेरठ में कुछ समय तक कार्य ; प्रका० स्फुट लेख , वि० 'रमते राम' नाम से भी लिखते हैं ; प० ९८६, खारी कुआँ, मेरठ ।

चौथमल कीर्तनीय—ज० १७ अगस्त, '३५ ; शि० इंटर ; सा० मंडल-कांग्रेस-कमेटी, नगर-सेवा-संघ, समाज-सेवासंघ एवं सीकर जिला युवक कांग्रेस में मंत्री ; रामगढ़ नगरपालिका के सद० ; प्र० '५० में ; प्रका० स्फुट कविताएँ ; प० संपा० पाक्षिक 'शेखावटी', रामगढ़, सीकर (राज०) ।

छेदी झा, 'द्विजवर', 'मैथिलमधुप', 'कातिल'—ज० १८८२; शि० मैट्रिक '१५ जा० अँगरेजी, बँगला एवं मैथिली; सा० कांग्रेसी कार्यकर्त्ता, '३०, '३२ और '४२ में तीन बार कारावास और अर्थदंड, '४० से मधुपुरा लोकलबोर्ड के सभा०; प्र० '२० में; प्रका० बंदी-विनोद (मैथिली), राष्ट्रीय संगीत, जीवन-प्रभात (मैथिली पद्या०), घनश्याम, कोयल शतक (कवि०) नरसिंह पद्यावली, कुसुम (गीत), श्यामायन (महा०), प्रह्लाद चरित्रम्, गोस्वामी लक्ष्मीनाथ परमहंस की बृहत् जीवनी, बनग्राम, लक्ष्मीनाथ निर्वेद (नाट०), गीतगोविंद काव्य पर हिंदी टीका, दुर्गा सप्तशती पर हिंदी टीका, पातंजलि योगसूत्र पर मैथिली टीका, आल्हादुर्गा, गोस्वामी लक्ष्मीनाथ की जीवनी, वि० संस्कृत में भी लिखते हैं; प० बनगाँव, बरियाही, भागलपुर ।

छेदीलाल गुप्त—ज० ७ अगस्त, '२९, सा० 'रानी', 'रूपवाणी', 'अभिनय' और 'सुप्रभात' के संपा० विभाग में कार्य; प्र० '४२ में; प्रका० कहा० गंदगी '४६, ओट में '४७, फंदा '६१; एकां० नई फसल '५८, उप० मनु की बेटियाँ '५९; प० ५ बी०, साहालेन, कलकत्ता ७ ।

छैलबिहारी गुप्त—ज० १४ मई '२० बुलन्दशहर; शि० बी० ए०, सा० रत्न; प्र० '४० में; प्रका० रतिमा (कवि०) '५१, संगीतरूपक : बजी बाँसुरी धीरे '६१, आया दुआर तिहारे '६२, नये कदम नई राह '६२. अप्र० जवानी गाती है (कवि०), यह धरती बलिदान की, नन्हे-मुन्ने कदम बढाओ एवं दो संग्रह; प० आनंद-भवन, माधवनगर, उज्जैन।

छोटेलाल बिरथरे, 'मिश्र'—ज० ६ जनवरी, '२०; शि० एम० ए० '५५, आगरा वि० वि०, सा० रत्न सम्मे० प्रयाग; प्र० '४४ में; प्रका० कवि-परिचय '५८, लेखक-परिचय, उच्चतर निबंध '६०, हिंदी साहित्य के इतिहास की रूपरेखा '६०, हिंदी की श्रेष्ठ कहानियाँ (संपा०) '६०, हिंदी व्याकरण एवं काव्यांग '६२; वि० अच्छे चित्रकार भी हैं; 'सम्राट पृथ्वीराज चौहान' चित्र पर १५१ रु० का पुरस्कार; वर्त० अध्यक्ष, हिंदी विभाग वैष्णव उच्चतर विद्यालय, इंदौर, प० ७, शनिगली, इंदौर।

छोटेलाल भारद्वाज—ज० १ जुलाई, '१२; शि० एम० ए० हिंदी (सर्व-प्रथम), एल-एल० बी० आगरा वि० वि०; सा० नव संस्कृति संघ ग्वालियर के मंत्री, मध्यभारत सोशलिस्ट पार्टी के प्रधानमंत्री, सोशलिस्ट पार्टी की राष्ट्रीय समिति के सद०, '५७ में जौरा क्षेत्र से सोशलिस्ट पार्टी की ओर से विधान सभा के सद० निर्वाचित, भूत० प्राध्या० माधव कालेज, उज्जैन; प्र० '४४ में; प्रका० प्रतिहिंसा (खंड०), आँधी और अंकुर (काव्य०), निबंध-निकेत, निर्झर-दीपिका; अप्र० गीत भेजता हूँ; प० सदस्य विधान सभा, मुरैना।

जगतनारायण—ज० १८८७; शि० गुरु-ट्रेनिंग; सा० बेसिक ट्रेनिंग स्कूल में अध्यापकी; प्र० '१३ में; प्रका० बाल विनय (दो भाग), स्वर्गीय संगीत '२१; अप्र० श्रीमद्भगवतगीता तथा दशम स्कंध की हिंदी टीका एवं दो संग्रह; प० सरैया, बनियापुर, सारन।

जगतप्रकाश—ज० ६ नवंबर, '१४; शि० बी० ए० जोधपुर, एल-एल० बी० लखनऊ वि० वि०; प्र० '३४ में; प्रका० वीर एवं हास्य रस की स्फुट कवि०; अप्र० तीन संग्रह; वर्त० उप-जिलाधीश (जागीर), जालौर; प० ६६७, सरदारपुरा रोड नं० ८ डी०, जोधपुर।

जगदीश, 'अतृप्त'—ज० १ मार्च, '३५; शि० एम० ए० हिंदी; प्र० '५२ में; प्रका० गीत : प्यास, झकोर, गीतिमा; अप्र० ३ काव्यसंग्रह; वि० पी-एच० डी० के लिए शोधप्रबंध लिख चुके हैं; वर्त० अध्यक्ष हिन्दी विभाग, किसान डिग्री कालेज, बहराइच; प० बशीरगंज, बहराइच।

जगदीशचंद्र—ज० ३ दिसंबर, '२६, प्र० '४९ में; प्रका० स्फुट रचनाएँ; प० २६ बलरामपुर, इलाहाबाद—२।

जगदीशचंद्र जैन, डा०—ज० २० जनवरी, १९०९; शि० एम० ए०, पी-एच० डी; मा० '४२ के आंदोलन में बंबई में नजरबंद; प्रका० महावीर वर्धमान, दो हजार वर्ष की पुरानी कहानियाँ, प्राचीन भारत की कहानियाँ, सम्प्रदायवाद, भारतीय तत्त्व-चिंतन, चीनी जनता के बीच, देखा-परखा, प्राकृत साहित्य का इतिहास, प्राकृत-पुष्करणी तथा अँगरेजी में तीन पुस्तकें, वर्त० अर्द्धमागधी और हिंदी के प्राचार्य, रामनारायण रुइया कालेज, माटुंगा, बंबई. प० २८, शिवाजीपार्क, बंबई।

जगदीशचंद्र मिश्र—ज० १६ जुलाई, '३९; शि० हाईस्कूल, विशारद प्र० '५७ में: प्रका० स्फुट रचनाएँ, अप्र० दो संग्रह; वर्त० दैनिक 'सन्मार्ग' के संपा० में सहायक; प० 'सन्मार्ग'-कार्यालय, वाराणसी।

जगदीशचंद्र मिश्र, आचार्य—ज० १९०१, सहारनपुर; शि० संस्कृत, सा० दुर्गाकुंड संस्कृत पाठशाला के मंत्री, कांग्रेसी कार्यकर्ता; प्र० '२१ में, प्रका० धूपदीप '४६, मौत की खोज, जय-पराजय, पंचतत्व, खाली भरे हाथ, उड़ने के पंख (लघुकथा), इन्दिरा, वह हार गई, सीमा के पार, हाथी के दाँत, दुर्बल के पाँव (उप०), देवदूत (ऐति० नाटक), हीरे मोती; वि० 'इंदिरा', 'वह हार गई' एवं खाली भरे हाथ' उ० प्र० सरकार द्वारा पुरस्कृत; प० आरोग्य भवन, पंसारी बाजार, सहारनपुर।

जगदीशचंद्र मिश्र, 'सुयश'—ज० १५ जनवरी, '२९; शि० बी० ए० आनर्स, साहित्याचार्य तथा व्याकरणशास्त्री काशी; सा०संपा०मा० 'ज्ञानदीप'; प्र० '५२ में; प्रका० विमना (कवि०) '५२, भूषण-सार-संग्रह (संस्कृत), प्रदक्षिणा प्रकाश (आलो०), ज्ञानदीप (पद्य); प० (१) अकबरपुर, वाया सूर्यगढा। (२) अध्यापक-पब्लिक हाई स्कूल, सूर्यगढा, मुंगेर।

जगदीशचंद्र शास्त्री—ज० १९०८, मरवन, मुजफ्फरपुर; शि० शास्त्री, काव्यतीर्थ, एम० ए०, विद्यावाचस्पति, हरिद्वार, अमृतसर, दिल्ली, सा० '४२-'४३ में दै०-सा०सा० 'लोकमत' के संपा० विभाग में कार्य, दिल्ली में हिंदी प्रचारिणी सभा, कालिम्पोंग में हिमालय हिंदी भवन एवं बंबई में प्रांतीय हि० सा० सम्मे० के संस्थापन-संचा० में सहयोग; प्रका० अनाथ (उप०) '२८, कैंब्रिज हिंदीग्रामर' '३८, नवीन भारत के पब्लिक स्कूल, बापू, बाबू, अप० स्वतंत्रता का अग्रदूत; प० उप-प्राचार्य सादूल पब्लिक स्कूल, बीकानेर।

जगदीश चतुर्वेदी—ज १३ जनवरी, ३३ शि बी ए ग्वालियर

एम० ए० उज्जैन, सा० माधव कालेज उज्जैन एवं साइंस कालेज नागपुर में भूत० हिंदी प्राध्या०; प्र० '४९ में ; प्रका० जीवन का पथर्ष (कहा०), कपास के फूल (नाट०), अंतराल के दो छोर (कहा०), अंतर्राष्ट्रीय लोकयात्री, अनुसंधाता (संपा०), पारिभाषिक शब्द-संग्रह ; वर्त० केंद्रीय हिंदी निदेशालय में अनुसंधान सहायक; प० ८।२, ईस्ट पटेलनगर, दिल्ली ।

जगदीशनारायण चतुर्वेदी—ज० २ मई, '२४; शि० साहित्याचार्य, साहित्यालंकार ; सा० प्रधानमंत्री ब्रज - साहित्य-मंडल मथुरा, उपाध्यक्ष चतुर्वेदी संगठन महासभा, सद० दिल्ली प्रादेशिक हि० सा० सम्मे०, कार्य-समिति ब्रजवासी समाज दिल्ली, विश्वकोश-प्रकाशन-समिति (ब्रज-साहित्य मंडल) गाजियाबाद, अ० भा० लेखक सम्मे० '६१ के प्रतिनिधि, संपा० सा० 'चतुर्वेदी-समाचार' '५८ से एवं त्रैमा० 'ब्रज-भारती' '६१ से; प्रका० स्फुट लेख एवं कविताएँ ; प० सी-२६, नेताजी नगर, नई दिल्ली ।

जगदीशनारायण त्रिपाठी, डा०—ज० ३ जुलाई, '३०; शि० एम० ए० (हिंदी एवं अँगरेजी), पी-एच० डी० आगरा वि० वि०; प्र० '५८ में; प्रका० अजातशत्रु-अनुशीलन '५८, आधुनिक हिंदीकविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ '६०, आधुनिक हिंदी कविता में अलंकार-विधान (शोध-प्रबंध) '६१, वाणी-विभूषण '६२, अप्र० दो लेख० संग्रह, वि० अँगरेजी से अनेक अनुवाद भी किये हैं, प० अध्यक्ष, हिंदी विभाग, राजा डी० एन० डिग्री कालेज, फतेहगढ़ ।

जगदीशप्रसाद अग्रवाल—ज० २१ मार्च, '३६, शि० बी० एस-सी० '५५, आगरा वि० वि०, सा० भूत० अध्यक्ष जंतु-विज्ञान विभाग, राजकीय कालेज, सँगरूर, प्र० '४९ में; प्रका० कबीर-दोहावली '४९, तुलसी-दोहावली '४९, (दोनों सटीक), बीस दिन में हिंदी '५० अप्र० वैज्ञानिक लेखों के तीन संकलन, प० अध्यक्ष, जंतुविज्ञान-विभाग, राजकीय कालेज, नाभा, पंजाब ।

जगदीशप्रसाद चतुर्वेदी—ज० २ अक्टूबर, '२३, फीरोजाबाद; शि० बी० ए० '४६ आगरा कालेज, एम० ए० हिंदी, नागपुर वि० वि०, एल० टी० मथुरा '४९, एम० एड० उसमानिया वि० वि०; सा० प्राध्यापक सिटी-कालेज एवं ट्रेनिंग कालेज हैदराबाद, प्रका० स्फुट रचनाएँ; अप्र० त्रिवेणी (हिंदी-मराठी-तेलुगु का तुलनात्मक व्याकरण), प० हिंदी शिक्षाधिकारी, हैदराबाद ।

जगदीशप्रसाद चौबे—ज० २ मार्च, '४२, शि० शाहाबाद; प्र० '६१ में; प्रका० चितचोर, स्त्री शिक्षा का सुफल, अभिनव चुटकले (संक०); अप्र० दो संग्रह, प० वैना, वाया मुरार, शाहाबाद ।

जगदीशप्रसाद तिवारी—ज० ७ अगस्त '३५ शि० इंटर सा० भूत

सहसंपा० 'सावधान', प्रका० स्फुट कहानियाँ; अप्र० चंद्रसखि-पद-संग्रह; वि० 'करनी और भरनी' लोककथा '६१ में म० प्र० सरकार द्वारा पुरस्कृत, प० अध्यापक, रविशंकरनगर, सागर।

जगदीशप्रसाद 'दीपक'—सा० संपा० 'मीरा', प्रका० एशिया की महिला-क्रांति, राजपूतानियाँ (कहा०), राजस्थान के इतिहास में नारी का स्थान, राजस्थान के रमणी-रत्न, क्रांति और कुमारियाँ; अप्र० दो ग्रं०; प० एम० आर भंडारी ऐंड कंपनी, नया बाजार, अजमेर।

जगदीशप्रसाद श्रीवास्तव—ज० २६ अप्रैल, '३४ तलैन, राजगढ़, शि० एम० ए० विक्रम वि० वि० '६०; प्रका० स्फुट कहानी, लेख आदि; अप्र० नवीन जी के काव्य पर एक शोधप्रबंध; वर्त० हिंदी प्राध्यापक, शासकीय स्नातक महा-विद्यालय, रायगढ़, प० ७५ करोडीमल कालोनी, रायगढ़।

जगदीशप्रसाद सक्सेना, 'पंकज'—ज० २८ जुलाई, '२२; शि० मैन-पुरी, इंटर '५४; प्र० '५६ में; प्रका० नींद नहीं आती है '५८, हजरतगंज की सैर '५८, आदमी से प्यार कर लो '६०, अप्र० कुँवारी विधवा (उप०) चित्रकूट (प्रबंध०), अभी सुबह के चार बजे हैं; वि० राष्ट्रीय कविता-प्रति-योगिता में उ० प्र० सरकार द्वारा प्रथम पुरस्कार प्राप्त; वर्त० आयकर-विभाग, लखनऊ में कार्य करते हैं; प० २४२/५४ अहियागंज, लखनऊ।

जगदीश माथुर, 'कमल'—ज० १५ अगस्त, '३१; शि० सा० भूषण, सा० रत्न; सा० संस्था० अंतर प्रांतीय कुमार साहित्य परिषद जोधपुर की शाखा बीकानेर में '५२, संचा० अलका प्रकाशन '६०, संस्था० राजस्थान जनपद परिषद '६२, भूत० संपा० मा० 'नई चेतना' '५८, सह-संपा० त्रैमा० 'विश्वं-रा' '६२, प्रका० एवं संपा० त्रैमा० 'लोक-संपर्क' बीकानेर '६०; प्र० '५२ में; प्रका० संपा० : आशादीप (कहा०) '५३, सोटीनाथी रागूहार्थ (शोध-ग्रंथ) '६०, राजस्थान के कहानीकार (कहा०) '६२; प० मलेरिया इंस्पेक्टर, आई-सी सबयूनिट, पिंडवाडा, सिरोही।

जगदीश गुप्त, डा०—ज० '२४, शाहाबाद, हरदोई; शि० प्रयाग वि० वि०, एम० ए०, डी० फिल्, डिप्लोमा-पेंटिंग, डिप्लोमा-संस्कृत; सा० संपा० 'नयी कविता', '५० से प्रयाग वि० वि० में हिंदी प्राध्या०; प्रका० कवि० : नाव के पाँव, शब्ददंश, कृष्ण-काव्य का तुलनात्मक अध्ययन (शोध-ग्रंथ), गुजराती और ब्रजभाषा, भारतीय कला के पदचिह्न, वि० प्रसिद्ध चित्रकार भी है, प० प्राध्यापक हिंदीविभाग, वि० वि०, प्रयाग।

जगदीश त्रिगुणायत—ज० ८ मार्च, '२३ नैनी देवरिया शि० सा

रत्न, सा॰ बिहार राष्ट्रभाषा परिषद की सामान्य समिति के सद॰, गत २० वर्षों से छोटा नागपुर के आदिवासियों के बीच शिक्षा-प्रचार, आकाशवाणी राँची केंद्र के भ॰ 'असिस्टेंट प्रोड्यूसर'; प्र॰ '५१ म॰ प्रका॰ बाँसुरी बज रही '५७, वनदेवता (निब॰) '५६, सो सो योगा (गीत-कथा)' ५८, छायानाव (अनु॰) '५३; अप्र॰ मुंडा लोककथाएँ, मुंडा पहेलियाँ, जंगल की ज्योति, भूले-बिसरे, धर्मचक्र (काव्य-रूपक), वि॰ 'बाँसुरी बज रही' बिहार सरकार द्वारा २५००) से तथा उ॰ प्र॰ सरकार द्वारा ५००) से पुरस्कृत, 'मुंडा-लोक-कथाएँ' बिहार सरकार द्वारा ४०००) से पुरस्कृत; प॰ खूँटी, राँची।

जगदीश मित्तल—ज॰ '२५; शि॰ गोरखपुर, देहरादून एवं शांति-निकेतन; सा॰ कला-संपा॰ मा॰ 'कल्पना' हैदराबाद' ५१ से अब तक, हैदराबादी 'आर्ट सोसाइटी' के उपसभा॰, 'इंस्टीट्यूट आव एशियन स्टडीज' हैदराबाद के सह-मंत्री, हैदराबादी 'स्टेट म्यूजियम' के परामर्शदाता, स्थानीय राजकीय 'कालेज आव आर्ट' में कला के प्राध्यापक '५५ से, प्रका॰ (संयुक्त लेखक) भारतीय कसीदा '५४ तथा अँग्रेजी में अन्य कई पुस्तकें; वि॰ उ॰ प्र॰ तथा विंध्य प्रदेशीय सरकार द्वारा 'भारतीय कसीदा' पुस्तक पुरस्कृत; प॰ ११२।२१४, गगन-महल रोड, हैदराबाद।

जगदीश यादव—ज॰ २८ दिसंबर, '२५; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी; सा॰ सह-संपा॰ साप्ता॰ 'भूदान-यज्ञ बिहार '५२-'५४, दै॰ 'राष्ट्रवाणी' '५४-'५७, संपा॰ पाक्षि॰ 'पिछड़ा-समाज' '५७-'६१, मा॰ 'किशोर-भारती' '६२ से, प्र॰ '५२ में; प्रका॰ विनोबा-जीवनी; बालो॰ जयप्रकाश की जीवनी, राजाजी की जीवनी, शहीद दीनानाथ, ढेबर भाई का जीवन-परिचय; अप्र॰ दो ग्रंथ; प॰ भारती-भवन, गोविंदमित्र रोड, पटना।

जगदीश शास्त्री, वैद्य—ज॰ १९०१ चाँदपुर; शि॰ वैद्य-शास्त्री; सा॰ प्रधान-वैद्यमंडल, भूत॰ प्रधान प्रा॰ कांग्रेस कमेटी, सद॰ अपराध-निरोधक-समिति, संपा॰ 'चरित्र-निर्माण' ऋषीकेश, साप्ता॰ 'सुदर्शन' देहरादून तथा 'लोक-लोकोत्तर', प्रका॰ क्षय-चिकित्सा '३०; अप्र॰ जीवन मूल रहस्य एवं दो वैद्यक-संबंधी ग्रंथ; प॰ १६ राजा रोड, देहरादून।

जगदीशसहाय उपाध्याय—ज॰ ८ अगस्त, '२१; शि॰ एम॰ ए॰ (हिंदी तथा संस्कृत), साहित्याचार्य, शास्त्री, सा॰ रत्न, साहित्यालंकार; सा॰ संस्था॰ : ग्राम्य साहित्य-परिषद पालर, ना॰ प्र॰ सभा पालर, आदर्श शिशु विद्यालय बरुआसागर; अध्यक्ष : उ॰ प्र॰ माध्यमिक शिक्षक-संघ झाँसी, जनपद-साहित्य-परिषद झाँसी; संरक्षक : हि॰ सा॰ परिषद झाँसी प्र॰ '५० में

प्रका॰ शैलीकार, संस्कृत-प्रवेश, काव्यकार; अप्र॰ मन की मौज, महात्मा बुद्ध; प॰ अध्यक्ष हिंदी-संस्कृत विभाग, विपिनविहारी कालेज, झाँसी।

जगदीश्वर जहरी—ज॰ २० मई, '३३, बरेली; शि॰ बी॰ एस-सी॰ '५३, एम॰ एस-सी॰ '५५ प्रथम श्रेणी में प्रथम; जा॰ बँगला, गुजराती, पंजाबी, जर्मन, रूसी और अँगरेजी, सा॰ एक वर्ष तक 'वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद' में शोध-कार्य, '५६ से पंजाब के शिक्षा-विभाग में; प्र॰ '४८ में; प्रका॰ स्फुट रचनाएँ; अप्र॰ जिज्ञासु मानव एवं विज्ञान-संबंधी लेखों के संक॰; वि॰ 'माइनिंग, ज्योलाजिकल एंड मेटर्लाजिकल इन्स्टीट्यूट आव इंडिया' द्वारा 'लाट्रश' पदक प्राप्त; अँगरेजी में भी लिखते हैं; प॰ भूगर्भ-शास्त्र विभागाध्यक्ष, राजकीय डिग्री कालेज, धर्मशाला (पंजाब)।

जगदेव, 'शांत'—ज॰ ७ सितंबर, '२०; शि॰ सा॰रत्न; जा॰ संस्कृत, अँगरेजी तथा उर्दू; सा॰ मेरठ हि॰ सा॰ समिति के मंत्री, प्रगतिशील-साहित्य समिति का संगठन, हि॰ सा॰ सम्मे॰ की स्थायी समिति के भूत॰ सद॰, '३८ से कांग्रेस में सक्रिय कार्य, जिला कांग्रेस कमेटी के सद॰ तथा वार्ड कांग्रेस कमेटी के मंत्री, प्र॰ '४० में; प्रका॰ छाया (कवि॰) '४०; अप्र॰ दो कविता-संग्रह; प॰ ४७४, ब्रह्मपुरी, मेरठ।

जगनसिंह सेंगर—सा॰ '२४ से अलीगढ़ नगरपालिका विद्यालय में शिक्षक, संपा॰ 'शिक्षक बंधु'; प्रका॰ किसान सतसई, आदर्श निबंधावली, आदर्श पत्ररचना; संपा॰ आदर्श अभिनव-मंजरी, आदर्श अंत्याक्षरी-चंद्रिका, आदर्श अपठित-मीमांसा, झाँकी, वि॰ 'किसान-सतसई' पर उ॰ प्र॰ सरकार द्वारा '५२ में ८००) का पुरस्कार प्राप्त; प॰ २१ कटरा, अलीगढ़।

जगन्नाथ बहुगुणा—ज॰ १५ जून, '११; शि॰ वैद्य वाचस्पति, आयुर्वेदाचार्य, डी॰ आई॰ एम॰ एस॰, गुरुकुल हरिद्वार एवं आयुर्वेदिक विद्यालय ऋषीकेश; सा॰ '३१ के स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भाग लिया; प्रका॰ ऋषीकेश की यात्रा, अग्निकर्म चिकित्सा, आयुर्वेदीय शल्यकर्म, अप्र॰ वैद्यक-संबंधी दो ग्रंथ; प॰ आयुर्वेद सेवासदन, देहरादून।

जगन्नाथ पुच्छरत—ज॰ १८८६; शि॰ सा॰भूषण, एफ॰ टी॰ एस॰ सा॰ पुरोहित-पंचायत और सारस्वत युवक मंडल के संस्था॰, काशी ना॰ प्रचा॰ सभा और हिंदी सा॰ सम्मे॰ के सम्मानित सद॰, काशी ना॰ प्रचा॰ सभा के तत्त्वावधान में 'पुच्छरत' पदक निधि की स्था॰, हिंदीरत्न-पुस्तकालय खोला, लगभग पैंतीस वर्षों से साहित्य सेवा में संलग्न; भूत॰ प्रधानमंत्री अमृतसर नागरी प्रचारिणी सभा; प्रका॰ परीक्षा-पद्धति मुद्रण पद्धति

संकल्प विधि आदि अप्र अनेक संपादित और मौलिक ग्रंथ ; पंजाब सरकार द्वारा दीर्घकालीन साहित्य सेवा के लिए अनेक बार पुरस्कृत ; प० साहित्य-सदन, चावल मंडी, अमृतसर।

जगन्नाथप्रसाद—ज० २४ नवंबर, १८९९, बलरामपुर ; शि० एम० ए०, एल-एल० बी० '२४, लखनऊ वि० वि० ; सा० स्थानीय साहित्य-मंडल के संस्था० ; प्रका० अंकुर-मंजरी, वेदगीतांजलि, रूपांतर '३५-'४० के बीच ; अप्र० तीन संग्रह ; प० पूरब टोला, बलरामपुर, गोंडा।

जगन्नाथप्रसाद मिश्र—ज० १८९६ ; शि० दरभंगा, मुजफ्फरपुर, पटना और कलकत्ता, एम० ए०, बी० एल० ; सा० '२१-'२२ में दै० 'कलकत्ता समाचार' तथा दै० 'विश्वबंधु' के संपा० विभाग में कार्य, संपा० : 'भारत मित्र', आठ वर्ष तक मा० 'विश्वमित्र', एक वर्ष तक मा० 'हिमालय', '५०-'५१ में दै० 'राष्ट्रवाणी', सह-संपा० : 'विशाल भारत', '३८-'५९ तक मिथिला कालेज दरभंगा में हिंदी विभागाध्यक्ष, '५२ से अब तक बिहार-विधान-परिषद के मनोनीत सद० ; प्र० '१४ से ; प्रका० दरभंगा '२९, प्रेमप्रबंध '३०, समाजवाद क्या है '२९, एक ही दुनिया '४५, साहित्य की वर्तमान धारा '४२, जानते हो '४०, जीवन देवता की वाणी '४०, मनुष्य की मर्यादा '४९, प्रेम और दाम्पत्य '५०, जीवन और जगत '५१, साहित्य-विवेचन '५४, बच्चों का चिड़ियाखाना '४०, राजनीति - विज्ञान '५१, महान मनीषी '५८ ; वर्त० मा० 'पुस्तकालय' के प्रधान संपा० तथा सद० बिहारविधानपरिषद ; प० राजपोखर, लहेरियासराय, दरभंगा।

जगन्नाथप्रसाद मिश्र—ज० १२ जून, '१२ ; शि० ग्वालियर एवं इंदौर ; सा० इंदौर की हि० सा० समिति में प्रचार-कार्य ; प्र० '३६ में ; प्रका० बलिदान (खंड-), नौकरी (निबंध), पुकार (कवि०) ; अप्र० दो कविता एवं एक निबंध-संग्रह ; प० रंगनिकेतन, रामकुई, लश्कर।

जगन्नाथप्रसाद शुक्ल, वैद्य—ज० १८७९, फतेहपुर; शि० आयुर्वेद-पंचानन, सा० वाचस्पति; सा० हि० सा० सम्मे० के प्रारंभ से सद० एवं समय-समय पर प्रबंध-मंत्री, प्रधानमंत्री एवं कार्याध्यक्ष, विज्ञान-परिषद के सभा०, बिलासपुर हिंदी-सभा के संस्था०, भूत० संपा० 'प्रयाग-समाचार', 'श्री वेंकटेश्वर-समाचार' तथा 'हिंदी केसरी' (नागपुर), आयुर्वेदिक पत्र 'सुधानिधि' के '१० से संपा०, प्रयाग आयुर्वेद-प्रचारिणी सभा के संस्था०, वैद्य-सम्मे० के पुनरुद्धारक, आयुर्वेदीय शिक्षा-परीक्षा के प्रबंधक, आयुर्वेद वि० वि० के उपकुलपति, महिला विद्यापीठ के सद०, संस्कृत विद्यालय के प्रबंधक,

'आयुर्वेद यूनानी मेडिसिन बोर्ड' के सद०, कांग्रेस के सद०, किसान सभा के मंत्री; प्र० १९०२ में, प्रका० भारत में मंदाग्नि, आरोग्य-विधान, रस-विज्ञान, आहारशास्त्र, आयुर्वेद का महत्व, भारतीय रसायनशास्त्र, पथ्यापथ्य-निरूपण, नाड़ी-परीक्षा, आयुर्वेदीय मीमांसा, नीति-कुसुम, आदर्श वाटिका, नीति-सौंदर्य, भारत में डच राज्य, सिंहगढ़-विजय आदि साहित्य एवं वैद्यक-संबंधी लगभग ५० पुस्तकें; वि० आरोग्य विधान पर ५००) का 'शंकरशास्त्री' पुरस्कार, कुछ पुस्तकों पर स्वर्ण तथा रौप्यपदक, वर्त० क्षयरोग और धातुमन्न पर अनुसंधान; प० ५ सम्मेलनमार्ग, प्रयाग।

जगन्नाथप्रसाद साह—ज० ३ दिसंबर, १९०२, शि० लालगंज, मुजफ्फरपुर एवं इलाहाबाद, विशारद, सा० वैशाली संघ के मंत्री एवं संघ की पत्रिकाओं के प्रका०, लालगंज हिंदी हितैषिणी सभा एवं शारदा-सदन पुस्तकालय के संस्था०, राजीपुर सब-डिवीजन पुस्तकालय संघ के मंत्री; प्रका० अनेक पुस्तकें; प० लालगंज, मुजफ्फरपुर।

जगन्नाथराय शर्मा—ज० १ दिसंबर, १८९९; शि० प्रारंभिक पटना में, बी० ए० और एम० ए० संस्कृत '२५, काशी वि० वि० तथा एम० ए० हिंदी '२६, पटना वि० वि० (प्रथम श्रेणी में प्रथम), कई पदक प्राप्त; सा० सहा० तथा प्रधानाध्यापक पाटलिपुत्र हाई स्कूल पटना '२६-'३७, पटना वि० वि० के हिंदी विभाग के भूत० प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, हिं० सा० सम्मे० के परीक्षा-केंद्र खोले, '४६ में मंगलाप्रसाद पारितोषिक के निर्णायक; प्र० '४१ में, प्रका० अपभ्रंश-दर्पण, ब्रजसाहित्य-सौरभ, निबंध-रत्नाकर, रामचरित-मानस की कथावस्तु, सूर-साहित्य-दर्पण, हमारा सांस्कृतिक साहित्य, विक्रम-विजय, तरुणतरंग; अप्र० सप्त प्रबंध, सूरसागर (प्रथमखंड), मानसोल्लास-मीमांसा; वर्त० अध्यक्ष, हिंदी-संस्कृत विभाग, राममोहनराय इंस्टीट्यूट, पटना; प० चाईं टोला, महेंद्रू, पटना ६।

जगमोहननाथ अवस्थी (आशुकवि)—ज० ४ अक्टूबर, १९०४ फतेहपुर; शि० साहित्यमनीषी; प्रका० काव्य० : कदम्ब, जीवन-कण, दिविता, अहिंसा-वध (खंड०), चौराहे से, प्राणदान (खंड०), फाँसी के स्वर (खंड०), अमर बापू, जयस्वतन्त्रते, उप० : सुहाग की चिता, सतीवेश्या; नाट० : पश्चाताप (ऐति०), बापू का वरदान एवं सुधाकलस (संक०); प० कवि-निवास, १४३, राजेन्द्रनगर, मार्ग २, लखनऊ।

जगमोहनप्रसाद शुक्ल, 'मोहन'—ज० ४ जुलाई, १९००; शि० विशारद सम्मे० प्रयाग, प्र० '२० में; प्रका० ललिता देवी; अप्र० प्रेम-शतक

एवं दो काव्य संग्रह; वि० बेनीमाधव खन्ना पुरस्कार एवं इट नाथीश द्वारा मानसहंस कवि पर स्वर्णपदक प्राप्त; प० हिंदी अध्यापक, राष्ट्रपिता स्मारक विद्यालय, इटौंजा, लखनऊ।

जगमोहनलाल चतुर्वेदी—ज० १६ जून, १९००; शि० बी० एस-सी०, एल० टी० इलाहाबाद; प्र० '५४ में, प्रका० एकनाथ, तुलसीदास, बालोपयोगी ज्ञानेश्वर, बालभक्त नामदेव, संत ज्ञानेश्वर '६०; वि० 'एकनाथ' व 'तुलसीदास' उ० प्र० सरकार द्वारा पुरस्कृत; वर्त० मराठी संत-वाणी का अध्ययन; प० १६।११।४७८, दिलसुख नगर, कालोनी नं १, हैदराबाद २४।

जगमोहनलाल जैन, शास्त्री—ज० १९०२; शि० दर्शन-सिद्धांत-शास्त्री, सा० संपा० मा० 'परवार बंधु' के पाँच वर्ष तक, 'वीर संदेश' पत्र के डेढ़ वर्ष तक, साप्ता० 'जैन-संदेश' पत्र के छह वर्ष तक, '२० से '२५ तक कांग्रेस सदस्य, परवार सभा के मंत्री, गत ११ वर्ष से अ० भा० दिगंबर जैनसंघ के प्रधानमंत्री '५५ से, जैन शिक्षण संस्था के प्रधानाचार्य गत ३९ वर्ष से, सद० गणेश संस्कृत विद्यालय सागर, स्याद्वाद विद्यालय काशी; प्र० '५४ में; प्रका० श्रावकधर्म-प्रदीप (संस्कृत-हिंदी टीका); वि० अनेक जैन-समाजों द्वारा पुरस्कार प्राप्त; प० जैनशिक्षा संस्था, कटनी, जबलपुर।

जगमोहनलाल माथुर—ज० ३० जनवरी, '३४; शि० एम० ए०, सा० रत्न०; सा० सचिव 'तरुणोदय' नई दिल्ली, साहित्यमंत्री-दिल्लीप्रदेशीय सा० सम्मे०, संपा० मा० 'लालिमा' भरतपुर '५२-'५४, साप्ता० 'सेवाग्राम' दिल्ली '५६-'५७ से, उप०-संपा० हिंदी विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, नई दिल्ली, प्रका० इंडोनेशिया, बर्मा, चीन, अफगानिस्तान (संयुक्तलेखन); प० ७४, कोटला रोड, नई दिल्ली।

जनमेजय, विद्यालंकार—ज० ३ मार्च, १९०३ शि० विद्यालंकार गुरुकुल काँगड़ी वि०वि०, एम० ए० संस्कृत, आगरा वि०वि०, शास्त्री, प्रभाकर, बी० ए० पंजाब वि० वि०, आयुर्वेदशास्त्री ढाका वि० वि०; मा० '३९-'४७ तक डी० ए० वी० कालेज लाहौर में एवं '४७ से डी० ए० वी० कालेज कानपुर में संस्कृत-प्राध्यापक, लाहौर में सर गंगाराम ट्रस्ट के मा० हिंदी पत्र के मुख्य संपा०; प्र० '२२ में; प्रका० सामाजिक क्रांति, संस्कृत शिक्षा-विधि (तीन भाग), वैदिक वर्णव्यवस्था, अभिनव काव्यम् (संस्कृत) '६०; अप्र० संस्कृत साहित्य-संबंधी अनेक आलो० लेखों के संग्रह; वि० 'अभिनव काव्यम्' पर उत्तरप्रदेशीय सरकार द्वारा ५००) का पुरस्कार प्राप्त; प० ७/१८३, स्वरूपनगर, कानपुर।

जनार्दन प्रतिहस्त—ज० ५ नवम्बर, '२१, शि० साहित्याचार्य, सा०रत्न, काव्यतीर्थ, प्रभाकर, प्र० '४५ में ; प्रका० राष्ट्रपति शिवाजी (प्रबंध) '४५, हिंदी-हिंदू हिंदुस्थान (खंड) '४७ ; अप्र० मीना (मैथिली महा०), हलधरपच्चीसी (खंड०): प० (१) भीठा (बड़ा), सुरसंड, मुजफ्फरपुर। (२) अध्यापक, हथुआ राज हाईस्कूल, हथुआ, छपरा।

जनार्दन मिश्र, 'पंकज'—ज० '१२, नयागाँव, मुँगेर, शि० एम० ए० हिंदी, शास्त्री, काव्यतीर्थ, व्याकरण-साहित्याचार्य, न्यायाचार्य (स्वर्णपदक प्राप्त), सांख्ययोगाचार्य, वेदांताचार्य, सा०रत्न, साहित्यालंकार ; सा० भूत० प्राध्यापक विश्वभारती वि० वि० शांतिनिकेतन, भूत० प्रधानपंडित बहु-उद्देशीय पटना कालेजिएट स्कूल, बहुउद्देशीय पटना सिटी स्कूल, एवं बहु-उद्देशीय जिलास्कूल हजारीबाग ; प्रधानाचार्य राजकीय संस्कृत विद्यालय राँची एवं धर्मसमाज राजकीय संस्कृत विद्यालय मुजफ्फरपुर ; 'कर्मचारी' भागलपुर के संपा० मंडल में ; प्रका० तुलसीदास (कवि), साहित्य-सुषमा (टीका), मित्र-लाभ-दर्पण, संस्कृत-संग्रह-पयोधि, मनुस्मृति द्वितीयाध्याय (अनु०), सत्य हरिश्चंद्र (संपा०) कलम-कसाई, आहों की दुनियाँ, हिंदी का व्यावहारिक व्याकरण, संस्कृत शिशु-बोध ; हिंदी व्याकरण तथा रचना, बापू की अमरवाणी आदि ; अप्र० श्मशान की चाँदनी, चारबाग, गली की लड़कियाँ, गोश्त का टुकड़ा, अँगूठी एवं दो संक० : प० प्रधानाचार्य, धर्मसमाज राजकीय संस्कृत विद्यालय, मुजफ्फरपुर।

जमनादास व्यास—ज० १९०९ ; शि० पंजाब, अलीगढ़, आगरा एवं नागपुर ; एम० ए० हिंदी, सा०रत्न, विज्ञानरत्न (कृषि), विद्याविनोद (संस्कृत) ; सा० आचार्य सा० महाविद्यालय वर्धा, परीक्षामंत्री राष्ट्र० हिं० प्रचा० सभा वर्धा, विहारविद्यापीठ के प्रचारक, भूत० सहसंपा० 'मानेश्वरी' तथा 'लोकमत', भूत० प्रधानाध्यापक हिंदी गर्ल्स हाई स्कूल वर्धा, भूत० प्राध्यापक यशवंत आर्ट्स-कालेज वर्धा, उपप्राचार्य यशवंत बेसिक ट्रेनिंग कालेज वर्धा, उपकुलपति तथा साहित्यमंत्री महाराष्ट्र हिंदी विद्यापीठ ; अप्र० हमारी अर्थनीति, स्वराज्य की ओर, काव्य में प्रकृतिवाद, जैन साहित्य का इतिहास ; प० यशवंत बेसिक ट्रेनिंग कालेज, वर्धा।

जयकिशनप्रसाद—ज० २२ मई, '२२ : शि० एम० ए० (हिंदी, संस्कृत तथा अर्थशास्त्र), एल-एल० बी० काशी वि० वि०, सा०रत्न सम्मे० प्रयाग, साहित्यालंकार देवघर ; सा० संयोजक, 'जगदीश स्वाध्याय मंदिर', आचार्य आर० एल० इंटर कालेज, कछला '५६, प्राध्या० द्रोणाचार्य सनातनधर्म डिग्री

कालेज '५६-५८ प्रा० या० हिंदी संस्कृत विभाग बलवंत राजपूत कालेज आगरा '५८ से ; पत्रा० 'खंडेलवाल समाचार' मासिक पत्र '६० से ; प्र० '५३ , प्रका० हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ '५०, हिंदी साहित्य का आधुनिक काल '५६, महादेवी का वेदनाभाव '५६, आधुनिक हिंदी कविता : प्रमुख वाद '५६, केशवदास : एक आलोचनात्मक अध्ययन '५६ , अप्र० दो आलोचना-संकलन ; वर्त० 'ब्रजभाषा गद्य का विकास' विषय पर पी-एच० डी० के लिए शोध-कार्य-रत ; प० १००३, बेलनगंज, आगरा ।

जयकुमार, 'जलज'—ज० २ अक्टूबर, '२४, ललितपुर ; शि० एम० ए० हिंदी, प्रयाग वि०वि० '५७ , प्र० '४८ में ; प्रका० सूरज सी आस्था (कवि०), ध्वनि और ध्वनिग्राम (भाषाशास्त्रीय ग्रंथ), संस्कृत नाट्यशास्त्र (शोधग्रंथ), हिरनी की आँख (संपा०कहा० संक०) ; अप्र० संसार की श्रेष्ठ कहानियाँ (संक०), किनारे से धार तक (कवि०), हिंदी लघुकथा : उद्भव और विकास (शोधग्रंथ) ; वि० सागर वि० वि० के शोध-छात्र ; प० अध्यक्ष हिंदी विभाग, राजकीय डिगरी कालेज, बरेली (म० प्र०) ।

जयगोपाल मिश्र, 'फतेहपुरी'—ज० १२ जनवरी, २६; शि० फतेहपुर, इलाहाबाद ; सा० संचालक रेलवे आर्टिस्ट-एसोसिएशन, व्यवस्थापक, निराला साहित्य-परिषद, मंत्री : तुलसी-स्मारक-समिति राजापुर, चित्रकूट-उत्थान-समिति कर्त्री, फीरोज गाँधी स्मारक समिति तथा फतेहपुर उन्नयन समिति, प्रबंधसंपा० मा० 'कल्पना' एवं 'निराला' ; प्र० '४६ में ; प्रका० जनपद फतेहपुर का १८५७, जनपद फतेहपुर की पुरातात्विक देन, जनपद फतेहपुर की लोकरागिनी ; प० २६, अशोकनगर, इलाहाबाद ।

जयचंद्रराय, डा०—ज० '२५, आजमगढ ; शि० एम० ए०, पी-एच-डी० ; सा० शोध-संस्थान गाजियाबाद की स्थापना , प्रका० आचार्य शुक्ल और उनका साहित्य, (अन्य लेखकों के सहयोग से) चंदबरदाई और उनकी कविता, विद्यापति और उनकी कविता, हरिऔध और उनकी कविता, निराला और उनकी कविता ; अप्र० आचार्य शुक्ल : सिद्धांत और साहित्य (शोधप्रबंध) ; वि० डी० लिट० का विषय 'आलोचना के साहित्येतर मूल्य और उनके आधार पर हिंदी काव्य का मूल्यांकन' ; वर्त० अध्यक्ष हिंदी विभाग, म० वि० हरिजनकालेज, गाजियाबाद ।

जयघोष (बलवंतसिंह)—ज० २० जून, '४१ ; शि० बी० ए० आनर्स बिहार वि० वि० '६०, एम० ए० पटना वि०वि० '६२ ; सा० भूत० सह-संपा०

'प्रहरी' छपरा, प्रचारमंत्री जिला हि० सा० सम्मे० ; प्र० '५६ में, प्रका० काव्य संकलन (संपा०) ; प० कार्नर केम, निकट भूदान-कार्यालय, छपरा।

जयचंद्र, विद्यालंकार—ज० ५ दिसंबर, १८८८, शि० विद्यालंकार गुरुकुल कांगडी, सा० तीन वर्ष तक गुरुकुल कांगडी और गुजरात विद्यापीठ मे कार्य, '२१ में लाहौर के कौमी महाविद्यालय मे भारतीय इतिहास के अध्यापक, '२५ मे प्रांतीय कांग्रेस के उपमंत्री, '२३ मे पंजाब प्रांतीय हि० सा० सम्मे० की स्थापना एवं '२७ तक मंत्री, '२७ मे विहार विद्यापीठ पटना के अध्यापक, '३६ में हि० सा० सम्मे० नागपुर में इतिहास-परिषद के सभापति, '३७ में डा० राजेन्द्रप्रसाद आदि के सहयोग से भारतीय-इतिहास-परिषद की स्था०, '३८ मे हि० सा० सम्मे० के शिमला अधिवेशन मे तथा बिहार प्रादेशिक हि० सा० सम्मे० के आरा अधिवेशन मे इतिहास-परिषद के सभापति, '३८ मे भारतीय विद्याभवन बंबई मे भारतीय इतिहास के प्राध्यापक, बंबई वि० वि० के स्नातकोत्तर विभाग मे प्राचीन भारतीय इतिहास और संस्कृति के अवैतनिक प्राध्यापक, '४१ मे पटना वि० वि० में 'रामदीन रीडर पद' से व्याख्यानदाता, '४२ के स्वतंत्रता-आंदोलन में भाग, '४३ मे तीन वर्ष का कारावास, '४८ मे भारतीय संविधान का हिंदी अनुवाद करने वाली विज्ञ समिति के सद०, '५० मे सम्मे० प्रयाग के सभापति, '५७ में 'केंद्री पंजाबी लेखक सभा' के अधिवेशन-सभापति, '५८ मे पंजाब सरकार द्वारा पंजाब की भाषा - समस्या को हल करने के लिए नियुक्त ; प्र० '१८ मे ; प्रका० भारतभूमि और उसके निवासी '३१, भारतीय इतिहास की रूपरेखा (दो भाग) '३३, इतिहास-प्रवेश, भारतीय कृष्टि का क ख '५५ ; अप्र० भारतीय इतिहास की मीमांसा ; वि० 'भारतीय इतिहास की रूपरेखा' पर हि० सा० सम्मे० द्वारा मंगलाप्रसाद पारितोषिक, 'भारतीय कृष्टि का क ख' भारत सरकार द्वारा हिंदी की श्रेष्ठ पुस्तक रूप में पुरस्कृत ; प० हिंदी भवन, रानीमंडी, इलाहाबाद।

जयनाथ, 'नलिन'—ज० १० मार्च, '१२, काँठ, मुरादाबाद ; शि० एम० ए० हिंदी, सा० रत्न ; सा० साप्ता० 'प्रभाकर' आगरा मे '३६-'३८ तथा दै० 'शक्ति' लाहौर में '३८ (जुलाई से अक्टूबर तक) सह संपा०, दै० 'विश्व-बंधु' लाहौर में '४२-'४४ तथा दै० 'मिलाप' लाहौर के '४४-'४५ तक संपा०, दै० 'अमर भारत' दिल्ली मे '४८ से संयुक्त संपा०, '४६-'४८ तक फिल्मी गीत तथा संवाद-लेखन-कार्य, सनातन धर्म कालेज अंबाला कैंट मे प्राध्यापक अक्टूबर '४१ से फरवरी '५५ तक के० बी० कालेज, माछरा

(मेरठ) में जुलाई '५५ से जुलाई '५९ तक तथा दयानंद कालेज, हिसार में जुलाई '६० से सितंबर '६२ तक अध्यक्ष हिंदी विभाग, अब कुरुक्षेत्र वि० वि० में प्राध्या० ; प्र० '३३ में ; प्रका ; आलो० हिंदी नाटककार, हिंदी निबंधकार, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, विद्यापति, भक्तिकाव्य में माधुर्य भाव; कहा० : जवानी का नशा (हास्य), टीलों की चमक, झुरमुट ; कवि० . यामिनी, धरती के बोल ; नाटक : अवसान, हाथी के दाँत ; निबंध चिंतन और कला , शब्दचित्र : शतरंज के मुहरे, बिखरते बादल , अप्र० तीन आलो० ग्रंथ एवं दो संक ; प० (१) १८० माडल टाउन, लुधियाना। (२) हिंदी प्राध्यापक, वि० वि०, कुरुक्षेत्र।

जयनारायण मंडल—शि० एम० ए० '४९, पटना वि० वि० (प्रथम श्रेणी में प्रथम, स्वर्णपदक प्राप्त) ; प्रका० उपन्यास के मूल तत्व '५३, कलाकार (नाट०) '५८, हिंदी की कहानियाँ (संपा०) '६१, स्वप्न सत्य और और धुँधलका (कहा०) '६२ ; वर्त० हिंदी उपन्यासों पर शोध-कार्य-रत , प० अध्यक्ष, हिंदी विभाग, राँची कालेज, राँची।

जयनारायण शर्मा शांडिल्य, 'हरिजय'—ज० १४ अक्टूबर, १९०४; शि० इलाहाबाद, सा०रत्न '४२, रामायण उत्तमाखंड ; सा० भूत० संपा० 'बाल-सेवक' '२७-'३४ तक, अध्यक्ष 'बाल- सभा', केंद्र-व्यवस्थापक गीता, रामायण एवं आर्य(हिंदू) धर्म परीक्षा देहली ; प्र० '२४ मे ; प्रका० आह्वान (काव्य) '४७ ; अप्र० काव्य-कुंज एवं दो काव्य-संक० ; प० अध्यक्ष, ८२७ । नंत आश्रम, चाँदिया रोड, वाया कटनी ।

जयप्रकाश भारती—ज० जनवरी, '३६ मेरठ ; प्रका० भारत का संविधान, लोकमान्य तिलक, मनु, रेल की कहानी, संयुक्तराष्ट्रसंघ, उत्तर प्रदेश की लोककथाएँ ; संपा० : भारत की प्रतिनिधि लोककथाएँ, पौराणिक कहानियाँ, मानवता के हितैषी, भारत-निर्माता, आदि काल के बालक, देश-देश के बालक, हमारे देश के बालक, पथ तथा क्षेत्रीय खेलकूद प्रणाली, हाकी बैडमिंटन फुटबाल और बालीबाल के खेल, उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों की खोज, एवरेस्ट विजय, दिल्ली का लाल किला, माप तौल की दाशमिक प्रणाली, बेसिक स्कूलों में सांस्कृतिक कार्यक्रम, बालसभा, आदि कवि वाल्मीकि, बद्रीनाथ की यात्रा, किरणमाला (तीन भाग) ; प० (१) २२ लक्ष्मीनगर, मेरठ। (२) सहसंपा० साप्ता० 'हिंदुस्तान', नई दिल्ली।

जयप्रकाश शर्मा—ज० ७ मार्च, '३५ ; शि० दिल्ली ; सा० 'पुस्तक-जगत' 'राष्ट्रवाणी' एवं 'ज्ञानपीठ-पत्रिका' के स्तंभ-लेखक प्र '५६ मे ;

प्रका॰ उप॰ निशा ढलती है, चाँद का दाग; धरती मैया, लोकलाज, कलमुँही, पत्थर के फूल, तिनके का सहारा, धूल भरा धरती का प्रागण, गीत सो गये, कुँवारे सपने, आखरी भूल, सिंदूर की राख, बदबू घुटन और जिंदगी (गोर्की के उप॰ का अनु॰); बालो॰ : सागर सम्राट, अजीब सफर, मुर्गे की करामात, मौत की घाटी, अलबेला आदि ; अप्र॰ प्रहरी सीमा प्रांतर, उदयपथ, ऊषा झाँको तारों बीच, दिल का दर्द कहा न जाय , प॰ १७/८२, आनन्द पर्वत, दिल्ली—५ ।

जयवंशी झा—ज॰ १ जनवरी, '२८ ; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी '५७, एम॰ ए॰ संस्कृत '६०, एम॰ ओ॰ एल॰ '६१, शास्त्री '४६, प्रभाकर '५४ पंजाब वि॰ वि॰, व्याकरणाचार्य पटना, साहित्यालंकार '४८ देवघर-बिहार, सा॰ रत्न '५५ सम्मे॰ प्रयाग ; सा॰ 'सन्मार्ग' एवं 'विश्वमित्र' (दिल्ली) के भूत॰सह-संपा॰, दै॰ 'नेताजी' (दिल्ली) मे लगभग २ वर्ष तक प्रधान संपा॰, प्र॰ '४८ में ; प्रका॰ महाकवि नंददास '५७, भाषा-विज्ञान '५८, निबंध-रत्नाकर '५९, विद्यापति-पदावली '६१ ; वर्त॰ सहसंपा॰ दै॰ 'वीर अर्जुन', दिल्ली ; प॰ (१) हरिपुर बख्शीटोला, कनुआही, वाया मजौली, दरभंगा । (२) ७२१, मंदिरवाली गली, चर्च मिशन रोड, फतेहपुरी, दिल्ली—६ ।

जयशंकरनाथ मिश्र, 'सरोज'—ज॰ ११ फरवरी, '२३ ; शि॰ एम॰ ए॰ लखनऊ वि॰ वि॰, एल॰ टी॰ , प्र॰ '३७ में ; प्रका॰ अशोक वन : समीक्षा ; अप्र॰ कविता : कल्पना,नीहारिका, अर्चना; कहानी : सुनहले साँप ; आलो॰ : विचार-दर्शन, संक्षिप्त भाषा-विज्ञान, अलंकार तथा काव्य, मातृभाषा-शिक्षण, भारतीय शिक्षा का संक्षिप्त इतिहास, देश-दर्शन ; वर्त॰ प्राध्यापक, क्रिश्चियन ट्रेनिंग कालेज, लखनऊ ; प॰ शंकरी टोला, चौक, लखनऊ —३

जयशंकर यात्री, डा॰—ज॰ १० मई, '३८; शि॰ पी-एच॰ डी॰, काशी वि॰ वि॰; ज्ञा॰ काश्मीरी, फारसी तथा अरबी ; सा॰ सद॰ 'न्यू मिसमेटिक सोसाइटी आफ इंडिया' वाराणसी, 'ओरिएंटल सोसाइटी आफ इंडिया' पूना, 'इंडोलाजिकल इंस्टीट्यूट आफ इंडिया' काशी वि॰ वि॰, 'हिस्टारिकल सोसाइटी आफ इंडिया' कलकत्ता, काशी ना॰ प्र॰ सभा आदि ; प्रका॰ तोती नानी '५७, समुद्रगुप्त (नाट॰) '५८ ; अप्र॰ ट्रेन चल दी थी (कहा॰), आठवाँ अलबम, अलबरूनी के भारत का राजनीतिक और सामाजिक अध्ययन (पी-एच॰ डी॰ का शोध-प्रबंध); प॰ सी॰ के॰ ३३/२८, नीलकंठ, वाराणसी १ ।

जयसिंह नीरज—ज॰ ११ फरवरी, '२८ ; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी ; प्र॰ '४८ में ; प्रका॰ नील जल सोई परछाइयाँ , वर्त॰ 'राजस्थानी चित्रकला

को कृष्ण काव्य की देन विषय पर शोध कार्य प प्राध्यापक हिन्दी विभाग राजकीय कालेज राजपूत छात्रावास, अलवर।

ज० ला० श्रीवास्तव—ज० '२८; शि० इंटर; सा० मा० पत्र 'ज्ञान-शक्ति' के सह-संपा० तथा आत्मविकास केंद्र गोरखपुर के संस्था० संचा०; प्र० '५६ में; प्रका० स्फुट; अप्र० आत्मतत्व, मन की गुप्त शक्तियाँ, जीवन का आनंद; प० आत्मविकास-केंद्र, २५, अलहदादपुर, गोरखपुर।

जवाहरलाल लोढ़ा—ज० १८८६; शि० इंटर, आगरा; ज्ञा० अँगरेजी, गुजराती और उर्दू; सा० '२५ में प्रका०-संपा० श्वेतांबर जैन', '३८-'४६ तक 'वीर-संदेश' के संपा०, संस्था० 'जैन पब्लिक लाइब्रेरी' लखनऊ, श्रीविजय-धर्म लक्ष्मी ज्ञानमंदिर आगरा में तीन वर्ष तक पुस्तकाध्यक्ष, '५३-'५८ तक आगरा नगर जनसंघ के उपाध्यक्ष; प्र० '१६ में; प्रका० उपदेश चिंता-मणि '१६ तथा अन्य लगभग १६ पुस्तकें: वि० गुजराती से अनेक पुस्तकों के अनु०; प० संपा० मासि० 'श्वेतांबर जैन', मोतीकटरा, आगरा।

जवाहरसिंह—ज० २ जनवरी, '३४, शि० बी० ए० आनर्स '५६, बिहार वि० वि०, एम० ए० '६२ काशी वि० वि०; सा० संयुक्त मंत्री: सारण जिला हि० सा० सम्मे०; प्र० '४१ में; प्रका० काव्य-संकलन (संपा०); अप्र० दो संकलन; प० विष्णुपुरा, जलालपुर बाजार, सारण।

जवाहिरलाल जैन—ज० १९०८, शि० एम० ए० (इतिहास तथा राजनीति) महाराजा कालेज जयपुर; सा० पोद्दार कालेज नवलगढ के भूत० उप-प्राचार्य, प्रबंधसंपा० दै० 'लोकवाणी', सह-संपा० 'युगांतर', प्रबंध-संचा० युगांतर प्रकाशन मंदिर, आचार्य खादी ग्रामोद्योग विद्यालय शिवदासपुरा, मंत्री राजस्थान खादी संघ जयपुर, संपा० 'खादी पत्रिका', संचा० राजस्थान खादी ग्रामोद्योग कमीशन, अध्यक्ष राजस्थान सेवा संघ जयपुर; प्रका० फूलों की माला, ईश्वरीय न्याय (अनु०), रामविलास पोद्दार, सर्वोदय अर्थ-व्यवस्था, सामाजिक क्रांति के कार्यक्रम, आर्थिक क्रांति के कदम, राजनैतिक क्रांति का स्वरूप, कार्यकर्ताओं के साथ, खादी विचार, अप्र० दो संग्रह; प० मालपुरा हाउस, घी वालों का रास्ता, जयपुर।

ज़ाकिरहुसैन, 'भारतरत्न', डा०—ज० १८ फरवरी, १८९७, हैदराबाद; शि० इटावा, एम० ए०, पी-एच० डी० (बर्लिन), डी० लिट्० (सम्मानार्थ) देहली, कलकत्ता, अलीगढ तथा प्रयाग वि० वि० से; सा० बिहार के राज्यपाल जुलाई '५७ से मई '६२, भारतीय उपराष्ट्रपति मई '६२ से, उपकुलपति-जामिया मिलिया दिल्ली '२६-'४८, अध्यक्ष हिंदुस्तानी तालीमी संघ, सेवा ग्राम

'३८-'५०, उपकुलपति अलीगढ वि॰ वि॰ '४८-'५६, सभा 'इंटरनेशनल स्टूडेंट्न सरविस , इंडिया कमेटी '५५, 'वर्ल्ड यूनिवर्सिटी सरविस' जेनेवा '५५-'५५, 'सेंट्रल बोर्ड आफ सेकेंडरी एजुकेशन' '५७, बेसिक नेशनल एजुकेशन कमेटी '३७, सदस्य-'यूनिवर्सिटी ग्राट्स कमीशन' जून '५७, राज्य-सभा (उच्च सदन-केंद्रीय) '५७, 'एक्जीक्युटिव बोर्ड यूनेस्को' पेरिस '५६-'५८, 'यूनिवर्सिटी एजूकेशन कमीशन' '४८-'४९, 'इंडियन प्रेस कमीशन' एव 'एजुकेशनल रिआर्गनाईजेशन कमेटी' बिहार, उ॰ प्र॰ तथा म॰ प्रदेश; प्रका॰ शिक्षा; वि॰ अँग्रेजी और उर्दू मे भी कुछ पुस्तकें लिखी हैं, भारतसरकार द्वारा 'पद्मविभूषण' की उपाधि '५४ में तथा 'भारत-रत्न' की उपाधि '६३ मे, प॰ उपराष्ट्रपति, भारत सरकार, नई दिल्ली ।

जानकीप्रसाद पुरोहित—ज॰ १७ दिसंबर, '२१ , शि॰ इटारसी, होशंगाबाद एवं बावई ; प्र॰ '३९ मे ; प्रका॰ साथी, उन्माद, चित्रा , दुविधा अवनिका, देहाती, देवता, अहिंसा की हिंसा, प्रसून चतुर्दशी ; प॰ नवजीवन पुस्तकमाला, मल्हारगंज, मेन रोड, इन्दौर ।

जितेंद्रनाथ पाठक—ज॰ '२६, गाजीपुर ; शि॰ बी॰ ए॰ आनर्स '५४ एम॰ ए॰ '५६ ; सा॰ '४७ मे सैदपुर में 'साहित्य सुषमालय' संस्था की स्था॰, '६० में 'सर्जना' का सगठन, ना॰ प्र॰ सभा काशी के स्थायी सद॰, संपा॰ 'पटिल' ; प्रका॰ बापू '४८ (कवि॰), प्रेमचंद और गबन '५५, कथाकार प्रेमचद और गोदान '५५, हिंदी मुक्तक काव्य का विकास '५८; त्रि॰ 'हिंदी मुक्तक काव्य का विकास' पर उ॰ प्र॰ सरकार द्वारा ३००) का पुरस्कार प्राप्त ; वर्त॰ गोरखपुर वि॰ वि॰ से 'मध्यकालीन हिंदी मुक्तक काव्य : उद्भव और विकास' पर शोध ; प॰ अध्यक्ष हिंदी विभाग, डिग्री कालेज, गाजीपुर ।

जितेंद्रप्रसाद सिंह—ज॰ २१ मार्च, '३७ हरहच्चा, दरभंगा ; शि बी॰ ए॰ '५८ दरभगा, एम॰ ए॰ अँग्रेजी '६० पटना वि॰ वि॰ ; मा॰ बिहार-लेखक-संघ की कार्यकारिणी के भूत॰ सद॰ ; प्रका॰ स्फुट निबंध एव कहानियाँ, अप्र॰ उप॰ हड्डियाँ बोलती हैं, चार दिन की जिंदगी ; प॰ (१) हरहच्चा, दरभंगा । (२) अँगरेजी विभाग, श्री गुरुगोविंदसिंह कालेज, पटना—८ ।

जितेंद्रभारतीय, शास्त्री—ज॰ जनवरी, '१९, देवप्रयाग, गढवाल , शि॰ एम॰ ए॰, साहित्याचार्य, सा॰ रत्न, काव्यमनीषी ; सा॰ संपा॰ 'माधवी' '५२, सह-संपा॰ मा॰ 'अमिता' (लखनऊ) एवं 'आर्यमित्र', प्र॰ '३६ मे; प्रका हंसदूत, अलका की विरहिणी (खंड॰), कवि सेनापति : समीक्षा, गीतामृत-सार, हरिजन क्रांति की झाँकी- अपठित ज्ञान-ज्योति, संस्कृत निबंधालोक

स्नेह के बंधन और खाली पिंजरा (उप०), नव साह लोक चरित, तूफान के तिनके (उप०) ; अप्र० सूरशतकम्, जीवन-पथ की खोज ; वि० 'शिवपुराण में दर्शन-तत्व' विषय पर शोध ; प० विष्णुनारायण इण्टर कालेज, लखनऊ।

जितेंद्रकुमार—ज० '३६, शि० मैट्रिक, साहित्यालंकार ; सा० संचा०-संपा० साप्ता० 'हिंद' तथा 'जैन समाज' ; श्रीज्ञानप्रकाशन-मंदिर के संचा०; प्र० '५६ में ; प्रका० आज का तेरा पंथ, महात्मा, कम्यूनिस्ट चीन का खूनी पंजा ; प० अभात्र अभियोग समिति, नौहर (राज०)।

जियालाल कौल जलाली—ज० २ नवंबर, १८८५ श्रीनगर ; शि० बी० ए० पंजाब वि० वि०, एम० ए० अँग्रेजी, लाहौर ; सा० '३१ मे दै० 'मार्तंड' के प्रकाशन तथा काश्मीरी पंडित युवक सभा की स्थापना में सहयोग, लगभग दस वर्ष तक काश्मीरी पंडित सभा जम्मू एवं अखिल काश्मीरी पंडित सभा के प्रधान, सरकारी - लिपि - समिति के सदस्य रहकर काश्मीरी भाषा को देवनागरी लिपि मे लिखने का सुझाव दिया, '५० में असिस्टेंट गवर्नर के पद से रिटायर, 'रिटायर्ड गजेटेड आफिसर्स एसोसिएशन' जम्मू काश्मीर के प्रधान, काश्मीरी-हिंदी-कोश-समिति के प्रधान ; प्रका० स्फुट; अप्र० हीमाल (अनु० नाटक); वि० अँग्रेजी एवं काश्मीरी मे भी कई पुस्तके लिखी हैं ; प० जलाली निवास, करण नगर, श्रीनगर।

जी० पी० श्रीवास्तव—ज० २३ अप्रैल, १८९०, छपरा, सारन ; शि० बी० ए०, एल-एल० बी०, प्रयाग वि० वि० ; सा० '४४-'४८ तक गोंडा मे रेवेन्यू अफसर, द्विवेदी-मेले मे परिहास सम्मे० के सभा०, '४६ से वकालत कर रहे हैं ; प्र० '११ में; प्रका० लंबी दाढ़ी, मीठी हँसी, नोकझोंक, मार-मार कर हकीम, आँखो में धूल, लतखोरीलाल, दुमदार आदमी, गंगा-जमुना, कम्बख्ती की मार, दिलजले की आह, स्वामी चौखटानंद, भड़या अकिल बहादुर, लोक-परलोक, बौछार, तोपसिंह, एकलौता जूता ; वि० '१४ मे 'इंद्र-भूषण' स्वर्णपदक एवं 'कारोनेशन पदक' और '२२ में 'गल्पमाला' रजतपदक प्राप्त, 'हास्य-सम्राट' की उपाधि ; प० वकील, गंगा-आश्रम, गोंडा।

जीवछ ठाकुर, 'जीवन'—ज० '२८ ; शि० एम० ए० ; सा० अध्यक्ष साहित्य-सदन कमतौल, भूत० संपा० 'हुंकार' पटना, बिहार हिं० सा० सम्मे० की स्थायी समिति के सद०, संस्था० 'जीवन अध्ययन-मंडल' पटना, प्रतिनिधि अ० भा० हिं० साहित्य सम्मे० पटना ; प्र० '४६ में ; प्रका० वीर जवाहर, नेता जी सुभाष बोस, भारत में स्थानीय स्वायत्त शासन, नागरिक शास्त्र

तथा आधुनिक समस्याएँ ; अप्र० एशियाई राष्ट्रों की अँगड़ाई, प० हूँकार प्रेस, पटना १। (२) प्रखंड विकास अधिकारी, आमस, शेरघाटी, गया।

जीवनलाल वर्मा, 'विद्रोही'—ज० २९ अप्रैल, १९१५ जबलपुर, शि० मैट्रिक ; प्र० '३७ में ; प्रका० चरवाहा तथा अन्य व्यंग्य-प्रधान रचनाएँ, प० ३०१४, साउथ टी० टी० नगर, भोपाल।

जुगमंदिर तायल—ज० १६ नवंबर, '३६ ; शि० जयपुर तथा अलवर, सा०रत्न में सर्वप्रथम आने पर 'श्रीधर-स्वर्णपदक' प्राप्त ; प्र० '५० में, प्रका० लगभग डेढ़ दर्जन पुस्तकें एवं स्फुट रचनाएँ ; अप्र० राजस्थान के कवि, राजस्थानी कहानियाँ ; प० मालन की गली, अलवर (राज)।

जुगुलकिशोर जगर—ज० ३ अक्टूबर, '३२ ; शि० मैट्रिक, विशारद सा० '४९ में 'अमर ज्योति - मंडल' के संयोजक, '५०-'५७ तक 'कलाकार मंडल' के प्रचार-मंत्री, '५३-'५५ तक म० प्र० हिं० सा० सम्मे० के सद०, 'नर्मदा हिं०सा०सम्मे०' के संगठनकर्ता, '५५ में मा० 'मुकुल' के सह-संपा०, मा० 'मधुर बेला' के प्रधान संपा० तथा सिनेपाक्षिक 'ललकार' के साहित्य संपा०, '५२ में 'चिल्ड्रेन फिल्म्स सोसाइटी' के दो वर्ष तक सह-मंत्री, '५९ से 'डाक विभागीय समाज कल्याण बोर्ड' के प्रमुख-सचिव, 'जबलपुर समाज कल्याण परिषद' के संस्था० सचिव ; प्र० '५२ में ; प्रका० छह पुस्तकें ; वर्त० लिपिक राइट टाउन पोस्ट आफिस, जबलपुर ; प० १४१, सराफा, जबलपुर।

जेठालाल जोशी—ज० २६ अगस्त १८९८ ; शि० 'विनीत' गुजरात विद्यापीठ '२२, विशारद '२८ ; सा० संपा० त्रैमा० 'राष्ट्रवीणा', गत बीस वर्षों से गुजरात राष्ट्रभाषा-प्रचार-समिति के संचा०, गुजरात वि० वि० के 'हिंदी बोर्ड' के सद०, सम्मे० प्रयाग, ना० प्र० सभा काशी, राष्ट्रभाषा-प्रचार-समिति-वर्धा, गुजरात विद्या सभा तथा गुजरात साहित्य-सभा के सद०, महात्मा गाँधी आश्रम, कुशलगढ़ के अध्यक्ष ; प्र० '३८ में ; प्रका० राष्ट्र भाषा-परिचय, राष्ट्रभाषा व्याकरण और रचना, राष्ट्रभाषा पाठावली के संयुक्त लेखक; प० राष्ट्रभाषा हिंदी-भवन, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद —६।

जे० पी० पांडेय—ज० १० दिसंबर, '२५ ; शि० उदयपुर ; प्र० '६१ में ; प्रका० बुनियादी शिक्षा-सिद्धांत एवं गणित की चार पुस्तकें, प० (१) द्वारा श्रीलालशंकर पांडेय, नानीगली, उदयपुर। (२) पब्लिक स्कूल, बीकानेर।

जोगेंद्र सक्सेना—ज० '१९, बूँदी ; शि० बी० ए० '४३ आगरा वि० वि० एल-एल० बी० '४८ सागर वि० वि०, विद्यावाचस्पति अजमेर ; भवन-निर्माण-कला संग्रहालय-संबंधी अध्ययन बूँदी में, सा० '४४-'४६ तक बूँदी राज्य-

प्रजा-परिषद के उपसचिव, समाज-सेवा-संघ के सचिव, बूँदी राज्य कर्मचारी संघ के सभा० '४६, नेता 'हमीतो प्रदेश' बूँदी, '४६-'५० मंत्री बूँदी जिला कांग्रेस-समिति, हि सा समिति का संगठन तथा उसके सद , मंत्री पब्लिक लाइब्रेरी बूँदी, सह-संपा 'राष्ट्रदूत', संपा० मा० 'प्रामोत्थान', क्षेत्रीय संपा० मा० 'फोकलोर' कलकत्ता ; प्र० '४२ ; प्रका भवन-निर्माण-कला, प्रदर्शनी तथा चित्रकला संबंधी अनेक पुस्तकें तथा स्फुट निबंध-कहानी आदि ; प० (१) तिलक चौक, बूँदी (राज०) । (२) इंचार्ज साइ स पेवीलियन एग्जीविशन ग्राउंड्स, मथुरा रोड, नयी दिल्ली—१ ।

जोधसिंह मेहता—ज० १६ मार्च, १६०८ ; शि० बी ए० एल-एल० बी० प्रयाग वि० वि० ; प्र '३१ , प्रका० रोवर स्काउटिंग '३१, चित्तौड़गढ़ '४२-'४४, आदि निवासी भील '५४ ; वि अँगरेजी में भी कई ग्रंथ लिखे हैं ; प० (१) मालदास मार्ग, उदयपुर । (२) सब डिविजनल आफिसर, गुलाबपुरा, भीलवाड़ा (राज०) ।

ज्योतिप्रकाश सक्सेना—ज० २३ नवंबर, '३१ ; शि० एम० ए ; सा० संस्था० तथा मंत्री 'प्रजा-मंडल' छतरपुर, संपा० 'सर्जना' ; प्र० '४८ में; प्रका० स्फुट रचनाएँ अप्र० काव्य-मौलिश्री, ओस और अंगार, दिशा बोध, लाल पीला और सफेद (कहा०), विंध्यप्रदेश : एक आर्थिक परिचय, एक मुट्ठी चावल और दो हाथ, भारत की खाद्य समस्या आदि ; वि० जनसंख्या-समस्या पर शोध-कार्य; प० अध्यक्ष अर्थशास्त्र विभाग, छत्रसाल महाविद्यालय, पन्ना ।

ज्योतींद्र प्रसाद झा, 'पंकज'—ज० '१८ , शि० एम ए०, साहित्यालंकार, देवघर एवं भागलपुर, सा० '६० में 'पंकज गोष्ठी' के सभा० ; प्र० '३८ में ; प्रका० कवि० : स्नेह दीप '५८, उद्‌गार '६२ ; प० प्राध्यापक, संताल परगना कालेज, दुमका, बिहार ।

ज्वालाप्रसाद श्रीवास्तव—ज० '११ डलमऊ ; शि० मैट्रिक, बस्ती ; सा० उ० प्र० मिनिस्टीरियल कर्मचारी संघ के मंत्री, संपा० त्रैमा० 'कलक्टेट' पत्रिका, 'रायबरेली का इतिहास' के सरकारी लेखक पद पर तीन वर्ष कार्य ; प्रका० स्फुट लेख आदि ; प० निकट स्टेट बैंक, रायबरेली ।

ज्ञान अस्थाना, श्रीमती—ज० २८ दिसंबर, '३० ; शि० एम० ए० (प्रथम श्रेणी में प्रथम) '५२ ; प्र० '४७ में , प्रका० स्फुट कहानियाँ ; वि० पी-एच० डी० उपाधि के लिए शोध-प्रबंध 'सबमिट' किये एक वर्ष हो चुका है ; प० हिंदी प्राध्यापिका, उस्मानिया वि०वि०, हैदराबाद ।

ज्ञानचंद जैन—ज० ८ फरवरी, '१६ ; शि० एम० ए० प्रयाग वि० वि० एल एल० बी० आगरा वि० वि० ; प्रका० '३६ में ; प्रका० कहानी-कला (सह-लेखक), संपा० मीरा की प्रेम-साधना, संसार की सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ, स्त्रियों की समस्याएँ (सहसंपा), स्वाधीनता का सिंहनाद (श्री मोतीलाल नेहरु के लेख) ; अनु० यौवन की भूल, योरोप की सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ, पूनो की रात ; प० समाचार - संपादक, 'नवजीवन', कैसरबाग, लखनऊ।

ज्ञानचंद जैन, वैद्य—ज० '२८, इटावा ; सा० 'हृदय', 'प्रतिमा', 'नवीन भारत', 'स्वास्थ्य - दर्पण' एवं 'महावीर' के संस्था० तथा संपा०, श्री ज्ञानचंद्र जैन वैद्य उच्च माध्यमिक विद्यालय के संस्था० एवं संचा० ; प्रका० स्फुट रचनाएँ ; वि० 'मार्तंडवैद्यराज' उपाधि ; प० व्रेहड, इटावा।

ज्ञानीदास—ज० २१ नवंबर, '३० सूवा, फीजी ; शि० फीजी, सा० भूत० संपा०मा० 'तारा', त्रैमा० 'ज्ञान' (बालो०) ; प्रका० भारतीय उपनिवेश-फीजी, फीजी गल्पिका, गुप्त शक्तियाँ ; वर्त० मुद्रक-प्रका० तथा संपा० त्रैमा० 'झंकार' तथा त्रैमा० 'फीजी-सिनेमा-संगीत' ; वि० फिजी के कर्मठ हिंदी-प्रचारक; प० तारा प्रेस, तसीनू, जी० पी० ओ०, सूवा, फीजी।

झूमरलाल वर्मा—ज० '१६ नागौर ; प्रका० नवनीरज, श्री हनुमान नवरत्नावली, दोहा-चौबीसी, झूमर-भजन मंजरी (दो भाग), सोलहा सरोज, चौदहारत्न, बिखरे मोती, सरोज; प० विराटनगर (नैपाल), जोगबनी, पुरणिया।

झब्बूलाल सुल्तानिया, 'अज्ञात'—ज० '२२ नौघडा, कानपुर ; शि० देवरिया, गोरखपुर एवं कानपुर, एम० ए० हिंदी, आगरा वि० वि '४५, बी० ए० में श्रीमतीधनदेवी कपूर पदक प्राप्त ; सा० संवादसंपा० दै० 'प्रताप' कानपुर '४४-'४८ तक, सहासंपा० सा० 'श्रमजीवी' '४८-'५७ तक, संपा० 'लेदर बुलेटिन' (अँग्रेजी), प्रका० घर की ओर (उप०) '४६, अमृतकन्या (उप०) '५१, मरघट (उप०) '५२ ; अप्र० नाट० : तूफान, नौका और घाटी, आग और फुहार, जुगनू (कहा०), कारवाँ (कवि०) ; वि० 'अमृतकन्या' पर उ० प्र० सरकार की ओर से ६००) का पुरस्कार प्राप्त '५२, 'बंगला, मराठी और गुजराती रंगमंच के संदर्भ में हिंदी मंच का अध्ययन' पर शोधकार्य; प० छायालोक, १११-ए।१८३, अशोकनगर, कानपुर।

टहलराम आजाद—ज० १२ अगस्त, '२६ ; शि० मैट्रिक, कोविद, विशारद ; सा० '४२ के स्वतंत्रता-आंदोलन में दो बार कारावास, प्रगतिशील - समाज, राष्ट्र - भाषा - प्रचार समिति आदि में सक्रिय कार्य, 'बालकन जी बारी' के मंत्री, सहसंपा० 'अर्चना', कई पत्रों के संवाददाता

प्रका० (डा० वृन्दावन लाल वर्मा के) झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई का सिंधी अनु०, विश्वास (सिंधी उप० का अनु०), आरोग्य-निकेतन (अनु०); अप्र० झाँसी की रानी का उर्दू अनु० ; वि० साहित्य अकादमी द्वारा १४००) का पुरस्कार प्राप्त ; प० गुदरी सूत बाजार, नाई की मंडी, आगरा ।

टेकचंद गुप्त—ज० १५ अगस्त, '२५ कौल, करनाल ; शि० सा० रत्न '५६, सम्मे० प्रयाग ; सा० '५४ से सनातन धर्म स्कूल के अध्यापक, '५७ में सरस्वती शिशु मंदिर की स्था०, '५५ में 'साधना' पत्रिका के संपा०, '६२ में साप्ता० 'देहरासमाचार' का संपा०, हिंदी-साहित्य समिति के मंत्री, भारतीय लेखक संघ के भूत० पदाधिकारी, दुकानदार समिति के आठ वर्षो से मंत्री, प्र० '५२ में; प्रका० पत्रलेखन '५७, सोए खँडहर जागे (कहा०) '६०, व्याकरण '६१, मातृभूमि, पुराना कंठ नई हुंकार '६३ ; अप्र० सुबह हुई अँधेरा क्यों ? (उप०) ; वि० कुछ कहानियों का अनु० अँग्रेजी, उर्दू, बँगला, गुजराती एवं मराठी में हो चुका है; प० ३७ झंडाबाजार, देहरादून ।

ठाकुरदत्त शर्मा, 'पथिक'—१२ अप्रैल, '२६ ; शि० देहरादून और सहारनपुर ; सा० संस्था० साहित्य सलिला परिषद् '५२, संपा० सा० 'साहित्य सलिला' एवं 'आत्म-दर्शन' ; प्र० '५२ में ; प्रका० खेल खेल में शिक्षा, आदि कवि वाल्मीकि, कबीर '५६ ; अप्र० चार संग्रह; प० टी० सी० जैन कम्पाउंड, कोर्ट रोड, सहारनपुर ।

ठाकुरप्रसाद शर्मा—शि० एम० ए०, एल-एल० बी० '२१ प्रयाग वि० वि० ; सा० मैनपुरी षडयंत्र केस में '१८-'१९ में बंदी तथा '२१-'२२ में असहयोग आंदोलन में कारावास, फीरोजाबाद नगर पालिका के सद० तथा बनारस नगरपालिका में २१ वर्ष तक एग्जीक्यूटिव आफिसर ; प्रका० स्फुट कविताएँ ; प० नाथाश्रम, मलदहिया, वाराणसी ।

ठाकुरप्रसाद शर्मा वैद्य—ज० '२० , शि० सुजानगढ़, भिवानी एवं बीकानेर ; आयुर्वेदाचार्य ; सा० 'श्रीराजस्थान प्रदेश वैद्य-सम्मेलन पत्रिका' के लगभग दो वर्ष तक संपा०, 'श्री रामस्नेही संप्रदाय' नामक संत साहित्य पुस्तक के संपादक-मंडल में, सनातन धर्म आयुर्वेद कालेज बीकानेर के प्राध्यापक, गत १० वर्ष से बीकानेर जिला वैद्य सभा के प्रधान मंत्री, दो वर्ष से राजस्थान प्रदेश वैद्य सम्मे० के मंत्री, 'बोर्ड आफ इंडियन मेडिसिन' राजस्थान के भूत० उपाध्यक्ष तथा सद० ; प्रका० (सहसंपा०) श्रीरामस्नेही-संप्रदाय '५९, प० श्री स्वामी केवलराम आयुर्वेद सेवानिकेतन, बीकानेर ।

ठाकुरेंद्र साथी—ज० २० नवबर, '२० ; शि० हिंदी रत्न-पजाब, विशारद सम्मे० प्रयाग ; सा० 'नारद', 'प्रभाकर' एव 'आजाद हिंद' के संपा० मडल के सद०, मुंगेर साहित्य परिषद एव अचल पंचायत-परिषद के मत्री, प्र० '४० मे ; प्रका० स्फुट कहानियाँ ; प० फरदा, जमालपुर अचल, मुंगेर।

डोमन साहु, 'समीर'—ज० '२४ जून, '२४ ; शि० बी० ए० आनर्स, विशारद ; सा० सप० संताली साप्ता० 'होड़-सोम्वाद', बिहार-राष्ट्रभाषा-परिषद पटना की संताली समिति के सद०, संताल-परगना-हिंदी सा० सम्मे० के मत्री, प्रका० सेदाय गाते, दिसाम बाबा (राष्ट्रपिता), संताली प्रवेशिका (दो भाग), महात्मा गाधी, आकिल मारमाल, संताली साहित्य, ओलमडा, पोड़ गोड़ारे ; वि० संताली भाषा के लिए देवनागरी लिपि में सुधार ; प० संपा० 'होड़ सोम्वाद', पार्वती-कुटीर, वैद्यनाथ देवघर, संताल परगना।

तनसुखराम गुप्त—ज० २५ अगस्त, '२८ ; शि० दिल्ली ; सा० हिंदी अध्यापक परिषद के मत्री ; संचा० 'प्रबोधक' ; प्र० '४५ में ; प्रका० तीन कहानियाँ '४२, गोदान के समालोचनात्मक प्रश्न '४८, मुक्तिपथ : एक विवेचन '५३, निबन्ध-रत्न '५६, प्रबन्ध-पराग '६१, नूतन हिंदी व्याकरण '६१, चितन (संस्मरण)' ६२, जीवन के कुछ क्षणों में, भारतीय महापुरुष (भाग १); प० सूर्य प्रकाशन, नई सडक, दिल्ली।

'तन्मय' बुखारिया—ज० २४ जनवरी, '२१ , शि० एम० ए०, एल-एल बी०, सा०रत्न ; सा० नगरपालिका के शिक्षाध्यक्ष, जिला-बाल-कल्याण समिति के उपमंत्री, वर्णी जैन इंटर कालेज के प्रबंधक सचिव, पाँच वर्ष वकालत की, स्वतन्त्रता-आदोलन में दो बार कारावास ; प्र० '४८ मे ; प्रका० कवि आहुति, पाकिस्तान, मेरे बापू, प्रह्लाद, लालपद्मधर सिंह ; अप्र० तीन कविता-संग्रह; वर्त० सागर वि० वि० मे 'भारतेंदु-कालीन नाटकेतर गद्यसाहित्य' पर शोध-कार्य ; प० ललितपुर, झाँसी।

तपेश्वरचंद त्रिवेदी—ज० '२० ; शि० शास्त्री, साहित्यालकार ; सा० भूत० सहसपा० मासि० 'रसघट', 'गगा' एव 'बीसवी सदी', साप्ता० 'गाधी-संदेश' एव पाक्षि० 'सम्मेलन-संदेश', नगर कांग्रेस समिति के मत्री '३७-'४२, बिहार सम्मे० की स्थायीसमिति के सद० '३६-'५४, प्रका० कालिंदी (कवि०) '४५ ; अप्र० हेमत (कहा०), पूर्णिमा, आलोक, निबधावली ; प० (१) गोड्डा, नारापुर, भागलपुर। (२) वनस्पतिविभाग, रोहतास इंडस्ट्रीज, डालमियानगर।

तपेश चतुर्वेदी—ज० १ फरवरी, '२८ गोरखपुर ; शि० एम० ए० अँग्रेजी तथा हिंदी ; सा० संपा० मा० 'युवक' आगरा ; प्र० '५१ मे ; प्रका०

सूर-सूर, तुलसी-ससी ५१, विनय-पत्रिका-दर्शन '५४, अजातशत्रु में प्रसाद की नाटयसाधना '५६, झाँसी की रानी का आलोचनात्मक अध्ययन '६१. सरल भाषा-विज्ञान ; वर्त० अँग्रेजी प्राध्यापक राधास्वामी एजूकेशनल इन्स्टीट्यूट, आगरा; प० २०, विजयनगर कालोनी, आगरा ।

तारकेश्वरप्रसाद—ज० ८ नवंबर, १९०८ ; शि० मोतिहारी ; मा० संपा० मा० कहानीपत्रिका 'कुजगली' ; वार्षिक 'वार्षिकी' एवं त्रैमा० 'अर्घ्य' के संपा-मंडल के सद , मोतिहारी के नवयुवक पुस्तकालय एवं भारतेंदु साहित्य संघ के संस्था०, चंपारन रिसर्च सोसाइटी' के अधिष्ठाता ; प्रका० स्फुट कहानियाँ , प० अमलापट्टी, मोतिहारी, चंपारन ।

तारकेश्वरप्रसाद वर्मा—ज० १८ जनवरी, '१२ ; शि० बी० ए० आनर्स एम० ए० (हिंदी), पटना वि० वि० ; मा० भूत० संपा० 'रश्मि' और 'प्रभात', स्थानीय हिंदी-प्रचार-सभा एवं सारन-हिंदी-प्रसार सभा के भूत० सभा०, प्रका० बिहार-विभाकर, संसार के बालक, चंदा मामा, संसार के सच्चे सपूत, मनहर खेल, पशु-पक्षियों की कहानियाँ, विद्यार्थी गाँधी, विचित्र यात्रा, नाच गाओ, पुस्तक की परियाँ आदि; अप्र० छह-सात बालो० पुस्तकें ; प० (१) कृष्ण कुटीर, शंकर नगर, रमना, मुजफ्फरपुर । (१) हिंदी-प्राध्यापक, बहु-उद्देशीय जिला स्कूल, आरा, शाहाबाद ।

तारकेश्वर मैतिन—ज० २४ फरवरी, '३८ ; शि० बी० काम०, गया कालेज, एम० काम० (स्वर्णपदक प्राप्त) पटना वि० वि० ; प्र० '५५ से ; प्रका० स्फुट कविता-कहानियाँ ; वि० अँग्रेजी में भी लिखते हैं ; प० (१) ४५ कृष्ण प्रकाश पथ, गया । (२) प्राध्यापक, वाणिज्य विभाग, पटना कालेज, पटना ।

ताराकांत मिश्र—शि० बी० ए० आनर्स '५३, पटना कालेज पटना, एम० ए० हिंदी, कलकत्ता वि० वि० '५६, साहित्यरत्न '५५ सम्मे० प्रयाग ; प्र० '५५ से ; प्रका० ध्रुवस्वामिनी : एक दृष्टि तथा स्फुट कहानियाँ , अप्र० ध्रुवस्वामिनी का मैथिली अनु०, इंसान मर चुका (नाट०), मीरा : एक गवेषणात्मक अध्ययन, साहित्य-दर्शन, महाकवि विद्यापति ; प० अध्यक्ष हिंदी विभाग, आर० आर० डिग्री कालेज, जनकपुरधाम, जयनगर, दरभंगा ।

ताराचंद कांत—ज० ११ जुलाई, '२८ ; शि० मेरठ, सहारनपुर ; सा० दै० 'नेताजी' दिल्ली के संपादकीय विभाग में कार्य तथा अनेक पत्रों के भूत० संपा०, साहित्य-सलिला परिषद के पदाधिकारी ; प्र० '४८ में ; प्रका० स्फुट कहानियाँ लेख आदि ; प० रानीबाजार, इमलीतला, सहारनपुर ।

ताराचंद हारित—ज० '२१ ; शि० मध्यमा, आयुर्वेदाचार्य ; सा० प्रगतिशील साहित्यकार परिषद मेरठ के प्रधान; प्र० '५८ से; प्रका० दमयंती (महा०) '५८ ; अप्र० आर्यशिमाली, शिवराज (महा०), जय जवाहर (महा०), एवं तीन काव्य-संग्रह; वि० 'दमयती' पर उ० प्र० शासन द्वारा ४००) का पुरस्कार प्राप्त० , प० शिवाया, दौराला, मेरठ ।

तारा पांडेय, श्रीमती—ज० दिसंबर '१५ ; जा० अँगरेजी और बँगला; सा० 'यू० पी० एजूकेशन कमेटी' की सभानेत्री , २० वर्ष तक नैनीताल नगर-पालिका की सदस्या एवं विभिन्न पदों पर कार्य, नैनीताल में महिलाशिल्पकला की स्थापना, राज्य-समाज-कल्याण-सलाहकार बोर्ड उ० प्र० की सदस्या, '३९-'४० तक 'हल' के संपा० मंडल मे काश्मीर सरकार की ओर से ; प्र० '२९ में ; प्रका० सीकर (कवि०) '३४, शुकपिक '३५, उत्सर्ग (कहा०) '३६, वेणुकी '३९, आभा '४२, पावस, वल्लकी '६३ आदि तेरह काव्य-संग्रह ; वि० 'आभा' पर '४२ में सेक्सरिया पारितोषिक प्राप्त ;प० साकेत, नैनीताल।

तारामनोहर वागड़देव पोतदार, श्रीमती—सा० '४८ आकाशवाणी में महिला कार्यक्रम की भूत० संचा०, नागपुर वि० वि० के 'बोर्ड आफ स्टडीज', 'सबजेक्ट कमेटी फैकल्टी आफ आर्ट्स' आदि की सद० ; प्रका० रेखा और विंदु (कहा०) '५१ ; वर्त० हिंदीविभागाध्यक्षा, लेडी अमृतबर्ज डागा कालेज, नागपुर ; प० १३, बिजली नगर, सदर, नागपुर ।

तारिणीचरणदास, 'चिदानंद'—ज० ११ दिसंबर, '२९ , शि० एम० ए० हिंदी '५४ काशी वि० वि०, सा० '५४-'५६ तक राष्ट्रभाषा-प्रचार-सभा कटक में, '५६ से छह वर्ष तक हिंदी ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट कटक के अध्यक्ष ; प्र० '५२ में ; प्रका० मन की बातें '५४, कला और साहित्य '५९ ; वि० 'उड़िया' के कुशल लेखक, प्रजातंत्र-प्रचार-समिति कटक द्वारा उड़िया तथा हिंदी लेखक के रूप में सम्मानित ; प० हिंदी विभाग, रेवेंस कालेज, कटक—२ ।

तिलकधारी साह—ज० ८ अप्रैल, '२६ इटावा, जमालपुर; बी० ए० '४५ भागलपुर, एल-एल० बी० ला कालेज पटना; प्र० '४२ में; प्रका० कालि-दास (महा०) '६१; अप्र० अपराजिता (प्रबंध०), कोणार्क (खंड०), मेघदूत (अनु०); प० (१) इटावा, धरहरा, मुंगेर । (२) सदर कोर्ट, दुमका ।

ति० शेषाद्रि—ज० १४ जून, '१६; शि० एम० ए० हिंदी, मद्रास वि० वि०, विशारद; प्रका० स्फुट एकांकी, लेख एव कहानियाँ; प० भारती नीला-थम रोड, सुब्रामनीपुरम (एक्सटेंशन), मदुराई ११ ।

तुलराम गोपाल—ज० २१ जनवरी '३४ शि० बिलासपुर और अजमेर सा० मंत्री हि० सा० समिति जांजगीर ; प्र० '६२ में ; प्रका० बलिदान '६२ ; अप्र० सूना मंदिर (खंड०), प्राण वीणा (कवि०) एवं दो संग्रह; प० सूना मंदिर, जाँजगीर, बिलासपुर।

तुलाराम जोशी—ज० '१७ ; शि० एम० ए० संस्कृत, साहित्याचार्य, आयुर्वेद-विशारद ; सा० राज० सा० समिति, बिसाऊ की शोध पत्रिका 'वरदा' के प्रका० , प्रका० स्फुट लेख ; वि० राज० गीतों में रामकथा का संपा० ; प० प्रबंध-संपा० 'वरदा', राजस्थान साहित्य समिति, बिसाऊ (राज०)।

तेजकुमारदेव 'निर्मोही'—ज० ११ जुलाई, '३८ ; शि० स्नातक, साहित्य-सुधाकर बंबई ; प्र० '५२ में ; प्रका० चलती चक्की, विक्रम की कथाएँ, भोजराज की कथाएँ, कालिदास की कथाएँ, मालवी कहावतें, मालवी प्रहेलिका ; म० प्र० के लोकनृत्य एवं लोक कथाएँ, आदिवासी लोकगीत, लोक-साहित्य ; वि० 'चलती चक्की' पर केंद्रीय सरकार के वैज्ञानिक अनुसंधान विभाग द्वारा पुरस्कार, म० प्र० पंचायत-समाज सेवा विभाग द्वारा 'लोककथाओं' पर तथा जिला स्तरीय कवि-सम्मेलन में राष्ट्रीय-कविता पाठ पर ५००) का पुरस्कार प्राप्त ; वर्त० संपा० दै० 'नव-प्रभात' ; प० ४८ सती मार्ग नं० १, उज्जैन।

तेजनारायण लाल, डा०—ज० २ फरवरी, '२०, निर्मठी, आनंद-पुर, दरभंगा , शि० बिहार विद्यापीठ, सदाकत आश्रम पटना '३८, शास्त्री तथा पत्रकारकला, काशी विद्यापीठ '४५, एम० ए० हिंदी, आगरा वि० वि० '५०, एल० टी० ५८, पी-एच० डी० नागपुर वि० वि० '६०, पी-एच० डी० के शोधकार्य-हेतु बिहार सरकार द्वारा ५००) की छात्रवृत्ति प्राप्त , सा० '४६ से द० भा० हिं० प्र० सभा मद्रास में हिंदी-प्रचार-कार्य एवं सभा द्वारा संचालित विजयवाडा, तिरुचि एवं मद्रास में प्रधानाचार्य पद पर कार्य, '४१ में व्यक्तिगत सत्याग्रह एवं '४२ में स्वतंत्रता-संग्राम में कारावास . 'राष्ट्रवाणी' और 'नवशक्ति' में कुछ समय तक उपसंपा० , 'बिहार के अगस्त आंदोलन के इतिहास' में सहसंपा० ; प्रका० कवि० : मधुज्वाल '४२, युगनाद '४६, मैथिली लोकगीतों का अध्ययन (शोध-प्रबंध) '६२ ; अप्र० कालिंदी और मशाल (कवि०), परिचिता (उप०) ; वि० 'हिंदी और तेलुगु व्याकरणों का तुलनात्मक अध्ययन' पर डी० लिट० उपाधि के लिए आगरा वि० वि० में शोधकार्य ; प० सेंट्रल इंस्टीट्यूट आफ हिंदी टीचिंग एंड रिसर्च, २, विजयनगर कालोनी, आगरा।

तजवहादुर डा० ज० ०४ मई १८ शि० एम० ए० वि० वि० सा० रत्न सम्म० प्रयाग ५१, जो बी० एस-सी० कलकत्ता '४१, बी० वी० एस-सी० ऐंड ए० एच० आगरा वि० वि० '५४, एल० डी० ए० एच० आइजटनगर '६२ प्र० '४० में ; प्रका० कहा० : हृदय के टुकड़े , उप० : निराशा, वह चित्रहीना थी, आधी रात तथा ३०० के लगभग कहानियाँ एवं स्फुट रचनाएँ , प० प्रधानाचार्य, पशुसेवक प्रशिक्षण केंद्र, हस्तिनापुर, मेरठ।

त्रिभुवन चतुर्वेदी—ज० ६ अगस्त, '२८ , शि० एम० ए०, विशारद , प्र० '४८ में , प्रका० क्षमा कीजिए (निबंध) ; अप्र० प्रथम चरण (काव्य०), खंडित मूर्ति (उप०) ; वि० काव्य-रचना पर राज० शासन द्वारा २५०) पारितोषिक; प० व्याख्याता राजर्षि कालेज, २, आनंद-कुंज, अलवर (राज०)।

त्रिभुवनपति सिंह—ज० १ मार्च, '५२ , जा० अँग्रेजी तथा बँगला ; सा० सहसंपा० दै० 'जागृति', हावड़ा, 'विश्ववंधु' कलकत्ता तथा नवभारत टाइम्स' , प्रका० उप० : श्यामा, मृगनयनी, मृगछाला, शहीद की समाधि तथा लगभग एक हजार लेख और कहा० ; वर्त० संपा० दै० 'लोकमान्य' कलकत्ता , प० २५, मैकेंजी लेन, घास बागान, हावड़ा।

त्रिभुवनसिंह, डा०—ज० ३१ जुलाई, '२८ शिवपुर, जौनपुर ; शि० एम० ए० '५५, पी-एच० डी० '५८ काशी वि० वि० , सा० '४२ के राष्ट्रीय आंदोलन में कारावास, आजमगढ़ जिला बोर्ड के सद०, पब्लिक इंटर कालेज शाहगंज की प्रबंध समिति के आठ वर्षों से अध्यक्ष ; प्रका० रोदन (काव्य) '५२, हिंदी उपन्यास और यथार्थवाद '५५, आधुनिक हिंदी कविता की स्वच्छंदधारा '५६, दरबारी संस्कृति और हिंदी मुक्तक '५८, महाकवि मतिराम (शोधप्रबंध) '६०, ऐतिहासिक उपन्यासों की सीमा और बाण भट्ट की आत्मकथा '६२, भीष्म (प्रबंध मुक्तक) '६२ , अप्र० नये स्वर (काव्य), वि० उ० प्र० सरकार द्वारा हिंदी उपन्यास और यथार्थवाद, आधुनिक हिंदी कविता की स्वच्छंद धारा, दरबारी संस्कृति और हिंदी मुक्तक तथा महाकवि मतिराम पुरस्कृत, प० प्राध्यापक, हिंदीविभाग, वि०वि०, वाराणसी।

त्रिभुवनसिंह चौहान, 'प्रेमी'—ज० ९ मार्च, '३४, निमाड़ , शि० इंटरमीडिएट, सा०रत्न, विज्ञानरत्न (कृषि) सम्मे० प्रयाग ; प्र० '५५ में ; प्रका० विकास-गीत '५८ ; अप्र० निर्झर एवं दो गीत-संग्रह ; वि० निमाड़ी एवं भीली क्षेत्रीय भाषाओं में भी लिखते हैं, कुछ संग्रहों में गीत संकलित हुए हैं ; प० प्रेमी प्रकाशन मंदिर, मंडलेश्वर, प० निमाड़।

त्रिलोकीनाथ ब्रजलाल—ज॰ '३२ ; शि॰ बी॰ ए॰, सा॰रत्न, मथुरा तथा बरेली ; प्र॰ '४८ में ; प्रका॰ गीत मेरे, गीत तेरे (गीत) '६०, एक डाल तीन फूल (गीत॰) '६१ ; अप्र॰ भग्न दुर्ग (खंड॰), कल्पना के चित्र (गीत॰); वि॰ कुछ बालो॰ पुस्तकें भी प्रकाशित हुई है , प॰ (१) गली कसेरान, मंडी रामदास, मथुरा । (२) पिलानी (राज॰) ।

त्रिलोकीनारायण दीक्षित, डा०—ज॰ '२० ; शि॰ एम॰ ए॰, एल-एल॰ बी॰, शास्त्री, पी-एच॰ डी॰, डी॰ लिट, लखनऊ वि॰ वि॰ ;कुछ समय तक मुरादाबाद के डिगरी कालेज मे हिंदी विभागाध्यक्ष रहे ; '४७ से लखनऊ वि॰ वि॰ में प्राध्यापक : आजकल रूस के मास्को वि॰ वि॰ में हिंदी के प्रोफेसर हैं ; प्र॰ मीरा '४२ में . प्रका॰ हिंदी साहित्य का इतिहास (सहलेखक), संतदर्शन. प्रेमचंद, सुंदर-दर्शन, भाषा-भारती, चरनदास, अवधी भाषा और उसका साहित्य, पश्चिमी साहित्य, एकाकी कला (सहलेखक). हिंदी संत-साहित्य ; अप्र॰ बैसवारी और उसका साहित्य, लोकगीतो की भूमिका, कबीर, एवं एकाकियो के दो संक॰ ; प॰ हिंदी विभाग. वि॰ वि॰, लखनऊ ।

त्रिलोकीशरण, 'डंठल'—ज॰ १ दिसंबर, '२६ ; शि॰ एम॰ काम , एल-एल॰ बी॰ ; प्रका॰ स्फुट हास्य कविताएँ ; अप्र॰ महापुरुषों के व्यंग्य-विनोद ; वर्त॰ कोर्ट इंस्पेक्टर, रायबरेली , प॰ (१) ५८ मौलवीगंज, लखनऊ । (२) चक अहमदपुर, रायबरेली ।

त्रिवेणीदत्त तिवारी. 'चंचरीक'—शि॰ गोलागोकरणनाथ तथा औरंगाबाद खीरी, सा॰ भूषण ; प्रका॰ पोडषी (कहा॰), राजनारायण मिश्र (जीव॰) ; अप्र॰ दो-दो कवि॰ एव कहा॰ संक॰ ; वि॰ संस्कृत एवं अँगरेजी में भी लिखते हैं ; प॰ (१) अपरहा, जडौरा, खीरी । (२) सस्कृताध्यापक, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बम्हौरा, सीतापुर ।

त्रिवेणी शर्मा, 'सुधाकर'—ज॰ '२८, मँझियाँवा, गया ; शि॰ पेदिल. कुर्था, बिहार विद्यापीठ एव पटना ; सा॰ '४२ के राष्ट्रीय आदोलन में सक्रिय भाग, '४६ में कुर्था साहित्य परिषद के मंत्री. '४० मे गया जिला प्रगतिशील लेखक संघ के मंत्री, बिहार राज्य जनवादी नौजवान सघ के सस्था॰, '४७ मे गया जिला तरुण साहित्यकार संघ के मंत्री ; प्र॰ '४८ में ; प्रका॰ भारतीय राजनीति और विद्यार्थी '४८, फूल और शूल (कवि॰) '४८, सांप्रदायिक प्रतिक्रियावाद का विषवृक्ष '६१, राष्ट्र की प्रगति के भीतर घातकों की पार्टी '६२ ; प॰ मँझियाँवा, पेदिल, गया ।

दंडमूडि महीधर—ज॰ १५ जनवरी '३० ॰ शि रा॰ ८

सा रत्न , सा॰ मूत॰ सहसंपा॰ : मा॰ 'चंदामामा' तथा मा॰ 'अजंता' ; प्रका॰ स्फुट कवि॰, कहा॰, लेख आदि ; अप्र॰ यूकिलप्टस की डालों के बीच आधा चाँद ; वि॰ तेलुगु पत्रों के भी संपा॰ रहे हैं, तेलुगु में अनु॰ किये हैं और उसमें लिखते भी हैं ; प॰ हिंदी अनुवादक, आकाशवाणी, हैदराबाद ।

दयाचंद जालान—ज॰ २६ नवबर, '१७ ; सा॰ संस्था : मारवाड़ी पुस्तकालय तथा भारतेंदु पुस्तकालय मोतीहारी, प्रबंधसंपा॰ त्रैमा॰ 'अर्घ्य'; प्रका॰ स्फुट कविताएँ ; प॰ पंचमंदिर रोड, मोतीहारी, चंपारन ।

दयाचंद जैन, 'तनय'—ज॰ ११ अगस्त, '१५ ; शि॰ साहित्याचार्य, काशी, जैन-दर्शन-शास्त्री, बबई ; सा॰ अखिल विश्व अहिंसा प्रचार-संघ की सागर शाखा के संयोजक ; प्रका॰ स्फुट लेख ; अप्र॰ भारतीय साहित्य में शाकाहार, अमर भारती (संस्कृत) ; प॰ (१) शाहपुर, सागर । (२) श्रीगणेश जैन संस्कृत डिग्री कालेज, सागर ।

दयादेवी शर्मा, 'कमलेश'—ज॰ १ जनवरी, '३१ , शि॰ मथुरा ; सा॰ ब्रज-साहित्य-मंडल मथुरा की सदस्या ; प्र॰ '४६ में ; प्रका॰ स्फुट कहानियाँ ; अप्र॰ उप॰ उन्नीस सौ बासठ, परिधान ; प॰ द्वारा श्री रामेश्वर उपाध्याय, ३४ चद्रपुरी, गाजियाबाद ।

दयानंद गुप्त—ज॰ १२ दिसंबर '१२ ; शि॰ बी॰ ए॰ आनर्स प्रयाग वि॰वि॰, एल-एल॰ बी॰ '३५ लखनऊ वि॰वि॰ ; सा॰ संस्था॰ : हिंदी परिषद मुरादाबाद, उ॰ प्र॰ बिजली मजदूर संघ एवं बलदेव आर्य कन्या विद्यालय, संपा॰ साप्ता॰ 'अभ्युदय', '५१ में देश के मजदूरों के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन जेनेवा में प्रतिनिधित्व, अखिल भारतीय राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस से संबंधित ; प्रका॰ कहा॰ : कारवाँ, शृंखला ; कवि॰ : नैवेद्य ; अप्र॰ चार संग्रह ; प॰ ऐडवोकेट, सिविल लाइंस, मुरादाबाद ।

दयालगिरि गोस्वामी—ज॰ १९०५ ; शि॰ सा॰ रत्न ; सा॰ भूत॰ अध्यापक महारानी लक्ष्मीबाई उ॰ मा॰ कन्याशाला ; प्रका॰ श्रीमदभगवद्गीता, मरीचिका (गीत), सत्यनारायण-व्रतकथा-माहात्म्य, विष्णुसहस्रनाम, ईशावास्योपनिषद, सत्य और सौंदर्य, नागरिक शिक्षा, भूगोल, अपठित गद्य-साहित्य, बालवंदना ; अप्र॰ चप्पल-जूते, लोकगीतों की अनूठी झाँकियाँ, सामुद्रिकशास्त्र, अमृतसरोवर; प॰ वार्ड नं॰ १३, कल्याण कुटी, बालाघाट ।

दयालशरण, 'आग्नेय'—ज॰ १६ फरवरी, '२९ ; शि॰ आरा एवं आगरा ; प्र॰ ४७ में ; प्रका॰ मगर इंसानियत जिंदा रही (कहा॰) '५८,

मुस्कराते चेहरे मचलते झरने (यात्रा) '६२ अप्र० एक कहानी एवं संस्मरण संग्रह; प० कुशल एन्ड रक्षिसन क०, न्यू डाक बंगला रोड, पटना—१।

दयाशंकर मिश्र, 'सूर्य'—ज० २५ अप्रैल, '१४; जा० हिंदी, अँग्रेजी; सा० भूत०सद० : उ० प्र० प्रांतीय हि०सा०सम्मे० कार्यसमिति तथा सम्मे० प्रयाग की स्थायी समिति, प्रचार समिति, सेवा-समिति, रेडियो-सलाहकारिणी-समिति एवं उ०प्र० प्रांतीय कांग्रेस कमेटी; सद० : उ०प्र० प्रांतीय अग्रगामी संघ कार्यसमिति, अ० भा० फारवर्ड ब्लाक काउंसिल, प्रांतीय प्रगतिशील लेखक संघ; अध्यक्ष : जनपद हिंदी सम्मे० एवं जिला फारवर्ड ब्लाक फतेहपुर, प्रचार मंत्री : जिला कांग्रेस कमेटी फतेहपुर आदि; देश के स्वाधीनता संग्राम में '३० से सक्रिय भाग एवं चार बार कारावास, भूत० संपा० 'स्वतंत्रता'; प्रका० स्फुट लेख, कवि० तथा कहा०, प० चौक, फतेहपुर।

दर्शनलाल गोयल—ज० १३ जुलाई, '१६; शि० एम० ए०, सा०रत्न, प्रभाकर, संपादन-कला-विशारद; प्र० '६२ में; प्रका० बरसाला (एकांकी) '६२; अप्र० स्वतंत्रता-संग्राम एवं चार संग्रह; प० हेडक्लर्क - एकाउंटेंट, सेंट्रल ब्रेइल प्रेस, राजपुररोड, देहरादून।

दशरथराज चेतनदास आसनानी— ज० नवाबशाह, सिंध (पाकिस्तान); शि० एम० ए० हिंदी '५६ पूना वि०वि०, सा०रत्न '५४, जा० सिंधी, मराठी एवं अँग्रेजी; सा० प्रबंधसंपा०, 'राष्ट्रवाणी', भूत० प्राध्या० वाडिया कालेज पूना '५६-'६१; प्रका० पंखों की छाँव (उप०) '६२; अप्र० हिंदी साहित्य में हालावाद और बच्चन, कविवर सुमित्रानंदन पंत एवं दो लेख-संग्रह; वि० 'दक्खिनी हिंदी का प्रेमगाथा-काव्य' विषय पर शोधकार्यरत; प० अध्यक्ष, हिंदी विभाग, एम०ए०एम०एफ० कामर्स कालेज, पूना।

दशरथराम शर्मा—ज० ३ दिसंबर, '१६; शि० इंटरमीजिएट '४२ पटना, विशारद '४६ जबलपुर, साहित्य-भूषण '५५ देवघर; सा० रामगढ़ में हिंदी-प्रचार-प्रसार-कार्य, '४८ से प्र०मंत्री : हि०स०परि० भरकुंडा, '५८ से हि०सा०सम्मे० रामगढ़, मंत्री : हरिजन आदिवासी उच्च प्राथमिक विद्यालय लादी की कार्यकारिणी समिति; प्रका० हरिजन-दिग्दर्शन '५२; अप्र० आशा (उप०) एवं स्फुट लेखों के दो संग्रह; प० प्रधान कार्यालय राष्ट्रीय कोयला विकास निगम, भरकुंडा, हजारीबाग।

दशरथ शर्मा, डा०—ज० ६ मार्च, १९०३, चुरू; शि० बी० ए० आनर्स, एम० ए० इतिहास, दिल्ली वि०वि०, एम० ए० संस्कृत (सभी परीक्षाओं में सर्वप्रथम, स्वर्णपदक प्राप्त), डी० लिट् इतिहास, आगरा वि०वि०; फेलो हिंदू

कागज लिखा २५ जा० संस्कृत राजस्थानी गुजराती बंगाली पंजाबी अँग्रेजी प्राकृत एवं अपभ्रंश ; स० भूत० सद० सीनेट राजपूताना वि०वि०, 'इंडियन हिस्टारिकल रिकार्ड्स कमीशन', गाँधी विद्या मंदिर सरदारशहर, 'राजस्थान राज्य अ० समिति', भारतीय इतिहास परिषद; संस्था० सद० : 'सादूल राजस्थानी रिसर्च इंस्टीट्यूट' बीकानेर; मान्य सद० ना०प्र०सभा काशी, सद० 'न्यूमिस्मैटिक सोसाइटी आफ इंडिया', 'भंडारकर ओरिएंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट', इतिहास परीक्षा समिति तथा इतिहास पुस्तक निर्वाचन-समिति, दिल्ली वि०वि०, 'इंडियन हिस्ट्री कांग्रेस, हिंदी पारिभाषिक-शब्द विशेषज्ञ समिति भारत सरकार, सद० संपा०मंडल : 'वरदा' (बिसाऊ), 'विश्वंभरा' (बीकानेर), 'राजस्थान भारती', 'सादूल प्राच्यग्रंथमाला' (बीकानेर), 'पृथ्वीराज रासो' लखनऊ वि०वि० तथा बीकानेर सभा० : प्रथम बीकानेर राज्य सा० सम्मे०, बीकानेर, भूत० संचा०: 'सादूल राजस्थानी रिसर्च इंस्टीट्यूट, बीकानेर, भूत० प्राध्या० एवं उपप्राचार्य, डूँगर कालेज बीकानेर, शिक्षक एवं सचिव युवराज (वर्त० महाराजा), बीकानेर; भूत० अध्यक्ष . इतिहास और राजनीतिशास्त्र विभाग, हिंदू कालेज, दिल्ली; भूत० संग्रहालयाध्यक्ष : अनूप संस्कृत लाइब्रेरी बीकानेर '३४-'३५, भूत० संपा० 'राजस्थान भारती' बीकानेर; प्रका० स्फुट; बीकानेर राज्य से सनद एवं स्वर्णपदकादि प्राप्त, वर्त० प्राध्यापक, प्रत्नभारतीय इतिहास और पाली विभाग, दिल्ली वि०वि० ; प० ई ४।१ कृष्ण-नगर, दिल्ली—६ ।

दादा चतुर्वेदी— ज० १२ अगस्त, '११, मलयपुर, मुंगेर ; शि० सा०रत्न; सा० साप्ता० 'विशाल भारत' कलकत्ता, 'जीवन', 'प्रजा-पुकार', 'नया हिंद', 'उदय' (ग्वालियर), 'नोकझोंक', 'निराला' आदि में सह०संपा०, संपा० अथवा प्रबंधसंपा०, '५० से सूचना एवं प्रकाशन म० प्र० में साप्ता० 'मध्यप्रदेश संदेश', मा० 'प्रगति' तथा साप्ता० 'ग्रामसुधार' के संपादकीय विभाग में कार्य, बाल-सेवा-समिति, छात्र-संघ एवं तिलक पुस्तकालय के स्था० तथा संचा०, '२१-'२२ के असहयोग आंदोलन में कार्य, बिहार में '२८ में दलितोद्धार, जयपुर राज्य प्रजामंडल के प्रथम तथा तृतीय अधिवेशन के संयोजक, बिहार शासन के सहयोग से 'राजकीय हिंदी-विद्यापीठ' की स्था० ; प्र० '२८ में ; प्रका० कवि० : अंकुर, किसलय, मंजरी, कौमी-तराना, नीहारिका, बुदबुद, कल्लोलिनी, अंतरिक्ष ; कहा० : एकाकिनी, स्वांतःसुखाय, पंच पल्लव, रितंभरा, रूपाभ (एकांकी) ; आलो० हिंदी काव्यशैली का विकास, महाकवि रत्नाकर . एक अध्ययन, सरल भाषाविज्ञान हिंदीकाव्य-शिक्षा-

मार हिन्दी नाट्य साहित्य का इतिहास ग्रन्थमाला और बँगला बोध अनु बँगला कथा साहित्य म पद्रह पुस्तकों के अनु , वि० ६२ में अनेक संस्थाओं के साथ-साथ ग्वालियर नगर निगम के महापौर द्वारा ५१ वीं वर्षगाँठ के अवसर पर मानपत्र आदि भेंट ; वर्त० सहसंपा० 'ग्राम सुधार' ; प० १०।६ गांधी नगर, ठाटीपुर, मुरार, ग्वालियर ।

दानबहादुर सिंह, 'सूँड़'—ज० १ अगस्त, '२८, अलऊपुर, फैजाबाद ; शि० एम० ए० हिंदी ; सा० सद० नगरपालिका आजमगढ, संस्था० सद० हरिऔध कलाभवन आजमगढ, संयो० पूर्वी जिला साहित्यिक संघ, भक्त-गोष्ठी आजमगढ ; प्र० '४८ में; प्रका० मियाँ की दौड़ '४८, फुंकार (हास्यगीत) '५१, अँग्रेजी गीतों का रूपान्तर '५२, लपेट '५६ ; वर्त० अध्यापक एस० के० पी० इंटर कालेज ; प० बदरका, आजमगढ ।

दामोदर पाठक, 'युगलजोडी'—ज० १ जुलाई, '१०, जमानियाँ, गाजीपुर ; सा० भूत० संपा० साप्ता० 'सुधार', पाक्षि० 'गाजीपुर-समाचार, तथा मा० 'माधवी' ; प्रका० लघु चरित, पत्ता, जागृति, प्रियतम की वीणा तथा हिटलर का दमनचक्र ; प० आलमगंज, पचोखर, गाजीपुर ।

दामोदर शर्मा—ज० १० नवंबर, '३५, महू ; सा० श्रमजीवी लेखक संस्था 'शिखर-प्रतिष्ठान' ग्वालियर के संयो०; प्र० '५६ में; प्रका० आस्था के शिखर (संपा०) ; अप्र० कवि० मन बँधा नहीं, नयनों को दर्पण मत मानो, युग की पुकार ; प० ७।१० भैरों गली, दानाओली, लश्कर ।

दिनकर यादव माडीकर—ज० १२ फरवरी, '१८ ; शि० बी० ए० आचार्य ; सा० अध्यक्ष, गीता विज्ञान मंडल नागपुर, भूत० मंत्री अ० भा० अध्यात्म कार्यकारिणी-समिति, ओंकार मानधाता, भूत० उपाध्यक्ष ललित-कलामंडल नागपुर , प्र० '५० से; प्रका० गीतायन (काव्य), बुद्धावतार जीवन चरित्र, 'डिवाइन विजन' (अँग्रेजी); अप्र० गीतचंद्रिका, गीत मालती, गीत मधु, पुनर्जन्म की समस्या, विज्ञान रहस्य, विज्ञान गीता ; वि० 'भाऊ कवि' की उपाधि प्राप्त, मराठी के भी कुशल लेखक ; प० संचालक, मायानंद प्रशिक्षण मंदिर, गणेशपेठ, नागपुर ।

दिनेशकुमारसिंह चौहान—ज० ८ दिसंबर, '३३ ; शि० एम० एस-सी; प्र० '५७ में; प्रका० पूर्वमाध्यमिक जंतु तथा वनस्पतिशास्त्र, प्राणियों में ममत्व, ईल का देशाटन, प्राणियों में बहुरूप-प्रदर्शन, विषबेल, विचित्र जंतु तथा वनस्पतियाँ ; प० प्रवक्ता, राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, लखनऊ ।

दिनेशचंद्र—ज० ८ फरवरी, १९०८, कोठापार्चा, फैजाबाद : शि०

गुरुकुल महाविद्यालय ज्वालापुर से व्याकरण साहित्य न्याय सांख्य वेदांत तथा वेद का अध्ययन विद्याभास्कर '२५ बी० ए० '३२ काशी वि०वि० वेदांतशास्त्री, एम० ए० संस्कृत '३६, एम० ए० हिंदी '४० आगरा वि०वि०, सा० '३२-'४१ तक सरस्वती विद्यालय हाईस्कूल में प्रधानपंडित, '४१ जुलाई से दयानंद इंटर कालेज अनूपशहर में प्राध्यापक, '४२ से दयानंद कालेज, अजमेर में प्राध्यापक; प्रका० काव्य विभा ; वि० संस्कृत में भी लिखते हैं, वर्त० संस्कृत विभागाध्यक्ष, दयानंद कालेज ; प० ४२६, रामगंज, अजमेर।

दिनेशचंद्र वर्मा—शि० हिंदी प्रभाकर, पंजाब वि०वि०, एम० ए० एम० एस०, आयुर्वेदाचार्य ; सा० भिवानी में 'विद्वत-परिषद' की स्था० में सहयोग, संस्था० एवं संचा० पाक्षि० 'विजयघोष' गढ़ाकोटा, सहसंपा० 'स्वर्णकार-संदेश' जयपुर ; प्रका० कहा० : मौत की जिंदगी, प्रायश्चित, ममता, वटाधार, औरत, ना जाने किस रूप में नारायण मिल जायँ, भावना और कर्तव्य; आयुर्वेद : पुरुषों के गुप्त रोग और उनकी चिकित्सा, मूत्रकृच्छ्र और मूत्राघात चिकित्सा ; अप्र० काव्य : मेरा अंतर, मेरा काव्य, आयुर्वेद सारसंग्रह ; प० जनता फ्री हास्पिटल, भट्टूकलाँ, हिसार।

दिनेशनारायण उपाध्याय—ज० '१७ प्रयाग ; शि० बी० ए० '४२ प्रयाग वि०वि०, एम० ए० '४४ लखनऊ वि०वि०, सा०रत्न ; सा० गोंडा की कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्त्ता ; प्रका० हमारी नाट्य परंपरा, प्रेमघन सर्वस्व भाग १ (कवि०), प्रेमघन सर्वस्व भाग २ (निब०) ; अप्र० प्रेमघन और उनका काव्य, प्रेमघन सर्वस्व भाग ३ (नाट०); प० शीतलगंज ग्रेट, गोंडा।

दिनेश, 'भ्रमर'—ज० १७ अक्टूबर, '३९ ; शि० बी० ए० आनर्स, एम० ए० हिंदी ; सा० सभा० दामोदर साहित्य-परिषद बगहा, प्रबंधसंपा० मा० 'पूर्णिमा' कलकत्ता ; प्र० '५३ में ; प्रका० स्फुट रचनाएँ ; वि० 'चंपारण के थारू लोकगीतों' पर शोधकार्य ; प० (१) मलकौली, नरईपुर, चंपारण। (२) प्राध्यापक, झारमहुई इंटर कालेज, झारमहुई, रामनगर, चंपारन।

दिवाकरबालाजी जोगलेकर—ज० २४ दिसंबर, १९०५ ; शि० सा०रत्न '४९, बी० ए० '५९ काशी वि०वि०, सीनियर हिंदी शिक्षक सनद, बंबई '६०, प्रका० मना के श्लोक का हिंदी अनु० (समर्थ रामदास जी कृत), श्रीसमर्थ रामदास-चरित्र, काव्य और विधि '५१, अप्र० श्री ज्ञानेश्वर महाराज जी का संक्षिप्त चरित्र ; वर्त० महाराष्ट्र कवि मोरोपंत की 'केकावलि' का अनु० कर रहे हैं ; प० ८१ अ, पालन खोजपाल चाल, भवानीशंकर, बंबई—२८।

दीनदयाल ओझा—ज० '२९, शि० सा०रत्न, राजनीतिरत्न, सम्मे०

प्रयाग, भूषण, प्रभाकर पंजाब वि०वि० ; सा० सद०: 'सादूल राजस्थानी रिसर्च इस्टीट्यूट' बीकानेर की साहित्य परिषद ; प्र० '५५ में ; सोढी नाथी के गूढ अर्थ, राजस्थान के कहानीकार (संपा० दूसरा भाग) एवं आलो० तथा शोधपूर्ण निबंधो के चार संक०; प० बायतियों का चौक, बीकानेर।

दीनदयालु गुप्त—'अष्टछाप' के अधिकारी विद्वान ; ज० १७ फरवरी, १९०५, सुजानपुर, अलीगढ ; शि० प्रारंभिक अलीगढ, इंटर आगरा, बी० ए०, एम० ए०, डी० लिट० प्रयाग वि०वि०, एल-एल० बी०, लखनऊ वि०वि ; सा० २ वर्ष कानपुर क्राइस्टचर्चकालेज मे, '३० से लखनऊ वि०वि० में, भूत० संपा० त्रैमा० 'ज्ञानशिखा' ; प्रादेशीय एव केंद्रीय शासन की ओर से अनेक समितियों के सद० अथवा अध्यक्ष ; भूत० अध्यक्ष अ० भा० हिंदी-परिषद ; उत्तरप्रदेशीय शासकीय हिंदी समिति के वर्त० अध्यक्ष ; प्रका० अष्टछाप और वल्लभ संप्रदाय (शोध ग्रंथ) एवं अन्य लिखित तथा संपादित पुस्तकें ; अप्र० परमानंद-सुधा, भक्तमाल, नन्ददास-ग्रंथावली आदि संपा० ग्रंथ ; वि० 'अष्टछाप और वल्लभ संप्रदाय' ग्रंथ पर प्रयाग वि० वि से डी० लिट० की उपाधि एवं हिंदी-जगत का सबसे बडा २१००) का डालमिया पुरस्कार तथा हि०सा०सम्मे० द्वारा मंगलाप्रसाद पारितोषिक प्राप्त ; वर्त० प्रोफेसर तथा अध्यक्ष हिदी एवं आधुनिक भारतीय आर्यभाषा-विभाग एवं डीन 'आर्ट्स फैकल्टी', वि०वि०, लखनऊ ; प० नया हैदराबाद, लखनऊ।

दीनानाथ भार्गव, 'दिनेश'—ज० '१० दिल्ली ; शि० उज्जैन, ग्वालियर एव दिल्ली ; सा० '३१ में कांग्रेस प्रेस दिल्ली के प्रबधक, '३३ में जमना प्रिंटिंग वर्क्स की स्था०, आकाशवाणी दिल्ली से लगभग १५ वर्ष तक गीता-प्रवचन, '४१ से मा० 'मानवधर्म' का प्रका० एवं संपा०; प्र० '३३ में ; प्रका० श्री हरिगीता '३६, गीताज्ञान, गीता-अध्ययन, गीता के सप्तस्वर, उपनिषद-ज्ञान, संध्या-वंदन, सत्य नारायण की कथा (कवि०), अपना-अपना राग (कहा०), दैनिक प्रार्थना, मणिमाला (कवि०), बालपद्यमाला (कवि०), युगनिर्माता महापुरुष (जीवनी), श्री सूक्त, गायत्री साधना, गौमाता, योगेश्वर श्रीकृष्ण, मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम, गौतम बुद्ध, शिव-साधना, मार्ग-दर्शन आदि; वि० 'हिज मास्टर्स वायस' कंपनी ने आपके व्याख्यानों के रिकार्ड बनाए है ; प० मानवधर्म कार्यालय, पीपल महादेव, दिल्ली—६।

दीनानाथ व्यास—ज० १ जुलाई, '१३ ; शि० बी० ए० विक्रम वि०वि०, राजनीतिरत्न सम्मे० प्रयाग ; प्र० '२८ में ; प्रका० गल्पविज्ञान '३२, काम-विज्ञान ३३, हृदय का भार (काव्य) '३३ प्रतिन्यास लेखन '३४ टालस्टाय

और गांधी ३५, जीवन की झलक (कहा०) '४३, धर्माचार्य (नाट०) '४३, अरमानों की चिता (काव्य) '४४, भारतीय संविधान सभा '४६, '४२ का महान विप्लव '४८, सरदार पटेल का जीवन चरित '४६, तू और मैं (काव्य) '६२ ; अप्र० काव्य : गदर पार्टी, सपनों के दीप ; प० कवि कुटीर, उज्जैन।

दीनानाथ, 'शरण'—ज० २८ मई, '३७, शि० बी० ए० आनर्स '४६ पटना कालेज, एम० ए० हिंदी (प्रथम श्रेणी), '५८ पटना वि०वि० ; सा० संस्था : प्रगतिशील साहित्यकार संघ एवं सर्वभाषा-संसद, प्र० '५४ से, प्रका० आलो० : हिंदी काव्य में छायावाद '५७, छायावाद : विश्लेषण और मूल्यांकन '५८, नयी दृष्टि : नयालोक (कहा०) '५६; अन्य० नारी! तुम केवल श्रद्धा हो (उप०) '५६ ; हिंदी साहित्य का इतिहास, कौन बाँधेगा समंदर की लहर (उप०) ; कालेज की लड़कियाँ (कहा०); अप्र० तीन-चार संग्रह; वि० बिहार राष्ट्रभाषा-परिषद, पटना से निबंधों पर तीन वर्ष तक प्रथम पुरस्कार प्राप्त ; प० दरियापुर गोला, बाँकीपुर, पटना—४

दुर्गानारायण खरे, 'वीर त्र्यईश'—ज० २ फरवरी, १६०८ केवलारी ; शि० साहित्यवाचस्पति, भारतीभूषण ; सा० संस्था श्री शारदाशांति साहित्य सदन संस्थान, हिंदी-प्रचार-प्रतिष्ठान एवं हिंदी भाषा प्रचार पुस्तकालय; शिक्षा संस्था समिति के अध्यक्ष एवं मंत्री, कुमार सभा के अ० भा० अधिवेशन कानपुर के अध्यक्ष, संपा० मा० 'परिचय परिजात' ; प्र० '२४ से ; प्रका० पूर्णिमा, तारिका, तूणीर, मंगल प्रभात ; अप्र० स्वतंत्र किरण, करुण कटक ; प० श्री शारदा शांति साहित्य सदन, केवलारी, पथरिया, दमोह।

दुर्गाप्रसाद झाला—ज० १८ जनवरी, '३३ ; शि० एम० ए० हिंदी, एल-एल० बी०, सा० 'प्रगतिशील लेखकसंघ' तथा 'संगम' उज्जैन के मंत्री ; प्र० '४८ से ; प्रका० हमारे आधुनिक कवि '६२, चेतना के स्वर '६२ ; वर्त० हिंदी प्राध्यापक, शासकीय उ० मा० विद्यालय बागली ; अप्र० कविता एवं लेखों का एक-एक संग्रह; प० महाकाल चौक, बागली, देवास।

दुर्गाप्रसाद राय—ज० २३ मार्च, १८६३, ललितपुर ; शि० झाँसी, आगरा से बी० ए० '१८ ; सा० प्राध्यापक '२१-'२५ तक स्टेट हाईस्कूल दतिया, '२६-'२७ तक चिड़ावा हाईस्कूल, '२७-'२८ तक एजूकेशनल आफिसर रामपुरा, '३०-'३१ तक प्रधानाध्यापक व्यापारिक स्कूल, नसीराबाद ; प्रका० जीवन की विचित्रता '२५, व्यर्थ का स्वाभिमान '२८, तथा लगभग २०० स्फुट लेख ; अप्र० ग्रीस देश की प्राचीन सभ्यता ; वि० अँगरेजी में भी लिखते हैं ; प० ललितपुर।

दुर्गाशंकर त्रिवेदी—ज० २९ जनवरी '३७ मन्मार ; सा० सहसंपा० मा० युग साधना ; प्रका० स्वामी विवेकानंद '६०, समाज के कलंक '६०, जीवन की सुवास '६२, देव्यपराध क्षमापन स्तोत्र (अनु०) '६०, ; दिव्य वाणियाँ (संपा०) '६१; अप्र० ऋग्वेद - ज्ञान - गरिमा एवं दो अन्य संग्रह, प० सहसंपा०, 'युग-साधना' गोटला, रामा०, झाबुआ ।

दुर्गाशंकर प्रसाद सिंह—ज० १८९६ ; शि० इंटर, काशी ; प्र० '२४ में ; प्रका० गद्य-संग्रह '३४, हृदय की पीर (उप०) '३७, भूल की ज्वाला (निबंध) '४१, भोजपुरी लोकगीतों में करुणरस, नारी जीवन '४५, फरार की डायरी '४३-'४५, वह शिल्पी था (कहा०) '४६, तुम राजा मैं एक (कहा०) '४६, कुँवरसिंह : एक अध्ययन, सामूहिक खेती '४८, भोजपुरी के कवि और काव्य, ऐटम के युग में (भोजपुरी काव्य) ; अप्र० कुँवरसिंह (नाट०), जैनदूत सारस, अतीत भारत, भोजपुरी लोकगीतों में शांत एवं श्रृंगार रस, शशिमाला, भोजपुरी निबंध-संग्रह ; प० दलीपपुर, शाहाबाद ।

दुष्यंतकुमार त्यागी—ज० १ सितंबर, '३३ ; शि० एम० ए० प्रयाग वि० वि० ; सा० ४-५ वर्ष आकाशवाणी भोपाल में हिंदी कार्यक्रम-निर्देशक, अब भाषा-विभाग म० प्र० में सहायक संचालक ; प्रका० सूर्य का स्वागत (कवि०) '५७ ; अप्र० छोटे-छोटे सवाल (उप०), पुकारती दिशाएँ (कवि०) : अप्र० दो कविता-संग्रह ; वि० उ० प्र० सरकार द्वारा पुरस्कृत ; प० सहायक संचालक, भाषा विभाग, सदर मंजिल, भोपाल ।

दूधनाथ सिंह—ज० १ जुलाई, १९०३ ; शि० एल० एजी०, पोस्ट ग्रेज्युएट ट्रेनिंग; सा० भूत० डिप्टी डाइरेक्टर कृषि उ० प्र० सरकार, डिप्टी 'ऐग्रीकल्चरल एक्सटेंशन' कमिश्नर, ज्वाइंट डाइरेक्टर एक्सटेंशन भारत सरकार ; प्रका० हिंदी साहित्य में कृषि का स्थान '५२, धंधों में कृषि सर्वोत्तम क्यों ; अप्र० कृषि-संबंधी स्फुट लेखों के कई सक, वि० कृषि-विज्ञान पर अँगरेजी में भी कई पुस्तकें तथा लेख लिखे हैं, 'फाउंडेशन आफ न्यू एजूकेशन' वाराणसी में कृषि-परामर्शदाता नियुक्त हुए हैं : प० ३, नटराज सदन, पीरपुर स्क्वायर, नरही, लखनऊ ।

देवकराम, 'सुमन'—ज० '१७ ; शि० सा०रत्न ; प्र० '४७ में, प्रका० कवि० : चाँद बटोही '४७, बालक्रांति गीत '४७, प्रणयगीत '५४, आधुनिक गीत, युग-ध्वनि, कर्मयोगी, परिवर्तन, चौराहा, संसार (उप०), राजहंस (उप०) ; अप्र० तीन कविता-संग्रह ; वर्त० प्राध्यापक, एस० डी० कॉलेज, सहारनपुर ; प० माधव-निकुंज, माधवनगर, सहारनपुर ।

देवकीनंदन खडवाल—ज० २८ सितंबर, '१४ ; प्रका० हनुमान इक्कीसी '३८, भारतीय कालगणना '५१ ; अप्र० महाभारत-युद्ध-काल-गणना एवं दो ग्रंथ ; प० फतेहपुर, शेखावटी (राज०) ।

देवकीनंदन श्रीवास्तव, 'नंदन', डा०—ज० १ फरवरी, '२८, नारायणपुर, प्रतापगढ, शि० रायबरेली, प्रयाग, एम० ए० (प्रथम श्रेणी, रिसर्च फेलोशिप प्राप्त) '४६, पी-एच-डी० '५४ लखनऊ वि० वि० ; सा० '५१ से '५५ तक दयानंद वैदिक डिग्री कालेज उरई में हिंदी विभागाध्यक्ष, '५५ से लखनऊ वि०वि० में हिंदी प्राध्यापक, भारतीय हिंदी परिषद, ना० प्र० सभा, श्री अरविंद स्वाध्याय मंडल, 'आल इंडिया ओरिएंटल कांफ्रेंस' आदि विभिन्न संस्थाओं से संबंधित, दैवी स्वाध्याय मंडल तथा भारतीय साहित्य-समाज लखनऊ के संस्था० सद०, 'सर्जना' के संरक्षक, हिंदी-शोध-समिति लखनऊ वि० वि० के संचा० ; प्र० '४४ से ; प्रका० तुलसीदास की भाषा (शोध-प्रबंध) '५७, चित्रकूट के पथ पर (खंड०) ; अप्र० दोहाशती (ब्रजभाषा), बरवै-सतसई (अवधी) ; गीत० : आराधना, उद्‌गार, श्रद्धांजलि, भूमा मचल उठी, साकेत से वृंदावन (महा०), अवतरण (गद्य-संग्रह) ; वि० 'तुलसीदास की भाषा' एवं 'चित्रकूट के पथ पर' पर उ० प्र० सरकार से क्रमशः ६००) एवं २५०) के पुरस्कार प्राप्त ; प० शिवपुरी, गणेशगंज, लखनऊ ।

देवकीबाई तैलंग, श्रीमती—ज० '५१ ; प्र० '४५० में ; प्रका० अजयगढ के स्त्री-कवि '४८, ओरछा के बैसाख कवि '५५, बघेलखंड की विदुषी महिलाएँ '५५, ग्वालियर के महिलारत्न '६० ; वि० बुंदेलखंड की वर्त० महिला कवयित्रियों के काव्य का संकलन ; प० द्वारा पं० वामदेव तैलंग, भट्ट की बगीची, हनुमान घाटी, पुलिसचौकी, सिन्धे की छावनी, लश्कर ।

देवकृष्ण व्यास—ज० २२ फरवरी, '२८ ; शि० बी० काम०, विशारद, सा० मंत्री : भारतीय संस्कृति सदन रतलाम, सयुक्त-मंत्री मध्यभारत शिक्षक संघ एवं समाजवादीदल, ८ वर्ष तक रतलाम नगरपालिका के सद० तथा '५८-'५६ में अध्यक्ष, संपा० '४६ से साप्ता० 'लोकशासन बामनिआ', १२ वर्षों तक कई हिंदी, अँगरेजी और गुजराती पत्रों के संवाददाता ; प्रका० स्फुट ; वर्त० उप-संपा० दैनिक 'हिंदुस्तान' नई दिल्ली ; प० एम-३५६, सरोजिनी नगर, नई दिल्ली—३ ।

देवदत्त—ज० २७ जून, '३७; सा० अँग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन और तामिल सा० संपा० 'पुरोधा' . प्रका० जप (अनु०) : अप्र० वृत्तांत, तांत्रिक साधना

नारी नये युग में चाहती है (कवि) संस्कृति के चरण (निबंध) चन्दना के पात्र प सपा पुरा म. ६४ रयूडाओरलीस, पाँडिचेरी—२।

देवदत्त तेगार—शि० एम० ए० समाजशास्त्र, उस्मानिया वि० वि० ; प्रका० स्फुट ; प० सपा० 'आर्य-भास्कर', कलामंदिर, नादेड (मी० आर०)।

देवदत्त, 'राकेश'—ज० १८ फरवरी, '२७, शि० प्रभाकर, सा०रत्न ; सा० भूत० संपा० : मा० 'प्रकाश', पाक्षि० 'परख' एवं साप्ता 'चिनगारी' (बिजनौर) ; प्र० '५० मे ; प्रका कताई-बुनाई ; अप्र० एक एक लेख और कहा०संग्रह ; प० गवर्नमेंट हाईस्कूल, जोगो (नालागढ होकर), अंबाला।

देवदत्त शास्त्री—ज० १६ फरवरी '१४ ; सा० भूत० संपा० साप्ता० 'अभ्युदय' प्रयाग, मा० 'धारा' दिल्ली, मा० 'जननी' प्रयाग; प्रका० कौटलीय अर्थशास्त्र-अनुशीलन, कामसूत्र-अनुशीलन, उपनिषद-चिंतन, कालिदास-अनुशीलन, भारतीय वाङ्मय की भूमिका, चिंतन के नये चरण ; अनु० : कौटलीय अर्थशास्त्र, अभिनवदर्पण, कौमुदी-महोत्सव नाटक, दत्तिलम् गीत शास्त्रम् तथा इतिहास, पुरातत्व, मनोविज्ञान और भाषाविज्ञान-संबंधी ३८ पुस्तकें, प० नया बैरहना (पार्क), इलाहाबाद —३।

देवदूत विद्यार्थी (देवनारायण पांडेय), 'शिशु हृदय'—ज० १९०२ प्रबोधपुर डेरा, शाहाबाद; शि० मोतीहारी तथा इलाहाबाद ; सा० '२० में सम्मे० प्रयाग की ओर से तामिलनाड, कर्नाटक एवं केरल में हिंदी-प्रचार-कार्य, '२२ में तामिलनाड हिंदी प्रचारक विद्यालय के प्रधानाध्यापक. '२४ में हिंदी प्रचारक (प्रशिक्षण) विद्यालय मद्रास के अध्यापक, '२६ में दक्षिण भा० हि० प्र० सभा मद्रास के मा० 'हिंदी प्रचारक' के संपा०, प्रथम कर्नाटक प्रांतीय हि०सा०सम्मे० की स्वागतसमिति के संयुक्तमंत्री. '२८ मे एरनाकुलम में प्रथम केरल प्रांतीय हि० प्र० सम्मे० का आयोजन, '३२ में तिरुवितांकुर में हिंदी-प्रचार-कार्य का संगठन तथा स्थानीय हि० प्र० सभा के मंत्री, '३३ में केरल प्रांतीय हि० प्र० सभा की स्था० तथा मंत्री '४४ तक, द० भा० हि० प्र सभा के एक वर्ष तक प्रचारमंत्री, '५० मे अ० भा० हिंदी परिषद नई दिल्ली के परीक्षामंत्री, '५२ मे अ० भा० हिंदी महाविद्यालय आगरा के संचा०, ५५ से बालिका विद्यापीठ, लखीसराय, मुंगेर के अवै० प्रधानाचार्य ; प्रका० कर्तव्य '१८, हिंदी की चौथी पुस्तक, हिंद अनुवादमाला '२५, कुमार हृदय का उच्छ्वास (गद्यकाव्य) '२७, हिंदी बातचीत '३२, तूणीर (गद्य-काव्य), दीवान बहादुर (नाट०) '३३, राजभाषा बोधनी '५०, हार या जीत (उप० सहलेखक) '५२, भारतीय राष्ट्रीयता '५३ ; अप्र० पाँच बैल (उप० सहलेखक)

कविता-संग्रह ; वर्त॰ प्राध्यापक, बी॰ एन॰ एस॰ डी॰ कालेज, कानपुर ; प॰ २३-२, एक्सटेंशन साइट नं॰ १, बापूपुरवा, कानपुर ।

देवीरत्न अवस्थी, 'करील'—ज॰ ७ अगस्त, '१२ ; शि॰ बी॰ए॰ '५४ आगरा वि॰ वि॰, एम॰ ए॰ हिंदी '५८, नागपुर वि॰ वि॰, सा॰रत्न ; सा॰ '३० के नमक-सत्याग्रह, '३२ के करबंदी-आंदोलन, '४० के सत्याग्रह-आंदोलन तथा '४२ के अगस्त-आंदोलन में कांग्रेस स्वयंसेवक के रूप में कारावास ; प्र॰ '४३ में; प्रका॰ देवार्चन '५२ (महा॰), लोकरीति (वैसवारी काव्य) ; अप्र॰ मधुपर्क (व्रजभाषा में), रघुवंश, गीतगोविंद तथा कुमारसंभव (अनु॰) ; वर्त॰ जिला संगठनकर्ता, प्रांतीय रक्षकदल , वि॰ 'देवार्चन' पर उ॰ प्र॰ सरकार से ५००) का पुरस्कार प्राप्त ; प॰ १५ अ॰ ऐनवल, आजमगढ़ ।

देवीलाल सामर—ज॰ २० जून '११ उदयपुर ; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी, बी॰ एस-सी काशी वि॰ वि॰ ; सा॰ '५२ में 'भारतीय लोक कलामंडल' की स्था॰, '६० में द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय कठपुतली सम्मे॰ बुखारेस्ट रूमानिया में भारत का प्रतिनिधित्व ; प्रका॰ कठपुतली कला और समस्याएँ (केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय द्वारा प्रका॰) ; अप्र॰ एकांकी : आत्मा की खोज, मृत्यु के उपरांत, चंद्रलोक ; नाट॰ : राजस्थान का भीष्म ; समीक्षा : भारतीय ललित कलाएँ, भारतीय लोकनृत्य, राजस्थान का लोकसंगीत, राजस्थान के लोकनृत्य एवं लोकानुरंजन , प॰ भारतीय लोककलामंडल, उदयपुर ।

देवीशंकर द्विवेदी, 'अंगराज', डा॰—ज॰ २० जनवरी, '३७ ; शि॰ एम॰ लिट॰, पी॰एच॰ डी॰ ; सा॰ उन्नाव की सा॰ संस्था 'रसवंती' के संयोजक, नवयुवक पुस्तकालय कोरारीकलाँ के अध्यक्ष ; प्र॰ '४७ में ; प्रका॰ कवि॰ : बंटाधार, बबूरी के काँटे ; प॰ भाषा-विज्ञान-विभाग, वि॰ वि॰, सागर ।

देवीशंकर मिश्र, 'अमर'—ज॰ २५ दिसंबर, '१६ ; शि॰ बी॰ एस-सी॰ काशी वि॰ वि॰, एम॰ एस-सी॰, एम॰ ए॰ हिंदी, लखनऊ वि॰ वि॰, सा॰रत्न, सम्मे॰ प्रयाग ; सा॰ 'जियोलाजिकल सोसाइटी आफ इंडिया' के सम्मानित सद॰, 'इंडियन एकेडमी आफ जियोलाजी के 'फेलो', पीलीभीत में हिं॰ सा॰ परि॰ की स्था॰ तथा सभा॰, 'टी॰ सी॰ ई॰ जर्नल्स' द्वारा आयोजित शिक्षा-माला की प्रथम बारह पुस्तकों के संपा॰, 'भारतीय प्राणिशास्त्र परिषद' की स्था॰, प्र॰ '२५ में ; प्रका॰ जगद्गुरु भारत '४२ ; काव्य : सुमार्ग, उद्गार, आँसू, विश्व-सूर्य-सम्मेलन ; वि॰ प्राणीशास्त्र विषयक लगभग २०,००० वैज्ञानिक पारिभाषिक शब्दों का निर्माण ; वर्त॰ प्राध्यापक, कालीचरन इंटर कालेज, लखनऊ ; प सी ११०५ महानगर लखनऊ ।

देवेन्द्र कुमार—ज० १६ अगस्त, '२५ ; शि० बी० एस-सी० लखनऊ वि०वि०, 'आयल-टेक्नालोजी' का विशेष अध्ययन, कानपुर ; सा०संपा० साप्ता० 'भूमिक्रांति', अ० भा० ग्रामोद्योग संघ वर्धा मे कार्य ; प्रका० स्फुट लेख ; प० म० प्र० सर्वोदय मडल, ११२ स्नेहलतागंज, इंदौर।

देवेंद्रकुमार जैन—ज० '३२, शि० बी० ए० आगरा वि०वि० '५७, एम० ए० हिंदी, उज्जैन वि०वि० '५९, शास्त्री-आचार्य वाराणसी, काव्यतीर्थ कलकत्ता, सा०रत्न सम्मे०प्रयाग, जैनधर्म शास्त्री ; प्र० '५२ मे ; प्रका० महात्मा जी के अनमोल बोल, विश्वप्रकाश (संपा० हिंदी अनु० सहित संस्कृत कोश) ; अप्र० संदेशरासक एवं परवर्ती हिंदी काव्य-धारा, हृदय (खड०), संपा० 'प्राकृत छंद-कोश', 'नेमिनाथ-चरित' एवं 'भविष्यदत्त-कथा, ; वि० 'अपभ्रंश कथाकाव्य और भविसयत्तकम्' पर पी-एच० डी० के लिए शोध-कार्य समाप्तप्राय; प० हिंदी प्राध्यापक, संस्कृत कालेज, रायपुर।

देवेंद्र, 'दीपक'—ज० ३१ जुलाई, '३४ ; शि० एम० ए० हिंदी तथा ॲंगरेजी, सा०रत्न ; सा० संपा० : 'साहित्य-सलिला' (सहारनपुर), 'पथिक' (देहरादून), 'कालिजियन' (देहरादून), पाक्षि० 'भारतवर्ष' (हापुड); मा० 'नयाजीवन' के भूत० समीक्षा-लेखक ; प्रका० कुंडली चक्र पर मेरी वार्ता, राष्ट्रीय पत्रकार-कन्हैया लाल मिश्र प्रभाकर, आचार्य नंददुलारे वाजपेयी और हिंदी साहित्य : बीसवी शताब्दी ; वि० 'बाँगरू का लोक-साहित्य' पर आगरा वि०वि० मे शोधकार्य-रत ; प० (१) लक्ष्मीद्वार, सहारनपुर। (२) हिंदी प्राध्यापक, राजकीय दरबारकालेज, रीवाँ।

देवेंद्रपाल सुहृद—ज० २ अक्टूबर', २८, शि० एम० ए० अर्थशास्त्र तथा हिंदी, एल-एल० बी० अलीगढ वि०वि०; सा० संस्था० सद० : अ० भा जनपद सा० सम्मे० अलीगढ, सद० 'इटरनेशनल एजूकेशन एक्सचेंज ब्यूरो' की कार्यकारिणी-भारत शाखा '५१-'५२, बारहसैनी पत्रसमिति अलीगढ़ '४९-'५६ ; मत्री : प्रगतिशील लेखक संघ अलीगढ़ '४७, जिलापत्रकार संघ अलीगढ '४९ ; प्रचार-प्रधानमत्री प्रांतीय विद्यार्थी कांग्रेस अलीगढ '४८-'४९ ; सहमंत्री जिला हि०प्र० सभा अलीगढ '४८, संचा० प्रबंध कुमारी कुटीर विद्यालय अलीगढ '५२-'५७, संयो० प्रातीय ब्रज-साहित्य-मंडल अलीगढ '४९, अ० भा० कविसम्मे० अलीगढ '४६-'५४, प्रांतीय लोकगीत एवं लोकनृत्य सम्मे० अलीगढ '५४, संपा० . मा० 'सेनानी' अलीगढ '४८, मा० 'मुखभाग' (अलीगढ़) '४८-'५६, मा० 'बारहसैनी' (अलीगढ) '४९-'५६ एवं मा० 'उद्योग' (कानपुर) '५६ · प्रका० संस्कृति सौरभ- कालिमा तथा राजकीय प्रख्यापन

संबंधी पुस्तिकाएँ, प० सहायक निर्देशक, उद्योग हथकरघा योजना, कानपुर ।

देवेंद विज्ञानी—ज० १८ नवंबर, '१८, बुलंदशहर ; शि० सा०रत्न, सा० गत १० वर्षों से संपा० मा० 'चरित्र-निर्माण' (ऋषिकेश); प्रका० संपा०. शक्तिपद '५०, अध्यात्म-विकास '५१, आत्मप्रबोध '५१, ब्रह्मज्ञान अपूर्व भंडार '५६, महायोग विज्ञान '५७, वैदिक योग परिचय '५८ ; प० संपादक 'चरित्र-निर्माण', विज्ञान प्रेस, ऋषिकेश ।

देवेशदास—ज० १ सितंबर, '११; शि० बी० ए० आनर्स (अँग्रेजी, प्रथम श्रेणी में प्रथम) लंदन वि०वि० तथा मिडिल टेंपल, लंदन, सा० निखिल भारत बंग साहित्य सम्मे० के स्थायी सभा०; प्रका० यूरोपा (बँगला में' ४०, हिंदी में '५०), प्रेमराग' ४८, रजवाडा '५३, अधखिली (उप०) '५५, मास्को से मारवाड '५८, राजसी '६०, रक्तराग (उप०)'५६, वि० 'रोम से रमना' कहानी को एक प्रमुख जरमन साहित्य पत्रिका में सर्वोच्च सम्मान प्राप्त, बँगला के भी सुलेखक ; कहानियों के अनु० कई भारतीय और विदेशीय भाषाओं में हुए हैं; प० आई० सी० एस०, द्वारा भारत सरकार, ३, रायसीना रोड, नई दिल्ली ।

देशबंधु गुप्त—ज० १५ मार्च, '१५ हिसार . शि० एम० ए० लाहौर, विद्यावाचस्पति '३५, शास्त्री ; सा० श्रीमती उत्तमाबाई विद्या-प्रचार टस्ट भिवानी के ट्रस्टी तथा मंत्री, अनाथालय भिवानी के सहा० प्रबंधक तथा अनेक शिक्षण एवं सामाजिक संस्थाओं के सद०, भूत० संपा० साप्ता० 'हरियाणा केसरी' ; प्रका० अनेक छात्रोपयोगी पुस्तकें ; प० भिवानी, हिसार ।

द्रोणवीर कोहली—ज० '३२ ; शि० बी० ए० आनर्स, एम० ए० हिंदी; सा० पिछले पाँच-छह वर्षों से भारत सरकार के प्रका० विभाग में तथा गत दो वर्षों से पाक्षि० 'योजना' के उप-संपा० ; प्र० '५० में ; प्रका० लोककथाएँ, कंथक, मोर के पैर, करामाती कद्दू, फूलों की टोकरी, वनवासी बच्चे ; वि० '५८ में 'कथक' उ०प० सरकार द्वारा पुरस्कृत ; प० १८५६, वजीरसिंह स्ट्रीट, चूना मंडी, पहाडगंज, नई दिल्ली—१ ।

द्वारिकाप्रसाद, डा०—१ अगस्त, '१७ ; शि० इंटर, कलकत्ता वि०वि०, एच० एम० बी० '४६, एम० बी० बी०, एच० एम० डी० '४७ पटना; सा० होमियो-पैथिक औषधालय के संचा० ; प्र० '५० में ; प्रका० चिकित्सा संबंधी रचनाएँ, अप्र० गर्भिणी, प्रसूता एवं बच्चों के रोग एवं चिकित्सा-संबंधी दो ग्रंथ; प० क्वार्टर नं० ११, रोड नं० २०, गर्दनीबाग, पटना—२ ।

द्वारिकाप्रसाद तिवारी, 'विप्र'—ज ६ जुलाई, १९०८ शि मैट्रिक

मा० प्रधान सचिव : भारतेंदु-साहित्य समिति, '४६ से म० प्र० हि सा०सम्मे० की स्थायीसमिति के एवं '६१ से कार्यकारिणी के सद ; प्र० '३७ से; प्रका० कुछू काँही '३७, शिव-स्तुति '४०, भजन - संग्रह '४१, गाँधी गीत '४८; सुराज गीत प्रथम खंड '४७, द्वितीय खंड '५७, राम-केवट-संवाद '५७, योजना-गीत '६१; प० मैनेजर, कोआपरेटिव बैंक, बिलासपुर।

द्वारकाप्रसाद शास्त्री—ज १ सितंबर, '१७, उपडौरा, शाहाबाद शि शास्त्री (प्रथम श्रेणी) वाराणसी, जा० उर्दू, अंग्रेजी एवं बँगला, सा० उ०प्र० पुस्तकालय-संघ की कार्यसमिति के सद, 'प्रकाशन समाचार' के पुरस्कृत पुस्तक-सूची विशेषांक के संपा०; प्रका० पुस्तकालय संगठन और संचालन '५६, पुस्तकालय विज्ञान '५७, भारत में पुस्तकालयों का उद्भव और विकास '५७, पुस्तक-वर्गीकरण-कला '५८, पुस्तकालय-परिचय '५९, पुस्तकालय में संदर्भ-सेवा '६०, दशमलव वर्गीकरण की रूपरेखा '५८, बेसिक विद्यालय में पुस्तकालय '५८; वि० प्रथम छह पुस्तकें उ० प्र० सरकार द्वारा पुरस्कृत, पुस्तकालय-विज्ञान में विशेष रुचि; प० संग्रहाध्यक्ष, हिंदी-संग्रहालय, हिं० सा० सम्मेलन, प्रयाग।

द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, डा०—ज० १८ फरवरी, '२२; शि० एम० ए० हिंदी तथा संस्कृत (प्रथम श्रेणी), पी-एच० डी०, सा०रत्न; सा० खुर्जा की हि०सा०परि० के अध्यक्ष: प्र० '५२ में; प्रका० यशोधरा (समीक्षा) '५२, कवि सम्राट हरिऔध और उनकी कलाकृतियाँ '५४, संस्कृत-साहित्य का इतिहास '५४, कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन (शोध-प्रबंध) '५८, प्रियप्रवास में काव्य, संस्कृति और दर्शन '६०, साकेत में काव्य, संस्कृति और दर्शन '६१, कामायनी-भाष्य' ६१; अप्र० हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि (यंत्रस्थ); गीतों, रेडियोरूपकों एवं आलो० लेखों के दो-दो संक०, प० अध्यक्ष हिंदीविभाग, एन० आर० ई० सी० कालेज, खुर्जा।

द्वारिकाप्रसाद सेवक—ज० १८९० फीरोजाबाद, जा० संस्कृत, उर्दू, अंग्रेजी, मराठी, गुजराती और बँगला; सा० मा० 'नवजीवन' काशी, इंदौर तथा प्रयाग, साप्ता० 'भारतीय आदर्श' इंदौर, साप्ता० 'आर्य मार्तंड' और 'वैदिक संदेश' अजमेर के संपा०-संचा०, कन्या महिला विद्यालय, भारती भवन तथा सेवा समिति आदि संस्थाओं के स्था०-संचा०, लगभग ८२ वर्ष तक पृथ्वी थियेटर्स से संबंधित; सरस्वती-सदन, नालंदा-प्रकाशन तथा भारतवर्ष-प्रकाशन आदि संस्थाओं द्वारा अनेक पुस्तकों का संपा०-प्रका०; भारती भवन फीरोजाबाद, काशी ना० प्र० सभा- हिं० सा० सम्मे० प्रयाग- महाविद्यालय

ज्वालापुर, विश्वेश्वरानंद अनुसंधान संस्था होशियारपुर आदि के आजीवन सद० एवं इनको संचित साहित्य-सामग्री भेंट कर चुके हैं, प्रका० स्फुट ; प० २०३ बी, गॉवठन, विलेपार्ले (पश्चिम), बंबई—५६ ।

धनंजय भट्ट, 'सरल'—ज० १९ दिसंबर, १९०९; शि० मैट्रिक; प्र० '२८ में ; प्रका० सपा० निबंधावली (दो भाग), भट्ट निबंधमाला (दो भाग), भट्टनाटकवली, दमयंती स्वयंवर, नूतन ब्रह्मचारी, वेणु-संहार , वि० स्व० पं० बालकृष्ण भट्ट जी के पौत्र हैं, उनकी ग्रंथावली बीस भागों में प्रकाशित करने की योजना है ; प० ४८८, अहियापुर, इलाहाबाद ।

धनंजय वर्मा—ज० १४ जुलाई, '३५ , शि० जगदलपुर, बस्तर, बी० ए० (प्रथम श्रेणी) रायपुर, एम० ए० हिंदी (वि० वि० में सर्वप्रथम) सागर वि०वि० ; सा० रायपुर और जगदलपुर की साहित्यिक गतिविधियों में सक्रिय योग ; प्र० '५७ में ; प्रका० निराला : काव्य और व्यक्तित्व '६० ; अप्र० पाश्चात्य समीक्षा : सैद्धांतिक विकास; कविता, कहानी एवं आलो० लेखों का एक एक संग्रह; वि० सागर वि०वि० में शोधकार्य में संलग्न, प० प्राध्यापक, हिंदी विभाग, राजकीय हमीदिया कालेज, भोपाल ।

धननारायण कपूर—जा० ७ अगस्त १९०७ ; जा० उर्दू, अँग्रेजी और संस्कृत , प्रका० हिंदी में अँग्रेजी संपूर्ण सरल शिक्षण '५७ ; वि० उक्त पुस्तक अँगरेजी में भी लिखी है ; प० सब हेड, रेलवे अकाउंट्स आफिस, जोधपुर ।

धनपतसिंह टुंकलिया जैन, 'श्रमपति'—ज० २१ नवंबर, '३५ ; शि० बी० ए०, संपादनकला-विशारद ; सा० जयपुर राष्ट्रभाषा प्रचार-समिति- के संयो०, सप्तम अ० भा० राष्ट्रभाषा प्रचार सम्मे० जयपुर के उप-स्वागतमंत्री, कई पत्रों एवं आकाशवाणी जयपुर के संवाददाता ; प्रका० स्फुट कहानियाँ , प० टुंकलिया-भवन, कुंदीगरों के भैरू का रास्ता, जयपुर ।

धनराज पुरी, महंत—३१ मई, १९०३ ; शि० बेतिया एवं चंपारन , व्याकरण-वाचस्पति ; सा० संस्था० एवं सभा० 'सोमेश्वर साहित्य-परिषद' ; प्र० '२० में ; प्रका० अविरल आँसू '४२, आखेट '५०, इला (काव्य) '५६, उच्छ्वास (कवि०) '५६ ; अप्र० पंचामृत, ओस, कारा में कुछ वर्ष, झंझा के झोंके में, स्वर्ग की झील ; वि० बिहार राष्ट्रभाषा परिषद द्वारा 'आखेट' पर 'शिकार-साहित्य' विषयक एक सहस्र मुद्रा का पुरस्कार एवं ताम्र-पत्र प्राप्त ; प० काव्य-कुटीर, सिकटा, रामनगर, चंपारण ।

धर्मचंद्र संत, 'प्रशांत'—ज० २९ सितंबर, '२२ ; शि० एम० ए० (हिंदी संस्कृत तथा राजनीति) लाहौर तथा पंजाब वि० वि० चंडीगढ़ ; सा० पंजाब

[? वि० कालेज मे हि॰वि॰ के भूत॰ अध्यक्ष, व '४४ में ; प्रका॰ हिंदी साहित्य की संक्षिप्त रूपरेखा, ऋजुपाठ, हिंदी गद्य का आविर्भाव और विकास, सिद्धान्तालोचन, साहित्य-समीक्षण, बलिदान की कहानियाँ, शिष्य-परीक्षा, शीर्षदान, लाडले का बलिदान, तीन कहानियाँ, सच्ची घटनाएँ, होरी और हीरा, दुर्गविजय, नया युग, किशोर अभिनय, किशोरो का मच, किशोर रूपक, श्रद्धा और मनु, रूप और रक्त, इतिहास के पन्ने (दो भाग), सुनहला हिरन, जादू की टहनी, पोपू गुड्डा, दो भाई, बाल अभिनय तथा अनेक संपा॰ ग्रथ ; अप्र॰ कई आलो॰ लेख-संग्रह एव बालो॰ पुस्तके, वर्त॰ अध्यक्ष हि॰वि॰, दयालसिंह कालेज, नई दिल्ली; वि॰ 'हिंदी-काव्य-रूपो' पर शोध-कार्य; प॰ ४८।१६, पटेलनगर ईस्ट, नई दिल्ली।

धर्मदेव, विद्यामार्तंड—ज॰ १२ फरवरी, '९०१, दुनियापुर, मुलतान, शि॰ सिद्धातालंकार '२१, विद्यावाचस्पति '२५, विद्यामार्तंड '५३, गुरुकुल कॉगडी मुलतान तथा गुरुकुल कॉगडी वि॰वि॰ सहारनपुर; सा॰ '२१-'४२ तक दक्षिणभारत मे हिंदी-प्रचार-कार्य, '४२-'५३ तक सार्वदेशिक सभा के सह-मत्री तथा मा॰ 'सार्वदेशिक' के सह-संपा॰, '४४ से केंद्रीय हिंदी-रक्षा-समिति की देहली मे स्था॰, हिंदी राष्ट्रभाषा-सबधी आदोलन मे सक्रिय सहयोग, '५७ से गुरुकुल वि॰वि॰ की मा॰ 'संस्कृत-हिंदी-पत्रिका' के संपा॰, गुरुकुल कॉगडी वि॰वि के भूत॰ वेदोपाध्याय ; प्रका॰ डाकखानों मे हिंदी की उपेक्षा क्यों ?, हमारी राष्ट्रभाषा और लिपि '४६, भारतीय समाजशास्त्र '३३, वैदिक कर्तव्यशास्त्र' '२८, भक्ति-कुसुमांजलि (दो भाग) '५२, हमारी राष्ट्रभाषा '४४, स्त्रियो का वेदाध्ययन और वैदिक कर्मकाड में अधिकार, बौद्धमत और वैदिक धर्म '५०, वैदिक धर्म-प्रश्नोत्तरी, आर्यकुमार निबंध-माला' ५२, धर्मवीर स्व॰ श्रद्धानंद, महर्षि दयानद और महात्मा गाँधी '५१, वेदो का यथार्थ स्वरूप, महापुरुष कीर्तनम् (संस्कृत खड॰ तथा हिंदी अनु॰), धर्म-शिक्षा, वैदिक ईश्वरवाद और आधुनिक विज्ञान, वेदो का महत्व, वेद-मूलक आर्यराजनीति, वेदभाष्यो का तुलनात्मक अनुशीलन '६१; वि॰ 'वेदो का यथार्थ स्वरूप' पर १०००), 'महापुरुष कीर्तनम्' पर ३००) तथा 'धर्मशिक्षा' पर ४५०) पुरस्कार प्राप्त; वि॰ चार वर्ष तक अँग्रेजी-संस्कृत-हिंदी-कोश का संपा॰, ४५,००० पारिभाषिक शब्द तैयार किये ; संस्कृत-धुरीण', सा॰भूषण', 'तर्कमनीषी' उपाधियाँ प्राप्त; प॰ आनद कुटीर, ज्वालापुर

धर्मपाल गुप्त—सा॰ फिल्ली मा॰ 'रंगभूमि' के संचा॰ संपा॰ ; प्रका स्फुट प 'रगभूमि' भवन ५ दरियागज दिल्ली ६।

धर्मपाल शास्त्री—ज० २६ जनवरी, '२५ ; शि० गुरुकुल स्नातक, सा०भास्कर, एम० ए० हिंदी, शास्त्री-प्रभाकर पंजाब वि०वि ; प्र० '५२ से, प्रका० पतलून की बन गई निकर, दोनों को उल्लू बनाया '५२, हिमालय पर विजय '५३, भारत के साहसी वीरों की गाथाएँ '५४, तूफान, मानो न मानो '५४, सुगम हिंदी व्याकरण तथा रचना '५४, आल्हाऊदल '५५, सरल हितोपदेश, सरल पंचतंत्र (दो भाग) '५६, निबंध-सरोज '५८, अलीबाबा चालिस चोर '६२, माटी का लड़का '५३, ऐतिहासिक आजादी रुक न सकी '५९, दुनिया के आश्चर्य '६१; वैज्ञा० वैज्ञानिक वरदान, मक्खियों की नोक-झोंक, अंकुर का सपना, हम एक है, सच्चे सेवक, झंडे की कहानी, तथा नव साक्षरों एवं शिशु-बाल की अनेक पुस्तकें; अप्र० भावात्मक एकता एवं भारतीय गौरव ; वि० 'हमारे त्यौहार' '५७, 'अंकुर का सपना' '५९ तथा 'दुनिया के आश्चर्य' पर केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा पाँच-पाँच सौ रु० का पुरस्कार, मेरी गुड़िया कुछ तो बोल (शिशु-गीत) पर उ०प्र० सरकार द्वारा २५०) का पुरस्कार प्राप्त; प० ६७, ए ब्लाक, कीर्तिनगर, नई दिल्ली।

धर्मपाल सिंह—ज० ३ जुलाई, १८९९; शि० साहित्यतीर्थ (संस्कृत); सा० भू० संपा० साप्ता० 'दरभंगा गजट' तथा 'किसान-केशरी', संपा० 'नंदिनी', मंत्री राज्य गोशाला पिंजरापोल संघ तथा राज्य एस० पी० सी० ए० विहार, महामंत्री महारानी कामेश्वरीप्रिया पुअर होम दरभंगा, सद०: पशुरक्षा विश्वसंघ लंदन, केंद्रीय गोसंवर्धन-परिषद एवं पशु-कल्याण, केंद्रीय मंत्रणालय, कृषि एवं पशुपालन मंडल दिल्ली, राज्य गोसंवर्धन परिषद, अ०भा० पशु-प्रदर्शनी-समिति के न्यायकर्त्ता; प्रका० गोपालन की पहली एवं दूसरी पोथी तथा गो-संबंधी अनेक स्फुट लेख ; वि० पशु-ज्ञान की जानकारी के लिए अनेक पश्चिमी देशों में भ्रमण कर चुके हैं, अँगरेजी में भी लिखते हैं; प० विहार राज्यगोशाला पिंजरापोल संघ, सदाकत आश्रम, पटना।

धर्मप्रियलाल शंकर—शि० एम० ए० संस्कृत तथा हिंदी पटना वि०वि०, सा०रत्न, काव्यतीर्थ, साहित्याचार्य, विद्यारत्न ; सा० सह-संपा० 'राष्ट्रवाणी', संपा० साप्ता० 'उदय' तथा 'दरभंगा-समाचार', अध्यक्ष हिं० वि०, च० मि० महाविद्यालय दरभंगा ; मंत्री . नवसाहित्य परिषद आर्यसमाज लहेरिया सराय एवं आर्य संगीत महाविद्यालय, उत्तरबिहार-हिन्दी-पत्रकार-संघ के अध्यक्ष ; प्रका० आलो० निबंध तथा अनु० ; प० 'दरभंगा समाचार', दरभंगा।

धर्मभानु श्रीवास्तव, डा०—ज० १ नवंबर, २६ ; शि० बी० ए० आनर्स लाहौर एम० ए० आगरा कालेज आगरा पी-एच० डी '५५ आगरा वि

वि० सा० आजी० सद० 'इंडियन हिस्टी कांग्रेस' एवं म०प्र० इतिहास-परिषद ; सद० 'एकेडमिक कौंसिल, फैकल्टी आव आर्ट्स', 'बोर्ड आव स्टडीज इन हिस्ट्री' विक्रम वि० वि० ; प्र० '५६ मे प्रका० विश्व इतिहास-दिग्दर्शन '६१, विश्व इतिहास की रूपरेखा '६३, आधुनिक विश्व' ६३ ; वि० इतिहास-संबंधी अनेक शोधपूर्ण ग्रंथ अँगरेजी मे भी लिखे हैं , प० द्वारा, डा० ए० एल० श्रीवास्तव, वजीरपुर रोड, सिविल लाइंस, आगरा। (२) विभागाध्यक्ष स्नातकोत्तर इतिहास विभाग, गवर्नमेंट आर्ट्स ऐंड कामर्स कालेज इंदौर।

धर्मवीर—ज० ४ अप्रैल, १९०५ झेलम शि० एम० ए०, इंग्लैंड, फ्रांस; इटली मे कला तथा पत्रकारिता की शिक्षा ; सा० पंजाब प्रांतीय हिंदू सभा के मंत्री, सपा० 'आकाशवाणी' हिंदी, 'हिंदू' उर्दू, 'होराइजन' अँगरेजी; '३३ में गोलमेज कानफ्रेंस से संबद्ध पार्लियामेंटी कमेटी में श्रीभाई परमानंद के सहायक-रूप मे लंदन गये, '३५ में चीन, जावा, बाली, लंका आदि का, कला की क्रियात्मक अनुभूति के लिए भ्रमण, राष्ट्रीय स्वयंसेवक-संघ के प्रांतीय मंत्री ; प्रका० संसार की कहानियाँ, पंजाब का इतिहास, अमर पत्र और बारह कहानियाँ, दक्षिण का इतिहास, भाई परमानंद की बारह उर्दू पुस्तकों का अनु०, स्व० हरदयाल (क्रांतिकारी) की जीवनी अँगरेजी तथा हिंदी में; अप्र० तीन-चार ग्रंथ; वर्त० अध्यक्ष अँगरेजी विभाग, दयानंद कालेज, हिसार ; प० शंकर फ्लैट्स, डबल फाटक, हिसार।

धर्मवीर प्रेमी—शि० एम० ए० नागपुर वि० वि०, सा०रत्न सम्मे० प्रयाग ; सा० हि० सा० समिति मेरठ के भूत० मंत्री , प्रका० प्रबंध-बोध, आर्य-जगत के उज्ज्वल रत्न आदि ; प० ऐडवोकेट, प्रेमी प्रिंटिंग प्रेस, मेरठ।

धर्मेंद्रदेव शर्मा, 'धर्म' —ज० '४० ; सा० मा० 'वज्रांग' एवं साप्ता० 'आदर्श हिंदू' के संपा० ; प्रका० भारत के दो महात्मा, भारत की आत्मा, गोशाला, वीर वैरागी , अप्र० दो लेख-संग्रह ; प० विराटनगर, जयपुर।

धर्मेंद्र ब्रह्मचारी शास्त्री, डा०—ज० २८ सितंबर, १९०६ ; शि० एम० ए० (संस्कृत, हिंदी तथा दर्शन), पी-एच० डी० पटना वि० वि०, ए० आई० ई० लंदन वि० वि०, काव्यतीर्थ ; सा० बिहार सरकार के शिक्षा विभाग के अंतर्गत २६ वर्ष तक अध्यापक, डिप्टी डाइरेक्टर, ज्वाइंट डाइरेक्टर, एडीशनल डाइरेक्टर तथा डाइरेक्टर आव पब्लिक इंस्ट्रक्शन ; सितंबर '६० मे अवकाशप्राप्त, मंत्री बिहार राष्ट्रभाषा परिषद ; प्रका० गुप्तजी के काव्य की कारुण्य धारा, महाकवि हरिऔध और उनका प्रियप्रवास, संत कवि दरिया : एक अनुशीलन (शोधग्रंथ) संतमत का सरभंग संप्रदाय हस्तलिखित

ग्रंथों का संपा (दो भाग), हरियाग्रंथावली (एक भाग), सामाजिक शिक्षा और समाजसेवा ; अप्र० शताधिक आलो० लेखों के चार संग्रह ; वि० '६१ में सार्वजनिक अभिनंदन, 'धर्मेंद्र अभिनंदन-ग्रंथ' भेंट किया गया ; कुछ ग्रंथ अँगरेजी में भी लिखे हैं ; प्र० प्राचार्य, जगजीवन कालेज, आरा।

धर्मेंद्रमदनलाल मास्टर, 'मधुरम'—ज० १२ जनवरी, '२६, भरुच, गुजरात ; शि० एम० ए०, सा०रत्न ; सा० राष्ट्रभाषा-प्रचार-समिति भरुच के मंत्री, गुजरात राष्ट्रभाषा-प्रचार-समिति की साहित्य-निर्माण-समिति के सद० ; प्रका० स्फुट लेख एवं अनुवाद ; वि० गुजराती में भी लिखते हैं, प० जे० एंड जे० कालेज, नडियाड, गुजरात।

धीरेंद्रकुमार अग्रवाल—ज० २ जनवरी, '३१ ; शि० प्रभाकर, एम० ए० अर्थशास्त्र, एल० टी० ; प्रका० पाषाणी (उप०) '५७, कीटाणु और सामान्य रोग '७२, पुस्तक कला '५५ , अप्र० दो अनु० ग्रंथ ; एक कहा० एवं लेख-संक०; प० २२२९, गली हीरावेग, तिलकबाजार, दिल्ली —६।

धीरेश्वर झा,'धीरेंद्र', 'नारद', 'शिशु', 'बालबन्धु', 'मास्टर साहब', 'दूरदर्शी'—ज० १४ जुलाई, ३४ ; शि० बी० ए० आनर्स दरभंगा, एम० ए० (हिंदी तथा मैथिली) विहार वि० वि० ; प्र० '५५ में ; प्रका० स्फुट कहानियाँ एवं निबंध आदि ; अप्र; भोफकवा (उप०), परंपरा (नाट०) आदि ७५ ग्रंथ , वि० 'मैथिली लोकगाथा का अध्ययन' पर शोध-कार्य-रत ; वर्त० प्राध्यापक, आर० आर० डिग्री कालेज, जनकपुर धाम (नैपाल); प० विश्वेश्वर-साहित्य-कुटीर, लोहना (पश्चिम), सरिसब पाटी, दरभंगा।

धीरेंद्र वर्मा, डा०—ज० १८९७, बरेली ; शि० देहरादून, लखनऊ, इलाहाबाद, एम० ए०, डी० लिट० (पेरिस) ; सा० हिंदी की उच्चकक्षाओं का पाठ्यक्रम क्रमबद्ध किया, '२४ में भाषा-शास्त्र तथा प्रयोगात्मक ध्वनिविज्ञान के अध्ययनार्थ योरोप-यात्रा, '३५ में पेरिस वि० वि० से डी० लिट० की उपाधि प्राप्त की, हिंदुस्तानी एकेडमी और हिं० सा० सम्मेलन से निरंतर संबंध, एकेडमी की त्रैमा० पत्रिका 'हिंदुस्तानी' के संपा० मंडल में रहे, भूत० संपा० 'सम्मेलन पत्रिका', भारतीय हिंदी परिषद प्रयाग के संस्था०, राजनीतिक उद्देश्य से असाहित्यिकों द्वारा हिंदी भाषा, लिपि और शैली के साथ खिलवाड किये जाने के विरोधी, भूत० संपा० 'हिंदी विश्वकोश', भूत० अध्यक्ष हिंदी विभाग, प्रयाग वि० वि० '२६-'५९ तक ; प्रका० हिंदी राष्ट्र, अष्टछाप, ग्रामीण हिंदी, हिंदी भाषा और लिपि, 'ला लांग ब्रज' (फ्रेंच में) ब्रजभाषा-व्याकरण, यूरोप के पत्र, विचारधारा, मध्यप्रदेश का इतिहास

हिंदी भाषा का इतिहास ; सूरसागर-सार (संपा०) ; अप्र० दो स्फुट आलो० लेख-संग्रह ; प० अध्यक्ष, भाषाविज्ञान-विभाग, वि० वि०, सागर।

नंदकिशोर झा, 'किशोर'—ज० १९०१, बानी; शि० काव्यतीर्थ, बी० ए०, मा० सद० 'लेखक-संघ'; प्र० '३२ मे; प्रका० प्रियमिलन (महा०), हृदय (कवि०), मेरी सबसे बड़ी कहानी, भर्तृहरि-वैराग्य (नाट०), प्रियप्रयाण (सम्कृत, खड०), चालाक चौकड़ी (भोजपुरी); अप्र० प्रियप्रवास-पाथेय (आलो०); वि० एक रजतपदक प्राप्त; प० श्रीनगर, बेतिया, चंपारण।

नंदकुमार राय—ज० २६ सितबर, ४०; शि० जितौरा, आरा; प्र० '५९ मे, प्रका० छायावाद और परिसकल्लन; प० वागर, शाहाबाद।

नंद चतुर्वेदी—ज० २१ अप्रैल, '२३, शि० एम० ए० हिंदी, बी० टी०, सा० संपा० साप्ता० 'जयहिंद', मा० 'जन-मन' एवं 'जन-शिक्षण'; राज० साहित्य अकेडमी की कार्यकारिणी के सद० तथा साहित्य-सृजन विभाग के संयो०, आकाशवाणी जयपुर केंद्र की ग्राम-सलाहकार-समिति के सद०; प्र० '४० में; प्रका० संपा०: सप्त किरण, राजस्थान के कवि, भक्ति '६३; प० अध्यापक, हिंदी विभाग, विद्याभवन ग्राम विद्यापीठ, उदयपुर।

नंददुलारे वाजपेयी, आचार्य—ज० १९०६, शि० एम० ए० हिंदी, काशी वि० वि० '२९; सा० भूत० संपा०: 'भारत' प्रयाग '३०-'३२ तक एवं 'आलोचना' दिल्ली, ना० प्र० सभा काशी मे '३२-'३७ तक 'सूरसागर' का संपा०, गीता प्रेस गोरखपुर में '३७-'४१ तक 'रामचरितमानस' का संपा० किया; '४७ से अब तक सागर वि०वि० में हि० वि० के अध्यक्ष, अ०भा० हि० सा० सम्मे० के पूना अधिवेशन मे साहित्य-परिषद के अध्यक्ष '४०, ना० प्र० सभा के हीरकजयतीसमारोह में साहित्य-परिषद के सभा०, भारतीय हिंदी परिषद के दिल्ली और वल्लभ विद्यापीठ अधिवेशनो के अध्यक्ष '६०-'६१, साहित्य अकेडमी दिल्ली मे विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि तथा सद० काशी वि०वि० की कार्यकारिणी समिति के ६ वर्ष तक; प्र० '२७ मे; प्रका० मौलिक: हिंदी साहित्य:बीसवी शताब्दी, जयशंकर प्रसाद, महाकवि सूरदास, प्रेमचद-साहित्यिक विवेचन, आधुनिक साहित्य, नया साहित्य : नये प्रश्न, राष्ट्रभाषा की समस्याएँ; संपा० सूरसागर, रामचरितमानस एवं अनेक अन० और संपा० ग्रंथ; वि० '४७ मे 'निराला स्वर्णजयंती' के लिए देशव्यापी संगठन किया, उत्तर-दक्षिण भारत के अनेक वि० वि० की विभिन्न समितियों के सद०, केंद्रीय शासन की ओर से हिंदी-सद्भावना-प्रसार-संबंधी केरल यात्रा; इनके निर्देशन मे २५ से अधिक शोधछात्रों को पी एच डी की उपाधि दी चुकी

है, उ० प्र० शासन से 'आधुनिक साहित्य' पुस्तक पर पुरस्कार प्राप्त, प० प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, हिं० वि०, वि वि , सागर ।

नगेंद्र, डा०—ज० मार्च '१५, अतरौली, अलीगढ़; शि० एम० ए० हिंदी '३७ नागपुर वि०वि०, एम० ए० अँग्रेजी '३६, आगरा वि०वि०, डी० लिट० हिंदी '४७ आगरा वि०वि०; सा० अधिष्ठाता 'कला संकाय' दिल्ली वि० वि० '५८-'६०, अध्यक्ष मानवकी शोधमंडल, दिल्ली वि०वि० तथा अनेक हिंदी संस्थाओं एवं भारत सरकार की हिंदी समितियों के सद०; प्र० '३७ में; प्रका० मौलिक सुमित्रानंदनपंत '३८, साकेत : एक अध्ययन '३९, आधुनिक हिंदी नाटक '४०, विचार और अनुभूति '४४, विचार और विवेचन '४९, रीतिकाव्य की भूमिका '४९, देव और उनकी कविता '४९, आधुनिक हिंदी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ '५१, विचार और विश्लेषण '५५, अनुसंधान और आलोचना '६१, भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका (दूसरा भाग) '५५, अरस्तू का काव्यशास्त्र '५७, काव्य में उदात्त तत्व (अनु०) '५८, संपा० हिंदी ध्वन्यालोक '५२, कवि भारती (कवि०) '५३, हिंदी काव्यालंकार सूत्र '५४, रीति-शृंगार (रीतिकालीन काव्यसंग्रह) '५४, हिंदी वक्रोक्तिजीवित '५५, भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा '५६, भारतीय नाट्य साहित्य '५५, हिंदी साहित्य का वृहत् इतिहास (षष्ट भाग) '५८, भारतीय वाङ्मय '५८, इंडियन लिटरेचर (अँग्रेजी) '५९, हिंदी अभिनवभारती '६०, हिंदी काव्यप्रकाश '६०: वि० डालमिया पुरस्कार, उ० प्र० हिंदी समिति पुरस्कार तथा म० प्र० हिंदी परिषद पुरस्कार प्राप्त;अप्र० चार आलो० लेख-संग्रह ; प० अध्यक्ष, हिं० वि०, वि०वि०, दिल्ली ।

नटवरलाल, 'स्नेही'—ज० ५ जुलाई, '०७; शि० नागदा; प्रका० अंतर्ज्वाला '४२, वेदना '४४, जयपथ '४७, नवरस '४७, नवरत्न '४७, समाजवादी भारत की रूपरेखा '४८, गांधी मानस '४१, प्रसाद '४४, जीवन '४६, पुष्पांजलि '४९; वि 'गांधी मानस' (प्रबंध०) पर म० भा० कला-परिषद्, म० भा० के मुख्य मंत्री, राजस्थान के मुख्य मंत्री तथा प्रधान मंत्री प० नेहरू जी द्वारा क्रमशः ३४०), २४०), ४००) तथा ४००) के पुरस्कार प्राप्त; प० पर्णकुटी प्रकाशन, नागदा जं०, उज्जैन ।

नरबदाप्रसाद सक्सेना—ज० २ जनवरी, '३३ शाजापुर; शि० बी० ए० '५८, एम० ए० इतिहास, विक्रम वि०वि०, सा० रत्न '५३, राजनीति-रत्न, इतिहासरत्न '५८, बी० एड विक्रम वि०वि०, संस्कृत-कोविद बंबई, विशारद; सा० अध्यक्ष, 'हिं० सा० समिति' गुना, हिं० सा० समिति-शाजापुर की कार्य

कारिणी के सद०, सम्मे०-परीक्षाओं के केंद्रव्यवस्थापक; प्रका० स्फुट आलो० लेख, अप्र० संपा० काव्यसंग्रह : हिलते अधर, नई लहर नये स्वर, वर्त० '५६ से बहुद्देशीय हायर सेकेंड्री विद्यालय मे अध्यापक; प० नीमवाणी, शाजापुर ।

नरसिंह—ज० १२ मार्च, '३३ , शि० बी० ए० आनर्स ; प्रका० इंसाफ (कहा०) ; वर्त० प्लैनर, दि० इंडियन टयूब कं०, पो० बा० ८५, जमशेदपुर ; प० ५१, एम० रोड, जमशेदपुर—१ ।

नरसिंह जोशी—ज० २६ फरवरी, '२५ , शि० इंटर, ग्वालियर ; सा० भाषा-शुद्धि तथा लिपि-सुधार आंदोलन में सक्रिय कार्य ; प्रका० १८५७ का भारतीय स्वातंत्र्य समर (अनु०) '५७, समष्टिवाद '५८ ; वि० मराठी में भी लिखते हैं ; प० उदाजी की पागा, लश्कर ।

नरसिंहराम शुक्ल, 'गुनहगार'—ज० १९०८ ; सा० संपा० : 'प्रकाश', 'सजनी', 'सज्जन', 'शेरबच्चा' आदि ; प्र० '३४ ; प्रका० उप० : किसान की बेटी, काजी की कुटिया, राजकुमारी कनकलता, देवदासी, कुचक्र, चंद्रिका, बेगम, गुनहगार ; विविध देशी शिष्टाचार, सफलता के सात साधन, महामना मालवीय जी, बृहद पाक विज्ञान, प्रेमियों के पत्र, आधुनिक स्त्री धर्म, सौंदर्य और शृंगार ; वि० लगभग ८० उप०, ३० बालो० एवं ३० विविध विषयक ग्रंथ लिखे हैं ; प० १८०, सोहबतिया बाग, इलाहाबाद ।

नरसिम्हाचारी, डा०—ज० १० अगस्त '२७ ; शि० एम० एम० हिंदी, पी-एच० डी० काशी वि० वि०, प्रका० कामायनी-दिग्दर्शन ; अप्र० प्रसाद की कहानी कला, साहित्यिक अभिरुचि और समीक्षा (शोध-प्रबंध), शुक्लजी का समीक्षा कार्य : एक मूल्यांकन, एवं दो आलो० लेख-संग्रह; प० हिंदी प्राध्यापक, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति ।

नरहरि चिंतामणि जोगलेकर—ज० ५ अगस्त, '१६; शि० इंदौर, एम० ए० हिंदी, काशी वि० वि०, सा० रत्न सम्मे० प्रयाग ; सा० गत पंद्रह वर्षो से राष्ट्र-भाषा-प्रचार समिति वर्धा के प्रामाणिक प्रचारक, '४८-'५० तक प्राध्यापक हि० वि०, भवन कालेज बंबई ; '५०-'६० तक अध्यक्ष हि० वि०, मूलजी जेठा कालेज जलगाँव, अब पूना वि० वि० मे हिंदी-प्राध्यापक ; प्र० '३८ से ; प्रका० मराठी का वर्णनात्मक व्याकरण, राष्ट्रभाषा-विचार-संग्रह, देवनागरी लिपि : उद्भव विकास और समस्याएँ ; वि० 'मराठी और हिंदी के वैष्णव साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन' विषय पर शोधकार्य-रत ; वि० मराठी में भी लिखते है ; प० हिं० वि०, गणेशसिंह वि०वि०, पूना—७ ।

नरहरि पटेल—ज० २ जनवरी '३४ · शि० सैलाना- एम० ए० हिंदी,

एल-एल० बी० इंदौर ; प्र० '४७ में , प्रका० संत जलाराम, भक्ति गीतमाला, '६२ ; अप्र० एक कविता और एक रेडियो रूपक-संग्रह ; वि० मालवी में भी लिखते हैं ; प० ओ० टी० गाँधी ऐंड कं०, १०, महारानी रोड, इंदौर।

नरेंद्रकुमार भानावत, डा०—ज० १६ सितंबर, '३४ ; शि० कानोड़, छोटी सादड़ी, बी० ए० (स्वर्णपदक प्राप्त), एम० ए० '५८ डूँगरकालेज बीकानेर, पी-एच० डी '६२ राजस्थान वि० वि०, सा-रत्न सम्मे० प्रयाग; सा० भूत० प्राध्यापक, गवर्नमेंट कालेज, हँदी ; प्र० '५० में ; प्र० अन्तर्भारती (संक०), अप्र० राजस्थानी वेलि साहित्य (शोध-प्रबंध); संपा० राजस्थानी वेलि-संग्रह, महादेव पार्वती री वेलि, विष से अमृत की ओर (एकां०), पूजा के बोल (गद्यकाव्य) एवं दो कविता-संग्रह ; वि० हजारीमलबाँठिया पुरस्कार प्राप्त, वर्त० हि० वि०, राज० वि० वि०, जयपुर ; प० डी० ३८, बापूनगर, जयपुर।

नरेंद्र गोयल—ज० २७ फरवरी '२४ , शि० एम० ए० दर्शनशास्त्र, काशी वि० वि० ; सा० '४२ के आंदोलन में दो वर्ष का कारावास ; प्र० '४६ में ; प्रका० लेख एवं कहानियाँ ; वि० अँगरेजी में भी दो ग्रंथ लिखे हैं ; वर्त० सहायक संपा०, दैनिक 'नवभारत टाइम्स' दिल्ली ; प० पी०—५२, साउथ एक्सटेंशन २, नई दिल्ली—१६ ।

नरेंद्र, 'चंचल'—ज० १५ अगस्त, '३८, गुना , शि० बी० ए० गुना , सा० डेढ़ वर्ष तक संपा० साप्ता० 'नवसंदेश', संस्था०-अध्यक्ष : 'निराला-साहित्य-परिषद' ; प्रका० स्फुट गीत ; अप्र० मन के अक्षर (कवि०), देश के बढ़ते चरण ; प० ८, नरेंद्र गली, गुना।

नरेंद्रदेव वर्मा—ज० ४ नवंबर, '३८, वर्धा ; शि० बी० ए० बिलासपुर, एम० ए० हिंदी, सागर वि० वि० (आरंभ से एम० ए० तक सभी परीक्षाओं में प्रथम श्रेणी) ; प्रका० आधुनिक निबंध : विश्लेषणात्मक समीक्षा, प्रज्ञा : विश्लेषणात्मक समीक्षा, प्रयोगवाद : समीक्षा और काव्य-दर्शन (शोधग्रंथ); अप्र० दो आलो० लेख-संक, वि० 'प्रयोगवादी काव्य और साहित्य-चिंतन' विषय पर शोध-कार्य-रत ; प० ४/६८०, बैजनाथपारा, रायपुर।

नरेंद्रदेव शर्मा—१ अगस्त, '४१ ; शि० जी० ए० एम० एस० मोतिहारी, साहित्यालंकार देवघर, बी० ए० भागलपुर वि० वि०, विशारद सम्मे० प्रयाग ; प्र० '६० में ; प्रका० अरविंद (काव्य) '६०, साहित्य-मंदिर ; प० प्राचार्य राष्ट्रीय महाविद्यालय, सेवती, मखदमपुर, गया।

नरेंद्रनारायण लाल—ज० ५ अप्रैल, '२०, औरंगाबाद, गया ; शि बी ए '४५ बी एल पटना वि वि सा संपा एवं सहसंपा

'विश्वमित्र' (पटना) '५०-'५२, 'नवीन भारत,' 'जनजीवन', 'गृहस्थ', साप्ता० 'आदिवासी' (राँची. बिहार सरकार) '५७-'५८ , प्र० '२६ में , प्रका० प्लैटफार्म (गद्यकाव्य), धुँधली तसवीरें (कहा०), कंगालों की टोली (नाट०), वनफूल (आलो० निबंध) , बालो० समुद्र की आत्मकथा, पड़ोसी, अनोखी कहानियाँ, आदर्श बालक, भारत का नया इतिहास , अप्र० अर्द्धांगिनी (नाट), राटी (कहा०), कब्र का चिराग (कहा०), पहली अप्रैल (हास्य), शेफालिका (निबंध), एक किश्ती हजार तूफान (उप०), राजा हो तो ऐसा (बालो०) ; अप्र० तीन-चार संग्रह ; वि० अँगरेजी और उर्दू में भी लिखते हैं ; प० प्रचार-अधिकारी, जन संपर्क विभाग, बिहार सचिवालय, पटना ।

नरेंद्रपाल सिंह—ज० १७ अक्टूबर '२२ लायलपुर ; शि० जालंधर एवं लाहौर ; प्र० '४८ में ; प्रका० शक्ति '५३, उनतालीस वर्ष '४६ (उप०) ; वि० पंजाबी में भी लगभग दो दर्जन ग्रंथ लिखे हैं, अँगरेजी में भी लिखते हैं ; अनेक देशों का भ्रमण किया है ; प० द्वारा लायड्स बैंक, नई दिल्ली ।

नरेशचंद्र बंसल—ज० १ जनवरी, '३६ ; शि० कासगंज, आगरा, कानपुर और बड़ौदा, एम० ए० ; प्र० '५० में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० मन की छाया (गद्यकाव्य), रेखाएँ (कवि०), संपा० : सूरदास मदन मोहन की पदावली, चैतन्य संप्रदाय का पद-साहित्य ; वि० 'चैतन्य-संप्रदाय की हिंदी कविता' विषय पर शोधकार्य-रत. गुजराती में भी लिखते हैं और गुजराती की अनेक रचनाओं के अनु० किये हैं ; प० अध्यक्ष हि० वि०, श्री रजनी पारेख आर्ट्स कालेज, खंभात, खेड़ा, गुजरात ।

नरेशचंद्र मिश्र—ज० २ नवंबर, '२४ ; शि० इंटर, प्रयाग ; सा० मा० 'कादंबिनी' के संपा० विभाग में कार्य किया, 'विहान' संस्था से संबद्ध ; प्रका० कथा—सुरभारती के प्रतिभापुत्र ; उप० : कचनार, चाँद के धब्बे ; अप्र० उप० : सह्याद्रि की बेटी, लोहे का पर्दा एवं ऐति० कहा० के चार संक० ; वि० अँगरेजी से अनेक स्फुट अनु० किये हैं ; 'सुरभारती के प्रतिभापुत्र' उ० प्र० सरकार द्वारा पुरस्कृत ; प० २४४, दारागंज, इलाहाबाद ।

नरोत्तमदास स्वामी—ज० २ जनवरी, १९०५ ; शि० एम०ए० हिंदी तथा संस्कृत ; सा० संस्था०सद० ' सादूल राजस्थानी रिसर्च इंस्टीट्यूट बीकानेर एवं भारतीय विद्यामंदिर बीकानेर ; मान्य सद० : राजस्थान साहित्य अकेडमी, आजी० सद० : 'भंडारकर ओरिएंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट' पूना, ना० प्र० सभा वाराणसी एवं भारतीय 'पी० ई० एन०' बंबई ; सद० परामर्श मंडल त्रैमासिक 'मरुभारती' पिलानी. संपा०मंडल त्रै० मा० 'राजस्थान भारती'

एव 'विश्वंभरा' बीकानेर ; कुलपति भारतीय विद्यामंदिर बीकानेर, संपा 'भारतीय विद्यामन्दिर ग्रंथमाला', प्राध्यापक एवं अध्यक्ष हि० वि०, डूँगर कालेज बीकानेर '२६-'५५ तथा महाराणा भूपाल कालेज उदयपुर '५५-'६२ ; प्रका० रासो-साहित्य और पृथ्वीराज रासो, राजस्थान-रा-दूहा, राजस्थानी लोकगीत (दो भाग), राजस्थानी ग्रामगीत, राजस्थानी कहावतें (दो भाग), राजस्थान के वीरगीत, वीर-रस रा दूहा, बाँकीदास री ख्यात, प्राचीन राजस्थानी गल्पसंग्रह, संक्षिप्त राजस्थानी-व्याकरण, कृष्ण रुक्मिणी री वेलि, अपभ्रंश पाठमाला, अलंकार-परिचय, अलंकार-पारिजात, महान बालक, बीकानेर के वीर, नवीन संस्कृत व्याकरण, राजस्थानी वातां, ऐतिहासिक राजस्थानी वातां आदि लगभग १०० पुस्तकें ; अप्र० कबीर-ग्रंथावली, पृथ्वीराजरासो लघुतम रूपांतर, अलंकार-रत्नाकर, हेमचंद्र का अपभ्रंश व्याकरण, हेमचंद्र का छंदोऽनुशासन, वैदिक भाषा का व्याकरण, वृहत संस्कृत व्याकरण, राजस्थानी भाषा और साहित्य, अपभ्रंश-हिंदी-कोश, वृहत राजस्थानी-हिंदी-कोश एवं २०० शोधपूर्ण तथा आलो० लेखों के संग्रह ; वि० सम्मे० प्रयाग का 'मानसिंह पुरस्कार' प्राप्त ; प० शांतिआश्रम, बड़े विजलीघर के पास, बीकानेर।

नर्मदाप्रसाद गुप्त—ज० १ जनवरी, '३१ ; शि० एम० ए० अँग्रेजी, मा० मंत्री : ईसुरी-परिषद, बुंदेलखंड ; प्रका० आल्हा '६२ (ऐति० उप०) ; अप्र० बुंदेली भाषा और साहित्य, सांस्कृतिक तथा ऐति० कहा० के दो संक० ; प० टिकरिया मोहाल, छतरपुर।

नर्मदाप्रसाद खरे—ज० ६ अक्टूबर, '१३ ; सा० भूत० साहित्य मंत्री म० प्र० हि० सा० सम्मे०, संचा० लोकचेतना प्रकाशन, सहसंपा० मा० 'प्रेमा', संपा० सामा० 'शुभचिंतक' तथा साप्ता० 'प्रहरी' ; प्र० '३० में ; प्रका० कहा० : रोटियों की वर्षा, नीराजना, तो स्वराज्य हो गया ; काव्य : स्वर-पाथेय, ज्योतिर्गंगा ; बालो० अनेक पुस्तकें ; वि० 'रोटियों की वर्षा' पर म० प्र० शासन साहित्य-परिषद का ५००) का 'सुभद्राकुमारी चौहान पुरस्कार' एवं उत्तर प्रदेशीय शासकीय हिंदीसमिति द्वारा ४००) का पुरस्कार प्राप्त ; प० लोकचेतना प्रकाशन, जबलपुर।

नर्मदाप्रसाद त्रिपाठी—ज० १ मार्च, '३४, कंदई, फैजाबाद ; शि० बी० ए० ; मा० 'भूपाल के भास्कर', 'नवप्रभात' एवं 'जागरण' के संपा० विभाग में कार्य, आकाशवाणी भोपाल केंद्र के समाचार-विभाग में लगभग तीन वर्ष रहे; मंत्री : 'प्रतिमान' संस्था भूपाल ; प्र० '५० में ; प्रका० स्फुट रचनाएँ ; अप्र० चाँदनी का जहर (कवि०), लक्ष्मी की हार (ना०)

वर्त० मध्यप्रदेशीय सूचना एवं प्रशासन विभाग में कार्य करते हैं; प० १३/१० नार्थ टी० टी० नगर, भोपाल।

नर्मदाप्रसाद मालवसार, 'नर्मदेश'—ज० २२ अप्रैल,'२२ ; शि० एम० ए०, बी० एड ; सा० १८ वर्ष तक साहि०परि० विदिशा के मंत्री तथा आजकल अध्यक्ष, भूत० संपा० दै० 'विश्वमित्र', बंबई ; प्र० '४० में ; प्रका० कवि० : विद्रोही के स्वर, नवनिर्माण; संपा० : अंबर के दीप विदिशा के बोल ; प० प्रधानाध्यापक, माध्यमिक विद्यालय, माधवगंज, विदिशा ।

नलिनीकांत(तिवारी)—ज० १ जनवरी, '१० ; शि० पटना एवं काशी वि० वि०, प्र० '४७ में, प्रका० दिगत की किरणें '६२ ; अप्र० अंतर्राष्ट्रीय चरित्र-कोश ; प० (१) बंदनवार, संथाल परगना । (२) ४२४, दामोदर कालोनी, अंडाल, बर्दवान ।

नवरंगलाल धोलकीया—ज० १८ अगस्त, '०५ राजकोट ; शि० बी० ए०, एल एल० बी० बंबई वि० वि०, राष्ट्रभाषा - कोविद वर्धा, विशारद सम्मे० प्रयाग ; सा० २२ वर्ष से राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के प्रचारक, '४१- '४३ में राजकोट में राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के व्यवस्थापक ; प्रका० जनता की बोली (पाठ्यग्रंथ, कई भाग) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' का गुजराती अनु०, वर्त० गुजरात समाचार विभाग (आकाशवाणी) में उप-मंत्री ; वि० गुजराती में भी लिखते हैं ; प० (१) द्वारा, गुजराती यूनिट, न्यूज सरविस डिवीजन, आकाशवाणी, नई दिल्ली। (२) १५ ए/१७, आनदनगर, नई दिल्ली।

नवरत्न कपूर, डा०—ज० १७ अगस्त, '३३, शि० एम० ए० पंजाब वि० वि०, पी-एच० डी० काशी वि० वि० ; सा० कुछ समय तक काशी में पर्यायवाची शब्द-कोश-संबधी कार्य, भूत०सहसंपा० मा० 'श्रमण' काशी वि० वि०, हिंदी विश्वकोश (ना० प्रचा० सभा, वाराणसी) के संपा० विभाग में में कार्य किया; प्रका० स्फुट ; अप्र० शब्द, संख्या, संस्कृति (निबंध), 'हिंदी के ऐतिहासिक नाटक : उनकी मूलभूत प्रवृत्तियाँ और प्रेरक शक्तियाँ' (शोध-ग्रंथ); प० हिंदी प्राध्यापक, राजकीय कालेज, सँगरूर, पंजाब ।

नवलकिशोर—शि० एम० ए० ; सा० भूत० प्राध्यापक महाराजा कालेज जयपुर ; प्रका० स्फुट आलो० लेख ; वि० उपन्यास से संबंधित विषय पर शोधकार्य-रत ; प० प्राध्यापक, एम० एस० जे० कालेज, भरतपुर ।

नवलकिशोर झा, 'नवल'—ज० १९०६ ; शि० विशारद '४० सम्मे० प्रयाग, साहित्यालंकार '४३ देवघर, कविरत्न '४७, काव्यालंकार अयोध्या ; सा० संस्था० : सोन्हौली साहित्यसदन प्र '२५ में प्रका नूतन

पत्रचंद्रिका '२७, हिंदी-वाजसनेयोपनिषद् '३३, कवि० : अंतर्ज्योति '४०, शंखनाद '४२, अप्र० कवि० : अजलि, पंखुड़िया, विसर्जन, कुसुम-कुंज, नवलनिकुंज, नवल सतसई, कीर-दूत, अभिषेक (प्रबंध०); वि० स्थानीय साहित्यिक गतिविधि से योग ; प० मोन्ट्रौली, कछुआ, मुंगेर।

नवलकिशोर धवल—ज० ७ दिसंबर, '१३, धर्मपुर, सरमेश, पटना, शि० सा०भूषण, साहित्यालंकार, देवघर ; सा० मंत्री : मुंगेर जनपद सा०परि०, प्रधान मंत्री : मुंगेर जिला हि० सा० सम्मे०, कार्यकारिणी के सद० : बिहार प्रादेशिक हि० सा० सम्मे०, उपसभा० बिहारसाहित्यकार-संघ, भूत० संपा० 'मशाल' '४४, साप्ता० 'आदमी' '४२, 'प्रभाकर' '३६-'४०, 'युगसंदेश' '४६, (मुंगेर), मा० 'वीर बालक' '४२-'४४, 'चेतावनी' '४४; लगभग ६ वर्ष तक कारावास में ; प्र० '२६ में, प्रका० नाट० : विप्लवी किसान '५१, मन का फेर '४६, रंग के छींटे '४७, बाँध और धारा '४६, यह क्या अँधेर है '६२, हम अजेय हैं '६२ : कहा० : कैदी के सपने '३४ ; कवि० : जनगान '४८, नदिया बूँदें बूँद भरी '६०, रंग और अबीर, 'भूदान गीत' ४७, आया नया जमाना '६१ ; अन्य : श्रेणी क्या संघर्ष क्यों '४०, अर्थशास्त्र का क ख ग '४६, एक बाट घर हाट का, मार्क्स के सिद्धांत ; वर्त० साहित्यपदाधिकारी, जनसंपर्कविभाग, बिहार सरकार, 'बाँध और धारा' नाटक लगभग एक हजार बार अभिनीत ; प० रामभवन, पानदरीबा गली, पटना —७।

नवलबिहारी मिश्र, डा०—ज० १६०१, गँधौली, सीतापुर ; शि० बी० एस-सी० '२४, एम० बी०, बी० एस० '३० लखनऊ वि०वि० ; सा० सद० संपा०मंडल० 'विज्ञान-जगत', '४० से हिंदी सभा सीतापुर के मंत्री, 'सीतापुर जिला गजेटियर' में सीतापुर के साहि०, ऐति० तथा पुरातात्विक खंड के लेखक ; प्र० '१४ में ; प्रका० कहा० अधूरा आविष्कार '६०, सत्य और मिथ्या (वैज्ञा० कहा०) '६३ ; उप० : उड़ती मोटरों का रहस्य, नयी सृष्टि ; वि० वैज्ञानिक कहानियों के प्रतिष्ठित लेखक; बँगला से अनेक रचनाओं के अनु० किये हैं; 'सरस्वती' के 'जनविज्ञान' स्तंभ के लेखक, लगभग बीस वैज्ञानिक अनु० उपन्यासों की 'किशोर सीरीज' के संपा०, 'अवधी कोश तथा व्याकरण' पर कार्य कर रहे हैं, 'अधूरा आविष्कार' पर उ०प्र० सरकार द्वारा ५००) का पुरस्कार प्राप्त ; प० डाक्टर, सीतापुर।

नवाबसिंह चौहान, एम० पी०—ज० १६ दिसंबर, १६०६, शि० धर्मसमाज कालेज, अलीगढ़, सा० भारतीय संसद-सद, संस्था० ग्रामोदय प्रकाशन, संपा० 'संग्राम' एवं 'सर्वोदय डाइजेस्ट' प्रका 'ग्रामोदय प्रकाशन'

द्वारा प्रकाशित लगभग ४० सस्ती पुस्तकों के लेखक अथवा संपा० ; वि० दक्षिणी, पूर्वी और पश्चिमी एशियाई देशों की अनेक बार यात्राएँ की हैं ; अप्र० कविताओं और लेखों के संकलन , वि० संसद में हिंदी प्रयोग के प्रबल समर्थक ; प० (१) रेलवे रोड, अलीगढ़ । (२) १९, नार्थ एवेन्यू, नई दिल्ली ।

नवीन दवे, 'मृदुल'—ज० २८ मई, '४० ; शि० बी० ए० विक्रम वि०वि० , प० '५८ में ; प्रका० उप०: रूपमती '६०, बंजारा तालाब '६२; अप्र० नवीना (कहा०), दरिद्रनारायण, नारी एक : घटनाएँ अनेक (अनु०) ; वि० कई कहानियाँ पुरस्कृत ; प० ५९, श्रीपालमार्ग उज्जैन ।

नाथूलाल अग्निहोत्र , 'नम्र'—ज० १ सितंबर, १९०९ ; शि० शास्त्री वाराणसी, सा०रत्न सम्मे० प्रयाग, मैट्रिक . मा० संस्था०-अध्यक्ष ' श्रीरामशरण पुजारी पाठशाला पीलीभीत, सात वर्ष तक मा० 'प्रेम-संदेश' वृंदावन के संपा० रहे ; प्रका० कवि० नम्रलता '२८, गीतिहार, वनस्थली (महा०), पद्य-पुष्पांजलि, आनंदलहरी, पद्य-पुंज, उद्यान; अन्य ' सावित्री-सत्यवान, बकसंहार, द्रौपदी-वस्त्रहरण, सुभद्रा-हरण, राजसूय-यज्ञ, किरातार्जुन-युद्ध, यक्ष-संवाद, कीचक-वध ; वर्त० संस्कृत-हिंदी-अध्यापक, तिलक इंटर कालेज, बरेली ; प० नम्र निवास, चौधरी मुहल्ला, बरेली ।

ना० नागप्पा, आचार्य—ज० ३० अप्रैल, '१२ ; शि० बी० ए० '३३ मैसूर वि०वि०, एम० ए० '३५ काशी वि०वि० ; सा० सद० : 'बोर्ड आफ स्टडीज इन हिंदी' मैसूर तथा मद्रास वि०वि०, 'बोर्ड आफ स्टडीज इन लिंग्विस्टिक्स' मैसूर वि०वि०, 'बोर्ड आफ स्टडीज ऐंड इग्जैमिनेशंस इन हिंदी' मैसूर राज्य सरकार, पुनर्निरीक्षण तथा समन्वय समिति, प्रशासनिक शब्दावली-समिति, शिक्षामंत्रालय हिंदीनिर्देशालय भारत सरकार, भाषाविज्ञान-वेत्ता परिषद भारत सरकार (शिक्षा-मंत्रालय), विनिमय-व्यवस्था-अनुशंसा-समिति (तृतीय पंचवर्षीय योजनावधि के लिए, भारत सरकार), केंद्रीय हिंदी-शिक्षण-मंडल-व्यवस्थापिका तथा कार्यकारिणी समिति आगरा (शिक्षामंत्रालय भारत सरकार), शिक्षा-परिषद, परीक्षा-समिति तथा कार्य-कारिणी समिति, आगरा (शिक्षा-मंत्रालय, भारत सरकार) एवं द० भा० हि० प्र० सभा मद्रास; अध्यक्ष : हिंदी बोर्ड मैसूर वि०वि० ; प्रका० अनु० : श्रवणबेलगोल, बेलूर '५९, व्यावहारिक हिंदी '५८, हिंदी-गद्य-सुधा (संक०) '६१ ; वर्त० प्राध्यापक तथा अध्यक्ष, स्नातकोत्तर हिंदी अध्ययन तथा अनुसंधान विभाग, वि०वि०, मैसूर ; प० १६१६-V क्रास, होसकेरी, मैसूर—४ ।

नानुभाई बारोट—ज० १० जून, '११ : शि० बी० ए० एल-एल बी

बंबई वि॰वि॰; कोविद वर्धा, विशारद सम्मे॰ प्रयाग ; प्र॰ '५१ ; प्रका॰ आधुनिक हिंदी कविता '५१, हिंदी पाठावली '५२, गुजराती हिंदी कोश '६२ ; प॰ गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद—१४ ।

नानूराम वर्मा—ज॰ २ नवंबर, १८८१ ; शि॰ बी॰ ए॰ होल्कर कालेज, इंदौर, जा॰ उर्दू, गुजराती, फारसी एवं मराठी ; सा॰ ७ वर्ष तक 'मैढ प्रभाकर' तथा आठ वर्ष तक 'मैढ क्षत्रिय समाचार' के संपा॰, इंदौर आर्यसमाज के भूत प्रधान एवं उसकी स्वर्णजयंती के प्रधानमंत्री, श्रीश्रद्धानंद अनाथालय इंदौर के संस्था॰, स्वर्णकार सभा लक्ष्मणगढ तथा गोरखपुर के सभा॰ ; प्रका॰ स्फुट रचनाएँ ; अप्र॰ तीन संग्रह; वर्त॰ संपा॰ 'स्वर्णकार सर्वस्व', जयपुर ; प॰ ५६, आड़ा बाजार, इंदौर ।

नामवर सिंह, डा०—ज॰ १ मई, '२७ ; शि॰ एम॰ ए॰, पी-एच॰ डी॰ काशी वि॰वि॰ ; सा॰ भूत॰ हिंदी-प्राध्यापक काशी वि॰वि॰ एवं सागर वि॰वि॰; प्र॰ '४२ से ; प्रका॰ बकलम खुद (निबंध) '५१, हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग, पृथ्वीराज रासो की भाषा, पुरानी राजस्थानी (अनु॰), संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो (सहयोगी-संपा॰), छायावाद, आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, इतिहास और आलोचना, हाशिए पर ; अप्र॰ आलो॰ लेखों के दो संग्रह; प॰ लोलार्क कुंड, भदैनी, वाराणसी—१ ।

नारायणचन्द्र भारती—ज॰ ३ फरवरी, '२४, सोमेश्वर, अल्मोड़ा ; सा॰ साप्ता॰ 'एकता' दिल्ली के संपा॰ विभाग में कार्य, '४१-'४२ में बर्मा फ्रांटियर फोर्स में समस्त बर्मा का भ्रमण', मजदूर आंदोलन में कार्य ; प्रका॰ साहित्यरत्न बँगला-प्रदर्शक, हिंदी-गुजराती-प्रवेश, अशोक संक्षिप्त शब्दसागर; अप्र॰ गुजराती साहित्य का इतिहास, मेघदूत का कुमाउँनी भाषा में समश्लोकी अनु॰; स्फुट लेखों के दो संक॰; प॰ हिंदी विभागाध्यक्ष, पी॰ सी॰ ए॰ डी॰ हायर सेकेंडरीस्कूल, हाँसी (हिसार) ।

नारायणदत्त बहुगुणा—ज॰ २४ सितंबर, १८०६ , शि॰ प्रयाग, साहित्यालंकार ; जा॰ संस्कृत एवं अँग्रेजी ; सा॰ अध्यक्ष उ॰ मा॰विद्यालय गौचर, उपसभा॰ श्रीउत्तराखंड विद्यापीठ गुप्तकाशी, मंत्री श्रीकेदारनाथ मंदिर-प्रबंध समिति, सद॰ गढवाल-साहि॰ परि॰-कार्यकारिणी एवं स्थानीय कांग्रेस कमेटी ; भूत॰ प्रधान कर्णप्रयाग साहि॰ परि॰ एवं रानीगंज-ग्राम-सुधार-सेवक-संघ ; भूत॰ संपा॰ मा॰ 'कर्मभूमि' ; प्रका॰ विभावरी, वेदना, पर्वतीय प्रांतो में ग्राम-सुधार, विभूति, ग्रामगीत, निर्झरिणी, मधुमास (गद्यकाव्य) ग्रामसुधार- चित्रमय गढवाल ; प॰ (१) साहित्य-सदन

शैल, गौचर, चमोली, गढ़वाल। (२) मंत्री, श्रीकेदारनाथमंदिर - प्रबंध समिति, ऊखीमठ, चमोली, उत्तराखंड।

नारायणप्रसाद चौबे—ज० १५ दिसंबर, '२४ ; शि० एम० ए० अँग्रेजी तथा हिंदी, सागर एवं जबलपुर वि० वि० ; सा० हितकारी महाविद्यालय में हिंदी-अँगरेजी प्राध्यापक, प्र '५५ से : प्रका० डा० नगेंद्र के आलोचना-सिद्धांत '६१, डा० हजारीप्रसाद द्विवेदी : व्यक्तित्व और कृतित्व '६२ ; अप्र नयी कविता : उसके विभिन्न पार्श्व (सहसंपा०), मिश्रबंधु : एक विवेचन ; प० ५४३, कछपुरा, गढ़ा, जबलपुर।

नारायणप्रसाद बलूनी, 'पर्वतीय'—ज० १५ अक्टूबर, '३२ ; शि० एम० ए० संस्कृत, साहित्याचार्य ; जा० तिब्बती, संस्कृत एवं अँगरेजी ; सा० पाँच वर्ष तक प्राध्यापक रहे, अब संस्कृत वि० वि० वाराणसी में हस्तलिखित ग्रंथों पर अनुसंधान-कार्य-रत : प्रका० प्राचीन भारतीय साहित्य एवं संस्कृति की एक झलक ; अप्र० दो कविता एवं लेख-संग्रह ; वि० '६० में उ० प्र० सरकार द्वारा पुरस्कृत ; प० के० २३।२९, भाट की गली, वाराणसी।

नारायणप्रसाद, 'बिंदु'—प्र० '४८ से, प्रका० श्रीअरविंद का पूर्ण योग '४८, सत्य का सैनिक (नाट०) '४८, शतदल (कवि०) ; अप्र० श्रीअरविंद (जीव०) एवं श्रीअरविंद-जीवन-दर्शन; वि० 'सत्य का सैनिक' का तेलुगु और गुजराती में अनु० किया गया है, अँगरेजी में भी दार्शनिक विषयों पर लिखते हैं ; प० श्रीअरविंद आश्रम, पांडिचेरी।

नारायणलाल परमार—ज० ३१ दिसंबर, '२९, प्रका० उप० : प्यार की लाज, छलना, पूजामयी ; कहा० : अमर नर्तकी ; बाल० : चार मित्र, सोन के माली (अनु०) ; अप्र० मंगलामुखी (नाट०), एवं तीन कविता एक एकांकी और एक कहा०-संग्रह ; वि० छत्तीसगढ़ी में भी लिखते हैं ; मातृभाषा गुजराती है ; प० अध्यापक, बागबाहरा, रायपुर।

नारायण वासुदेव गोडबोले—ज० ७ जुलाई, '१२; शि० बी० ए० '३१ आगरा वि० वि०, एम० ए० (अँग्रेजी) '३३ प्रयाग वि० वि० ; प्रका० मराठी साहित्य का इतिहास '४८ ; वि० 'कादंबरी' उप० मराठी में लिखा जिसपर ग्वालियर दरबार द्वारा २००) का और 'डेकेन वर्नाक्युलर ट्रांसलेशन सोसाइटी' द्वारा २००) का पुरस्कार प्राप्त ; वर्त० अध्यक्ष अँग्रेजी विभाग, महारानी लक्ष्मीबाई महाविद्यालय, ग्वालियर : वि० मराठी के दो पत्रों के संपा० हैं, प० लोहिया बाजार, ग्वालियर।

नारायणविष्णु जोशी डा०—ज० २१ मार्च '११ शि० सभ

परीक्षाएँ प्रथम श्रेणी में, एम० ए० '३३, डी० लिट० '३८ काशी वि० वि०, सा० '३९-'४२ तक ग्वालियर के एक हाईस्कूल के प्रधानाध्यापक, '४२ से रुइया कालेज बंबई में दर्शन शास्त्र के प्राध्यापक एवं अध्यक्ष ; प्र० '४७ में ; प्रका० आत्म-तंत्र-दर्शन, जागीरदार (नाट०), वकील साहब (नाट०), रूपोनयन (प्रबंध०), आलोक (प्रबंध०); अप्र० दो कवि० एवं एक लेख-संग्रह, प० जयंत निवास, महात्मा गाधी रोड, कादिवली, बंबई —२७।

नारायणसिंह ठाकुर, 'विक्रम'—ज० १८ मार्च, १८८३ ; शि० बी० ए०, एल-एल० बी०, जा० उर्दू, फारसी एवं मराठी ; सा० होल्कर स्टेट में न्यायाधीश एवं नगर निगम इंदौर के मंत्री ; प्रका० विश्वमोहिनी (नाट०) '४६, परमार-कुल-दिवाकर (इति०) '४८, नारायण-पद्यावली (कवि०) '४९, भगवत् गीता-रहस्य (दर्शन) '५०, हिंदुस्तानी जासूस (उप०) '५१, प्रेम परीक्षा (उप०) '६१ ; अप्र० शतरंज के मोहरे (उप०), कल्पित पत्नी, प० नारायण-निवास, ५ स्नेहलतागंज स्ट्रीट २, इंदौर।

नित्यानंद, आचार्य, वैद्य—शि० काशी और लाहौर ; सा० भूत० अध्यक्ष राजस्थान प्रदेशीय वैद्यसम्मे०, प्रका० राज० द्रव्यगुण-विज्ञान, बापू और बच्चे ; अप्र० रस संकेत कलिका की टीका, आयुर्वेद-संहिता आदि चार वैद्यक ग्रंथ ; प० प्राचार्य, बिरला आयुर्वेद कालेज, पिलानी।

नित्यानंद वात्स्यायन, 'वेणु', 'जिंदा भूत'—ज० '१७, कानपुर; शि० लाहौर, कलकत्ता, प्र० '३८ में ; प्रका० नाट० मुकुट '४६; उप० कैनवाडी, काजी '५१ ; अप्र० लगभग १०० कहा० के चार संक० एवं एक नाटक ; प० चिकित्सक, जोरावरपुर, नयागाँव, परबत्ता, मुंगेर।

नित्यानंद शर्मा, डा०—ज० २७ अप्रैल, '२१ ; शि० बी० ए० '४६ कानपुर, एम० ए० हिंदी '४८, तथा संस्कृत '५१, पी-एच० डी० हिंदी, आगरा वि० वि० '५९ ; सा० आगरा वि० वि० हिंदी प्राध्यापक-परिषद के मंत्री एवं कोषाध्यक्ष, हिं० सा० सम्मे० देहरादून के उपप्रधान, भा० हिं० परि० के सद० ; प्र० '५७ में ; प्रका० प्रसाद (आँसू और कामायनी) एक विवेचन '५७, वांङ्मय-विवेक '६२, समालोचना-तत्व '६२ ; वि० 'आधुनिक हिंदी काव्य में प्रतीक विधान १८७५-'३५ तक' विषय पर आगरा वि० वि० से पी-एच० डी० की उपाधि प्राप्त ; वर्त० '४९ से प्राध्यापक हिंदी विभाग डी० ए० वी० कालेज, देहरादून : प० २, विष्णु मार्ग, देहरादून।

नित्यानंद सहाय—ज० १ सितंबर १९०३ · शि० एम० ए० बी

एल० साहित्यशास्त्री, सा० मंत्री हि० सा० परिषद तथा मुंगेर जिला हि० सा० सम्मे०, प्रका० स्फुट निबंध ; प० ऐडवोकेट, पूरवसराय, मुंगेर ।

निरंकारदेव सेवक—ज० '१९, बरेली, शि० एम० ए०, बी० टी०, एल-एल० बी० आगरा तथा काशी वि० वि०, सा० रत्न ; सा० 'बरेली बार ऐसोसिएशन' के उपमंत्री तथा 'शनिवार क्लब' के मंत्री, साहि० संस्था० 'आलोक' के संचा०, अध्यापक तथा मुख्याध्यापक रहकर अब वकालत करते हैं, स्थानीय संस्थाओं में सक्रिय सहयोग ; प्र० '३२ में ; प्रका० कवि० कलरव, रश्मिका चिनगारी, जनगीत, रिमझिम, चाचा नेहरू के गीत, मुन्ना के गीत, धूपछाया, दूधजलेबी, माखन-मिसरी, फूलों के गीत, पवनश्री ; अप्र० मुन्ना के नये गीत, केपोटेरो, ईसप की कहानियाँ, चित्र की नारी, रोटी का राग, तूफानों की माँ, पक्षियों का राजा, मटर के दाने, हाफिज का स्वप्न, टाफी बिस्कुट, लाल टिमाटर, मस्ती के गीत, अंगारों के गीत, समय का देवता, स्फुट लेख संग्रह, बालगीत-शिक्षा, विद्यापति-एक समीक्षा ; प० वकील, १८१, सिविल लाइंस, बरेली ।

निरंजन छ० जमींदार—ज० मार्च, '२२ ; शि० इंदौर ; प्र० '५६ में ; प्रका० डा० राधाकृष्णन '६०, आधुनिक भारत और गीता '६१, राजाजी '६१ ; अप्र० चार संक० ; वि० अँगरेजी में भी दो ग्रंथ लिखे हैं और अनु० कार्य किया है ; प० बडा रावला, जूनी, इंदौर ।

निरंजन देव, 'प्रियहंस'—ज० १९०४ ; शि० स्नातक गुरुकुल कॉंगडी वि० वि० ; सा० भूत० सहसंपा० दै० 'अर्जुन' दिल्ली, दै० 'लोकमत' जबलपुर, दै० 'जन्मभूमि' लाहौर, '५२ से आयुर्वेद महाविद्यालय गुरुकुल कॉंगड़ी के प्राध्यापक एवं '५६ में प्राचार्य ; प्रका० प्रमुख हिंदी कवि (अलो०) ; हिंदी वेणीसंहार (अनु०), हिंदी दशकुमारचरित (अनु०) ; अप्र० द्रव्यगुण-विज्ञान, त्रिदोष-निरूपण एवं दो वैद्यक ग्रंथ ; प० प्राचार्य, आयुर्वेद महाविद्यालय, गुरुकुल कॉंगडी वि० वि०, सहारनपुर ।

निरंजनलाल शर्मा—ज० २२ जुलाई, १९०१ ; शि० काशी वि० वि० तथा लिवरपूल वि० वि० ; सा० भूत० प्राध्यापक काशी वि० वि० तथा भूविज्ञान विभाग 'इंडियन स्कूल आफ माइंस' धनबाद, सद० भूविज्ञान पारिभाषिक शब्दावली-समिति, शिक्षा मंत्रालय दिल्ली ; प्रका० भारतवर्ष की खनिजात्मक संपत्ति, खनिज अभिज्ञान (सहलेखक) ; प० अवैतनिक प्राध्यापक, इंडियन स्कूल आफ माइंस, धनबाद ।

निरंजन शर्मा 'अजित'—ज० १८८७ ; शि० मैट्रिक ; जा० संस्कृत

फारसी, उर्दू, बँगला, गुजराती एवं मराठी ; सा हिंदी सा०समिति की स्था० में सक्रिय सहयोग, सहसंपा० साप्ता० 'हिंदी संसार', संपा० : 'श्री वेंकटेश्वर समाचार', संस्था०-सचा० , साप्ता० तथा दै० 'वैभव' एवं 'स्वतंत्र भारत', प्रबंधसंपा० 'विश्वमित्र' बंबई, प्रधान मंत्री 'दि आल इंडिया इंडियन स्टेट्स पीपुल्स कान्फ्रेंस' तथा 'राजपूताना सेंट्रल इंडिया स्टेट् वर्कर्स लीग', प्रबंध संचा० 'दि राजपूताना सेंट्रल इंडिया यूनाइटेड पीपुल लिमिटेड, स्वत्वाधिकारी : दै० 'अखंड भारत', सद० स्थायीसमिति सम्मे० प्रयाग, आजकल संपा० साप्ता० 'प्रताप' उदयपुर, मा० 'शाकद्वीपी' एव 'ब्राह्म बंधु' ; प्र० '१६ में , प्रका० सत्यार्थ-प्रदर्शन, योगेश्वर याज्ञवल्क्य, साम्राज्य, सूर्यपूजा-पद्धति, ज्ञान-गीतांजलि, गोलमेज, कलेजे के टुकड़े आदि दस-बारह पुस्तकें एवं वीर अभिमन्यु, सुभद्रा-हरण आदि दस-बारह नाटक ; अप्र० सात ग्रंथ; प० ज्ञानमंदिर, ४८ बाबुलनाथ चाल, चौपाटी, बंबई —७ ।

निर्मला तालवार, कुमारी—ज० १२ जुलाई, '२८ ; शि० एम० ए० दर्शनशास्त्र '४६, राजस्थान वि० वि०, एम० ए० हिंदी (स्वर्णपदक प्राप्त) '५०, कलकत्ता वि० वि० ; सा० मंत्री 'वंगीय हि० परि० एवं संपा० 'जनभारती' संस्था० एवं अध्यक्षा 'शांति-पथ' ; प्रका० स्फुट कहानियाँ एवं निबंध ; वर्त० अध्यक्षा हि० वि०, लारेटो कालेज, मिल्टन रोड, कलकत्ता ; प० (१) ८।१, हिंदुस्तान पार्क, कलकत्ता २६ । (२) साहित्य-मंत्राणी, वंगीय हिंदी परिषद, १५ बंकिम चटर्जी स्ट्रीट, कलकत्ता—१२ ।

निर्मल वर्मा—ज० ३ अप्रैल, '२६ ; शि० एम० ए० दिल्ली वि० वि० ; प्र० '५३ में ; प्रका० कहा० परिंदे; अनु० : कुप्रीन की कहानियाँ, रोमियो जूलियट और अँधेरा ; अप्र० तीन-चार संग्रह , प० १४ ए।२०, वेस्टर्न एक्सटेंशन एरिया, नई दिल्ली ।

निर्मला देशपांडे, कुमारी—ज० १७ अक्टूबर, '२६ ; शि० एम० ए० राजनीतिशास्त्र ; सा० विनोबा जी के साथ भारत की पदयात्रा '५२-'५६ तक, अ० भा० सर्व सेवा संघ की सह मंत्राणी '५६-'६१, '६१ से शांतिसेना विद्यालय की संचालिका ; प्रका० मौलिक : विनोबा के साथ, क्रांति की राह पर, भूदान-गंगा (छह खंड) ; संपा० त्रिवेणी, मोहब्बत का पैगाम आदि विनोबा जी के कई ग्रंथ ; प० रामदास पेठ, नागपुर ।

निर्मला, 'साधना', श्रीमती—ज० ३० सितंबर, '३२, शि० इंटर , प्र० '४८ में ; प्रका० स्फुट; द्वारा श्री त्रिलोकीशरण, चक अहमदपुर, रायबरेली ।

निशांतकेतु—ज० २३ मार्च, '३८, वैशाली, मुजफ्फरपुर · शि०

एम० ए० हिंदी पटना वि० वि० (सर्वप्रथम स्वर्णपदक प्राप्त) ; जा० संस्कृत, अँग्रेजी, तेलुगु, बँगला तथा फ्रेंच ; सा० नवंबर '६० से बी० एन० कालेज पटना वि० वि० में हिंदी-प्राध्यापक : प्र० '५७ में ; प्रका० स्फुट रचनाएँ ; अप्र० हिंदी के चार स्तंभ (समीक्षा), एक उप०, एक कहा०, दो कवि० संग्रह, रघुवीरनारायण : जीवनी तथा कृतियाँ (एम०ए० का शोधप्रबंध); प० एल० एफ० १, यूनिट १, फ्लैट नं० ५, श्रीकृष्णपुरी, बोरिंग रोड, पटना —१।

निहालचंद वर्मा—ज० १८८८, धर्मकोट, फीरोजपुर ; सा० संस्था० निहालचंद एंड कंपनी तथा संचा० विद्यामंदिर प्रेस वाराणसी ; 'हिंदी प्रचारक पुस्तकालय' वाराणसी के साझीदार ; प्र० १९०७ में ; प्रका० उप० मोतीमहल, जादू का महल, सोने का महल, प्रेम का फल, आनंद-भवन, डंडे की करामात . अप्र० उप० आदर्श परिवार, गुलाब कुमारी ; वि० हिंदी के वर्तमान प्रकाशकों तथा लेखकों में वयोवृद्ध, ऐयारी-तिलिस्मी उप० के विख्यात लेखक ; प० हिंदी प्रचारक पुस्तकालय, प्रकाशक, वाराणसी ।

नीलकंठ तिवारी—ज० ११ जून, '१४, इंदौर; शि० एम० ए०, सा०रत्न; सा० १४ वर्षों तक फिल्म-जगत में गीत एवं संवाद-लेखन-कार्य, ८ वर्षों से भारत सरकार के 'फिल्म्स डिवीजन' द्वारा निर्मित 'चित्रों की कमेंटरी' लिखने-बोलने का कार्य; प्र० '३२ में ; प्रका० रुद्र धनुष (कवि०) '३७, भावना के फूल '५४, फीजी-प्रवासी श्री अमीचंद्र विद्यालंकार की जीवनी '५७ ; वि० 'भावना के फूल' उ० प्र० तथा म० प्र० सरकार द्वारा पुरस्कृत ; प० श्रीपत भवन, फर्स्ट फ्लोर, वाडिया स्ट्रीट, ताडदेव, बंबई—३४ ।

नैमिशरण मित्तल—ज० २३ सितंबर, '२६, रेहड़, बिजनौर ; शि० कासिमपुरगढ़ी, बी० ए० '५०, एम० ए० '५२, मेरठ ; सा० प्राध्यापक एस० एम० कालेज चंदौसी '५२-'५४ , सेठ जी० बी० पोद्दार कालेज नवलगढ '५८-'५९, अग्रवाल कालेज जयपुर '५९-'६०, जे० वी० एस० एम० कालेज हरिद्वार '६०-'६१ एवं '६२ से जे० वी० जैन कालेज सहारनपुर; '४२ के आंदोलन में दो वर्ष का कारावास, '५५ में 'भूदान-यज्ञ' में भाग लेकर अध्यापन से त्यागपत्र, अ० भा० सर्वसेवासंघ गया के कार्याध्यक्ष '५५-'५६, गाँधी स्मारक निधि के तत्वावधान में राजस्थान के तत्व प्रचारक संगठक '५७-'५८, खादी मंदिर बीकानेर के संचा० '५८ तथा वर्त० सद० ; प्र० '५३ में; प्रका० नागरिक शास्त्र के मूल सिद्धांत '५३, भारतीय लोक जीवन और शासन-व्यवस्था '५६ , सहलेखन . नागरिक शास्त्र के सिद्धांत और भारतीय संविधान, भारतीय राजनीति का विकास और संविधान : अप्र० स्फुट लेखों

क चार सक , वि॰ र.जनीति विज्ञान सबधी पुस्तकों का अँग्रेजी से अनु किया है ; 'भारत में राजनीतिक प्रतिनिधित्व का जन्म और विकास' विषय पर आगरा वि॰ वि॰ मे शोध-कार्य-रत ; प॰ प्राध्यापक स्नातक कक्षाएँ, राजनीति विज्ञान विभाग, जे॰ बी॰ जैन कालेज, सहारनपुर।

पतिराम साव—ज॰ १८ मई, १९०४, बिलासपुर ; शि॰ विशारद सम्मे॰ प्रयाग ; मा॰ संस्था॰ एवं मंत्री हि॰ साहि॰ समि॰ दुर्ग '३०, अध्यक्ष : सहकारी प्रकाशन-समिति तथा भारत सेवक समाज दुर्ग, संचा॰ साहू प्रिंटिंग प्रेस, मन्त्री : कोला, लकड़ी, उद्योग सहकारी समिति, संपा॰ मा॰ 'साहू संदेश' दुर्ग ; प्र॰ '२७ मे ; प्रका॰ आदर्श बालक (बालो॰), दुर्ग जिले का भूगोल ; अप्र॰ साहित्य-मंजरी (कवि॰), मनाचे श्लोक (मराठी से अनु॰) ; वि॰ म॰ प्रा॰ शासन से मद्य-निषेध की रचना पर ५०) का द्वितीय पुरस्कार प्राप्त ; प॰ साहू प्रिंटिंग प्रेस, पचरीपारा, दुर्ग।

पद्मनाभ तैलंग—ज॰ ३० मार्च, '११ ; शि॰ मैट्रिक, सागर ; मा॰ म्यूनिसिपल हाई स्कूल में शिक्षक, भूत॰ संपा॰ साप्ता॰ 'विंध्य केसरी' तथा संचा॰ विंध्यकेसरी प्रेस, दस वर्षों से संपा॰ साप्ता॰ 'चेतना' भोपाल, राजनीतिक आंदोलनों मे कारावास; प्र॰ '४४ में ; प्रका॰ कहा॰ एक झटका ; नाट॰ चलो गाँव की ओर एवं लद्दाख की वेदी पर; बालो॰ धरती के तारे, आकाश के तारे, हमारा देश; प॰ संपा॰ 'चेतना', लोहाबाजार, भोपाल।

पद्मनारायण—ज॰ १९ जनवरी, '२६ , शि॰ बी॰ ए॰ आनर्स, विहार वि॰वि॰, एम॰ ए॰ हिंदी, पटना वि॰वि॰ '५७ ; सा॰संपा॰ मा॰ 'प्रगति' पूर्णिया '४४, पटना वि॰वि॰ के शोध-छात्र, '५८-'६१ में पटना कालेज एवं '६१ से बी॰ एन॰ कालेज पटना मे हिंदी-प्राध्यापक ; प्रका॰ आधुनिक भाषा-विज्ञान '६०, आधुनिक कविताएँ (संपा) '५९; प॰ २, किंग जार्ज एवेन्यू, पटना—१।

पद्मसिंह शर्मा, 'कमलेश', डा॰—ज॰ '१८ : शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी, '४९, आगरा वि॰ वि॰, सा॰रत्न सम्मे॰ प्रयाग '३९, पी-एच॰ डी॰ आगरा वि॰वि॰ '५४ ; सा॰ प्रधानाचार्य : राष्ट्रभाषा-प्रचारकमंडल सूरत, बंबई हिंदीविद्यापीठ, बंबई, साहित्य विद्यालय ना॰प्र॰ सभा आगरा, प्राध्यापक हिंदी-संस्कृत विभाग, आगरा कालेज, आगरा ; प्रका॰ कवि॰ तू युवक है, दूब के आँसू, धरती पर उतरो; आलो॰ : हिंदी गद्यकाव्य (शोध-ग्रंथ), प्रेमचंद की साहित्य-साधना, वृंदावनलाल वर्मा : एक आलोचनात्मक अध्ययन, गुजराती और उसका साहित्य, भक्तिकाल के निर्माता, हिंदी साहित्य का सरल इतिहास, साहित्यिक निबंधमणि, हिंदीगद्य : विकास और परंपरा, राजा

राधिकारमण प्रसादसिंह : एक आलोचनात्मक अध्ययन, हिंदी गद्य : विधान और विकास, मैं इनसे मिला; संपा॰ पूर्णिमा, गद्य-सरिता : गुजराती से अनु॰ जयसोमनाथ, आधे रास्ते, वाह रे मैं वाह, चित्राधार, तपस्विनी, सरस्वती चंद्र; वि॰ 'मैं इनसे मिला' पुस्तक पर ५००) एवं '१८५७' पर सर्वश्रेष्ठ कविता के लिए १००) का पुरस्कार उ॰प्र॰ सरकार द्वारा प्राप्त; सर्वोत्तम गुजराती से हिंदी मे अनु॰ के लिए २,०००) का पुरस्कार केंद्रीय सरकार द्वारा प्राप्त '५९, 'दि क्लासिकल एंड साइकालोजिकल इंटरप्रेटेशन आफ मार्डन हिंदी प्रोज फार्म्स' विषय पर डी॰ लिट॰ के लिए शोधकार्य, अँगरेजी से भी अनु॰ किये हैं; प॰ रीडर, हि॰वि॰, वि॰वि॰, कुरुक्षेत्र।

पद्मावती शबनम, 'शमा', 'शिवानी'—ज॰ १८ दिसंबर, '१७, बंबई ; शि॰ सीनियर कैंब्रिज, विशारद सम्मे॰ प्रयाग ; प्रका॰ मीरा : एक अध्ययन, चंदसखी और उनका काव्य ; वि॰ अप्र॰ गद्यकाव्य एवं आलो॰ लेख-संग्रह ; संत रविदास 'विभिन्न देश - काल में शिव और शिव - पूजा'; प॰ १ बी, नंदलालमलिक लेन, कलकत्ता—६ ।

पन्नालाल जैन—ज॰ '१०, पारगुवाँ, सागर ; शि॰ साहित्याचार्य वाराणसी, काव्यतीर्थ कलकत्ता, शास्त्री सोलापुर ; जा॰ संस्कृत, प्राकृत एवं अपभ्रंश ; सा॰ प्रधान मंत्री : भारतवर्षीय दि॰ जैन विद्वत परि॰, मंत्री : जैन एजुकेशन बोर्ड सागर, प्राध्यापक : श्रीगणेश दि॰ जैन संस्कृत विद्यालय, सागर ; प्रका॰ मौलिक-संपा॰ महापुराण (दो भाग), उत्तरपुराण, पद्मपुराण (दो भाग), धर्म शर्माभ्युदक, हरिवंशपुराण, चौबीसी पुराण, मोक्षशास्त्र, मंदिर-वेदी-प्रतिष्ठा-विधि, धर्म-कुसुमोद्यान, अशोक रोहिणी व्रतोद्यापन, त्रैलोक्य तिलक व्रतोद्यापन, पंचस्तोत्र-संग्रह, विषापहार स्तोत्र, स्तुतिविद्या, आध्यात्म मृत तरंगिणी, रत्नत्रयी, जीवन्धर चंपू आदि लगभग तीस ग्रंथ ; वि॰ 'जीवन्धर चंपू' पर हि॰साहि॰परि॰ भोपाल द्वारा ५००) का पुरस्कार प्राप्त ; प॰ कटरा बाजार, सागर ।

परमलाल गुप्त—ज॰ ७ फरवरी, '३३ ; शि॰ एम॰ ए॰, सा॰रत्न ; सा॰ सद॰ : ईसुरी परिषद छतरपुर, संपा॰ 'गहोई-समाचार' के 'रवीन्द्र अंक'; प्र॰ '५८ मे ; का॰ रामचरितमानस और साकेत '६१, पंखुड़ियाँ (कवि॰) '६१ ; अप्र॰ प्रियप्रवास-समीक्षा, गीतावली का काव्योत्कर्ष आदि तीन चार आलो॰ ग्रंथ ; प॰ टिकरिया मोहाल, छतरपुर ।

परमात्माशरण बंसल—ज॰ २२ दिसंबर, '२६ ; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी, पंजाब वि॰ वि॰, प्रभाकर- सिद्धांतशास्त्री : प्र॰ '४२ में : प्रका॰ कृषि एवं

सहायक पशु-संबंधी स्फुट लेख ; वि० 'हिंदी लोकोक्तियों के माध्यम से ग्राम्य जीवन का अध्ययन' विषय पर शोधकार्य-रत ; वर्त० कृषि विभाग, भारत सरकार, कृषिभवन, नई दिल्ली ; प० बी-/४१२३ लोदी कालोनी, नई दिल्ली ३

परमानंद चौधरी—ज० ६ जनवरी, '१९ ; सा० सद० : हि० परि० मानभूमि, मंत्री : पंकज गोष्ठी दुमका, हिंदी-प्रचार एवं अध्यापन - कार्य '५२-'५५ ; प्रका० स्फुट कविताएँ ; अप्र० कवि० : अनर्घ, मिट्टी बोल उठी, उर्मिला, सुनहली किरण (एका०) . वि० 'अर्पण' एवं 'वातायन' में रचनाएँ संगृहीत ; प० मंत्री, पंकज गोष्ठी, दुमका, संताल परगना ।

परमानंद पांडेय—ज० १ जनवरी, '२५, पुरैनी, भागलपुर; शि बी० ए० '४६, बी० एल० '५०, एम० ए० हिंदी '५२, पटना वि० वि० , प्र० '५५ में ; प्रका० सात फूल (कहा०) '६२; अप्र० आद्या, विदूषक (हास्य), पुस्तकालय-संगठन, प्रियबनिए (निबंध), सब दुख गेलै रे भैया (नाट०), इंटरव्यू (निबंध), मनसा (उप०) आदि ; वि० 'तुलसी साहित्य मे पौराणिक उपाख्यान' पर शोधकार्यरत ; भागलपुरी लोकभाषा 'अंगिका' के लोक-साहित्य के अध्ययन-संकलन एवं संपादन में सक्रिय रुचि ; प० अध्यक्ष, अनुसंधान पुस्तकालय, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना—४।

परमानंद शर्मा—ज० १९०७ ; शि० रेवतीपुर, काशी, संस्कृत मध्यमा कलकत्ता, सा०रत्न सम्मे०प्रयाग ; सा० ११ वर्षों से बंग प्रादेशिक हि० सा० सम्मे० कलकत्ता के मंत्री, संपा० मा० 'साधना' (कलकत्ता) एवं 'सिद्धांजन' ; प्र० '२९ में ; प्रका० आलो० : प्रसाद साहित्य '४५, लेख० : नवीन प्रवाह '४८ साहित्य और अनुभूति '५१ ; काव्याधार (पारिभाषिक ग्रंथ) '५५; संपा० प्रदक्षिणा '६१ ; प० १५, भवानीदत्त लेन, कलकत्ता ७ ।

परमानंद शुक्ल—ज० ३० जनवरी, ११, अलहदादपुर, गोरखपुर; शि० बी० ए० '२५, काशी वि० वि० ; प्रका० गीत-संग्रह '४२ ; अप्र० दो काव्य-संग्रह : प० सहसंपा० 'भारत', लीडर प्रेस, इलाहाबाद ।

परमेश्वर द्विरेफ—ज० '२७ ; शि० सा०रत्न सम्मे० प्रयाग, मध्यमा (तृतीय खंड) वाराणसी, मैट्रिक ; सा० राज्यपाल राजस्थान द्वारा 'राजस्थान साहित्य एकेडमी' के मान्य एवं मनोनीत सद० तथा संचालिका समिति के प्रतिनिधि , संरक्षक : सरस्वती साधना-संगम लश्कर, आलोक साहित्य संगम के परामर्शदाता ; प्रका० कवि० कमला नेहरू, मरु के टीले, धूल के फूल ; महा० : मीरा, युगस्रष्टा प्रेमचंद ; अप्र० बालुका के प्राण, बलजा, हाँसी में खाँसी ; वि० 'मीरा' पर उ० प्र० तथा राज० सरकार द्वारा क्रमश-

४००) तथा ५००) के पुरस्कार प्राप्त ; तीन सौ से अधिक पत्रिकाओं में रचनाएँ छपी हैं ; प० डिरेफ-निवास, चिड़ावा, झुँझनू (राज०)।

परमेश्वरप्रसाद सिंह—ज० ७ जनवरी, १९०७ ; शि० एम० ए० हिंदी, काशी वि० वि०, विशारद सम्मे० प्रयाग ; सा० स्थानीय हि० साहि० सम्मे० और साहि० परि० के कार्यकर्ता ; प्र० '३० में ; प्रका० स्फुट कविताएँ, अप्र० तीन संग्रह ; प० अध्यापक, डी० ए० वी० स्कूल, सीवान, सारण।

परमेश्वरलाल जैन, 'सुमन'—ज० २५ जनवरी, '२० ; शि० साहित्यालंकार ; सा० भारत-सेवक-समाज समस्तीपुर के संयो० एवं नगरपालिका के शिक्षामंत्री, प्रधान मंत्री स्थानीय प्रेस संवाददाता-संघ, सभा० मारवाड़ी युवक संघ और मारवाड़ी सम्मे० ; प्र० '५० में ; प्रका० मारवाड़ी-गौरव ; अप्र० अरुण सुमन (कवि०), जापान का इतिहास, जैन इतिहास, सुमन-कुंज (कवि०) ; प० जैन मार्केट, समस्तीपुर, दरभंगा।

परमेश्वरीलाल गुप्त, डा०—ज० '१४, आजमगढ़ ; शि० एम० ए० '५२, पी-एच० डी० काशी वि० वि० '६० ; सा० साप्ता० 'संदेश' का प्रका० '३४, सहसंपा० 'आज' काशी '४३, संपा० 'सैनिक' आगरा '४६ से, '४७ में 'समाज' काशी के संपादकीय विभाग में, '४१-'४२ के आंदोलन में दो बार कारावास, अग्रवाल-सेवक-मंडल आजमगढ़ के संस्था० तथा मंत्री, भोजपुरी प्रांतीय साहि० सम्मे० के प्रधान मंत्री, हि० सा० सम्मे० की स्थायी समिति और वि० वि० परि० के भूत० सद०, उ० प्र० सरकार द्वारा नियुक्त पत्र-व्यवसाय-जाँच समिति के मनोनीत सद०, '५० से '५५ तक भारत कला भवन, काशी वि० वि० के सहायक संग्रहाध्यक्ष, '५५ से बंबई के प्रिंस आफ वेल्स म्यूजियम के मुद्राध्यक्ष, लंदन की 'रायल न्यूमिस्मेटिक सोसाइटी' के फेलो, '५९ में अखिल भारतीय मुद्रातत्व-परिषद के अध्यक्ष ; प्रका० अग्रवाल जाति का विकास, अपराध और दंड, बंदी की कल्पना, भारतीय वास्तुकला, न नर न नारी, प्रसाद के नाटक, भारतीय शासन (राजनीति), कणिका (कहा०), हमारे देश के सिक्के, पुरातत्व-परिचय ; अप्र० तीन-चार ग्रंथ, वि० मौलाना दाउद-कृत हिंदी के प्रथम प्रेमाख्यानक काव्य 'चंदायन' का संपादन किया है ; प० प्रिंस आव वेल्स म्यूजियम, फोर्ट, बंबई।

परमेष्ठीदास जैन, पंडित—ज० १९०८, महरौनी, झाँसी ; शि० न्यायतीर्थ, जैनसिद्धांत शास्त्री ; सा० सद० : राष्ट्रभाषाप्रचारसमिति वर्धा, संस्था० एवं प्राचार्य : हिंदी प्रचारक मंडल और हिंदी विद्यामंदिर सूरत, राष्ट्रभाषा अध्यापन-मंदिर, जैनेंद्र साहि० सदन एवं जैनेंद्र प्रेस ललितपुर '४२ के

आंदोलन में कारावास, संपा० : मासा० 'वीर' देहली , प्रका० हिंदी प्रवेशिका, राष्ट्रभाषा-प्रारंभिनी, हिंदुस्तानी प्रवेशिका आदि लगभग १५ ग्रंथ एवं १२ ग्रंथों का गुजराती से अनु० ; प० जैनेंद्र प्रेस, ललितपुर, झाँसी ।

परशुराम शुक्ल, 'विरही', डा०—ज० १५ मई, '२१; शि० ललितपुर, एम० ए०, पी-एच० डी ; सा० हिं०साहि० परि० ललितपुर एवं 'साहित्यार्चन' साहि० संस्था की स्था०, ललितपुर डिगरी कालेजसमिति के मंत्री, प्र '४५ में ; प्रका० कवि० : अनथके प्राण '५८, गाये अनगाये स्वर '६२ ; अप० फाटामार (उप० अनु०), दिनकर काव्य और जीवन-दर्शन, आधुनिक हिंदी-काव्य में यथार्थवाद, हिंदी काव्य की उपेक्षित धारा यथार्थवाद (शोध-प्रबंध) ; वि० 'अनथके प्राण' पर 'साहित्यवाचस्पति' की उपाधिप्राप्त ; प० तलैयापुरा, ललितपुर, झाँसी ।

परिपूर्णानंद वर्मा—ज० ८ फरवरी, १९०७ ; शि० शास्त्री, इतिहास, अर्थशास्त्र तथा राजनीतिशास्त्र में काशी विद्यापीठ ; सा० '२७ में प्रेममहाविद्यालय वृंदावन में अर्थशास्त्र के प्राध्यापक नियुक्त, अध्यक्ष : अ० भा० अपराध-निरोधक समिति, हिंदी भवन कालपी तथा आदर्श व्यायामशाला कानपुर एवं वाराणसी उपभोक्ता समिति , संयुक्तराष्ट्र संघ की अपराध-निरोधक कांग्रेस के उपाध्यक्ष , संपा० 'सैनिक' आगरा, दै० 'लोकमत' जबलपुर, 'संदेश' काशी ; प्रधान संपा० दै० 'जागरण' ; प्रका० उप० ऐसावैसा, कहासुनी, मेरी आह ; नाट० नाना फड़नवीस, सत्तावन की क्रांति तथा वाजिदअली शाह, प्राणदंड तथा नैतिक पतन की परिभाषा, अपराधशास्त्र , ऐति० अवधराज्य का पतन तथा नवाब वाजिदअलीशाह, प्रतीक और संकेत शास्त्र आदि लगभग २८ पुस्तकें ; प० बिहारी निवास, कानपुर ।

पांडुरंग गणेश देशपांडे—ज० १९ दिसंबर, १९०० ; शि० चिंचोड़ी, पूना, अहमदाबाद एवं बंबई ; प्रका० लोकमान्य तिलक की जीवनी तथा भारत सरकार द्वारा प्रका० 'संपूर्ण गाँधी-वाङ्मय' के अनु० संपा० ; वि० 'लोकमान्य तिलक की जीवनी' पर बंबई सरकार से पुरस्कार, आचार्य काका कालेलकर-अभिनंदन ग्रंथ का संपा०; वर्त० मराठी से गुजराती एवं गुजराती से मराठी में कई अनु०; प० ५६, सुंदर नगर, नई दिल्ली—११ ।

पी० आर० रुक्माजी, 'अमर'—ज० २ दिसंबर, '२६ ; शि० बल्लारी, राष्ट्रभाषा प्रवीण तथा प्रचारक, मद्रास ; सा० प्रचारमंत्री : हिं०साहि० संघ मद्रास '४८-'४९, मंत्री : हिंदी प्रचारक-संघ मद्रास '५१-'६२, उपाध्यक्ष : हिंदी कलानिकेतन '४५-'५१, संस्था० - संचा० ज्ञानोदय (निःशुल्क) हिंदी

महिला विद्यालय मद्रास '५६, संस्था० एवं मंत्री : द० भा० हि० लेखक-संघ मद्रास '६०, '४२ के आंदोलन में कारावास ; प्र० '४८ से ; प्रका० स्फुट ; अप्र० कवि० : दीपक जलता जा, ये वे बहुतेरे, समय देवता ; कहा० : मनको के देश में, तुम्हारी याद आयगी ; एकां० : घर में दिया जलाओ, आगमन, जीवन की संध्या ; प० ११, फोर्थ स्ट्रीट, लेक एरिया, ननगंबक्कम, मद्रास६।

पी० एस० बालकृष्ण, 'बालेंदु'—ज० २७ अक्टूबर, '३४, पूरीगाली, मैसूर ; शि० राष्ट्रभाषा प्रवीण तथा प्रचारक मद्रास, एम० ए० हिंदी, अलीगढ़ वि० वि० ; सा० द०भा०हि०प्र० सभा के मंडलीय हिंदी अधिकारी '५६, संपा० : हिंदी मा० 'ज्योत्स्ना' मद्रास '५५, सहसंपा० 'खाद्य विज्ञान' मैसूर '६०-'६१ ; प्र० '५६ से ; प्रका० घरेलू धंधों के लिए फल और तरकारी-संरक्षण एवं लगभग १०० वैज्ञा० लेख तथा स्फुट कहा०, अप्र० भारत के खाद्य ; वि० 'छायावादी कविता में सौंदर्य-तत्व' पर मैसूर वि० वि० में शोध-कार्यरत ; प० सी० एफ० टी० आर० आई०, मैसूर—२।

पी० के० केशवन नायर—ज० एट्टुमानूर, केरल ; शि० बी० ओ० एल० ; सा० द०भा०हि० प्र० सभा मद्रास के प्रचारक, संगठनकर्ता एवं विद्यालयों के प्रधान अध्यापक '४९ तक; सह-मंत्री : केरलप्रांतीय हिंदी-प्रचार-सभा, '४९ से केरल वि० वि० के हि० वि० में प्राध्यापक, दो वर्ष तक केरल सरकार के शिक्षा विभाग के अधीन केरल के 'हिंदी विशेष अधिकारी' के पद पर कार्य, एक वर्ष तक केरल प्रांतीय हिंदी-प्रचार-सभा के अध्यक्ष, केरल वि० वि० के बोर्ड आफ स्टडीज के सद० ; प्रका० हिंदी-मलयालम-स्वबोधिनी, हिंदी-मलयालम-कोश ; अप्र० 'दक्षिण के हिंदी-प्रचार-आंदोलन का समीक्षात्मक इतिहास' (यंत्रस्थ) ; प० हिंदी-प्राध्यापक, यूनिवर्सिटी कालेज, त्रिवेंद्रम।

पी० जी० वासुदेव—ज० १९०१ केरल ; शि० मैट्रिक, राष्ट्रभाषा विशारद, हिंदी प्रचारक मद्रास '२९-'३०, विशारद '३३ सम्मे० प्रयाग, भाषाकोविद काशीविद्यापीठ '३३-'३४, विद्वान केरल वि० वि० '४९ ; सा० हिंदी उपाधिकारीसंघ केरल के प्रचाराधिकारी ; प्र '३४ से ; प्रका० वह फिर आ रहा है (नाट० अनु०), वीर वेलूतंपी (जीव०), आदर्श पुरुष, बाल कहानियाँ (तीन भाग), महानपुरुष, आदर्श बालक (तीन भाग), वीर केरलीय महानपुरुष (भाग दो), गाँधी जी बैरिस्टर हुए, बच्चों के बुद्ध, बच्चों के श्रीशंकर, बच्चों के कुंचन, बच्चों के श्रीनारायण, निबंध-बोधिनी, व्याकरण-बोधिनी, केरल की कहानियाँ, केरल के एकांकी, केरल जागता है (निबंध), भरत, अग्नि-पंजर गीतानंद कैरली रामायण

चप् , अप्र० प्रतिध्वनि (अनु०नाट०) ; प० संपा० पाक्षिक 'केरल पत्रिका', श्री मूलम् फाइनआर्ट्स बिल्डिंग, पुन्नचंता, त्रिवेंद्रम -- १ ।

पुरुषचंद्र, 'मानव'—ज० २४ फरवरी, '३२ ; शि० भिवानी, एम ए० ; सं० संस्था० : स्थानीय हिं सा०परि०, भूत संपा० मासिक० 'अपना देश' तथा 'जननायक' '५५-'५८ ; प्र० '४८ में ; प्रका० कवि० : वैदिक पथ-प्रदर्शक '५२, मधुशाला ; वि० '५८ में पंजाब सरकार से पुरस्कार प्राप्त , प० भूत० संपा०, बागकोठी, भिवानी, हिसार ।

पुत्तूलाल शुक्ल, 'चंद्राकर', डा०—ज० १४ दिसंबर, '२४, पंदापुर, बिसवाँ, सीतापुर , शि० बिसवाँ, ओयल, एम० ए० हिंदी '५०, (प्रथम श्रेणी में प्रथम), पी-एच० डी० '५२ लखनऊ वि० वि० , सा० '५१-'५४ तक बारहसेनी कालेज अलीगढ़ में हिं०वि० के अध्यक्ष , प्र० '४० में , प्रका० आधुनिक हिंदी काव्य में छंद-योजना '५२ (शोधप्रबंध), अनंग (महाकाव्य), मचानु (अवधी), राधाशतक (ब्रज०), अमिताभ, बुद्धचरित (संस्कृत महा०), अभिरामिनी, प्रणयिनी, भूपज (प्रबंध०), इंद्राणी (महा०), राज्यक्रांति (एका०), दो दर्जन 'अनुसंधान-पत्र' ; अप्र० अनूप-जीवन और साहित्य, रस-सिद्धांत : उद्भव और विकास, आर्यजाति के पूर्ववैदिक छंद, भारतीय छंदों का विकास, कुमाउँनी छंद, लोकगीतों में छंद, छंदशास्त्र का उद्भव और विकास (डी० लिट् का शोधप्रबंध) , वि० 'आधुनिक हिंदी काव्य में छंद-योजना' (शोधग्रंथ) पर उ० प्र० सरकार द्वारा ७००) का पुरस्कार प्राप्त ; प० प्रोफेसर-अध्यक्ष, हिं० वि०, गवर्नमेंट कालेज, नैनीताल ।

पुरुषोत्तमदास गौड, 'कोमल'—ज० '१२, छिपैटी, इटावा ; सा० स्वतंत्रता आंदोलन में पाँच बार कारावास,संपा० बारह वर्ष तक मा० 'जागृति', प्र० '३३ में , प्रका० उप० ' अश्रुकण '३३, लो. आदि लगभग ३० पुस्तकें , वि० आजकल बालो० रचनाएँ लिखते हैं ; प० ३४४, कटरा, इलाहाबाद ।

पुरुषोत्तमदास स्वामी—ज० ३१ जनवरी, '१२ ; शि० बीकानेर, एम० एस-सी०, एम० एस० काशी वि० वि० एवं ओहायो स्टेट यूनिवर्सिटी, कोलंबस, संयुक्तराष्ट्र अमेरिका; सा० स्थायी सद० : विज्ञान परिषद प्रयाग, संस्था सद० सादूल राजस्थानी रिसर्च इंस्टीट्यूट बीकानेर , प्र० '२८ में ; प्रका० स्वास्थ्य-प्रवेशिका, विज्ञान के पथ पर, नूतन रसायन विज्ञान (दो भाग), रक्त-विज्ञान ; अप्र० दैनिक जीवन में विज्ञान, सामान्य विज्ञान, रासायनिक अभियांत्रिकी, सिरेमिक विज्ञान, ईंट की बात ; वि० '४३ के बीकानेर राज्यसाहि० सम्मे० में 'दैनिक जीवन में विज्ञान' पर १००) का पुरस्कार

प्राप्त ; प० रासायनिक तथा सिरेमिक अभियता, खान तथा भू-विज्ञान विभाग राजस्थान प्रदेश, उदयपुर।

पुरुषोत्तमलाल भार्गव, डा०—ज० २८ मई, १९०९ ; शि० एम० ए० संस्कृत '२१, शास्त्री '२२ लखनऊ वि० वि०, एम० ए० हिंदी '४१, पी-एच० डी० '४८ आगरा वि० वि० ; प्र० '२८ में ; प्रका० प्राचीन भारत का इतिहास ; वि० दो महत्वपूर्ण ऐति० ग्रंथ अँगरेजी में भी लिखे हैं ; वर्त० अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, वि० वि०, जयपुर , प० एम० बी० ८५, बापूनगर, जयपुर।

पुरुषोत्तम शर्मा, 'प्रियदर्शी'—ज० १८ नवबर, '२१ ; सा० सद० : स्थायी समिति बिहार हि० साहि० सम्मे०, मत्री नवलकिशोर साहि० परि० तथा हि० साहि० परि०, सह-मत्री चपारन जिला हि० साहि० सम्मे० ; प्रधान संपा० : साप्ता० 'सागर', 'अकुश' तथा 'भूमिका' ;प्रका० झंझा (कवि०); अप्र० दो संग्रह ; प० आनंदावास, बेतिया, चपारण।

पुल्लाट लक्ष्मी कुट्टी, श्रीमती—ज० ५ जनवरी, '२६ ; शि० एम० ए० हिंदी, काशी वि० वि०, बी० टी० मद्रास वि० वि० ; सा० केरल के विभिन्न विद्यालयो में हिंदी अध्यापनकार्य, हिंदी प्रशिक्षण विद्यालय केरल की प्राचार्या ; प्रका० स्फुट रचनाएँ ; वि० दो वर्ष तक प्रयाग वि० वि० में शोध-कार्य किया, प० हिंदी प्रशिक्षण विद्यालय, रामावरमाम, त्रिचूर, कोचीन।

पूनम दईया—ज० २५ फरवरी, '३७ , शि० एम० ए० हिंदी राजस्थान वि० वि० ; सा० कार्यकारी संपा० त्रैमा० 'वातायन' ; प्र० '५६ में ; प्रका० स्फुट कहानियाँ ; अप्र० राजस्थानी-वात-साहित्य (शोधग्रंथ) ; वि० सरदार वल्लभ भाई पटेल विद्यापीठ, वल्लभ विद्यानगर मे सुमित्रानंदन पर शोधकार्य ; प० ५, डागा बिल्डिंग, बीकानेर।

पूर्णचंद्र जैन—ज० '०० ; शि० एम० ए०, सा०रत्न ; सा० भूत० अवै० अध्यापक हिंदी साहित्य पाठशाला जयपुर, भूत० प्राध्यापक महाराजा कालेज जयपुर, प्रधानमत्री : अ० भा० सर्वसेवासघ वाराणसी ; भूत० संपा० : साप्ता० 'लोकवाणी' एव 'ग्रामराज' जयपुर, भूत० प्रधान संपा० दै० 'लोकवाणी' जयपुर ; प्रका० स्फुट ; प० (१) टंकुलिया भवन, कुंदीगरों का भैरूँ, जयपुर। (२) सर्वसेवा संघ, राजघाट, वाराणसी।

पूर्णानंद मिश्र—ज० १४ अक्टूबर, १९०९, रतनगढ़ ; शि० व्याकरण मध्यमा काशी, बी० ए० कलकत्ता वि० वि०, एल-एल० बी० आगरा वि० वि०, विशारद सम्मे० प्रयाग (स्वर्णपदक प्राप्त) ; प्रका० अनंत की राह में '५७, हम सब अमर हैं '६१ वि 'अनत की राह में' पर उ प्र सरकार द्वारा

'५८ से ५००) तथा राज० साहित्य अकेडमी द्वारा १०००) का पुरस्कारप्राप्त ; स्थानीय साहि० संस्थाओं से संबद्ध : प० रतनगढ़, चूरू (राज०)।

पृथ्वीनाथ, 'मधुप'—ज० १८ अप्रैल, '३४ ; शि० सोपुर, श्रीनगर एवं पंजाब वि० वि० ; सा० सह० संपा०-मंडल पाक्षि० 'प्रकाश' ; प्र० '५० से ; प्रका० गल्प-सौरभ (कहा०, संपा०) एवं स्फुट कविताएँ ; वि० काश्मीर की साहित्यिक संस्थाओं के सक्रिय सहयोगी, काश्मीर की 'कल्चरल अकेडमी' द्वारा प्रकाशित 'पद्य-पुष्पांजलि' में कई कविताएँ प्रक० ; प० द्वारा श्रीनीलकंठ शाह, मलयार हब्बा कदल, श्रीनगर, काश्मीर।

प्यारेलाल गुप्त—ज० १७ अगस्त, १८८१ ; शि० मैट्रिक ; सा० संपा० त्रैमा० 'क्षितिज', उपमंत्री : महाकौशल ऐति० समिति, मंत्री : श्रीकृष्ण गोशाला बिलासपुर ; प्रका० सुखी कुटुंब, सरस्वती, लवंगलता, रत्तीराम का भाग्य-सुधार, फ्रांस की राज्यक्रांति का इतिहास, पुष्पहार (कहा०), बिलासपुर-वैभव, श्रीविष्णुसहायज्ञ-स्मारक ग्रंथ (संपा०), सहकारी सभाओं का हिसाब-किताब-शिक्षक, स्व० प० लोचनप्रसाद पांडेय ; अप्र० स्फुट लेखों के तीन-चार संकलन ; प० राघवेंद्रनगर, बिलासपुर।

प्रकाश आतुर—ज० २६ जून, '२८, बीकानेर ; शि० एम० ए० हिंदी, आगरा वि० वि० '५३ ; बी० टी० पंजाब वि० वि० '५६, सा०रत्न सम्मे० प्रयाग '४८ ; सा० मेवाड़ के प्रजामंडल आंदोलनों में सक्रिय भाग, राजस्थान साहित्य अकेडमी के 'गवर्निंग बोर्ड' के भूत० सद० तथा दो वर्ष तक अवै० मंत्री, साप्ता० 'प्रगति' के संपा० तथा प्रका०, राज० साहित्य अकेडमी के मा० 'बुलेटिन' के प्रथम संपा० ; प्र० '४६ में ; प्रका० स्फुट कविताएँ ; वर्त० प्राध्यापक, महाराणा भूपाल कालेज, उदयपुर ; वि० 'सप्त किरण' एवं 'लरजते स्वर' में कुछ रचनाएँ संकलित ; प० २४६, भूपालपुरा, उदयपुर।

प्रकाशचंद्र यादव—ज० '१० ; शि० सा०रत्न , सा० मंत्री : नगर कांग्रेस कमेटी प्रयाग '५३, यादव शिक्षा समिति एवं जनजागरण प्रकाशन समिति ; भूत० मंत्री : लेखक तथा पत्रकार-सम्मे० ; संस्था०-सभा० जवाहरगंज कन्या पाठशाला, रात्रि पाठशाला एवं टैगोर बाल पुस्तकालय; संस्था०-संरक्षक : श्रीकृष्ण हिंदीपुस्तकालय, भूत० संपा० 'जागृति', 'यादव-संदेश', 'सिपाही', 'यादव बंधु', 'जीजी' आदि ; प्र० '२६ से ; प्रका० विश्व विवाह-प्रणाली, महापुरुषों के आदर्श उपदेश, स्वास्थ्य शिक्षा और व्यक्तिगत व्यायाम, नेताओं के संपर्क में, स्वास्थ्य और भोजन, संघर्ष के संस्मरण ; वि० 'स्वास्थ्य शिक्षा और व्यक्तिगत व्यायाम' पर उ० प्र० सरकार द्वारा '५२

म पुरस्कार प्राप्त ; प० बुकडिपो, इंडियन प्रेस पब्लिकेशंस प्रा लि०, प्रयाग ।

प्रकाश दीक्षित—ज० २६ फरवरी, '३८ ; शि० इंटर ; मा० अनेक दै०, मा० एवं साप्ता० पत्र-पत्रिकाओं के कार्यालयों मे कार्य तथा संस्थाओ से संबंधित ; प्रका० धरती गाये रे (नाट) '५७, हस्तरेखाएँ '५९, काठ के ताबूत और जिंदा लाशें (उप०) '६० ; अप्र० एक-एक कविता-कहानी-संग्रह एवं तीन उप० ; प० प्रेम-भवन, माधवगंज, लश्कर ।

प्रकाशनारायण—ज० १५ मई, '३३ ; शि० बी० एस-सी०, एम० ए०, संगीतप्रभाकर ; प्र० '५७ में ; प्रका कथक नृत्य '६१, मणिपुरी नृत्य '६१, नृत्यप्रश्नोत्तर '६१, वि० कुछ निबंध 'संगीत निबंध-संग्रह' में संगृहीत, प० रामप्रसाद का बाग, २४०, मुट्ठीगंज, इलाहाबाद ।

प्रकाश पंडित—ज० ७ अक्टूबर, '२४ ; शि० अमृतसर तथा लाहौर ; मा० उर्दू पत्र० 'शाहराह', 'प्रीतलडी' तथा 'फनकार' दिल्ली के संपा०, 'उर्दू के लोकप्रिय शायर' नामक पुस्तक माला की तीस पुस्तकों के संपा०, 'चाँदी की दीवार' फिल्म के संवाद-लेखक ; प्र '४६ में ; प्रका० उर्दू-हिंदी की लगभग अस्सी पुस्तकें, वि० 'चाँद का सफर' पंजाब सरकार द्वारा '५९ मे पुरस्कृत, वर्त० राजपाल एंड संस दिल्ली के प्रकाशन-विभाग मे संपा० ; प० ९३०, चाँदनी चौक, दिल्ली—६ ।

प्रकाश, 'परिमल'—ज० २३ नवंबर, '३५, बीकानेर ; शि० एम० ए० दर्शनशास्त्र ; प्र० '४९ में ; प्रका० स्फुट गीत ; अप्र० विभावरी (गीत), यहाँ वहाँ (कहा०), शिथिल पखी (उप०), सा म प मा (नई कविताएँ) एवं इंद्र-धनु, वि० 'हिंदी में प्रयोगवादी कविता और उसका भविष्य' निबंध पर राज० साहि० अके० द्वारा १००) का पुरस्कार प्राप्त ; वर्त० स्थानीय विद्यालय में अध्यापन-कार्य ; प० भूऋषि-भवन, रामपुरिया चौक, बीकानेर ।

प्रकाशवती श्रीवास्तव, श्रीमती—ज० '२६, नाथनगर, भागलपुर ; प्र० '३७ में ; प्रका० कहा० टूटा क्रम '४६, जाल और कण '५० ; उप० चार परते '६२; वर्त० हि० सा० सम्मे० पटना के पुस्तकालय की ग्रंथागारिका ; प० हिंदी साहित्य सम्मेलन, कदमकुआँ पटना—३ ।

प्रणवेंद्रकुमार सिंह—ज० १९ मार्च, '३९, पटियाली गंगा, एटा ; शि० बी० ए० आनर्स, एम० ए० हिंदी, दिल्ली वि० वि० ; सा० स्तंभ-लेखक 'आज' वाराणसी ; प्र० '६० में ; प्रका० स्फुट रचनाएँ ; वि० चित्रकला में विशेष रुचि ; प० २९, यू० बी०, जवाहरनगर, दिल्ली ६ ।

प्रतापनारायण चतुर्वेदी, वैद्य—ज० ७ अक्टूबर, '३४ वाराणसी ;

शि॰ आयुर्वेदाचार्य, काशी ; मा॰ सस्था॰ मद॰ ' दयानंद हिंदी पाठशाला अंजार ; प्रका॰ स्फुट कवितार्ऍ ; प॰ ५७, गांधीधाम, कच्छ ।

प्रतापनारायण पुरोहित, 'कविरत्न'—ज॰ १ जनवरी, १८०१ ; शि॰ बी-ए॰; प्र॰ '१६ में ; प्रका॰ नल नरेश (महाकाव्य) '३२, काव्य-कानन '३३, रसमयी '६० ; अप्र॰ तीन कविता-संग्रह : वि॰ दो स्वर्णपदक तथा 'कविरत्न' एवं 'साहित्यभूषण' उपाधियाँ साहित्य सभा जयपुर एवं बनारस से प्राप्त ; प॰ मरन मदन, गण गौरी बाजार, जयपुर ।

प्रतापनारायण टंडन, डा॰—ज॰ लखनऊ ; शि॰ बी॰ ए॰ आनर्स, एम॰ ए॰ स्पेशल, पी-एच॰ डी॰ लखनऊ वि॰ वि॰ '५८, सा॰रत्न सम्मे॰ प्रयाग , मा॰ भूत॰ सद॰ : संपा॰-मंडल मा॰ 'युगचेतना' '५५-'५८, भूत॰ प्राध्यापक हि॰ वि॰ , राजकीय रजा डिग्री कालेज रामपुर, अब लखनऊ वि॰ वि॰ में प्राध्या॰, आकाशवाणी से लगभग तेरह दर्जन कहानियाँ, वार्ताएँ तथा नाटक प्रसारित ; प्रका॰ आधुनिक साहित्य (निबंध) '५६, हिंदी उपन्यास में वर्ग-भावना : प्रेमचंद-युग (शोधग्रंथ) '५६, रीता की बात (उप॰) '५७, हिंदी साहित्य : पिछला दशक (आलो॰) '५५, हिंदी उपन्यास में कथाशिल्प का विकास (शोधग्रंथ) '५८, अंधी दृष्टि (उप॰) '६०, नई कहानी संकलन (संपा॰) ; वि॰ 'हिंदी उपन्यास में कथा शिल्प का विकास' पर ५००) तथा 'अंधी दृष्टि' पर ३००) का पुरस्कार हिंदी समिति उ॰ प्र॰ सरकार द्वारा प्राप्त, डी॰ लिट् का शोधप्रबंध लखनऊ वि॰ वि॰ में प्रस्तुत कर चुके हैं ; प॰ हिंदी विभाग, वि॰ वि॰, लखनऊ ।

प्रतापनारायण श्रीवास्तव—ज॰ २० सितंबर, १८०४ ; शि॰ कानपुर एवं लखनऊ वि॰ वि॰ , प्र॰ '२२ में , प्रका॰ कहा॰ : निकुंज '२२, आशीर्वाद '३४, दो साथी '५२, नवयुग '५५, विधाता का विधान '५८, ;उप : विदा '२७, पाप की ओर (जापानी उप॰ का अनु॰) '३१, विजय '३६, विकास '३८, बयालिस '४७, विसर्जन '४८, बेकसी का मजार '५७, विषमुखी '५८, वेदना '५८, विश्वास की वेदी पर '६०, वेदना '६१, वंचना '६२ ; एकां॰ विवाह-विभ्राट '५८ ; अप्र॰ दो कहा॰ संक॰ एवं एक उप॰ ; वि॰ 'बयालिस', 'विसर्जन', बेकसी का मजार', 'विषमुखी', 'वेदना' आदि रचनाएँ उ॰ प्र॰ सरकार द्वारा पुरस्कृत ; प॰ १०४ ए/१८४, रामबाग, कानपुर ।

प्रतापसिंह चौहान—ज॰ १५ फरवरी, '१६ ; शि॰ मौरावाँ, एम॰ ए॰ ; मा॰ अवध साहि॰परिषद के माध्यम से साहित्य-सेवा में संलग्न ; प्र॰ '३२ में ; प्रका॰ विचार और समीक्षा '६०, कविता में प्रयोग की परंपरा '६०

संत-मत में साधना का स्वरूप '६१ ; अप्र० ...न का काव्यदर्शन एवं ...क लेख-संग्रह ; प० हिंदी विभाग, युवराजदत्त कालेज, लखीमपुर-खीरी।

प्रतापसिंह पुराणा—ज० २८ अगस्त, १९०८, शि० उदयपुर ; प्र० '५१ से ; प्रका० माता-पिता और बच्चे , अप्र० तीन-चार ग्रंथ , प० अरुणोदय-प्रकाशन, ११/२२५, देवाली, उदयपुर।

प्रतापसिंह मौर्य—ज० १६ मार्च, '३८ , शि० बी० ए० इंदौर ; सा० मंत्री , नवोदित साहित्यमंडल भूत० सहसंपा० मैं मा 'अनुराग', भूत- अवै० सहसंपा० दै० 'जनार्दन' , प्र '५४ से; प्रका० स्फुट कहानियाँ, लेख आदि ; प० महा० पुस्तकालयाध्यक्ष, अहिल्या केंद्रीय विश्वविद्यालयपुस्तकालय,सफेद कोठी,इंदौर।

प्रतिपाल सिंह डा०—ज० मार्च, '०४, हरदोई , शि० सा० रत्न '४३ सम्मे० प्रयाग एम० ए० '४८, पी-एच० डी० '५२, आगरा वि वि०; सा० भूत० संपा० मा० 'छात्र-मित्र', आर्य कन्यापाठशाला इंटर कालेज हरदोई तथा भारतीय विद्यालय आदि के प्रधान ; प्र० '२३ में ; प्रका० बीसवी शताब्दी के महाकाव्य (शोधग्रंथ) '५६ ; वि० 'बीसवी शताब्दी के महाकाव्य' पर प्रादेशिक सरकार द्वारा १०००) का पुरस्कार प्राप्त ; प० अध्यक्ष हिंदी विभाग, रुक्मागद क्षत्रिय कालेज, ७०१, सरायथोक, हरदोई।

प्रफुल्लचंद्र पट्टनायक—ज० ५ जनवरी, '२० अंवलपुर, उड़ीसा ; शि० साहित्यालंकार देवघर ; मा० '३०-'३४ से राष्ट्रीय आंदोलन में सक्रिय सहयोग, '४०-'४५ मे अखाल पहाड़िया सेवा-संघ के मंत्री, '४२-'४६ तक अगस्त आंदोलन के सिलसिले में कारावास, '४३-'४८ तक हिंदी विद्यापीठ में मंत्री, साप्ता० 'प्रकाश','होड़ सम्वाद', 'पड़हा' तथा 'यथार्थवाद' (हिंदी) के संपा० तथा प्रका० मे योग ; प्र० '२३ मे ; प्रका० नए देवता (नाट०), गुलामी से रिहाई ;अप्र० ऊषा-आगमन, मंगलराज, अनुगीतिका, ; वि० उत्कलीय भाषा में भी लिखते हैं ; प० सहायक जिला कल्याण पदाधिकारी, राँची।

प्रभजीत कौर, श्रीमती—ज० '२४, लगिरियल (पश्चिमी पाकिस्तान) ; प्रका० रंग-बिरंगे ये त्यौहार, तथा पंजाबी भाषा मे अनेक उप०, नाट० एवं कहानियाँ ; वि० अनेक पुस्तकों का अनु० रूसी भाषा में हो चुका है ; प० द्वारा लायड्स बैंक, नई दिल्ली।

प्रभाकर दीवान—ज० '११, खानदेश ; शि० संस्कृत अध्ययन काशी मे, '३० मे वर्धा में कताई-बुनाई का प्रशिक्षण लिया ; सा० '३२ मे डांडी अभियान मे ६ मास का कारावास, '४४ मे अ० भा० चरखा संघ सेवाग्राम मे कार्य , प्रका० किसान चरखा, वस्त्र-विज्ञान (लेख) तथा मराठा

मेंहदी पुस्तकें ; प० महायक निर्देशक, सून-खादी-उत्पादन, ३ इरला रोड, विले पारले (पश्चिम), बम्बई—५६ ।

प्रभाकर द्विवेदी - ज० २० फरवरी, '३५, शि० एम० ए० हिंदी, लखनऊ वि० वि०; प्र० '५० मे , प्रका० पार उतर कहँ जइहों '५८, मनुष्य के रूप और कहानियाँ '५८, कुछ हिंदी एकांकी '५८, फिर बहुत दिन बाद '६१, शीतला वहू का प्रणय '६१, मरुभूमि मे खोई नदी '६१, मेरी अंतिम कविता '६१ ; अप्र० कहा० एवं एक कवि०-संग्रह; प० संपा० 'राउरकेला न्यूज', राउरकेला स्टील प्लांट, राउरकेला, उड़ीसा ।

प्रभाकर माचवे, डा०—ज० २६ दिसंबर, '१७ ; शि० रतलाम एवं इंदौर, एम० ए० दर्शनशास्त्र '३७, एम०ए० अँग्रेजी '४५, पी-एच० डी० हिंदी '५७, आगरा वि० वि० ; सा० मंत्री : मजदूर संघ इंदौर '३७, प्राध्यापक : माधव कालेज उज्जैन '३८-'४८, आल इंडिया रेडियो में प्रोग्राम असिस्टेंट तथा प्रोड्यूसर '४८-'५४, साहि० अकेडेमी मे उप-मंत्री '५४ से , '५९-'६१ में बीस मास तक अमरीका के दो विश्वविद्यालयों में भारतीय संस्कृति, साहि०, गांधी दर्शन और हिंदी भाषा का अध्यापन ; प्र० '३४ मे ; प्रका० जैनेंद्र के विचार (संपा० निबंध) '३७, संगीतों की माया (कहा०) '४२, क्या हम भूखों मरें (अनु०) '४४, शासन-शब्द-कोश (संपा०) '४८, खरगोश के सींग (निबंध) '५०, नेहरू-अभिनंदन-ग्रंथ के कई अंश (अनु०) '५०, परंतु (लघु उप०), आलो० : नाट्यचर्चा '५२, समीक्षा की समीक्षा '५३ ,व्यक्ति और वाङ्मय '५४, मराठी साहित्य की कहानी '५५, एक तारा (लघुउप०) '५५, बौद्ध धर्म के २००० वर्ष (अनु०) '५६, आज का भारतीय साहित्य (अनु०) '५६, स्वप्न-भंग (कवि०) '५७, तैरंग '५७, साँचा (लघु उप०) '५७, हिंदी साहित्य की कहानी '५७, बारह कदम (कहा० संपा०), ग्यारह सपनों का देश (उप० में एक अध्याय और वक्तव्य) '५८, गली के मोड़ पर (एकांकी) '५८, बालो० : केरल '५८,असम '५८, अनुक्षण (कवि०) '५८,अणु पर विजय (अनु०) '५९ ; वि० अनेक अभिनंदन-ग्रंथों तथा संग्रहग्रंथों में रचनाएँ संकलित, मराठी और अँगरेजी में भी लिखते हैं, स्फुट बिखरी रचनाएँ लगभग एक हजार पृष्ठों की पुस्तक-रूप में प्रकाशित होने को हैं ; प० (१) साहित्य अकेडमी, रवींद्र-भवन, ३५ फीरोजशाह रोड, नई दिल्ली—१ । (२) कमरा नं० २२, के ब्लाक (यार्क होटल बिल्डिंग), कनाट सरकस, नई दिल्ली ।

प्रभाकर शुक्ल, डा०—ज० २० दिसंबर, '३५, कन्नौज ; शि० मैनपुरी, एम० ए० हिंदी पी-एच डी '६२ लखनऊ वि वि प्र '५१ मे प्रका० स्फुट

कहानियाँ एवं लेख ; अप्र० हिंदी कविता का एक दशक ('४०-'५०), जायसी की भाषा (शोधग्रंथ); वर्त० प्राध्यापक हि० वि०, वि० वि०, लखनऊ, प० डी० ११।३ राजेंनगर, लखनऊ।

प्रभाकर श्रोत्रिय—ज० १९ दिसंबर, '३८, रतलाम ; शि० एम० ए हिंदी, सा० रत्न हिंदी-संस्कृत ; प्र० '४९ में ; प्रका० स्फुट कविताएँ, नाट०, निबंध आदि ; अप्र० दो प्रबंधकाव्य, दो उप० दो कवि०, एवं एक लेख-सं० , प० ५, आर्य समाज मार्ग, मालीपुरा, उज्जैन।

प्रभात त्यागी—ज० ६ जुलाई, '२५, सिसौना, बिजनौर ; शि० एम० ए० राजनीतिशास्त्र '५६ एवं अँग्रेजी '६२ जयपुर ; प्र० '५४ में ; प्रका० बालो० . जगमग हीरे, ये माँ के लाल ; वर्त० प्राध्यापक, राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, आदर्श नगर, जयपुर , प० निर्माणशाला, चौड़ा रास्ता, जयपुर।

प्रभुदयाल गर्ग, 'काका हाथरसी'—ज० १८ सितंबर, १९०६; शि० इगलास तथा हाथरस ; सा० संचा० मा० 'संगीत' एवं मा० 'फिल्मसंगीत' हाथरस ; प्र० '४७ में ; प्रका० काका की कचहरी, पिल्ला, म्याऊँ, दुलत्ती ; अप्र० खंड० काकदूत ; वि० हास्य के सुकवि ; प० संगीत-कार्यालय, हाथरस।

प्रभुदयाल मीतल—ज० '१९०२ , मा० प्रधान मंत्री एवं उपाध्यक्ष ' ब्रज साहि० मंडल, अध्यक्ष ब्रजसाहि० संगम, भूत० संपा० मा० 'आदर्श हिंद', 'ब्रजभारती' एवं 'वल्लभीय सुधा' ; प्र० '२० में ; प्रका० पंजाब का हत्याकांड '२१, राष्ट्रीय आंदोलन का इतिहास '२२, राजपूती कथाएँ '४०, मेवाड़ की अमर कथाएँ '४१, ब्रजभाषा-साहित्य में नायिका-निरूपण '४४, अष्टछाप-परिचय '४७, ब्रजभाषा साहित्य का नायिका-भेद '४८, सूर-निर्णय '४९, ब्रजभाषा-साहित्य का ऋतु-सौंदर्य '५०. सूरदास की वार्ता '५१, सूर-विनय-पदावली '५१, सूररामचरित्र '५२, सूरबालकृष्ण पदावली '५२, चंदसखी के भजन और लोकगीत '५७, चंदसखी की जीवनी और पदावली '५८, सूरदास मदनमोहन '५८, स्वामी दयानंद की शिक्षा-दीक्षा '५९, संगीत सम्राट तानसेन '६०. संगीताचार्य बैजू और गोपाल '६०, साहित्यलहरी (सटीक) '६१, स्वामी हरिदास जी की वाणी '६१, स्वामी हरिदास जी '६१, गो० हरिराय जी का पद-साहित्य '६२, चैतन्य मत और ब्रज-साहित्य '६२, सूरसागर के सौ रत्न '६२, ग्वाल कवि '६३, चंदसखी का जीवन और साहित्य '६३, ब्रज का सांस्कृतिक इतिहास '६३, ; वि० शुद्धाद्वैत एकेडमी काँकरोली से सम्मानित एवं उ० प्र० सरकार द्वारा 'ब्रजभाषा साहित्य का नायिका भेद' पर ८०० चन्दसखी की जीवनी और

पदावली' पर ५००) तथा 'संगीत सम्राट तानसेन' पर ३००) पुरस्कार प्राप्त, वर्त० संचालक, साहि० संस्थान, मथुरा, वि० तीन खंडों में ब्रजभाषा साहित्य का इति० लिख रहे हैं, प० मीतल निवास, डेम्पीयर पार्क, मथुरा।

प्रभुदयालु अग्निहोत्री, डा० — ज० २० जुलाई, '१४; शि० एम० ए० बी० टी०, पी-एच डी, व्याकरणाचार्य, काव्यतीर्थ, सा० रत्न; सा० सद० स्थायीसमिति सम्मे० प्रयाग, संस्कृत-शिक्षा-पुनर्गठनसमिति म० प्र०, एवं कालिदास रिसर्च कमेटी विक्रम वि० वि० उज्जैन, मंत्री, उपाध्यक्ष - म० प्र० हि० साहि०सम्मे०, अवै० प्राध्यापक संस्कृत विश्व परिषद् बंबई, संस्था० : विदर्भ प्रांतीय हि०साहि०सम्मे०; ए० ३२ म०, प्रका० काव्य : उच्छ्वास '३८, अणिमा '४७, पश्चिमा '५७, नाट० : मिट्टी की गाड़ी '५०; अन्य : वैदिक धर्म (दर्शन) '३८, पतंजलिकालीन भारतवर्ष (सांस्कृतिक इतिहास) '६२; अप्र० अभिनव मनोविज्ञान, गद्यगीत, कहा०, एका० एवं आलो० लेखों का एक-एक संक०; वर्त० अध्यक्ष संस्कृतविभाग महारानी लक्ष्मीबाई राजकीय कालेज आफ आर्ट्स एंड कामर्स, ग्वालियर, प० ६३, जवाहरनगर, लश्कर, ग्वालियर।

प्रभुदयालु शुक्ल—ज० २७ दिसंबर, '१४, शि० एम० ए० हिंदी, सा०रत्न; सा० संस्था० : जूनियर हाई स्कूल तथा कन्यापाठशाला धनकोली-उन्नाव, भारतीय विद्यालय बछरावाँ-रायबरेली एवं गंगा पुस्तकालय, मंत्री : जनपद हि०साहि०सम्मे०, प्रका० आलोचनांजलि '५८; अप्र० आलो० लेखों के दो संक०; वि० अँगरेजी में भी लिखते हैं; वर्त० उपाचार्य, महात्मागांधी इंटरकालेज, रायबरेली, प० देलोगंज, रायबरेली।

प्रभुदास रामचंद्र भुपतकर—ज० १२ अप्रैल, '१३, पूना; शि० एम० ए० हिंदी, काशी वि० वि०, सा०रत्न सम्मे० प्रयाग, बी० टी० बंबई; सा० अध्यापक : नूतन मराठी विद्यालय हाई स्कूल '३७-'४५, प्राध्यापक एवं हिंदी विभागाध्यक्ष सर परशुराम भाऊ कालेज '४५ से; '३७ से राष्ट्रभाषा प्रचार समिति वर्धा एवं महाराष्ट्र के भाषाप्रचार-कार्यों में सहयोग; 'महाराष्ट्रीय कलोपासक' नामक पूना की नाट्यसंस्था में '३७ से सक्रिय सहयोग, नाटक-निर्देशन एवं अभिनय; प्रका० मौलिक सोने में सुगंध (ललित निबंध); मराठी से अनु० जुआ, फटेहाल एवं मराठी की एक एकांकी-संकलक; अप्र० एक आलो० एवं एक ललित निबंध-संग्रह (प्रेसस्थ), वि० नाटकीय रंगमंच-संबंधी विषय पर शोधकार्य समाप्तप्राय; मराठी में भी लिखते हैं; प० साकेत स्वार गेट, पूना—२।

प्रभुनाथ मिश्र—ज० '१८, छपिया, बलिया; सा० अध्यक्ष पूर्वी

उ० प्र० पत्रकार सम्मे०, संयोजक : अ० भा० भोजपुरी सम्मे० एवं 'अँग्रेजी हटाओ' सम्मे० बलिया, प्रधान मंत्री : जनपद हि०सा०सम्मे० बलिया, भूत० संपा० : दै० 'विश्वमित्र' कानपुर, साप्ता० 'गुलबटाल' एवं 'लालबुझक्कड़' बलिया, प्रधानसंपा० साप्ता० 'विहान' (भोजपुरी) बलिया, प्र० ३७ में; प्रका० हरिअर हरिअर खेत में (कवि० भोजपुरी); अप्र० प्रभुप्रार्थना, भोजपुरी के विविधि लोकगीत (निबंध०); प० पूर्वी उत्तरप्रदेश पत्रकार सम्मेलन, केंद्रीय कार्यालय, शतदलनगर, गोरखपुर।

प्रभुनारायण शर्मा, 'सहृदय', डा०—ज० १९०४. बलपुर, जयपुर; शि० एम० ए० हिंदी एवं राजनीतिविज्ञान, पी-एच० डी० आगरा वि० वि०, सा०रत्न सम्मे० प्रयाग, साहित्यवाचस्पति, विद्यालंकार, नाट्याचार्य, मा० भूषण; सा० सद० राज० राज्य हिंदी समिति, संस्था० : राजस्थान रंगमंच लोकनाट्य संस्था, धर्मसेवक दल, स्थानीय रामलीला की लीलासमिति के संयोजक, कई वर्ष तक हि०सा०सम्मे० में अवै० कार्य; 'कौंसिल आफ स्टेट' जयपुर के सचिवालय में कार्य, अध्यक्ष : हि० वि० महाराजा कालेज, अब हिंदी-प्राध्यापक राजस्थान कालेज आफ कामर्स; प्र० '३३ में; प्रका० वेणी संहार '३३, कल्याणी कृष्णा '३३, विचार-वैभव '४०, विचार-विमर्श '४०, योगेश्वर '४०, पद्मप्रताप '४०, साहित्य-सरिता, मणिमाला, स्वास्थ्य-सरोज, स्वास्थ्य-सुधा, स्वास्थ्य नियम, बलिवेदी, प्रेमसमाधि, कायापलट, विस्मृत कुसुम, मंजुमयूख, सतस्वर, कर्तव्य-पथ, पांडव-विजय, आशीर्वाद, नूतन-एकांकी रत्न '४६, वर्तमान भारत '४८, भारतीय शिल्प '५०, हिंदी गद्य और उसकी शाखाएँ '५०, आधुनिक कविहृदय '५०, साहित्यालोचन-सिद्धांत '५०, भाषाविज्ञानतत्व '५०, हिंदी आलोचना के भिन्न स्रोत '५०, आधुनिक हिंदी कहानी-दर्पण '५०, गद्यकुसुमांजलि '६०, गीत-गंगा '६०, हर्ष : एक अध्ययन '६०, धरती के ध्रुवतारे '६०, शकुंतला (महा०) '६०, सरल पाठ्य संग्रह '६०; अप्र० राजस्थानी लोक नाटक : ख्यात साहित्य (शोध-प्रबंध); वि० अँगरेजी में भी लिखते हैं; प० ३४२, नाहरगढ मार्ग, जयपुर।

प्रमोदकुमार सदानी—ज० '३२, गया; शि० गया, दीघा (पटना); सा० '५३-'५४ में त्रैमा० 'विवेचना' एवं '५३-'५५ में मा० 'गगन' के संपा० विभाग में कार्य; प्र० '५० में; प्रका० रश्मियाँ (गद्यगीत) '५८, अभ्यास (कहा०) '५८, सुधियों की पायल (कवि०) '६१; अप्र० अबला जीवन (कहा०), अभाव का शाप (एकांकी), मिट्टी के लाल (कहा०), दुर्भाग्य की जोंक (उप०)

वि० संताली जीवन पर शोध-कार्य-रत ; प० (१) ६, कन्यापाठशाला पथ, रमना, गया । (२) विपिन-भवन, कुम्हारपाड़ा, दुमका, संथालपरगना ।

प्रमोदबिहारी मिश्र—ज० '२८ , शि० एम० ए० हिंदी, आगरा वि० वि० , सा०रत्न सम्मे० प्रयाग ; सा० संपा० रविवारीय विशेषांक 'लोकमान्य' कलकत्ता, संस्था० 'ग्राम-भारती', भूत० सहमंत्री : सिधौली हिंदी सभा ; प्र० '४२ मे ; प्रका० स्फुट ; अप्र० अंतर्द्वंद्व (खंड०) ; प० सिधौली, सीतापुर ।

प्रवीण नायक—ज० १ मार्च, '३७ ; शि० बी० ए० '५७ विक्रम वि० वि० उज्जैन, एम० ए० '६० सागर वि० वि० ; प्रका० स्फुट कहा०, लेख आदि , अप्र० दो आलो० लेख-संग्रह ; वि० 'हिंदी के ऐतिहासिक उपन्यासों की पृष्ठभूमि पर आचार्य चतुरसेन शास्त्री के उपन्यास' विषयपर शोधकार्य - रत , प० हिंदी प्राध्यापक, उपाधि महाविद्यालय, नरसिंहपुर ।

प्रसन्नी सहगल, कुमारी, डा०—ज० '२७, गुजरानवाला ; शि० बी० ए० '४७ पंजाब वि० वि०, एम० ए० हिंदी '५० आगरा वि० वि०, एल० टी० '५२ एवं पी-एच० डी० '६१ लखनऊ वि० वि० ; प्रका० परख : एक अध्ययन ; अप्र 'गुरु गोविंदसिंह : व्यक्तित्व एवं कृतित्व' (शोधग्रंथ) एवं दो आलो० लेखसंग्रह ; प० प्रधानाचार्या, सरस्वती इंटर कालेज, नरही, लखनऊ ।

प्राणनाथ वानप्रस्थी—ज० '१८ ; शि० डी० ए० वी० कालेज, लाहौर , प्र० '५५ में ; प्रका० अच्छे बच्चे, श्रीकृष्ण, स्वामी विवेकानंद, स्वामी रामतीर्थ, लोकमान्य तिलक, महात्मा गाँधी, लाला लाजपतराय, सरदार पटेल, राष्ट्रपति राजेन्द्रप्रसाद, विनोबा भावे, जवाहरलाल नेहरू, गौतमबुद्ध, सरदार भगतसिंह, चंद्रशेखर आजाद, गुरु नानकदेव, सुभाषचंद्रबोस, चाणक्य, बाल शिवाजी, हमारे राष्ट्रनिर्माता, सदाचारी बच्चे, महापुरुषों के संस्मरण, महापुरुषों की झाँकियाँ, वीर पुत्रियाँ, आदर्श बालक, गुरुगोविंदसिंह, आदर्श देवियाँ, साहसी बालक, भारत के महान ऋषि, रवींद्रनाथ ठाकुर, सम्राट अशोक, हरिसिंह नलवा, श्यामाप्रसाद मुकर्जी, वीर हनुमान, देश के दुलारे, महाराणा प्रताप, हमारे स्वामी ; वि० 'गुरु गोविंदसिंह' पर पंजाब भाषा विभाग पटियाला द्वारा पुरस्कार प्राप्त ; प० (१) द्वारा, राजपाल एंड संस, पो०बा० १०६४, दिल्ली—६ । (२) आर्य गुरुकुल, चित्तौड़गढ़ (राज०) ।

प्रियदर्शी—ज० २८ जनवरी, '३२ ; शेरपुर, गाजीपुर , शि० इंटर, सा०रत्न, सा०महोपाध्याय ; सा० संस्था०-संचा० साहित्य कलाकेंद्र दिल्ली ; प्र० '४८ में ; प्रका० काव्य : प्राची '४८, स्वर्णरश्मि '४९, काष्ठशिल्प की रूपरेखा '५२ चिलमन (उर्दू) '५६, श्यामा '५८ गीत के नये चरण '५९

उर्मिला (खंड०) '५८, शेफालिका '६० ; अप्र० भारतीय छायाचित्र का इतिहास ; प० साहित्य-कलाकेंद्र, दिलशाद गार्डेन, शाहदरा, दिल्ली।

प्रियव्रत, वेदवाचस्पति— ज० १९०६ ; शि० गुरुकुल काँगड़ी वि० वि० ; प्रका० वेद का राष्ट्रीय गीत, वेदोद्यान के चुने हुए फूल, मेरा धर्म, वरुण की नौका (दो भाग) ; अप्र० स्फुट रचनाओं के दो-तीन संग्रह ; वि० 'वेद का राष्ट्रीयगीत' पर उ० प्र० सरकार द्वारा ४००) एवं 'वेदोद्यान के चुने हुए फूल' पर ४००) तथा 'मेरा धर्म' पर सार्वदेशिक सभा द्वारा ४००) का पुरस्कार प्राप्त ; प० आचार्य, गुरुकुल काँगड़ी वि०वि०, सहारनपुर।

प्रीतमसिंह पंछी—ज० '२२, कुलपोता, जालंधर ; शि० नामधारी महाविद्यालय मैणी साहब ; सा० भूत० संपा० : साप्ता० 'सतयुग' तथा साप्ता० 'प्रेम-संदेश' '४७ एवं 'नया साहित्य' '४८ ; प्रका० डाक पत्थर, जमीन का टुकड़ा, हमारी लोककथाएँ (दो भाग), पंजाब की लोककथाएँ, गदर पार्टी का इतिहास, संत भाई वीरसिंह ; अप्र० पीले पत्ते, सागर के पाहुने ; वि० 'घुँघरू' नामक कहानी का १४ भाषाओं में अनुवाद हो चुका है, पंजाबी के भी मूलेखक ; प० (१) अध्यक्ष सर छोटूराम स्मारक संग्रहालय, संगरिया। (२) प्रधानाध्यापक, शि० प्र० वि० ग्रा० वि०, संगरिया (राज०)

प्रेमकपूर, 'कंचन'—ज० '३१ ; शि० एम० ए० प्रयाग वि० वि० ; प्रका० स्फुट रचनाएँ; अप्र० एक और सत्र (उप०), तुम्हारी आँखों का सोना (कहा०) ; वि० 'सौंदर्यशास्त्र' पर शोध-कार्य-रत ; प० 'धर्मयुग'-कार्यालय, बंबई।

प्रेमकुमार, 'प्यासा'—ज० '३६, कलकत्ता , शि० बी० ए० ; जा० बँगला एव ॲंगरेजी ; प्रका० अनु० : सजा, पाकिस्तान की लूट आदि ; प० चंद्रकाता प्रेस, २ राजा मनींद्र रोड, कलकत्ता—२।

प्रेम चंद्रगोस्वामी—ज० १७ जुलाई, '३६ ; शि० बीकानेर , प्रका० स्फुट ; अप्र० वालो० कविता-कहानी-संक० ; वर्त० 'आर्टिस्ट' पद पर राजकीय सेवा ; प० फागीवालों की हवेली, हनुमान का रास्ता, जयपुर।

प्रेमचंद्र महेश—ज० २२ मई, '३६ ; शि० एम० ए० हिंदी, आगरा वि० वि० ; सा० संचा० हिं०साहि०परि०, हापुड़ ; प्र० '५९ में ; प्रका० हर्षवर्धन, अशोक, चाणक्य और चंद्रगुप्त ; वि० 'हर्षवर्द्धन' पर भारत सरकार से ५००) का पुरस्कार '५८ में प्राप्त ; वर्त० हिंदी प्राध्यापक, श्री सरस्वती विद्यालय इंटर कालेज, हापुड़ ; प० ६७, पुराना बाजार, हापुड़।

प्रेमचंद विजयवर्गीय—ज० ३० जून, '२७, कोटा ; शि० बाराँ एवं कोटा, एम० ए०; सा० राष्ट्रीय आंदोलन में सक्रिय कार्य, भारतेंदु समिति-

कोटा राज साहित्य अकादमी एवं भारतीय परिषद से संबंधित ; प्र '४७ में , प्रका आत्मा , नाटककार 'प्रसी' और 'शपथ'-समीक्षा '५७, अजित-अनुशीलन '५७, स्मृति की रेखाएँ : एक संक्षिप्त अध्ययन '५७, सजदेव-मीमांसा '५७, 'भूदान' : एक अध्ययन '५८, गूँज रही शहनाई (काव्य) '६२ ; प॰ (१) १०५, धानमंडी, कोटा । (२) वनस्थली विद्यापीठ (राज॰) ।

प्रेमनारायण अग्रवाल—शि॰ एम॰ ए॰, प्रयाग , सा॰ योरोप, अफ्रीका और पश्चिमी एशिया के २५ देशों का भ्रमण करके राजनैतिक, आर्थिक, सामाजिक आदि स्थिति का अध्ययन किया, सम्पा॰ , प्रवासी लेखक संघ एवं डेढ़ वर्ष तक मंत्री, 'इंडियन कलोनियल एसोसिएशन' के '३२-'४० तक प्रधान मंत्री, संपा॰ सा॰ 'लेखक', 'बाबे क्रानिकल', 'मानिंग स्टैंडर्ड', एवं 'संडे स्टैंडर्ड' के संपादकीय विभागों में कार्य ; प्रका॰ प्रवासी भारतीयों की समस्या, स्वामी भवानीदयाल संन्यासी (अँग्रेजी), सार्वजनिक कार्य-कर्ता और उनकी आय के साधन ; अप्र॰ संघर्ष और विकास, व्यावहारिक पत्रकार-कला, युवकों का विवाहित जीवन, युवकों की समस्याएँ, सस्ती विदेशयात्रा के नुस्खे , प॰ अजीतमहल, इटावा ।

प्रेमनारायण गौड़—ज॰ ३ अप्रैल, '२७ ; शि॰ इंटर ; प्र॰ '४६ में ; प्रका॰ बालो॰ : दिल्ली की बिल्ली, चमचमचंदा, मुर्गों की दुनिया, देश-विदेश की रसीली कहानियाँ, साहस के पुतले, पुराणों की कहानियाँ, घूँसों की करामात, चूहों का देश, जादू की कडाही; अप्र॰ पाँच-छह बालो॰ पुस्तकें ; प॰ ६१, जानसेनगंज, इलाहाबाद ।

प्रेमनारायण माथुर—ज॰ १५ अक्टूबर, '१२, कुरावड़ (मेवाड़); शि॰ एम॰ ए॰, बी॰ काम ; सा॰ सद॰ : 'नेशनल कमेटी आफ बीमेंस एजुकेशन' भारत सरकार, 'नेशनल इंस्टीट्यूट आफ व मेंस एजुकेशन-समिति', 'नेशनल कौंसिल आफ विमेंस एजुकेशन' की 'कैरीक्युलम कमेटी' ; वित्त एवं शिक्षा मंत्री (राज॰), गृह एवं शिक्षा मंत्री (वृहत्तर राज), भूत प्राध्यापक : एस॰ डी॰ कालेज ब्यावर एवं अग्रवाल कालेज इलाहाबाद; प्रबंधसंचा॰ 'राजस्थान पत्रिका', आचार्य : वनस्थली विद्यापीठ ; प्रका॰ भारतीय अर्थशास्त्र की रूपरेखा, गाँवों की आर्थिक समस्या, विविध प्रश्न, सामाजिक अध्ययन, गाँधी ग्रंथ, पहली पंचवर्षीय योजना, दूसरी पंचवर्षीय योजना ; वि॰ आस्ट्रे-लियन फेडरल काउंसिल आफ दी न्यु एजुकेशन फेलोशिप' द्वारा आयोजित 'इंटरनेशनल कानफ्रेंस' में भाग लिया एवं आस्ट्रेलिया का भ्रमण किया,

अँग्रेजी में भी कई ग्रंथ लिखे हैं; वर्त॰ शिक्षा मंत्री तथा अर्थशास्त्र के प्राध्यापक : प॰ वनस्थली विद्यापीठ (राज॰)।

प्रेमनारायण टंडन, डा॰—ज॰ १३ जनवरी, '१५ ; शि॰ बी॰ ए॰ '३९ लखनऊ वि॰ वि॰, एम॰ ए॰ '४१ आगरा वि॰ वि॰, सा॰रत्न '४१ सम्मे॰ प्रयाग, पी-एच॰ डी॰ '५७ लखनऊ वि॰ वि॰ ; सा॰ ५ जनवरी, '३७ से १ दिसंबर '५२ तक कालीचरण हाई स्कूल कालेज लखनऊ में अध्यापक, २ दिसंबर '५२ से लखनऊ वि॰ वि॰ में हिंदी प्राध्यापक ; भूत॰ संपा॰ मा॰ 'क्षत्री हितैषी' '३६-'४१, बालो॰ पाक्षि॰ 'होनहार' '४४-'४५ एवं '५०-'५१, संपा॰ मा॰ 'रसवती' '५७ से ; भूत॰ सद॰ स्थायी समिति एवं विश्वविद्यालय-परिषद हिंदी-सा॰ सम्मे॰ '४७-'४८ ; '४६-'४७ में 'ब्रजभाषा-सूर-कोश' के संपा॰ के लिए लखनऊ वि॰ वि॰ में 'मोदी-स्कालर' ; प्र॰ '३५ में ; प्रका॰ आलो॰ प्रेमचंद और ग्रामसमस्या '३८, द्विवेदी-मीमांसा '३९, हमारे गद्य-निर्माता '४१, हिंदी-साहित्य-निर्माता '४२, हिंदी-साहित्य का छात्रोपयोगी इतिहास '४४, बीसवीं शताब्दी के पूर्व हिंदी गद्य का विकास '४८, हिंदी साहित्य : कुछ विचार '५६, सूर की भाषा (शोधग्रंथ) '५७, सूर-साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन '५८, भाषा-अध्ययन के आधार '५८, सारावली : एक अप्रामाणिक रचना '६०, ब्रजभाषा-व्याकरण की रूपरेखा '६२, 'एक अध्ययन माला' : अजातशत्रु '४४, स्कंदगुप्त '४५, चंद्रगुप्त '४५, गबन '४५, निर्मला '४८, गोदान '४८ ; संपा॰ : प्रताप-समीक्षा '३८, साकेत-समीक्षा '४०, पुण्य स्मृतियाँ '४२' साहित्यिकों के संस्मरण '४२, प्रेमचंद कृतियाँ और कला '४०, हिंदी-सेवी संसार (प्रथम संस्करण) '४४, (द्वितीय संस्करण) '५१, (तृतीय संस्करण) : दो खंड) '६३, गोपी-विरह-भँवरगीत (सूरकृत) '४४, भँवरगीत (नंददास) '४५, सुदामा-चरित '४५, कामायनी-मीमांसा '४५, पद्मावती समय (रासो) '४६, रहस्यवाद और हिंदी कविता '४६, साहित्यिक पारिभाषिक शब्दावली '४८, सूर-रामायण '५०, संक्षिप्त सूरसागर '५७, पांडेय-स्मृति-ग्रंथ '५९, सूर-विनय-पदावली '६०, प्राचीन हिंदी कवियों की काव्य-कला '६०, रासपंचाध्यायी (नंददास) '६१, अनूप शर्मा : व्यक्तित्व और कृतित्व '६१, आधुनिक हिंदी कवियों की काव्य कला '६१, महाकवि निराला : व्यक्तित्व और कृतित्व '६२, ब्रजभाषा सूर-कोश (दस खंड) '६२; एकां॰ एवं नाट॰ : प्रेरणा '४५, संकल्प '४६, कर्मपथ '४८, दिवास्वप्न '५६, अजातशत्रु '५८, कृष्णजन्म '६२, निराला : एक झलक '६२ ; अन्य : तुलसी के राम '४६, हास्य और विनोद '४७, हमारे अमर नायक, हीरे की बात (गद्यकाव्य)

'६०, सप्त स्वर '६०, साधना-पथ (कविता) '६१ ; बालो० 'बालबंधु' उपनाम से चौपट-चौधरी, नारद का ब्याह, झपसटराय, गाँधी जी से क्या सीखे आदि लगभग एक दर्जन पुस्तकें ; वि० गद्य-पद्य की अनेक पाठ-पुस्तकें संपादित की हैं ; स्व-सम्पादित 'रसवती' में अनेक छद्मनामों से लिखते हैं, 'रसिक बिहारीलाल' नाम से 'रसिक-शतक' (ब्रजभाषा दोहे) लिखा है जिस पर उ० प्र० सरकारी समिति ने २५०) का पुरस्कार दिया था ; 'सूर की भाषा' पर उक्त समिति से ७००) का एवं एक एकांकी-संग्रह पर २००) का पुरस्कार प्राप्त ; प० विद्यामंदिर, रानीकटरा, लखनऊ ३।

प्रेमलता वर्मा—ज० १६ जुलाई, '३८, शि० बी० ए० प्रयाग वि० वि० '५६, एल० टी० '६० ; प्र० '५६ से ; प्रका० सपा० घनानंद, मतिराम (यंत्रस्थ) एवं स्फुट कवि०-कहानियाँ, वर्त० प्रधानाध्यापिका सिंधी-सेवा-समिति विद्यालय ; प० १४७, मोहनशिमगंज, इलाहाबाद—३।

प्रेमशंकर तिवारी, डा०—ज० २ फरवरी, '३०, सीतापुर ; शि० एम० ए० '५०, पी-एच० डी० '५३, काशी एवं सागर वि० वि०, सा० मा० 'युगचेतना' लखनऊ के सपा० मंडल में ; प्रका० प्रसाद का काव्य (शोधग्रंथ) ; वि० काशी वि० वि० में चार वर्ष तक द्विवेदी छात्र-वृत्ति प्राप्त, इस समय भक्तिकाव्य पर शोधकार्यरत ; प० हिंदी प्राध्यापक, वि० वि०, सागर।

प्रेमशंकर श्रीवास्तव—ज० १२ अगस्त, '४० इलाहाबाद ; प्र० '५७ से, प्रका० उप० : आग बढ़ती गयी '५८, अँबवा के पेड़ तले, रंगीन सपने, सूनी सेज सुहानी रात, बदरा सताए, तुम क्या जानो पीर पराई, आओ एक पाप करें, उलझे नैन दिल बेचैन ; प० १२७।२८१, अतरसुइया, इलाहाबाद।

प्रेमस्वरूप गुप्त, डा०—ज० १५ अक्टूबर, '२७ ; शि० एम० ए० हिंदी-संस्कृत, पी-एच० डी०, साहित्याचार्य, काव्यतीर्थ ; सा० प्राध्यापक, आगरा कालेज आगरा में डेढ़ वर्ष तक, पश्चात सात वर्ष से अलीगढ़ वि० वि० में, प्र० '५८ से, प्रका० रसगंगाधर का शास्त्रीय अध्ययन (शोधग्रंथ), अप्र० शोधनिबंधों का एक संक० ; प० १४१, श्यामनगर, अलीगढ़।

प्रेमाचार्य—ज० '२६ ; शि० स्नातक, साहित्याचार्य ऋषिकुल हरिद्वार, एम० ए० संस्कृत, आगरा वि० वि०, सा० मा० 'लोकालोक' के सपा० विभाग में कार्य, प्रका० वैदिक देवतावाद (यंत्रस्थ), वि० वैदिक साहित्य पर शोधकार्य ; प० १०३ ए, धर्मधाम, कमलानगर, देहली।

फतहचंद्र गुप्त—ज० ४ मई, '१७ ; सा० सपा०-प्रका० मा० 'अग्रवाल' '५६ से : प्रका० मारवाड़ी-गौरव '४४ : प० २८०३ सब्जीमंडी, दिल्ली—६।

फाल्गुन गोस्वामी—ज॰ १८८४ ; शि॰ इंटर, आगरा वि॰ वि॰ ; सा॰ 'जुबिली नागरी भंडार' की प्रबंधकारिणी के मंत्री एवं सभापति , प्रका भारतीय विज्ञान की रूपरेखा '५० तथा स्फुट रचनाएँ ; अप्र॰ 'महाभारत सुभाषित रत्नाकर' की परिवर्द्धित-हिंदीभाषाटीका ; वि॰ तेज स्वरोदय विज्ञान (द्वि॰ संस्क॰) के सहलेखक ; प॰ गोस्वामी चौक, बीकानेर ।

फूलचंद्र जैन, 'सारंग'—ज॰ १ जनवरी, '१३ , शि॰ एम॰ ए॰, सा॰रत्न ; सा॰ सद॰ कार्यकारिणी समिति ना॰ प्रचा॰ स॰ आगरा, मंत्री : हरिजन सेवक समिति भोपालगढ़, सहायक प्रबंधक : दि॰ जैन हायर सेकेंडरी स्कूल आगरा, संस्था॰ राज॰ में सम्मे॰ प्रयाग के परीक्षा-केंद्र ; प्राध्यापक '३४-'४७ तक जैनरत्न विद्यालय भोपालगढ़, '४७ से महावीर दि॰ जैन इंटर कालेज आगरा में हिंदी - विभागाध्यक्ष , सपा॰ मा॰ 'जिनवाणी' एवं 'प्रदीप' , प्रका॰ निबंध-निधि, प्रायश्चित (सपा॰), हमारे जवाहर, अमर विभूतियाँ, नये भारत के निर्माता, शिशु-बोध (दो भाग), हिंदी पाठमाला (तीन भाग), जीवन निर्माण, हिंदी और उनके कलाकार, किशोर भारती (तीन भाग), गाँधीपथ, साकेत की टीका, ब्रजमाधुरी सार की टीका, निबंध-नवनीत, सुदामा चरित्र की टीका, जयशंकर प्रसाद और ध्रुवस्वामिनी, संगम, प्रबंध-प्रबोध, हमारे कवि और लेखक, आदर्श बालक, गाँवों में नव-ज्योति, रामनरेश त्रिपाठी और पथिक, भगवतीप्रसाद वाजपेयी तथा रात्रि और प्रभात, हरिकृष्ण प्रेमी और भग्न प्राचीर, सियाराम शरण गुप्त और उन्मुक्त, गद्यगरिमा, उनका पथ हमारे चरण आदि लगभग ५० ग्रंथ ; वि॰ 'हिंदी में जैन कथा-साहित्य' पर आगरा वि॰ वि॰ से शोधकार्यरत ; प॰ सारंग सदन, धूलियागंज, आगरा ।

फूलदेव सहाय वर्मा—ज॰ ११ फरवरी, १८८८ कौसड़, सारन ; शि॰ एम॰ एस-सी॰ कलकत्ता वि॰ वि॰, ए॰ आई॰ आई॰ एस-सी॰ बँगलौर ; सा॰ विज्ञानपरि॰ प्रयाग के सभा॰, ना॰ प्र॰ सभा काशी के वैज्ञानिक कोश के सह-सपा॰, 'गंगा' के 'विज्ञान अंक' के सपा॰, हिं॰सा-सम्मे॰ के शिमला अधिवेशन तथा बिहार प्रांतीय सम्मे॰ के आरा अधिवेशन के विज्ञान विभाग के सभा॰, काशी वि॰ वि॰ में रसायन प्राध्यापक '१८ में नियुक्त, '५१ में 'कालेज आफ टेक्नोलाजी' के प्राचार्य पद से अवकाश ग्रहण कर बिहार वि॰ वि॰ में कालेजों के निरीक्षक नियुक्त, इस समय हिंदी विश्वकोश के संपा॰ ; प्रका॰ प्रारंभिक रसायन (दो भाग), साधारण रसायन (दो भाग), मिट्टी के बरतन वैज्ञानिक शब्दकोश खाद और उर्वरक औद्योगिक रसायन पर

लिखी आपकी पुस्तकों में रबर, प्लास्टिक, पेट्रोलियम, कोयला, ईख और चीनी, विटामिन और आहार, लाख और चमड़ा, लुगदी और कागज, प्रमुख हैं ; वि० 'ईख और चीनी' पुस्तक पर भारत सरकार से दो सहस्र रुपए, उ० प्र० से एक सहस्र रुपए, बिहार सरकार से एक सहस्र रुपए तथा अ०भा०हि०साहि०सम्मे० से 'मंगलाप्रसाद पारितोषिक' प्राप्त, कई पुस्तकें अँगरेजी में लिखी हैं ; प० संपा० हिंदी विश्वकोश, ना० प्र० सभा, वाराणसी।

फूलसिंह शर्मा, 'नीरव'—ज० १ जुलाई, '१८, शि० एम ए०, सा०रत्न, साहित्यालंकार, सा० '३५ से कई पत्र-पत्रिकाओं के संवाददाता, प्रतिनिधि, सहसंपा० तथा संपा० के रूप में कार्य, ना० प्रचा० सभा आगरा के संयुक्तमंत्री, जनपद हि० साहि० सम्मे० आगरा के अध्यक्ष, सूर-स्मारक-मंडल के संस्था० मंत्री, साप्ता० 'नवलोक टाइम्स' के प्रबंध संपा०, कांग्रेस आंदोलन में कई बार कारावास ; प्र० '२८ से ; प्रका० स्फुट कवि० एवं लेख ; अप्र० कई संक० ; प० प्रबंध संपादक, 'नवलोक टाइम्स', बल्कावस्ती, आगरा।

बंकटलाल ओझा—ज० ७ अक्टूबर, '०८, शि० सा०भूषण; सा० आजी० सद० : विज्ञान परि० प्रयाग तथा परि० की अंतरंगसभा, ना०प्रचा०सभा० काशी एवं गुजरात प्रकृति मंडल अहमदाबाद, हिंदी प्रचार सभा के आदिसद एवं कई वर्ष तक कोषाध्यक्ष रहे, संस्था०सद० : हैदराबाद राज्य कांग्रेस, सद० : हैदराबाद बटन उद्योग वेतन आयोग, कार्यसमिति राज० हिंदी विद्यालय, संस्था० : हिंदी-समाचार-पत्र-संग्रहालय '२५ एवं अवै० मंत्री, मारवाड़ी हिंदीपुस्तकालय के अवै० संयुक्तमंत्री, मंडल कांग्रेस के भूत० मंत्री, आंध्रप्रदेश श्रमजीवी पत्रकारसंघ के लेखानिरीक्षक, मक्खनलाल बालिका विद्यालय के शिक्षक एवं संरक्षक संघ के अध्यक्ष, '३२ के सत्याग्रह आंदोलन में तीन वर्ष का कारावास, संपा० मा० छपाईकला', 'नवभारत टाइम्स' के आंध्र प्रदेश में संवाददाता ; प्रका० हिंदी समाचारपत्र-सूची भाग १ (१८२६-'२५), हिंदी समाचारपत्र-निर्देशिका , अप्र० बेतार-जगत, कागज, रबर की मोहरें बनाना, देवनागरी लिपि का उद्भव और विकास, हिंदी पत्रकार-कला के उन्नायक आदि ; वि० 'हिंदी समाचारपत्र सूची (भाग १) पर उ० प्र० सरकार द्वारा ५००) का पुरस्कार प्राप्त , प० कसारहट्टा रोड, हैदराबाद—२।

बच्चन पाठक, 'सलिल'—ज० १७ सितंबर, '३७ रहथुवा, शाहाबाद, शि० बी० ए० आनर्स जमशेदपुर, एम० ए० पटना वि०वि०, साहित्यालंकार देवघर ; सा० केंद्रीय सरकार द्वारा '५८ में मैसूर भेजे गये हिंदीशिष्टमंडल के सद०, जमशेदपुर लेखक-मंडल के प्रधानमंत्री ब्रह्मपुर अंचल साहि० परि०

सम्मे० के मंत्री, भूत० संपा० 'साधना', वर्त० संपा० 'संकल्प'; प्र० '५२ में; प्रका० स्फुट कवि० कहा० एवं निबंध; अप्र० स्नेह के आँसू (उप०); वि० अनेक रचनाएँ पुरस्कृत; प० प्राध्यापक हि० वि०, करीमसिटी कालेज, जमशेदपुर।

बच्चीलालगुप्त, 'योगेंद्र'—ज० '१२, बराटा, झाँसी; शि० साहित्य-भूषण; प्र० '३८ में; प्रका० शिक्षा-सरोज (काव्य), विश्वभारती, ईशावास्योपनिषद्; अप्र० श्री रामतत्त्व मानस (महा०), ज्ञान-प्रदीप, प्रेमप्रमोद, बेसिक गीत, प० योगेंद्र कुटीर, चिरगाँव, झाँसी।

बच्चूलाल अवस्थी, 'ज्ञान'—ज० ८ अगस्त, '१८, बहराइच; शि० व्याकरणाचार्य वाराणसी, साहित्याचार्य लखनऊ, एम० ए० संस्कृत '५४, एम० ए० हिंदी '५७; सा० हिंदीप्राध्यापक: पी० के० इंटर कालेज तथा युवराजदत्त पोस्टग्रेजुएट कालेज लखीमपुर, सनातनधर्म संस्कृत विद्यालय के प्रधानपंडित; प्रका० अलंकार-बोधिनी, काव्यतत्वबोधिनी; अप्र० काँटों का उपवन (उप०); वि० 'खड़ी-बोली-हिंदी के क्रियापदों का शास्त्रीय अध्ययन' विषय पर शोधग्रंथ आगरा वि०वि० में प्रस्तुत कर चुके हैं; वर्त० प्राध्यापक हि०वि०, युवराजदत्त कालेज, लखीमपुर; प० अर्जुन पुरवा, लखीमपुर, खीरी।

बजरंग वर्मा—ज० '३३; शि० छपरा, मुजफ्फरपुर, एम० ए० हिंदी बिहार वि०वि०; सा० बिहार राष्ट्रभाषापरि० की ओर से आयोजित विद्यापति-पदावली-संपा० समिति में सहसंपादक, संपा० त्रैमा० 'अँजोर' भोजपुरी; प्र० '४५ में; प्रका० उमापति उपाध्याय, नवपारिजात मंगल '६२ एवं नृत्य-रूपकों का संग्रह; अप्र० कवि० एवं आलो० लेखों के दो संग्रह; वि० 'विद्यापति' पर शोधकार्यरत; प० अनुसंधायक, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना—४।

बटुक चतुर्वेदी—ज० ६ जुलाई, '३२; शि० इंटर, प्र० '४७ में; प्रका० पहला चरण (कवि०) '५४; अप्र० दो उप, एक कवि० तथा एक लोककथासंग्रह; वि० बुंदेली के भी लेखक; वर्त० सूचना तथा प्रकाशन विभाग में प्रदर्शनी-प्रत्यक्षक; प० १२ तलैयामार्ग, इब्राहीमपुरा, भोपाल।

बदरीनाथ कपूर—ज० १६ सितंबर, '३२, पश्चिमी पाकिस्तान; शि० एम० ए०, सा० सहसंपा० 'मानक हिंदी कोश' '५६ से एवं 'मराल' '६० से; प्रका० राजगुरु (पंजाबी से अनु०) '६१, बेसिक हिंदी '६२. अप्र० बिहारी-कोश; वि० 'हिंदी पर्यायों का भाषागत अध्ययन' विषय पर शोधग्रंथ प्रस्तुत किया; प० यूरेका पब्लिकेशंस, डी ८७।२१३, रामपुरा, वाराणसी।

बदरीनाथ शास्त्री, 'मधुकर'—ज० १९०७; जा० संस्कृत, उर्दू एवं बँगला; सा० कांग्रेस के सक्रिय सद० एवं स्वतंत्रता-आंदोलन में कई बार

कारावास '४ २२ में प्रका० स्फुट निबंध आदि अप्र० काव्य कृति मनमई (अनु०) पूछेंगा, माल्विकाग्निमित्र (अनु०), आध्यात्मिक अराजकतावाद, पथविहीन लोकतंत्र ; प० केतकी, निकुंज-निलय, गया।

बदरीनारायण राम—ज० '२७ ; शि० एम० ए० ; प्र० '४४ में ; प्रका० स्फुट रचनाएँ ; अप्र० दो काव्य संग्रह ; वि० 'हिंदी उपन्यास : पृष्ठ-भूमि और परंपरा' पर शोधग्रंथ भागलपुर वि०वि० में प्रस्तुत ; प० राजभाषा विभाग बिहार सरकार, बिहार सचिवालय, पटना।

बदरीनारायण श्रीवास्तव—ज० १५ मार्च, '२६; शि० एम० ए० प्रयाग वि०वि०, पी-एच० डी० आगरा वि०वि० ; सा० सद० : भा०हि०परि० प्रयाग, प्राध्यापक : के० जी० के० कालेज मुरादाबाद '५०-'५१', डिग्री कालेज, फैजाबाद '५१-'५६, काशी नरेश कालेज ज्ञानपुर '५६ से , प्र० '४४ में ; प्रका० रामानंद संप्रदाय तथा हिंदी साहित्य पर उसका प्रभाव (शोधग्रंथ), अयोध्याकाड (मानस) की भूमिका, हिंदी साहित्य कोश (भाग एक तथा दो में अनेक टिप्पणियाँ) ; अप्र० दो आलो० लेख-संग्रह , वि० हिंदी, मराठी, गुजराती, बंगला के मध्यकालीन रामकाव्य' पर डी० लिट् के लिए शोधकार्य-रत, अनेक प्रतियोगिताओं में पुरस्कार प्राप्त ; प० हिंदी प्राध्यापक, काशी नरेश गवर्नमेंट कालेज, ज्ञानपुर, वाराणसी।

बदरीप्रसाद साकरिया—ज० १८९६, बालोतरा (राज०) ; सा० पिछले तेरह वर्षों से संपा० त्रैमा० शोधपत्रिका 'राजस्थान भारती' ; प्रका० अनोखी आन (उप०), यह नींद कब उडेगी; संपा० प्रसिद्ध प्राचीन ऐतिहासिक गद्यग्रंथ (१६ वीं शती), मुहता नैणसी री ख्यात (तीन भाग), हरिरास (भक्तिग्रंथ) ; अप्र० राजस्थानी-हिंदी-लघुकोश, पृथ्वीराज राठोड़ ग्रंथावली, दुरसा आढा ग्रंथावली, किरतार बावनी, ईसरदास ग्रंथावली, १८५७ के स्वातंत्र्य युद्ध से संबंधित ऐति० डिंगल ग्रंथ ; प० संपा० 'राजस्थानी भारती', सादूल राजस्थानी रिसर्च इंस्टीट्यूट, बीकानेर।

बद्रीनारायण जोशी विद्यार्थी—ज० २७ मार्च, १९०५ ; सा० गाँधी-सेवासंघ द्वारा संचालित ग्राम-सेवी संस्था में शिक्षणकार्य, अ०भा०हि० साहि० सम्मे० इंदौर में कार्य, विक्रमशताब्दि महोत्सव बड़वानी के मंत्री तथा साहि०सदन के भूत० अवै० मंत्री ; प्र० '४२ में ; प्रका० स्फुट लेख एवं कवि०, वि० निमाड़ के आदिवासियों पर शोधकार्यरत; प० विद्यार्थी निवास, बड़वानी।

बनवारीलाल ढाकरिया, 'अखिलेश'—ज० १५ नवंबर, '३२, पंचमढ़ी:

शि० मैट्रिक ; प्रका० स्फुट रचनाएँ ; वर्त० मध्यरेलवे जबलपुर में लिपिक ; प० १६८।१७० पेशकारी के पीछे, बड़ी ओमती, जबलपुर ।

बनारसी चौधरी, 'वीरेश'—ज० '२४ ; शि० बी० ए० आनर्स हिंदी, विशारद बी० टी०, डी० पी० एड० ; प्र० '४८ में; प्रका० अभिनव शिक्षण-विधि, अम्बिका (काव्य, यंत्रस्थ) अप्र० मधि, सुरभि ; प० (१) हुसैनपुर, पटना । (२) अध्यापक, शिक्षक प्रशिक्षण विद्यालय, शाहपुर, औरंगाबाद, गया ।

बनारसीप्रसाद, 'भोजपुरी'—ज० १९०४, दइहरा, शाहाबाद ; सा० सद० कार्यसमिति बिहार हि०साहि०सम्मे०, अध्यक्ष शाहाबाद हि०साहि० सम्मे० एवं सदर अनुमंडल पुस्तकालयसंघ, प्रधानमंत्री जिलापुस्तकालयसंघ ; भूत० संपा० : 'देश' पटना, 'महावीर' पटना, 'जनक' पटना, 'आर्यमहिला' (बनारस), 'सूर्य' (बनारस), 'नवशक्ति' (पटना), 'स्वाधीन भारत' (आरा), 'ग्राम पञ्चायत', एवं 'संतवाणी' ; प्र० '२० में ; प्रका० युवकों के प्रति '२०, राष्ट्रीय गीत-संग्रह '२३, मेरे राम का फैसला, होमियोपैथिक विज्ञान '३२, भंडाफोड '३५, मेरे देवता '३५-'३९, मैदाने जग '३८, जेल का साथी '५१, सैलानी की सैर '५१, अर्द्धांगिनी '५२, हलवाहे का बेटा '५२, गरीब की आह '५२, दो प्राणी '५४. ; अप्र० मायासुंदरी, चंडालचौकडी (हास्य), धुँधले चित्र, भारतीय संत एवं धर्माचार्य, गद्यगीत, प० शिवगंज, आरा ।

बनारसीलाल, 'आर्य'—ज० आजमगढ ; शि० काशी; सा० संस्था० एव अध्यक्ष : अभिमन्यु पुस्तकालय, संस्था० घुमक्कड टोली, वर्णाश्रम हिंदू संघ एव वीर अभिमन्यु दल, '३२ के आंदोलन में दो बार कारावास ; सपा० महामना मालवीय श्रद्धाजलि-ग्रंथ ; प्रका० स्फुट लेख ; अप्र० तीन-चार संग्रह , प० डी० ८४/२२, मानमंदिर, वाराणसी ।

बनारसीलाल, 'काशी'—ज० १८९६ ; शि० तिलौथू एवं पटना, विशारद '२२, सा०रत्न '३५; सा० विभिन्न स्कूलों में ४१ वर्ष तक हिंदी अध्यापक, संस्था० : श्री हिंदी नवजीवन पुस्तकालय भभुआ '२३, काशी साहि० मंदिर '३९, प्रगतिरामडिहरा '४७, शाहाबाद जिला साहि०सम्मे० के स्थायी सद० एवं उसके बारहवें अधिवेशन मे भोजपुरी-परिषद के सभा० ; प्रका० रामायण के उपदेश '२०, अलंकार-प्रवेशिका '५४, हिंदी-पाठशाला (दो भाग) ; अप्र० भरत - चरितामृत, रोहतास (काव्य), कुलीना (कहा०) ; वि० अनेक पदक एवं अ० भा० संस्कृत परिषद अयोध्या से 'विद्याभूषण' उपाधि प्राप्त ; प० रामडिहरा आत सोन, शाहाबाद ।

बच्चन मिश्र—ज० '२१ ; शि० व्याकरण - साहित्याचार्य, आयुर्वेद-शास्त्री, बी० ए०, पी० एच०, विशारद सीवान तथा मुजफ्फरपुर ; सा० सारन जिला पुस्तकालय संघ के निरीक्षक, सिवान अवर प्रमंडलीय पुस्तकालय के अध्यक्ष, नवयुग पुस्तकालय एवं नवयुग विद्यामंदिर लहेजी (सारण) के संस्था० प्रका० बालविनोद, कविता-कुंज, सरल संस्कृत - सरणि ; अप्र० तीन-चार संकलन; प० नवयुग विद्यामंदिर, लहेजी, सारण ।

बरसानेलाल चतुर्वेदी, डा०—ज० १५ अगस्त, '२० ; एम० ए०, एम० काम०, एल० टी०, पी-एच० डी० ; सा० आकाशवाणी दिल्ली केंद्र की परामर्शदात्री समिति के सद० : प्रका० हिंदी साहित्य में हास्य रस (शोध०) हाथी के पंख (हास्य निबंध), चाणक्य गजदून बने (हास्य कहा०), रंग और व्यंग्य (हास्य कवि०), गुजराती साहित्य का इतिहास, ब्रजभाषा गद्य-सौरभ (संपा०), हिंदी कवियों का हास्य-वर्णन, जमाना रंग बदलता है (हास्य कहा०); अप्र० हास्य रस की रचनाओं के दो संक; वर्त० प्रधानाचार्य, सेठ बी० एन० पोद्दार हायर सेकेंडरी स्कूल, मथुरा ; प० रामजी द्वार, मथुरा ।

बलदेवप्रसाद मिश्र, 'राजहंस', डा०—ज० १२ सितंबर, १८९८, राजनाँदगाँव ; शि० एम० ए० दर्शन '२०, एल-एल० बी० '२१, डी० लिट० हिंदी '३९, प्रयाग और नागपुर वि० वि ; सा० '२०-'२२ में राष्ट्रीय माध्यमिक शाला के अवै० संचा०, '२२-'२३ में रायपुर में राष्ट्रीय महासभा के विविध कार्य, '२३-'४० रायगढ़ तथा '४०-'४४ रायपुर में विविध पदों पर कार्य, '४४-'४८ संचा० बिलासपुर डिग्री कालेज, '४८-'५२ रायपुर तथा राजनाँदगाँव में सार्व० सेवा कार्य, भूत० दीवान रायगढ़ स्टेट, भूत० अध्यक्ष हिं० वि० नागपुर वि० वि० (लगभग १२ तक), प्राचार्य : बिलासपुर तथा रायपुर डिग्री कालेज, प्रदेशीय संयोजक : भारत-सेवक-समाज '५३-'५९, विभागाध्यक्ष अ० भा० प्राच्यविद्या सम्मे०, अध्यक्ष : बंगीय हिंदी परि० कलकत्ता, '६०-'६२ तक स्थानीय नगरपालिका एवं प्रांतीय हिंदी साहि० सम्मे० तीन बार ; संयोजक : म० प्र० भारतीय संगम, राजानाँदगाँव के साप्ता० 'जनतंत्र' के संस्था० तथा बंगीय हिंदी परि० कलकत्ता की पत्रिका 'जन-भारती' के संपा० ; प्र० '१७ में ; प्रका० शंकर-दिग्विजय (नाट०) '२२, जीव-विज्ञान (जीवनदर्शन-निबंध) '२८, समाज सेवक (नाट०) '३२, कौसलकिशोर (महा०) '३४, तुलसी-दर्शन (शोधप्रबंध) '३८ ; जीवन-संगीत (काव्य) '४०, उमर खैय्याम की रुबाइयाँ (अनु०) '५१, साकेत-संत (महा०) '४६, हृदयबोध (काव्यानुवाद) '५१, भारतीय संस्कृति (निबंध) '५२, मानस में रामकथा

(निबंध) '५२, अन्त. स्फूर्ति (काव्य०) '५४, छत्तीसगढ़-परिचय (कहा०) '५०, भारतीय संस्कृति को गोस्वामी जी का योगदान (निबंध-भाष्य) '५७, मानस-माधुरी (निबंध) '५८, श्यामशतक (ब्रजभाषाकाव्य) '५८, रामराज्य (महा०) '६०, व्यंग्य-विनोद (काव्य) '६२, शृंगार शतक, वैराग्य शतक, अमत्य संकल्प, वासना-वैभव, साहित्यलहरी, गीतासार, मादक प्याला मृणालिनी-परिणय. मानस-मथन आदि ५० से अधिक ग्रंथ ; वि 'मानस-माधुरी', 'साकेतसंत', 'श्यामशतक', 'रामराज्य' आदि पुस्तकें म० प्र० शासन साहित्य परिषद तथा उ० प्र० शासन से पुरस्कृत , वि० विविध शैक्षणिक एवं साहित्यिक संस्थाओं से संबद्ध ; मानस के प्रतिष्ठित प्रवचन-कार ; वर्त० स्थानीय नगरपालिकाध्यक्ष ; प० सिविल लाइंस, राजनाँदगाँव ।

बलदेवप्रसाद मिश्र 'स्वतंत्र' —ज० १४ अप्रैल, ; १९०२ शि० भिषग भूषण , सा० महावीर दल की स्था०, सेवा समिति के प्रमुख कार्यकर्त्ता. प्रौढ़ पाठशाला के संचा०, स्थानीय कांग्रेस के मंत्री. प्रेम पुस्तकालय मल्लावाँ के संस्था० तथा मंत्री, जिला अध्यापक समिति के ११ वर्ष तक प्रधानमंत्री, जिला टाउन एरिया तथा डिस्ट्रिक्ट बोर्ड शिक्षा स[illegible]ति के सद०, प्रका० जिला का भूगोल '३१, शिशु-अन्ताक्षरी, कुमार-अन्ताक्षरी. स्थानीय शिल्प. अपठित सरोज ; अप्र० रस और अलंकार, पर्याय मंजूषा, व्यापार-प्रशिक्षण, हरदोई का भौगोलिक परिचय, आदर्श बालिका, कर्मयोग, रत्नकण, आदर्श बालक, शिल्प कला मल्लावाँ, हरदोई । (२) प्रधानाचार्य जूनियर हाई स्कूल, गंज मुरादाबाद, उन्नाव ।

बलदेवराज शर्मा—ज० ४ नवंबर, '१७, बटाला, गुरदासपुर ; शि० मैट्रिक, विशारद ; सा० सहृद साहि० गोष्ठी, वीर अभिमन्यु दल, अभिमन्यु पुस्तकालय, श्रीनागरी नाटक मंडल काशी कला-परि०, सुहृद नाट्य परि०, अभिनय-कलानिकेतन आदि विभिन्न संस्थाओं में सक्रिय कार्य, भूत० संस्था० : प्रताप महाविद्यालय, शिक्षामंदिर एवं अभिमत ; संस्था०-संचा० बालसेवा-केंद्र. शिक्षा- निकेतन. कन्या शिक्षामंदिर आदि , भूत० संपा० मा० 'सरिता', 'महाशक्ति', 'उर्मिला', दै० तथा साप्ता० 'नगर' आदि ; प्रका० रवींद्रनाथ टैगोर (जीव०). सती शकुंतला, सती पार्वती, सती सावित्री, सती सीता, भक्त प्रहलाद, वीर अभिमन्यु ; संपा० ' गुलाम का बदला (ऐति० उप०), गंगा-जमना (कहा०). दो किनारे (उप०), काशी के कहानीकार (कहा०), जामे-मस्ती (उर्दू कवि०), रंगमंच (एकांकी) आदि ; अप्र० बहारे गुलशन (उर्दू

कवि०), समस्या (उप०), अर्थपिशाच (नाट), सुमन सौरभ (कवि), प० डी० १७।१२, दशाश्वमेध, भूतेश्वर, वाराणसी ।

बद्रीनारायण सिंह—शि० इंटर, ए० टी सी , विशारद, कोविद प्र० '४२ से ; प्रका० राघवेन्द्र-चरित , अप्र० कवीन्द्र रवीन्द्र, दुर्गावती, माडवी , प० अध्यापक, अनत इंटर कालेज, खपड़ाडीह, फैजाबाद ।

बलदेव शास्त्री—ज० २५ मई, १९०३ ; शि शास्त्री '२२ काशी विद्यापीठ तथा '२७ पंजाब वि वि न्यायतीर्थ '२६ कलकत्ता संस्कृत वि वि , विद्याभास्कर गुरुकुल महाविद्यालय ज्वालापुर, बी० ए० लाहौर , सा० अध्यक्ष 'शिक्षा सदन' कहेवड़कलाँ रुड़की, उपाध्यक्ष हिंदी परि० रुड़की , प्र० '३२ से , प्रका० काव्य . भगवती '२६, नाट : विजयी पन्ना '३८, वीर बादल '५२ ; अनु नाट . वेणी संहार '३२, प्रतिमा '३४ स्वप्नवासवदत्ता '३५, पचरात्र '३६, प्रतिज्ञायौगंधरायण '३७, अभिज्ञान शाकुंतल '३७, ऊरुभग, मध्यम व्यायोग, दूतवाक्य '४२, मुद्राराक्षस '४६ ; अप्र० काव्य : सूक्तिपारिजात, यजुर्गीत (यजुर्वेद का पद्यानुवाद) ; नाट . चारुदत्त, वर्ग-संघर्ष , वि० भास के आठ नाटको के और कालिदास के एक नाटक का अनुवाद कर चुके हैं ; 'यजुर्गीत' के अतिरिक्त तीनो वेदो के पद्यानुवाद मे संलग्न हैं , प० कहेवड़कला, रुड़की, सहारनपुर ।

बलवीरसिंह, 'करुण'—ज० '३८ ; शि० बड़ौत (मेरठ) ; प्र० '५६ से ; प्रका० काव्य हृदयोद्गार, हिलोर, पलिता, अंकुर, वेदना, प्रवाह, कपन, विजयकेतु (खड०) ; कहा० बिखरे चित्र , अप्र० तीन-चार संग्रह ; प० (१) किरठल, मेरठ । (२) टीचर्स ट्रेनिग कालेज, बीकानेर ।

बलभद्र ठाकुर—ज० ५ जून, '१८, मिथिला ; शि० साहित्याचार्य, सर्वदर्शनशास्त्री ; जा० रूसी, बँगला, असमिया, मराठी, गुजराती, पंजाबी, नेपाली, पाली, प्राकृत एव मैथिली ; सा० दे० पत्रो के भूत संपा०, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति वर्धा प्रचार तथा साहित्य विभाग के प्रमुख, 'अंडमान-निकोबार राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, पोर्ट ब्लेअर' की स्था ; प्रका० अनु० महात्मागांधी की जीवनी, शरतचंद्र के चार उप०, पुश्किन के दो रूसी उप एवं कहानियाँ ; उप० : मुक्तावती, नेपाल की वो बेटी, घने और बने, देवताओ के देश मे, आदित्यनाथ, लहरो की छाती पर, राधा और राजन, पुनर्जन्म, भूमिका ; विज्ञान मानव (उत्पत्ति, स्थिति और विकास), कैलास-मानसरोवर, काला पानी ; अप्र० कैदियो के द्वीप में, काठमाँडू की घाटी मे, मातभूमि क यात्री पाहवा क दश में जौनसारबावर वि ५० से हिमालय

के अध्ययन एवं अनुसंधान में प्रवृत्त, वहाँ के विभिन्न क्षेत्रीय जीवन को लेकर उपन्यास-रचना में संलग्न, उक्त रचनाओं में 'मुक्तावती', 'नैपाल की वो बेटी' 'घने और बने', 'देवताओं के देश में', 'आदित्यनाथ' आदि हिमालय के जीवन से संबंधित उपन्यास है, 'मुक्तावती' उ० प्र० सरकार द्वारा एवं 'कालापानी' भारत सरकार के शिक्षामंत्रालय द्वारा पुरस्कृत ; रूसी एवं बँगला से १०-१२ ग्रंथों के अनु० किये है ; प० द्वारा, हिंदी भवन, ३७० रानीमंडी, इलाहाबाद ।

बलभद्रनारायण सिंह, 'बालेंदु'—ज० ३१ अक्टूबर, '३७ ; शि० इंटर, संताल परगना ; सा० जलालाबाद में नाट्य कला-परिषद की स्था०, संगीत शिक्षा केंद्र दुमका की स्था० में सहयोग, १५ मई '५६ से दुमका में लिपिक नियुक्त, ४ जून '६२ से गोड्डा में स्थानांतरण ; प्रका० जय हो स्वदेश (कवि०) '६२ एवं 'अर्चना' में कविताएँ संगृहीत ; वि० स्फुट पुरस्कार प्राप्त ; प० कार्यालय, अवर-उपमंडल पदाधिकारी, गोड्डा, संथाल परगना ।

बलभद्रप्रसाद गुप्त, 'रसिक'—ज० १ जुलाई, १९०५ ; शि० सा० रत्न साहित्यशास्त्री, साहित्याचार्य ; स्वतंत्रता आंदोलन में '३२ और '४२ में कारावास ; संपा० पाक्षि० 'जीवन-ज्योति', मा० 'लीला', 'आलोक', 'अंगूर के गुच्छे', 'विद्यार्थी' एवं पाक्षि० 'मदारी' (हास्यप्रधान), प्र० '३२ में ; प्रका० कवि० : खून के छींटे, गदर के गीत, बम के गोले, शहीद आजाद, नौकरशाही की तबाही, फाँसी का झूला, रणभेरी ; आलो० : काव्य-कुंज की कोकिलाएँ, गल्पगगन की तारिकाएँ, कहानी-साहित्य में महिलाओं की देन ; अन्य : राष्ट्र के पुजारी, राष्ट्र के कर्णधार, महान आत्माएँ, कहानी-कुंज, उप० : राधामंदिर, कलारानी, हमारे तीर्थस्थान, हमारे घरेलू नुस्खे, हमारे त्यौहार, आत्मदान की कथाएँ, तथागत (खंड०), गद्यनवनीत ; बालो० : साँग माला, बच्चों की कहानियाँ, जादू की खुरपी तथा अन्य कहानियाँ, नानी की कहानियाँ ; प० अध्यक्ष हिं० वि० सेवा समिति विद्यामंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, प्रयाग ।

बलवंतसिंह—ज० २० मई, '२८ ; शि० बी० ए० प्रयाग वि० वि० ; सा० '४२ के स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया, '४८ में केंद्रीय सरकार के प्रकाशन विभाग में तीन वर्ष तक सह-संपा० ; प्र० '४९ में ; प्रका० उप० रात, चोर और चाँद '४९, एक मामूली लड़की, काले कोस, निशी, उजाला, सतौली निवास, आज की कलियाँ, औरत और आबशार, रावी पार; आलो० अमृता प्रीतम अप्र उप हमारी फुलवारी देवता का जन्म एक शहर

रागा की मंजिल ; कहा० मैं जरूर रोऊँगी, पंजाब की कहानियाँ , बि उ० प्र० सरकार से पुरस्कार प्राप्त ; वर्त० हिंदी 'उर्दू साहित्य' के संपा ; प० इम्पीरियल होटल, मोहम्मदअली पार्क, इलाहाबाद—३ ।

बांकेबिहारी पांडेय—ज० '१५ ; शि० इंटर, सा० रत्न सम्मे०, प्रयाग ; सा० म० प० विधान सभा के सद०, उज्जैन जिला कांग्रेस के अध्यक्ष तथा कई वर्षों तक प्रदेश कांग्रेस के प्रतिनिधि सद , 'श्रीलाल सेवा निकेतन' के प्रमुख ट्रस्टी एवं 'श्रीलाल सेवा निकेतन हा० ग० केंडरी विद्यालय के सचिव, प्रधान संपादक साप्ता० 'स्वतंत्र भारत' , प्रका० दुराचारी हिंदू समाज '४८, नरनारायण '५० ; अन० कुछ मनोरंजक अनुभूतियाँ , प० साप्ता० 'स्वतंत्र भारत'-कार्यालय, स्वा० कुटीर, उज्जैन ।

बांकेबिहारी भटनागर—ज० अक्टूबर १९०९, गाजीपुर ; शि० एम० ए० अँगरेजी, दिल्ली वि० वि० ; सा भूत० संपा० मा० 'ऊषा', डेढ़ वर्ष तक एक अँगरेजी साप्ता० के संपा, मा० 'माधुरी' लखनऊ के भूत० संपादक तथा सहसंपा०, आठ वर्ष तक उ० प्र० सरकार के सीनियर जर्नलिस्ट रहे, आरंभ से ही दिल्ली के साप्ता० 'हिंदुस्तान' के प्रधान संपा० ; प्रका० अनेक स्फुट रचनाएँ ; प० संपादक साप्ता० 'हिंदुस्तान', कनाट सर्कस, नई दिल्ली ।

बाबूराम पालीवाल—ज० २५ अक्टूबर, १९०७, कुर्री, आगरा , शि० मैट्रिक '२६, पंजाब वि० वि०, एम० ए० नागपुर वि० वि० ; मा० हिं० सा सम्मे० तथा अ०भा० ब्रज साहि० मंडल में सक्रिय कार्य, '४५-'५१ तक आकाशवाणी के कार्य-संचालक, '५५-६१' तक सचार मंत्रालय मे हिंदी-अधिकारी, '६१ से गृहमंत्रालय की हिंदी शिक्षण-योजना मे क्षेत्रीय अधिकारी ; प्र० '४२ मे ; प्रका० कवि० : दादी जी की माला '४४, कनक किरण '४५, चेतना '४९, चमचम चमके चदा मामा '५२ ; कार्यालय-निर्देशिका, खेल खेल मे ; वि० 'कार्यालय निर्देशिका' पर उ० प्र० हिंदी समिति द्वारा ४००) का पुरस्कार प्राप्त ; प० १२, बाजार रोड, नई दिल्ली ।

बाबूराव जोशी—ज० १ अक्टूबर, '१९ ; शि० बी० ए० अजमेर, एम० ए०, एल० टी० आगरा वि० वि० ; प्र० '४६ में ; प्रका० अनु० . सत्याग्रह मीमांसा '४९, भारतीय संस्कृति '५१, देवदास (उप०) '५४ ; भारतीय नवजागरण का इतिहास '५४, तपोवन विनोबा '५४, प्रबंध-परिमल '५७, प्रेरणा के प्रदीप '५७, निबंधनवनीत '५८, ग्रामोद्योग और ग्रामराज्य '५९ ; बालो० : शेक्सपीयर की अमर गाथा '५९, सबके बापू '५१, जनता के जवाहर ५२, राष्ट्रपति राजेंद्र ५३ राष्ट्रमाता बा '५९ सेवामूर्ति बापा

'६०, हम आजाद कैसे हुए '५३, शिक्षासिद्धांत की रूपरेखा '६१ ; वि० म० प्र० कलापरि० से 'भारतीय नवजागरण का इतिहास' तथा 'भारतीय संस्कृति' पर ४००) का तथा 'तपोधन विनोबा' पर ३००) का पुरस्कार तथा अजमेर राज्य से १२५) का पुरस्कार प्राप्त ; 'तपोधन विनोबा' का अनु० जापानी भाषा में हुआ है पी-एच० डी० उपाधि के लिए शोधकार्य में संलग्न हैं, प० जोशी सदन, मोतकच्छ, देवास ।

बाबूलाल कोटारी—ज० '३१, अवंतिका ; शि० हाईस्कूल, सा०रत्न, वैद्यविशारद ; सा० अवंतिका देशी चिकित्सक मंडल उज्जैन के दो वर्ष तक प्रधानमंत्री तथा आजकल प्रचारमंत्री, पंकज साहित्यकार संसद उज्जैन के उपाध्यक्ष, बंबई हिंदी विद्यापीठ के उज्जैन केंद्र के प्रचारक ; प्र० '४८ में ; प्रका० अष्टग्रही माहात्म्य (संपा०) तथा स्फुट रचनाएँ , वि० सम्मे० प्रयाग की 'महोपाध्याय' उपाधि हेतु शोधकार्य-रत ; प० १३१, सरदार पुरा, उज्जैन ।

बाबूलाल गर्ग—ज० २ अप्रैल, '२८, चर, कर्वी, बाँदा ; शि० एम० ए० हिंदी तथा संस्कृत, शास्त्री वाराणसी, साहित्याचार्य बंबई ; सा० मंत्री : अ०भा० रामायण मेला समिति, बाँदा जिला संस्कृत विश्वपरिषद, भारत-सेवक-समाज चित्रकूट, 'अंगरेजी हटाओ समिति' कर्वी ; सहमंत्री : बुंदेलखंड संस्कृत अध्यापक संघ एवं राजवंशी महिला विद्यापीठ कर्वी ; प्रचार मंत्री : म० प्र० शाकाहारी संघ ; संयोजक : जिला सत्याग्रह समाज, विश्वसंघ चित्रकूट धामशाखा ; अध्यक्ष : अणुव्रत समिति कर्वी, संस्था : महिलामंडल कर्वी, दै० 'भारत' प्रयाग के संवाददाता ; प्र० '५७ में ; प्रका० रामायण मेला-एक परिचय, चित्रकूट दर्शन, दो लेख एवं कहा० संग्रह ; प० प्राध्यापक, जयदेव संस्कृत कालेज, कर्वी, बाँदा ।

बाबूलाल गुप्त, 'व्यथित'—ज० ५ जून, '२३ ; शि० बी० ए०, सा०रत्न, रामायणरत्न ; प्र० '४४ में ; प्रका० भजन-पुष्पांजलि, गीत-पुष्पांजलि, कहानी-कुंज ; अप्र० गंगावतरण (कवि० ५ भाग) ; प० प्रधानाध्यापक, माध्यमिक विद्यालय, बेहरामपुर ('व्हाया' खारगोन), टेमा म० प्र० ।

बाबूलाल गुप्त, 'श्याम'—ज० '१६, संदीला ; शि० शास्त्री ; सा० स्थानीय धर्मसंघ के मंत्री '४७-'५०, धार्मिक आंदोलन में कारावास ; अध्यक्ष: विष्णु पुस्तकालय संदीला, अध्यापक संघ कछौना, हरदोई; भू० मंत्री: रामराज्य-परिषद (संदीला शाखा) ; प्र० '३५ में ; प्रका० आध्यात्मिक काव्यसुधा (कवि०) '६२, तथा स्फुट रचनाएँ ' अप्र० सनातन धर्म का

वैज्ञानिक रहस्य एवं दो संक०; वर्त० भाषा 'गौरव' लखनऊ के संपादन-विभाग में ; प० (१) सदर बाजार, संदीला, हरदोई । (२) २१, गुर्टन रोड, लखनऊ ।

बाबूलाल गोयल—ज० १ अगस्त, '६०२ ; शि० एम० ए० हिंदी, बी० एस-सी ; सा० गत ३५ वर्षों से अध्यापक, जिला स्काउट कमिश्नर मंत्री : संगीत निकेतन, भूत० सद० अंतरिम जिला परिषद , प्रका हाई-स्कूल-इंटर कक्षाओं के लिए हिंदी तथा नागरिक-शास्त्र संबंधी अनेक पुस्तकें ; प० मोतीराम बाबूराम डिग्री कालेज, हल्द्वानी, नैनीताल ।

बाबूलाल रामचरण लाल मार्कंडेय—ज० १० अगस्त, १८६८ ; प० '३१ में ; प्रका टूटे तार (कहा०) '५६ ; अप्र० दो कहा०-संग्रह; प० मालीपुरा, खंडवा ।

बाबूलाल शंकरलाल शर्मा, 'निर्मल'-- ज० १५ मार्च, '३६ ; शि० सा०रत्न, आयुर्वेदरत्न सम्मे० प्रयाग, इंटर ग्वालियर , प्र० '५८ में ; का० स्फुट लेख ; अप्र० निर्मलकुसुम (कहा) ; प० अकोदिया मंडी, शाजापुर ।

बाबूलाल शर्मा, 'प्रेम'—ज० '३५ ; प्र० '५५ में ; प्रका० स्फुट कविताएँ ; अप्र० चार संग्रह ; वि० उ०प्र० सरकार द्वारा दो बार पुरस्कार प्राप्त, बाल साहित्य के भी कुशल लेखक ; प० (१) नेवादा अल्लादादपुर, बेंहदर, हरदोई । (२) सी० बी० ६/८१, मढीनाथ मार्ग, बरेली ।

बाबूसिंह चौहान—ज० ३१ जुलाई, '२०, महावतपुर, जटपुरा, बिजनौर, शि० आचार्य, सा०सुधाकर ; सा० भूत० संपा -संचा० 'चिनगारी', दै० जन-जीवन' एवं 'अनुशीलन' ; प्रका० प्रकृति-पुत्र (जीव०), भविष्यवाणी (उप), निराले संत (जीव०), धर्मदर्शन (धर्मग्रंथ) मैलो चूनर उजला मन (उप), बंधन तोड़ो (निबंध), उजली राहें (धर्मग्रंथ) ; अप्र० उप० मोम के देवता, पनघट की नीलामी, काँच के कंगन, समाजवाद (निबंध) ; प० संपादक, साप्ता० 'नवरंग', स्कूल रोड, बिजनौर ।

बालकृष्ण देव तैलंग, 'प्रेम'—ज० ६ सितंबर, १८६८ ; शि सा०रत्न, ज्योतिषभूषण ; सा० वीरेंद्र केशव साहि० परि० के संस्था० तथा प्रधान मंत्री, देवेंद्र साहि० विद्यालय के संस्था० एवं अध्यक्ष, देव पुरस्कार के भूत०, निर्णायक ; प्रका० चर्पट-मंजरी (सानुवाद), उपदेश-पारिजात, ईसुरी की फागें (संपा०), ज्योतिष जाह्नवी ; वि० 'वीर वसंतोत्सव' रचना पर स्वर्ण पदक प्राप्त; बुंदेली लोकसाहि० का विराट संकलन किया है जिसमें लोकगीत, उत्सव-त्योहार आदि का विवरण एवं शब्द-कोश; राज्य में धर्मार्थ-विभाग में अध्यक्ष रहे अब अवकाश-प्राप्त प तैलंग भवन टीकमगढ़

बालकृष्ण बलदुवा—ज० '११, कानपुर ; शि० बी० ए०, एल-एल० बी० आगरा वि० वि० ; सा० भूत० संपा० साप्ता० 'माहेश्वरी' कलकत्ता (एक वर्ष तक) एवं मा० 'माया' प्रयाग (दो वर्ष तक) ; प्र० '२८ में ; प्रका० कवि० : गीत '२७, आँगन '४७, प्रांगण '४७, धड़कन '४७, गद्यकाव्य : अपने गीत, मन के गीत, विश्वकाव्य (दो भाग, अनु०), समाजवादी विचारधारा (निबंध), '४९, उर्वशी (कहा०) '५१, संताप (कवि०) '५३, आदर्श अवसाद और आस्था (गद्यकाव्य) '६२ , अप्र० सात-आठ निबंध, कहानी एवं लेख-संग्रह ; वि० '४० से तमाखू के व्यवसायी, शताधिक अँगरेजी कविताओं, कहानियों एवं दस उपन्यासों के संक्षिप्त अनु० किये ; प० रामगंज, कानपुर ।

बालकृष्ण भट्ट — ज० ९ दिसंबर, १९०१ ; शि० शास्त्री पंजाब वि०वि० '२५, काव्यतीर्थ कलकत्ता '३६, साहित्याचार्य पटना '३८, विद्यालंकार इंदौर, दर्शनकेसरी अलीगढ़, कविचक्रवर्ती अयोध्या, कविकोविद ऊखीमठ गढ़वाल (स्वर्णपदक प्राप्त) ; सा० भूत० संस्कृत अध्यापक : हिंदू हाई स्कूल सोनीपत (एक वर्ष) एवं के० म० ध० संस्कृत महाविद्यालय ऊखीमठ (तीन वर्ष) , प्रधानाचार्य : के० संस्कृत महाविद्यालय शोणितपुर गुप्तकाशी (दस वर्ष), राजकीय संस्कृत महाविद्यालय देवप्रयाग (तीन वर्ष), गवर्नमेंट हाई स्कूल उत्तरकाशी (एक वर्ष), गवर्नमेंट संस्कृत महाविद्यालय टिहरी (चौदह वर्ष), अब अवकाश प्राप्त ; प्रका० काव्य : जगदंबा-शतक, तपोवनशतक, स्वतंत्र भारत, शिवशतक एवं कनकवंश (महा० दो भाग) ; कर्मकांड : पूजा-पद्धति, संस्कारपद्धति, पितृकर्मपद्धति, दुर्गा कल्पद्रुम, सदाचार-चंद्रिका एवं शांतिपद्धति ; ज्योतिष : जातक-दीपिका, तांत्रिक चंद्रिका ; अन्य : नव्यभारत (संस्कृत नाटक) ; ऐति० : गढ़वाल जातिप्रकाश ; अप्र० आर्यों का आदि वंश, आत्मदर्शन, कालिदास - जन्म - भूविलास; वि० नौ वर्ष तक अदालत पंचायत सुमाड़ी भरदार टिहरी में सरपंच रहे ; 'तपोवन शतक' एवं 'कनकवंश' महाकाव्य (दो भाग) उ० प्र० सरकार द्वारा एवं 'जातक-दीपिका' बदरीनाथ मंदिर समिति द्वारा पुरस्कृत ; प० जाखल, गढ़वाल ।

बालकृष्णराव—ज० २७ दिसंबर, '१३, प्रयाग ; शि० काशी एवं लखनऊ, एम० ए० अँग्रेजी प्रयाग वि०वि० ; सा० कुछ दिन 'लीडर' प्रयाग में कार्य किया ; '३७ में आई० सी० एस० प्रतियोगिता में प्रथम स्थानप्राप्त, एक वर्ष इंग्लैंड (आक्सफोर्ड वि०वि) में प्रशिक्षण प्राप्त किया, तत्पश्चात प्रयाग के उपन्यायाधीश, १९ वर्षों की राजकीय सेवा में बाँदा एवं जौनपुर के कलक्टर रहे, युक्तप्रांत के प्रेस सलाहकार एवं विंध्यप्रदेश के प्रथम मुख्य

सचिव रहे, अंत में पाँच वर्ष केंद्रीय सरकार के सूचना तथा प्रसार मंत्रालय में कार्य, इसी अवधि में आकाशवाणी के उपनिदेशक एवं निदेशक रहे; '५४ में राजकीय सेवा से त्यागपत्र, तब से स्वतंत्र लेखन-कार्य में संलग्न; तीन बार योरप की और एक बार अमरीका-यात्रा की; '६०-'६१ में संपा० मा० 'कादंबिनी', '६१-'६२ में प्रयाग के नगरप्रमुख रहे, संप्रति हिंदी सा० सम्मे० प्रयाग के शासन निकाय के सद० एवं केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल आगरा के अध्यक्ष ; प्रका० कवि० : कौमुदी '३१, आभास '३३, कवि और छवि '४८, गत बीती '५४, हमारी राह '५७, 'विश्रांत मैरिनर' (अँगरेजी से अनु०) '५८, कवि भारती '५३ (खड़ीबोली काव्य-संग्रह के सहसंपा); प० अमरावती, ६ टैगोर नगर, इलाहाबाद।

बालकृष्ण व्यास—ज० १६०५, जोदडांम, भीलवाडा ; शि० साहित्य-शास्त्री बनारस '३२, मैट्रिक अजमेर, संगीतप्रवेशिका प्रयाग; प्रका० मध्यम व्यायोग, नीतिशतक, भासनाटकाख्यानचक्रम्, प्राचीन पद्यसंग्रह, हमसना-रोना (निबंध), महाकवि भास ; वि० अयोध्या से 'साहित्यधुरीण' उपाधि-प्राप्त; प० हाथीपोल, खेजडीवालीपोल, उदयपुर।

बालजी गोविंदजी देसाई—ज० दिसंबर, १८८२; शि० गुजरात कालेज अहमदाबाद, एलफिस्टन कालेज, बंबई ; प्रका० गोरक्षा कल्पतरु '२६, प्रजाद्रोही राजावेणु '२६, प्रेमपंथ '५०, गाँधी चरित मानस '५२, अप्र० तीन-चार ग्रंथ ; प० १४ गणेशवाडी, पूना—४।

बालमुकुंद गुप्त, डा०—ज० १ दिसंबर, १६०६, शाहजहाँपुर, शि० कन्नौज एवं कानपुर, एम० ए०, पी एच० डी० आगरा वि वि०, सा रत्न ; मा० भूत० सद० : रायल एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता, प्रयाग महिला विद्यापीठ-कार्यकारिणी समिति, 'फैकल्टी आफ आर्ट्स', 'रिसर्च डिफेंस कमेटी', 'हिंदी बोर्ड आफ स्टडीज' आगरा वि०वि०, 'एड-हाक कमेटी आफ कोर्सेज' गोरखपुर वि०वि०, 'कमेटी आफ कोर्सेज इन हिंदी,' एवं 'जनरल नालेज कमेटी' उ०प्र० इंटरमीजिएट बोर्ड ; स्थायी सद० : ब्रज साहि० मंडल एवं बंगीय हिंदी परि; भूत० प्रचारमंत्री : सम्मे० प्रयाग, कोषाध्यक्ष : संगीत समाज कानपुर, भूत० प्राचार्य : हिंदू डिग्री कालेज जमानिया गाजीपुर, भूत० अध्यक्ष हि०वि० एन० आर० सी० कालेज खुर्जा, भूत० प्राध्यापक : बालमुकुंद लाल कालेज गोरखपुर एवं डी० ए० वी० कालेज कानपुर, वर्त० अध्यक्ष हि०वि० कालेज कानपुर, प्रका० अनेक पाठय पुस्तकें अप्र० हिंदी साहित्य

मे कृष्ण-काव्य का विकास' (शोध-ग्रंथ) एवं आलो० लेखों के कई संग्रह, वि० अँग्रेजी मे भी लिखते हैं, प० अशोकनगर, मोतीझील, कानपुर।

बालमुकुंद मिश्र—ज० १३ दिसंबर, '२१; शि० तर्करत्न, साहित्यालंकार; जा० रूसी भाषा · सा० द्वितीय विश्वयुद्ध मे भारत सरकार के 'साउथ पब्लिसिटी आर्गनाइजेशन' के कवि एवं गीतकार, भूत० संपा० : दै० 'स्वराज्य', साप्ता० 'वीर हिंदू' (उर्दू), दै० एवं साप्ता० 'वीर अर्जुन', साप्ता० 'हरिजन-हितैषी', मा० 'मृगछाया', मा० 'अशोक', मा० 'साधना' एवं दै० 'जनसत्ता'; दिल्ली प्रादेशिक हि०सा०सम्मे० के 'राजर्षि टंडन अभिनंदन ग्रंथ' के लेख-संयोजक एवं सह संपा० ; प्र० '३६ मे ; प्रका० न्यायाधीश का निर्णय (प्रहसन) '३८, आर्यसमाजी संस्कारविधि-दिग्दर्शन (आलो०)'३९, आर्य समाज की ओर (निबंध) '४१, आज के गीत (गीत) '४७, दीवान-ए-जफर (शोधग्रंथ), १८५७ भारतीय विद्रोह शताब्दी पर '५७, रूसी सोवियत मे संस्कृत-हिंदी '६३, अप्र० कई लेखसंग्रह; प० कृपाशंकर मंदिर, चाँदनी चौक, दिल्ली—६।

बालमुकुंद व्यास—ज० १८७८ · सा० माधव महाविद्यालय उज्जैन मे हिंदी, उर्दू एवं फारसी के भूत० प्राध्यापक ; प्रका० शीलनाथ योग (संक्षिप्त), अप्र० शास्त्रीय हिंदी व्याकरण, शीलनाथ चरित, शीलनाथ योग, वि० कबीर, दादू तथा सुंदरदास आदि निर्गुणी संतो तथा व्याकरण एवं अलंकारो के विशेषज्ञ ; प० पेंशनर, ढाबारोड, उज्जैन।

बालशौरि रेड्डि—ज० १ जुलाई, '२८ ; शि० नेल्लूर, कडपा, प्रयाग एवं वाराणसी ; प्र० '४५ मे , प्रका० पंचामृत '५४, अटके आँसू '५९, आंध्र-भारती '५९, सत्य की खोज '६०, आंध्र के महापुरुष '६०, शबरी '६० , अप्र० रुद्रमदेवी (उप०), तेलुगु साहित्य का इतिहास, नई धरती (एकाकी), तेलुगु की उत्कृष्ट कहानियाँ ; तेलुगु के पंच महाकाव्य, तेलुगु-साहित्य के निर्माता एवं तेलुगु लोकसाहित्य (आलो०) ; वि० 'पंचामृत' पर भारत सरकार की ओर से '५६ में २०००) एवं उ० प्र० सरकार द्वारा ३००) का पुरस्कार प्राप्त, '६० मे 'आंध्र भारती' पर उ० प्र० सरकार द्वारा ५००) का पुरुस्कार प्राप्त; प० (१) द्वारा दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, मद्रास—१७। (२) वाडिवेलुपुरम, मद्रास—१७।

बालस्वरूप, 'राही'—ज० १६ मई, '३६, तिमारपुर, दिल्लो; शि० एम० ए० हिंदी; प्रका० मेरा रूप तुम्हारा दर्पण (कवि०); वर्त० सहसंपा साप्ता० 'हिंदुस्तान' दिल्ली ; प० ८।७ एफ० माडल टाउन, दिल्ली।

बालेश्वर नाथ—ज० १ मार्च '११ शि० बी० एस-सी० सी० ई० आनर्स

एम० आई० ई० (भारत) आगरा वि०वि० एवं रुड़की ; हा०स्द लघु सिंचाई दल, योजना कार्य समिति एवं आयोजना आयोग भारत सरकार, उ०प्र० में शारदा हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट तथा अन्य कई महत्त्वपूर्ण निर्माणों में योगदान, अनेक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में ('सैनफ्रांसिस्को' '५७ में 'इन्टर-नेशनल इरिगेशन ऐंड ड्रेनेज' सम्मेलन तथा न्यूयार्क में '५८ में 'हाई डैम्स') भारत के प्रतिनिधि, 'कांक्रीट ऐंड लार्ज डैम्स' पर अंतर्राष्ट्रीय 'उपसमिति के सद०, 'लो कास्ट रोड्स' तथा 'अर्थ वर्क आपरेशन्स' पर ई० सी० ए० एफ० ई० सम्मे० में भाग लिया, '६० में सूयत्र विद्या तथा 'आधार ऊर्जा नियत्री' संबंधी प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन नई दिल्ली के संगठनकर्त्ता, अ०भा० तकनीकी शिक्षा परि० के सद०, सी० एस० आई० आर० की इंजीनियरी रिसर्च समिति के सद०, 'इरिगेशन ऐंड पावर' पत्र के भूत० संपा; भूत० अध्यक्ष रोटेरी क्लब; प्रका० कैलिफोर्निया में; अप्र० अनेक तकनीकी विषयों पर देशी-विदेशी पत्रों में प्रकाशित लेखों के कई संग्रह; वि० 'हिंदी विश्वकोश' के एक लेखक, 'नदी नियंत्रण' (लेख) पर भारत के राष्ट्रपति का '६०-'६१ का पुरस्कार प्राप्त ; प० सदस्य प्लानिंग कमीशन, भारत सरकार, नई दिल्ली ।

बालेश्वरराम यादव—ज० ५ दिसंबर, '३७, जगदेवाँ, बलिया; शि० बी०ए० आनर्स राँची वि०वि०; सा०मंत्री : जमशेदपुर भोजपुरी साहि० परि० एवं श्री राजेंद्र पुस्तकालय जमशेदपुर; अध्यक्ष : युवक संघ मानगो ; प्र० '५६ में ; प्रका० भोजपुर के रतन '५७ (कवि०) ; अप्र० कविताओं-कहानियों के तीन संग्रह, वि० 'भोजपुरी संगम' एवं 'भोजपुरी कहानी-संग्रह' में रचनाएँ संक० ; प० संत मेरी डे स्कूल, साकची, जमशेदपुर ।

बिंदु अग्रवाल, श्रीमती, डा०—ज० १४ जुलाई, '२८; शि० कलकत्ता, एम० ए० काशी वि०वि०, डी० फिल्० प्रयाग वि०वि०; प्रका० मोहल्ले की बुआ (उप०) '६० ; अप्र० आधुनिक हिंदी उपन्यासों में नारी-चित्रण (शोधग्रंथ) एवं दो संग्रह; प० हिंदी प्राध्यापिका, लेडी श्रीराम कालेज नई दिल्ली-१४ ।

बिट्ठलदास मोदी—सा० संस्था० आरोग्य मंदिर गोरखपुर '४०, भूत० संपा० 'जीवन सखा' एवं 'जीवन साहित्य', वर्त० संपा० : 'आरोग्य' गोरखपुर '४७ से ; प्रका० मौलिक : रोगों की सरल चिकित्सा, जीने की कला, दुग्ध कल्प, यूरोप यात्रा, काश्मीर में पंद्रह दिन; अनु० सर्दी-जुकाम-खाँसी, प्राकृतिक जीवन की ओर; संपा०-प्रका० उपवास से लाभ, बच्चों का स्वास्थ्य और उनके रोग, आदर्श आहार, आहार-चिकित्सा, योगासन, उठो, रोगों की नई चिकित्सा, स्वास्थ्य कैसे पाया । प० आरोग्य मंदिर गोरखपुर

बिहारीलाल व्यास, 'मनोज'—ज० १ दिसंबर, १९०२; शि० सा-रत्न सम्मे० प्रयाग, सा०भूषण, व्याकरण मध्यमा बनारस, काव्यमध्यमा कलकत्ता; सा भूत० इंस्पेक्टर विकास विभाग उदयपुर, अब अवकाशप्राप्त; प्र० '२५ में; प्रका० स्फुट रचनाएँ; अप्र० चार-पाँच संग्रह; वि० 'राजस्थान विद्यापीठ उदयपुर के साहित्य संस्थान में 'राजप्रशस्ति' (संस्कृत महा०) का संपा० एवं शोधकार्य; प साहित्य मंदिर, दाता भैरूँ, उदयपुर।

बी० सुब्राय अडिग—ज० १७ मार्च, '२६; शि हिंदीप्रवीण, प्रचारक तथा हिंदी शिक्षक सनद, 'कन्नडजाण'; प्र० '४० में; प्रका० हिंदी एवं कन्नड मे लगभग एक सहस्र स्फुट रचनाओं के अनु०; वि० कन्नड में भी लिखते हैं; प० हिंदी प्राध्यापक, हाईस्कूल, सडूर, बेल्लारी।

बुद्धदेव पांडेय, 'सुमन'—ज० १५ जनवरी, '२६, अतासराय, पटना; शि० शास्त्री लाहौर '४२, साहित्यालंकार अयोध्या '४२, बी० ए० पटना वि० वि० '४६, साहित्याचार्य पटना '५१, सा रत्न सम्मे० प्रयाग '५१; सा० ग्रामसेवा संस्था में सक्रिय कार्य; प्र० '४२ में; प्रका० प्रताप - प्रतिज्ञा (एकाकी), संस्कृत व्याकरण-रचना, सस्कृत अनुवाद चंद्रिका, संस्कृतधारा-कुंचिका, सस्कृत सारिणी-कुंचिका, संस्कृत विचारधारा, संस्कृत पाठ रत्नम-कुंचिका आदि; वर्त० प्राध्यापक दयानंद कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पटना; प० मीठापुर, पटना १।

बुद्धिसागर वर्मा—ज० १ जुलाई, १८९६; शि० हरदोई, सीतापुर, लखनऊ एवं इलाहाबाद; बी० ए०, एल० टी०, विशारद; प्र० '१६ में; प्रका० नवीन व प्राचीन वेदांत (अनु०) '२५, इच्छाशक्ति के चमत्कार '३२, स्त्रीसौंदर्य और स्वास्थ्य '३८, उपदेशामृत-सुमन-संचय '५८; अप्र० दाम्पत्य सुख, पहेली-संग्रह एवं दो लेख-संग्रह, वर्त० प्रधानाचार्य, जनता विद्यालय जूनियर हाईस्कूल, शाहजहाँपुर; प० महाराजकुमार स्ट्रीट, शाहजहाँपुर।

बैकुंठलाल दुबे, 'व्यथित'—ज० '२६, विजयराघवगढ़; शि० सा०रत्न, धर्मविशारद, गीतामध्यमा; प्रका० स्फुट; अप्र० आशा (कवि०), सत्य नारायण, कविता और बनिता; प० यात्रा पथ, विजयराघवगढ़।

बैजनाथ जगन्नाथ महोदय—ज० १८८७; शि० बी० ए० प्रयाग वि० वि० '२८; सा० '२८ से असहयोग आंदोलन में भाग, सस्ता साहित्य मंडल के पुस्तक विभाग के संपा०, मंत्री एवं संचा०मंडल के सद० रहे, म० प्र०, राज० और अजमेर प्रांतीय कांग्रेस के मंत्री तथा अ० भा० कांग्रेस कमेटी के सद० '३५-'३६, ग्रामसेवा कुटीर के संस्था० एवं संचा०, '३६-'३८ तक गांधी

सेवा संघ वर्धा के मंत्री, '३९ में इंदौर राज्य प्रजामंडल के संस्था० एवं अध्यक्ष, '४७ तक इसी संस्था के संचा०, मंत्री, अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी के सद०, राज्यशासन में मंत्री : शिक्षा, श्रम एवं विकास विभाग; '४८ में ग्राम सेवक विद्यालय की स्था० एवं आचार्य, इंदौर के प्रथम सर्वोदय सम्मे० के स्वागताध्यक्ष, '४९ में म०प्र० गो-सेवा-संघ के संस्था० एवं मंत्री, पंचायती राजविद्यालय, माचला इंदौर के आचार्य, सद० : लोकसभा दिल्ली '५२-'५७, एवं केंद्रीय गोसंवर्धन परि० ; भूत० सहसंपा० : 'हिंदी नवजीवन', अहमदाबाद '२२-'२३, भूत० संपा० : 'प्रकाश' अजमेर, 'प्रजामंडल पत्रिका' इंदौर '३९-'४७, 'लोकसेवक' '४८-'५२, 'भूमिक्रांति' '६० ; प्रका० : भारत में व्यसन और व्यभिचार, विजय बारडोली, नर्मदा, देवी अहिल्याबाई होल्कर, अनु० : लोकमान्य को श्रद्धांजलि, दुखी दुनिया, पूर्वरंग, दक्षिण अफ्रीका का सत्याग्रह, गाँधी शिक्षणमाला, मध्ययुगीन भारत, भारत के स्त्रीरत्न, किशोरलाल भाई की जीवनी, सर्वोदयी संयोजन, सर्वोदय विचार, महात्मा गाँधी का संपूर्ण वाङ्मय (पहला भाग), शांतिदर्शन, मधुकर, जीवन दृष्टि, जब अँगरेज नहीं आए थे ; वि० महात्मा गाँधी, आचार्य विनोबा, टाल्सटाय आदि के लगभग तीस ग्रंथों के अनु० किये हैं ; प० राजमोहल्ला, इंदौर।

बैजनाथ पुरी, डा०—ज० २५ जनवरी, '१६, लखनऊ ; शि० एम० ए०, बी० लिट, डी० फिल० आक्सफोर्ड वि० वि०, एल-एल० बी० लखनऊ वि० वि० ; सा० भूत० संपा० 'प्राचीन भारत', सद० : 'इंडियन हिस्ट्री कांग्रेस' ; प्रका० यूनानी इतिहासकारों का भारत वर्णन (अँगरेजी तथा हिंदी) '३८ एवं '४१, भारत के प्राचीन नगर '४१, पुरातत्व विज्ञान '५२, पतंजलि कालीन भारत (अँग्रेजी) '५१, गुर्जर प्रतिहारों का इतिहास (अँग्रेजी) '५१, भारत और कान्नुज '५७, भारतीय संस्कृति और इतिहास '५८, भारतीय संस्कृति के मूल तथ्य '५८, भारतीय इतिहास : एक समीक्षा (अँगरेजी) '६०, सुदूर पूर्व में भारतीय संस्कृति और इतिहास '६२, ग्रीक साहित्य में भारत (अँग्रेजी) '६३, कुशाणकालीन भारत (यंत्रस्थ) ; वि० 'कुशाण कालीन सभ्यता एवं संस्कृति' पर आक्सफोर्ड वि० वि० से डी० फिल० उपाधि प्राप्त ; प० प्राध्यापक : भारतीय इतिहास एवं संस्कृति, नेशनल एकाडेमी आफ ऐडमिनिस्ट्रेशन, मसूरी।

बैजनाथप्रसाद खेतान—ज० '२५, शि० बी० ए० आनर्स, एम० ए० हिंदी, बी० एल० पटना वि० वि० ; सा० भूत० संपा० साप्ता० 'अंगार' गया ; प्र० '४३ में ; प्रका० तथागत (संपा०) '४५, निर्गुणधारा '४९ (सहलेखक)

नाटककार प्रसाद और 'चंद्रगुप्त' '५० (महत्वपूर्ण) 'इवोल्यूशन आफ सेन्स टैक्स लाज इन इंडिया (अँगरेजी), अप्र० भारतीय आयकर की भूमिका; वि० कानून-संबंधी विषयों के लेखक ; प० एडवोकेट, पुरानी गोदाम, गया।

ब्रह्मदत्त त्रिवेदी—ज० १८ जुलाई, '१८ ; शि० एम० ए० जयपुर, सा० रत्न; सा० भू० अध्यक्ष ऋषिकुल लक्ष्मणगढ़, '४९ में राजस्थान पुरातत्व मंदिर जयपुर के भूत० महानिदेशक (नौ मास तक); सद० तथा सभा० स्थानीय नगरपालिका, प्रका० हिंदी व्याकरण और न्याय आदि विषयों के कई अनु० ; वर्त० '५० से स्थानीय मोर प्राच्य शोध प्रतिष्ठान-संस्थान में प्रधान संपा०, प० क्लाइव रोड, कलकत्ता—१।

ब्रह्मदत्त दीक्षित—ज० मई, '१४, निवाड़ीकलाँ, इटावा, शि० इटावा, काशी विद्यापीठ एवं उदयपुर, एम० ए० आगरा, एल० टी० '३९, एम० एड प्रयाग वि० वि० '५० ; प्रका० वनवासी भारत '४१, जनपद अध्ययन '५२, भारत के आदिवासी '५७, पाश्चात्य जगत के शिक्षाशास्त्री '६०, शिक्षा में खेल और खिलौने '६१ ; अप्र० देश-विदेश की शिक्षा, कला और शिक्षा ; प० प्राध्यापक, राजकीय जुबली इंटर कालेज, लखनऊ।

ब्रह्मदत्त शर्मा, डा०—ज० २ अक्टूबर, '१२, कैथवाड़ी, मेरठ ; शि० बी० ए० '३४ मेरठ, एम० ए० हिंदी '३७, एम०ए० इतिहास '३९ काशी वि०वि०, पी-एच० डी० '५४ आगरा वि० वि० ; सा० '३९ से महाराजा महाविद्यालय छतरपुर में हिंदी प्राध्यापक तथा '४९ में विभागाध्यक्ष ; प० '४१ में ; प्रका० हिंदी साहित्य में निबंध, बापू विचार, हिंदी कहानियों का विवेचनात्मक अध्ययन ; अप्र० अनु० चंद्रिका, गुंजन-समीक्षा; वि० 'हिंदी कहानियों का विवेचनात्मक अध्ययन' पर ७००) का रघुराज पुरस्कार म० प्र० शासन द्वारा प्राप्त; प० हिंदी विभागाध्यक्ष शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, छतरपुर।

ब्रह्मदेव शास्त्री—ज० ३ दिसंबर, '१५ ; शि० साहित्यशास्त्री, बी० ए० काशी वि० वि०, प्रभाकर पंजाब वि० वि०, सर्टिफिकेट इन फाइन आर्ट्स, दिल्ली पोलेटेक्निक इंस्टीट्यूट ; सा० असहयोग आंदोलन में सक्रिय भाग तथा चार बार कारावास, मैगरा भारती कुटीर गया की स्था० '३७, संचा० सुजाता प्रकाशन मैगरा (गया), तथा कालिंदी पब्लिकेशंस दिल्ली, भूत० सहसंपा० : साप्ता० 'लोकमान्य' '४३-'४४ ; प्र० '३४ में ; प्रका० क्रंदन, निशीथ, आँसू भरी धरती, नील अंगार, 'टीअर्स आफ अर्थ' (अँगरेजी), संध्या, कारासंगीत, उदीची, 'मेलोडी आफ नाइट' (अँगरेजी); अप्र० दो संग्रह; प० सेवासंघ, बिरला लाइंस, दिल्ली।

ब्रह्मानंद, डा०—ज० ३ नवंबर, '३२ , शि० एम० ए० हिंदी पंजाब वि० वि०, पी-एच० डी० आगरा वि० वि० '६० ; प्रका० बॅगला पर हिंदी का प्रभाव (शोधग्रंथ) '६२ ; अ० आलो० लेखों के दो-तीन संग्रह, वि०डी लिट के लिए शोध-कार्य-रत ; प० (१) नयन मुख बहरोड़, अलवर (राज०) । (२) हिंदी प्राध्यापक दयानन्द कालेज, अजमेर ।

ब्रह्मानंद शुक्ल, आचार्य—ज० १९०४, चरथावल मुजफ्फरनगर शि० मुजफ्फरनगर, कनखल, अमृतसर एवं लाहौर, एम० ए०, साहित्याचार्य व्याकरण-अलंकार-शास्त्री, काव्यतीर्थ , सा० भूत० सपा० मा० 'साधु' ऋषीकेश, मा० 'विज्ञान-ज्योति' खुरजा; मुजफ्फरनगर, डेरावसी तथा कालका के संस्कृत-विद्यालयों मे भूत० प्रधानाचार्य ; प्रका० उद्बोधन '५०, मणि-निग्रह '६२ , अप्र० आश्वासन, वस्मावतार एवं मुक्तक-संग्रह ; वि० श्री मालवीय जी द्वारा 'कविरत्न' उपाधि प्राप्त ; प० साहित्य विभागाध्यक्ष, राधाकृष्ण संस्कृत कालेज, खुरजा ।

बिजलाल बियाणी—ज० ६ दिसंबर, १८९५ ; शि० अकोला एव नागपुर ; सा० असहकारिता आंदोलन मे सक्रिय भाग, म प्र हि० सा० सम्मे० के दो वार सभापति, विदर्भ हि०सा०सम्मे० के वर्त० सभा०, अकोला मे 'राजस्थान,' 'नवराजस्थान,' 'प्रवाह,' 'मातृभूमि आदि पत्रो का प्रका , प्रका० कल्पना-कानन, जेल मे, विनोबा भावे ; अप्र० स्फुट रचनाओ के चार सग्रह; प० सभापति, हिंदी साहित्य सम्मेलन, विदर्भ ।

भंडाराम भीमसेन जोस्युल (भीमसेन निर्मल)—ज० ३० नवबर, '३० , शि० एम० ए० हिंदी एव तेलुगु, उस्मानिया वि० वि०, सा०रत्न प्रयाग, साहित्य सुधाकर बंबई, राष्ट्रभाषा प्रवीण एव प्रचारक, मद्रास ; सा० संचा० : तीन वर्ष तक हि० साहि० मंडल सिकंदराबाद, हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के कार्यों मे सक्रिय सहयोग ; प्र० '५० मे ; प्रका० समाज और इतिहास की कहानी, समाज 'शिक्षा, समाज' शिक्षा और विद्यार्थी, निखरे हीरे (तेलुगु लोकगीतों का अनु०) दीक्षितुलु (तेलुगु उप० का हिंदी अनु), (वर्धा की 'कविश्री माला' के अंतर्गत) तिरुपति वेंकट कवुलु एव कादूरि पिंगलि कवुलु ; अप्र० लेखों एवं रेडियो वार्ताओं के दो-दो संग्रह ; वि० तेलुगु से अनेक अनु० किये हैं, हिंदी के एक अज्ञात नाटककार (१८८६ के) नाटको का संपा० एवं उन पर शोधकार्य रत . प० आर्ट्स ऐंड साइंस कालेज, वरंगल, आंध्र ।

भँवरलाल गर्ग अग्रवाल—ज० २ फरवरी, '२४ ; शि० एम० ए भूगोल बी एड सा०रत्न भूगोल आई० जी डी बंबई सा भूत०

अध्यापक राज० विद्यापीठ उदयपुर, राज० बनवारी विद्यालय उदयपुर, राज० महिला विद्यालय उदयपुर, महिलाआश्रम भीलवाड़ा एवं हाई स्कूल भीलवाड़ा ; आजकल उच्च० मा० विद्या० बस्सी (चित्तौड़गढ) में प्रधानाध्यापक ; प्र० '४४ में, प्रका० दूर देश के रहनेवाले, दूर देश के उद्यम, दूर देश की खोज, आदर्श भूगोल (चार भाग), बाल संसार, चंद्रलोक, सामाजिक अध्ययन एवं सरल विज्ञान (दो भाग), मानचित्र अध्ययन, मानचित्र प्रवेश, नवीन एटलस, भौतिकभूगोल-सरलअध्ययन ; प० (१) ८।१०८१, अमल का काँटा, उदयपुर। (२) प्रधानाध्यापक, उ० मा० वि० बस्सी, चित्तौड़गढ।

भँवरलाल नाहटा—ज० '११ ; प्रका० सतीमृगावती, श्रीराजगृह, युगप्रधान जिनचंद्रसूरि, ऐतिहासिक जीवन चरित्र (सहलेखक); संपा० : ऐतिहासिक जैनकाव्य-संग्रह, ठक्कुर फेरु ग्रंथावली, हमीरायण, लघु पद्मिनी चौपाई, विजयचंद्रकृत कुसुमांजलि, समयसुंदर रासपंचक, वि० राजस्थानी एवं जैन साहि० संबंधी शोध एव संपा० कार्यरत ; 'राजस्थानी' में भी लिखते है; प० नाहटा ब्रदर्स, न० ४ जगमोहन मलिक लेन, कलकत्ता—७।

भगवंतकुमार हरगोविंद शर्मा—ज० २१ मई, '३४ ; शि० एस० एस० सी० ; सा० नर्मदा साहि० सभा के मंत्री ; प्र० '४३ में ; प्रका० प्रेमयात्रा (उप०), दीप से दीप जले, हृदयदान, मन नही माने (उप०), वि० मातृभाषा गुजराती मे भी लिखते हैं, 'दीप से दीप जले' तथा 'हृदयदान' पर बबई एव गुजरात राज्य से १०००) तथा ४००) के पुरस्कार प्राप्त, वर्त० दै० 'गुजरात मित्र' में सातवर्ष से कार्य ; प० एनिबेसेंट रोड, देसाई पोल, सूरत।

भगवंतशरण जौहरी—ज० '१६ ; शि० उज्जैन एवं इंदौर, एम० ए०; प्र० '३५ मे ; प्रका० कवि० : अर्चना '४०, विदावेला मे '४२, स्वप्न और सत्य '५३, स्वप्न की छाया (कहा०) '५५, अमर बापू की गाथाएँ (निबंध) '५८, प्रगति के पथ पर '५८ तथा लगभग पंद्रह पुस्तकें संपा० ; अप्र० नील गगन के नीचे (कवि०) एवं आलो० लेखों के दो संक०; प० प्राध्यापक हिं० वि०, गवर्नमेंट आर्ट्स ऐंड कामर्स कालेज, इंदौर।

भगवंतशरण चतुर्वेदी—ज० २२ फरवरी, '३६ नंदरामपुर ; शि० बी० ए० आगरा वि० वि०, सा० संपा० पाक्षि० 'विश्वकल्याण' एवं मा० 'देशबंधु', सहसंपा० दै० 'अमर उजाला', प्रबध संपा० मा० 'नोक-झोंक' ; प्र० ४८ में ; प्रका० जय संजय (खंड०), नवभारत के भाग्य विधाता, भारत के अमर रत्न, भारत निर्माता सीरीज (चार पुस्तकें) ; उप० : गाँव की साँझ, नये गाँव की नई कहानी ये माटी सोना उगलेगी पहला कदम, नये रास्ते,

नई दिशाएँ, फिर देश गरीब नहीं होगा, ज्ञान जगेगा गाँव बढ़ेगा दिया जला है सदा जलेगा ; कहा० : नई कहानी, नया सवेरा, नई रोशनी, सूरज नहीं छिपेगा, युग बदलेगा, श्रम चमकेगा, धरती जागी, किस्मत जागी, दुनिया जागी , निबंध : पड़ोसी के प्रति कर्तव्य आदि लगभग पचास पुस्तकें ; अप्र० रुबाइयाँ, जयघोष (सहसंपा०) ; वि० भारत के अमर रत्न, नई कहानी, नया सबेरा, नई रोशनी, धरती जागी, किस्मत जागी, दुनिया जागी आदि पुस्तकें पुरस्कृत ; वर्त० प्रमुख संयोजक, देहाती रेडियो गोष्ठी राज०, जयपुर; प० पंचायत एवं विकास विभाग, राजस्थान, जयपुर।

भगवत सहाय वर्मा, *'विश्वास'*—ज० १० जनवरी, '३६ ; शि० विद्या-वाचस्पति, शास्त्री, सा० भूषण, साहित्यालंकार, प्रभाकर, बी० ए० ; सा० मंत्री : साहित्यकार संघ शाहजहाँपुर, अवै० कार्यकारी संपा० साप्ता० 'गाँधी' शाहजहाँपुर; प्र० '५४ में ; प्रका० स्फुट कविताएँ ; वि० 'शंख-स्वर' एवं 'संतुलन' में रचनाएँ संकलित ; प० १४५, कटियाटोला, शाहजहाँपुर।

भगवती चरण, *'निर्मोही'*—ज० '१५ , सा० भूत० संपा० साप्ता० 'उत्तर भारत' गढ़वाल, भूत० सहसंपा० 'तीर्थ संदेश' हरिद्वार ; प्र० '३७ में ; प्रका० हिलाँस (गढ़वाली कवि०) '४८, गढ़वाल जिलाबोर्ड का इतिहास (संपा०) ; अप्र० पतझड़ (कवि०) , वि० 'हिलाँस' टिहरी गढ़वाल की अंतरिम सरकार द्वारा पुरस्कृत ; प० सिराला, देवप्रयाग, गढ़वाल पौड़ी।

भगवतीप्रसाद, *'चित्रकार'*—ज० १८ मार्च, '१७ ; शि० प्रवेशिका ; सा० हिंदी साहि० संघ पटना के संयुक्त मंत्री ; प्रका० स्फुट कहानियाँ ; अप्र० उप० : इला (अँगरेजी से अनु०), शिकारी गिरोह (अनु०), स्नेहलता (उप०) ; वि० हस्तलिखित 'रश्मि' के संपा० मंडल के सद०, इसके 'मेवाक' तथा 'पुष्पाक' पर १०००) का पुरस्कार बिहार राष्ट्रभाषा परिषद से प्राप्त ; वर्त० चिकित्सक हैं, सचिवालय पटना में उच्चवर्गीय सहायक भी ; प० दरमिया, अनीसाबाद, गर्दनीबाग, पटना।

भगवतीप्रसाद त्रिवेदी, *'करुणेश'*—ज० १६०६ ; शि० लखनऊ ; सा० हिंदी सेवा संघ, हिंदी परि०, देवनागरी परि०, हिंदी प्रचार परि० आदि के पदाधिकारी, संचा० एवं सहयोगी ; प्र० '२७ में ; प्रका० पद्य प्रवाह '२७, मूछों के मारके '५६, अधरवल्लभा '५८ ; वि० देवनागरी परि० से 'कविरत्न' उपाधि प्राप्त ; वर्त० प्राध्यापक, कान्यकुब्ज नेशनल कालेज, लखनऊ ; प० ११६, रानीगंज, दुर्गावाँ, लखनऊ।

भगवतीप्रसाद पांथरी—शि॰ एम॰ ए॰ इतिहास '३८ ; सा॰ '३६ से टिहरी गढ़वाल प्रदेश में जन-सेवा-कार्य, 'युगवाणी' देहरादून का प्रका॰, प्र '३६ में ; प्रका ऐति॰ - युग पुरुष महात्मा गाँधी (दो भाग), महाप्रयाण, अशोक, हर्षवर्धन, महान गुप्तराजवंश, चंद्रगुप्त मौर्य, सिंहासन के लिए युद्ध; अन्य - अर्धपतन, बाँसुरी, सूतो की खोह, हम गाँधी बनेंगे (बालो॰), अप्र दो ऐति लेख-संग्रह ; वि॰ गढ़वालीभाषा के भी सुलेखक; प॰ आचार्य, शास्त्रज्ञान विभाग, काशी विद्यापीठ, वाराणसी—२ ।

भगवतीप्रसाद, 'राकेश'—ज॰ '११; शि॰ सासाराम एवं वाराणसी; सा॰ शाहाबाद जिला हिं सा सम्मे॰ के स्थायी सद॰; प्र॰ '३५ में ; प्रका॰ आरती (कवि॰) '५३, निर्वासन (नाट॰) '५७ ; अप॰ गीत मंदाकिनी (कवि॰), बुद्धचरितामृत एवं चार कविता-संग्रह ; प॰ (१) ममारागंज, सासाराम, शाहाबाद । (२) शीतल टोला, आरा, शाहाबाद ।

भगवतीप्रसाद शुक्ल, डा॰—ज॰ ३ सितंबर, '२६ ; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी (प्रथम श्रेणी मे प्रथम) रीवाँ, एल-एल॰ बी॰, पी-एच॰ डी॰, आगरा वि॰वि॰, सा॰रत्न॰ , सा॰ विंध्यप्रदेश हिं॰सा॰सम्मे॰ के साहित्यिक तथा प्रधान-मंत्री, म॰ प्र॰ हिं॰सा॰सम्मे॰ की कार्यसमिति के भूत॰ सद॰, बघेली लोकसाहि॰ मंडल के अध्यक्ष; प्र॰ '४८ में; प्रका॰ बघेली लोकरागिनी प्रथम भाग' ५३, द्वितीय भाग '५५, आय तो अघबिआही (कहा॰) '५७, टीले के उस पार (कहा) '५८, बलिदान (एका॰) '५८, हिंदी के प्रमुख कवियों और काव्यों का तुलनात्मक अध्ययन '६०, बघेली लोकसाहित्य (शोधग्रंथ) '६२ ; वि॰ ईसुरी पुरस्कार (म॰ प्र॰ कला परिषद भोपाल द्वारा) ५००) तथा विश्वनाथ पुरस्कार २००) का प्राप्त ; वि॰ 'लोकभाषा मे ध्वनियों के वैज्ञानिक अध्ययन की योजना' पर डी॰ लिट्॰ उपाधि के लिए शोधकार्य-रत ; प॰ अध्यक्ष, हिंदी विभाग, शासकीय महाविद्यालय, अंबिकापुर, सुरगुजा ।

भगवतीप्रसाद श्रीवास्तव—ज॰ १ जुलाई, '१९; शि॰ एम॰ एस-सी॰, एल एल॰ बी॰, प्रयाग वि॰वि॰ ; सा॰ हिंदी विश्वभारती लखनऊ के 'भौतिक विज्ञान', 'प्रकृति पर विजय' शीर्षक स्तंभों के तथा 'विज्ञान लोक' आगरा के संपा॰, भूत॰ प्राध्यापक किशोरीरमण कालेज मथुरा; प्रका॰ विज्ञान के चमत्कार, परमाणुशक्ति, भौतिक विज्ञान, विज्ञान की प्रगति, घरेलू बिजली, आविष्कार कथा, आविष्कार जगत, प्रगति के पथ पर; प॰ प्राध्यापक, भौतिकविज्ञान विभाग, धर्मसमाज डिग्री कालेज, अलीगढ़ ।

भगवद्दत्त वेदालंकार—ज॰ नेक, मेरठ · शि॰ एम॰ ए॰ संस्कृत सा

वैदिक अनुसंधान विभाग गुरुकुल कॉगडी के कार्यकर्त्ता; प्रका॰ ऋग्देवता, वैदिक स्वप्नविज्ञान, वैदिक अध्यात्म विद्या, आत्मसमर्पण ; प॰ अनुसंधान विभाग, गुरुकुल कॉगडी, सहारनपुर।

भगवद्दत्त शिशु—ज॰ '२८, पलवल ; जा॰ संस्कृत, बँगला एव मा॰ हरिजन उद्योगशाला किंग्स वे कैंप दिल्ली के महव्यवस्थापक ; प्रका॰ काव्य - रससागर, ओजस्विनी, निर्झरिणी; उप॰ ' रायसीना की लपटे , अप्र॰ दो कहानी-संग्रह एव एक उप ; प॰ माडल टाउन, दिल्ली ६।

भगवानदत्त गोस्वामी—ज॰ १ दिसंबर, '२१ ; शि॰ इंटर ; मा॰ मत्री : बीकानेर साहि॰सम्मे॰, सहसंपा॰ 'विश्वंभरा' एवं संयुक्तसंपा॰ 'लोक-संपर्क' ; प्र॰ '४२ में ; प्रका॰ राजस्थान के कहानीकार '६०, सोटीनाथी के गूढार्थ (शोधग्रन्थ) '६०, शांतिदूत (नाट॰) '६१, ; अप्र॰ नाट॰ : जयनगाधि-राज, रावजैतसी; बालो॰ : दगाबाज स्वर्णकार, ढोलकवाली चिड़ियाँ एवं चार संग्रह ; प॰ साहित्य साधना सदन, बीकानेर।

भगवानदास अरोड़ा, डा॰—ज॰ १८८८ ; सा॰ वयोवृद्ध पत्रकार, वाराणसी के प्रमुख दैनिक 'गांडीव' के प्रधानसंपा॰ ; प्रका॰ स्फुट लेख एव अनेक पुस्तकें ; प॰ 'गांडीव'-कार्यालय, आस भैरव, वाराणसी।

भगवानदास अवस्थी—ज॰ १८९५ ; शि॰ एम॰ ए॰ ; सा॰ भूत॰ संपा॰ 'अभ्युदय' प्रयाग, 'ज्ञानलोक' लिमिटेड के प्रबधक ; प्रका॰ धार्मिक अनु॰ - श्रीमद्भागवत, वाल्मीकि रामायण, महाभारत, हरिवंश पुराण, मार्कंडेय पुराण, गणेश कथा, दुर्गा सप्तशती; उप॰ : जर्मन युद्ध मे युवती, पापी धर्मात्मा, प्रेमी विद्रोही, भोला कूटनीतिज्ञ, कृष्ण कमल, मोहिनि नारि नारि के रूपा, राज विध्वंसक जासूस, मजेदार मामले, सनसनीदार मामले, रूपजाल, लालाए रुख, औरगजेब की प्रेमिका, राजपूती शान, हवाईगेर, दुनिया का चक्कर दस दिन मे, निराश की डायरी, बेगम गुलेनार, प्रेमकहानियाँ, जवानी की भूल, चचा चमचम ; अन्य : सामान्यज्ञान, मानव का विकास, सूर्य - चंद्रग्रहण, पृथ्वी की उत्पत्ति, विचित्र मनुष्य, विचित्र जलजंतु, पृथ्वी का वायुमंडल ; शिक्षा : अवस्थी शिक्षा चार्ट्स, पढाने की विधि, खुशी की बात (बारहभाग), चार्ट पुस्तिका, माया मोती सीरीज, संतुलित भोजन, ग्रामसुधार, ग्राम-विकास, भारत की प्रथम विकास योजना (अनु॰), अर्थशास्त्र के मूल सिद्धांत; बालो॰ - जबरजंग भल्लू, चाय की होली, हंसनी रानी, पारसमणि, कंस का काल, चार पैसे की रानी आदि लगभग १०० पुस्तकें ; वि॰ अनेक पुस्तको के अनु॰ तेलुगु कन्नड असमिया नेपाली सिंधी आदि

भाषाओं में हो चुके हैं, प० (१) २७७, दारागंज, इलाहाबाद। (२) १०, खुरशेदबाग, लखनऊ।

भगवानराम तिवारी, डा०—ज० २ जनवरी, '३२, बाबई ; शि० इटारसी, इंदौर, बी० ए० आनर्स पूना वि०वि०, एम० ए० हिंदी एवं अँग्रेजी, एस० टी० सी० बंबई, सा०रत्न एवं शिक्षाविशारद सम्मे० प्रयाग, पी-एच० डी० सागर वि०वि० ; प्र० '५५ में, प्रका० अभिव्यंजना (सचित्र काव्य)'५५, क्रिश्चियन कालेज बुलेटिन '५३-'५४, साधना '५७, आर्नेलियन '५८, श्री समर्थरामदास : जीवनी और तत्वज्ञान '५८, देवनागरी लिपि : स्वरूप, विकास और समस्याएँ '६२, अप्र० काव्य : बचपन के गीत, जीवन-गान, पुकार, अधूरे गीत, विदा, राखी की ढेरी, नवजागृति; कहा० : ढहती दीवार, साध्यतारा, उल्कापात, कंगालों की बस्ती ; उप० : अभागा, विद्रोही, बदला, गाँव की ओर ; आलो० : दिव्या का शास्त्रीय विवेचन, मीरा की भक्ति और उनकी काव्य-साधना का अनुशीलन (शोधप्रबंध) ; संपा० : प्रामाणिक मीरा-पदावली, कविवर नंददास-प्रणीत भँवरगीत और रासपंचाध्यायी, शांडिल्य और नारद भक्ति सूत्र (सार्थ), वि० सम्मे० प्रयाग से 'साहित्यमहोपाध्याय' उपाधि के लिए 'कविवर नंददास प्रणीत भँवरगीत' पर शोधकार्यरत, प० मिश्रा-बिल्डिंग, खटखटपुरा, भुसावल (पू० खा०)।

भगवानदास निर्मोही—ज० २५ मई, '३१ ; शि० एम० ए० हिंदी तथा संस्कृत, प्रभाकर, सा०रत्न, बी० एड० ; सा० पंजाब प्रांत में हिंदी प्रचार किया ; प्र० '५६ में ; प्रका० संस्कृत-सुधा, रोती मुस्कानें, निर्मोही (यंत्रस्थ) ; वि० 'रीतिकालीन मुक्तक काव्य पर संस्कृत काव्य का प्रभाव' विषय पर शोधकार्य-रत ; प० प्राध्यापक, हिंदी संस्कृत विभाग, राधाकृष्ण सनातनधर्म कालेज, कैथल, करनाल।

भगवान सिंह—ज० १ जुलाई, '३१ ; शि० एम० ए० हिंदी ; प्र० '५७ में, प्रका० स्फुट ; अप्र० उप० : काले उजले टीले, रोशनी के धब्बे ; प० (१) गगहा, गोरखपुर। (२) सी० २०५ साउथ मोतीबाग, नई दिल्ली—३।

भगवानसिंह चौहान, 'भगवान'—ज० ४ जुलाई, '३३ ; शि० एम० ए० राजनीति, बी० टी० ; प्रका० स्फुट कवि० एवं कहानियाँ ; अप्र० मुस्काते गीत ; वि० छत्तीसगढी मे भी लिखते है, लोकगीतों पर शोधकार्य-रत ; प० प्राध्यापक, शासकीय उ०मा०शाला, पेंड्रा, बिलासपुर।

भगवानसिंह 'विमल'—ज० '२८ ; सा० प्रगतिशील लेखक संघ, हिंदी साहित्यालोक एवं ब्रज साहि मंडल में कार्य संपा मा गौरव एव

हैमा॰ 'जनसाहित्य' हाथरस ; प्रका॰ स्फुट , अप्र॰ चार संग्रह ; वर्त॰ स्वतन्त्र पत्रकार ; प॰ नयागंज, हाथरस ।

भगवानस्वरूप मिश्र—ज॰ ३ अक्टूबर, '३०, ग्वालियर, शि॰ ग्वालियर ; सा॰ '४२ के आंदोलन में सक्रिय भाग, भू॰ सहसपा॰ दै॰ 'मध्य प्रदेश संदेश' ग्वालियर , प्रका॰ मध्यभारत के जनप्रतिनिधि '५६, निर्वाचन (नाट॰) ; वर्त॰ म॰ प्र॰ अभिनंदनग्रंथ योजना में संलग्न ; प॰ मिश्र प्रकाशन मंदिर, जनकगंज, लश्कर, ग्वालियर ।

भगवानस्वरूप मिश्र, डा॰—ज॰ '३० ; शि॰ नवलगढ़ एवं पिलानी, एम॰ ए॰, पी-एच॰ डी॰ आगरा वि॰ वि॰ ; सा॰ आचार्य श्रीराधेश्याम जी मिश्र अभिनंदन ग्रंथ के संपा॰ मंडल में रहे ; प्र॰ '४७ से , प्रका॰ हिंदी आलोचना-उद्भव और विकास (शोधप्रबंध) '५३, हिंदी साहित्य परिचय '५४ ; अप्र॰ सूर की साहित्य-साधना (संपा) ; वि॰ 'हिंदी-साहित्य-कोश' के एक लेखक ; प॰ १९२०।६ पोलो कोठी, घटिया आजमखाँ, आगरा ।

भगीरथ मिश्र, डा॰—ज॰ २० जुलाई, '१५, सैंथा-कानपुर; शि॰ हाई स्कूल डी॰ ए॰ वी॰ कालेज कानपुर (उ॰ प्र॰ मे प्रथम स्थान), एम॰ ए॰ (प्रथम श्रेणी), पी-एच॰ डी॰ लखनऊ वि॰ वि॰ ; सा॰ '४३ से '६० तक हिंदी प्राध्यापक और रीडर लखनऊ वि॰ वि॰, '६० से प्रोफेसर-अध्यक्ष हिंदी विभाग पूना वि॰ वि॰, अवध हिंदी साहित्य परिषद के भूत॰ अध्यक्ष, पूना वि॰ वि॰ हिंदी अनुसंधान मंडल के अध्यक्ष, भारतीय हिंदी परि॰ के प्रधान मंत्री '५९-'६०, अहिंदी क्षेत्र मैसूर और तिरुपति की हिंदी शिक्षक संगोष्ठी मे भाषण दिये ; उत्तर प्रदेशीय सरकार द्वारा हिंदी काव्यशास्त्र का इतिहास (एक सहस्र रुपये), तुलसीरसायन (चार सौ), शृंगार मंजरी व रीति साहित्य (पाँच सौ), काव्यशास्त्र (छः सौ) एवं बिहार राष्ट्र भाषा परिषद द्वारा '६० की काव्यशास्त्र पर सर्वश्रेष्ठ पुस्तक-रूप में 'हिंदी काव्यशास्त्र का इतिहास' पर एक सहस्र का पुरस्कार ; प्रका॰ पृथ्वीराज रासो के दो समय '४२ , अध्ययन (निबंध) '४४ एवं '६२, हिंदी काव्य शास्त्र का इतिहास (शोध प्रबंध) '४६ एवं '५८, साहित्य साधना और समाज (निबंध) '४८, चित्रण (कविता) '४८, हिंदी रीति साहित्य (आलो॰) '५२, तुलसी रसायन (आलो॰) '५४, हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास (इतिहास) '५६, शृंगार मंजरी (आलो॰) '५७, काव्यशास्त्र '५७ एवं '६२, कला साहित्य और समीक्षा (निबंध) ६२ अप्र॰ नामदेव की हिंदी

पदावली एवं तुलसीदास निरंजनी ; प० (१) पारिजात, ६० खुरशेद बाग, लखनऊ। (२) अध्यक्ष हिंदी विभाग, वि० वि०, पूना—७।

भगीरथ शास्त्री—ज० १८८६ ; शि० गु० महाविद्यालय ज्वालापुर एवं वाराणसी ; सा० २८ वर्ष तक गुरुकुल कांगड़ी में अध्यापक ; प्र० '४० में ; प्रका० यास्क-कृत 'निरुक्त' की हिंदी व्याख्या '४०, हिंदी साहित्य तरंगिणी '५०, संपूर्ण निरुक्त की हिंदी टीका '६२ ; अप्र० चार आलो० लेख-संग्रह ; प० गुरुकुल महाविद्यालय, ज्वालापुर, सहारनपुर।

भद्रसेन, आचार्य—ज० जनवरी १९०१ ; जा० उर्दू, संस्कृत एवं मराठी ; सा० भूत० संपा० मा० 'आर्य परिवार', विरजानंद वैदिक विद्यालय के आचार्य ; प्रका० योग और स्वास्थ्य, योगासन, प्राणायाम, आदर्श की ओर, योगासन चित्रपट, प्रभुभक्त दयानंद तथा उनके आध्यात्मिक उपदेश, आर्य कर्तव्यादर्श ; अप्र० आदर्श गृहस्थ-जीवन, वैदिक भक्ति-स्रोत, वैदिक वाङ्मय वाटिका (संस्कृत), विश्वशांति का स्रोत, वैदिक धर्म, वीर्य विकार आदि कठिन रोगों की यौगिक तथा प्राकृतिक चिकित्सा ; वि० 'योग और स्वास्थ्य' का अँगरेजी में अनु० हुआ है ; वर्त० यौगिक क्रियाओं के शिक्षक एवं अध्यात्म-संबंधी विषयों के सुलेखक; प० केसरगंज, अजमेर।

भरतराम भट्ट, शास्त्री—ज० '२२ ; शि० प्राज्ञ, विशारद, शास्त्री, हिंदी प्रभाकर पंजाब वि० वि० ; सा० साहि० कला संगम के संरक्षक तथा भा० कला केंद्र के प्रधान, मुखर्जी स्मारक उच्च मा० वि० शाहदरा दिल्ली की प्रबंध समिति के मंत्री ; प्रका० प्रवंचना (कवि०) '५८, रघुवंश के त्रयोदश सर्ग की आलोचनात्मक टीका '६० ; प० २७०, पुराने डाकखाने की गली, दिल्ली—३२।

भरतसिंह उपाध्याय, डा०—ज० १ अगस्त, '१५ ; शि० एम० ए०, पी-एच० डी० आगरा वि० वि० ; प्र० '५७ में ; प्रका० बुद्ध और बौद्ध साधक '५०, थेरी गाथाएँ '५०, पालि साहित्य का इतिहास '५२, बौद्ध दर्शन तथा अन्य भारतीय दर्शन (दो भाग) '५४, बुद्धकालीन भारतीय भूगोल '६१, बोधिवृक्ष की छाया में '६२ ; वि० 'पालिसाहित्य का इतिहास' उ० प्र० सरकार तथा भारत सरकार द्वारा पुरस्कृत, 'बौद्धदर्शन तथा अन्य भारतीय दर्शन' बंगाल हिंदी मंडल कलकत्ता द्वारा पुरस्कृत; 'दर्शन'-संबंधी विषयों के लेखक; प० हिंदू कालेज (दिल्ली वि० वि०), दिल्ली—६।

भवदेव झा—ज० १९ अक्टूबर, '२७, श्रीनगर, बेतिया, चंपारन ; शि० बी० ए० आनर्स मुजफ्फरपुर, एम० ए० संस्कृत '५३, हिंदी '५७ पटना वि० वि० ; सा० हिं० सा० परि० पटना के सभा० एवं पाटलिपुत्र परि० के सद०

प्रका० स्फुट कवि० ; अप्र० इंद्रधनुप (कवि०) एवं तीन संग्रह, वि० 'अलंकारों का उद्भव और विकास' पर शोधकार्य-रत : प० अध्यक्ष, हिंदी संस्कृत विभाग, श्री गुरुगोविंद सिंह कालेज, पटना।

भवानी—ज० '३२ ; शि० बी०ए० राजस्थान वि० वि०, विशारद सम्मे० प्रयाग, सा० झुँझनू जिला भारत सेवक समाज की कार्यकारिणी के सद०, '६० से संपा० पाक्षि० 'महाप्राण', झुँझनू ; प्रका० स्फुट नाट० एवं कहानियाँ, प० पाक्षिक 'महाप्राण'-कार्यालय, चिड़ावा, झुँझनू (राज०)।

भवानीप्रसाद तिवारी, डा०—ज० '१२, शि० एम० ए०, डी० लिट सागर वि० वि० ; सा० स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भाग तथा '३०, '३२, ४१, और '४२ में कारावास; अध्यक्ष : नगर कांग्रेस कमेटी जबलपुर, जबलपुर साहि० संघ, म० प्र० प्राथमिक शिक्षक संघ एवं महाकोशल शिक्षा प्रसार समिति, जबलपुर नगर निगम के सात बार निर्वाचित महापौर, संरक्षक 'मिलन' संस्था, १५ वर्षों से संपा० साप्ताहिक 'प्रहरी', प्र० '३२-'३३ में ; प्रका० प्राणपूजा (काव्य), कथावार्ता (कहा०) गीताजलि (अनु०), गीताहृदय (अनु०), कीचक-वध, गाँधी जी की कहानी (बालो०), जब जो लख गया (निबंध) ; वि० 'गाधी जी की कहानी' पर म० प्र० शासन द्वारा पुरस्कार प्राप्त, प० सुभद्रानगर, राइट टाउन, जबलपुर।

भवानीप्रसाद मिश्र—ज० २९ मार्च, '१३; शि० बी० ए० नागपुर वि० वि०, सा० बैतूल में शिक्षण संस्था (अब डिग्री कालेज) की '३६ में स्था०, '४२ में कांग्रेसी कार्य तथा कारावास '४५ तक ; महिलाश्रम वर्धा में शिक्षक '४५-'५०, चित्रपटों में संवादलेखन '५०-'५२, 'स्वयं सिद्धा' के गीत तथा 'शंकराचार्य' के संवादलेखक, ए० वी० एम० मद्रास में १ वर्ष तक संवाद-निर्देशक, म० प्र० सरकार के लिए प्राइमरी की पाठ्य पुस्तकों का लेखन, भूत० संपा० 'कल्पना' हैदराबाद '५३-'५५, आकाशवाणी पर हिंदी निर्देशक '५५-'५८, संपूर्ण गाधीवाङ्मय प्रकाशन-संपादन में केंद्रीय प्रका० विभाग से संबधित; सद० रेडियो भाषा सलाहकार समिति ; प्रका० कवि० गीत फरोश '५८, दूसरा सप्तक ; प० ५६, सुंदर नगर, नई दिल्ली—११।

भवानी शंकर त्रिवेदी—ज० '१५, कालूहेड़ा, उज्जैन ; शि० शास्त्री, प्रभाकर, सा०रत्न, बी० ए०, काव्यतीर्थ, लाहौर तथा अमृतसर ; ज्ञा० ग्रीक, लैटिन, फ्रेंच आदि ; सा० संस्था० मातृभाषा प्रचारक मंडल एवं आदर्श महिला विद्यालय अमृतसर, भूत० संपा० मा० 'मकरंद', भूत० उपसंपा० 'श्रीस्वाध्याय' आकाशवाणी दिल्ली मे संस्कृत विभागाधिकारी प्र० '३८ मे

प्रका० प्राचीन भारतवर्ष, हमारा हिंदी साहित्य और भाषा-परिवार, हिंदी कवि-सर्वस्व, आधुनिक महाकवि, आदर्श निबंध-निकुंज, हिंदी काव्य-संग्रह, बीसलदेव रासो सटीक, आदर्श संस्कृत व्याकरण, आधुनिक कविताजलि, वासंती, नव्य कविताकुंज, छंदालंकार-दीपिका, 'द्वापर' - व्याख्या-विवेचन, विचार और विश्लेषण, संत श्रीकाशीराम जी का जीवन चरित (आध्यात्मिक); अप्र० आलो० लेखों के दो संग्रह ; वि० भाषाविज्ञान पर शोधकार्य-रत ; प० बी० ३०६, साउथ मोतीबाग, नई दिल्ली—३।

भागवतप्रसाद मिश्र, 'वागीश'—ज० '२८, सिधनकलाँ, बाँदा ; शि० नव्यव्याकरणशास्त्री ; सा० भूत० संपा मा० 'किसमिस' '५०, मा० 'धर्मपथ' '५१, दै० 'रामराज्य' एवं साप्ता० 'सहयोगी' ; प्र० '४८ में ; प्रका० हास्य : ठोकर, चिड़ीमार, गउने के सपन ; अनु० महापंडित रावणकृत शिवताडव, आचार्य पुष्पदंत कृत 'शिवमहिम्न : स्तोत्रम्' का हिंदी पद्यानुवाद ; अप्र० महिषासुरवध (खंड०), राम और वेश्या ; वि० 'कीर्तिहर्ष', 'मयरानदन', आचार्य शांडिल्य' आदि उपनाम ; वर्त० साप्ता० 'सहयोगी' कानपुर के कार्यकारी संपा० ; प० संयोजक, 'निकषक', कानपुर।

भागवतप्रसाद सिंह—ज० १८ जनवरी, '३० , शि० बरौनी, बी० ए० बेगूसराय ; प्र० '४५ में ; प्रका० मिट्टी का देवता (काव्य) '५२, मोहिनी (कथाकाव्य) '५३, चाँद (बालो०) '५३ ; प० निपनियाँ, बरौनी, मुंगेर।

भागीरथ भार्गव—ज० ४ जुलाई, '३७ ; शि० अलवर ; सा० साहि० परि० एवं निराला परि० साहि० संस्थाओं मे सक्रिय कार्य, संपा० आलो० द्वैमासिक 'समीक्षा' एवं साप्ता० 'इन्साफ' ; प्र० '५१ में ; प्रका० कवि० '६१ (संपा० काव्य-संकलन) तथा सात-आठ छात्रोपयोगी पुस्तकें, अप्र० दो काव्य तथा निबंध-संग्रह ; प० दारू कूटा, अलवर (राज०)।

भानुकुमार जैन—ज० १४ जून, '१४ ; सा० संचा० : हिंदी पुस्तक भंडार बंबई, सहयोगी-प्रकाशन एवं हिंदी ज्ञानमंदिर लिमिटेड ; मंत्री बबई बुकसेलर्स एसोसिएशन, '३८ में बंबई हिंदी विद्यापीठ की स्था०, भूत० संपा० त्रैमा० 'संस्कृति' (बंबई), 'हिंदी ज्ञानदूत' एवं 'जीवन साहित्य' ; प्रका० विलासपुरी की दरिद्रता, बाल चित्रण ; प० आलोक भारती, राजभुवन, ३१४, वल्लभभाई पटेल रोड, बंबई —४।

भानुसिंह बाघेल—ज० १८६२ ; शि० सा०भूषण अयोध्या ; प्रका० बालादर्श, वीर वेंकटरमण सिंह, मयूरमाला (निबंध) ; अप्र० भुवादर्श और रीवाँ का इतिहास प्राचीन भारत, शरीर महायंत्र और उसकी रक्षा

गृहस्थाश्रम और गृह-प्रबंध : वि 'मधुरमाला' पर विन्ध्यप्रदेश शासन की ओर से १००) का पुरस्कार प्राप्त , प॰ भरतपुर, गोविन्दगढ़, रीवाँ ।

भारतभूषण—ज॰ ८ जनवरी, '२६ ; शि॰ मेरठ , प्र '५० में ; प्रका॰ सागर के सीप (गीत॰) ; अप्र॰ दो गीत-संग्रह ; प॰ ब्रह्मपुरी, मेरठ ।

भारतभूषण—ज॰ ४ अप्रैल, '३६, रावलपिंडी ; शि एम॰ ए॰ हिंदी हैदराबाद वि॰ वि॰ ; प्रका॰ स्फुट निबंध ; अप्र दो संग्रह ; वि॰ 'केशव की भाषा' पर शोधकार्य-रत ; प॰ हि॰ वि॰ वेंकटेश्वर विद्यालय, तिरुपति ।

भालचंद्र गोस्वामी, 'प्रखर'—ज॰ ४ अगस्त, '३० : शि॰ सा॰ रत्न '५०, बी॰ ए॰ '५४, साहित्यालंकार, साहित्यमहोदधि, ; प्र॰ '५० में ; प्रका॰ कहानी-दर्शन . अप्र॰ कविता की भाषा, दिवास्वप्न ; वि 'कहानी दर्शन' पर '५६ में साहि॰ अकेडमी राज॰ से १०००) का पुरस्कार प्राप्त ; वर्त समिति अधिकारी, विधान सभा सचिवालय, जयपुर ; प० सी० १०, 'दिगंत', बापूनगर, जयपुर ।

भास्कर निगम—ज॰ २ दिसंबर, '२१ ; शि मैट्रिक, सा॰ रत्न ; जा॰ बँगला, गुजराती, मराठी तथा उर्दू ; सा॰ मा॰ 'रंगभूमि' दिल्ली के भूत संपा॰ '४६, 'हिंदुस्तान' तथा 'नवभारत टाइम्स' के सिनेपृष्ठ के कुछ समय तक संपा॰ रहे, 'रामराज्य' फिल्म-लेखक के सहकारी, अनेक संस्थाओं के प्रचाराध्यक्ष, संस्था॰ तथा मंत्री, मा॰ तथा पाक्षि॰ 'सिनेमा' कानपुर के प्रका॰-संपा॰ ; प्रका॰ चित्रमय रजत-पट, फिल्मी अप्सराएँ, फिल्म अभिनेता कैसे बनें, भाषण-कला ; वि॰ हिंदी के प्रथम विज्ञापन-विशेषज्ञ , प॰ कृष्णा पब्लिसिटी कं॰ प्रा॰ लि॰, चुन्नीगंज, कानपुर ।

भास्करानंद लोहनी—ज॰ २४ जून, '३१, अल्मोड़ा ; शि॰ शास्त्री, ज्योतिषाचार्य, आयुर्वेदाचार्य काशी ; सा॰ मा॰ 'गोरी' बंबई, सा॰ 'ज्योतिष विज्ञान' दिल्ली, मा॰ 'ज्योतिष्मती' शिमला आदि पत्रों के स्थायी स्तंभ-लेखक, श्री अंतर्राष्ट्रीय आनंद भास्कर पंचांग के प्रकाशक, संस्था॰ : अ भा॰ ज्योतिर्विज्ञान तथा सांस्कृतिक शोधपरि॰ लखनऊ , प्र॰ '५३ में ; प्रका॰ भारतीयों का प्राचीन मनोविज्ञान, वैदिक साहित्य और संस्कृति, नवग्रहा-नुष्ठानम्, अशौच-निर्णय, ब्रह्मांड तथा सौरमंडल की आयु, अंतरिक्ष-यात्रा का लक्ष्य : चंद्रमा, अंतरिक्ष यात्रा . वर्तमान और भविष्य, धूमकेतु अथवा पुच्छल तारे, संवत्सर का राष्ट्रीय एवं वैज्ञानिक महत्व, ज्योतिष शास्त्र का सरल अध्ययन, भारतीय सामुद्रिक शास्त्र, वैदिक साहित्य में सहकारिता और संगठन, आपका भविष्य, कृषि विषयक भारतीय मान्यताएँ कूटयोग

और अग्निम् एकादश वर्ष, परस्पर सहोदर . हिंदू और मुसलमान, इतिहास के भूले पन्ने ; प० ४० कैसरबाग, लखनऊ ।

भीखनलाल आत्रेय, डा०—ज० २४ सितंबर, १८८७ ; शि० एम० ए . डी० लिट्०, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर एवं काशी; सा० सभा० : 'अ०भा० ओरिएंटल कांफ्रेंस' के दर्शन तथा धर्मविभाग, भारतीय 'फिलासफिकल कांग्रेस', अ०भा० हि०सा०सम्मे० की दर्शन-परिषद्, भारतीय 'साइंस कांग्रेस' के मनोविज्ञान तथा शिक्षाविभाग, उ०प्र० 'एजूकेशनल आफिसर्स कांग्रेस', २३वीं 'इंडियन फिलासफिकल कांग्रेस' एवं द्वितीय अ०भा० दर्शनपरि०; सद० : 'इंडियन ऐसोशिएशन फार एजूकेशन रिसर्च ऐडवाइजरी बोर्ड', शिक्षण - विज्ञान और मनोविज्ञान तथा मानसिक एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य-संबंधी अनेक समितियाँ, 'न्यू ऐशियाटिक वैदिक सोसाइटी', महाबोधि सोसाइटी, 'ग्रेट इंग्लिश इंडियन डिक्शनरी एडिटोरियल बोर्ड', इंडियन फिलासफिकल कांग्रेस', 'इंडियन सोसाइटी फार साइकिक ऐंड योगिक रिसर्च' एवं अ०भा० महिला शिक्षक परि०; अमेरिका, जापान, योरोप, इंग्लैंड, चीन, बरमा, स्याम, लंका आदि देशों में 'बिरला प्राध्यापक' के रूप में व्याख्याता; विदेशों से सम्मानप्राप्त विद्वान, इटली के 'इंटरनेशनल स्टडीज इन साइंस ऐंड लेटर्स' के संपा० मंडल के सद० और अमेरिका 'बायोग्राफिकल इंसाइक्लोपीडिया आफ वर्ड' में जीवनी छपी ; प्रका० योगवाशिष्ठ और उसके सिद्धांत, वाशिष्ठ दर्शनशास्त्र, प्रकृतिवाद-पर्यालोचन, वाशिष्ठ दर्शनम्, योगवाशिष्ठसार, प्रकृतिवाद-आयोजना, भारतीय नीतिशास्त्र का इतिहास; वि० दर्शन-संबंधी सात-आठ महत्वपूर्ण ग्रंथ अँगरेजी में भी लिखे हैं; वर्त० अध्यक्ष दर्शन-मनोविज्ञान विभाग, काशी वि०वि० ; प० (१) आत्रेय निवास, राजापुर, देहरादून । (२) आत्रेय निवास, वाराणसी—५ ।

भीम पाँडिया—ज० १९ जुलाई, '२९, बीकानेर; शि० मैट्रिक, प्रभाकर; प्रका० स्फुट रचनाएँ ; वि० राज० सा० अकेडमी के संकलन के एक कवि, राजस्थानी में भी लिखते हैं ; वर्त० 'मेघदूत' का पद्यानुवाद कर रहे हैं ; प० अध्यापक नगरपालिका विद्यालय, आशापुर, नया शहर, बीकानेर ।

भीमसेन त्यागी—ज० १९ सितंबर, '३५; शि० मुजफ्फरनगर; सा० 'नया संसार', 'नया जीवन', 'संपदा', 'सरिता' एवं 'मुक्ति' के संपा० में योग; साप्ता० 'निर्माण' का संपा०-संचा० ; प्र० '५० ई०, प्रका० रेत के फूल (उप०) '६२, वीणा (उप०) '६२, ओ हेनरी की सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ (अनु०) प० (१) बुढाना, मुजफ्फरनगर । (२) हिसार टेक्सटाइल मिल्स हिसार

भीमदेव शास्त्री—ज० १९०४, हमीरपुर ; शि० शास्त्री पंजाब तथा वाराणसी, साहित्याचार्य वाराणसी ; जा० मराठी, गुजराती, राजस्थानी, बँगला एवं अँग्रेजी ; सा० आकाशवाणी हैदराबाद मे प्रसारित कवि-सम्मेलन के अध्यक्ष, हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के परीक्षामंत्री ; प्रका० कुमार-कर्तव्य, सरदार पटेल तथा व्याकरण की दो पुस्तकें ; अप्र० स्फुट रचनाओं के दो संग्रह ; प० गाधी बाजार, हैदराबाद ।

भीष्मसिंह चौहान—ज० १८ जून, '२६, शि० मैट्रिक, साहित्यालंकार, जा० मराठी एवं उर्दू, सा० अध्यक्ष : नवोदित कलाकार मंडल एवं हिंदी नाट्यपरि० ग्वालियर; नागरिक कल्याण समिति भोपाल के उपाध्यक्ष, स्वास्थ्य तथा नगरसुधार-समिति ग्वालियर में विभिन्न पदों पर कार्य ; प्र० '४५ मे; प्रका० देश का संदेश, जागा राष्ट्र हमारा, आगे देश बढ़ाओ, बापू के बोल, हिंदी पौवाडे, गुटरगूँ (हास्य), रात गई दिन आया ; अप्र० प्राणों के दीप जलाता हूँ, आओ गाएँ (बालो०), भीम की चुनौती (बालो०), अपनी-उनकी उलझन (हास्य), भारती रही पुकार, गाँव की चौपाल; वि० राज्य सरकारों द्वारा लगभग सभी पुस्तकें स्वीकृत, अनेक गीतों के ग्रामोफोन रिकार्ड बन चुके हैं, आकाशवाणी अमेरिका से गीत 'विश्वशांति' संयुक्त राष्ट्र संघ दिवस पर प्रसारित ; प० १२।१४, नार्थ टी० टी० नगर, भोपाल ।

भुवनेश्वरदत्त शर्मा, 'व्याकुल', 'गिरिडीहवी'—ज० १९०७ ; शि० काव्यालंकार, सा० संस्था० : बिहारी ड्रैमेटिक क्लब गिरिडीह, नवयुवक संघ तथा श्रीकृष्ण वल्लभ पुस्तकालय विष्णुगढ, स्वतंत्रता आंदोलन में तीन बार कारावास, समस्त भारत का साइकिल से भ्रमण किया ; प्रका० अश्के हसरत, कलामे-व्याकुल, तरानए व्याकुल, जवानी के गीत, तीन कदम, गरीबों की दुनियाँ, किसानों का आर्त्तनाद (लोकगीत), मादल (ग्रामगीत-संग्रह) ; प० सुखद साहित्य कुटीर, विष्णुगढ, हजारीबाग ।

भुवनेंद्र, 'विश्व'—ज० १९०२; शि० साहित्य, न्याय तथा व्याकरण-शास्त्री; सा० भूत० संपा० बालो० मा० 'महावीर' '३९, संपा०-प्रका० : सरल जैनग्रंथमाला तथा स्थानीय संस्थाओं के मंत्री एवं प्रचारमंत्री; प्र० '१६ मे, प्रका० सरल जैन धर्म (चार भाग), कथा-मंजरी (दो भाग), द्रव्य-संग्रह, रत्नकांड, श्रावकाचार और भाषा नित्यपूजन-संग्रह ; अप्र० स्फुट रचनाओं के दो संग्रह; प० जवाहरगंज, जबलपुर ।

भुवनेश्वर गौड़—ज० २३ जुलाई, '१४, प्रयाग ; शि० बी० ए० '४८ प्रयाग वि० वि० बी० एड० ५० एम० ए० ५२ काशी वि० वि० सा० रत्न ४८

सम्मे॰ प्रयाग, साहित्यालंकार देवघर '४८ ; सा॰ '२९-'४० में सह-संपा॰ 'चाँद' प्रयाग, '४६-'४८ तक काशी वि॰वि॰ के 'बनारस हिंदू विश्वविद्यालय जर्नल' के संपा॰; '४८-'४९, '५०-'५२, '५६-'५७ मे आजमगढ़, बनारस, नौतनवॉ इंटर कालेज आदि मे प्रशिक्षण कार्य, '५१-'५४ मे काशी ना॰प्र॰सभा में प्रथम उ॰प्र॰ सरकार के 'राजकीय कोश' के तथा बाद मे 'साहित्य विभाग' के संपा॰ रहकर 'आकर ग्रंथमाला', 'बिडलाग्रंथ माला' आदि का संपादन किया, प्र॰ '३॰ मे; प्रका॰ मुंशी कालीप्रसाद कुलभास्कर '४०, मुंशी सदासुख-लाल 'निसार' '४२, 'दि हीरोज' (संपा॰ ४ भाग) '२९-'४१, रामानंद की हिंदी रचनाएँ (सहसंपा) '५५, नाथ सिद्धों की बानियाँ (सहसंपा॰) '५६, भिखारीदास (२ भाग, सहसंपा॰) ; वि॰ 'आचार्यो द्वारा प्रतिपादित भाषा की शब्दशक्ति' पर शोधकार्य-रत; प॰ प्राध्यापक, प्रशिक्षण विभाग, बुद्ध डिग्री कालेज, कुशीनगर, देवरिया ।

भुवनेश्वरनाथ मिश्र, 'माधव', डा॰—ज॰ १२ फरवरी, '१२ मिश्रौली, शाहाबाद ; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी तथा अँग्रेजी, काशी वि॰वि॰, पी-एच॰ डी॰ पटना वि॰वि॰, सा॰ ६ वर्षो तक अध्यक्ष हि॰वि॰ जैन कालेज आरा, ७ वर्षो तक प्राचार्य सच्चिदानंद सिनहा कालेज औरंगाबाद ; चार वर्षों तक उपनिदेशक समाजशिक्षा, बिहार सरकार; निदेशक पाठ्यग्रन्थ-शोधसंस्थान बिहार सरकार, सचालक बिहार राष्ट्रभाषा परि॰ बिहार सरकार, भूत॰ संपा॰ 'चाँद', 'भविष्य' प्रयाग एवं साप्ता॰ 'सनातनधर्म' काशी; भूत॰ सहसंपा॰ 'कल्याण' तथा 'कल्याण कल्पतरु' ; प्रका॰ संत साहित्य, मीरा की प्रेम-साधना, धूपदीप, मेरे जन्म-मरण के साथी, पूजा के फूल, रामभक्ति साहित्य मे मधुर उपासना, हँसता जीवन, ढाई हजार अनमोल बोल, श्रीअरविंद चरितामृत; प॰ संचालक, बिहार राष्ट्रभाषा-परिषद, पटना—४ ।

भुवनेश्वर मिश्र, 'भुवन'—ज॰ १९०७; शि॰ एम॰ ए॰, एल॰ टी॰, विशारद ; सा॰ हिंदीबोर्ड कलकत्ता वि॰वि॰ के सद॰, श्यामाप्रसाद कालेज के भूत॰ हिंदी विभागाध्यक्ष, भूत॰ संपा॰ त्रैमा॰ 'आशा' (चार वर्ष तक), प्रका॰ संपा॰ : हिंदीसाहित्य सौरभ (४ भाग, संक॰), साहित्य - सुधा (३ भाग, संक॰) हिंदी व्याकरण-बोध, विनयमंजरी (कवि॰), कामर्शियल हिंदी (अँग्रेजी), आधुनिक निबंध की रूपरेखा; अप्र॰ आलो॰ निबंधों के चार संक॰; वर्त॰ अध्यक्ष हिं॰वि॰ डेविड हेयर ट्रेनिंग कालेज, कलकत्ता; प॰ १०५ महात्मा गांधी रोड कलकत्ता—७ ।

भुवनेश्वर सिंह 'निर्मोही' ज २९ जून २४ शि इंटर, भागलपुर

सा० ग्राम पुस्तकालय के मंत्री . प्र० '५० में , प्रका० फैसला (नाट०), उत्तर बिहार (कवि०); अप्र० नाट० कैरियर, पहचान, चाँद-तारा, निनीपा (कहा०); प० अध्यापक उच्चविद्यालय, बदा (वाया गिगिया), दरभंगा ।

भूदेव शर्मा, शास्त्री—ज० २५ जुलाई, १६००, धौलाना, गाजियाबाद; शि० विद्याभूषण गुरुकुल सिकंदराबाद, शास्त्री पंजाब वि वि०, एम० ए० हिंदी आगरा वि०वि० ; सा० आर्य समाज के सिद्धांत-प्रचार में सतत संलग्न, भूत० हिंदी प्राध्यापक : डी० ए० वी० हाई स्कूल '१८-'१९, भूत हिंदी-संस्कृत विभागाध्यक्ष क्राइस्ट चर्च कालेज कानपुर '२५-'५८, अब अवकाशप्राप्त, संपा त्रैमा० 'राष्ट्रवाणी' भारतीय विद्यानुसंधानपीठ कानपुर ; प्र० '४१ में ; प्रका० शंखनाद (आलो० निबंध), कादंबिनी, सूर-मंदाकिनी, चर्चनिका, गद्यदीपिका; अप्र० आलो० निबंधों के दो संग्रह, वर्त० निदेशक भारतीय विद्यानुसंधान पीठ, कानपुर, प ७/७५, तिलकनगर, कानपुर ।

भूदेव शास्त्री—ज० '१८, मैनपुरी ; शि० स्नातक गुरुकुल वृंदावन '३८, शास्त्री पंजाब वि०वि०, शिरोमणि मथुरा, एम० ए० संस्कृत तथा हिंदी आगरा वि वि०, एल टी , प्रका० कक्षाध्यापन एवं पाठसूत्र-निर्माण '५६, भारतीय शिक्षा का संक्षिप्त इतिहास '५६, अध्यापन के विशिष्ट सिद्धांत एवं विशिष्ट कहानियाँ '५८, स्वतंत्र भारत में शिक्षा की प्रगति '६०, विद्यालय-संगठन एवं संचालन '६०, मातृभाषा का अध्यापन '५८; अप्र० शिक्षा-संबंधी दो ग्रंथ; वर्त० प्राध्यापक, केंद्रीय हिंदी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, आगरा, प० मदिया कटरा, आगरा ।

भूपतिराम साकरिया—ज० '२५, शि० एम० ए०, बी० एड० राज० वि०वि०; प्रका० संपा० ' पद्य-पुष्प, इतरा दे किरतार, अर्वाचीन राजस्थानी गद्य-पद्य-साहित्य (यंत्रस्थ), अप्र० राजस्थानी हिंदी लघु कोश, मीरा प्रेम दिवानी (गुजराती से अनु० उप०) ; वि० 'रुगत काव्यों की परंपरा और रुक्मिणी मंगल' विषय पर शोधकार्य-रत; प० हिंदीविभागाध्यक्ष, विट्ठलभाई पटेल महाविद्यालय, वल्लभविद्यानगर, वाया आनंद, गुजरात ।

भूपेंद्रकुमार, 'स्नेही'—ज० १३ अगस्त, '४०, पेशावर (पाकिस्तान); शि० दिल्ली ; प्र० '५८ में ; प्रका० बिखरे आँसू (कवि) '६०, हिंदी के लोकप्रिय प्रणयगीत (संपा०) '६२, अप्र० दो कविता-संग्रह; प० १८/१ भोलानाथ नगर, शाहदरा, दिल्ली —३२ ।

भैयालाल व्यास—ज० ५ अक्टूबर, '२०, शि० एम०ए०,सा०रत्न, दतिया एवं आगरा; सा० दतिया के लोकेंद्र साहि० मंडल, प्रगति परि० एवं गांधी

पुस्तकालय के अध्यक्ष ; प्रचार एवं संयुक्तमंत्री . विंध्यप्रादेशिक हिं॰सा॰सम्मे॰ रीवाँ ; प्र॰ '४० में; प्रका॰ विजयादशमी, जीवन के क्रम, आग-पानी, साँझ-सकारे; अप्र॰ जिंदगी की राह पर, हरदौल, जगतजननी एवं माता के आँसू, वि॰ विंध्य सरकार से 'व्यास' एवं 'केशव' पुरस्कार प्राप्त, 'विंध्यकोकिल' उपाधि प्राप्त; प॰ प्राचार्य, सहकारी प्रशिक्षणालय, आगर-मालवा ।

भैरवदत्त उपाध्याय—ज॰ ८ जुलाई, '३८ ; शि॰ एम॰ ए॰ संस्कृत, अलीगढ़ वि॰वि॰ ; सा॰ मंत्री : हिंदी साहि॰परि॰ सोरो, एटा; प्रका॰ सोरों के लोकगीतों पर एक दृष्टि , अप्र॰ सुदामा चरित (नाट॰), सोरों के विद्वान और पंडित, सोरों की लोकगाथा : महादेव का विवाह (संपा॰), निबंधकुंज; वि॰ 'भगवान वाराह का पुराणशास्त्रीय अध्ययन' विषय पर अलीगढ़ वि॰वि॰ में शोधकार्यरत, प॰ शूकरक्षेत्र, सोरों, एटा ।

भैरवदत्त शुक्ल—ज॰ '३५, कटकुसमा, खीरी ; शि॰ बी॰ ए॰ लखीमपुरखीरी, एम॰ ए॰ हिंदी, लखनऊ वि॰वि॰; सा॰ संस्था॰ : कलाभवन ; प्र॰ '५१ में ; प्रका॰ धारा (कवि॰) ; अप्र॰ पाँच काव्य-संग्रह एवं अशोक (खंड॰); वि॰हि॰वि॰, लखनऊ वि॰वि॰ में शोधकार्य-रत; प॰ आर्यवीर शिक्षा केंद्र, १६२ बब्बू वाली गली, डालीगंज, लखनऊ ।

भैरवप्रसाद गुप्त—ज॰ ७ जुलाई, '१८; शि॰ बी॰ ए॰ ; सा॰ द॰भा॰ हि॰प्र॰सभा मद्रास में चार वर्ष तक भाषा-प्रचार-कार्य, भूत॰ संपा॰ मा॰ 'माया', 'मनोहर कहानियाँ', 'मनोरमा', 'कहानी' तथा '६० से संपा॰ 'नई कहानियाँ'; प्रका॰ उप॰ : शोले, मशाल, गंगा मैया, जंजीरें और नया आदमी, सती मैया का चौरा; कहा॰ : मोहब्बत की राहें, मंजिल, बिगड़े हुए दिमाग, फरिश्ते, लपटें, इंसान, महफिल, सपने का अंत, कसौटी (एकां॰); अनु॰ : हिज एक्सीलेंसी, छलना (उप॰) एवं तीन कहानी-संग्रह; प॰ संपादक, 'नई कहानियाँ', ८ फैज बाजार, दिल्ली – ६ ।

भोलानाथ विव—ज॰ १४ नवंबर, '२१; शि॰ बी॰ ए॰ कलकत्ता वि॰ वि॰; सा॰ भूत॰ संपा॰ 'भारती' (बिहार) '५६-'६२ एवं 'विनोद' (कलकत्ता), अब सहसंपा॰ 'ज्ञानोदय' (कलकत्ता); प्रका॰ फूली अनफूली डाल (कवि॰); प॰ सहसंपा॰ 'ज्ञानोदय', १८ ए, ब्रेबोर्न रोड, कलकत्ता—१ ।

भोलानाथ, 'भ्रमर', डा॰—ज॰ '२४ ; शि॰ गोंडा एवं प्रयाग, एम॰ए॰, डी॰ फिल॰ प्रयाग वि॰वि॰; प्र॰ '३४ में ; प्रका॰ कौकेट प्रदर्शिका '५२, हिंदी साहित्य (१६२६-'४७) '५४, अप्र॰ गीतों, लघुकथाओं, कहानियों एवं आलो॰ लेखों के दो-दो संकलन; वि॰ उ॰प्र॰ सरकार द्वारा पुरस्कार प्राप्त,

'डी०लिट्०' के लिए शोधप्रबंध समाप्तप्राय; प० अध्यक्ष हिंदी विभाग, महारानी लाल कुँअरि डिगरी कालेज, बलरामपुर।

भोलाशंकर व्यास, डा०—ज० '२४, बूँदी; शि० एम० ए० संस्कृत '४७, एल-एल० बी० '४८ आगरा वि० वि०, शास्त्री वाराणसी, एम० ए० हिंदी '५०, पी-एच० डी० '५२, डी० लिट्० हिंदी '६२-'६३ (राज० वि० वि० में डी० लिट्० पानेवाले प्रथम व्यक्ति, स्वर्णपदक प्राप्त); लंदन वि० वि० के भाषाविज्ञान-विभाग में सैद्धान्तिक एवं तुलनात्मक भाषाविज्ञान एवं अँगरेजी, संस्कृत तथा हिंदुस्तानी ध्वनि-विज्ञान का अध्ययन किया; सा० राजस्थान विद्यापीठ उदयपुर के शोधसंस्थान के '४८-'५० में निर्देशक, ना० प्र० सभा काशी की साहित्यसमिति तथा शोधसमिति के सद०, 'वृहत हिंदी शब्दकोश' के सद० तथा सहसंयोजक, केंद्रीय वि०वि० अनुदान आयोग की योजना के अनुसार हिंदी के ऐति० व्याकरण के निर्माण-कार्य के उप-निरीक्षक; प्र० '५१ में; प्रका० निबंध-निचय '५१, एकांकी-निचय '५१, आत्मसिद्धि (अनु०) '५२, भाषा-विज्ञान '५२, हिंदी दशरूपक '५४, ध्वनिसंप्रदाय और उसके सिद्धांत '५५, संस्कृत कवि-दर्शन '५५, हिंदी कुवलयानंद '५६, संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन '५७, हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (भाग १, खंड २) '५८, प्राकृतपैंगलम् (भाग १ '५९, भाग २ '६२ संपा०), प्राकृत पैंगलम् का भाषाशास्त्रीय तथा छन्दशास्त्रीय अनुशीलन '६२, हिंदी गल्प वल्लरी '६२, भारतीय साहित्य की रूपरेखा '६३; अप्र० भारतीय साहित्य-शास्त्र और काव्यालंकार (अनु०), प्राचीन भारतीय आर्यभाषा-काव्य में प्रतीक-योजना, सैद्धांतिक और व्यावहारिक भाषाविज्ञान, हिंदी साहित्य-बदलती रूपाकृतियाँ; वि० उ० प्र० सरकार की हिंदी समिति द्वारा चार बार रचनाएँ पुरस्कृत, 'द्वैपायन' उपनाम से कविताओं के लेखक; प० रीडर हि०वि, काशी वि०वि०, वाराणसी।

मंगलकिशोर पांडेय—ज० सेमऊरा, पलामऊ; शि० बी० ए० पटना '३८, जा० फ्रेंच एवं जर्मन; सा० 'वैनगार्ड' नामक दै० अँग्रेजी पत्र के भूत० साप्ता० स्तंभ लेखक; प्र० '३१ में; प्रका० स्पुतनिकों के देश की यात्रा '५८, पल्लव और किसलय '५९, वर्त० '४८ से सोवियत दूतावास नई दिल्ली के सूचना विभाग के हिंदी 'न्यूज बुलेटिन' के संपा; वि० अँगरेजी में भी लिखते हैं; प० ११ ए/६, वेस्टर्न एक्सटेंशन एरिया, करोलबाग, नई दिल्ली—५।

मंगलदेव शर्मा—ज० १५ दिसंबर, '१०, आमरू, पलवल, गुड़गाँव, शि० प्रभाकर शास्त्री दिल्ली एवं लाहौर सा० भारती लाहौर, मा०

'रसभरी' दिल्ली, 'रंगभूमि' बंबई, मा० 'धारा' आदि एक दर्जन पत्रों के भूत० संपा०, नौजवान भारत सभा लाहौर तथा हिंदी प्रचारिणी सभा दिल्ली में कार्य किया, प्र० '३० में ; प्रका० उप० : चौपाटी '५७, गुलरुख, ज्वाला की लपटें '५८, रँगे सियार (कहा०) ; अप्र० स्फुट रचनाओं के पाँच संक०, प० संपा० पाक्षिक 'राष्ट्रपति', जामा मस्जिद, डिस्पेंसरी कंपाउंड, दिल्ली।

मंगलदेव शास्त्री, डा०—ज० १८९० ; शि० एम० ए०, शास्त्री, एम० ओ० एल० (पंजाब), डी० फिल (आक्सफोर्ड) ; सा० भूत० आचार्य गवर्नमेंट संस्कृत कालेज बनारस, भूत० 'सुपरिंटेंडेंट आफ संस्कृत स्टडीज', संस्कृत कालेज की परीक्षाओं के रजिस्ट्रार, उपकुलपति संस्कृत वि० वि० वाराणसी '६१ ; प्रका० तुलनात्मक भाषा-शास्त्र अथवा भाषाविज्ञान (जर्मन भाषा से अनु०), प्रेम अथवा प्रतिष्ठा, प्रबंध-प्रकाश, उपनिदान-सूत्र, न्यायसिद्धांत माला ; प० इँग्लिशिया लाइन, बनारस कैंट।

मंगल सक्सेना—ज० १४ मई, '२६ ; शि० एम० ए० समाजशास्त्र, अजमेर ; प्र० '५७ में ; प्रका० स्फुट कहानियाँ तथा 'फीचर' ; वि० राज० साहि० एकाडेमी द्वारा पुरस्कृत ; प० (१) मंगल - निवास, बड़े डाकखाने के पीछे, बीकानेर। (२) कृष्णा कुटीर, क्रिश्चियनगंज, अजमेर।

मंगलानंद गौतम—ज० १ जून, '१२, बुढ़ाना, मुजफ्फरपुर ; शि० हिंदी प्रभाकर '२९, पंजाब वि० वि०, मैट्रिक, बीकानेर ; सा० 'रंगभूमि' बंबई के प्रका०-संपा०, 'रसभरी', 'चित्र प्रकाश' तथा साप्ता० 'फिल्म चित्र', दिल्ली के भूत० संपा०, '३० में क्रांतिकारी होने के नाते तीन वर्ष का कारावास ; प्रका० साम्यवाद या गांधीवाद '३२, सुरसरी (निबंध) '३७, शिशु हिंदी-व्याकरण, अप्र० स्फुट रचनाओं के दो संग्रह ; प० संपादक पाक्षिक 'राष्ट्रपति', जामा मस्जिद, डिस्पेंसरी कंपाउंड, दिल्ली।

मंगलीप्रसाद, 'निष्काम'—ज० '३२ ; शि० इंटर ; प्र० '५२ में, प्रका० स्फुट, अप्र० मिटती बनती लकीरें (उप०), एक ब्लाक : छः खिड़की : चार दरवाजे (नाट०), युगशंखनाद (प्रबंध०), मँगनी और ब्याह एवं दो कहा० और एक लेख-संग्रह ; प० ३४८।४, हरिहरनाथ शास्त्रीनगर, कानपुर।

मक्खनलाल शर्मा—ज० '२५, शि० एम० ए० अँग्रेजी एवं हिंदी, आगरा वि० वि० (डा० मुंशीराम स्वर्णपदक एम० ए० में प्राप्त); सा० सहसंपा० 'साहित्य-संदेश' आगरा '५९ से ; प्र० '४२ में, प्रका० आचार्य शुक्ल और त्रिवेणी '५७, आचार्य शुक्ल और चिंतामणि '६०, आचार्य केशव तथा रामचंद्रिका '६१ हिंदी एकांकी '६२, हिंदी सिद्धांत और

समीक्षा, ताजमहल को मानपत्र '६२, बोलती तस्वीरें (प्रवन्ध); अप्र दो आलो० लेख-संग्रह; प २, उत्तर विजयनगर, आगरा।

मगनलाल जिनेश—ज० २२ जुलाई, '२१; शि० बी ए; मा भोपाल में हिंदी-प्रचार; भूत० संपा० साप्ता० 'सूचना'; प्रका स्फुट अप्र० दो-तीन लेख-संग्रह; प० हवामहल रोड, भोपाल।

मथुरादास, 'हँसमुख'—ज० ९ सितंबर, '४१; शि इंटर; मा भूत० संपा मा० 'सजनी' प्रयाग '५७-'५९; प्र० ५९ में, प्रका० स्फुट: अप्र० कवि०: मन के गीत, एक याद: एक फूल, मुक्ता; प० के २९।१ गणेश दीक्षित लेन, वाराणसी —१।

मथुराप्रसाद अग्रवाल, 'पतंग'—ज० १४ दिसंबर, '२७ उंटाला, वल्लभनगर; शि० एम० ए० हिंदी, बी० एड०; प्र० '४७ में; प्रका० कुसुमा-जलि (गद्य संक०) '५८, राजस्थानी साहित्य '५९, छंद-अलंकारिका (दो भाग) '५९, सुषमांजलि (दो भाग) '५९, काव्य-दोष '६०, भाषार्थी और पत्रलेखन '६०, भाषार्थी और अनु० '६०, हिंदी साहित्य का इतिहास '६१, भाषा-ज्ञान '६२, छंद-परिचय '६२; अप्र० कहानिका (संक०), एकांकिका (संक०), साहित्यिकी (निबंध०), निबंधिनी, अनुवादिका, अपठिता, राजस्थली, बागड निबंधावली, राजस्थानी भाषा और उसका साहित्य, अग्रवाल लेख-सूची; वि० राज० वि० वि०, जयपुर में शोधकार्य-रत; प० (१) 'कमलासन', १७९, अशोकनगर, उदयपुर। (२) उपप्राचार्य एवं हिंदी विभागाध्यक्ष, गवर्नमेंट कालेज, डूँगरपुर (राज०)।

मथुराप्रसाद दुबे, 'कुलदीप'—ज० ५ फरवरी, '३३; शि एम ए० हिंदी आगरा वि० वि०; सा० अध्यक्ष: अभिनव कला भारती, कवि-सम्मे (अ० भा० ब्रजसाहि० मंडल हाथरस अधिवेशन), हिंदी काव्य कला-परि० आगरा के साहि० मंत्री, साहि० समाज आगरा तथा आगरा जिला पत्रकार-संघ के प्रधान मंत्री, भारत सेवक समाज के क्षेत्रीय मंत्री, '६२ में यूनेस्को द्वारा भेजे गए प्रतिनिधिमंडल के रूप में योरोपीय देशों की यात्रा; भूत० संपा दैनि० 'संदेश', दैनि० 'मतवाला' '५०-'५३, मा 'युवक' एवं मा० 'नोकझोंक'; प्रका०-संपा० मा० 'पराग' एवं साप्ता० 'हमराही'; प्र० '५० में; प्रका० गीत: धरती के बोल '५९; आलो०: मृगनयनी: एक अध्ययन, यशोधरा: एक अध्ययन, आचार्य चाणक्य-दर्शन, ललितविक्रम-अनुशीलन, झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई: एक शोधपूर्ण विवेचन वि आगरा जिले के

लोकगीत' पर शोधकार्य-रत ; वर्त० प्राध्यापक हिं० वि०, सेंट जांस कालेज, आगरा ; प० दीपलोक, बी ५१, लाजपत कुंज, आगरा ।

मथुराप्रसाद सिंह - ज० '१० ; शि० सा०रत्न, एम० ए०, काशी वि वि० ; ज्ञा० पाली, बँगला, अँग्रेजी, मराठी एवं गुजराती ; सा० भूत० सद० सम्मे० प्रयाग की स्थायी समिति, प्रबंध समिति, वि० वि० परि० एवं परीक्षा समिति ; गोवर्धन साहि० महाविद्यालय के भूत० प्राध्यापक एवं राजेंद्र साहित्य महाविद्यालय- सेवदह की स्था० '२५, बिहारराज्य राष्ट्रीय स्नातक संघ के प्रधानमंत्री, सहसंपा० दैनि० 'महावीर' ; प्र० '३० में ; प्रका० स्फुट , प० प्राचार्य, राजेंद्र साहित्य महाविद्यालय-सेवदह, विरजू मिस्की, पटना ।

मदनगोपाल गुप्त—ज० २१ अप्रैल, '३० ; शि० बिदकी , कानपुर एवं लखनऊ, एम० ए०, सा०रत्न ; सा० भूत० सहसंपा 'पाञ्चजन्य' लखनऊ ; प्रका० विक्रमार्चन, भारत की पाँच कलाएँ ; अप्र० विस्मृत भारत, स्मृति कण (कहा०) ; वि० 'पंद्रहवी तथा सोलहवी शतियों के हिंदी काव्य में प्रतिबिंबित भारतीय संस्कृति एवं समाज का स्वरूप' विषय पर पी-एच० डी० के लिए शोधप्रबंध प्रस्तुत किया है ; प० हिं० वि० म० स० वि०वि०, बड़ौदा ।

मदनगोपाल दीक्षित—ज० २८ मई, '३३ ; शि० बी० काम० सागर वि० वि० ; प्र० '५३ में ; प्रका० स्फुट ; वि० अँगरेजी में भी लिखते हैं ; प० उपरैनगंज, ५५५ कोतवाली वार्ड, जबलपुर ।

मदनगोपाल सिंहल—ज० १९०९, मेरठ ; सा० छावनी बोर्ड के कमिश्नर तथा स्थानीय हिंदी प्रचा० सभाओं के उत्साही कार्यकर्त्ता, 'आदेश' (मा०), 'रामराज्य' (दै०), 'बालवीर', 'धर्म प्रभा', 'वैश्य हितकारी', 'सन्मार्ग' आदि पत्रों के भूत० संपा०, मेरठ की हिं०साहि० समिति के प्रधान ; प्रका० एकांकी नाटक, भक्तमीरा, कलिका (कवि०), धर्मद्रोही राजा वेन, सत्य-नारायण; वि० 'कौन बनोगे', 'बड़ों का बचपन', 'वीरांगना लक्ष्मीबाई' आदि बालो० रचनाओं पर पुरस्कार प्राप्त ; प० 'गोपाल प्रकाशन', सदर, मेरठ ।

मदनप्रसाद—ज० ३१ जुलाई, '२६ ; शि० बी० ए०, बी० एल० ; सा० साहि०मंत्री भारतेंदु-साहि संघ मोतिहारी, त्रैमा० 'अर्घ्य' तथा 'वार्षिकी' मोतिहारी के संपा० मंडल के सद०, भूत० संपा० त्रैमा० 'तरुण' मोतिहारी ; प्र० '४१ मे ; प्रका० स्फुट लेख ; प० ऐडवोकेट, लोहार पट्टी, मोतीहारी ।

मदनमोहन गुप्त, 'मदन'—ज० २ जनवरी, '२० ; शि० साहित्या-चार्य, साहित्यवाचस्पति, शास्त्री, साहित्यभूषण, विशारद, एच० एम० बी०, एम० बी० बी० एस० ; सा० सद० ' बिहार राज्य पुस्तकालय संघ-परि जिला

पु तकालय संघ प्रबंधसमिति एवं थाना पुस्तकालयसंघ शिवहर; अनमंडलीय पुस्तकालयसंघ सीतामढी के प्रधानमंत्री, संस्था० : कलाकार परि० शिवहर एवं कालिकानंदन सार्वजनिक पुस्तकालय ; अध्यक्ष : श्री भारतेंदु अभिनय परि०, संस्था० प्रौढ शिक्षा समिति ; '४२ के अगस्त आदोलन में कारावास, भूत० संपा० साप्ता० 'परिवर्तन', संचा० सत्संगगोष्ठी ; प्रका० प्रेमपत्रावली (कवि०), अनलकुंड (कहा०), गानवा टोपी (कवि०), दीपशिखा (नाट०), महावरे और प्रयोग, प्राचीन बाल-कहानियाँ, विद्रोही (कवि), पद्य-चंद्रिका, देशी हिसाब, बाल भारती कुंजिका (संस्कृत), संस्कृत व्याकरण, ५ मिनट में नक्शे, १० मिनट में नक्शे ; अप्र० अन्तर्दाह , तूफान , प० शिवहर, मुजफ्फरपुर।

मदनमोहन जावलिया—ज० १२ नवंबर, '३० , शि एम० ए० हिंदी तथा संस्कृत उदयपुर, शास्त्री, बी० एड० ; प्र० '४६ में , प्रका० स्फुट ; अप्र ज्योतिर्दीप (कवि०), कालरात्रि (खंड०), राजस्थानी स्मरस कहानियाँ, मेघदूत (काव्यानुवाद), मध्य राजस्थानी महावरे (दो भाग), मध्य राजस्थानी कहावते, मृत्युंजय दयानंद (महा०), गद्यगीत - संग्रह ; वि० चीन-संबंधी कविताओं पर दो रजतपदक प्राप्त , प० (१) द्वारा श्री कल्याणमल जावलिया, कोठार मुहल्ला, शाहपुरा, भीलवाडा । (२) प्राध्यापक, राज० उच्च० माध्य० विद्यालय, बदनोर, भीलवाडा (राज०)।

मदनमोहन नागर—ज० १७ सितंबर, १६०८ ; शि० एम० ए० प्राचीन भारतीय इतिहास और संस्कृति ; प्रका० सारनाथ का संक्षिप्त इतिहास, पुरातत्व संग्रहालय मथुरा की परिचय - पुस्तिका ; वि० पुरातत्व एव इतिहास के लेखक ; प० संचालक, प्रांतीय संग्रहालय, नीलरोड, लखनऊ ।

मदनमोहन परिहार—ज० २२ नवंबर, '२६ ; शि० इंटर ; सा० सभा० : संगीत नाट्य निकेतन, मंत्री . जोधपुर लेखक-संघ तथा सांस्कृतिक सहकारी समिति, जिला कांग्रेस कमेटी के सक्रिय सद० , प्रका० जलती रहे मशाल रे '५६, प्रतिनिधि हास्य कविताएँ, श्रम की होगी जीत रे, अधखुली लौ, माटी देवे हेलोरे, धरती हमें पुकारे; अप्र० कविताओं के दो संग्रह , प० १२६।१ ए, सरदार पुरा, जोधपुर।

मदनमोहन लाल दीक्षित—ज० ६ दिसंबर, १८८७ ; प्र० '१२ में , प्रका० अनुचरी या सहचरी, संसार सेवा, मोहनमाला, निर्जला एकादशी, परिवर्तन, क्रांतिकारी, उलटफेर, बेसिक कहानियाँ (पाँच भाग), विद्यार्थी कोश, सुलभकोश, राष्ट्रभाषा कोश, बाल कहानी, जादू की हाँडी, गुदडी का लाल वि लगभग ४० पुस्तक लिखी और अनेक में योग दिया, अनेक पाठ

पुस्तकों का संपा० किया ; वर्त० '४९ मे संचा० साहि० विभाग, हिंदुस्तानी बुकडिपो, लखनऊ ; प० रामनिवास, चारबाग, लखनऊ ।

मदनमोहन व्यास—ज० ३० दिसबर, '१९ ; शि० साहित्यशास्त्री वाराणसी '४२, हिंदी प्रभाकर पंजाब वि० वि० '३९, सा०रत्न सम्मे० प्रयाग '४५ , सा० सद० : संस्कृति परि० मुरादाबाद, भूत० संपा० 'बालविनोद' मुरादाबाद '३४-'३६ ; प्र० '३३ मे ; प्रका० भाव तेरे शब्द मेरे (काव्य) ; अप्र० माखनचोर, लव कुश, झंकार, एकाकी रूपक, मेरे निबंध ; वर्त० हिंदी-अध्यापक, पार्कर इंटरकालेज, मुरादाबाद ; प० पचपेडा, कटघर, मुरादाबाद ।

मदनमोहन शर्मा—ज० ९ सितंबर '१८ ; शि० एम० ए०, सा०रत्न ; मा० रा०भा०प्र० सभा वर्धा के प्रकाशन विभाग के अधिकारी ; प्रका० साहित्य परिचय (आलो० सिद्धान्त) ; वि० आलो० लेखों के चार संग्रह ; प० प्रकाशन विभाग, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, हिंदी नगर, वर्धा ।

मदनराज दौलतराम मेहता—ज० २८ नवबर, '३६ , शि० बी० ए० ; सा० अध्यक्ष : जोधपुर युवक कल्याण केंद्र, संपा० साप्ता० 'नया राज्य' एवं 'जोधपुर गाइड', सचा० 'एस० डी० एम० इंस्टीट्यूट आफ ओरियंटल रिसर्च', सद० 'एग्रुपुल्स वेलफेयर एंड कम्युनिटी डेवलपमेंट सेंटर' ; प्र० ४८ में ; प्रका० मरुथल तुझे चुनौती है (कवि०), नरपति के दो दुर्लभ काव्य (निबंध), स्वरलहरी , वि० दस हजार मे अधिक प्राचीन हस्तलिखित ग्रंथो की सूची तैयार की है ; प० दौलत भवन, ईदगाह के पीछे जोधपुर ।

मदनलाल जोशी—ज० '२४ ; शि० व्याकरणशास्त्री काशी, सा०रत्न सम्मे० प्रयाग, साहित्यमध्यमा कलकत्ता, मैट्रिक ; सा० सद० : म० प्र० हिं०सा० सम्मे० एवं म० प्र० राष्ट्रभाषा-प्रचार-समिति की कार्यसमिति ; प्र० '५९ में ; प्रका० कालिदास कृति-दर्शन '५९ ; अप्र० किरण (बालो०), ऋतुसंहार का पद्यानुवाद, अन्तर्नाद (कवि०) ; प० अध्यापक, जीवागंज, मंदसौर ।

मदनलाल शर्मा, डा०—ज० १९०९ ; शि० सा०रत्न, प्रभाकर, आयुर्वेदविशारद, एल० एच० एम० एस० ; सा० हिंदी प्रचा० सभा जोधपुर की कार्यकारिणी के भूत० सद०, उपाध्यक्ष : ना० प्रचा० सभा, उपमंत्री : 'मारवाडी रिलीफ सोसाइटी', हिंदूसभा एवं सेवामंडल जोधपुर, प्रचारमंत्री : गोपालक संघ जोधपुर, हिंदी अध्यापक सुमेर हाईस्कूल जोधपुर, संचा० शर्मन फार्मेसी ; प्रका० पँचमेल, मन की पीर, एक रात ; अप्र० यौवन के द्वार पर (कहा०) पौराणिक कहानियाँ, गुप्त रोग और उनका निरीक्षण आजाद भारत

आयुर्वेद विज्ञान, राजस्थान का गौरव (नाट०), गद्यगीत, नारी (उप०), गुड़िया राजा, हवाई घोड़ा (बालो०) प० शर्मन फार्मेसी, गिन्दीकोट, जोधपुर।

मदन, 'विनत'—सा० सर्वोदय साहि० मंडल की स्था०, 'अशोभनीय पोस्टर हटाओ' आंदो० में सक्रिय कार्य; प्रका० सर्वोदय गीतांजलि, सर्वोदय की प्रभातियाँ, कृष्ण पद्य-सागर; प० संचालक सर्वोदय साहित्य मंडल, ७७, बिरला नई लाइन, सब्जीमंडी, दिल्ली—६।

मदनसिंह तोमर—ज० १५ अगस्त, '३७; शि० परकोटा, सागर; सा० प्रधान संपा० मा० 'साकेत', सहसा ।] 'जयमहाकाल'; प्रका० स्फुट; अप्र० चार संग्रह; प० १०५, तोमर भवन, रामपुरा, सागर।

मदनस्वरूप, 'मनोज'—ज० १ मार्च, '३४; शि० इंटर, बी० एस० एस० रुड़की, '५६, मेरठ; प्र० '५२ में, प्रका० मधुवन (मुक्तक) '६२, देश की माटी तुम्हें पुकारे (संपा०) '६२; अप्र० चार कवि०-संग्रह; प० (१) अध्यापक, सी० डी० इंटर कालेज, हल्दौर। (२) रामाश्रम, बिजनौर।

मधुकर मिश्र—शि० बी० ए० कानपुर; ज्ञा० उर्दू, फारसी, अँग्रेजी, बंगला एवं गुजराती; सा० संस्था०, हिंदी साहि० समिति कानपुर एवं साहि० साधना केंद्र '६०; भूत० संपा० 'अभ्युदय' एवं 'विश्ववाणी'; प्रका० संकल्प, अमरसखा (अनु० इम्मार्टल फ्रेंड), शहीद इमाम हुसैन (पद्य); अप्र० टेनिसन लिखित 'इनाक आर्डन' का हिंदी अनु० एवं बौद्धधर्म-संबंधी लेखों के दो ग्रह; वि० लेखों-भाषणों पर पुरस्कार प्राप्त, 'शहीद इमाम हुसैन' (प्र० ?) पुरस्कार प्राप्त; प० ६६/१७२ मधुमंदिर, सदर बाजार, कानपुर।

मधुकर सिंह—ज० २ जनवरी, '३४; शि० मिदनापुर, बर्दवान एवं आरा, बी० ए०; सा० प्रचारमंत्री शाहाबाद हि० सा० सम्मे० आरा, भूत० संपा० साप्ता० 'विकास' आरा '५७-'६१, 'साप्ता० शाहाबाद' '६१ एवं 'कथाकार'; प्र० '४८ में; प्रका० खोए खत की आवाजें (उप०), लौटती शामें (कहा०) अप्र० तीन संग्रह; प० धरहरा, आरा, शाहाबाद।

मधुर शास्त्री (पुरुषोत्तम चंद्र शर्मा)—ज० '३०; शि० मेरठ, वाराणसी, दिल्ली; प्रका० संपा० नालंदा निबंध माला, तूलिका; अप्र० आभ्यंतर (काव्य), मन के शिलालेख, ? हिम राशि (कहा०), काले प्रश्न उजले उत्तर (उप०), चिंतना (निबंध); प० ५४, मिंटो रोड, नई दिल्ली।

मधुरिमा मिश्र, श्रीमती—ज० १ जून, '४०; शि० एम० ए० समाजशास्त्र, एल० टी० कानपुर, विशारद; प्र० '६१ में; प्रका० सांस्कृतिक लोक-

गीतों का समाजशास्त्रीय अध्ययन '६१ ; अप्र० मधु-संचय (कवि०), हिंदी की कवयित्रियाँ (संपा०) ; प० मिश्र भवन, किदवईनगर, कानपुर।

मधुसूदन चतुर्वेदी—ज० १० दिसंबर, '१०; शि० एम० ए० आगरा वि०वि०, 'पोस्टग्रैजुएट सर्टीफिकेट इन एजुकेशन' लंदन वि०वि०; सा० मंत्री : हिंदी-प्रचार-सभा हैदराबाद ; भूत०संपा० 'आर्यमित्र', 'दिनेश', 'दिवाकर', 'विजय' (आगरा) एवं 'उदय' (हैदराबाद); प्रका०-संपा० मा० 'कल्पना' हैदराबाद; प्र० '२८ में; प्रका० साहित्य, रजकण, टैस (अनु० उप०), झाँसी की रानी (नाट०) एवं अनेक पाठ्यपुस्तकें ; अप्र० अँग्रेजी नाटक साहित्य का इतिहास, प्रसाद का 'आँसू', विश्राम, मंजरी, यूरोप की डायरी एवं तीन-चार ग्रंथ ; वर्त० प्राचार्य, राजाबहादुर सरबसीलाल बालिका विद्यालय, बेगमबाजार, हैदराबाद; प० १४।७।५, बेगमबाजार, हैदराबाद।

मधुसूदन वाजपेयी—ज० '३० ; शि० हरद्वार, बी० ए० ; सा० सद० : अ० भा० राष्ट्रभाषा परिष्कार परि०, व्यवस्थापक . हिमालय एजेंसी कनखल, लेखनकला विद्यालय इलाहाबाद के संचा० तथा आचार्य, ईश्वर सेवक समाज के संस्था० अध्यक्ष, श्री वैद्यनाथ आयुर्वेद भवन प्रा० लि० कलकत्ता के भूत० प्रचाराधिकारी, सप्तर्षि आश्रम संस्कृत विद्यालय हरद्वार के दो वर्ष तक प्रधानाचार्य, सनातन धर्म हा० से० स्कूल में अध्यापक , भूत० संपा० मा० 'जीवन' कलकत्ता, मा० 'सचित्र आयुर्वेद' कलकत्ता एवं मा० 'चित्रा' ; सह-संपा० साप्ता० 'आर्यमित्र' लखनऊ ; प्र० '४७ में , प्रका० 'मानवधर्म मीमांसा' तथा 'राष्ट्रभाषा का इतिहास' के परिशिष्ट लेखक, 'संक्षिप्त रंगभूमि' के भूमिका-लेखक, विजय के स्वर (कवि०) ; अप्र० आध्यात्मिक चिकित्सा, आध्यात्म के स्वर, दिव्या (गीता का पद्यानुवाद), मेघदूत का अनु०, प्रेमचंद पर नयी दृष्टि, आधुनिक सुकरात अथवा पुत्र की दृष्टि में पिता, एकता के स्वर , वर्त० सरस्वती प्रेस इलाहाबाद में संपा० कार्य, प्रेमचंद- साहित्य के शोधकर्ता ; प० ८००।बी। २५, कल्याणी देवी, इलाहाबाद।

मधुसूदन शास्त्री—ज० चिरावा ; शि० आचार्य एवं दर्शनशास्त्री वाराणसी, एम० ए० आगरा वि०वि० , सा० साहित्य-विभागाध्यक्ष संस्कृत महाविद्यालय वाराणसी, संयोजक : संस्कृत साहित्यानुसंधान समिति वाराणसी, 'डीन आफ दि फैकल्टी आफ ओरिएंटल लर्निंग' वाराणसी, सभा० : राज० ब्राह्मणमंडल ; प्रका० रसगंगाधर लोचन, काव्यमीमांसा : मधुसूदनी विवृत्ति '३४ , व्यक्ति विवेक की मधुसूदनी विवृत्ति '३६, शृंगार तिलक. युवक

मोहिनी '३४, शास्त्रीय कार्यप्रणाली '४९ उत्तररामचरित ; अप्र० साहित्य मधुसूदन ; प० शास्त्री-भवन, भदैनी, वाराणसी ।

मनमोहन खन्ना (सरल)—ज० नजीबाबाद, बिजनौर ; शि० एम० ए०, बी०एस-सी० ; सा० प्राध्यापक महानंद मिशन कालेज, गाजियाबाद, 'धर्मयुग' के संपादकीय विभाग से संबद्ध; प्र० '४९ में; प्रका० प्यास : एक रूप दो (कहा०), प्रतिनिधि हास्य कहानियाँ, (संपा०) प्रतिनिधि ऐति० कहानियाँ (संपा०) प्रतिनिधि हास्य एकांकी (सपा०), पृथ्वी का अत (उप० अनु०), बालो० विज्ञान की कहानियाँ, साहस की कहानियाँ, धनुषबाण का पेड़; अप्र० कहानी, एकांकी एवं आलो० लेखों के दो-दो संग्रह; वि० पी-एच० डी० के लिए शोधकार्य-रत, प० ३८।३२४, एच० पी० एस० कालोनी, गोरेगाँव, बंबई—६२ ।

मनमोहन गौतम, डा०—ज० २४ जनवरी, '१८, कठौली, मेजारोड, प्रयाग; शि० बी० ए० '३९, एम०ए० '४१ प्रयाग वि०वि०, सा०रत्न सम्मे० प्रयाग '४८, पी-एच० डी० '५६ दिल्ली वि वि०; प्र० '४८ में; प्रका० प्राचीन कवि और काव्य '४८, हिंदी के गौरव ग्रंथ '५०, निबंधसुषमा '५१, हिंदी साहित्य का नूतन इतिहास '५२, साहित्यालोचन-सिद्धांत '५३, जायसी ग्रंथावली में पद्मावत भाष्य '५५, सरल भाषाविज्ञान '५७, सूर की काव्यकला '५८, हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास (षष्ठभाग, षष्ठ अध्याय) '६०, साहित्य-लहरी-भाष्य '६१; वि० 'सूर की काव्यकला' पर उ०प्र० सरकार से ७००) का पुरस्कार प्राप्त ; वर्त प्राध्यापक, दिल्ली कालेज, दिल्ली वि०वि०; प० ११४७, शोराकोठी, सब्जीमंडी, दिल्ली ।

मनमोहन मदारिया—ज० ३ अक्टूबर, '२९, बोहानी, नरसिंहपुर ; शि० एम० ए० हिंदी, एल-एल० बी०, बी०एस-सी०, 'डिप्लोमा इन जर्नलिज्म', प्रका० भारतमाता की जनमपत्री '५६, सूरज की धूप (एकां०) '५९, आज की लोककथाएँ '५९, चारदीवारी (उप०) '६०, बौने आदमी का मन्सूबा (कहा), गुदड़ी का लाल (बालो०), आँखमिचौनी, प्रेतलीला (अनु०); अप्र० सपने नहीं टूटते (उप०), वि० 'आज की लोककथाएँ' पर भारत सरकार से ५००) का पुरस्कार प्राप्त ; प० डी०।१०।१, लक्ष्मीबाई नगर, इंदौर ।

मनमोहन सहगल, डा०—ज० १५ अप्रैल, '३२ ; शि० एम० ए० हिंदी एवं दर्शनशास्त्र, सा रत्न, बी० टी०, पी-एच० डी० पंजाब वि०वि० ; प्र० '५० में; प्रका० भारतीय शिक्षा का इतिहास, पाठशाला-प्रबंध, शिक्षा-दर्शन, आधुनिक शिक्षाशास्त्री, समाजमनोविज्ञान, 'दि फिलासफिकल आस्पेक्ट्स आफ गुरु नानकस पोएटी' शोधग्रंथ अप्र० दो संग्रह वर्त अध्यक्ष हिं वि

शामलदास कालेज, अनुस्नातक वर्ग (हिंदी), गुजरात वि०वि०, भावनगर; प० ११८६ बी, कृष्णनगर, भावनगर (गुज०)।

मनोज श्रीवास्तव—ज० ९ अप्रैल, '३३, जौरा; शि० एम० ए० '५७, एल-एल० बी० '६१ ; प्र० '४९ में ; प्रका० अन्तर्दाह (गद्यगीत) ; अप्र० घाटी में सूर्यास्त (उप०) तथा तीन अन्य उप०; वर्त० अँग्रेजी के प्राध्यापक, राजकीय विद्यालय जौरा; प० द्वारा श्रीफतेलाल श्रीवास्तव, जौरा, वाया ग्वालियर।

मनोरंजनप्रसाद सिन्हा, 'मनोरंजन'—ज० १० अक्टूबर, १९००; शि० कलकत्ता एवं पटना, बी०ए० आनर्स हिंदी तथा अँगरेजी '२६, एम० ए० अँग्रेजी '२८ (स्वर्णपदक प्राप्त); सा० प्रथम असहयोग आंदोलन '२०-'२४ के सक्रिय कार्यकर्त्ता; भूत० प्रधानाध्यापक : श्रीगांधीआश्रम राष्ट्रीय विद्यालय काशी '२२, भूत० प्राध्यापक · कायस्थपाठशाला इंटरकालेज इलाहाबाद '२८-'२९ एवं अँग्रेजी विभाग काशी वि०वि० '२९-'३९; प्राचार्य : राजेंद्र डिगरी कालेज छपरा '३९-'६०, भूत० सभा० बिहार प्रादेशिक हि०सा०सम्मे०, हि०सा०सम्मे० के काशी अधिवेशन में युवक साहि० सम्मे० के स्वागताध्यक्ष '३९; प्र० '११ में; प्रका० फिरंगिआ, राष्ट्रीय मुरली, राजाकुँवर सिंह, भगवान हमारे गौतमबुद्ध, उतराखंड के पथ पर, गुनगुन, संगिनी ; वर्त० उपकुलपति हिंदी विद्यापीठ, देवघर; प० पड़ाव मुजफ्फरपुर, देवघर।

मनोहर प्रभाकर—ज० ५ फरवरी, '३१; शि० एम० ए० हिंदी एवं अँग्रेजी ; प्रका० विदा की साँझ (काव्य), इंद्रधनुष (काव्य-रूपक), राजस्थान की कहानी, जसमा और अन्य संगीतरूपक, 'मेघदूत' का राजस्थानी अनु०, रागरंग (एकां०), राजस्थान की रसगाथाएँ, लहरों की गोद मे, सुनो कहानी, एक था राजा, एक थी रानी, विंध्याचल की बेटी, चंदू की चौपाल, गाँवो मे बसता है भारत, धरती के गीत, एक था बालक, पप्पू के गीत, दादी की बात; वर्त० संपादक मासिक 'राजस्थान विकास', पंचायत एवं विकास विभाग, राजस्थान, जयपुर; प० सी० ११८, बापूनगर, जयपुर।

मनोहर रामचंद्र पालंदे—ज० २४ जून, १८९८ पूना ; शि० एम० ए० '२२ बंबई वि०वि० (तैलग स्वर्णपदक तथा वेडरबर्न छात्रवृत्ति प्राप्त), सा० भूत० प्राध्यापक एम० टी० बी० कालेज सूरत '२३-'४४ एव पोद्दार कालेज आफ कामर्स बंबई '४४-'५२; भूत० कार्यकारीसंपा० 'जिला गजेटियर्स' बंबई राज्य '५२-'६०, प्रधान संपा० 'जिला गजेटियर्स' गुजरात राज्य '६० से; प्र०'२६ में प्रका भारतीय संविधान का परिचय' ५५ वि अँगरेजी में अनेक

ग्रंथ लिखे हैं और अनेक 'जिला गजेटियर्स' का संपा० किया है; प० सनीगाइट, जिमखाना रोड, माटुंगा, बंबई—१९।

मनोहरलाल उनियाल, 'श्रीमन्'—ज० '१९ ; शि० देहरादून ; सा० '३८ में पर्वतीय साहि०परि० की स्था०, '३९ में संपा० मा० 'रजनी' देहरादून, '४५ में साप्ता० 'नया हिंदुस्तान' तथा 'सचित्र दरबार' दिल्ली में कार्य महमंत्री ' हिंदी साहि० समि० देहरादून, '४७ मे साहि० समद देहरादून तथा '५७ में पर्वतीय सांस्कृतिक सम्मे० की स्था०, आजकल संपा० 'पर्वतीय संस्कृति'; प्र० '३२ में ; प्रका० कवि० : विभा '४७, मंदाकिनी '५२, सुरभि '५७; वि० '४८ में 'गढ़कवि' की उपाधि प्राप्त, '४१ में हिंदी साहि० समिति की ओर से मानपत्र प्राप्त, '५२ में 'मंदाकिनी' पर दरबार साहब द्वारा ससम्मान पुरस्कार प्राप्त; प० ३३।ए, चकरौता रोड, देहरादून।

मनोहरलाल वर्मा—ज० १५ सितबर, '१९, मिर्जापुर, शि० बी० ए० प्रयाग वि०वि० '३९, सा०रत्न सम्मे० प्रयाग, प्रका० उप० प्रेमियों के पत्र '५२, मेरी भूल '५३, सुरासुंदरी '५४, क्यों और कैसे (ज्ञानविज्ञान), '५८, फूलों की लोककथाएँ '६०, बाइबिल की लोककथाएँ '६१, दक्षिणी अमेरिका की लोककथाएँ '६१; अप्र० जीवन निर्माण की कहानियाँ, चाय और सिगरेट, मुर्गी पालन, इटली की लोककथाएँ, मिश्र की लोककथाएँ, कोयले की खान में (बालो०); प० ई०-५२ ए, रेलवे कालोनी, मुरादाबाद।

मनोहर वर्मा—ज० ७ अगस्त, '३४, अजमेर ; प्र० '५५ में; प्रका० बालो० : डा० चपक और मचलू (उप०) '६१, भुलक्कड़ बिल्ली (कहा०) '६२, हम सब एक हैं (उप०) '६२, गाडी रुकी नहीं (एकां०); वि० साप्ता० 'न्याय' के दीपावली विशेषांक का संपा० '६०, प० ३३४, तोपदड़ा, अजमेर।

मनोहर शर्मा—ज० '१५, बिसाऊ, झुंझनू, शि० एम० ए०, सा०रत्न, काव्यतीर्थ; सा० सद० : राज० साहि० अकेडमी उदयपुर, अध्यक्ष : शेखावटी जनपदीय साहि० सम्मे० लक्ष्मणगढ़ एवं पृथ्वीराज जन्मदिवस-समारोह बीकानेर, संपा० त्रैमा० शोधपत्रिका 'वरदा' ; प्र० '३७ में ; प्रका० कवि० : अरावली का आत्मा, गीत कथा; अनु० राजस्थानी 'मेघदूत', राजस्थानी 'उमरखैय्याम', रससिद्ध रामनाथ कविया (आलो०), राजस्थानी लोकसंस्कृति की रूपरेखा, राजस्थानी रवींद्र-वाणी (अनु०) ; प० बिसाऊ (राज०)।

मनोहरसिंह डाँगी, शाह—ज० १२ अक्टूबर, १९०२, शि० डी०काम, सा०रत्न; सा० भूत० अध्यापक . राज० मिडिल स्कूल शाहपुरा '२० एवं दरबार हाईस्कूल शाहपुरा '३० प्रबंधक 'ओसवाल सुधारक' आगरा '३५ शाहपुरा

की अनेक संस्थाओं के मंत्री एवं सहमंत्री; प्रका० रियासत शाहपुरा का संक्षिप्त भूगोल, अप्र० बच्छावतों का उत्थान और पतन, रियासत शाहपुरा का इतिहास, भारत का स्वातन्त्र्य संग्राम, महात्मा गांधी, राजस्थान का इतिहास; प० ढांगी मोहल्ला, शाहपुरा, भीलवाड़ा (राज०)।

मन्नू भंडारी, यादव—ज० '३० ; शि० एम० ए०; प्रका० कहा० : मैं हार गई, तीन निगाहों की एक तस्वीर, एक पुरुष : एक नारी अकेली; उप० एक इंच मुस्कान ; प० प्राध्यापिका, रानी बिड़ला गर्ल्स कालेज, कलकत्ता।

मन्मथकुमार मिश्र—ज० ८ सितंबर, '१२; शि० एम० ए० राजनीति एवं इतिहास, एल-एल० बी० काशी वि०वि०, विशारद ; सा० सीकर नगर परि० के १५ वर्ष तक तथा नगरपालिका के '४४-'४५ में अध्यक्ष, राज० संगीत नाटक अकेडमी की कार्यकारिणी के सद०; प्रका० संपा० : हिंदु गौरव गान, धर्मप्रवेशिका, शेखावटी के कवि; अप्र० दो कविता एवं एक लेख-संग्रह; प० ऐडवोकेट, मिश्र-भवन, सीकर (राज०)।

मरुधर मृदुल—ज० १२ मई, '३१, शि० एम०ए० दर्शन, एल-एल०बी; सा०प्रधान : साहि०सदन जोधपुर '५१, संयोजक : अ०भा० कुमार साहि०परि० तृतीय अधिवेशन, दिल्ली में हुए एशियाई लेखक सम्मे० में राजस्थानी के प्रतिनिधि, सद० कार्यकारिणी राजस्थानी साहि० सभा०, प्रबंधसंपा० त्रैमा० 'रूपम' ; प्र० '४३ में : प्रका० स्फुट; अप्र० दो कविता एवं लेख-संग्रह ; प० वकील, हरीशजोशी मार्ग, स्टेशन रोड, जोधपुर।

मलयज—ज० '३३ ; शि० बी० ए० प्रयाग वि०वि० ; सा० विवेकानंद साहि० के जन्मशती हिंदी संस्करण के लिए विवेकानंद के पत्रों का अनु०, संयोजक 'परिमल' प्रयाग; प्र० '५५ में; प्रका० स्फुट; अप्र० दो कविता तथा कहानी-संग्रह; वि० 'नयी कविता' (४) मे रचनाएँ सक० ; मासिक 'लहर' के कविता-विशेषांक के संपा० '६० ; अँगरेजी से अनेक रचनाओं के अनु० किये हैं; प० १४७, मोहतशिम गंज, इलाहाबाद—३।

महताब अली—शि० बी० ए० आनर्स '४९, एम० ए० हिंदी '५२, संस्कृत '५९; प्र० '३६ में ; प्रका० महात्मागाँधी '४८, हिंदी व्याकरण-सोपान '५६, 'इंग्लिश ट्रांसलेशन ऐंड ग्रामर' '६, राधाकृष्ण अभिनंदन-ग्रंथ (संपा०) '५४, शेरशाह (अनु०) '६१ ; अप्र० दुक्खू (कहा०), संतोष (निबंध), चेखव की चुनी कहानियाँ (अनु०), मौलवी साहब, भारतीय शिक्षा का सुबोध इतिहास कथाकार राधाकृष्ण आधुनिक हिंदी कविता के विभिन्न वाद

आबेहयात अनु०; वि० 'हिंदी और उर्दू काव्य का तुलनात्मक अध्ययन' विषय पर शोधकार्य-रत; प० प्राचार्य, शिक्षक प्रशिक्षण विद्यालय, महर्षा (बिहार)।

महमूद अहमद, 'हुनर'—ज० १७ मार्च, '१८; सा० भूत संपा० 'हल' (उर्दू), हरिजन सेवक (उर्दू) एवं मा० 'नया हिंद' (पाँच वर्ष तक); वर्त० संपा० 'शाहकार' (उर्दू); प्र० '३२ में, प्रका० मुदुहास्य (संपा०) '३४, दीवाने गालिब तथा लगभग १००० कहानियों का उर्दू से अनु०; अप्र० दो संग्रह; प० सहसंपादक, मित्रप्रकाशन लि०, इलाहाबाद।

महातमराय, 'विनोद'—ज० १ जुलाई, '३६; शि० बी० ए० आगरा वि० वि०, एम० ए० गोरखपुर वि० वि०; प्रका० साधना '५८; अप्र० दो-संग्रह; प० हिंदी प्राध्यापक, गाँधी स्मारक इंटरकालेज, बरदह, आजमगढ़।

महादेव झा, 'सुदेव'—ज० २३ मार्च, '१६; शि० बेगूसराय, बी० ए० पटना वि० वि०, डिप० एड० पटना ट्रेनिंग कालेज, सा० भूत सहसंपा० मा० 'ग्रामसंदेश' सूर्यगढ़ा '५०-'५२ एवं 'ईस्टर्न एजुकेशनलिस्ट' '५४-'५६, भूत० संपा० मा० 'सर्वोदय संदेश' मुंगेर '५८-'५९; प्र० '३३ में; प्रका० कवि हिंद्र शक्ति '३४, प्रात.किरण '४५, कर्मक्षेत्र (गीतानुवाद) '४८, रक्षासूत्र '५२, दिग्दर्शन '५३, पूर्वमेघ (मेघदूत का अनु०), तथागत प्रबोधिनी (आलो०) '४८; प० प्रधानाध्यापक, पब्लिक हाई स्कूल, सूर्यगढ़ा, मुंगेर।

महादेवप्रसाद (काव्य-विशारद)—ज० १८९३, शि० मिडिल; प्र० '३७ में; प्रका० स्फुट, अप्र० गारीविलास एवं चार गीत-संग्रह, ८० हजारी वार्ड, हटा, दमोह।

महाराजनारायण मेहरोत्रा—ज० १२ अप्रैल, '२९; शि० काशीपुर एवं काशी वि० वि०, एम० एस-सी०; प्र० '५२ में; प्रका० स्फुट भूविज्ञान-संबंधी लेख; अप्र० पृथ्वी की आयु (यंत्रस्थ), वि० 'पर्यायवाची शब्दों' का संकलन-संपादन-कार्य; प० प्राध्यापक, भौमिकी विभाग, वि०वि०, वाराणसी।

महावीर कौशिक—ज० '३३, शि० साहित्याचार्य ऋषिकुल हरिद्वार, बी० ए० पंजाब वि० वि०; सा० व्यवस्थापक मा० 'लोकालोक' दिल्ली; प्रका० स्फुट गीत; अप्र० रजत रेणु (कवि०) एवं दो गीत-संग्रह; वर्त० वेदसूक्तों का हिंदी पद्यानुवाद कर रहे हैं; प० १०३ ए, कमलानगर, देहली।

महावीरप्रसाद मिश्र—ज० १ अगस्त, '१८; शि० बी० ए० इंदौर, सा० स्वराज्य आंदोलन के संबंध में नौकरी से त्यागपत्र देकर स्वतंत्र लेखन कार्य; सहसंपा० 'इंदौर-समाचार', प्रधानसंपा० 'संजय'; प्र० '३५ में, प्रका० दानव उप० '४६ संक्षिप्त बाल काव्य संपा० ६०

विश्व की कहानियाँ (अनु॰) '६२, भूखे की भीख (उप॰); प॰ प्रधान संपादक साप्ता॰ 'उदयन', गोलामंडी, उज्जैन।

महावीरप्रसाद, 'शशि'—ज॰ '३४; सा॰ संपा॰-प्रका॰ दै॰ 'हिंद' एवं साप्ता॰ 'राष्ट्रसेवा', प्रधानमंत्री मेरठ जिला हिंदी पत्रकार-संघ; प्रका॰ स्फुट; अप्र॰ चार संग्रह; प॰ संपादक 'हिंद', मेरठ।

महावीरप्रसाद श्रीवास्तव (बजरंगबली), 'अनुराग'—ज॰ १९००, लोहानीपुर, रायबरेली; सा॰ धार्मिक संस्थाओं में प्रचारकार्य; प्र॰ '३२ में, प्रका॰ स्फुट धार्मिक रचनाएँ; अप्र॰ मानस-अवगाहन, अनुराग-तरंगिणी, श्री मद्भागवत और श्रीराधा, परमधाम विज्ञान, आध्यात्मिक साधना का सार्वजनिक विकासक्रम, रामचरित मानस (सुंदरकांड) का पद्यरूपांतर; वि॰ 'मानस' के गहन अध्येता एवं आध्यात्मिक विषयों के सुप्रवचनकार; प॰ शिवपुरी, गनेशगंज, लखनऊ।

महिपाल शर्मा—ज॰ १५ जुलाई, '३७; शि॰ इंटर; सा॰ इंजीनियरिंग स्टाफ मजदूर यूनियन के मंत्री; प्र॰ '५४ में; प्रका॰ स्फुट कहानियाँ एवं गीत; अप्र॰ उप॰ : कमल के फूल, कल्पना-कलेवर, आंदोलन, सीमांत का प्रहरी (नाट॰), वर्त॰ लौह उद्योग 'सिमको', बिरला नगर ग्वालियर में निरीक्षक; प॰ कोठी नं॰ ४, रसूलाबाद, ग्वालियर।

महीपसिंह—ज॰ १५ अगस्त, '३०, शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी कानपुर '५४; प्र॰ '४९ में; प्रका॰ सुबह के फूल (कहा॰), स्वामी विवेकानंद (जीव॰), अप्र॰ दो कहा॰-संग्रह, वि॰ 'गुरु गोविंदसिंह और उनकी हिंदी कविता' पर शोधकार्य-रत; प॰ प्राध्यापक हिं॰वि॰, खालसा कालेज, बंबई—१९।

महेंद्रकुमार मुकुल—ज॰ जौरा, मुरैना; सा॰ संयोजक : बिहारी स्मारक समिति, संस्था॰ हिंदी साहि॰ साधना संसद, मंत्री हिंदी गल्पगोष्ठी एवं ग्वालियरी साहित्यकार परि॰; प्रका॰ एकांकी : धरती का बेटा, आराम हराम, गाँव जाग उठे; कहा॰ एक कथानक एक व्यथा; अप्र॰ बनवासी राम (नाट॰), टूटती चट्टानें : पिघलते पत्थर (उप॰), कली, फूल और काँटे (कहा॰); प॰ श्रीशिवराम कोले का बाड़ा, दानाओली, लश्कर, ग्वालियर।

महेंद्रकुलश्रेष्ठ—ज॰ '३९; सा॰ संपा॰ अँग्रेजी विभाग वि॰वैदिक शोधसंस्थान होशियारपुर, 'पाञ्चजन्य' लखनऊ तथा भारतीय विद्याभवन बंबई में कार्य किया; प्रका॰ पाँच-छह पुस्तकें; वि॰ अँगरेजी से अनेक रचनाओं के अनु॰ किये हैं; प॰ साधु आश्रम होशियारपुर

महेंद्रनाथ पांडेय—ज० १९०४, शि० सा० विशारद, भूगोलरत्न, एन० डी० डी० वाई० ; प्रका० मठा : उसके गुण तथा उपयोग, स्वास्थ्य के लिए शाक-तरकारियाँ, आँख का अचूक इलाज, फलाहार-चिकित्सा, दुग्ध-चिकित्सा, उपवास, शहद के गुण और उपयोग, तरोदिक, भोजन ही अमृत है, जीवन-तत्व, हमारा भोजन, हमारे बच्चे, प्रमेह-विवेचन, मधुमेह-चिकित्सा ; अप्र० बालकों के रोग और उनके इलाज, सेवा-शुश्रूषा, धातुक्षीणता, कल्प-चिकित्सा, नारी-सहायक, अचूक चिकित्सा, रामचरितमानस आदि अनेक ग्रंथ ; प० महेंद्र रसायनशाला, कटरा, इलाहाबाद ।

महेंद्रनारायण सिंह, '*मस्ताना*'—ज० ६ मार्च, '३६ खुरहान, सहर्षा, शि० खुरहान, शाहआलमनगर, बी० ए० '६२ भागलपुर वि० वि०, सा० संपा० मंडल के सद० मा० 'प्राच्य भारती' ; प्रका० अमर बलिदान (उप०) '५९ ; अप्र० तूणीर (कहा०), विहगिनी (कवि०), अधिकार (नाट०), इंसान की कब्र (उप०) ; प० खुरहान, शाहआलम नगर, सहरसा (बिहार) ।

महेंद्र भटनागर, डा०—ज० २६ जून, '२६, झाँसी ; शि० सबलगढ़, मुरार, उज्जैन, बी० ए० ग्वालियर '४५, एल० टी० देवास '५०, एम० ए० '४८ पी-एच० डी० '५७, नागपुर वि० वि०, सा० रत्न ; सा० प्रधान मंत्री, प्रतिभा निकेतन (देवास एवं धार), हिंदी साहि० परि० उज्जैन, अंतर भारती संसद उज्जैन, संचा० : युवक साहित्यकार संघ (धार एवं उज्जैन), संपा० 'पतवार', मा० 'संध्या' उज्जैन, त्रैमा० 'प्रतिकल्पा' उज्जैन ; प्र० '४४ में : प्रका० काव्य : तारों के गीत '४९, टूटती शृंखलाएँ '४९, बदलता युग '५३, अभियान '५४, अंतराल '५४, विहान '५६, नई चेतना '५६, मधुरिमा '५९, जिजीविषा '६० ; आलो० : आधुनिक साहित्य और कला '५६, दिव्या : एक अध्ययन '५६, विजय पर्व : एक अध्ययन '५७, समस्यामूलक उपन्यासकार प्रेमचंद '५७ ; कहा० : लड़खड़ाते कदम '५२, विकृतियाँ '५८ ; एकांकी : विक्रम भोज '५७, विद्याधर राजकुमार '५६ ; बालो० : हँस हँस गाने गाएँ हम '५७, बच्चों के रूपक '५८ ; वि० 'लड़खड़ाते कदम' पर म० प्र० शासन कलापरि० ग्वालियर द्वारा '५२ में २००) तथा 'समस्यामूलक उपन्यासकार प्रेमचंद' पर म० प्र० शासन साहि० परि० भोपाल द्वारा '५९ में ५००) का पुरस्कार प्राप्त, इनकी अनेक रचनाएँ अँगरेजी, चेक, कन्नड एवं गुजराती में अनू० ; वर्त० अध्यक्ष हि० वि० माधव स्नातकोत्तर महाविद्यालय उज्जैन प० रामकुंज मार्ग मा उज्जैन

महेंद्र भानावत—ज० १३ नवंबर, '३७, उदयपुर ; शि० बी० ए० '५८, एम० ए० '६२, सा० उदयपुर के भारतीय लोक-कलामंडल में अनुसंधान अधिकारी एवं प्रकाशन विभाग में लगभग ४ वर्ष तक कार्य, '६० में भारत सरकार के गृहमंत्रालय की प्रेरणा से मनिपुर-त्रिपुरा की आदिम जातियों का सांस्कृतिक अध्ययन ; प्रका० स्फुट ; अप्र० सांस्कृतिक लेखों के दो संग्रह, वर्त० उदयपुर के साहित्य संस्थान में त्रैमा० शोधपत्रिका के प्रबंध संपा० ; प० भंडारियों की घाटी, उदयपुर।

महेंद्र राजा जैन—ज० २३ सितंबर, '३२ ; शि० एम० ए०, सा०रत्न, एम० टी०, डिप० लिब० एस-सी०, 'फेलो आफ लाइब्रेरी ऐसोसिएशन' लंदन ; सा० संस्था० काशिका हिंदी सिंडीकेट, संचा०-संपा० 'साथी', सहसंपा० 'श्रमण' एवं 'शौंडिक' ; प्र० '४६ में ; प्रका० वाराणसी से ब्रिटेन, अँग्रेज अपने मुल्क में ; वर्त० ट्विकनहम सार्वजनिक पुस्तकालय के 'कैटेलागर ऐंड क्लासीफायर' ; प० १९८, सिद्धिगिरि बाग, बनारस—१।

महेंद्र रायजादा—ज० १ अगस्त, '२७ ; शि० एम० ए० हिंदी, सा०रत्न, आर० ई० एस०, प्र० '४६ में ; प्रका० स्फुट कहानियाँ, लेख एवं कविताएँ ; अप्र० आलो० लेखों के दो संग्रह. वि० कुछ ग्रंथों में रचनाएँ संक० ; प० प्राध्यापक हिं० वि०, गवर्नमेंट कालेज, सिरोही (राज०)।

महेंद्रसागर प्रचंडिया, डा०—ज० १२ सितंबर, '३२, शि० एम० ए० हिंदी एवं पाली, साहित्यालंकार, पी-एच०डी० आगरा वि०वि० ; सा० श्रमण सांस्कृतिक संघ की स्था० '५८ में एवं महामंत्री तथा संचा० ; सद० : कार्यकारिणी अ० विश्व जैन मिशन संगम आगरा ; प्रका० प्रमुख साहित्यकार '५८, काव्य-ज्योत्स्ना '६१, कवि और लेखक '६२; अप्र० साहित्यश्री (यंत्रस्थ) एवं दो आलो० लेख-संग्रह ; वि० 'हिंदी का बारहमासा साहित्य, उसका इतिहास तथा अध्ययन' पर पी-एच० डी० उपाधि आगरा वि० वि० से प्राप्त, 'विद्या-वारिधि' उपाधि प्राप्त, वर्त० अध्यक्ष हिं० वि० बारहसैनी कालेज, अलीगढ़ ; प० पीली कोठी, खिरनी गेट, अलीगढ़।

महेशचंद—ज० १९ नवंबर, '१८ ; शि० बी०एस-सी० आनर्स, एम० ए० अर्थशास्त्र, विशारद ; सा० भारत सरकार के योजना-आयोग के 'पैनल आन एग्रीकल्चर' के सद० ; प्रका० अर्थशास्त्र, ग्राम्यअर्थशास्त्र, भारत का आर्थिक भूगोल, भारत में औद्योगिक संगठन, भारतीय कृषि की आर्थिक समस्याएँ, अर्थशास्त्रीय विश्लेषण, वि० प्रथम चार पुस्तकों के सहलेखक, अँग्रेजी में अनेक पुस्तकें लिखी हैं उ० प्र० सरकार से 'भारत में औद्योगिक

संगठन' पर पुरस्कार मिला ; वर्त० उ० प्र० सरकार की ओर से 'हिक्स वैल्यू ऐंड कैपिटल' का अनु० कार्य, प्राध्यापक अर्थशास्त्र विभाग, प्रयाग वि० वि० ; प० १६३, ममफोर्डगंज, इलाहाबाद—३ ।

महेशचंद्र, 'सरल'—ज० २० जुलाई, '२२, जि० हरदोई ; गा श्रीसरस्वती सदन के प्रधानमंत्री, भूत० संपा० 'प्रकाश' एवं 'लोकसेवक', प्र० ४१ में ; प्रका० अंत्याक्षरी-प्रदीप, अंत्याक्षरी-पीयूष '५२, अन्न का देवता '५२, मरुभूमि (उप०)'५४, नदी और पत्थर (उप०)'५५, बालू की दीवार (कहा०) '५६, रचना-प्रदीप, अपठित चंद्रिका '५७, नया भारत, देश देश के बालक, धरती का बेटा (एका०) '५८, शिक्षाप्रद पौराणिक कथाएँ '५९, चन्दा-सूरज (कवि०) '६०, ज्ञानसागर '६१, कौन क्या है, नवीन जू० हा० स्कूल व्याकरण, काँटे (उप०) '६२ ; वि० उ० प्र० सरकार से ५००) का पुरस्कार प्राप्त, अप्र० तीन ग्रंथ ; प० सरल गृह, हरदोई ।

महेशचंद्र मोती—ज० २९ जनवरी, '३१ ; शि० इंटर ; मा० साहि० परि० दिल्ली के मंत्री ; प्रका० भूखा अंकुर (कहा०) ; अप्र० दो संग्रह, प० द्वारा इंडियन आक्सीजन लि०, नई दिल्ली—१५ ।

महेश मिस्त्री—ज० ३१ जनवरी, '३४ ; शि० बी० ए० आनर्स '५६, एम० ए० '५८, डिप० इन एड० राँची, मा० हिंदी साहि० परि० के उपमंत्री, सद० संपा०-मंडल 'शबरी' ; प्र० '५८ में ; प्रका० स्फुट रचनाएँ ; अप्र० दो-तीन संग्रह ; वर्त० प्राध्यापक, मारवाड़ी बहुउद्देशीय उच्चतर विद्यालय ; प० ग्वाला पट्टी, चक्रधरपुर, सिंहभूम ।

महेशशरण जौहरी, 'ललित'—ज० '२१, उज्जैन ; सा० भूत० सह संपा० 'नवयुग' दिल्ली, 'आगामी कल' खँडवा, 'विक्रम' बंबई, 'संग्राम' बंबई, 'नया जमाना' इंदौर एवं 'संग्राम' उज्जैन ; भूत० प्रधान संपा० 'मतवाला' दिल्ली, 'जनार्दन' मथुरा, 'देशबंधु' मथुरा, 'लोकतंत्र' शिमला ; प्र० '३८ में, प्रका० गीत : ज्वाला और ज्योति '४२, पथिक के स्वर '४३, मेघमल्हार '४५, अँधेरी-उजेरी '४८, आह्वान-विसर्जन '४८, कूल के फूल '५०, पर अब भी '५०, सुबह-शाम '५६, देवदास '५८ ; कहा० : बंधन मुक्त '४४, मिट्टी की दुनियाँ '४५, मुक्तिद्वार '५२, झंझा के मेघ '५४, अन्य : '४२ का भारतीय विप्लव '४६, मालव-मंथन '५०, बिखरे कण '५६, संपा० होलिका '४३, पद-चिन्ह '४४, सत्रह कहानियाँ '५३, अवंतिका '५६, ऊर्म्मिका '६२ ; वर्त० मा० 'संसार-संघ' के संपादकीय विभाग में कार्य ; प० 'संसार संघ'-कार्यालय- प्रताप कोठी, राजपुर, देहरादून ।

महेश संतोषी—ज० १४ नवंबर, '३५ , शि० एम० काम० लखनऊ वि० वि० ; प्र० '५२ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० दो कविता-सग्रह ; प० असिस्टेंट रजिस्ट्रार, कोआपरेटिव सोसाइटी, होशंगाबाद ।

माईदयाल जैन—ज० २७ जुलाई, १९०१, गोहाना, रोहतक; शि० बी० ए० आनर्स, बी० टी०; जा० अँगरेजी, उर्दू एवं संस्कृत; सा० भूत० संपा० 'जाति प्रबोधक' आगरा '२६-'२७; प्र० '३१ में; प्रका० मौलिक : सदाचार, शिष्टाचार और स्वास्थ्य, हमारा विधान, स्वतंत्र देश के नागरिक, अशोक चक्र, सरकार कैसे चलती है, बाहुबली और नेमिनाथ, ज्योतिप्रसाद; अनु० प्रभावशाली जीवन, टूटे हुए पर, अगुआ और बनफशे का फूल, यात्री, रेत और झाग, घाटी की परियाँ, बापू की झाँकियाँ, जयहिंद, धरती के देवता (यन्त्रस्थ), जिब्रान का गद्यकाव्य; पाठपुस्तकें मैट्रीक्यूलेशन जाग्रफी, मातृभाषा रीडर (४ भाग), जैनसमाज-दर्शन, देहात-सुधार, गांधी वाक्यामृत, फूल और काँटे (कहा०), कुछ छोटे कुछ बड़े; अप्र० नैतिक शिक्षावली, हिंदी शब्द रचना, धरती के देवता; वि० कुछ ग्रंथों का संशोधन भी किया है, उर्दू और अँगरेजी में भी कई ग्रंथ लिखे हैं; प० ४५६९, डिप्टी गज, दिल्ली—६ ।

मातादीन भगेरिया—ज० ९ अप्रैल, '१२; शि० बी०ए०; जा० गुजराती, सा० सद० : विश्वशांति परि०, 'सेंट्रल प्रेस ऐडवाइजरी बोर्ड', जयपुर विधान सभा, प्रांतीयकाग्रेस एवं 'आल इंडिया स्टेट्स पीपुल्स कांफ्रेंस'; जयपुर राज्यप्रजामंडल की कार्यसमिति के सद० एवं १२ वर्ष तक पदाधिकारी ; सभा० : राज० लेखकसंघ एव दिल्ली प्रातीय पत्रकारसंघ; मंत्री : राज० आर्य युवक मंडल, 'एशिया से दूर रहो' समिति के प्रबंधमंत्री तथा अन्य अनेक संस्थाओ के सभा० एव पदाधिकारी रहे ; भूत० प्रधानसंपा० 'प्रगति', 'नवयुग', 'हिंदी टाइम्स', 'उत्थान', 'आलोक' एव 'नवभारत टाइम्स' (दिल्ली, कलकत्ता तथा बंबई, तीनों संस्करण); भारतीय डेलिगेशनों के सद० रूप में चीन, रूस आदि की यात्रा, '३० के नमक सत्याग्रह-आदोलन में कारावास; प्र० ३० मे ; प्रका० नाट० : दिव्य कुमार का देशाटन; महा० : तरुण तपस्वी एवं गाँधी मानस; खंड० : कमला-जवाहर; एका० : अतीत-पूर्णिमा, अतीत-गौरव, पसीने की शोणभद्र एव कांबुज के यात्री; उप० : जिंदगी की गलियो मे; राज्यश्री (नाट०) तथा कई राजस्थानी रचनाएँ एवं कहा०-संग्रह ; वि० 'तरुण-तपस्वी' प्रांतीय हि०सा०सम्मे० दिल्ली द्वारा पुरस्कृत ; प० गोर्की कुटीर १५९१ ई कमलानगर दिल्ली ६

माताप्रसाद गुप्त, डा०—ज० १६०६ ; शि० एम०ए० '३२, एल-एल०बी० '३३, डी० लिट० '४० प्रयाग वि०वि०; प्र० '३२ में ; प्रका० तुलसीदास (शोध-ग्रंथ), तुलसी-संदर्भ, कवितावली, पार्वतीमंगल, हिंदी पुस्तक-साहित्य, जायसी-ग्रंथावली आदि बारह ग्रंथ, कविवर बनारसीदास जी के अर्द्धकथानक का संपा०; अप्र० शताधिक शोध-निबंधों के चार संकलन ; वि० अनेक वर्षों तक प्रयाग वि०वि० में हिंदी प्राध्यापक और रीडर रहे, अब राजस्थान वि०वि० में हिंदी-विभागाध्यक्ष; प० अध्यक्ष हिं वि०, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर ।

माधवचरण द्विवेदी, 'माधव'—ज० १८८८ , जा० संस्कृत; भा० भूत सहसंपा० 'काव्य सुधाकर', संचा० बिसवाँ कविमंडल; प्रका० माधव-मधुप '५६; अप्र० चार संग्रह, प० पैदापुर, बिसवाँ, सीतापुर ।

माधवलाल व्यास, 'गुणवंत'—ज० मई '३६ नागपुर; शि० बी० ए० '६१, संगीत-कोविद ; प्रका० संगीत-संबंधी स्फुट लेख ; वर्त० 'भारतीय संगीत में समीक्षा की परंपरा' विषय पर पी एच० डी० के लिए शोधकार्य; प० संगीत-व्याख्याता, श्रीराम संगीतमहाविद्यालय, रायपुर ।

माधवशरण, 'कुमुद'—ज० '२१, शि० सा०भूषण, विशारद ; सा० संस्था० साहित्यागार संस्था संचा०-संपा० मा० 'आलोक' ; प्र० '४१ में ; प्रका० कर्मवीर बालगोविंदप्रसाद (जीव), गोदावरी, चाँवरी (खड०), पिंगल-पीयूष; प० साहित्यागार, बगही, पुरैना, वाया लौरिया, चंपारण ।

माधव शर्मा—६ फरवरी, '३७; शि० रतननगर एवं चुरू; सा० कई साहित्यिक संस्थाओं में सक्रिय कार्य, संपा० : साप्ता० 'वक्त की आवाज' हिसार, साप्ता० 'लोक परिवर्तन' देहरादून, पाक्षि० 'सुमति' चुरू, साप्ता० 'लोकमंच' चुरू एवं साप्ता० 'राजस्थान स्टैंडर्ड' कलकत्ता, प्र '५२ में; प्रका० सपनों की सौगात (कहा०) '६१, प्रवाह (कवि०) '५६, जाग देश के जवान (कवि) '६२; प० मानव भारती प्रकाशन, चुरू (राज०) ।

माधवसिंह, 'दीपक', कुँवर—ज २७ जुलाई, '३ झालवाड; शि बी० ए० प्रयाग वि०वि०, एम०ए० लखनऊ वि वि० , प्र० '५६ में; प्रका० सात सौ गीत '५६, लावण्यमयी (२०० गीतों का संग्रह), बलभद्रप्रकाश (खड०), गोलीमनोव (नाट०), बोलती लहरें (उप०), तलवार की छाया (उप०), रेत की आग (उप०), अप्र० स्फुट रचनाओं के चार संग्रह; वर्त० अनुसंधान सहायक, सेंट्रल हिंदी डाइरेक्टरेट, संवाददाता तथा सचिव पी० ई० एन० पत्रिका बंबई एवं दिल्ली प जड ३६ नई दिल्ली १२

माधवाचार्य दीपचद, आचार्य—ज० ३ अक्टूबर, १९०७ बलदेव, मथुरा ; सा० अध्यक्ष . दक्षि० भा० संस्कृत साहि०सम्मे० सोलापुर '४५, अ० भा० संस्कृत राष्ट्रभाषा हितकारिणी सभा बबई, अ० भा० सस्कृत साहि०सम्मे० बबई अधिवेशन '५६, महाराष्ट्र सस्कृत परि '६२ के बबई अधिवेशन की कार्यकारिणी समिति, अ भा० आदिगौड अहिवासी ब्राह्मण युवकसघ, ज्ञानलता मडल के एक वार्षिक अधिवेशन. कान्यकुब्ज मंडल के बबई अधिवेशन एव 'कविनायन' बबई , उपाध्यक्ष . अ०भा० संस्कृत साहि सम्मे० चित्तौड अधिवेशन, बबई राज्य हि मा०सम्मे०, महाराष्ट्र राज्य हि०सा०सम्मे, वर्णाश्रम स्वराज्य सघ बबई, अ भा० श्रीवैष्णव सम्मे० बबई की स्वागत-समिति एव अ०भा० संस्कृत साहि० का कविसम्मे , प्रतिनिधि वर्णाश्रम स्वराज्य-संघ विद्वत परि० विदर्भ एवं बबई वि०वि० भा०हिंदीपरि० काशी अधिवेशन '५६; प्राध्यापक एव आचार्य . भिवानी ऋषिकुल ब्रह्मचर्याश्रम, सस्कृत कालेज लक्ष्मणगढ़, चुरू ऋषिकुल ब्रह्मचर्याश्रम, महर्षि सौभरि ऋषिकुल ब्रह्मचर्याश्रम, महावीर ऋषिकुल ब्रह्मचर्याश्रम एवं भा०विद्याभवन बंबई , जगद्गुरु श्रीमद्अनताचार्य महाराज के सचिव एव संस्थानशास्त्री के रूप मे दर्शनशास्त्र पर प्रवचनकर्ता; प्रका० वात्सायन महर्षि प्रणीत कामसूत्र एव यशोधरा विरचित जयमगला पर पुरुषार्थ प्रभाभाषा टीका, व्रतराज भाषाटीका, कबीर मसूर परिष्कृत हिंदी अनु०, महर्षिप्रवर श्रीसौभरि जी महाराज और उनका आदि गौड अहिवासी ब्राह्मण वश, ब्रजराज श्रीबलदेव (दाऊजी) महाराज तथा उनका प्रियधाम बलदेव (दाऊजी) नगर आदि लगभग पचास ग्रंथ एव पॉच सौ लेख; अप्र० लगभग सौ ग्रंथ तथा स्फुट लेख ; वर्त० अध्यक्ष हि०वि०, सिद्धार्थ कालेज, बबई ; प० जर्मन सिल्वर बिल्डिंग, ५ माला, दूसरा मोईवाडा, भोलेश्वर, बबई ।

माधवाचार्य, शास्त्री—ज० १९०२, सा० विदेशों मे भारतीय संस्कृति का प्रचारकार्य, संपा० मा० 'लोकालोक' ; प्रका० पुराण-दिग्दर्शन, क्यो ?, सनातनधर्म, श्राद्ध-विज्ञान, हमारे पर्व-त्योहार एवं गृहलक्ष्मी , अप्र० चार लेख-सग्रह ; प० १०३ ए०, कमलानगर, देहली ।

माधवी कुमारी—ज० ३० अक्टूबर, '३२ इलाहाबाद ; शि० एम० ए० हिंदी प्रयाग वि०वि०; सा० संस्था० 'सुरभि' इलाहाबाद , प्रका० बहते बादल (कहा०), माधवानल कामकंदला (संपा०); अप्र० एक कहा० संग्रह तथा एक उप०; वि० 'हिंदी उपन्यासों की शिल्पविधि का विकास' विषय पर प्रयाग वि० वि० से शोधकार्य-रत० प० (१) ८ हेस्टिंग्स रोड. इलाहाबाद । (२) रानी वीमस कालेज राची

माया देवी, श्रीमती—प्रका० कन्या-धर्म-शिक्षा, अप्र० पाकशास्त्र एवं दो अन्य ग्रंथ; प० साहित्य कुटीर, डलीगली, भरतपुर।

मायारानी टंडन, डा०—ज० २७ जनवरी, '३७, आगरा, शि० बी०ए० '५४, एम०ए० '५६, आगरा वि० वि०, पी-एच० डी० '५८ लखनऊ वि० वि०; सा० संपा० मा० 'रसवंती' लखनऊ '५७ से, प्र० '५७ में; प्रका० अष्टछाप काव्य का सांस्कृतिक मूल्यांकन (वृहत् एवं संक्षिप्त संस्करण) '६०, काव्यशास्त्र की रूपरेखा '६२; अप्र० भारतीय संस्कृति एवं मीरा काव्य का सांस्कृतिक अध्ययन; वि० 'हिंदी कृष्ण काव्य का सांस्कृतिक मूल्यांकन' विषय पर लखनऊ वि० वि० की डी० लिट् उपाधि के लिए शोधकार्य-रत; 'अष्टछाप काव्य का सांस्कृतिक मूल्यांकन (शोधग्रंथ) पर उ० प्र० हिंदी समिति से ५००) का पुरस्कार प्राप्त, प० 'भोला-निकेतन', सोंधी-टोला, चौक, लखनऊ—३।

माया शर्मा—ज० '३२; शि० बी०ए०; प्रका० घर की सफाई; अप्र० तीन संग्रह, वर्त० संपादिका 'महिला' और बालपृष्ठ 'नवभारत टाइम्स' दिल्ली; प० डी० ३१८, डिफेंस कालोनी, नयी दिल्ली।

मार्कंडेय—ज० जून, '३२; शि० एम० ए० प्रयाग वि० वि०; प्र० '५२ में; प्रका० सपने तुम्हारे थे (काव्य), सेमल का फूल (उप०); कहा०: पान फूल, महुए का पेड़, हंसा जाई अकेला, भूदान, माही, अप्र० दो संग्रह एवं एवं एक उप०, प० २ डी०, मिंटो रोड, इलाहाबाद।

मार्तंड दामोदर पुस्तके, डा०—ज० २८ दिसंबर, १८८४, बडनगर, ग्वालियर, शि० उज्जैन एवं इंदौर; सा० '३७ तक ग्वालियर के स्वास्थ्य विभाग में कार्य, शिक्षा-विभाग एवं नगरपालिका के भूत स्वास्थ्य-अधिकारी; सभा० अ० भा० 'लाइसेंशियेट्स ऐसोसिएशन' '४७, संचा० मा० 'आरोग्य मित्र', मराठा-वाचनालय एवं प्रौढशिक्षणशाला, प्रका० आरोग्य मार्ग-दर्शिका, आहार और शरीर-पोषण; अप्र० स्वास्थ्य-संबंधी दो ग्रंथ, प० पुस्तके-औषधालय, नया बाजार, लश्कर, ग्वालियर।

मावलीप्रसाद श्रीवास्तव—ज० २ फरवरी, १८८४ फिनगेश्वर, रायपुर; शि० रायपुर, मैट्रिक '१५ प्रयाग वि० वि०, सा० जबलपुर से प्रकाशित मा० 'श्रीशारदा' का अनेक वर्षों तक संपादन किया, '१४ से '२६ तक स्व० माधवराव सप्रे के साथ कार्य किया; प्र० '१४ में; प्रका० अनु०: विश्व का इतिहास, भारतवर्ष का इतिहास, अप्र० प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लगभग एक सहस्र कविताओं, लेखों एवं कहानियों के बारह संग्रह; वि० म० प्र० हिं० सा० सम्म० के १६वें वार्षिक अधिवेशन दुर्ग में

अभिनंदन-पत्र' एवं छत्तीसगढ़ विभागीय हि॰सा॰ सम्मे॰ के नवें वार्षिक अधिवेशन में 'मानपत्र' भेंट किया गया, द्विवेदी-युग के लेखक तथा कवि, सरस्वती' के प्रतिष्ठित लेखक, प॰ पुरानी बस्ती, कायस्थ पारा, रायपुर।

मासूमरज़ा, 'राही'—ज॰ १ अगस्त, '२७, गाजीपुर, शि॰ एम॰ ए॰, प्र॰ '५० में ; प्रका॰ मुहब्बत के सिवा (उप॰), नया साल (कवि॰), १८५७ (महा॰), रक्शे मय (काव्य॰) ; अप्र॰ १८५७ (हिंदी), भैरवी (कवि॰), आँगन का फूल (उप॰), अप्र॰ तीन-चार संग्रह ; वि॰ 'तिलस्म होशरुबा में भारतीय जीवन' पर शोधकार्य-रत, उर्दू में भी कई पुस्तकें लिखी है ; प॰ बली मंजिल, बदरबाग, अलीगढ़।

माहात्म्यसिंह चौहान—ज॰ ३० दिसंबर, १९०८ ; शि॰ सी॰ टी॰, सा॰रत्न ; सा॰ स्थानीय हिंदी साहि॰ परि॰ के अध्यक्ष ; प्र॰ '३० में ; प्रका॰ पुष्प (कवि॰), हीरा मोती (कहा॰), विद्यार्थी तथा कई पाठ पुस्तकें ; प॰ अध्यापक, रूँगटा उच्च॰ माध्य॰ विद्यालय, चाईबासा (बिहार)।

माहेश्वरीसिंह महेश, डा॰—ज॰ पकरिया, भागलपुर ; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी तथा मैथिली, पी-एच॰ डी॰ लंदन ; सा॰ भूत॰ संपा॰ 'विश्वमित्र', 'लोकमान्य', 'बीसवी सदी' एवं 'गंगा'; संपा॰ 'चंपा॰' एवं 'शालि संदेश' ; प्रका॰ सुहाग, युगवाणी, अनलवीणा, स्वावलंबन, हिंदी भाषाव्याकरण, रामकथा रस, सरलराजनीतिविज्ञान, अंगिका : भाषा और साहित्य, पंचमी, सप्तमी, अष्टमी, एकादशी, अमावस्या ; प॰ प्राध्यापक स्नातकोत्तर हिंदी विभाग, वि॰ वि॰, भागलपुर—६।

मित्रेश्वर प्रधान—ज॰ ८ सितंबर, '३४ ; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी, एम॰ काम॰, सा॰रत्न ; सा॰ भूत॰ प्राध्यापक, दयानंद आर्य विद्यालय एवं हिंदी साहित्य महाविद्यालय लश्कर, कई पत्रों के स्थायी 'स्तंभ-लेखक' ; साहि॰ संस्था 'आलोकन' से संबद्ध ; प्र॰ '५४ में ; प्रका॰ संगम पर मिलती धाराएँ ; अप्र॰ गीत-पाती एवं दो संग्रह ; वर्त॰ मध्यप्रदेश शासन में जिला विपणन अधिकारी ; प॰ ३६ चित्रगुप्तगंज, भिंड (म॰ प्र॰)।

मिथिलेश कांति, डा॰—ज॰ १५ मई, '२८, बाराबंकी ; शि॰ बी॰ एस-सी॰, एम॰ ए॰, एल-एल॰ बी॰, डिप॰ एल॰ एस॰ सी॰, डिप॰ इन॰ एड॰, डी॰ फिल, प्रयाग वि॰ वि॰, सा॰रत्न (दो स्वर्णपदक प्राप्त) ; प्र॰ '४६ में, प्रका॰ पुस्तकालय विज्ञान-निर्गम पद्धतियाँ '६२, हिंदी भक्ति-शृंगार का स्वरूप '६३ ; अप्र॰ हिंदी भक्तिकाव्य में शृंगार रस पाठालोचन-परिचय हिंदी

की शिक्षा, शिक्षा-मनोविज्ञान एवं दो संग्रह ; वर्त० हिंदी विभागाध्यक्ष, नेतरहट विद्यालय, राँची ; प० नेतरहट, राँची ।

मिश्रीलाल जैन, 'तरंगित'—ज० २ जुलाई, '१५ : शि० एम० ए० हिंदी, एल-एल० बी०, सा०रत्न, प्र० '३५ मे , प्रका० स्त्रियों के कार्यक्षेत्र क्या हों '३५, व्यंग्य-विनोद (लघुकथाएँ) '५०; अप्र० चटीले चुटकुले, इनस मिलिए, उलटी गंगा, व्यंग्य एकांकी, वसंती बाबू के उच्च हिंदी पत्र, वि० राजस्थानी और अंगरेजी मे भी लिखते हैं ; वर्त० राजकीय विद्युत मंडल-कार्यालय-अधीक्षक ; प० ७४३ सरदारपुरा, वखतसागर तट, जोधपुर ।

मुंशीराम शर्मा, डा०—ज० ३० जनवरी, १८०१ ; शि० बी० ए० प्रयाग वि० वि० (स्वर्णपदक प्राप्त), एम० ए० संस्कृत '२६ पंजाब वि० वि०, एम० ए० हिंदी '२८, पी-एच० डी० '५१, डी० लिट '५६ आगरा वि० वि० । सा० भूत० अध्यक्ष हिं० वि०, डी० ए० वी० कालेज कानपुर ; प्रका० काव्य संध्या-संगीत, श्रीगणेश गीतांजलि, भक्ति-तरंगिणी, श्रुति-संगीतिका, जीवन-गीत, सोम-सुधा , आलो० हिंदी साहित्य के इतिहास का उपोद्घात, सूर-सौरभ, पद्मावत का भाष्य, भारतीय साधना और सूर-साहित्य, कबीर वचनामृत, सूरदास और भगवदभक्ति, भक्ति का विकास, जीवन-दर्शन , अन्य : आर्यधर्म, संध्याचिंतन, महाभारत और श्रीकृष्ण, प्रथमजा, सारस्वत (निबंध), कविकुल-कीर्ति, वैदिक विकास-पद्धति , अप्र० वैदिक निबंधावली, रागात्मिका, आर्यसंस्कृति, वेद-सुधा (अर्थसहित मंत्र-संग्रह), वैदिक ऋत, साहित्यशास्त्र, चरित-संग्रह, विरहिणी (महा०) ; वि० 'सूर-सौरभ' ब्रज साहि० मंडल द्वारा पुरस्कृत, 'भारतीय साधना और सूर साहित्य' पर उ०प्र० सरकार से एक सहस्र मुद्राओ का पुरस्कार प्राप्त, 'भक्ति का विकास' पर उ० प्र० सरकार द्वारा एक सहस्र मुद्राओं का तथा डालमिया पुरस्कार समिति द्वारा ग्यारह सौ मुद्राओं का पुरस्कार प्राप्त ; विभिन्न शिक्षा-संस्थाओ को आपने लगभग दस हजार रुपयो का दान दिया है; प० ८/१४१, आर्यनगर, कानपुर ।

मुकुंदसिंह—ज० '११ , शि० शास्त्री '२३, विशारद '४२ ; सा० स्थानीय सार्वजनिक पुस्तकालय, हिंदी साहि० समिति आदि में कार्य, भूत० संपा० 'शतदल' '४२ में ; प्रका० राष्ट्रपति-स्तवन, नेहरू-स्तवन, स्वामी का स्वागत, हृदयोद्गार, बहादुर-विनोद, वर्षगाँठाष्ठक, प्रताप-पचासा ; अप्र० स्तुतिसार, सत्यनारायण कथाभाषा, बेटाविछोह, बेटा वियोग-बावनी एवं दो संग्रह प० काला महल सूरजपोल बूँदी

मुकंदीलाल—ज० १८८५ चमोली, गढवाल ; शि० अलमोडा, इलाहाबाद, वाराणसी, बरेली, कलकत्ता एवं आक्सफोर्ड; बी० ए०, बार-ऐट-ला '१७ ; सा० टिहरी राज्य उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, 'इंडियन टर्पेंटाइन क० के भूत० प्रबंधक, बंग-भंग-आंदोलन मे सक्रिय भाग, गढ़वाल के कुली विरोधी आंदोलन के सफल संयोजक, भूत० संपा०-प्रका० मा० 'तरुण कुमार' '२१-'२३, सद० विधान सभा उ० प्र० के तीन बार ; प्र० १९०५ में ; प्रका० महात्मा गाँधी (जीवनी) '१३ ; अप्र० गढवाली चित्रकला, गढवाल का इतिहास, मेलाराम की जीवनी एवं कला तथा चित्रकला-संबंधी अनेक शोधपूर्ण निबधो के चार संग्रह ; वि० गढवाली एवं अँगरेजी मे भी १९०७ से लिखते रहे है, चित्रकला-संबंधी अनेक लेखमालाएँ विशिष्ट पत्र-पत्रिकाओ मे लिखी हैं ; प० भारतीभवन, कोटद्वारा, गढवाल।

मुकुटधर पांडेय—ज० १८९५ ; शि० वालपुर, रायगढ़ एवं प्रयाग ; सा० 'छायावाद' पर हिंदी में सर्वप्रथम लेखमाला के लेखक, प्र० १९०९ में ; प्रका० पूजा-फूल, शैलबाला, लच्छमा, हृदय-दान, परिश्रम ; अप्र० आलो० लेखो के चार पाँच सग्रह, वि० भारत-धर्म-महामडल काशी से रजतपदक एवं प्रमाण-पत्र, 'माधुरी' द्वारा स्वर्णपदक, रायगढ-दरबार द्वारा 'साहित्य-विशारद' की उपाधि एवं म० प्र० हि०सा० सम्मे० द्वारा रजतमजूषा मे मान-पत्र प्राप्त ; प० रायगढ।

मुकुटबिहारी अग्रवाल—'१० ; शि० मैट्रिक '३३ ; प्रका० उपयोगी बाते '५१, विविध विज्ञान पर खोजें '५५, आत्मविज्ञान '५७ ; अप्र० वैज्ञानिक लेखों के दो संग्रह , प० कैपरगंज, रायबरेली।

मुकुट बिहारी सरोज—ज० २६ जुलाई, '२६ ; शि० एम० ए०, सा०रत्न , प्र० '५९ मे ; प्रका० किनारे के पेड़ (कवि०) अप्र०; स्फुट रचनाओ के दो संग्रह ; प० खासगी, लश्कर।

मुन्नालाल दवार्ने—ज० ३ अक्टूबर, '३२ ; शि० मैट्रिक, सा०रत्न ; सा० स्थानीय हिंदी साहि० समिति (विदर्भ हि० सा०सम्मे० की शाखा) के पाँच वर्ष तक प्रधानमत्री रहे, रामायण-मडल के संस्था० तथा मत्री ; प्र० '५७ में ; प्रका० तीन ग्रंथ तथा स्फुट कहानियाँ ; अप्र० एक उप० ; वि० कहा० प्रतियोगिताओं में १५ बार पुरस्कृत ; प० अध्यापक, गाँधी चौक, आर्वी, वर्धा।

मुन्नीलाल गुप्त—ज० २५ दिसंबर, १८९९, सागर ; शि० जबलपुर, वर्धा- नागपुर बिलासपुर एवं सागर- विशारद ' सा० सार्व० संस्थाओ के सद एव मत्री सरस्वती वा के पु जिला काग्रेस

के सद० ; प्रका० बालबोध, बालसाथी, हमारे बापू, भारत की ऐतिहासिक कहानियाँ , अप्र० कल्पना शेष, स्वतंत्रता ही ध्येय, बच्चों से सीखने की बातें एवं स्फुट रचनाओं के चार संग्रह ; प० रामपुरा रोड, सागर ।

मुरलीधर झा—ज० ३१ मार्च, '३१ ; शि० गोड्डा, बी० ए० आनर्स '५३, एम० ए० '५६ भागलपुर , सा० त्रिवेणी-स्मारक प्रवेशिका विद्यालय में अवै० हिंदी प्राध्यापक, सद० भागलपुर वि नि० परिषद एवं विज्ञान-अधिकाय , प्र० '५३ में ; प्रका० स्फुट निबंध, आलो०, कहा आदि ; प० हिंदी-प्राध्यापक, संथाल परगना डिग्री कालेज, दुमका ।

मुरलीधर दिनोदिया—ज० '१० ; शि० बी० ए०, एल०-एल० बी ; सा० स्थानीय साहित्यिक संस्थाओं में सक्रिय सहायता, भूत० संपादक मासिक 'एकता' ; प्रका० स्फुट ; अप्र० तीन-चार संग्रह ; प० दिनोद, भिवानी, हिसार ।

मुरलीधर दीक्षित, 'भ्रांत'—ज० १५ नवंबर, १९०५, कटंगी, नरसिंहपुर ; शि० सागर, जबलपुर, संस्कृत कोविद (प्रथम, प्रथम) बंबई ; स्थानीय माध्य० शाला के भूत० अध्यापक '२५-'४४, म० प्र हि० सा० स० की स्थायी समिति के भूत० सद० ; प्रका० झाँसी की रणचंडी (काव्य), जनपदी (गीत), किरातार्जुनीय (पद्यानुवाद) ; अप्र० चार संग्रह ; प० प्रधानाध्यापक, ए० सी० सी० प्रा० शाला, (सीमेंट फैक्टरी), कटनी ।

मुरलीधर नारायणप्रसाद—ज० १ जनवरी, '१५ ; शि० बिहारशरीफ, पटना एवं सेवाग्राम (वर्धा), एम० ए० हिंदी, सी० टी , बी० टी० ; सा० संस्था श्रीसरस्वती पुस्तकालय ; प्र० '३७ में ; प्रका० कल्पतरु ; अप्र० तरंग एवं दो संग्रह ; प० (१) धनावाँ, परबलपुर, पटना । (२) उपप्राचार्य, राजकीय बहुउद्देशीय विद्यालय, लथलथ, मुंगेर ।

मुरलीधर श्रीवास्तव, 'शेखर' - ज० ३१ मार्च, '११, प्रयाग ; शि० एम० ए० '४१, एल-एल० बी० '३२ प्रयाग वि० वि०, सा०रत्न '३१ (श्रीधर स्वर्णपदक प्राप्त) ; सा० हिंदी-प्रचार-समिति वर्धा में साहि०-निर्माण-कार्य '३७-'३८, भूत० मंत्री सारन जिला साहि सम्मे० एवं जिला पुस्तकालय संघ, कुछ दिन वकालत की, '४१ से हिंदी प्राध्यापक, डिगरी कालेज में प्राचार्य '५८-'६१ ; प्रका० मीराबाई का काव्य '३४, वल्लरी (कवि०) '४६, बिहार की काव्य-साधना '५०, दिनकर की काव्य-साधना '५२, मीरा-दर्शन '५६, बिहार के आधुनिक गद्य-निर्माता '५७, कुटी का क्रंदन (खंड०) '५७, गीता-जलि (पद्यानुवाद) '५८ हिंदी '६१ अप्र हिंदी धातु-कोश,

हिंदी का महाव्याकरण (एलिमेंट्स आफ हिंदी ग्रामर) एवं चार संग्रह ; प अध्यक्ष हिं० वि०, राजेंद्र कालेज, छपरा ।

मुरलीधर सारस्वत—ज० १७ अगस्त, '२४ ; शि० बी० ए० आगरा वि वि०, एम० ए० नागपुर वि० वि०, सा०रत्न ; सा० लगभग १० वर्ष तक बीकानेर साहि० सम्मे० के प्रधानमंत्री रहे, चुरू में हिंदी विद्यापीठ के संस्था . प्रका० सात कहानी-संग्रह एवं आलोचनात्मक ग्रंथ ; अप्र० दो-तीन संग्रह ; प० प्राध्यापक, आ० बी० आश्रम, चुरू (राज०) ।

मुरली मनोहर—ज० '१९ ; शि० एम० ए० विहार वि० वि० प्र० '४१ में ; प्रका० विचार-शृंखला (निबं०), मैंने रिश्वत ली (कहा०), कुछ फूल कुछ आँसू (कवि), शोक गीत (अनु०) , अप्र० गजलें और नज्मे (उर्दू-संग्रह) तथा अँगरेजी की अनु० कविताओं का एक संग्रह ; प० सी-१४५, महानगर, लखनऊ ।

मुरलीमनोहर प्रसाद—ज० २६ मार्च, '२५ ; शि० बी० ए० आनर्स हिंदी '४७, एम० ए० हिंदी '४९ पटना वि० वि० ; सा० शाहाबाद हि० सा० सम्मे० की 'मंगलवारीगोष्ठी' के मंत्री '६०, शाहाबाद हिं०सा०सम्मे० की 'कहानीगोष्ठी' के सभा० '६२ ; प्रका० स्फुट एकांकी एवं आलो० लेख ; अप्र हरिकृष्ण प्रेमी के नाटक (आलो०) एवं एकाकी और लेखों के दो-दो संग्रह ; वि० 'हिंदी दोहर साहित्य का अनुशीलन' विषय पर डी० लिट० के लिए शोधकार्य-रत; प० प्राध्यापक हि-वि०, जैन कालेज, आरा ।

मुरारीराम चौधरी—ज० १० अगस्त, १८९९ ; सा० अध्यक्ष : विकास सहसोसाइटी मालोद, सपा० मा० 'विजय' जलगाँव , प्रका० सरस्वती-पद्यावली, साहित्य-शारदा, शिक्षा-संस्था, कृषि प्रक्रिया ; अप्र० चार संग्रह ; प० सुपरिंटेंडेट, फ० ह० ले० बोर्डिंग, जलगाँव ।

मुरारीलाल केडिया—ज० '१२ ; शि० मैट्रिक एवं प्रथमा, वाराणसी ; सा० सद० : ना० प्र० सभा० प्रबंधसमिति के २५ वर्षों से, सभा के अर्थमंत्री '३६, '४८-'५० एवं '५३-'६० , सभा के प्रका० मंत्री '५१-'५२, प्रचारमंत्री '६१ से ; सद० भगवानदीन साहित्य विद्यालय-प्रबंध-समिति बीस वर्षों से, भारत-कला-भवन (काशी वि०वि०) दस वर्षों से एवं काशी वि०वि० कोर्ट के '५१ में ; संस्था० : श्रीरामरत्न पुस्तक भवन; भारत-भारती न्यास काशी के ट्रस्टी ; प्रका० स्फुट ; अप्र० कविता-कहा०-निबंध के तीन-चार संग्रह प नंदन साहु लेन वाराणसी ।

मुरारीलाल त्यागी—ज० १० सितंबर, '३४ हस्तसाल, दिल्ली, शि० इंटर, दिल्ली, सा रत्न सम्मे० प्रयाग, शिक्षारत्न बंबई, प्रभाकर पंजाब वि०वि० ; सा० स्थानीय हिंदी साहि० सभा '५५, हिंदीसभा '५८ एवं राजकीय शिक्षक प्रशिक्षणविद्यालय संस्थाओं के अध्यक्ष ; तीन वर्ष तक दिल्ली प्रादेशिक हि०सा०सम्मे के कार्यालय मंत्री, भूत सपा सा० 'मल्लिका' '६०-'६२, प्र० '५५ में; प्रका० स्फुट, अप्र० उप० : ऊँची दीवारें, गाँव की गलियों में, सुदामा के महल के खँडहर एवं एकांकियों के दो संग्रह; वर्त० संपा० मा 'शृंगार', प० २९८।८ शक्तिनगर, दिल्ली—६।

मुरारीलाल शर्मा, 'सुरस', डा०—ज २ दिसंबर, '२७; शि एम०ए० नागपुर '५४, सा०रत्न, पी-एच डी आगरा '६२; सा नवीन लेखकसंघ आगरा के उपसभा० तथा सहा०मंत्री, जिलामंत्री 'भारत स्काउट्स एंड गाइड्स' आगरा, भूत० संपा० 'साहित्यालोक' आगरा; प्र '४४ में ; प्रका० प्रकृति-संदेश, शिक्षाशास्त्र की रूपरेखा, शशिगुप्त : एक अध्ययन, वत्सराज : एक अध्ययन ; अप्र० त्रिधारा, भारत-दुर्दशा : समीक्षा, अवधी कृष्णकाव्य की परंपरा में भक्त कवि लक्ष्मनदास और उनका काव्य (शोधग्रंथ), उठो सबेरे (कवि०); प० (१) लाडली कटरा, आगरा। (२) प्राध्यापक, राजकीय प्रशिक्षण महाविद्यालय, आगरा।

मुहम्मद हुसैन, 'दीन'—ज्ञा० उर्दू एवं बँगला ; सा० उर्दू पुस्तकालय गिरडीह के मंत्री; प्रका० ब्याह का घर (उप०); अप्र० स्फुट रचनाओं के दो संग्रह; प० गाढी श्रीरामपुर, हजारीबाग।

मूलचंद्र बहड़, वैद्य—ज० १८८९, शि० सिरसा पंजाब, आयुर्वेदालंकार (स्वर्णपदक प्राप्त) ; सा० अध्यक्ष : सीकर जिला वैद्यसभा, सभा० : तारावटी वैद्य सम्मे०, फतेहपुर शेखावटी महाविद्यालय में चिकित्सा-अध्यापक एवं तीस वर्ष तक श्रीऋषिकुल ब्रह्मचर्याश्रम संस्कृत कालेज लक्ष्मणगढ (सीकर) में अध्यापन एवं चिकित्साकार्य ; प्रका० स्फुट औषधि संबंधी निबंध तथा आरोग्य की कुंजी एवं गंगावर्गीय आयुर्वेद परिभाषा ग्रंथ पर संस्कृत टीका मूलार्थबोधिनी (यंत्रस्थ) ; वि० कई स्वर्णपदक प्राप्त ; प० लक्ष्मणगढ़, सीकर (राज०)।

मूलचंद सेठिया—ज० २२ जून, '२४; शि० एम० ए० (प्रथम-प्रथम, स्वर्णपदक प्राप्त) '६०, राजस्थान वि०वि०, सा०रत्न; सा० '४९-'५० में साप्ता० 'जनपथ' जयपुर के संपा०, '५०-'५३ तक अणुव्रत आंदोलन से संबंधित, '५३-'६० तक राष्ट्रीय शिक्षण संस्था गांधी विद्यामंदिर के प्रचारमंत्री '६०

से बिड़ला आर्ट्स कालेज पिलानी के हिंदी प्राध्यापक; प्र० '५५ में, प्रका० स्फुट; अप्र० दो संग्रह; वि० 'प्रेमचन्द्रोत्तर हिंदी उपन्यासो मे यौन समस्याएँ' विषय पर शोधकार्य-रत, प० हि०वि०, बिड़ला आर्ट्सकालेज, पिलानी।

मूलजी मनुज शास्त्री—ज० ४ अगस्त, '१०; शि० शास्त्री मुलतान, एम० ए० हिंदी तथा संस्कृत, एम० ओ० एल, प्रभाकर, एच० टी० डिप० दिल्ली; प्रका० शिवराज-विजय (अनु०) '२७, प्रताप-विजय (उप०) '३३, प्राइमर सेट '४६ '४७, भीष्म-प्रतिज्ञा '४७, व्याकरण तथा निबंध-रचना '५४, व्याकरण-विमर्श तथा लेख-लतिका '५४, वि० पंजाब टेक्स्टबुक कमेटी लाहौर से 'शिवराज विजय' पर ५००) का तथा 'प्राइमर सेट' पर कराची कारपोरेशन द्वारा २०००) का पुरस्कार प्राप्त; वर्त० अध्यक्ष हिं० वि० एम०बी०हा०से० स्कूल, दिल्ली; प० फ्लैट नं० १०, साउथ किदवईनगर मार्केट, नई दिल्ली—३।

मलबद्धन राजवंशी—ज० ४ जुलाई, '२६; शि० एम० ए० हिंदी, संस्कृत तथा अँग्रेजी, राज० वि० वि०, बी०एड० दिल्ली वि०वि०, सा०रत्न-सम्मे० प्रयाग एवं शास्त्री; सा० संस्था० : हिंदी विद्यापीठ रतनगढ, ग्राम्य साहि० सदन एवं साहि० संसद, बंबई हिंदीविद्यापीठ के मंडलप्रमुख एवं रा०भा०प्र० समिति के प्रचारक, भूत० सह०सं० 'नवसंदेश', प्रका० विनय-पदावली, संक्षिप्त कृषि-शिक्षा, आधुनिक गद्यसंग्रह, अंजली (का०), समाज की वेदी पर (कहा०); अप्र० दीप से दीप जले (नाट०) एवं दो संग्रह, वि० पी-एच० डी० के लिए शोधकार्य; प० कल्याण भवन, रेलवेस्टेशन के पास, रतनगढ (राज०)।

मूलाराम जोशी, 'अशोक', 'कृषक', 'अमर'—ज० '३४ खूदिया, हरदा, (होशंगाबाद); शि० एम० ए० अँग्रेजी; प्रका० स्फुट; अप्र० सामाजिक कुरीतियाँ, हमारा गाँव एवं चार संग्रह; प० प्राध्यापक अँग्रेजी विभाग, राजकीय बहुउद्देशीय उच्च० माध्य० विद्यालय, आष्टा।

मृगेश—ज० '१०; शि० विशारद; प्रका० माधवमंगल, बरवैव्यंजना; अप्र० वीर वाणी, दयानंद, धरती के बोल (अवधी) एवं स्फुट रचनाओं के दो संग्रह; प० मृगेश मंदिर, बुढवल, बाराबंकी।

मृत्युंजयकुमार नारायण—ज० १ सितंबर, '३७, शि० एम०ए० भूगोल, काशी वि० वि०; प्र० '५६ में; प्रका० स्फुट; अप्र० स्फुट रचनाओ के दो संग्रह; प० के० ४६।४३, हरतीरथ, वाराणसी—१।

मृत्युंजय मिश्र, 'करुणेश'—ज० '३९, हिलसा, पटना, शि० हिलसा, नालंदा एवं बिहारशरीफ; प्र० '५५ में; प्रका० बालो० : नन्हे राजकुमार चुहिया रानी '६० प० कार्यालय उपनिर्देशक कृषि विपणन बिहार, पटना

मेदीलाल आर्य—ज० २१ दिसंबर, '२५, शि० बी०ए० काशी वि०वि०, बी०टी० कलकत्ता वि०वि०, प्र० '४९ में; प्रका० संघर्ष के स्वर (कवि०), अप्र० दो संग्रह; प० अध्यापक, हितकारिणी हाईस्कूल, खरगपुर, प० बंगाल।

मैथिलीवल्लभ, 'परिमल'—ज० १५ नवंबर '३६, शि० बी० ए० '५८ मुजफ्फरपुर, सा० संस्था० . राजेंद्र पुस्तकालय '४९, प्रबंधमंत्री : निराला परि० पटना ; प्र० '४९ में, प्रका० स्फुट; अप्र० कवि० : गीतमाधुरी, युगाणु, अग्रजा, दादा-नाना-मामा (बालो०) ; प० (१) हनुमाननगर, सुरसंड, मुजफ्फरपुर। (२) ६ ई।१ गरदनीबाग, पटना – १।

मोतीप्रसाद सिंह—ज० १ फरवरी, '१२ कुशा (हुसेनाबाद), पलामू, शि० बी० एस-सी०, एम० एड० डाल्टनगंज, पटना; सा० रांचा०-संपा० साप्ता० 'शिक्षा-समाचार' डाल्टनगंज '५२, संस्था० अभ्युदय हिंदी साहि० समाज पुस्तकालय, अ०भा० बालचर संघ बिहार शाखा के मुख्यालय आयुक्त, सेंट जानएँबुलेंस ब्रिगेड के प्रमंडलीय अधीक्षक; प्रका० 'फर्स्ट बुक आफ इँग्लिश ग्रामर (हिंदी माध्यम) '३७, राष्ट्रीय झंडा शिष्टाचार नियमावली '५६, राष्ट्रीय गीत '५७; प० (१) हमीदगंज, डाल्टनगंज, महेंद्र , पटना—६। (२) जिला शिक्षा पदाधिकारी, सहरसा, बिहार।

मोतीलाल त्रिपाठी, 'अशांत'—ज० १० नवंबर, '२२ ; शि० बी० ए० आगरा वि०वि०, एम०ए० नागपुर वि०वि०, एल०टी० प्रयाग, सा०संस्था० : शारदा साहि० कुटीर एवं रवींद्र-स्मृति-साहि०संघ, प्रधानसंपा० त्रैमा० 'राजाबेटा' झाँसी; प्र० '४१ में ; प्रका० दिल्ली चलो० (कवि०) '४६, बापू का बलिदान (कवि०) '४८, नई झलक (उप०) '४७, नई कहानियाँ '४९, सप्त लहर '४९, कला और जिंदगी '५२, चेतना के गीत (कवि०) '५६; अप्र० स्फुट रचनाओं के दो संग्रह; वि० फिल्मी गीत संवाद-लेखक, प० (१) ६९, पुरानी नझाई, झाँसी। (२) ३, सागर विहार, ८८ फोयर रोड, बंबई—९।

मोतीलाल शर्मा, 'विजय'—ज० '२१; शि० शास्त्री, सा०रत्न; सा० कई पत्रों का संपा० तथा शिक्षण-कार्य , प्र० '४१ में; प्रका० विजय-विनोद, निधन-गीत, कोकिल की कूक, श्रीश्यामप्रणय ; वि० कोटलानरेश (आगरा) द्वारा स्वर्णपदक प्राप्त; वर्त० अध्यापक, राज० न्यू हायरसेकेंड्री स्कूल, अलवर ; प० विजय-विलास बीयर एस०टी सी० होस्टल, अलवर।

मोहन अंबर—शि० मैट्रिक ; सा० श्रमजीवी परिवार कल्याण समिति के अवै० मंत्री: प्र० '५५ में; प्रका० सुनो ! तुम्हारे लिए (कवि०), '६२ ; वर्त० श्रमजीवी पुस्तका० प० ५६ , ग्वालियर।

मोहन अवस्थी, ल्०—ज० पीपरगाँव, फर्रुखाबाद ; शि० पीपरगाँव, फतेहगढ़, कानपुर, डी० फिल० प्रयाग वि०वि० , प्रका० महारथी (खंड०) '५३, देखभालकर चलो (कवि०) '५९, आधुनिक हिंदी काव्य-शिल्प (१९००-'४०) (शोधग्रथ) '६२; अप्र० आलोचनात्मक लेखो एवं कवि० के दो-दो संग्रह, प० प्राध्यापक हिंदी विभाग, प्रयाग वि०वि०, प्रयाग ।

मोहन काश्यप—ज० ७ अक्टूबर, '१७ ; शि० एम० ए० अँग्रेजी, आगरा तथा लखनऊ वि०वि० ; सा० १५ वर्ष तक वि०वि० में अँग्रेजी साहि० के प्राध्यापक रहे, '५५- '५८ तक भारतीय दूतावास लंदन मे कार्य, सद० अतर्राष्ट्रीय कार्यकारिणी पी० ई० एन० '५५-'५६, अंतर्राष्ट्रीय काग्रेस लदन '५६ में भार० प्रतिनिधि मडल के सद०; प्र० '३१ मे ; प्रका० रक्षावंधन (अँग्रेजी कवि० संग्रह) '४१ ; अप्र० चार संग्रह ; वि० अँगरेजी मे भी लिखते हैं; प० (१) ए०/१० वेस्ट विनयनगर, नई दिल्ली—३ । (२) सहायक शिक्षा सलाहकार, वैज्ञानिक अनुसंधान एवं सांस्कृतिक कार्य मंत्रालय, नई दिल्ली ।

मोहनकुमार नाथूसिंह तँवर—ज० २६ अप्रैल, '२१, अजमेर ; शि० एम० ए०, बी० टी० शास्त्री, प्रभाकर ; जा० अँग्रेजी, गुरुमुखी, गुजराती, मराठी, संस्कृत एवं पालि ; सा० सद० नगर कांग्रेसकमेटी, अध्यक्ष मडल कॉंग्रेमकमेटी, संचा० कोलीराजपूत साहि० मडल अजमेर एवं भूत० आयुक्त नगरपालिका अजमेर, भूत० संपा०-प्रका० साप्ता० 'मजदूर नवजीवन' तथा मा० 'कोलीराजपूत' अजमेर '४० ; प्रका० पँवार वंश-परिचय, हमारे प्रागैतिहासिक काल की रूपरेखा '५१, कोलीराजपूत जाति की ऐतिहासिक झलक (संपा०) ; अप्र० राजपूत कौन (नाट०), वीरांगना झलकारी, कहत कबीरा कोरी, तमहर गायन एवं तीन संग्रह ; प० प्रधानाध्यापक के० डी० ए० वी० मिडिल स्कूल, नगरा, अजमेर ।

मोहन चोपड़ा—ज० २० सितंबर, '२१ ; शि० एम० ए० अँग्रेजी '४६ लाहौर ; सा० साहि० कला कानन लाहौर की स्था० में सहयोग '४६, 'सडे क्लब' लुधियाना की स्था० '४८, प्रांतीय साहित्यकार परि० के उपप्रधान '५९ ; प्र० '४९ में ; प्रका० समय के स्वर (एकां०), बाहें, नीड़ से आगे (उप०), चट्टान का फूल (नाट०) ; अप्र० टूटा हुआ आदमी (उप०), एक और आँधी (नाट०) एवं दो कहा० संग्रह ; वर्त० अँग्रेजी विभागाध्यक्ष, दयानंद कालेज, हिसार ; प० ८१ एस, माडलटाउन, हिसार ।

मोहन दुबे—ज १ सितबर '३३ , शि एम ए० हिंदी बी काम

सा महासंपा० दै 'नवभारत' इंदौर, प्र० '५१ में; प्रका० स्फुट; अप्र० दो संग्रह; प० १० राजमोहल्ला साउथ, इंदौर।

मोहनराज भंडारी - ज० '२७, सोजत (राज०); सा० भूत० संपा० मासिक 'मीरा', 'न्याय', 'नवज्योति', 'जनमत', 'परिवर्तन' तथा मा० 'कुसुम', 'बंधु', 'ओसवाल', 'मनवाणी' एवं 'शांति', प्र० '३८ में, प्रका० स्फुट; अप्र० स्फुट लेखों के चार संग्रह; प० नया बाजार, अजमेर।

मोहनलाल उपाध्याय, 'निर्मोही' —ज० २१ जनवरी, '२१, रामपुरा, शि० एम० ए० हिंदी आगरा वि० वि०, सा० रत्न, संपादनकला-विशारद सम्मे० प्रयाग, बी० एड० (बेसिक) विक्रम वि० वि०, शोधछात्र; सा० संस्था मालव साहित्यकार संसद इंदौर, केंद्रव्यवस्थापक : रा० भा० प्र० समिति वर्धा, कार्याध्यक्ष : रा० भा० प्र० समिति वर्धा (इंदौर शाखा) परीक्षा मंत्री : हि० सा० समिति इंदौर, भूत० संपा० दै० 'मालवा' रतलाम '४७, भूत० उपसंपा० मा० 'वीणा' इंदौर; प्रका० कलम के हिमायती (संपा० कहा०) '४६, पंद्रह अगस्त (कहा०) '४७, रूपमती (गीतिनाट्य) '४८, दिवाकर-अभिनंदन-ग्रंथ (संपा०) '४८, हिंदी साहित्य के इतिहास की रूपरेखा, सप्ततीर्थ (आलो०), हिंदी के प्रतिनिधि कवि (आलो०); अप्र० आलो० लेखों के दो संग्रह; वि० शोधकार्य-रत, प० (१) ४८ अहिल्यापुरा, इंदौर। (२) प्राध्यापक, शा० उ० मा० वि० बरुड, पश्चिमी नेवाड, खरगोन।

मोहनलाल गुप्त—शि० एम० ए० '५५, सा० राज्य की ओर से मनोनीत राज० ललित कला अकेडमी के सद०, राज० कलाकेंद्र के संयुक्त मंत्री एवं कोषाध्यक्ष; प्रका० अलवर संग्रहालय के चित्र; अप्र० भारतीय चित्रकला का परिचय (अँग्रेजी) एवं शताधिक लेखों के चार संग्रह; प० क्यूरेटर, गवर्नमेंट सेंट्रल म्यूजियम, जयपुर।

मोहनलाल गुप्त, 'करुणेश' ज० २० मई, '२४; शि० बड़नगर एवं उज्जैन, इंटर; सा० भावनगर में हिंदी साहि० समिति की स्था० एवं अध्यक्ष; प्र० '४३ में, प्रका० स्वर्गाह्वान (कवि०) '५२; अप्र० कवि० : जयमहाकाल, श्यामल घन, दीपावली, जयभारत-जयभारती, पाथेय एवं दो संग्रह; प० ७५, सुभाष पथ, बड़नगर, उज्जैन।

मोहनलाल, 'जिज्ञासु', डा०—ज० २६ अक्टूबर, '२२; शि० एम० ए०, एल-एल० बी०, पी-एच० डी० जोधपुर एवं लखनऊ वि० वि०; सा० प्रधानमंत्री : तरुण कलापरि०; प्र० '३५ में; प्रका० अंतर्दाह, हिंदी कहानियाँ एक ... हिंदी गद्य का विकास राजस्थानी का चारण

साहित्य (शोधग्रंथ, यंत्रस्थ) , अप्र० मधुपीर, मेरी कहानियाँ एवं दो संग्रह ; वि 'राजस्थानी का चारण-साहित्य' में सन् ६५० से '५० तक के सात सौ कवियों के आलो० परिचय दिये गये है; प० (१) शतदल निवास, रातानाडा, जोधपुर । (२) अध्यक्ष हि० वि०, गवर्नमेंट कालेज, सिरोही ।

मोहनलाल बाबुलकर—ज० ३१ मार्च, '२८ ; शि० एम० ए०, एल० एस० जी डी० प्रयाग वि वि०, एम० एम० वी० यू०, एल टी० लखनऊ ; सा० संयोजक , गढ़वाली लोकसंस्कृति-सम्मे०, विकास अन्वेषणालय नियोजन विभाग लखनऊ में अँग्रेजी पुस्तकों का हिंदी अनु० ; संपा० 'देवप्रयाग सांस्कृतिक सम्मे० पत्रिका', सहसंपा० साप्ता० 'सरहदी' ; प्रका० स्फुट , अप्र० गढ़वाली लोक साहित्य का विवेचनात्मक अध्ययन, गढ़वाली लोक कला एवं तीन लेख संग्रह ; वर्त० उपविद्यालय निरीक्षक, टिहरी गढ़वाल ; प० द्वारा श्री गुरुप्रसाद जी ध्यानी एडवोकेट, टिहरी गढ़वाल ।

मोहनलाल यादव, 'शशि'—ज० १ अप्रैल, '३७, जबलपुर ; शि० इंटर ; सा० 'मिलन' सांस्कृतिक संस्था में सक्रिय कार्य , प्रका० सरोज '५६ , अप्र० जागरण के स्वर , प० 'मिलन'-कार्यालय, जबलपुर ।

मोहनलाल शर्मा, डा०—ज० १० अप्रैल, '३५ ; शि० एम० ए० हिंदी तथा अँग्रेजी, एम० लिट्०, पी-एच डी०, सा० रत्न सम्मे० प्रयाग, आगरा एवं विक्रम वि० वि० ; सा० सहसंपा० 'साहित्य-संदेश' '५६-'५८ ; प्र० '५७ में; प्रका० कुरुक्षेत्र और दिनकर की विचारधारा, भाषा-विज्ञान ; अप्र० एकाकी, कहानी एव आलो० निबंधों के तीन संग्रह ; वि० 'आगरा नगर की बोलियों का भाषा-तात्विक सर्वेक्षण' शोधप्रबंध पर एम० लिट की उपाधि तथा 'खुरपल्टी : पद रूपांश तथा वाक्य' शोधग्रंथ पर पी-एच० डी० की उपाधि प्राप्त , प० प्राध्यापक, के० पी० कालेज, राधागंज, देवास ।

मोहनसिंह सेंगर—ज० २८ दिसंबर, '१२, जोधपुर ; सा० भूत संपा० 'विशाल भारत' (कलकत्ता), 'शक्ति', 'हिंदुस्तान' (दिल्ली), 'नवयुग' (दिल्ली), 'अभ्युदय' एवं 'नया समाज' ; बंगीय हिंदी परि० कलकत्ता के सक्रिय कार्यकर्त्ता एवं स्थायी सद० ; प्रका० चिता की चिनगारियाँ, खून के धब्बे, जीवन का सत्य, नये युग की नारी, अँधियारे तारे (उप०), टूटी लकीर, नया स्वर (कहा०), खगेन बाबू (हास्य०), नरक का न्याय, मुर्दे की मौत, डूबता सूरज , प० हिंदी प्रोड्यूसर, आकाशवाणी, दिल्ली।

मोहनस्वरूप भाटिया—ज० '३५ ; शि० बी० ए० ; सा० ब्रज साहि० मण्डल ब्रज कलाकेंद्र -संघ आदि संस्थाओं के मन्त्री , संपा

साप्ता० 'नई लहर' तथा 'ब्रज-दर्शन' ; प्रका० स्फुट ; अप्र० ब्रज संस्कृति संबन्धी शोधनिबन्धों के दो संग्रह ; प० तिलकद्वार, मथुरा ।

यशदेव शल्य—ज० २२ जून, '२८, फरीदकोट; शि० प्रभाकर, मैट्रिक पंजाब वि० वि०, सा०रत्न सम्मे० प्रयाग ; सा० मंत्री अ० भा० दर्शन परि० तथा संपा० त्रैमा० 'दार्शनिक' ; प्र० '४८ में ; प्रका० पंत का काव्य और युग '५१, मनस्तत्व '५८, अनुभवावाद (संपा०) '६०, दार्शनिक विश्लेषण '६१. व्र० 'मनस्तत्व' पर उ० प्र० सरकार की ओर से ५००) का '६० में तथा 'दार्शनिक विश्लेषण' पर ५,०००) का भगवानदास पुरस्कार '६२ मे प्राप्त ; वर्त० स्थानीय विद्यालय में हिंदी-अध्यापक ; प० अखिल भारतीय दर्शन-परिषद्, फरीदकोट, पंजाब ।

यशपाल जैन—ज० १ सितंबर, '१२ ; शि० बी० ए० '३५, एल-एल० बी० '३७ प्रयाग वि० वि० ; सा० भूत० संपा० 'जीवनसुधा' दिल्ली एवं 'मधुकर' टीकमगढ़ ; वर्त० संपा० 'जीवन साहित्य' नई दिल्ली ; सा० यूरोप के अनेक देशों का भ्रमण किया ; प्र० ३८ में ; प्रका० कहा० : नवप्रसून, सिंहासन बत्तीसी (भाग २), मैं मरूँगा नहीं, जिंदगी के मेले (यंत्रस्थ) ; यात्रा : जयअमरनाथ, उत्तराखंड, रूस में छियालिस दिन, कोणार्क, यूरोप की परिक्रमा (यंत्रस्थ), दक्षिण के अंचल में, गंगोत्री यमुनोत्री के उद्गम पर (यंत्रस्थ) ; अनु० उप० : विराट, अपरचिता का पत्र, हिंदुस्तान की समस्याएँ (नेहरू जी के लेखों का संग्रह), लड़खड़ाती दुनिया ; संपा० : प्रेमी-अभिनंदन-ग्रंथ, अमर शहीद रमेश, स्व० हेमचंद्र, गाधी की कहानी, भारत-विभाजन की कहानी, अहार, समाजविकासमाला (११० पुस्तकें), बाल साहित्यमाला (७ पुस्तकें) ; प० ७/८, दरियागंज, दिल्ली ।

यशवंत त्र्यंबक गद्रे—ज० १६ मार्च, '१८, शि० मैट्रिक, जी०बी० वी०सी० बंबई ; प्रका० हिंदी शुद्ध-लेखन, पशु वैद्यक (दो भाग), दुग्ध-विज्ञान, डेयरी का धंधा ; शुश्रूषा, आदर्श ग्राम ; वि० मराठी एवं अँगरेजी मे भी कई ग्रंथ लिखे हैं ; प० विद्याग्रंथ प्रकाशन,यशोवर्धन, ३३९ शंकरनगर, नागपुर ।

यशवंतराव जोशी—ज० १८८७ ; शि० बी० ए० ; सा० संपा०-प्रका० साप्ता० 'हिंदू-विजय' ; प्रका० स्फुट ; अप्र० चार लेख-संग्रह ; वि० स्वतंत्र पत्रकार ; प० संपा० 'हिंदू विजय', भाग्यनगर, हैदराबाद ।

यादवेंद्र शर्मा, 'चंद्र'—ज० १५ अगस्त, '३२ ; सा० साप्ता० 'सेनानी' एवं 'नई चेतना' बीकानेर के भूत० प्रबंधसंपा० '५०, तीन वर्ष तक पारसी रंगमंचीय कंपनी कलकत्ता में नाटक-गीतकार 'सिने त वीर

सिनेमा सौगात', 'फिल्मी भारत' एवं 'रूपलेखा' के संपादकीय विभाग में कार्य किया ; प्रधान संपा॰ 'चित्र भारती', संपा॰-प्रका॰ मा॰ 'लहर', राम॰ पुरिया प्रकाशन के भूत॰ प्रकाशकीय संपा॰ '४९ ; प्र॰ '४८ में ; प्रका॰ संन्यासी और सुंदरी (उप॰) '५४, दिया जला दिया बुझा '५५, नया इंसान '५५, पथहीन, मिट्टी का कलंक '५६, खम्मा अन्नदाता, युगदेवता, अनावृत, आँचल में दूध : आँखों में पानी, प्रोफेसर, ईश्वर, शहनाई और सिंदूर, प्यास के पंख, सपना, पथ की वंशी, नयना नीर भरे, घूँघट के आँसू, खून का टीका, गुनाहों की देवी, धरती की पीर, जग की रीत, बड़ा आदमी, नीले आकाश तले, ठकुरानी, नेत्रदान, विश्वामित्र की खोज, बरफ की समाधि, पृथ्वी का तारा (एकां॰) ; बालो॰ : तीन नकटे, सफेद वत्तख, मोम का बादशाह, पद्मा का सूरज, टैसीटोर, झूठी आन ; वि॰ राज॰ साहि॰ अकेडमी द्वारा 'खम्मा अन्नदाता' पर पुरस्कार प्राप्त '५८, '६१ में १००) प्रतिमास फेलोशिप प्राप्त ; प॰ साले की होली, बीकानेर।

युगलकिशोर अग्रवाल—ज॰ १५ दिसंबर '३५, शि॰ एम॰ ए॰ पी॰ जी॰ डी॰ आई॰ ई॰ पी॰, सा॰रत्न; प्रयाग, बंबई एवं जबलपुर वि॰ वि॰ ; सा॰ साहि॰ कलाकेंद्र मधूलिका तथा प्रवाल के भूत॰ प्रधानमंत्री '५६-'५८ ; प्र॰ '५२ में ; प्रका॰ परिवर्तन, चुनौती, मिलन, कलाकार के स्वप्न, गीत के चोर, सुल्ताना के आँसू, चकोर के नैन, यदि इंसान न चाहे, पौरुष के महा-जाल, विश्वामित्र और मेनका ; वि॰ अंतिम पुस्तक पर १०१) का पुरस्कार प्राप्त ; प॰ वकील, जबलपुर।

युगलकिशोर पांडेय—ज॰ '११ ; शि॰ नवीं तक ; प्र॰ २९ में ; प्रका मुर्दा जासूस '४६, स्वतंत्र कैदी '४७, ज्वालामुखी कुत्ता '४८, चंडाल चौकड़ी '४९, भयानक बदला '५०, खूनी पिशाच '५१, रोशनी का भेद '५२, खूनी नक्शा '५३, मौत घर '५४, खूनी मंडल '५५, गुरुघंटाल '५६, तीन खिलाड़ी '५७, महाभारत, शहीद अंक, भयानक अपराधी '५८, निशानेबाज '६०, तीन पागल '६१, खूनी टोली '६२ आदि लगभग ८० मौलिक जासूसी उप॰, ४ अनु॰ तथा ७ मौलिक वैज्ञानिक उपन्यास॰ ; अप्र॰ कलयुगी शैतान, नई दुनियाँ, अपराधी मुर्दा, नये चेहरे, बदनाम होटल आदि दस-बारह उपन्यास ; प॰ गौरीकरन, कानपुर।

युगलसिंह—ज॰ १५ अगस्त, १८९५ ; शि॰ एम॰ ए॰, बार-ऐट-ला॰; शिक्षाशास्त्र और मनोविज्ञान में उपाधिप्राप्त (लंदन) ; सा॰ संस्था एवं उपसभा बीकानेर, संस्था॰ हिंदी प्रचारिणी सभा आगरा

प्राध्यापक आगरा कालेज तथा सेंटजान कालेज आगरा, प्राचार्य श्रीडूंगर कालेज तथा श्रीशार्दूल संस्कृत कालेज बीकानेर, कोटा हि सा स के अधिवेशन में तथा इंडियन साइंस कांग्रेस '३८ कलकत्ता में मनोविज्ञान पर भाषण, प्रका कवि · मरु माधुरी (राजस्थानी) एवं कविता-कानन, गद्य · शांति सरोवर, जीवन-सरिता, राजस्थानी भाषा और साहि की झलक, विविध विनोद ; अप० चार गद्य-पद्य-संग्रह ; वि · आपकी 'म्हारो देस' कवि० कवींद्र रवींद्र द्वारा पुरस्कृत हुई , प · खीची सदन, बीकानेर ।

युधिष्ठिर मीमांसक—ज २२ सितंबर, १९०९ , शि महेश्वर, अमृतसर, लाहौर एवं काशी , सा · भा प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान अजमेर के संस्था० एवं सचा ; प्रका०-संपा . निरुक्त समुच्चय (वररुचि-कृत) '३८, दशपदी उणादिवृति '४२, शिक्षासूत्राणि '४९ ; ऋषि दयानंद के ग्रंथों का इतिहास '४९, ऋग्वेद कीऋक्संख्या '४९, आचार्य पाणिनि के समय विद्यमान संस्कृत वाङ्मय '४९, संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास (भाग १) '५०, वैदिक स्वर मीमांसा '५८, वैदिक छंदोमीमांसा '६०, संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास (भाग दो)'६२ ; अन्य : भागवृत्ति संकलनम् '५४, ऋषि दयानंद के पत्र और विज्ञापन-मय परिशिष्ट '५६, क्षीरतरंगिणी (पाणिनीय धातुपाठ की प्राचीन टीका) '५८; अप्र० शिक्षाशास्त्र का इतिहास, छंदशास्त्र का इतिहास, निरुक्तशास्त्र का इतिहास; वि · 'ऋषिदयानंद के ग्रंथों का इतिहास' पर २५०) का पुरस्कार प्राप्त, उ·प्र० सरकार से 'संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास' (भाग १) पर ६००) '५१ में, 'वैदिक स्वरमीमांसा' पर ७००) '५९ में एवं 'वैदिक छंदोमीमांसा' पर ७००) '६० में पुरस्कार प्राप्त; प० भारतीय-प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान २४/३५२, रामगंज, अजमेर ।

योगी नर्मदेश्वर पांडेय—ज० '२०, बलुआ, गुठनी, छपरा, शि० विशारद, आयुर्वेदाचार्य, एम० एस-सी, एम · डी · एन · (स्वर्णपदक प्राप्त), डी · सी · सी · एके-एल , सा · प्रदेश आयुक्त एवं सचिव 'आल इंडिया ब्वाय स्काउट्स एसोसिएशन', संस्था० एवं सभा० शिवसहाय पुस्तकालय, संपा० 'कर्मयोग' ; प्र० '३५ में ; प्रका · संकेत विद्या '४४, स्काउटसखा कोमल पद, स्काउटसखा ध्रुवपद, स्काउटसखा गुरुपद, दलहुंकार, आदर्श पथ, रण-दुंदुभी, सिंहनाद, कर्मयोग संकेतनअंक, प्रारंभिक उपचारअंक, नीलम, आयुर्बल, भारतीय व्यायाम योगासन- कीडाग्नि- भूमिसेना कमिश्नर्स सहचर, शिक्षण अग्रगामी शिक्षणकला टोली नायकों को

चिट्ठी, भारतीय गुप्तचर ; अप्र॰ शरद पूर्णिमा (कवि॰), शंखनाद (गीत॰) एवं स्फुट रचनाओं के दो संग्रह ; प॰ पीली कोठी, पटना—७।

योगेंद्रकुमार मलिक—ज॰ २४ मई, '२७ ; शि॰ एम॰ ए॰ राजनीति '५२ पंजाब वि॰ वि॰, सा॰रत्न ; प्र॰ '५२ में ; प्रका॰ साहित्य विवेचन '५२, हिंदी गद्य : विकास व इतिहास, राजनीतिशास्त्र के मूल सिद्धांत, ग्रेटब्रिटेन का संविधान, संयुक्तराज्य अमेरिका का संविधान, भारत के राष्ट्रीय आंदोलन व संविधान का विकास, सामाजिक अध्ययन, साहित्य-विवेचन के सिद्धांत ; वि॰ 'साहित्य विवेचन' पर उ॰ प्र॰ सरकार द्वारा ५००) का पुरस्कार प्राप्त ; वर्त॰ अनुसंधान कार्य, राजनीति शास्त्र विभाग, फ्लोरिडा वि॰ वि॰, संयुक्त राज्य, अमेरिका ; प॰ (१) एम—१९, राजौरी गार्डेन, नई दिल्ली—१५। (२) राजनीतिशास्त्र-विभाग, फ्लोरिडा वि॰ वि॰, गेंसविला, फ्लोरिडा, यू॰ एस॰ ए॰ ।

योगेंद्रकुमार लल्ला—ज॰ ५ जनवरी, '३७ ; शि॰ बी॰ ए॰ मेरठ ; सा॰ बालो॰ पत्रिका 'हरिश्चंद्र' के संपा॰ में सहयोग ; प्र॰ '५३ में ; प्रका॰ मधुबाला '५४, हफ्ते की हैरानी '५५, हाईस्कूल स्मृति-चित्रण '५८, स्मृति-चित्रण '५९ ; संपा॰ : अलबेली बछिया '६०, परियों की कहानियाँ '६०, विज्ञान की कहानियाँ '६१, साहस की कहानियाँ '६१, प्रतिनिधि सामूहिक गान '६२, प्रतिनिधि बाल-सामूहिक गान '६२, प्रतिनिधि बाल-एकाकी '६२ ; अप्र॰ टिंग टिंग एवं बुंदेलखंड की लोककथाएँ एवं लगभग पंद्रह संपादित पुस्तकें ; वर्त॰ संपा॰ आत्माराम ऐंड संस, कश्मीरी गेट, दिल्ली-६ ; प॰ (१) ११९, तिहाई मोहल्ला, मवाना, मेरठ। (२) १४१२, शक्ति नगर, दिल्ली—६।

योगेंद्रनाथ शर्मा, 'मधुप'—ज॰ १९०१ , शि॰ हिंदीरत्न ; जा॰ अँग्रेजी एवं संस्कृत ; सा॰ भूत॰ उपसंपा॰ 'आनंद' (दस वर्ष तक), अनेक संस्थाओं से संबंधित ; प्रका॰ तुलसीदास, हिंदी-साहित्य-विवेचन आदि पाँच-छः ग्रंथ ; अप्र॰ अलंकार तथा छंदों का तुलनात्मक विवेचन एवं चार कविता-संग्रह ; वि॰ संस्कृत-साहित्य-परिषद द्वारा 'कविभूषण' उपाधि प्राप्त , वर्त॰ खुनखुन जी गर्ल्स डिगरी कालेज लखनऊ में पुस्तकाध्यक्ष ; प॰ बड़ी काली जी का बाजार, चौक, लखनऊ —३।

योगेंद्रप्रसाद चौधरी—ज॰ अप्रैल, '२७ ; शि॰ भागलपुर; सा॰ मानभूमि में हिंदी-प्रचार-कार्य किया, संस्था साहित्यिक संस्था 'संगम' गया भूत संपा

'पंचायत प्रकाश' गया ; प्र० '४२ में, प्रका० अनाहूत (कवि) '५६ ; अप्र० नागपाश (कहा०); प० साहित्य संगम, न्यू मार्केट, गौतम मार्ग, गया।

योगेश गुप्त—ज० ७ दिसंबर '३१, शि० मैट्रिक, प्रभाकर ; प्र० '५८ में, प्रका० उप० : दर्द की तस्वीर '५८, डूबने से पहले '६२, चारुलता '६२, छविनाथ '६२ ; अप्र० तीसरा क्षण (उप०) एवं तीन संग्रह ; प० ८/८/ई, कमलानगर, दिल्ली- ६।

योगेश्वरराय चौधरी, 'योगेश'—ज० '१६ ; शि० मा० रत्न '४६, सा० प्राध्यापक गांधी महाविद्यालय समस्तीपुर ; प्र० ३८ में ; प्रका० भारतीय महिलाएँ किस ओर, हमारी शिक्षा-पद्धति, राष्ट्रभाषा और राष्ट्रलिपि, मानस का मान और उसकी महत्ता, आधुनिक हिंदी के जन्मदाता, भारतेंदु की हिंदी को देन ; अप्र० स्फुट रचनाओं के दो संग्रह ; प० प्रधानाध्यापक, श्री रुद्रेश माध्यमिक विद्यालय, नपुरा, अस्थावाँ, पटना।

रंगनाथ राकेश—ज० १६ अगस्त, '३५; शि० बी० ए० काशी वि०वि०, एम० ए० संस्कृत, कलकत्ता वि०वि० ; जा० बँगला, उर्दू, जर्मन, अँग्रेजी एवं संस्कृत; प्रका० महात्मा पौहारी बाबा '५५; अप्र० नेफा-लद्दाख मोर्चे पर, फाँसी के तख्ते पर प्यार के गीत, गुजरात की लोककथाएँ एवं कविताओं तथा लेखों के दो संग्रह; प० ८ लवलाक प्लेस, बेलीगंज, कलकत्ता १९।

रंजन परमार—ज० २९ मार्च, '३१; शि० राष्ट्रभाषारत्न (वर्धा), इंटर; जा० गुजराती, मराठी, राजस्थानी, बंगाली एवं अँग्रेजी; प्र० '५१ में, प्रका० मौलिक : शतावधानी मुनिराज, अमरयशो विजय जी (जीव०), यशवंतराव चह्वाण : व्यक्ति और कार्य, भारतरत्न टंडन जी : व्यक्ति और कार्य, गोविंदवल्लभ पंत ; कवि०: कल्पना एवं झंकार ; गुजराती से अनु० : मानवता, प्रार्थना, संदेश, प्रेरणा, साधना, क्षत्रियकुंड, मीनाक्षी (उप०), श्रमण भगवान महावीर (चरित्र), प्रीत की रीति एवं आदर्श जैन; मराठी से अनु० : चित्ररूप रामायण, झाँसी की रानी; यात्रा (उप०), जलवती (बालो०), महानदी के तट पर (उप०), सपन सुहाने (नाट०); अप्र० अनु० : जीवन-पाथेय, जैनधर्म और प्राकृत भाषा, भगवतीसूत्र-सुधारस, कलावती, आत्महत्या, सुमंगला, गाँवगुंडा, काजीनजरुल इस्लाम, बुद्धदेव, पद्मभूषण भाऊराव पाटील, मोरारजी देसाई व्यक्ति और कार्य, राधाकृष्णन : व्यक्ति और कार्य, शब्द-सौरभ (शब्दकोश); वर्त० 'नवभारत टाइम्स' बंबई व पूना स्थित प्रतिनिधि ; प० ३११ रविवारपेठ पूना २।

रद्यपाल राकेश—ज० '२५ ; शि० साहित्याचार्य बिहार, शास्त्री, प्रभाकर पंजाब वि०वि० ; सा० पजाव के हिंदी-रक्षा-आंदोलन में सक्रिय कार्य ; प्र० '५४ मे ; प्रका० स्फुट रचनाएँ ; अप्र० राकेश के लोकप्रिय गीत, मेघदूत (पद्यानुवाद); वि० अयोध्या के 'संस्कृतम्' से 'हिंदीरत्न' पदक प्राप्त; प० द्वारा श्रीशंकर मारवाडी होटल, सब्जीबाग, पटना—४ ।

रघुनंदन शास्त्री ज० १९०४ ; शि० शास्त्री, एम० ए० (प्रथम, प्रथम), एम० ओ० एल०, लाहौर ; जा० संस्कृत एव अँग्रेजी , सा० अनेक शिक्षा-संस्थाओ में प्राध्यापक रहे, अब पंजाब वि०वि० के हिंदी-प्रकाशन विभाग मे संपा० एवं मंत्री ; प्रका० गुप्तवंश का इतिहास, प्रस्ताव-प्रदीपिका, पंजाब में हिंदी की प्रगति, अलंकार-प्रवेशिका, नागरिक शिक्षा, छंद प्रकाश आदि अनेक ग्रथ ; वि० 'गुप्तवंश का इतिहास' एव 'नागरिक शिक्षा' पर पुरस्कार प्राप्त ; प० पजाब वि०वि० पब्लिकेशन ब्यूरो, चंडीगढ ।

रघुनाथ गोपाल कोकजे—ज० १० मार्च, १९०४, रत्नागिरि, महाराष्ट्र; शि० सांख्यतीर्थ, तर्कतीर्थ, कलकत्ता; सा० संस्था० एवं मत्री : धर्म निर्णायक मंडल, पूना एव मडल के पंचाग शक १७७३ तथा १७७४ का प्रका०; प्र० '३३ में; प्रका० हिंदूकरण प्रयोग '४१, पारस्कर गृहस्थ सूत्रानुसारी विवाह प्रयोग '४७, हिंदुओ की अवनति की मीमासा '४६,; अप्र० स्फुट लेखो के दो संग्रह; प० मंत्री, धर्म निर्णय मंडल, लोनवाला, पूना ।

रघुनाथप्रसाद पाठक—ज० १९०२, महमूदपुर, सहसपुर, विजनौर , शि० मैट्रिक, मुरादाबाद; सा० सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के कार्यालयाध्यक्ष, सहसंपा० मा० 'सार्वदेशिक' दिल्ली; प्रका० नैतिक जीवन '५९, आदर्श संतति-निग्रह, वैदिक संस्कृति (अनु०), आदर्श गुरु-शिष्य, देशभक्त बच्चे, आर्य जीवन, गृहस्थ धर्म तथा वैदिक सिद्धात पर लगभग बारह ट्रैक्ट , प० महर्षि दयानंद भवन, रामलीला मैदान, नई दिल्ली—१ ।

रघुनाथप्रसाद मिश्र, 'ललित,' 'विजेश'—ज० '१६, चँदिया, शहडोल, शि० काव्यमनीषी, काव्यरत्न, सा०भूषण, सा०मनीषी ; सा० '४२ के स्वतत्रता आदोलन में सक्रिय भाग , प्रका० स्फुट गीत , अप्र० ललितचंद्रिका (खड०), ललित-लतांत (कवि०), कथावर्त्तिनी (काव्य), ललित पिंगल-प्रकाश, ललित संग्रह (कवि०), प्रभात का तारा (गद्य-पद्य), पावस-पचीसी (ब्रजभाषा); वि० अनेक बार पुरस्कृत, प० ललित निवास, चँदिया, शहडोल ।

रघुनाथप्रसाद- 'विकल'— ज० १० जनवरी '२६- बाघी- मुजफ्फरपुर- शि बी ए ५९ बिहार वि वि प्र '४५ म प्रका स्फुट अप्र जयगर्भ

(बालो॰), विकल मधुप (कवि॰), चाँद की चेरी (कवि॰) एवं तीन कहानी एवं कविता-संग्रह; प॰ ६, किदवईपुरी पटना।

रघुनाथप्रसाद, 'साधक'—ज॰ २८ अगस्त, '१८; शि॰ मैट्रिक, व्याकरणशास्त्री, साहित्याचार्य, सा॰रत्न, साहित्यालंकार, आयुर्वेदभूषण एवं काव्यतीर्थ; सा॰ वाग्वर्द्धिनी सभा कनखल तथा हिंदी साहित्यपरि॰ बिजनौर के अवै॰ प्रचारमंत्री; संस्था॰ बेसिक प्राइमरी पाठशाला साधकपुर, जूनियर हाईस्कूल उमरीकलाँ, भूत॰ अध्यापक आर्य इंटरकालेज बिजनौर, प्र॰ '५२ में, प्रका॰ साधना (प्रबंध॰), समालोचनाशास्त्र, निबंधादर्श; अप्र॰ माया, मानव, जिज्ञासा, पुष्पावलि, ब्रह्मविद्या (ग्रंथ); वि॰ 'साधना' पर उ॰ प्र॰ सरकार द्वारा ५००) का पुरस्कार प्राप्त, प॰ साधनामंदिर, साधकपुर, ऊमरी (काँठ), मुरादाबाद।

रघुनाथ मुकुंदराव शास्त्री—ज॰ २८ मार्च '१२ धारानगरी; सा॰ प्राचीन हस्तलिखित ग्रंथभंडार गणेश ग्रंथालय में लगभग २००० हस्त-लिखित ग्रंथ सुरक्षित करने में योग, प्र॰ '३४ में; प्रका॰ स्फुट; अप्र॰ तीन लेख-संग्रह; प॰ विसा जी मेनशन, स्टेशन रोड, रतलाम।

रघुनायक विनायक धुलेकर—ज॰ ६ जनवरी, १८९१; शि॰ एम॰ए॰, एल-एल॰ बी॰; सा॰ '२०-'४५ तक स्वतंत्रता-आंदोलन में सक्रिय भाग एवं कारावास; संस्था॰: आयुर्वेद वि॰वि॰ झाँसी '४०, बुंदेलखंड आयुर्वेदिक कालेज झाँसी '३४, एम॰ एल॰ ए॰ '३७-'४२, एम॰ सी॰ ए॰ '४६-'५०, लोकसभा-सद॰ '४६-'५७, एम॰ ए॰ सी॰ तथा '४८ में अध्यक्ष उ॰प्र॰ विधान परिषद, भूत॰ संपा॰ दै॰ 'मातृभूमि' '२२-'२४, सा॰ 'मातृभूमि' कानपुर '२४-'२८, साप्ता॰ तथा अर्द्धसाप्ता॰ 'उत्साह' झाँसी; प्रका॰ कौंसिल सुधार '१९; संपा॰. मातृभूमि अब्दकोष '२९-'४२, अप्र॰ स्फुट लेखों के दो संग्रह; प॰ झाँसी वाली कोठी, ७ विधानसभा मार्ग, लखनऊ।

रघुनाथसिंह, डा॰—ज॰ २ फरवरी, '१६; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी, पी-एच॰ डी॰ काशी वि॰वि॰; सा॰ सद॰ उ॰प्र॰ विधानपरिषद (समाज-वादीदल); प्र॰ '३९ में; प्रका॰ द्वापर का युगपुरुष '४७, युगावतार '४८, पीठ का भाई '५४, न्याय का आसन (बालो॰) '६०; अप्र॰ कवि॰: बटोही के गीत, गाँवों की ओर, प्रसाद का कथा-साहित्य (आलो॰), हिंदी का भक्तिकाव्य; वि॰ 'आधुनिक हिंदी साहित्य में नारी' शोधग्रंथ पर काशी वि॰वि॰ में पी एच॰ डी उपाधि प्राप्त तथा में शोधकार्य रत प १

अध्यक्ष हि॰वि॰ चितामणि मुखर्जी ए॰ बी॰ कालेज, वाराणसी। (२) बंगला नं॰ ५, कमरा नं॰ ३, दारुलसफा, लखनऊ।

रघुनाथ सिंह, 'सागर'—ज॰ १५ दिसंबर, '२८ ; शि॰ बी॰ ए॰, बी॰ एड॰, सा॰रत्न॰, इंटर ग्रेड ड्राइंग ; सा॰ संस्था॰ युगांतर-कर्यालय, प्र॰ '४० में ; प्रका॰ चिनगारी (कवि॰) '४४, चीनों के देश में (कहा॰) '४७; वि॰ राष्टीय कविता-प्रतियोगिता मे पुरस्कृत; प॰ (१) युगातर-कर्यालय, बडवाहा, पश्चिम नीमाड। (२) प्रधानाध्यापक, गवर्नमेंट मिडिल स्कूल, बलवाडा, म॰प्र॰।

रघुपतिसिंह चौहान, 'व्यथित'—ज॰ ३१ जनवरी, '२० भरथौली, औरगाबाद; शि॰ सा॰रत्न॰ सम्मे॰ प्रयाग, बी॰ए॰, प्रभाकर पंजाब वि॰वि॰; मा॰सद : बिहार प्रांतीय हिं॰सा॰स॰ पटना तथा जिला हिं॰सा॰स॰ हजारीबाग, संस्था॰ : रामगढ थाना हि॰सा॰सम्मे॰ भरकुंडा एवं आजकल अध्यक्ष, बिहार के अहिंदी भाषियों में हिंदी-प्रचार-कार्य, 'युवकोद्गार', 'छात्र', एवं 'जागरण' के संपा॰ में सहयोग; प्र॰ '३५ मे; प्रका॰ कसक गीत (कवि॰) '४८; अप्र॰ मगहीगीत, ओ कमला (कहा॰), आज के गीत; प॰ (१) भरथौली, रामबिलासनगर, औरंगाबाद, गया। (२) व्यक्तिगत सहायक, व्यवस्थापक, भरकुंडा कोलियरी नं॰ २, राष्ट्रीय कोयला विकास लि॰, भरकुंडा, हजारीबाग।

रघुवीर, डा॰—ज॰ ३१ दिसंबर, १९०२, रावलपिंडी ; शि॰ एम॰ ए॰ पंजाब वि॰वि॰, पी-एच॰ डी॰ लंदन, डी॰ लिट॰ हालैंड ('रायल यूनिवर्सिटी आफ यूट्रैक्ट') ; जा॰ उर्दू, फारसी, संस्कृत, मराठी, बँगला, पंजाबी तथा अँग्रेजी ; सा॰ '३४ में सरस्वती-विहार (इंटरनेशनल एकेडमी आफ इंडियन कल्चर) की लाहौर में स्था॰ (जो अब नई दिल्ली मे भा॰ संस्कृति की अन्तर्राष्ट्रीय एकेडमी के नाम से है) ; '४५ में बनारस तथा पूना वि॰वि॰ मे हिंदी माध्यम द्वारा रसायनशास्त्र की शिक्षा दी, भूत॰ सद॰ भा॰ राष्ट्रीय कांग्रेस, भा॰ संविधान निर्मात्री सभा '४६-'५०, भा॰ संसद (राज्यसभा) '५२-'५७ ; भारत के विभिन्न प्रदेशो, बर्मा, थाईलैंड, श्रीलंका, कंबोडिया, इंडोनेशिया आदि का पर्यटन किया और शोध-सामग्री एकत्र की '३४-'५९ ; प्राच्य-तत्ववेत्ताओं के विश्व-सम्मेलन में आमंत्रित '५२, 'अखिल विश्व मंगोल भाषा सम्मेलन' में भारत का प्रतिनिधित्व '५९ ; प्रका॰ अलीकाली बीजाहरम (तिब्बत एवं मंगोलीय वर्णमाला), फान फान यू (भा॰ भौगोलिक नामो का चीनी-शब्दकोश), जामनीय ब्राह्मण (संपा॰), स्वर-व्यंजना '५६ आदि लगभग सत्तर प्राच्य ग्रंथ जिनमें अनेक अँग्रेजी में हैं दि ग्रेट इंग्लिश इंडियन डिक्शनरी चार खंड) ए कंसालिडेटेड

ग्रेट इँग्लिश इंडियन डिक्शनरी', 'हिंदी इँग्लिश डिक्शनरी आफ टेक्निकल टर्म्स' आदि लगभग सोलह महत्त्वपूर्ण शब्दकोश एवं हिंदी और मराठी में इंटर कक्षाओं के लिए विज्ञान-विषयक लगभग पैंतीस पुस्तकें संपा० ; अप्र० बृहत् इँग्लिश-संस्कृत-हिंदी शब्दकोश. इँग्लिश-पाली-शब्दकोश एवं मंगोल-संस्कृत शब्दकोश ; वि० प्राचीन दुर्लभ ग्रंथों का एक बृहत संग्रह किया है तथा 'शत पिटक' एवं समस्त एशियाई क्षेत्र की संस्कृति कला, साहित्य आदि पर शोधकार्य-रत ; प० 'इंटरनेशनल एकेडमी आफ इंडियन कल्चर', हौज खास, यूसुफ-सराय, नई दिल्ली ।

रघुवीरशरण बंसल—ज० ४ जलाई, '२७ ; शि० साहित्यालंकार, प्रभाकर, मैट्रिक, पंजाब वि०वि० ; प्र० '५० में; प्रका० शंखनाद, स्वाधीनता के पुजारी, राष्ट्रनिर्माता, हमारी माताएँ, भारतीय वीरांगना, आर्यसमाज के धनी, रामायण के आदर्शपात्र, स्वाधीनता संग्राम की कहानी एवं पाठ्य पुस्तकें; अप्र० चार संग्रह; वि० 'स्वाधीनता-संग्राम की कहानी' पुरस्कृत. वर्त० निजी प्रकाशन-संस्था के '५९ से संचा०; प० के-१६, नवीन शाहदरा.दिल्ली-३२

रघुवीरशरण, 'मित्र'—ज० '१९ ; सा० प्रीति-परिषद मेरठ के संस्था०, राष्ट्रीय आंदोलनों में दो बार कारावास, उ०प्र० कांग्रेस के सद०; प्रका० उप० : आग और पानी, पहली हार, काँपती आवाज, राख की दुल्हन. बलिदान एवं सोने की राख; कवि०: भूमिजा, ज्योतिपुरुष, गीले गीत. प्रतिध्वनि, जलते तारे, बंदी, प्रेरणा, फाँसी, परतंत्र एवं जननायक (महा०); आलो० : कला की कलम. आवश्यकता और लेख; अन्य : भारतमाता (नाट०), हमारे संत (जीव०), हिमांचला; बालो० . सुनो बच्चो.'अमर रहे यह देश, कदम मिलाते बढ़े चलो, भारत के लाल, महापुरुष, भूमि के भगवान, परीक्षा, बालवीर कृष्ण, बच्चों का देश, धरतीमाता आदि अनेक पुस्तकें ; वि० उ०प्र० सरकार द्वारा 'आग और पानी', 'प्रतिध्वनि', 'जलते तारे', 'ज्योति पुरुष', 'हिमांचला', 'भूमि के भगवान', 'सुनो बच्चो', 'महापुरुष', 'अमर रहे यह देश' आदि पुरस्कृत, 'सुनो बच्चो' तथा 'वीर बालक' म० प्र० सरकार द्वारा पुरस्कृत; प० २३२, स्वराज्य पथ, सदर, मेरठ ।

रघुवीरशरण शर्मा—ज० १९०१; शि० काशी, वैद्यरत्न, आयुर्वेद बृहस्पति, डी० एस० सी० ए०; सा० '३० से कांग्रेस के कार्यकर्त्ता, सद० जिलाबोर्ड '४१, प्रधानमंत्री : जिला वैद्यसभा एवं स्थानीय सेवा-समिति '३७-'४२; उपप्रधान : उ० प्र० वैद्य सम्मे० '५६-'६२; प्रका० भारतीय जीवाणु-विज्ञान, धन्वंतरि-परिचय, संक्रामक रोग, चरक संहिता का निर्माण-काल तथा काश्यप संहिता

का निर्माण-काल, अप्र० सूर्य देवता, इंद्र देवता, अश्विनी देवता, वरुण देवता, अग्नि देवता, रुद्र देवता, कृत्या और अभिचार, पाताललोक, वेद और आयुर्वेद, अनुभूत चिकित्सादर्शन, सरल ज्योतिष एवं हिंदू विवाह-मीमांसा; वि० 'चरक संहिता का निर्माण-काल' तथा 'काश्यप संहिता का निर्माण-काल' पर उ० प्र० सरकार एवं आयुर्वेद तथा तिब्बी एकेडमी द्वारा पुरस्कार प्राप्त; प० रसायन शाला, बुलंदशहर।

रघुवीरसहाय माथुर, डा०—ज० ८ मार्च, '१२; शि० एम० एस-सी '३३ लखनऊ वि० वि०, पी-एच० डी० '४९ अमेरिका, एसोसिएट आई० ए० आर० आई० नई दिल्ली; प्रका० स्फुट; अप्र० लगभग साठ कृषि-संबंधी तथा अन्य लेखों एवं हास्य कहानियों के चार संग्रह; प० प्लांट पैथोलाजिस्ट, ६ एग्रीकल्चर गार्डेन, नवाबगंज, कानपुर।

रघुवीरसिंह, महराजकुमार, डा०—शि० एम० ए०, डी० लिट, एल-एल० बी०, बड़ौदा, इंदौर एव आगरा वि० वि०; सा० सीतामऊ राज्य न्यायालय के न्यायाधीश, राज्यपरि० के सदस्य० तथा सभा०; सेना में उच्चपदों पर कार्य किया, सुधारों के लिए अनेक सफल आंदोलन, 'चैंबर आफ प्रिंसेज' में सम्मिलित, भारतसंघ मे सर्वप्रथम अपने राज्य को सम्मिलित किया, राज्य सभा (संसद) के सद० '५२-'६२, संयुक्त राष्ट्रसंघ मे भारतीय प्रतिनिधि मंडल के संसदीय सलाहकार '५६-'५७, इंडियन हिस्ट्री कांग्रेस के स्थानीय और मुगलकालीन भारत विभागों के अध्यक्ष '५२-'५३; प्रका० पूर्व मध्यकालीन भारत बिखरे फूल, सप्तदीप, शेषस्मृतियाँ (गद्यकाव्य), मालवा में युगांतर, रतलाम का प्रथम राज्य, जीवन-धूलि, जीवन कण, पूर्व आधुनिक राजस्थान, रसाल-कृत 'रामचरित्र' तथा खड़िया जगा-कृत 'वचनिका' (सहसंपा०); अप्र० चार-पाँच सग्रह; वि० इतिहास-संबंधी सात-आठ महत्वपूर्ण ग्रंथ अँगरेजी मे भी लिखे हैं. '४५ में सम्मे० प्रयाग का 'मंगलाप्रसाद पारितोषिक' प्राप्त; 'शेष स्मृतियाँ' का गुजराती तथा मलयालम में अनु० हुआ है; प० रघुवीर निवास, सीतामऊ, मालवा।

रजनीकांत लहरी—ज० १ मार्च, '२६; शि० एम० ए० अँग्रेजी एवं हिंदी, बी० टी०, सा० भा० जनसंघ के कार्यकर्ता एवं अ० भा० सद०, '४७-'५२ तक राष्ट्रीय स्वयंसेवकसंघ में कार्य, भूत० प्राध्यापक राजकीय डिग्री कालेज मंडी (हि० प्र०) एवं दयानंद सुभाष नेशनल कालेज उन्नाव; 'हिमालय', 'देशभक्त', 'पांचजन्य' के संपा० मंडल में कार्य किया; व्यवस्थापक : साप्ता० 'उत्थान' कानपुर एवं साप्ता० 'प्रचारक' बुलंदशहर; प्रका० स्फुट;

अप्र० तीन संग्रह; वि० 'अँग्रेजी निबंधों का हिंदी निबंधों पर प्रभाव' विषय पर शोधकार्य-रत; प० (१) ८८।५३५, प्रेमनगर, कानपुर। ( ) प्राध्यापक दयानंद सुभाष नेशनल कालेज (बी० टी० विभाग), ९११ भूरीदेवी, उन्नाव।

रणंजयसिंह ददन, राजा—ज० २९ अप्रैल, १९०१; शि० लखनऊ; सा० सद० केंद्रीय व्यवस्थापिका सभा '२६-'३०, उ०प्र० विधान सभा '५२-'५७ तक, उ०प विधान परिषद '५८-'६२ तथा लोकसभा '६२, संस्था० सद० 'एयरोक्लब आफ इंडिया ऐंड बर्मा' '२७-'३०, आजीवन सद० सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, अ० भा० संस्कृत परिषद, ना० प्र० सभा काशी, अ० भा० हि० सा० सम्मे० तथा उ० प्र० हि० सा० सम्मे०, मीरा प्रकाशन समिति हैदराबाद, क्षेत्रीय शिक्षा समिति सुलतानपुर; जिला संयोजक भारतसेवक समाज सुलतानपुर, प्रतिनिधि अखिल एशिया शिक्षा सम्मे० '३० तथा अ० भा० कांग्रेस '२८-'२९ एवं '५०-'५१, संस्था०, संरक्षक तथा प्रधान श्रीरणवीर विद्याप्रचारिणी सभा अमेठी एवं मा०'मनस्वी'; संयुक्त-संस्था० ना० प्रचा० सभा अमेठी तथा राष्ट्रीय सेवासंघ कालाकाँकर, संरक्षक-आर्य स्वराज्य सभा पंजाब, भूत० प्रधान आर्य प्रतिनिधि सभा उ० प्र०, भूत० कुलपति गुरुकुल विश्वविद्यालय वृंदावन, संस्था० रणवीर-रणंजय डिग्री कालेज, रणवीर इंटर कालेज, श्रीमहारानी बालिका विद्यालय, श्री माधव विद्यालय, भूपसा संग्रहालय, प्रजा हितकारिणी सभा तथा मनस्वी-मंडल, अनेक संस्थाओं को दान दिया; प्रका० अभ्यागमन, सत्य-संरक्षण, विद्या आदि; प० अप्र० स्फुट रचनाओं के दो संग्रह; भूपति-भवन, अमेठी, सुलतानपुर।

रणधीर सिनहा, डा०—ज० ४ जनवरी, '२४; शि० एम० ए० हिंदी '५५, पी-एच० डी० '६२ पटना वि०वि०; सा० अध्यक्ष : बिहार राज्य लेखक-परि० '६०-'६३, संस्था० : पाटलिपुत्र परिमल '४९, भा० साहित्यिक समाज '५७ एवं कविता-संगम; भूत० संपा० साप्ता० 'स्वदेश' पटना '५२, संपा० 'आधुनिक कविताएँ '५९, 'आधुनिका' (गद्य-संक०) '६३; प्र० '४९ से; प्रका० आकलन (आलो०) '५६, रचनाएँ (कवि० तथा गद्य) '५८, संपा० : विविधा (भाग १) '५६, विविधा (भाग २) '५८; आधुनिक कविताएँ '६२, हाथ का जस (कहा०) '६२, बिहारी और उनका युग (शोधग्रंथ) '६३, नयी कविता की भूमिका '६३, नवीनतम साहित्य '६३; अप्र० आलो० निबंधों एवं कविताओं के चार संग्रह; प० हि० वि०, गया कालेज, गया।

रणवीरसिंह, 'वीर'—शि० खरगपुर, मुंगेर; सा० युवकसंघ नवगाई, जगन्नाथ पुस्तकालय शीतलपुर, माध्यमिक विद्यालय सीताकुंड तथा जिला

पत्रकार-संघ मुंगेर के मंत्री, सभा० अथवा सद०, स्वतंत्रता आंदोलनों में सक्रिय भाग तथा कई बार कारावास, भूत० प्रका०-संपा० 'कांग्रेस बुलेटिन', 'खड़गपुर संदेश' तथा 'तारापुर तरंग' ; साप्ता० 'नवशक्ति' पटना में कार्य '३४-'३८, सहसंपा० साप्ता० 'प्रभाकर' मुंगेर '४०-'४२ तथा '४४-'४७, मा० 'मुंगेर' (जिला बोर्ड मुंगेर द्वारा प्रकाशित) '४८-'६० ; प्रका० तारापुर झंडाकांड (काव्य) '३२, श्मशान मुंगेर (कवि०) '३४ ; अप्र० प्रणविपयोद (काव्य) ; प० (१) शीतलपुर, मुंगेर। (२) जिला बोर्ड प्रेस, मुंगेर।

रणवीरसिंह शक्तावत, 'रसिक'—ज० १९०९ पिपलाज, अजमेर : शि० सा०रत्न अलीगढ़, साहि० महोपाध्याय अजमेर, विद्यालंकार अयोध्या ; प्रका० रणवीर-सुभाषित रत्नमाला, फैशन-फजीती, नरसी चरित, हनुमच्चरित, काव्य-कुंज, प्रताप (महा०) ; अप्र० कृष्ण कर्मा (नाट०), प्रताप-पताका, श्री महावीर-चरितामृत, काव्य-रचना और कवि-रहस्य, अलंकार-दिग्दर्शन ; वि० 'सुकवि' उपाधि से सम्मानित, 'रणवीर-सुभाषित-रत्नमाला' पर महाराणा उदयपुर से ७५०) का तथा 'प्रताप' पर राज० साहि० अकेडमी द्वारा ५००) का पुरस्कार प्राप्त ; प० सुपरिटेंडेंट, रेवेन्यू बोर्ड, अजमेर।

रतन पहाड़ी—ज० १५ अक्टूबर, '२८ ; शि० बी० ए०, सा०रत्न, शास्त्री ; सा० '४२ के आंदोलन में कारावास, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति वर्धा में प्रचार-व्यवस्थापक , संपा० मा० 'जैनजगत' (तीन वर्ष तक) ; प्रका० कल्पना की बातें, प्रवचन (संक०) '५३, समाज-गौरव '६० ; वि० 'चंदा से दो बातें' पर ५००) का पुरस्कार प्राप्त ; प० बैचलर रोड, वर्धा।

रतनलाल मिश्र—ज० नवंबर, '२५ , शि० एम० ए० हिंदी, राज० वि० वि० (स्वर्णपदक प्राप्त) ; प्र० '५२ में ; प्रका० नागौर जिला परिचय '५८, नागौर नगर '५८, नागौर का पशुधन '५८, लोकतंत्रीय विकेंद्रीकरण की प्रथम मंजिल (संपा०) '५९, नागौर जहाँ विकास के चरण बढ़ रहे हैं (संक०) '६१, नागौर-दिग्दर्शन '६१ ; अप्र० नागौर का इतिहास एवं दो संग्रह ; प० जनसंपर्क अधिकारी, नागौर।

रत्नचंद्र शर्मा—ज० १९ अप्रैल, '१९ ; शि० एम० ए० (संस्कृत, हिंदी तथा अँग्रेजी), एम० ओ० एल०, शास्त्री, उस्का, जम्मू तथा लाहौर ; प्र० '५० में ; प्रका० आदर्श संस्कृत अनुवाद शिक्षा, चंद्र हिंदी मिडिल व्याकरण, प्रकाश-प्रकाश, उपन्याससम्राट मुंशी प्रेमचंद, कलालंकार कौमुदी, राष्ट्रीय संस्कृत व्याकरण तथा अनुवाद शिक्षा, हिंदी गद्य की विकास-परंपरा, हिंदी गद्य और उसके रूप, नवीन संस्कृत रीडर्स (तीन भाग) प्रबोध हिंदी

व्याकरण, भारतीय सत कवि ; अप्र० संत रविदास, भारतीय दार्शनिक, विहारी और उनकी काव्यकला, शबरी, यक्षपंचाशिका, त्रिजटा टेक रक्षा एव एकाकियों-गीतों के दो संग्रह ; वि० अतिम तीन खंडकाव्य पत्रों में छप चुके हैं ; प० अध्यक्ष हिंदी विभाग, दयालसिंह कालेज, करनाल ।

रत्नलाल वैश्य—ज० १५ मई, '१३, फरीदनगर, मेरठ, शि एम० ए० हिंदी '३५, संस्कृत '४२ ; सा० हि० साहि० परि० की शिकोहाबाद मे स्था० एवं प्रथम संयोजक, आगरा वि० वि० के 'हिंदी बोर्ड आफ स्टडीज' तथा 'फैकल्टी आफ आर्ट्स' के भूत० सद० ; प्रका० केशव काव्य, गोस्वामी तुलसीदास, काव्यशास्त्र, अप्र० आलो० लेखो के चार संग्रह , वर्त० अध्यक्ष हि० वि , ए० के० कालेज, शिकोहाबाद ; प० २५९, नई बस्ती, शिकोहाबाद ।

रमाकात उपाध्याय—ज० ४ फरवरी, १९०८ ; शि० बी० ए०, एल एल० बी०, प्रयाग वि० वि० ; प्रका० स्फुट ; अप्र० पेटशतक (खड०), लोकोक्ति-सचय, अमर कोश, आरती (कवि०) ; प० कोटवा, इलाहाबाद ।

रमाकांत त्रिपाठी— ज० १९०० ; शि० बी० ए० '२३, एम० ए अँग्रेज़ी, प्रयाग वि० वि० '२५ ; प्रका० हिंदी गद्य-मीमासा '२६, '३१ एवं '४९, प्रताप-पीयूष '३३, कानपुर के कवि '४६ ; अप्र० आलो० लेखों के दो संक० ; वि० अवकाश प्राप्त ; प० ११ बी०, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद ।

रमाकांत मिश्र, 'सुजन'—ज० १ अप्रैल, '३० ; शि० शास्त्री, विशारद , सा० स्थानीय पुस्तकालय तथा ग्राम चर्खा संघ में कार्य ; प्र० '५२ मे ; प्रका० धरती गाती है ; अप्र० दो कवि० - संग्रह , वर्त० खाद्य-निरीक्षक , प० सुजन निवास, बेगूसराय, मु गेर ।

रमानाथ त्रिपाठी, डा०—ज० '२६ क्योंटरा, एटावा ; शि० एम० ए हिंदी, पी०एच० डी० ; मा० राष्ट्रीय स्वयसेवक सघ के कार्यकर्त्ता, संचा अंतर भारती '५९ ; प्र० '४४ मे , प्रका० उप० कमल कुलिश '६०, योगमाया '६१, कृत्तिबासी बँगला रामायण और रामचरितमानस का तुलनात्मक अध्ययन (शोधग्र थ) '६३; अप्र० ओस और माटी (उप०), गद्य-रामायण, विशेष कवि तुलसी ; वि० 'असमिया, बँगला , उडिया और हिंदी रामायणों का तुलनात्मक अध्ययन' विषय पर डी० लिट के लिए शोधकार्यरत ; वि० कई छद्मनामों से कविताएँ लिखी हैं ; प० हिंदी प्राध्यापक वि०सि० सनातन धर्मकालेज (पोस्ट ग्रैजुएट), कानपुर ।

रमापति शुक्ल—ज० १९०९, नारायणपुर (गोरखपुर) ; शि० गोरखपुर तथा वाराणसी मा सद प्रबंधकारिणी समिति काशी ना०

प्र०सभा '३६-'३८, ऐतिहासिक व्याकरण-समिति काशी वि० वि०, भूत प्रधानाचार्य भगवानदीन मा.हि० विद्यालय वाराणसी '५८-'६१ ; प्र० '२३ में ; प्रका० संगीत-सरोवर (दो भाग, संपा०) '३१, शैशव (कवि०) '४५, राष्ट्र के त्राण (जीव०) '४८, भारतीय अर्थशास्त्र (प्रथम भाग) '४९, अर्थशास्त्र (अनु०) '५०, अंगूरों का गुच्छा (कवि०) '५४ अर्थशास्त्र और वाणिज्यशास्त्र की शिक्षा '५८, हुआ सवेरा '५८ ; वि० 'शैशव' पर उ० प्र० सरकार द्वारा ३००) का पुरस्कार ; वर्त० प्राध्यापक, टीचर्स ट्रेनिंग कालेज, वि० वि०, वाराणसी, प० ४४/१६८, रामपुरा, वाराणसी।

रमाप्रसाद घिल्डियाल पहाड़ी—ज० जुलाई, '१२ ; भा० रजिस्ट्रार सम्मे० प्रयाग, भूत० अध्यक्ष हि० वि० आकाशवाणी लखनऊ, भूत० प्रतिनिधि 'टाइम्स आफ इंडिया' तथा 'स्टेट्समैन'; साप्ता० 'कर्मभूमि' एवं मा० 'नया साहित्य' के संपादकीय मंडल के भूत० सद०, राजनीतिक आंदोलनों में कारावास ; प्रका० उप० : सराय, चलचित्र तथा निर्देशक ; कहा० : बया का घोंसला, छाया में, नया रास्ता, मौली, शेषनाग की थाती, हिरण की आँखें, तूफान के बाद, सफर, अधूराचित्र, सड़कपर, बरगद की जड़ें, कैदी और बुलबुल, मालापति, बीज और पौधा, ब्रांडकोट ; संपा० प्रतिनिधि कहानियाँ, कहानी-कलानिधि ; अप्र० एक उपन्यास एवं दो कहा० संग्रह ; वि० अनेक बालो० रचनाएँ भी लिखी हैं ; प० ४२, बलरामपुर हाउस, इलाहाबाद—२।

रमा विद्यार्थी, श्रीमती—ज० १८ मई, '२० ; शि० एम० ए० आगरा वि० वि० ; भा० सं० सा० दै० तथा साप्ता० 'प्रताप' कानपुर, प्र० '३५ में ; प्रका० स्फुट निबंध एवं गद्यगीत ; अप्र० काँटे और फूल, रघुपति राघव राजाराम, पदचिह्न, कांग्रेस और महिलाएँ, रसौ वै सः, मैं स्वयं रवि हूँ आदि दस ग्रंथ ; प० ७८९, तिलकनगर, कानपुर।

रमाशंकर पांडेय—ज० '२७ ; शि० एम० ए० हिंदी, कलकत्ता वि०वि०, सा०रत्न सम्मे० प्रयाग, 'प्रबोध' दार्जिलिंग ; सा० प्रचारमंत्री हिमांचल भवन दार्जिलिंग '४७-'४६, प्रमाणित प्रचारक राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा, राष्ट्रभाषाशिक्षक भार० धातु शोधसंस्था जमशेदपुर, प्रधान संपा० मा० 'स्वर्णरेखा' जमशेदपुर ; प्रका० राष्ट्रभाषा-व्याकरण '५६, राष्ट्रभाषा रचना '५७, पत्थर के फूल (कहा०) '६१, भोजपुरी-संगम '६२ ; अप्र० दो संग्रह ; प० अध्यापक, लोयला स्कूल, जमशेदपुर—१।

रमेश—ज० १६ दिसंबर, '२२, कल्याणपुर, भरथुआ ; शि० इंटर, विशारद, सा० संस्था० : ध्रुवस्मृति पुस्तकालय भरथुआ, प्रताप शिशु-मंडल-

कल्याणपुर, उपाध्यक्ष कलाभारती मुजफ्फरपुर, भूत० सहसंपा० साप्ता० 'आवाज' बंबई '४६-'४८, साप्ता० 'विक्रम' तथा दै० 'विश्वमित्र' बंबई, दै० 'राष्ट्रवाणी', साप्ता० 'स्वदेश' पटना '५० तक, भूत प्रधानसंपा० साप्ता० 'जिंदगी' तथा मा० 'बागमती'; प्रका० इधर उधर की बातें (कहा०) '४६, बहुत दिन हुए (उप०), रेखाएँ बोलती हैं '५२, नौकरें (उप०) '५४, कवि भांट (हास्य-कवि०) '५५ ; अप्र० शब्दशैली (निबंध), मुखिया जी (उप०) एवं कुछ संस्मरण , प० बागमती प्रकाशन, कुबनिरोड, मुजफ्फरपुर ।

रमेशकुमार उपाध्याय—ज० १२ दिसंबर, '२८ ; शि० एम० ए० हिंदी, प्रयाग वि० वि० ; प्रका० स्फुट ; अप्र० दीवाल का फूल एवं दो संग्रह ; वि० 'काशी का साहित्यिक वृत्त (१८४०-'४०) साहित्य की मानवीय पृष्ठभूमि का अध्ययन' विषय पर शोधकार्य-रत ; प० कोटवा, इलाहाबाद ।

रमेशकुमार शर्मा,डा०—ज० २३ दिसंबर, '२६ , शि० एम० ए० हिंदी, पी-एच० डी०, एल-एल० बी० ; मा० कांग्रेस के सद० एवं '४२-'४४ तक स्वतंत्रता आंदोलन में कारावास, 'विशाल भारत' के संपादन-कार्य में पिछले पंद्रह वर्षों से सहयोग ; प्र० '४८ में ; प्रका० विराज बहू (अनु०), रीति कविता का आधुनिक हिंदी कविता पर प्रभाव (शोधग्रंथ) ; अप्र० आलो० लेखों के दो संग्रह ; वर्त० प्राध्यापक हिंदी वि०, आगरा कालेज, आगरा ; प० द्वारा प० श्रीरामशर्मा, संपा० 'विशाल भारत', बल्कावस्ती, आगरा ।

रमेश गौड़—ज० १८ जून, '३८ , शि० एम० ए० हिंदी, दिल्ली वि० वि० '५८, सा०रत्न सम्मे० प्रयाग, आई० जी० डी० बंबई, आर० डी० एस० लंदन ; जा० बँगला, उर्दू, पंजाबी, जर्मन एवं रूसी ; प्र० '५८ में ; प्रका० संपा० उर्दू की तेरह श्रेष्ठ कहानियाँ, बँगला की तेरह श्रेष्ठ कहानियाँ, आधुनिक हिंदी लेखकों की तेरह श्रेष्ठ कहानियाँ ; मौलिक : आँखों के सपने (कवि०) , वि० अधुनातन काव्य-प्रवृत्ति के संकलन 'प्रारंभ' के चौदह कवियों में एक ; बँगला, उर्दू एवं पंजाबी से अनेक अनु० किये हैं ; वर्त० संपा० मा० 'दिशा' तथा शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के केंद्रीय हिंदी निदेशालय से प्रकाशित होनेवाली त्रैमा० 'भाषा' के संपादकीय विभाग से संबंधित ; प० सी।२१३, राणाप्रताप बाग, दिल्ली ६ ।

रमेशचंद्र गुप्त ज० २० फरवरी, '४० ; शि० बी० ए० आनर्स हिंदी, एम० ए० हिंदी, दिल्ली वि० वि० ; सा० संस्था० 'आराधना' साहित्यिक गोष्ठी, 'इस्टीट्यूट आफ एजूकेशन' दिल्ली के स्नातकोत्तर हिंदी-विभाग के भूत० अध्यक्ष ; प्रका० साहित्यालोचन के सिद्धांत, कामायनी-समीक्षा, आदर्श

मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ, गबन-समीक्षा ; अप्र० कामायनी की भाषा का काव्यशास्त्रीय अध्ययन, मेरे गीत : तुम्हारे आँसू (काव्य) एवं दो संग्रह; वि० निबंधों पर पुरस्कार प्राप्त ; वर्त० साहि० सहायक, हि०वि०, दिल्ली वि० वि०, दिल्ली ; प० २ सी-१४, नई रोहतक रोड, करौल बाग, दिल्ली —५ ।

रमेशचंद्र जैन, डा०— ज० १ जनवरी, '३४ आगरा ; शि० सा०रत्न '४८, एम० ए० अर्थशास्त्र '५४, एम० ए० हिंदी '५६, एम० लिट० भाषाविज्ञान '५८, पी-एच० डी० '६२ आगरा वि० वि० (शोधकार्य के लिए आगरा वि०वि० से दो वर्ष के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त) ; सा० आगरा वि० वि० के कन्हैयालाल मुंशी हिंदी तथा भाषा विज्ञान विद्यापीठ में दो वर्ष तक अनुसंधान-सहायक रहे, ना० प्र० सभा आगरा के हिंदी साहित्य विद्यालय में दो वर्ष तक प्रधानाध्यापक रहे ; प्र० '४६ में ; प्रका० अमर विभूतियाँ, गौरव की किरणें, बड़ों का बचपन, भारत के वीर सपूत, जीवन की राह, महान वैज्ञानिक, स्वावलंबन, नव और अंग, हिंदी रत्नाकर, साहित्य का संक्षिप्त इतिहास ; अप्र० हिंदी समास-रचना का अध्ययन (शोधग्रंथ) एवं आलो० लेखों के चार संग्रह ; प० हिंदी प्राध्यापक, पोद्दार कालेज, नवलगढ़ (राज०) ।

रमेशचंद्र, 'प्रेम'—ज० २५ नवंबर, '२५ ; शि० बी० एस-सी०, प्रभाकर , प्र० '४० में ; प्रका० उप० : अगला स्टेशन, आशा, तोड़ दो बंधन, चौराहा एवं पाप की छाया ; वैज्ञा० : भारतीय विज्ञान की कहानी, गर्मी और हम, दानवमरत, सरीसृप, मंगल और अन्य ग्रह एवं सरल विज्ञान (छह भाग, संग्रह) ; अन्य : हमारे पड़ोसी देश एवं देश देश की प्रथाएँ ; बालो : विश्व की लोककथाएँ (छह भाग), देश-देश की सैर (दो भाग), देश-देश के बच्चे (दो भाग), क्रीकेट, विचित्र पशु, बर्मा की लोककथाएँ, चीन की लोककथाएँ, कोरिया की लोककथाएँ, असम की लोककथाएँ, आयरलैंड की लोककथाएँ ; अप्र० सात-आठ ग्रंथ ; वर्त० साहि० संपा० 'नवभारत टाइम्स' दिल्ली ; प० ३७, दरियागंज, दिल्ली ।

रमेशचंद्र मेहरा—ज० १९ दिसंबर, '३९ , शि० बी० ए० (प्रथम) मराठावाडा वि०वि० (मराठावाडा विद्यापीठ का १०१) का पुरस्कार प्राप्त) '५९, एम० ए० (प्रथम) सागर वि०वि०, (स्नातकोत्तर द्वैवर्षीय छात्रवृत्ति प्राप्त '६०-'६२) ; सा० हिंदी साहि० मंडल औरंगाबाद के उपाध्यक्ष '५९-'६०, रिसर्च फेलो, केंद्रीय सरकार, शिक्षा मंत्रालय ; प्र० '५८-'५९ में ; प्रका० निराला का परवर्ती काव्य '६३ ; अप्र० आलो० लेखों के दो संग्रह ; प० यू० जी० सी० रिसर्च फेलो, हिं० वि०, वि० वि०, सागर ।

रमेश बक्षी—ज० १५ अगस्त, '३६, इंदौर ; शि० एम० ए० हिंदी (सर्वप्रथम) ; सा० 'जागरण' इंदौर के संपादकीय विभाग में तीन वर्ष तक एवं आकाशवाणी इंदौर केंद्र में तीन वर्ष तक कार्य किया ; शिक्षा विभाग म० प्र० में तीन वर्ष से प्राध्यापक ; प्र० '५१ में ; प्रका० मेज पर टिकी हुई कुहनियाँ (कहा०), हम तिनके (उप०), किस्से ऊपर किस्सा, तत्र बोली ३३वीं पुतली (निबंध०), कहानी में औत्सुक्य का अनुपात (प्रबंध) , अप्र० दो लेख-संग्रह ; वर्त० प्राध्यापक, गवर्नमेंट हमीदिया कालेज, भोपाल ; प० बी ४५।२ साउथ टी० टी० नगर, भोपाल ।

रमेश भार्गव, 'उद्गम'—ज० ११ दिसंबर, '३६, गुना ; शि० बी० काम० ; प्र० '५८ में ; प्रका० स्फुट कविताएँ, नाटक, कहानियाँ, लेख आदि ; अप्र० चार संग्रह ; प० पोस्ट आफिस रोड, गुना ।

रमेश शर्मा—ज० १२ जनवरी, '३६ ; शि० मैट्रिक, विशारद, आयुर्वेदरत्न (प्रथम), संस्कृत विशारद ; प्र० '५७ में ; प्रका० स्फुट , अप्र नवल कुसुम (कवि०), पागल, अधकार, पड़ताल, आरती के आँसू (कहा०) ; प० जगदीश मंदिर, शुजालपुर म० प्र० ।

रविरंजन सिन्हा—ज० २५ दिसंबर, '३७, आरा ; शि० बी० ए० आनर्स '५४, बिहार वि०वि० ; सा० भूत० सहसंपा० अँग्रेजी दै० 'सर्चलाइट' '५४-'५६, आकाशवाणी पटना के समाचारविभाग में संवाददाता '६०-'६२, बिहार सरकार के जनसंपर्क विभाग में सहायक निर्देशक '६२ से ; प्र० '४२ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० कवि० एवं लेखों के तीन-चार संग्रह ; प० जनसंपर्क विभाग, बिहार सरकार, पटना ।

रवींद्र कालिया—ज० ११ नवंबर, '३८ ; शि० बी० ए० आनर्स, एम० ए० ; प्र० '५४ में ; प्रका० हाशिए (अनु०), शादी का इश्तहार (संपा०), अपना अपना दर्द (कहा०), जलती निशानियाँ (उप०) ; अप्र० दो संग्रह ; प० प्राध्यापक, दयानंद कालेज, हिसार ।

रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, 'अनादि'—ज० १ जून, '४१ , धनौड़ा, गोरखपुर ; शि० बी० ए० ; सा० सहायक निर्देशक विविधभारती मनोरंजन केंद्र, मंत्री 'राजेंद्राश्रम' ; प्रका० स्फुट ; अप्र० ओस भीगी रात (कवि०), तुलसीदास (खंड०) ; प० सहायक, 'भारत'- कार्यालय, लीडरप्रेस, प्रयाग ।

रवींद्रप्रकाश कुलश्रेष्ठ—ज० ८ नवंबर, '२८ ; शि० एम० ए० भूगोल एम० एड० ; प्र० '४५ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० अँधेरे के बाहर (उप०) झलकियाँ (कवि०), स्वप्नरेखा (कहा०) ; वि० विभिन्न कहा० प्रतियोगिताओं

में पुरस्कृत ; प० (१) बेगमबाग, अलीगढ़ ! (२) प्राध्यापक, शासकीय उच्च माध्य विद्यालय, बागली, देवास ।

रवींद्र भ्रमर, डा०—ज० ६ जून, '३४, जौनपुर ; एम० ए० हिंदी '५४, पी-एच० डी '५९ काशी वि०वि० ; प्र० '५३ में ; प्रका० अभिजात '५७, भारती (संपा०) '६१, पद्मावत में लोकतत्व '६२, रवींद्र भ्रमर के गीत '६२, कविता-सविता (कवि०) ; अप्र० विजयमार की ढोल (कहा०), हिंदी कविता की नयी प्रवृत्तियाँ (आलो०), भक्ति साहित्य में लोकतत्व (शोधग्रंथ), लोकायन (निबंध०) ; वि० 'नयी कविता' (भाग २, ३, ४, ५, ६) एवं 'निकष' (भाग १, ३, ४) के सहयोगी कवि, 'हिंदी साहित्य-कोश' (भाग १, २) के सहयोगी लेखक ; प० संस्कृत-हिंदी-विभाग, वि०वि०, अलीगढ़ ।

रवींद्र राजहंस—ज० १८ जनवरी, '४० ; शि० बी० ए० आनर्स, एम० ए० अँग्रेजी, '६०, पटना वि०वि० ; मा० नगर के साहि० आयोजनों में सक्रिय योग ; प्र० '५४ में , प्रका० भोजपुर की लोककथाएँ ; अप्र० स्फुट रचनाओं के चार संग्रह , वि० दो बार लेख-पुरस्कार ; प० प्राध्यापक, अँग्रेजी विभाग, जगदम कालेज, छपरा (बिहार) ।

रसिकबिहारी—ज० '१८ ; शि० एम० ए० अँग्रेजी तथा दर्शन, काशी वि वि० ; प्रका० स्फुट ; अप्र० आलो० निबंधों एवं कहानियों के चार संग्रह ; वर्त० प्राध्यापक काशी वि०वि०, वि० टी० यस० इलियट : 'ए स्टडी आव क्रिएटिव इट्यूशन इन पोएट्री' पर शोधकार्य-रत ; अँगरेजी से अनेक अनु० किये हैं ; प० डी० ४५/२९, नई बस्ती, रामापुरा, वाराणसी—१ ।

रसिकबिहारी ओझा, 'निर्भीक'—ज० २९ दिसंबर, '२२ , शि० बी० ए० पंजाब वि०वि०, प्रवेशिका देवघर ; सा० जमशेदपुर भोजपुरी साहि० परि० के मंत्री, श्रीशारदा पुस्तकालय तथा छात्रसेवासंघ के अध्यक्ष ; प्र० '५१ में ; प्रका० स्फुट रचनाएँ तथा कुछ संग्रहों में कहा० संगृहीत ; अप्र० लैंसनायक खूबसिंह (एकांकी), उसकी मधुर याद (रेखाचित्र) ; प० १ गोलमुरी बाजार, जमशेदपुर—३ ।

रसिकबिहारी, 'मंजुल'—ज० ५ अगस्त, '३८ ; शि० मेरठ एवं गाजियाबाद, एम० ए० दर्शनशास्त्र ; सा० काव्यसंपा० 'संतुलन' आगरा, संस्था० वाणी-निकेतन ; प्र० '५६ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० कविताओं एवं लेखों के दो-तीन संग्रह ; वि० क संग्रहों में रचनाएँ संकलित ; प० ५१, डी कमलानगर, दिल्ली—६ ।

रागेश मिश्र—ज० '३५, लखनऊ; शि० मैट्रिक ; मा० संस्था० पल्लव संस्थान लखनऊ ; प्रका० स्फुट; अप्र० कवि० : भाव सप्तक, संध्या सागर और चाँद, न आये अजहूँ पहुना, रण का न्यौता, ले लूँगा दुख दर्द तुम्हारा, प० अध्यापक जनता कालेज, रामनगर, आलमबाग, लखनऊ ।

राघवाचार्य—ज० '१६; शि० बी० ए०, एल-एल० बी०, आगरा वि०वि० ज्ञा० संस्कृत, तामिल एवं उर्दू ; सा० भार० धर्म एवं संस्कृति के प्रचारक. संचा० भा० अनुशीलन प्रतिष्ठान, संपा० साप्ता० 'आचार्य' एवं मा० 'श्रीवैष्णव सम्मेलन' ; प्रका० स्फुट; वि० वाल्मीकि रामायण, श्रीमद्भागवत एवं श्री वैष्णव संप्रदाय पर शोधकार्य-रत, आचार्य ग्रंथमाला एवं श्रीबालमुकुंद-ग्रंथमाला के संपा० में रत; प० श्रीआचार्यपीठ, बरेली ।

राजकमल चौधरी—ज० १३ दिसंबर, '२९; पु० '५८ में; प्रका० स्वरगंधा (कवि०), आदि कथा (उप०), कथापराग (कहा०), नदी बहती थी (उप०), सीमांत (अनु० उप०); अप्र० कविताओं-कहानियों के दो संग्रह एवं एक उप० (कलकत्ते का सामाजिक जीवन : '४०-'६२); वि० संपूर्ण पूर्वी एशिया की यात्रा कर चुके है, 'भारतीय सौंदर्य-शास्त्र' में शोधकार्य-रत; प० पूर्व पुटियारी, कलकत्ता—३३ ।

राजकिशोर कक्कड़, डा०—ज० १ मार्च, '१९, शि० एम० ए० हिंदी '४२, अँग्रेजी '४५, पी-एच० डी० '५७ आगरा वि०वि०, प्रका० आधुनिक हिंदी साहित्य में आलोचना का विकास १८६५-'४३ (शोधग्रंथ यंत्रस्थ) ; अप्र० आलो० लेखों के चार संग्रह; वि० 'हिंदी आलोचना का इतिहास' विषय पर डी० लिट० के लिए शोधकार्य-रत; वर्त० प्राध्यापक हिं०वि०, मेरठ कालेज, मेरठ; प० ८, रमाकुटीर, तिलकरोड, मेरठ ।

राजकिशोर पांडेय, डा०—ज० १ जनवरी, '२०; शि० एम० ए० हिंदी, आगरा वि०वि०, पी-एच० डी० उस्मानियाँ वि०वि० हैदराबाद; सा० हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद में दस वर्ष तक विभिन्न पदों पर कार्य, हिंदी अकेडमी हैदराबाद के भूत० मंत्री, 'लैंग्वेजेज सेमीनार' उस्मानिया वि०वि० के मंत्री, उस्मानियाँ वि०वि० में बारह वर्षों से हिंदी प्राध्यापक; प्रका० विभूतियाँ '५१, रचना और निबंध '५३, दक्षिण के महापुरुष '५३, सैफुल मुलूक व बदी उल जमाल (संपा०) '५५, आंध्र के हिंदी कवि '५८; अप्र० दक्खिनी का प्रारंभिक गद्य, चंदरबदन व महयार (संपा०), हिंदी साहित्य का प्रारंभिक युग, दक्खिनी गद्य के विकास में सूफी संतों का योगदान एवं आलो० लेखों के चार संग्रह; प० रीडर, हिं०वि, उस्मानिया वि०वि०. हैदराबाद ।

राजकिशोर सिंह—ज० '१८, शि० काशी तथा कलकत्ता वि०वि०; सा० सद० ' अ०भा० पत्रकारसंघ, अध्यक्ष श्रमजीवी हिंदी पत्रकारसंघ, मंत्री बड़ा बाजार जिला कांग्रेसकमेटी, अंतर्राष्ट्रीय पत्रकारसंघ हेलसिंकी (फिनलैंड) में '५६ मे भार० प्रतिनिधि; यूरोप, एशिया, अरब, रूस, चीन कोरिया आदि का भ्रमण; भूत सहायक तथा प्रधानसंपा० : 'प्रगति', 'अधिकार', 'संघर्ष', 'छाया', 'लोकमान्य', 'विश्वमित्र', 'विश्वबंधु', 'इडस्टियल गजट', 'पूर्व रेलवे पत्रिका', 'गल्प भारती', 'सन्मार्ग', 'मिथ्या डायरेक्टरी' तथा 'वर्ष-बोध'; संवाददाता दै० 'हिंदुस्तान स्टैंडर्ड', 'हिंदी प्रेस' एव 'एसोसिएटेड प्रेस', प्रका० जीवन, भूख का ताडव, परिवर्तन, रोटी, दिल्ली चलो, युद्धोत्तर भारत, एशिया छोड़ो ; अप्र० स्फुट रचनाओ के चार संग्रह, प० १०२, मुक्तराम बाबू स्ट्रीट, कलकत्ता—७ ।

राजकुमार—ज० '२१ ; मा० सद० कार्यकारिणी काशी ना०प्र०सभा, कारमाइकल लाइब्रेरी ऐसोसिएशन एवं संगीत परि०; मंत्री : श्रीनागरी नाटक मंडली, '३६ से कांग्रेस में सक्रिय कार्य तथा आदोलनों मे कारावास, संपा० मा० 'युगधारा' '४६-'४८ एवं दै० 'बनारस' '५० से ; प्रका० नेहरू विचार माला ' नियोजन, पंचवर्षीय आयोजन, समाजवादी समाज, राष्ट्रमंडल, पाकिस्तान, सहकारिता, परराष्ट्रनीति, आमनिराश (कहा०); उप० कश्मीर एवं पुलिस; नाट० : सही रास्ता, १८५७ की झाँकी, ज्वारभाटा, काली आकृति, पचमांगी, नाटक और रगमंच, भारत का राजनीतिक इतिहास (१७५७-'६०), स्वेजनहर, अमेरिका में नेहरू, नेहरू की रूस-यात्रा, नेहरू और चीन; अप्र० चार लेख-संग्रह; वि० 'कश्मीर', 'ज्वारभाटा' तथा 'भारत का राजनीतिक इतिहास' उ०प्र० सरकार द्वारा पुरस्कृत; प० संपा० दै० 'बनारस', वाराणसी ।

राजकुमार आनंद—ज० १३ सितबर, '२८, झबरों, शेखपुरा, प० पाकिस्तान; शि० इंटर, पंजाब वि वि० , सा० हिंदी साहि० परि० पंजाब करनाल के संस्था० एवं भूत० मंत्री, भूत० सहसंपा० बालो मा 'बाल जीवन' करनाल; प्र० '५५ मे; प्रका० अध्यापिका तथा अन्य कहानियाँ, दो बहने (बालो० कहा०), बुद्धिमती राजकुमारी (बालो० उप०); अप्र० उप० : जीवन के कुछ मोड़, हत्यारा, विहान (कहा०); प० ई, ७४, सुभाष गेट, करनाल ।

राजकुमार जैन, डा० - ज० १५ अक्टूबर '१७; शि० एम० ए० संस्कृत तथा हिंदी, साहित्याचार्य, न्यायकाव्यतीर्थ, पी-एच० डी०; जा० प्राकृत तथा अपभ्रंश; सा० निर्देशक, जैन साहित्य-शोधसंस्थान आगरा, अध्यक्ष अखिल

विश्व जैनमिशन (आगराशाखा) ; प्र० '४० में, प्रका० मदन-पराजय, प्रशमरति प्रकरणम्, अध्यात्म पदावली, बृहत्कथा कोश (दो भाग), पपौरा, अप्र० दो-तीन लेख-संग्रह; वि० अनेक रचनाओं का संपादन किया है, व० प्राध्यापक संस्कृत विभाग, आगरा कालेज, आगरा ।

राजकुमार शर्मा—ज० १० जनवरी, '३३, देवबंद, सहारनपुर ; शि० एम० ए० हिंदी, प्रयाग वि०वि० '५४, सा०रत्न० सम्मे० प्रयाग '५२, प्रभाकर पंजाब वि० वि० '५०; सा० भूत० दलनायक : प्रांतीय रक्षकदल '४९-'५०, विदेश मंत्रालय की ओर से नागाहिल्स में हिंदी प्राध्यापक '५६, संस्था० : त्रिवेणी प्रकाशन प्रयाग एवं साहित्यकार सहकार समिति उ०प्र० '५७-'५८, साकेत प्रकाशन प्रयाग '६० शरद साहि०सदन सहारनपुर '६०, प्रचारमंत्री : बुंदेलखंड परि० , भूत० प्रधानसंपा० : मा० 'त्रिवेणी' '५३ एवं दै० 'कुंभ-समाचार' '५३, भूत० सहसंपा० साप्ता० 'जागरण' सहारनपुर '५४, साहित्यकार संसद के मुखपत्र 'साहित्यकार' के संपा० में सहायक '५७-'५८, भूत० संपा० 'त्रिवेणीपुस्तकमाला प्रयाग '५८, भूत० संयोजक-संपा० : 'त्रिवेणी पाकेट बुक्स' प्रयाग '६०, संपा० : 'बुंदेल भूमि' '६२ ; प्र० '४५ में ; प्रका० महाकवि निराला : संस्मरण : श्रद्धांजलियाँ (संपा०) '५७ ; अप्र० : राजर्षि टंडन : संस्मरण : श्रद्धांजलियाँ (संपा०), मुलाकातें और बातचीत, मिट्टी का ठीकरा (कहा०), नई कविताएँ (कवि०), रुबाइयतें राजकुमार आदि; प० ४७४, छोटी बसकी, दारागंज, इलाहाबाद—६ ।

राजकुमार सिंह, 'कुमार'—ज० १८ अप्रैल, '२९; प्र० '४२ में; प्रका० बिखरे क्षण (संक०) '५२; प० ८।८९, वर्कशापगेट, खरगपुर, प० बंगाल ।

राजकुमारी कौल, डा०—ज० जोधपुर , शि० एम० ए०, पी-एच० डी०; प्रका० आशादीप (कवि०) '४५, स्मृतियों की आँधी (कहा०); अप्र० गीतों एवं आलो० लेखों के दो संग्रह; वि० 'राजस्थान के राजघरानों द्वारा हिंदी की सेवाएँ तथा उनका साहित्यिक मूल्यांकन' विषय पर '५५ में राज० वि०वि० से पी-एच० डी० की उपाधि प्राप्त० ; वर्त० प्राध्यापिका महारानी कालेज, जयपुर; प० द्वारा श्री टी० एन० कौल, ४ विवेकानंद मार्ग, 'सी' स्कीम, जयपुर ।

राजकुमारी मित्तल, डा०—ज० १६ नवंबर, ३४ ; शि० एम० ए० '५४, आगरा वि०वि०, पी-एच० डी '६० दिल्ली वि०वि० (दो वर्ष तक भारत सरकार ह्यूमेनिटीज स्कालरशिप प्राप्त०); सा० रघुनाथ गर्ल्स इंटर कालेज मेरठ में प्राध्यापिका '५५-'५७, '६० से एम० एल० बी० आर्ट्स ऐंड कामर्स

कालेज म० प्र० में प्राध्यापिका; प्र० '५८ में : प्रका० स्फुट आलो० लेख; अप्र० दो संग्रह; प० बगले का बाड़ा, दालबाजार, लश्कर, ग्वालियर ।

राजदेव त्रिपाठी, 'कमलेश'—ज० ३ अक्टूबर, '२१, सुइयाकलाँ जौनपुर ; शि० एम० ए० हिंदी, आगरा वि०वि०, सा०रत्न० सम्मे०प्रयाग, सा० संस्था० साहित्यनि दिल्ली ; प्र० '२५ में : प्रका० धान की खेती '६०, मानव-अधिकार' '६१; अप्र० कविताओं एवं आलो० लेखों के तीन संग्रह; वि० महाकवि निराला के गद्य साहित्य का आलोचनात्मक अध्ययन' विषय पर शोधकार्य-रत; वर्त० रेलवे मंत्रालय, दिल्ली के हिं०वि० में प्राध्यापक ; प० २६।२ पूर्वी पटेलनगर, नई दिल्ली—१२ ।

राजदेव दीक्षित—ज० '१५, मथुरापुर, मझगवाँ, जौनपुर; शि० एम० ए० हिंदी, काशी वि०वि०, सा०रत्न, साहित्यालंकार, आयुर्वेदशास्त्री; सा० भूत० संपा० 'विज्ञापन' गौड़िया, संस्था० दीक्षित प्रकाशन; प्रका० आल्हा की तोप उर्फ भारी भूल (नाट०), गोरक्षा, समाज की तोप, सीमा सुरक्षा आल्हा, बनारस की मस्ती (काव्य) एवं स्त्री धर्मशिक्षा; आलो० : नवरत्न समीक्षा, राजमुकुट समीक्षा, जगद्गुरु समीक्षा, ध्रुवस्वामिनी समीक्षा; वि० ५० से अधिक टीकाएँ लिखी हैं, 'ऊषा' मशीन तथा पंखे पर आठ गीतों के चार रेकार्ड्स, प० बाँसफाटक, वाराणसी ।

राजदेव पांडेय—ज० '१४; शि० व्याकरण-वेदांतशास्त्री, साहित्याचार्य; प्रका० ब्रजभाषा तथा अवधी के भक्ति पद ; अप्र० आधुनिक छायावाद, जीवनधारा (इतिवृत्त) तथा दो मुक्तक-संग्रह; वि० अनेक स्फुट रचनाएँ पुरस्कृत; प० (१) फत्तहपुर, शिवहर, मुजफ्फरपुर। (२) प्रधान पंडित, हाईस्कूल, पताही, चंपारण ।

राजदेवी कुमारी, श्रीमती—ज० १८८६, प्रयाग ; शि० विशारदा, (सर्वप्रथम एवं पदक प्राप्त); सा० राष्ट्रीय आंदोलनों तथा नागपुर झंडा सत्याग्रह में सक्रिय भाग ; प्रका० स्फुट कविताएँ एवं कहानियाँ; वि० द्विवेदी युग की खड़ीबोली की कवयित्री, प० द्वारा ठाकुर वीरेश्वरसिंह, वकील, बाँदा ।

राजनाथ पांडेय—ज० १ जनवरी '१०, पिंडरा, वाराणसी ; शि० बी० ए० '३२, एम० ए० हिंदी (प्रथम, प्रथम) '३४ प्रयाग वि० वि०, शोधछात्र '३४-'३५ ; सा० भूत० हिंदीविभागाध्यक्ष सेंट ऐंड्रूज कालेज गोरखपुर '३७-'४६, भूत० हिंदी प्राध्यापक सागर वि० वि० '४६-'६१, अब भारत सरकार की ओर से त्रिभुवन वि० वि० काठमांडो (नेपाल) में हिंदीप्रोफेसर तथा वि० वि० द्वारा मनोनीत हिंदीविभागाध्यक्ष ; आजी० सद० काशी ना० प्र०

सभा ; प्राचीन पांडुलिपियों की खोज में तिब्बत-यात्रा '३४ ; प्र '२८ में ; प्रका० वेद का राष्ट्रगान (पृथ्वीसूक्त, अथर्ववेद का पद्यानुवाद) '३७, लंका-दहन (नाट०) '४३, वीर नाविक महाजनक (काव्य) '४४, कादंबरी-परिचय (रूपा०) '४६, देशभर का दुश्मन (इब्सन के 'गेन एनिमी आफ दि पीपुल' का अनु०) '५३, नया निर्माण, नये संकल्प (आलो लेख) '६१, शेष लकीरें (सांस्कृ० लेख) '६१, सुबहे बनारस (ललित लेख) '६५; अप्र मैना (उप०) एवं आलो० लेखों के दो संग्रह ; वि० '६१ का 'देव-पुरस्कार' 'सुबहे-बनारस' पर प्राप्त ; संप्रति 'हिंदी-व्युत्पत्ति-कोश' के निर्माण-कार्य में रत ; प० (१) लक्ष्मी-भवन, सिविल लाइंस, सुल्तानपुर (अवध)। (२) ठि० भारतीय दूतावास पत्रालय, नेपाल।

राजनारायण, मिश्र—ज० १ सितंबर, '२३ ; शि एम० ए० आगरा वि० वि , सा०रत्न सम्मे० प्रयाग ; प्र० '५२ में ; प्रका० सप्त सरोज, प्राथमिक निबंध-प्रकाश, काव्याधार ; अप्र० आलो० लेखों के तीन संग्रह , प० हिंदी विभागाध्यक्ष, साकेत डिग्री कालेज, फैजाबाद।

राजपति दीक्षित, डा०—ज० २० अक्टूबर, '१५, बिहरोजपुर (वाराणसी) ; शि० ज्ञानपुर, एम० ए०, एल-एल० बी०, डी० लिट० काशी वि० वि० ; सा० हिंदी प्राध्यापक काशी वि०वि० '४७ से ; प्र० '४५ में ; प्रका० तुलसीदास और उनका युग '५२, संत तुलसीदास और उनके संदेश '५४ , अप्र० हिंदी काव्य में कवियित्रियों की कृति एवं आलो० लेखों के चार संग्रह ; वि० दोनों प्रकाशित ग्रंथ उ० प्र० सरकार द्वारा पुरस्कृत , प० प्राध्यापक हि० वि०, काशी वि० वि०, वाराणसी।

राजपति सिंह, 'राजेश', 'व्यग्र'—ज० १ जनवरी, '१७ सिकठी (एखलासपुरा), शाहाबाद ; शि० विशारद अयोध्या, धर्मरत्न दिल्ली ; सा० संस्था० श्रीगांधी पुस्तकालय, देव (गया) ; '४२ के राष्ट्रीय आंदोलन में कारावास ; दै० 'संसार' काशी के संवाददाता '४२-'५६, 'जनवाणी' पटना के भूत० संवाददाता, संप्रति बिहार सहयोग विभाग में पर्यवेक्षक ; प्रका० स्फुट ; अप्र० गड़बड़ रामचरित मानस (हास्य०), चकल्लस (हास्य०), अंगार (कवि०) ; प० केंद्रीय सहकारिता बैंक लि०, सासाराम, शाहाबाद।

राजबलि त्रिपाठी—ज० ८ फरवरी, '०६ ; शि० व्याकरणाचार्य, सा०शास्त्री काशी वि० वि०, बी० ए० '५१ पटना वि० वि०, एम० ए० संस्कृत, आगरा वि० वि० '५६, सा०रत्न '५८, सम्मे० प्रयाग ; सा० भूत० प्रधानाध्यापक पराशर ब्रह्मचर्याश्रम हहरी (बलिया) '४०-४८ भूत सहसंपा०

मा॰ 'गीताधर्म' ; प्र॰ '३२ में ; प्रका॰ गजेंद्र-मोक्ष-रहस्य एवं हीरकहार ; अप्र॰ गीता का योगधर्म, कौमुदी-कोश, जीवन-निर्माण, काव्यरस-रहस्य, निबंधावलि ; प॰ (१) चारवाट, उमरावगंज, शाहाबाद । (२) उपप्राचार्य, महावीरसिंह इंटरकालेज, बादिलपुर, बाबूबेल, वाया हल्दी, बलिया ।

राजबहादुर, 'पद्म'—ज॰ ५ जुलाई, '२८, नाहिली, मैनपुरी ; शि॰ बी॰ ए॰ आगरा, एम॰ ए॰, सा॰रत्न सम्मे॰ प्रयाग, विज्ञानरत्न-कृषि लश्कर, सिद्धांतशास्त्री ; सा॰ अ॰भा॰ कुमार हिं॰सा॰सम्मे॰ जोधपुर में उ॰ प्र॰ के प्रतिनिधि '४७-'४८, '४९ में म॰ प्र॰ हिं॰सा॰ सम्मे॰ ग्वालियर के भिंड जिले के प्रतिनिधि एवं कार्यकारिणी के सद॰ '५२-'५६, संयुक्तमंत्री हिंदी सा॰ सभा भिंड '५०-'५१, मंत्री नाट्य कला परि॰ '५४-'५५ ; प्र॰ '४६ में ; प्रका॰ पथ के गीत, अँगुली में पोहचा (नाट॰) ; अप्र॰ झकोरे (कवि॰), पीयूष, पद्मिनी (खंड॰), कचुकी (कहा॰), माँझी (उप॰) , वि॰ अनेक गीतों के रिकार्ड बन चुके हैं ; प॰ (१) आर्यकुटीर, नाहिली, घिरोर, मैनपुरी । (२) इंडस्ट्रीज आफीसर, सबलगढ़, मुरैना ।

राजबहादुर मिश्र, 'राज'—ज॰ '२७ , सा॰ संस्था॰-संयो॰ निराला साहि संगम ; प्र॰ '५३ में ; प्रका॰ उप॰ : धड़कन, बदनाम, खिलवाड़, भाग्य के खेल, विरहिणी ; अप्र॰ राजवल्लभ (उप॰) तथा एकांकियों एवं कहानियों के दो संग्रह ; वर्त॰ कर्मचारी, लक्ष्मीरतन काटन मिल्स, कानपुर ; प॰ ३६।२१४, शास्त्रीनगर, कानपुर ।

राजबहादुर, 'विकल'—ज॰ २ जुलाई, '२६ ; शि॰ एम॰ ए॰, सा॰रत्न , प्रका॰ कपिलवस्तु, सुभाष तथा चंद्रगुप्त मौर्य ; अप्र॰ राष्ट्रीय कविताओं के दो संग्रह ; वि॰ उ॰प्र॰ सरकार से तीन बार पुरस्कार प्राप्त ; प॰ प्राध्यापक काकोरी शहीद इंटर कालेज, शाहजहाँपुर ।

राजबहादुर सिंह—ज॰ १० दिसंबर, १९०३ ; शि॰ बी॰ ए॰, सा॰रत्न ; सा॰ असहयोग आंदोलन '२१-'२२ में कारावास, भूत॰ संपा॰ दै॰ 'अर्जुन', प्रधानसंपा॰ 'नवभारत टाइम्स' (बंबई, कलकत्ता, दिल्ली संस्करण) ; संप्रति त्रैमा॰ 'गाँधीमार्ग' के संपा॰ ; प्र॰ '२६ में ; प्रका॰ खून की होली (ऐति॰ कहा॰) '२६, लेनिन और गाँधी, रूस का पंचवर्षीय आयोजन, वज्रघोष (ऐति॰ कहा॰), आकाश से पड़ा (ऐति॰ उप॰), कलाकार का प्रेम, गाँधी जी की सूक्तियाँ (संपा॰) तथा अन्य लगभग ६५ पुस्तकें ; प॰ संपा॰ 'गाँधी मार्ग', राजघाट, नई दिल्ली ।

राजमल बोरा—ज० ५ फरवरी, '३३, मोमिनाबाद ; शि० एम० ए० हिंदी, उस्मानिया वि० वि० हैदराबाद ; प्रका० साहित्य : एक विवेचन '५६, अप्र० आलो० लेखों के दो संग्रह ; वि० 'भूषण और उनका साहित्य' विषय पर शोधकार्य-रत ; प० प्राध्यापक हि०वि० श्री वेंकटेश्वर वि०वि०, तिरुपति।

राजवल्लभ ओझा—ज० '१६, हुलासछपरा, हल्दीथाना, बलिया, शि० बलिया एवं प्रयाग, इंटर ; सा० कुछ समय तक मिदनापुर जिले के खड़गपुर रेलवेकेंद्र में एक हाई स्कूल में अध्यापन कार्य, 'भारत' के संपादकीय विभाग में कार्य एवं बालो० 'दीपक' का संपा०, मूल०संपा० मा० 'प्रभा' ; 'नवजीवन' लखनऊ में संपादकीय विभाग में '४७ से, उ० प्र० श्रमजीवी-पत्रकार संगठन के संस्था० सद०, महामंत्री तथा अध्यक्ष, अ० भा० श्रमजीवी पत्रकारसंघ के दिल्ली सम्मे० में विशेप सहयोग, अ० भा० श्रमजीवी पत्रकार संगठन की कार्यकारिणी परि० और प्रमाण एवं अनुशासन समिति के सद०, उ० प्र० श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के महामंत्री पद पर कार्य करते समय '५१ में तत्कालीन ब्रिटिश मजदूर सरकार के निमंत्रण पर ब्रिटेन गए एवं उस वर्ष भारत से विदेश गये छह सदस्यों के प्रथम श्रमजीवी पत्रकार प्रतिनिधि मंडल में उ० प्र० के प्रतिनिधि ; प्रका० महाबली हनुमान '५१, बदलते दृश्य (विदेशयात्रा-संस्मरण) '५४, विनाश के दो कगार : सेंटो और सीटो ('रोहिताश्व' उपनाम से); अप्र० पाँच निबध-संग्रह, ; वि० बदलते दृश्य' उ० प्र० सरकार से पुरस्कृत ; प० (१) हुलासछपरा, हल्दी, बलिया। (२) 'नवजीवन'-कार्यालय, संपादकीय विभाग, कैसरबाग, लखनऊ।

राजवीर आर्य—ज० २२ अगस्त, '३६ ; शि० सा०रत्न, विद्वान, संस्कृत विशारद तथा हिंदी-शिक्षक-प्रशिक्षण, सा० सद० : आर्यसमाज एवं आंध्र सारस्वत परि०, कार्यकारिणीसद० : हिंदी-प्रचार-सभा हैदराबाद, प्रांतीय संचालक : हिंदी प्रचार सभा, आंध्र सारस्वत परि० एवं आर्यसमाज; मंत्री० : श्रद्धानंद पुस्तकालय वरंगल एवं हिंदी-शिक्षक-प्रशिक्षण महाविद्यालय, वरंगल, साहि० मंत्री : हिंदी-प्रचार-सभा हैदराबाद, अध्यक्ष : दयानंद कोआपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी एवं आर्यकुमार-सभा, उपाध्यक्ष : आंध्रप्रदेशीय हिंदी साहि० परि० ; संस्था० : आर्य प्राथमिक पाठशाला तथा नरेंद्र व्यायामशाला ; प्रका० हिंदी प्रवेश '५५, गद्य कादंबनी '६३ ; अप्र० स्फुट रचनाओं के दो संग्रह ; प० नरेंद्र नगर, वरंगल, (आंध्र)।

राजा दुबे—ज० १३ जुलाई, '३२ ; शि० एम० ए० हिंदी, सागर वि० वि० ; सा० सद० ' संपा० मंडल 'कल्पना' हैदराबाद '५७ से, अब उसके अवै

संपा०, '५७ से हिंदी प्राध्यापक विवेकवर्धिनी महाविद्यालय ; प्र० '५७ मे ; प्रका० एक हस्ताक्षर और (कवि०), समवेत (दो भाग संपा०) ; अप्र० एक मामूली आदमी की कविता ;" (काव्य), एक उप० एवं एक कहा० संग्रह ; वि० 'आधुनिक हिंदी कविता : एक नया मूल्यांकन' विषय पर शोधकार्य-रत , प० ५१६, मुलतान बाजार, हैदराबाद —१।

राजाराम जैन—ज० १ फरवरी, '२९, मालथौन, सागर; शि० शास्त्री वैशाली, एम० ए० हिंदी एवं प्राकृत, शास्त्राचार्य (बौद्धदर्शन) वाराणसी वि० वि०, सा०रत्न , प्रका० ईश्वरचंद्र विद्यासागर एवं पाइय गज्ज संगहो ; अप्र० शोधनिबंधों के दो संग्रह ; वि० 'महाकवि रइधू की रचनाओं का आलोचनात्मक अध्ययन' विषय पर शोधकार्य-रत, अपभ्रंश की 'पासचरिउ' तथा 'मेहेसर चरिउ' रचनाओं के संपा०-कार्य में संलग्न, अनेक ग्रंथों में शोध-निबंध प्रकाशित-संकलित हुए हैं ; वर्त० प्राध्यापक संस्कृत-प्राकृत विभाग, एच० डी० जैन कालेज, आरा ; प० पंचायती जैन मंदिर के पास, महाजन टोली नं० २, आरा।

राजाराम मिश्र ,'कमलेश कात्यायन'—ज० '२५; शि० बी०ए० (प्रथम) फरुखाबाद, सा०रत्न ; सा० संस्था० एवं मंत्री पांचाल साहि०परि० फरुखाबाद, सभा० श्रीमातृभाषा पुस्तकालय फरुखाबाद ; प्र० ५६ मे , प्रका० अंतर्द्वंद्व : (तुलसीजीवन-खंडकाव्य) '५६, दिव्यसेन (उप०) '५८, वचनेश-अभिनंदन-ग्रंथ (संपा०) , अप्र० उत्पलवर्णा (ऐति० नाट०) एवं दो-तीन संग्रह ; प० कमलेश कुटीर, ३/३ हरिभगत स्ट्रीट, फरुखाबाद।

राजाराम शास्त्री—ज० १८ दिसंबर, '१८ ; शि० शास्त्री पंजाब वि० वि ; सा० लगभग दस वर्ष तक आकाशवाणी दिल्ली के लेखक रहे, सम्मे० प्रयाग के सहयोग से हरियाणा प्रदेश में हिंदी का प्रचार-कार्य किया ; भूत० संपा० 'जयहिंदी' एवं 'हरियाणा' ; प्र० '४७ में; प्रका० उप० : झुम्मन, उलझतार, अमिता एवं प्यार और पैसा ; एका० : सात लडी का हार, शिकार, उलझन, डमरूनाथ, देवदूति ; लोकसाहि० · हरियाणा लोकमंच की कहानियाँ, हरियाणा की लोककथाएँ ; अप्र० नरमेध (नाट०), समझौता (उप०), लोककथा का शिल्प तथा एकांकियों एवं प्रहसनों के चार संग्रह ; वि० 'माँ-बेटा' तथा 'बूटासिंह' फिल्मों के पटकथा-लेखक , प० ७४, यू० बी०, जवाहरनगर, दिल्ली —६। (२) ३७।३८ धुनमैंशन, फायर ब्रिगेड के सामने, दादर, बंबई —१४।

राजीवलोचन अग्निहोत्री—ज० मार्च, '२०; शि० एम० ए० संस्कृत '४५, एवं एल-एल० बी० '४७ प्रयाग वि०वि०; हिंदी-संस्कृत मध्यमा; सा० भूत० संपा० मा० 'राष्ट्रधर्म' एवं साप्ता० 'पाचजन्य' जुलाई '४७ से सितंबर '४८ तक, '४८ से साप्ता० 'युगधर्म' के संपा० बने और २६ जनवरी '५१ से उसके 'दैनिक' होने पर प्रधानसंपा० हुए, विंध्यप्रदेश शासन के सूचना विभाग में सहायक अधिकारी '५३, भूत० संस्कृत प्राध्यापक : दरबार कालेज रीवाँ '५५, महाराजा कालेज छतरपुर '५७-'५८ एवं होल्कर कालेज (शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय) '५८ से, विंध्य प्रादेशिक हि० सा० सम्मे० के साहि० मंत्री, विंध्य संस्कृत विश्व परि० के प्रमुख मंत्री, शिक्षासागर पुस्तकालय रीवाँ के प्रधानमंत्री, प्र० '४७ में; प्रका० शकारि विक्रमादित्य (ऐति० उप०) '५६, संस्कृत साहित्य को बांधव नरेशो की देन '५७, बघेलवंश वर्णनम् (संपा०) '५७, राधावल्लभीय भाष्य '५८; अप्र० बलिपथ (कवि०), विंध्या (निबंध), वीरभानूदय (संपा०), वीरधवल (उप०) एवं शोधनिबंधों के दो संग्रह; वि० 'बघेलखंड के संस्कृत ग्रंथों' पर शोध कार्य-रत, 'राधावल्लभीय भाष्य' म०प्र० शासन द्वारा पुरस्कृत, 'संस्कृत साहित्य को बांधव नरेशो की देन' भी पुरस्कृत हुई; प० अध्यक्ष संस्कृत विभाग, शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, इंदौर।

राजीव सक्सेना—ज० ३० नवंबर, '२३, शि० बी० ए०; सा० संपा दै० 'जागरण' '४२, साप्ता० 'जनयुग' '४५-'६०, द्वैमा० 'नया साहित्य' '४६, मा० 'नया पथ' '५४-'५७, अर्द्धवार्षिक 'रचनाएँ' '६३; प्र० '४१ में; प्रका० प्रभात संगीत (कवि) '४२, उतरा नशा (एकां०) '४८, प्रफुल्लचंद्र राय : एक जीवनी (बालो०), टेलीविजन की कहानी (बालो०); अनु० : असली इंसान : बोरिस पालेवॅय, बसंत : सेर्गेई एंतोनोव, माओ त्से तुंग की कविताएँ, हिरोशिमा के फूल : मौरिस, चेकोस्लोवाकिया की श्रेष्ठ कहानियाँ आदि अनेक ग्रंथ; अप्र० स्फुट लेखों के आठ-दस संग्रह; वर्त० सूचनाधिकारी चेकोस्लावाकिया दूतावास; प० २-ई। २४, लाजपतनगर, नई दिल्ली १४।

राजेंद्र अवस्थी, 'तृषित'—ज० २५ जनवरी, '२८; शि० बी० ए० जबलपुर वि०वि०; प्र० '४८ में; प्रका० उप० : सूरज किरन की छाँव '५८, जंगल के फूल '६०, पाप के परे '६१ एवं बादलों के आरपार '६२; कहा० : मकड़ी के जाले '५८, महुआ-आम के जंगल '६०; अन्य० : नया तीरथ '६१, सपने जागे '६१, सब नया नया '६१, वन्य जातियों की लोककथाएँ '६०, हमारे आदिवासी '६२; अप्र० छोटी बड़ी लहर, एक प्यास एक पहेली गंगा की

लहरें तथा दो उप० एवं दो कहा० संग्रह; त्रि० उ०प्र० सरकार द्वारा 'जंगल के फूल' पर पुरस्कार, केंद्रीय सरकार द्वारा 'नया तीरथ', 'सपने जागे' पुरस्कृत, 'महुआ-आम के जंगल' एवं 'मन्त्र नया नया' म० प्र० शासन द्वारा पुरस्कृत तथा 'सूरज किरन की छाँव' पर हिंदीपदक प्राप्त; वर्त० आदिवासियों के जीवन पर एक बृहत० शोधग्रंथ तैयार करने में संलग्न; प० सह० संपा० 'सारिका', टाइम्स आफ इंडिया, बंबई १।

राजेंद्र किशोर—ज० ७ अगस्त, '३४; शि० बी० ए० आनर्स (प्रथम) '५२, एम० ए० हिंदी '५४; सा० संस्था० सद० एवं भूत० सभा० भा० लेखक संघ पटना एवं सीमांत लेखक संगम; संपा०-प्रका० 'विविधा' एवं त्रैमा० 'अपरंपरा'; प्र० '५४ में; प्रका० स्थितियाँ, अनुभव तथा अन्य कविताएँ, वैयक्तिक (महा०), नन्वन्तर (लघु महा०), ओ मत्स्यगंधा (कहा०), सूरजमुखी के फूल (कहा०), प्रेत और बौना (काव्यरूपक); अप्र० सब कुछ सूर्यास्त के पहले (उप०), सुमित्रानंदन पंत (आलो०) एवं चार संग्रह; वर्त० प्राध्यापक राजेंद्र कालेज, छपरा; प० हरेंद्र-भवन, सलेमपुर, छपरा।

राजेंद्र कुमार—ज० २८ दिसंबर, '२८; सा० संपा० 'नवभारत टाइम्स' कलकत्ता '५०-'५१, दै० 'सन्मार्ग' कलकत्ता, साप्ता० 'हिमाचल' देहरादून '५२-'५३, साप्ता० 'आवाज' देहरादून '५४-'५५ एवं मा० 'सहकारी प्रचार पत्रिका' शिमला के संपा० में सहयोग '५५-'५७; प्रका० नये मोड़ (कहा०) '५६, तूफान के बाद (उप०) '५८, कुहासा और चाँदनी (मनोवैज्ञानिक उप०) '६२; अप्र० दो उप०, प० बद्रीपुर देहरादून।

राजेंद्रकुमार अग्रवाल—ज० ३ जुलाई, '३२; शि० बी० ए०, एल-एल० बी०; सा० मंत्री: कुमार सभा, टाउन एरिया के सद० एवं भूत० उपाध्यक्ष, संपा० मा० 'शिक्षासुधा' मुरादाबाद; प्र० '५८ में; प्रका० चार ग्रंथ; प० संपा० 'शिक्षासुधा', धनौरा, मुरादाबाद।

राजेंद्रकुमार, 'अनुरागी'—ज० १६ फरवरी, '३१; शि० होशंगाबाद, एम० ए० हिंदी, सागर वि० वि०; सा० पाँच वर्ष डिगरी कालेजों में प्राध्यापक रहे, अब म० प्र० सरकारी सूचना प्रकाशन-विभाग भोपाल में फिल्म स्क्रिप्ट राइटर; प्र० '४४ में; प्रका० पूजा '५०, स्वागत '५०, ग्रहण का दान दो '५९; अप्र० स्फुट रचनाओं के तीन संग्रह, प० उत्तरी तात्या टोपेनगर, भोपाल।

राजेंद्रकुमार पाठक—ज० '२९; शि० एम० ए० हिंदी, एल-एल० बी० अलीगढ़ वि०वि०, सा०रत्न सम्मे० प्रयाग; सा० मंत्री: तुलसी समिति सोरों, भूत० सूचना-अधिकारी बदायूँ तथा प्रयाग संपा 'नवनिर्माण' बदायूँ,

'पंच दूत' एटा.; प्रका० 'ग्रामसखा' (इलाहाबाद); प्र० '५० में, प्रका० रणभेरी, परिणय, स्वरसंगम (सक० के एक कवि); अप्र० दो कविता संग्रह ; प० वकील, जिला सूचना अधिकारी. एटा।

राजेंद्रकुमार वार्ष्णेय, 'राज'—ज० १० अक्टूबर, '३९ ; शि० एम० एस-सी०, उपाधियाँ एफ० आर० ई० एस० लंदन, एफ० ए० एस० जेड० कलकत्ता ; जा० जर्मन, उर्दू एवं बँगला ; सा० भूत संपा० मा० 'वार्ष्णेय', मा० 'बारहसेनी' एवं पाक्षि० 'झंकार' , प्र० '५२ मे ; प्रका० फूल एक : सौ पंखुरियाँ (कवि०) '५७, आषाढ़ के बादल, प्रतिनिधि सामूहिक गान (सहलेखक), प्रतिनिधि बालसामूहिक गान (सहलेखक) ; वि० विभिन्न प्रतियोगिताओं में पुरस्कृत ; प० भारतीय लाख अनुसंधानशाला, नामकुम, राँची।

राजेंद्र कुशवाहा—ज० १७ दिसंबर, '३२ ; शि० बी० ए० '५४, एम० ए० '५६, आगरा वि० वि० ; सा० संपा० साप्ता० 'आगरा' '५१-'५४ एव मा० 'युवक' '५४-'५६, अनुसंधानसहायक त्रैमा० 'शोधपत्रिका' '५५-५६ ; प्र० '५० मे ; प्रका० जहरबाद (कहा०) '५५, उत्तरी ध्रुव की कहानियाँ (अनु०) '५९, पुनर्मिलन (अनु०) '५९, शिक्षा (अनु०) '६२ ; वर्त० शिक्षा-मंत्रालय भारत सरकार से संबद्ध ; प० (१) द्वारा श्रीबहादुरसिंह कुशवाहा, ऐडवोकेट, नाई मंडी, आगरा। (२) सी ५/१४, माडल टाउन, दिल्ली ९।

राजेंद्र जगोता—ज० २७ मार्च, '४० हरियाबाद, पंजाब ; शि० मैट्रिक '५५, आगरा ; इंजीनियरिंग की टेनिंग इँग्लेंड में पा रहे हैं ; प्र० ५७ में ; प्रका० स्फुट कहानियाँ ; अप्र० कंगालिन (उप०) एवं दो कहा०-संग्रह; प० द्वारा दुग्गल ऐंड कंपनी, सामने कलक्ट्री, आगरा।

राजेंद्र तिवारी, 'तृषित'—ज० ५ सितंबर, '३६, कानपुर; सा० संस्था० हिंदी साहि० परि० कानपुर, भूत० संपा० दै० 'जागरण', मा० 'युवक' एवं मासा० 'वीरसेनानी'; संपा०-संचा० पाक्षि० 'साहित्य दूत' कानपुर; प्र० '५० में, प्रका० स्फुट; अप्र० चार उप० एवं सात संग्रह; प० (१) द्वारा श्री रावी, कैलास, आगरा। (२) द्वारा पोस्ट मास्टर, जी० पी० ओ०, बंबई १।

राजेंद्र प्रदीप—ज० ११ मार्च, '२७; शि० एम० ए० मनोविज्ञान तथा अँग्रेजी; सा० सद० सिनेट पंजाब वि०वि०, प्रका० मा० 'मधुशाला' दिल्ली '५९; प्रका०-संपा० 'मनोविज्ञान और आप'; प्र० '३८ में; प्रका० उर्दू कहा० : मिटते निशान '३५, दुखती रगें, रेत के महल; उर्दू उप०: एक सैलाबे रंगो बो, सुलगते होंठ; अप्र० बस्ती जला दो (उप०), यह बस्ती यह लोग (उर्दू) पायल

के घाव (उप०), यह आग, यह धुआँ ,यह चिंगारी एवं मनोविज्ञान पर आठ पुस्तकें, प० अध्यक्ष मनोविज्ञान विभाग, वैश्य डिग्री कालेज, भिवानी ।

राजेंद्रप्रसाद, 'निर्मल'—ज० '३४, मालीपुर (रोसडा), दरभंगा; शि० इंटर; प्रका० निशि (प्रबंध०), एक ही रोटी (कहा०); अप्र० निर्वाण (काव्य०) तथा दो उप०; प० नेशनल एजेंसीज, चौहट्टा, पटना ४ ।

राजेंद्रप्रसाद मिश्र—शि० बी० ए०, विशारद, शास्त्री; सा० स्थायी सद० हिंदी अकेडमी हैदराबाद, हिंदी प्रचार-सभा के प्रचारक, अध्यक्ष : प्रभात हिंदी पाठशाला, छ वपेठ हैदराबाद; प्रधानमंत्री : आर्य वाचनालय, संपा० 'किरण' (चार भाषाओं में प्रकाशित); प्रका० स्फुट०; अप्र० दो संग्रह; प० नीचे छ वपेठ, बालराम की तालीम, १४-१०५४६, हैदराबाद ।

राजेंद्रप्रसाद सिंह—ज० २१ जुलाई, '३०, बेरई, मुजफ्फरपुर; शि० बी० ए० पटना वि०वि०, एम० ए० बिहार वि०वि०; सा० उपाध्यक्ष एवं कला-निर्देशक लोककल्याणकेंद्र, साहित्य निर्देशक 'कलाभारती', संचा० मधुरिमा प्रकाशन, संपा० : हिंदी नवलेखन-पुस्तकमाला 'अपरंपरा', मा० 'गीतांगिनी', 'राका', 'प्रतिष्ठान' एवं 'सवेरा'; प्र० '४२ में; प्रका० कवि० : भूमिका '५०, मांझिनी '५५, दिग्वधू '५६, गीतांगिनी (संक०) '५७, अमावस और जुगनू (उप०) '५८; अप्र० कवि० : उजली कसौटी, संजीवन कहाँ, शीर्षक से परे; वि० बिहार राष्ट्रभाषा परि० द्वारा ५००) का नवलेखकीय पुरस्कार प्राप्त; प० मधुरिमा, हरिसभा, मुजफ्फरपुर ।

राजेंद्र मिलन—ज० १६ नवंबर, '३५; शि० इंटर, साहित्यरत्न; सा० संचा०-संपा० समानांतर प्रकाशन, संयोजक नाट्य कला परिषद, सद० साहि० संगम की प्रमुख समिति एवं ब्रज-कला-केंद्र; प्र० '५८; प्रका० : संपा० बयार एक हल्की सी, हिमशिखर बलिदान माँगता है; अप्र० नागफनी और धुआँ (उप०), संतुलन, नाग खूनी न डसे मेरा हिमाचल, जूड़े के फूल, पावस-गीत, पसीना बोलता है एवं बाल भारती जिंदाबाद; वि० अनेक बार पुरस्कृत; प० समानांतर प्रकाशन, २१७२, माईथान, आगरा ।

राजेंद्रमोहन भटनागर—ज० २ मई, '३८; प्र० '५३ में; प्रका० डूबते मस्तूल और उभरते चित्र, सूनी राहें और अनजान राही (उप०), जिन : मैं और भयवाली आँखें, फंदा और जल्लाद और फरिश्ता (कहा०), कविवर प्रसाद, केशवदास, हिंदी कविता में प्रमुख तत्व, बुनियादी शिक्षा की रूप-रेखा, राष्ट्रभाषा और हिंदी, शिक्षा मनोविज्ञान के आधारभूत तत्व, सामयिका; अप्र० चार पुस्तकें· प० बरोही धौलपुर ।

राजेंद्रमोहन शर्मा 'शृंग'—ज० १२ जून, '३४; शि० बी० ए० आगरा वि०वि० '५४; सा० सहसंपा० साप्ता० 'सिंहनाद' मैनपुरी '५५; प्रका० अर्चना के गीत '६२; अप्र० शकुंतला (खंड०), शृंगारिका (काव्य), बालभारती (कवि०), काव्यागार (दो खंड), लेखांजलि (निबंध), अंबर के नीचे (कहा०); अप्र० दो संग्रह; प० कजलबाशान, मुरादाबाद।

राजेंद्र यादव—ज० २८ अगस्त, '२९, राजामंडी, आगरा; शि० एम० ए० '५१ आगरा वि०वि०, प्र० '४७ में; प्रका० कहा० : देवताओं की मूर्तियाँ, खेलखिलौने, जहाँ लक्ष्मी कैद है, अभिमन्यु की आत्महत्या, छोटे-छोटे ताज-महल, किनारे से किनारे तक एवं एक पुरुष : एक नारी (सहलेखक); उप : सारा आकाश, उजड़े हुए लोग, कुलटा, शह और मात, अनदेखे, अनजान पुल एवं एक इंच मुस्कान (सहलेखक); कवि० : आवाज तेरी है; अनु० : चेखव के तीन नाटक, हमारे युग का एक नायक : लर्मेतोव, वसंत-प्लावन, प्रथम प्रेम : तुर्गनेव, अजनबी : आलबेयर कामू; प० (१) ५१६१, राजामंडी, आगरा। (२) स्कीम ५२, पी० ६१ सी० आई० टी० रोड, कलकत्ता १४।

राजेंद्रराय, 'राजेश'—ज० १५ अगस्त, '३४; शि० बेगूसराय, बी० ए० आनर्स, एम० ए० पटना वि०वि०; प्र० '५० में; प्रका० कुसुमांजलि (कवि०) '५५, बुद्ध विराग (खंड०) '५५; अप्र० बुझते चिराग (उप०), पंछी : मेरे आँगन आना (कवि०); प० बढ़ौना, वाया मोहिउद्दीननगर, दरभंगा।

राजेंद्र शर्मा—ज० १२ जुलाई, '२२; शि० इंटर, दिल्ली वि०वि०; ज्ञा० उर्दू, फारसी, अँग्रेजी तथा पंजाबी; प्र० '४७ में; प्रका० नाट० : ग्राम-पंचायत, किसान का धन, किसान का जीवन; अप्र० पनघट (नाट०) एवं चार संग्रह; वर्त० उद्घोषक एवं लेखक, आकाशवाणी, दिल्ली; प० ८।ए।२२, वेस्टर्न एक्सटेंशन एरिया, करौलबाग, नई दिल्ली ५।

राजेंद्र शर्मा—ज० ८ अक्टूबर '२३ ; शि० इंटर ; सा० प्रधान संपा० 'धर्मयुग सुगमवर्ग पहेली', संपा० 'हिंदी मिलाप' हैदराबाद, मा० 'सुप्रभात' कलकत्ता, मा० 'समाज' नई दिल्ली, मा० 'मधुकर' दिल्ली एवं 'पब्लिशर्स मथली' दिल्ली; प्र० '३८-'३९ में ; प्रका० उप० : कायर, हेमा, मणिमय कुंडल एवं अंधे मोड़ ; कहा० : परिधि, पत्ते हरे पीले, मानस हंस एवं पाँच बड़े मोती ; कवि० : मंगलगीत एवं ज्ञानसतसई ; अन्य : सागर सेतु, सतलज की कहानी, स्वर्ग का दीपक, सागर का साम्राज्य, जय भारत विशाल, रामराज्य, महाभारत के पशुपक्षियों की कहानियाँ एवं सरल हस्त रेखा विज्ञान ; अनु० : राइट बंधु, थियोडोर रूजवेल्ट एवं एब्राहिम लिंकन ,

संपा० : हिंदी रत्न मंजरी, मौत भी हार गई, संस्कृति के प्रहरी ; वि० 'सतलज की कहानी' भारत सरकार तथा दिल्ली प्रशासन द्वारा पुरस्कृत, 'जयभारत विशाल' दिल्ली प्रशासन द्वारा पुरस्कृत, 'मानस हंस', 'अंधे मोड़' तथा 'सागर का साम्राज्य' उ० प्र० सरकार की हिंदी-समिति द्वारा पुरस्कृत ; प० १५८६४, मदरसा रोड, दिल्ली—६ ।

राजेंद्र शुक्ल—ज० १ मार्च, '३६ ; शि० एम० ए० दर्शनशास्त्र '६१ ; सा० अध्यक्ष : साहि० परि० कानपुर, मा० 'मनुज' में स्तंभलेखक ; प्रका० जगद्गुरु शंकराचार्य, गीता सर्वोपरि धर्मग्रंथ, स्व० शालिग्राम शुक्ल ; अप्र० दो संग्रह ; प० प्राध्यापक, डी० ए० वी० कालेज, कानपुर ।

राजेंद्रसिंह गौड़, 'मुंशी'—ज० १६०३ फरुखाबाद ; शि० फरुखाबाद, एम० ए० ; सा० प्राध्यापक डी० ए० वी० इंटर कालेज, प्रयाग '३१ से ; प्रका० निबंध-कला '४२, प्राचीन कवियों की काव्य-साधना '४७, आधुनिक कवियों की काव्य-साधना '४६, हमारे लेखक '४८, हमारे कवि '४६, हमारी नाट्य-साधना '५२, हमारे नाटककार '५२, हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास '५७, निबंध-निकुंज '६१, दक्षिण की विभूतियाँ '६१, दक्षिण के देशरत्न '६१ आदि अनेक पुस्तकें ; अप्र० आलो० लेखों के चार संग्रह ; प० १२, नेहरू नगर, इलाहाबाद ।

राजेशदयालु, 'राजेश'—ज० १६ जनवरी, '२३ ; शि० मैट्रिक, लखनऊ ; प्रका० ब्रजभाषा : श्याम रसमयी, राजेश-सतसई, रसरंगिनी, ब्रह्मलाली, कुरौना-प्रसादी, भक्त-भवानी; खड़ीबोली : सत्यनिष्ठ राम, जयकृष्ण, रामदर्शन, रामाष्टक, कीर्तन-सुधा ; अप्र० खड़ीबोली : चैतन्य-चंद्रिका, बालिका, जीवनगीत, प्रेमप्रलाप, प्रणय-पत्रिका, जयराम, राम-प्रार्थना, कृष्ण-विनयाष्टक एवं स्तुतित्रयी ; ब्रजभाषा : चित्रप्रभा, पीयूष-मंजरी, दयालु-दोहावली, छायाछंदावली, सुखविलास, बनिता-बावनी एवं बरवैसतसई (अवधी) ; अनु० : गीता-रसायन, आनंद, अंतर्गत ; अन्य तीन संग्रह; प० ६६ नवैया, गनेशगंज, लखनऊ ।

राजेश दीक्षित—ज० ८ अगस्त, '२८, कलकत्ता ; शि० कलकत्ता एवं आगरा ; जा० अँग्रेजी, संस्कृत, गुजराती, मराठी तथा बँगला ; सा० भूत०संपा० दै० एवं साप्ता० 'ताजातार', मा० 'गौरव', मा० 'रूपमहल', साप्ता० 'आगरा', साप्ता० 'सैनिक' एवं मा० 'युवक' ; प्र० '४४ में ; प्रका० वीर बादल (खंड०) '४५, रामचरित मानस (टीका) '४७, शिवपुराण (अनु०) '४८, सुखसागर (अनु०) '४६, वाल्मीकि रामायण '५०, राधा का मान

'५१, वैज्ञानिक कहानियों की ९ पुस्तकें '५३, पापी परिवार (उप०) '५४, माधवमोहिनी (काव्य) '५५, श्रीरामकथा (महा०) '५६, अलसाई आँखे '५७, शरद एवं रवींद्र के उप०, नाट० तथा कहानियों की ४० पुस्तकों के अनु० '५८-'६० तथा अन्य विषयों की लगभग ३०० मौलिक तथा अनु० पुस्तकें जो अब तक प्रकाशित हो चुकी हैं ; अप्र० कवि० : राजहंस, अजंता के फूल, पहला ज्वार, अंतिम लहर, आग की लपटें एवं प्रलयगान ; उप० : विदा वेला में, चरित्रहीन की आत्मकथा, कलाकार, जवानी और जिंदगी ; वि० 'अलसाई आँखें' पर उ० प्र० सरकार की हिंदी समिति द्वारा ३००) का पुरस्कार प्राप्त ; प० बेलनगंज, आगरा।

राजेश्वरप्रसाद नारायण सिंह—ज० १९०६ ; शि० बी० ए० आनर्स, कलकत्ता वि० वि० ; सा० सद० : बिहार विधान परि० '३०, बिहार सभा '३७ एवं '४५, भा० संसद '५२ से अब तक, कांग्रेस में सक्रिय कार्य तथा स्वतंत्रता-आंदोलन में कारावास, अनेक संस्थाओं के सद० ; प्र० '२९ में ; प्रका० महाराजा संसारचंद, भारत के पक्षी, हमारे पक्षी, हमारे वृक्ष, हमारे वन्य पशु, पक्षी जीवन, बिहार के गौरव ; काव्य : अम्बपाली, संकलिता, अमृतप्रजा, राधाकृष्ण, अंतर्ध्वनि, रूसी क्रांति के अग्रदूत, मुगल साम्राज्य की जीवनसंध्या ; वि० 'महाराज संसारचंद' राष्ट्रभाषा परि० द्वारा पुरस्कृत तथा 'हमारे पक्षी', 'हमारे वन्य पशु', 'बिहार के गौरव' भी पुरस्कृत ; वि० अँगरेजी में भी कई ग्रंथ लिखे हैं, वर्त० संसद सदस्यता ; प० ३२, क्वीन विक्टोरिया रोड, नई दिल्ली।

राजेश्वरप्रसाद सिंह—ज० २६ फरवरी, १९०३, प्रयाग ; सा० असहयोग आंदोलन में सक्रिय भाग '२०-'२२, उपसंपा० दै० 'इंडिपेंडेंट' प्रयाग '२३, 'लीडर' प्रयाग के संपादकीय विभाग में कार्य किया, नमक सत्याग्रह-आंदोलन के समय अवैधानिक पत्र 'क्रांति' का संपा०, 'हंस' के प्रारंभिक काल में प्रेमचंद के सहयोगी रहे, संपा० 'माया', 'मनोहर कहानियाँ' , प्रका० उप० : आदमी और जिंदगी, सुलगती आग, अग्निनय, खेल, रहस्यमयी, इंस्पेक्टर बोस, साथी, मत्यकिरण एवं महान अपराधी ; कहा० : दीपदान, जीवन के सपने, फिर मिलेंगे, कलंक, सोने का जाल, जीवन क्रम एवं गल्प संसार ; अनु० : 'डेविड कापरफील्ड', 'वैनिटी फेयर' एवं 'डेथ आन दि नाइल' ; वि० '२८ में प्रयाग में प्रेमचंद जी के सभापतित्व में हुए गल्प सम्मेलन में 'भ्रम' कहानी पर प्रथम पुरस्कार प्राप्त

'सरस्वती' का 'काशीनाथ कहानी पुरस्कार' भी प्राप्त; प० साहित्य-आश्रय, ५०६, कटरा, इलाहाबाद ।

राधाकुमारी—ज० २७ सितंबर, '३६, जीवछपुर (सहर्षा) ; शि० पटना वि० वि० ; सा० स्थानीय संस्था 'परिमल' की सक्रिय सदस्यता ; प्र० '५३ में ; प्रका० सरयू कछारों की हरिणी '६०, आँचल में पनघट भर लेती हूँ (कवि) '६३, पतझर की अंतहीन शाम (कहा०) '६२ ; प० नागेश्वर कालोनी, बाकरगंज, पटना—४ ।

राधाकृष्ण कुकरेती—ज० '३५, नौगाँव, गढ़वाल ; सा० संपा० साप्ता० 'जनजागृति' काशीपुर '५५, मंत्री : प्रगतिशील लेखकसंघ ; प्र० '५४ ; प्रका० घाटी की आवाजें, इंसाफ के मालिक, क्वाँरी तोंगी (कहा०) ; अप्र किन्नर कन्या एवं दो संग्रह ; वि० 'घाटी की आवाजें' पुरस्कृत ; प० संपा० 'नया जमाना'-प्रकाशन गृह, देहरादून ।

राधाकृष्ण चौधरी—ज० १५ फरवरी, '२४; शि० बी ए० आनर्स '४३, एम०ए० इतिहास '४५, एफ० आर०ए०एस० लंदन, पूर्णशास्त्री (शेरवानी स्वर्णपदक प्राप्त), पटना वि०वि० के शोधछात्र '४६, फेलो भागलपुर वि वि०; सा० प्राध्यापक : गणेशदत्त कालेज बेगूसराय '४६ से तथा '५५ से इतिहास एवं प्राचीन भा० इतिहास और संस्कृतिविभागाध्यक्ष तथा '५८ से उपप्राचार्य; प्रका० विश्व इतिहास की रूपरेखा '५३ एवं '५८, ब्रिटेन का वैधानिक इतिहास '५०, '५८ एवं '६१; आधुनिक भारत का इतिहास '५८, भारतीय इतिहास की रूपरेखा '६१, सिद्धार्थ (शोधग्रंथ), ब्रिटेन की शासनपद्धति, इंग्लैंड मे स्थानीय शासन, भारत में स्थानीय शासन, समाज अध्ययन (तीन भाग); अप्र० इतिहास-संबंधी लगभग दस पुस्तकें एवं चार लेख-संग्रह; वि० लोक साहि० पर कुछ प्राचीन हस्तलिखित हिंदी पोथियो का संग्रह; दश ग्रंथ एवं शताधिक शोधलेख अँग्रेजी मे लिखे हैं, मैथिली में भी लिखते हैं, अनेक स्वर्णपदक एवं पुरस्कार प्राप्त ; प० उपप्राचार्य, गणेशदत्त कालेज, बेगूसराय ।

राधाकृष्ण मिश्र, 'वीरेंद्र'—ज० भोजापुर, बलिया; जा० उर्दू, बँगला, संस्कृत, गुरुमुखी, डिंगल, गुजराती एवं उडिया; सा० भूत०प्रधानमंत्री तथा रजिस्ट्रार : हिंदी प्रचारक मंडल भोजापुर, भूत०सद० : शिक्षाविभाग विहार नगरपालिका, भूत०प्रधान व्यवस्थापक : माधवविद्यार्थीगृह सीकर, भूत० अध्यापक : गुरुकुल महाविद्यालय वैद्यनाथधाम; वर्त० अध्यापक नालंदा कालिजिएट हा०से० स्कूल, भूत० सहसंपा० मा० 'सरोज', साप्ता० 'सेनापति' एवं दै० 'विश्वमित्र' कलकत्ता, भूत०संपा० साप्ता० 'अलमस्त' कलकत्ता,

पाक्षि० 'साहूमित्र' एवं 'नालंदा भारती', ; प्रका० मंडलेश्वर रघुवीर, कनक कुमारी, किरानी का स्वप्न, काव्यपथ, स्वास्थ्य-दीपिका और नवीनता; अप्र० चार संग्रह; प० अरविंद कुटीर, महल्ला किला, बिहारशरीफ ।

राधाकृष्ण शर्मा—ज० '२०, पिठौरा, सारन; शि० छपरा, बी० ए० आनर्स, एम० ए० पटना वि०वि०; सा० भूत० प्राध्यापक : डी० ए० वी० कालेज सीवान '४६, संप्रति राजेंद्र कालेज छपरा में '४८ से इतिहास विभागाध्यक्ष, '५३ में पटना के पास स्थित कुम्हरार की प्रसिद्ध खुदाई में सक्रिय सहयोग दिया, '४२ के आंदोलन में सक्रिय भाग ; प्रका० ग्रेटब्रिटेन का इतिहास (१६०३-१८१५) '५१, दुनिया की कहानी (दो भाग) '५३, ग्रेट ब्रिटेन का इतिहास (१८१५-'५७) '५७, प्राचीन भारत '५८, ग्रेट ब्रिटेन का इतिहास (१६-२) '६० ; अप्र० महामानव अशोक, भारतीय आजादी की कथा, भारत को बिहार की देन, आधुनिक यूरोप का इतिहास (३ भाग) एवं ऐति० लेखों के दो संग्रह; वि० 'दुनिया की कहानी' नामक पुस्तक पर '५८ में बिहार राष्ट्रभाषा परि० की ओर से एक सहस्र मुद्राओं का पुरस्कार एवं ताम्रपत्र प्राप्त ; प० अध्यक्ष इतिहास विभाग, राजेंद्र कालेज, छपरा ।

राधादेवी गोयनका, श्रीमती, एम० एल० ए०—शि० सा०रत्न; सा० '४२ में कलकत्ते के अ०भा० पर्दा निवारक सम्मे० की अध्यक्षा, संस्था० : भा० सेवासदन अकोला, प्राकृतिक चिकित्सा-सदन, हिं०सा०सम्मे० विदर्भ एवं संस्थापिका-अध्यक्षा; म०प्र० हिं०सा०सम्मे० की उपाध्यक्षा, सदस्या : अ०भा० हिं०सा०सम्मे० की स्थायीसमिति एवं विदर्भ नागपुर राष्ट्रभाषा प्रचारसमिति, इंदौर हिं०सा०सम्मे० के महिला-विभाग की अध्यक्षा, ५००) प्रतिवर्ष दिये जानेवाले गोयनका पारितोषिक की विदर्भ में स्था०, संपादिका : मा० 'मानवता' एवं 'हमारे गाँव' ; विदर्भ प्रांत में नारी-संगठन एवं जागृति करनेवाली महिलाओं में प्रमुख; प्रका० नारी समस्या; अप्र० स्त्री समस्या संबंधित स्फुट लेखों के चार संग्रह ; वि० 'नारी समस्या' पर राधा मोहन गोकुलजी पुरस्कार प्राप्त; प० अध्यक्षा महिला-समिति, अकोला ।

राधामोहन गुप्त, 'सौरभ'—ज० '१०; सा० कलाकार परि० के सहायक मंत्री, श्रीकालिकानंदन सार्वजनिक पुस्तकालय के आजी० सद०; प्रका० स्फुट; अप्र० लेखों, कविताओं तथा कहानियों के चार संग्रह; वि० अनेक कीर्तन-संग्रहों का संपा० किया है; प० शिवहर, मुजफ्फरपुर ।

राधारमण शांडिल्य—ज० १० अक्टूबर, '३४ ; शि० एम० ए०, एम०-एड०, सा०रत्न ; सा० भूत० संपा० दै० 'विश्वमित्र', 'जागरण' इंदौर, दै०

'जागरण' झाँसी एवं दै० 'भास्कर' भोपाल; प्रका० स्फुट; अप्र० लेखों-कहानियों के चार संग्रह, प० प्राध्यापक, राजकीय विद्यालय, मैहर, सतना।

राधाशरण मिश्र—ज० १४ अप्रैल, '३०; शि० एम० ओ० एल० हिंदी, राज० वि वि०, शास्त्री (नव्य व्याकरण) काशी, सा०रत्न सम्मे० प्रयाग; सा० पुस्तक-समीक्षा-समिति राज० सरकार के मनोनीत सद०, डालमिया जैन ट्रस्ट द्वारा संचालित शिक्षण संस्थाओं के लगभग सात वर्ष तक व्यवस्थापक रहे, श्रीकृष्ण पुस्तकालय चिड़ावा के मंत्री; प्र० '४८ में; प्रका० स्फुट लेख; अप्र० साहित्यालोक (निबंध), तरंगिणी (कवि०) एवं चार संग्रह; वि० बूँदी के कवियों के काव्य-संकलन 'सिंहनाद' का संपादन कर रहे हैं; विद्वत् समिति अयोध्या से 'साहित्यालंकार' उपाधि प्राप्त, 'युगमानव, तुम निर्माण करो' गीत का रिकार्ड बना है, पी-एच० डी० के लिए शोधकार्य-रत; प० अध्यक्ष, हिं०वि०, राजकीय महाविद्यालय, बूँदी (राज०)।

राधिकाप्रसाद त्रिपाठी, डा०—ज० २५ जुलाई, '३६; शि० बी० ए० आगरा वि०वि० '५७, एम० ए० '५९, पी-एच० डी० '६२ गोरखपुर वि वि०; प्रका० स्फुट; अप्र० रामसनेही संप्रदाय (शोधप्रबंध) एवं लक्ष्मीनारायण मिश्र: व्यक्तित्व और कृतित्व; प० प्राध्यापक हि०वि, साकेत डिग्री कालेज, फैजाबाद।

राधिकारमणप्रसाद सिंह, राजा—ज० १८९१, सूर्यपुरा, शाहाबाद; शि० एम० ए० '१४ कलकत्ता वि०वि०; सा० बिहार प्रांतीय हिं०सा०सम्मे० के द्वितीय अधिवेशन (बेतिया, चंपारन) के सभा० तथा पंद्रहवें अधिवेशन (आरा) के स्वागताध्यक्ष, भूत० उपसभा० हिं०सा०सम्मे० बिहार; भूत० सभा०; ना०प्र०सभा० आरा; प्र० '१५ में; प्रका० रामरहीम, गल्पकुसुमावली, नवजीवन प्रेमलहरी, तरंग, गाँधी टोपी, सावनी सभा, पुरुष और नारी, टूटा तारा, सूरदास, नारी क्या : एक पहेली, जानी-सुनी-देखी, पूर्व और पश्चिम, चुंबन और चाँटा (उप०); अप्र० दो उपन्यास एवं चार लेख-कहानी-संग्रह; वि० सशक्त भाषाशैली के अधिकारी लेखक; प० बोरिंग रोड, पटना।

राधेबिहारीलाल सक्सेना, 'राकेश'—ज० १ मार्च, '३० मथुरा; शि० बी० ए० आगरा वि०वि०, एल० टी० मथुरा, प्रभाकर पंजाब वि०वि०, सा०रत्न सम्मे० प्रयाग; सा० सद० : अ०भा० ब्रजसाहित्यमंडल मथुरा, नवीन लेखकसंघ आगरा एवं सम्मे० प्रयाग, संपा० त्रैमा० 'जनार्दन' मथुरा, मा० 'लक्ष्मी', 'चित्रगुप्त' मथुरा एवं 'कायस्थ हितकारी' अलीगंज (एटा), सहसंपा मा० 'मारुति संजीवनी' ग्वालियर; प्र० '४८ में; प्रका० खरपतवार, भारत के निर्माण में पंचायतों का योगदान; अप्र० फसलों के रोग व कीड़े, भारतीय

वृक्ष, भारतीय खेल, सहकारिता आंदोलन व स्कूल का महत्व, प्रसार कार्य की रूपरेखा, फसलों की खेती, नियोजन विभाग का संगठन व कार्य, रँगाई-छपाई-कला, अर्चना (नाट०), झंकार (कवि०), स्नेहदान (कहा०), साहित्य-प्रबोध, छंदशिक्षा, काव्यशिक्षा, परीक्षार्थियों के कर्तव्य, कृषियंत्र-विज्ञान, बालमनोविज्ञान, भू-सर्वेक्षण ; प० श्रीबलभद्र इंटर कालेज, बलदेव, मथुरा।

राधेलाल शर्मा, 'हिमांशु'—ज० ६ जून, २३ ; शि० करेली, जबलपुर एवं सिवनी ; सा० मंत्री करेली हिंदी साहित्य समिति, भूत० संगठक म०प्र० हि०सा० सम्मे० एवं विदर्भ प्रांतीय हि०सा० सम्मे० ; वर्त० संचा० नर्मदा समाचार समिति, दै० 'वीर भारत' कानपुर तथा दै० 'जयहिंद' जबलपुर में कार्य किया, प्रधान संपा० साप्ता० 'उदय' नरसिंहपुर, सहसंपा० 'किरण' सतना तथा दै० 'मध्यप्रदेश' कटनी ; प्रतिनिधिसंपा० 'नवज्योति' तथा 'नवराष्ट्र' रायपुर ; प्रका० कवि० : राजकमल, स्वर्णिमा (गद्यगीत), विद्रोही सेनासिंह (नाट०, ४ भाग) ; अप्र० तीन-कविता एव लेख-संग्रह ; वि० 'ग्रामगीतों में संगीत की मधुर ध्वनियों-संबंधी खोज' में शोधकार्य-रत ; प० संचा० नर्मदा समाचार समिति, करेली।

राधेश्याम, कथावाचक—ज० १८९०, बरेली ; शि० बरेली ; सा० सेवा-समिति के संचा०, ऋषिकुल ब्रह्मचर्य-आश्रम ज्वालापुर के कार्यकर्त्ता, बरेली कालेज हिंदी एम० ए० फंडकमेटी के प्रधान, बरेली कालेजबोर्ड एवं कु० दयाशंकर इंटर कालेजबोर्ड के सद०, प्रकाशक मा० 'भ्रमर', राधेश्याम प्रेस के स्वामी ; प्रका० नाटक : वीर अभिमन्यु, भक्त प्रह्लाद, श्री कृष्णावतार, द्रौपदी स्वयंवर, ईश्वरभक्ति आदि ; कवि० : राधेश्याम रामायण तथा अन्य कीर्तन-संबंधी पुस्तकें ; वि० लोकप्रियता व धनोपार्जन की दृष्टि से किसी भी साहित्यकार से अधिक सफल हुए, आपकी कथा की ध्वनि और लय घर-घर में पहुँची है ; प० राधेश्याम प्रेस, बरेली।

राधेश्याम कौशिक, 'अधीर'—ज० १३ दिसंबर, '४० ; शि० एम० ए० हिंदी ; प्र० '५७ में ; प्रका० हिंदी के आंचलिक उपन्यास (समीक्षा), चंपा के फूल (बालो०) ; अप्र० असुन्दर के छोर ; प० बसनगेट, भरतपुर।

राधेश्याम द्विवेदी—ज० २६ फरवरी, '२१ ; शि० एम० ए० हिंदी, साहित्याचार्य, सा०मनीषी, विद्यालंकार ; भूत० ग्वालियर राज्य में रेवेन्यू एजेंटी की परीक्षा '३७ में तथा वकालत की परीक्षा '४० में पास की ; सा० ग्वालियर रीजन साहित्यकार संसद की कार्यकारिणी के मनोनीत सद०, बुन्देलखंड परि० झाँसी के सद०, केशव साहित्य कुटीर करेरा प्रकाशन

संस्था की स्था० ; प्र० '४३ में ; प्रका० कल्याणी कैकयी (प्रबंध०) '४९-'५०, गुनगुन (कवि०) '५१, युगप्रवर्त्तक गाँधी (खंड०) '५२, रावी के तट पर (खंड०) '५२, नवदुर्गा '५२, अपने गाँव (निबंध) '५२, विशाल भारत के अमूल्य रत्न '५७, अशिक्षा का अभिशाप '६० ; अप्र० छलकन (कवि०), पत्नी और प्रेयसी (नाट०) एवं चार अन्य पुस्तकें ; प० केशव साहित्य कुटीर, करैरा, शिवपुरी, म० प्र०।

राधेश्याम द्विवेदी, ज्योतिषी—ज० १९०० ; शि० बी० ए० ; जा० संस्कृत, गुजराती एवं अँग्रेजी; सा० '२८-'४८ तक कांग्रेसी कार्यों में सक्रिय भाग, '४१-'४२ के आंदोलन में कारावास, '४९ से समाजवादी दल में भाग, भूत० संपा० मा० 'औदीच्य बंधु' पच्चीस वर्ष तक, साप्ता० 'राष्ट्रलक्ष्मी' तीन वर्ष तक, संपा०-प्रका० साप्ता० 'जनार्दन' बारह वर्ष तक ; प्र० '३५ में, प्रका० अनु० निर्मला (उप०), स्त्रीजीवन, समाजवाद की विचारधारा, 'पूर्णिमा' (संपा०), मथुरा जिले के किसानों की समस्याएँ ; अप्र० स्फुट रचनाओं के चार संग्रह ; प० स्वामीघाट, मथुरा।

राधेश्याम प्रवासी—ज० '२३, कछौना, बालामऊ, हरदोई; शि० मैट्रिक, शास्त्री, ए० एस० बी० झाँसी; प्र० '५५ में; प्रका० सर्जना (कवि०), वीर बैरागी (यंत्रस्थ); अप्र० वीर बभ्रुवाहन (महा०), वीर बंदा बैरागी, भीम-प्रतिज्ञा, शुक-रंभा, भारती को गर्व है (कवि०), संभवामियुगेयुगे, बेबसी का सौदा, आग और अंगारे, बलिदान के छींटे, लद्दाख का शहीद (नाट०) आदि; प० प्रवासी प्रकाशन, कछौना, हरदोई।

राधेश्याम, 'बंधु'—ज० २ अक्टूबर, '३९; शि० देवरिया, मल्लावाँ (हरदोई) एवं कानपुर, इंटर; प्रका० मंजिल की ओर (कवि०) '६०, बरसो रे घन '६२; अप्र० जलसमाधि (उप०); प० स्वराज्य आश्रम, मल्लावाँ, हरदोई।

राधेश्याम बरनवाल, 'लहर'—ज० ५ जुलाई, '३५; शि० मिरजापुर एवं प्रयाग, इंटर ; प्र० '४९ में; प्रका० उप० - नीलम '५४, कागज के फूल '५७, बादल और बिजली '५७, चाँद और धब्बे '५७, पराया '५७, स्वप्नों के नायक '५९; अप्र० आठ उप० तथा कहानियों, शब्दचित्रों, लेखों आदि के चार संग्रह; प० बरनवाल स्टूडिओ, मिरजापुर।

राधेश्याम शर्मा, 'प्रगल्भ'—ज० २० फरवरी, '२९, खुरजा, बुलंदशहर; शि० एम० ए० हिंदी तथा भूगोल, आगरा वि० वि० ; सा० भूत० सद० : स्थायी समिति सम्मे० प्रयाग एक वर्ष, प्रयाग महिला विद्यापीठ दो वर्ष, स्थायी समिति ब्रज साहि० मंडल मथुरा तीन वर्ष, खुरजा नगरपालिका,

पाँच वर्ष सद० रहे जिसमें दो वर्ष अर्थसमिति के अध्यक्ष, हिंदी साहि० परि० खुरजा के सूचना एवं प्रका०मंत्री. नवसाक्षर एवं साहि० लेखकों के प्रथम 'सेमिनार' में सम्मिलित होनेवाले पाँच हिंदी लेखकों में एक, आकाशवाणी दिल्ली के 'स्कूल ब्राडकास्ट सेक्शन' द्वारा आयोजित 'वर्कशाप फार स्क्रिप्ट राइटर्स एंड प्रोड्यूसर्स' में सम्मिलित हुए; भूत० संपा० मा० 'अर्व' '५२-'५३, प्र० '४८ में ; प्रका० जाति-पाँति का अंत : क्यों और कैसे (अनु) '५८, पंचों का फैसला (एकां०) '६०, माता कस्तूरबा (यंत्रस्थ); अप्र० खडीबोली तथा ब्रजभाषा कविताओं तथा एकांकियों के चार संग्रह; वि० 'पंचों का फैसला' पर भारत सरकार द्वारा ५००) का पुरस्कार प्राप्त '६०; वर्त० प्राध्यापक, एस० एम० जे० ई० सी० इंटर कालेज, खुरजा; प० ६८८२, अहीरपाडा, खुरजा।

राधेश्याम सिंह गौतम—ज० २३ जुलाई, '३२, मझाभीटिया, शिवपुर, काशी; शि० एम०ए० हिंदी, काशी वि०वि०; प्र० '५४ से; प्रका० स्फुट; अप्र० कैपों से आवाज; प० राष्ट्रभाषाप्रचार-समिति, हिंदीनगर, वर्धा।

रा० प्र० द्विवेदी, 'रामेश्वर'—ज० '२८, बाँसा, हरदोई; शि० मल्लावाँ (हरदोई) एवं कानपुर, एम० ए०, साहित्यसुमन; सा० साहि० मंत्री : बुन्देलखंड साहि० परि०, मंत्री : साहित्यिकी कानपुर, संस्था०-संचा० 'साहित्यालोक' कानपुर, भूत०संपा० मा० 'आकाशगंगा', मा० 'सुरभि', मा० 'समय के स्वर' ; प्र० '४२ में , प्रका० कवि० अंतर्ज्वाला '५२, चेतावनी '५३, अग्निशिखा '५३. तरकस (सहलेखक), जब आँसू गा उठे '५७ एवं बात कुछ कहनी '६३. निबंध : निबंध-मंजूषा' '५५, हमारे साहित्यसृष्टा '५६ एवं प्रबंध-पयोधि '६२; अनु० : काव्य-मंजरी (अँग्रेजी कविताएँ) '६१ एवं गीतांजलि; संपा० प्रेरणा के स्वर एवं समय के स्वर, अप्र० चार संग्रह; प० अध्यक्ष हिं०वि०, बद्रीविशाल डिग्री कालेज, फर्रुखाबाद।

राबिनशा, 'पुष्प'—ज० २० दिसंबर '३६; सा० मंत्री ' कलासंगम एवं गायिकासंघ, मुंगेर; प्रका० औरत पानी है (कहा०), सफेद अंधकार (कहा०), लवलीना (कवि०), गोरे गोरे हाथ (ग्राम्य जीवन से संबंधित नवसाक्षरोपयोगी उप०); यंत्रस्थ : उप० गिरती दीवार : काँपती आँखें, विश्वास की सीपियाँ एवं भूत के पत्र; बालो० उप० : सोनजूही और बौने, काँच का रास्ता ; वि० उर्दू, अँग्रेजी तथा गुजराती में कहानियाँ अनू०, 'गीतांगिनि' के कवियों में एक; प० अशोक मिल, नीमतल्ला, मुंगेर।

रामअवतार चौरसिया, 'अनंत'—ज० १ जनवरी, '३५, संडीला ; शि० मैट्रिक, लखनऊ, इंटर ड्राइंग (महाराष्ट्र सरकार) '६० : सा० सहसंपा

'चरित्र-निर्माण' (चार मास) '५६, 'सरस्वती' (छह मास) '६०, अवै० सहसंपा० 'मराल' '६२ ; प्र० '५२ में ; प्रका० वीतशोक (ऐति० उप०) '६०, यत्रस्थ : उप० अंगुलिमाल, दलीमली कली, पी कहाँ, उजेले के फूल एवं एक प्लाट : इंद्रधनुष; कहा० : अनुराग का आँचल, गल्लाँ होइयाँ बीतियाँ एवं डूबती पतवार ; कवि० इंद्रधनुष ; वि० 'वीतशोक' पर २५०) का पुरस्कार प्रा ; वर्त० ड्राइंग मास्टर, इंडियन इंस्टीट्यूट आफ हैंडलूम टेक्नालाजी, दिल्ली ; प० अशराफ टोला, संडीला, हरदोई ।

रामअवधेश त्रिपाठी—ज० १ जनवरी, '१८, कोल्हुवा, बरहलगंज, गोरखपुर , शि० मैट्रिक, सा रत्न; सा० '२६ से प्रांतीय राष्ट्रभाषाप्रचार-समिति अहमदाबाद में अध्यापन कार्य करते हुए नगरपालिका महाविद्यालय के आचार्य, भूत सहसंपा० त्रैमा० 'राष्ट्रवीणा' '५०-'५४; प्र० '३५ में; प्रका० अनुवादमाला '५०, निबंध-दर्पण '५३, दृढ़प्रतिज्ञ '६२ ; अप्र० अद्रिजा (खंड०), शिक्षिता के आँसू (काव्यसंग्रह);वि० गुजराती से हिंदी मे अनेक अनु० किये हैं; प० ५५/३, म्युनिसिपल क्वार्टर्स, शाहपुर, अहमदाबाद ।

रामइकबालसिंह, 'राकेश'—ज० २४ दिसंबर, '१३, भदई, मुजफ्फरपुर; शि० मैट्रिक मुजफ्फरपुर ; सा० '३७ मे दै० 'सैनिक' आगरा के संपादकीय विभाग में कार्य, '३८ में ग्रंथमाला कार्यालय पटना में अनु०-कार्य, सात-आठ वर्षो तक मिथिला के गाँवो में भ्रमण कर लोकगीतों का संग्रह किया ; प्रका० स्तालिन : जीवनी '३८, मैथिली लोकगीत '४२, चट्टान (कवि०) '४६, गाण्डीव (कवि०) '४९; अप्र० मेघ दुंदुभी (कवि०), लोकसाहित्य की भूमिका, संस्मरणांजलि ; प० भदई, मुजफ्फरपुर ।

रामकिशोर मिश्र—ज० २५ फरवरी, '३९, सोरों, एटा ; शि० शास्त्री, वाराणसी ; प्रका० अंगुष्ठप्रदान (खंड०), यक्षविलाप (मेघदूत का भावानुवाद), किशोर कविताकर (कवि०) ; वि० दस ग्रथों की रचना संस्कृत में की है ; एक कहानी एवं एक संस्कृत उपन्यास पर क्रमशः १००) और ३००) के पुरस्कार प्राप्त : प० द्वारा डा० राम जी उपाध्याय, अध्यक्ष संस्कृत विभाग, सागर वि० वि , सागर ।

रामकिशोर शर्मा, 'किशोर'—ज० १९०५, भिंड , शि० एम० ए० इतिहास, विशारद '२२ ; सा० हिं०सा०स० के ग्वालियर अधिवेशन के सहायक मंत्री तथा कवि सम्मे० के संयोजक '३२, ग्वालियर राज्य के हिं०सा०सम्मे० की स्थायीसमिति के सद० तथा सहमंत्री, भूत०संयोजक ग्वालियर हिंदी पाठ्य पुस्तक समिति, शासकीय साप्ता० 'जयाजी प्रताप' के सहसंपा० तथा '२८

से संपा०, 'मध्य-भारत-संदेश' के सहसंपा० तथा प्रधान संपा० '५४ एवं सहसंपा० शासकीय प्रकाशन '५८ ; प्रका० योरोप का इतिहास (२ भाग), भारतीय इतिहास के उज्ज्वल रत्न, मध्यभारत का प्राथमिक इतिहास, निकुंज (संपा०); अनु० : भगवद्गीता (मराठी में), महादजी सिंधिया (नाट०), भारतीय कृषि का विकास (अंग्रेजी) ; अप्र० संसार की प्राचीन सभ्यताएँ तथा भारत से उनका संबंध ; प० मनीराम का बाडा, लश्कर, ग्वालियर।

रामकिशोर शास्त्री—ज० नवंबर '१६ ; शि० बी० ए०, शास्त्री, सा०भूषण एवं विद्यावाचस्पति लाहौर, ; सा० अवै०मंत्री : श्रीरणवीर इंटर कालेज अमेठी, प्रमुख विकास क्षेत्र अमेठी, उपप्रधान आर्यसमाज रामनगर, प्राध्यापक रणवीर रणजय डिग्री कालेज, संचा० सहकारीसंघ अमेठी, संपा० 'मनस्वी' ; प्रका० स्फुट ; प० रामनगर, अमेठी राज्य, सुलतानपुर।

रामकुमार ओझा—ज० ८ जुलाई, '२६ ; शि० सा०रत्न, प्रभाकर, मैट्रिक ; सा० बीकानेर राज्य साहि०सम्मे० के भूत० प्रचारमंत्री, प्रजापरि० के मंत्री एवं स्थानीय पुस्तकालय आदि के संचा०; प्र० '३४ में ; प्रका० निशीथ (कवि०), करवट (कहा०), जलजला (एका०) ; एवं कुछ कहा० संग्रहों में कहानियाँ संगृहीत ; अप्र० रावराजा (आंचलिक उप०), मुरगी हत्याकांड (कहा०) एवं चार संग्रह ; प० नोहर, गंगानगर (राज०)।

रामकुमार चतुर्वेदी, 'चंचल'—ज० ६ अक्टूबर, '२६ ; शि० एम० ए० हिंदी, आगरा वि० वि० '५० ; सा० हिंदीसाहि० सभा ग्वालियर, वृहत्तर ग्वालियर हिंदी साहि० गोष्ठी, साहि० संघ ग्वालियर तथा साहि० साधना संसद ग्वालियर के माध्यम से हिंदी का प्रचार किया ; '५९ में भारत सरकार की ओर से गणतंत्र समारोह में भाग लेने के लिए नेपाल की यात्रा ; प्र० '४२ में ; प्रका० काव्य : प्रथम चरण '४६, खून की होली '४६, हिंदुस्तान की आग '४८, धूल का परिचय '५५, घटा के घुँघरू '५९, नई पीढ़ी नई राहें '६० ; वि० '५४ में म० भा० शासन कलापरिषद द्वारा सर्वोत्कृष्ट काव्य-संबंधी पुरस्कार प्राप्त, '५६ में उ० प्र० शासन साहि० समिति द्वारा 'धूल का परिचय' पर पुरस्कार प्राप्त ; प० अध्यक्ष, हिं०वि०, गवर्नमेंट डिग्री कालेज, शिवपुरी (म० प्र०)।

रामकुमारी चौहान, श्रीमती—ज० १९०१, सीसामऊ, कानपुर ; शि० संस्कृत प्रथमा ; सा० संस्थापिका-संचालिका अ०भा०हिं०सा०स० एवं लक्ष्मीबाई महिला विद्यालय झाँसी ; भूत० अध्यक्षा : बुन्देलखंड प्रांतीय कविपरि० उ प्र सरकार से सहायता प्राप्त झाँसी की शिशु-संस्था, मनूबाई छबीली बाल०

मंदिर, महिला नगर कांग्रेस कमेटी ; प्रका० कई पुस्तकें ; अप्र० वीरवर (नाट), पितृवियोग, बालविकास, भौगोलिक कहानियाँ, दिवंगत कवयित्री, अभिनय, स्मृति के फूल, निश्वास, अमर सुभाष, राष्ट्रीय पर्व, शिशु सौरभ, मुगलशासन काल की एक झाँकी, प्रगति, ग्रामीण गौरव, कुटीर पर्व, जीवन रेखा, झाँसी की झनक, सुप्तस्वर, नोवाखाली का एक चित्र, जालियाँ की रक्त रेखा, शिशुविभूति, शिशु शिक्षा, पंचशील पर्व (एकाकी), प्रगति प्रवाह, पद्य प्रसून, वीरांगनाएँ, जीवनक्रांति, निर्माण, कल्पना-कंकण, कलिका-कुंज, अतीत की झाँकी, शिशु-समस्या, रेखा, कणिका, झलक, सवैया-घनाक्षरी-संग्रह, रागिनी, कुसुम ; वि० 'निश्वास' पर '३५ में ५००) का अ० भा० सेक्सरिया पारितोषिक हि०सा०स० के २२वें नागपुर अधिवेशन में प्राप्त ; प० महारानी लक्ष्मीबाई का मंदिर, बड़ा बाजार, झाँसी ।

रामकृपाल शर्मा, डा० - ज० '२८ ; शि० इंटर ; सा० होमियोपैथ, अध्यक्ष : अमन फार्मेसी हरिद्वार ; प्र० '५१ में ; प्रका० हिंदू क्या है ? धर्म राज्य क्रांति '५६, नेहरूनामा '६२ ; प० अमन फार्मेसी, हरिद्वार ।

रामकृष्ण आचार्य, डा०—ज० ६ अक्टूबर, '२१ ; शि० एम० ए० हिंदी, पी-एच० डी० आगरा वि०वि०, शास्त्री, आचार्य वाराणसी ; सा० मुहम्मदी क्षेत्र (आगरा) में एक विद्यालय की स्थापना ; प्र० '५३ में ; प्रका० हायर सेकेंडरी हिंदी साहित्य, हिंदी साहित्य एक दृष्टि में, संस्कृत प्रभा, रघुवंश (सर्ग २, ५, १३) की व्याख्या, दशकुमार चरित (प्रथम उच्छ्वास) की व्याख्या, शुकनासोपदेश की व्याख्या, हितोपदेश की व्याख्या, गल्प दीपिका (भाष्यशिखा) की व्याख्या, ब्रह्मसूत्रों के वैष्णव भाष्यों का तुलनात्मक अध्ययन (शोधप्रबंध) '६० ; वि० 'ब्रह्मसूत्रों के वैष्णव भाष्यों का तुलनात्मक अध्ययन' पर उत्तर प्रदेशीय शासन से ७००) का पुरस्कार प्राप्त ; वि० 'ब्रह्मसूत्रों का भाष्य निरपेक्ष समालोचनात्मक अध्ययन' विषय पर आगरा वि०वि० से डी० लिट उपाधि के लिए शोधकार्य-रत ; वर्त० प्राध्यापक, बलवत राजपूत कालेज, आगरा ; प० हंस निवास, दिल्ली गेट, आगरा ।

रामकृष्ण मिश्र—ज० ५ नवंबर '३०, देवनपूरा, गया ; शि० बी० ए० आनर्स '५१ गया, एम० ए० हिंदी '५३ पटना वि० वि० ; प्रका० रूपांतर एक विश्लेषणात्मक अध्ययन '५६, माध्यमिक हिंदी रचना '५६, दिनकर के दो महाकाव्य '५७, रश्मिरथी-प्रकाश '६१, कल्याणी : सौंदर्य बोध और समीक्षा '६२, हिंदी निबंध (सहलेखक) '६२ ; अप्र० मिश्र जी के समस्या नाटक, कुरुक्षेत्र : सौंदर्य और समीक्षा, कर्मभूमि : सौंदर्य और

समीक्षा, वि॰ 'राधास्वामी संप्रदाय : साहित्य और दर्शन' पर शोधकार्य-रत ; प॰ प्राध्यापक, हिं॰वि॰, गया कालेज, गया ।

रामकृष्ण शर्मा—ज॰ '३५ ; शि॰ एम॰ ए॰, सा॰रत्न ; सा॰ अवै॰ प्रबंधक त्रैमा॰ शोधपत्रिका 'मरुभारती', गीता रामायण परीक्षा समिति, पिलानी के अवै॰ सहा॰कुलसचिव ; प्रका॰ स्फुट ; अप्र॰ चार संग्रह ; प॰ प्राध्यापक, हिं॰वि॰, बिड़ला आर्ट्स कालेज, पिलानी ।

रामखिलावन तिवारी—ज॰ २ फरवरी, '२४ ; शि॰ सा॰रत्न '५० सम्मे॰ प्रयाग, बी॰ ए॰ '५१, एल-एल॰ बी॰ सागर वि॰ वि॰ '५३, एम॰ ए॰ हिंदी, नागपुर वि॰वि॰ '५४, एम॰ ए॰ राजनीतिशास्त्र, सागर वि॰ वि॰, '५६, सा॰ सद॰ : भा॰ हिंदी परि॰, '५१-'५३ तक हाई स्कूल में, '५४-'५६ तक चिरमिरी म॰ प्र॰ के महाविद्यालय में तथा '५६-'५८ तक शासकीय उच्चतर माध्यमिक शालाओं में अध्यापन-कार्य ; प्र॰ '५० में ; प्रका॰ स्फुट कविताएँ ; अप्र॰ पीपल का पेड़ (कवि॰) : वि॰ 'आधुनिक हिंदी राष्ट्रीय काव्य के संदर्भ में माखनलाल चतुर्वेदी के काव्य का विशेष अध्ययन' विषय पर शोधकार्य-रत, वि॰ स्फुट पुरस्कार प्राप्त; वर्त॰ अध्यक्ष हि वि॰, म॰ गांधी महाविद्यालय, इटारसी ; प॰ मिस्त्री की चाल, सूरजगंज, इटारसी ।

रामखेलावन चौधरी—ज॰ २१ मार्च, '२१ ; शि॰ एम॰ ए॰ अँग्रजी, एम॰ एड॰ लखनऊ वि॰ वि॰ ; सा॰ सहसंपा॰ 'रसवंती' लखनऊ दो वर्ष तक ; प्र॰ '४५ में ; प्रका॰ एक अध्ययन माला के अंतर्गत आलो॰ पुस्तकें : चित्र लेखा, पथिक, प्रेमाश्रम, कर्मभूमि, सेवासदन, मृगनयनी, कंकाल एवं लहर ; शिक्षा-संबंधी : शिक्षण विधियों की रूपरेखा, भारतीय शिक्षा की समस्याएँ, आधुनिक विद्यालय-संगठन, शिक्षा-मनोविज्ञान, शिक्षा के आधारस्तंभ, भाषा-शिक्षण, भारत तथा उ॰प्र॰ में प्रजातांत्रिक उच्चतर माध्यमिक शिक्षा की ऐतिहासिक भूमिका (अनु॰) ; कहा॰ : पतन और प्रायश्चित, सेंदुर की डिबिया, पिंजरा और पंछी ; वि॰ 'शिक्षण विधियों की रूपरेखा' पर बिहार राष्ट्रभाषा परि॰ से १०००) का पुरस्कार ताम्रपत्र के साथ '५७ में प्राप्त; वर्त॰ प्राध्यापक, कालीचरण कालेज, लखनऊ ; प॰ कच्चाबाग, सआदतगंज, लखनऊ ।

रामखेलावन पांडेय, डा॰—ज '१४, सासाराम, बिहार ; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी, डी॰ लिट॰ '५३ पटना वि॰ वि॰ ; सा॰ संपा॰ : त्रैमा॰ 'पारिजात' ; प्रका॰ गीतिकाव्य, काव्य और कल्पना (आलो॰ निबंध), कवि और काव्य, कविता-कानन ; अप्र॰ आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास (तीनखंड

चर्यागीत, कबीर साहित्य (आलो॰), मध्यकालीन संत साहित्य (शोधग्रंथ) एवं दो अलो॰ लेख-संग्रह , प॰ अध्यक्ष हि॰वि॰, वि॰वि , राँची ।

रामगोपाल परदेशी—ज॰ १७ मार्च, '३७, मलौरा, एटा ; जा॰ उर्दू एवं अँग्रेजी ; सा॰ व्यवस्था॰ . समाज उन्नायक प्रतिष्ठान, भूत॰ संपा॰ मा॰ 'युवक'. वर्त॰ संपा॰ 'शबरी' एवं 'समाज विचार', संस्था॰ . प्रगति प्रकाशन ; प्रका॰ हिंदी काव्य को नारी की देन (संपा॰), नई धरती के नए स्वर, परंपरा के चरण, गीत और सरगम (कवि॰) ; अप्र॰ हिंदी कवियों की गजलें, हिंदी मुक्तक, चालीस कहानियाँ, ऊँची-नीची धरती (कहा॰), गीतांकुर (गीत) , प॰ ३५८, मंडी सईदखाँ, आगरा ।

रामगोपाल विजयवर्गीय—ज॰ १९०५ ; शि॰ फाइन आर्ट्स डिप्लोमा जयपुर '२६ ; सा॰ अध्यक्ष . राज॰ कला केंद्र, उपाध्यक्ष : राज॰ ललित कला अकेडमी '५७-'५९, केंद्रीय ललित कला अकेडमी के राज॰ की ओर से प्रतिनिधि, चित्रकला की अनेक प्रदर्शनियों का आयोजन, भूत॰प्राचार्य : राज॰ कला मंदिर '४२ एवं राज॰ स्कूल आफ आर्ट्स '५८ ; प्राचीन वस्तुओं का अच्छा निजी संग्रह ; प्रका॰ विजयवर्गीय पिक्चर (सचित्र कविताएँ) '३५, शतदल सचित्र '३६, विजयवर्गीय पिक्चर अलबम '४०, बिहारी सप्तक '४२, चिनगारियाँ '४९, अलकावलि '४९, विजयवर्गीय की कहानियाँ '४९, राजस्थानी चित्रकला '५२, अभिसार '५८, चित्रकला की रूपरेखा (निबंध) ; वि॰ 'राजस्थानी चित्रकला' पर राज॰ सरकार द्वारा ५००) तथा 'अभिसार'पर राज॰ साहि॰ अकेडमी द्वारा १०००) का पुरस्कार प्राप्त ; राजस्थानी चित्रों की शैलियों के महत्व के सर्वप्रथम उद्घाटक ; फाइन आर्ट्स सोसाइटी इंदौर से '३० में, फाइन आर्ट सोसाइटी कलकत्ता मे '३३ मे, प्राचार्य राज॰ कलामंदिर से '४२ में एवं प्राचार्य राज॰ स्कूल आफ आर्ट्स से '४८ मे प्रशसापत्र प्राप्त ; प॰ जयपुर ।

रामगोपालशर्मा, *'दिनेश'*, डा॰—ज॰ '२७, सिधावली, बाह, आगरा; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी तथा संस्कृत, एल॰ टी॰, सा॰रत्न, पी-एच॰ डी॰ ; प्रका॰ कविशाला '४६, वीरागना '४८, विश्व ज्योति बापू (प्रबंध॰) '५०, संघर्षों के राही '५१, सर्वोदय के गीत '५९, मधुरजनी, जलती रहे मशाल, आयाम '६२, लहर गाती है, जयघोष '६२, खड़ी बोली के प्रतिनिधि कवि, काव्यालोचन, हिंदी साहित्य का आदर्श इतिहास, तुलनात्मक विवेचन, वृन्दावनलाल वर्मा और उनकी मृगनयनी; नाट॰ : सोमनाथ, धरती का देवता, लोक देवता जागा (यंत्रस्थ) अन्य वीरशि[illegible]ी, साम्ययोगी

विनोबा एवं आचार्य कृपलानी, उड़ते पंछी (कहा०), बदलती रेखाएँ (उप०), नया सपना : नया गाँव, गाँधी बनूँगा ; काव्य : त्रिवेणी, उषागीत, धूमकेतु, एवं सारथी (महा०) ; एकादशी (नाट०). हिंदी काव्य में नियतिवाद (शोध ग्रंथ), हिंदी साहित्य की परंपरा, लोकरुचि और साहित्य, प्रेमचंद और उनका गोदान ; वि० राज० साहि० अकेडमी से १०००) का काव्य-पुरस्कार '६०-'६१, भारत सरकार से ७५०) का नाटक पुरस्कार तथा राज० सरकार से ५००) का प्रौढ साहित्य पुरस्कार प्राप्त, अकेडमी से एक स्वर्णपदक प्राप्त , 'हिंदी शोधकार्य' पर डी० लिट० के लिए शोधकार्य-रत ; प० प्राध्यापक, गवर्नमेंट पोस्ट ग्रैजुएट कालेज, अजमेर ।

रामगोपालसिंह चौहान—ज० २५ मई, '२५ ; शि० इलाहाबाद, शाहजहाँपुर, आगरा एवं वाराणसी, एम० ए० हिंदी तथा संस्कृत, आगरा वि० वि० ; प्र० '४१ में ; प्रका० मौलिक : हिंदी के गद्यकार और उनकी शैलियाँ '५४, भारतेंदु-साहित्य '५५, हिंदी नाटक : सिद्धांत और समीक्षा '५८, प्रेमचंद और उनका गोदान '६०, अछूती धरती (अनु०) '५८, ममता (यंत्रस्थ) ; अनु० : इन्कलाबी चीन '५०, अंतिम निर्णय '५२, शक्ति का स्रोत (चीनी उप०) '५३, वेदवृक्ष की छाया में '५३, पिता-पुत्र '५४ ; अप्र० कहा०, एकां० एवं आलो० लेखों के चार संग्रह ; वि० 'स्वतंत्रता के पश्चात हिंदी साहित्य की गतिविधि' विषय पर शोधकार्य-रत ; वर्त० प्राध्यापक हि० वि० आगरा कालेज, आगरा ; प० ६, हंटले हाउस, आगरा ।

रामगोपाल मिश्र—ज० १८८८, बदायूँ ; शि० बी० एस-सी०, बलरामपुर, काशी तथा लखनऊ ; सा० '४५ में जिलाधीश के पद से अवकाश ग्रहण, बालवाड़ा स्टेट (राज०) के भूत० मंत्री, अयोध्या राज्य के भूत० दीवान तथा बलरामपुर राज्य के प्रबंधक, संस्था० : हिंदुस्तानी क्लब, विक्टोरिया मेमोरियल गाजीपुर, व्यास इंटर कालेज कालपी, ड्रैमेटिक ऐसोसिएशन, सेंट्रल हिंदू कालेज एवं 'मेमोरी आफ पास्ट लाइफ रिसर्च ऐसोसिएशन', भूत० संपा० 'नवज्योति' : प्रका० चंद्रभवन, माया (उप०), अंजलिका (कहा०), आगार (कवि०), भारतोदय, छत्रपति शिवाजी (नाट०), बाल शिक्षा माला का भारतबोध (बालो०), सखूनिस्तान, तपोभूमि, व्रतोत्सव-संहिता (शोध ग्रंथ) ; प० १ अशोक मार्ग, लखनऊ ।

रामगोविंद त्रिवेदी—ज० १८६४; शि० वेदांतशास्त्री, महोपदेशक; सा० संस्था० '२८ से '३० तक लगभग ३६ गीताप्रचारकमंडल तथा सनातन धर्ममंडल, भूत० संपा० : त्रैमा० 'आर्यमहिला' वाराणसी '१८ मा 'विश्वदूत'

रंगून (बर्मा) '२१, साप्ता॰ 'सेनापति' कलकत्ता '२६, दै॰ 'मारीशस मित्र' हिंद महासागर '२८, मा॰ 'गंगा' भागलपुर '३०; दक्षिणी अफ्रीका, मारिशस, मोज़ाबीक, दारेसलाम, बेरा, केनिया, जंजीबार आदि में भाषणों के द्वारा भा॰ संस्कृति का प्रचारकार्य किया, प्रका॰ संपूर्ण ऋग्वेद का हिंदी अनु॰, वैदिक साहित्य, दर्शन परिचय (आस्तिक-नास्तिक दर्शनों की ऐतिहासिक समीक्षा), विष्णुपुराण (१८ पुराणों की आलो॰), ईश्वर-सिद्धि, राजर्षि प्रह्लाद, महासती मदालसा; वि॰ 'वैदिक साहित्य' पर उ॰प्र॰ सरकार द्वारा ६००) का पुरस्कार प्राप्त; प॰ कूर्सा, दिलदारनगर, गाजीपुर।

रामचंद्र आर्य, 'मुसाफिर'—ज॰ ५ जनवरी, १९०७; शि॰ अरबी-आलिम आगरा, धर्मशास्त्री कानपुर, आयुर्वेदाचार्य पीलीभीत, सा॰रत्न॰ सम्मे॰ प्रयाग, शास्त्री; जा॰ अरबी, फारसी, उर्दू, संस्कृत, गुजराती एवं मराठी, प्रका॰ तंबाकू मनुष्य का शत्रु है '३८, क्या गोवध मुसलमानों का धार्मिक कृत्य है, नागरिकशास्त्र (६ भाग) '५१, संस्कृत स्वयशिक्षक '५२, संस्कृत अनुवाद-शिक्षक (२ भाग) '५३, सुलभ व्याकरण (पद्य में) '५४, अलंकार-दीपिका '५५, संस्कृत-कुसुमावली '६२, संस्कृत अनुवाद '६१, धर्मशिक्षा; अप्र॰ चार संग्रह; वि॰ धर्मशिक्षाओं के लिखने पर १०१) का पुरस्कार प्राप्त; प॰ डी॰ ए॰ वी॰ हाईस्कूल, अजमेर।

रामचंद्र गुप्त, डा॰—ज॰ २० जनवरी, '२७; शि॰ बी॰ ए॰ आनर्स हिंदी, एम॰ ए॰ राजनीति तथा दर्शन, पी-एच॰ डी॰ राजनीति; प्र॰ '५४ में; प्रका॰ पंत की काव्य कला, महादेवी की काव्यकला, नागरिकशास्त्र, गाँधी दर्शन (अँग्रेजी तथा हिंदी); अप्र॰ दो अँग्रेजी पुस्तकें तथा चार संग्रह; वि॰ डी॰ लिट॰ के लिए वि॰वि॰ अनुदान आयोग की फेलोशिप स्कीम के अंतर्गत शोधकार्य-रत; वर्त॰ प्राध्यापक राजनीति विभाग, राजकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, इन्दौर, प॰ ४२, साउथ तुकोगंज, इंदौर।

रामचंद्र चौरसिया—ज॰ १६ अप्रैल, '२६; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी, नागपुर वि॰वि॰, सा॰रत्न॰ सम्मे॰ प्रयाग, प्र॰ '५० में; प्रका॰ स्फुट निबंध तथा गद्यगीत; अप्र॰ म॰प्र॰ के दर्शनीय स्थल, म॰प्र॰ की वास्तुकला; वर्त॰ भाषा विभाग, म॰प्र॰ शासन में अनुवादक, शब्दकोश-निर्माण एवं अनु॰ कार्य का निरीक्षण; प॰ १४/१८, दक्षिण तात्याटोपेनगर, भोपाल।

रामचंद्र छांगाणी, 'अधीर'—ज॰ १२ अप्रैल, '३५ आर्वी, वर्धा; शि॰ मैट्रिक नागपुर, विशारद सम्मे॰ प्रयाग; सा॰ साहि॰ मंत्री : हिंदी साहि॰ समिति आर्वी; प्रका॰ स्फुट; प॰ जवाहर चौक आर्वी वर्धा।

रामचंद्र प्रफुल्ल—ज० १९०८; शि० बी० ए०, सा० रत्न, आयुर्वेद वाचस्पति; जा० गुजराती; सा सद० : स्थायी समिति, अ०भा० हि०सा०-सम्मे० प्रयाग, प्रधानाध्यापक . डालमिया मिडिल स्कूल चिडावा (राज०), प्रधानमंत्री श्रीकृष्ण पुस्तकालय, कुछ वर्षों तक चिडावा म्यूनिसिपल बोर्ड के निर्वाचित म्यु० कमिश्नर; प्रका० स्फुट; अ०० कतिपय जटिल रोग और उनकी चिकित्सा एवं दो संग्रह ; प० सहकारी लेबर वेलफेयर आफिसर, श्रममंगल विभाग, बिडला काटन स्पिनिंग एंड वीविंग मिल्स, दिल्ली ।

रामचंद्र रघुनाथ सर्वटे—ज० ७ अगस्त, १८९३, सागर ; शि० मैट्रिक, टीचर्स डिप्लोमा '१४, कृषि डिप्लोमा '२० नागपुर . सा० सद० मराठी साहि० संघ तथा साहि संघ जबलपुर, शिक्षक एवं प्रधानाध्यापक '३० तक, कृषि विभाग में विभिन्न पदों पर कार्य एवं '५१ मे 'गजेटेड' पद से अवकाश ग्रहण ; प्र० '१४ में ; प्रका० मराठी से अनु० : उप० : पहला प्रेम, हरा चंपा, तुलसी मंजरी, रुपहले बादल, चाँदनी, सुख की खोज, ययाति, विधवा कुमारी, पुनर्मिलन, लडाई के बाद, गीता, सात लाख मे एक, सिपाही की बीबी आदि; अनु० कहा० : प्रीति की खोज, कलिका, फूल और पत्थर, प्रियदर्शिनी तथा लगभग पंद्रह अनु० एवं नवसाक्षरों के लिए कृषि विषय पर बारह मौलिक पुस्तकें; प० ११८०, राइट टाऊन, जहाँगीराबाद, जबलपुर १ ।

रामचंद्र व्यंकटेश खिरसीकर (स्वामीराम)—ज० ९ जून, १९०३, तैल्हारा, अकोला , शि० अकोला ; प्रका० राम तरंगमाला (८ भाग), सचित्र योगासन, सुधावृष्टि (अनु० कवि०), नर-नारायण-संवाद (कवि०), विचार-वसंत, अपने सुख-दुख के हम ही कारण हैं, स्मृति-कुंज, लंका में, गीताशक्ति, संसार-कल्पवृक्ष, दिव्य प्रार्थना तथा मराठी एवं अंग्रेजी से भी अनेक पुस्तकों के अनु० ; प० १०/ए, मंगलदास रोड, पूना १ ।

रामचंद्र शर्मा, आचार्य—ज० १५ मई, १८९५, कुरुक्षेत्र; शि० एम०ए० लाहौर; सा०भूत० सद० : पंजाब वि०वि० 'ओरिएटल फैकल्टी', हिंदी शिक्षाबोर्ड तथा 'एकेडेमिक कौंसिल' '४८-'५१ ; प्रधान . आर्य समाज, मंत्री : हिंदी प्रचारकमंडल, महामंत्री . आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधिसभा पंजाब एवं जालंधर; भूत० उप-प्राचार्य : डी० ए० वी० कालेज, जालंधर '२१-'५१, भूत० संस्कृतप्राध्यापक पंजाब वि०वि० '५१-'५८, भूत०संपा० मा० 'विधवा-हितैषी' '३४-'४०, मासा० 'आर्यजगत' जालंधर '४७-'५८ एवं साप्ता० 'द्वाबा' जालंधर '६० ; प्र० '२४ में ; प्रका० वेद का स्वाध्याय, पंजाब में हिंदी, कालिदास के नाटकों की कहानियाँ हिंदी व्याकरण और रचना

संस्कृत व्याकरण-सार, सफल जीवन, देवभाषा (संस्कृत), अभिनव संस्कृत-परिचय (संस्कृत), आदर्श हिंदी-रचना, नागानंद नाटक (अनु० तथा भाष्य), स्वप्न वासवदत्तम् (अनु० तथा भाष्य), काव्य-सरोवर, एकांकी-एकावली, कलंकरेखा, स्वर्गश्री आदि; प० २६६, चिरंजीत पुरा, जालंधर।

रामचंद्र शर्मा, 'वीर'—ज० १९०९; शि० जयपुर, दिल्ली एवं बेगूसराय; जा० संस्कृत एवं उर्दू; सा० जयपुर में हिंदी को राज्य-भाषा बनाने के लिए आमरण अनशन '४२, सर मिर्जाइस्माइल के द्वारा निर्वासित होने पर '४४ में ५४ दिन तक दिल्ली में अनशन, पशुवध और गो-हत्या के विरुद्ध काठियावाड में आंदोलन, सागर, कानपुर, जबलपुर आदि में ६२ दिन तक अनशन; संस्था० अखिल भारतीय आदर्श हिंदू संघ; प्रका० विजय पताका, विकट यात्रा, स्वास्थ्य संपत्ति, विनाश के मार्ग, वीर गर्जना, अमर हुतात्मा, हमारा स्वास्थ्य, हिंदू नारी; अप्र० स्फुट लेखों के चार संग्रह; प० 'आदर्श हिंदू' प्रकाशन, विराटनगर, जयपुर।

रामचंद्र शुक्ल—ज० १ मार्च, '२५, शुक्लपुर, हरैया, बस्ती; शि० चित्रकला में डिप्लोमा '४५, बी० ए० '४६ प्रयाग वि०वि०, एल० टी० '४८ प्रयाग, एम० एड० '५१ काशी वि वि०; सा० भूत० कलानिर्देशक चित्रपट बंबई '४६, भूत-चित्रकलाशिक्षक: टीचर्स ट्रेनिंगकालेज काशी वि०वि० '४८ एवं कलासंगीत महाविद्यालय काशी '४९, भूत० शिक्षाशास्त्र प्राध्यापक टीचर्स ट्रेनिंग कालेज काशी '५४, भूत० सहायक शिक्षानिदेशक (कला-कौशल) बिहारसरकार '५५, प्राध्यापक काशी वि०वि० '५६ से; प्र० '३६ में; प्रका० शिल्पलोक '५३, रेखावली '५४, कला और आधुनिक प्रवृत्तियाँ '५८, नवीन भारतीय-चित्रकला-शिक्षण पद्धति '५१, चित्रकला का रसास्वादन '६२; अप्र० चित्रकला में अलंकरण, संसार के महान चित्रकार, भारत के प्रमुख चित्रकार, चित्रकला की विभिन्न शैलियाँ, भारतीय चित्रकला का सामाजिक विकास एवं लघु कथाओं के दो संग्रह; वि० चित्रकला-संबंधी लगभग ५०० निबंध लिखे हैं; फ्रांस सरकार द्वारा चित्रकला पर भारत में सर्वप्रथम एक पदक प्राप्त; प० जी० ३, न्यू वीमैंस होस्टल रोड, काशी वि वि०, वाराणसी—५।

रामचरण महेंद्र, डा०—ज० ८ मार्च, '१९; शि० एम० ए०, पी-एच डी०; सा० अध्यक्ष: भारतेंदु समिति कोटा, संपा० मा० 'खत्रीहितैषी' लखनऊ; प्रका० हिंदी एकांकी: उद्भव और विकास (शोधग्रंथ), हिंदी नाटक के सिद्धांत और नाटककार, हिंदी महाकाव्य और

जी० पी० श्रीवास्तव (जीवनी), सेठ गोविंददास : नाट्यकला एवं कृतियाँ (दो भाग), शंभूदयाल सक्सेना : कला और कृतियाँ, पृथ्वीराजरासो : एक अध्ययन, स्वर्णपथ, आनंदमय जीवन, अमृत के घूँट, भारतीय संस्कृति की रूपरेखा, महान जागरण, तुम महान हो, दीर्घ जीवन के रहस्य हमें स्वप्न क्यों दीखते हैं, लेखनकला, हम सुन्दर कैसे बनें, चिरस्थायी यौवन, दैवी संपदाएँ, जिंदगी कैसे जिएँ, जीवनकला ; एकां० : अमर आत्माएँ, सूखे संतरे, प्रलय और सृष्टि ; अप्र० सात-आठ लेख और एकांकी संग्रह ; वि० 'हिंदी एकांकी में समस्या-चित्रण' विषय पर डी० लिट्० के लिए शोध-कार्य-रत : प० प्राचार्य, गवर्नमेंट कालेज, कोटा (राज०)।

रामजी उपाध्याय, डा०—ज० '१८ ; शि० एम० ए० '४१, डी० फिल० '४२ प्रयाग वि०वि०, सा रत्न , प्र० ४०' में ; प्रका० भारत की प्राचीन संस्कृति, भारत की संस्कृति-साधना, संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, भारत का सामाजिक उत्कर्ष, भारतीय संस्कृति का उत्थान, भारतीय सांस्कृतिक निधि, संस्कृत-सूक्ति-रत्नाकर, द्वासुपर्णा ; अप्र० चार संग्रह ; प० प्राध्यापक, संस्कृत-विभाग, वि०वि०, सागर।

रामजीलाल, 'सहायक', डा०—ज० २ जनवरी, '१८, मेरठ ; शि० एम० ए० आगरा वि०वि०, पी-एच० डी० लखनऊ वि०वि०, सा०रत्न (हिंदी तथा अर्थशास्त्र) सम्मे० प्रयाग ; सा० भूत० संपा० साप्ता० 'उत्थान-पथ' दो वर्ष तक ; प्रका० कवि० : सहायक भजनावली '३५, बालविनोद '३६, चेतावनी '४५, बंधनमुक्ति '५३, हिंदी-सफलता-प्रकाश '५५, चरित्र-कण (कहा०) '५६, हमारे वाल्मीकि '५६, हरिजन वर्ग और उनका उत्थान '५७, कबीर-दर्शन (शोधग्रंथ) '६२ ; अप्र० जीवन की राह एवं चार संग्रह ; वर्त० एम० एल० ए० हैं ; प० ८९ अजय कुटीर, थापरनगर, मेरठ।

रामजीसरन सक्सेना—ज० २० मई, १९०७ ; प्रका० निर्झरिणी (कवि०) '५२ ; अप्र० दो कवि० संग्रह ; प० १७४, सिविल लाइंस, बरेली।

रामदत्त भारद्वाज, डा०—ज० १९०२, बुलंदशहर ; शि० एम० ए० (त्रय), एल० टी०, एल-एल० बी०, पी-एच० डी० दर्शन, डी० लिट० हिंदी, प्रयाग, दिल्ली तथा आगरा ; सा० आजी० सद० : इंडियन फिलासफिकल कांग्रेस, भूत० सद० दिल्ली वि०वि० कोर्ट '३९-'४१, इंडियन हिस्ट्री कांग्रेस '४२-'४३, रायल एशियाटिक सोसाइटी लंदन '२६-'२७, भूत० संयुक्तमंत्री : तुलसी स्मारक समिति, सोरों-कासगंज '४३-'४५, भूत० मंत्री : गोखले सरस्वती सदन, '३३-'५४, भूत० सहसंपा० 'नवीन भारत' कासगंज '३७-

'३८, 'मानवधर्म' '४३-'४६ ; प्रका॰ स्त्रियों के व्रत-त्योहार और कथाएँ '४१, तुलसीचर्चा '४१, रत्नावली (जीवनी और रचना) '४२, सत्तासूत्रम् (संस्कृत) '४३, तुलसीदास का घरबार '४८, सोरों का संत (नाट॰) '५२ ; वि॰ गोस्वामी तुलसीदास का जन्मस्थान, परिवार, दर्शन आदि पर तथा 'संत' की परिभाषा पर शोधकार्य-रत ; वर्त॰ प्राध्यापक देशबंधु कालेज, दिल्ली वि वि॰ ; प॰ १४/२८, शक्तिनगर, दिल्ली।

रामदास शास्त्री, स्वामी—ज॰ '१७; शि॰ मैट्रिक, शास्त्री वाराणसी, दर्शनतीर्थ कलकत्ता, सा॰रत्न सम्मे॰ प्रयाग ; सा॰ संस्था॰-संचा॰ श्रीचैतन्य संस्कृत महाविद्यालय वृंदावन, श्रीकृष्णानंददास विद्यापीठ एवं चार संप्रदाय आश्रम, राजनीतिक आंदोलनों में कई बार कारावास ; भूत॰ संपा॰ : मा॰ 'श्रेय', मा॰ 'नाम-माहात्म्य', संपा॰ संचा॰ : मा॰ 'भक्तभारत', संपा॰ : साप्ता॰ 'प्रेमसंदेश' एवं 'ब्रजसंदेश' ; प्रका॰ कृष्णकर्णामृत (सटीक), राष्ट्रनिर्माण, भक्तित्रयमाला, साधन भक्ति-प्रदीप, श्रीरामानुजाचार्य और उनका संप्रदाय, श्रीचैतन्य संप्रदाय और उसके सिद्धांत, वैदिक प्रमाण पत्रिका, पदरत्नावली (संग्रह), वेदांत-मीमांसा, माधुर्य कादंबिनी (संस्कृत) ; अप्र॰ चार-पाँच ग्रंथ ; प॰ चार संप्रदाय आश्रम, वृन्दावन।

रामदीन गुप्त—ज॰ '३६ ; शि॰ एम॰ ए॰ '५७ दिल्ली वि॰वि॰ ; प्रका॰ प्रेमचंद और गाँधीवाद ; अप्र॰ प्रेमचंद के आलोचक, एक उप॰, एवं दो लेख-संग्रह ; प॰ ४०८६, नयाबाजार, दिल्ली—६।

रामदीन पांडेय—ज॰ १८९२ ; शि॰ एम॰ ए॰ संस्कृत '२३, बी॰ एड॰ '२५, एम॰ए॰ हिंदी '३४ पटना वि॰वि, साहित्याचार्य, सा॰रत्न सम्मे॰ प्रयाग; सा॰ राँची तथा मुजफ्फरपुर के कालेजों में भूत॰ प्राध्यापक तथा विभागीय अध्यक्ष २६ वर्षों तक, भूत॰ प्राचार्य हिंदी विद्यापीठ देवघर दो वर्षों तक, भूत॰संपा॰ साप्ता॰ 'धरती' एक वर्ष तक ; प्र॰ '३२ में ; प्रका॰ अनु॰ : सौदरनंद, जानकीहरण ; उप॰ : विद्यार्थी, चलती पिटारी, वासना ; नाट॰ : ज्योत्सना ; एका : जीवन-ज्योति, जीवन-कण, जीवनयज्ञ, प्राचीन भारत की सांग्रामिकता, काव्य की उपेक्षिता-यशोधरा ; अप्र॰ पलामू का इतिहास एवं चार लेख-संग्रह ; वि॰ 'सैन्य-विज्ञान' के लिए एक सहस्र रुपए का पुरस्कार बिहार सरकार द्वारा '६२ में प्राप्त ; प॰ अवकाशप्राप्त प्राचार्य, डाकघर के निकट, डालटनगंज, पलामू (बिहार)।

रामदेव झा—ज॰ ११ जून, '२७ ; शि॰ बी॰ ए॰ आनर्स, सा॰रत्न, साहित्यालंकार, सी॰ एल॰ एस-सी॰ : सा॰ सद॰ स्थायीसमिति बिहार

हिं०सा०सम्मे० एवं कार्यसमिति पटना जिला पुस्तकालयसंघ ; प्रधान मंत्री · प्रसाद साहि० परि० पटना एवं केदारनाथ पुस्तकालय डुमरी, शिवहर , अध्यक्ष : हाईकोर्ट चतुर्थवर्गीय कर्मचारी-पुस्तकालय ; प्र० '४३ में; प्रका० स्फुट ; अप्र० सात पुस्तकें ; प० सी/२१, अदालतगंज, पटना—१ ।

रामधन शर्मा, शास्त्री, डा०—ज० २८ दिसंबर, १९०५ ; शि०एम०ए० संस्कृत '२८ प्रयाग वि०वि०, एम० ओ० एल० '३५ पंजाब वि०वि०, एम०ए० हिंदी '३८ कलकत्ता, पी-एच०डी० '५४, शास्त्री, पंजाब. साहित्याचार्य, वाराणसी; सा० भूत० संस्कृत प्राध्यापक : प्रयाग वि० वि० '२८-'३०, भूत० प्रधानाध्यापक संस्कृत-हिं० वि० श्रीरामकालेज आफ कामर्स दिल्ली वि० वि० '३६-'५२, भूत० प्रथम हिंदी प्राध्यापक 'फ्री यूनिवर्सिटी' बर्लिन '५१-'५२, भारत सरकार के रक्षामंत्रालय में अधिकारी तथा शिक्षा मंत्रालय में '५६ से प्रथम विशेष अधिकारी, तत्पश्चात उपनिदेशक (हिंदी निदेशालय) तथा आजकल प्रधान संपा० कोश विभाग ; प्र० '३७ में ; प्रका० रघुवंश की टीका '३७, भारतीय संस्कृति की रूपरेखा '५०, कूट काव्य · एक अध्ययन (शोधग्रंथ) '६३; अप्र० दो संग्रह ; प० कटरा नील, दिल्ली ।

रामधारी मिश्र—ज० '२१; शि० विशारद, मैट्रिक; प्र० '५० में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० योगिराज कृष्ण, दिल्ली की आत्मकथा, धरती की बेटी, राधा-माधव, व्यंग्योक्ति, कैकेयी आदि दस-बारह काव्य; वि० अ० भा० काव्य प्रतियोगिता में पुरस्कृत '६१ ; प० २४, जालंधरी, कोट, आजमगढ ।

रामनरेश उपाध्याय, 'धीर'—ज० १ दिसंबर, '११ ; शि० एम०ए० हिंदी, काशी वि० वि०, सा०रत्न सम्मे० प्रयाग, महोपदेशक भारतधर्म महामंडल काशी; सा० संचा० कीर्तनमंडल मुगलसराय, धर्मरत्न दिल्ली, भूत० सहसंपा० : द्विदैनि० 'सूर्य', साप्ता० 'पंडित पत्र' ; प्रका० श्री जैमिनी अश्वमेध, नित्यधर्म, पतिव्रता-धर्म, ध्रुव-स्तुति ; अप्र० प्रेमपुजारिन मीरा; विषय-विवेचन ; प० हिंदी प्राध्यापक, ईस्टर्न रेलवे कालेज, मुगलसराय ।

रामनरेश पांडेय, 'पद्मेश'—ज० १ सितंबर, '१६, आगापुर, खलीलाबाद, बस्ती ; शि० बी० ए०, सा०रत्न ; प्रका० रश्मिरेखा (कवि०) ; अप्र० कवि० : आलोक आरती, आलोकमयी, पूर्वा, वैष्णवी तथा अन्य चार पुस्तकें; वि० 'रश्मिरेखा' पर उ० प्र० सरकार द्वारा ५००) का पुरस्कार प्राप्त ; प० प्राध्यापक, नेशनल इंटर कालेज, लखनऊ ।

रामनरेश पाठक—ज० १२ नवंबर, '२८, केतकी, गया ; शि० बी० काम० '५० भागलपुर, बी० एल० '५४, एम० काम '५५, एम० ए '६०

पटना वि॰ वि॰ ; जा॰ अँग्रेजी, संस्कृत, बँगला एवं उर्दू ; सा॰ सद॰ : संपा॰ सलाहकारमंडल मा॰ 'मगही' तथा 'बिहान', सद॰ स्थानीय साहि॰ संस्था परिमल एव सीमान्त लेखक संगम, प्रधानमंत्री : भा॰ लेखक परि॰ ; भूत॰ सहसंपा॰ : दै॰ 'राष्ट्रवाणी' पटना, भूत॰ प्रधानसंपा॰ : पाक्षि॰ 'श्रमिक' एवं, साप्ता॰ 'उत्तर बिहार' पटना, भूत॰ कार्यकारीसंपा॰ मा॰ 'शरद' एव 'ज्योत्स्ना' पटना, वर्त॰संपा॰ 'अपरम्परा' एवं 'श्रमिक' बिहार सरकार ; प्र॰ '४६ मे ; प्रका॰ कवि॰ : अनामा '५२, क्वार की साँझ '५८ ; वि॰ 'वर्तमान शताब्दी में प्रकाशित हिंदी उपन्यासों का तथ्यगत विश्लेपण' विषय पर पी-एच॰ डी॰ उपाधि के लिए शोधकार्य-रत, मगही भाषा के भी कुशल लेखक ; प॰ (१) केतकी, गया । (२) संपा॰ 'श्रमिक', श्रम एवं नियोजन विभाग, बिहार सरकार, नया सचिवालय, पटना —१ ।

रामनरेश प्रसाद' 'नाहर'—ज॰ '१५, सोहसा, सोननदी ; शि॰ रानीगंज, पश्चिमी बंगाल ; प्रका॰ कवि॰ : शोणभद्र '५२, गीतगुच्छ '५३ ; अप्र॰ दो संग्रह ; प॰ शिक्षा-अधीक्षक कार्यालय, गया ।

रामनरेश मिश्र—ज॰ '३३ ; शि॰ सा॰रत्न सम्मे॰ प्रयाग '५५, व्याकरणतीर्थ कलकत्ता '५५, आयुर्वेदरत्न, काव्यतीर्थ '५६, साहित्याचार्य '५७, संगीत विशारद '५८, एम॰ ए॰ हिंदी, काशी वि॰ वि॰ '६१, एम॰ ए॰ संस्कृत, पटना वि॰वि॰ '६२ ; जा॰ फारसी, बँगला एवं पाली ; प्रका॰ मेघदूत एक समीक्षा एवं व्याख्या, मगही लोकगीत और काव्यसौदर्य, संत-साहित्य-दिग्दर्शन ; अप्र॰ कालिदास का काव्य-वैभव, संस्कृत एवं अँगरेजी व्याकरण का तुलनात्मक अध्ययन, रश्मिमयी का समीक्षात्मक अध्ययन आदि; वि॰ 'संत साहित्य : एक अध्ययन' पर पी॰-एच॰ डी॰ के लिए शोध-प्रबंध लिख रहे हैं ; प॰ परमानंद साहित्य सदन, कचनामा, मखदमपुर, गया ।

रामनरेश शर्मा—ज॰ २ फरवरी, '२८ ; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी '५८ पटना वि॰ वि॰ ; प्र॰ '५४ में ; प्रका॰ स्फुट ; अप्र॰ संत-साहित्य (आलो॰), सांस्कृतिक चेतना, समीक्षांजलि (निबंध) एवं चार गद्यकाव्य, गीत एव आलो॰ लेख संग्रह ; प॰ प्राध्यापक हि॰वि॰, रामरतनसिंह कालेज, मोकामा ।

रामनाथ अवस्थी—ज॰ '२६, शि॰ इंटर ; प्र॰ '४६ में ; प्रका॰ कवि॰ सुमन सौरभ, आग और पराग, रात और शहनाई ; अप्र॰ चार संग्रह ; प॰ असिस्टेंट प्रोड्यूसर (सा॰ कार्यक्रम), आकाशवाणी केंद्र, इलाहाबाद ।

रामनाथ, वेदालंकार—ज॰ '१४ ; शि॰ वेदालंकार '३६ गु॰ का॰ वि॰ वि॰, एम॰ ए॰ संस्कृत '५० आगरा वि॰वि॰ , प्रका॰ वैदिक वीरगर्जना, वैदिक

सूक्तियाँ ; अप्र० चार संग्रह , प० (१) फरीदपुर, बरेली । (२) प्राध्यापक संस्कृत सा० तथा प्रस्तोता-रजिस्ट्रार-गुरुकुल काँगड़ी वि०वि०, हरिद्वार ।

रामनाथ शर्मा, डा०—ज० २९ अप्रैल, '३१ ; शि० एम० ए०, डी० फिल०, सा रत्न ; प्र० '५९ मे ; प्रका० भारतीय दर्शन के मूल तत्व '५९, समाजशास्त्र के सिद्धात (भाग २) '६१, सामाजिक व्यवस्था और संस्थाएँ '६१, भारतीय सामाजिक संस्थाएँ '६१, सामाजिक संस्थाओं का तुलनात्मक अध्ययन '६१, भारतीय सामाजिक संगठन '६१, समाजशास्त्र प्रवेशिका '६१, भारत समाज सुधार और सुरक्षा '६२, सामान्य मनोविज्ञान '६२, सामान्य मनोविज्ञान की रूपरेखा '६२, नीतिशास्त्र की रूपरेखा '६२, व्यावहारिक समाजशास्त्र '६२, सामाजिक नियंत्रण और सामाजिक परिवर्तन '६२ ग्रामीण समाजशास्त्र '६३, समाज मनोविज्ञान की रूपरेखा '६३, व्यावहारिक मनोविज्ञान '६३, भारतीय संस्कृति ६३ ; अप्र० आलो० लेखों दो संग्रह, वर्त० प्राध्यापक, मेरठ कालेज; प ८८९, विजयनगर, मेरठ ।

रामनाथ, 'सुमन'—शि० विशारद ; सा० संस्था० एव प्रधान : प्रगतिशील साहि० समिति मल्लावाँ हरदोई. सत्याग्रह आदोलनो में चार बार कारावास ; प्रका० हमारी सरकार की पोल, झनकार, बरसो रे घन (संपा०), अप्र० गाँधी चरित मानस ; प० कालेज रोड, मल्लावाँ, हरदोई ।

रामनारायण अग्रवाल—ज० '२३, मथुरा , सा० संस्था० प्रबधक एव प्रधानमंत्री : ब्रजसाहि० मंडल मथुरा, प्रधान मंत्री : ब्रजकला केंद्र दिल्ली, भूत०संपा० 'ब्रजभारती' तीन वर्ष तक ; प्रका० कवि नाट्य, सूरदास (जीवनी तथा नाट०), ब्रजभूमि की कहानियाँ, युग युग मे उत्तरप्रदेश, इतिहास की खोज (कहा०), कित गयो मथुरावासी (लोकगीत संग्रह) , संपा० : ब्रज और ब्रजयात्रा, रासलीला : एक परिचय ; अप्र० हिंदी भाषा के साहित्य का उदय और विकास, ब्रजपहेली-संग्रह, कूबरी (ब्रजभाषा काव्य) ; वि० ब्रज-साहित्य मंडल की शोध में प्राप्त अनेक प्राचीन ग्रन्थो के विवरण भी लिखे हैं ; प० संचालक, ब्रजभाषा कार्यक्रम, आकाशवाणी, दिल्ली ।

रामनारायण उपाध्याय—ज० २० मई, '१८, कालमुखी, खँडवा , सा० भूत०प्रका०-संपा० 'ग्रामवाणी' खँडवा '४८ ; प्रका० निमाड़ी लोकगीत '४९, अनजाने जाने-पहिचाने (कहा०) '५३, बोलता हिंदुस्तान (यात्रा-संस्मरण) '५५, जब निमाड़ गाता है (गीत) '५८, गरीब और अमीर पुस्तकें (निबध) '५८, चतुर चिड़िया '६२ (बालो०) ; अप्र० कुंकुम, कलश और पल्लव (निबंध) रचना और कलाकार (संस्मरण) निमाड़ी और उसका साहित्य

निमा॰ की लोककथाएँ, संत सिगा : एक अध्ययन, संपा॰ : गाँधी-दर्शन ; प॰ साहित्य कुटीर, कालमुखी, खँडवा।

रामनारायण त्रिपाठी, 'मित्र'—ज॰ १८०१, भेलावाँ, चतुरैया, सीतापुर ; शि॰ मध्यमा '४५, नव्यव्याकरण शास्त्री '५६, प्र॰ '१८ में ; प्रका॰ आदर्श भारत '२१, मित्ररुक्मिणीमंगल, श्रीकृष्णजन्म '२४, किसान संदेश (अवधी) '२८, सच्ची सलाह '५५, कॉंग्रेसी विजय-बधाई '५६ ; अप्र॰ द्रौपदी-दुकूल, मित्र-कृष्ण-सुदामा, मित्र-गजेंद्र-मोक्ष, मित्र नंद-महोत्सव (ब्रज॰), मित्र त्रिपुर-दहन, दादनि, हरगंगा, जवानी, बुढ़ापा, जरासंधवध ; वि॰ अनेक स्फुट पुरस्कार प्राप्त ; प॰ भेलावाँ, चतुरैया, सीतापुर।

रामनारायण व्यास—शि॰ एम॰ ए॰, एल-एल॰ बी॰, सा॰रत्न, शोध छात्र ; सा॰ प्रधानमंत्री 'कल्चरल ऐंड एजुकेशनल फिल्म फोरम' ; प्रका॰ स्फुट ; अप्र॰ तीन एका॰, कहा॰ एवं कवि॰-संग्रह, वर्त॰ प्राध्यापक राज॰ आर्ट्स ऐंड कामर्सकालेज, इंदौर, प॰ २००, न्यू राजमोहल्ला, इंदौर।

रामनारायण शुक्ल—ज॰ २७ अक्टूबर, '३७ ; शि॰ बी॰ काम॰ कलकत्ता वि॰ वि॰ ; सा॰ दो वर्षों से सहसपा॰ मा॰ 'कहानी' प्रयाग ; प्र॰ '५८ में ; प्रका॰ स्फुट कहानियाँ ; प॰ ४४२, ममफोर्डगंज, इलाहाबाद २।

रामनारायण सिंह, 'मधुर'—ज॰ १५ जनवरी, '३७ ; शि॰ एम॰ ए॰ काशी वि॰ वि॰, एल॰ टी॰ ; प्र॰ '५६ में, प्रका॰ लागल झुलनियाँ कँधवंका (कहा॰) '६१, सेवापथ '६२, अप्र॰ अनाम का भूत (उप॰), खुदा के दामाद (निबंध), साहित्यकारों के संस्मरण ; वि॰ अनेक स्फुट पुरस्कार प्राप्त ; प॰ अध्यक्ष हिं॰ वि॰, मंदारविद्यापीठ, भागलपुर।

रामनिरंजन, 'परिमलेंदु'—ज॰ '३५ ; शि॰ बी॰ ए॰ '५६ पटना कालेज, एम॰ ए॰ पटना वि॰ वि॰, सा॰ राजा राधिकारमण अभिनंदन ग्रन्थ के प्रधान संयोजक एवं संपा॰ ; प्र॰ '५० में ; प्रका॰ कवि॰ . सर्पगंधा '६१, किरणमयी '६१, शशि और अन्य कविताएँ, अप्र॰ आलो॰ : उपन्यासकार निराला, उपन्यासकार जैनेंद्रकुमार, सुमित्रानंदनपंत ; संपा॰ पद्मभूषण राजा राधिकारमण का साहित्य, हिंदी कविता के पाँच वर्ष, पद्मभूषण राजा राधिकारमण प्रसाद सिंह : जीवन, कृतित्व और दर्शन; कवि॰ : अमरावती, पार्थिवता का बोध तथा चार उप॰ ; प॰ (१) सिमुआरा, टिकारी, गया। (२) अनुसालेह रोड, मुरारपुर, गया।

रामनिरंजन पांडेय, डा॰—ज॰ '१२ ; शि॰ एम॰ ए॰ संस्कृत '३६ काशी वि॰ वि॰ (सर्वप्रथम) एल॰ एल॰ बी॰ '३७ एम॰ ए॰ हिंदी '३८,

साहित्यशास्त्री '४३, वेदांतशास्त्री '४५, पी-एच० डी० '५६ नागपुर वि०वि०; सा० भूत० सद० : हिंदी अध्ययन बोर्ड नागपुर वि०वि० '३८-'४३, संस्कृत बोर्ड सागर वि०वि० '४४-'५०, स्वागताध्यक्ष : म० प्र० साहि० सम्मे०, सभापति बिलासपुर जिला साहि० सम्मे०, भूत० संस्कृत एवं हिंदी विभागाध्यक्ष : छतीसगढ कालेज रायपुर '३८-'५०, हिंदी विभागाध्यक्ष उस्मानिया वि०वि०, '५० से; प्रका० काव्य में व्यंजना का स्थान, राम भक्तिशाखा (शोधग्रन्थ), गाँवो की कहानियाँ (आलो-); अप्र० आलो० लेखों के दो संग्रह, वि० केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा '५६ में ५००) का पुरस्कार प्राप्त ; प० अध्यक्ष हिं० वि०, उस्मानिया वि० वि०, हैदराबाद ।

रामपरीक्षा सिंह, 'पुष्प'—ज० १ अक्टूबर, '१४ ; शि० एम०ए० '४५, सा०रत्न ; सा० जसो राज्य में राजकुमारों के अध्यापक, व्यक्तिगत सचिव प्रमुख विद्यालय निरीक्षक ; प्रका० स्फुट ; अप्र० आलो० लेखों के दो संग्रह, प० (१) अध्यक्ष हिंदी तथा उर्दू विभाग, बी० बी० कालेज, आसनसोल। (२) अध्यक्ष हिं० वि० सेंट पैट्रिक्स यूरोपियन इंस्टीट्युशन, आसनसोल ।

रामपालसिंह चंदेल, रावत, 'प्रचंड'—ज० १९०६ ; सा० '३१ के अ० भा० हिं० सा० सम्मे० के झांसी अधिवेशन में प्रबंधमंत्री, हिंदी साहि० सभा झाँसी के कार्यकर्ता ; संस्था० सचा० : बुन्देलखंडप्रांतीय कवि-परि०, अनेक साहित्यिक समारोहों के आयोजक, '३० के आंदोलन में सक्रिय भाग ; प्रका० बुन्देलखंड-वागीश, परिमल, चंदेल-चंद्रहास, ब्रह्मा, युग-निर्माण, कवि से, राष्ट्रप्राण, लेखिनी, भविष्य-निर्माण ; अप्र० परिमल-पर्व, प्रतापी परिमल, महारथी गाँधी ; प० महारानी लक्ष्मीबाई का मंदिर, झाँसी।

राम पुनीत श्रीवास्तव—ज० जून, १९०७ ; शि० एम० ए० हिंदी ; सा० शिक्षा-प्रचार के साथ देश और कांग्रेस का कार्य किया ; प्र० '२८ में ; प्रका० कवि० : वीर जवाहर '३७, विजय-दीप '५२, शूल के फूल '५४, चित्तौड का चातक (प्रबंध०) '५७, रागिणी (प्रेमकाव्य) '६०, निषध-नरेश (महा०) '६३ ; अप्र० दो नाट०, दो उप० तथा दो कहा०-संग्रह ; प० प्राध्यापक श्री सरस्वती इंटर कालेज, टाँडा, वाराणसी ।

रामपूजन तिवारी—ज० १५ मार्च, '१४ ; प्र० '३५ में ; प्रका० सूफीमत, साधना और साहित्य, ब्रजबुलि साहित्य, हिंदी सूफीकाव्य की भूमिका, एकोत्तर शती, गीत पंचशती, नाट्य सप्तक ; प० अध्यापक हिं०वि०, विश्वभारती वि० वि०, शांतिनिकेतन प० बंगाल

रामप्यारे अग्निहोत्री, गुरु—ज० '१५ ; शि० सा०रत्न, कृषिविशारद, बालचर शिक्षक, संस्कृत प्रथमा, इंटर ; मा० द्विजराज परि० के कार्यकर्ता, विंध्यप्रदेशीय रामराज्य परि० के भूत० प्रचारमंत्री, संस्था० : बाघवीय हिंदी साहि० संस्था एवं बाघवीय इतिहास परि०, अध्यक्ष लल्ली सार्वजनिक पुस्तकालय, विंध्यप्रदेश में पुरातत्व अधीक्षक, भूत० संपा० साप्ता० 'भास्कर', संपा० मा० 'आरती' ; प्र० '३३ में ; प्रका० विंध्यप्रदेश का इतिहास, सोहावल राज्य का इतिहास, प्रभात (काव्य), वैंकट विनोद (जीव०), नेता गुलाब (जीव०), बघेलखंड की चित्रकला और चित्रकार, १८५७ के प्रसिद्ध सेनानी श्यामशाह, आदर्श हिंदी व्याकरण ; बालो० विंध्यप्रदेश का भूगोल, रीवाँ राज्य का भूगोल, भौगोलिक परिभाषाएँ (दो भाग), हिंदी प्रवेशिका (सात भाग), आदर्श हिंदी व्याकरण, सामाजिक अध्ययन (चार भाग), शारीरिक शिक्षण (छह भाग), भूमिति शिक्षा आदि ३५ पुस्तकें ; अप्र० महापुराण (काव्य), विंध्यप्रदेश (काव्य), गुरुता (ऐति० उप०), बघेलखंड का इतिहास, (छह भाग), स्नेहांजलि (कवि०), अनुभूत योगमाला (वैद्यक) आदि लगभग चौदह काव्य, इतिहास और शोधग्रन्थ ; वि० 'विंध्यप्रदेश' काव्य पर विं० प्र० शासन द्वारा पुरस्कार प्राप्त ; प० गुरुकुंज-कुटीर, उपरहटी, रीवाँ ।

रामप्यारे तिवारी—ज० ५ सितंबर, '३८, उमापुर, मऊनाथभंजन, आजमगढ़ ; शि० बी० ए० आनर्स बिहार वि० वि०, एम० ए० पटना वि० वि०, सा०रत्न सम्मे० प्रयाग, भाषाविज्ञान में डिप्लोमा ; सा० भूत० सद० : अ०भा० लेखक-संघ '५५ ; प्रका० वृन्दावनलाल वर्मा के ऐतिहासिक उपन्यास (शोधग्रंथ), हिंदी साहित्य : विचार तथा विश्लेषण, निबंध-सरोवर, हिंदी-रचना-विमर्श, निबंधार्णव : एक विवेचन ; अप्र० हिंदी उप० : सीमाएँ और संभावनाएँ, साहित्यकारों का जीवनदर्शन, दो कहा० तथा कवि०-संग्रह ; वि० 'हिंदी वर्त्तनी का विकास' (द्विवेदी काल तक) विषय पर पी-एच० डी० के लिए शोधकार्य-रत ; प० (१) उमापुर, मऊनाथभंजन, आजमगढ़ । (२) प्राध्यापक हिं०वि०, सच्चिदानंद सिन्हा कालेज, औरंगाबाद, गया ।

रामप्रकाश अग्रवाल, डा०—ज० २० जुलाई, '१८, आँवला, बरेली; शि० एम० ए० हिंदी, संस्कृत तथा अँग्रेजी, पी-एच० डी०, बरेली एवं मेरठ कालेज; सा० '४३ से अध्ययन-कार्य, अब मेरठ कालेज मेरठ में हिंदी विभागाध्यक्ष; प्र० '४० में; प्रका० प्रसाद की नाट्यकला एवं स्कंदगुप्त-समीक्षा '५२, श्रेष्ठ हिंदी (व्याकरण तथा रचना विषयक) '५२, भारतेंदु की नाट्यकला एवं भारत-दुर्दशा '५५ · अप्र० वाल्मीकि रामायण और रामचरित

मानस का साहित्यशास्त्रीय दृष्टि से तुलनात्मक अध्ययन (शोधग्रंथ), सात नाटक एवं लेख-संग्रह; प० रामानुज दयाल होस्टल, मेरठकालेज, मेरठ।

रामप्रकाश जैन—ज० ७ अप्रैल, '२६ ; शि० एम० ए० दर्शनशास्त्र, काशी वि०वि०; प्र० '४५ में; प्रका० कुर्बानी (अनु० उप०), शरत की सूक्तियाँ (संक०), पाश्चात्यदर्शन, नीतिशास्त्र ; अप्र० सुकरात का बलिदान (अनु०), आत्म का स्वरूप (अनु०) ; वि० 'डा० भगवानदास के दार्शनिक विचार' विषय पर शोधकार्य-रत सयाजीराव गायकवाड रिसर्चफेलो, काशी वि०वि; प० अध्यक्ष, दर्शनविभाग, अहीर क्षत्रिय कालेज, शिकोहाबाद।

रामप्रसाद दाधीचि, 'प्रसाद'—ज० १ दिसंबर, '२६, परबतसर (राज०); शि० एम० ए० हिंदी ; प्रका० दो० कवि०-संग्रह, ६ अँग्रेजी पुस्तकों के अनु० एवं एक नाट ; वि० राजस्थानी लोकगीत तथा राजस्थानी संत-साहित्य पर शोधकार्य-रत; प० प्राध्यापक हिं०वि०, जसवंत कालेज, जोधपुर।

रामप्रताप त्रिपाठी—ज० २० जून, '१८; शि० शास्त्री वाराणसी, काव्यतीर्थ कलकत्ता, सा०रत्न सम्मे० प्रयाग, सा० सद : हिंदी विद्यापीठ प्रयाग की प्रबंध तथा स्थायी समिति, प्रयाग महिला विद्यापीठ की साधारण परि० तथा परीक्षा समिति, तीन इंटर कालेजों की कार्यसमिति के अध्यक्ष, संपा० त्रैमा० 'सम्मेलन पत्रिका' प्रयाग; प्र० '३५ में; प्रका० मत्स्यमहापुराण, वायुपुराण, पंचतंत्र की कहानियाँ, शिशुपालवध (महा०), पुराणों में गंगा, उपनिषदों की कहानियाँ (दो भाग), किरातार्जुनीय (महा०), हिंदी के पाँच नाटक, कवितावली तथा विनयपत्रिका की टीका, सरल हिंदीव्याकरण और रचना, सरल संस्कृतव्याकरण और रचना, हिंदी के गौरव, राष्ट्रभाषा के पुजारी, स्वतंत्रता के स्तंभ, पुराणों की अमर कहानियाँ (चारभाग), प्राचीन भारत की झलक, ऋषियों मुनियों की कहानियाँ, कालिदास ग्रंथावली; अप्र० चार लेख-संग्रह; प० सहायक मंत्री, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।

रामप्रसाद मिस्त्री, 'कलाकार'—ज० १८९१ ; शि० हिंदी मिडिल; प्र० '१६ में ; प्रका० स्फुट कविताएँ , वि० लावनी-ख्याल के प्रसिद्ध गायक एवं कलाकार, मूर्तिकार तथा वैद्य; प० शंकरवार्ड, हटा, दमोह।

रामप्रसाद विद्यार्थी, 'रावी'—ज० १५ दिसंबर, '११ कुलपहाड, हमीरपुर; शि० मैट्रिक ; प्र० '३१ में ; प्रका० पूजा (गद्यकाव्य) '३७, शुभ्रा (गद्यकाव्य) '४१, बुकसेलर की डायरी या अपनों की खोज में (यात्रा) '४७, मुझे आपसे कुछ कहना है (निबंध) '४७, किसके लिए (कहा०) '४८, पत्नियों का द्वीप (कहा०) '४८, नयासमाज : नया मानव '४८ पूर्व और पश्चिम

(एकां०) '५०, उगजाऊ पत्थर (कहा०) '५०, पाप का पुण्य (कहा०) '५१, प्रबुद्ध सिद्धार्थ (नाट०) '५१, नये नगर की कहानी (उप०) '५३, पहला कहानीकार (कहा०) '५४, रावी की कहानियाँ '५४, क्या मैं अंदर आ सकता हूँ ? (निबंध) '५६, वीरभद्र की गोष्ठी '५६, नये समाज की ओर '५७, सपनों का सौदागर (कहा०) ५७, अंतिम दीक्षा (एका०) '५७, मेरे कथागुरु का कहना है (कहा०) '५८, हृदयों की हाट '६०, नया नगर प्रारूप '६०, मेरे कथागुरु का कहना है (भाग २) '६१, प्यार के बधन (कहा०) '६२, जीवन-प्रवेशिका '६२; अप्र० दो उपन्यास एव दो कहानी-संग्रह; वि० 'पहला कहानीकार', 'क्या मैं अंदर आ सकता हूँ' तथा 'वीरभद्र की गोष्ठी' उ०प्र० सरकार द्वारा पुरस्कृत; प० 'रावी', कैलास, आगरा।

रामप्रीति द्विवेदी—ज० १९०६, शि० विशारद सम्मे० प्रयाग ; प्रका० व्याकरण पद्य-प्रभाकर तथा स्फुट कवि० ; अप्र० सती सुकन्या (नाट०), रस अलकार और छद, पद्यपीयूष, मुहूर्त चंद्रिका (ज्योतिष), अनुभूत योग (आयुर्वेद) ; प० साहित्य मदिर, रफीपुर, बाकरगंज, सारन।

रामबहादुरसिंह भदौरिया—ज० '३२ ; शि० इंटर, विशारद ; प्र० '५८ में, प्रका० गोधूलि (कवि०) '६१ ; अप्र० एक कवि० संग्रह तथा एक उपन्यास ; प० II ६५-सी०, रेलवे रिसर्च कालोनी, कानपुर—लखनऊ लाइन के पार, आलमबाग, लखनऊ।

रामबहाल मिश्र, 'बहाल'—ज० १ जनवरी, '३५, जयापुर, वाराणसी; शि० एम० ए० हिंदी तथा भूगोल, सा०रत्न ; प्र० '५१ में ; प्रका० स्फुट, अप्र० स्नेह दीप (कवि०), कहरवाँ डोलिया दे उतार (भोजपुरी) एवं दो संग्रह ; प० के० ६०/२०, बुलानाला, वाराणसी।

रामबहोरी शुक्ल—ज० १६ अप्रैल, १९०३ ; शि० एम० ए० हिंदी, बी० टी०, सा०रत्न, साहित्यमहोपाध्याय ; सा० भूत० सद० : सम्मे० प्रयाग की स्थायी समिति एव वि वि० परि० परीक्षासमिति ; प्रधान मंत्री : ना० प्र० सभा काशी '३८-'४०, भूत० प्राध्यापक क्वीस कालेज वाराणसी, ट्रेनिंग कालेज प्रयाग, सेंट्रल पेडागाजिकल इंस्टीट्यूट प्रयाग, भूत० प्राचार्य : कानपुर राजकीय हायर सेकेंडरी स्कूल फैजाबाद, सुल्तानपुर के राजकीय इंटर कालेज एवं क्वीस कालेज वाराणसी ; १६ अप्रैल, '६१ से अवकाश ग्रहणकर साहित्य-सेवा में जीवन-यापन ; प्र० '३० में ; प्रका० अनमोल-रत्न '३०, बालव्याकरण यूथिका, काव्य-कलाधर, काव्य-कुसुमाकर, भारती चार भाग कविता-कुसुमाकर काव्य-प्रदीद, छन्द

और पिंगल, छंद और अलंकार, तुलसी, हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास (सहलेखक) ; वि० 'तुलसी' प्रबंध पर हिंदी वि०वि० द्वारा 'साहित्य महोपाध्याय' की उपाधि प्राप्त ; 'हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास' पर उ० प्र० सरकार द्वारा पुरस्कार प्राप्त , वर्त० संस्कृति तथा हिंदी साहित्य संबंधी शोधकार्य ; प० सी/२७/२१०, जगतगंज, वाराणसी ।

रामबाबू शर्मा, डा०—ज० १ जुलाई, '२० कुएँडा, मथुरा ; शि० एम० ए० हिंदी, पी-एच० डी० आगरा वि०वि० ; प्रका० हिंदी-साहित्य के काव्यरूपों का अध्ययन—१५वीं से १७वीं शताब्दी तक (शोधग्रंथ) ; अप्र तुलसी : जीवन काव्य और दर्शन, हिंदी साहि० का विस्तृत इतिहास एव दो संग्रह ; प० प्राध्यापक, हिं० वि०, श्री वेंकटेश्वर वि०वि०, तिरुपति ।

रामभजन निगम—ज० २ फरवरी, '२२ ; शि० बी० ए०, सा०रत्न , सा० मंत्री : जिला साहि०परि० दो वर्ष तक, 'फील्ड पब्लिसिटी आफिसर' उ०प्र० '४६-'४८, प्रधानाचार्य : किरण इंटर कालेज बाँदा '४८ से ; प्रका० महादेवी : गीत और गायिका, शहीद की मजार पर, हा आज तिरंगा रोया, सत्तावन आ रहा है, समाजवाद, क्यों, क्या और कैसे, विध्येर कन्या, मंदाकिनी (यंत्रस्थ) तथा अँग्रेजी मे तीन पुस्तके , अप्र० स्फुट लेखों के दो संग्रह ; प० प्राध्यापक, किरण महाविद्यालय, बाँदा ।

रामभरोसे गुप्त, 'राकेश'—ज० १ जनवरी, '२४ ; शि० एम० ए० हिंदी, विक्रम वि०वि०, सा०रत्न सम्मे० प्रयाग ; सा० अध्यक्ष : हिंदी विकास समिति आलमपुर, बालवाडी का संचालन एवं शिक्षा-प्रसार-कार्य ; प्र० '४४ में ; प्रका० क्या बनोगे ? (बालो०), निर्झरिणी (कवि०) ; अप्र० दो पुस्तके और एक संग्रह, वि० बुंदेली लोक साहि० में शोधकार्य-रत ; प० हिंदी प्राध्यापक, राकेश सदन, आलमपुर वाया मोठ, झाँसी ।

राममनोहर कजपुरिया, 'सम्राट'—ज० १८८८ , सा० अध्यक्ष : मित्र-मंडल, उपसंपा० : 'संदेश', सत्याग्रह आंदोलनों में तीन बार कारावास ; प्रका० मान का अपमान '३३, नमस्ते '३७, उद्वेलित हृदय '६२, समय की पुकार '६२ ; अप्र० ब्रजेश-बिहार, वंशी-बिहार, व्यग्यवाणी, उपालभ-शतक, कारा के गीत ; प० पुरानी बस्ती, कटनी ।

राममूर्ति मेहरोत्रा—ज० २२ दिसंबर, '१० ; शि० एम० ए० हिंदी, आगरा वि०वि०, एम० ए० इतिहास, बी० एड० लखनऊ वि०वि०, पी० ई० एस० उ०प्र० ; प्र० '४० में ; प्रका० लिपि-विकास, भाषाविज्ञान-सार, शब्दो का इतिहास बच्चो की आदतों का विकास, बालविकास, जानवरों की

अनोखी दुनिया, जानवरों की ऐतिहासिक कहानियाँ, शरीर-विज्ञान और स्वास्थ्य-कला, हमारा शरीर, शिक्षा सिद्धांत, बुद्धि-परीक्षा, समझ के खेल, दिमागी खेल, प० प्राचार्य : राजकीय इंटर कालेज, उन्नाव।

रामरक्षा त्रिपाठी, 'निर्भीक'—ज० '१३ ; शि० एम० ए०, ए० टी० सी, शास्त्री, सा०रत्न ; सा० मंत्री : श्रीहिंदी शिक्षित समाज अयोध्या, श्रीविद्नु विनायक मधुकरी कला कुटीर, समाज कल्याण समिति अयोध्या, निर्माता सहकारी प्रका० लि० फैजाबाद, सहमंत्री श्रीतुलसीचौरा समिति अयोध्या, उपाध्यक्ष : जनपद साहि० सम्मे० फैजाबाद ; भूत०संपा० : मा० 'सरयूपारीण', मा० 'अध्यापक' एवं 'दैनिक समाचार', वर्त० संपा० : साप्ता० 'मानव जीवन' एवं 'संबल' ; प्रका० संपा० : रामकुंडलियाँ, प्रसंग-पारिजात, तथागत-हृदय, संत-चरित्र '३७, अयोध्या-दिग्दर्शन '२७ ; अप्र० संगम, अजेय उपसर्ग, अपराजिता, साकेत का सांस्कृतिक वृत, रामानंद ; वि० अनेक प्राचीन हस्तलिखित ग्रन्थों का संग्रह किया है ; प० रायगंज, अयोध्या।

रामरीझन रसूलपुरी—ज० १९०६, रसूलपुर, मुजफ्फरपुर ; शि० मुजफ्फरपुर ; सा० '२१ के असहयोग आंदोलन में भाग लिया, '३०-'३१ के सत्याग्रह आंदोलन में मुजफ्फरपुर जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यालय प्रभारी, तरुणभारत संघ मुजफ्फरपुर के सक्रिय कार्यकर्ता, '४९-'५५ तक सिंहभूमि जिले के आदिवासी क्षेत्रों में हिंदी-प्रचार-कार्य ; प्रधानमंत्री : आर्य नवयुवक दल, आर्यसमाज रजत जयंती मुजफ्फरपुर '४६-'४७, संचा० : राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, घाटशिला '५०, उपाध्यक्ष : निराला परि० पटना '५७, अवर शिक्षा निरीक्षक : राजनगर सिंहभूमि '५१, ग्राम यूनियन बोर्ड के सरपंच ; भूत० संपा० : 'रणभेरी', 'तिरहुत समाचार' (मुजफ्फरपुर) '३७, पाक्षि० 'असहाय बंधु' '४०; वर्त० प्रधानसंपा० साप्ता० 'उत्तर बिहार' पटना, सहसंपा० : साप्ता० 'योगी' पटना, साप्ता० 'राष्ट्रदूत' पटना '४७, साप्ता० 'नवयुवक' के संपा० में अवै० सहयोग ; प्र० '२७ में ; प्रका० जयंती-स्मारक-ग्रंथ (आर्यसमाज का ऐति० विवरण), युगपुरुष और युगधर्म, भारतीय संस्कृति की एक झलक ('शीलभद्र' नाम से), जंगल नाचता है; अप्र० जंगल गाता है, धूल के फूल, पाँच कहा० एवं कविता-संग्रह, भैरव हुंकार (संपा० कवि०) ; प० संपा० 'उत्तर बिहार', बुद्धमार्ग, पटना—१।

रामलाल—ज० '३७ महसों, सा० भूत-संपा० साप्ता०'किसान संदेश', साप्ता० 'गोरखपुर समाचार' प्रका कवि० : सौरभ, रसवृन्दावन राधारस-तरंगिणी विभावरी सीमांत राधारमण विनोद काशी विलास

(ब्रजभाषा), रसमयी (महा०), रसिकामृतम् (संस्कृतकाव्य) ; निबंध : नीरव-निकुंज, स्वराज्य-देवता, भारत के संत-महात्मा, भारत के मनीषी ; अप्र० विश्वमानवी (निबंध), राजरानी मीरा (नाट०), मदनिका (नाट०), भारतीय संतों के संस्मरण, शिव का साहित्यीकरण, कालिदास (उप०); प० सहसंपा० 'कल्याण', गीताप्रेस, आनंदसदन, गोरखपुर।

रामलोचन शरण, आचार्य— ज० १८९०, मुजफ्फरपुर, शि० पटना; सा० संस्था० : पुस्तकभंडार लहेरियासराय '१५, विद्यापति प्रेस '२८, हिमालय प्रेस '४१, भूत०संपा० 'बालक' '२६, 'होनहार', 'रौनियार वैश्य', एवं सा० 'हिमालय' '४६ पटना ; प्रका० व्याकरण-बोध, व्याकरण-चंद्रिका, व्याकरण-नवनीत, व्याकरण चन्द्रोदय, बाल-रचना, रचना-प्रवेशिका, रचना-चंद्रिका, रचना-चन्द्रोदय, रचना-नवनीत, नीतिनिबंध, गद्य-साहित्य, गद्या-मोद, गद्यप्रकाश, साहित्य-सरोज, साहित्य-विनोद, साहित्य-प्रमोद, राष्ट्रीय साहित्य (६ भाग), राष्ट्रीय कविता-संग्रह, काव्य-सरिता, इतिहास-परिचय, भूगोल-परिचय, स्वास्थ्य-परिचय, प्रकृति-परिचय, प्रतिवेश-परिचय, धर्म-शिक्षा, शिशुकर्म-संगीत, मनोहर पोथी, गणित पढ़ाने की विधि, ऐतिहासिक कथामाला आदि शताधिक पुस्तकें ; वि० '३८ में वयस्क-शिक्षा-प्रचार के लिए 'राजेंद्रस्वर्णपदक' प्राप्त, आपकी स्वर्णजयंती और पुस्तक भंडार की रजतजयंती के उपलक्ष में एक वृहत अभिनंदन ग्रंथ भेंट किया गया था, बिहार-राष्ट्रभाषा परि० की ओर से डेढ़ सहस्र मुद्रा का वयोवृद्ध साहित्यिक-सम्मान पुरस्कर प्राप्त ; प० पुस्तकभंडार, लहेरियासराय, ।

रामवचन द्विवेदी, 'अरविंद'—ज० १९०५, दुबौली, भोजपुर, बक्सर, शि० साहित्यालंकार देवघर, संस्कृत-विशारद ; ज्ञा० अँग्रेजी एवं संस्कृत ; सा० सद० : काशी ना प्र-सभा, सम्मे० प्रयाग ; बिहार हि०सा०सम्मे, बिहार रिसर्चसोसाइटी, ब्रज साहि० मंडल, दिवंगत पद्य-पाठ-परि० मुजफ्फरपुर, हिंदी साहि० सभा गया एवं अ० भा० लेखकसंघ प्रयाग ; संस्था० : श्रीअनंत हिंदीमंदिर दुबौली, श्रीतुलसी पुस्तकालय दुबौली, हिन्दी साहि० समिति सहसराम, स्वाध्याय संस्थान एवं सुलभ साहि० सदन पटना ; प्रचार मंत्री . बिहार प्रादेशिक अष्टम हि०सा०सम्मे० गया, उसके कवि-सम्मे० के प्रधान मंत्री ; शिक्षा विभाग, बिहार सरकार के विविध कार्यालयों में कार्य '२५-'५२, सामुदायिक विकास विभाग बिहार सरकार के केंद्रीय कार्यालय में कार्य '५२-'५९, जनगणना विभाग, भारत सरकार के पटना स्थित केंद्रीय कार्यालय में कार्य, संपा० त्रैमा० 'अँजोर' पटना ' प्र० '२२ में , प्रका काव्य

वर्णदशा '२४, हिंदी-संदेश '२६, विनय '२७, वीरो की वाणी '२७, भारती '२८, श्रीकृष्ण-संदेश '३० ; गद्य : धर्म-दिवाकर · पहली किरण '२७, धर्म दिवाकर : दूसरी किरण '२८, धर्म दिवाकर : तीसरी किरण '३०, स्वप्न सुन्दरी (नाट० स्वप्नवासवदत्ता) '२८, ऐतिहासिक कथाकुंज '३१ ; सपा० : संक्षिप्त सुन्दरकाड '४२ ; वि० सर्वोत्तम साक्षरता प्रचार-कार्य पर बिहार सरकार द्वारा '४३ मे पदक एवं प्रमाणपत्र प्राप्त तथा अनेक कवि सम्मेलनों मे पुरस्कृत ; 'तुलसी : भोजपुरी जनपद में' विषय पर शोधकार्य-रत ; प (१) श्री अनत हिंदी मंदिर, दुबौली, एकौना, डुमरी, शाहाबाद। (२) सुलभसाहित्य मदन, पटना—१।

रामवाशिष्ठ—शि० एम० ए० हिंदी, आगरा वि० वि० ; सा० ना०प्र० सभा तथा प्रगतिशील लेखक संघ आगरा मे '५५ तक कार्य ; प्र० '५४ में ; प्रका० गीतकार विद्यापति, महाकवि घनानद, प्रेमचंद और गोदान, प्रेमचन्द और कर्मभूमि, कबीर-साखी-सार भूमिका एवं टीका, चंद्रावली नाटिका की भूमिका आदि ; वर्त० प्राध्यापक, हिंदी विभाग, एस० एम० कालेज, चँदौसी ; प० ४, महीलाल बिल्डिंग, फव्वारा, चँदौसी।

रामविलास उपाध्याय—ज० रत्तीछपरा, बलिया ; शि० साहित्य-भूषण ; सा० संस्था एवं अवै० मंत्री · मुर्शिदाबाद जिला राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, संचा० : जिला राष्ट्रभाषा हिंदी विद्यालय बहरामपुर '४२, उपाध्यक्ष : बग प्रादेशिक हि०सा०सम्मे० कलकत्ता, प्रका० राष्ट्रभाषा का प्रारंभिक व्याकरण (बँगला) ; वर्त० हिंदी प्राध्यापक कृष्णनाथ कालेजियट स्कूल तथा बहादुर्म इंस्टीट्यूशन, प० हिंदी भवन, बहरमपुर, प० बंगाल।

रामविलास शर्मा, डा०—ज० '१२ ; शि० एम० ए० अँग्रेजी, पी-एच० डी० लखनऊ वि० वि० ; सा० भूत मंत्री प्रगतिशील लेखकसंघ लखनऊ, भूत० सपा० 'हंस' (कविताविभाग) एवं 'समालोचक' ; भूत० प्राध्यापक अँगरेजी विभाग लखनऊ वि० वि०, वर्त० अध्यक्ष अँगरेजी विभाग, बलवत राजपूत कालेज आगरा ; प्र० '३८ मे ; प्रका० चार दिन (उप०) '३८, भारतेंदु-युग '४३, प्रेमचंद, सन सत्तावन की राज्यक्रांति '५७, भाषा और समाज '६१, आस्था और सौंदर्य (लेख) आदि, अप्र० निराला जी की जीवनी एवं आलो० लेखों के चार संग्रह ; प० ३०, नई राजामडी, आगरा।

रामविशाल शर्मा, 'विशाल'—ज० १८ जनवरी, '१३, बिलहरी, कटनी, शि० सा०रत्न ; सा० उपसभा० एवं मंत्री : परमहंस विरक्त आश्रम गया उपाध्यक्ष · अ०भा० आचार्य ब्राह्मण सभा दिल्ली सरकार से सम्मानित

हस्त कौशल विभाग के विशेषज्ञ ; प्रका० स्फुट लेख एवं गीत ; अप्र० श्रीसद्गुरु सतसई, अंतरंग, दीपक, विश्व को चाहिए, तुलसी रत्न, बाढ़ बनाम मानवता की पुकार आदि, प० बिलहरी, कटनी।

रामश्याम सिंह—ज० १९ जनवरी, '१९, कर्णछपरा, बलिया ; शि० एम० ए०, बी० टी०, सा०रत्न ; प्रका० जीवन यान (कवि०) '६१, अप्र० दो कहा० संग्रह ; वर्त० हिंदी प्राध्यापक, बंगवासी कालेज, कलकत्ता ९ ; प० १०-ए, मछुआबाजार स्ट्रीट, कमरा नं० ६८, कलकत्ता—७।

रामशंकर द्विवेदी—ज० '९०३, वासलीगंज, मिरजापुर ; शि० साहित्यभूषण, संस्कृत साहित्यशास्त्री जयपुर, काव्यतीर्थ कलकत्ता ; सा० संस्था० : गीतामंदिर एवं पुस्तकालय, ऐंग्लो वैदिक हाईस्कूल जोबनेर (जयपुर) मे भूत० अध्यापक '२५, हिंदी संस्कृताध्यापक बी० एल० जे० इंटर कालेज मिरजापुर '२६ मे ; प्रका० विश्व-विरुदावली, जीवन की भूल (उप०), आदर्श वीरता (नाट०), कंसवध (खंड०), हिंदी साहित्य के आचार्य (आलो०) अमर बापू (कवि०), सती कर्मदेवी की कहानी, बापू की अमर कहानी, नग गीत, गीता-गीतावली (खड़ीबोली में पद्यानुवाद) ; वि० ब्रजभाषा में भी स्फुट गीत लिखे हैं ; प० साहित्य निकेतन, वासलीगंज, मिरजापुर।

रामशंकर भट्टाचार्य डा०—ज० १८ सितंबर, '२६; शि० शास्त्री नव्य-व्याकरण '५१, आचार्य प्राचीन व्याकरण '५४ काशी, एम० ए० संस्कृत '५७, पी-एच० डी० '६२ आगरा वि०वि० ; सा० भूत० अध्यक्ष : अशोक स्मारक समिति लखनऊ, संस्था० : वाराणसेय संस्कृत संसद, भारतीय महाविद्यालय काशी वि०वि० में 'ए जाग्रिफिकल डिक्शनरी बेस्ड आन दि पुरानाज' पर कार्य, काशी राजट्रस्ट मे 'पुराण विषयसूची' पर कार्य, केंद्रीय हिंदी निदेशालय के अन्तर्गत 'एक्सपर्ट कमेटी' के सद० रूप में पारिभाषिक शब्द-निर्माण-कार्य ; भूत० संपा० पाक्षि० 'सिद्धांत' वाराणसी लगभग १५ वर्ष ; प्र० '४५ मे ; प्रका० स्फुट ; अप्र० क्षीरतरंगिणी (पाणिनीय धातुपाठ की प्राचीनतम उपलब्ध टीका के सहसंपा०), गरुड पुराण (संपा०), योगभाष्य-तत्ववैशारदी (संस्कृत) एवं व्याकरण, दर्शन, वेद, पुराण, संस्कृत, भाषा और साहित्य-संबंधी स्फुट लेखों के सात-आठ संग्रह ; वि० 'पुराणगत वैदिक सामग्री का समीक्षात्मक अध्ययन' विषय पर पी-एच डी० की उपाधि प्राप्त ; प० (१) भट्टपाड़ा, बेलिया तोड, बाकुंडा, प बंगाल। (२) ६/१५१ ए०, शिवाला, वाराणसी।

रामशंकर शुक्ल, 'रसाल', डा०—ज० १८९८, इलाहाबाद ; शि० एम० ए०, डी० लिट० '३७ प्रयाग वि० वि० ; जा० संस्कृत एवं अँगरेजी, मा आजी० सद० : सम्मे० प्रयाग, मगलाप्रसाद पारितोषिक सम्मे० प्रयाग के निर्णायक, संस्था० : रसिक मडल प्रयाग, भूत० अध्यक्ष हि० वि० सागर वि वि० एवं गोरखपुर वि० वि०, वर्त० अध्यक्ष हि० वि० जोधपुर वि० वि० ; प्र० '३० में ; प्रका० अलकार-पीयूष (भाग १ '३०, भाग २) आलोचनादर्श, नाट्य निर्णय, भाषाशब्द कोश, सूर-समीक्षा, रासपंचाध्यायी-भ्रमरगीत-(नददास), साहित्य-प्रकाश, हिंदी साहित्य का इतिहास, काव्यपुरुष (काव्य), गुरुदक्षिणा (खड०), अजसमोचन (ब्रजभाषा खंड०), अप्र० उद्धव शतक, आलोचनालोचन, सौदर्य-मीमांसा, कृष्णोदन (खंड०) एवं चार सग्रह ; वि० 'हिन्दी काव्य शास्त्र का विकास' विषय पर प्रयाग वि०वि० से डी० लिट० की उपाधि प्राप्त ; व्याकरण, भाषाविज्ञान, दर्शन, न्याय, मीमांसा इतिहास, गणित, ज्योतिष, साहित्यशास्त्र, केशव-साहित्य आदि के अधिकारी विद्वान, 'काव्यपुरुष' एव 'गुरुदक्षिणा' उ० प्र० सरकार से पुरस्कृत ; प० अध्यक्ष हि० वि०, वि० वि०, जोधपुर।

रामशरण उपाध्याय—ज० २३ जनवरी, १८९२ हाँसी, दरभंगा ; शि० बी० ए०, बी० टी० कलकत्ता वि० वि०, मा० भूत० सद० : हिंदुस्तानी तालीमी संघ एव बिहार सर्वोदयमंडल, भत० संस्था० सचिव : बिहार बुनियादी शिक्षा परि० '३८-'५२, बिहार जिला एवं ट्रेनिंग स्कूलों के प्रधान, बिहार राज्य के भूत० शिक्षा उपनिदेशक ; प्र० १९०९ में ; प्रका० मगध का प्राचीन इतिहास '२०-'२१ तथा स्फुट निबंध ; प० (१) होसा, वाया समस्तीपुर, दरभगा। (२) संपा० 'बुनियादी शिक्षा', पटना—६।

रामशरणदास, 'पिलखुवा'—ज० लगभग '१२ ; प्रका० भारत की महत्ता, पतिव्रताधर्म, सब पापों की जड चाय-तम्बाकू, गाँधी जी की विचित्र अहिंसा, एक मनोरंजक शास्त्रार्थ, गो-महिमा, ब्राह्मण-महिमा आदि अनेक पुस्तकें ; अप्र० सात-आठ पुस्तकें; प० पिलखुवा, मेरठ।

रामशरण विद्यार्थी—ज० ११ जनवरी, १९०६; शि० एम० ए०, एल-एल० बी०, अलीगढ़, आगरा तथा नागपुर वि०वि० ; प्र० '२७ में ; प्रका० कैलास पथ पर, मन की लहर, भारत मे अँग्रेजी अत्याचार, विनोबा का संदेश, तिलक का संदेश ; अप्र० भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास, भारत में क्रांतिकारी आदोलन का इतिहास, महापुरुषो के संस्मरण और जीवनियाँ तथा दो संग्रह ; प० वकील, आनदमठ, मेरठ।

रामसरूप, डा०—ज० २५ जनवरी, १९०७, हजरो, अटक, प० पाकिस्तान ; शि० विद्यावाचस्पति '२८, शास्त्री '३०, प्रभाकर '३६, एम० ओ० एल० संस्कृत '४०, एम० ए० संस्कृत '४०, हिंदी '५१, पी-एच० डी० हिंदी '५९, रावलपिंडी एवं लाहौर ; सा०भूत० प्राध्यापक : ब्राह्मविद्यालय लाहौर '३२ '३७, डी० ए० वी० कालेज लाहौर '३७-'४७, वर्त० प्राध्यापक : हंसराज कालेज दिल्ली वि०वि० '४८ से ; प्रका० अनुवाद चंद्रोदय '३६, स्टूडेंट्स इंग्लिश-हिंदी डिक्शनरी' '३७, देशविदेश की कहानियाँ '३८, अनुवाद-कौमुदी '४५, हमारे बापू '४८, आदर्श काव्यधारा (संक०) '४९, कविता-कादंबिनी (संक०) '४९, नवभारती रचना '५०, हिंदी-रचना-सर्वस्व '५१, साहस की विजय '५५, आदर्श हिंदी-संस्कृत-कोश '५७, धर्मशिक्षा (दो भाग) '६०, काव्यलहरी (संक०) '६० . अप्र० हिंदी में नीतिकाव्य का विकास (शोधग्रन्थ); प० डी० १४१, राजेंद्रनगर, नई दिल्ली ५ ।

रामसहाय मिश्री, *'रमाबंधु'*—ज० मार्च, १८९१; प्र० '२३ में ; प्रका० मोहनारानी, मित्रमिलाप, कृष्ण-गीतांजलि; अप्र० चार पाँच संग्रह; वि० अनेक स्फुट पुरस्कार एवं 'काव्यमनीषी' उपाधि प्राप्त, प० हटा, दमोह ।

रामसिंह चौधरी—ज० १८८८; सा० भूत० सद० विधानपरि० पंजाब, संस्था० एवं अध्यक्ष वैदिक पुस्तकालय ; प्रका० महर्षि जीवन '१७, सुभाषित मंजूषा (प्रथम भाग) '२४, हिंदी भाषा का महत्व '४९, सूक्ति-कुसुमावली '५३, गुरुमुखी-मीमांसा '५५; अप्र० फारसी कवि-चर्चा, सुभाषित-मंजूषा (द्वितीय भाग), काव्यामृत, अँगरेजी सूक्ति-सुधा, कांग्रेस की सांप्रदायिकता के भयंकर परिणाम, त्रिभाषा-कोश, पहाड़ी-पंजाबी-लोकोक्ति-कोश, तुलसी-वचनामृत, संस्कृत कवि-चर्चा, हिंदी कवि-चर्चा, स्वतंत्रता-संग्राम १८५७ और सिख, उमरखैयाम की चुनी हुई रुबाइयाँ, उद्यान-विज्ञान, बागवानी, अकबर की काव्य-साधना आदि बीस-बाइस पुस्तकें; वि० उर्दू के भी प्रसिद्ध लेखक; प० घंडरां, काँगड़ा, पंजाब ।

रामसिंह यादव—ज० ५ अगस्त, '३८, उज्जैन ; शि० विशारद सम्मे० प्रयाग, साहित्यसुधाकर हिंदी विद्यापीठ बंबई, संस्कृत मध्यमा ऋषीकेष, जा० उर्दू एवं मराठी ; सा० अनेक धार्मिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक संस्थाओं के सद० , प्रका० स्फुट ; अप्र० आलो० लेखो, कवि० एवं कहा० के चार संग्रह, प० प्राध्यापक शासकीय विद्यालय, माधवनगर, उज्जैन ।

रामसुरेश त्रिपाठी, डा०—ज० ३० सितंबर, '२१; शि० व्याकरणसाहित्याचार्य काशी, एम०ए० काशी वि०वि०, पी-एच० डी० आगरा वि०वि०; प्र० ४६ में;

प्रका॰ स्फुट आलो॰ लेख ; अप्र॰ शोधप्रबंध तथा तीन संग्रह; वि॰ 'कालदर्शन' निबंध पर उ॰प्र॰ सरकार से प्रथम पुरस्कार प्राप्त, डी॰लिट्॰ के लिए शोध-कार्य-रत, प॰ रीडर, संस्कृतहिंदी विभाग, वि॰वि॰, अलीगढ़ ।

रामसूरत शुक्ल—ज॰ २ जनवरी '१६; शि॰ हिंदीरत्न, काव्यभूषण, कोविद, एम॰ ए॰, एम॰ एस, वैद्यराज, एल॰ एम॰ एस॰ एच॰, बी॰ टी॰ सी॰; सा॰ भूत॰ सद॰ . काशी ना॰प्र॰सभा॰, मत्री तथा प्रचारमंत्री : जिला अध्यापक मंडल, उपाध्यक्ष : ग्रामसभा, संस्था॰-संचा॰ श्रीहरिवंश शीलादर्श पुस्तकालय, व्यवस्थापक ग्रामीण विद्यालय ; प्रका॰ अन्ताक्षरी-प्रकाश (प्रथमभाग) तथा स्फुट कहानियाँ ; अप्र॰ हमारे कवि-लेखक, गणित-दर्शन, अन्ताक्षरी-प्रकाश (भाग २); प॰ पूर्वमाध्यमिक विद्यालय, मलाँव, गोरखपुर ।

रामसेवक पांडेय—ज॰ १८८७ बड़ागाँव, सीतापुर; शि॰ व्याकरण मध्यमा '१८ वाराणसी, साहित्यमध्यमा पटना, व्याकरणाचार्य (प्रथम एवं तृतीय खंड) '२०-'२२ वाराणसी, साहित्योपाध्याय '२४ पटना, आयुर्वेद शास्त्री '३७ ; प्रका॰ भारती कवि-विमर्श '५१; अप्र॰ साहित्योद्यान एवं लेखों के चार संग्रह; वि॰ द्विवेदी-युग के प्रतिष्ठित लेखक; प॰ बड़ागाँव, सीतापुर ।

रामस्वरूप गुप्त, 'ललाम'—ज॰ '१४, मसूरी ; शि॰ एम॰ ए॰ आगरा वि॰वि॰, सा॰ स्थायी सद॰ : हिंदी सभा सीतापुर ; प्रका॰ 'राउंड दि वर्ल्ड इन एट्टी डेज' का हिंदी अनु॰ ; वर्त॰ अध्यापक, राजा रघुवरदयाल इण्टर कालेज, सीतापुर; प॰ कलाकुटीर, गाँधीनगर, सीतापुर ।

रामस्वरुप चतुर्वेदी, डा०—ज॰ ६ मई, '३१, कानपुर; शि॰ एम॰ ए॰ डी॰ फिल॰ प्रयाग वि॰वि॰ ; प्रका॰ शरत के नारी पात्र '५५, हिंदी साहित्य कोश '५८, हिंदी नवलेखन '६०, आगरा जिले की बोली '६१ , अप्र॰ आलो॰ लेखों के चार संग्रह ; प॰ प्राध्यापक, हिं॰वि॰, वि॰वि॰, प्रयाग ।

रामस्वरूप मिश्र—ज॰ अप्रैल १९०२; सा॰ भूत॰सद॰ . उ॰प्र॰ विधान-सभा '५२-'५७, वर्त॰ सद॰ : जिलाबोर्ड तथा अन्तिरिम जिला परि॰, काँग्रेसी आंदोलनों मे सक्रिय भाग तथा कई बार कारावास; प्रका॰ स्फुट; अप्र॰ पार्वती-परिणय, भारत-दर्शन (नाट॰), कृष्णायन, सुविचार-सतसई, लगभग चार हजार दोहे आदि ; प॰ सेमरौता, रायबरेली ।

रामस्वरूप रसिकेंदु, 'विशारद जी'—ज॰ १७ मई, १९०२ ; शि॰ विशारद ; सा॰भूत॰ सद॰ : कार्यकारिणी ब्रज साहि॰ मंडल एवं ब्रजभाषा-व्याकरण समिति लगभग चालीस वर्ष तक कार्य प्र '३८ में ,

प्रका० : साँवरी (खड०) '३८, मुधापान (खड०), पिंगल-प्रबोध, हिंदी साहित्य का इतिहास; अप्र दो संग्रह, प० माँट, मथुरा।

रामस्वरूप वशिष्ठ—ज० १ फरवरी, '१६, कराहरी, मथुरा; शि० बी० ए० जयपुर, एम० ए० आगरा वि०वि०; प्रका० भारत का नवीन भूगोल '५०, भूगोल के भौतिक आधार '५३, मानचित्र-प्रवेशिका '५५, माध्यमिक भूगोल की रूपरेखा (तीन भाग) '५८, चौपाल के रेडियो से (निबंध) '६०; अप्र मानवभूगोल की रूपरेखा एव दो भौगोलिक लेख संग्रह; वि० 'भूगोल के भौतिक आधार' उ०प्र० सरकार द्वारा पुरस्कृत, अँग्रेजी में भी लिखते हैं; प० ३३६३, जलालबुखारी, दिल्लीगेट, दिल्ली ६।

रामस्वरूप व्यास—ज० मार्च, १९०९; शि० आगरा तथा इँग्लैंड, डी० एस० एस० लदन; सा० भू० उप सूचनाअधिकारी : प्रधान मत्री कार्यालय, नई दिल्ली, केंद्रीय सरकार में 'लेखक' के गजेटेड पद पर कार्य; प्रका० चंद्रिका (कहा०) '४०, 'हाउस आफ वाइन' (बच्चन की मधुशाला का अनु०) '५०, समाज में स्त्रियों के अधिकार, समाज और विवाह; अप्र० चार संग्रह; प० ३६।१५, साउथ टी० टी० नगर, भोपाल।

रामस्वरूप शास्त्री—ज० १ अक्टूबर, १८९२; शि० व्याकरणतीर्थ, न्यायतीर्थ, व्याकरणाचार्य; सा० अध्यक्ष धर्मसंघ काशी, भूत० प्रधानाध्यापक, हिंदी संस्कृत विभाग, अलीगढ़ वि०वि०, अब अवकाशप्राप्त; प्रका० न्यायदर्शन, वेदांतदर्शन, प्राचीन न्याय तथा नव्य न्याय का तुलनात्मक विवरण, संस्कृत साहित्य, स्वप्न-विज्ञान, कादंबरी एवं किरातार्जुनीय की टीका-टिप्पणी, स्वप्नविज्ञानम्, त्रिपुरदाहकथा (संस्कृत), शब्ददर्शन (यंत्रस्थ); अप्र० काव्य-विमर्श एवं चार लेख-संग्रह; प० जयगंज, अलीगढ़।

रामस्वरूप, 'सिंदूर'—ज० २६ सितंबर, '३०; शि० एम० ए० हिंदी '५५ आगरा वि०वि०; सा० भूत० संपा० दै० 'विश्वमित्र' (कानपुर, कलकत्ता, पटना और बंबई संस्करण), साप्ता० 'हिंदी विकास' साप्ता 'सहयोगी', साप्ता० 'नागरिक', 'जे० के० पत्रिका', दै० 'जागरण' (कानपुर एव झाँसी का जालौन में विशेष प्रतिनिधित्व); प्र० '५३ मे; प्रका० हँसते लोचन रोते प्राण '६२, सिंदूरी साँझ '६२; प० ५०।२८०, नौवडा, कानपुर।

रामस्वार्थ चौधरी, 'अभिनव'—ज० '१९, कुम्हारपट्टी, पुपरी मुजफ्फरपुर; शि० बी० ए० मुजफ्फरपुर, एम० ए० हिंदी '४६ पटना वि०वि० (सर्वप्रथम, २००) के पुरस्कार ग्रन्थ तथा दो स्वर्ण-पदक प्राप्त); सा० भूत हिंदी जी डी कालेज बगूसराय ४७-'४९, आर डी एस०

कालेज मुजफ्फरपुर '४८-'५०, '५० से एल० एस० कालेज स्नातकोत्तर विभाग बिहार वि०वि० मुजफ्फरपुर मे हिंदी-प्राध्यापक ; प्रका० नाट० : धरती की बेटी, धर्मचक्र, पंचशील, जूठेबेर, विजयलाभ, कलातीर्थ (निबंध), पराया धन (कहा०) हरी दूब (कवि०), जिंदगी का सौतेला पूत (उप०), आँसू के फूल, रीति युग का सर्वेक्षण, महाप्राण कबीर; अप्र० लेखों एवं कहानियों के दो संग्रह; वि० 'संत साहित्य मे मधुररस की अभिव्यंजना' विषय पर शोधकार्य-रत; प० अभिनव निवास, खबरा रोड, मुजफ्फरपुर ।

रामाधार शर्मा, डा०—ज० १८ मई, '३३, होशंगाबाद ; शि० एम० ए० '५४ (स्वर्णपदक प्राप्त), पी-एच० डी० '६१ सागर वि०वि० ; प्रका० श्रीमाखनलाल चतुर्वेदी '५५, हिंदी की सैद्धांतिक समीक्षा (शोधग्रंथ) '६३, अप्र० दो आलो० लेख-संग्रह ; वि० 'प्राचीन और नवीन समीक्षा-सिद्धांत' विषय पर सागर वि०वि० से डी० लिट० के लिए शोधकार्य-रत ; प० प्राध्यापक, जटाशंकर त्रिवेदी शासकीय महाविद्यालय, बालाघाट ।

रामानंद—ज० २० जुलाई, '३४ ; शि० बी० ए० बिहार वि०वि० ; सा० भूत० कार्यकारी संपा० : 'सबेरा' '५३-'५५, स्तंभलेखक साप्ता० 'विश्वबंधु' पटना ; प्र० '५४ मे ; प्रका० ये लपटें : ये लहरें (उप०) ; अप्र० जहाँ रात जागती है (उप०) तथा दो संग्रह ; वि० कई अँगरेजी कहानियाँ भी लिखी हैं ; प० लखनचंद, मोकामाघाट, पटना ।

रामानंद तिवारी, 'भारतीनंदन', डा०—ज० ३ अगस्त, '१९ ; शि० एम० ए० दर्शन '४०, डी० फिल० '४७, प्रयाग वि०वि०, पी-एच० डी० राज० वि०वि० ; प्रका० सत्यं-शिवं-सुन्दरम् , पार्वती (महा०), भारतीय संस्कृति के प्रतीक, अभिनव रस-मीमासा, भारतीय दर्शन का परिचय, भारतीय दर्शन की भूमिका, श्री शंकराचार्य का आचारदर्शन ; वि० 'पार्वती' महाकाव्य डालमिया पुरस्कार, केंद्रीय शिक्षामंत्रालय के काव्यपुरस्कार तथा उ० प्र० सरकार के पुरस्कार से सम्मानित, 'भारतीय संस्कृति के प्रतीक' तथा 'अभिनव रस-मीमासा' पर राज० साहि० अकेडमी द्वारा अ०भा० मीरॉ पुरस्कार प्राप्त, 'भारतीय दर्शन का परिचय' तथा 'भारतीय दर्शन की भूमिका' उ० प्र० सरकार द्वारा पुरस्कृत, 'श्री शंकराचार्य का आचार दर्शन' पर प्रयाग वि०वि० से डी० फिल० तथा 'सत्यं-शिवं-सुन्दरम्' पर राज० वि०वि० से पी-एच० डी० की उपाधि प्राप्त, 'भारतीय जीवन दर्शन' का विवेचन डी० लिट० के लिए प्रस्तुत कर चुके हैं ; प० प्राध्यापक एम एस जे कालेज भरतपुर (राज) ।

रामानंद शर्मा—ज० १७ सितंबर, १९०१, पुनास, रानीटोला, दरभंगा, ज्ञा० संस्कृत, बँगला, उड़िया, मराठी, तेलुगु, तामिल तथा अँग्रेजी ; सा० संचा० साहित्यानुशीलन समिति, भूत संपा० 'दक्खिनी हिंद' मद्रास, लगभग चालीस वर्षों तक सारे दक्षिणभारत में हिंदी-प्रचार-कार्य किया ; प्रका० मानस की महिलाएँ, पुनर्मिलन, तोरण के पर्ण, कीर्तिराका कौसल्या, कैकेयी की कुटिलता, प्राचीन पद्य-संग्रह, चयनिका; संपा : मराठी-कोश ; प० कन्याकुमारी प्रकाशन, सरायरोड, दुमका, संताल परगना ।

रामानुजदास, 'मंत्री'—ज० '३५ ; शि० बी० ए० ; प्र० '५२ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० चार संग्रह ; प० धनकुट्टागली, जनकपुरा, मंदसौर ।

रामानुजलाल श्रीवास्तव—ज० १८८८ ; शि० इण्टर ; सा० भूत सभा० तथा आजी० सम्मानित सद० : साहि० संघ, अध्यक्ष : प्रेमा पुस्तक माला, भूत०संपा० 'प्रेमा' एवं 'सारथी' ; प्रका० उनींदी रातें (काव्य), अज्वाते-ऊँट (हास्य), हम इश्क के बंदे हैं (कहा०), महाकवि गालिब की गजलें (टीका), जंगल की सच्ची कहानियाँ (बालो०), विवेचनात्मक गल्प-विहार तथा अनेक पाठ्य पुस्तकें, संपा० : स्व० केशव पाठक की काव्य-कृतियाँ, स्व० प्रभात तिवारी की रुबाइयाँ ; यत्रस्थ : विचित्र वेश्या (अनु०, कहा०), मीर अनीस का काव्य; वि० आपकी हीरक जयंती पर साहि० संघ जबलपुर द्वारा 'रामानुजलाल श्रीवास्तव व्यक्तित्व और कृतित्व' ग्रन्थ समर्पित, द्विवेदी-युग के प्रसिद्ध लेखक; प० इंडियन प्रेस प्रा० लि०, जबलपुर ।

रामावतार 'अरुण', पोद्दार—ज० २१ अक्टूबर, '२२ ; शि० विविध-कला विशेषज्ञ ; प्र० '३६ में ; प्रका० अरुणिमा '४१, शकुंतला '४३, विद्यापति '४६, सूरश्याम '४८, विश्वमानव '४९, कोशा '५१, योरपीय देशों का साहित्यिक भ्रमण '५३, विदेह (महा०), कालिदास, आम्रपाली, गांध्या, अशोकपुत्र, अगीता, संगीता, घनघोरलाल, बाणाम्बरी (महा०) ; वि० उ० प्र सरकार से सात पुस्तकें पुरस्कृत, बिहार राष्ट्रभाषा परि० से सम्मानित ; प० कविनिवास, समस्तीपुर ।

रामावतार, त्यागी—ज० ८ जुलाई, '२५ ; शि० एम० ए० हिंदी ; सा० भूत०संपा० मा० 'समाज' तथा त्रैमा० 'प्रगति' ; प्र० '४८ में ; प्रका० कवि० : नया खून, आठवाँ स्वर, मैं दिल्ली हूँ, आज के लोकप्रिय कवि : रामावतार त्यागी, समाधान (उप०), चरित्रहीन के पत्र (पत्रसाहित्य), सपने महक उठे (यत्रस्थ), वि० 'आठवाँ स्वर' पर उ० प्र० सरकार द्वारा

तथा 'मैं दिल्ली हूँ' पर केंद्रीय शिक्षामंत्रालय द्वारा पुरस्कार प्राप्त ; प० उपसंपादक दै० 'नवभारत टाइम्स', दिल्ली ।

रामावतार यादव, 'शक्र'—ज० '१५, मुंगेर ; शि० इण्टर तथा विशारद ; प्रका० अन्तर्ज्वलन, गीता का पद्यानुवाद, केश-कथा, निर्वाण, अमरशहीद अन्तर्गीत, गीता का पद्यानुवाद तथा बालो० एक दर्जन कवि० पुस्तकें, अप्र० सात पुस्तकें ; प० रूपनगर, सिमरियाघाट, मुंगेर ।

रामावतार शर्मा पाण्डेय, डा०—ज० जून, १९०२, खरौंधी, पलामूँ ; शि० बी० ए० मुजफ्फरपुर, एम० ए० हिंदी, कलकत्ता वि०वि०, बी० एल० पटना ला कालेज, डी० लिट० पटना वि०वि० ; सा० विभिन्न विद्यालयों में संस्कृत एवं हिंदी प्राध्यापक तथा प्रधानाध्यापक '२६-'३०, हिंदी प्राध्यापक एवं शोधछात्र पटना वि०वि० '३४, राज० के शिवपुर-बड़ौदा नामक राज्य के न्यायाधीश '४४, ऊँटारी राज्य के प्रबन्धक पद पर कार्य किया, जिला कांग्रेस कमेटी के सभा० तथा बिहार प्रांतीय कांग्रेस के सद०, संस्था० : पलामूँ जिला ब्राह्मण सभा तथा ब्राह्मण विद्यालय ; प्रका० भारतीय ईश्वरवाद (शोध-ग्रन्थ) तथा अनेक पाठ्य पुस्तकें; अप्र० दो संग्रह ; प० अबादगंज, डालटनगंज, पलामू (बिहार) ।

रामावतारसिंह चौहान, 'नीलकंठ'—ज० ६ मई, '३८ ; शि० इण्टर, सा० सहसंपा० पाक्षि० 'आस्था' , प्र० '६१ में ; प्रका० बापू के जवाहर, 'चीन को चुनौती '६१ ; प० साहित्य सदन, खुरफरी, मैनपुरी ।

रामाशीषसिंह—सा० हिंदी पुस्तक एजेंसी कलकत्ता में कार्य एवं बंकिमचन्द्र चटर्जी के उपन्यासों के अनुवादक, भूत० संपा० मा०, साप्ता० एवं दै० 'विश्वमित्र' कलकत्ता; दै० 'विश्वबंधु' कलकत्तामें कार्यकिया, प्रधानसंपा० दै० 'राष्ट्रवाणी', साप्ता० 'नवशक्ति' पटना, 'सूर्योदय' हजारीबाग, अब अवकाशप्राप्त ; प्रका० बालो० : बताओ तो सही, बूझो तो जाने, गर्विला (उप०) तथा अनेक कहा०-संग्रह ; प० दुबहर, बलिया ।

रामेश बेदी—ज० २० जून, '१५ ; शि० आयुर्वेदालंकार गु० कां० वि०वि० ; प्र० '४० मे ; प्रका० अंजीर '४२, त्रिफला '४४, तुलसी '४६, देहाती इलाज '४७, सोंठ '४८, मिर्च '५०, साँपों की दुनियाँ '५१, लहसुन-प्याज '५२, शहद '५२, नीम - बकायन '५४, देहात की दवाएँ '५६, अशोक '५९, बरगद '६०, सर्पगंधा '६१, आँवला '६१, तोरी '६१, हरड़ '६२, पलाश '६२, पीपल '६२ ; वि० आठ पुस्तको पर आठ स्वर्णपदक

प्राप्त ; प० रिसर्च आफिसर, मिनिस्ट्री आफ हेल्थ, गवर्नमेंट आफ इण्डिया, ए २/१२६, राजौरी गार्डेन, नई दिल्ली—१५।

रामेश्वर गुप्त—ज० २२ सितंबर, '२५ ; शि० इण्टर, सा०रत्न ; सा० संस्था० : साहि० मन्दिर, संचा० हिंदी केंद्र ; प्रका० वीणा की झंकार, गर्जना ; अप्र० दो संग्रह ; प० हिंदीकेंद्र-संचालक,हिंगोली,परभणी (महा०)।

रामेश्वरदयाल उपाध्याय—ज० २५ सितम्बर, '२७ ; शि० इण्टर, कोविद, सा०रत्न प्रयाग, बी० ए० पंजाब वि०वि०, एल-एल० बी आगरा वि०वि० ; सा० सद० : विश्व कोश-प्रकाशन समिति, उपाध्यक्ष : दिल्ली ब्रजवासी समाज, मन्त्री : अ० भा० ब्रज साहि० मण्डल (केंद्र एवम् लोक साहि० विभाग), 'आलइंडिया राइटर्स कान्फ्रेंस' '६१ के प्रतिनिधि ; प्र० '४६ में ; प्रका० ऊदल वैशाखी (लोकनाट्य), भारतीय संस्कृति '५८, रेडियो नौटंकी, अनु० : भारतीय गुंडा ऐक्ट, नेता अधिनियम '६०, आधुनिक महिला कानून, संवादक संहिता '६१, भ्रष्टाचार संहिता, लेखक कानून '६२ ; अप्र० ब्रज के ४,००० लोकगीतों का संग्रह किया ; वि० 'ऊदल वैशाखी' भारत सरकार द्वारा पुरस्कृत ; प० ३४, चन्द्रपुरी, गाजियाबाद।

रामेश्वरदयाल गुप्त—ज० ५ जुलाई, '४१ ; शि० बी० ए०, बी० एड० लखनऊ वि०वि०, सा०रत्न सम्मे० प्रयाग ; प्र० '५५ में ; प्रका० हरिजनोत्थान (नाट०) ; वि० एक नाटक पर जिलासूचना विभाग सीतापुर द्वारा १००) पुरस्कार प्राप्त ; प० प्राध्यापक, हनुमत विद्यालय, बिसवाँ, सीतापुर।

रामेश्वरदयाल दुबे—ज० १ जुलाई, '११ ; शि० सा०रत्न सम्मे० प्रयाग, एम० ए० हिंदी, आगरा वि०वि० ; सा० सहायकमंत्री तथा परीक्षा मन्त्री : राष्ट्रभाषा प्रचार समिति वर्धा, गत बीस वर्षों से ; प्र० '३४ मे प्रका० कवि : अभिलाषा, विश्वास, गाँधी - आश्रम-प्रार्थना, चले चलो, बापू की बातें, कोणार्क (खण्ड०) '६१ ; बालो० : माँ यह कौन '६१, क्या यह सुनी कहानी, आलू-चना (हास्य), यन्त्रस्थ : जीवन की बूँदें, बड़े जब छोटे थे, अबोल के बोल, मधुकरी, अगस्त्य (नाट०), अप्र० बुरे फँसे (हास्य निबन्ध) तथा दो एकांकी-संग्रह ; प० (१) प्रेम निवास, कोतवाली के सामने, मैनपुरी। (२) राष्ट्रभाषा-प्रचार समिति, हिंदी नगर, वर्धा।

रामेश्वरनाथ गौड़—ज० १५ जुलाई, '२७, अलीगढ़ ; शि० एम० ए० हिंदी, आगरा वि वि० एवं अलीगढ़ वि० वि०, सा०रत्न सम्मे० प्रयाग, आचार्य काशी प्रका राजहंस हिंदी निबंध ६० हिंदी साहित्य का

सरल इतिहास '६१ ; अप्र० महाकवि सूर, कमला नेहरू (खंड०) एव दो लेख-संग्रह ; प० गवर्नमेंट इंटर कालेज, सहारनपुर।

रामेश्वरनाथ तिवारी—ज० '२५, तिवारीपुर, बक्सर ; शि० बी० ए० आनर्स (प्रथम, प्रथम), एम० ए० (प्रथम) पटना वि० वि०, सा०रत्न ; सा० सद० स्थायी समिति बिहार हि०सा०सम्मे०, प्रधानमंत्री शाहाबाद हि०सा० सम्मे०, अध्यक्ष मदल साहि० परि०, उपाध्यक्ष शाहाबाद होमियोपैथिक परि०, शाहाबाद हि०सा०सम्मे० के आरा अधिवेशन मे आयोजित प्रथम कहा० परि० के सभा०'५८, भूत०संपा० एव संपा० मण्डल के सद० 'ज्योत्स्ना', 'नोकझोंक','पुस्तक-जगत', 'ग्रामपंचायत' एवं 'विकास' ; प्रका० खजूर के पेड (निबध), सुबह और शाम (कहा०), हिंदी कवि-मीमासा (समीक्षा), सिंदबाद जहाजी (अनु०) ; अप्र० रेल की पटरियाँ (कहा०), रक्तदान (बालो०), कवि निराला (समीक्षा), बदरिंग हाइट्स (अनु०), उपासना के फूल (स्केच), मन की आँख (निबन्ध), दधीचि की हड्डियाँ (पौराणिक कहा०), गजानन शास्त्री (हास्य कहा०, भुट्टन काका हास्य कहा०), संजय-भट्टाचार्य (हास्य), गजानन की चिट्ठियाँ (हास्य), अलीबाबा तथा चालीसचोर, अबूकीर तथा अबूसीर, आबनूस का घोडा आदि (अनु०) ; 'हिंदी उपन्यासों के शिल्प विधान' पर शोधकार्य-रत ; वर्त० प्राध्यापक हि०वि०, हरप्रसाददास जैन कालेज, आरा ; प० श्री जगदीश निकेतन, नया शिवगंज, आरा।

रामेश्वरप्रसाद अग्रवाल, डा०—ज० २५ जनवरी, '२६, मुस्करा, हमीरपुर ; शि० एम० ए० हिंदी '५१ लखनऊ वि०वि०, एम० ए० तुलनात्मक भाषाशास्त्र '५२ कलकत्ता वि०वि० (स्वर्णपदक प्राप्त), पी-एच० डी० भाषा विज्ञान, लखनऊ वि० वि० '५८ ; प्रका० रामनरेश त्रिपाठी : व्यक्तित्व और कृतित्व '६२, बुन्देली का भाषाशास्त्रीय अध्ययन '६३ ; वि० अखिल भारतीय भाषाविज्ञान सत्रो मे विद्यार्थी और अध्यापक-रूप मे भाग लिया ; वर्त० प्राध्यापक, हि० वि०, वि०वि०, लखनऊ ; प० मोतीनगर, लखनऊ।

रामेश्वरप्रसाद दुबे, 'मनु'—ज० १ जनवरी, '१३ रामपुर ; शि० सुहागपुर, मैट्रिक ; सा० प्रबंधक : 'कल्पवृक्ष' उज्जैन दस वर्ष तक, पुस्तकालयाध्यक्ष : आर्यसमाज उज्जैन दो वर्ष तक, भूत०संपा० साप्ता० 'हिंद भारत विजय' हरदा '३६ ; प्रका० संत श्रीदुर्गाशंकर नागर ; अप्र० मानसिक रोग और उसकी चिकित्सा, व्यायाम-विज्ञान, स्वास्थ्य-शिक्षा, तमाखू से सर्वनाश औरत कहा , घूनेपाल का इतिहास, होली का इतिहास, पान

खाने मे हानियाँ, आजादी की कीमत, झूठा बालक आदि; वि० अ० भा०कहा० प्रतियोगिता में पुरस्कृत ; प० बाबई, बाग रालवा, होशगाबाद ।

रामेश्वरप्रसाद मेहरोत्रा – ज० १८ जून, '२५ ; शि० इंटर ; मा० राजनीति एवं मजदूर आदोलनों में कार्य '५२-'५७, भूत० प्रकाशनाधिकारी हिंदी प्रचारक पुस्तकालय वाराणसी '५७-'५८, भूत० वाणिज्यसंपा० 'विश्वमित्र' कलकत्ता '४४ - '४८, भूत०संपा० 'व्यापार' एवं 'पूँजी' कलकत्ता, मा० 'किसान' लखनऊ, भूत०प्रधानसंपा० साप्ता० 'जनमत' शाहजहाँपुर, मा० 'हिंदी प्रचारक' वाराणसी, भूत० सहसंपा० मा० 'विज्ञान लोक' लखनऊ . प्र० '४६ मे ; प्रका० सुनहरी मछली, हमारे वैज्ञानिक, गुलसनोवर (संपा०), चहार दरवेश (संपा०), तामसी (अनु०), लौहकपाट (दो भाग, अनु०) , वि० लगभग तीन सौ पुस्तके संपादित की हैं ; वर्त० व्यवस्थापक · किताबमहल प्रकाशन, प्रयाग प० ४६, क्रास्थवेट रोड, प्रयाग ।

रामेश्वर महतो—ज० १ जनवरी, '१८ ; शि० सा०रत्न०, साहित्यालंकार, पालीआचार्य ; जा० पाली, अँगरेजी तथा बँगला ; सा० भूत० सद० . बिहार हि०सा०सम्मे०, अध्यक्ष : ग्रामोत्थान पुस्तकालय-पूरनकाना ; प्रका० मगही लोकगीतों का संग्रह ; अप्र० दो संग्रह , प० प्राध्यापक, राजेंद्र महाविद्यालय, सेवदह, बिरजू-मिल्की, पटना ।

रामेश्वरलाल खंडेलवाल, 'तरुण',डा०—ज० '१८, भीलवाडा ; शि० एम० ए० '४३, काशी वि० वि० (प्रथम, प्रथम), पी-एच० डी० '५५ आगरा वि०वि० ; सा० '४४ से हाईस्कूल से लेकर एम० ए० तक की कक्षाओं का अध्यापन-कार्य, पिछले सात वर्षों से शोधकार्यों का निर्देशन ; प्र० '४८ मे ; प्रका० कवि० प्रथम किरण '४८, वाणी-वीणा '४८, धूपदीप '५१, हिमाचला '५१, कविता में चरित्र-चित्रण '५४, आधुनिक हिंदी कविता में प्रेम और सौंदर्य (शोधग्रंथ) '५८, महाकवि 'प्रसाद' (सहलेखक) '५८ ; अप्र० आलो० लेखों के चार संग्रह ; वि० 'हिमांचला', 'कविता मे प्रकृति-चित्रण' तथा 'आधुनिक हिंदी कविता में प्रेम और सौंदर्य' पुस्तकों पर उ०प्र० सरकार द्वारा पुरस्कार प्राप्त, 'जयशंकर प्रसाद की प्रख्या और उपाख्या' विषय पर शोधकार्य-रत ; प० रीडर, हि० वि०, सरदार बल्लभभाई विद्यापीठ, बल्लभ विद्यानगर, आनंद, गुजरात ।

रायकृष्णदास—ज० ७ नवंबर, १८९२ ; सा० संस्था० एव संचा० भारत कला भवन (संग्रहालय), प्रवर्तक एवं संपा० त्रैमा० 'कलानिधि'; प्रका कवि० साधना छायापथ, प्रवाल कहा सुधांशु, आँखों

की थाह; अन्य भारतीय मूर्तिकला, भारत की चित्रकला, भारतीय चित्र चर्चा (यंत्रस्थ), मुगल मिनिएचर्स (अँगरेजी) ; वि० द्विवेदी युग के प्रतिष्ठित लेखक एवं कला-मर्मज्ञ, भारतसरकार की ओर से 'पद्म-भूषण' उपाधि से सम्मानित ; प० सीता-निवास, वाराणसी —५ ।

रावत सारस्वत—ज० '१७ , शि० एम० ए०, एल-एल० बी० ; सा० मान्य सचिव राज० लेखक सहकारी समिति लि० जयपुर, राज० भाषा प्रचार सभा जयपुर, संगठन सचिव . राज० रेड क्रास सोसाइटी जयपुर,, परीक्षा सचिव राजस्थानी परीक्षा जयपुर, संपा० मा० 'मरुवाणी' तथा अनेक पत्रिकाओं के परामर्श मंडल के सद० ; प्रका०संपा० : डिंगलगीत, दलपत विलास (१६वीं सदी का ऐति० ग्रथ), महादेव पारवती री वेलि (१७वीं सदी का काव्य , चंदायन (१४वीं सदी का प्रेम-काव्य) ; अनु० बसरी (नाट० रवींद्रठाकुर), राजस्थानी कवि ; अप्र० लेखों-कहानियों के दो संग्रह ; प० डी० २८२, मीरा मार्ग, वनीपार्क, जयपुर ।

रा० शारंगपाणि—ज० १३ अक्टूबर, '१५, तजापुर, शि० विद्वान, एम० ए० हिंदी ; सा० हिंदी - प्रचारक '३७-'४६, सहसंपा० 'दक्खिनी हिंद' मद्रास '४७-'५२ 'हिंदी प्रचार समाचार' मद्रास '५३-'६० ; वर्त० संपा० 'हिंदी प्रचार समाचार' तथा 'दक्षिण भारत' मद्रास जून '६० से; प्रका० मल्लिका, राजीनामा, हलाहल ; वि० मातृभाषा तामिल है जिसमें कविताएँ लिखी हैं ; प० संपा०, 'दक्षिण भारत', हिंदीप्रचार सभा, मद्रास—१७ ।

रासबिहारीलाल माथुर, 'राकेश'—ज० ५ मार्च, '३३, झुँझनू ; शि० सा०रत्न ; प्र० '५२ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० बिखरे मोती (कवि०) एवं दो लेख-संग्रह ; वर्त० अजमेर मे राज० के आरक्षि विभाग में कार्य करते हैं ; प० कायस्थ मोहल्ला, पुरानीमंडी, अजमेर ।

राहुल सांकृत्यायन, महापंडित, डा०—ज० ९ अप्रैल, १८९३, पंदहा, आजमगढ ; शि० त्रिपिटकाचार्य विद्यालंकार बिहार एवं लंका, डी० लिट० (सम्मानार्थ उपाधि) भागलपुर वि०वि० ; सा० भूत० अध्यक्ष : प्रथम अधिवेशन अ० भा० हिंदी प्रगतिशील लेखक सम्मे० प्रयाग '४७, ३५वाँ अधिवेशन हिं०सा०सम्मे० बंबई '४७, द्वितीय अधिवेशन अखिल भोजपुरी सम्मे० छपरा '४७, १२वाँ वार्षिकोत्सव बलिया हिंदी प्रचारिणी सभा '३६ , भूत० सभा० : सारन हिं०सा०सम्मे० '३८, बिहार प्रांतीय साहि० सम्मे० राँची '३८, मुंगेर जिला साहि० सम्मे० '३६, प्रथम वार्षिक अधिवेशन हिं०सा० सम्मे रगून '३५ प्रका उप० सिंह सेनापति ४२, भागो नहीं बदलो

'४४, जीने के लिए '४४, बाइसवीं सदी, मधुरस्वप्न '५०, विस्मृत यात्री '५५, जययौधेय '५६, दिवोदास '६१ आदि ; कहा० : वोल्गा से गंगा '४२, बहुरंगी मधुपुरी '५४, सतमी के बच्चे '५५, कनैला की कथा '५७ आदि ; यात्रा एवं देशदर्शन राहुल-यात्रावली (भाग १) '४९, दार्जलिंग-परिचय '५०, किन्नर देश में '५६, मेरी लद्दाख-यात्रा, लंका, तिब्बत में सवा वर्ष, मेरी तिब्बत-यात्रा, मेरी यूरोप-यात्रा, जापान, ईरान, रूस मे पच्चीस मास, यात्रा के पन्ने, सोवियत मध्य एशिया, सोवियत भूमि (भाग २), गढ़वाल, कुमाऊँ, नेपाल, जौनसार देहरादून, हिमाचल प्रदेश आदि ; अनु- शैतान की आँख '३७, सोने की ढाल '४६, जो दास थे '४८, जादू का मुल्क '५०, अदीना '५१, सूदखोर की मौत '५२, दाखुँदा '५५, अनाथ '५६, विस्मृति के गर्भ मे '५६, शादी आदि ; भोजपुरी नाट० : मेहरारुन के दुरदसा, नइकी दुनियाँ, जोंक ; अप्राप्य : जपनियाँ राछछ, ई हमार लड़ाई, ढुनमुन नेता, देसरच्छक, जरमनवाँ के हार निश्चय ; आत्मकथा : मेरी जीवन यात्रा (भाग १) '४४, (भाग २) '५०, (भाग ३) यंत्रस्थ ; संस्मरण : बचपन की स्मृतियाँ, जिनका मैं कृतज्ञ, मेरे असहयोग के साथी, राहुल जी का अपराध ; विविध : घुमक्कडशास्त्र '५७ ; निबंध : पुरातत्व-निबंधावली '३७, आज की समस्याएँ '४५, साहित्य निबंधावली '४९, अतीत से वर्तमान '५६, दिमागी गुलामी '५७, तुम्हारी क्षय ; जीवनी . सरदार पृथ्वीसिंह '४४, राजस्थानी रनिवास '५३, स्तालिन '५३, महामानव बुद्ध '५६, माओ चे तुंग '५७, घुमक्कड़ स्वामी '५८, जयवर्द्धन '६०, कप्तान लाल '६१, वीरचन्द्रसिंह गढ़वाली, नये भारत के नए नेता, सिंहल के वीर, लेनिन, कार्लमार्क्स ; समाजशास्त्र : मानव समाज , बौद्धधर्म : बुद्धचर्या '३०, धम्मपद '३३, मज्झिम निकाय '३३, विनयपिटक '३४, दीर्घनिकाय '३५ ; तिब्बत में बौद्धधर्म '३५ , ऐति० एवं संस्कृति ' बौद्ध संस्कृति '४९, ऋग्वेदिक आर्य '५८, मध्य एशिया का इतिहास (भाग २), विश्व की रूपरेखा ; दर्शन : बौद्ध दर्शन '४२, इस्लाम धर्म की रूपरेखा, दर्शन दिग्दर्शन, वैज्ञानिक भौतिकवाद ; साम्यवाद एवं राजनीति · क्या करें, सोवियत न्याय (अनु०), सो० सं० कम्यूनिस्ट पार्टी का इतिहास (दो भाग), आज की राजनीति, कम्युनिस्ट क्या चाहते हैं, रामराज्य और मार्क्सवाद (आलो०) ; तिब्बती : तिब्बती पाठावली (तीन भाग), तिब्बती व्याकरण ; अन्य राष्ट्रभाषा कोश, शासन शब्दकोश दोहाकोश, '५४, संस्कृत-सिंहल की पाँच पुस्तकें ; बौद्धधर्म संबंधी संपादित या टीकाकृत : अभिधर्म

कोश (टीका) '३०, विज्ञप्तिमात्रतासिद्धि : (अनु०) '३४, प्रमाण-वार्त्तिक स्ववृत्ति-टीका '३७, हेतुबिंदु '४४, निदान सूत्र (अनु०) '५०, महापरिनिर्वाण सूत्रम् (अनु०) '५१, तथा कई अन्य ग्रन्थों के भाष्य संपा० हिंदी काव्यधारा '४५, दखिनी हिंदी काव्यधारा '५८, संस्कृत काव्यधारा '५८ आदि ; हिंदी की कहानियाँ और गीत, हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास (१६वाँ भाग) ; वि० '४८ में वर्ष की सर्वश्रेष्ठ हिंदी पुस्तक 'मध्य एशिया का इतिहास' पर साहित्य अकेडमी का ५०००) का पुरस्कार प्राप्त, '६१-'६२ के भागलपुर वि०वि० के द्वितीय दीक्षांत समारोह में डी० लिट० की उपाधि सम्मानार्थ प्राप्त. भा० सरकार की ओर से २६ जनवरी, '६३ को 'पद्मभूषण' की उपाधि प्राप्त ; प० २१, कचहरी रोड, दार्जिलिंग ।

रुद्रदत्त मिश्र—ज० ५० जून, १९०८ ; शि० एम० ए०, सा०रत्न, संपादन कला उपाधि, शोधछात्र, सा० अध्यक्ष : हिंदी नाट्य परि० ; प्र० '२१ में ; प्रका० नाट० : नवप्रभात, लक्ष्मीपूजा, तात्याटोपे, विषकन्या, तीसरी पीढी, दरवाजे का दुश्मन, उद्धार एवं सिद्धार्थ : गीत० निर्माण के गीत, आगे कदम बढ़ाओ एव भारत रासो (आल्हा, १७ भाग) ; बालो० : हमारे पक्षी, फूल खिले हैं डाली डाली ; वि० 'हमारे पक्षी' तथा 'फूल खिले हैं डाली-डाली' शिक्षा मंत्रालय द्वारा पुरस्कृत, भारत सरकार, आकाशवाणी दिल्ली, म०प्र० सरकार, उ०प्र० सरकार एव ग्वालियर राज्य से पुरस्कृत ; वत० संपा० म० प्र० सूचनाविभाग ; प० शारदासदन, नयाबाजार, लश्कर ।

रूपचंद्र पारीक—ज० १० सितंबर, '३५, शि० एम० ए० हिंदी, राज० वि०वि० ; सा० भूत० संपा० मा० 'प्रेरणा, जोधपुर, प्र० '५३ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० चार आलो० लेख एवं कविता-संग्रह, प० माणकचौक, जोधपुर ।

रूपनारायण, डा०—ज० २० नवबर, '३२ ; शि० बी० ए० आनर्स, एम० ए०, पी-एच० डी० दिल्ली वि०वि० ; सा० प्राध्यापक सनातन धर्म कालेज ; प्रका० काव्य माधुरी (संपा०) '६१, ब्रजभाषा के कृष्णकाव्य में माधुर्यभक्ति (शोधग्रंथ) '६२ ; अप्र० आलो० लेखों के दो संग्रह ; वि० 'मध्यकालीन कृष्णभक्ति साहित्य और उसमें अन्तर्निहित विचारधारा' पर शोधकार्य-रत, प० ८२५७, नई अनाजमंडी, बाड़ा हिंदूराव, दिल्ली—६ ।

रूपनारायण वर्मा, 'वेणु'—शि० 'धर्मविशारद' उपाधि ; प्र० '४२ में प्रका० स्फुट ; अप्र० दो पुस्तकें ; प० रायपुर ।

रूपवियोगी- ज० १९८५, सलेमपुर, सादाबाद ; शि० सादाबाद; सा लगभग चार-पाँच वर्ष तक अध्यापन-कार्य किया ; प्रका० रूपरतन

भंडार एवं लगभग ३०० संगीत एवं भजन की पुस्तकें ; अप्र० चार संग्रह ; प० त्रिशिववर, सलेमपुर, सादाबाद, मथुरा ।

रेवाप्रसाद द्विवेदी—ज० २२ अगस्त, '३५, शि शास्त्राचार्य (साहित्य), एम० ए० संस्कृत '५८ काशी वि० वि० (सर्वप्रथम), विशारद, सा० सद० ना०प्र०स० काशी, मंत्री : प० माखनलाल चतुर्वेदी स्मारक समिति नादनेर, भूत० शोधछात्र केंद्रीय सरकार ; प्र० '५० में , प्रका० महिम भट्ट के 'व्यक्तिविवेक' का प्राचीन संस्कृत भाष्य के साथ हिंदी अनु० और विवेचन (यंत्रस्थ), कालिदास-संबंधी लगभग बारह शोध निबंध तथा अन्य स्फुट निबंध , अप्र० नामधेय (प्रबंध) एवं कालिदास के सात काव्यों के प्रत्येक शब्द का संदर्भ सहित अनुक्रम कोश ; वि० संस्कृत में सागर वि वि० में शोधकार्य , वर्त० संस्कृत प्राध्यापक, शासकीय श्री वै० संस्कृत महाविद्यालय, रायपुर ; प० बी ४, पेंशनबाड़ा, रायपुर ।

रेवाशंकर चौबे, 'रूपक'—ज १३ मार्च, '३६, हटा, दमोह; शि० बी० ए ; सा० उपाध्यक्ष : नवीन साहि संघ जबलपुर, भूत० साहि०संपा० साप्ता० 'सुमति दर्शन' जबलपुर , प्र० '५२ मे ; स्फुट ; अप्र० चार कवि०-संग्रह, चार उप० तथा रुबाइयाँ एवं एकांकी संग्रह, वि० चार कविता-संग्रहों में रचनाएँ संकलित , प० १७६, ब्योहार बाग, जबलपुर ।

रैवतसिंह ठाकुर—ज० १९०२, किशनगढ ; शि० मैट्रिक, हिंदी रत्न, साहित्यमनीषी , प्र० '२४ में ; प्रका० क्षत्रियभजनावली, लक्ष्मण-विलास, छत्रसाल-शतक, चंद्रसेन-चरित्र, डूँगर राज्य का पद्यात्मक इतिहास; अप्र० जयमल-चरित्र, गुरुगोविंद-गुरुत्व, वीर हजारा (राजस्थानी में) ; वि० लक्ष्मणविलास पर डूँगर राज्य से ५००) का पुरस्कार और जागीर मिली, संस्कृत कार्यालय अयोध्या ने 'साहित्यमनीषी' उपाधि प्रदान की ; प० ए० डी० सी० टु हिज हाईनेस दी महारावल साहब बहादुर, डूँगरपुर ।

रोहिणी प्रसाद, 'नायक'—ज० '१६ ; शि० मैट्रिक, नागपुर ; सा० भूत० उपाध्यक्ष : तहसील हिंदी साहि० समिति ; प्रका० स्फुट ; अप्र० कवि० जीवन प्रभात, ग्राम-गर्जना ; प० नायक भवन, भरवारा, कटनी ।

रौशन पटियालवी—ज० १ फरवरी, १९०९; शि० बी० ए०, एफ० ई० एल० ; सा० संस्था० श्रीराम आर्य हाईस्कूल, मंत्री आर्यसमाज ; प्रका० कहा० गरीब की आह, चिराग रौशन, चिंगारियाँ, शिकस्ता दिल, एहसान का बोझ ; अनु० कुमुदिनी और कुर्बानी (बँगला से), कामयाब जिंदगी (जेम्स ऐलेन) अन्य अंगारे (भाषण) देश के महापुरुषों के जीवनचरित्र प

लगभग दो दर्जन पुस्तकें, अंकुर (कवि० एवं गजल); प० पदाधिकारी, जनसंपर्क विभाग (पंजाब सरकार), पटियाला।

लक्ष्मणप्रसाद नायक—ज० १८८०; शि० मिडिल, प्रका० कवि०, सती-चरित्र, जानकीदास बाबा की जीवनी, लखनदास-भजनमाला, बाबा अयोध्यानंद जी का जीवनचरित्र; प० नायक भवन, भरवारा, कटनी।

लक्ष्मणसिंह, 'निर्मम'—ज० ६ अप्रैल, '२४; शि० कटरा, सागर, बी० ए०, बी० टी० जबलपुर; प्र० '२७ में; प्रका० कवि० जय जयप्रकाश ज्वालामुखी के फूल (यंत्रस्थ); प० रामपुरा सागर।

लक्ष्मीकांत—ज० २९ सितंबर, '२५; शि० एम० ए० डूँगरकालेज, बीकानेर; सा० भूत० प्राध्यापक: ए० एस० कालेज, खन्ना लुधियाना में लगभग साढ़े तीन वर्ष, '५७ से डी० ए० वी० कालेज अजमेर में प्राध्यापक; भूत०संपा० त्रैमा० 'नई चेतना' दो वर्ष तक; प्रका० जीवन और जागरण (कहा०), गद्यमंदाकिनी (निबंध) नए अंकुर (उप०); अप्र० प्रतिभा के पुत्र (संस्मरण), सौंदर्य के संधान में (उप०) एवं आलो० लेखों के दो संग्रह; प० प्राध्यापक, डी० ए० वी०कालेज, अजमेर।

लक्ष्मीचंद जैन—ज० १९०९, म०प्र०; शि० एम० ए० संस्कृत एवं अँग्रेजी, दिल्ली वि०वि०; सा० मंत्री: भारतीय ज्ञानपीठ, गत बीस वर्षों से जैन उद्योग प्रतिष्ठान से संबंधित, साहू शांतिप्रसाद जैन के सचिव तथा साहू जैन संस्थान के 'डायरेक्टर आफ पब्लिकेशंस', ज्ञानपीठ लोकोदय ग्रंथमाला के संपा०, संपा० मा० 'ज्ञानोदय' एवं मा० 'ज्ञानपीठ'; प्रका० कागज की किश्तियाँ, नये रंग नये ढंग; अप्र० दो संग्रह; प० ६७६ ओ० ब्लाक, न्यू अलीपुर, कलकत्ता ३३।

लक्ष्मीदेवी तैलंग, 'लावण्य', श्रीमती—ज० '११; शि० टीकमगढ़, विदुषी, विशारद; सा० सभा०: रुक्मिणी महिला समिति अजयगढ़, वीरेंद्र केशव साहि० परि० टीकमगढ़ के महिला विभाग की कार्यकर्त्री; प्र० '२९ में; प्रका० बुन्देलखंडी ग्रामगीत '२९, बुन्देलखंड की स्त्री कवयित्रियाँ '३६, ओरछा राज्य की कवयित्रियाँ '४०, बुन्देलखंड की भक्त महिलाएँ '४७, पुष्टिमार्गीय सेवा-गीतांजलि '५६, अजयगढ़ का महिलासमाज '६०, पुष्पांजलि (कवि०) '६१, आधुनिक कथाएँ (कहा०) '६१; प० सभानेत्री, श्री रुक्मिणी-महिला समिति, अजयगढ़, पन्ना।

लक्ष्मीदेवी वर्मा, 'चंद्रिका,' श्रीमती—ज० २९ फरवरी, '२९; शि० कादी एवं नागपुर; ज्ञा० मराठी एवं अँग्रेजी; सा० भूत० संपादिका 'सहेली'

प्र० '४१ में; प्रका० बालो० कवि० लोरियाँ '४५, नन्हें मन्ने '५५, निंदिया रानी '५८, बालगीतांजलि (द्वितीय भाग), अच्छे बालक, चुन्नू मुन्नू, अप्र० बहूरानी (उप०); कवि : 'चंद्रिका' के स्वर, इंद्रधनुष, नारी, एकरात, मेरे गीत, आ री निंदिया, कठपुतली (बालो० कहा०) ; प० द्वारा, श्री अशोक एम० ए०, अरविंद कुटीर, इमामवाड़ा रोड, अजनी, नागपुर ३ ।

लक्ष्मीधर मालवीय, डा०—शि० एम० ए०, पी०एच०डी० प्रयाग वि०वि०, प्रका० स्फुट ; अप्र० महाकवि देव के ग्रंथों का वैज्ञानिक संपादन (शोधग्रंथ); प० ४६२, मालवीयनगर, इलाहाबाद ३ ।

लक्ष्मीनारायण, 'अमर'—ज० १० जनवरी, '२३, फतेहपुर ; शि० मैट्रिक फतेहपुर ; प्रका० अमर वीणा (कवि), नाहर-नेहरू (खंड०); अप्र० दो पुस्तकें, प० २३ ए०, थार्नहिल रोड, इलाहाबाद ।

लक्ष्मीनारायण, 'अलौकिक'—ज० ७ मार्च, '३८, शामगढ़, मंदसौर; ज्ञा० संस्कृत एवं गुजराती ; भा० संपा० मा० 'तपोभूमि' मथुरा, मा० 'मारुति संजीवन' ग्वालियर एवं मा० 'रसायन' दिल्ली; प्र० '५८ में ; प्रका० स्फुट; अप्र० माँ प्रकृति का बुलावा (स्वास्थ्य-संबंधी) एवं चार लेख संग्रह; प० संपादक 'मारुति संजीवन', नूनहाड़, ग्वालियर ।

लक्ष्मीनारायण कुशवाहा—ज० ३ जनवरी, '३१ ; शि० एम० ए० अँग्रेजी, सा०रत्न ; सा० भूत० संपा०-संस्था० : 'नीरजा' ; प्रका० वेदी के दीप (गीत), तात्याटोपे (महा०), वीरांगना कर्मदेवी (खंड०), देंगे खून न देंगे माटी (राष्ट्रीय कवि०), चूड़े की लाज (कहा०); अप्र० स्फुट रचनाओं के दो संग्रह; वि० 'तात्याटोपे' पर उ०प्र० सरकार द्वारा पुरस्कार प्राप्त; प० प्राध्यापक उदयराज हिंदू कालेज, काशीपुर, नैनीताल ।

लक्ष्मीनारायण चतुर्वेदी, 'पूरण'—ज० १८८७ ; शि० नार्मल '१०; सा० अनेक वर्षों तक अध्यापक रहे, अब अवकाशप्राप्त; प्रका० स्फुट; अप्र० कवि० : गदायुद्ध, सावित्री, रुक्मिणी - हरण एवं सात - आठ पुस्तकें ; प० सोनेखेड़ा, भगवंतनगर, उन्नाव ।

लक्ष्मीनारायण चौरसिया—ज० १ अप्रैल, '३६, शि० एम० ए० हिंदी, सागर वि०वि० ; प्र० '५७ में ; प्रका० स्फुट; अप्र० सूर-काव्य में शृंगार, शंकित हूँ सुनयने (गीत०) ; वि० 'कृष्ण - काव्य' पर पी-एच० के लिए शोधकार्य-रत ; प० कटरा, मस्जिद के पास, सागर ।

लक्ष्मीनारायण टंडन, 'प्रेमी,' डा०—ज० '१०, लखनऊ ; शि० बी०ए० '३३ लखनऊ वि०वि०, एम० ए० हिंदी '३८ नागपुर वि वि सा र न ३८

सम्मे० प्रयाग, एन० डी० ; सा० भून० प्राध्यापक : कालीचरण इंटर कालेज लखनऊ, भून०संपा० मा० 'प्रकाश', मा० 'खत्रीहितैषी', पाक्षि० 'पंचपरमेश्वर', पाक्षि० 'होनहार'; प्रका० हृदय ध्वनि (कवि०), रोगी का स्वर्ग (एका०), प्रमुख भारतीय वैज्ञानिक (जीव०), खत्री जाति परिचय (ऐति०), हम अछूत नहीं निर्बल नहीं (नाट०), संयुक्तप्रांत की पहाड़ी यात्राएँ, संयुक्तप्रांत के तीर्थस्थान, प्रमुख भारतीय तीर्थस्थान, ऐतिहासिक लखनऊ; बालो० : करेला रानी, कमासुत नेवला, उड़न खटोला, घोड़े का सवार, लाल बुझक्कड़, मरकहे पंडित, उजबकसिंह, तोंद का टिकट, किराए की अम्मा, साँप से सीख, दो वीर बच्चे, जहर के लड्डू, बौडम बसंत ; आलो० : मातृभाषा के पुजारी हिंदी के प्रतिनिधि कवि, रचना बोध, हिंदी अपठित, नूरजहाँ : समीक्षा, राणाप्रतापसिंह-समीक्षा वत्सराज : एक अध्ययन (लक्ष्मीनाराण मिश्र), मृगनयनी : एक अध्ययन, चित्रलेखा एक अध्ययन, हिंदी गद्य-सौरभ (संक०); आलो० एवं टीका : आधुनिक कवि(महादेवी), नीरजा(महादेवी), आधुनिक कवि (पंत); ग्राम्या (पंत), गुंजन (पंत), लहर, कंकाल, ध्रुवस्वामिनी, आँसू, रागविराग (फिराक), सूरपंचरत्न, भ्रमरगीतसार, अयोध्याकांड, कुरुक्षेत्र, पंचवटी, मेघनादवध, यशोधरा, त्रिवेणी, कीर्तिस्तंभ (हरिकृष्णप्रेमी), ग्रंथि (पंत), भाइयों और बहिनो, संकलिता, साहित्य-भारती, प्रसाद : पंत : रत्नाकर, सराय के बाहर (कृष्णचंद्र), कुणाल-गीत (गुप्तजी), अशोक के फूल; अन्य- जादूगरी, अनु० : क्षयरोग कारण और निवारण, संपा० : नयाचमन - टीका; उप० : पुराने रास्ते : नए मोड़, आँधी के बाद, भाग्य का विधान, बंधन और गति ; अप्र० भोजन तथा प्राकृतिक चिकित्सा, उपवास-चिकित्सा, दुलारे-दोहावली-समीक्षा, अंत्याक्षरी-प्रकाश, राज्यश्री एक अध्ययन, ज्वलंत प्रश्न (निबंध), शेर शायरी, हिंदी निबंध, राजकुमारी केतकी, गुलबकावली के फूल, बच्चो के गीत, चंदामामा, हमारे देवी-देवता, नेताओं की झाँकी, दो रूप (कहा०), मद्य-निषेध (नाट०), महाजन का पत्रा (नाट०), अन्तर्दाह (कवि०), शिमला (यात्रा), भारत के दर्शनीय स्थान, प्रेम का अंतिम मोड़ (उप०), प्रतिभावान (उप०) , प० प्रेमी कुटीर, पंजाबी टोला, राजाबाजार के पास, लखनऊ ।

लक्ष्मीनारायण दुबे, डा०—ज० २७ जून, '३२; शि० हरदा, एम० ए० हिंदी '५६, एम० ए० इतिहास '६० सागर वि०वि०, सा०रत्न (सर्व-प्रथम, एक स्वर्णपदक एवं एक रौप्यपदक प्राप्त), पी-एच० डी० '६२, सागर वि०वि०; सा० भूत प्राध्यापक : मोतीलाल नेहरू उच्चतर माध्य शाला खँडवा '५२

'५४, शासकीय बुनियादी प्रशिक्षणशाला खँडवा '५६-५६, भूत० अध्यक्ष हिं वि० नर्मदा (स्नातक) महाविद्यालय होशंगाबाद '५६-'६०, प्राध्यापक हिं वि० सागर वि-वि० सागर '६० से, प्र० '५३ मे; प्रका० रेवा भूमि का महानमंत स्वामी रामजी बाबा '५८, साहित्य के चरग (आलो०) '६१ वि० 'श्री बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' के काव्य का विशेप अध्ययन' विषय पर पी-एच० डी० उपाधि प्राप्त ; प० सी० १५, पथरियाहिल्स. सागर।

लक्ष्मीनारायण द्विवेदी, कविरत्न, 'श्रीराम'—ज० १८८८; शि० नव्य-व्याकरण मध्यमा, साहित्याचार्य, हिंदीकोविद, ज्योतिर्विद, विद्यालकार; सा० '२७ से संस्कृत के अध्यापक, प्र० '५७ में ; प्रका० सूर्यगतिविज्ञान '५८; अप्र० तर्क-रत्नावली; वि० संस्कृत मे चार काव्य लिखे हैं; विद्याचूडामगि' उपाधि प्राप्त ; प० प्राचार्य, जी० सी० श्रीधर संस्कृत पाठशाला, तिर्वा, फरुखाबाद।

लक्ष्मीनारायण भारतीय—ज० '१७, औरगाबाद ; शि० सा०रत्न सम्मे० प्रयाग, शास्त्री काशी ; सा० भूत० मंत्री प्रातीय हरिजन सेवक संघ एवं सस्ता साहित्य मंडल की वर्धा शाखा, भूत० संगठन मत्री हैदराबाद राष्ट्रभाषाप्रचार सभा, भूत संयोजक सर्वोदय साहित्य संपा० समिति (सर्व सेवासंघ), भूत० संचा० लोकोदय प्रकाशन वर्धा, कार्यकर्त्ता श्रीकृष्ण प्रेस एवं सर्वसेवासंघ वर्धा, निजी सचिव आचार्य विनोबा, प्राध्यापक खादी ग्रामोद्योग कमीशन बंबई, '४२ के आंदोलन में कारावास, भूत० सहसंपा० मा० 'सर्वोदय', भूत० कार्यकारी संपा० : साप्ता० 'भूदानयज्ञ' एवं मा० 'खादीजगत', भूत० संपा० साप्ता० 'सहयोगी' कानपुर ; प्रका० भूदान पर कुछ पुस्तकें, स्फुट निबंध तथा कविताएँ ; स्व० गौरीशंकर हीराचंद ओझा की 'प्राचीन भारतीय लिपि भाषा' का मराठी अनु० ; वर्त० हिंदी सहसंपा०, प्रकाशन विभाग, खादी कमीशन बबई, प १४/३४१, हाउसिंग कालोनी, बरसोवा रोड, बबई।

लक्ष्मीनारायण मिश्र—ज० १९०३, बस्ती, आजमगढ़ ; शि० बी० ए० '२९ काशी वि०वि० ; सा० भूत० अध्यक्ष : अ० भा० हि० सा० सम्मे० हैदराबाद के अंतर्गत साहि० परि० एव प्रातीय हि०सा०सम्मे० बबई, '४३ मे भारत रक्षा कानून के अंतर्गत आजमगढ जेल में बदी, केंद्रीय शिक्षा सचिवालय की ओर से महाराष्ट्र एवं गुजरात राज्य के प्रधान नगरों में एक मास का भाषण-कार्यक्रम, काशी ना० प्र० स० की ओर से आपके साठवें जन्म दिवस पर हीरकजयंती का आयोजन '६२ ; प्र० '२४ में ; प्रका० अतर्जगत (कवि '२४, सेनापति कर्ण (अपूर्ण महा०) ६१ नाटक

अशोक '२६, संन्यासी '३०, राक्षस का मंदिर '३१, मुक्ति का रहस्य '३२, राजयोग '३३, सिंदूर की होली '३३, आधी रात '३६, गरुड़ध्वज '४५, नारद की वीणा '४६, वत्सराज '५०, दशाश्वमेध '५०, अशोकवन (एकां) '५०, कवि भारतेंदु, चक्रव्यूह, वितस्ता की लहरें, मृत्युंजय, वैशाली में वसंत, जगद्गुरु, अपराजित, चित्रकूट, धरती का हृदय आदि २५ नाटक एवं सात एकांकी-संग्रह ; वि० 'गाँधी-अभिनंदन-ग्रंथ' की सभी अँगरेजी कविताओं के अनुवादक, दिल्ली वि०वि० में अनेक भाषण दिये, हिंदी समिति उ०प्र० से प्राय प्रतिवर्ष रचनाएँ पुरस्कृत; प० सम्मेलनमार्ग, प्रयाग।

लक्ष्मीनारायण लाल, डा०—ज० ४ मार्च, '२५, जलालपुर, बस्ती ; शि० एम० ए० हिंदी, पी-एच० डी० '५२ प्रयाग वि०वि०; सा० संस्था०-सचा० नाट्य केंद्र 'स्कूल आफ ड्रैमेटिक आर्ट' प्रयाग ; प्र० '५२ में ; प्रका उप काले फूल का पौधा, बया का घोंसला और साँप, रूपजीवा, बडी चंपा छोटी चंपा ; कहा० सूने आँगन रस बरसै, नये स्वर नई रेखाएँ, नाट० अंधा कुआँ, सुंदर रस, मादा कैक्टस, सूखा सरोवर, तीन आँखों वाली मछली, रातरानी, रक्तकमल ; एकां० ताजमहल के आँसू, पर्वत के पीछे, नाटक बहुरंगी ; वि० उ० प्र० तथा भारत सरकार से अनेक बार पुरस्कृत ; वर्त० प्राध्यापक, हिं० वि०, सी० एम० पी० डिग्री कालेज, प्रयाग ; प० १७, तुलाराम का बाग, प्रयाग।

लक्ष्मीनारायण शर्मा, *'मुकुर'*—ज० ५ जनवरी, '२५, शि० बी० ए० ; प्र० '४२ में , प्रका० चुंबन '५०, 'सुहृद' और उनका काव्य '५२, शंकर-विजय '५३, बिलाड और चूहा '५३, हिंदी व्याकरणसार '६०, शब्दछंद-रसालकार '६२ ; अप्र० जीवन, समय पंख पर (कवि०), ज्योति पंख पर, आलिंगन, हितोपदेश (अनु०), कवि आरसी की काव्यकला (आलो०), मेरे प्रश्न उनके उत्तर, हिंदी व्याकरण आदि नौ-दस पुस्तकें ; प० प्रतिभा प्रेस, बरौनी, मुंगेर।

लक्ष्मीनारायण शर्मा, *'कृपाण'*, *'कवि केहरि'*—ज० १८८६, भिवानी; सा० राजनीतिक आंदोलनों मे कई बार कारावास ; प्रका० शिशुपालवध एवं लगभग चालीस पुस्तकें ; प० प्रधानमंत्री, परशुराम जयंती, सीतापुर।

लक्ष्मीनारायण, *'शोभन'*—ज० ५ अप्रैल, '३८, गुना ; एम० ए० हिंदी ; प्र० '५८ में ; प्रका० स्फुट कविताएँ ; वर्त० अध्यक्ष हिं०वि, हा० से० स्कूल गुना प० नई सड़क, गुना।

लक्ष्मीनारायण श्रीवास्तव—ज० २० दिसंबर, '१३ ; शि० बी० ए०, बी० एड०, विशेषज्ञ बुनियादी शिक्षा, ए० बी० टी० सी० , सा० सहायक जिला कमिश्नर, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स राज० ; प्र० '५० में ; प्रका० बुनियादी शिक्षा रूपक, बालप्रमोद, बालसरल रामायण, बालसरल महाभारत (तीन भाग) तथा अँग्रेजी में दो पुस्तकें , अप्र० तीन-चार पुस्तकें ; प० उपनिरीक्षक, शिक्षणालय, करौली।

लक्ष्मीनारायण, 'सुधांशु', डा०—ज० १५ दिसंबर, १९०६, रूपसपुर, पूर्णिया ; शि० पूर्णिया, भागलपुर; एम० ए० हिंदी '३४ काशी वि वि०, डी० लिट० (सम्मानार्थ) '६२ भागलपुर वि वि० ; सा० सद० : बिहार विधान सभा '४६ से, भूत० प्रधानमंत्री : कांग्रेसदल बिहार विधानसभा '४८, भूत० अध्यक्ष० : पूर्णिया जिला बोर्ड, बिहार प्रदेशीय कांग्रेस कमेटी, आलोचना गोष्ठी, हीरकजयंती काशी ना० प्र० सभा '५४, पूर्णिया कला भवन '५५ एवं ११वाँ वार्षिकोत्सव बिहार राष्ट्रभाषा परि० '६२ ; भूत० सभा० २१वाँ एवं २६वाँ अधिवेशन बिहार हिं०सा० सम्मे०, भूत० प्राचार्य हिंदी विद्यापीठ देवघर '३५-'३८, हिंदी विश्वकोश के परामर्शदाता, '४८ में बिहार राष्ट्रभाषा परि० की परिकल्पना तथा बिहार विधानसभा में एक विधेयक द्वारा स्था०, राजनैतिक आंदोलनों में सक्रिय भाग तथा दो बार कारावास, भूत० संपा० 'साहित्य' (बिहार हिं०सा० सम्मे०), मा० 'अवंतिका' (पटना) '५३-'५६, कांग्रेस अभिज्ञान (अ० भा० राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी के ३७वें अधिवेशन पर), हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास के आलो० भाग के संपा० ; प्रका० भ्रातृप्रेम '२७, रस-रंग, गुलाब की कलियाँ (कहा०), वियोग (गद्यकाव्य), काव्य में अभिव्यंजनावाद, जीवन के तत्व तथा काव्य के सिद्धांत (समीक्षा) ; अप्र० चार लेख-संग्रह ; प० (१) रूपसपुर, पूर्णिया। (२) अध्यक्ष विधानसभा, सचिवालय, पटना।

लक्ष्मीनिधि चतुर्वेदी—ज० १९०२ ; शि० मैनपुरी, एम० ए० हिंदी, सा०रत्न, शास्त्री वाराणसी, 'आनर्स इन हिंदी' पंजाब, कविरत्न इंदौर, (जगन्नाथप्रसाद शुक्ल पदक प्राप्त); सा० सम्मे० प्रयाग की ओर से ढाई वर्ष तक मद्रास में हिंदी-प्रचार-कार्य किया, भूत० प्राध्यापक : मधुसूदन विद्यालय इंटर कालेज एवं आजकल उपप्राचार्य; भूत० सहसंपा० 'खिलौना' प्रयाग; प्रका० संपा० : महाकवि देव का भावविलास, महाकवि केशव की कविप्रिया, महाकवि केशव की रसिकप्रिया, बिहारी-सतसई, रहीम-रत्नावली, वृन्द-सतसई, नंददास-रत्नावली, रहिमन-नीतिदोहावली, प्रियप्रवास की टीका

तथा समालोचना, भूषण-शिवाबावनी, ब्रज-माधुरीसार-टीका-समीक्षा; मौलिक : रमेशचंद्रदत्त, स्वामी विवेकानंद, भारतेंदु हरिश्चंद्र, जगदीश चंद्र बोस, भगवान रामचंद्र, महाराज पृथ्वीराज, नल-दमयंती, सत्यवान-सावित्री, हिंदी व्याकरण और रचना (तीन भाग), अंतिम परिणाम, विशारद प्रश्नोत्तरी, सोने का बाला (उप०, अनु०); बालो० : भैया सिंह (कवि०), फुर-फुर-फुर (कहा०), रसगुल्ला, समोसा; अप्र० 'सोमनाथ : उनका व्यक्तित्व तथा काव्य'; प० उपप्राचार्य, मधुसूदनविद्यालय इंटर कालेज, सुल्तानपुर।

लक्ष्मीप्रसाद मिश्र, 'कविहृदय'—ज० १२ जनवरी, '१३; शि० एम०ए०, बी० एड० सागर वि०वि०; प्र० '३७ में; प्रका० गढ़पैरा; अप्र० सुधार के पथ पर (उप०), खंडित प्रतिमा (कहा०), जीवनदीप (कवि०), विश्वघट (निबंध), पद्यकथामंजरी (बालो०), प० शुक्रवारी टौरी, सागर।

लक्ष्मीप्रसाद मिस्त्री, 'रमा'—ज० ४ अक्टूबर, १८८७, शि० साहि० धुरीण अयोध्या, कविरत्न; ज्ञा० अँगरेजी, बँगला, गुजराती एवं गुरुमुखी; मा० सद० : हिंदी लेखक संघ प्रयाग, अ०भा० कांग्रेस कोशल प्रांत, प्र०'१२ में; प्रका० बधुवियोग, श्रीरेवामाहात्म्य, स्तुति-प्रबंध, प्रेमशतक, गऊ-पुकार, दृष्टांतमाला, प्रभाती-संग्रह, प्रेम-प्रबंध, लावनी और चौदह रत्न, काल का चक्र, राजकुमारी ऊषा (सभी '१४-'२० तक मुद्रित), वास्तुकार क्षत्रिय-वंश-दिवाकर, श्रीगाँधी-श्रद्धांजलि, महिला-गायन, फाग-संग्रह, हरिराम संग्रह ('४८-'५१ तक मुद्रित); अप्र० साहित्य-पूर्णिमा, आलोचनाद्वादशी, कोकिला, लावनी-लक्ष्मी-विलास, 'साहित्यकारों के संस्मरण, पद्यप्रबंध, सफलता-रहस्य, लोकगीतांजलि, केशव, महाकवि पद्माकर, साहित्य-वाटिका, मेरी गया-यात्रा, साहित्यिक हास-विलास; वि० अनेक स्फुट पुरस्कार एवं प्रशंसापत्र प्राप्त; प० रमा-निवास, हटा, दमोह।

लक्ष्मीशंकर त्रिवेदी—ज० १ दिसंबर, '१८; शि० संस्कृतमध्यमा, सा० रत्न, एल० टी०, सा० सद० : साहि० सभा सोहाव, अध्यक्ष : अंतर्ग्रामीण सुहृदय साहि० गोष्ठी बलिया, प्रचारमंत्री : हिंदी प्र० सभा० बलिया, अ०भा० भोजपुरी सम्मे० बक्सर, व्यवस्थापक स्थानीय छात्रपुस्तकालय, व्यक्तिगत सत्याग्रह '३९-'४० मे छह मास का कारावास, '४२ के आंदोलन में तीन वर्ष का कारावास, संयोजक : गड़हा शहीद स्मारक, सहसंपा० 'विहान' बलिया, अनेक पत्रों के संवाददाता; प्र० '५७ में; प्रका० मधुरिमा, सोने की आँधी, आकाश-पाताल, धरातल, कुसुम (यंत्रस्थ); अप्र० दो पुस्तकें; प० प्राध्यापक, श्री अक्रूराय चौधरी उ०मा०वि०, चौरा, बलिया।

लक्ष्मीशंकर, 'दधीच'—ज० १६ सितंबर, '३१; शि० बी० काम ; मा० भारतेंदु समिति कोटा में कार्य; प्र० '६० में; प्रका० स्फुट; अप्र० दो संग्रह; वि० हाड़ौती लोकभाषा में भी लिखते हैं ; वर्त० प्राध्यापक, राजकीय उच्चतर माध्यमिक शाला, बूँदी ; प० सोत्यापाडा, बूँदी ।

लक्ष्मीशंकर मि श्र 'निशंक'—ज० १ सितंबर, '१८, भगवंतनगर, हरदोई; शि० एम० ए० हिंदी, सा०रत्न; सा० हिंदी सेवा संघ, शतदल तथा अवध साहि० परि० में सक्रिय सहयोग ; प्र० '४२ में ; प्रका० सिद्धार्थ का गृह-त्याग (खंड०), शतदल (काव्य०); अप्र० एक गीत एवं एक निबंध-संग्रह; वि० 'शतदल' पर उ०प्र० सरकार द्वारा ५००) का पुरस्कार '५३ में प्राप्त, लखनऊ वि०वि० की पी-एच० डी० उपाधि के लिए शोधकार्य-रत ; प० प्राध्यापक, हिं०वि०, कान्यकुब्ज डिग्री कालेज, लखनऊ ।

लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, डा०—ज० १५ नवंबर, '१४ ; शि० एम० ए०, डी० फिल०, डी० लिट० प्रयाग वि०वि० , सा० सद० : कार्यकारिणी उ०प्र० हिं०सा०सम्मे०, साहि०मंत्री एवं कोषाध्यक्ष : भा० हिंदी परि०, कोषाध्यक्ष : प्रयाग वि०वि० यूनियन, सीमांत रक्षा-सहायता-समिति प्रयाग वि०वि०, अध्यक्ष : 'बोर्ड आफ स्टडीज' एवं 'डायमंड जुबिली छात्रावास', सभा० : बुन्देलखंड हिंदी परि० की साहि० परि० '५६, अ०भा० हिं सा०सम्मे० द्वारा संचालित साहि० विद्यालय के गत १४ वर्षों से प्रधानाचार्य ; प्र० '४१ में ; प्रका० आधुनिक हिंदी साहित्य (१८५०-१९००) '४१, (तृतीयसंस्करण) '५४, फोर्ट विलियम कालेज '४७,भारतेंदु की विचारधारा '४८,साहित्य-चिंतन '४९, भारतीय वाङ्मय (दो भाग) '५१, भारतेंदु हरिश्चंद्र '५१, हिंदी साहित्य का इतिहास '५२, आधुनिक हिंदी साहित्य की भूमिका (१७५७-१८५७) '५२, हिन्दुई साहित्य का इतिहास (अनु०), भारत-दुर्दशा '५३, चंद्रावली नाटिका '५३, निबंध-नवनीत '५७, प्राचीन हिंदी पत्र-संग्रह '५९, भारतीय आर्यभाषा (अनु०) '६२, उन्नीसवीं शताब्दी '६३, हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास के तीन अध्याय, ज्ञानमंडल काशी द्वारा प्रकाशित 'साहित्य-कोश' के दोनों खंडों में इतिहास, आलोचना तथा प्रेमचंद, सुदर्शन आदि पर टिप्पणियाँ; अप्र० शोध-निबंधों के दो संग्रह; वि० 'भारतेंदु हरिश्चंद्र' पर उ०प्र० सरकार से १०००) का पुरस्कार प्राप्त, 'पश्चिमी आलोचनाशास्त्र एवं प्रेमचंद' पर लेखन-रत ; प० प्राध्यापक, हिं०वि०, वि०वि०, प्रयाग ।

ललन पांडेय—ज० १९०६, दौलतगंज, छपरा ; शि० मध्यमा, साहित्याचार्य, पुराणाचार्य, साहित्यालंकार देवघर ; सा० भूत० प्रधानमंत्री

बिहार प्रांतीय संस्कृत साहि०सम्मे०, बिहारराज्य सनातनधर्म प्रतिनिधिसभा, भूत० मंत्री : विनोदपरि०, बिहार प्रांतीय विद्वत्परि०, बिहार प्रांतीय देवभाषा परि०; भूत० कोषाध्यक्ष बिहारराज्य श्रमजीवी पत्रकारसंघ, भूत प्रधानाध्यापक : यादव क्षत्रिय हाई स्कूल खोदाईबाग सारन, श्रीवैद्यनाथ आयुर्वेद भवन पटना के पंचांग, मा० किशोर' एवं दै० 'आर्यावर्त' के संपादकीय विभाग में कार्य किया; प्रका० श्रीकृष्ण और सत्यभामा, गंगास्नान-महिमा; अप्र० दो लेख-संग्रह; वि० अनेक अभिनंदन-ग्रंथो में शोधपूर्ण निबंध संकलित: वर्त० प्रधान प्रूफ संशोधक, दै० 'आर्यावर्त,' पटना , प० दुजरा, पटना १।

ललित किशोर सिन्हा—ज० १ जनवरी, '३४ ; शि० बी० ए० ; सा० संस्था० : रूप और रस, पटना ; प्रका० स्फुट कहानियाँ, निबंध एवं नाटक ; अप्र० आजादी की वर्षगाँठ ; प० रेनुका, आलमगंज, पटना ।

ललितकुमार मुखर्जी, डा०—ज० २८ नवबर, १९०६, प्रयाग ; शि० बी० एस-सी० आनर्स प्रयाग वि०वि०, बी० एड० रंगून वि०वि०, एम० ए अँग्रेजी, आगरा वि०वि०, पी-एच० डी० लखनऊ वि०वि०, '५६ में फुलब्राइट फेलोशिप प्राप्त कर इंग्लैंड और अमेरिका में अध्ययन, 'सर्टीफिकेट इन इंटरनेशनल एजुकेशन' (हारवर्ड) तथा 'सर्टीफिकेट इन एजुकेशनल मेजरमेंट (वाशिंगटन) प्राप्त ; सा० भूत मंत्री प्रचार विभाग उ०प्र० माध्यमिक शिक्षकसंघ '४२, 'टीचर्स ट्रेनिंग सेक्शन आल इंडिया फेडरेशन आफ एजुकेशनल ऐसोसिएशन' गत ६ वर्ष तक, '५८ तथा '६० मे यूनेस्को के प्रतिनिधि बनकर 'क्रास कल्चरल रिसर्च इन चाइल्ड साइकोलोजी' में कार्य करने के लिए बैंकाक गए तथा आजकल युनेस्को के विशेषज्ञ रूप में (मेथाडालोजी एक्सपर्ट) ब्राजील गए हैं वर्त० प्राध्यापक शिक्षाविभाग, लखनऊ वि०वि०, अवै०-संपा० मा० 'एजुकेशन' ; प्र० '४३ में ; प्रका० इतिहास के पूर्व, आविष्कारो की कहानी, तुलनात्मक शिक्षा-व्यवस्था, शिक्षा मनोविज्ञान की रूपरेखा, शिक्षालय मनोविज्ञान में संख्या शास्त्र (सहलेखक) तथा अँग्रेजी में सात पुस्तकें ; अप्र० चार ग्रन्थ ; प० अबिकाप्रसाद लेन, शिवाजी मार्ग, लखनऊ ।

ललितमोहन अवस्थी—ज० २९ जुलाई, '२३ अकबरपुर, कानपुर ; शि० एम० ए० हिंदी तथा अर्थशास्त्र, आगरा वि०वि०, एल० टी०, शोधछात्र; सा० सद० ' स्टेट सेक्रेटेरियट उ०प्र० 'पीस कौंसिल', उ०प्र० 'सेकेंडरी स्कूल टीचर्स ऐसोसिएशन', 'नेशनल कौंसिल', 'इंडियन राइटर्स कमेटी फार ऐफ्रो एशियन सालिडेरिटी', 'इंडियन राइटर्स प्रिपेयरेटरी कमेटी फार वर्ल्ड

कांग्रेस फार पीस ऐंड डिसआर्मामेंट, जनपद साहि॰ सम्मे॰, कार्यकारिणी समिति, 'भारत एकाउट्स ऐंड गाइड्स, कानपुर, सभा 'प्रोग्रेसिव राइटर्स एसोसिएशन' कानपुर, 'यूथ कल्चरल सोसाइटी कानपुर', मन्त्री . चेतना कानपुर, सहमंत्री 'इंडियन पीपुल्स थियेट्रिकल ऐसोसिएशन' उ॰प्र॰, भूत॰ संयोजक नीहारिका, भूत॰ सह-संपा॰ दै॰ 'वीरभारत' कानपुर, साप्ता॰ 'जनयुग' लखनऊ ; प्र॰ '४२ मे , प्रका॰ आज के कवि (आलो॰). भोर का राही (कहा॰), अधजला सिगार (कहा॰), विविधा (निबंध), ग्राम्य अर्थशास्त्र '५६, सट्टा और साहित्य, हिंदी साहित्य मे भ्रष्टाचार आत्मप्रचार और आत्मविज्ञापन ; वर्त॰ अध्यक्ष हि॰वि॰, बी॰ एन॰ एस॰ डी॰ कालेज, कानपुर , प॰ ३६/१७, राममोहन का हाता, कानपुर ।

ललिताचरण गोस्वामी—ज॰ १९०७, वृन्दावन ; शि॰ बी॰ ए॰ '२९, एल-एल॰ बी॰ कानपुर ; सा॰ संस्था॰ वेणु-प्रकाशन ; प्र॰ '२५ में , प्रका॰ यवनोद्धारनाटिका '२५, श्रीहितहरिवंश गोस्वामी : संप्रदाय और साहित्य '५७, संपा॰ रसिक अनन्य-माल, हितचतुराशी और फुटकर वाणी ; अप्र॰ दो एकाकी एवं एक लेख-संग्रह ; 'श्रीहित हरिवंश गोस्वामी : संप्रदाय और साहित्य' उ॰ प्र॰ शासन द्वारा पुरस्कृत, 'राधावल्लभीय साहित्य' विषय पर शोधकार्य-रत ; प॰ बडवाला मोहल्ला, वृन्दावन ।

ललितेश्वर झा, डा०—ज॰ १५ सितंबर, '२६, कलिगाँव, दरभगा ; शि॰ बी॰ ए॰ आनर्स '५० पटना वि॰वि॰, एम॰ ए॰ (प्रथम, प्रथम) '५२ एवं पी-एच॰ डी॰ '५५ लखनऊ वि॰वि॰ ; सा॰ २ अगस्त '५६ से रामकृष्ण महाविद्यालय मे हिंदी-प्राध्यापक ; प्र॰ '५४ मे ; प्रका॰ साहेब रामदास की पदावली '५५, लक्ष्मीनाथ की पदावली '५७, मैथिली का कृष्णकाव्य : एक अध्ययन (शोधग्रंथ) '६३ ; अप्र॰ कवीश्वर चंदा झा, कवीश्वर चदा झा (मैथिली), लक्ष्मीनिवास ग्रन्थावली (दो भाग), साहेबराम वचनावली एवं दो आलो॰ लेख-संग्रह ; वि॰ 'मिथिला के सत कवियो' पर डी॰ लिट्॰ के लिए शोधकार्य-रत ; प॰ रामकृष्ण महाविद्यालय, मधुबनी, दरभगा ।

ललितेश्वर मल्लिक—ज॰ २० अगस्त, १९०८ ; शि॰ बी॰ एस-सी॰ '३० भागलपुर, बी॰ ए॰ ; सा॰ मद॰ : जिला कांग्रेस कमेटी एवं कार्यसमिति, अध्यक्ष : सहरसा जिला पंचायत परि॰, भारत सेवकसमाज सहरसा, जिला कोसी-निर्माणसमिति आदि; उपाध्यक्ष : सहरसा जिला हि॰सा॰सम्मे॰, सहरसा जिला मैथिली साहि॰ परि॰ · प्रका काँके '४९ पगली (कहा॰) '५२ कोसी

'५३, सप्त-कोसी '६१, कोसी लोकगीत '६१, डायन (मैथिली उप०) ; अप्र० कोसी मानव (उप०), कोसी गीतांजलि (गद्यकाव्य) ; प० बड़गाँव, सहरसा ।

ललनप्रसाद व्यास—ज० '३३ ; शि० एम० ए० हिंदी, बी० काम०, सा० भूत०सहसंपा० दै० 'स्वतंत्रभारत' लखनऊ '५६, भूत० संपा० दै० 'तरुण-भारत' लखनऊ '६१, संपा० मा० 'ज्ञानभारती' लखनऊ '६२ से ; प्र० '५३ में ; प्रका० लगभग ५०० लेख एवं कहानियाँ ; प० आर्यनगर, लखनऊ ।

लाखनसिंह भदौरिया,'शैलेंद्र'—ज० ३ अगस्त, '२८, बरौली, इटावा; शि० साहित्यालंकार '५५, इंटर '६० मैनपुरी ; सा० भूत० व्यवस्थापक : 'आस्था' मैनपुरी, पंजाब हिंदी आंदोलन में छह मास का कारावास ; प्रका० स्फुट ; अप्र० माटी और मुक्तक (कवि०) एवं दो संग्रह ; प० प्राध्यापक, प्रेम पाठशाला, भोजपुरा, मैनपुरी ।

लालचंद्र, 'सलज'—ज० २ जुलाई, '३४ ; शि० एम० ए० '६१, एल० टी० ; प्र० '५५ में ; प्रका० स्फुट गीत एवं लेख, वि० 'गाये अनगाये स्वर' के एक कवि; प० प्राध्यापक हिं०वि०, श्रीवर्णीजैन इंटरकालेज, ललितपुर ।

लालजीराम शुक्ल—ज० १७ अप्रैल, १९०४, बाचावानी, होशंगाबाद; शि० एम० ए० दर्शनशास्त्र '३१, बी० टी०, काशी वि०वि० (सभी परीक्षाओं में प्रथम श्रेणी एवं बिरला छात्रवृत्ति प्राप्त) ; सा० संस्था० काशी मनोविज्ञानशाला '५१, भूत०फेलो : 'इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ फिलासफी', महात्मा गाँधी के असहयोग आंदोलन में पाँच वर्ष तक कार्य ; प्रका० बाल-मनोविज्ञान '४०, 'एलीमेंट्स आफ एजुकेशनल साइकोलाजी' (अँगरेजी) '४१, बालमनोविकास '४३, सरलमनोविज्ञान '४५, नवीन मनोविज्ञान '४५, शिक्षामनोविज्ञान तथा नवीन मनोविज्ञान और शिक्षा '४६, नीतिशास्त्र '४७, मानसिक चिकित्सा '४८, बालशिक्षण '४९, मानसिक आरोग्य '५०, समाज विकास '५१, आधुनिक मनोविज्ञान '५२, मनोविज्ञान और जीवन '५३, मनोविज्ञान और आरोग्य '५४, नई मानसिक चिकित्सा '५८, मनोवैज्ञानिक चिंतन '६१ ; अप्र० मनोविज्ञान-संबंधी दो हिंदी एवं तीन अँग्रेजी पुस्तकें; वि० 'मानसिक चिकित्सा' तथा 'नीतिशास्त्र' पर उ०प्र० सरकार से एवं 'बालमनोविज्ञान' तथा 'मनोविज्ञान और जीवन' पर काशी ना०प्र०स० से बिरला पुरस्कार प्राप्त; वर्त० प्राध्यापक, टीचर्स ट्रेनिंग कालेज, काशी वि०वि०; प० ६१/२१ डी०, सिद्धिगिरि बाग, वाराणसी ।

ललताप्रसाद सक्सेना, डा०—ज० ३ जनवरी, '२४ ; शि० बिसवाँ, ओयल, एम० ए० (प्रथम), पी-एच० डी० लखनऊ वि०वि० ; प्रका० हिंदी काव्य

में मानव तथा प्रकृति '६२ ; अप्र० नाटककार प्रसाद और उनका चंद्रगुप्त, प्रयोगवाद और उसका भविष्य, साहित्यिक निबंध, भाषा विज्ञान और हिंदी ; वि० 'हिंदी महाकाव्यों में मनोवैज्ञानिक तत्व' विषय पर डी० लिट० के लिए शोधकार्य-रत ; वर्त० प्राध्यापक हिंदी स्नातकोत्तर विभाग, राज० वि० वि०, जयपुर ; प० बी०/१८२।ए, मंगलमार्ग, बापूनगर, जयपुर।

लालबहादुर सिंह, 'चौहान'—सा० भूत० संपा० मा० 'दीर्घायु' एवं मा० 'रूप' ; प्रका० दो पुस्तकें ; अप्र० चिकित्सा-संबंधी दस-ग्यारह पुस्तकें ; प० जनता क्लिनिक, १६ बी।१४ प्यारेलाल रोड, देवनगर, नई दिल्ली।

लालसिंह ज्ञानी—ज० '१६, बहुर, फीरोजपुर, शि० एम० ए० राजनीतिशास्त्र तथा पंजाबी ; सा० सद० : कार्यकारिणी (सेनेट) एवं सिंडीकेट पंजाब वि० वि० पटियाला, पंजाबी भाषा उपसमिति एवं पंचनदीय संस्कृत साहि० सम्मे० ; उपप्रधान : केंद्रीय लिखारी सभा, पंजाबी समीक्षा बोर्ड, पंजाबी साहि० अकेडमी एवं पंजाबी लेखकसभा ; मंत्री शिरोमणी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, भूत० उपप्राचार्य : सिख मिशिनरी कालेज अमृतसर, पटियाला राज्य में शिक्षा विभाग के अन्तर्गत पंजाबी अनुभाग के सहायक विशेषाधिकारी ; प्रका० साम्प्रदायिक एकता '५५, पंजाब का इतिहास '५६, सामाजिक शिक्षा, नागरिकता तथा चार पुस्तकें पंजाबी में एवं दो पुस्तकें अँगरेजी में ; प० महानिदेशक, पंजाब भाषा विभाग, पटियाला।

लीलाधर शर्मा, 'पर्वतीय'—ज० ५ सितंबर, '२१ ; शि० शास्त्री काशी ; सा० '३४ से काँग्रेस के सक्रिय कार्यकर्त्ता, '४० में फरुखाबाद में २३ मास का कारावास, '४२ के आंदोलन में भाग लेने के कारण आपको बंदी बनाने के लिए ५०००) का पुरस्कार घोषित किया गया तथा '४५ तक नैनी सेंट्रल जेल में नजरबंद, दै० 'संसार' वाराणसी के संपादकीय विभाग में सहसंपा० एवं समाचार-संपा० के पद पर कार्य '४६-'५०, भूत० संपा० साप्ता० 'नयाभारत' लखनऊ '५० एवं 'उ० प्र० पंचायती राज्य' '५३ ; प्रका० संयुक्त राष्ट्रसंघ, हमारी खाद्य-समस्या, अहिंसा (संपा०) तथा लगभग ३० स्फुट निबंध ; वर्त० सहायक सूचना निदेशक उ० प्र० सरकार, लखनऊ ; प० भद्रलोक, २३४ राजेंद्रनगर, लखनऊ।

लोकमान्य द्विवेदी सिलाकारी—ज० १९०४, रामपुरा, सागर ; शि० प्रयाग, इंटर ; सा० भूत० संपा० 'भृगु' दो वर्ष तक, 'प्रेमा' का शृंगाररस अंक '३२ ; प्र० '३० में ; प्रका० वीरज्योति (नाट०) '३६, दुलारे-दोहावली की भूमिका० '३४, बिहारी-दर्शन '३६ ; हिंदी व्याकरण कौमुदी ; अप्र० मध्य

प्रांतीय हिंदी साहित्य का इतिहास, विश्वकवि तुलसीदास, हरदौल नाटक, बुन्देली भाषा का उद्‌भव और विकास तथा आलो० निबंध ; वि० 'विहारी-दर्शन' पर चक्रधर पुरस्कार प्राप्त एव ओरछा नरेश से २०००) प्राप्त, 'विश्वकवि तुलसीदास' पर ओरछा-नरेश से ५०००) का पुरस्कार प्राप्त , वर्त० सागर वि वि० के अंतर्गत हिं वि० में बुंदेलखंडी भाषा पर कार्य कर रहे हैं ; प० हिं वि०, वि०वि०, सागर।

वंशीधर मिश्र –ज० २ जनवरी, १९०२ ; शि० एम० ए०, एल-एल० बी०, सा०रत्न ; सा० भूत० सद : विधान परि० दिल्ली, उ० प्र० लेजिस्लेटिव असेंबली, भा० संविधान के एक हस्ताक्षरकर्त्ता, सद० : विधानसभा लखनऊ, भूत मंत्री, प्रधानमंत्री एवं उपाध्यक्ष उ० प्र० कांग्रेस कमेटी भूत० अध्यक्ष : नगरपालिका लखीमपुर, अध्यक्ष : उ० प्र० किसानसंघ, जिला किसानसंघ, जिला कांग्रेस कमेटी एवं गाधी विद्यालय ; २९ वर्षों तक कांग्रेस मे कार्य एवं राष्ट्रीय आंदोलनों में आठ बार कारावास, भूत०संपा० 'लोकमत' एवं साप्ता० 'जनसेवक' (लखीमपुर) ; प्रका० गणित-चमत्कार, सुगृहिणी, हुक्का हुवा, अजब देश, आओ नंगे रहें, हँसे-हँसाएँ , वर्त० एम० एल० ए० ; प० (१) १४८, राजेंद्रनगर, लखनऊ। (२) लखीमपुर, खीरी।

वचनदेव कुमार, डा०—ज० १ जनवरी, '३४, मुनिअघा, मुंगेर ; शि० बी० ए० आनर्स '५३ भागलपुर, एम० ए० हिंदी '५६, पी-एच० डी० '६२ पटना वि० वि० ; प्र० '५६ में ; प्रका० आगत-अनागत (कवि०) '५८, ईहामृग '६२ ; अप्र० ओ अजन्मा सुनो (कवि०), रेखाएँ बोलती हैं (कहा०), चिंतन के धागे (आलो० निबंध), दो आरजू में कट गये दो इंतजार में (उप०), तुलसी के भक्त्यात्मक गीत · विशेषतः विनयपत्रिका (शोधप्रबंध) ; अप्र० दो लेख-कविता-संग्रह , प० प्राध्यापक, हिं० वि०, पटना कालेज, पटना।

वसंतनारायण व्यास, 'ऋतुराज', डा०—ज० '१६ ; शि० एम० बी० बी० एस० ; सा० भूत० प्राध्यापक, मेडिकल कालेज आगरा ; प्र० '३६ में ; प्रका० स्फुट गीत; अप्र० वसुन्धरा, अनुराधा; प० बसंत क्लीनिक, ललितपुर।

वागीश्वरप्रसाद सिंह—ज० १९०८ ; शि० बी० ए० भागलपुर ; प्र० '६१ में; प्रका० कल्पना (कवि०) '६१; अप्र० कवि० : जवानी, त्रिलवित मंजरी एवं दो कहा० संक० ; प० बंगरहटा, दरभंगा।

वागीश्वर विद्यालंकार—ज० १५ जून, १८९६ ; शि० विद्यालकार '१९ गु०कां वि०वि, साहित्याचार्य '२९ काशी, एम० ए० '५२ आगरा वि०वि० सा० भूत० अध्यक्ष हिं० वि० तथा पुस्तकालय एवं रजिस्ट्रार गु०कां०वि०वि०

'२०-'५९ तक ; प्र० २० में ; प्रका० कुंदमाला नाटक (संस्कृत का हिंदी अनु०) '३०, नीराजना (कवि०) '३७, शकुंतला (कालिदास का हिंदी अनु०) '६१, कालिदास और उनकी कला, संस्कृत की कई पाठ्य पुस्तकें ; अप्र० कविताओं एवं लेखों के चार संग्रह ; वि० स्फुट पुरस्कार प्राप्त ; प० १०९५, राजा अग्रसेन की गली, सीताराम बाजार, दिल्ली ।

वामदेव तैलंग, राजगुरु—ज० १९०७ ; शि० मैट्रिक, हिंदी विशारद, चित्रकलारत्न ; सा० साहि०मंत्री वीरेंद्र केशव साहित्य परि० टीकमगढ़ ; प्र० '३३ में ; प्रका० बुन्देलखंड के तैलंगकवि '३३, बुन्देलखंड की चित्रकला '४१, शतरंग-विनोद '४२, ओरछा के शिकारी '४७, जगद्गुरु वल्लभाचार्य जी और ओरछा का द्वितीय कनकाभिषेक '४५, बुन्देलखंडी चित्रकला पर मुगल चित्रकला का प्रभाव '५८ ; प० भट्टजी की बगीची, हनुमानघाटी, पुलिस चौकी के पास, सिंधे की छावनी, लश्कर ।

वाल्मीकि ऋषीश्वर—ज० २९ जुलाई, '२७ ; शि० एम० ए० हिंदी तथा अर्थशास्त्र ; सा० 'प्रताप', 'नवयुवक' एवं 'बालसेवा' के संपादन में 'श्याम चाचा' नाम से सहयोग प्र० '४५ में ; प्रका० स्फुट कहानियाँ, कविताएँ आदि अप्र० कौन (काव्य) ; वि० 'कृष्ण-कथा का स्वरूप : हिंदी काव्य के परिवेश में' विषय पर शोधकार्य ; प० अध्यक्ष हिं०वि०, वर्णी कालेज, ललितपुर, झाँसी ।

वाल्मीकि त्रिपाठी—ज० २४ जुलाई, '३४ ; शि० बी०ए०, एल० टी० कानपुर ; प्र० '५९ में; प्रका० ऐतिहासिक उप० : जहाँदारशाह '५९, विकलांग ६०, प्रजाप्रिय प्रजेश '६१, ईडर का राजकुमार '६२, उपेक्षिता (सामा० उप०) '६०, शिक्षालय संगठन के सिद्धांत '६० , अप्र० स्फुट रचनाओं के दो संग्रह एवं दो उप० ; प० १०४/०/२१५, रामबाग, कानपुर ।

वासुदेव उपाध्याय, डा०—ज० '१२ ; शि० एम० ए०, पी-एच० डी० काशी वि०वि० ; सा० सद० : स्थायी समिति सम्मे० प्रयाग, 'बिहार रिसर्च सोसाइटी' पटना, संस्कृत संजीवन समाज पटना; भूत० सभा० : इतिहास खंड सम्मेलन प्रयाग ; प्र० '३८ में , प्रका० गुप्तसाम्राज्य का इतिहास (२ भाग) '३८, विजयनगर साम्राज्य का इतिहास, भारतीय गौरव, पूर्वमध्य कालीन भारत, भारतीय सिक्के, भारत के प्राचीन ग्राम, प्राचीन भारतीय अभिलेखों का अध्ययन तथा अँग्रेजी में एक पुस्तक ; अप्र० अनेक ऐति० लेखों के चार संग्रह ; वर्त० प्राध्यापक, प्राचीन इतिहास एवं संस्कृति विभाग, पटना वि० वि० ; प० राजेंद्र नगर, पटना—४ ।

वासुदेव गोस्वामी—ज० १८ अप्रैल, '१४, दतिया ; शि० इंटर कामर्स, प्रका० भक्तकवि व्यास जी (शोधग्रन्थ), हरिराम व्यास, उडते छीटे (हास्य कवि०), बुद्धि के ठेकेदार (निबंध), विद्रोही कानपुर (राजामरदानसिंह की जीवनी), केनोपनिषद (हिंदी पद्यानुवाद), बुद्धदेव (खंड०), त्रिवेणी के संगम पर (कवि०), करीलकुंज, दशमिक वेतनतालिका, आदर्श व्याज गणक, जातक कहानियाँ (सहलेखक), उठो वीर संतान '६२ तथा अँगरेजी मे दो पुस्तके ; वि० उ० प्र० शासन से उडते छीटे' तथा 'बुद्धि के ठेकेदार', विध्यप्रदेश शासन से 'भक्तकवि व्यास जी', 'बुद्धि के ठेकेदार', 'विद्रोही कानपुर' तथा राज० सरकार से 'बुद्धदेव' पुरस्कृत , वर्त० सुपरिंटेंडट एकाउटेंट जनरल कार्यालय, मोतीमहल, ग्वालियर ; प० कुंजनपुरा, दतिया।

वासुदेव नंदन प्रसाद—ज० २ मार्च, '२५; शि० बी०ए० आनर्स '४५ बी० एन० कालेज पटना, एम० ए० हिदी '४७, पी-एच० डी० '६१ पटना वि० वि० , सा० भूत० सभा० हि०सा० सम्मे० पटना '४५-'४७ एवं संगम '४९-'५०, भूत०संपा० मा० 'चाँदनी' '४७-'४८ एवं मा० 'जनता की आवाज' '५२-'५३ , प्र० '४५ मे ; प्रका० यशोधरा : एक समीक्षा '४८, ऐतिहासिक कहानियाँ '४९, सत्य हरिश्चन्द्र की टीका '५०, हुंकार-समीक्षा '५१, पंत की काव्य चेतना में गुंजन' '५१, विचार और निष्कर्ष '५२, हिदी कहानी और कहानीकार '५३, आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना '५५, सोहराब और रुस्तम (अनु० मैथ्यू आर्नल्ड '५४), 'हैपीलन' (अनु०) '५४, अजलिका (संपा०); अप्र० भारतेंदु युग का नाट्य साहित्य और रगमच (शोधग्रंथ) एवं आलो० लेखों के चार संग्रह ; प० अध्यक्ष हिं० वि०, गया कालेज, गया।

वासुदेवशरण अग्रवाल, डा०—ज० १९०४ ; शि० एम० ए०, पी०-एच० डी०, डो० लिट० ; सा० भूत० संग्रहाध्यक्ष मथुरापुरातत्व संग्रहालय '३१-'३९, लखनऊ 'प्राविंशियल म्यूजियम' '४०-'४५, नई दिल्ली 'सेंट्रल एशियन एंटिक्विटीज म्यूजियम' '४६-'५१, प्राध्यापक कला एवं स्थापत्य विभाग काशी वि०वि० '५१ से ; प्रका० उरुज्योति, पृथ्वीपुत्र, कल्पवृक्ष, मातृभूमि, कला और संस्कृति, वेदविद्या, पाणिनि कालीन भारतवर्ष, हर्ष चरित : एक सास्कृतिक अध्ययन, कादंबरी : एक सांस्कृतिक अध्ययन, जायसी-कृत पद्मावत की संजीवनी टीका, मेघदूत, दिव्यावदान, मार्कंडेय पुराण : एक सास्कृतिक अध्ययन, चतुर्भाणी ; अप्र० प्राचीन भारतीय संस्कृति, इतिहास, संस्कृत भाषा और साहित्य, जनपदीय साहित्य, लोकवार्ता, मुद्राशास्त्र, मध्यकालीन हिंदी साहित्य आदि स सबधित शताधिक लेखो के सग्रह वि

अनेक पत्र पत्रिकाओ एवं अभिनन्दन-ग्रन्थो के संपादक-मंडल मे रहे हैं ; अनेक संकलनों में रचनाएँ संकलित हुई है , अनेक बार पुरस्कृत ; प० कला एव स्थापत्य विभाग, काशी वि० वि०, वाराणसी ।

वासुदेव शर्मा—ज० १ अक्टूबर, '३१ ; रुकनपुरमोरना, मेरठ शि० एम० ए०, एल० टी०, मेरठ कालेज , सा० प्रगतिशील साहि० परि० मेरठ मे संबंधित, '४८ से राष्ट्रीय स्वयसेवकसंघ के कार्यकर्ता ; भूत० अध्यापक गाधीस्मारक इटर कालेज, परीक्षितगढ. मेरठ '५६-'५७ , प्र० '५३-'५४ मे , प्रका० स्फुट गीत ; अप्र० भावो का धुआँ (कवि०), विस्मृत अतीत, परीक्षित गढ ; प० अध्यापक, त्यागी इंटर कालेज, बरला, मुजफ्फरनगर ।

वासुदेवसिंह, डा०—ज० ३१ अक्टूबर, '३५; शि० सीतापुर, बी० ए० '५४ लखनऊ वि०वि०, एम० ए० '५६ (सर्वप्रथम. स्वर्णपदकप्राप्त), पी-एच० डी० '६३ आगरा वि०वि० . प्रका० स्फुट निबध ; अप्र अपभ्रंश और हिंदी (१८वी शती तक) के जैन रहस्यवाद का अध्ययन (शोधग्रन्थ) एव दो निबध-संग्रह , वर्त० 'दोहापाहुड' का संपादन कर रहे हैं ; प० अध्यक्ष हि०वि०, आर० एम० पी० डिग्री कालेज, सीतापुर ।

विंध्याचलप्रसाद गुप्त—ज० '१५ , शि० साहित्यभूषण , सा० संचा० राजकुमार शुक्ल स्मारक पुस्तकालय , प्र० '३७ मे ; प्रका० कहा० बिखरे आँसू एवं वे भुलाए न गए ; सामा० उप० : भीगी आँखें, मीठी आग, मजिल के राही, लहरों के बीच, आधी रात, सीमा और उडान, नीली साडी, किनारे की ओर एवं हँसती आँखे , ऐति० उप० बोतलानंद, पाँचो घी मे, उलटा उस्तरा, चाँदी का जूता, पकौड़ीसाह जिदाबाद, नया जमाना नया रंग एवं गाँव के देवता : बालो० बाघ हमारे साथी, कल्लू का काका, चीन का घोडा. एक था जादूगर, पीपलनाथ और मिरचा, जादू की वंशी गाजरखाँ मतवाला, सिकंदर जब चला, पीपल के पत्ते, बाघिन का दूध, कुत्ते के गले में लाल, कह कह री एवं बुढिया नानी ; गीति नाट्य कजरारे बादल ; नाट० : शीशदान ; एका० . अमिट रेखाएँ एवं लहरे; कवि० : आँधीपानी, नई किरन, सूरज-चाँद-सितारे और दीप जो बुझा नही ; जीव० : चंपारण और नील के धब्बे ; प० चनपटिया, चंपारण ।

विजनब्रजविहारी, 'महर्षि', 'विजन'—ज० १८ अप्रैल, '१५ ; शि० ए० एम० आई० केमि० इजीनियरिंग (यू० एस० ए०) ; सा० 'फेलोमेबर आफ दि सुगर टेक्नालजिस्ट ऐसोसिएशन आफ इंडिया', 'ऐसोसिएट मेंबर आफ दि इंस्टीट्यूट आफ केमिकल इंजीनियर्स' . सा० अनेक संस्थाओं के मंत्री

सचा० एवं सभा० ; डेलीगेट 'सिक्स्थ इंटरनेशनल कान्फ्रेंस आफ फेमिली प्लानिंग' ; प्र० '२० में; प्रका० काम विज्ञान की रूपरेखा, प्राकृतिक परिवार नियोजन, परिवार नियोजन ; वर्त० परिवार नियोजन कार्य का संचालन ; प० जयकय नगर, बर्दवान, बंगाल ।

विजयकुँवरि चौहान—ज० २५ मई, '२३, बीकानेर, शि० बी० ए० दिल्ली वि० वि०, गृहविज्ञान-विशारदा ; प्रका० गल्पगुच्छ '४३: अप्र० दो संग्रह ; प० द्वारा जगलसिंह, बार-एट-ला, खीचीसदन, बीकानेर ।

विजयकुमार मुंशी—शि० सा०रत्न, बी० ए०, एल-एल० बी० ; सा० आजी० सद० म०भा० हिंदी साहि० समिति इंदौर ; प्र० '३६ में, प्रका० साधनों के जीवन पथ पर (जीव०), त्यागपत्र (कहा०), परिवार (संपा० कहा०), अप्र० महात्मा बुद्ध ; वर्त० न्यायाधीश प्रथम श्रेणी तथा अतिरिक्त मंडलन्यायाधीश, ग्वालियर ; प० २०।१०, गीता कालोनी, शकुंतलाभवन, दालबाजार, लश्कर, ग्वालियर ।

विजयकुमार शर्मा—शि० एम० ए०, बी०टी०, सा०रत्न; सा० सद० कार्यकारिणी प्रधानाध्यापकमंच सहारनपुर '५८-'५६, अध्यक्ष : उ०प्र० माध्य० शिक्षाकसंघ सहारनपुर '६१-'६२, राष्ट्रीय स्वयंसेवकसंघ के कार्यकर्त्ता एव दो बार कारावास; भूत०संपा० मा० 'पथिक' देहरादून '५४-'५५, साप्ता० 'अखंड भारत' देहरादून '५२-'५७, पाक्षि० 'कालिजियन' '५३-'५४, मा० 'त्रिवेणी' प्रयाग '५३-'५४ एव साप्ता० 'जागरण' सहारनपुर '५७; प्र० '४८ में ; प्रका० रिक्शावाला (खंड०) '५४, लोकप्रिय हिंदी कवि १ (काव्यसंग्रह) '६१; अप्र० बंदा-विजय (महा०), वसंतसेना (उप०), व्रजलालित्य (आलो०), अरुण (उप०); प० अंजलि प्रकाशन, ५६ तिलक रोड, देहरादून ।

विजयगुप्त मौर्य—ज० २६ मार्च, १९०९, शि० ऐडवोकेट, बंबई हाईकोर्ट; सा० भूत० न्यायाधीश, वर्त० सहसंपा० 'जन्मभूमि' बंबई; प्रका० पशु-पक्षी, शिकार एवं विज्ञान-संबंधी लगभग एक दर्जन पुस्तकें; वि० 'कीमियागर कबीर' (कहा०) पुरस्कृत ; प० २४, आजादरोड, अंधेरी, बंबई ।

विजयगोविंद द्विवेदी—ज० '१५, दिनारा, शि० बी० ए० ग्वालियर, जा० बँगला, गुजराती, मराठी, तमिल, अपभ्रंश, प्राकृत, संस्कृत, अवस्ता एव अँग्रेजी; सा० भूत०सद० : प्रबंधकारिणीसमिति माधवपुस्तकालय एवं कार्यकारिणी समिति ग्वालियरस्टेटकाँग्रेस, भूत०सभा० ग्वालियरजिलाकाँग्रेस कमेटी, स्वतंत्रता आंदोलन में '४२ में एकवर्ष का कारावास, मुरार के भूत० 'आनरेरी' [illegible]ेश संस्था एवं भूत संपा दे एवं साप्ता नवप्रभात

भूत० संपा० 'नया हिंद' (साध्यदैनिक) एवं मा० 'भारती'; लगभग पाँच वर्ष तक 'एम० बी० ला जर्नल', 'रेवेन्यू-निर्णय', 'सुप्रीमकोर्ट केसेज' तथा 'जबलपुर ला जर्नल' आदि पत्रों में हिंदी अनु०-कार्य; प्र० '३६ में; प्रका० मध्यभारत का इतिहास, उत्सर्ग (खंड०), वाकाटक प्रवरसेन विरचित सेतबंधु (महा० अनु०), गीता-परिचय (अनु०), मार्कंडेयपुराण (अनु०) आदि; अप्र विक्रमादित्य (खंड०) एवं लेखों के तीन-चार संग्रह तथा एक पुस्तक अँग्रेजी मे; वि० भारतीय इतिहास तथा संस्कृति के प्रकांड पंडित, 'उत्सर्ग' म०प्र० शासन द्वारा पुरस्कृत, प० द्वारा, श्री दिवाकर द्विवेदी, आबामहारानी की गली, दालबाजार, लश्कर, ग्वालियर।

विजयचंद—ज० १५ मार्च, '३० ; शि० एम० ए० हिंदी, प्र० '५५ मे, प्रका० वेश्या (काव्य उप०) '६०, हीर (अनु०) '६०, बर्फ के फूल (अनु०) '६१, प्रसिद्ध व्यक्तियों के प्रेमपत्र (संपा०) '६१, चेहरे (रेखाचित्र) '६२ ; अप्र० संपा० : प्रसिद्ध व्यक्तियो के हालचाल, फाँसी से पहले, स्वतन्त्रता के बाद की सर्वश्रेष्ठ हिंदी कहानियाँ, स्वतंत्रता के बाद की सर्वश्रेष्ठ हिंदी कविताएँ; वि० 'वेश्या' का अनु० छह प्रादेशिक भाषाओं एवं अँगरेजी मे हुआ है, प० २०, स्कूललेन, बाबर रोड, नई दिल्ली।

विजय चौहान, श्रीमती—ज० ६ जनवरी, '३०, लाहौर ; शि० एम०ए० अँग्रेजी पंजाब वि०वि० ; सा० मत्राणी . अ०भा० महिलापरि० गुडगाँवशाखा, संयोजिका० : भारत युवकसमाज गुडगाँव, स्वतत्रता-आंदोलन में कारावास '४२; '६० में रूसी विज्ञान अकेडमी गोर्की इंस्टीट्यूट द्वारा सोवियत साहि० पर शोधकार्य करने के लिए आमंत्रित ; प्रका० स्फुट कहानियाँ एवं लेख तथा अनेक विश्वप्रसिद्ध उपन्यासो की, अपने पति श्रीशिवदानसिंह चौहान के साथ सहअनुवादिका; वि० अनेक कहानियो का अनु० गुजराती तथा रूसी में हो चुका है, अनुवादो पर केंद्रीयसरकार तथा पंजाब सरकार से पुरस्कार प्राप्त, वर्त० अध्यक्षा, अँग्रेजी विभाग, द्रोणाचार्य सनातन धर्म कालेज गुड़गाँव ; प० २८ आर, न्यू कालोनी, गुडगाँव।

विजय निर्बाध—ज० २६ अगस्त, '२७; शि० बी० ए०, प्रभाकर, साहित्यवाचस्पति, प्र० '५३ में; प्रका० नाटच कुसुमांजलि, मन-आशा के दीप जला ले, हँसना मना है, आओ बच्चो सुनो कहानी, स्वरलहरी (संक०), नई धरती के नए स्वर (संक०); अप्र० दो पुस्तके ; वि० अध्यापन के लिए 'नवीन' जी से पुरस्कार प्राप्त ; वर्त० सह०संपा० दै० 'वीरप्रताप' जालंधर, प० १४०, चहारबाग जालंधर शहर।

विजयपाल सिंह, डा०—ज० २१ जून, '२३, बनवारीपुर, एटा; शि० एम० ए० हिंदी तथा संस्कृत, आगरा वि०वि०, पी-एच० डी० अलीगढ़ वि०वि०; प्रका० केशव और उनका साहित्य (शोधग्रन्थ); अप्र० आलो० लेखों के चार संग्रह ; वि० 'केशव का आचार्यत्व' पर शोधकार्य-रत ; प० प्रोफेसर एवं अध्यक्ष हि वि०, श्रीवेंकटेश्वर वि०वि०, तिरुपति ।

विजयमोहन सिंह—ज० १ जनवरी, '२७ ; शि० एम० ए० हिंदी '६० काशी वि०वि०, शोधछात्र कलकत्ता वि वि०; प्र० '५४ में ; प्रका० छायावादी कवियों की आलोचनात्मक दृष्टि (एम० ए० का प्रबंध); अप्र० स्फुट लेखों एवं कहानियों के दो संग्रह, प० प्राध्यापक हि०वि०, महाराजा कालेज, आरा ।

विजयलक्ष्मी गौर, कुमारी, 'रंजना', 'विजया'—ज० २ दिसंबर, '३५; शि० एम० ए० अँग्रेजी, लखनऊ वि०वि० ; सा० बंबई के 'नवभारत टाइम्स' में संवाददात्री तथा 'धर्मयुग' के संपादकीय विभाग में कार्य किया; प्र० '५६ में ; प्रका० आँधी और तिनके (कहा०) , अप्र० दो कहानी-संग्रह; प० ४ योगेंद्र भवन, जमनालाल बजाज नगर, कुरलारोड, बंबई ५८ ।

विजयशंकर श्रीवास्तव—ज० १० जुलाई, '३७, प्रयाग ; शि० एम०ए० प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व, प्रयाग वि०वि० ; सा० राज० पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग के अंतर्गत गंगा गोल्डेनजुबिली म्युजियम बीकानेर के संग्रहाध्यक्ष; प्र० '५० में; प्रका० पूर्व मध्यकालीन भारत में तुगलक वंश का इतिहास (सहलेखक), लगभग १५० शोधपूर्ण कला-संबंधी ऐति० लेख तथा कैटलाग एंड गाइड . गंगा गोल्डन जुबिली म्यूजियम, बीकानेर (अँगरेजी, संपा०) ; प० संग्रहाध्यक्ष, गंगा गोल्डेन जुबिली म्यूजियम, बीकानेर ।

विजयेंद्र स्नातक, डा०—ज० २३ दिसंबर, '१३, नगलाहरैया, अनोढा, मथुरा ; शि० सिद्धांतशिरोमणि '३४ गुरुकुल वृंदावन, एम० ए० आगरा वि०वि०, पी-एच० डी० दिल्ली वि०वि०, शास्त्री पंजाब एवं काशी वि०वि०, (विभिन्न परीक्षाओं में चार स्वर्णपदक प्राप्त) , सा० सद० : स्थायी समिति काशी ना०प्र०सभा एवं सम्मे० प्रयाग, भूत० साहि०मंत्री : भा० हिंदी परि० '५८-'६० तथा प्रधानमंत्री '६०-'६३, भूत० सभा० प्रादेशिक हि०सा०सम्मे० '६१-'६२, अवै० रजिस्ट्रार : गुरुकुल वृंदावन, '२६ से मेरठ, बड़ौद, हापुड़, मुजफ्फरनगर, अंबाला के कालेजों में भूत० हिंदी प्राध्यापक, '५३ से दिल्ली वि०वि० में हिंदी प्राध्यापक एवं आजकल रीडर ; प्र० '२८ में ; प्रका० राधावल्लभ संप्रदाय : सिद्धांत और साहित्य (शोधप्रबंध), समीक्षात्मक निबंध, आदर्श निबंधमाला, हिंदी साहित्य और उसकी प्रगति, हिंदी

साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, कामायनीदर्शन, महाकवि प्रसाद, हिंदी गद्य का उद्‌भव और विकास, सुकवि-समीक्षा ; संपा० : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, साहित्य और कला, अनुसंधान की प्रक्रिया : अप्र आलो० लेखों के चार संग्रह ; वि० कई संकलनों में निबंध संगृहीत हुए हैं, 'राधावल्लभ संप्रदाय : सिद्धांत और साहित्य' पर २०००) का 'हरजीमल डालमिया पुरस्कार' एवं उ०प्र० शासन की हिंदी समिति की ओर से ८००) का पुरस्कार प्राप्त ; प० ए ५/३ स्नातक सदन, राणाप्रताप बाग, दिल्ली—६ ।

विद्याकांत दुबे—ज० ०५ जनवरी, '३८ ; शि० बी० ए० आनर्स '६१, बी० एल० '६३ पटना वि०वि०, सी० एल० एस० सी० '६३ बिहार, सा० प्रचारमंत्री : साधना कुटीर, पटना ; प्र० '५० में ; प्रका० काठ के परेवा (भोजपुरी कहा०), सूर-काव्य में वात्सल्य (आलो०) ; प० (१) राजेपुर, रढ़िया, चपारन । (२) शिक्षाविभाग, नया सचिवालय, पटना—१ ।

विद्याधर उपाध्याय, 'मंजु'—ज० '१८, जमुआँ हरीराम ; शि० नार्मल ट्रेनिंग, सा०रत्न '५२ ; सा० मंद० : भक्तगोष्ठी, आभागोष्ठी एवं तरुण साहि० परि० आजमगढ़, उपमंत्री जनपद हि०सा०सम्मे० आजमगढ़, अध्यक्ष सत्य साहि० परि० कोयलसा (आजमगढ़) ; प्र० '४८ में ; प्रका० मजुलता '५२, मुस्कान '५६ ; अप्र० झनकार, सारथी (खंड०), साधना (निबंध) एवं दो-तीन पुस्तकें, वर्त० अध्यापक, पूर्व माध्यमिक विद्यालय, महाराजगंज प० मंजुकुटीर, जमुआ, तेरही, आजमगढ़ ।

विद्याधर विद्यालंकार—ज० १८८६ ; शि० विद्यालंकार '१८ गु० कॉ० हरिद्वार, वैद्य कविराज लाहौर, भिषगाचार्य कलकत्ता ; सा० अनेक संस्थाओं तथा संस्कृत साहि० सम्मे० आदि के सभासद एवं पदाधिकारी, अनेक स्कूलों, पाठशालाओं, गुरुकुलों एवं कालेजों में अध्यापनकार्य किया ; प्र० '२२ में ; प्रका० अनु० : रसेंद्र सार-संग्रह, योगरत्नाकर, रसतरंगिणी, राजेश्वरी (कहा०), शिशुपालवध, पवित्र पापी, जय-पराजय (उप०), रघुवंश (प्रथम सर्ग का हिंदी अनु०), किरातार्जुनीय (११वें सर्ग का हिंदी अनु०), हर्ष चरितसार (उच्छ्‌वास, हिंदी अनु० सहित), कोकसार (हिंदी अनु०), सुखी जीवन, स्वास्थ्यरक्षा ; अप्र० अनु० : कैलास यात्रा, गार्हस्थ चिकित्सा, स्वायत्तचिकित्सा आदि (बँगला से), 'हार्ट टू हार्ट' (अँग्रेजी से), प्रसन्न राघव (जयदेवकृत नाट०), आश्चर्ययोग रत्नमाला (नागार्जुन-कृत), कुमारसंभव आदि का (संस्कृत से) शिकार (उर्दू से) तथा पाकशास्त्र

स्वास्थ्यविचार, कथाएँ, उप० आदि ; वि० आयुर्वेद के कुशल चिकित्सक एवं लेखक प ओमभवन, अजीजबाग, कारवान, हैदराबाद।

विद्यानंद विदेह, स्वामी—ज० १५ नवंबर, १८९९ ; जा० संस्कृत, अँग्रेजी, उर्दू एवं फारसी ; सा० अध्यक्ष : वेद संस्थान दिल्ली ; प्र० '३५ से , प्रका० वेदव्याख्याग्रन्थ, योगग्रन्थमाला : साधना, स्वास्थ्य और सौंदर्य वैदिक योगपद्धति, संध्यायोग, गायत्रीमंत्र का अनुष्ठान, महामृत्युंजय मंत्र का अनुष्ठान ; भक्तिग्रन्थमाला : गायत्री, सत्संग-गीतावली एवं आनंद-सुधा ; चरित ग्रन्थमाला रामचरित एवं दयानंद चरितामृत ; शिक्षा ग्रंथमाला : वैदिक बालशिक्षा (दो भाग), संस्कृत शिक्षा (दो भाग) एवं संस्कृत स्वयंशिक्षक ; कर्मकांड-ग्रन्थमाला : स्वस्ति-योग, सत्यनारायण की कथा एवं वैदिक सत्संग , मिश्रित ग्रन्थमाला : सर्वभौम आर्य साम्राज्य, यज्ञोपवीत-रहस्य, दिव्य भावना, स्वभाव और सुख - दुःख, मानव धर्म, चरित्र-निर्माण, गृहस्थाश्रम, भारत के अध्यापकों से, भारत के विद्यार्थियों से ; अप्र० स्त्री - शिक्षा (प्रथम भाग), वैदिक बालशिक्षा (तृतीय भाग), विजययाग आदि ; प० सी-२२, राजौरी गार्डेन, नई दिल्ली—१५।

विद्यानंद सरस्वती, (मिश्रीलाल, ऐडवोकेट)—ज० १८ जून, १८८२ विजयगढ ; शि० बी० ए० १९०५, एल-एल० बी० '१२, जा० अँगरेजी, संस्कृत, उर्दू, फारसी तथा बँगला ; सा० भूत० सद० कार्यकारिणीपरि० तथा सीनेट आगरा वि०वि०, 'ऐडवाइजरी कौंसिल हार्टकोर्ट बटलर टेक्निकल इंस्टीट्यूट' कानपुर, भूत० प्रधानमंत्री अ० भा० वैश्य महासभा, भूत० प्रबंधक धर्मसमाज कालेज अलीगढ '२५-'३०, हीरालाल, बारहसैनी कालेज अलीगढ़, गौरीशंकर हिंदू स्कूल, बारहसैनी वर्नाक्युलर मिडिल स्कूल '३४-'३८ तथा प्रबंधसमिति के अध्यक्ष '४८ से ; संस्था एवं भूत० अध्यक्ष टीकाराम कन्या महाविद्यालय अलीगढ़, भूत०सभा० रघुवीर बाल मंदिर अलीगढ़, रजतजयंती बारहसैनी महासभा अलीगढ़ , उपसभा० श्रीगणेशसिंह मा० वि० मुरसान, संरक्षक अतरौली इंटरकालेज, खैर हायर से० स्कूल, ट्रस्टी सांगवेद महाविद्यालय नरवर एवं ईश्वरदास टेक्निकल इंस्टीट्यूट बहजोई; हिंदी-प्रचार-सभा प्रयाग में सक्रिय कार्य, 'अभ्युदय' के संपादन में सहयोग ; भूत० संपा० 'बारहसैनी' एवं 'वैश्यहितकारी' भूत० प्रका० एवं संपा० 'हितोपदेश' एवं 'जातिहितचिंतक' ; प्रका० अध्यात्म-दर्पण योगदर्शन सांख्य-तत्व विवेचन गीता का ध्यानयोग आदि सात

आठ पुस्तकें ; अप्र० अध्यात्म एवं दर्शन-संबंधी तीन-चार पुस्तकें ; वर्त० संचा० संस्कृत महाविद्यालय ; प० परमार्थ-निकेतन, ऋषीकेष, देहरादून ।

विद्याभूषण मिश्र, 'मयंक'—ज० ४ मई, '३३ ; सा० संस्था० साहित्य परिषद ; प्रका० फूल और काँटे (कवि०) '६१ ; अप्र० विषाद की रेखाएँ, (कहा०), प्रेम की राह (नाट०) एवं दो संग्रह ; प० श्यामा-सदन, कल्याणपुर बस्ती, मोहीउद्दीननगर, दरभंगा ।

विद्याभूषण विभु, डा०—ज० ४ दिसंबर १८८९, नाहरपूर, जलेसर, एटा, शि० एम० ए० हिंदी, आगरा वि०वि०, डी० फिल० प्रयाग वि०वि०, ए० टी० सी०, सा०रत्न, एफ० आर० जी० एम० (लंदन) '२६, एम० एन० जी० (अमेरिका) '३५; सा० भूत० अध्यापक : सी० एम० एस० हाई स्कूल अलीगढ, डी० ए० वी० इण्टरकालेज प्रयाग, भूत० प्राचार्य नारायणस्वामी इंटर कालेज रामगढ; भूत० संपा० मा० 'माहौर मित्र' अलीगढ़ एवं 'शिशु' प्रयाग ; प्र० '१२ में ; प्रका० पद्यपयोनिधि (काव्य) '२३, सोहराब-रुस्तम (खंड०) '२३, चित्रकूट-चित्रण (खंड०) '२४, अभिधान-अनुशीलन (शोधग्रन्थ) '५८, ज्योत्स्ना (काव्य), विरजानंद-विजय (खंड०), पुरंदरपुरी (खंड०) एवं यम का अतिथि (खंड०); बालो० : मेरी राम कहानी (छह भाग), खेल-खिलौने, लाल खिलौना खेलो भैया, गुड़िया, चंदा, बबुआ, फुलबगिया में, गोबरगनेस, ढपोरशंख, लाल-बुझक्कड़, शेखचिल्ली, लाल, चार सासी, पाँच पँखुरिया, राष्ट्रीय राग (भाग १), लोरियाँ-सोरियाँ, पंखशंख, गुंजाफल, चुनमुन, चाँदतारा '६१, रानी फुल्लन दे, पृथ्वी का परिधान; वि०'अभिधान-अनुशील' पर उ०प्र०सरकार से ५००) पुरस्कार प्राप्त; प० कलाप्रेस, लखपतरायगली,बहादुरगंज, प्रयाग ।

विद्याभूषण, 'श्रीरश्मि'—ज० २३ जून, '३२; शि० एम० ए०, सा०रत्न; सा० सद० 'सेंट्रल इनफार्मेशन सर्विस', भूत० उप०संपा० दै० 'विश्वमित्र' दिल्ली '४७, संपादकीय विभाग में कार्य : दै० 'विश्वमित्र' कलकत्ता, दै० 'नवीन-भारत' पटना, साप्ता० 'फिल्मी दुनिया' कलकत्ता, साप्ता० 'उजाला' पटना, दै० 'राष्ट्रवाणी' पटना तथा मा० 'नवनीत' बंबई; '५६ से भारत सरकार के प्रकाशन विभाग में सहसंपा०, प्र० '४७ में; प्रका० धू धू करती आग (उप०), अनु० : डा० आइंस्टीन और ब्रह्मांड (अँग्रेजी से), हमारा परमाणु केंद्रिक भविष्य (अँगरेजी से), स्वातंत्र्य-सेतु (अँगरेजी से), भूदान यज्ञ : क्या और क्यों (बँगला से), हमारा राष्ट्रीय शिक्षण (बँगला से), सर्वोदय और शासनमुक्त समाज (बँगला से); अप्र० स्फुट लेखों-कहानियों के संग्रह० ; प० सहसंपा० हिंदी, प्रकाशन विभाग, पुराना सचिवालय, दिल्ली ६ ।

विद्या मिश्र, श्रीमती, डा०—ज० ६ दिसंबर, '२५ ; शि० एम० ए०, पी-एच० डी० लखनऊ वि०वि० ; सा० उपप्राचार्या '४८-'५२ तक एवं ५४ से अध्यक्षा हिं०वि० विद्यांत डिग्री कालेज लखनऊ; प्र० '४५ में; प्रका० 'वाल्मीकि रामायण एवं रामचरितमानस का तुलनात्मक अध्ययन' (शोधग्रंथ) '६३; अप्र० आलो० लेखों एवं कविताओं के चार संग्रह; वि० अनेक संग्रहों में लेख संगृहीत हुए हैं; अनेक स्फुट पुरस्कार एवं छात्रवृत्ति प्राप्त; ; प० पीरपुर न्यू प्लाट नं० ७, रामरतन बाजपेई रोड, नरही, लखनऊ।

विद्यावती कोकिल—ज० '१४; शि० प्रयाग, सा० भूत० संपादिका 'ज्योति' ; प्रका० कवि० अंकुरिता, माँ, सुहागिन, पुनर्मिलन, आरती, सुहागगीत (ग्रामगीत संग्रह) सप्तक (श्री अरविंद की कविताएँ), फ्रेम बिना तस्वीर (नाटक) ; अप्र० चार संग्रह ; प० श्रीअरविंद आश्रम, पांडिचेरी।

विद्यावती देवी—ज० ५ दिसंबर, १९०५, पेशावर ; सा० मैसूर, मद्रास आदि दक्षिण भारत हिंदी-प्रचार-सम्मेलनों में सक्रिय कार्य, '२७-'४१ तक दक्षिण भारत में रहकर महिलाओं में हिंदी तथा वैदिक धर्म-प्रचार-कार्य किया ; प्रका० सोमसुधा (कवि०), अप्र० दो संग्रह; वि० अब वानप्रस्थ की दीक्षा लेकर वेद के स्वाध्याय में संलग्न ; प० आनंदकुटीर, ज्वालापुर।

विद्यावती वर्मा कुमारी—शि० एम० ए० अँगरेजी प्रयाग वि०वि०, एल० टी० ; प्र० '४० में ; प्रका० स्मृतियों के चित्र, अनन्य पथ; अप्र० लगभग दो सौ कहानियाँ एवं निबंधों के पाँच-छह संग्रह; वर्त० प्राचार्या, एनी बेसेंट स्कूल इलाहाबाद ; प० ५८५, मुट्ठीगंज, इलाहाबाद ३।

विद्यावती श्रीवास्तव, श्रीमती—ज० '१५, नसीराबाद, रायबरेली; प्रका० मंगल-संगीत (कवि०); अप्र० पुष्पांजलि (कवि०) एवं दो संग्रह ; प० धनदौलत भवन, अतसुखराय लेन, निकट मशकगंज, लखनऊ।

विनयमोहन शर्मा, 'वीरात्मा' (शुकदेवप्रसाद तिवारी), डा०—ज० १५ अक्टूबर, १९०५, शि० खँडवा, बुरहानपुर, एम० ए०, पी-एच० डी०, एल-एल० बी० काशी वि०वि० ; सा० भूत० सद० कार्यकारिणी प्रांतीय साहि० सम्मे० तथा अ०भा० राष्ट्रभाषा-प्रचार-समिति, म०प्र० शासन साहि-परि० (तीन वर्ष तक), केंद्रीयशासन के शिक्षा विभाग की द्वितीय पंचवर्षीय योजना में हिंदी विकास विशेषज्ञ समिति तथा नागपुर, इंदौर, भोपाल आकाशवाणी केंद्रों की परामर्शदात्री समिति; भूत० अध्यक्ष : भा० हिंदीपरि० '५६-'५७ ऐवं हिं०वि० नागपुर वि०वि० '४७-'५६, भूत० प्राचार्य गवर्नमेंट डिग्री आर्ट्स एंड साइंस कालेज रायगढ़, भूत० निदेशक केंद्रीय हिंदी शिक्षण

संस्थान आगरा, संप्रति अध्यक्ष हिंदी विभाग, कुरुक्षेत्र वि०वि० फरवरी '६३ से ; प्र० '२१ में ; प्रका० साहित्यकला '४०, भूले गीत (कवि०) '४२, कवि प्रसाद : आँसू तथा अन्य कृतियाँ '४४, दृष्टिकोण (आलो० निबंध) '५०, साहित्यावलोकन (आलो० निबंध) '५४, रेखा और रंग (रेखाचित्र) '५५, हिंदी को मराठी संतों की देन (शोधप्रबन्ध), गीतगोविंद (जयदेव के संस्कृत ग्रन्थ का पद्यगद्य गीतिशैली में अनु०), मराठी से अनु० आरोग्य-विज्ञान, इंद्रिय-विज्ञान, गृह-विज्ञान, आँखों से ओझल ; यंत्रस्थ : मीरा की भूमिका (समीक्षा), साहित्य-शोध-समीक्षा, साहित्य और साहित्यकार ; अप्र० भारतीय और पाश्चात्य आलोचना-सिद्धांत एवं आलो० लेखों के चार संग्रह, वि० अनेक अभिनंदन-ग्रन्थों एवं संकलनों में निबन्ध संगृहीत, 'साहित्य कला' पर म०प्र० शासनसाहित्य परि० द्वारा, 'दृष्टिकोण' पर उ०प्र० शासन द्वारा तथा 'हिंदी को मराठी संतों की देन' पर बिहार राष्ट्रभाषा परि० द्वारा पुरस्कार प्राप्त, 'गीत गोविंद' केंद्रीय शासन द्वारा '५५ का श्रेष्ठ अनु० घोषित और दो हजार रुपयों से पुरस्कृत ; वि० काशी ना०प्र०स० के 'वृहत् इतिहास' के 'भारतेंदु-युग' खंड के संपा० ; प० अध्यक्ष हिं०वि०, वि०वि०, कुरुक्षेत्र ।

विनायक श्रावण चौधरी, आचार्य—ज० ३ फरवरी, '२५ ; शि० एम० ए० हिंदी, सा०रत्न, हिं०शिक्षक सनद, डी० टी० सी० ; प्रका० हिंदी ज्ञानकण तथा ज्ञानतुषार (मराठी), अप्र० दो पुस्तकें ; प० मंत्री, शि०प्र० मंडल, सांगवी, यावल, जलगाँव (महा०) ।

विनोद रस्तोगी—ज० १२ मई, '२३; शि० शम्साबाद, फरुखाबाद, कन्नौज एवं कानपुर ; सा० सभा० : ललितकला निकेतन, नाट्य मंत्री संगीत नृत्य नाटक अकेडमी ; प्र० '४० में ; प्रका० उप० : ठंडी आग, दरारें, रुपया, रूप और रोटी, तूफान और तिनका, अँधेरी गलियाँ, दरका दर्पण, खंडित छाया एवं राख हुए सपने ; नाट० तथा एका० : आजादी के बाद, पुरुष का पाप, कसम कुरान की, बहू की विदा, गोपा का दान, नये हाथ, निर्माण का देवता, काले कौए गोरे हंस, ढोंगी, स्वर्ग के खँडहर एवं छपते छपते; यंत्रस्थ : सराय के अंदर एवं भगीरथ के बेटे; कवि० जिंदगी के गीत; वि० 'आजादी के बाद' पर उ०प्र० सरकार से ५००) '५४ में, 'अँधेरा फिसलन और पाँव' रेडियो नाटक पर आकाशवाणी दिल्ली से ३००) '५४ में, 'नये हाथ' पर थियेटर सेंटर कलकत्ता से ५००) '५७ में एवं उ०प्र० सरकार से ३००) '५८ में तथा 'नये हाथ' के अभिनय पर संगीत नाटक

अकेडमी से २५००) '५८ में पुरस्कार प्राप्त ; अनेक रचनाओं का अन्य भाषाओं में अनु॰ हुआ है; प॰ नाटक निर्देशक, आकाशवाणी, इलाहाबाद।

विनोदशंकर व्यास—ज॰ १८०३, वाराणसी; सा॰ भूत॰ संपा॰ और संचा॰ पाक्षि॰ 'जागरण', 'आज' के संपादकीय विभाग में भी कार्य किया; प्रका॰ मधुकरी : दो भाग, कहानी एक कला, विदेशी पत्रकार, प्रसाद जी की उपन्यास-कला, विदेशी साहित्य, मेरी कहानियाँ ; अप्र॰ चार-पाँच संग्रह; वि॰ प्रसिद्ध कहानीकार; प॰ मान-मंदिर, वाराणसी।

विपिन जारोली—ज॰ १६ जनवरी, '३३, कानोड (राज॰); शि॰ छोटी सादडी; सा॰ सद॰ केंद्रीय कार्यकारिणी एवं मंत्री कानोड शाखा अंतर-प्रांतीय कुमार साहि॰ परि॰ जोधपुर, भूत॰ अधीक्षक चित्तौड़ जैन बोर्डिंग, जिला भूदान समिति में कार्य किया, लगभग पाँच वर्ष तक आदिवासी क्षेत्र में अध्यापक रहे; भूत॰ संपा॰ मासा॰ 'अरावली' तथा 'प्रगति', वर्त॰ संपा मा॰ 'वसुमती' एवं वार्षिक 'आलोक' ; प्रका॰ स्फुट कविताएँ ; अप्र॰ नए स्वर; प॰ मंत्री, अंतरप्रांतीय कुमारसाहित्यपरिषद, शाखा कनोड, उदयपुर।

विपुला देवी—ज॰ सीतापुर ; प्र॰ '४१ में; प्रका॰ पूर्व का पंडित (कहा॰) '६०; यंत्रस्थ कारस्कार का दार्शनिक, बहाना ; अप्र॰ चार कहा॰ एवं एकां॰ संग्रह तथा चार उप॰; प॰ त्रिवेदी निकेतन, बटगंज, सीतापुर।

विमल किशोर—ज॰ १ मार्च, '३३; शि॰ एम॰ए॰ ग्वालियर; प्र॰'५२ में; प्रका॰ ग्वालियर आगरा-दिग्दर्शिका; अप्र॰ आलो॰ लेखों एवं कहानियों के दो संग्रह; वि॰ स्फुट पुरस्कार प्राप्त, पी-एच॰ डी॰ के लिए शोधकार्य-रत; प॰ १३/२८, बिरलानगर, ग्वालियर।

विमलकुमार जैन, डा॰—ज॰ २३ सितंबर, '१२ ; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी तथा संस्कृत, पी-एच॰ डी हिंदी, दिल्ली वि॰वि॰, प्रभाकर, शास्त्री पंजाब, न्यायतीर्थ कलकत्ता, सा॰रत्न सम्मे॰ प्रयाग, व्याकरणमध्यमा वाराणसी ; सा॰ सद॰ : कार्यकारिणी प्रादेशिक हि॰सा॰सम्मे॰, दिल्ली कांग्रेस आदि ; प्रधान : अ॰ भा॰ जैसवाल जैन सभा, हिंदी-प्रचार-समिति दिल्ली एवं हिंदी सा॰ सं॰ मंडल सोहनगंज ; कोषाध्यक्ष : हिंदी अनुसंधान परि॰ दिल्ली वि॰वि॰ ; लगभग २५ वर्षों से अध्यापन-कार्य कर रहे हैं, १४ वर्षों से दिल्ली कालेज (दिल्ली वि॰वि॰) में प्राध्यापक ; प्रका॰ सूफीमत और हिंदी साहित्य (शोधप्रबंध) '५५, तुलसीदास और उनका साहित्य, हिंदी साहित्य रत्नाकर, हिंदी के अर्वाचीन रत्न, सूर विशेषांक, हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, कामायनी में शब्द-शक्ति-चमत्कार,

कामायनी-चिंतन तथा अनेक पाठ्य पुस्तकें ; वि० 'सूफीमत और हिंदी साहित्य' ग्रंथ पर उ०प्र० सरकार द्वारा ६००) का पुरस्कार प्राप्त ; प० हिंदी प्राध्यापक, दिल्ली कालेज, दिल्ली।

विमलकुमार दत्त—ज० १० मार्च, '२०; शि० एम० ए०, 'डिप्लोमा इन लाइब्रेरी साइंस', कलकत्ता तथा कोलंबिया वि०वि० (न्यूयार्क) ; सा० 'फेलो आफ दि साउथ ईस्ट एशिया लाइब्रेरी सेमीनार' आस्ट्रेलिया '५०-'५१, 'स्मिथ मुट एंड फुलब्राइट स्कालर' '५१-'५२ ; प्र० '५३ में ; प्रका० भारत-शिल्प, पुस्तकालय-कार्यपद्धति का व्यावहारिक ज्ञान तथा दो पुस्तकें अँग्रेजी एवं दो बँगला में ; अप्र० स्फुट लेखों के दो संग्रह ; प० पुस्तकालयाध्यक्ष, विश्व-भारती वि०वि०, शांतिनिकेतन, पश्चिमी बंगाल।

विमल कुशवाहा—ज० १० जून, '२८ ; शि० मैट्रिक ; प्र० '५७ में ; प्रका० अपराधी '५६ (खंड०) ऊषा के अंचल में (संग्रह) '५६, बिखरे मोती (बालो०) '५८, दोपहर का चाँद (उप०) '६० ; अप्र० दुर्गादास (खंड०), ढलती रात · डूबते सितारे (उप०), गहरी नदिया नाव पुरानी (संग्रह) आदि, प० अलीनगर, सतौरा, फर्रुखाबाद।

विमला कपूर—ज० शिमला ; शि० एम० ए० हिंदी तथा राजनीति-शास्त्र, प्रभाकर, सा०रत्न, सा० सदस्या : 'पीस कमेटी' (लेखक-संस्था) कार्यकारिणी एवं प्रकाशन अध्यक्षा अ० भा० महिला सम्मे० कानपुरशाखा, मंत्राणी : भारत-सोवियत-मैत्रीसंघ, '५१ के बर्लिन विश्वयुवक सम्मे० में सम्मिलित तथा जर्मनी, पोलैंड, हंगरी आदि की यात्रा, '५५ के फिनलैंड विश्वशांति सम्मे० में उ०प्र० का प्रतिनिधित्व एवं 'मदर्स कान्फ्रेंस' (स्विटजरलैंड) में सम्मिलित, भूत० अवै० प्राध्यापिका जुहारीदेवी इंटरकालेज, कानपुर ; प्रका० अनजाने देशों में, अप्र० दो लेख-संग्रह ; प० बगिया मनीराम, कानपुर।

विमला श्रीवास्तव, श्रीमती—ज० २८ जुलाई, '३० ; शि० एम० ए० हिंदी, आगरा वि०वि०, एम० ए० समाजशास्त्र गोरखपुर वि०वि०, सरस्वती प्रयाग महिला विद्यापीठ, साहित्यसुधाकर लखनऊ ; प्र० '५० में, प्रका० स्फुट ; अप्र० दो कहा० तथा कवि०-संग्रह ; वर्त० प्राध्यापिका, सेक्सरिया गर्ल्स इंटर कालेज, गोंडा : प० के० एस० हास्पिटल, मालवीयनगर, गोंडा।

विमलेश, डा०—ज० ३० दिसंबर, '३१ ; शि० डी० फिल० राजनीति, प्रयाग वि०वि० ; सा० भूत० संपा० बालो० 'चमचम' ; प्रका० आधुनिक राजनीतिक विचारधाराएँ '६१ सोवियत संघ की [illegible] ली '६१

स्विटजरलैंड की शासनप्रणाली '६१, कनाडा की शासनप्रणाली '६२, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन तथा संविधान '६२ ; अप्र॰ पाश्चात्य राजदर्शन एवं भारतीय संविधान का व्यावहारिक पक्ष ; वि॰ 'सामाजिक विधानों का विकास १८५८ '६०' पर प्रयाग वि वि॰ से डी॰ फिल॰ की उपाधि प्राप्त , प॰ कला प्रस. इलाहाबाद—२१

वियोगीहरि (हरिप्रसाद द्विवदी)—ज॰ १८९६, छत्रपुर राज्य ; सा॰ प्रयाग मे रहकर 'सम्मेलन-पत्रिका' का एवं 'सूरसागर' और 'ब्रजमाधुरी' का संकलन व संपादन किया ; '३४ मे गांधी-सेवासंघ के सदस्य हुए, 'हरिजन-सेवक' का संपादन किया '३३-'३९ तक ; प्रका॰ प्रेमशतक, प्रेम-पथिक, प्रेमांजलि, संक्षिप्त सूरसागर, तरंगिणी, शुकदेव, श्री छद्मयोगिनी (नाटक), साहित्यविहार, कविकीर्तन, अनुरागवाटिका, ब्रजमाधुरीसार, चरखास्तोत्र, महात्मा गाँधी का आदर्श बढ़ते ही चलो, चरखे की गूँज, असहयोग वीणा, श्री गुरुपुष्पांजलि, वीर-सतसई, पगली, मंदिर-प्रवेश, विश्वधर्म, प्रबुद्धयामुन (नाटक), बिहारी-संग्रह, वृत्तचंद्रिका, भजनसंग्रह, योगी अरविंद की दिव्यवाणी, बुद्धवाणी, संतवाणी, ठंडे छींटे, प्रेमयोग, गीता मे भक्तियोग, भावना, प्रार्थना, अंतर्नाद, विनयपत्रिका की हरितोषिणी टीका, तुलसी-सूक्तिसुधा, वीर-विरुदावली, हिंदी गद्य रत्नावली, हिंदी-पद्य-रत्नावली संत-सुधासार, यों भी तो देखिए आदि मौलिक एवं संपादित पुस्तके ; प॰ हरिजन-सेवक संघ, किंग्सवे, दिल्ली।

विवेकीराय—ज॰ २५ जुलाई, '२७ , शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी, काशी वि॰वि॰, सा॰रत्न सम्मे॰ प्रयाग, साहित्यालंकार देवघर ; सा॰ दै॰ 'आज वाराणसी में स्थायी स्तंभ 'मनबोध मास्टर की डायरी' के लेखक, 'आज' तथा 'बनारस' (वाराणसी) के संवाददाता ; प्र॰ '४८ में ; प्रका॰ अर्गला (कवि॰), जीवन-परिधि (कहा॰), किसानों का देश, गाँवों की दुनियाँ, त्रिधारा, फिर बैतलवा डाल पर (कहा॰) ; अप्र॰ निशांत (कवि॰), अँधेरे का दिगबर बेटा (उप॰) ; प॰ (१) सोनवानी, कारों, गाजीपुर। वर्त॰ हिंदी प्राध्यापक सर्वोदय इंटरकालेज, खरडीहा, गाजीपुर।

विश्वंभर, 'अरुण'—ज॰ ५ जुलाई, '३६; शि॰ एम॰ ए॰, शोधछात्र, सा॰ भूत॰ संपा॰ बालस्तंभ : साप्ता॰ 'हंगामा' एवं साप्ता॰ 'नया संदेश', भूत॰ सहसंपा॰ 'सरस्वती-संवाद' आगरा (एक वर्ष तक), प्र॰ '५५ में ; प्रका॰ रस-अलंकार-दोष का सरल विवेचन '५५, चंदबरदायी-कृत पृथ्वीराज रासो सहलेखक) ५८ प्रबोध सहलेखक) ५९ हिंदी कवियों

की शैलियाँ '६१, द्वापर : एक विवेचन '६१, अजातशत्रु : एक विवेचन '६२, रश्मिबंध की टीका '६२, कविवर पंत और उनका रश्मिबंध '६२, पंत की काव्यकला '६२, रहीम-सतसई (मूलटीका, आलो०), काव्यशास्त्र तथा रस-अलकार-पिंगल (संपा०) आदि लगभग २५ पुस्तकें ; अप्र० सूर की साहित्य-साधना (संपा०) ; वि० महाकवि प्रसाद का विश्व के प्रसिद्ध साहित्यकारों के साथ तुलनात्मक अध्ययन तथा प्रसाद-काव्य का शास्त्रीय पद्धति पर विवेचन तथा मूल्यांकन-रत ; प० ४७२, मानपाड़ा, आगरा ।

विश्वंभरनाथ उपाध्याय, डा०—ज० ७ जनवरी, '२५ अधामी, इटावा; शि० एम० ए० हिंदी तथा संस्कृत, पी-एच० डी० आगरा वि०वि० ; सा० भूत० सद० कार्यकारिणी ना०प्र०स० आगरा, भूत० आचार्य साहि० विद्यालय एवं पुस्तकालय-प्रबंधक ; 'साहित्यसंदेश' तथा 'समालोचक' आगरा के संपा० मंडल में कार्य ; प्रका० नेताजी सुभाषचंद्र बोस (नाट०) '५०, हिंदी के प्रमुख वाद और उनके प्रवर्त्तक '५२, महाकवि निराला : काव्यकलाकृतियाँ '५३, हिंदी की दार्शनिक पृष्ठभूमि '५५, पंतजी का नूतन काव्य और दर्शन '५६, गाँधी-शतक (काव्य) '५७, सूर का भ्रमरगीत : एक अन्वेषण '५८, कबीरदास '६०, महाकवि हरिऔध और प्रियप्रवास '६१, आधुनिक हिंदी कविता : सिद्धांत और समीक्षा '६२, कलियुगीन अभिमन्यु (नाट०) '६१ ; अप्र० विमल : एक जीवनी (उप०), मध्यकालीन हिंदी पर तांत्रिक प्रभाव (शोधप्रबंध) ; वि० 'हिंदी की दार्शनिक पृष्ठभूमि' तथा 'सूर का भ्रमरगीत' पर उ०प्र० शासन से पुरस्कार प्राप्त ; 'भारतीय काव्यशास्त्र का द्वंद्वात्मक भौतिकवाद की दृष्टि से अध्ययन' विषय पर डी० लिट० की उपाधि के लिए शोधकार्य-रत ; प० (१) हिंदीप्राध्यापक, राजकीय डिगरी कालेज, नैनीताल । (२) ओक काटेज, मल्लीताल, नैनीताल ।

विश्वंभरनाथ त्रिपाठी, 'बड़ेगुरू'—ज० १ मार्च, '३२ ; शि० बी० ए०, विशारद ; सा० दै० 'सन्मार्ग' में पिछले तीन वर्षों से 'वाह ! बनारस' स्तंभ के लेखक एवं व्यंग्य-चित्रकार ; प्र० '४७ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० तीन-चार संग्रह ; प० सी।२।५६, कालीमहल, वाराणसी ।

विश्वनाथ भट्ट, डा०—ज० १५ जुलाई, '१५ ; शि० एम० ए० (प्रथम), एल एल० बी, पी-एच० डी० आगरा वि०वि०, संगीतविशारद (प्रथम) लखनऊ; सा० अवै० संपा० मा० 'संगीत' पाँच वर्ष तक, '४८ से अध्यक्ष हिं०वि०, दिल्ली कालेज दिल्ली , प्रका० बालसंगीत शिक्षा (तीन भाग), संगीत-सीकर, संगीत-अर्चना,संगीत-कादंबिनी, महरिफुननगयात(उर्दू से अनु०),संगीत-दर्पण(संस्कृत-

गुजराती से अनु०) स्वर मेल-कलानिधि (संस्कृत-मराठी से अनु०), भातखंडे संगीतशास्त्र (प्रथम भाग, मराठी से अनु०) ; अप्र० रत्नाकर : उनकी प्रतिभा और कला, एवं भारतीय दर्शनशास्त्र, ज्योतिष, हिंदी-साहित्य, भारतीय संगीत, चित्रकला तथा मनोविज्ञान-संबंधी लेखों के चार-पाँच संग्रह ; प० अध्यक्ष हिं० वि०, दिल्ली कालेज, दिल्ली।

विश्वंभरनाथ मेहरोत्रा—ज० १९०७ ; शि० बी० ए० '२९, एम० ए० (सर्वप्रथम) '३१ प्रयाग वि० वि०, भूत० शोधछात्र '३२ ; सा० '३३ से हिंदी विभागाध्यक्ष सारस्वत खत्रीपाठशाला इंटरकालेज, प्रयाग ; प्र० '३० में ; प्रका० संपा० नंददास-कृत : 'अनेकार्थ तथा नाममंजरी' '३२, 'भँवरगीत' '३३, 'स्याम-सगाई', 'रुक्मिनी-मंगल' '३४ ; अन्य : साहित्य-दिवाकर (चार भाग) '३६ ; अप्र० दो संग्रह ; प० २६, रानीमंडी, इलाहाबाद।

विश्वंभरप्रसाद शर्मा—ज० १९०३ ; शि० विशारद सम्मे० प्रयाग ; सा० मंत्री : विदर्भ तथा महाकोशल गोशाला संघ, '३४ से विभिन्न पत्रों के संपा० ; प्र० '२५ में ; प्रका० अमर शहीद स्वामी श्रद्धानंद, राष्ट्रनिर्माता लाला लाजपत राय, नारी-जागरण, गृहस्थादर्श, आर्यसमाज और राष्ट्र निर्माण, राष्ट्रमाता कस्तूरबा, राष्ट्रनिर्माता सरदार पटेल ; अप्र० सात-आठ पुस्तकें ; प० आलोक-कार्यालय, धन्तोली, नागपुर।

विश्वंभरसहाय, 'प्रेमी'—ज० १९०० ; सा० संस्था० प्रेमी प्रिंटिंग प्रेस, संपा० 'पंचायती राज' (पन्द्रह वर्षों से) ; प्रका० भारत के सप्त दुर्ग, गोलकुंडा, हरिद्वार, प्रगतिशील आर्य, हिमालय पर ऋषि दयानंद, बदरीनाथ, उत्तरकाशी आदि अनेक पुस्तकें ; वि० यात्रा-साहित्य के प्रसिद्ध लेखक, 'गंगोत्री' एवं 'यमुनोत्री' पर उ०प्र० सरकार द्वारा पुरस्कार प्राप्त ; प० संपा० 'पंचायतराज', प्रेमी सदन, मेरठ।

विश्वजीत—ज० फरवरी, '३३ ; शि० एम० ए० (स्वर्णपदकप्राप्त), सा० कुछ समय तक दै० पत्र के साहित्यिक संपा० ; प्रका० स्फुट ; अप्र० कहानियों एवं लेखों के दो संग्रह तथा दो उप० ; वि० पी-एच० डी० के लिए शोधकार्य-रत ; प० (१) रामपुर खुर्द, नौरंगिया, देवरिया। (२) मित्रनिवास-११९, नार्थविजयनगर कालोनी, आगरा।

विश्वदेव शर्मा—ज० २९ अक्टूबर, '३१, छीबरी, बिजनौर ; शि० एम० ए० हिंदी, आगरा वि० वि०, एम० ए० अँगरेजी, पंजाब वि० वि०, 'डिप्लोमा इन जर्नलिज्म' पंजाब, संपादनकला - विशारद, सा०रत्न, 'प्रिलिमिनरी कोर्स इन रशन' सा० संयोजक सेवाग्राम दिल्ली प्रका

हिंदी के प्रमुख साहित्यकार, हमारे पड़ोसी देश : इंडोनेशिया, बर्मा, चीन, अफगानिस्तान (सहलेखक) ; वि० अनेक कवि० एवं कहा० संग्रहों में स्फुट रचनाएँ संगृहीत, इनकी कुछ रचनाओं के अनु० मराठी, गुजराती एवं तमिल में हुए हैं ; कई स्फुट पुरस्कार प्राप्त ; वर्त० हिंदी इंचार्ज, सेंट्रल स्टेटिस्टिकल आर्गनाइजेशन कैबिनेट, सेक्रेटेरियट, जनपथ, नई दिल्ली ; प० गणेश लाइन, किशनगंज, दिल्ली—६ ।

विश्वनाथ गंगाधर वैशंपायन—ज० २८ नवंबर, '०० , शि० इंटर ; सा० क्रांतिकारी आंदोलन में आठ वर्ष का कारावास, संस्था०-संपा० 'विचार और समाचार', सचा० आजाद प्रिंटिंग प्रेस ; प्र० '४६ में ; प्रका० भारतीय स्वतंत्रता का इतिहास '४६, मातृत्व का अभिशाप (उप०), मातृत्व की परिधि (उप०), बर्फीली चट्टानों का गरम लहू (नाट०) ; अनु० मराठी से : महाराष्ट्र प्रभात, जाई जुही, भौतिक रसायनशास्त्र, बँगला से : कंगाल की बेटी, निर्दोष कन्या ; अप्र० उप० : बबूल के काँटे और फूल, बौराई ठकुराइन एवं दो कहानी तथा एकांकी-संग्रह ; वि० 'अकबर दि ग्रेट' का अँगरेजी से मराठी में अनु० किया है, मराठी में भी लिखते हैं ; प० १२।११७, बूढ़ापारा, रायपुर ।

विश्वनाथ गौड़, डा०—ज० ३१ मार्च, '२१ ; शि० एम० ए० हिंदी तथा संस्कृत, पी-एच० डी० आगरा वि० वि०, शास्त्री, सा०रत्न ; सा० '४६ से सनातन धर्म कालज कानपुर में हिंदी-संस्कृत-प्रवक्ता, ३० जून '५८ से वहीं अध्यक्ष ; प्र० '४८ में ; प्रका० पद्मावती समय : पृथ्वीराज रासो (संपा० एवं व्याख्या) '४८, ऋतुवर्णन समुच्चय (संक०) '५४, आधुनिक हिंदी काव्य में रहस्यवाद (शोधप्रबंध) '६१ ; अप्र० आलो० लेखों के चार-पाँच संग्रह ; प० ३३।१६४, गयाप्रसाद लेन, कानपुर ।

विश्वनाथ टंडन—ज० ११ जुलाई, '२८, ; शि० एम० ए० नागपुर वि० वि०, एल-एल० बी०, डी० पी० ए० लखनऊ वि० वि०, हिंदीरत्न, सा०रत्न, 'प्रोफीसियंसी इन संस्कृत' ; सा० संयोजक : साहि० परि० लखनऊ , वर्त० प्रधान संपा० मा० 'खत्रीहितैषी' ; प्र० '५४ में ; प्रका० पंचशील : एक अध्ययन '५५, अशोक के फूल : एक अध्ययन '५७ ; वर्त० अध्यक्ष हिं० वि० कालीचरण इंटरकालेज, लखनऊ ; वि० पी-एच० डी० के लिए शोधकार्य-रत ; प० कमलकुंज, २१५।८३, बानवाली गली, चौक, लखनऊ ३ ।

विश्वनाथ तिवारी—ज० १४ जनवरी, '१४ ; शि० एम० ए०, सा०रत्न साहित्यालंकार, साहित्यशास्त्री , सा० भूत०संयोजक : बंगाल दुर्भिक्ष सहायता

कोश एवं कस्तूरबा कोष, अध्यक्ष : प्रबंधसमिति उ॰मा॰वि॰, नीरूपुर, बलिया; ट्रस्टी : जे॰ बी॰ इंटरकालेज, गडवार, बलिया ; भूत॰संवाददाता : 'लीडर', 'नेशनलहेरल्ड', 'संसार', 'आज' एवं 'नवजीवन' ; प्र॰ '५० में ; प्रका॰ मानचित्र-निरूपण, प्राकृतिक चित्रकला-प्रकाश, संसार का सामान्य भूगोल, विश्व भूगोल-दर्शन, भारत का आधुनिक भूगोल, सैन्य मानचित्र-दर्पण, हमारा आर्थिक भूगोल, उ॰ प्र॰ का नवीन भूगोल, भारत का व्यापारिक भूगोल ; वि॰ 'मानचित्र निरूपण' पर उ॰ प्र॰ सरकार से ६००) का पुरस्कार प्राप्त , वर्त॰ प्राध्यापक भूगोल विभाग, सतीशचंद्र कालेज, बलिया , प॰ लक्ष्मण निवास, प्रतापनगर, बलिया ।

विश्वनाथ त्रिपाठी—ज॰ '३१, बस्ती ; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी (प्रथम) '५६ काशी वि॰ वि॰ ; सा॰ '५८ से हिंदी प्राध्यापक किरोड़ीमल कालेज, दिल्ली ; प्र॰ '५५ में ; प्रका॰ संदेश-रासक '५७ ; अप्र॰ आलो॰ लेखों के दो संग्रह; वि॰ 'पद्‌मावत से पूर्व अवधी भाषा' पर शोधकार्य-रत ; प॰ प्राध्यापक हिं॰ वि॰, किरोड़ीमल कालेज, दिल्ली ।

विश्वनाथ द्विवेदी—ज॰ १५ जनवरी, '१०, ओझा, बलिया ; शि॰ बलिया , शास्त्राचार्य, बी॰ ए॰ काशी वि॰वि॰, आयुर्वेदबृहस्पति (सम्मानार्थ उपाधि, स्वर्णपदक प्राप्त) '५४ ; सा॰ भूत॰प्राचार्य : ललितहरि आयुर्वेद महाविद्यालय पीलीभीत '३२-'५२, भूत॰ उपप्राचार्य, प्राध्यापक एवं अध्यक्ष आयुर्वेद विभाग, मेडिकल कालेज, लखनऊ; भूत॰संचा॰ स्टेट फार्मेसी लखनऊ ; प्रका॰ त्रिदोष-आलोक '३४, तैल-संग्रह '३८, भावप्रकाश निघंटुकी '४०, वेद तथा जीवाणु-विज्ञान '४२, वैद्यसहचर '४२, क्रियात्मक औषधि-निर्माण-विज्ञान '५२, अभिनव नेत्रविज्ञान '५६ ; अप्र॰ द्रव्य-परिचय विज्ञान, वृहत्रयी निघंटु, वनौषधि कोष ; वि॰ वैद्यक पर अँगरेजी में भी लिखते हैं ; 'क्रियात्मक औषधि-निर्माण-विज्ञान' पर ३००) का तथा स्फुट रचनाओं पर स्वर्णपदक एवं २५०) का पुरस्कार प्राप्त ; प॰ प्राध्यापक, स्नातकोत्तर शिक्षण केंद्र, जामनगर ।

विश्वनाथ प्रसाद—ज॰ १५ अक्टूबर, '२१ , शि॰ मोतिहारी तथा पटना ; सा॰ आजीवन सद नवयुवक पुस्तकालय, संस्था॰ 'ला सोसाइटी' एवं विचारक मंडल, मोतिहारी '६०, भूत॰ संपा॰ साप्ता॰ 'राष्ट्रसंदेश' ; प्र॰ '३८ में ; प्रका॰ स्फुट ; प॰ ठाकुरबारी, मोतिहारी, चंपारन ।

विश्वनाथ प्रसाद व र्मा , 'अर्क'—ज॰ २५ दिसंबर, '३७ ; शि॰ पटना ; प्र॰ '५२ में ; प्रका॰ स्फुट ; अप्र॰ दो भोजपुरी नाटक : ठिटठर काका

एवं चुटकुलवा तथा दीवान-ए-अर्क (उर्दू) ; प० बिहार राज्यपथ परिवहन निगम, केंद्रीय कर्मशाला, पो० बिहार मेटनरी कालेज, पटना ।

विश्वनाथ भटेले—सा० भूत अध्यक्ष : एकदिल नगरपालिका, इटावा '५३-'५७, '५७-'६१ तक राज्य सरकार के सूचना विभाग में कार्य तथा अनेक साप्ता० एवं मा० पत्रों का संपा० ; प्र० '५० में ; प्रका० फूलों भरा जनाजा, टुकड़े-टुकड़े दास्ताँ, दूर के ढोल, पंचवर्षीय योजना : एक नजर, इटावा के लोकगीत ; अप्र० सात-आठ ग्रंथ ; प० एकदिल, इटावा ।

विश्वनाथ मुखर्जी—ज० २३ जनवरी, '२४ ; सा० मंत्री : नाट्य परि०, अध्यक्ष : युवकसंघ तथा अनेक संस्थाओं के सक्रिय पदाधिकारी, भूत० संपा० 'अजगर', 'तरग' एवं 'संसार' (रविवासरीय अंक) ; वर्त० सहसंपा० मा० 'आपका स्वास्थ्य' ; प्र० '४२ में ; प्रका० काशी : अतीत और वर्तमान, बना रहे बनारस, अभिसारिका, स्वर्ण-त्रिकोण ; अनु० : स्वामी, लंदन रहस्य (४ भाग), हिंदी का लल्ला, डान क्विकजोट, पुस्तकालय-विज्ञान, आपरेशन, शशांक ; संपा० मेरी काश्मीर-यात्रा, वाराणसी से ब्रिटेन, अँगरेज अपने मुल्क में ; अप्र० चोर, उल्का, तासेर देश, गृह-प्रवेश, गिरगिट, जने जने ठाकुर ; वि० 'काशी : अतीत और वर्तमान' पर उ० प्र० सरकार द्वारा ३००) का पुरस्कार प्राप्त ; प० सिद्धिगिरि बाग, वाराणसी १।

विश्वनाथ लाल शैदा—ज० १९०३, बिजौली, आजमगढ ; शि० बी० ए०, एल-एल० बी० प्रयाग वि० वि० ; सा० भूत० सद० : परीक्षाबोर्ड तथा कार्यकारिणी समिति सम्मे० प्रयाग, संस्था० : हिंदी साहि० परि० '३२ जो बाद में 'हरिऔध कलाभवन समिति' बनी, भूत पुस्तकालयाध्यक्ष : हिंदुस्तानी एकेडमी उ० प्र०, '३२ तक केवल उर्दू के सेवक, '३३ से हिंदी-लेखक प्रारम्भ; प्र० '३३ में (हिंदी में) ; प्रका० माला (धार्मिक गीत) '३६, दुर्ग (राष्ट्रीयगीत) '४२, व्यवहार पत्र-प्रदीप '४६, समुद्र-मथन (खंड०) '५४, मदालसा (महा०) '५४, 'आँसू' की व्याख्यात्मक आलोचना '५४, 'कामायनी' की व्याख्यात्मक आलोचना '६० ; अप्र० महाकवि भक्त, प्रियप्रवास की व्याख्यात्मक आलोचना एवं आठ-दस पुस्तकें ; वि० 'कामायनी' की व्याख्यात्मक आलोचना' के प्रकाशन के लिए सरकारी अनुदान तथा प्रादेशिक पुरस्कार प्राप्त ; प० भूत० डी० जी० सी० (सिविल), आजमगढ़ ।

विश्वनाथ शर्मा, 'प्रदीप'—ज० '२७; शि० सा०रत्न ; सा० भूत० सद० नगरपालिका चुरू छह वर्ष तक एवं प्रजासमाजवादी दल राज० की प्रांतीय कार्यकारिणी समिति, संस्था० एवं अध्यक्ष : हिंदी साहि संसद भूत संपा

साप्ता० 'देशधर्म', मा० 'राकेश' एवं पाक्षि० 'पीपुल्स फोरम' (अँगरेजी), प्रका० नवोदित काव्य प्रतिभाएँ (संक०), काव्य-मकरंद, नीति-शतक (काव्यानुवाद), साध (खंड०), मरण-त्योहार (खंड०); अप्र० अनुभूति, पतझड के गीत, जवानी की लाश पर (गीत), जीवनपथ, भास्कर-वीणा (उप०), साध्यप्रदीप (कहा०); प० अध्यक्ष, हिंदी साहित्य संसद, चूरू (राज०)।

विश्वनाथ शर्मा, 'विमलेश'—ज० ५ अप्रैल '२७, शि० एम० ओ० एल०, सा० रत्न, साहित्यालंकार; प्रका० कवि० : टाउन कमेटी, प्राणों की छाया, वेदना, अनामिका, सतपकवानी (राज०), छेड़खानी (हास्य), गीता (अनु०) एवं विकास गीत; अन्य : मध्यमा-गाइड, काव्य-कलना, भूदान : एक अध्ययन, अप्र० शकुंतला (प्रबन्ध०), पाप और पुण्य (एका०), कुचरनी, रामकथा; वि० 'राजस्थानी काव्य में संवाद-योजना' विषय पर शोधकार्यरत; प० प्राध्यापक, सेठ मोतीलाल कालेज, शांति-कुटीर, झुँझनू (राज०)।

विश्वनाथ शास्त्री—ज० १ अगस्त, १९०९ जगता, जेहलम, प० पाकिस्तान; शि० एम० ए०, पुस्तकालय-विज्ञान का डिप्लोमा लाहौर (पंजाब वि० वि०); प्रका० पुस्तकालय-प्रवेशिका '५१, दयानंद : जीवनी और साहित्य '६२; प० सहायक पुस्तकाध्यक्ष, वि० वि०, सागर।

विश्वनाथ शुक्ल, डा०— ज० १९ सितंबर, '२७, अलीगढ; शि० एम० ए० हिंदी (प्रथम) तथा संस्कृत, एल-एल० बी०, सा०रत्न, पी-एच० डी० हिंदी '६१ अलीगढ वि०वि०; प्र० '४७ में; प्रका० संक्षिप्त हिंदी व्याकरण '५९; अप्र० हिंदी कृष्ण भक्त साहित्य पर श्रीमदभागवत महापुराण का प्रभाव : १४वीं से १७वी शताब्दी तक (शोधग्रंथ) एव आलो० लेखों तथा कविताओं के दो संग्रह; वर्त० प्राध्यापक, हिंदी-संस्कृत विभाग, वि० वि०, अलीगढ़; प० शुक्ल-सदन, खाईडोरा, अलीगढ।

विश्वनाथ सचदेव—ज० २ फरवरी, '४०; शि० बी०ए०; सा० संपा० त्रैमा० 'वातायन'; प्र० ५८ में; प्रका० स्फुट; प०५ डागा बिल्डिंग, बीकानेर।

विश्वनाथसिंह—ज० १ अगस्त, '२८, शि० एम० ए० हिंदी '५० पटना वि०वि० (सर्वप्रथम, दो स्वर्णपदक प्राप्त); सा० सद० : शाहाबाद जिला हि०सा०सम्मे०, प्रधानमंत्री : अ० भा० भोजपुरी साहि० सम्मे०, अध्यक्ष : तुलसी साहि० संसद बक्सर, भूत० संपा० मा० 'भोजपुरी' आरा; गत बारह वर्षों से डिगरी कालेजों में हिंदी-प्राध्यापक; प्र० '४५ में; प्रका० निर्गुणधारा '५०, नाटककार प्रसाद और चंद्रगुप्त '५१; वि० 'हिंदी नाट्य

शिल्प' पर पी-एच० डी० के लिए शोधकार्यरत ; वि० अनेक संकलनों में निबंध संगृहीत ; प० प्राचार्य, महर्षि विश्वामित्र महाविद्यालय, बक्सर।

विश्वबंधु शास्त्री – ज० ३० सितंबर, १८९७ ; शि० बी० ए० आनर्स (सर्वप्रथम), एम०ए० (सर्वप्रथम), एम० ओ० एल०, ओ० डी०ए० (फ्रांस), के० टी० सी० टी० (इटली), सा० सद० : केंद्रीय संस्कृत बोर्ड, शिष्ट परि० वाराणसेय संस्कृत वि वि०, संस्कृत आयोग, सेनेट पंजाब वि०वि० ; सहमंत्री तथा सचा० विश्वेश्वरानंद वैदिक शोधसंस्थान होशियारपुर, संचा० शोधविभाग डी०ए०वी० कालेज, संस्था० आचार्य ब्राह्म महाविद्यालय लाहौर '२१-'३४, आचार्य विश्वेश्वरानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशियारपुर, प्रधानसंपा० शातकुटी वैदिक ग्रंथमाला, वुलनर भारत-भारती ग्रंथमाला, सर्वदानंद विश्वग्रंथमाला एवं नित्यानंद विश्वग्रंथमाला; सहसंपा० : मा० 'विश्वज्योति' ; प्रका० वेदसंदेश (चारभाग) '२५-'३०, देवयज्ञ-प्रदीपिका '२६, आर्योदय '२८, वेदार्थ-विमर्श '३१, मंत्र-पुष्पांजलि '३६, वैदिक-स्वरांकन रीति-प्रकाश '४२, सच्चा संत '५२, प्रभु का प्यारा कौन '५२, जीते जी हो मोक्ष '५२, सिद्धसाधक कृष्ण '५२, आदर्श कर्म योग '५३, विश्वशांति के पथ पर '५३, समताधर्म '५३, सदाचार-संग्रह '५३ मानवता का मान '५३, सत्संगसार '५३, सुखी संसार '५३, वीर त्यागी '५४ ; संपा० अथर्व प्रातिशाख्य '२३, वैदिक शब्दार्थ-पारिजात '२९, वेद सार (चार भाग) '३१-'५१, वैदिक पदानुक्रमकोश (पंद्रह खंड) '३५, वाल्मीकि रामायण (सातखंड) '२७-'४७, वैदिक विवाह-पद्धति '४०, वेद नवाह्निक '४४, सिद्धभारती (दो भाग) '५०, हस्तलिखित ग्रंथपरितालिका (दो भाग) '५७-'५९, अथर्ववेद-सायणभाष्य (चारभाग) '५८-'६२ ; यंत्रस्थ ऋग्वेद (वेंकट, स्कंद, मुद्गल, उदगीथभाष्य सहित आठ भाग), राज-तरंगिणी (तीन भाग) एवं शताधिक शोधनिबंधों के संग्रह ; वि० एक ग्रन्थ अँगरेजी में भी लिखा है , प० संचालक, विश्वेश्वरानन्द वैदिक शोध संस्थान, साधुआश्रम, होशियारपुर।

विश्वमोहन मार सिंह—ज० जून १९०२ , शि० बी० ए० आनर्स लंदन वि०वि०, एम०ए० अँगरेजी, बी० एल० पटना वि० वि० ; सा०भूत० सद० : बिहार लोकसेवा आयोग, भूत रजिस्ट्रार : बिहार वि०वि०, भूत० प्राध्यापक बी० एन० कालेज पटना, भूत०प्राचार्य मिथिला कालेज दरभंगा, इस वर्ष अवकाश प्राप्त प्रका उप जीवनतट जीवन-लहरी अंत और अनंत

(यत्रस्थ) ; कहा० . मुक्ता के दाने, मुक्ता की लड़ी ; अप्र० निबंधों के कई संग्रह ; त्रि० अँगरेजी में भी लिखा है ; प० ९९, पाटलिपुत्र कालोनी, पटना।

विश्वेश्वरदयाल त्रिपाठी, 'द्विजमान'—ज० १९०७ रिखौना, सीतापुर; शि० खैराबाद एवं इटावा ; प्र० '३० में , प्रका० स्फुट ; अप्र० कवि० : वीणा, आभा तथा चार-पाँच संग्रह ; वि० अनेक स्फुट पुरस्कार प्राप्त, 'साहित्य-भूषण' उपाधि प्राप्त '४२ में, घनाक्षरी-सवैया के कुशल रचयिता ; प० प्रधानाध्यापक, राजकीय विद्यालय, सोनारी, सीतापुर ।

विश्वेश्वरदयालु वैद्य—ज० १८९४ , शि० वेदव्याकरण, शास्त्री, वैद्यशिरोभूषण, आयुर्वेद महामहोपाध्याय ; सा० संपा० 'अनुभूत योगमाला'; प्र० २३ मे ; प्रका० दीर्घजीवन, कर्तव्य - शिक्षण, स्त्रीरोग-चिकित्सा, भारतीय रसायनशास्त्र, हनुमन्नाटक, मुकुन्दलीलामृत (संस्कृत) आदि ६० पुस्तकें ; वि० अनेक स्वर्णपदक प्राप्त ; प० अनुभूत योगमाला आफिसर, कुष्टचिकित्साश्रम, बरालोकपुर, इटावा ।

विश्वेश्वरनाथ रउ—ज० २ जुलाई, १८९० ; शि० साहित्याचार्य ; सा० भूत अध्यक्ष : पुरातत्व विभाग एवं सुमेर सार्वजनिक पुस्तकालय जोधपुर, भूत० सभा० इतिहास परि० अ० भा० हि० सा०सम्मे० झाँसी अधिवेशन, भूत० संस्कृत प्राध्यापक जसवंत कालेज जोधपुर, विशिष्ट परामर्शदाता पी-एच० डी० (राजपूत इतिहास) आगरा वि०वि० , प्रका० भारत के प्राचीन राजवंश भाग १ '१३, भाग २ '२१, भाग ३ '२५, शैवसुधाकर की भाषा टीका '२६, राजा भोज '३२, राष्ट्रकूटों का इतिहास '३४, मारवाड़ का इतिहास भाग १ '३८, भाग २ '४०, आर्य-विधानम् भाग १ '४८, भाग २ '४६, विश्वेश्वर-स्मृति '५०, तथा अँग्रेजी मे चार पुस्तकें ; अप्र० ऋग्वेद पर एक ऐतिहासिक दृष्टि, ऋग्वेद का सांस्कृतिक सामाजिक और ऐतिहासिक सार, ऋग्वेदकालीन भारत (अनु०), वेदो मे उत्तर ध्रुव-निवास ; वि० काशी ना०प्र०सभा से जोधसिह पुरस्कार और बटुकप्रसादपदक प्राप्त, महाराजा संस्कृत कालेज जयपुर से पदक एवं भारतसरकार से 'महामहोपाध्याय' उपाधि प्राप्त ; प० चाँदपोल, जोधपुर ।

विष्णुकुमार त्रिपाठी, 'राकेश'—ज० १ जुलाई '३४, लखनऊ ; शि० एम०ए० अँगरेजी '५७ लखनऊ वि०वि० ; सा० भूत० संपा० 'कचना' ; प्र० '५४ में ; प्रका० स्फुट कविताएँ ; वि० 'स्वर-विभव' कविता-संग्रह के एक कवि , वर्त० प्राध्यापक, अँगरेजी विभाग, विद्यांत डिग्री कालेज, लखनऊ ; प ८८, मास्टर कन्हैयालाल रोड, ऐशबाग, लखनऊ ।

विष्णुदत्त अग्निहोत्री—शि० एम० ए० हिंदी, सा०रत्न ; सा० विहार भूकंप में सेवा-कार्य '३४-'३५ ; प्र० '२६ में ; प्रका० परित्यक्ता (कहा०), अमर सुभाष (कवि०), दृष्टिपात (निबंध), सोने का साँप (कहा०), एक दीप जल रहा (कवि०) '६२ ; वि० 'अमर सुभाष' पर '५१ में म० प्र० हिं०सा० सम्मे० से एवं अन्य स्फुट पुरस्कार प्राप्त , प० प्रधानाध्यापक, ए० मी० सी० आंग्ल माध्यमिकशाला, कटनी सी० एफ० ।

विष्णुदत्त शुक्ल—ज० १८८६ ; शि० 'स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट' एवं विशारद ; जा० अँग्रेजी, संस्कृत, बँगला, गुजराती एवं मराठी ; सा० भूतसंपा० साप्ता० 'युगांतर' गोरखपुर, दै० 'विक्रम' कानपुर, साप्ता० 'प्रताप' कानपुर, मा० 'अग्रवाल' कलकत्ता एवं साप्ता० 'सहयोगी' कानपुर ; वर्त० संपा० मा० 'स्वस्थ जीवन' कलकत्ता एवं मा० 'आयुर्वेद विकास' कलकत्ता ; प्रका० पत्रकार-कला, संविधान, जापान की बातें, लेखनशास्त्र, समाचारपत्र, प्रूफरीडिंग, भेंट और बातचीत, सभा-संचालन, प्रसिद्ध बालक, राष्ट्र की विभूतियाँ, पौराणिक कथाएँ, सुलोचना सती, संस्कृत सौलोचनीयम् (संस्कृत) तथा गंगा (संस्कृत) ; अनु० नारी-विज्ञान, कामशास्त्र की शिक्षा, जलचिकित्सा, आध्यात्मिक शिक्षावली (भाग २), कुंडलिनी योग, औरत का दिल, द्रव्यप्रदीप, चित्तौड़-पतन : संपा० काकोरी के शहीद, गद्यकुसुमांजलि आदि ; वि० 'संस्कृत सौलोचनीयम्' पर उ०प्र० सरकार से पुरस्कार प्राप्त ; वर्मा, चीन तथा जापान की यात्रा की है ; प० ८/१, एस्प्लेनेड ईस्ट, कलकत्ता—१ ।

विष्णुदेव शर्मा स्नातक, डा०—ज० जून '३१ ; शि० स्नातक गुरुकुल वृन्दावन, एम० ए० आगरा वि०वि०, पी-एच० डी० संस्कृत, सागर वि०वि० ; सा० '६१ से प्राध्यापक, संस्कृत विभाग, वनस्थली विद्यापीठ, जयपुर ; प्र० '५२ में , प्रका० ऋग्वेद काल में मानव-आचार, आचार्य विश्वेश्वर ; प० संस्कृत प्राध्यापक, वनस्थली विद्यापीठ, जयपुर ।

विष्णुनारायण मेहरोत्रा—ज० ३० जुलाई, '१८ लखनऊ ; शि० बी० ए० (स्वर्णपदकप्राप्त,) एम० ए० (सर्वप्रथम, स्वर्णपदक प्राप्त) लखनऊ वि०वि०, एल० टी० , प्रका० स्फुट कवि० तथा कहानियाँ ; वि० स्फुट पुरस्कार प्राप्त ; प० हिंदीविभागाध्यक्ष, जुबिली इंटर कालेज, लखनऊ ।

विष्णु प्रभाकर—ज० २१ जून, '१२ ; शि० बी० ए०, हिंदी प्रभाकर ; सा० सद० 'दी इंडियन पी० ई० एन०', 'इंडियन कौंसिल आफ वर्ल्ड अफेयर्स', भूत० 'प्रोड्यूसर ड्रामा' आकाशवाणी दिल्ली, भूत०संपा० 'मानव

धर्म' ('मातृभूमि अंक'), 'ज्ञानोदय' (शांति अंक), 'जीवन साहित्य', एवं 'बालभारती'; प्रका० निशिकान, तट के बंधन, स्वप्नमयी, नवप्रभात, डाक्टर, होरी, धरती अब भी घूम रही है, संघर्ष के बाद, सफर के साथी, प्रकाश और परछाइँ, बारह एकांकी, दस बजे रात आदि; वि० अंतर्राष्ट्रीय कहा० प्रतियोगिता में प्रथम एवं चतुर्थ पुरस्कार प्राप्त, भारत सरकार द्वारा प्रौढ़ शिक्षा के लिए तीन पुरस्कार एवं उ० प्र० सरकार से भी पुरस्कार प्राप्त; प० ८१८, कुंडेवालान, अजमेरी गेट, दिल्ली—६।

विष्णुप्रसाद व्यास—ज० '२६; शि० एम० ए० हिंदी '४८ काशी वि०वि०, सा० म०भा० हिंदी साहि० सभा ग्वालियर के पदाधिकारी तथा कार्यकारिणी के भूत० सद०; संस्था० सद० . लोकायन, भिंड '६२; मंत्री भिंड जिला टैगोर शताब्दी समारोह समिति, संरक्षक: टैगोर कला मंडल, भूत० संस्था०-संपा० 'चपल' '४०, भूत० सहसंपा० साप्ता० 'जीवन', 'प्रजापुकार' एवं 'मंगलप्रभात' ग्वालियर, दै० 'सन्मार्ग' काशी, दै० 'नवप्रभात' एवं 'नया हिंद' ग्वालियर, अर्धसाप्ता० 'जयाजीप्रताप'; 'मध्यभारत संदेश' एवं 'मध्यप्रदेश-संदेश'; प्रका० नया भारत, स्वास्थ्य और समाज-सेवा, आत्म-निर्माण, संगम पर मिलती धाराएँ (कवि०,संपा०) '६२; वि० 'आत्म-निर्माण' पर म० भा० शासन से पुरस्कार प्राप्त; वर्त० सूचना० तथा प्रकाशन संचालनालय म० प्रा० शासन में जिला प्रका० अधिकारी, भिंड, प० द्वारा, श्री ठाकुरप्रसाद व्यास, नयाबाजार, लश्कर।

विष्णुराम सनावद्या, 'सुमनाकर'—ज० '१३; शि० साहित्यमनीषी, विद्याविनोद, हिंदी रत्न; सा० सद०: परामर्शदात्री समिति नीमाड़ लोक साहि० परि०, खरगौन एवं मंडल पंचायत खरगौन; उपसरपंच: ग्राम पंचायत ऊन, सरपंच केंद्रपंचायत खरगौन; प्र० ३४ में; प्रका० सदुपदेश-सुधा, सगुर-परिचय, विनम्र भारती, महारानी खुशीबाई, गुरुदेव गौरीशंकर, गायत्री-मंत्र, बाबूराव जी परसाई, श्री भावागिरि पूजन; वि० एक रजतपदक प्राप्त; प० संतोषकुटीर, ऊन, पश्चिम नीमाड़ (म० प्र०)।

विष्णुशरण, 'इंदु', डा०—ज० ९ जुलाई, '२३; शि० प्रभाकर, सा०-रत्न०, एम० ए० हिंदी '५१, पी-एच० डी० '६० आगरा वि०वि०; सा० मंत्री: मेरठ जनपद हि०सा०सम्मे०, उपमंत्री हिंदी साहि० समिति मेरठ, स्वागत-मंत्री . अ०भा० साहि०सम्मे० राष्ट्रभाषा परि० मेरठ अधिवेशन '४८,'५१ से मेरठ कालेज में हिंदी प्राध्यापक; प्र० '४५ में; प्रका० भावना (कवि०) '४५, हिंदी साहित्य: एक दृष्टि में ४६; अप्र० विजयिनी (कवि०), हिंदी में

भक्ति और रीति की संधिकालीन प्रवृत्तियों का विवेचनात्मक अनुशीलन (शोधग्रंथ) एवं आलो० लेखों के दो संग्रह; प० २६३, सरायलालदास, मेरठ।

बिहारीलाल मिश्र—ज० १२ जनवरी, '२५ ; शि० एम०ए० '४८ काशी वि०वि० ; प्र० '४८ में , प्रका० रश्मिबंधप्रकाश (आलो०), अशोक के फूल (आलो०), भारतवर्ष (भूगोल), आचार्य जानकी वल्लभशास्त्री : व्यक्तित्व और कृतित्व (यंत्रस्थ) , अप्र० अभियानी (कवि०), अमिय हलाहल (कहा०), भौतिक भूगोल, क्रियात्मक भूगोल, मानचित्र प्रक्षेप एवं शताधिक रचनाओं के संग्रह ; वि० 'निराला' एवं 'शास्त्री' के गीतों को शास्त्रीय स्वरों में बाँधने में संलग्न, कुछ स्वरलिपियाँ प्रकाशित भी की हैं; प० प्राध्यापक, भूगोल विभाग, गया कालेज, गया।

बिहारीलाल शास्त्री—ज० १८८० ; शि० शास्त्री, विशारद, काव्य-तीर्थ ; सा० हिंदी-प्रचार एवं आर्यसमाज का कार्य, म्यु० इण्टर कालेज के भूत० अध्यापक ; प्र० '१७ में ; प्रका० भरत-चरित्र, सुमन संग्रह, वेद-वाणी, वेदांत-दर्पण, चाणक्य-नीति (टीका),गीता (अनु० एवं आलो०),चुने हुए फूल, अप्र० दो-तीन पुस्तकें; प० सुभाषनगर, बरेली।

बी० गोविंद शिनोई, डा०—शि० एम० ए०, एल एल० बी०, पी-एच० डी० ; प्रका० मिस्टिक साहब का कुरता तथा स्फुट ४५ कहानियाँ एवं २० निबंध ; अप्र० हिंदी और मलयालम कथा साहित्य की प्रवृत्तियाँ तुलनात्मक अध्ययन (शोधग्रन्थ), हिंदी और मलयालम कहानीसाहित्य तुलनात्मक अध्ययन, किसके लिए (अनु० उप०) एवं दो कहानी और एक लेख-संग्रह; प० प्राध्यापक हिं०वि०, यूनिवर्सिटी कालेज, त्रिवेंद्रम।

बी० तारानाथ—ज० १ जनवरी '२७ हल्लीखेड, बीदर, मैसूर ; शि० सा०रत्न० सम्मे० प्रयाग, एम० ए० हिंदी, उस्मानिया वि०वि० हैदराबाद, विद्वान हैदराबाद ; सा० हिंदी वर्गों का अवै० संचालन तथा अध्यापन ; प्र० '४७ में ; प्रका० स्फुट ; वि० मातृभाषा कन्नड़ है जिससे अनेक अनु० किये हैं; प० ५।४।१५५, मुरलीधरबाग, देवीमंदिर, हैदराबाद।

बीरदेव, 'बीर'—ज० १४ जून १९०३ ; शि० बी० ए० '२३ ; सा० '२३ से '२७ तक पत्रकारिता, '२७ से '४९ तक शिक्षा-क्षेत्र (अमृतसर) में कार्य, 'स्टेट आर्गनाइजिंग कमिश्नर भारतस्काउट्स तथा गाइड्स' पंजाब '४९; प्र० '३० में ; प्रका० नाट० भूख '४४, न्याय, संघर्ष, दृश्य-सरिता (एका०), कसक, गीत और नाद ; प० २९ डी, सेक्टर १८ सी, चंडीगढ़।

वीरबाला, 'वीरा'—ज॰ अक्टूबर, '३२ प्रयाग; शि॰ स्नातिका गुरुकुल, बी॰ ए॰; प्रका॰ मौत का फूल (उप॰); अप्र॰ दो कविता-संग्रह; प॰ २३४५, धर्मपुरा, दिल्ली ६।

वीराचार्य शास्त्री, 'महावीर कौशिक'—ज॰ '२५ कौल, करनाल; शि॰ स्नातक, विद्याभास्कर हरिद्वार, शास्त्री, प्रभाकर पंजाब, सा॰रत्न सम्मे॰ प्रयाग, साहित्याचार्य वाराणसी; ज्ञा॰ संस्कृत, अँगरेजी एवं गुजराती; प्रका॰ उपासना-रहस्य, क्यों ?(सहलेखक); अप्र॰ कवि॰ एवं कहानियों के दो संग्रह; प॰ द्वारा मुरारीलाल त्यागी, ३९/८, शक्तिनगर, दिल्ली ६।

वीरेंद्रकुमार गुप्त—ज॰ २१ अगस्त, '२८, सहारनपुर; शि॰ एम॰ ए॰, प्रभाकर, सा॰रत्न; सा॰ अध्यापक हा॰से॰स्कूल '४९ से, भूत॰ प्रूफसंशोधक: 'अर्गनाइजर' एवं 'टाइम्स आफ इण्डिया' दिल्ली, भूत॰ सहसंपा॰ 'भारतवर्ष' दिल्ली; प्र॰ '४० में; प्रका॰ सुभद्रा-परिणय (नाट॰) '५२, द्वाख्या (प्रौढशिक्षा) '५४, प्रौढशिक्षा के लिए पचास से अधिक बुकलेट, प्रसिद्ध व्यक्तियों के प्रेम-पत्र, हड्डियों का दान, समय और हम; अप्र॰ प्राण-द्वन्द (पद्यबद्ध-उप॰), एक भँवर : एक दीप (उप॰) एवं दो-तीन संग्रह; वि॰ अँगरेजी से अनेक अनु॰ किये हैं; प॰ १०६ ई, कमलानगर, दिल्ली।

वीरेंद्रकुमार जैन—शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी; प॰ '४० में; प्रका॰ कहा॰: आत्म-परिणय, शेषदान, प्रकाश की खोज मे (निबंध), मुक्तिदूत (उप॰), अनागता की आँखे (कवि॰); प॰ प्रधानसंपा॰, मा॰ 'भारती', भारतीय विद्याभवन, चौपाटी रोड, बंबई ७।

वीरेंद्रकुमार पांडेय—ज॰ २ जनवरी, '२७; शि॰ लखनऊ; सा॰ तीन विदेशी उपन्यासों तथा दो डाकूमेंट्री व एक फीचर फिल्म के सिनेरियों, कमेंट्री तथा संवादो का हिंदी मे अनु॰, रेडियो नौरोबी से प्रचारित 'भारत से पत्र' नामक साप्ता॰ कार्यक्रम के लेखक, भूत॰ संपा॰ साप्ता॰ 'हमारी बात', 'जनमत' एवं 'उत्थान' लखनऊ, शिक्षा मंत्रालय भारतसरकार द्वारा प्रका॰ 'ज्ञानसरोवर' तथा अ॰ भा॰ कांग्रेस कमेटी के मुखपत्र 'आर्थिक समीक्षा' के संपादकीय विभाग में लगभग पाँच वर्ष कार्य; प्र॰ '४० मे; प्रका॰ संत रविदास और उनका काव्य (समीक्षा), सिंधु की बेटी (उप॰), पाँच उप॰, दो कहा॰-संग्रह, दो राजनीतिक समीक्षाएँ तथा एक दर्जन से अधिक बालो॰ पुस्तकें, तीन विदेशी उपन्याओं का हिंदी में अनु॰; वर्त॰ संपा॰ (हिंदी) प्रकाशन विभाग, यूनाइटेड स्टेट्स इनफार्मेशन सर्विस, नई दिल्ली; प॰ डी॰ २२, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली—१४।

वीरेंद्रकुमार—ज० भोजापुर, बलिया ; शि० बी० ए०, सा०रत्न सम्मे० प्रयाग, साहित्यभूषण देवघर, सा० भूत०प्रचारक : पश्चिमबंग राष्ट्र भाषा प्रचार समिति बरहमपुर शाखा, भूत० प्रधान संपा० 'पराग' मुजफ्फरपुर ; प्रका० हिंदी सफलता (छात्रो०), संस्कृत संग्रह की सुलभ दीपिका आदि : प० प्राध्यापक, हाईस्कूल, परमागढ़, सारन ।

वीरेंद्रपाल वरणा, 'बनवारी भइया'—ज० १५ मार्च, '२०, जीवनाबाद, एटा ; शि० प्रभाकर पंजाब, सा०रत्न सम्मे० प्रयाग, सिद्धांत-शास्त्री, इंटर, अजमेर ; सा० भूत०सद० : अ० भा० शिक्षासंघ कौंसिल '५६ '५७, भूत० मंत्री : आर्यसमाज उदयपुर छह बार, उदयपुर डिवीजन शिक्षक संघ छह वर्ष तक, वर्त० मंत्री : उदयपुर शिक्षक संघ, भूत० संयुक्तमंत्री राज० शिक्षक संघ '६०-'६१, भूत० अवै० अध्यापक : साहि० विद्यालय उदयपुर, '३० के स्वराज्य आंदोलन में तीन बार कारावास ; भूत० संपा० मा० 'सुधाकर' लाहौर एवं साप्ता० 'वीरभूमि' उदयपुर ; प्रका० जमुना के किनारे, गोशाला, निबंध और पत्र, रचना-प्रबोध, राजपूताने की मुद्रा (बालो०), अप्र० हिंदी साहित्य में बावनियाँ (संपा०), ग्राम्य गरिमा (कवि०), प० प्राध्यापक, राजकीय धानमंडी स्कूल, उदयपुर ।

वीरेंद्रप्रसाद जैन—ज० १९ जुलाई, '३१ ; शि० बी० ए० प्रयाग वि० वि०, सा०रत्न, साहित्यालंकार; सा० संचा० महावीर मुद्रणालय, सहसंपा० 'अहिंसावाणी' ; प्रका० भगवान महावीर वर्द्धमान (प्रबंध०); अप्र० चार संग्रह, प० जैनभवन, अलीगंज, एटा ।

वीरेंद्रप्रसाद मिश्र—ज० ७ जनवरी '२८ ; शि० बी० ए०, प्र० '४६ में ; प्रका० गौतम, लेखनी बेला ; वि० 'गौतम' म० भा० कला परि० द्वारा पुरस्कृत ; प० असिस्टेंट प्रोड्यूसर हिंदी वार्त्ता, आकाशवाणी, नई दिल्ली ।

वीरेंद्र भटनागर—ज० ५ जुलाई, '३५, मुरार, ग्वालियर ; शि० एम० एस-सी० (प्रथम) '५६ आगरा वि० वि०; प्र० '५४ में ; प्रका० विज्ञान के बढ़ते चरण '६२, सामान्य विज्ञान '६२ ; वि० 'कर्णातीत तरंगों का विद्युत विसर्जन पर प्रभाव' विषय पर शोधकार्य ; वर्त० प्राध्यापक भौतिक विज्ञान, मौलाना आजाद कालेज आफ टेक्नालोजी, भोपाल ; प० ९५, मालवीय नगर, भोपाल ।

वीरेंद्र शर्मा—ज० १ नवंबर, '२८ ; शि० एम० ए० समाज शास्त्र एवं ग एल टी सा भूत संपा मासिक भव्य

भारत' '५५-'५८; प्र० '५३ मे ; प्रका० सिगार के फूल (कवि०) '६० ; प० द्वारा गाँधी स्मारक निधि, माम् भाजा, अलीगढ़ ।

वीरेंद्रसिंह, डा०—ज० ११ नवंबर '३५ , शि० एम० ए० हिंदी० '५६, डी० फिल० प्रयाग वि०वि० ; प्रका० हिंदी काव्य में प्रतीकवाद (शोधग्रंथ) , अप्र० हिंदी काव्य में वैज्ञानिक चिंतन; प० ७ सप्रू रोड, इलाहाबाद ।

वीरेश्वरसिंह—ज० १५ अक्टूबर, १९०९ ; शि० एम० ए०, एल-एल० बी० ; सा० मंत्री हिंदी साहि० परि० बाँदा, अध्यक्ष जिला पत्रकार परि० बाँदा ; प्र० '३० मे ; प्रका० बिजली (नाट०), उँगली का घाव (कहा०), पिउ कहाँ (उप०), माँ (खंड०), चाँदनी (एका०) '६१ ; अप्र० दो संग्रह ; प० ऐडवोकेट, सिविल लाइंस, बाँदा ।

वृंदावनलाल वर्मा, डा०—ज० ९ जनवरी, १८८९ मऊरानीपुर, झाँसी ; शि० बी० ए०, एल-एल०बी०, डी० लिट० (सम्मानार्थ) आगरा वि०वि० , सा० सद० : सिनेट आगरा वि० वि० ; प्र० १९०८ में ; प्रका० गढ़कुंडार, झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई, मृगनयनी, माधव जी सिंधिया, कचनार, अचल मेरा कोई, विराटा की पद्मिनी, मुसाहिब जू, कुंडलीचक्र, प्रेम की भेंट, प्रत्यागत, टूटे काँटे आदि उपन्यास ; राखी की लाज, झाँसी की रानी, काश्मीर का काँटा, फूलों की झोली, गाँस की फाँस, लो भाई पंचो लो, पीले हाथ, मंगल मोहन, कब तक, नीलकंठ, सगुन, पायल, जहाँदारशाह, हंस-मयूर आदि नाटक ; हरसिंगार, दबे पाँव, कलाकार का दंड आदि कहानी-संग्रह सब साठ से अधिक ग्रंथ ; वि० भारत सरकार, उ०प्र० सरकार एवं म०प्र० राज्य के साहि० पुरस्कार तथा हरजीमल डालमिया, साहित्यकार संसद, हिंदुस्तानी एकेडमी एवं काशी ना०प्र०स० के सर्वोत्तम पुरस्कार प्राप्त, आपकी अनेक रचनाओं के अनु० देशी-विदेशी भाषाओं में हुए हैं ; झाँसी की रानी, १८५७ के अमर वीर, मृगनयनी, टूटे काँटे तथा भुवन विक्रम का अनु० रूसी भाषा मे हुआ है ; प० मानिक चौक, झाँसी ।

वृंदावन विहारी—ज० १९०९, हब्बूपर, शाहाबाद ; शि० इंटर पटना वि० वि० ; प्रका० उप० . आकांक्षा एवं लालचंद ; कहा० . मधुवन ; अन्य : श्रीकामता सखी : एक अध्ययन ; अप्र० नया कदम (उप०), फूलों का गजरा (कहा०), अकेले (भोजपुरी कहा०), नीलमरानी (एकां०) एवं चार अन्य पुस्तकें : प० अध्यक्ष, जड़ी बूटी अनुसंधानशाला, न्यू एरिया, बक्सर ।

वृद्धिचंद्र शर्मा—ज० २२ फरवरी, १९०६ , शि० व्याकरणाचार्य, म[illegible] साहित्यशास्त्री पंजाब वि वि हिंदी विशारद सा मूत

सद० : कार्यसमिति सनातनधर्म हिंदी विद्यापीठ, सद० : महासमिति अ०भा० संस्कृत साहि० सम्मे०, मंत्री : राज० संस्कृति-साहित्य सम्मे०, पुरातत्व मंदिर राज० के अन्वेषण-मुद्रण-सहयोगी, भूत० प्राध्यापक : महाराज संस्कृत कालेज जयपुर, भूत० प्रका०-संपा० 'संस्कृत रत्नाकर' (दसवर्ष) भूत० संपा० संस्कृत मा० 'भारती' जयपुर (तीनवर्ष), प्रका० सपिण्ड्य विवाह अशास्त्रीय है '३३ ; अप्र० दो लेख-संग्रह ; वि० अनेक अभिनंदन-ग्रंथों में रचनाएँ संगृहीत ; प० अवकाशप्राप्त संस्कृत प्रोफेसर, खूँटेटों का रास्ता, जयपुर।

वेंकटेशचंद्र पांडेय, 'कविकोल्हू'—ज० २५ जुलाई, '१६, बरेली ; शि० एम० ए० हिंदी तथा इतिहास, आगरा वि०वि०, एल० टी० ; सा० सद : कविमंडल, सुहृद गोष्ठी, हिंदी-प्रचार-सभा अलीगढ़ ; संस्था० : हिंदी साहि० परि० पीलीभीत, भूत० हिंदी प्राध्यापक : अलीगढ़, फतेहपुर, झाँसी, बरेली, प्रयाग, पीलीभीत आदि राजकीय इंटरकालेजों में ; प्रका० हास्य-कवि० : चप्पल, मेरा टामी, रेल का डिब्बा ; अप्र० दो पुस्तकें ; प० साहित्यिक सहायक, कार्यालय पाठ्य पुस्तक अधिकारी उ०प्र०, ६ माल एवेन्यू, लखनऊ।

वेणीप्रसाद शर्मा, 'दिनेश'—ज० '१२ ; शि० वैद्य विशारद, कथावाचस्पति, संकीर्तनरत्न, पुराणभूषण, धर्मालंकार ; प्रका० सत्यनारायण कथा, श्रीपावागिरिभजनावली, भजन-पुष्पांजलि, आदर्श भजनावली, श्रीमहालक्ष्मी-भजनावली, श्रीअंबा - भजनावली, श्रीपावागिरि - सुमन - संचय आदि, प० शांतिकुटीर, ऊन, पश्चिमी नीमाड।

वेणीराम त्रिपाठी, 'श्रीमाली'—ज० १९०९, वाराणसी; सा०संपा०मा० 'गीताधर्म' वाराणसी '६० से ; प्र० '३० में ; प्रका० नाट० : रामलीला, गणेशजन्म, पंजाब मेज, जेब घड़ी, त्रिवेणी-सौभाग्य, सावित्री-सत्यवान, भक्त चन्द्रहास, महाभारत, वीर अभिमन्यु, श्रवणकुमार, भक्त सूरदास, दानवीर कर्ण, श्रीमतीमंजरी, देशरत्न सुभाष, दोहरी भूल, रामावतार, कृष्ण-सुदामा, भक्त ध्रुव, भक्त प्रह्लाद, सुलताना डाकू ; उपाख्यान : वीर परशुराम, महारानी सीता, सती सावित्री, देवी द्रौपदी, देवी पार्वती ; उप० : भूल पर भूल, सफेद फूल, अप्र० दो पुस्तकें, वि० कई नाटक अभिनीत; प० दंडपाणि गली, काल भैरव, वाराणसी।

वेदकुमारी, श्रीमती—ज० १९ जनवरी, '२४ ; शि० प्रयाग ; प्रका० मधुरगीता (पद्यानुवाद) '५० ; प० द्वारा श्रीराममोहन चँदौसी।

वेदनंदन—ज० दिसंबर, '२४ ; शि० बी० काम० आरा ; सा० उपाध्यक्ष : निराला परि० पटना ; प्रका० स्फुट : अब जीवन का सौदा

(नाटक) एवं दो कविता-कहानी-संग्रह ; त्रि० 'नवांजलि' कविता-संग्रह के एक कवि ; प० सहायक, नदी घाटी योजना (कोशी शाखा) बिहार, नया सचिवालय, पटना—१ ।

वेदप्रकाश शर्मा—ज० १० जून, '२० ; शि० मैट्रिक ; प्र० '६१ मे , प्रका० उप० : हीर, बिना दिल का इंसान; यंत्रस्थ : सच की गोली, उजाले की वसीयत ; अप्र० तीन कहानी-कविता-संग्रह ; वि० पंजाबी मे भी लिखते हैं ; वर्त० सुपरिटेंडेंट, सी० पी० डाइरेक्टरेट, नैवल हेडक्वार्टर्स, नई दिल्ली ; प० ५५, लेकस्क्वायर, नई दिल्ली ।

वेदप्रकाश शास्त्री, डा०—ज० '३४ ; शि० बी० ए० आनर्स, शास्त्री, प्रभाकर, पंजाब वि०वि , एम० ए० उस्मानिया वि० वि०, डी० एस-सी० (ए०) झाँसी आयुर्वेद वि०वि०, सा०रत्न, आयुर्वेदरत्न सम्मे० प्रयाग ; सा० भूत० सह संपा० मा० 'कर्तव्य' एव साप्ता० 'संगम' (हैदराबाद), संवाददाता 'नवभारत टाइम्स' ; प्र० '४८ मे ; प्रका० बाल पद्य-पराग '६१ ; अप्र० भारतीय चिकित्सा में पारद का महत्व (शोधनिबंध), बाल पद्य-व्याकरण, हिंदी साहित्य मे रहस्य भावना, पंचतत्र (हिंदी अन०) ; वि० 'श्रीमद्भागवत का सूर पर प्रभाव' विषय पर पी-एच० डी० उपाधि के लिए शोधकार्य-रत ; प० २१।१।१९८, गाँधीबाजार, हाईकोर्ट के सामने, हैदराबाद ।

वेदवती शर्मा—ज० '२७ ; शि० सासनी (हाथरस), व्याकरणोपाध्याय लाहौर ; सा० भूत० प्रधानाध्यापिका घनश्यामदास वैदिक कन्या महाविद्यालय देवरिया ; प्रका० स्फुट ; अप्र० अनेक संस्कृत ग्रंथों के हिंदी अनु० ; प० द्वारा, भारतीय प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, २४।३१२, रामगंज, अजमेर ।

वैकुंठनाथ मेहरोत्रा—ज० २५ नवंबर, '२१ ; शि० एम० ए इतिहास, एल-एल० बी०, एल० एस० जी० (डिप०), प्रयाग वि० वि० ; प्र० '३६ मे . प्रका० कहा० . मौन निमत्रण, धरती और धुआँ, ऊँचे : और ऊँचे ; अप्र० दो पुस्तके ; वर्त० स्वतंत्र पत्रकार ; प० २० ए० घोष बिल्डिंग्स, जवाहरलाल नेहरू रोड, इलाहाबाद ।

वैद्यनाथ शर्मा—ज० २० सितबर, '३२, पटसारा, मुजफ्फरपुर ; शि० बी० ए० '५७ पटना वि० वि० , जा० अँगरेजी, मैथिली, संस्कृत, फ्रेंच. बँगला तथा उर्दू ; प्र० '४८ में ; प्रका० ज्यामितीय बनावट '५०, प्रारंभिक ज्यामिति '६१ आदि ; अप्र भक्त प्रह्लाद (नाट०), भारतीय अर्वाचीन नररत्न एव कविता, कहानी, रेखाचित्र आदि के चार संग्रह ; वर्त० हाई स्कूल में अध्यापक प० पटसारा, वाया पीअर मुजफ्फरपुर ।

वैद्यनाथ शास्त्री, आचार्य—ज० १२ दिसंबर, '१५ ; शि० वाराणसी तथा पंजाब ; सा० वाराणसी, लाहौर, पोरबंदर, नासिक, बड़ौदा आदि स्थानों में प्राचार्य एवं अनुसंधानकर्ता के रूप में कार्य किया , प्र० '४३ मे ; प्रका० आर्य सिद्धात सागर '४३, कर्ममीमामा '५४, वैदिक ज्योति '५५, शिक्षण-तरंगिणी '५६, वैदिक इतिहास-विमर्श '६१, दयानंद-सिद्धातप्रकाश '६२ ; अप्र० स्फुट लेखों के दो संग्रह एव दो अन्य पुस्तके ; वि० 'वैदिक ज्योति' पर '५६ में सार्वदेशिक सभा दिल्ली से सर्वप्रथम 'दयानंद-पुरस्कार' प्राप्त ; संस्कृत और अँगरेजी मे भी अनेक लेख लिखे हैं, सभी धर्मो के तुलनात्मक अध्ययन मे संलग्न ; प० पंचवटी, नासिक ।

व्यौहार राजेंद्रसिंह—ज० १२ सितंबर, १९०० ; शि० बी० ए० जबलपुर ; सा० अध्यक्ष : म० प्र० साहि०सम्मे० एव अ० भा० साहि-परि०, सभा० : भा० संस्कृत संघ एव साहि-संघ ; प्र० '१८ मे ; प्रका० ग्राममुधार (दो भाग) '२०, ग्रामो का आर्थिक पुनरुद्धार '२८, महात्मा जी का महाव्रत '३५, त्रिपुरी का इतिहास '३९, मानस-सुधा (संक०) '४९, नक्षत्र (कवि०) '४९, मेघदूत (नाट०) '५२, वर्षामगल (नाट०) '५२, बापू की कहानियाँ (पाँच भाग) '५३-'५४, मौन के स्वर (लेख) '५४, सकल भूमि गोपाल की (नाट०) '५५, विनोबा-संवाद '५७, सावित्री '५९, पंच अध्याय (उप०) '६२, सर्वोदय अर्थशास्त्र '६२, रामायण (काव्य) '६२ ; अप्र० चार-पाँच संग्रह ; प० साठिया कुआँ, जबलपुर ।

ब्रजकिशोर, 'नारायण'—ज० '१९, बडहरवा, मलाही, चंपारन , शि० गुजरॉवाला एव लाहौर ; सा० अध्यक्ष : निराला परि० पटना, भारत सरकार एवं विभिन्न एकेडमियो की अनेक पुरस्कार-समितियों के सम्मानित निर्णायक, संस्था० : व्यग्यपत्र 'चाणक्य', भूत० प्रधानसंपा० मा० 'शाति' लाहौर '४१ एवं 'हिदी मिलाप' के संपा०मंडल मे रहे, दै० 'हिदुस्तान' (बबई के साप्ता० संस्करण) तथा दै० 'लोकमान्य' (कलकत्ता के साप्ता० संस्करण) के इचार्ज ; आजकल प्रधानसंपा० 'जनजीवन' समाज शिक्षा बोर्ड. बिहार सरकार ; प्र० '३५ में ; प्रका० सिहनाद (कवि०) '४०, बाज का प्रेम (कहा०) '४४, यशस्विनी (कवि०) '४६, राष्ट्र के लिए (उप०) '५०, वर्धमान महावीर (नाट०) '५०, नारायणी (कवि०) '५०, रीता (उप०) '५५, सपना टूट गया (एकां०) '५५, मधुमय (कवि०) '५५, वक्रचद्रमा (कवि०) '५९, स्वस्तिका (उप०) '६०, मरने के बाद (उप०) '६१, नाना की नजर मे (उप०) '६१. वर्षगाँठ (नाट०) '६१. सात समंदर पार (यात्रा) '६१ यूरोप

कुछ ऐसे : कुछ वैसे (यात्रा-निबंध) '६० ; बालो॰ हँसी खुशी, आ री निंदिया, गोलगपाड़े, ताकधिनाधिन, पेट्पाँड़े, लड्डू, पेडे, बताशे, रसगुल्ले, जलेबी, बालक-बत्तीसी आदि ; अप्र॰ अनारकली (महा॰), विदेशिनी (कवि॰) मरने के बाद (उप॰), पत्नी का कन्यादान (व्यग्य कहा॰), अजंता (नाट॰), गुरु-लघु (निबध), मेरा देखा यूरोप (यात्रा), विदेशी व्यक्तित्व आदि, प॰ (१) सपा॰ 'जनजीवन', शिक्षा विभाग, बिहार सरकार, पटना—१। (२) कच्ची तालाब, पटना—१।

ब्रजकिशोर पांडेय, 'ब्रजनंदन', 'ब्रजेंद्र'—ज॰ १९०८ ; शि॰ प्राइमरी, सा॰ सद॰ ब्रजसाहि॰ मडल मथुरा, अवध साहि॰ परि॰ लखनऊ, चातुर मडल रायबरेली ; प्रका॰ वैवाहिक विनय ; अप्र॰ ऊधो-उपचार, ब्रिटिश असहयोग, ब्रजनंदन-विनोद, भगवंत-भजन; वि॰ 'काव्यभूषण', 'कविमनीषी' एव 'कविरत्न' उपाधि प्राप्त ; प॰ लालगज, रायबरेली।

ब्रजकिशोर प्रसाद, 'पकज'—ज॰ ३० जून, '३४, देवरिया, शि॰ इंटर कलकत्ता ; प्र॰ '५६ मे ; प्रका॰ स्फुट ; अप्र॰ धरती के दीप (कहा॰), महाकवि निराला (प्रबन्ध), पंद्रह कविता-सग्रह तथा एक निबन्धसंग्रह, वि॰ 'नवाजलि' कविता-संग्रहके एक कवि ; प॰ देवरिया, महराजगंज, सारन।

ब्रजकिशोर वर्मा—ज॰ ११ अगस्त '१८ ; जा॰ अँग्रेजी, मैथिली, संस्कृत तथा बँगला ; सा॰ संस्था॰ एवं निर्देशक: लोकसा (लोक कला एव साहित्य) इंस्टीट्यूट, उत्तरी बिहार में लोक साहित्य का संकलन-कार्य किया, '४२ के आदोलन मे चार वर्ष का कारावास, भागलपुर कैंपजेल मे कारा वि॰वि॰ का संगठन ; तीन वर्षो तक 'कैदी की आवाज' (वाणी-पत्रिका) का निर्देशन ; प्र॰ '३८ मे ; प्रका॰ त्रिधारा (उप॰) तथा स्फुट कहानियाँ, नाट॰ एव कविताएँ, वि॰ मैथिली मे भी लिखते हैं, प॰ बहेडा, दरभंगा।

ब्रजनदन पाठक, 'प्राणेश'— ज॰ १८ फरवरी, '३६ ; शि॰ मैट्रिक, साहित्यालकार ; सा॰ संस्था॰ : श्री भारती पुस्तकालय '५०, साहित्य-सुषमा-सदन '५१, भूत॰ संपा॰ साप्ता॰ 'गृहस्थी' तथा 'लोकसेवक' गया ; प्रका॰ स्फुट ; अप्र॰ साकी (गीत), सती (प्रबंध॰), हंसदूत (खंड॰), बिहार-विभूति, भारत-भ्रमण (संपा॰) ; वि॰ अनेक स्फुट पुरस्कार प्राप्त ; प॰ हडईल, धराउत, गया।

ब्रजभूषणदास अग्रवाल—ज॰ १८८७ ; शि॰ मैट्रिक ; सा॰ संस्था एव सचा त्रै श्रीगौराग वाराणसी प्र २६ में प्रका निमाई

(बँगला से अनु०) एवं श्री कृष्ण चैतन्य महाप्रभु के छह शिष्य गोस्वामियों तथा अन्य भक्तों की जीवनियाँ ; प० भूषणलाज, लंका, वाराणसी ।

व्रजभूषण पांडेय—ज० २५ दिसंबर, '२६, सुलेमानपर्वत, प्रतापगढ, सा० बंबई के 'वेंकटेश्वर समाचार' तथा साप्ता० 'सन्मार्ग' में संपा० कार्य, प्र० '४६ मे ; प्रका० अयोध्याकांड (सपा०), शकुंतला नाटक (सपा०), पंचवटी एक अध्ययन, बालक का विकास कैसे हो (बालमनोविज्ञान), जिंदगी का सुख (नाट०), भारतीय तत्वचिंतन (दर्शन) तथा लगभग २०० स्फुट निबंध ; वि० 'भारतीय तत्व चिंतन' के प्रकानार्थ उ०प्र० सरकार द्वारा ७५०) की सहायता प्राप्त ; प० प्रबंध सहायक, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग ।

व्रजभूषण सक्सेना, 'भूषण'—ज० ८ अक्टूबर, '३१ ; शि० एम० ए० हिंदी, सा०रत्न ; सा० प्रधानमंत्री : हिंदी विद्यापीठ उज्जैन, अध्यक्ष० जिला शिक्षकसंघ उज्जैन ; संस्था० मंदसौर में दशपुर साहि० परि०, हिंदी महा विद्यालय एव साहित्यकार संसद, प्र० ४७ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० कहा० : धरती के फूल, आसमान के सितारे, स्वप्न और संकल्प एवं आँख की पुतली (उप०) ; प० बालागंज, मदसौर ।

व्रजभूषण सिंह, 'आदर्श'—ज० ५ जुलाई, '३१ ; शि० एम ए० हिंदी, नागपुर वि०वि० ; सा० '५६ से मध्यप्रदेश शासन के सूचना एवं प्रकाशन संचालनालय मे जनसंपर्क अधिकारी, भूत०संपा० 'बालमित्र' जबलपुर, 'पूजा' जबलपुर, 'ज्वालामुखी' नागपुर, मुस्कान' नागपुर, प्र० '२८ मे, प्रका० बाल-नाद (कवि०), नया सबक, स्नेह-सूत्र (कहा०), विविध ज्ञान-संग्रह, सामान्य ज्ञान-संग्रह, सामान्य ज्ञान-प्रश्नोत्तरी, छत्तीसगढ के साहित्यकार, महाकोशल के साहित्यकार ; यंत्रस्थ : आँखू, आँसू और कब्र (कहा०), कवि-दर्शन (दो भाग) ; अप्र० मध्यप्रदेश के हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, वि० 'छत्तीसगढ के साहित्यकार' पर उ० प्र० सरकार द्वारा ३००) का पुरस्कार प्राप्त ; दो बार और पुरस्कृत, प० जनसंपर्क अधिकारी, म० प्र० सूचना एवं प्रकाशन संचालनालय, सिविल लाइंस, सागर ।

व्रजमोहन, डा०—ज० ११ अप्रैल, १९०८; शि० एम० ए० (सर्वप्रथम), एल-एल० बी० आगरा वि०वि०, पी-एच० डी० लिवरपूल वि०वि० (इँग्लैंड), (स्वर्णपदकप्राप्त) ; सा० सद० शब्द-साधना-समिति केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय वाराणसी '५७ से, हिंदी समिति उ०प्र० सरकार लखनऊ '५७ '६१, हिंदी गणितीय कोश समिति केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय दिल्ली '५८ से; भूत० मंत्री हिंदी प्रकाशनमंडल काशी वि० वि '४५ '५८ गणित विभाग इंडियन

माडंस कांग्रेस वाराणसी अधिवेशन '४४ तथा '५५ में, एवं स्वागतसमिति अ० भा० संगीत सम्मे० वाराणसी '४४ ; भूत० अध्यक्ष : विज्ञान परि० हिं०सा० सम्मे० बंबई '४८, ऐतिहासिक व्याकरण समिति काशी वि०वि० '६१ से ; भूत० प्राध्यापक : डी० एम० कालेज, अलीगढ़ '२९-'३०, प्राध्यापक एवं रीडर गणित विभाग काशी वि० वि० लगभग २८ वर्ष, प्राचार्य : सेंट्रल हिंदू कालेज वाराणसी '६२ से ; प्रका० ठोस ज्यामिति की शब्दावली '४६, प्रारंभिक कलन '४७, इंटरमीजिएट बीजगणित : प्रश्नोत्तरी '४८, अँग्रेजी-हिंदी वैज्ञानिक कोश (खंड एक, सहसंपा०) '४८, मायावर्ग '४९, अँग्रेजी-हिंदी वैज्ञानिक कोश (खंड दो, सहसंपा०) '५०, नियामक ज्यामिति (भाग एक) '५०, हमारे त्यौहार '५२, गणितीय कोश '५४, ठोस ज्यामिति '५५, माध्यमिक बीजगणित (सहसंपा०) '५५, माध्यमिक रेखागणित '५६. माध्यमिक बीजगणित '५६, मोहन की मुरली (भजन) '५८, इंटरमीजिएट ठोस ज्यामिति की कुंजी '५८ ; यंत्रस्थ : गणित का इतिहास, अनंत श्रेणी (दोनों पुस्तकें उ० प्र० सरकार के आदेश पर लिखित), तथा सात पुस्तकें अँग्रेजी में ; प० प्राचार्य, सेंट्रल हिंदू कालेज, काशी वि०वि०, वाराणसी ।

व्रजमोहनसिंह ठाकुर—ज० २३ जुलाई, '३१ ; शि० बी०ए० ; प्र० '५९ से ; प्रका० क्रांति के गीत, भूदान के गीत ; प० अध्यापक, शासकीय उच्च विद्यालय, नर्मदा संभाग, बाबई, होशंगाबाद ।

व्रजरत्नदास अग्रवाल—शि० बी० ए० आगरा वि० वि०, एल-एल० बी० काशी वि०वि० ; प्र० २१ से ; प्रका० खुसरो की हिंदी कविता (संक०,संपा०), '२१, प्रेमसागर (संपा०) '२२, तुलसी-ग्रंथावली (तीनभाग, सहसंपा०) '२३, रहिमन-विलास (संपा०) '२३, हुमायूँनामा (फारसी से अनु०) '२३, संक्षिप्त रामस्वयंवर (संक०, संपा०) '२३, मुद्राराक्षस (संपा०) '२३, भ्रमरगीत (संपा०) '२४, भाषाभूषण (संपा०) '२४, जरासंधवध (महा०) '२६, इंशा : उनका काव्य तथा रानी केतकी की कहानी '२८, सर हेनरी लारेंस '२८, भूषण-ग्रन्थावली (संपा०) '३०, बादशाह हुमायूँ '३०, काव्यादर्श (अनु०) '३१. यशवंतसिंह और स्वातंत्र्य युद्ध '३१, मुगलदरबार या मआसिरुल उमरा (अनु०, भाग एक '३१, भाग दो '३८, भाग तीन '४७, भाग चार '५१) हिंदी साहित्य का इतिहास '३२, सत्यहरिश्चंद्र (संपा०) '३३, उर्दू साहित्य का इतिहास '३४, भारतेंदु हरिश्चन्द्र (संपा०) '३४, भारतेंदु-ग्रन्थावली (संपा० भाग एक नाट० '५०, भाग दो कवि० '३३ भाग तीन गद्य '५२), भारतेंदु नाटकावली (दो भाग संपा०) '३६, भारतेंदु-सुधा (संपा०) '३६

हिंदी नाट्य साहित्य '३८, खड़ीबोली हिंदी साहित्य का इतिहास '४१, हनुमान जी की जीवनी '४३, शाहजहाँ '४४, भारत की नदियाँ (भूगोल) '४५, व्रतोत्सवमंजरी (धर्म) '४६, इरावती (उप०) '४७, प्लेग में हत्या (उप०) '४८, अलंकार-रत्न '४८, मीरामाधुरी (कवि० संपा०) '४८, नंददास ग्रन्थावली (कवि० संपा०) '४६, भारतेंदुमंडल (जीव०) '४६, नहुष नाटक '५५, आदर्शराम (नाट०) '५६, हिंदी उपन्यास साहित्य '५६, जहाँगीर का आत्म-चरित (अनु०) '५७ ; अप्र० अष्टछाप-माधुरी, देवीचन्द्रगुप्त नाटक, विभा या मृत्यु के मुख में (उप०), जहाँगीर (जीव०), मुगल दरबार (पाँचवाँ भाग), मुगलकालीन आय (एक हस्तलिखित प्रति के आधार पर), अवध का इतिहास, मुंतखबुत्तवारिख का संक्षिप्त अनु०, ओड़छा (बुन्देलखंड) का इतिहास, श्री चैतन्यमहाप्रभु तथा उनका संप्रदाय, बाबर का आत्म-चरित आदि ; प० वकील, १५१४ बी, चौक मुंडिया, वाराणसी ।

ब्रजरानी जैन, श्रीमती—ज० जून, '३३, खुर्जा ; शि० रीवाँ ; प्रका० स्फुट कहानियाँ ; अप्र० दो-तीन संग्रह ; प० द्वारा, श्री एन० सी० जैन, असिस्टेंट इंजीनियर, म० प्र० विद्युत मंडल, गुना ।

ब्रजलाल वर्मा, डा०—ज० २४ जून, '२४ ; शि० एम० ए०, पी-एच० डी० ; ज्ञा० संस्कृत, अँगरेजी, उर्दू एवं फारसी ; सा० दै० 'विश्वमित्र' कानपुर के संपादकीय विभाग में '५० तक कार्य, भूत० संपा० साप्ता० 'सहयोगी' कानपुर छह वर्ष तक, बारह वर्ष से डी० ए० वी० कालेज कानपुर में हिंदी प्राध्यापक ; प्रका० नूरजहाँ : समीक्षा '५०, कामायनी : समालोचना '५१, संतकवि रज्जब : संप्रदाय और साहित्य (शोधप्रबन्ध) '६२ ; अप्र० रज्जब-बानी (संपा०) ; प० १४/३८, सिविल लाइंस, कानपुर ।

ब्रजवल्लभदास नवनीतलाल मेहता, डा०—ज० १३ अक्टूबर, १६०४ ; शि० एम० ए० राजनीति तथा इतिहास, पी-एच० डी० ; प्र० '२६ में ; प्रका० भारतवर्ष का इतिहास (दो भाग), भारतीय इतिहास की सरल कहानियाँ, नवीन हाईस्कूल भूगोल, भारतवर्ष का प्रादेशिक भूगोल, भारतवर्ष : आर्थिक एवं प्रादेशिक अध्ययन, हमारा भूमंडल, भारतीय शासन और नागरिक जीवन, नागरिकशास्त्र के सिद्धांत, आधुनिक योरोप (दो भाग), राज्य विज्ञान के मूल सिद्धांत (सहलेखक) एवं गार्नर : राज्य विज्ञान और शासन (अनु०), कोकर : आधुनिक राजनीति चिंतन (अनु०), स्ट्रांग : आधुनिक संविधान (अनु०) ; प० प्राध्यापक, इतिहास तथा राजनीति विभाग, बलवंत राजपूत कालेज, आगरा ।

ब्रजवल्लभद्विवेदी—ज० '२१, शि० दर्शनाचार्य, सा०रत्न, एम० ए० संस्कृत, सा० संपा० त्रैमा 'सरस्वती सुषमा' (संस्कृत); प्र० '४० मे; प्रका० योगिनी हृदयदीपिका एवं स्फुट अनुसंधानात्मक लेख; वि० संस्कृत में अनेक ग्रंथ लिखे हैं; वर्त० प्रकाशन सहायक, अनुसंधान संस्थान, संस्कृत वि वि०, वाराणसी; प० ३१।३७, चँवरगलिया, वाराणसी।

ब्रजवल्लभ पांडेय, 'ब्रजेंद्र'—ज० १९ फरवरी, '२०; शि० आयुर्वेदाचार्य, साहित्यशास्त्री वाराणसी, सा०रत्न सम्मे० प्रयाग, इंटर; सा० प्रधानमंत्री निखिल भारतवर्षीय आयुर्वेद विद्यापीठ स्नातक संघ '४२-'४७ एवं मंडल कांग्रेस कमेटी मगरवारा '४५-'५०, मंत्री. साहित्याश्रम मसवासी उन्नाव, सचा० बंधु-प्रेस, मसवासी; प्रका० स्फुट कविताएँ; वि० कई स्फुट पुरस्कार प्राप्त; प० मंत्री. साहित्याश्रम, मसवासी, उन्नाव।

ब्रजवल्लभशरण, वेदांताचार्य—ज० १९०४, माधोपुर (राज०); शि० विद्याभूषण अधिकारी, वेदांताचार्य, पंचतीर्थ आदि वाराणसी; ज्ञा० गुजराती, उर्दू, मराठी, बँगला, गुरुमुखी एवं अँगरेजी; सा० संस्था०: वैष्णव विद्वत्मंडल, वैष्णवधर्म विवर्द्धिनीसभा, निंबार्क वेदांत परीक्षा संस्कृत कालेज वाराणसी, श्रीसर्वेश्वर विद्यालय वृंदावन '३९, श्री सर्वेश्वर संघ '४३, श्री निंबार्क शोधमंडल '५५, श्रीसर्वेश्वर पुस्तकालय एवं श्रीसर्वेश्वर प्रेस; प्रधानमंत्री श्रीसर्वेश्वर संघ, सद० एवं पदाधिकारी: अ०भा० श्रीनिंबार्क महासभा, ब्रजगोवध निवारिणी सभा एवं धर्मसंघ; भूत० पदाधिकारी श्रीगोपाल मंदिर, चला (राज०) बारहवर्ष, अ०भा० जगद्गुरु श्रीनिंबार्काचार्य पीठ '४०; प्रधान संपा० मा० 'श्रीसर्वेश्वर'; प्रका० स्फुट लेख आदि; प० श्रीनिकुंज, प्रतापबाजार, वृंदावन।

ब्रजवासीलाल श्रीवास्तव, डा०—ज० १ जुलाई, '२०; शि० शिकोहाबाद, एम० ए०, पी-एच० डी० आगरा वि वि०, सा०रत्न; सा० प्रधान सचिव अ०भा० तुलसी समिति भोपाल, अवै० संपा० 'तुलसीदल' भोपाल; प्रका० करुणरस: मध्ययुगीन रामकाव्य के परिवेश में; अप्र० हिंदी वाक्य रचना, हिंदी सूक्तियाँ; वि० 'करुणरस: मध्ययुगीन रामकाव्य के परिवेश में' पर शासन साहि० परि० म०प्र० द्वारा रघुराज पुरस्कार प्राप्त; वर्त० प्राध्यापक, हि० वि०, शासकीय महाविद्यालय, भोपाल; प० ८३।३६ एफ, साउथ टी० टी० नगर, भोपाल।

ब्रजविहारी तिवारी—ज० २७ जुलाई, '४५; शि० एम० ए० हिंदी, सा० दस वर्षों से अध्यापन कार्य; प्रका० स्फुट अप्र० कहाँ रस्सी की

ऐठन एवं आदम की औलाद ; कवि० : सुरभि ; संपा० : कामरूप-काम कला, दक्खिनी साहित्यकारों का भारतीय भावनात्मक एकता में योगदान, निराला : भारती के वरदपुत्र, दक्खिनी हिंदी मे पचतत्र, दक्खिनीहिंदी के लोकगीत ; वि० '१७वी सदी के वाद का दक्खिनी गद्य साहित्य' शोधप्रबंध प्रस्तुत कर चुके हैं ; प० (१) १।७०, काजीपेट, मी० आर०, आंध्र। (२) अध्यक्ष हि-वि० आर्ट्स ऐंड साइस कालेज, वरगल, हनमकोडा, आंध्र।

व्रजेंद्रनाथ गौड़—ज० १ अप्रैल, '२०, इटावा ; शि० मैनपुरी, इटावा एवं वाराणसी ; स० दो वर्ष तक संयुक्त प्रातीय सरकार के अनु० तथा सूचना विभाग मे कार्य किया, '४७ मे फिल्म क्षेत्र मे गीतकार एवं संवाद-लेखक, 'कस्तूरी' चित्र के निर्देशक , आँखे, सग्राम, सरदार, हावड़ा ब्रिज, बारिश, परिणीता, मजिल,जाली नोट, शतरज तथा बात एक रात की आदि चित्रों के लेखक , भूत० सपा० 'प्रकाश', 'प्रतिभा', 'जयहिंद' एवं 'कृषक' ; प्र० '३७ में ; प्रका० कहा० अतृप्त मानव, युद्ध की कहानियाँ, सिंदूर की लाज, कागज की नाव, कलकत्ते का कत्लेआम ; उप० मजिल, पैरोल पर ; बालो० . सीप के मोती, भाई बहन; वि 'मजिल' पर फिल्म बन चुकी है ; प० फ्लैट न० ८, त्रिवेदी हाउस, १२ रोड खार, बंबई ५२ ।

व्रजेंद्रप्रताप गौतम, डा०—ज० ३ जुलाई, '३३ ; शि० एम० ए०, पी-एच० डी० लखनऊ वि० वि० प्रका० अफ्रीका की राष्ट्रीय जागति, भारत की राजनीतिक चेतना, विश्व के प्रमुख संविधान एवं 'द राइज ऐंड ग्रोथ आफ नेशनलिज्म इन दि मिडिल ईस्ट' (अँगरेजी) ; अप्र० शताधिक लेखो के दो-तीन संक० प० अध्यक्ष, राजनीतिविज्ञान विभाग, दुर्गानारायण डिग्री कालेज, फतेहगढ ।

व्रजेश, 'चंचल'—ज० २८ जून, '३० ; शि० बी० ए०, सा०रत्न , प्र० '५७ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० सात कवि०, कहा० एव निबध-संग्रह , वि० चार पुरस्कार प्राप्त ; प० माध्यमिक पाठशाला, कुन्हाडी, कोटा (राज०)।

व्रजेश्वरप्रसाद सिंह—ज० २८ मार्च, '३६, परसा, गया ; शि० एम ए०, डिप० इन एड० पटना वि० वि० , प्रका० राष्ट्रीय झंडा - शिष्टाचार नियमावली ; अप्र दो पुस्तके ; प० म० द्रू, पटना—६ ।

व्रजेश्वर मल्लिक—ज० ५ जनवरी, '१८ ; शि० एम० ए०, बी० एल० पटना वि०वि० ('चाँदपदक' प्राप्त) , सा०भूत० प्रधानसंपा० 'व्यूज ऐंड व्यायस' ६० ६१ प्र '२७ में प्रका कोसी गीत ४५ अमृतमय जीवन की ओर.

'५६,'६१, चाँदी का गिलास '६२ तथा एक अँग्रेजी पुस्तक ; अप्र० तीन पुस्तके ; प० ८०, श्रीकृष्णनगर, पटना—१।

ब्रजेश्वर वर्मा, डा०—ज० २१ सितंबर, '१३ ; शि० एम० ए०, डा० फिल, प्रयाग वि वि० ; सा० साहि० एवं प्रबधमंत्री : भा० हिंदी परि०, भूत० हिंदी प्राध्यापक प्रयाग वि०वि० ; वर्त० फरवरी '६३ से निदेशक, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण महाविद्यालय, आगरा ; संपा० त्रैमा० 'हिंदी अनुशीलन' एव त्रैमा० 'आलोचना०' ; प्रका०आलो० हिंदी के वैष्णव कवि '४२, सूरदास (शोधप्रबध) '४५, '५० एवं '५८, सूर-मीमांसा ; उप० : आखिरी सलाम (अनु०), समरकन्द की सुन्दरी (अनु०), हार या जीत आदि ; संपा० हिंदी साहित्य कोश, हिंदी साहित्य (दो खंड) ; प० निदेशक, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण महाविद्यालय, गाँधीनगर, आगरा।

शंकरदयाल चौऋषि, डा०—ज० २६ अगस्त, '२५ ; शि० एम० ए० '५२, पी-एच० डी० '५८, एल-एल० बी० '६२ सागर वि वि० ; प्र० '४८ मे, प्रका० द्विवेदी युग की हिंदी गद्य शैलियो का अध्ययन (शोधग्रंथ) '५८, सरदार पूर्णसिह : व्यक्तित्व एवं कृतित्व '६२, वि० 'प्रहेलिकाओं का सैद्धातिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन' विषय पर प्रयाग वि०वि० की डी० लिट० उपाधि के लिए शोधकार्य-रत ; प० (१) शिवकुटी, गणेशगंज, होशंगाबाद। (२) उपप्राचार्य एवं अध्यक्ष हि०वि०, उपाधिमहाविद्यालय, नरसिंहपुर।

शंकरदयालसिंह—ज० '३७, गया, शि० एम० ए०, सा०रत्न ; सा० अध्यक्ष बिहार राष्ट्रभाषा रक्षा समिति, प्रधान मंत्री : कवितासंगम पटना, संचा० : पारिजात प्रकाशन, बिहारप्रदेश कांग्रेसकमेटी के 'काग्रेसबुलेटिन' के संपा०-मंडल के सद०, बिहार हि०सा० सम्मे० में सक्रिय कार्य ; प्र० '५१ मे, प्रका० स्फुट लेख, कहानियाँ आदि, अप्र० तीन-चार संग्रह ; प० पारिजात प्रकाशन, डाकबँगला रोड, पटना।

शंकर पुणतांबेकर—ज० '२६ मई, '२३ ; शि० विदिशा एव ग्वालियर, एम० ए० हिंदी तथा इतिहास, एल-एल० बी० आगरा वि० वि० ; प्र० '५४ में ; प्रका० कल्याणी (एकांकी) '५४, हरियाली और कांटे (उप०) ५५, अर्धांगी (कहा०) '५६ ; बहती गगा (एका०) '६३ ; अप्र० प्रहसनो एव आलो० लेखो के चार संग्रह ; वि० म० भा० कहा० प्रतियोगिता मे पुरस्कृत मराठी में भी लिखते हैं · वर्त० अध्यक्ष हि०वि०, एम० जे० कालेज, जलगाँव, प २३३ बलीराम पेठ जलगाँव महा

शंकरप्रसाद त्रिपाठी, 'ध्वंसावशेष त्रिपाठी'—ज० १२ दिसंबर '३८, शि० बी० ए० तक ; सा० प्रबंध सचिव : भारतेंदु साहित्य समिति '५८ से तथा छत्तीसगढ हिंदी साहित्य सम्मे० बिलासपुर '६० से, प्र० '५६ मे, प्रका० स्फुट ; अप्र० आधुनिक शकुंतला का विद्रोह, बूँदों का सागर ; वि० 'श्री पिताजी बिलासपुरी', 'संजय', 'सुधाशु', 'प्रपचबुद्धि' आदि उपनामो से क्रमश: हास्य-व्यंग्य, समीक्षा, गीत, साहि० वाद-विवाद आदि लिखते है, 'नये स्वर' कविता-संग्रह मे रचनाएँ संगृहीत, प० राघवेंद्रनगर, बिलासपुर।

शंकरराजू नायडू, डा०—ज० २५ अक्तूबर, '२०, शंकरनायिनार कोयिल, तिरुनेलवेली, मद्रास राज्य ; शि० एम० ए० आगरा वि वि०, पी एच० डी० मद्रास वि०वि० ; सा०रत्न सम्मे० प्रयाग, प्रभाकर पंजाब ; सा० भूत० प्राध्यापक सनातनधर्म कालेज, आलप्पी एवं युनिवर्सिटी कालेज तिरुवनन्तपुरम्, सद० केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल, मंत्री : 'अकेडमी आफ तमिल कल्चर' मद्रास, एव 'मद्रास लिंग्विस्टिक सर्किल', प्रका० गीतोपहार (गीत), कम्बर रामायण और तुलसी रामायण का तुलनात्मक अध्ययन (शोधग्रंथ), अप्र० हिंदी, अँगरेजी एव तमिल मे प्रकाशित अनेक आलो० तुलनात्मक लेखों के दो संग्रह ; वि० 'कंबर और तुलसी' पर उ०प्र० सरकार से पुरस्कार एवं अनेक स्फुट पुरस्कार तथा स्वर्णपदक प्राप्त, प० अध्यक्ष हिं०वि०, वि०वि०, मद्रास—५।

शंकरराव कप्पिकरी—ज० ७ नवबर '३४ हैदराबाद ; शि बी० ए०, एल-एल० बी० उस्मानिया वि०वि० हैदराबाद, भूषणपरीक्षा-हिंदीप्रचार सभा हैदराबाद ; सा० अध्यक्ष कर्नाटक युवक संघ एव आंध्रप्रदेश हिंदी विद्यार्थी संघ, संयुक्तमंत्री हिंदी अकेडमी हैदराबाद ; सद० हिंदी बोर्ड मैसूरसरकार, दक्षिण भारत में हिंदी के विशिष्ट प्रचारक ; प्रका० स्फुट लेख आदि ; प० प्राध्यापक हि वि०, कर्नाटक कलाएवंविज्ञान महाविद्यालय, धारवाड।

शंकरलाल नागदा—ज० १३ नवंबर, '२०, शि० एम० ए० हिंदी, एल० टी०, सा०रत्न, संपादनकलाविशारद, शिक्षाविशारद ; सा० मंत्री स्थानीय सार्वजनिक वाचनालय, साहि० समिति एव आर्यसमाज ; संस्था० : श्री विक्रम हिंदी साहि० समिति ; प्र० '३८ मे ; प्रका० स्फुट ; अप्र० दो संग्रह, प० हिंदी प्राध्यापक, शासकीय उ० मा० विद्यालय, जावद, मंदसौर।

शंकरलाल पुरवार, डा०—ज० १९०५, औरंगाबाद, शि० औरंगाबाद एव एल-सी० पी० ऐंड एस० (बबई) ; सा० '२२-'२३ के आंदोलन मे सरकारी स्कूल का त्याग. भूत० परीक्षामंत्री हिंदी सभा : पूना की हिंदी

प्रचार सभा की ओर से औरंगाबाद में हिंदी अध्यापन-कार्य, संस्था० अभिनव नाट्यकला : प्रका० स्फुट रचनाएँ तथा मराठी में लगभग दस पुस्तकें ; प० सराफा रोड, औरंगाबाद (महाराष्ट्र) ।

शंकरलाल यादव, डा० – ज० '२० ; शि० बी० ए० '४७ पंजाब वि वि०, एम० ए० हिंदी '४९ एवं एम० ए० संस्कृत '५१, आगरा वि०वि०, पी-एच० डी० '५८ लखनऊ वि वि० ; प्र० '५८ ; प्रका० गद्यगुच्छ (संपा०) '५८, हरियाना लोकनाट्य संगीत '६१, हरियाना प्रदेश का लोकसाहित्य (शोधग्रंथ) '६२ ; वि० 'हरियानी लोकनाट्य संगीत' पर भाषाविभाग पटियाला से २५०) पुरस्कार प्राप्त , प० हिंदी प्राध्यापक, वि०वि , लखनऊ ।

शंकरसहाय सक्सेना—ज० ८ अगस्त, १९०४ ; शि० एम० ए०, एम० काम० आगरा वि० वि० ; सा० '२६ से '२९ तक महाराणा कालेज उदयपुर मे प्राध्यापक, '२९ से '४८ तक बरेली कालेज मे अर्थशास्त्र तथा वाणिज्य के प्रोफेसर, '४८ से '५८ तक महाराणा भूपाल कालेज उदयपुर के प्राचार्य, '५८ से '६२ तक डाइरेक्टर उच्चशिक्षा राजस्थान तथा '६२ से वनस्थली विद्यापीठ कालेज के प्राचार्य ; प्रजामडल तथा अन्य अनेक संस्थाओ की स्थापना एवं संगठन, बरेली नगर हिंदी सभा के भूत० प्रधान कार्यकर्ता ; प्र० '२९ में ; प्रका० औद्योगिक तथा व्यापारिक भूगोल '२९, आर्थिक भूगोल, भारत का आर्थिक भूगोल, प्रारंभिक अर्थशास्त्र, ग्राम्य अर्थशास्त्र, भारत का ग्राम्य अर्थशास्त्र, अर्थशास्त्र के सिद्धांत, पूर्व की राष्ट्रीय जागृति, भारतीय अर्थशास्त्र की रूपरेखा, भारतीय मजदूर, औद्योगिक अर्थशास्त्र, बैंकिंग, मुद्रा तथा विनिमय, गाँवों की समस्याएँ, भारतीय सहकारिता आंदोलन, अर्थशास्त्र-परिचय, भव्य विभूतियाँ, वीरता की कहानियाँ, महात्मा गाँधी, लोकमान्य तिलक, रानी लक्ष्मीबाई, खोज की कहानियाँ, पथिक आदि ; वि० 'भारतीय अर्थशास्त्र की रूपरेखा' पर उ०प्र० सरकार से ८००) का एवं 'पूर्व की राष्ट्रीय जागृति' पर ग्वालियर राज्य से ५००) का पुरस्कार प्राप्त ; प० प्राचार्य, वनस्थली विद्यापीठ, वनस्थली (राज०) ।

शंकर सुल्तानपुरी—ज० दिसंबर, '३८, परऊपुर, सुल्तानपुर ; शि० प्रयाग ; सा० संस्था० नवचेतना प्रकाशन इलाहाबाद ; प्र० '४८ में ; प्रका० हमे रोटी चाहिए (उप०) '५४, इन्सानियत इंसाफ माँगती है (उप०), उसके भी आत्मा थी, अँधेरे का पाप उजाले का पुण्य, सिसकती जिंदगी, बेला फूले आधी रात, शमा बुझ गई आदि उपन्यास तथा विविध विषयों की लगभग ८० पुस्तकें अप्र पखहीन उप सीमायें टूटती गई उप० ,

माटी महक उठी (आंच० उप०), नई पीढ़ी : नया मोड़ ; वि० '५८ तक 'शंकरदयाल श्रीवास्तव चंचल' नाम से उप० लिखते थे, उसके पश्चात 'शंकर सुल्तानपुरी' नाम से लिखे हैं ; प० अध्यक्ष नव-चेतना प्रकाशन, २३, लाजपतराय मार्ग, नया कटरा, इलाहाबाद —२।

शंभुनाथ पांडेय, डा०—ज० १५ मार्च, '२३ ; शि० एम० ए०, पी-एच डी०, आगरा वि वि० ; सा० संपा० '५५ से 'सरस्वती-संवाद', प्रका० काव्य-दर्पण '४९, रस-अलंकार-पिंगल '५०, कवि प्रसाद '५२, गद्यकार प्रसाद '५२, आधुनिक हिंदी काव्य में निराशावाद (शोधप्रबंध) '५५, रहस्यवाद और हिंदी कविता '५६ ; वि० उ० प्र० सरकार द्वारा 'आधुनिक हिंदी काव्य में निराशावाद' पर ६००) का पुरस्कार प्राप्त, 'तुलसी के मानस का शब्द-विधान' विषय पर डी० लिट्० के लिए शोधकार्य-रत, प० प्राध्यापक केंद्रीय हिंदी शिक्षक महाविद्यालय, गांधीनगर, आगरा।

शंभुनाथ बलियासे, 'मुकुल'—ज० ११ जनवरी, '१९ ; शि० स्नातक देवघर ; सा० भूत० सद० : कार्यसमिति विहार हि०सा०सम्मे०, संस्था० सद० : विहार श्रमजीवी पत्रकार संघ, प्रधानमंत्री : सार्वजनिक हिंदी पुस्तकालय एवं हिंदी सा०परि० देवघर, प्रचारमंत्री : विंध्य कला मंदिर पटना, अध्यक्ष मैथिली साहि० परि०, उपाध्यक्ष विहार साहित्यकार संघ एवं प्रेमचंद हिंदी साहि० परि० पटना ; भूत० संपा० साप्ता० 'प्रकाश' '४७-'५८ ; प्र० '३८ में ; प्रका० अपना गाँव (नाट०), जमीन (नाट०), काल और जीवन (कहा०), हुंकार एक समीक्षा (आलो०), अखंड विहार (संपा०) ; अप० तलहटी के अँधियारे में (उप०), चट्टानों की छाती पर (नाट०), गाँव का सरदार (नाट०), कुकुर्मी परमेश्वर (नाट०), गाँव स्वर्ग बनेगा (निबंध), कला मंदिर (नाटिका), चालाक चाचा (बालो०) आदि नौ-दस पुस्तकें एवं संग्रह ; प० पार्वती कुटीर, वैद्यनाथ-देवघर, संताल परगना।

शंभुनाथ भट्ट, 'हलीम'—ज० १ जुलाई, '२१; शि० बी० ए०, प्रभाकर, सा०रत्न, सिद्धांतविशारद ; सा० संस्था० सद० : काश्मीर बज्मे अदब दल्ली, आर्य समाज, हिंदू सुधार सभा काश्मीर एवं सेवासमिति काश्मीर, नेशनलकांफ्रेंस श्रीनगर में विभिन्न पदों पर कार्य '४२-'४६, सस्तासाहि०मंडल दिल्ली के संपा० विभाग में कार्य '४९-'५४ ; प्र० ४३ में ; प्रका० संपा० : काश्मीर पर हमला (यात्रा), मन की बात (मनोवैज्ञानिक), तूफान (खलील जिब्रान, अनु०); साहस का फल (बालो०), काश्मीरी साहि० के गत साठ वर्ष, लल्लेश्वरी (जीव०) ; अनु० उर्दू से हिंदी . उप० : पखहीन पंछी, नदी नाव

की बात , जोत मे जोत जले, चोर विद्यार्थी (बालो०) तथा अनेक पुस्तकों का हिंदी से काश्मीरी एव अँगरेजी से काश्मीरी में अनु० ; वि० काश्मीरी में भी लिखते हैं ; 'बालयार' काश्मीरी पुस्तक पर केंद्रीय शिक्षा मन्त्रालय से ५००) का प्रथम पुरस्कार प्राप्त , प० काश्मीर यूनिट, न्यूज सरविस डिवीजन, आकाशवाणी, दिल्ली ।

शंभुनाथ मिश्र - ज० १० जनवरी, '३०, शुभनथही, बैटिया, बलिया ; शि० एम० ए० राजनीति (प्रथम) '५१. एव एल-एल० बी० (प्रथम) '५० काशी वि०वि० ; सा० स्थानीय प्रतिनिधि 'आज' (वाराणसी) '६० से, तीन वर्षों से कार्यकारिणी के सद० 'हिं०प्र० स०' बलिया, सक्रिय सद०'साहित्यालोक' गोष्ठी, प्रधान मंत्री : सरस्वती मंदिर '५३-'५५ ; संस्था० सद० किंजल्क , प्र० '४८ में , प्रका० स्फुट ; अप्र० कविता, कहानी तथा निबंधों के तीन संग्रह ; वर्त० अध्यक्ष, राजनीतिविज्ञान विभाग सतीशचन्द्र कालेज, बलिया ; प० एफ०।१०, जगदीशपुर, बलिया ।

शंभुनाथ सक्सेना—ज० १४ जनवरी, '२० ; शि० ग्रामोद्योगों की रचनात्मक शिक्षा '४०-'४१ , सा० भूत० संपा० 'सरिता' दिल्ली, 'विश्वमित्र' दिल्ली, 'जयाजी प्रताप', 'विचार', 'इंडियननेशन' एवं 'आनंद' ; बिडला मिल्स के प्रचाराध्यक्ष, म० भा० के गवर्नर के प्रेस-सचिव '४८-'५६, नूतन प्रिंटिंग प्रेस तथा सा० 'नर्मदा' के स्वामी, प्रधानमंत्री : बृहत्तर ग्वालियर पत्रकार संघ तथा साहित्यकार संघ, सद० म०भा० पत्रकारसंघ, प्रतिनिधि 'कामर्स ऐण्ड इंडस्ट्रीज', म० प्र० 'चैम्बर आफ कामर्स' में संयो० अध्ययन और विचार-विनिमय-कक्ष ; प्रका० मधुमक्खी पालन, हाथ से कागज बनाना, चमड़ा पकाना, हमारे ग्रामगीत, वे चेहरे, पतझड, हमारी शेरवानी, कब्रों की दुनियाँ, जीवन के प्रश्न, 'अवर फोक सांग्स', महाबलीदत्त जमखंडीकर, बिरखा भगत, आबिदा, साग भाजी और फल, देवी देवयानी, लोकमान्य तिलक, बालकथाएँ , अप्र० नितीन की कहानी, अनुभव के रज कण एवं दो-तीन संग्रह ; वर्त० राजमाता सिंधिया के संसदीय कार्यों के सचिव ; प० नूतन प्रिंटिंग प्रेस, लश्कर ।

शंभुप्रसाद श्रीवास्तव—ज० १५ जून, '३६, औरंगाबाद, वाराणसी , शि० बी० ए० ; सा० खादी ग्रामोद्योग के अन्तर्गत वाराणसी के ग्रामीण क्षेत्रों में एवं मिलन मंदिर कलकत्ता के प्रकाशन विभाग में कार्य , प्र० '५४ में ; प्रका० अमृता (गीत) '५८, कन्यादान (नाट०) '५९ ; अप्र० अकिंचन, इलाइची नैना भये बैरागी आधी रात का सूरजमुखी आदि सात पुस्तकें

एवं संग्रह, वर्त० प्रबंध व्यवस्थापक : श्रीविशुद्धानंद सरस्वती अस्पताल; प० ३७, बड़तल्ला स्ट्रीट, कलकत्ता—७।

शंभुरत्न मिश्र, 'मुकुल'—ज० '२०, शि० बी० ए० तक, शाहजहाँपुर, बरेली, कन्नौज, सीतापुर और कानपुर, सा० भूत० सम्पा० मा० 'शान्ति' तथा साप्ता० 'छाया', प्र० '३० में; प्रका० उप० : गलतियाँ, अमावस, स्नेहदान, विषकन्या, मंजिल, अश्रुगीत, टेढ़ा रास्ता, धूल के धब्बे, पत्थर की दीवारें; कहा० : इलाज, रेशमी डोरियाँ; कवि० मोती और सीप, निद्रा पथ; अप्र० कहानियों तथा कविताओं के दो-तीन संग्रह; प० कोषाध्यक्ष ब्रिटिश इण्डिया कारपोरेशन लि०, सदरलैंड हाउस, कानपुर।

शंभुसिंह मनोहर—ज० ११ फरवरी, '२९, पालराखेड़ा मंदसौर, शि० अजमेर, बी० ए० (सर्वप्रथम) '४९, जयपुर, एम० ए० हिंदी (प्रथम) '५१, एल-एल० बी० '५२; प्रका० स्फुट, अप्र० आलो० लेखों एवं कविताओं के दो संग्रह; वि० कवींद्र रवींद्र की कृतियों के अनुवाद में संलग्न; प० हिंदी विभागाध्यक्ष, राजकीय डिगरी कालेज, चूरू (राज०)।

शंभूदयाल सक्सेना—ज० १९०१; शि० सा०रत्न; सा० सद० आकाशवाणी सलाहकार समिति, मा० 'चाँद,' इण्डियन प्रेस एवं साहि० सम्मे०प्रयाग में कार्य, प्रका० उप० तथा कहा० : भाभी, मगरमच्छ, बहू रानी, सलाइयाँ, प्रीति की रीति, दिगंत रेखा, सजला, वंदनवार, धूपछाँह, चित्रपट, मन की रानी एवं बिच्छू का डंक; नाट० तथा एका० : अंगारों की मौत, नए एकाकी, नेहरू के बाद तथा अन्य एकाकी, मेघदूत, बापू ने कहा था, विजया और वारुणी, आर्यमार्ग तथा अन्य एकाकी, पंचवटी, शान्ति और एकता का मसीहा, वल्कल, पर्णकुटी, गंगाजली, साधना-पथ, चीवर धारिणी, विद्यापीठ, सगाई, नंदरानी तथा अन्य एकाकी एवं मौत की जिंदगी; कवि० तथा गद्यगीत : चरणों में, निवेदन के आँसू, प्रतिवेदन के स्वर, रैनबसेरा, नीहारिका, अमरलता, मन्वंतर, उत्सर्ग एवं भिखारिन; आलो० : काव्यालोचन; बालो० लोरी और प्रभाती, रेशमझूला, पालना, ओरी निंदिया आ री आ, नाचो गाओ, बाल कवितावली, फूलों के गीत, फूलों की जन्मकथा, फूलों की सुनहरी कहानियाँ, सतयुग की कहानियाँ, ज्ञान की कहानियाँ, सद्गुणों की कहानियाँ, देवताओं की कहानियाँ, रण बाँकुरा राजकुमार, ऋषियों की कहानियाँ, सदाचार की कहानियाँ, दो नगरों की कहानी, बाप-बेटे की कहानी, टाम काका की कुटिया (४ भाग), राखी दुपहरिया के फूल (दो भाग) आदि प्रौढ़ शिक्षा : नया बैल नया

हल, नया गाँव, नया खेत, नया समाज, गाँवों को सुधारो, बापू का स्वराज्य अभी नही आया, समाज-शिक्षण, काव्यामृत एवं अन्य लगभग दो सौ पुस्तकें ; वि० 'साधनापथ' राज० साहि० एकेडमी द्वारा पुरस्कृत, 'नया गाँव', 'नया हल', 'नया खेल' समाज-शिक्षा विभाग राज० द्वारा पुरस्कृत ; 'साधनापथ', 'सगाई', 'मेघदूत', 'नेहरू के बाद तथा अन्य एकांकी', 'राजकुमारो की कहानियाँ' (दो भाग), 'रणबाँकुरा राजकुमार', 'फूलों के गीत' उ०प्र० सरकार द्वारा पुरस्कृत , प० नवयुग ग्रंथकुटीर, बीकानेर ।

शंभूनाथ चतुर्वेदी, डा०—ज० १२ फरवरी, '३७ : शि० एम० ए०, पी-एच० डी० लखनऊ वि०वि० ; सा उ०प्र० कांग्रेस कमेटी के साप्ता 'नया भारत' में कार्य किया ; प्र० ५६ मे , अप्र० स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता (शोधग्रन्थ) ; वि० अँगरेजी से अनु० भी किये हैं, 'हिंदी-साहित्य-कोश' (भाग दो) के एक लेखक ; प० ३९, माडेल हाउस, लखनऊ ।

शंभूरत्न त्रिपाठी—ज० जनवरी, '३० ; शि० कानपुर ; सा० भूत० संपा० मा० 'लिली', वर्त० संपा० साप्ता० 'मनु', मा० 'समाजविज्ञान' एवं त्रैमा० 'साहित्यालोचन' ; प्र० '४९ में ; प्रका० व्यावहारिक समाजशास्त्र '५२, पारिवारिक समाजशास्त्र '५४, ग्रामीण समाजशात्र '५५, समाज शास्त्र की विवेचना '५८, समाज और अपराध '५८, भारतीय समाजशास्त्र '५९, सामाजिक विचारो का इतिहास '६०, समाजशास्त्रीय विश्वकोश, समाजशास्त्र की पृष्ठभूमि '६० भारतीय सामाजिक संरचना और संस्कृति '६१ एवं भगवतीप्रसाद वाजपेयी-अभिनन्दन-ग्रन्थ (संपा०) ; अप्र० कथाकार श्रीप्रतापनारायण श्रीवास्तव कृतित्व और व्यक्तित्व एव एक निबध-संग्रह ; वि० 'समाजशास्त्र' के प्रथम हिंदी लेखक, लगभग ७००० पृष्ठ प्रकाशित हो चुके हैं; 'समाजशास्त्र की विवेचना' एव 'समाज और अपराध' '६० में, 'सामाजिक विचारो का इतिहास' तथा 'समाजशास्त्री विश्वकोश' '६१ मे उ० प्र० सरकार की हिंदी समिति द्वारा पुरस्कृत ; प० भारती-प्रतिष्ठान, १०८।१२१, पी० रोड, कानपुर ।

शकुंतला मिश्र, श्रीमती—ज० ३५; शि० बी० ए०, प्र० '५५ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० दो कहानी एवं एक कविता-संग्रह ; प० प्रधानाध्यापिका ओमनगर कन्या पाठशाला, कानपुर ।

शकुंतला सिरोठिया—ज० दिसम्बर, '१५; शि० एम० ए० हिन्दी, डिप्लोमा-चित्रकला एवं मांटेसरी प्रशिक्षण आदि ; प्र० '४४; प्रका० सुधि के स्वर गीत० ५६ गा ले मुन्ना '५८, काँटो में खिलते हैं फूल ५७

आ री निंदिया (लोरियाँ) ५९, चटकीले फूल (बालो०), गीतों भरी कहानियाँ (पद्य-कथा) '६०, कारे मेघा पानी दे '६०, नन्ही चिड़िया (बालगीत) '६०, सारंगा सदावृज (लोककथा) '६०, जाग पहरुए (कवि०) '६१, मोतीलाल नेहरू (जीवनी) '६१, चाँद इतना हँसा (गीत०) '६२, हिन्दी काव्य को नारी की देन (आलो०) '६२; अप्र० चांदनी के फूल (गद्य-काव्य), परदेशी को पत्र (पत्र साहित्य), सोनी महिवाल (उप०), शिशु नगर (नाट०), उन्होंने शिकार खेला (कहा०), बच्चे ने उड़ना सीखा (कहा०), बादल (गीत०), सोन चिरैया (गीत०), नन्हों का संसार (गीत०), भक्त पुष्पाञ्जलि (नाट०), शिशु-कथा आदि; वि० 'मृधि के स्वर', 'गा ले मुन्ना', 'नन्ही चिड़िया' उ० प्र० राज्य से पुरस्कृत, वर्त० शिक्षिका, राजकीय शिशु प्रशिक्षण महिला महाविद्यालय, प्रयाग; प० १०९, बाई का बाग, इलाहाबाद।

शक्ति त्रिवेदी—ज० ५ जनवरी, '३६; शि० एम०ए० हिंदी, सा० रत्न, जयपुर तथा आगरा वि० वि०; सा० भूतसंपा० 'वीर सैनिक', 'आवाज़' '५२-'५५; भूत० सहसंपा० दै० 'नवयुग' जयपुर '५५-'५७, 'भारतसेवक' '५९-'६०, दै० हिंदुस्तान' नई दिल्ली '६१-'६२; वर्त० संपा० 'कृषकसमाचार' दिल्ली; प्रका० खिलते फूल महकती कलियाँ (उप०) '६०, सृजन के स्वर (कवि०) '६१, दस्युनिबंध '६१; अप्र० बातुल (उप०); वि० स्फुट पुरस्कार प्राप्त, अपराधशास्त्र एवं आदिवासियों पर शोधकार्य-रत; प० संपा० 'कृषक समाचार', ए-१, निजामुद्दीन वेस्ट, नई दिल्ली—१३।

शक्तिपाल केवल—ज० १७ फरवरी, '३६; शि० बी० ए० आनर्स पंजाब वि०वि; प्र० '५४ में; प्रका० उप० अँधेरे, रातबीती पौ फटी, रंग बोलते हैं, दर्द (अनु०), नरमगरम (अनु०); प० एन० टी० कालेज, नई सड़क, दिल्ली-६।

शतानंद उपाध्याय—ज० ४ जुलाई, '३९, मुहम्मदपुर, घोसी, आजमगढ़; शि० इंटर, वाराणसी प्र० '५७ में; प्रका० प्रकाश और परछाईं (उप०) '६१; अप्र० बंधन क्या : मुक्ति क्या (उप०) एवं एक कहानी और एक गीत-संग्रह, प० सूचना-केंद्र, अमिला, आजमगढ़।

शत्रुघ्न प्रसाद—ज० फरवरी, '३२, छपरा, शि० एम० ए० पटना वि० वि०; प्र० '३२ में; प्रका० स्फुट आलो० लेख, अप्र० लक्ष्मीनारायण मिश्र के ऐतिहासिक नाटकों की शास्त्रीय समीक्षा एवं दो लेख-संग्रह: वि० 'द्विवेदी-युगीन हिंदी नाटक' विषय पर शोधकार्य-रत; प० अध्यक्ष हिंदी विभाग, किसान कालेज सोहसराय पटना।

शत्रुघ्नकुमार सिंह, 'शशांक'—शि॰ बी॰ ए॰ डिप-इन-एड; प्रका॰ वैदेही (नाट॰); अप्र॰ हिंदी रचनारत्न, अतर्वंदना (गीत॰), हिंदी मुहावरे प॰ मालती, पिपरा देवस, (वाया बरौनी), मुंगेर।

शत्रुघ्नलाल शुक्ल—ज॰ जनवरी, '२६, रायबरेली; जा॰ उर्दू, अँग्रेजी तथा संस्कृत; सा भूत॰ सहसंपा॰ साप्ता॰ 'शांति-संदेश' एवं 'जनताराज' रायबरेली, वर्त सद॰ संपादक-मंडल साप्ता॰ 'मनु' कानपुर; प्र॰ '४७ में; प्रका॰ उप॰ नागमणि '६१, विश्वसुन्दरी, लक्ष्यहीन, शिलादित्य, अभिशप्ता, बुझनी लौ, दूध-खून और आँसू, गुप्तादित्य, बाप्पादित्य, अग्निकुंड, मौलाना चुकन्दर, विडम्बना, मीनाक्षी, दुर्गादास, डेनमार्क का राजकुमार तथा चेतना; प॰ 'मनु'-कार्यालय, आचार्यनगर, कानपुर।

शमशेरसिंह, 'अशोक'—ज॰ १० फरवरी, १९०४; शि॰ मैट्रिक, प्रभाकर; जा॰ संस्कृत, उर्दू, फारसी, पंजाबी एवं अँग्रेजी; भूत प्राध्यापक सिक्ख नेशनल कालेज लाहौर एवं एस॰ जी॰ पी॰ कालेज अमृतसर '४३-'४७; '४९ से पंजाब सरकार की सेवा में; प्रका॰ पंजाब का हिंदी साहित्य '५७; अप॰ दो लेख-संग्रह; वि॰ पंजाबी में लगभग तीस पुस्तकें लिखी हैं जिनमें से कुछ पर पुरस्कार भी मिले हैं; प॰ सरहिंदी गेट, पटियाला।

शरण सक्सेना (परमात्माशरण सक्सेना)—शि॰ बी॰ काम॰, एम॰ ए॰ अर्थशास्त्र, विक्रम वि॰वि॰ उज्जैन, विशारद सम्मे॰प्रयाग; 'इब्तदाई' तथा 'अदीब' जामये-उर्दू अलीगढ़; एम॰ डी॰एच॰ डिप्लोमा कलकत्ता; सा॰ साहित्य मंत्री मध्यभारतीय हिंदी साहित्य सभा ग्वालियर '५८, प्रधानमंत्री जन-साहित्य संघ ग्वालियर एवं साहित्यमंडल ग्वालियर, सहसंपा॰ मा॰'वालंटियर' लश्कर '५८, त्रैमा॰ 'रचना' '५८, वर्त॰ संपा॰ दै॰ 'मध्यभारत टाइम्स' लश्कर '५७-'५८; सद॰-म॰ प्र॰ वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन '५८; प्र॰ '५४ में, प्रका॰ नये हस्ताक्षर तथा चार-पाँच पुस्तकें; अप्र॰ मीनाक्षी (ऐति॰खंड॰) एवं भारतीय अपराध-विज्ञान; वि॰ स्फुट पुरस्कार प्राप्त; वर्त॰ केंद्रीय शासकीय कर्मचारी; प॰ अंबा-निवास, नव महल, ग्वालियर।

शरदकुमार मिश्र, 'शरद'—ज॰ ८ जुलाई, '२०, देहरादून; शि॰, वैद्यभूषण '४० वाराणसी; सा॰ सद॰ : नगर कांग्रेस कमेटी, मंत्री जिला पत्रकारसंघ एवं हिंदी मित्रमंडल, प्रचारमंत्री : देशी चिकित्सा परि॰, सह॰ मंत्री उ॰ प्र॰ वैद्य सम्मे॰, प्रधान नगर वैद्यसभा, भूत॰संपा॰ 'ब्राह्मण समाचार' ४४ '४५ ... ी' '४६ '५० प्रका संपा -सप्ता ... '५१

अवै० संपा० 'यू० पी० फार्मेसिस्ट'; प्र० '४६ में, प्रका० धूप और धुआँ (कहा०) '४६ तथा स्फुट गीत ; प० संपा० साप्ता० 'जागरण', सहारनपुर।

शरदचन्द्र शुक्ल,'शरद', डा०—ज०१ जून, २९, छिबरामऊ, फरुखाबाद, शि०सा० रत्न, एम० एस-सी०, एम०डी० एच०(स्वर्णपदकप्राप्त), सा० '४६ से आर्ट मास्टर बने, भूत० अध्यापक राष्ट्रीय विद्यालय अकबरपुर '४४-'४७, '४७ से लश्कर के 'एकाउटेंट जेनरल्स' कार्यालय में एल० डी० सी, '५५ से म० प्र० शासन के वित्तसचिवालय में एल० डी० सी०, '५६ से भोपाल में उसी विभाग में कार्य; प्रका० मानवता महायज्ञ, अप्र० श्रीमद्भगवतगीता (पद्यानुवाद) एवं बच्चों के गीत; वि० अनेक अँग्रेजी कविताओं के भी अनु० किये हैं; प० ३-सी, जवाहरनगर, कम्पू, लश्कर।

शरद देवड़ा—ज० '३४; शि० बी० ए० आनर्स (अँग्रेजी) '५४, एम० ए० हिंदी '५६ कलकत्ता वि० वि०; सा० भूत० संपादक 'सुप्रभात' '५६-'५७; वर्त० संपा० 'ज्ञानोदय' कलकत्ता; प्रका० पत्थर का लैंप पोस्ट '६०, कथांतर '६१, नयी आस्थाएँ '६३; यंत्रस्थ : नयी किताबों पर बातचीत, अपने-अपने दायरे (उप०), अप्र० दो-तीन संग्रह; प० ३४।१ सी, बालीगंज सरकुलर रोड, कलकत्ता—१९।

शरद मोक्तरकर—ज० २२ सितम्बर, '३२; शि० बी०ए०, एल-एल०बी०, सा० रत्न; प्रका० स्फुट; अप्र० दो कहानी-संग्रह; वि० मराठी से अनेक अनुवाद किये हैं; प० ऐडवोकेट, सिविल वार्ड, दमोह।

शरदिन्दुभूषण कुमार, 'शरद'—ज० १ अक्टूबर, '४२, भागलपुर, शि० बी० एस-सी०, आरा; सा० संपा० एवं चित्रकार त्रैमा० 'प्रेरणा' आरा, सह-संपा० 'अलका' आरा, साहित्यमंत्री 'भोजपुरी परिषद' आरा, संयो० सा० गोष्ठी कला-मंडल आरा, पुस्तकालयाध्यक्ष प्रभास-विद्यालोक पुस्तकालय, प्र० '५४; प्रका० शेफालिका श्री (कवि०), सूरज का अंडा (कवि०), शबनमी शोला (कहा०); वि० 'बिहार का खनिज धन' निबंध पर 'बिहार-राष्ट्रभाषा परिषद' से सप्रमाणपत्र सौ रुपये का पुरस्कार प्राप्त; प० संपा० 'अलका', आजाद प्रेस, आरा।

शशि तिवारी—ज० १८ अप्रैल, '२३ ; शि० काशी, ग्वालियर, इंटर, सा० रत्न ; सा० सद० प्रांतीय समाजकल्याण बोर्ड, कांग्रेस कार्यकारिणी, जिला सुरक्षा समिति तथा सहकारी समिति; संयोजिका : प्रांतीय महिला समाज, अध्यक्षा : नगर सुरक्षा समिति, जिला कल्याण योजना समिति दुर्ग '५६ '५७ एवं स्वर्ण एकत्रीकरण समिति प्र० '५० में प्रका० सीख का

बेटा (उप०) '६२ तथा अनेक स्फुट कहानियाँ एवं नाट० ; अप्र० भूस्वर्ग (नाट०), सीमांत दीवारें (नाट०), आधी रात (नाट०), दूसरा पत्र (उप०), गिद्ध और शेवन्ती के फूल (कहा०) आदि ; वि० अनेक नाटकों का अभिनय हो चुका है ; प० राघवेंद्रनगर, विलासपुर ।

शशिनाथ चौधरी—ज० मार्च, १८९८ ; शि० बी० ए० '२१, बी० एड० '२४ काशी वि०वि० ; सा० संस्था० : मैथिल सम्मे० '२२ एवं मैथिली साहि० परि० दरभंगा '३०, भूत० संपा० साप्ता० 'तरुणभारत' पटना, 'मार्तंड' देवास जूनियर (दो वर्ष तक), साप्ता० 'मिथिला मिहिर' दरभंगा, सहायक संपा० मा० 'गंगा' सुलतानगंज, भागलपुर, प्र० '१५ में ; प्रका० भगवान बुद्ध '३१ तथा कई पाठ्य पुस्तकें ; अप्र० सौंदर्य-साधन, संसार की प्रसिद्ध कहानियाँ, यूरोप का इतिहास आदि अनेक पुस्तकें ; वि० मैथिली में भी लिखते हैं; प० मिश्रटोला, दरभंगा ।

शशिप्रभा, श्रीमती—शि० एम० ए० संस्कृत तथा हिंदी, दिल्ली वि० वि० ; प्र० '५६ में ; प्रका० वीरान रास्ते और झरना (उप०) '६२ ; अप्र० लगभग डेढ़ सौ कहानियों एवं एकांकियों के चार-पाँच संग्रह ; वर्त० अध्यक्षा हि वि०, महादेवी कालेज देहरादून , प० द्वारा, डा० धर्मेंद्रनाथ शास्त्री, ३/६, भगवाननगर, देहरादून ।

शशिभूषणप्रसाद पांडेय, 'शीतांशु'—ज० १३ मई, '४१ ; शि० बी० ए० आनर्स (स्वर्णपदकप्राप्त) बिहार वि०वि०, सा० संस्था० द्रौपदी साहि० परि० '५७ एवं श्री जवाहर पुस्तकालय ; प्र० '५४ में ; प्रका० स्फुट , अप्र० सोनजुही के लजीले गीत, निशीथ के पल (गीत), सौदामिनी (गीत), पाटल शशि, बचपन के फूल, जब फागुन आया था (कहा०) आदि ; प० हिमविषा, चैनपुर धरहरवा, (वाया रुन्नी सैदपुर), मुजफ्फरपुर ।

शशिभूषण सिंहल, डा०—ज० ७ अगस्त, '३३ लखनऊ ; शि० एम ए० (स्वर्णपदकप्राप्त) '५४, पी-एच० डी० '५८, लखनऊ वि०वि० ; सा० पिछले आठ वर्षों से हिंदी प्राध्यापक, अब कुरुक्षेत्र वि०वि० के हि० वि० में ; प्र० '५० में ; प्रका० ऐतिहासिक उपन्यासकार वर्मा जी '५४, उपन्यासकार वृन्दावनलाल वर्मा '६० ; वि० '६१ में 'उपन्यासकार वृन्दवनलाल वर्मा' पर उ० प्र० सरकार से पुरस्कार प्राप्त, डी० लिट० के लिए शोधकार्य-रत , प० हिंदी प्राध्यापक, वि०वि०, कुरुक्षेत्र ।

शांता सिनहा—ज० '२६, भागलपुर ; शि० एम० ए० मनोविज्ञान, पटना वि वि० प्र '४६ में प्रका स सुनें (कवि०) '५८ , अप्र

पहाड के दरख्त (कहा०) ; वि० कई संकलनों में रचनाएँ संगृहीत हुई हैं ; प० सीमांत, ३१७, राजेंद्रनगर, पटना—४।

शांति अग्रवाल, श्रीमती—ज० २३ जुलाई, '२०, बरेली ; शि० एम० ए० हिंदी, सा०रत्न, म्यूजिक डिप्लोमा ; प्र० '३४ में ; प्रका० स्वतंत्रता संग्राम, गौरव-पथ, बाल-वीणा, अप्र० शंखनाद, बालगीत-संग्रह, मुक्तक शतक, गीतसंग्रह, शकुतला (काव्य) ; प० ३५ ई/५, सिविल लाइंस, बरेली।

शांतिचंद्र मेहता—ज० ७ जनवरी, '२८, बडी सादडी, चित्तौड़गढ ; शि० जैनगुरुकुल छोटी सादडी, गुरुकुल राजकोट, बी० ए० '४८, सा०रत्न '४८, एल-एल० बी० '५०, एम० ए० '५१, न्यायतीर्थ ; सा० भूत०संपा० मा० 'जिनवाणी', साप्ता० 'ललकार' जोधपुर '५०-'५६, मा० 'समता' '५७-'५९; वर्त० संपा० साप्ता० 'ललकार' चित्तौड़गढ '५६ से; प्र० '५० में ; प्रका० चट्टान से टक्कर (कहा०) '५०, आयकर-प्रकाश, पूर्णस्वतंत्रता की ओर (संपा०), नवीनता के अनुगामी (संपा०) ; प० ऐडवोकेट, मेहतासदन, ए/४, कुंभानगर, चित्तौड़गढ (राज०)।

शांतिप्रिय द्विवेदी—मा० भूत० संपादक 'कमला' '३९-'४२, 'भारत' एवं 'वीणा'; प्रका० मधु-संचय (कवि०) '२५, परिचय (कवि०) '२६, नीरव (कवि०) '२९, मोतियों की लड़ी (कवि०) '२९ हिमानी (कवि०) '३४, हमारे साहित्य निर्माता '३४, कवि और काव्य (आलो०), जीवन-यात्रा (निबंध) '३८, साहित्यिकी '३८, संचारिणी '३९, युग और साहित्य' ४१, सामयिकी '४४, पथ-चिन्ह (संस्मरण) '४६, धरातल · सर्वोदय का प्रांगण (लेख) '४८, ज्योति-विहग (आलो०) '५१, परिव्राजक की प्रजा (संस्मरण) '५२, प्रतिष्ठान (लेख) '५३, दिगंबर (उप०) '५४, साकल्य (निबंध) '५५, पद्मनाभिका '५६, आधान (निबंध) '५७, चारिका (उप०) '५८, वृंत और विकास '५९, समवेत '६०, परिक्रमा '६२; वि० उ० प्र० एवं रीवाँसरकार से अनेक बार पुरस्कृत; प० लोलार्ककुंड, भदैनी, वाराणसी।

शांति भटनागर, श्रीमती—ज० २३ सितंबर, '१५; शि० एम० ए० आगरा वि० वि०, सा० संयोजिका: महिला साहित्यिक संस्था दिल्ली, स्कैंडिनेवियन सरकार के निमंत्रण पर छह पत्रकारों के दल मे पाँच सप्ताह की विदेशयात्रा की, साप्ता० 'हिंदुस्तान' के संपादकीय विभाग में '५५ से कार्य, प्र० '३६ में, प्रका० कुब्जा सुन्दरी (अनु०) '४७, रेबेका '६१, युद्ध और शांति (अनु० 'वार एंड पीस'), तथा अन्य अनेक पुस्तकों के अनु०, सतरंगा आँचल (संपा०) अप्र० चार-पाँच संकलन प० २५।६ ईस्ट पटेलनगर नई दिल्ली।

शांति मेहरोत्रा, श्रीमती—ज० ६ मार्च, '२६; शि० एम० ए० अर्थ शास्त्र, लखनऊ वि० वि० ; प्र० '४१ में; प्रका० कवि० . निष्कृति, मरीचिका, रेखा, पगध्वनि, विदा, पचप्रदीप, चाणक्य (गीति०); अन्य सुरखाब के पर (व्यंग्य लेख तथा कहा०), खुला आकाश मेरे पंख, वि० 'रेखा' पर सम्मे० प्रयाग से 'सेक्सरिया महिला पारितोषिक' प्राप्त; वर्त० सहायक संयोजिका. आकाशवाणी केंद्र, प्रयाग, प० २०।ए, घोष बिल्डिंग्ज, जवाहरलाल नेहरू रोड, इलाहाबाद।

शांतिलाल जैन, 'बालेंदु', डा०—ज० ४ दिसंबर, ३३ कुचड़ौद, मंद-सौर, शि०बी०एस-सी० पंजाब, एम०ए०, एम० एस० कलकत्ता, डी०लिट० नागपुर वि० वि०, साहित्याचार्य, ज्योतिषाचार्य, (स्वर्णपदक प्राप्त), व्याकरणाचार्य वाराणसी, ज्योतिष-पुराण-तीर्थ कलकत्ता; सा० सद० अ० भा० आयुर्वेदिक बोर्ड, ललितपुर (झाँसी) '५२-'५५, 'दि इंडियन ऐस्ट्रालाजिकल इन्स्टीट्यूट' बंगलौर '५२-'५३, उपप्रधानमंत्री : राष्ट्रभाषा साहि० समिति इंदौर '५४-'५८, उप-कुलपति अ०भा० विद्वत्परिषद कलकत्ता, शाखा-इंदौर '५५-'५६, प्रचारक तथा केंद्राध्यक्ष भा० हिन्दी विद्यापीठ '५२-'५४, संचा० हिन्दी ज्ञान-पीठ, पुस्तकालयाध्यक्ष महाराज शिवाजी राव महाविद्यालय इन्दौर '५७ से; प्रका० हिंदी काव्यशास्त्र '५३; अप्र० वृहत्पर्यायवाची शब्दकोश, भ० ऋषभदेव सभ्यता और संस्कृति के आदि संस्थापक, हिंदी अलंकर साहित्य: इतिहास और वर्गीकरण, भारतीय फलित ज्योतिष एक अध्ययन आदि; प० ३८, मल्हारगंज, लुहार पट्टी, इन्दौर।

शांतिस्वरूप, कुसुम'—ज० १५ अक्टूबर, '२४, धनौरा, मेरठ; शि० मैट्रिक, प्रभाकर, प्रथमा संस्कृत; प्र० '३५ में; प्रका० पदध्वनि, पदवंदन, रजत रश्मि (संपा०); अप्र० एक गीतसंग्रह; प० हेड कैशियर, स्टेट बैंक आफ इण्डिया, कैराना, मुजफ्फरनगर।

शांति स्वरूप गौड़—ज० १ जनवरी, '१९ खुर्जा; शि० खुर्जा, इण्टर; सा० भूत० प्रधानमंत्री हिंदी साहि० परि खुर्जा एवं ग्रामउद्योग संघ खुर्जा भूत० सभासद : नगर कांग्रेसकमेटी खुर्जा; प्र० '४३ में ; प्रका० त्रयोदशी (कहा०) '४३, त्रिवेणी (निबंध) '४४, नरकुलवन '४५, दसकंधर '४९, सुमित्रानंदन, दुष्यंत और शकुन्तला '५०, महासती चंदनबाला, सूरदास और उनका साहित्य (आलो०) '५३ तथा अनेक पाठ्य पुस्तकें; प० प्रधाना-चार्य बादश महिला विद्यापीठ राजामंडी, आगरा

शारदाचरण श्रीवास्तव—शि० इंटर, मोतिहारी; मा० प्रसाद-साहित्य परिषद पटना के संयुक्त मंत्री, निराला परिषद की कार्यकारिणी के सद०, प्र० '५२ में; प्रका० प्रगति के चरण ; अप्र० नवांजलि, शिंजन, स्वर-संगम, संधान, स्मृति-गंध आदि सात-आठ पुस्तकें; वि० स्फुट पुरस्कार प्राप्त, प० वित्त (लेखा) विभाग, सचिवालय, पटना ।

शारदाप्रसाद वर्मा, 'भुशुंडि'—ज० '११, सिराथू, प्रयाग; शि० बाँदा, इंटर, सा०रत्न , सा० भूत० सहायक मंत्री : हिंदीसेवासंघ, लखनऊ '३९-'४०, भूत० मंत्री : हिंदी साहि० परि० नगरपालिका लखनऊ '५०-'५१, भाषाविज्ञान परिषद् '५१-'५२, 'शतदल' '६०-'६१ एवं अनामिका '६१-'६२ ; भूत० सहसंपा० 'नगरमहापालिका विज्ञप्ति' लखनऊ ; प्रका० जमाल गोटा (कवि०) चिमरखी ने कहा था (कहा०) '५२ ; अप्र० भुशुंडि-बत्तीसी (कहा०), कह भुशुंडि भन्नाय, भुशुंडि चारसौबीसी, बेतुकी (कवि०), बैल का दूध (एकां०) ; प० नगरपालिका, लखनऊ ।

शिखरचंद जैन—ज० १९०६, हरदा ; शि० हरदा, इंटर, सा०रत्न '३२ ; सा० मंत्री, अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष : म० भा० हि०सा० समिति इंदौर, म०प्र० हि०सा०सम्मे०, म०भा० हि०सा०परि० एवं साहित्यकार-संसद ; विभिन्न विद्यापीठों में निःशुल्क अध्यापन किया, भूत० प्रधान संपा० दै० 'जयभारत', दै० 'जनता' इंदौर, 'नवनिर्माण' एवं 'वीणा' ; प्रका० सूर : एक अध्ययन, नारी हृदय की अभिव्यक्ति (यशोधरा, नूरजहाँ तथा ध्रुवस्वामिनी पर आलो० निबंध), हिंदी नाट्य-चिंतन, प्रसाद का नाट्य चिंतन, जीवन की बूँदें (कहा०), कणिकाएँ, गुनगुन (कवि०), बालकों और छात्रों की समस्याएँ; वि० कई पुरस्कार प्राप्त , प० नरेंद्र साहित्य कुटीर, इंदौर ।

शिवकुमार गोयल—ज० ३१ अक्टूबर, '३८ ; शि० विशारद ; सा० भूत० उपसंपा० दै० 'हिंदू' मेरठ, दै० 'हिंदुस्तान' में 'व्यक्ति-साहित्य-समस्याएँ' स्तंभ के लेखक ; प्र० '५३ में ; प्रका० हिंदुत्व की चिनगारियाँ, बलिपथ के राही, राष्ट्र की विभूतियाँ, मां भारती के सपूत, श्री सिंहल अभिनंदनग्रंथ (संपा०), शास्त्रार्थ महारथ अभिनंदनांक (संपा०) ; प० पिलखुआ, मेरठ ।

शिवकुमार त्रिपाठी—ज० १६ दिसंबर, '१५ अछल्दा, इटावा ; सा० '४८ से आकाशवाणी से प्रसारित 'नीहारिका' पत्रिका के लेखक एवं निर्देशक ; प्रका० गुलमोहर की छाया (एकां०) तथा एक अँग्रेजी उप० ; प० एक्सटर्नल सर्विसेज डिवीजन हाउस नई दिल्ली

शिवकुमार मिश्र, डा०—ज० २ फरवरी, '३१ ; शि० एम० ए० कानपुर, पी-एच० डी० सागर वि वि० ; प्र० '५४ ; प्रका० कामायनी और प्रसाद की कविता-गंगा '५४, वृंदावनलाल वर्मा : उपन्यास और कला ५६, नया हिंदी-काव्य (शोधप्रबंध) '६२ ; अ० आलो० लेखों के दो संग्रह , वि० 'यथार्थवाद : चिंतन और कला' विषय पर डी०लिट० के लिए शोधकार्य-रत ; प० प्राध्यापक, हिंदी विभाग, वि० वि०, सागर।

शिवकुमार शर्मा—ज० १० नवबर, '१० ; शि० बी० ए०, एस० डी० (कृषिडिप्लोमा) ; सा० भूत० सद० : उ०प्र० विधानसभा '५२, अफ्रीका में टेंगानियका सरकार के कृषि विभाग में एग्रीकल्चरल आफीसर रहे, '३३ के सत्याग्रह आदोलन तथा '४२ के 'करो या मरो' आंदोलन मे बदी, अनेक कृषि फामो के सुपरिंटेंडेंट रहे, संपा०-प्रका० मा० 'कृषि-संसार' बिजनौर ; प्रका० धरतीमाता के प्राण, तप और श्रम, रक्तलांग अथवा चीन की चुनौती '६३ ; अप्र० भूसंरक्षण और भावी राष्ट्र तथा कृषि-संबंधी दो पुस्तकें ; प० ७६१२, सिविल लाइस, बिजनौर।

शिवकुमार शर्मा—ज० ८ नवंबर, '२८ ; शि० एम० ए० हिंदी तथा संस्कृत (सर्वप्रथम), एम० ओ० एल०, बी० टी० पंजाब वि० वि० ; प्रका० निबध-सागर (सहलेखक) '५८, हिंदी साहित्य और युग-प्रवृत्तियाँ '६१ ; वि० कई लेख-संग्रहों में लेख संगृहीत ; 'कामशास्त्रीय ग्रन्थों का हिंदी के रीतिकालीन साहित्य पर प्रभाव' विषय पर शोधकार्य-रत ; प० प्राध्यापक राजकीय डिग्री कालेज, बिलासपुर (हिमाचल प्र०)।

शिवकुमार शर्मा—ज० २५ दिसंबर, '२८ ; शि० एम० ए० राजनीति विज्ञान, शोधछात्र ; सा० भूत प्रबन्धसंपा० 'कालिदास' उज्जैन, संवाददाता : दै० 'जागरण' तथा 'हितवाद' (अंग्रेजी) ; प्र० ६२ में ; प्रका० स्फुट लेख एवं कवि० ; प० दैनिक 'जागरण'-कार्यालय, छत्री चौक, उज्जैन।

शिवकुमार शुक्ल—ज० १९०४ कानपुर ; शि० इटर, आचार्य (सर्वप्रथम) काशी ; प्र० '३२ में , प्रका० बौद्धधर्म का भारत पर प्रभाव तथा स्फुट कहानियाँ ; अप्र० सूर की राधा (उप०), सूरदास के शब्दो में सूर-कथा, कालिदास, जयदेव की प्रेम-कसौटी, सीता-परित्याग : आदर्श प्रजातंत्र की कसौटी पर, प्रजातंत्र की बलिवेदी पर सीता (नाट०) . वि० संस्कृत मे भी लिखते हैं ; प० द्वारा, मूलचंद पाडे, हनुमान हाता, बीकानेर।

शिवकुमार श्रीवास्तव, 'अल्हड़'—ज० ४ जुलाई, '२८, पंचमढ़ी ; सा० सद म प्र कांग्रेस एवं सागर वि० वि कोर्ट अध्यक्ष सागर जिला

भारत-सेवक-समाज, कोषाध्यक्ष : प्रदेश विद्यार्थी कांग्रेस '४५-'४६, भूत संपा० ना० 'जागृति' सागर (दो वर्ष तक) ; प्र० '४५ मे ; प्रका० कवि० : भेरी '४५, मृत्युञ्जय, ताजमहल, नई खबर ; वर्त० प्राध्यापक, दर्शन विभाग, सागर वि०वि० : प० ४।१३, सदर बाजार, सागर।

शिवगोपाल मिश्र, डा०—ज० १३ सितंबर '३१, शि० एम० एस-सी० (प्रथम) रसायन '५२, डी० फिल '५५, सा रत्न (प्रथम) '४६ सम्मे० प्रयाग, सा० संचा० अंतर्वेदीय साहि० मंडल जनपद फतेहपुर, संपा० 'अंतर्वेद' '५७ से मा० 'विज्ञान' '५८ से, प्रबंधसंपा० 'विज्ञान परिषद अनुसंधान पत्रिका' '५७ से ; प्र० '५२ में ; प्रका० मंझन-कृत मधुमालती (संपा०) '५६, चयन (संक०) '५७, ईश्वरदास-कृत सत्यवती एवं अन्य कृतियाँ (संपा०) '५७, भारतीय कृषि का विकास '६० ; अप्र० अनुसंधानात्मक लेखों के दो संग्रह वि० 'हिंदी विश्वकोश' के कई लेखों के लेखक ; वर्त० प्राध्यापक, रसायन विभाग, प्रयाग वि० वि० ; प० २५, अशोकनगर, इलाहाबाद १।

शिवचंद्र शर्मा, *'अद्भुत'*—ज० २४ मार्च, '२६, छपरा ; मा० मनोनीत सद० : बिहार विधान परिषद, सद० : सिनेट तथा फैकल्टी आफ आर्ट्स पटना वि० वि०, प्रधान मंत्री : अ० भा० हिंदी शोधमंडल पटना, कार्यकारी अध्यक्ष : पटनामंडल हि०सा०सम्मे०, भूत०संपा० मा० 'पाटल' '५२-'५३, त्रैमा० 'दृष्टिकोण' '४८ से ; प्र० '४३ में ; प्रका० मेखला (कहा०) '४३, तैमून्ना (उप०) '४४, अटैची केस (कहा०) '४५, कूल-किनारा (उप०) '४५, प्रगतिवाद की रूपरेखा (आलो०) '४६, चलते चित्र (कहा०) '४६, नया आदमी (उप०) '४८, दिनकर और उनकी काव्य-प्रवृत्तियाँ (आलो०) '५१, ईर्ष्या और पाप (कहा०) '५५, पंचदश तंत्र '६० ; संपा० : हिंदी के प्रतिनिधि कथाकार, शांतिदूत ; वि० संस्कृत में भी एक ग्रंथ लिखा है ; प० ८, एम० एल० ए० फ्लैट०, गार्डिनर रोड, पटना—१।

शिवदानसिंह चौहान—ज० १५ मार्च, '१८, बमानी, आगरा ; शि० लखनऊ तथा प्रयाग वि० वि० ; सा० सद० : राष्ट्रीय समिति रूस-भारत मैत्रीसंघ, मंत्री : अ०भा० शांति परिषद् लेखक समिति, संस्था० : प्रगतिशील लेखकसंघ ; अफ्रीका एशियाई लेखक सम्मे० ताशकंद '५८ तथा विश्व पुरातत्व कांग्रेस मास्को '६० में भारत के प्रतिनिधि ; '६२ में विश्वशांति सम्मे० मास्को में भारतीय डेलीगेशन के सद०, यूनेस्को तथा रूमानियन शांति परिषद् द्वारा आयोजित विवेकानंद जन्मशताब्दी में आमंत्रित, भूत० संपा० 'प्रभा' 'नया हिंदुस्तान' एवं 'हम' वर्त० संपा० त्रैमा० 'आलोचना'

प्रका॰ रक्तरंजित स्पेन '३८, साहित्य की परख, प्रगतिवाद, आलोचना के सिद्धात, हिंदी साहित्य के अस्सी वर्ष, साहित्यानुशीलन, काश्मीर देश तथा संस्कृति के निर्माता, गुडबाई मिस्टर राजीव (नाट) तथा लगभग दो दर्जन विश्व साहित्य के क्लासिकों के सहअनुवादक ; वि॰ 'हिंदी साहित्य के अस्सी वर्ष' का अनु॰ रूसी भाषा में एवं 'गुडबाई मिस्टर राजीव' का अनु॰ रूसी तथा रूमानियन भाषा मे हो चुका है ; एक अनु॰ (गोर्की : तीन पीढी) केंद्रीय सरकार द्वारा एव दो नाटक पंजाब सरकार द्वारा पुरस्कृत , प॰ २८ आर, न्यूकालोनी, गुड़गाँव (पजाब) ।

शिवनंदन प्रसाद, डा०—ज॰ '१८ गया; शि॰ बी॰ ए॰ प्रयाग वि॰ वि॰ '२८, एम॰ ए॰ (सर्वप्रथम, स्वर्णपदकप्राप्त) '४१ पटना वि॰ वि, डी॰ लिट॰ '५८, सा॰ रत्न सम्मे॰ प्रयाग; सा॰ ४१ से कालेज और पटना वि॰ वि॰ के हिंदी प्राध्यापक एवं सीनेट, हिंदी बोर्ड आदि के सद॰, संस्था॰ गया साहित्य सम्मे॰; प्रका॰ साहित्य वातायन '४५, काव्यालोचन के सिद्धान्त '४७, कहानी के तत्व '४७, पंतजी और गुंजन '४८, साहित्य के रूप और तत्व '५४, हिंदी साहित्य : प्रेरणाएँ और प्रवृत्तियाँ '५६; हिंदी साहित्य : परिशीलन और अन्वेषण (संपा॰ , भारतीय साहित्य : परिशीलन-अन्वेषण (संपा॰), निबंधार्णव (संपा॰) आदि; अप्र॰मात्रिक छंदो का विकास (शोधप्रबध), एवं दो लेख-संग्रह; प॰ यूनिवर्सिटी क्वार्टर्स, रानीघाट, पटना—६ ।

शिवनंदन प्रसाद—शि॰ बी॰ ए॰ '४०, डिप॰ एड॰ '४२, एम॰ ए॰ (प्रथम); सा॰ नागपुर की पिछडी जातियों मे हिंदी-प्रचार किया, सचिव विश्वविद्यालय पुस्तकालयसमिति भागलपुर वि॰वि॰; प्रका॰ तानाशाही, चंगुल, जुल्म का नंगा नाच, युद्ध मे चर्चिल, फौलादी रूस, हमारे सिपाही, जापानी सिपाही, पैसिफिक की लड़ाई, बिहार में युद्धोद्योग, हिटलर के कारनामे, जापान का रहस्य-भेद, हमारा मित्र चीन, हम जीतेंगे, हिटलर का पंजा, पाँचवाँ दस्ता, ऊटपटाँग, कल्किपुराण, प्रसाद और उनका अजातशत्रु, माताएँ हो तो ऐसी ; अनु॰ स्वास्थ्य के तीन मार्ग, स्वर्ग की झलक, महासागर की संक्षिप्त कहानी; प॰ भट्टाचार्जी लेन, अपर बाजार, राँची ।

शिवनाथ, डा०—ज॰ '१७, वाराणसी; शि॰ एम॰ ए॰, डी॰फिल, सा॰ रत्न, वैदिक धर्मविशारद; सा॰ भूत॰ सह-संपा॰ 'नागरी प्रचारिणी पत्रिका' काशी '४५, संपा॰मंडल के भूत॰ सद॰ : हिंदी-शब्द-संग्रह, वाराणसी '४७, बृहत् हिंदी कोश, काशी '५२ , प्रका॰ आचार्य रामचंद्र शुक्ल (समीक्षा) '४३ हम्मीररासो (संपा) '४८, हिंदी कारकों का विकास '४९ आधुनिक

साहित्य की आर्थिक भूमिका '५०, मीमांसिका '५१, हिंदी नाटकों का विकास '५१, भारतेंदु युगीन निबंध '५३, अर्थतत्व की भूमिका (भाषाशास्त्र) '६१; यंत्रस्थ हिंदी भाषा का अर्थतात्विक विकास, रवींद्रनाथ; वि० अनेक निबंध-संग्रहों में निबंध संगृहीत हुए हैं, प० प्राध्यापक, हिंदी भवन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन, पश्चिमी बंगाल।

शिवनाथ अरोरा—ज० २५ जून, '३५; शि० एम० ए० अँग्रेजी आगरा वि० वि०; प्र० '५२ में; प्रका० गीत नहीं ये (कवि०) '५८, पंचरत्न (आलो०) '५८, सूर-परिचय (आलो०) '५९; गूँजती ध्वनि (कवि०) '५९; अप्र० गूँज और कमल (खंड०); प० ३, कृष्ण-निवास; बुद्धबाजार, मुरादाबाद।

शिवनाथ दुबे—ज० २ जनवरी, '२० धामपुर; शि० मैट्रिक, सा०रत्न, जा० उर्दू, संस्कृत एवं बँगला; सा० सद० : संपादकीय विभाग, 'कल्याण' गोरखपुर '४६ से; प्रका० कहा : मिट्टी का कलश (रूपककथाएँ), मुक्ति-दाता (ऐति०कहा०); अप्र० स्फुट रचनाओं के कई संग्रह, प० संपादकीय विभाग, 'कल्याण', गीता प्रेस, गोरखपुर।

शिवनाथसिंह, 'कान्हेय'—ज० ४ जुलाई, '२९; शि० कालाकाँकर, प्रतापगढ़, एम० ए० हिंदी तथा अर्थशास्त्र, आगरा वि० वि०, सा०रत्न सम्मे० प्रयाग, एल० टी०; सा० सद० : उ० प्र० हि०सा० सम्मे०, आचार्य द्विवेदी स्मारक संघ, कार्यकारिणी जिला कांग्रेस कमेटी, जिला भ्रष्टाचार विरोधी समिति, जिला उद्योग समिति एवं पंचनिर्वाचन समिति; संस्था० : जनपद हि० सा० सम्मे० प्रतापगढ '४८, युगाधार प्रतापगढ, बलवंत राष्ट्रीय पुस्तकालय दोहरी, महाकवि जायसी पुस्तकालय सलोन; संचा० : जिला सहकारी बैंक, भूत०संपादक० साप्ता० 'अवध', सहसंपा० 'आभा' तथा 'सर्वोदय-सुधा' (१३ वर्षों से); प्र० '४९ में; प्रका० लोक कवि श्री बदलूराम की रचनाएँ (संपा०); म०उपप्राचार्य, सर्वोदय विद्यापीठ इंटरकालेज, सलोन, रायबरेली।

शिवनारायण उपाध्याय—ज० १९ मार्च, २२; शि० साहित्यभूषण, सा० मंत्री ग्रामीण वाचनालय, कालमुखी, प्रका रोज की कहानी '५५, हमारी लोककथाएँ; अप्र० दो संग्रह; प० साहित्य-कुटीर, कालमुखी, खँडवा।

शिवनारायण खन्ना—ज० १८ नवंबर, २४ इटावा; शि० बी० ए० '५५, एम० ए० '५७ आगरा वि० वि०, विशारद '५२, सा०रत्न ५४, सा० '५७ से राष्ट्रीय ग्रंथालय कलकत्ते में प्रवर-सहायक (हिंदी); प्र० '५८ में प्रका० स्फुट लेख, कविताएँ तथा ग्रंथवर्णना (बिबलोग्राफी) अप्र

पुस्तकालय शब्दावली कोश एवं स्फुट लेखों के दो संग्रह; प० प्रवर सहायक (हिंदी), नेशनल लाइब्रेरी, वेलवेदियर, कलकत्ता-२७।

शिवनारायण लाल—ज० ८ मार्च, १९०४; शि० प्रथमा (प्रथम, ततीय स्थान) एवं मध्यमा (प्रथम) सम्मे० प्रयाग, विशेष योग्यता (प्रथम, द्वितीय स्थान); सा० भूत० प्रधानमंत्री तथा वर्त० कोषाध्यक्ष : गांधीविद्यालय इंटर कालेज बछरावाँ, भैरवप्रसाद स्मारक पुरस्कार के लिए काशी ना० प्र० सभा को स्थायी निधि, श्रीगणेशशंकर विद्यार्थी सार्वजनिक पुस्तकालय बछरावाँ को स्थायी कोष तथा साहित्य सदन पुस्तकालय को सहायता दी, प्रका० जनरल साइंस, नागरिकशास्त्र तथा गणित की पारिभाषिक पुस्तिका आदि सात-आठ छात्रो० पुस्तकें; वि० कई स्फुट पुरस्कार प्राप्त; प० बैजनाथ आश्रम, बछरावाँ, रायबरेली।

शिवनारायणलाल—ज० १६ अगस्त, '१६, मिरजापुर; शि० एम० ए हिंदी, एल-एल० बी०, एल० टी, काशी वि०वि०; सा० भूत० प्राचार्य हिंदी विद्यापीठ देवघर '४२-'४७, '४८ से अध्यक्ष हिं०वि० तिलकधारी महाविद्यालय जौनपुर; प्रका० हिंदी उपन्यास, कविता की शिक्षा, प्रेमचंद्र और गोदान, निबंध-निधि, प्रबंध-पयोधि, नूतन गद्य-भारती (संक०), गद्य-माधुरी (संक०); प० हिंदीविभागाध्यक्ष, तिलकधारी महाविद्यालय, जौनपुर।

शिवनारायण वोहरा, डा०—ज० २७ सितंबर, १९०९ ओन, जेहलम (अब पाकिस्तान में है); शि० एम० एम० '४५ लाहौर, पी-एच० डी० '४६; सा० भूत० प्राध्यापक : आई० सी० एस० प्रोवेशनर्स देहरादून '४२-'४४, '४९ से प्राध्यापक राजकीय कालेज, रोहतक; प्रका० हमारे महारथी, तथा अनेक पाठपुस्तकें; अप्र० भारतेंदु हरिश्चंद (शोधग्रंथ) तथा एक लेख-संग्रह; प० प्राध्यापक, राजकीय कालेज, रोहतक।

शिवनारायण श्रीवास्तव—ज० मघवापुर, बस्ती; सा० ट्रेड यूनियन आंदोलनों में कार्य, साढ़े चार वर्ष तक बंदी; प्र० '४५ में; प्रका० रोटी का टुकड़ा (कहा०) '४५, धुआँ आग और इंसान (उप०) '५८; अप्र० मंजिल के साथी, सुबह का सूरज एवं जर्मनी-यात्रा के संस्मरण; वि० 'धुआँ आग और इंसान' का अनु० चीनी में हो चुका है, जर्मन में हो रहा है, प० द्वारा, पंचराज मिश्र, यूनाइटेडकाफीहाउस, कनाटप्लेस, नई दिल्ली।

शिवप्रसाद गोयल—ज० १५ अक्टूबर, '२८; शि० देहरादून, बी० ए०, एम० ए० हिंदी, आगरा वि०वि०; सा० सद० : भा० हिंदी परि० प्रयाग, काशी ना प्र०स वाराणसी लिंग्विस्टिक सोसाइटी आफ इंडिया पूना

एवं केंद्रीय कार्यकारिणी पंजाब प्रादेशिक हिंदी साहित्य संगम, भूत॰मंत्री · देहरादून नगर एवं जिला हिंदी साहित्य समिति, प्रधान यमुनानगर संगम की स्थानीय शाखा ; भूत॰ हिंदी विभागाध्यक्ष मुकुंदलाल नेशनल कालेज, यमुनानगर अंबाला '५७-'६२ ; अत्र हिंदी विभागाध्यक्ष मोतीराम बाबूराम डिगरीकालेज, हल्द्वानी . भूत॰ प्रका॰ 'युगसंदेश' देहरादून, प्र॰ '४० में ; प्रका॰ वाङ्मय-विवेक '६१, समालोचना-तत्व '६२ ; अप्र आलो॰ लेखो के दो संग्रह ; वि॰ कई संग्रहो मे निबंध संगृहीत हुए हैं, अनेक स्फुट पुरस्कार प्राप्त ; 'हिंदी में खंडकाव्य' विषय पर पंजाब वि वि॰ की पी-एच॰ डी॰ उपाधि के लिए शोधकार्यरत ; प॰ अध्यक्ष, हि॰वि॰, मोतीराम बाबूराम डिग्री कालेज, हलद्वानी (नैनीताल) ।

शिवप्रसाद लोहानी—ज॰ '३४ ; शि॰ एम॰ ए॰ अँग्रेजी, नागपुर वि॰वि॰, एम॰ ए॰ हिंदी, बिहार वि॰वि॰, शास्त्री पंजाब वि॰वि॰, सा॰रत्न सम्मे॰ प्रयाग ; मा॰ सद॰ बिहार हिं॰सा॰सम्मे॰, प्रेमचद साहि॰ परि॰, विहार साहित्यकार संघ एवं मगही सम्मे॰ ; भूत॰ संपा॰ 'माहुरी मयक' गया ; प्र॰ '५० में ; प्रका॰ स्फुट लेख एव कहानियाँ, अप्र॰ एक उप॰, दो निबंध तथा चार कहा॰-संग्रह, मगही व्याकरण एवं साहित्य-संबधी पुस्तके ; प नूरसराय, पटना ।

शिवप्रसाद शुक्ल—ज॰ '२८ उन्नाव ; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी तथा संस्कृत, आगरा वि॰वि॰, शास्त्री, आचार्य, वाराणसी, सा॰रत्न सम्मे॰ प्रयाग; सा॰ पंजाब प्रांतीय हिंदी साहित्य संगम पलवल शाखा के प्रधान ; प्र '५२ में ; प्रका॰ ज्योत्स्ना (कवि॰), रक्त-तिलक (कवि॰), समन्वय (लेख॰), रोटी और कमल (एकां॰), आओ नाटक खेले (बालो॰ एका॰), गुरुदक्षिणा (एका॰) '६२ ; वि॰ पंजाब वि॰वि॰ की पी-एच॰ डी॰ उपाधि के लिए 'साहित्यिक हिंदी के परिष्कार या आदर्शीकरण की स्थितियाँ' विषय पर शोधकार्य-रत ; प॰ अध्यक्ष हि॰ वि॰, सनातनधर्मकालेज, पलवल, गुडगाँव ।

शिवप्रसादसिंह, डा॰—ज॰ १९ अगस्त, '२८, जलालपुर, जमानियाँ, वाराणसी ; शि॰ बी॰ ए॰ आनर्स, एम॰ ए॰ हिंदी '५३ (सर्वप्रथम), पी-एच डी॰ '५७ काशी वि॰वि॰ (शोधकार्य के लिए ह्यूमैनिटीज स्कालरशिप प्राप्त) ; प्रका॰ आरपार की माला (कहा॰) '५५; कीर्तिलता और अवहट्ठ भाषा '५५, विद्यापति (आलो॰) '५८, सूरपूर्व ब्रजभाषा और उसका साहित्य (शोधग्रंथ) '५८, कर्मनाशा की हार (कहा॰) '५८, इन्हें भी इंतजार है (कहा॰) '६१, अंतरिक्ष के मेहमान (रिपोर्ताज) अप्र बदनाम बस्ती

(उप०), कवि पद्माकर-कृत रसरतन (संपा०) एवं एक निबंध-संग्रह ; वि० '५८ में 'सूरपूर्व ब्रजभाषा और उसका साहित्य' पर डालमिया साहित्य पुरस्कार प्राप्त ; अनेक कहानियों के अनुवाद असमिया, मराठी, गुजराती तेलगु एवं अँगरेजी में हुए हैं, रूसी में भी अनु० हो रहा है ; प० प्राध्यापक हिं०वि०, काशी वि वि०, वाराणसी ।

शिवबालक राय—ज० ११ जनवरी, '१६ ; शि० एम० ए० (प्रथम) '४२ पटना वि०वि० ; सा० भूत० हिंदी प्राध्यापक हरप्रसाददास जैन कालेज आरा '४४-'५५, दिसंबर '५५ से साहिबगंज कालेज में प्राचार्य ; प्र० '३६ मे ; प्रका० दिनकर साहित्य के सिद्धांत और कुरुक्षेत्र '५०, ; अप्र० काव्य में सौंदर्य और उदात्त तत्व, मेघदूत का भाव-सौंदर्य ; वि०'आधुनिक हिंदी कविता में प्रतीक योजना' विषय पर शोधकार्यरत , प० प्राचार्य साहिबगंज कालेज, साहिबगंज, संताल परगना ।

शिवबालक शुक्ल—ज० १२ अगस्त, '२०, हरदोई ; शि० बी०ए० आनर्स '४५, एम० ए० हिंदी '४६ लखनऊ वि०वि० , सा० भूत० प्राध्यापक : रुक्मांगद क्षत्रिय कालेज हरदोई, '५१ से के० जी० के० कालेज मुरादाबाद के स्नातकोत्तर हिंदी विभाग में प्राध्यापक प्रका० अष्टावक्र (खंड०), श्रवणकुमार (खंड०), उद्धवशतक की व्याख्या ; अप्र० शोधपूर्ण निबंधों के दो संग्रह ; वि० पी-एच०डी० उपाधि के लिए 'हिंदी के प्रबन्धकाव्य सं०१७००-१९००' विषय पर शोधग्रंथ प्रस्तुत कर चुके हैं ; प० प्राध्यापक हिंदी विभाग, के० जी० के० डिग्री कालेज, मुरादाबाद ।

शिवबालक सिंह, 'निराश'—ज० '३४ भगवंतनगर, उन्नाव ; शि० इंटर, उन्नाव ; प्रका० स्फुट गीत ; अप्र० गीत-संग्रह : अश्रुहार, वेत्रवती, शात वर्तिका, स्मृति, उत्पीडन (गद्यगीत), वेला (खंड०) ; प० १ सेक्शन, एच-डी० कंपनी, १९ इनफैंट्री डिवीजन, सिग० रेजीमेंट, द्वारा ५६ ए० पी० ओ० ।

शिवमंगल मिश्र, 'मंगल', वैद्य—ज० '१२ ; शि० आयुर्वेदाचार्य ; प्रका० स्फुट कविताएँ ; अप्र० दो संग्रह ; वि० भोजपुरी में भी लिखते हैं ; प० जैतपुरा, भोरे, सारन ।

शिवरत्न शुक्ल, 'सिरस'—ज० १८७९ बछरावाँ, रायबरेली ; सा० १९०० से '३२ तक रेलवे स्टेशन मास्टर काशी तथा गुड्स इंस्पेक्टर लखनऊ में रहे, एक रियासत के भूत० प्रबन्धक, भूत० संपा० 'आलोक' प्रयाग, भूत० सद० : डिस्ट्रिक्ट बोर्ड एवं भूत० सभापति टाउन एरिया रायबरेली, भूत० अध्यक्ष : टाउन एरिया बछरावाँ प्र १९०० में प्रका० शिवरत्न

संग्रह १९००, प्रभूचरित्र (चंपू गद्यपद्य) १९०९, रामावतार '११, आर्य-संवाद (गद्य) '१३, 'स्टेशन मास्टर्स गाइड' (अँगरेजी) '२१, 'हाउ टू प्रिपेयर वैलेस शीट्स '२६, रामचरितमानस : किष्किंधाकांड (भाष्य) '२७, परिहास-प्रमोद '३०, भरतभक्ति (महा०) '३२, सिरस नीत-सतसई '३६, श्री रामतिलकोत्सव (महा०) '५१ ; अप्र० विवेकानंद लेख और भाषण (अँगरेजी मे अनु), विनयांजलि (कवि०), विनीत-विनय (कवि०), उद्धव-ब्रजांगना (कवि०), शांत रस मे अलंकार (सोदाहरण), नवीन अलंकारो का आविष्कार, सिरस-सुमन (कवि०) अवधी-कनौजी-भाषा (गद्य), गीतगान (कवि०), श्रीछत्रपति शिवाजी (महा०), देवाष्टक (कवि०), गोविंद गुण गान (कवि०), श्रीरामचरितमानस (सातों कांडों का महाभाष्य), बैसवारी बोली और उसका व्याकरण आदि ; वि० 'रामचरितमानस' का भाष्य सात वर्षों मे लगभग १२००० पृष्ठों मे तैयार किया है ; प० बछरावाँ, रायबरेली।

शिवशंकर झा—ज० १९०९ ; शि० वेद-व्याकरण, काव्य-स्मृति-पुराणतीर्थ बंगाल संस्कृत-समिति, सामवेद-साहित्य-धर्म शास्त्रायुर्वेदाचार्य, बिहार संस्कृतसमिति, हिंदी सा०रत्न संस्कृत वि०वि० वाराणसी ; जा० संस्कृत, मैथिली, नेपाली एवं बंगला ; सद० : नेपाल शिक्षा समिति, सभा० मैथिली साहि० समिति, संस्था० : श्रीशंकर संस्कृत विद्यालय कलकत्ता० '२७, श्री देवी आयुर्वेद विद्यामंदिर मधवापुर (दरभंगा) '२९ एवं जगन्नाथ जनता पुस्तकालय शाहपुर (मिथिला) '६० ; प्र० '५० में ; प्रका० वेद-परिचय (संस्कृत) '५७ ; अप्र० व्रत-विज्ञान, श्राद्ध-विज्ञान ; वि० 'विद्यारत्न' एवं 'महोपाध्याय' उपाधियाँ एवं स्फुट पुरस्कार प्राप्त ; प० प्राचार्य, नेपाल राजकीय संस्कृत महाविद्यालय, मटिहानी, मधवापुर, दरभंगा।

शिवशंकर वशिष्ठ—ज० २७ जुलाई, '३२, शि० इंटर, प्रभाकर, सा०रत्न ; सा० सद० कार्यकरिणी फिल्म लेखक संघ, गत दो वर्षों से नवभारत टाइम्स के बंबई संस्करण मे आकाशवाणी कार्यक्रमों की साप्ता० समीक्षा के लेखक, बंबई केंद्र के सुगम संगीत विभाग द्वारा अनेक गीतों की रिकार्डिंग हो चुकी है ; संचा० समन्वय संस्था बंबई ; प्रका० हिंदी के बालोपयोगी निबंध '४९, प्रत्यूष (कवि०) '५४, गीली आँखें गीले गीत (कवि०) '५८ ; प० ६१६।७, रेखी निवास, १४वाँ रास्ता खार, बंबई ५२।

शिवशेखर द्विवेदी—सा० भूत० संपा० 'धूमकेतु' एवं 'औघड' ; प्र० '२३ में ; प्रका० स्फुट आलो० निबंध ; अप्र० शोधपूर्ण आलो० लेखों के कई संग्रह ; प० द्वारा, सतीशऔषधालय, ११२ काटनस्ट्रीट, कलकत्ता—७।

शिवशेखर मिश्र, डा०—ज० १ जनवरी, '२७ सीतापुर; शि० एम० ए० अँगरेजी, एम० ए० भारतीय संस्कृति, एम० ए० संस्कृत, एल-एल० बी०, पी-एच० डी० (संस्कृत) लखनऊ वि०वि०; प्रका० भारतीय संस्कृति में आर्यतरांश '५२, भारत का सास्कृतिक विकास '५३ ; वर्त० प्राध्यापक, संस्कृतविभाग, लखनऊ वि०वि० ; प० कुमारसदन, बादूगंज, लखनऊ ।

शिवसागर मिश्र—ज० '२७, श्रीरामपुर, बैनी (दरभंगा) ; शि० बी० ए०, सा० '४० से राष्ट्रीय आंदोलनों में सक्रिय भाग तथा '४२ के आंदोलन मे कारावास ; प्रका० उप० : चाँद के धब्बे, पत्ते गिर पड़े, नींव की मिट्टी, दूब जनम आयी, राजतिलक, मगध की जय, तथा दो जासूसी उप०, अन्य : हम जिनके ऋणी हैं (नवसाक्षरों के लिए), भारत का इतिहास ; प० डिप्टी चीफ प्रोड्यूसर, समाचार विभाग, ब्राडकास्टिंग हाउस, आकाशवाणी, नई दिल्ली ।

शिवार्जुनराय आर्य—ज० ३ जून, '२७ ; शि० बी० ए० छपरा, बी० एल० राजकीय विधिमहाविद्यालय पटना ; सा० मंत्री : लोक संस्कृति मंडल एवं अ० भा० अहिंदी भाषी हिंदी साहित्यकार सम्मे०, उपाध्यक्ष : बिहार राज्य प्रेस संवाददाता सम्मे० ; प्र० '३६ में ; प्रका० धरती और इंसान '५१, पश्चिम के दार्शनिक और उनका जीवन '५२, खेतों में पानी (उप०) '५१, भीगे नयन (एकां०) '५२, सिगमंड फ्रायड और स्वप्न के सिद्धांत '५५, भारतीय श्रमिक और श्रम-कल्याण '६१ ; यंत्रस्थ : ज्योतिर्मय महेंद्र (जीव०) '६१ ; अप्र० आशियाना की आवाज, अंतर्राष्ट्रीय विधि, विकास अधिकारी (उप०) ; वि० एक पुस्तक अँगरेजी में भी लिखी है —'स्क्रिप्ट ऐंड लिटरेचर इन हिंदी' ; प० सलेमपुर, छपरा ।

शिवाधार पांडेय—ज० ६ फरवरी, १८८८ ; शि० बी० ए० १९०५, कानपुर, एम० ए० प्रयाग वि० वि० १९०७, एल-एल० बी० १९०८ ; सा० दो वर्ष कानपुर में १९०८-'१० तथा एक वर्ष प्रयाग हाईकोर्ट मे '११ वकालत की, भूत० प्राध्यापक एव अध्यक्ष : अँग्रेजी विभाग प्रयाग वि०वि० '१२-'४३, भूत० उपसंपा० 'लीडर' प्रयाग '१०-'११, 'अभ्युदय' '११ एवं मा० 'चेतना' प्रयाग '४७-'५१ ; प्रका० पदार्पण १५, रसवल्लरी '१७, शंखनाद '१८, पदावली (दो भाग) '१८, वीर विक्रमादित्य '४४, वज्रगुप्त '४४, जवाहर नामा '५५, महाकुंभ '५५, चुनाव-चर्चा '६१, कैलासयात्रा '६१, वनमाल '६१, पार्थ-सारथी, महाभारत में भगवान '६२ तथा चार पुस्तकें संस्कृत में एव तीन अँग्रेजी में ; प० १२, म्योर रोड प्रयाग ।

शिवानंद नौटियाल—ज० १८ जून, '३२, कोठला ; शि० साहित्यालंकार, एम० ए० देहरादून, सा०रत्न सम्मेलन प्रयाग, प्र० '५७ में ; प्रका० कमल (कहा०) ५५, लता '५७ (कहा०) ; शैलबाला के आँसू (उपन्यास), नेफा के लोग (यात्रा), नेफा की लोककथाएँ (यंत्रस्थ) ; वि० मातृभाषा गढवाली में भी पाँच पुस्तकें लिखी हैं ; प० कोठला, सैजी पौडी, गढवाल ।

शिवेंद्रकुमार, 'परिवर्तन'—ज० १९ अगस्त, '१९ ; जा० उर्दू, अँगरेजी, संस्कृत, बँगला, मराठी, गुजराती, पँजाबी एवं मलयालम, सा० सद० काशी ना०प्र०स०, अनेक साहि० संस्थाओं में सक्रिय कार्य किया ; प्र० ३९ में ; प्रका० प्रयास के पख, झिलमिलाती रेणु आदि ; अप्र० प्रकाम्या, प्रणयिनी, प्रगति की जय, धुएँ की सडक, नई पौध के मन की वीणा, टाँगा घाटी-साहित्य-साधना (निबंध) ; वि० अनेक स्फुट पुरस्कार प्राप्त ; 'मार्तंड' उपनाम से भी लिखते हैं ; प० (१) रामकाटेज, रामघाट रोड, अलीगढ । (२) सोहनलाल स्ट्रीट, गजियाबाद ।

शिशुपाल सिंह, 'निर्धन'—ज० १ जुलाई, '३१ ; शि० खुरजा, मैट्रिक, विशारद, सा० '४९ से सिंचाई-विभाग मे कार्य ; प्र० ५५ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० प्यार और पत्थर ; प० नगला मुहीउद्दीनपुर, खुरजा ।

शिशुपाल सिंह, 'शिशु'—ज० १ सितबर ११ ; शि० साहित्यभूषण बिहार ; प्र० '३७ में ; प्रका० महात्मा गाधी और कृष्ण '३८, वीरजा (घनाक्षरी-संग्रह) '४०, परीक्षा (खंड०), हल्दीघाटी की एक रात (खंड०), अपने पथ पर (खंड०), छोडो हिंदुस्तान (संक०), दो चित्र (खंड०), पूर्णिमा (संक०), तीन आहुतियाँ (खंड०), नदी किनारे (संक०) ; अप्र० काँटों में कुसुम (खड) ; वि० '६० में साहित्य-सेवा तथा उत्तम अध्यापन हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार स्व० राष्ट्रपति डा० राजेद्रप्रसाद द्वारा प्राप्त ; प० ऊदी, इटावा ।

शीला शर्मा—ज० २१ अप्रैल, '१९ ; शि० बी० ए० काशी वि० वि० ; सा० सहसंपादिका : 'सरस्वती' ; प्रका० टूटी चूडियाँ (कहा०), एक था (उप०), धरतीमाता (बालो० भूगोल), मछलियों का देश ; अप्र० तानाबाना (कहा०), रामचरित मानस में उपनिषद ; वि० 'टूटीचूडियाँ' तथा 'एक था' पर उ० प्र० एवं विंध्य प्रदेश सरकार द्वारा, 'धरती माता' पर भारतसरकार द्वारा तथा 'मछलियों का देश' पर म० प्र० सरकार द्वारा पुरस्कार प्राप्त ; प० द्वारा श्री के०के० शर्मा, आई० ए० एस०, प्रशासक-भवन, कानपुर ।

शुकदेव दुबे—ज० '१६ ; शि० एम० ए०, सा०रत्न; जा० बँगला, मराठी एव गुजराती, सा० बालशिक्षा समिति पटना एव भारतीभक्त

प्रयाग में कार्य किया, अब उपसंचा॰ भाषाविभाग, म॰ प्र॰ शासन, भोपाल ; प्रका॰ खुदीराम बोस, खोज के पथ पर, कवि पद्माकर, साहस के पुतले, निर्माण की ओर, नेपोलियन बोनापार्ट, राणा साँगा, वनवासी राम, वनवासी पांडव, विनोबा भावे, राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन, श्रीमती विजयलक्ष्मी पंडित, भारतेंदु हरिश्चन्द्र, महादेव देसाई, ठक्कर बापा, सी॰ बी॰ रमन, वीर कुँवर सिंह, चंद्रशेखर आजाद, काव्यांग-प्रकाश, बड़ों की कहानियाँ, विज्ञान की बातें, बालहिंदी व्याकरण, मिडिल हिंदी व्याकरण, बाल हिंदी रचना (तीन भाग), हिंदी प्राइमर, नवीन बेसिक प्राइमर आदि ; संपा॰ : कौमुदी (कहा॰), तुलसीदल, तपोवन (निबंध) ; अप्र॰ अमर पुत्र, पर्यटकों का स्वर्ग : मध्यप्रदेश, प्राचीन भारतीय गणराज्य, महान मूर्तियाँ, ये प्राणी : मानव, ये प्राणी : पशु - पक्षी, ये प्राणी : पौधे ; अप्र॰ सात-आठ पुस्तकें एवं संग्रह ; वि॰ 'खुदीराम बोस' एवं 'खोज के पथ पर' विंध्यप्रदेश शासन द्वारा तथा 'कवि पद्माकर' म॰प्र॰ शासन द्वारा पुरस्कृत ; प॰ उपसंचालक भाषा विभाग, म॰ प्र॰ शासन, भोपाल ।

शुकदेव पांडेय—ज॰ १८९३ ; शि॰ एम॰ एस-सी॰ म्योर कालेज, प्रयाग ; प्रका॰ वैज्ञानिक शब्दावली (ज्योतिष और गणित) गणित, बीज गणित, त्रिकोनमिति ; अप्र॰ मेरी यूरोप यात्रा : एक संस्मरण (९ भाग), एवं स्फुट लेखों के दो संग्रह ; वि॰ भारत सरकार की 'पद्मश्री' उपाधि प्राप्त ; प॰ लेफ्टि॰ कमांडर, पद्मश्री, कुलपति, बिड़लाविद्या विहार, पिलानी ।

शुकदेवप्रसाद तिवारी, 'निर्बल'—ज॰ ११ मई, १८९१ ; सा॰ सद॰ जिला एवं प्रांतीय कांग्रेस कमेटी, अवै॰ सचिव एवं उपाध्यक्ष : स्थानीय म्युनिसिपल कमेटी, संस्था॰ : हिंदी साहित्य ग्रंथमाला सुहागपुर, राष्ट्रीय आंदोलनों में अनेक बार कारावास, भूत॰ संपा॰ 'पंचराज' नासिक, 'नव-शक्ति' बम्बई, 'नवीनराजस्थान' अजमेर एवं 'महिला संसार' फरुखाबाद ; भूत॰ सहसंपा॰ 'महिलादर्पण' मुजफ्फरपुर ; संपा॰-प्रका॰ 'हिंदू' ; प्र॰ १९०६ में ; प्रका॰ ग्रामीण जीवन, होली की राख, हिंदी-गान-कुसुमांजलि, खद्दर-पंचरत्न, राष्ट्र की ध्वनि, महिला सप्त-सरोज, गाँधी-गान, वीर भामाशाह (एकांकी), तथा कुछ जीवन-चरित्र ; अप्र॰ ऊषा (खंड॰), सुहागपुर तहसील, का इतिहास, षोड़सी (कहा॰) ; प॰ गाँधी वार्ड, सुहागपुर, होशंगाबाद ।

शुभकारनाथ कपूर, डा॰—ज॰ २३ नवम्बर, '३५ ; शि॰ एम॰ ए॰ '५९, पी-एच॰ डी॰ '६२ लखनऊवि॰वि॰ ; प्र॰ ५४ में ; प्रका॰ जयसिद्ध पुरुष (उप॰) '५६, अच्छी हिंदी कैसे लिखें (सहलेखक) ; अप्र॰ स्वप्न के संकेत

(उप०), विद्यापति और उनका काव्य, प्रबंध-सागर (सहलेखक), राम-काव्य में लक्ष्मण, चलती दीवारें (उप०), आचार्य चतुरसेन का कथा-साहित्य (शोध-प्रबन्ध) ; प० खैराबाद, सीतापुर।

शेखरचंद्र सक्सेना—ज० '३४ ; शि० राजस्थान में ; प्रका० मिट्टी की गाड़ी, चाचा नेहरू, बिजली, पंचतंत्र की कहानियाँ (भाग १ से ४) आदि ; प० 'सेनानी'-कार्यालय, बीकानेर।

शेखर जोशी—ज० १० सितंबर, '३४ ; शि० इंटर प्रथम वर्ष के बाद तकनीकी शिक्षा ; सा० श्रमिक यूनियनों से संबद्ध '५२-'६०, ढाई वर्ष तक अवै० संयुक्तसंपा० मा० 'पर्वतीय जन' दिल्ली, दो वर्ष तक संयो० परिचय संस्था प्रयाग ; प्र० '५५ में ; प्रका० कोसी का घटवार '५८ एवं स्फुट कविताएँ-कहानियाँ ; वि० उ० प्र० सरकार की हिंदी समिति द्वारा 'कोसी का घटवार' पुरस्कृत, स्फुट पुरस्कार भी प्राप्त ; सुरक्षा-विभाग के एक औद्योगिक प्रतिष्ठान में सुपरवाइजर ; प० (१) ओलियागाँव, रनबन, अल्मोड़ा ; (२) १०८, लूकरगंज, इलाहाबाद।

शेरजंग गर्ग—ज० दिसंबर, '३६, शि० एम० ए० हिंदी, देहरादून ; जा० उर्दू एवं अँग्रेजी ; प्र० '५३ में ; प्रका० स्फुट लेख एवं कवि ; वर्त० प्राध्यापक ; प० जी० २०४, ईस्टविजयनगर, नई दिल्ली—३।

शैलकुमारी चतुर्वेदी—ज० १० जुलाई, '२३, मेरठ ; शि० मैट्रिक, प्रभाकर पंजाब, विशारद सम्मे० प्रयाग ; सा० मा० 'शांति' (लाहौर) के संपा० मंडल में कार्य, 'चतुर्वेदी समाचार' का लगभग डेढ़ वर्ष तक संपा० ; प्रका० वीर सेनानी, पाक विज्ञान, सिलाई-शिक्षा, आधुनिक गृहविज्ञान एवं एकाकी नाटक तथा बालसाहित्य संबंधी एक दर्जन पुस्तकें, वि० 'मरणभोज की वेदी' नाटक पर जयपुर राज्य के डेवलपमेंट डिपार्टमेंट से पुरस्कार प्राप्त ; प० एफ/७१७, गाँधीनगर, जयपुर।

शैलबाला—ज० मार्च '२२ ; शि० एम० ए०, बी० टी० ; सा० हैदराबाद के हाईस्कूल की भूत० प्रधानाध्यापिका, हिंदी-प्रचार-सभा की परीक्षाओं की संचालिका, अब राजकीय ट्रेनिंग कालेज हैदराबाद में हिंदी विभाग की अध्यक्षा ; प्रका० स्फुट ; अप्र० लेखों एवं कविताओं के दो संग्रह, प० अध्यक्षा राजकीय ट्रेनिंग कालेज, बेगमबाजार, हैदराबाद।

शैल रस्तोगी, श्रीमती, डा०—ज० १ सितंबर, '२७ ; शि० एम० ए० आगरा वि०वि०, पी-एच० डी '६१ काशी वि० वि० ; प्रका० पराग (कवि०) '४७ · अप्र० हिंदी-उपन्यासों में नारी (शोध-ग्रंथ) एवं कविता-कहानी के

दो संग्रह ; वर्त० प्राध्यापिका हिं० वि०, रघुनाथ गर्ल्स कालेज, मेरठ ; प० ११०, मोरीपाडा, मेरठ।

शैलेंद्रकुमार पाठक—ज० २४ फरवरी, '२६, बलेवर, इटावा ; सा० भूत संपा० 'शंखनाद', 'जनता', 'एकता', 'दिल्ली समाचार', 'रमैश' (अँग्रेजी), 'यूथ वर्ल्ड' (अँग्रेजी), 'चट्टान', 'मतवाला' आदि साप्ता०; 'प्रतिमा', 'क्रांति', 'रक्तदान', 'छाया' आदि मासिक एवं 'नया हिंदुस्तान', 'नेताजी', 'विश्वमित्र' आदि दैनिक ; प्र० '२८ मे ; प्रका० कवि० : एक स्वर '४१, साजन की सनक '४१, चिनगारी '४५ ; कहा० : आजादी की राह '४६, पगडी सँभाल ओ जट्टा '४७, विश्वासघात '४७, इंसान का दिन '५७ ; विविध : दिल्ली में गाँधी, नोआखाली की यात्रा '४७, इच्छा-शक्ति '५७, मनोविज्ञान और सफल जीवन '५७, लालबहादुर शास्त्री : व्यक्ति और विचार '५८, रासबिहारी बोस '५८ ; प० (१) लालपुर, इटावा। (२) २ ए-३४, फीरोज गाँधीरोड, नयी दिल्ली।

शैलेंद्र गोयल—ज० ३१ अक्टूबर, '३८ ; शि० ग्वालियर ; सा० साहित्य-कक्ष 'पराग' के निर्माण में और उसके माध्यम से कार्य ; प्र० '५४ में ; प्रका० स्फुट ; प० सोडा का कुआँ, ग्वालियर।

शैलेंद्रनाथ श्रीवास्तव—ज० '३६ बेतिया ; शि० बी० ए० आनर्स '५६, एम० ए० (सर्वप्रथम, स्वर्णपदकप्राप्त) '५८ पटना वि०वि०, सा०भूषण , सा० अनेक संस्थाओं से संबंधित, बिहार के कई कालेजो में हिंदी-प्राध्यापक रहे, अब हिंदी प्राध्यापक : बि० ने० कालेज, पटना ; प्र० '५२ में ; प्रका० विज्ञान की देन, संक्षेपण कैसे करें ; अप्र० निराला . व्यक्तित्व और कृतित्व (संपा०), 'दि मास्टर त्रिलर' (अनु०) एवं दो निबंध-संग्रह ; वि० अँगरेजी मे भी लिखते हैं, 'आरंभिक खडीबोली गद्य का व्याकरणिक अध्ययन' विषय पर पी-एच० डी० उपाधि के लिए शोधकार्य-रत; प० एम० २, नं ११, राजेद्रनगर, पटना—४।

शैवाल सत्यार्थी—ज० २ अगस्त, '३५ ; शि० ग्वालियर ; प्र० '४८ ; प्रका० और पहिए घूम रहे थे (कहा०) ; अप्र० इंटरव्यू-भारती एवं दो कहानी-संग्रह ; वि० 'और पहिए घूम रहे थे' उ० प्र० सरकार से पुरस्कृत ; प० ज्ञानमंदिर-प्रकाशन, पाटन का बाजार, लश्कर।

शैवालिनी मिश्र, कुमारी—ज० १४ अगस्त, '४१ ; शि० एम०एस-सी० जीव-विज्ञान ; प्रका० 'फाइव वीक्स इन बैलून' तथा 'एमंग दि कैनीबाल्स' (अनु० उप० प० द्वारा डा० नवलबिहारी मिश्र, स्टैंडर्ड फार्मसी सीतापुर।

श्यामकिशोर मिश्र, 'श्रमजीवी', डा०—ज० २५ दिसंबर, '१८, गँधौली (सीतापुर), शि० इंटर लखनऊ, एम० एच० एम० एस, कलकत्ता ; प्र० '३७ में ; प्रका० महात्मा का महाप्रयाण '४८, हमारा देश (कवि०) '५५ ; अप्र० हजरतगंज (खंड०) ; प० रेशनल होम्यो क्लीनिक, सीतापुर ।

श्यामनंदन किशोर, डा०—ज० १८ जनवरी, '२३ ; शि० एम० ए० (स्वर्णपदकप्राप्त), डी० लिट्० बिहार वि०वि० ; प्र० '४२ में ; प्रका० शेफालिका' ४७, दिनावरी '४९, जवानी और जमाना '५१, कमल, बंधूक और सूरजमुखी '५३, ज्वार भाटा '५५, महात्मा कबीर '५६ ; यंत्रस्थ . सौ गीत तुम्हारे मधुबन के, गीत अधूरे हैं, सिद्धि और प्रसिद्धि, स्याही के फूल (गीत) ; अप्र० 'आधुनिक हिंदी महाकाव्यों का शिल्पविधान' (शोधग्रंथ) ; वि० बिहार वि०वि० के प्रथम डी० लिट०, अनेक पुरस्कार एवं पदक प्राप्त ; प० प्राध्यापक, हिं० वि०, बिहार वि०वि०, मुजफ्फरपुर ।

श्यामनारायण पांडेय—ज० १९०७ ; शि० सा०रत्न, साहित्याचार्य, प्र० '२७ में, प्रका० हल्दीघाटी (महा०), जौहर (महा०), आरती (कवि०), तुमुल (कवि०), जय हनुमान (खंड०), गोरा-बध (खंड०), रूपान्तर (अनु०), रिमझिम और आँसू के कण ; अप्र० शिवाजी और परशुराम ; वि० देव-पुरस्कार, द्विवेदीपदक (ना० प्र० स० काशी से) एवं अनेक स्वर्णपदक प्राप्त, 'जय हनुमान' पर भी सरकारी पुरस्कार प्राप्त ; वीररस के प्रतिष्ठित कवि; प० डुमराव, वाया मऊनाथभंजन, आजमगढ़ ।

श्यामनारायण बैजल—ज० '१२ ; शि० एम० ए० हिंदी (प्रथम) एवं एल-एल० बी० आगरा वि०वि० ; प्रका० स्फुट कहानियाँ, स्केच और आलो० लेख ; अप्र० दो कहा०, दो उप० एवं तीन लेख-संग्रह ; प० ऐडवोकेट, मदारी दर्वाजा, बरेली ।

श्यामबिहारी—ज० ९ जून, '२८ ; शि० एम० ए० '५२, एल० टी० '५४ ; सा० भूत० संचा०-संपा० मा० 'दीपशिखा' एवं साप्ता० 'क्रांति', भूत० सहसंपा० मा० 'कणिका' एव साप्ता० 'जागरण', अब कई पत्रों के स्थायी स्तंभलेखक ; प्रका० स्फुट ; अप्र० कविताओं एवं लेखों के चार संग्रह, प० हिंदी अध्यापक, सनातन धर्म हा० से० स्कूल, कंकडखेड़ा, मेरठ ।

श्याम बिहारी, 'बिरागी'—ज० अगस्त '२७ ; शि० सा०रत्न, सम्मे० प्रयाग ; सा० सह० संपा० दै० 'जनवाणी' कलकत्ता '५५ एव दै० 'नवराष्ट्र' पटना '५९; प्रधानसंपा० मा० 'रोहतास' '५७, अनुसंधायक : बिहार राष्ट्र भाषा-परिषद् '६१-'६२ '६१ से वाराणसी के स्वतंत्र

धिकारी ; प्र० '५० में ; प्रका० आलो० : मानस के बिखरे प्रसून, अनामिका का कवि निराला, निराला अभिनदन - पुष्पहार ; उप० : धरती मुस्कुराई, झोपडी का रुदन, कैमूर की घाटी, तीन हाँडी तेरह चूल्हे, चतुरी काका, उजड़ी बस्ती बेसहारे लोग; कहा० : काँसों कहैं बिपतिया, कुहासे का गाँव; कवि० ' शहीद (खंड०); बालो० इनको तुम जानते हो (प्रेमचद) , इनसे कुछ सीखो (तुलसीदास), धरती का बेटा, इनको पहचानते हो (कालिदास), जगल मे मंगल आदि ; राजस्थान सरकार से पुरस्कृत ; प० राष्ट्रभाषा-प्रकाशन-मदिर, त्रिलोचन, गायघाट, वाराणसी ।

श्यामलाकान्त वर्मा—ज० ६ जुलाई, '२०, कबीरचौरा, वाराणसी; शि० एम० ए० हिंदी, एल० एल० बी० काशी वि० वि० ; सा० भूत० शिक्षक सतीश चन्द्र डिग्री कालेज, बलिया '५३-'५६, '५६ से राजकीय कालेजों मे प्राध्यापक; प्र० '४६ मे, प्रका० आधुनिक समीक्षा '५५, साहित्य-सिद्धान्त '५८, कवि-समीक्षा '६०; अप्र० कालिदास-कृत मेघदूत (छाया-नुवाद), अन्तर्कथा संदर्भकोश; वि० 'आधुनिक समीक्षा' पर उ० प्र० सरकार द्वारा २०० रु० का पुरस्कार प्राप्त; अनेक संग्रहों मे लेख संगृहीत, प० (१) सी० २३/२७, कबीरचौरा, वाराणसी ; (२) प्राध्यापक हिंदी विभाग, राजकीय इटर कालेज, सुल्तानपुर ।

श्यामलाल चतुर्वेदी—ज० २० फरवरी, '२६ ; शि० मैट्रिक '५६ काशी वि० वि० ; सा० अनेक पत्र-पत्रिकाओं के प्रतिनिधि रहे, अब 'हिंदुस्तान समाचार' एवं दै० 'युगधर्म' के प्रतिनिधि हैं, भूत० सह०संपा० 'क्षितिज', वर्त० संपा० मा० 'मध्यप्रदेश शिक्षक-संदेश'; उपाध्यक्ष भारतीय कला परिषद तथा बिलासपुर पत्रकार संघ; प्र० '४१ में ; प्रका राम-वनवास, वर्त० शिक्षक छत्तीसगढ उच्चतर माध्यमिक शाला; वि० छत्तीस-गढी मे भी लिखते हैं ; प० पत्रकार, तिलकनगर, बिलासपुर ।

श्यामलाल वर्मा, 'राजेश'—ज० '३३, सहारनपुर, शि० हाईस्कूल, सहारनपुर '४६, प्रभाकर पंजाब वि०वि० '५१; सा० भूत० सह-संपा० मा० 'राजपूत हितैषी' सहारनपुर, भूत० सम्पा०मा० 'राकेश' '५३, भूत० सह-संपा० मा० 'मढ़ै क्षत्रिय समाचार' '५५; प्र० '५१ में, प्रका० स्फुट; अप्र० वह क्या चाहता था (उप०) एवं दो संग्रह प० नई कालोनी कुरुक्षेत्र ।

श्यामलाल वशिष्ठ ज जलाई २२ शि एम ए राजनीति

कहानियाँ संगृहीत हुई हैं; 'अकिंचन', 'शैलेंद्र', 'नीरज' और 'सव्यसाची' उपनाम हैं ; प० अध्यक्ष, राजनीतिविभाग, बी०एस०ए० कालेज, मथुरा।

श्यामलाल शुक्ल, 'चकोर'—ज० '१४, अटहरा, बाराबंकी; शि हाईस्कूल, मुरादाबाद ; प्र० '३३ में; सा० अवध शुगर मिल हरगाँव मे कार्य '२५; प्रका० कल्याणी (गीत); अप्र० श्रमसीकर, सीता (खंड०); त्रि० घनाक्षरी-सवैया-लेखन मे निपुण, प०ग्रामसेवक, झाऊपुर (लन्दनपुर), खीरी।

श्यामवदन पाठक, 'श्याम'—ज० मार्च, '२१; प्रका० सरदार पटेल, सरोजनी नायडू आदि लगभग ५५ पुस्तकें; अप्र० स्फुट रचनाओं के कई संग्रह ; प० वेद-भवन, नाला रोड, पटना—३।

श्याम व्यास—ज० १० जनवरी, '२९ ; सा० सद० : म० भा० हिंदी साहित्य समिति इंदौर, भू० मंत्री : प्रगतिशील लेखकसंघ इंदौर '५४-'५५, अध्यक्ष : विक्रम ज्ञान मंदिर ; प्रका० कहा० प्रकाश की ओर '५२, लाल-बुर्ज '५५ ; उप : मादाय का दर्द '६२; अप्र० नये बदनवार (रिपोर्ताज), एक थकी हुई आवाज (कहा०); प० न्यू गवर्नमेंट क्वार्टर्स, फ्रीगंज, उज्जैन।

श्याम सुंदर घोष—ज० २० नवंबर, '३४ ; शि० बी०ए० आनर्स '५५ बिहार वि० वि०, एम० ए० हिंदी '५७ पटना वि०वि०; प्र० '४८ में; प्रका० मधुमाया '५१, नया मसीहा '५३, अध्ययन-विश्लेषण (आलो०) '५८, शाम और उर्वशी (कहा०) '६२; अप्र० अनुशीलन और आकलन (आलो०), साहित्य के नये रूप, तिकडम बनाम तिकड़म (हास्य कहा०), एक जीवित साँस हूँ (कवि०), उपन्यासकार प्रेमचंद (आलो०), नयी कविता का स्वरूप-विकास (आलो०), मकान साँप और फ्लैट (कहा०); वि० वेली हिंदी काव्य पुरस्कार '५३ में प्राप्त, 'प्रेमचंद के उपन्यासों मे मध्यवर्ग' विषय पर शोधकार्यरत; प० प्राध्यापक, हिं० वि०, गोड्डा कालेज, गोड्डा, संताल परगना।

श्यामसुंदर, 'बादल'—शि० साहित्यालंकार, शास्त्री, साहित्यमहोपाध्याय सम्मे० प्रयाग; सा० श्री शत्रुघ्नसिंह अभिनंदन ग्रंथ के संपा०; प्रका० मंगल प्रभात ; अप्र० बैजू-विजय, बुंदेली का फाग-साहित्य (शोधग्रंथ) एवं दो-तीन संग्रह ; प० राठ, हमीरपुर।

श्यामसुंदर लाल दीक्षित, डा०—ज० '१६ अगस्त, '१४ ; शि० एम० ए०, पी-एच० डी०, सा०रत्न, प्रभाकर, कविरत्न ; सा० सद० : माध्यमिक शिक्षा परि० म०प्र०, सागर वि०वि० कोर्ट, भूत०संपा० मा० 'मराल', 'सनाढ्योपकारक', 'ग्लोब' (अँगरेजी), दै० 'ताजातार' एवं 'सैनिक' ; प्रका कवि जवाहर-दोहावली, मारुती, हुंकार, गांधी त्रयोदशी, १५

अगस्त, पुरुषोत्तम, श्याम-संदेश, ठाकुर रणमतसिंह ; जीव० सरदार वल्लभ भाई पटेल ; नाट० सत्यहरिश्चन्द्र (संपा०), शकुंतला (संपा०), भर्तृहरि, दहेज के नाम पर ; कहा० शहरों के परदों में, मुगल बादशाह, नारंगियाँ, डरोजी ; अनु० : सुहृदभेद-मित्रलाभ, टैवलर ; आलो० : प्रेमचंद और गोदान, वर्मा जी और मृगनयनी, गुप्त जी और यशोधरा, ब्रजमाधुरी सार, विनयपत्रिका, कवितावली, सेवासदन, पंचायतन, द्वादशी, हिंदी साहित्य बीसवीं शताब्दी एक अध्ययन, कृष्ण-काव्य में भ्रमरगीत (शोध ग्रंथ), प० अध्यक्ष हि०वि०, ठाकुर रणमतसिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रीवाँ।

श्यामसुंदर व्यास—ज० १५ जनवरी, '२९ ; शि० एम० ए० (त्रि०) बी० ए० उदयपुर, विशारद ; प्र० '५१ में ; प्रका० हिंदी गद्य-पद्य-संग्रह ५१, कर्तव्य की वेदी (नाट०) '५९ ; अप्र० राजस्थान में बुनियादी शिक्षा की प्रगति, भीष्मावतार (नाट०) ; प० प्राध्याध्यापक, गवर्नमेंट बेसिक ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, शाहपुरा, भीलवाडा (राज०)।

श्यामसुंदर सुमन, आचार्य—ज० ५ जनवरी '३४ ; शि० मथुरा, हरद्वार एवं अजमेर, विद्यावाचस्पति ; प्र० '४३ में; प्रका० उप० साली, प्यार और प्रतिशोध, चढ़ती धूप उतरती छाया, ठंढे अंगारे, उधार का पति, नीली सलवार काला कुर्ता, गोद लिया पति, गोरे कौवे काले हंस ; कहा० साँझ-सवेरा, हीरा-पन्ना, आँचल की थाह, अशोकवाटिका (खंड०) ; अनु० : बारहवीं रात, रोमियो जूलियेट, दुर्गेशनंदिनी, कपालकुंडला, स्त्री-पथ-प्रदर्शक, सौ वर्ष कैसे जियें ; बालो० : चूहिस्तान, ताजमहल नीलाम हो गया, चंद्रलोक की सैर, लाल बुझक्कड ; ऐति० नाट० : कुणाल, चाणक्य महान, हल्दीघाटी ; वि० लगभग १५० पुस्तकें लिखी हैं ; '६१ में 'भारतीय मल्ल शिक्षा' पुस्तक पर उ०प्र० सरकार द्वारा २५०) का पुरस्कार प्राप्त ; प० सुमन साहित्य मंदिर, प्रकाशक, मथुरा।

श्यामाचरण दुबे—ज० विंध्याचल, मिर्जापुर ; शि० एम० ए० (स्वर्ण पदकप्राप्त), प्रयाग एवं नागपुर वि वि० ; प्र० '५८ में ; प्रका० भारतीय शिक्षा का इतिहास '५८, शिक्षा के सिद्धांत तथा शिक्षा में आधुनिक प्रगति '६०, शिक्षा तथा मनोविज्ञान '६०, शिक्षा और शिक्षण सिद्धांत '६०, शिक्षात्मक मनोविज्ञान '६०, शिक्षा के सामान्य सिद्धांत एवं बाल मनोविज्ञान '६१, विद्यालय - संगठन, स्वास्थ्य-विज्ञान एवं सामुदायिक संगठन ६१ शिक्षण विधियाँ '६१, समाज विज्ञान के मूलतत्व ६२ भारत

का सामाजिक संगठन '६२ ; अनु॰ शिक्षात्मक अनुसंधान की प्रस्तावना एवं मानव समाज ; प॰ ३३६, कर्नलगंज, इलाहाबाद।

श्यामाचरण शर्मा—शि॰ बी॰ काम॰, एल-एल॰ बी ; मा॰ मंत्री : इनकमटैक्स वकील संघ एवं जिला श्रमजीवी पत्रकार संघ, सतना, प्रका॰ स्फुट ; अप्र॰ चार-पाँच पुस्तके, प॰ वकील, सतना।

श्रवणकुमार गोस्वामी—ज॰ १९ जनवरी, '३८ ; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी '६१ राँची वि॰वि॰ ; प्र॰ '५४ मे ; प्रका॰ जिस दिये मे तेल नही, तेतर की छाँहें (नागपुरी बोली का रूपक) ; अप्र॰ शताधिक स्फुट रचनाओ के सग्रह ; वि॰ 'छोटा नागपुर की प्रधान बोली नागपुरी के शिष्ट साहित्य' पर पी-एच- डी॰ उपाधि के लिए शोधकार्य-रत ; वर्त॰ हिंदी प्राध्यापक डोरण्डा कालेज, राँची ; प॰ मेन रोड, राँची।

श्रवणकुमार, 'दिव्य'—ज॰ १२ अगस्त, '३१, गुजरानवाला (पंजाब) ; शि॰ बी॰ ए॰ आनर्स अँगरेजी, कलकत्ता वि॰वि॰ ; सा॰ भूत॰ सह संपा दै॰ 'जागृति' कलकत्ता '५२-'५३, भूत॰संपा॰ 'राजभाषा' दिल्ली '५३, सहसंपा॰ 'मंजरी' अँगरेजी '५५ ; प्र॰ '५४ में ; प्रका॰ छज्जू का बेटा (एका॰) एवं स्फुट कहानियाँ तथा अनु॰ आदि ; प॰ फील्ड पब्लिसिटी आफिसर, पंचवर्षीय योजनाप्रचार-कार्यालय, पालमपुर, पंजाब।

श्रीकंठ शास्त्री—ज॰ '२२, शि॰ स्नातक एवं व्याकरणाचार्य ऋषिकुल हरिद्वार, एम॰ ए॰ संस्कृत, पंजाब वि॰वि॰, सा॰ संपा॰ 'लोकालोक', दिल्ली ; प्रका॰ शिखा-सूत्र, विवाह-विज्ञान, मर्यादापुरुषोत्तम राम, कृष्णास्तु भगवान स्वयम् ; अप्र॰ मकडी का जाला (कहा॰) ; प॰ संपा॰ 'लोकालोक', २०३/ए, कमलानगर, दिल्ली।

श्रीकांतप्रसाद सिंह—ज॰ '३४ ; प्र॰ '५२ में ; प्रका॰ अधूरे गीत (कवि॰), अधूरा पत्र (कहा॰) नारी तुम (आंच॰ उप॰) ; अप्र॰ रूप और प्यास, युग-स्वर, बोलती तसवीरें, गंगा की गोद में, खून आदि सात-आठ संग्रह ; प॰ बडहिया, नई सडक, मुंगेर।

श्रीकांत व्यास (कृष्णवल्लभ व्यास)—ज॰ '२९, सैलाना (म॰प्र॰) ; शि॰ वाराणसी ; सा॰ भूत-संपा॰ साप्ता॰ 'नयाखून' नागपुर तथा कुछ अन्य पत्रों में कार्य, प्रका॰ लगभग पाँच दर्जन पुस्तकों का लेखन, संपा॰ एवं अनु॰ कर चुके हैं ; वर्त॰ दिल्ली की एक प्रकाशन संस्था में संपादक ; प १५/९, नवीन शाहदरा दिल्ली ३२

श्रीकांत शास्त्री—ज० २ फरवरी, '२३ ; शि० एम ए० हिंदी, साहित्याचार्य ; सा० संस्था० - संचा० : मगध विद्यापीठ एव बिहार मगही मडल, सभा० . अ० भा० मगही साहि० सम्मे०, हिंदी के वृहत् इतिहास के १६वे भाग के मगही अंश के लेखक, संपा० 'मगही', 'विहान' तथा 'तरुण तपस्वी' ; प्रका० नयागाँव (नाट०) ; अप्र० कृषि-कोश, मगही संस्कार गीत एवं स्फुट कवि०, कहा० तथा आलो० निबधों के दो संग्रह ; वि० 'मगही भाषा का ऐतिहासिक एवं विश्लेपणात्मक अध्ययन' विषय पर शोधकार्य-रत; प० हिदी प्राध्यापक, नारायणपुर, पटना ।

श्रीकांतशास्त्री—ज० १ अक्टूबर, '२६ ; शि० शास्त्री '४२ वाराणसी, एम० ए० हिंदी '५४ आगरा वि०वि० ; सा० दै० 'जनता' पटना, दै० 'संसार' वाराणसी, साप्ता० 'नया कदम' तथा मा० 'आलोक' कलकत्ता के संपादकीय विभाग में कार्य किया, संप्रति संपा० मा० 'सचित्र आयुर्वेद' कलकत्ता ; प्रका० अनु० . सोवियत घेरे के मजदूर, लोकतंत्रवाद तथा कम्युनिज्म, नैतिकता का विश्लेषण, समाजवाद और युद्ध, केरल में कम्युनिस्ट शासन, मर्चेन्ट आफ वेनिस आदि; अप्र० सेक्स और हंगर; (अनु०) प० (१) मलयपुर, मुंगेर । (२) संपा० 'सचित्र आयुर्वेद', श्रीवैद्यनाथ आयुवद भवन, १ गुप्ता लेन, कलकत्ता—६ ।

श्रीकिरण—ज० ५ नवंबर, '३४ ; सा० भूत०संपा० 'छोटा नागपुर-दर्पण' '५२, भूत० प्रधान संपा० 'आलोक' कलकत्ता '५३, भूत० प्रका०-संपा० साप्ता० 'झंकार' '५५-'५७; प्रका० प्रवाह (कवि०) '५२, व्यथा (कवि०), भीगा आँचल, प्यार का देवता, नदी किनारे; अप्र० खडिया के लोकगीत एव अन्य संग्रह ; वि० असम हिंदी राष्ट्रभाषा परि० द्वारा गौहाटी में सम्मानित ; प० विलासी-सदन, वैद्यनाथ, देवघर, बिहार ।

श्रीकृष्ण खत्री—ज० १८८८, हडहा, उन्नाव; शि० मिडिल; प्र० १२ में, प्रका० हकीकतराय '१२, असहयोग चटनी (आठ भाग), नेहरू की ललकार, खून की होली, भारती-पुकार, संगीत गणेशजन्म, रुक्मिणी मंगल, कृष्ण सुदामा, लेडी लाजवंती, सती वेश्या, पंजाब मेल, औरत का प्यार, भिखारिन पूरनमल (चारभाग), पहलवानी और पहलवान, चीन-भारत-संग्राम (नाट०) आदि लगभग १५० पुस्तकें तथा आल्हा की लगभग ४० लड़ाइयाँ; पता० श्रीकृष्ण पुस्तकालय, चौक, कानपुर ।

श्रीकृष्ण गोपाल माथुर— ज० १८८९, सुकेत, झालावाड ; शि० विशारद एव विशारद सम्मे० प्रयाग, सा०रत्न कलकत्ता, साहित्यालकार

दिल्ली; जा० उर्दू, बँगला, गुजराती, अँगरेजी एवं कैथी; सा० झालरापाटन हिंदी साहि० सभा के अवै० कार्यकर्ता एवं वहाँ की नगरपालिका के भूत० अवै० मंत्री, झालावाड़ नरेश पुस्तकालय के भूत० अध्यक्ष ; प्र० १९०९ में; प्रका० वक्तृत्वकला, अर्जुन सचित्र, लवकुश सचित्र. महासती सावित्री, व्यावहारिक विज्ञान सचित्र, हस्तरेखा, किससे क्या सीखें(तीन भाग), मणि-माला (निबंध), दृष्टांत-रत्नाकर सचित्र, वचनामृत सागर (पाँच भाग), युधिष्ठिर सचित्र, दो साहित्य-सेवी (लघु उप०), विभिन्न देशों के अनोखे रीति-रिवाज, सर नाइट स्व० सेठ हुकुमचंद जी (जीव) ; अप्र० अरब के नौरत्न (उप०), ध्रुव (पौराणिक), पंचपत्र (कहा०), उद्योगपति स्व० सेठ बाल चंद जी (जीव०), विनोद और दीपचंद, चुटकुले . किंतु सत्य (संक०) ; वि० 'वक्तृत्वकला' पर 'महाराजा होल्कर्स हिंदी कमेटी' द्वारा पुरस्कार प्राप्त ; प० कृष्णकुंज, विनोद मिल्स कंपनी पुस्तकालय, उज्जैन ।

श्रीकृष्णचंद्र तिवारी, 'राष्ट्रबंधु'—शि० एम० ए० अँगरेजी, बी० एड० ; सा० उपमंत्री : अ० भा० बालसाहित्यकार संघ, भूत० संपा० 'हरिजन-संदेश' कानपुर (चार वर्ष तक) ; प्रका० चेतना (कवि), बालभूषण, केतक धैयाँ घुनूँ मनैयाँ, वीणा के गीत ; अप्र० तीन-चार पुस्तकें ; प० प्राध्यापक, शासकीय उच्चतर माध्यमिकशाला, बडा, सागर ।

श्रीकृष्ण टंडन—ज० १७ जून, '१५, मुरादाबाद ; शि० बी० ए० '३८ लखनऊ वि०वि०, बी० टी० '४६ काशी वि वि० ; सा० भूत० सहमंत्री हिं०प्र० सभा मुरादाबाद, संस्था० एवं मंत्री : नीहारिका कानपुर, '४२ से केदारनाथ गिरिधारी लाल खत्री कालेज में अध्यापन-कार्य किया; संप्रति गुरुनारायण खत्री कालेज कानपुर में अध्यापक ; प्रका० अर्घ्य (कवि०) ; अप्र० गीत और अगीत एवं कहानी और रेखाचित्रों के दो संग्रह ; वि० कई स्फुट पुरस्कार प्राप्त ; प० ४७।५, हटिया, कानपुर ।

श्रीकृष्णदत्त पालीवाल —ज० १८९४ ; शि० एम० ए०, सा०रत्न; सा० सद० : अ०भा० कांग्रेस समिति '२० से, भूत० सद० स्थायी समिति हिं०सा०सम्मे०, यू० पी० लेजिसलेटिव कौंसिल '२४-'२६, केंद्रीय असेंबली '३५-'४८, विधान निर्मात्री सभा '४७-'४८ एवं उ प्र० विधानसभा '५६-'६२ ; उ०प्र० के भूत० वित्त एवं सूचनामंत्री, भूत० अध्यक्ष : अ०भा० हिंदी समाचार पत्र-सम्मे० '३६ शिमला तथा '४० दिल्ली, आगरा ना०प्र०स०, आगरा डिस्ट्रिक्ट बोर्ड '३७-'४७ एवं ग्रामराज पार्टी '५९ ; वर्त० अध्यक्ष : अ०भा० हिंदी , अ मा ब्रज साहि मंडल एवं उ प्र स्वतंत्र पार्टी

उपाध्यक्ष : अ०भा० स्वतंत्र पार्टी, '५७-'५९ तक विधानसभाई दल के नेता, स्वतंत्रता-आंदोलन में दस बार कारावास ; भूत० संपा० मा० 'प्रभा', दै० तथा साप्ता० 'प्रताप' (कानपुर) ; वर्त० संपा० दै० तथा साप्ता० 'सैनिक' आगरा ; प्र० '२० में ; प्रका अमरपुरी (अनु०), सेवाधर्म और सेवामार्ग, साम्यवाद, हमारा स्वाधीनता संग्राम, किसान राज (पंचवर्षीय योजना), गाँधीवाद और मार्क्सवाद, गीतामृत आदि; अप्र० स्फुट लेखों के कई संग्रह ; प० ३, विजयनगर कालोनी, आगरा ।

श्रीकृष्ण दत्त भट्ट—ज० '१६ शि० बी० ए० '४६ काशी वि०वि०, एम० ए० हिंदी '५५ बिहार त्रि० वि०, एम० ए० समाजशास्त्र '६२ पटना वि वि० ; सा० स्वतंत्रता - आन्दोलन में कारावास '३२-'३३ एवं नजरबन्दी '४१-'४२, भूत० संपा० साप्ता० 'अधिकार' फतेहगढ़ '२८, भूत० सह-संपा० 'आज' '३९-'४६, 'लोकवाणी' जयपुर '४६-'४७ एव 'राष्ट्रवाणी' पटना '५०-'५५ , मंत्री बिहार श्रमजीवी पत्रकारसंघ एव अ०भा० सर्वसेवा संघ प्रकाशन काशी '६१ से, भूत० पुस्तकाध्यक्ष आर्यसभा पुस्तकालय ना०प्र सभा काशी '४८-'४९ ; वर्त० संपा० साप्ता० 'भूदानयज्ञ' एवं त्रिसाप्ता० 'विनोबा-प्रवचन' काशी ; प्रका० वाह री परीक्षा (कहा) '३८, इंसानियत का तकाजा '४०, भारतवर्ष का आर्थिक इतिहास' ४९, सेवा की पगडंडी, सेवा के पुजारी, अर्थशास्त्र . उसके सिद्धांत, ग्रामीण अर्थशास्त्र, सामाजिक कुरीतियाँ, भारतीय शिष्टाचार, संतों की वाणी, योगवाशिष्ठ की कथाएँ, वर-वधू से दो बाते, नक्षत्रों की छाया में '५७, चलो चलें मँगरौठ '५८, बाबा विनोबा '६०, प्यारे भूले भाइयो '६१, आर्थिक विचारधारा '६१ एवं 'ऐंड दे गेव अप डेकाइटी' (अँगरेजी) '६२ ; अनु० आनंदमठ '४०, अंतिम अभिलाषा '४२ (बँगला से), सद्‌गुणी बालक (गुजराती से) '४२, गीता-प्रवचन (मराठी से) '५८, मानवता की नवरचना (अँगरेजी से) '६१ ; वि० 'भारतवर्ष का आर्थिक इतिहास' पर बंगाल हिंदी मंडल से १५००) '४७ मे तथा उ०प्र० शासन द्वारा १०००) '४८ में पुरस्कार प्राप्त , 'भारतवर्ष का सांस्कृतिक इतिहास' की पाडुलिपि पर बंगाल हिंदी मंडल द्वारा १६००) प्राप्त ; प० जनसाहित्य मंदिर, बौलियाबाग, नाटी इमली, वाराणसी २ ।

श्रीकृष्णनारायण रत्नजंकर, डा०, पद्मभूषण—ज० ३१ दिसंबर, १९०० ; शि० बी० ए० बंबई वि०वि०, संगीताचार्य (डा० म्यु०, सम्मानित उपाधि) ; सा० उपकुलपति : भा० संगीत वि०वि० खैरागढ (म०प्र०) '५७, संगीत-साधना में भारत एवं सीलोन का भ्रमण · प्रका० तानसंग्रह (तीन

भाग), अभिनव गीत मंजरी (तीन भाग), वर्णमाला, संगीत-शिक्षा (तीन भाग), अभिनव संगीत-शिक्षा (दो भाग), गोवर्धन-उद्धार (एका०, व्रजभाषा),ताललक्षणगीत-संग्रह, हिंदुस्तानी संगीत-पद्धति की स्वरलिपि ; वि० भा० सरकार की ओर से 'पद्मभूषण' उपाधि '५६ मे प्राप्त ; डा० म्यू० (संगीताचार्य) सम्मानित उपाधि भातखंडे संगीत विद्यापीठ लखनऊ से '४२ में एवं इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ से '६१ में प्राप्त ; संगीत के प्रतिष्ठित लेखक ; प० हिलव्यू, रावोजी रोड, कबालाहिल पोस्ट, बंबई २६।

श्रीकृष्ण, 'मायूस'—प्रका० पिथौरा की पद्मिनी, चित्ररेखा, फूल भँवरा और काँटे, सारे जहाँ से अच्छा हिंदोस्ताँ हमारा, नटखट बब्बू, बच्चो के खेल, आओ दिल्ली घूमें, कदम मिलाकर चलो, चिड़ियाघर की सैर, घरेलू इलाज ; अप्र० नई डगर ; प० बाजार सीताराम, दिल्ली – ६।

श्रीकृष्ण मौजी—ज० १६ अक्टूबर, '२४ , शि० विशारद सम्मे० प्रयाग, साहित्यालंकार देवघर ; सा० उ०प्र०, म०प्र० एवं बंगाल सत्याग्रह मे पाँच बार कारावास '२१-'३०, शस्त्र-सत्याग्रह नागपुर के मंत्री, अखिल भारतीय आचार्य महासभा के कई वर्षों तक अध्यक्ष एव मंत्री रहे, अखिल भारतीय सनातन जैन समाज के बीस वर्ष तक प्रचारमंत्री तथा आठ वर्ष से अध्यक्ष, सा० 'सेवक' के दो वर्षतक संपा० एवं 'सनातन जैन' के संचा०, राष्ट्रभाषा प्रचार संघ वर्धा के सहमंत्री, महाराष्ट्र हिंदी विद्यापीठ वर्धा के परीक्षा मंत्री ; प्रका० कौमी गदर, अबलाओं की पुकार, चमकती बिजली, विद्यामंदिर गीतावली, विद्यामंदिर भूगोल शिक्षक ; अप्र० स्फुट रचनाओं के दो संग्रह ; प० उपप्रधानाध्यापक, बुनियादी विद्यालय, वर्धा।

श्रीकृष्णराय, 'हृदयेश'—ज० १ सितंबर, '१२, गौसपुर, मुहम्मदाबाद, गाजीपुर ; शि० मैट्रिक ; सा० संस्था० : ना०प्र०स० गाजीपुर, भूत० मंत्री : जिला स्काउट एसोसिएशन (सातवर्षों तक), सोलह वर्षों से प्रबंध मंत्री : जिला उपभोक्ता सहकारी समिति, सत्याग्रह आंदोलन मे सक्रिय भाग तथा '३२-'३३ में कारावास, '४८ से संपा० साप्ता० 'लोकसेवक', अनेक समाचार पत्रों के संवाददाता ; प्रका० युवक से, हिमांशु, पथदीप ; अप्र० सत्यासत्य तथा तीन-चार संग्रह ; प० संपा० 'लोकसेवक', गाजीपुर।

श्रीकृष्ण, 'सरल'—ज० ८ जून, '२१ ; शि० एम० ए०, एल० टी०, एम० एड०, सा०रत्न ; प्र० '३८ मे प्रका० कवि० : मुक्ति-गान, स्मृति-पूजा, कवि और सैनिक (खंड०), बच्चों की फुलवारी (बालो०), स्नेह-सौरभ (गीत), मुझको यह धरती प्यारी है, हेडमास्टर जी का पाजामा (हास्य)

किरण-कुंकम, महारानी अहिल्याबाई (खंड०), अद्भुत कवि-सम्मेलन (हास्य०), भारत का खून उबलता है ; गद्य : संसार की प्राचीन सभ्यताएँ, विश्व की महान आत्माएँ ; संपा० बापू-स्मृति-ग्रंथ, साहित्य-संजीवन (निबंध) ; अप्र० रक्त-गंगा, राष्टभारती सरदार भगतसिंह (महा०) ; प० प्राध्यापक, पी० जी० बी० टी० कालेज, उज्जैन ।

श्रीकृष्णाचार्य—ज० ५ नवंबर, मथुरा '१७ ; शि० एम० ए०, पुस्तकालय-विज्ञान में डिप्लोमा, काशी वि० वि०, सा०रत्न सम्मे० प्रयाग ; सा० भूत० पुस्तकालयाध्यक्ष सम्मे० प्रयाग ; प्रका० स्फुट लेख आदि ; अप्र० हिंदी की प्राचीन मुद्रित पुस्तकों की प्रस्तावनकमी, ; प० सहायक ग्रन्थाध्यक्ष (हिंदी), राष्ट्रीय ग्रंथालय, बेलवेदियर, कलकत्ता—२७ ।

श्रीगोपाल गोस्वामी—ज० ७ नवंबर '२१, बीकानेर ; शि० साहित्य मध्यमा वाराणसी, विशारद सम्मे० प्रयाग ; सा० संचा० : भविष्यवाणी कार्यालय, बीकानेर ; प्र० '४४ में, प्रका० स्फुट कविताएँ, शोधनिबंध आदि ; अप्र० भारतीय वाङ्मय को बीकानेर की देन (संपा०), पश्चिमी साहित्य (संपा०), ज्योतिश्चक्रम (संपा०), अमिय हलाहल मद भरे (संपा०) , आकृति विज्ञान, रोग और रेखाएँ, रेखाएँ और विवाह, ज्योतिष से संतति-नियंत्रण (परिवार-नियोजन) ; वर्त० सोधसहायक, भारतीय विद्या मंदिर शोधप्रतिष्ठान, बीकानेर ; प० राजगुरु, मूँधड़ों का चौक, बीकानेर ।

श्रीगोपाल तिवारी, डा०—ज० ३१ जुलाई, '१८ ; शि० एम० ए० अर्थशास्त्र (सर्वप्रथम, स्वर्णपदक प्राप्त) '४३, डी० लिट० '४८ काशी वि०वि० , सा० भूत० प्राध्यापक अर्थशास्त्र, काशी वि०वि० '४४-'४६, त्रिचंद्रकालेज नेपाल '४६-'४८, भूत० उपाध्यक्ष अर्थशास्त्र विभाग · काशी वि० वि० '४८-'५२, भूत० प्राध्यापक अर्थशास्त्र : डी० एस० बी० गवर्नमेंट कालेज नैनीताल '५२-'५८ ; प्रका० हमारे भोजन की समस्या '५१, भारतीय अर्थशास्त्र '५३ तथा दो पुस्तके अँग्रेजी में ; वि० 'हमारे भोजन की समस्या' तथा 'भारतीय अर्थशास्त्र' पर उ० प्र० सरकार द्वारा पुरस्कार प्राप्त ; प० ज्वाइंट डाइरेक्टर से० स्टैटिस्टिकल आर्गनाइजेशन,योजनाभवन, पार्लियामेंट स्ट्रीट,नई दिल्ली ।

श्रीगोपाल नेवटिया—ज० २३ फरवरी, १९०७; सा० मा० 'नवनीत' का हिंदी, गुजराती एवं मराठी भाषाओं में प्रकाशन ; प्र० '२३ में ; प्रका० काश्मीर (यात्रा), वीथिका (कहा०), मानसी (आलो०), भूमंडलयात्रा अप्र चार-पुस्तकें प बिडला बदर्स प्रा लि बंबई १।

श्रीचंद्र जैन—ज० २२ जनवरी, '१० ; शि० हस्तिनापुर, बी० ए, एल-एल० बी० आगरा वि वि०, एम०ए० नागपुर वि०वि० ; सा० भूत० प्राध्यापक राजकुमार कालेज इंदौर मे राजकुमारो के निजीशिक्षक '३५-'३६एवं हि वि०, दरबार कालेज रीवाँ (लगभग दस वर्षतक), भूत० जिलाधीश समथर राज्य '३७-'५८, '५९ से राजकीय कालेज खरगोन में हिंदी विभागाध्यक्ष, प्रका० विध्य के विस्तृत कवि, विध्य के लोककवि, मध्यप्रदेश के मुसलमान कवि, ओरी धरती मैया (निबंध), भुइयाँ परे हैं लाल ('सोहरों' का आलो० अध्ययन) विध्य के लोकगीत, बघेलखड के आदिवासियों के लोकगीत, जगल गा रहा है, ये हमारे आदिवासी, अमैवाँ की छैयाँ (निबंध), बज्जर है छाती किसान की (निबंध), ये थिरकते पैर, वन-वन घूमा वंजारा, वनवासी भील और उनकी संस्कृति, काव्य मे पादप पुष्प, आगे गोहूँ पाछे धान, विध्यभूमि की लोककथाएँ, आदिवासियो की लोककथाएँ, वनवासियों की कहानियाँ, विध्यभूमि की गौरवगाथाएँ, हिंदी - पत्र-बोध, हिंदी-बोध, बुन्देलखंड की लोककथाएँ, बघेलखंड की लोककथाएँ, मनोरंजक लोक कथाएँ (चार भाग), घटनाएँ जो इतिहास बन गईं, राम ते अधिक राम कर दासा, महापुरुषों की जीवनियाँ, मादर के गीत, ये हमारे पशु पक्षी, रपट परे की हर गंगा (बुन्देली कहावतों का अध्ययन) ; अप्र० भारतीय लोककाव्य में राम-कथा, बुंदेली और उसके कवि, गो० तुलसीदास का कर्म एवं अहिंसावाद, हिंदी भक्ति-काव्य में जैन संतों का योगदान, जैन-कथा-साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन, रामचरित मानस एवं स्वयंभू रामायण का समीक्षात्मक अध्ययन ; वि० अनेक रचनाएँ भारत सरकार, विध्यप्रदेश शासन एवं उ० प्र० शासन से पुरस्कृत ; प० ८, नूतननगर, खरगोन।

श्रीतिलक—शि० एटा, बी० ए०, एल-एल० बी० लखनऊ वि०वि०, प्रका० बीबी के लेक्चर (व्यंग्य) '५३-'५४ ; अप्र० मियाँ के खत बीबी के नाम (व्यंग्य), चंद तस्वीरे बुताँ (हास्य), कफनचोर (कहा०), धुआँ और चिनगारी (कहा०), पत्थर और प्रतिमा, गल्पांजलि (अनु० कहा०), ओ० हेनरी की कहानियाँ (अनु०), फैग सू फैग की कथाएँ (अनु०), चीन की कथाएँ ; वि० 'कफनचोर' कहा० पर अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार ('डिप्लोमा आफ आनर') प्राप्त ; प० स्वदेशी हाउस, सिविल लाइंस, कानपुर।

श्रीधर जोशी—ज० २ जुलाई, १९०२, शि० एम० ए०, बी टी०, विशारद ; सा० भूत० सभा० : अ०भा० पालीवाल महासम्मे० नाथद्वारा, एवं शिक्षा प्रचार समिति, भूत० उप सभा प्रांतीय इतिहास संग्रह समिति

मंत्री : अर्थसमिति, भूत॰ अध्यक्ष : पालीवाल पंचायत इंदौर, भूत॰ प्रधानाध्यापक : राजकीय विद्यालय हाईस्कूल, भूत॰ आचार्य · शिक्षक प्रशिक्षण शाला, भूत॰ सद॰ : नगरमालिका खरगोन, पालीवाल इतिहास प्रकाशन समिति ; प्र॰ '२५ में ; प्रका॰ स्फुट लेख , प॰ अवकाशप्राप्त प्रधानाध्यापक, १२, रेशमवाला लेन, इंदौर।

श्रीधरनाथ मुकर्जी, डा॰—ज॰ २९ सितंबर '१९०९, बर्दवान ; शि॰ बी॰ ए॰ रावर्टसन कालेज जबलपुर, एम॰ ए॰ मारिस कालेज नागपुर, बी॰ टी॰ जबलपुर, एम॰ एड॰ 'इंस्टीट्यूट आफ एजुकेशन' लंदन, पी-एच॰ डी॰ कोलंबिया वि॰ वि॰, न्यूयार्क ; सा॰ भूत॰ मंत्री श्रीरामकृष्ण केंद्र बडौदा, गुजरात में हिंदी-प्रचार किया, सद॰ गुजरात एस॰ एस-सी बोर्ड, बडौदा वि॰ वि॰ की सिनेट तथा सिंडीकेट एवं कर्नाटक वि॰वि॰ की शिक्षा समिति , संपा॰ 'एजुकेशन ऐंड साइकालोजी रिव्यू' ; प्र॰ '४५ ; प्रका॰ राष्ट्रभाषा की शिक्षा, भारत में अँगरेजी शिक्षा का इतिहास, अँग्रेजी भारत में शिक्षा, संयुक्तराज्य अमेरिका में शिक्षा, भारतीय शिक्षा का इतिहास, हिंदी व्याकरण तथा रचना ; वि॰ आठ-नौ ग्रन्थ अँगरेजी मे भी लिखे हैं ; प॰ अध्यक्ष, शिक्षा एवं मनोविज्ञान विभाग, वि॰ वि॰, वडौदा।

श्रीधर सिंह, डा॰—ज॰ २२ अक्टूबर, '३१, जौनपुर ; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी '५७, पी-एच॰ डी॰ '६१, काशी वि॰वि॰ ; प्रका॰ मानस का कथा-शिल्प '५९; अप्र॰ हिंदी साहित्य के हजार वर्ष, तुलसीदास की कारयित्री प्रतिभा का अध्ययन (शोधग्रंथ) एव आलो॰ लेखो के दो संग्रह; प॰ प्राध्यापक हिंदी विभाग, वेंकटेश्वर वि॰वि॰, तिरुपति।

श्रीनाथ किशोर वर्मा, '*दास*'—ज॰ '२५ ; शि॰ इंद्रगढ़ और उदयपुर, एम॰ ए॰, बी॰ एड , धर्मविशारद ; सा॰ अध्यक्ष साहि॰ परि , सवाई माधोपुर (राज॰) ; प्र॰ '५२ मे ; प्रका॰ मातृस्तोत्र, ब्रजविरहधारा, भू की इंद्रपुरी , अप्र॰ काव्य : मोहन-मिलन, बसंतबहार, भ्रातृचाल, भावमणिमाला, कविताकुंज, भजनांजलि ; नाट॰ : रामराज्य की ओर, विचित्र संसार; अन्य : गद्यगुंजार, तत्वज्ञानदीप, शिक्षण-विधियाँ (अनु॰), शिक्षक-शिक्षा (अनु॰) ; प॰ प्रधानाचार्य, राजकीय बहुउद्देशीय माध्यमिक विद्यालय, सवाई माधोपुर (राज॰)।

श्रीनाथ चतुर्वेदी—ज॰ ६ दिसंबर, १८८९, वाराणसी ; असहयोग आंदोलन तथा क्रांतिकारी दल में सक्रिय कार्य, तीन बार कारावास, २५ वर्षों तक में तथा ११ वर्षों तक बंबई में आयुर्वेदिक चिकित्सा

कार्य ; प्रका० अमरकीर्ति '४६ आदि; अप्र० धर्म और स्वास्थ्य, महाभारत-रहस्य, मानस-रहस्य, मंदिर और पुजारी, संप्रदायवाद के किले पर पहली बमबारी का नमूना आदि अनेक पुस्तकें ; प० १७०, भूपालपुरा, उदयपुर।

श्रीनाथ पालित—ज० २८ सितबर, १९०६ ; शि० एम० ए०, एल-एल० बी०, लखनऊ वि०वि०, विशारद सम्मे० प्रयाग ; सा० भूत० सद० : बिहार प्रादेशिक कार्यकारिणी प्रजासमाजवादीदल, सद० : बिहारप्रांतीय कांग्रेस, प्रतिरक्षा समिति, भूत०मंत्री : श्रीकेसरवानी हिंदी पुस्तकालय (२५ वर्ष तक) एवं गया जिला साहि० सम्मे०, भूत०प्रधानमंत्री प्रथम गया जिला गोरक्षण सम्मे०, वर्त० प्रधान मंत्री : अ०भा० केसरवानी महासभा, भूत० सभा० : हजारीबाग तथा गया जिला केसरवानी सभा, स्वागताध्यक्ष : बिहारप्रांतीय केसरवानी सभा, उपस्वागताध्यक्ष अ० भा० केसरवानी सभा जहानाबाद, भूत० व्यक्तिगत सचिव : यतायातमंत्री नेपाल, भूत प्राध्यापक अर्थशास्त्र, गया कालेज; भूत-संपा०-संचा० : मा० 'केसरी' '३५-'४७, भूत०संपा० साप्ता० 'क्रांति', प्रका०-संपा० साप्ता० 'नई दुनिया' एवं 'जन्मजात' ; प्रका० खाद्य समस्या और सुझाव, उनसे जो शीशमहल में रहते हैं, नवनिर्वाचन-पद्धति, बिहार-पेशकार-कानून, मुखिया का अधिकार और कर्तव्य, हिंदू उत्तराधिकार और नियम ; अप्र० कई पुस्तकें; प० ऐडवोकेट, गया।

श्रीनारायण अग्निहोत्री, डा०—ज० २ नवंबर, १२, शि० एम० ए० अँग्रेजी '३८ प्रयाग वि०वि०, एम० ए० हिंदी '५१, पी-एच० डी० '५९, आगरा वि वि० (एक रजत तथा तीन स्वर्णपदकप्राप्त) ; सा०भूत० प्राध्यापक : अँग्रेजी विभाग कान्यकुब्ज कालेज, लखनऊ '३९-'४०, भूत० अध्यक्ष : अँग्रेजी विभाग : बी० एन० एस० डी० कालेज कानपुर '४०-'६१, अगस्त '६१ से अध्यक्ष हिंदी विभाग, पी० पी० एन० डिगरीकालेज, कानपुर; प्र० '४१ मे, प्रका० फाउंटेनपेन (उप०) '४१, शिलान्यास '५६, हिंदी उपन्यास साहित्य का शास्त्रीय विवेचन (शोधग्रंथ) '६१, उपन्यास : तत्व एवं रूपविधान (आलो०) '६२, तथा एक अँगरेजी पुस्तक ; प० ८/२०५, आर्यनगर, कानपुर।

श्रीनारायण चतुर्वेदी—ज० २८ सितंबर, १८९३, इटावा; शि० एम०ए० इतिहास, प्रयाग वि०वि०, एम० ए० शिक्षाविज्ञान, लंदन वि०वि० ; सा० योरोप की यात्रा की, लीग आफ नेशंस जेनेवा की शिक्षा-विशेषज्ञ समिति के भूत० सद० '२६-'३०, 'वर्ल्ड फेडरेशन आफ एजुकेशनल ऐसोसिएशंस', टोरंटो के भारतीय सद० : प्रथम प्रिंसिपल कान्यकुब्ज कालेज लखनऊ उ०प्र० के शिक्षा विभाग में इंस्पेक्टर आफ स्कूल शिक्षा प्रसार-अधिकारी और डिप्टी

डाइरक्टर रहे; आकाशवाणी के मुख्य कार्यालय में भूत० डाइरेक्टर जनरल, भूत० शिक्षासंचालक मध्यभारत; सेवानिवृत्ति के पश्चात् उ० प्र० सरकार के भाषाविभाग में विशेष कार्याधिकारी (अवै०), '५५ से मा० 'सरस्वती' के संपा०; प्रका० प्लेटो के 'ट्रायल ऐंड डेथ आफ साक्रटीज', तथा मेकियाविली के 'दि प्रिंस' का अनु०, संसार के इतिहास की रूपरेखा, इतिहास-परिचय, चारण, शतदल कमल और रत्नदीप आदि, प० ५३, खुर्शेदबाग, लखनऊ।

श्रीनिवास थिरानी—ज० २३ अगस्त, '३० ; शि० बी० ए०, एल-एल० बी०, विशारद, सा० साप्ता० 'सोशलिस्ट समाचार' कोटा के संपा०मंडल के सद०, भूत० प्रांतीय अध्यक्ष : राज० सोशलिस्ट पार्टी '६१-'६२, '५८ में सोशलिस्ट पार्टी के 'अँग्रेजी हटाओ' आंदोलन में दो मास का कारावास ; प्रका० प्रजा सोशलिस्ट पार्टी ही क्यों ?, कांग्रेस राज्य में देश की दुर्दशा; प० द्वारा सोशलिस्ट पार्टी, नोहर, गंगानगर (राज०)।

श्रीनिवास बालाजी हर्डीकर—ज० १ जनवरी, १९०६; शि० कानपुर, बी० ए० '२९ ; सा० भूत० प्रधानमंत्री : शहर कांग्रेस कमेटी कानपुर '५०-'५७, भूत०उपाध्यक्ष : अ० भा० बाल विद्यापीठ '५९-'६०, '३० से कांग्रेस में सक्रिय कार्य तथा '३२ में सपत्नीक कारावास, भूत० प्रधान संपा० 'प्रताप' '३०-'३२, भूत०सहसंपा० 'कर्मवीर' '३२-'३४ ; प्र० '२७ में ; प्रका० सूर्य-नमस्कार '२८, अट्ठारह सौ सत्तावन '५७, अट्ठारह सौ सत्तावन की चिनगारियाँ '५७, सत्तावनी क्रांति के सेनानी ; अप्र० तात्या टोपे को फाँसी नहीं दी गई तथा चार स्फुट लेख-संग्रह ; वि० अँगरेजी में भी लिखते हैं ; प० ६३/२४, हरिवंश मोहाल, कानपुर।

श्रीनिवास शास्त्री—ज० २ अक्टूबर, '२२ ; शि० सा०रत्न '४४ एवं राजनीतिरत्न '४५ सम्मे० प्रयाग, साहित्यालंकार बिहार '४५, शास्त्री पंजाब वि०वि० '४६, एम०ए० हिंदी '५१, एम० ए० अँग्रेजी '५३ आगरा वि०वि०; सा० बंबई में राष्ट्रभाषा हिंदी-प्रचार-कार्य '४२-'४४, भूत० सहसंपा० साप्ता० 'रामराज्य' कानपुर '४५-'५० ; प्र० '४४ में ; प्रका० स्फुट लेख आदि ; वर्त० अँग्रेजी प्राध्यापक, मूलजी जेठा महाविद्यालय, जलगाँव ; प० १८६, बलीराम पेठ, जलगाँव (महा०)।

श्रीनिवास, 'श्रीपति'—ज० अक्टूबर '२५, कोटवानारायणपुर, बलिया; शि० एम० ए०, शास्त्री, सा०रत्न० ; सा० भूत० प्राध्यापक : फतेहचंद कालेज लाहौर '४३-'४७, राष्ट्रीय आंदोलन में व्यक्तिगत सत्याग्रह '४०, '४२ के 'भारत छोड़ो' आंदोलन में कारावास, भूत० सहसंपा० 'नवजीवन'

लखनऊ '४७-'४८ एवं दै० 'मिलाप' लाहौर, '४९ में महिला हिंदी विद्यापीठ की स्था० एवं मा० 'इन्द्रधनुष' का प्रका०, वर्त० अध्यक्ष हिंदी परिषद लखनऊ एवं मंत्री-प्रबंधक महिला हिंदी विद्यापीठ; प्रका० कवि० : अजलि, आशादीप एवं युगदीप; नाट० : सिद्धार्थ, सत्य की खोज, राजनर्त्तकी, आचार्य चाणक्य एवं साधना; उप० : पद्मा ; कहा० धारा ; आलो० : कामायनी-समीक्षा, कामायनी-दिग्दर्शन, प्रगति की ओर (निबंध); अप्र० प्यासी धरती (एकां०), आधुनिक काव्य की चार धाराएँ ; प० अमीनाबाद, लखनऊ ।

श्रीपति शर्मा त्रिपाठी, डा०—ज० ९ नवंबर, '१८ ; शि० गोरखपुर, सा०रत्न '४० सम्मे० प्रयाग, एम० ए० अँग्रेजी '४२, एम० ए० हिंदी '४४, आचार्य एवं बी० टी० ४४ काशी वि०वि०, पी-एच० डी० '५८ आगरा वि०वि० ; सा० सम्मे० प्रयाग की परीक्षाओ के केंद्र-व्यवस्थापक, भूत० प्राध्यापक : सेक्सरिया कालेज, बस्ती '४४-'५०, सेंट ऐंड्रूज कालेज गोरखपुर '५०-'५८, '५८ से गोरखपुर वि०वि० में ; प्र० '३८ में ; प्रका० कहानी कला और प्रेमचंद (एम० ए० का प्रबंध) '४४, हिंदी नाटकों पर पाश्चात्य प्रभाव (पी-एच० डी० का शोधप्रबंध) '६१, कहानी : कला-विकास और इतिहास '६२, पाश्चात्य नाट्यशास्त्र (यंत्रस्थ) ; अप्र० आलो० लेखों के दो संग्रह ; वि० 'रंगमंच कला' पर डी० लिट० उपाधि लिए शोधकार्यरत; प० प्राध्यापक, हिं०वि०, वि०वि०, गोरखपुर ।

श्रीपद दामोदर सतवलेकर—ज० १९ सितंबर, १८६७ कोलगाँव ; शि० सावंतवादी; जा० संस्कृत, अँग्रेजी एवं मराठी ; वेदों के प्रकांड विद्वान ; सा० वैदिक साहित्य-संबंधी लेखन तथा भाषण-कार्य पर अनेक बार कारावास ; प्रका० वैदिक राष्ट्रगीत ; वि० प्रमुख संस्कृत विद्वान के रूप में भारत सरकार द्वारा '५९ में ससम्मान प्रमाणपत्र एवं १५००) वार्षिक सहायता प्राप्त ; प० अध्यक्ष स्वाध्याय मंडल, पारदी, सूरत ।

श्रीपाद रघुनाथ जोशी—ज० २३ जनवरी, '२० ; शि० मैट्रिक ; सा० '३८-'४६ तक आचार्य काका कालेलकर के पास वर्धा में कार्य, '४२-'४४ तक कारावास ; भूत० संपा० त्रैमा० 'ग्रामीण शिक्षण' (मराठी) गारगोटी '५७-'६१ ; प्र० '४० में ; प्रका० ध्वस्तनीड (उप०), वीर शिवाजी, (जीव०), उर्दू अदीब, समाज विकास माला (१० पुस्तकें), भगवान बुद्ध (अनु०), अभिनव शब्द कोश (हिंदी-मराठी, मराठी-हिंदी), गांधी जी : एक झलक आदि हिंदी, उर्दू तथा मराठी में लगभग ८५ पुस्तकें ; प० '५२ शुक्रवार, पूना २

श्रीपाद शास्त्री—शि० शास्त्री ; प्रका० स्फुट लेख आदि ; अप्र० कवींद्र रवींद्र-निबंधावली, जीवनानुभूति, कला क्या है ; प० सरस्वती विहार, ३७ शनिगली, मेनरोड, इंदौर।

श्रीपालसिंह, 'क्षेम'—ज० ६ सितंबर, '२२ ; बशारदपुर, जौनपुर, शि० एम० ए० हिंदी, प्रयाग वि०वि० ; प्रका० कवि० : जीवनतरी, नीलम ज्योति, संघर्ष, आलो० छायावाद की काव्य-साधना, छायावाद के गौरव चिह्न ; अप्र० कहा० बूढ़ा बरगद का पेड, मुक्त कुंतला, कामायनी-कर्षण ; प० प्राध्यापक, हिं०वि०, तिलकधारी महाविद्यालय, जौनपुर।

श्रीप्रकाश—ज० १३ अप्रैल, '२५ ; शि० एम० एस-सी० प्रयाग वि०वि० ; सा० संस्था० . बालनिकुंज बाल पुस्तकालय '५६, भूत० संपा० मा० 'चमचम' प्रयाग '४२-'४४, मा० 'हमारे शिशु' कानपुर '५८-'६० ; प्र० '३६ में ; प्रका० एक कहानी संग्रह '४३, रसायन विज्ञान पर लगभग १४ पाठ्य पुस्तकें '५०-'५४, बालक '५८, हमारा बालक बेघरबार है '५८ ; प० नेहनीड, ११३/८२, स्वरूपनगर, कानपुर।

श्रीप्रकाश हितैषी—ज० १७ अप्रैल, '१८ ; शि० शास्त्री ; सा० भूत० अध्यापक गुरुकुल एवं अन्य शिक्षण संस्थाओं में लगभग १५ वर्ष ; प्र० '३५ में ; प्रका० स्फुट कविताएँ तथा ट्रैक्ट आदि ; प० संपा० 'सन्मति-संदेश', ५३५, गाँधीनगर, दिल्ली।

श्रीप्रसाद—ज० ५ जनवरी, '३२ ; शि० एम० ए० हिंदी '५७ काशी वि०वि० ; प्र० ५२ में ; प्रका० स्फुट निबंध, कवि० तथा बालो० रचनाएँ ; वर्त० काशी ना०प्र०स० के खोज विभाग में कार्य ; प० ८० के० ३४/५, काठ की हवेली, चौखंभा, वाराणसी।

श्रीमन्नारायण—ज० १५ जून, '१२, इटावा ; शि० एम० ए० अँग्रेजी तथा अर्थशास्त्र, प्रयाग एवं कलकत्ता वि०वि० ; सा० भूत० सद० अ०भा० हिंदुस्तानी तालीमी संघ, कार्यसमिति सेवाग्राम, अ० भा० हिंदुस्तानी प्रचार सभा, भा० संसद '५२-'५७ एवं योजना आयोग दिल्ली '५८ ; संस्था० आचार्य : सेकसरिया कामर्स कालेज वर्धा '४०-'५१, संस्था० : कामर्स कालेज नागपुर '४५ एवं कामर्स कालेज जबलपुर '४८, भूत० डीन 'फैकल्टी आफ कामर्स' नागपुर वि०वि० '५०-'५६, अध्यक्ष : अ०भा० हिंदुस्तानी प्रचार सभा, मद्य निषेध जाँच समिति योजना आयोग, बेसिक शिक्षा मंत्रालय एवं अ०भा० शिक्षा सम्मे० जयपुर अधिवेशन '५६, भूत०प्रधानमंत्री : कांग्रेस '५२, वर्त० प्रधानमंत्री फाउंडेशन शिक्षा समिति ; शिक्षा के बाद गाँधी

जी के साथ वर्धा एवं सेवाग्राम में बंदी तथा २८ मास का कारावास ; भूत संपा० 'आर्थिक समीक्षा' ; प्रका० भारत के आर्थिक विकास की गांधीवादी योजना '४५, स्वतंत्र भारत का गाँधीवादी विधान; शिक्षा का माध्यम (तीनों पुस्तकों की भूमिका गाँधी जी ने लिखी थी), समाजवादी अर्थशास्त्र की ओर, गाँधीवादी संयोजन के सिद्धांत (भूमिकालेखक स्व० राष्ट्रपति डा० राजेंद्रप्रसाद); भारतीय संयोजन में नई दिशाएँ ; कवि० रोटी का राग, मानव, अमर आशा एवं रजनी मे प्रभात का अंकुर ; निबंध : सेगाँव का संत, इतनी परेशानी क्यों आदि अनेक ग्रंथ; प० योजना आयोग-कार्यालय, नई दिल्ली ।

श्रीमोहन मिश्र, 'मधुप', डा०—ज० १६ सितंबर, '२२ , शि० इंटर, साहित्यरत्न, साहित्यालंकार, आयुर्वेदविशारद, होमियोपैथ ; सा० '४२ के असहयोग आंदोलन में सक्रिय भाग लेने के लिए पढ़ाई का परित्याग, '५० में पटने की सांस्कृतिक एवं साहित्यिक संस्था विश्वभारती कला मंदिर के साहित्य विभाग के मंत्री, '५० से 'परिमल पाटलिपुत्र' के सक्रिय सद० तथा '५५-'५८ तक संयोजक, साहित्य परिषद के प्रधान मत्री।रा प्रसाद-साहित्य-परिषद पटना की कार्यकारिणी के सद०, आचार्य पुस्तकालय तथा जयहिंद पुस्तकालय के अध्यक्ष, पटना सचिवालय कर्मचारी-संघ की साहि० एवं सांस्कृतिक उपसमिति के संयोजक, त्रैमा० 'भावना' तथा मा० 'सेवांजलि' के संपा०, आकाशवाणी पटना के कवि-सम्मेलनों में मैथिली भाषा के प्रतिनिधि ; प्र० '५० में ; प्रका० स्फुट रचनाएँ ; वि० हास्य-व्यंग्य के सुकवि ; प० सुमित्रा भवन, बेलाचाँदपुर (जी० पी० ओ०), पटना—१।

श्रीरंजन सूरिदेव (राजकुमार पाठक), 'रंजन'—ज० '२६ ; शि० साहित्याचार्य, आयुर्वेदाचार्य, पुराणाचार्य, व्याकरणतीर्थ, जैनदर्शनशास्त्री; सा०रत्न, साहित्यालंकार ; सा० कार्यालयसंचा० : बिहार हिं०सा०सम्मे० पटना '५२-'५६, भूत० सहसंपा० त्रैमा० 'साहित्य' बिहार हिं०सा०सम्मे० पटना, त्रैमा० 'परिषद पत्रिका' बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् पटना ; प्र० ४७ में ; प्रका० गीत-संगम (कवि०) '५५, मेघदूत : एक अनुचिंतन '६० ; बालो० : आटे का मुर्गा, आसमानी घोड़ा, चित्रकार की बेटी, बैताल का बदला, अनमोल माला, पिटारी की रानी ; अन्य : रविदास-पदावली (सहसंपा०), प० बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, शरीफ मंजिल, पटना—६ ।

श्रीराम चिरानियाँ—ज० १ नवंबर, '३८ शि० बी० ए०, सा०रत्न ; सा० मा० 'छात्रोदय' कलकत्ता के संपादकीय मंडल में कार्य किया वर्त०

संपा॰ त्रैमा॰ 'सीमांत' ; प्रका॰ स्फुट कविता, कहानी आदि ; अप्र॰ विषमंत्र पढ़ता अग्निपुरुष (कवि॰) ; प॰ सीमांत-प्रकाशन, मुकुंदगढ़ (राज॰)।

श्रीराम त्रिपाठी—ज॰ २८ दिसंबर, '१० ; सा॰ सद॰, कार्यकारिणी 'इंडियन नेशनल शुगर मिल्स वर्कर्स फेडरेशन', प्रधानमंत्री : लेबर यूनियन महोली मिल, मंत्री आर्यसमाज कप्तानगंज (देवरिया), अदालत सरपंच महमुनिया (सीतापुर), सरपंच साधन सहकारी समिति कैथा (गाजीपुर) ; प्रका॰ '३७ में ; प्रका॰ कांग्रेस का डंका, पंचायत-प्रपंच, मजदूर-पुकार, सती जयदेवी, पोप-दर्पण, किसानों की आवाज आदि अनेक पुस्तकें ; प॰ लक्ष्मीजी सुगर मिल्स, महोली, सीतापुर।

श्रीराम त्रिवेदी, 'मधुकर'—ज॰ १५ जनवरी, '२७ ; शि॰ एम॰ ए॰, सा॰रत्न, कविरत्न, साहित्यालंकार ; सा॰ संस्था॰ : म॰ भा॰ हिं॰ परिषद्, भूत॰ मंत्री : हिंदी परिषद् पुखरायाँ, भूत॰ संपा॰साप्ता॰ 'पथिक', साप्ता॰ 'सावधान', 'कमल' एवं मा॰ 'कल्पना'. प्र॰ '४० में : प्रका॰ मधुकर-निकुंज (कवि॰) '४३, उर-उद्‌गार (कवि॰)'४३, अलकावली(कहा॰)'४४, चार एकाकी (नाट॰) '४५, समाज की चिंता (उप॰) '४६, मनोविज्ञान : एक विश्लेषण '५०, समाज की ओर '५१, करनी और भरनी (कहा॰) '५१ : अप्र॰ अपना देश, एक सौ पथ तथा लगभग दो सौ स्फुट कवि॰, कहा॰ आदि के संग्रह ; वि॰ 'समाज में मानव का स्तर' लेख पर २००) का प्रथम पुरस्कार लोक सेवा समिति द्वारा प्राप्त ; प॰ मधुकर-निवास, पुखरायाँ, कानपुर।

श्रीरामप्रसाद सिंह, 'साधक'—ज॰ १९०० ; सा॰ भूत॰ संचालक श्रीगाँधी राष्ट्रीय विद्यालय २८ वर्ष तक, संचा॰ साहि॰ महाविद्यालय तथा संगीत महाविद्यालय ; प्र॰ '१४ में ; प्रका॰ उद्बोधन, राष्ट्रीय तरंग, श्रीगाँधी गुण-गान-निवेदन, गौमाता की पुकार, बाबा से अपील, हिंदी गौरव, अप्र॰ कवि की आँख, साहित्य-सेवियों का समादर, हिंदी कवि और ऋतु, साधक-सर्वस्व (दोभाग), साहित्य-सर्वस्व आदि अनेक पुस्तकें ; प॰ प्राचार्य श्रीहरिसाहित्य महाविद्यालय, हवेली खड्‌गपुर, मुंगेर।

श्रीराम मिश्र—ज॰ १८८९ ; शि॰ बी॰ ए॰, एल-एल॰ बी॰, दिल्ली, शाहजहाँपुर, वाराणसी एवं प्रयाग ; सा॰ अवै॰ सहायक कलक्टर, सभा॰ बार एसोसिएशन फैजाबाद, मंत्री : साकेत साहित्य समिति फैजाबाद, संस्था॰ आदर्श ए॰ वी॰ स्कूल फैजाबाद, सभा॰ हिंदुस्तान स्काउट एसोसिएशन की डिवीजनल कमेटी, '६२ में इंग्लैंड, फ्रांस, स्विटजरलैंड, जर्मनी इटली

मिश्र एवं करांची का भ्रमण ; प्रका० सर्पिणी, हरिविलास- रामायण, अप्र० कई संग्रह ; प० ऐडवोकेट, श्रीनिकेतन, फैजाबाद ।

श्रीराम वर्मा—ज० '३७ ; शि० एम० ए० हिंदी '६१ प्रयाग वि०वि०, विशारद ; सा० रामकृष्ण मिशन प्रयाग से संबंधित, सहसंपा० 'नयी कविता' ; प्र० '५३ में ; प्रका० स्फुट कवि०, कहा० एवं लेख ; वि० 'पाश्चात्य काव्य-सिद्धांत के संदर्भ में भारतीय शब्द - शक्ति का अध्ययन' विषय पर शोधकार्यरत ; प० १७, महाजनी टोला, प्रयाग—३ ।

श्रीराम शर्मा—ज० १ जुलाई, '११ ; शि० मैट्रिक नागपुर, सा०रत्न० सम्मे० प्रयाग ; सा० राज० ब्राह्मण पंचायत के ट्रस्टी ; प्र० '३० ; प्रका० हिंदी साहित्य की वर्तमान विचारधारा, कलाकार का सत्य, बिखरी प्रतिभा ; अप्र० चार-पाँच पुस्तकें; वि० पिछले बीस वर्षो से अनेक पत्रों के संवाददाता; प० नगरपालिका-अधिकारी, हनुमान वस्ती, अकोला ।

श्रीरामशर्मा, 'राम'—ज० फरवरी, १९०९ ; प्रका० कई सौ स्फुट कहानियाँ तथा लगभग चालीस उप० ; वि० एक पुस्तक पर उ० प्र० सरकार द्वारा पुरस्कार प्राप्त ; वर्त० राज्यसभा, सेक्रेटेएट, नई दिल्ली में कार्य ; प० ए०-१७१, किदवईनगर, नई दिल्ली—३ ।

श्रीराम शुक्ल—ज० १८९२, हरदा, होशंगाबाद ; शि० सा०रत्न, इंटर ; सा० मंत्री : विशारद साहित्य समाज हि०सा०सम्मे०, प्रचारमंत्री : कवि समाज हरदा, प्रधानमंत्री : श्रीस्वतंत्र कविमंडल, भूत० अध्यक्ष : मनोरंजन पुस्तकालय, श्रीसरस्वती भवन पुस्तकालय एव नवयुवक साहित्य समाज हरदा ; अध्यक्ष, संचा० एवं संरक्षक : भारतेंदु अभिनय मंडल हरदा; भूत० संपा० साप्ता० 'कैलास' मुरादाबाद, 'सूर्य' वाराणसी आदि ; प्रका० काव्य सुमन माला (कवि०) '३०, काश्मीर केसरी, स्वर्ण कमल, पश्चिमी शासन आदि ११ नाटक ; वि० अनेक स्वर्णपदक प्राप्त ; प० सेंट्रल फाइन आर्ट, १४ सुभाष मार्ग, बड़वाह, पश्चिम नीमाड़ (म०प्र०) ।

श्रीलाल मिश्र—ज० २० अगस्त, '१०, बिसाऊ, शि० एम० ए० हिंदी '३७ आगरा वि०वि०, बी० टी० कलकत्ता, विशारद सम्मे० प्रयाग : सा० सभा० प्रजामंडल बिसाऊ, संचा० सार्वजनिक पुस्तकालय बिसाऊ (१५ वर्षो तक), संस्था० एवं अध्यक्ष : राज० साहित्य समिति बिसाऊ पाँच वर्षों से, भूत० प्रधानाध्यापक : मिडिल स्कूल '३१-'४७ ; प्र० '२५ में ; प्रका० आधुनिक राजस्थानी काव्य ; अप्र० चार पुस्तकें ; प० प्रधानाध्यापक, श्रीरामचंद्र गोयनका हाईस्कूल, डूँडलोद, झुँझनूँ (राज०) ।

श्रीवत्स मलाढ्य—ज० १ नवंबर, '२८ ; शि० एम० ए०, सा०रत्न ; प्रका० ज्ञान-कौमुदी (निबंध) एवं स्फुट लेख ; प० प्राध्यापक हिं० वि०, रणजीतसिंह स्मारक इंटर कालेज, धामपुर ।

श्रीवल्लभ नागर—ज० ४ अप्रैल, '१७, शाजापुर ; शि० उज्जैन, इंदौर, ग्वालियर तथा अजमेर, एम० ए० हिंदी एल-एल० बी०, बी० टी० ; सा० भूत० सद० : हिंदी साहि० सभा इंदौर ; प्र० '३८ में : प्रका० स्फुट ; प० प्राचार्य, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मल्हार आश्रम, इंदौर ।

श्रुतिकांत—ज० ९ सितंबर, '२२ मिर्जापुर ; शि० बी०ए० पंजाब वि०वि०, एम० ए० हिंदी तथा संस्कृत, आगरा वि०वि० ; सा० भूत० प्राध्यापक : हिंदू कालेज, मुरादाबाद ; प्रका० आधुनिक हिंदी व्याकरण तथा रचना '४९, हिंदी कवि-परिचय '५०, हिंदी साहित्य और उसके अंग '५१ ; वि० 'भारतीय देव भावना और मध्यकालीन हिंदी साहित्य में चित्रित उसका स्वरूप' विषय पर शोधकार्यरत ; वर्त० हिंदी प्राध्यापक, पंजाब प्रांतीय शिक्षा विभाग ; प० गवर्नमेंट कालेज, टाँडा उर्मर, पंजाब ।

संगमलाल पांडेय—ज० १२ जुलाई, '२९ सम्हई,मेंडारा, इलाहाबाद; शि० बी० ए०, एम० ए० प्रयाग वि०वि०, शास्त्री एवं साहित्याचार्य संस्कृत वि०वि० वाराणसी , सा० भूत० संपा० त्रैमा० 'दार्शनिक' '५४-'५९ एवं 'नीति भारती' इलाहाबाद '६१ से, सहा० मंत्री . अ० भा० दर्शन परिषद, फरीदकोट '५४-'५९, मंत्री सौदामिनी संस्कृत विद्यालय, इलाहाबाद ; प्र० '५४ में ; प्रका० स्पीनोजा का दर्शन, नीति-विग्रह, गीता, गाँधी, नीट्शे और मार्क्स के नीति-शास्त्र, गाँधी का दर्शन, रानडे का दर्शन (संपा०), बर्कले-संग्रह (अनु०), नीतिशास्त्र का सर्वेक्षण एवं आधुनिक व्यावहारिक मनोविज्ञान तथा विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित दर्शन-संबंधी अनेक लेख ; अप्र० कलरव, संत रैदास, अर्वाचीन वेदांत, अद्वैत वेदांत, भारतीय दर्शन का परिचय, इस्लामी दर्शन की रूपरेखा , वर्त० सहा० प्रोफेसर, दर्शन विभाग, प्रयाग वि०वि० '५२ से ; प० १७७, टैगोरनगर, इलाहाबाद ।

संतकुमार टंडन, 'रसिक'—ज० ९ अप्रैल, '३६, प्रयाग ; एम० ए०, एल० टी०, सा० र०, शास्त्री ; सा० भूत० हिंदीअध्यापक, राजकीय दीक्षा विद्यालय, फतेहपुर ; प्र० '५१ में ; प्रका० शृंगार-शतक (काव्य), बापू (खंड०); अप्र० चटकीले चौपदे, बाल-मनोविकास ; नाली के कीड़े (उप०), अतीत की स्मृतियाँ (रेखा०), गंगागम (नाट०) और मतवाली मीरा (काव्य); प० ११, सरायमीरखाँ, लोकनाथ इलाहाबाद ३

संतकुमार वर्मा—ज॰ ११ फरवरी, '१४, दिघवलिया, सारन ; शि॰ बी॰ ए॰, एल-एल॰ बी॰ ; सा॰ स्व॰ राष्ट्रपति डा॰ राजेंद्रप्रसाद के भूत॰ साहिय सहकारी, प्रधान मत्री हि॰ सा॰ सम्मे॰ सारन, संस्था॰ एवं उपाध्यक्ष साहित्य-परिषद सीवान, संपा॰ मा॰ 'आगमन' ; प्रका॰ महादेवी वर्मा (आलो॰), घाघ और उनकी कहावतें, शाद अजीमाबादी (संपा॰), मौलाना मजहरुलहक (जीव॰), बाबू ब्रजकिशोरप्रसाद (जीव॰) , अप्र॰ स्नेहदीप (कवि॰), अंतिम आदेश (नाट॰), हमारे राष्ट्रीय कवि (आलो॰), भक्तवर रामाजी (जीव॰), पं॰ रामावतार शर्मा (जीव॰) एवं जनसेवक युगलकिशोर (जीव॰) ; प॰ सदाकत-आश्रम, पटना ।

संतप्रसादसिंह, 'संत'—ज॰ १ जनवरी, १८९७ ; शि॰ हिंदी विशारद '२५ तथा उर्दू बी॰ टी॰ सी॰ '१८ , प्र॰ '३२ मे ; प्रका॰ रामदूत, एलेक्शन और हरिजन गान ; अप्र॰ दो-तीन संग्रह ; वि॰ कई स्फुट पुरस्कार प्राप्त ; प॰ टण्डवा, वाया तरवा, आजमगढ़ ।

संतराम—ज॰ १८८६, पुरानी बसी, होशियारपुर ; शि॰ बी॰ ए॰ १९०९ , सा॰ संपा॰ 'भारती', 'युगांतर' एवं 'क्रांति' (उर्दू) ; संस्था॰ जात-पाँत तोड़क मंडल, लाहौर '२२, वर्त॰ सहसंपा॰ 'विश्व-जागृति' होशियारपुर, प्र॰ '१२ में ; प्रका॰ हिमालय निवासी महाराजाओ के अंतिम दर्शन, एकाग्रता और दिव्यशक्ति, मानसिक आकर्षण द्वारा व्यापारिक सफलता, अलबरूनी का भारत (३ भाग), मानवजीवन का विधान, भारत में बाइबिल (२ भाग), कौतूहल भांडार, आदर्श पत्नी, आदर्श पति, दंपति मित्र, विवाहित प्रेम, बालक, शिशुपालन, रति-विज्ञान, रवि-विलास, इत्सिग की भारत-यात्रा, पंजाबी गीत, अतीत कथा, वीरगाथा, काम-कुंज, दयानंद, स्वर्गीय संदेश, अंतर्जातीय विवाह, नीरोग कन्या, सुशीलकन्या, आदर्श यात्रा, विश्व की विभूतियाँ, जान-जोखिम की कहानियाँ, रणजीत-चरित, महिला मणिमाला, वीरपेशवा, गुरुदत्त लेखावली, लोक-व्यवहार, कर्मयोग आदि ७५ से भी अधिक ग्रंथ ; वि॰ राष्ट्र॰ भाषा प्रचार समिति वर्धा से भारतीय गांधी हिंदी पुरस्कार '५८ मे, एवं पंजाब शासन द्वारा ११००) का पुरस्कार '६१ में प्राप्त ; वयोवृद्ध साहित्यकार ; प॰ पुरानी बसी, द्वारा बजवाड़ा, होशियारपुर (पंजाब) ।

संतोषकुमार जैन—ज॰ ३० सितंबर, '३० ; शि॰ देहरादून एवं सहारनपुर ; प्र॰ '५० में ; प्रका॰ नव साक्षर तथा बाल साहित्य के अंतर्गत लगभग ३० पुस्तकें प अहाता त्रिलोकचंद कोर्टरोड, सहारनपुर ।

संतोषकुमार श्रीवास्तव—ज० २५ दिसंबर, '३२ ; शि० रीवाँ ; प्र० '६० से ; प्रका० स्फुट ; प० राजकीय डिग्री कालेज, सीधी (म० प्र०) ।

संतोषनारायण नौटियाल—ज० १० अप्रैल, '२४ ; शि० बी० एस-सी० (प्रथम, स्वर्णपदकप्राप्त) '४५, एम० एस-सी० रसायन (प्रथम) '४७ मेरठ कालेज ; प्र० '४२ मे ; प्रका० चवन्नीवाले (कहा०), तीस दिन (उप०), हरिजन (उप०), चंदामामा का देश (विज्ञान), तुम्हारे आस-पास की दुनियाँ (दो भाग), तराजू और बट्टे (कहा०), बेटी गाँव की (रूपक), साँझ भई पंछी घर आ (कहा०), चाय पार्टियाँ (नाट०) ; अप्र० स्फुट लेखों, कहानियो, रेडियोरूपको आदि के कई संग्रह ; वि० 'चंदा मामा का देश' पर भारत सरकार से ५००) का पुरस्कार तथा 'चाय पार्टियाँ' पर अ० भा० हिंदी नाटक प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार ; वर्त० अपेलेट असिस्टेंट कमिश्नर आफ इनकमटैक्स, डी० रेंज, सेंट्रल रेवेन्यूज बिल्डिंग, नई दिल्ली ; प० ३९/१०, शक्तिनगर, दिल्ली ।

संपतलाल पुरोहित—ज० जून '२२, आमोदिया, धार ; शि० इंटर, ; सा० लगभग १७ वर्षो से मा० 'युगछाया' (दिल्ली) के संपा० ; प्रका० उप० धरती के देवता, ऊपर नीचे, मजहब और ईमान, दो कदम आगे ; प० संपादक 'युगछाया', २५५१ धर्मपुरा, दिल्ली—६ ।

संपूर्णदत्त मिश्र—ज० अगस्त '२७ ; शि० एम० ए० संस्कृत, एम० ए० अँग्रेजी, आयुर्वेदशास्त्री , सा० भूत० अध्यापक : शिक्षा विभाग, राजस्थान राज्य १५ वर्ष तक एवं किंग जार्ज स्कूल, धौलपुर ५ मास ; प्र० '५५ में ; प्रका० ऋतूल्लास (मूल संस्कृत कवि०, हिंदी-अँगरेजी सानुवाद), सूक्ति-पंचामृतम् , श्री सप्तपदीहृदयम् (हिंदी-अँगरेजी सानुवाद) एवं स्फुट कवि० ; अप्र० 'छिन-छिन में छिन जात' (२२५ दोहों की टीका) ; वि० 'ऋतूल्लास' पर उ० प्र० शासन की हिंदी समिति से पुरस्कार '५९ में प्राप्त ; प० उल्लास-श्रीभवनम्, गोपालगढ़, भरतपुर ।

संपूर्णानंद, माननीय—ज० १ जनवरी १८९० ; शि० बी० एस-सी०, एल० टी०, क्वींस कालेज, वाराणसी तथा प्रयाग वि०वि० ; सा० भूत० अध्यापक प्रेममहाविद्यालय वृन्दावन, हरिश्चंद हाईस्कूल बनारस एवं राजकुमार कालेज इन्दौर '१५-'१८, भूत० प्रधान अध्यापक डूँगर कालेज बीकानेर '१८-'२१, भूत० प्राध्यापक काशी विद्यापीठ '२२, भूत० संपा० अँगरेजी दै० 'टुडे' '३० एवं मा० 'मर्यादा' '२१, अ०भा० कांग्रेस कमेटी के '२२ से निरंतर सद उ० प्र० कांग्रेस कमेटी के तीन साल तक मंत्री, अ०भा०

समाजवादी सम्मे॰ के द्वितीय (बंबई) अधिवेशन के सभापति, अ॰भा॰ हिंदी साहित्य सम्मेलन के उन्तीसवें (पूना) अधिवेशन के अध्यक्ष, उ॰प्र॰ सरकार के शिक्षा मंत्री '३८-'३९, पुनः वित्त मंत्री, श्रममत्री '४५-'५१ एवं मुख्यमत्री उ॰प्र॰; प्रका॰ समाजवाद, अतर्राष्ट्रीय विधान, सम्राट हर्षवर्धन, चेतसिह और काशी का विद्रोह, महादजी सिंधिया, चीन की राज्यक्राति, मिश्र की राज्यक्रांति, भारत के देशी राष्ट्र,' देशबंधु चित्तरंजनदास, धर्मवीर गाँधी, गणेश, ब्राह्मण ! सावधान, हिंदू विवाह मे कन्यादान का स्थान, चिद्विलास आदि; वि॰ 'समाजवाद' नामक ग्रन्थ पर १२००) का मंगलाप्रसाद पारितोषिक प्राप्त ; प॰ राज्यपाल राजस्थान, जयपुर।

संपूर्णानंद—ज॰ '२१; शि॰ एम॰ ए॰, बी॰ टी॰; सा॰ अध्यक्ष हिं॰ वि॰, डी॰ ए॰ वी॰ कालेज, वाराणसी; अध्यक्ष आनद पुस्तक-भवन वाराणसी; प॰ '४६ में; प्रका॰ स्फुट लेख ; प॰ पहाडिया, वाराणसी २।

संसार चंद्र, डा०—शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी, एम॰ ए॰ संस्कृत, पी-एच॰ डी॰; प्रका॰ गद्य-प्रसार, छन्दोऽलंकार मंजरी, काव्य-लहरी, अलकार-प्रदीप, केशवचंद्रिका, सटक सीताराम, हमारे आदर्श प्रतिनिधि, बहादुरशाह जफर, बिहारी-सार, स्वप्नवासवदत्ता, नागानंद, मेघदूत, हिंदी काव्य में अन्योक्ति, सोने के दाँत, विचार और अनुशीलन आदि; प॰ उपप्राचार्य एवं अध्यक्षहिंदी-संस्कृत विभाग, सनातन धर्म कालेज, अम्बाला छावनी।

सकलदीप सिंह—ज॰ '२६ ; शि॰ इंटर पटना वि॰वि॰, एम॰ए॰ हिंदी, कलकत्ता वि॰वि॰, एम॰ ए॰ अँग्रेजी, आगरा वि॰वि॰, शास्त्री काशीविद्यापीठ; प्रका॰ पत्थर और लकीरे (कवि॰) '६२, रूप और कला (संपा॰ कहा॰) '५७; अप्र॰ आलोचना के मान (आलो॰), पर्तों के भीतर (उप॰); प॰ राजाकटरा प्रा॰ लिमि॰, १६७ नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता १७।

सच्चिदानंद सिंह, 'साथी'—ज॰ ४ जनवरी, '३५, मुंगेर; शि॰ बी॰ए॰, डिप॰ इन एड॰; सा॰ प्रधान-सचिव : सदर सब डिवीजनल प्रेस संवाददाता संघ, संवाददाता : दै॰ 'आवाज' पटना, 'हिन्दुस्थान समाचार लि॰' पटना एव 'प्रकाश' देवघर, सहसंपा॰ साप्ता॰ 'दलितमित्र' (दीपावली विशेषांक), संपा॰ अर्द्धवार्षिक 'किरण' मुंगेर एवं पाक्षि॰ 'प्रहरी' मुंगेर '६२ से; प्र॰ '५४ में; प्रका॰ 'अन्तर्ध्वनि' (गीत॰) '६२; अप्र॰ दो-तीन संग्रह; प॰ प्राध्यापक, शिक्षक-प्रशिक्षण-विद्यालय, पबिया(वाया जामतारा ई॰आर॰), संतालपरगना.

सतीशकुमार—ज॰ ५ अगस्त, '३६; सा॰ मानव मंदिर संस्था के निर्माण में याग '५५, सपा मा 'आधार' एव मा श्रमण वाराणसी प्र

५४ में; प्रका० महावीर-वाणी (प्राकृत से अनु०) '५८; अप्र० ग्राम-प्रवास (खंड०); प० अखिल भारतवर्ष सेवा संघ, के ३३-४-गोलघर, वाराणसी।

सतीशचंद्र—ज० २९ दिसंबर, '३४; सा० भूत० संपा० 'सैनिक' की साहि० परिशिष्ट, मा० 'नवीन' एवं 'परिवार-सखा', वार्षिक संकलन 'माध्यम' एव 'पं० हरिशंकर शर्मा अभिनंदन-पत्रिका', वर्त० संपा० मा० 'चतुर्वेदी', संस्था० नवीन लेखक-संघ '५२; प्रका० खंडहर (उप०); अप्र० स्फुट रचनाओं के दो संग्रह; प० चौबे जी का कटरा, किनारी बाजार, आगरा।

सतीशचन्द्र जोशी, 'व्योमेश'—ज० १५ मई, '३६, रुडकी; शि० एम० ए० हिंदी, एम० ए० अँग्रेजी, एम०ए० संस्कृत, आगरा वि वि०, बी०टी०, सा० र० सम्मे० प्रयाग; प्र० '५९ में; प्रका० स्फुट; अप्र० साधना (खंड०), मदलेखा (कहा०), भारत के लोकनृत्य; वि० 'कामायनी : उसकी दार्शनिक पृष्ठभूमि' विषय पर शोधकार्य-रत; प० ३११, जरूरीबाजार, रानीखेत, अलमोडा।

सतीश द्विवेदी—ज० २ नवंबर, '३२; शि० बी० ए०, लखनऊ वि०वि०; सा० संचा० मतांतर-संस्था; प्र० '४८ ; प्रका० स्फुट कहानियाँ; अप्र० दो संग्रह; वि० स्फुट पुरस्कार प्राप्त, 'कहानीकार' मे एक कहानी संगृहीत, बँगला एवं अँगरेजी मे अनु० किये हैं ; प० ११६ बी, गुरुगोविंदसिंह मार्ग, लखनऊ।

सतीश सरकार—ज० १८ दिसंबर, '३२; शि० बी० काम० लखनऊ वि० वि०; सा० भूत० संयुक्तसंपादक मासिक 'उत्तरा' लखनऊ '५२; प्र० '५१ में; प्रका० स्फुट कहा०; वि 'प्रतिनिधि हास्य कहानियाँ' में एक कहानी संगृहीत , स्फुट पुरस्कार प्राप्त ; वर्त० प्रशासिक सहायक, सेंट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टीट्यूट, लखनऊ, प० ५७, बादशाहबाग, लखनऊ।

सत्यकाम—ज० १४ अप्रैल, '२६; शि० स्नातक, गुरुकुल काँगडी '४८ ; प्रभाकर पंजाब '५४, शास्त्री '५६, एम० ए० संस्कृत '५८, एम०ए० हिंदी '५९, एम० ओ० एल० '५९ ; सा० संपा० 'समालोचना' '४३-'४७; प्र० '४६ में ; प्रका० आचार्य कृपलानी, संन्यासी : एक अध्ययन, गोदान : एक अध्ययन, कवि-परिचय, हिंदी साहित्यानुशीलन एव आधुनिक हिंदी साहित्य आदि ; 'वाक्यप्रदीप का भाषातात्विक अध्ययन' नामक शोधग्रंथ प्रस्तुत कर चुके हैं; वर्त० प्रध्यापक, स्नातकोत्तर सांख्य संस्थान, दिल्ली वि० वि०; प० ७१२ , अशोकनगर, नई दिल्ली—१८।

सत्यकाम विद्यालंकार—ज० १४ अगस्त, १९०५, लाहौर; सा०भूत० संपा० 'धर्मयुग' '५०-'६०, 'नवनीत' '६०-'६२; प्र० '४८ में; प्रका० जीवन साथी '४८, चरित्र-निर्माण '४८ राष्टपुरुष '५१, सोमा '५७. गीतांजलि '५०

पंचपंत्र, साधना, मालाकार एव मेघदूत (अंतिम पाँच पुस्तकें अनु॰ हैं); यंत्रस्थ : देवता का दान एवं सोमसुधा; वि॰ 'सोमा' पर पंजाब सरकार से पुरस्कार प्राप्त ; प॰ चंद्रशेखर-भवन, २।१७८, सायन रोड, बम्बई—२२ ।

सत्यकुमार—ज॰ २२ जून, '३० ; शि॰ विशारद '५०, एम॰ एस-सी॰ रसायनशास्त्र '५१, एम॰ ए॰ अँग्रेजी '५४; प्र॰ '४८ में; प्रका॰ भूमि रसायन एवं माध्यमिक प्रयोगिक रसायन; अप्र॰ लघुकथाओं एवं विज्ञान-संबंधी लेखो के दो संग्रह . वि॰ एक कहानी मराठी मे अनु॰; प॰ अध्यक्ष रसायन विभाग, दिगबर जैन कालेज, बड़ौत, मेरठ ।

सत्यकेतु विद्यालंकार, डा॰—ज॰ १९ सितंबर, १९०३, सहारनपुर ; शि॰ विद्यालंकार गुरुकुल काँगड़ी वि॰वि॰ हरिद्वार, डी॰ लिट्॰ (ससम्मान) पेरिस वि॰वि॰; सा॰ रुहेलखंड स्नातक निर्वाचन-मंडल द्वारा उ॰प्र॰ विधान परिषद के सदस्य निर्वाचित '६२, योरोप और एशिया के अनेक देशों की यात्राएँ की; प्र॰ '२८ मे; प्रका॰ मौर्य साम्राज्य का इतिहास '२८, बौद्धकाल का राजनीतिक इतिहास '३०, भारत का इतिहास '३२, अपने देश की कथा '३५, मोपासां की कहानियाँ '३५, अग्रवाल जाति की उत्पत्ति और प्राचीन इतिहास '३८, फ्रास की राज्यक्रांति '३९, पाटलिपुत्र की कथा '४३, योरोप का आधुनिक इतिहास (दो भाग) '५०, राजनीतिशास्त्र '५१, एशिया का आधुनिक इतिहास '५२, संसार का सरल इतिहास '५३, होटल माडर्न (उप॰) '५४, भारत का प्राचीन इतिहास '५४, भारतीय संस्कृति और उसका इतिहास '५४, फ्रेंच स्वयंशिक्षक '५४, भारत का इतिहास (दो भाग) '५५, विदेशी राज्यों की शासन विधि '५६, भारत का राष्ट्रीय आंदोलन और नया संविधान '५६, आचार्य चाणक्य (उप॰) '५६, स्वतंत्र भारत का संविधान '५६, नागरिक शास्त्र के सिद्धांत '५६, भारत की शासन व्यवस्था और नागरिक जीवन '५६, अन्तर्दाह (उप॰)' ५७, भारत का सांस्कृतिक इतिहास '५७, विश्व इतिहास-प्रवेशिका '५७, प्राचीन भारतीय शासन-व्यवस्था और राज्यशास्त्र '६०, समाजशास्त्र'६१, कंपनी का मैनेजिंग डाइरेक्टर (उप॰) '६३ आदि लगभग ३२ ग्रंथ; वि॰ 'मौर्य साम्राज्य का इतिहास' पर 'मंगलाप्रसाद पारितोषिक' हिं॰सा॰ सम्मे॰ से एवं जोधसिंह पुरस्कार तथा राधाकृष्णपदक ना॰ प्र॰सभा काशी से प्राप्त, 'प्राचीन भारतीय शासन व्यवस्था और राज्यशास्त्र' पर ५०००) का 'पंत पुरस्कार' केंद्रीय सरकार से, 'आचार्य चाणक्य' पर बंगाल हिंदी मंडल द्वारा १०००) का तथा उ॰प्र॰ सरकार द्वारा ८००) का पुरस्कार, 'यूरोप का आधुनिक इतिहास' पर उ॰प्र॰

सरकार द्वारा १५००) का पुरस्कार एवं 'राजनीतिशास्त्र' पर १०००) का और 'एशिया का आधुनिक इतिहास' पर ६००) का पुरस्कार प्राप्त ; वि॰ 'विद्यालंकार', 'विद्यामार्तंड' एवं 'डी॰लिट्॰' की सम्मानित उपाधियाँ प्राप्त ; प॰ लक्स माउंट, मसूरी।

सत्यदेव ओझा, डा०—ज॰ ४ फरवरी, '२५ ; शि॰ बी॰ ए॰ आनर्स, एम॰ ए॰, पी-एच॰डी॰ '६२ राँची वि॰वि॰; सा॰ छह हजार भोजपुरी कहावतों, चार हजार भोजपुरी मुहावरों तथा दो हजार भोजपुरी लोक विश्वासों के संग्रहकार; प्रका॰ स्फुट; अप्र॰ भोजपुरी कहावतों के सांस्कृतिक पक्ष का अध्ययन (शोधग्रंथ) एवं दो लेख संग्रह; प॰ हिंदी विभाग, जमशेदपुर कोआपरेटिव कालेज, जमशेदपुर १।

सत्यदेव चतुर्वेदी—ज॰ १ जनवरी, '२२, रामपरखुर्द (जौनपुर); शि॰ मिडिल; जा॰ उर्दू और अँग्रेजी; सा॰संस्था॰ हिंदी-साहित्य-सृजन-परिषद जौनपुर '५०, संपा॰-प्रका॰ मा॰ 'साहित्यायन'; प्रका॰ साहित्य-दर्शन (संपा॰), साहित्य-परीक्षण (संपा॰), गोस्वामी तुलसीदास और रामकथा, हिंदी काव्य की भक्ति-कालीन साधना (आलो॰), अमित वेग, रानी तिष्यरक्षिता, अंतरिक्ष की लहरें, अज्ञात के दिन, किरणप्रभा (उप॰), ललित-कथाएँ, मधुर कथाएँ, अकबर और बीरबल की कथाएँ (बालो॰), उल्टी गंगा, अप्र॰ कवि नरोत्तमदास और सुदामा-चरित्र, बुद्धचरित और उनके उपदेश, हमारा स्वास्थ्य, हिंदी के कवि ; प॰ हिंदी-साहित्य-सृजन-परिषद, चौक, जौनपुर।

सत्यदेव चौधरी, डा०—ज॰ २१ मई, '३१; शि॰ एम॰ ए॰ संस्कृत, एम॰ ए॰ हिंदी, पी-एच॰ डी॰, पंजाब और दिल्ली वि॰वि॰; प्रका॰ हमारी भाषा-परम्परा '५२, हिंदी वाङ्मय का विकास '५७, प्रतिनिधि कवि '५८, हिंदी रीति-परम्परा के प्रमुख आचार्य (शोधप्रबंध) '५९, भारतीय काव्यांग '५९; वि॰ 'हिंदी रीतिपरंपरा के प्रमुख आचार्य' पर हरजीमल डालमिया पुरस्कार ११००) और भाषा विभाग पंजाब से ५००) प्राप्त ,वर्त॰ प्राध्यापक हिं॰वि॰, दिल्लीवि॰वि॰; प॰ एफ ११/१२, माडल टाउन, दिल्ली ९।

सत्यदेवनारायण अष्ठाना—ज॰ लगभग '२५; शि॰ मैट्रिक, पटना वि॰वि॰ '४२ ; सा॰ भूत॰ संपा॰ सात हस्तलिखित पत्रिकाएँ, सहसंपा॰ 'राष्ट्रवाणी' '४३ एवं मा॰ 'नव विहान' '४७-'४८ ; प्र॰ '३६ में; प्रका॰ दीपिका (गीत) '४७, यही मेरी कहानी है : सुभाषचद्र बोस '५०; अप्र॰ प्रदीप , कुणाल, आम्रपाली, झलमल, क्रंदन, भाई-बहन, कुंदन, भूमि, रेखा, भू देवता, हम दोनों, बिंदिया, लजौनी आदि ; प॰ आकाशवाणी पटना

सत्यदेवनारायण सिन्हा—ज० २५ दिसंबर, '३४ ; शि० मैट्रिक ; प्र० '५८ में; प्रका० जानने की कहानियाँ (बालो०); अप्र० विचित्र नगरी, विचित्र लोग, मनोरंजक सस्मरण; वर्त० '५३ से आकाशवाणी पटना में कार्य ; प० सिमली मुरारपुर, पटना सिटी ।

सत्यदेव, 'राजहंस'—ज० मार्च, '३१, अजीतगंज, मैनपुरी; शि० एम० ए० हिंदी, एम० ए० अँग्रेजी, प्रयाग वि०वि०; सा० संचा० विश्वज्योति संस्था एव अनेक साहित्यिक संस्थाओं के सदस्य; प्रका० स्फुट; अप्र० कविताओं-लेखो के दो संग्रह ; वि० अँगरेजी में भी लिखते हैं ; प० सहायक प्रोड्युसर, आकाशवाणी, राँची ।

सत्यदेव विद्यालंकार—ज० १ अक्टूबर, १८९८; शि० स्नातक '२१ गुरुकुल वि०वि० हरिद्वार ; मा० कांग्रेस एवं गांधी जी के आदोलनों में सक्रिय भाग, भूत० संपा० दै० 'विजय' '२०, 'स्वतंत्र' '३०, 'हिंदुस्तान' नई दिल्ली '३६, 'विश्वमित्र' '४२, 'नवभारत' (अब 'नवभारत टाइम्स') दिल्ली' ४६, 'अमर भारत' दिल्ली '४७, 'नवप्रभात', साप्ता० 'राजस्थान केसरी' वर्धा '२१-'२४, 'मारवाड़ी' नागपुर '२४-'२६, 'अकोला' '२७-'२८, 'प्रजा सेवक', 'सचित्र स्वतंत्र' कलकत्ता '३०, 'प्रभात' जयपुर, मा० 'राजस्थान' '२७-'२८, एवं 'नवयुग' कलकत्ता '२८-'२९; प्र० '२२ में; प्रका० गाँधी जी का मुकदमा '२१, दयानंद-दर्शन '२३, जनरल अवारी (जीवनी), राष्ट्रवादी दयानंद '२९, राष्ट्र-धर्म '३१, स्वामी श्रद्धानंद (जीवनी) '३२, पर्दा ३५, आर्य समाज किस ओर (संपा०) '३५, हमारे राष्ट्रपति '३६, लाला देवराज (जीवनी) '३६, आर्य सत्याग्रह (सरकार द्वारा प्रतिबंध) '३८, अमरशहीद श्री देवसमन (जीव०) '४४, जडवाद (मराठी से अनु०) '४४, जयहिंद '४५, लाल किले में, टोकियों से इम्फाल, योरोप में आजाद हिंद, नेता जी जिआउद्दीन के रूप में '४५, करो या मरो '४६, राजा महेंद्र प्रताप (जीव०), आज का मध्यभारत '५१, मध्यभारत '५४, मध्यभारत जनपदीय अभिनदनग्रथ '५४, नव निर्माण की पुकार '५७, अणुव्रत '४७, सेठ हुकुमचन्द अभिनंदनग्रन्थ (संपा०) '५१, श्रीबसंतलाल मोरारका स्मृति-ग्रन्थ (संपा०) '५७, एक आदर्श समत्व योगी अभिनंदनग्रंथ (संपा०) '५८, श्रीहनुमान बक्स कनोई अभिनंदन-ग्रंथ (सपा०) '५८, श्रीराजाराम अभिनंदनग्रंथ (संपा०) '६० एवं मूक राष्ट्र-सेवक डा० सुखदेव जी (जीव०) '६१, अप्र० भारत के सांस्कृतिक जीवन का विश्लेषण '६०; वि० 'पर्दा' पर हिं०सा० सम्मे० से 'श्रीराधामोहनगोकुल जी पुरस्कार' '३७, मध्य भारत शासन-सबंधी ग्रंथ म भा० शासन द्वारा पुरस्कृत

एवं प्रादे॰ हिं॰ सा॰ सम्मे॰ दिल्ली से अभिनंदनपत्र और ताम्रपत्र भेंट ; प॰ ४० ए॰, हनुमान लेन, नई दिल्ली ।

सत्यदेव शर्मा द्विवेदी—ज॰ ३ सितम्बर, '३७; शि॰ बी॰ ए॰ आनर्स; प्र॰ '५३ में; प्रका॰ स्फुट लेख ; वि॰ स्फुट पुरस्कार एवं सम्मान-पत्र प्राप्त ; प॰ मोहन-मंदिर सतपिपरा, कलानिकेतन, रामगढवा, चम्पारण ।

सत्यदेव शांतिप्रिय—ज॰ १ जुलाई, '३३; शि॰ बी॰ ए॰ आनर्स; सा॰ संपा॰ 'कथाकार' बिहार; प्रका॰ सीमान्त (कहा॰), बरगद की छाँव (उप॰); अप्र॰ दायरे, दर्द की बिक्री (कथा॰), दराज की दास्तान (उप॰), प्रज्ञा के क्षण (कवि॰); प॰ पृथ्वीराज पथ, पटना ३ ।

सत्यनारायण गंगादास व्यास, 'श्रीसत्य'—ज॰ १४ अप्रैल, '३२, बीकानेर ; शि॰ मैट्रिक, प्रभाकर, सा॰ रत्न ; सा॰ कुछ समय तक टाइपिस्ट एवं 'स्टेनो' का कार्य किया, अब 'सोहम्' प्रकाशन संस्था एवं प्रेस के संचा॰ ; संपा॰-प्रका॰ 'टेडर-टाइम्स' '६१ से ; प्र॰ '५६ में ; प्रका॰ चिन्मय (उप॰) '५६, स्वप्न-शेष '५७, मुण्डेमुण्डे मतिर्भिन्ना (कहा॰), 'आफ इम्पस एण्ड इडियट्स' (कहा॰), डा॰ जिवागो (अनु॰) '५९, इनवेडर (चित्र-कथा : चीनी आक्रमण से संबद्ध) ; अप्र॰ आक्रान्ता (उप॰) तथा 'टुमारो इज टू नियर' (उप॰) ; वि॰ 'इनवेडर' हिंदी एवं मराठी में भी छपी है ; प॰ सोहम् प्रकाशन, नरीमान बिल्डिंग, रघुनाथ दादा जी स्ट्रीट, हैण्डलूम हाऊस के पास, पो॰ बा॰ १७७९, फोर्ट, बंबई—१ ।

सत्यनारायण तिवारी—ज॰ २ जुलाई, '४३ ; प्रका॰ स्फुट ; अप्र॰ परिवर्तन (कहा॰) तथा बालू की दीवार (कहा॰) ; वर्त॰ द्वारा साप्ता॰ 'भूदान-यज्ञ' ; प॰ राजघाट, वाराणसी ।

सत्यनारायण पांडेय, डा॰—ज॰ १९०९, आगरा ; शि॰ एम॰ ए॰, पी-एच॰ डी॰ '६० आगरा वि॰वि॰ ; सा॰ अनेक संस्थाओं के सभा॰ एवं संरक्षक, भूत॰ सद॰ परीक्षा एवं स्थायीसमिति हिं॰ सा॰ सम्मे॰ प्रयाग ; प्र॰ '४१ में ; प्रका॰ दानवीर कर्ण, श्रीमद्भागवत चित्रावली (पद्यात्मक, दो भागों में) '४१, श्यामसुन्दर शाम्ब (खंड॰) '४६, राष्ट्रीय वीरों का यशगान '४७, सांख्यकारिका (सटीक, संपा॰) '५०, कश्मीर-विजय (कवि॰) '५२, कृष्ण काव्य की परपरा (प्रबंध) '५२, वीर विक्रमादित्य (नाट॰), वैदिक साहित्य की रूपरेखा '५७ एवं भारतीय संस्कृति के मूल तत्व '६२ ; अप्र॰ 'धनंजय के दशरूपक का विवेचनात्मक अध्ययन तथा भारतीय नाट्य साहित्य पर उसका प्रभाव' (शोधप्रबंध); वि॰ कश्मीर-विजय '५२ पर

उ० प्र० सरकार से ५०० रु० पुरस्कार प्राप्त '५३ में ; प० २ ए/२२६ आजादनगर, नवाबगज, कानपुर।

सत्यनारायण मिश्र—शि० बी० ए०, सा०रत्न, संपादन कला विशारद आदि ; सा० पिछले दस-बारह वर्षों से पत्रकार, भूत० संपा० पाक्षिक 'अणुव्रत', मा० 'रामसंदेश', मा० 'दीपशिखा' एवं साप्ता० 'क्रांति' ; अब संपा० 'नवनीत' (हिंदी डाइजेस्ट) ; हिंदी विद्यापीठ देवघर, बंबई हिंदी विद्यापीठ, अ०भा० विद्वत्सम्मेलन, राष्ट्रभाषा-प्रचार-परिषद् आदि संस्थाओं में सक्रिय कार्य ; भूत० संयो० साहित्य समाज मेरठ ; भूत० प्रचार मंत्री : भारतीय हिंदी वि०वि० बंबई एवं 'सेक्रेट्री एजूकेशन बोर्ड' हस्तिनापुर . प्रका० स्फुट ; अप्र० कई पुस्तकें ; प० कैलाश भवन, बंबई—६० ।

सत्यनारायण शर्मा, डा०—शि० भारत एवं योरोप में, पी-एच० डी०, डी० लिट० ; जा० संस्कृत, बँगला, फ्रेंच, जर्मन और अँग्रेजी ; सा० अनेक हिंदी और अँग्रेजी पत्रों के संपा० तथा प्रोफेसर रहे ; प्र० '२८ में ; प्रका० इन्क्लाब, आत्महंता (पत्रात्मक उप०), तूफान (कवि०), टूटती हुई जंजीरें (गद्यकाव्यात्मक उप०), जीवन-यात्रा (व्यावहारिक जीवनदर्शन), आँसुओं का देश (दर्शन), दुनियाँ मेरी दृष्टि में (दर्शन) आदि ; अप्र० रोम्याँ रोलाँ की दृष्टि में भारत (फ्रेंच से अनु०), संत फ्रांसिस की साधना (फ्रेंच से अनु०), पश्चिमीय साधना-श्री, पंखहीन (कवि०), वि० योरोप एवं मध्यपूर्वीय देशों का व्यापक भ्रमण किया है, पूर्वीय और पाश्चात्य दर्शन के विद्वान ; प० अपर बाजार, राँची ।

सत्यपाल गुप्त—ज० '२७, पटियाला ; सा० भूत० सद० : अ० भा० हि० सम्मे० एवं पंजाब हि० सा० सम्मे०, संस्था० स्थानीय हि० सा० सम्मे० '४८, वर्त० प्रधानमंत्री संस्कृत विश्व परिषद् पंजाब शाखा, उपप्रधान हि० सा० सम्मे० पटियाला डिवीजन, संरक्षक : साहित्य एवं कला संघ पंजाब, अनुसंधानसहा० हिंदी-विभाग, पंजाब सरकार ; प्र० '५६ में ; प्रका० न्याय का पथ (एका०) '५७ एवं पंजाब का हिंदी साहित्य '६० ; प० हिंदी-साहित्य-सम्मेलन-कार्यालय, पटियाला (पंजाब) ।

सत्यप्रकाश अवस्थी, 'सतीश'—ज० '३३ ; शि० बी० ए०, विशारद ; सा० उपमंत्री साहित्य-संगम, संस्था० साहित्य-सागर ; प्रका० सुलोचना (खंड०) '६३ ; अप्र० जैबुन्निसाँ (खंड०), कल्पनापुरी (उप०), कल्पना (कहा०); वर्त० आफिसर इंचार्ज परिवार नियोजन कल्याणकेंद्र हरगाँव सीतापुर ।

सत्यप्रकाश जोशी—ज॰ '२७ ; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी, जसवंत कालेज, जोधपुर ; सा॰ हिं॰ सा॰ सम्मे॰ बंबई से संबंधित; प्र॰ '५६ में ; प्रका॰ सहस्रधारा (कवि॰), ओ हेनरी की कहानियाँ (अनु॰), राधा (कवि॰), बाँबी (अनु॰), दीवा काँपै क्यूँ (राज॰ कवि॰) ; वर्त॰ हिंदी प्राध्यापक ; वि॰ 'राजस्थानी छंदशास्त्र' विषय पर शोधकार्य-रत ; प॰ आदर्श दुग्धालय के सामने, मार्वे रोड, मालाड, बंबई—६४।

सत्यप्रकाश, 'मिलिंद'—ज॰ १६ जुलाई, '२२, खुर्जा ; शि॰ अनूपशहर, खुर्जा तथा इलाहाबाद ; प्रका॰ उप॰ सुहाग की सुबह, हारजीत, काँटों की छाँह में ; आलो॰ : साहित्यार्चन, हिंदी की महिला साहित्यकार, प्रयोगकालीन बच्चन ; एकां॰ : दशदीप, षटकोण, चौधरी और चौपाल एवं मंदिर-प्रवेश , अन्य॰ : भारतीय मजदूरों की समस्याएँ, श्रमदान, हमारी योजनाएँ एवं हम पहले और अब, गाँव की ओर, आओ बब्बू : गाएँ गीत, साहित्य-समालोचन, बदलती दिशाएँ, जैनेंद्र का व्यक्तित्व और कृतित्व (संपा॰) ; बालो॰ : मधु को पत्र, काम की बातें, पुराने रास्ते नये मोड़, बच्चों के देश में, मुन्ना मेरे, बब्बू ने भी गोते लगाए, चाचा नेहरू, राजाराजा ऊपर. प्रवेशिका ; यंत्रस्थ : उप॰ : घोंसले और घरौंदे, मार्ग के काँटे ; गीत और बालक, बालविहार, एक था राजा, एक थी रानी ; सूखी टहनी : हरी पत्तियाँ, ताशों का खेल ; एकां॰ . थोथी दीवारें, नई लीकें : नई मान्यताएँ ; आलो॰ : संधेय, संतरैदास, मेरे रेडियो भाषण ; कवि : अंतरगीत, उरग्रंथन, सिगरेटशाला ; बालो॰ : रेणु ने नई फ्राक पहनी, हमारे महर्षि ; वर्त॰ चीफ लेबर ऐंड वेलफेयर आफिसर, बिड़ला काटन स्पीनिंग ऐंड वीविंग मिल्स, देहली ; प॰ द्वारा, राजीव प्रकाशन, बिड़ला लाइंस, दिल्ली—६।

सत्यप्रकाश संगर, डा॰—ज॰ १० अप्रैल, '१७, मैनपुरी ; शि॰ बी॰ ए॰ आनर्स (सर्वप्रथम) '४०, एवं एम॰ ए॰ आनर्स इतिहास (सर्वप्रथम) '४१ पंजाब वि॰वि॰, पी-एच॰ डी॰ इतिहास, पूना वि॰वि॰ ; सा॰ सहसंपा : 'आकलन' भूपाल ; भूत॰ प्राध्यापक डी॰ ए॰ वी॰ कालेज ; भूत॰ जिला शिक्षा निरीक्षक म॰प्र॰ राज्य एवं भूत॰प्राध्यापक, राजकीय हमीदिया कालेज भोपाल ; भूत॰ मंत्री एवं संचा॰ 'साहित्यसमाज' भोपाल ; वर्त॰ प्राध्यापक माधव कालेज, (विक्रम वि॰वि॰) उज्जैन ; प्र॰ '४७ में ; प्रका॰ कहा॰ : अवगुण्ठन '५२, नया मार्ग '५२, अफ्रीका का आदमी '५३, कितना ऊँचा : कितना नीचा '५४, लंबे दिन : जलती रातें '५६ : उप॰ घर की आन '५३

कली मुस्कराई '५४, चाँदरानी '५७ ; अप्र० तूफान के बाद (लघुउप०), दो कहा० एवं एक रेडियोरूपक-संग्रह ; वि० 'प्रतिनिधि हास्य कहानियाँ' में एक कहानी संगृहीत, 'लंबे दिन लंबी रातें' उ० प्र० सरकार से पुरस्कृत ; प० अध्यक्ष, इतिहास विभाग, माधव कालेज, उज्जैन ।

सत्यभक्त, स्वामी—ज० १० नवंबर, १८९९, शाहपुर, सागर ; शि० न्यायतीर्थ, साहित्यरत्न, सागर और बनारस ; सा० भूत० अध्यापक स्याद्वाद विद्यालय काशी '१९, पश्चात् सिवनी और इंदौर में छह वर्ष तक अध्यापक रहे, '३४ में वर्धा में सत्यसमाज और सत्याश्रम की स्थापना की ; भूत० संपा० 'परवार-बंधु' और 'जैन-जगत' ; प्रका० न्याय प्रदीप '२८, धर्ममीमासा, जैनधर्ममीमांसा (भाग १) '३४, निरतिवाद, सत्य-संगीत '३८, कृष्णगीता '३९, सत्यामृत, दृष्टिकाड, जैनधर्म मीमासा (भाग २), नागयज्ञ, आत्मकथा '४०, सत्यामृत (पुनः), कुरान की झाँकी, सुलझी गुत्थियाँ, वृद्ध-हृदय '४१, जैनधर्म मीमांसा (भाग ३), विवाह-पद्धति, सर्वधर्म समभाव, ईसाई धर्म '४२, मेरी विकास कथा '४३, चतुर महावीर, गागर में सागर '४४, सत्यामृत (पुनः), व्यवहारकांड, नया संसार, नई दुनियाका नयासमाज, लिपि-समस्या, सूरज प्रश्न '४५, जीवन-सूत्र, भ० राम, क्यों सलाम करूँ '४६, हिंदू भाइयो से, मुस्लिम भाइयों से, मदिर का चबूतरा (उप०), सुख की खोज (कहा०) '४७, निरतिवाद (पुनः), अग्निपरीक्षा, बोधगीत, सत्यसमाज और विश्वशांति '४८, सत्येश्वर गीता, वंदना, सत्यभक्त-संदेश '४९, नया संसार, भावगीत, मानवभाषा, क्या संसार दुखमय है '५०, सुराज्य की राह, सत्यसमाज(पुनः), ईमान,धर्मसमभाव,संस्कृति-समस्या, सत्यलोक यात्रा, राजनीति-समस्या '५१, निरतिवादी अर्थशास्त्र, मार्क्सवादी मीमासा '५४, मेरी अफ्रीकायात्रा, विश्वधर्म-समीक्षा '५५, पैगंबरगीत, एकता की समस्या, विश्वरचना '५६, जातिभेद नि सार '५७, सुख-शातिमय संसार '५८,-शासन-सुधार, गीतावली, नरक-स्वर्ग के चित्र, आर्यसमाज-समीक्षा '५९, गागर में सागर, सत्ययुग आया, उपकारी विज्ञान, सत्यसमाजी जीवन, कव्वालियाँ '६०, सत्यसूक्त, धर्मसमीक्षा, राजभाषा की समस्या '६१, सत्यनारायण कथा '६२ आदि ; वि० '५२ में उ० प्र० सरकार से १२००) का प्रथम पुरस्कार प्राप्त ; प० सत्याश्रम, वर्धा ।

सत्यभूषण, 'योगी'—ज० १४ नवंबर, '१७ ; शि० वेदालंकार गुरुकुल काँगड़ी, शास्त्री पंजाब वि०वि०, एम० ए० संस्कृत तथा हिंदी, दिल्ली वि०वि प्रका सीमा (कवि०) '४० अप्र० योगी की मधुशाला, योगी का

ीरकाव्य, 'प्रसाद' की भाषा और अभिव्यक्ति (आलो०), योगी का प्रेम-काव्य (कवि०) ; प० अध्यक्ष, संस्कृत-हिंदीविभाग, सेंटस्टीफेंस कालेज, यूनिवर्सिटी कैंपस, दिल्ली—६ ।

सत्यव्रत शर्मा, 'अजेय'—ज० '३४, डंघेडा, सहारनपुर; शि० शास्त्री काशी संस्कृत वि०वि०, सा० रत्न सम्मे० प्रयाग, आयुर्वेदाचार्य (प्रथम) साकेत वि०वि० ; प्र० '५१ में ; प्रका० मंगल-ज्योति (संपा०) '५१, शंकर-स्तवन (संक०) '५३, हीरक-हार (कहा०) '५४, भक्तामर स्तोत्र (पद्यानु०) '५६, हीरक सहस्रावली (दोहे) '५८, चीन का आक्रमण (एका०) '५९, सहकारिता (एकां०) '६०, राष्ट्रभाषा-रश्मि '६२ ; अप्र० दर्शना (अनु०), नारद-मद-मर्दन (खंड०), कानपुर के कवि; वि० 'चीन का आक्रमण' तथा 'सहकारिता' पर जिला प्रतियोगिता सहारनपुर मे प्रथम पुरस्कार '५९-'६० ; प० हिंदी अध्यापक, बी० डी० हाईस्कूल, खेडा मुगल, सहारनपुर ।

सत्यव्रत सिद्धांतालंकार, कर्नल—ज० १८९८ ; शि० गुरुकुल काँगडी वि०वि० ; सा० आजी० सद० : दयानंद सेवासदन, भूत० प्राध्यापक : राजाराम कालेज कोल्हापुर, मद्रास, बँगलौर, मैसूर आदि में तीन वर्ष तक हिंदी-प्रचार-कार्य, गुरुकुल वि०वि० में प्राध्यापक, रजिस्ट्रार एवं पाँच वर्ष उपकुलपति रहे, '४१ में उसकी सेवा से निवृत्त हुए, '६० से पुन. उसके उपकुलपति ; प्रका० धारावाही हिंदी में एकादशोपनिषद् (मूलसहित), ब्रह्मचर्य-संदेश, आर्यसंस्कृति के मूलतत्व, प्रारंभिक समाजशास्त्र, भारतीय सामाजिक संगठन, समाजशास्त्र तथा बालकल्याण, समाजशास्त्र के मूलतत्व, समाज-कल्याण तथा सुरक्षा, भारत की जनजातियाँ तथा संस्थाएँ, सांस्कृतिक मानवशास्त्र, सामाजिक विचारों का इतिहास आदि ; वि० प्रतिरक्षा मंत्रालय से 'कर्नल' उपाधि '६१ में प्राप्त ; 'समाजशास्त्र के मूलतत्व' पर अ० भा० मंगलाप्रसाद पारितोषिक प्राप्त, मार्च '६२ में पंजाब सरकार के भाषा विभाग की ओर से एक सार्वजनिक समारोह में ११००) की थैली तथा अभिनंदनपत्र प्राप्त, समाजशास्त्र के अधिकारी विद्वान ; हिंदी मे लगभग दस हजार पृष्ठ लिखे हैं ; प० (१) विद्याविहार, ४ बलबीर रोड, देहरादून । (२) उपकुलपति, गुरुकुल काँगडी, सहारनपुर ।

सत्या, 'शमा'—ज० २८ दिसंबर, '२१ ; शि० सीनियर कैंब्रिज नैरोबी, बी० ए०, प्रभाकर, सा० रत्न पंजाब ; प्र० '३५ में ; प्रका० पतझर के फूल (कवि०), 'तूलिका' में दिल्ली के कवियों के साथ एवं 'वसंत के फूल' में पजाबी कवियो के साथ कविताएँ सगृहीत अप्र० टीके का मुहूर्त

(उप०), काला तन गोरा मन (उप०) ; वि० कई बार स्फुट पुरस्कार प्राप्त ; प० इंडियन एअर लाइस, ब्रजभवन, हालगेट, अमृतसर।

सत्येंद्रनारायण—ज० १९ मई, '१४ ; शि० बी० ए० भागलपुर ; सा० राजनीति-क्षेत्र में '३५ से कार्य, भूत० संपा० 'बीसवी सदी', '४६ से सद० ; पी० ई० एन० (अन्तर्राष्ट्रीय लेखकसंस्था); प्र० '२५ में ; प्रका० दक्षिण भारत की यात्रा , अप्र० चार-पाँच पुस्तकें , वर्त० उपाध्यक्ष, विधानसभा, विहार ; प० नया बाजार, भागलपुर—२।

सत्येंद्र शरत्—ज० १० अप्रैल, '२९, अमरावती, बरार ; शि० एम० ए० प्रयाग वि०वि० ; प्रका० नीलकमल, कुहासा और किरण (कहा०), तार के खम्भे (एकां०), इंद्रधनुष (नाट०), कुंदमाला (अनु०), स्वयंवर, 'क्लोज अप' (उप०), नये चित्र (संपा० कथा०) ; प० असिस्टेंट प्रोड्युसर 'विविध भारती', ट्रांस्क्रिप्शन सर्विस, आकाशवाणी, नई दिल्ली।

सदगुरुशरण अवस्थी—ज० ४ जुलाई, १९०१ ; शि० एम० ए० हिंदी (सर्वप्रथम) आगरा वि वि०, सा० अनेक शिक्षा संस्थाओं की प्रबंध समितियो के सदस्य, सद० श्रीब्रह्मावर्त सनातनधर्म महामंडल; '६१ तक बी० एन० एस०डी० कालेज कानपुर के प्रधानाचार्य रहे, प्र०'२९ मे; प्रका० भ्रमित पथिक '२९ एवं '५०, महात्मा बुद्धदेव '३३, तुलसी के चार दल (दोभाग) '३५, '५२ एवं '६२, हिंदी गद्यगाथा '३५, फूटा शीशा (कहा०) '३६, एकादशी (कहा०) '३९, मुद्रिका (एका०) '३९ एवं '५३, विचार-विमर्ष (आलो० लेख) '४०, हृदयध्वनि (लेख) '४१, त्रिमूर्ति (जीव०) '४१, दो एकाकी नाटक '५२, बुद्धितरंग (लेख०)'५०, नायक और नाटक (एका०)'५०, पड़ोस की कहानियाँ '५२, मॅझली महारानी (नाट०) '५३, साहित्य-तरंग एवं विचार-तरंग (लेख) '६२, अप्र० झाँकी (लेख) एवं जीवन-तरंग; वि० 'तुलसी के चार दल' हिंदुस्तानी एकेडमी द्वारा पुरस्कृत, 'बुद्धि तरंग' तथा 'नायक और नाटक' उ०प्र० शासन द्वारा पुरस्कृत, '५९ में भारत सरकार ने उ प्र० का सर्वश्रेष्ठ अध्यापक निर्णय करके राष्ट्रीय अध्यापक पुरस्कार प्रदान किया, 'श्रीहीरालाल अभिनंदन ग्रन्थ' का सुसंपादन किया , अब 'आत्मगाथा'-लेखन-रत; प० ८/९ आर्यनगर, कानपुर।

सदानंद मिश्र—ज० २ जुलाई, '२६, आनापुर, प्रयाग; शि० सा०रत्न, बी० ए०, एल० एस० जी० डी०; प्रका० ब्रजमाधुरीसार की टीका '४४, आधुनिक काव्य-संग्रह की टीका, मध्यमा-निबंधावली, श्रीरामनाथ महाय़ की झाँकी प साहित्य विभाग, हिंदी साहित्य , प्रयाग

सदाशिव दीक्षित, आचार्य—ज० १८९८, वाराणसी; शि० लाहौर, आचार्य (सर्वप्रथम) वाराणसी ; प्र० '१६ में ; प्रका० राष्ट्रभाषा, माधव, केशव (कवि०), पाचाली-परिणय (कवि०), मोहन (उप०), रुचिरा (तंत्रशास्त्र); आलो० : वृन्द-विनाश, पाणिनि और उसके अनुयायी, रासौ-समीक्षा, रासौ और उसकी ग्रन्थ-संख्या एवं गौरी व्याकरण (आठ भाग); अप्र० गाँधी विजय (महा०), पाणिनि (नाट०), शक्ति (कवि०) ; वि० संस्कृत में भी पाँच काव्य एव महा०, चार नाट० तथा दो टीका ग्रंथ लिखे हैं; स्फुट पुरस्कार प्राप्त; प० सरस्वती-सदन, १४९ हजिरयाना, झाँसी।

सन्हैयालाल ओझा—ज० १५ नवंबर, '१८; शि० एम० ए० हिंदी, एम० ए० अँग्रेजी; प्र० '३४ मे; प्रका० पाप की प्यास (नाट०), संघर्ष और समर्पण (उप०), तुलसीवाद (ब्रजभाषा, खंड०), मनुष्य का मूल्य (उप०), अर्थान्तर (उप०), मकडी का जाला (उप०). धर्म के नाम पर (उप०); अप्र० मासूम चाँदनी क्षितिज के स्वर (उप०), ज्योत्स्नालोक (कवि०), बहारे फिर भी आएँगी एवं प्रयोग और प्रमेय; वि० 'अर्थान्तर' पर उ०प्र० सरकार से पुरस्कार प्राप्त; प० ८/ए, नंदन रोड, भवानीपुर, कलकत्ता २५।

समरथमल नथमल सिंघी—ज० १८८७ ; प्रका० उप० . पदमकुमारी, बुद्धिधन '१२, श्रीपाल और मैना सुंदरी (अनु०); अप्र० सात-आठ संग्रह; प० ओसवाल सिंघीलेन, सिरोही (राज०)।

सरगुरुष्णा मूर्ति—ज० १ जुलाई, '३६, बल्लारी (मैसूर राज्य); शि० बल्लारी; सा० प्रबधक श्रीकृष्णकला मदिर एवं सक्रिय कार्यकर्त्ता रायल सीमा साहित्य परिषद, बल्लारी; प्र० '५७ मे; प्रका० मधु०-स्वप्न, गाँधी शतकम्, वेंकटेश-शतकम्; अप्र० मेघ-संदेश, गांधी सप्तशती; वि० रायलसीमा कला-परिषद् से मधु-स्वप्न पर ५००) का पुरस्कार एवं आलूर आंध्र-संघ से आंध्र कविता पर 'कवि-कोकिल' उपाधि-प्राप्त; वर्त० प्रधानाचार्य के०एल०एन० हिंदी विद्यालय ; प० ९६/१९ सी० बी०, बल्लारी (मैसूर राज्य)।

सरनामसिंह शर्मा, 'अरुण', डा०—ज० २५ दिसंबर, '१७; शि० एम० ए० संस्कृत, आगरा वि०वि०, एम० ए० हिंदी, कलकत्ता वि वि०, पी-एच० डी० '४९ राज० वि०वि० ; सा० सद० : सरस्वती सभा तथा अर्थसमिति राज० साहि० अकेडमी, अकेडमी के शोधविभाग के संयोजक, '४९ से शोधनिदेशनकार्य, भूत अध्यक्ष हिं वि० महाराजा कालेज जयपुर '५४, राजस्थान कालेज जयपुर, उपाध्यक्ष हि०वि० : राज०वि०वि०, भूत० कैप्टेन : एन सी० सी० · प्रका० नंदग्राम का तपस्वी- स्वर्णपत्तन आदि दस एकाकी

संग्रह, आचार्य केशव, स्वप्न का देवता (कहा०), राधा का स्वप्न (उप०), कामना (उप०), कबीर : एक विवेचन, कबीर-विमर्ष,कबीर-दर्शन, राजस्थानी साहित्य की परंपरा और प्रगति, साहित्य सिद्धांत और समीक्षा, अपभ्रंश और मारवाडी का संबंध, हिंदी साहित्य पर संस्कृत साहित्य का प्रभाव (शोध-प्रबंध) '५०, भक्ति-दर्शन, विमर्ष और निष्कर्ष, विचारकण, भावकण एवं साहित्यकण ; कवि० : किसान-सतसई (ब्रजभाषा), हलधर, सुमन-संग्रह, गीत-संग्रह, आग्रह-अनुग्रह (खंड०), दीन-नरेश (नाट०) वि० राजस्थान वि वि० के प्रथम पी-एच० डी०, इनके निर्देशन में १८ 'डाक्टर' हो चुके हैं, प० सी-८२, राजापार्क, जयपुर ।

सरयूकान्त झा—ज० १३ अक्तूबर, '२४; शि० एम० ए० हिंदी, एम०ए० संस्कृत, बी० टी०; सा० अध्यक्षः स्थानीय हिंदी साहित्य समिति, सद० म०प्र० हिंदी सा-सम्मे० एवं हिंदी पाठ्य समिति सागर वि०वि०;प्रका०निबंधावलि '५५ एवं नवप्रसून '६२; अप्र० छत्तीसगढ के हिंदी कवि एवं स्फुट लेखों के दो संग्रह; वि० 'आधुनिक हिंदी कविता में मानव व्यक्तित्व का स्वरूप' विषय पर शोध-कार्य-रत; प० अध्यक्ष हि०वि०, छत्तीसगढ महाविद्यालय, रायपुर ।

सरयूप्रसाद अग्रवाल, डा०—ज० '२२, सिरसा, प्रयाग ; शि० बी०ए० (प्रथम, स्वर्णपदकप्राप्त) '४१, एम०ए० हिंदी (सर्वप्रथम) '४३, एल-एल० बी० '४३ लखनऊ वि-वि०, एम०ए० भाषाविज्ञान '४५ कलकत्ता वि० वि०, पी-एच० डी० (हिंदी साहित्य) '४८ लखनऊ वि०वि०; सा० भूत० मंत्री : अ०भा० प्राच्य सम्मे० भाषाविज्ञान-विभाग (लखनऊ अधिवेशन) '५१, आगरा वि वि० हिंदी विद्यापीठ के तत्वावधान में आयोजित भाषाविज्ञान-सत्र मे तुलनात्मक भाषाशास्त्र पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित, अनेक छात्रों का शोध-निर्देशन कार्य, '४६ से हिं०वि० लखनऊ वि वि० में प्राध्यापक एवं '५५ से रीडर पद पर; प्र० '४५ मे; प्रका० नहुप-दर्शन '४५, अकबरी दरबार के हिंदी कवि (शोधग्रंथ) '५१, प्राकृत-विमर्श '५३, भाषाविज्ञान और हिंदी '५७, रहीम तथा गग की संपूर्ण रचनाओं का संपा० (विस्तृत भूमिका के साथ); वि० 'अकबरीदरबार के हिंदी कवि' तथा 'प्राकृत-विमर्श' पर उ०प्र० सरकार द्वारा पुरस्कार प्राप्त, 'अवध के स्थाननामों का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन' विषय पर डी० लिट्० उपाधि हेतु शोधकार्य-रत; प० ७३८, विगफील्ड पार्क, बनारसी बाग, लखनऊ ।

सरयूप्रसाद त्रिपाठी, *'मधुकर'*—ज० २२ अक्टूबर, १८८१; शि० एम० ए सा भूत संपादक साप्ता जनसेवक' एवं 'तूफान' संस्था०

भारतेन्दु-साहित्य-समिति बिलासपुर, ३ब उसके अध्यक्ष; प्र० १९०२ में; प्रका० छंद-प्रबोध, सीतान्वेषण (खंड०), मधु-सीकर (कवि०); अप्र० मधु-स्रोत, मधु-पयोधि अज्ञातवास एवं चार-पाँच संग्रह; प० अध्यक्ष भारतेंदु साहित्य-समिति, सुभाषनगर, बिलासपुर।

सरला शुक्ल, श्रीमती, डा० – ज० ३० अप्रैल, '२७, तिरवा, फरुखाबाद; शि० बी० ए० (प्रथम, द्वितीय स्थान) '४९, एम० ए० (सर्वप्रथम) '५१, पी-एच० डी० '५४ लखनऊ वि वि०; ज्ञा० उर्दू, संस्कृत एवं अँग्रेजी, सा० '५२ से लखनऊ वि वि० में प्राध्यापिका, भूत० डिप्टी डाइरेक्टर 'सोशल वेल्फेयर' '५८-'६१, संपा० एवं संपा० मंडल की सद० 'समाज कल्याण पत्रिका' '५९ से; प्र० '४५ मे; प्रका० भ्रमरगीत की परंपरा (एम० ए० का प्रबंध) '५२, जायसी के परवर्ती सूफी कवि और काव्य (शोधग्रन्थ) '५५, उर्दू-साहित्य का इतिहास '५६, हिंदी के लेखक एवं कवि '५६, गृहविज्ञान '६१, उर्दू-काव्य-धारा '६३; अप्र० बुधसागर (संपा०); वि० 'भ्रमरगीत' की परंपरा' पर ५००) एवं 'जायसी के परवर्ती सूफी कवि और काव्य' पर ७००) पुरस्कार उ०प्र० सरकार से प्राप्त : प० २८८।६३, आर्यनगर, लखनऊ।

सरस्वतीदेवी, श्रीमती—शि० विद्याविनोदिनी और विदुषी प्रयाग महिला विद्यापीठ, हिंदीविशारद और आयुर्वेदरत्न सम्मे० प्रयाग एवं बेसिक एस० टी० सी० ट्रेण्ड; सा० भूत० अवैतनिक वैद्या, मोहता धमर्थि आयुर्वेदिक औषधालय बीकानेर, वर्त० चिकित्सिका राजस्थान महिला चिकित्सालय बीकानेर; प्र० '४३ में; प्रका० सभ्यनारी '४३; सौंदर्य-साधना (तीन भाग), अर्शरोग-निदान आदि के लेखन में पति की सहायिका; प० प्रधानाध्यापिका, राजकीय प्राथमिक कन्या-पाठशाला, जस्सूसरगेट, बीकानेर।

सरस्वती रामनाथ, 'उषा'—ज० ७ अगस्त, '२४; शि० विद्वान मद्रास वि०वि०, प्रवीण हिंदीप्रचारसभा मद्रास; प्र० '४७ में; प्रका० अनु० उप०: आम्रपाली (गुज० से), तूफान और ज्योति (मराठी से), जयसोमनाथ (गुज० से), गुजरात के नाथ (गुज० से) आदि; अप्र० तमिल से अनेक हिंदी अनु०; वि० गुजराती, मराठी और हिंदी से अनेक उपन्यासों के अनु० तमिल मे किये हैं जो पत्रों में प्रकाशित हो चुके हैं, तमिल में भी एक दर्जन बालो० पुस्तकें लिखी हैं; प० १।११, सबाशिवम स्ट्रीट, त्यागराय-नगर, मद्रास १७।

सरस्वती वार्ष्णेय, (कुमारी मधु)—ज० चँदौसी; शि० चँदौसी, 'सरस्वती' प्रयाग महिला विद्यापीठ '४९, सा० रत्न सम्मे० प्रयाग '५०, एम० ए० आगरा वि०वि० '५७; सा० चँदौसी में ५ वर्ष तक महिला कांग्रेस

सभा की मंत्राणी रहीं, सद० लेखिका संघ, दिल्ली प्रादेशिक हिंदी साहित्य सम्मेलन एवं नवपल्लव; प्राध्यापिका बी० एम० जी० कालेज चँदौसी '५७-'६१, '६१ से दिल्ली मे प्राध्यापिका , प्र० '४७ मे ; प्रका० स्वगता (कवि०) '६२, गुड़िया का ब्याह (बालो०) '६२; अप्र० सागर सीपी (कवि०) एवं एक कविता और एक लेख-संग्रह; वि० अनेक कविता-संग्रहो में रचनाएँ संगृहीत हुई ; प० एद।२७ राणाप्रताप बाग, दिल्ली ६ ।

सरोज कुमार—ज० २ जनवरी, '३८ ; शि० एम० ए० हिंदी (प्रथम) '६१ ; सा० प्राध्यापक पी० एम० बी० गुजराती कालेज इंदौर; प्र० '५५ मे ; प्रका० स्फुट; अप्र० नई कविता की भावभूमि (एम० ए० का प्रबध); वि० पी-एच०डी० के लिए शोधकार्य-रत; प० बोम्राकेट मार्केट, इन्दौर ।

सरोजिनीदेवी वैद्या, श्रीमती—ज० १२ जनवरी '१२; शि० आयुर्वेद-वाचस्पति (एम० एस-सी० ए०) आयुर्वेदिक वि०वि० झाँसी; सा० भूत० आनरेरी प्रिंसिपल महिला आयुर्वेदिक विद्यालय मेरठ, एवं भूत० सद० 'इण्डियन मेडिसिन बोर्ड' उ०प्र० लखनऊ; वर्त० प्रधान मंत्राणी : उ०प्र० महिला परिषद; प्रका० महिला जीवन '४८; वि० महिला जीवन पर उ०प्र० प्रशासन द्वारा १२००) का पुरस्कार प्राप्त, 'महिला जीवन' ग्रंथ लगभग १२०० पृष्ठो में समाप्त हुआ है; प० भव्य प्रकाशन मंदिर, गाँधीनगर, मेरठ ।

सर्वदेव तिवारी, 'राकेश'—ज० १४ फरवरी, '३७; शि० बी० ए० आनर्स '५८ पटना कालेज, एम० ए० हिंदी (प्रथम) '६० पटना वि०वि०; सा० सद० ' कार्यकारिणी शाहाबाद जिला हि०सा०सम्मे०; प्र० '५० में ; प्रका० स्फुट; अप्र० संत कवि देवाराम : एक अनुशीलन, शाहाबाद के चार अज्ञात कवि, किरण, सिंहनाद, गीतमाला ; वि० 'हिंदी वर्णानुक्रम-काव्य का उद्भव और विकास' विषय पर पी-एच० डी० उपाधि के लिए शोधकार्य-रत; प० प्राध्यापक हिं०वि०, महाराजा कालेज, आरा, शाहाबाद ।

सलाम मछलीशहरी—ज० १ जुलाई '२१, मछलीशहर, जौनपुर; शि० मैट्रिक, फैजाबाद, सा० प्रयाग वि०वि० पुस्तकालय में कुछ समय तक कार्य तथा आकाशवाणी लखनऊ मे '४३ से कार्य, भूत० प्रका०-संपा० मा० 'नगमा' (उर्दू) फैजाबाद ; प्रका० अजंता की गूँज (नाट०), तीन हीरे (बालो०) ; वि० कई पुस्तकें उर्दू में लिखी हैं, अँगरेजी में भी लिखते हैं; हिज मास्टर्स वायस तथा बी०बी०सी० (इँग्लैंड) से अनुबंधित रहे; प० डी० जी० ८१८, सरोजिनी नगर, नई दिल्ली ३१ ।

मातुराम—ज० ७ नवंबर, १९०१, दुल्हन, कसूर, लाहौर; शि० अमृतसर, बी० ए० आनर्स '२२, (सर्वप्रथम, स्वर्णपदकप्राप्त), एम० ए० '२५ (सर्वप्रथम) लाहौर; सा० भूत० उपसर्वेक्षक : 'आरक्योलाजिकल सर्वे आफ इंडिया' (उत्तरी भाग), लाहौर '२७-'३०, भूत० अध्यक्ष : संस्कृत तथा हिं०त्रि० किनर्ड कालेज फार विमेन, लाहौर '३६-'४७, हिंदू कालेज, निर्मला कालेज एवं किरोड़ीमल कालेज '४८-'६२, हड़प्पा तथा बौद्ध स्मारकों में पुरातात्विक शोधकार्य तथा महात्मागांधी के डाँडीअभियान के संबंध में त्यागपत्र '३० ; प्रका० रसायन-प्रवेशिका, पूर्वमेघ (हिंदी-अँग्रेजी सानु०), नागानन्द (नाट०, हिंदी-अँगरेजी सानु०). संसार के स्त्री-रत्न, अमरमानव तथा कृषि आदि पर ३३ संस्कृत पुस्तकों का हिंदी-अँग्रेजी में अनु० एवं ११ पुरातत्व विषयक शोधनिबंध अँगरेजी में प्रकाशित कराये हैं; प० अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, वि०वि०, कुरुक्षेत्र।

सानुराम शुक्ल—ज० '१७ ; शि० शास्त्री, संस्कृत वि०वि० वाराणसी; जा० संस्कृत, अँग्रेजी, बँगला एवं उर्दू ; सा० भूत० मंत्री स्थानीय छात्र-संघ, श्रीसनातन धर्म कुमारसभा, हरिजन-सेवक-संघ और हिंदी साहित्य परिषद; संपा० साप्ता० 'जनसेवक', मंत्री : राजनारायण स्मारक पुस्तकालय; प्रका० आशीर्वाद (उप०) ; अप्र० दक्षिणा (उप०) एवं अनेक पुस्तकें ; वर्त० अध्यापक, धर्म-सभा इंटर कालेज ; प० मिश्राना, लखीमपुर, खीरी।

सावित्री जायसवाल, श्रीमती—ज० २५ दिसंबर, '२६ ; शि० मैट्रिक, विशारद प्रयागमहिलाविद्यापीठ; प्रका० स्फुट कविताएँ ; अप्र० मधु (कवि०); प० द्वारा नारायण काटेज, स्टेशन रोड, इटावा।

सावित्री डागा, श्रीमती—ज० १२ मार्च, '३७ ; शि० एम० ए० हिंदी ; प्र० '५९ में ; प्रका० अमिट निशानी (कवि०), मुक्तावली (मुक्तक) ; अप्र० कविता की मौत पर (कहा०), एक तार दो झंकार (कवि०, सहलेखिका) ; वि० 'आधुनिक महिला साहित्यकारों का आलोचनात्मक अध्ययन' विषय पर शोधकार्य-रत ; स्फुट पुरस्कार प्राप्त ; वर्त० हिंदी प्राध्यापिका, वि०वि०, जोधपुर ; प० मोती चौक, जोधपुर।

सावित्रीदेवी वर्मा—ज० झाँसी ; शि० एम० ए० '३३ काशी वि०वि० ; सा० '३५-'४४ तक शिक्षण विभाग में कार्य किया, तीन वर्ष तक म०प्र० में समाजसेवा की, '४८ से संपा० बालो० मा० 'बालभारती' प्रकाशनविभाग, भारत सरकार ; प्रका० उत्तर भारत की लोककथाएँ (तीन भाग), शेक्सपियर की कहानियाँ (तीन भाग), कथाभारती (सचित्र

(सचित्र), कथा-कहानी (तीनभाग), निंदिया के रथ पर (सचित्र), सागर पार के मोती (सचित्र), गजरा (सचित्र कहा०), आपका मुन्ना (तीन भाग, बाल मनोविज्ञान), कैसे पकाएँ : क्या खाएँ (सचित्र), बीमार की सेवा (सचित्र), इंसान कभी नहीं हारा (कहा०), नीमहकीम, आदर्श मातापिता, नारी का रूप-शृंगार, पारिवारिक जीवन की समस्याएँ, भारतीय पाक-विज्ञान, सुनो कान में (यंत्रस्थ), पीड़ारहित प्रसव, परिवार की सहेली, रूप-सौंदर्य ; वि० 'शेक्सपियर की कहानियाँ' बिहार सरकार द्वारा पुरस्कृत, 'आपका मुन्ना' उ० प्र० सरकार, काशी ना०प्र०स० तथा विंध्यप्रदेश सरकार द्वारा पुरस्कृत , प० प्रकाशन विभाग, पुराना सचिवालय, दिल्ली—८।

सावित्री सिन्हा, डा०—ज० २ फरवरी, '२२ ; शि० एम० ए० हिंदी (प्रथम स्वर्णपदकप्राप्त) '४५ लखनऊ वि०वि०, पी-एच० डी० '५० दिल्ली वि०वि०, डी० लिट० '६० लखनऊ वि०वि० ; प्र० '५४ में ; प्रका० मध्यकालीन हिंदी कवयित्रियाँ '५४, ब्रजभाषा के कृष्ण-भक्ति-काव्य में अभिव्यंजना-शिल्प, अनुसंधान का स्वरूप (संपा०), पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा (संपा०), अनुसंधान की प्रक्रिया (संपा०) ; अप्र० 'विभापुत्र' दिनकर ; वि० उ० प्र० सरकार से प्राप्त 'मध्यकालीन हिंदी कवयित्रियाँ' पर ८००) रु० का तथा 'ब्रज-भाषा के कृष्ण-भक्ति-काव्य में अभिव्यंजना-शिल्प' पर १०००) का पुरस्कार, द्वितीय ग्रंथ पर लखनऊ वि०वि० का बैनर्जी शोध-पुरस्कार तथा स्वर्णपदक भी प्राप्त ; वर्त० रीडर, हिंदी विभाग, दिल्ली वि०वि० ; प० १ रामकिशोर रोड, वुडलैंड, दिल्ली—६।

सिद्धनाथकुमार—ज० १३ अगस्त, '२७; शि० बी० ए० आनर्स '४६, एम० ए० हिंदी '५० पटना वि०वि० ; सा० भूत० हिंदी-प्राध्यापक शांतिप्रसाद जैन कालेज, सासाराम ; अब राँची वि०वि० में हिंदी-प्राध्यापक ; प्र० '४० में ; प्रका० कवि (गीति-नाट्य) '५१, सृष्टि की साँझ और अन्य काव्य-नाटक '५४, रेडियो-नाट्य-शिल्प '५५, टूटा हुआ आदमी (कवि०) '५८, रंग और रूप (नाट०) '६०, रेडियो-वार्ता-शिल्प '६१, आओ नाटक खेलें '६२, दो बाल-एकांकी '६२, सफल बनो (बालो०) '६२, सपनों की फसल (कवि०) '६२, नये चरण : नयी दिशा '६३ ; वि० बिहार राष्ट्र-भाषा-परिषद का उदीयमान-साहित्यकार-पुरस्कार प्राप्त '५८, 'हिंदी एकांकी की शिल्पविधि का विकास' विषय पर डी० लिट० के लिए शोध-प्रबंध प्रस्तुत कर चुके हैं ; प० बीता कुंज बिड़ला बोर्डिंग के पास रातू रोड राँची

सिद्धनाथसिंह—शि० एम० ए०, एल-एल० बी० ; सा० भूत० संपा० पाक्षि० 'सूर्य' एवं भूत० प्रधान संपा० दै० 'हलचल' काशी, भूत० संपा० 'विधि', लगभग दस वर्षों से काशी ना०प्र०सभा की प्रबंधकारिणी स० के सद०, संयो० पश्चिम भारत हिं० प्र० समिति, ज्वालापुर केंद्र (हरिद्वार) ; प्रका० जेल की ओर, घूस देवता, अप्र० आज की न्याय-पद्धति एवं दो नाटक तथा एक कहानी-संग्रह; प० ऐडवोकेट, सिद्धिसदन, कबीरचौरा, वाराणसी।

सिद्धराज ढड्ढा—ज० फरवरी, १९०८, जयपुर ; शि० एम० ए० राजनीति, एल-एल० बी ; सा० उपाध्यक्ष प्रयाग यूथ लीग (प्रयाग वि० वि०), मंत्री : 'इंडियन चैंबर आफ कामर्स', पदाधिकारी हरिजन उत्थान समिति एवं बंगाल हरिजन बोर्ड, डाइरेक्टर युगांतर प्रकाशन मंदिर जयपुर, प्रधान संपा० 'लोकवाणी' दैनिक, '४२ के आंदोलन में नजरबंद, प्रधान मंत्री राजस्थान प्रांतीय कांग्रेस कमेटी, संयुक्त राजस्थान सरकार के उद्योग व व्यवसाय मंत्री, '५१ से उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री, राजस्थान सरकार के मंत्री पद से त्यागपत्र देकर भूदान आंदोलन में सक्रिय सहयोग, मंत्री अखिल भारतीय सर्वसेवा संघ, कई बार विदेश यात्रा की ; प्रका० मानवधर्म (अनु०) ; अप्र० कई संग्रह; वर्त० संपा० 'भूदान' (साप्ता०) अँग्रेजी तथा हिंदी ; प० चौड़ा रास्ता, जयपुर।

सिद्धलिंग, 'सागर'—ज० २६ मई, '३९ ; शि० बी०ए० (प्रथम) '६१, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा की सभी परीक्षाएँ उत्तीर्ण, हिंदी शिक्षक सनद (प्रथम) बंबई सरकार ; प्रका० 'बच्चन' एवं 'पंत' की अनेक कविताओं के कन्नड में अनुवाद ; अप्र० द्विदल (कवि०) ; वि० कन्नड़ में भी लिखते हैं; प० बालिकाई गली, धारवाड़ (कर्नाटक)।

सिद्धेश्वरनाथ, 'ओंकार'—ज० ४ सितंबर, '३८ ; शि० पैठना, नौबतपुर (पटना) ; प्र० '५२ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० १५ कविता-कहानी-संग्रह ; प० गर्ल्सबेसिकस्कूल क्वार्टर नं० २, डालटनगंज सदर पलामू।

सिद्धेश्वरनाथ वर्मा, 'सिद्धेश'—ज० १७ अगस्त, '३८ ; शि० एम० ए० हिंदी, कलकत्ता वि०वि० ; सा० भूत० संपा० 'परंपरा', 'रागरंग' में अनु० कार्य ; प्र० '५८ में ; प्रका० स्फुट; अप्र० पारो (उप०) एवं दो कविता-कहानी-संग्रह ; प० 'अभिनय'-कार्यालय, ४३ बड़तल्ला स्ट्रीट, कलकत्ता—७।

सिद्धेश्वरप्रसाद चौधरी, 'मंजु'—ज० '१६; सा० भूत० मंत्री : युवक संघ हंसुअन, पुस्तकाध्यक्ष . श्री भारत पुस्तकालय, भूत० सहा०संपा० साप्ता० 'गृहस्थ' (गया) '३८ में एवं भूत० प्रधान संपा० '४५-'४७, भूत० सहा०

संपा० मा० 'केसरी' (गया), पटना के दै० 'आर्यावर्त' के संपादकीय विभाग में भी कुछ समय काम किया ; प्र० '५५ में ; प्रका० कहा० ' मिलन के दो क्षण '५५, याद शेष रह गयी '६० ; अप्र० मगध की लोककथाएँ, चुभते काँटे (उप०), नीरव (कवि०) ; प० प्रभारी, शांति प्रचार कार्य, पिपराढी, मडया, वाया बैरगनियाँ, मुजफ्फरपुर।

सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह—ज० '१६ ; शि० चाकंद , सा० संस्था मित्र-मंडल प्रकाशन संस्था, गया '४६, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति वर्धा मे कार्य '४०-'४२, बिहार प्रादेशिक हिं०सा०सम्मे० की ओर से नागपुर में प्रमुख प्रचारक '४७, '४८ में हावडा के साप्रदायिक दंगो मे शांति-सेवा-कार्य, भूत० कताई-मंडल - प्रचारक ; प्र० '३६ मे ; प्रका० स्फट ; वर्त० प्राचार्य, ग्राम रचना प्रशिक्षण विद्यालय, 'श्रमभारती'; प० रौनागढ, चाकंद, गया।

सियाप्रसाद अष्ठाना—ज० ३ अगस्त, १९०७ ; शि० साहित्य विशारद, आयुर्वेदरत्न, एच०एम०बी०एस० ; मा० संस्था० : हरिजन सार्वजनिक पुस्तकालय '२७, सार्वजनिक औषधालय के चिकित्सक, एव पोस्ट-मास्टर ; प्र० '३८ में ; प्रका० बालसंगीत, अतर्वेदना (कवि०), एक मिनट और हथियार, पारखी ठग (कहा०) ; अप्र० दो संग्रह; प० वसत पट्टी, वाया बैरगनिया, शिवहर, सीतामढी, मुजफ्फरपुर।

सियाराम तिवारी, डा०—शि० एम० ए०, पी-एच०डी० ; सा० भा० हिंदी परि० के वल्लभ विद्यानगर गुजरात अधिवेशन में 'हिंदी वर्तनी की एकरूपता' पर भाषण देने के लिए आमंत्रित ; प्रका० हिंदी भाषा और साहित्य तथा लोकभाषा एवं साहित्य पर स्फुट लेख आदि ; अप्र० हिंदी के मध्यकालीन खंडकाव्य १४००-१८५० (शोधप्रबंध) ; प० प्राध्यापक, हिं०वि० मालतीधारी कालेज, नौवतपुर (पटना)।

सियारामशरण प्रसाद—ज० १६ नवंबर, '२३ ; शि० एम० ए० '५४, मुजफ्फरपुर, सा०रत्न , सा० सभा०कलाभारती एवं पंकज परि०, कुछ समय तक प्राध्यापक एवं प्रधानाध्यापक रहे, भूत० संपा० मा० 'चट्टान' एव मा० 'दृष्टि' ; प्र० '४८ में ; प्रका० दिव्या : एक अध्ययन '५६, काव्यशास्त्र '५६, विचार और अध्ययन '५६, वृंदावनलाल वर्मा : साहित्य और समीक्षा '६०, कौन विश्वास करेगा (एकां०) '६१, यशपाल, राजा राधिकारमणप्रसाद सिंह : व्यक्तित्व और कृतित्व, बुद्धं शरणं गच्छामि (एकां०) प्रकाशस्तंभ (संपा०) ; वि० अनेक स्फुट पुरस्कार प्राप्त, पी-एच० डी० के लिए शोधकार्य-रत ; प० कृष्णगली सराय सैयदअली, मुजफ्फरपुर।

सीतारामचन्द्र शरण, 'राम'—ज० अक्टूबर, '१४ ; शि० अयोध्या तथा फैजाबाद ; सा० हिंदी साहित्य संघ गर्दनीबाग के सहायक एवं प्रधान मंत्री तथा बिहार सचिवालय के अहिंदी भाषियों के हिंदी शिक्षण केन्द्र में अवै० शिक्षक, अब बिहार-सचिवालय के सिंचाई विभाग में सहायक ; प्रका० स्फुट ; अप्र० समाधान, सर्वरक्षा (खंड०), पंचपात्र (एकां०) ; वि० भोजपुरी में भी लिखते हैं ; प० ३०१३ गर्दनीबाग, पटना—२।

सीताराम चतुर्वेदी, 'अटल'—ज० १ अगस्त, '२६ ; शि० मैट्रिक, कोविद, संस्कृत प्रथमा, जे० टी० सी० ; जा० उर्दू, अँग्रेजी तथा संस्कृत, सा० संपा० मा० 'बाल-वाणी', प्रका० द्यूत का भूत, संक्रांति ; अप्र० प्रतिबिम्ब (उप०), हँसते आँसू (कवि) ; प० तालबेहट, झाँसी।

सीताराम चतुर्वेदी, आचार्य—ज० दिसंबर, १९०७ वाराणसी, शि० एम० ए० चार विषयों में (हिंदी, संस्कृत, पाली, प्राचीन भारतीय संस्कृति तथा इतिहास), एल-एल० बी०, बी० टी० एवं साहित्याचार्य काशी वि० वि० ; सा० भूत० परीक्षामंत्री सम्मे० प्रयाग, संचा० मंत्री : काशी ना०प्र० स०, राष्ट्रभाषा प्रचार-सभा, प्रसाद परिषद एवं अ० भा० विक्रम परिषद्, स्वतंत्रता-आंदोलन में भाग तथा अछूतोद्धार, सनातनधर्म प्रचार, महावीर दल, ऋषिकुल-ब्रह्मचर्याश्रम आदि में सक्रिय कार्य ; भूत० प्राध्यापक सेंट्रल हिंदू स्कूल काशी एवं टीचर्स ट्रेनिंग कालेज काशी वि०वि० ; भूत० संस्कृत विभागाध्यक्ष : भा० विद्याभवन बंबई '४६, भूत० आचार्य . सतीशचंद्र महाविद्यालय बलिया '५०, टाउन डिग्री कालेज बलिया '५७-'६२ तक, आजकल बिनानी विद्यामंदिर कलकत्ता में, भूत० संपा० 'सनातन धर्म' काशी, मा० 'प्रतिभा' एवं मा० वासंती' ; प्र० '३० में ; प्रका० बेचारा केशव (नाट०), बसंत (नाट०), अरस्तू का काव्यशास्त्र, भाषा की शिक्षा, महामना मालवीय (जीव०), पाठशाला-प्रबन्ध, महाकवि कालिदास (नाट०), कालिदास-ग्रन्थावली, अभिनव नाट्यशास्त्र, समीक्षा-शास्त्र, कबीर, पाठशाला-प्रबंध, हिंदी-साहित्य-सर्वस्व, शैली और कौशल, संस्कृत शिक्षण-पद्धति, तुलसीदास, समाजशास्त्र और मानसशास्त्र, भारत में सार्वजनिक शिक्षा का इतिहास ; नाट० अनारकली, देवता, सेनापति पुष्यमित्र, अजंता, शबरी, गुंडा, विश्वास, अपराधी, मान न मान, पारस, पाप की छाया, जय सोमनाथ, गीत नृत्य एवं नाट्य, गौतम बुद्ध और सिद्धार्थ (नाट०), अलका (नाटिका), चंपू काव्य, संस्कृत सूक्तिसागर (संपा), मुंशीजी और उनकी प्रतिभा, जय साधु बेला जगद्गुरु श्रीचंद्राचार्य गंगाराम अभिनव शिक्षणशास्त्र, शिक्षण

के आधार, भाषालोचन, अध्यापन-कला, पाश्चात्य शिक्षा-प्रणालियाँ और उनके प्रवर्तक, संसार का इतिहास, हिंदी शिक्षण-विधान, भारतीय योरपीय शिक्षा, संस्कृत मनोरमा, गुरुमडलार्चन-पद्धति आदि; यंत्रस्थ : श्रीमध्वाचार्य, भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच, सूरदास ; वि० माध्यमिक स्तर पर एक नवीन शिक्षण प्रणाली का प्रयोग बिनानी विद्यामंदिर में आपके निर्देशन में हो रहा है ; प० (१) ४३, उत्तर बेनिया बाग, वाराणसी —१। (२) बिनानी विद्यामंदिर, ८१, पथरियाघाट स्ट्रीट, कलकत्ता—६ ।

सीताराम, '*प्रभास*'—ज० १ फरवरी, '१७, सगुना, दानापुर ; शि० बी० ए० आनर्स (प्रथम) '४१ पटना कालेज, एम० ए० पटना वि० वि० '४७ ; सा० सभा० : सदल साहि० परि०, '४८ से प्राध्यापक एवं वर्त० अध्यक्ष हिं० वि०, हरप्रसाददास जैन कालेज, आरा, शाहाबाद ; प्र० '३२ में ; प्रका० प्रेम का खून (उप०) '३५, वल्लकी (कवि०, यंत्रस्थ) ; अप्र० चार-पाँच संग्रह ; वि० 'हिंदी के प्रेमाख्यानक काव्य में व्यक्त सम-सामायिक सामाजिक जीवन का अध्ययन' विषय पर डी० लिट उपाधि के लिए शोधकार्य-रत ; प० अध्यक्ष हिं० वि०, हरप्रसाददास जैन कालेज, आरा, शाहाबाद ।

सीताराम वर्मा—ज० १८८० ; शि० फारसी एवं उर्दू ; सा० ना० प्रचा० सभा गोरखपुर की स्थापना में सहयोग, संस्था० साहित्य-प्रचार समिति गोरखपुर, मजदूर बुकडिपो छपरा एवं चर्खा-आश्रम गोरखपुर; साप्ता०, 'स्वदेश' गोरखपुर के संपादकीय विभाग में कार्य किया, संपा०-संचा० मा० 'अप्सरा' गोरखपुर ; प्रका० शिशु-शिक्षा '१५, स्वर्णयुग अथवा इत्तहाद, प्रेमामृत, संक्षिप्त बोस्तां (अनु०), टाल्सटाय के अनुभवसिद्ध विचार (संक०), प्रेमचंद हिंदी की ओर , प० नखास चौक, गोरखपुर ।

सी० सी० सिंह—ज० '३६, फतेहपुर, पटना ; शिक्षा बी० ए० ; सा० सहसंपा० मा० 'खुफिया' ; प्रका० आग का दरिया, दुनिया का दस्तूर ; अप्र० दो पुस्तकें; प० २, राजा मनीन्द्र रोड, कलकत्ता—२ ।

सुंदरलाल मिश्र, '*सुंदर*'—ज० १९०७, इटौंजा, लखनऊ ; प्र० '३० में ; प्रका० स्फुट कवि० आदि ; वि० स्फुट पुरस्कार प्राप्त ; प प्रधानाध्यापक, जूनियर बेसिक विद्यालय, शुक्लनपुरवा, कुम्हरावाँ, लखनऊ ।

सुंदरश्याम, 'मुकुट' —ज० '२२ ; शि० एम० ए० हिंदी तथा संस्कृत आगरा वि०वि०, सा०रत्न सम्मे० प्रयाग, प्रभाकर पंजाब वि०वि०, साहित्य शास्त्री अयोध्या ; प्र० '३८ में ; प्रका० भक्तिरस, अवतार, भक्त नरसी नाट , अक्षत कवि) शिवानद विजय नाट०) सुन्दर हिंदी व्याकरण

रचना-रोचन, व्याकरण-विचार और रचना-रहस्य (दो भाग), रचना-प्रवाह (तीन भाग) ; अप्र० अश्रुबिंदु (गीत) ; वि० 'सहारनपुर जनपद की बोली' विषय पर शोधकार्य-रत ; 'शिवानद-विजय' का अनु० तमिल एवं अँगरेजी में हुआ है; वर्त० अध्यक्ष हिं॰वि० गुर्जर कृषि कालेज, सहारनपुर; प० मुकुट-निवास, रामपुर मनिहारान, सहारनपुर।

सुखनिधानसिंह चौहान—ज० ३ अप्रैल, '१८ ; शि० बी० ए०, एल-एल० बी०, कानपुर ; सा० उपसभा० जनपद हिं॰सा० सम्मे० फतेहपुर, प्रधान : साहित्यिक समाज, भूत० संपा० साप्ता० 'जनबोध' '५२ ; प्र० '३६ में ; प्रका० अंतर्ज्योति (गीत०) '४० ; प० वकील, सुषमासदन, फतेहपुर।

सुखवीरसिंह गहलोत—ज० १९ जुलाई, '२३; शि० बी० ए० जोधपुर, एम० ए० हिंदी तथा इतिहास एवं एल-एल० बी० लखनऊ वि०वि० ; सा० संस्था० : राजस्थानी साहि० परि० ; प्र० '५४ मे ; प्रका० राजस्थान रेवेन्यू प्रैक्टिस '५४, राजस्थान पंचायत प्रैक्टिस '५५, राजस्थान में जागीरदारी उन्मूलन '५६, प्रशासन व विधि-शब्दावली '५७, राजस्थान टेनेंसी ऐक्ट '५८, प्राचीन भारत के सांस्कृतिक केंद्र '५९, नामांतरण '५९, भारतीय इतिहास मे कालगणना ; अप्र० राजस्थान का सांस्कृतिक इतिहास ; वि० स्व० श्री जगदीशसिंह गहलोत के 'राजपूताने का इतिहास' (पाँच भाग) तथा ऐतिहासिक तिथि पत्रक (वि० सं० १५०१-२१००) के संशोधक ; 'मुगलो का राजपूत संस्कृति पर प्रभाव' विषय पर शोधकार्य-रत ; प०गहलोत निवास, मेडतीद्वार, जोधपुर।

सुदर्शनकुमार, 'चेतन'—ज० २५ अक्तूबर, '३२ ; शि० बी० ए० आगरा वि०वि०, डिप० एल० एस-सी० काशी वि०वि० ; सा० सद० . स्थायी समिति, हिं॰सा० सम्मे० दिल्ली एवं कार्यकारिणी समिति अ०भा० ब्रज साहित्य-मंडल, प्रका० प्रयास के पंख (कहा०) '५७, वि० 'नोबुल प्राइज' पर शोध कार्य प्रस्तुत कर चुके हैं ; प० ६६, सोहनलाल स्ट्रीट, गाजियाबाद।

सुदर्शन चक्र—ज० १० दिसंबर, '२१, छोटीमनोह, कानपुर ; सा० संस्था० : मजदूर बाल मडल, जनगायक संघ एवं कथा प्रचारिणी सभा; अध्यक्ष : प्रगतिशील लेखक संघ कानपुर ; आर्यसमाज, हिंदू संघ, मजदूर सभा, कांग्रेस, कांग्रेस समाजवादी पार्टी आदि में सक्रिय कार्य ; स्वतंत्रता तथा श्रमिक आंदोलनों में '३८-'५० तक कई बार कारावास ; प्र० '३६ मे ; प्रका० मजदूरों की रणभेरी, झाँसी की रानी, आल्हा आम हडताल, लालसेना की विजय, मजदूर की करुण कहानी सोवियत रूस जिंदाबाद

नीली पताका, भूखमार्च, वोट की चोट, साम्यवाद का शिवतांडव, जिंदगी का मेला, रोटी की लड़ाई, रावणराज, स्तालिन की ललकार, शहीदों की कतार १८५७, सच्ची कविताएँ, कम्युनिज्म कवितावली, कम्युनिस्ट कथा (महा०) ; अप्र० रूस-जर्मन-जंग (नाट०); वि 'चक्र अभिनंदन' -ग्रंथ, प्राप्त ; प० ६६/५, विजयनगर, कानपुर ।

सुदर्शन चोपड़ा—ज० २ अक्तूबर, '२८; शि० एम०ए० आगरा वि०वि०; सा० भूत० संपा० साप्ता० 'चिनगारी' एवं 'सहयोग', सहा संपा० साप्ता० 'विकास', उपसंपा० एवं संपा० दै० 'नेता जी' नई दिल्ली, प्र० '४८ में, प्रका० दहकते अंगारे '५४, नाइट क्लब (उप०) '५५ तथा तीन अन्य उपन्यास ; अप्र० हस्ताक्षर (उप०) '६२, तीसरी पीढ़ी (कहा०) '६२ ; वि० पी-एच० डी० के लिए शोधप्रबंध, 'हिंदी उपन्यास में नैतिक चेतना का विकास' प्रस्तुत कर चुके हैं ; वर्त० हिंदी सहायक, रेलवे मंत्रालय ; प० ८८२८, नया मुहल्ला, पुल बंगश, दिल्ली—६ ।

सुदर्शन बाहरी, श्रीमती—ज० २६ अक्टूबर, '२६, स्यालकोट ; शि० प्रभाकर '४५, एम० ए० '५१ पंजाब वि-वि-, सा०रत्न '४८ सम्मे० प्रयाग, सा० कांग्रेस, विमेन कांफ्रेंस, यूथ कांग्रेस, रेडक्रास, हास्पिटल वेलफेयर आदि संस्थाओं में सक्रिय कार्य किया, पंजाब के लोकसंपर्क विभाग मे भूत० पब्लिक रिलेशन आफिसर ; प्रका० स्फुट ; अप्र० कविताओं के चार संग्रह ; वर्त० प्राध्यापिका, सी० आर० ए० कालेज, सोनीपत ; प० ६५, माडलटाउन, सोनीपत ।

सुदर्शन मजीठिया, डा०—ज० २५ जुलाई, '३२ ; शि० एम० ए० हिंदी, सा० रत्न, 'डिप्लोमा इन जरनलिज्म', पी-एच० डी० ; प्र० '५६ मे ; प्रका० सूखे पत्ते (गद्यकाव्य), जसकोट का चित्रकार (उप०); अप्र० हिंदी साहित्य की आधुनिक प्रवृत्तियाँ, मध्यकालीन हिंदी और पंजाबी संतो की रचनाओं का तुलनात्मक अध्ययन (शोध-प्रबंध), शकुन्तला की डायरी (उप०) ; वि० म० प्र० शासन साहित्य परिषद् से हिंदी निबंध पर प्रथम पुरस्कार '५४ ; वर्त० हिंदी प्राध्यापक, गुजरात शासन ; प० २१४३, बाघावाडी रोड, कृष्णनगर, भावनगर (गुज०) ।

सुदर्शनसिंह, 'चक्र'—ज० १४ नवबर, '११ ; सा० भूत० संपा० मा० 'ओम', मा० 'संकीर्तन', मा० 'मानसमणि' तथा 'कल्याण' एवं 'परमार्थ' के कई विशेषांक ; प्र० '२८ में ; प्रका० आंजनेय (हनुमानचरित) '३४ संकीर्तन-मीमांसा '३५ त्रिभुवनसुन्दर '३७, '३८, वीणा व

तारों में '४१, लगभग दो दर्जन स्फुट चरित '४१-'५३, श्रीकृष्ण चरित '५७, सूरसागर के संकलनों का अनु० '५५-'६०, शत्रुघ्नकुमार की आत्मकथा '६०, महर्षि दयानंद का जीवनचरित आदि लगभग ७५ पुस्तकें, अप्र० दो कहानी तथा निबंध-संग्रह : प० मानससंघ, रामवन, सतना।

सुदामादत्त शर्मा—ज० १५ जुलाई, '१४, बैकटपुर, पटना ; शि० आचार्य पटना, सा-रत्न, इंटर ; सा० भूत० सहायक सचिव : बिहार राज्य हिंदी साहि० स्नातक परि०, मंत्री : क्षेत्रीय परि० बिहार राज्य माध्यमिक विद्यालय शिक्षकसंघ, भूत० सहसंपा० 'बीसवीसदी' पटना एवं 'माहुरी-मयक' गया ; प्रका० स्फुट, अप्र० अपूर्ण (प्रबंध०) ; प० नूरासराय, पटना।

सुधाकर पांडेय—ज० १ जुलाई, '२७ ; शि० एम० काम० काशी वि०वि०, सा०रत्न सम्मे० प्रयाग, सा० सद० : हिंदुस्तानी एकेडमी प्रयाग तथा अन्य कई संस्थाएँ, प्रका०मंत्री काशी ना० प्र०स०, मंत्री : प्रसादपरिषद। वाराणसी, अध्यक्ष : नाट्य परि० वाराणसी, संस्था० 'परिजात' वाराणसी, भूत० प्रधान संपा० 'हिंदी-प्रचार', 'अजगर' एवं 'पारिजात'; प्रका० प्रसाद काव्य-कोश, प्रसाद की कविताएँ, कामायनी-समीक्षा, कृति और कृतिकार, हिंदी साहित्य (यंत्रस्थ), रसलीन-ग्रंथावली तथा लालचंद्रिका, मुद्रा और बैंक, मुद्रा और बैंक के सिद्धांत, मुद्रा और बैंक परिचय, व्यापार-परिचय, आधुनिक परिवहन; उप० : साँझसकारे, स्वार्थ और सिद्धि, गाँव-गली के लोग; कवि० सदासुहागिन रूठ गई, नीहारिका, जो गाता हूँ ; नाट० : अवशेष ; अन्य : अन्नपूर्णा, प्रेरणा के प्रतीक, दूधबताशा, हिंदी भारती (चारभाग); वि० अनेक पुस्तकों का संपा० भी किया है, उ०प्र० सरकार द्वारा चार बार पुस्तकें पुरस्कृत, देश-विदेश के ३६ विद्यालयों तथा शिक्षापरिषदों में पुस्तकें पाठ्यक्रम में स्वीकृत ; प० गोला दीनानाथ, वाराणसी।

सुधाकर शुक्ल, डा०—ज० २७ अगस्त, '२० ; शि० एम० ए० संस्कृत, साहित्यशास्त्री वाराणसी, काव्यतीर्थ कलकत्ता, पी-एच० डी० सागर वि०वि०; सा० अध्यक्ष केशव साहित्य परिषद टीकमगढ़ '५२-'५४, प्रधान मंत्री श्री देवेंद्र पुस्तकालय टीकमगढ़ '५२-'५४, प्रचारमंत्री अखिल विंध्य प्रादेशिक हिंदी साहित्य सम्मेलन '५४-'५५; प्रका० कसक '४९, शब्द-सुधाकर '५२, मेघ-सुधा '६१, चंद्रबाला, लवंगलता, कृषक-किशोरी (खंड०), किरनदूत (ब्रजभाषा, खंड०), गांधी सौगंधिकम् (संस्कृत), भारती-स्वयंवरम् (संस्कृत, महा०) इन्दुमती नाटिका (संस्कृत); अप्र० कवि-समय; वि० 'गांधी-

सौगंधिकम्' पर संस्कृत सा॰सम्मे॰ के पटना अधिवेशन में स्वर्णपदक प्राप्त; प॰ प्राचार्य, राजकीय हा॰से॰ स्कूल, थरेट, दतिया।

सुधारानी, श्रीमती, 'कमलेश'—ज॰ १० अक्टूबर, '३५, इलाहाबाद, शि॰ भूषण '५० दिल्ली, मैट्रिक '५४ मुरार; सा॰ मंत्राणी : युवक साहित्यकार मंच धार एवं उज्जैन, सहा॰ मंत्राणी : प्रबुद्ध भारती ग्वालियर; प्रका॰ प्रतिनिधि हिंदी एकांकी '५८, साहित्यिक निबंध '६३, नई कविता '६३; प॰ २/८६, टोपों का मुहल्ला, जीवाजीगंज, लश्कर, ग्वालियर।

सुधीर त्यागी—ज॰ '३१, जनवरी १९०७ सिसौनार, बिजनौर; शि॰ बी॰ ए॰ आगरा त्रि वि, एम॰ ए॰ नागपुर वि वि॰, विशारद सम्मे॰ प्रयाग, प्रभाकर पंजाब, वैदिकधर्म विशारद कानपुर (स्वर्णपदकप्राप्त), साहित्यनिधि आगरा वि वि॰, टीचर्स ट्रेनिंग सर्टीफिकेट जोधपुर, एल-एल॰ बी॰ राज॰ वि वि॰; सा॰ सद॰ कार्यकारिणी प्रजासमाजवादी पार्टी '४७, भूत॰ संपा॰ 'वानर' लगभग डेढ़ वर्ष तक; प्रका॰ शेर बच्चों के गीत '२६, देश देश के बालक '४०; अप्र॰ लगभग ५० पुस्तके, वि॰ स्फुट पुरस्कार एव स्वर्णपदक; प्राप्त; प॰ एडवोकेट, निर्माणशाला, जयपुर।

सुधेश—ज॰ ६ जून, '३३; शि॰ एम॰ ए॰ हिन्दी, नागपुर वि॰वि॰, सा॰ संपा॰ 'निर्माण' एवं 'प्रवाह'; प्र॰ '५० में, प्रका॰ कवि॰ ' दर्द के बोल, विश्वास के स्वर; अप्र॰ मेरे साहित्यिक अनुभव (लेख॰); वि॰ पी-एच॰ डी॰ के लिए शोधकार्य-रत; प॰ डी/५६ मोतीनगर, नई दिल्ली—१५।

सुनीता अग्रवाल—ज॰ ५ अगस्त, '३६; शि॰ एम॰ ए॰, (राजनीति), सा॰रत्न; सा॰ संपादिका मा॰ 'वीर संदेश' बहजोई, मा॰ 'तरंग' मेरठ, मा॰ 'सुजाता' दिल्ली एवं, मा॰ 'कामिनी' बंबई, प्र॰ '५५ में; प्रका॰ उप॰ : ईश्वर लीला का रहस्य, नीलकुटीर का रहस्य, भूतों का घर, खूनी की प्यास, टेढ़ी मोमबत्ती, चांडालगढ़ी, हत्या का विज्ञापन, कालाघर, ट्राम में खून, मौत का दरवाजा एव बीस अन्य उपन्यास; शिक्षा संबंधी : गृह-विज्ञान और संबंधित कलाएँ (२ भाग), अर्थशास्त्र : एक सरल अध्ययन, आर्थिक भूगोल का सरल अध्ययन, सामाजिक परिचय; अन्य : ज्योतिपुंज, माँ गांधारी, पाकविज्ञान, बंगाली मिठाइयाँ, बाँसुरी स्वयं शिक्षक, हारमोनियम पथ-प्रदर्शक, इजेक्शन गाइड, सिलाई मशीन की देखभाल, क्रूड आयल इंजिस, आधुनिक सिलाई-कटाई; अनु॰ : उषा की निस्तब्धता (कहा॰), डूबा क्षितिज (उप॰), देवी चौधरानी (उप॰); संपा॰ : देवदास, गोरा (संक्षिप्त) वैकुण्ठ की वसीयत, नीरजा, छोटी बहू नवविधान, शुभद्रा

रमा (नाट॰), गीतांजलि, पाकशिक्षा, बुनाई शिक्षा आदि लगभग ५० पुस्तकें, वि॰ अनेक स्फुट पुरस्कार प्राप्त ; प॰ मुनीता इंटरप्राइजेज, मेरठ १७।

सुभाषचंद सिंघल—ज॰ ११ अगस्त, '२७ ; शि॰ एम॰ ए॰ अर्थशास्त्र, एम॰ काम॰ आगरा वि॰वि॰; प्र॰ '५६ मे ; प्रका॰ स्फुट लेख; वि॰ पी-एच॰ डी॰ के लिए शोधकार्य-रत; वर्त॰ प्राध्यापक, वाणिज्य विभाग, एन॰ आर॰ ई॰ सी॰ कालेज, खुर्जा; प॰ कमलाभवन, गोविंददेव स्ट्रीट, खुर्जा।

सुमंगला कुमारी मिश्र, 'प्रभा', 'शबनम'—ज॰ '१५ मार्च, ३८; शि॰ एम॰ ए॰, बी॰टी॰, संगीत प्रभाकर; प्रका॰ सौरभ, प्रतिध्वनि, रणभेरी, लालकिले की ओर, आधुनिक प्रेमगीतकार कवयित्रियाँ; अप्र॰ मानस-प्रभा; वि॰ अनेक स्फुट पुरस्कार एवं 'पीयूष वर्द्धिनी' उपाधि प्राप्त, सफल अभिनेत्री भी हैं; प॰ प्राध्यापिका, पार्वती आर्य कन्या संस्कृत इण्टर कालेज, बदायूँ।

सुमतिनारायण निराधार'—ज॰ ४ जुलाई, '२९, इटावा; शि॰ इटावा एव आगरा, एम॰ ए॰, सा॰ रत्न; प्र॰ '४६ मे ; प्रका॰ झाँसी की रानी '४९, पदमिनी '५०, रसकलश (संक॰) '५४ ; अप्र॰ शहनाई के स्वर (गीत), सतरंगी चूनर (सात भाग, संपा॰), निबधमाला ; प॰ अध्यक्ष हिंदी विभाग, नेशनल इण्टर कालेज, छिबरामऊ, फरुखाबाद।

सुमन, श्रीमती—ज॰ २६ अप्रैल, '२८, महियर स्टेट ; शि॰ एम॰ ए॰ दर्शनशास्त्र '४९ आगरा वि॰वि॰, एम॰ ए॰ मनोविज्ञान '५६ काशी वि॰वि॰; सा॰ '५०-'५२ तक म्यु॰ गर्ल्स इण्टर कालेज में प्राध्यापिका, '५२-'६१ तक उ॰प्र॰ बोर्ड की नेपाली कमेटी की सद॰; वर्त॰ उ॰प्र॰ बोर्ड की तर्कशास्त्र कमेटी की सद॰; प्रका॰ समाज-मनोविज्ञान एवं सामान्य मनोविज्ञान; प॰ अध्यक्ष मनोविज्ञान विभाग, दयानंद गर्ल्स कालेज, कानपुर।

सुमित्राकुमारी सिन्हा, श्रीमती—ज॰ '१४, लखनऊ ; शि॰ मैट्रिक ; सा॰ भूत॰ अवै॰ प्राचार्या हिंदी विद्यापीठ उन्नाव ; प्र॰ '२८ में ; प्रका॰ कहा॰ अचलसुहाग '४०, वर्षगाँठ ; कवि॰ : विहाग '४१, आशापर्व '४४, पंथिनी '४७, प्रसारिका '४९, बोलों के देवता '५३ ; बालो॰ कथाकुंज '५५, आँगन के फूल '५६, दादी का मटका '६० ; वि॰ अनेक स्फुट पुरस्कार, पदक एवं '४४ में 'विहाग' पर हिं॰सा॰सम्मेलन प्रयाग से 'सेक्सरिया पुरस्कार प्राप्त; प॰ आकाशवाणी, लखनऊ।

सुमित्रादेवी अग्रवाल, श्रीमती—ज॰ १३ जून, '४२ ; शि॰ सतना, विशारद '५७ सम्मे प्रयाग , प्र॰ '६१ में प्रका॰ परख कर देखिए, व्यंजन

वाटिका ; अप्र० बनाइए और खिलाइए, आदर्श गृहिणी और शिशुपालन; प० द्वारा प्राचार्या, बेसिक ट्रेनिंग कालेज, शुजालपुर मंडी, शाजापुर।

सुमित्रानंदन पंत, 'पद्मभूषण'—ज० २० मई, १९००, कौसानी, अल्मोड़ा; शि० नवीं कक्षा तक राजकीय हाई स्कूल अलमोड़ा, दसवीं कक्षा जयनारायण हाई स्कूल वाराणसी एवं इण्टर म्योर सेंट्रल कालेज प्रयाग से; जा० अँग्रेजी, संस्कृत एवं बँगला ; सा० कई वर्ष तक मा० 'रूपाभ' के संपा० रहे ; प्रका० उच्छ्वास, पल्लव, पल्लविनी, वीणा, ग्रंथि गुंजन, युगांत, युगवाणी, ग्राम्या, स्वर्णकिरण, स्वर्णधूलि, मधुज्वाल, युग-पथ, वाणी, अतिमा, चिदंबरा, हरी बाँसुरी सुनहरी टेर, ज्योत्सना (नाट०), पाँच कहानियाँ (कहा०), रजत शिखर, शिल्पी, सौवर्ण, उमर खैयाम की रूबाइयाँ (अनु०), उत्तरा (कवि०), शिल्प और दर्शन (निबंध); वि० अ०भा० रेडियो और हिंदी-साहित्य सम्मे० के बीच समझौते के फलस्वरूप सलाहकारिणीसमिति के भूत० अध्यक्ष, उ०प्र० सरकार एवं साहित्य एकेडमी से पुरस्कार प्राप्त; भारतीय सरकार से 'पद्मभूषण' उपाधि प्राप्त , प० आकाशवाणी, प्रयाग।

सुमेरचंद के० जैन—ज० ७ नवंबर, '२५ , शि० ब्रह्मचर्याश्रम (कारंजा तथा बाहुबली), एम० ए० (अर्द्ध-मागधी तथा मराठी), बी० टी० . जा० अँग्रेजी एवं मराठी , सा० '४३ में रामटेक में शांतिनाथ ब्रह्मचर्याश्रम की स्थापना तथा उसके प्रमुखाध्यापक, '५० से जैन गुरुकुल सोलापुर मे प्राचार्य, सोलापुर कालेज की स्थापना मे सहयोग '६२ ; संपा० 'सन्मार्ग' '५० से ; प्र० '५५ में ; प्रका० हिंदी-मराठी कोश '५५, मराठी-हिंदी, अँगरेजी-हिंदी-मराठी, हिंदी मुहावरे और लोकोक्तियाँ आदि उपयोगी कोश ; अप्र० हिंदी-व्युत्पत्ति-कोश ; वि० तुकाराम गाथा (संग्रह) एवं बालोपयोगी ३९ पुस्तकें मराठी में लिखी हैं ; प० गौरासदन, सोलापुर (महा०)।

सुमेरसिंह दइया—ज० '२८, बागावास, जोधपुर ; शि० मैट्रिक ; सा० भूत मंत्री . राजपूत सभा, राज० बैंक कर्मचारी संघ, भूत०प्रधान अंतरप्रांतीय कुमार साहि०परि० बीकानेर ; प्रका० दो भाई (कहा०) '५३, जाग उठा इंसान (उप०) '५९, चंबल के किनारे (उप०) '६२ ; अप्र० उप० परछाइयों के पीछे, प्यासी झील, भावनाओ के खँडहर, तथा तीन-चार संग्रह; प० हनुमान हत्था, बीकानेर।

सुरजीत नवदीप (सुरजीतसिंह खालसा)—ज० १ जुलाई, '३७; सा० मंत्री : हिंदी साहित्य समिति धमतरी, भूत० उपमंत्री : छत्तीसगढ़ विभागीय हिं०सा० सम्मे०, संपा० वार्षिक 'वातायन' ; प्रका० स्फुट : अप्र० द

भूलें . दो आँखें (उप॰), गीले नयन (कवि॰), वर्त॰ अध्यापक, बहुउद्देशीय उच्च॰ माध्य॰ शाला ; प॰ मकई बंध चौक, धमतरी, रायपुर।

सुरेंद्रकुमार उपाध्याय—ज॰ १० फरवरी, '३७ ; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी '५६ पटना वि॰वि॰ ; प्र॰ '५६ में ; प्रका॰ नाट॰ महिषासुर-वध, कसौटी, लाहौल बिला कूवत, आये भी वो गए भी वो, सती, अंतिम प्रहर, वंडरफुल, प्रयोग नंबर तेरह, जाल की परते, बबूल की छाँह, धूमकेतु, वीरान खँडहर ; वि॰ 'हिंदी में लोकनाट्य कला का विकास' विषय पर पी-एच॰ डी॰ के लिए शोधकार्य-रत ; प॰ पीरमुहानी, पटना—३।

सुरेंद्रनाथ गुप्त, डा॰—ज॰ १८ जनवरी, '२४, कालपी ; शि॰ एम॰ बी॰ बी॰ एस॰ '४६, एम॰ डी॰ मेडिसिन '५८ लखनऊ वि॰वि॰ ; सा॰ सद॰ हिंदी समिति उ॰ प्र॰ सरकार ; प्र॰ '४८ में ; प्रका॰ विटामिन और हीनताजनित रोग '४८, यौन मनोविकार : कारण और निवारण, नारी की यौन समस्याएँ, विवाहित जीवन में यौन संप्रयोग, संतति-निरोध कब क्यों कैसे, गर्भवती स्त्री और प्रसवपूर्व व्यवस्था, भोजन क्या क्यों और कैसे ?, आपके बच्चे की खूराक, सुंदर दाँत और उनकी देखरेख, सयानी कन्या से ; वि॰ 'यौन मनोविकार' तथा 'संतति-निरोध' पर हिंदी समिति उ॰प्र॰ सरकार द्वारा पुरस्कार प्राप्त '५२ ; प॰ अतिरिक्त सिविलसर्जन, लखनऊ तथा सुपरिंटेंडेंट, बलरामपुर हास्पिटल, लखनऊ।

सुरेंद्रनाथ तिवारी—ज॰ ८ नवंबर, १८९६ ; शि॰ हरदोई, सीतापुर, लखनऊ ; सा॰ मा॰ 'माधुरी' के प्रका॰ में छह वर्ष तक सहयोग ; प्र॰ '१८ में ; प्रका॰ वेदज्ञ मैक्समुलर '२१, रामविनोद (संपा॰) '२२, वीरांगना तारा (खंड॰) '२२, रहीम कवितावली '२६, नीतिसुधा-तरंगिणी (संपा॰) '२७ ; वि॰ महाकवि 'बोधा' के संबंध में शोधकार्य-रत ; प॰ २२, तुलारामबाग, इलाहाबाद—६।

सुरेंद्रनाथ दीक्षित—शि॰ एम॰ ए॰ ; प्रका॰ स्वप्न वासवदत्ता, पारिजात-हरण (अनु॰), जातककथामाला (संपा॰) ; वि॰ 'नाट्य साहित्य को भारत की देन' विषय पर पी॰-एच॰ डी उपाधि के लिए शोधकार्य-रत ; प॰ प्राध्यापक, हिंदीविभाग, एल॰ एस॰ कालेज, मुजफ्फरपुर।

सुरेंद्रनारायण चौधरी—ज॰ २ जुलाई, '३५, मैरीदलीप, गोविंदापुर, छपरा ; शि॰ छपरा, बलरामपुर, इंटर ; जा॰ अँगरेजी एवं गुजराती ; सा॰ साहि॰ परि॰ नवादा में सक्रिय कार्य ; प्र॰ '६१ में ; प्रका॰ साहित्यकार

(उप॰) '६५ ; अप्र॰ लक्ष्मी एवं शकुन (उप॰) ; प॰ प्राध्यापक, शिवदानी अयोध्या उच्च विद्यालय, गोपालपुर, गया।

सुरेंद्रनाथ जमुआर—ज॰ १७ जुलाई, '३७ ; शि॰ बी॰ ए॰ आनर्स '५७ आरा, एम॰ ए॰ हिंदी '५८ पटना वि॰वि॰ ; भूत॰ संपा॰ साप्ता॰ 'आत्मा' ; प्रका॰ स्फुट , अप्र॰ आलो॰ लेखों एवं कहानियों के चार संग्रह , वि॰ 'स्वातन्त्र्योत्तर हिंदी काव्यधारा' पर शोधकार्य-रत ; प॰ लोक साहित्य परिषद, दुजरा, पटना—१।

सुरेंद्रमोहन प्रसाद—ज॰ '३१ दिसंबर, '२५ ; शि॰ बी॰ ए॰ आनर्स, एम॰ ए॰ हिंदी, पटना वि॰वि॰ ; प्र॰ '४४ में ; प्रका॰ टूटे खिलौने (कहा॰) , अप्र॰ काजल (उप॰), चलते-फिरते (शब्दचित्र), गीताली (गीत), मानव (एकां॰) ; वि॰ 'शाक्त दर्शन' पर शोधकार्य-रत ; वर्त॰ प्राध्यापक, हिंदी विभाग, च॰ मि॰ महाविद्यालय, दरभंगा ; प॰ बँगलागढ, दरभंगा।

सुरेंद्रशुक्ल, 'मृण्मय'—शि॰ इंटर ; प्रका॰ स्फुट ; अप्र॰ लुट रहे कारवाँ जिंदगी के (नाट॰), बुंदेला-बलिदान (नाट॰), दो आँधियाँ एक चिराग (उप॰), समाधि (कवि॰) ; वर्त॰ पर्यवेक्षक, राजकीय सामु॰ के॰ बिलहरी ; प॰ टिकारी, नरेंद्रपुर, जबलपुर।

सुरेंद्रसिंह कुँवर, 'इंद्र'—ज॰ '१०, मझगवाँ, हमीरपुर ; शि॰ मैट्रिक पंजाब, आई॰ डी॰ डी॰ प्रयाग ; सा॰ भा॰ सेना में कमीशन पद पर कुछ वर्ष कार्य किया ; प्रका॰ उदयपुर का राणा, अनुभूत पशुचिकित्सा ; अप्र॰ लगभग पचीस पुस्तकें ; प॰ सेक्रेटरी डी॰ एस॰ एस॰ ऐड ए॰ बी॰, मैनपुरी।

सुरेशकुमार—शि॰ विद्यालंकार, विद्यावाचस्पति गु॰ कां॰ हरिद्वार, शास्त्री पंजाब, सा॰रत्न सम्मे॰ प्रयाग, एम॰ ए॰ दिल्ली वि॰वि॰ ; प्रका॰ हिंदी गद्य विकास '६० ; अप्र॰ दो पुस्तके ; प॰ अध्यक्ष हिं॰वि॰ गुरुकुल काँगड़ी वि॰वि॰, हरिद्वार।

सुरेशचंद्र—ज॰ १२ जनवरी, '३४, सीतापुर ; शि॰ एम॰ ए॰ अँग्रेजी, प्रयाग वि॰वि॰ ; प्रका॰ स्फुट गीत, लेख, कहानियाँ आदि ; वि॰ लखनऊ वि॰वि॰ की पी-एच॰ डी॰ के लिए शोधकार्य-रत ; प॰ प्राध्यापक, युवराजदत्त कालेज, लखीमपुर।

सुरेशचंद्र—ज॰ ६ फरवरी, '३४, सुंकाली, होशियारपुर ; शि॰ आनर्स (संस्कृत), एम॰ ए॰ हिंदी, फीरोजपुर तथा लुधियाना ; प्र॰ '५१ में ; प्रका॰ अंकुर (कवि॰) '६१ ; अप्र॰ कवि॰ : प्रवाल, सप्तला, त्रिपुटी, लोक साहित्य की पृष्ठभूमि में पंजाब की मालव लोकसंस्कृति, हिंदी में साहित्य

का इतिहास (शोधप्रबंध), वनजा ; वि० 'कविमार्तंड' की उपाधि पाने वाले प्रथम छात्र-कवि ; वर्त० प्राध्यापक, गवर्नमेंट कालेज, लुधियाना ; प० संस्कृति, १८० माडल टाउन, लुधियाना।

सुरेशचंद्र गुप्त, डा०—ज० २० दिसंबर, '३३ ; शि० बी० ए० आनर्स (प्रथम) '५१, एम० ए० (प्रथम) '५३ दिल्ली वि०वि०, पी-एच० डी० '६० ; प्र० '४८ में ; प्रका० आलो० : रानी केतकी की कहानी '५२, सूर का भ्रमरगीत साहित्य '५३, हिंदी कवियों की काव्य-भावना '५४, काव्य-समीक्षा '५६, काव्यानुशीलन '५६, काव्य-विवेचन '५६, हिंदी काव्य-दर्शन '५६, साहित्य का स्वरूप '५६, प्रतिनिधि आलोचक '५६, आलोचना और आलोचक '५६, आधुनिक हिंदी निबंध '५६, महादेवी और उनका आधुनिक कवि, हिंदी गद्य साहित्य '५८, आधुनिक हिंदी कवियों के काव्य सिद्धांत (शोधप्रबंध) '६०, देवयानी (उप०) '६२ तथा लगभग १५ आलो० पुस्तकें ; वि० 'भक्तिकालीन कवियों के काव्य-सिद्धांत' विषय पर डी० लिट० उपाधि के लिए शोधकार्य-रत ; वर्त० अध्यक्ष हिंदी विभाग, सनातन धर्म कालेज, नईदिल्ली; प० ३ सी, १४ रोहतकरोड, करौलबाग, नईदिल्ली।

सुरेशचंद्र त्रिपाठी—ज० '२८ ; शि० एम० ए० हिंदी (प्रथम), सा०रत्न ; प्र० '५२ में ; प्रका० यशोधरा और राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ; वि० 'कनउजी लोकसाहित्य में समाज का प्रतिबिंब' विषय पर शोधकार्य-रत ; प० प्राध्यापक, हि०वि०, एन० आर० ई० सी० कालेज, खुरजा।

सुरेशचंद्र सहल—ज० १५ नवंबर, '३८ ; शि० मुकुंदगढ (राज०), बी० ए० कलकत्ता, एम० ए० पिलानी (दो स्वर्णपदक प्राप्त), प्र० '५५ में ; प्रका० नयी कविता और उसका मूल्यांकन ; अप्र० पृथ्वीराज राठौड-कृत 'वेलिक्रिसन रुक्मिणी री' में बिंब-विधान तथा एक कवि०-संग्रह ; वि० 'आधुनिक हिंदी गद्य की चरितात्मक विधाओं का विकास' विषय पर शोधकार्यरत; प० प्राध्यापक हि०वि०, सेठ मोतीलाल कालेज, झुँझनूँ (राज०)।

सुरेशचंद्र सेट—ज० ११ जुलाई, '२८; शि० एम० ए०, एल० टी०, सा०रत्न०; सा०सद० प्रगतिशील साहित्यकार परि०(चारवर्ष तक), कार्यकारिणी समिति कविकुंज '५३ एवं कार्यकारिणी समिति मेरठ जिला अध्यापक संघ; प्र० '४७ में ; प्रका० स्फुट; अप्र० दो कविता-संग्रह ; प० प्राध्यापक, टीचर्स ट्रेनिंग कालेज, गांधी विद्यामंदिर, सरदार शहर (राज०)।

सुरेश दुबे, *'सरस'*—ज० ३० जनवरी, '३८, बिलारी, बारसलीगंज. पटना ; सा० संचा० : साधना कुटीर. उपाध्यक्ष नवप्रतिभा परि प्रचार

मंत्री : निराला परि०; प्रका० गीत० निहोरा (मगही), बालो० लाल कटोरा, भिखारी का बेटा, नानी की कहानी, राजा बेटा, खिलते फूल : चटकती कलियाँ, मानिकसेन की शिकारयात्रा, गुरुघंटाल, भूँजे का मूल्य, गा ले गीत सुहावने, चना चूर गरम, बूझो तो जाने, कोपल, पीयूष, बैलूनवाला, रानी बेटी, शीतल छाँह, पुजारी काका, चलो खेत की ओर, सीख भरी कहानियाँ, चलो गाँव की ओर, कठघोड़ा (अनु०), घर जमाय, बोल-बोल बुढ़िया नानी, टनटन भाजा, नाच नाच री तकली, मुन्नी की गुड़िया, वर्द्धमान के चरणों मे, उन्माद, लाठी का घोड़ा, चुभते शूल : विहँसते फूल, मेरे तो ठनठन गोपाल, शृखला के पार, अष्टदल, बरगद की छाँव मे, बुद्ध चालीसा, अनोर (मगहीगीत), एक राही तीन राहें, अतीत के तीन चित्र (एकां०), कलम की रोटी ; अप्र० झंझा के झूले (कहा) एवं मन की बात (उप०); वि० '५७ मे कुँवरसिंह जयती कविता—प्रतियोगिता में स्वर्णपदक प्राप्त, '६१ में जीवन अध्ययन मंडल, पटना की ओर से पुरस्कृत, विहार राष्ट्रभाषा परि० द्वारा ५००) की आर्थिक सहायता रुग्णावस्था में प्राप्त; प० शिक्षा विभाग, नया सचिवालय, पटना १।

सुरेशप्रसाद—ज० १० जनवरी, '३३, शि० एम० ए० समाजशास्त्र ; प्र० '४४ मे; प्रका० कहानियाँ, निबंध आदि ; प० सहायक अधीक्षक (सामान्य प्रशासन), एन० सी० डी० सी० लिमिटेड, दरभगा हाउस, राँची।

सुरेश भटनागर—ज० ३० मार्च, '३५ शि० एम० ए० समाजशास्त्र तथा हिंदी ; सा० भूत०संपा० वार्षिक 'शतदल' (छह वर्ष), साप्ता० 'रागरंग' (एक वर्ष), साप्ता० 'आवाज' (एक वर्ष), साप्ता० 'नागरिक' (एक वर्ष), साप्ता० 'शूरवीर' (दो मास) एव मा० 'चित्रगुप्त' (एक मास), प्र० '३५ मे; प्रका० कुरुप्रदेश की लोककथाएँ '५८; अप्र० उप० समानांतर रेखाएँ, प्रीत और परछाईं, पपीहा पुकार रहा, दस उँगलियाँ एक धागा (कहा०), समाजशास्त्र के मूलाधार ; वि० लोकसाहित्य तथा नई कविता पर पी-एच० डी० के लिए शोधकार्य-रत; वर्त० जिला संगठक, गाँधी स्मारकनिधि, मेरठ; प० शांतिकुंज, छीपी तालाब, मेरठ।

सुरेश सिंह, कुँअर—ज० ७ अगस्त, '१०, कालाकाँकर; शि० लखनऊ एवं काशी, मैट्रिक; जा० अँग्रेजी, संस्कृत एवं बँगला ; सा० गत आठ वर्षों से विधानसभा उ०प्र० के सद०, कांग्रेस के आदोलनों में सक्रिय भाग तथा दो बार कारावास, भूत० संपा०मा० 'बानर', मा० 'कुमार', मा० 'किसान' साप्ता   साप्ता हिंदुस्तान' एव दै अधिकार प्र ४०

में ; प्रका॰ हमारी चिड़ियाँ '४०, जापानी खतरा '४०, चिड़ियाखाना '४४, हमारे जानवर '४६, जीवों की कहानी '४६, हमारे जीव-जंतु '५४, खेती के शत्रु '५५, जीवों की दुनियाँ '५७, जीवजगत '५८, असली मुर्गाछाप (कहा॰) '५८, समुद्र के जीव-जंतु '५८, किताब की कहानी '५८, पक्षियों की दुनियाँ '५६, कुमार '५६, आओ गिने '६०; अप्र॰ हमारे जलचर, हमारे कीटपतंग, हमारे पेड़-पौधे, रेंगनेवाले जीव, कीड़े-मकोड़े, स्तनपायी जीव, शिकार के पक्षी, भारतीय पक्षी, पिंजड़े के पक्षी, घर की सैर, यह अनोखी दुनियाँ, चाँदतारा ; वि॰ उ॰प्र॰ सरकार द्वारा 'हमारी चिड़ियाँ', 'हमारे जानवर' एवं 'अलसी मुर्गाछाप' तथा केंद्रीय सरकार द्वारा 'जीवों की दुनियाँ' पुरस्कृत ; प॰ प्रकाश-गृह, कालाकाँकर (उ॰प्र॰)।

सुरेश सिन्हा—ज॰ १८ अगस्त, '४० ; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी, प्रयाग वि॰वि॰; सा॰ चार वर्षों तक 'कल्पना' संस्था में सक्रिय कार्य ; प्र॰ '६० में; प्रका॰ उप॰. तुमने मुझे पुकारा तो नहीं '६१, एक और अजनबी '६३ ; अप्र॰ हिंदी उपन्यास-शिल्प और प्रवृत्तियाँ (आलो॰), असाढ़ के बादल (कहा॰) ; वि॰ 'हिंदी उपन्यासों में नायिका की परिकल्पना' विषय पर शोधकार्य-रत; प॰ १६ पुरुषोत्तम नगर, हिम्मतगंज, इलाहाबाद ३।

सुरेश्वरप्रसाद सिंह—ज॰ १२ जनवरी, '३८, परसा, गया; शि॰ पटना, मुजफ्फरपुर, डाल्टनगंज, बी॰ ए॰ ; प्रका॰ राष्ट्रीय झंडा शिष्टाचार नियमावली, राष्ट्रीय गीत-मालिका (गीत); प॰ महेंद्रू, पटना ६।

सुशीलादेवी—शि॰ विद्यालंकृता कन्यागुरुकुल देहरादून, सा॰रत्न॰ सम्मे॰ प्रयाग ; सा॰ आजी॰ सद॰ : हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद, भूत॰ सद॰ : सिकंदराबाद म्यु॰ कारपोरेशन '५२-'५७, ऐडवाइजरी बोर्ड आफ एजुकेशन' हैदराबाद, 'टेक्निकल एजुकेशन सेलेक्शन कमेटी' '५२-'५७ एवं 'मेंटल हास्पिटल बोर्ड', सरकार द्वारा मनोनीत सद॰. 'मुदालियर सेकेंडरी एजुकेशन कमेटी' की रिपोर्ट पर 'सर्वे ऐंड इंप्लिमेंटेशन कमेटी' ; संस्था॰ : हिंदी प्रचार सभा सिकंदराबाद शाखा, महिलासेवा समाज एवं महिला देश रक्षा समिति; मंत्राणी एवं उपाध्यक्षा : आर्य प्रतिनिधि सभा मध्य दक्षिण '५६-'६०, भूत॰ उपाध्यक्षा : 'आर्यन एजुकेशन सोसाइटी', उपाध्यक्षा : विद्या विकास मंडल हैदराबाद, भूत॰ प्राध्यापिका : कन्या गुरुकुल देहरादून, संयो॰ : चुनाव समिति, हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद ; प्र॰ '३७ में; प्रका॰ पूँजीवाद, समाजवाद और भारतीय दृष्टिकोण, संस्कृत कवियों का वाणी-

विलास, ऋषि दयानंद और वेद ; अप्र० भारतीय संस्कृति में नारी का स्थान; प० संयोजिका, चुनाव-समिति, हिंदी प्रचारसभा, हैदराबाद ।

सूरज खरे—ज० १ नवंबर, '३८ , शि० बी० ए० ; प्र० '५६ मे; प्रका० स्फुट; अप्र० फूटते फफोले भरते घाव (उप०), पैबंद लगे इसान (उप०) तथा दो कहा०-संग्रह ; प० खरे-निवास, मढ़िया नाका, बाँदा ।

सूरजदेवप्रसाद श्रीवास्तव—ज० ३ जनवरी, १९०८, मिरजापुर , शि० एम० ए० आगरा वि०वि० ; प्रका० पाँच मौलिक एकाकी '५२, भैया चल (कहा०) '५३, शाप या वरदान (नाट०) '५४, शिव-विवाह (नाट०) '५५, आशीर्वाद (नाट०) '६१; अप्र० पाँच मौलिक एकाकी एव फुलझडियाँ , प० प्रधानाचार्य, बहुउद्देश्य मा० वि०, बाँदीकुई (राज०) ।

सूरजप्रसाद शुक्ल, डा०—ज० २० दिसंबर, '२७; शि० एम० ए०, एल० टी० कानपुर, पी-एच० डी० आगरा वि०वि० ; सा० संपा० पाक्षि० 'इकलाब'; प्र० '४४ में ; प्रका० हास्यरस की कविताओ का एक संग्रह ; अप्र० बैसवारे के हिंदी कवि (शोधप्रबंध) ; वि० 'अनंत संप्रदाय के प्रवर्तक संतकवि भीषमदास' विषय पर आगरा वि०वि० की डी० लिट्० उपाधि के लिए शोधकार्य-रत; वर्त० '५० से आर० आर० बी० एन० इण्टरकालेज, भगवंतनगर में हिंदी-प्राध्यापक ; प० भगवंतनगर, उन्नाव ।

सूर्यदेव शर्मा, डा०—ज० १ मार्च, १९०२ ; शि० एम० ए०, एल० टी०, डी० लिट०, शास्त्री, साहित्यालंकार, एटा, कानपुर, लाहौर एवं प्रयाग ; सा० प्रधान : आर्य साहित्य मंडल लि० अजमेर, प्रधानमंत्री : आर्य विद्यापरि० ; प्रका० शिक्षा, धर्म तथा नैतिक उत्थान पर लगभग ५० पुस्तकें ; प० प्रधानाचार्य, डी० ए० वी० उच्चतर मा० विद्यालय, अजमेर ।

सूर्यनारायण चौधरी—ज० '१२ ; शि० एम० ए० '३५, पटना वि०वि० ; प्रका० बुद्ध चरित (दो भाग, सानु०) '४२, हर्षचरित (अनु०) '४८, सौदरनद (सानु०) '४८, जातकमाला (सानु०) '५२ ; प० संस्कृत-भवन, पूर्णिया ।

सूर्यनारायण ठाकुर—ज० २६ फरवरी, '२३ ; शि० एम० ए० अर्थशास्त्र, पटना वि० वि० एवं एम० ए० मिशिगन वि०वि०, अमेरिका ; प्रका० दुनिया की तस्वीर (कहा०) '४४, पाषाण (कहा०) '५१, देवदत्त (नाट०) '५१, उड़ते बादल (नाट०) '५७, औद्योगिक नियंत्रण (अर्थशास्त्र) '४८, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार (अर्थशास्त्र) '५० तथा एक पुस्तक अँग्रेजी में ; प० अध्यक्ष, अर्थशास्त्र स्नातकोत्तर विभाग, टी० एन० बी० कालेज भागलपुर ।

सूर्यनारायण व्यास, पद्मभूषण—ज० ११ फरवरी, १९०२ ; शि० वाराणसी ; जा० संस्कृत, गुजराती, मराठी, फारसी, प्राकृत, पुरातनलिपि एवं ज्योतिष , सा आजी० सद० : काशी ना प्र०स०, सद० : अ० भा० इतिहास परिषद, गांधीनिधि, कस्तूरबा महिला सदन, इलाहाबाद लेखक संघ एवं राजधानी समिति ; संस्था० . अ० भा० कालिदास परिषद्, कालिदास स्मारक समिति, सिंधिया ओरिएंटल लाइब्रेरी उज्जैन, इतिहास-संशोधन सभा '२८ एवं 'नर्बदा वैली रिसर्च बोर्ड' ; भूत० सभा० मध्यभारत साहित्य सम्मे० '४१, विज्ञान परिषद् हिं० सा०सम्मे० '४३ एवं अ० भा० कालिदास परिषद ; भूत० अध्यक्ष सिंधिया ओरिएंटल लाइब्रेरी एवं मालवी लोक साहित्य परिषद्, उपाध्यक्ष : खादी संघ, '३४ तक स्वतंत्रता आंदोलन मे सक्रिय भाग, मंगलाप्रसाद पारितोषिक के निर्णायकों में एक, संपा० मा० 'विक्रम' '४२ से, 'विक्रम स्मृति-ग्रंथ' एवं उज्जैनी दर्शन, काश्मीर, ग्वालियर, होल्कर, बड़ौदा, उदयपुर, धार, देवास, जामनगर, प्रतापगढ़, रतलाम आदि अनेक राजदरबारों से सम्मान प्राप्त ; प्रका० कालिदास की अलका, वाल्मीकि की लंका, यूरोपयात्रा आदि संस्कृत-हिंदी मे अनेक पुस्तकें ; वि० लगभग २००० लेख एवं २५०० पृष्ठ 'विक्रम' के संपादकीय-रूप में लिखे हैं ; भारतसरकार से 'पद्मभूषण' उपाधि प्राप्त ; प० उज्जैन।

सूर्यप्रसाद द्विवेदी, 'सूरज'—ज० मार्च, '३५, उन्नाव ; प्रका० समय की पुकार, बैसवारा-समर, मतवाला मोहन, राव रामबख्श ; अप्र० तीन-चार कविता-संग्रह ; प० अकवाबाद, इंदामऊ, उन्नाव।

सूर्यप्रसाद श्रीवास्तव—ज० ८ जुलाई, '२५ ; शि० बी०ए० प्रयाग वि०वि०, एम० ए० दर्शनशास्त्र, लखनऊ वि०वि० ; सा० संपा० त्रैमा० 'सहज मार्ग' शाहजहाँपुर ; प्रका० समाजमनोविज्ञान की रूपरेखा (अनु०) '५६ ; अप्र० भारतीय दर्शन का साधनापक्ष एवं दो अन्य पुस्तकें ; प० अध्यक्ष, दर्शनविभाग, युवराजदत्त कालेज, लखीमपुर (खीरी)।

सूर्यबलीसिंह, कुँअर—ज० १ अक्टूबर, १९०५ ; शि० एम० ए० काशी वि०वि०, सा०रत्न; सा० '३७ से शिक्षा विभाग में प्रधानाध्यापक, जिला शिक्षा निरीक्षक, प्राचार्य तथा संभागीय शिक्षा अधीक्षक विभाग में कार्य किया, स्वतंत्रता-आंदोलन में भाग लेने से २० मास का कारावास ; संस्था० एव विभिन्न पदाधिकारी रायपुर ग्रामसेवासंघ, अध्यक्ष : हिं०सा०सम्मे० विंध्यप्रदेश, प्रधान तथा साहि०मंत्री : रघुराज साहित्यपरिषद् रीवाँ एवं उसके मुखपत्र 'बांधव' के संपा०, उपमंत्री : साहित्य समीक्षा संघ वाराणसी

अवं॰ आचार्य : भगवानदीन विद्यालय वाराणसी, विंध्यप्रदेश सरकार द्वारा आयोजित राजकीय पुरस्कार - प्रतियोगिता के समीक्षक-निर्णायक ; प्र॰ '२७ में ; प्रका॰ हिंदी की प्राचीन और नवीन काव्यधारा, जीवन-ज्योति, हिंदी कविता, राजनीति-परिचय, विद्यापति, आधुनिक मराठी साहित्य ; वि॰ 'हिंदी की प्राचीन और नवीन काव्यधारा' पर विंध्य सरकार द्वारा '५३ में पुरस्कार प्राप्त ; प॰ संभागीय शिक्षा अधीक्षक, उज्जैनसंभाग, उज्जैन ।

सूर्यशंकर पारीक—ज॰ १३ नवंबर, '२३ ; जा॰ सस्कृत तथा राजस्थानी ; सा॰ सद॰ नीति निर्धारण समिति, भूत॰ सद गाँधी बाल मंदिर, अध्यक्ष सिद्धसाहित्य शोधसंस्थान रतनगढ, मत्री : साधनापीठ, संयो॰ : जसनाथी संप्रदाय, प्रका॰ जीवसमझोतरी (संपा॰), सरोधो (स्वरोदय संपा॰), सिद्ध चरित्र (जसनाथी साहित्य एव परपरा का शोधग्रंथ) '५६, मंगती (खंड॰), किरणावती (राजस्थानी लघु काव्य) अंतरयामी, धरती महाकाव्य तथा एक कवि॰संग्रह ; संपा : गौर न्यावलो (कवि॰), एकादशी व्रत कथावाँ (संक॰), राजस्थानी कहावतें, जम्भेश्वर-वाणी, लालनाथ-ग्रथावली, गोरखछंदो ; प॰ संत साहित्य विभाग, भारतीय विद्यामदिर शोधप्रतिष्ठान, बीकानेर ।

सेवाराम, 'यात्री'—ज॰ १० जुलाई, '३४; शि॰ खुरजा, एम॰ ए॰ हिंदी '५५ तथा राजनीतिशास्त्र '५७ ; सा॰ भूत॰ प्रका॰-संपा॰ मा॰ 'धरती' '५८, 'नई धरती' खुरजा ; प्र॰ '४८-'५० ; प्रका॰ स्फुट ; अप्र॰ दो कविता-कहानी-संग्रह ; 'अश्क' कृतित्व (आलो॰) एवं एक व्यंग्यात्मक उप॰ ; वि॰ कई संग्रहों में रचनाएँ संगृहीत, 'प्रेमचंद एवं गोर्की के जीवन का तुलनात्मक अध्ययन' विषय पर शोधकार्य-रत ; प॰ ईश्वर भवन, दयानंद नगर, गाजियाबाद ।

सैयद मोहम्मद हुसैन, 'दीन'—जा॰ बँगला, उर्दू एवं गुजराती, प्रका॰ ब्याह का घर, अलंकार (उप॰), चुटकियाँ (हास्य कवि॰), बालो॰ : प्रसिद्ध पुरुषों के जीवन चरित्र की २३ पुस्तकें ; अप्र॰ कवि॰ चंद्रहार, प्रलाप ; प॰ गादी श्रीरामपुर, हजारीबाग ।

सोमदेव (गौरीशंकर प्रसाद)—ज॰ ५ मार्च, '३४ ; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी '६० बिहार वि॰वि॰ ; सा॰ प्रगतिशील लेखक संघ दरभंगा तथा विद्यापति गोष्ठी दरभगा के संगठन मे सहयोग, संस्था॰ : सेवा निकेतन दरभंगा, संयोजक : साहित्य सहकार ; प्र॰ '५० में ; प्रका॰ लाल एशिया (कवि) '५४, चानोदाई (उप , मैथिली '५८ ज्ञान विज्ञान ६१ अप्र

तीन-चार पुस्तकें ; वि० मैथिली मे भी लिखते हैं ; प० सेवा-निकेतन, हरसिंहपुर, बहेरा, दरभंगा ।

सोमेश्वरसिंह—ज० २० फरवरी, '१०, नई गढ़ी ; शि० बी० ए०, एल-एल० बी० प्रयाग वि०वि० ; सा० सद० विंध्यप्रदेश धारा सभा '५२-'५७ ; प्रका० रत्ना, शबनम, सरोज (कवि०) '५४, शाहजादा खुसरो (खंड०), मकरंद (यन्त्रस्थ) ; वि० 'सरोज' पर विंध्यप्रदेश सरकार द्वारा ५००) का प्रथम 'केसरी पुरस्कार' प्राप्त ; प० ५, महात्मागांधी मार्ग, प्रयाग ।

सोहनलाल झा—ज० १५ मई, '११ ; सा० '३० के जी० आई० पी० रेलवे मजदूर आंदोलन मे सक्रिय भाग ; प्रका० राष्ट्र की पुकार (एक भाग) '४७ ; अप्र० नाट० : चंद्रमहल, क्षत्राणी, अपनी आजादी, हसरत, ग्रैजुएट, किसका कसूर, ईश्वरशक्ति ; प० १०७, रतनपुरा, नगरा, झाँसी ।

सोहनलाल वर्मा—ज० '३० ; शि० गंगाशहर (राज०) ; सा० उपमंत्री दिल्ली प्रादेशिक अणुव्रत समिति ; प्रका० आचार्य श्री तुलसी का जोधपुर प्रवास तथा कई संपा० पुस्तके ; प० ४०८३, नयाबाजार, दिल्ली ।

सौमित्र मोहन—ज० २ जनवरी, '३८ ; शि० बी० ए० आनर्स '६० दिल्ली वि०वि० ; प्र० '५९ में ; प्रका० स्फुट कविताएँ ; अप्र० बुलाहटों की साँवली बाँहें ; प० ६२०९, पक्की गली, बाड़ा हिंदूराव, दिल्ली—६ ।

स्नेहलता श्रीवास्तव, डा०—ज० '२१ ; एम० ए० हिंदी '५०, प्रयाग वि०वि०, पी-एच० डी० '५५ दिल्ली वि०वि० ; प्रका० हिंदी में भ्रमरगीत काव्य और उसकी परंपरा (शोधग्रन्थ), जयशंकर प्रसाद के विचार एवं सूक्तियाँ, नंददास का भँवरगीत विवेचन और विश्लेषण ; अप्र० लेखों एवं कहानियों के तीन संग्रह ; वि० 'हिंदी में भ्रमरगीत काव्य एव उसकी परंपरा' पर उ० प्र० सरकार से पुरस्कार प्राप्त ; वर्त० अध्यक्षा हिंदी विभाग, इंद्रप्रस्थ कालेज, दिल्ली वि०वि० ; प० १ बी० स्टाफ क्वार्टर, इंद्रप्रस्थ कालेज, अलीपुर रोड, दिल्ली—६ ।

स्वदेशकुमार—ज० १३ जून, '२१ ; शि० एम० ए० ; प्र० '४२ में ; प्रका० चोटी का बदला, सभ्य शताब्दी ; अप्र० तीन-चार संग्रह ; वि० 'प्रतिनिधि बाल एकांकी', 'प्रतिनिधि हास्य एकांकी' तथा 'प्रतिनिधि हास्य कहानियाँ' में रचनाएँ संगृहीत , प० सहसंपा० 'सरिता', आर १९, हौज खास, इनक्लेव, नई दिल्ली ।

स्वामीनाथ पांडेय—ज० '३० , शि० इंटर ; सा० 'तरंग' बनारस के संपादन में सहयोग, संचा० 'साहित्य साकेत' संस्था , प्र० ४६ में प्रका

ज्ञानोदय (वालो॰), भूतों का खँडहर, विश्व-कंपन (खड॰), अप्र॰ प्राची, अन्तराल, मधुबेला एवं रंग-रगिनी (संपा॰ कवि॰, यत्रस्थ), प॰ साहित्य-साकेत, हरिहरपुर, जौनपुर।

स्वामीशरण सक्सेना—ज॰ २१ अगस्त, '३३, झाँसी ; शि॰सा॰रत्न, विज्ञानालंकार नौगाँव (बुन्देलखंड), बी॰ ए॰, एल-एल॰ बी॰ दतिया ; प्र॰ '५५ मे ; प्रका॰ पत्रकारिता विज्ञान '६२ ; अप्र॰ गीतों, कहानियो एव एकाकियो के दो संग्रह ; प॰ ११४३/१, राजागढवार्ड, दतिया।

हंसनाथ सिंह—ज॰ १९०३ ; शि॰ इटर कलकत्ता, साहित्याचार्य अयोध्या ; प्रका॰ सुंदर साहित्य का नीर, आध्यात्मिक संघ ; अप्र॰ अष्टा-वक्र गीता की हिंदी टीका ; प॰ मलाहपूर, अन्दर, सारन।

हंसराज भाटिया—१ मार्च, १९०५, सियालकोट ; शि॰ एम॰ ए॰ पंजाब वि॰वि॰ ; प्रका॰ शिक्षा मनोविज्ञान '३६, सरल मनोविज्ञान '५२, सरल शिक्षा-मनोविज्ञान '५७, बेसिक शिक्षा क्या है '५७, रचना की शिक्षा '५८ असामान्य मनोविज्ञान '५९, सामान्य मनोविज्ञान '६०, व्यवाहारिक मनोविज्ञान '६१, शिक्षा मनोविज्ञान के तत्व '६१, बेसिकमनोविज्ञान के तत्व '६१, बेसिक शिक्षामाला (संपा॰) ;वि॰ 'शिक्षा मनोविज्ञान' पंजाब सरकार द्वारा पुरस्कृत ; प॰ प्रिंसिपल के॰ जी के॰ कालेज, मुरादाबाद।

हंसराज 'रहबर'—ज॰ ९ मार्च, '१४ ; शि॰ बी॰ए॰ लाहौर, एम॰ ए॰ इतिहास, पजाव वि॰वि॰ ; सा॰ राजनीति में सक्रिय भाग तथा स्वतंत्रता आदोलन में तीन बार कारावास, संस्था॰ : प्रजामडल जीदराज्य, भूत॰ प्रधानमंत्री : प्रगतिशील लेखकसंघ दिल्ली '४९-'५३, प्रचारमत्री : स्टेट्स पीपुल्स काफ्रेंस लुधियाना ; प्रका॰ हाथ मे हाथ (उप॰) '४७, उपहास(कहा॰) '४७, नवक्षितिज (कहा॰) '४७, ककर (उप॰) '५०, हम लोग (कहा॰) '५०, परेड ग्राउंड (उप॰) '५२, सकल्प (उप॰) '५८, आँके बाँके (उप॰) '६०, प्रेमचंद (आलो॰ हिंदी-अँग्रेजी) तथा लगभग डेढ दर्जन उपन्यासो का हिंदी अनु॰ ; वि॰ कई पुस्तके विदेशी भाषओं मे छपी हैं ; प॰ १५८५।११, नवीन शाहदरा, दिल्ली—३२।

हजारासिंह, 'उदयन'—ज॰ २१ मार्च, '३१ ; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी, एम॰ ए॰ प्रीवियस (पंजाबी), संपा॰ मा॰ 'बाललीला' '५९ से तथा दो पंजाबी पत्रिकाओं के संपा॰ ; प्रका॰ स्फुट ; अप्र॰ लेखों-कहानियों के दो संग्रह; वि॰ 'आदि ग्रंथ तथा पंजाबी साहित्य का इतिहास' पर शोधकार्य-रत॰ प॰ ७३२ सुखरामनगर लुधियाना।

हजारीमल बाँठिया—ज० '२४ ; शि० इंटर, बीकानेर ; सा० सद० : सादूल राजस्थानी रिसर्च इंस्टीट्यूट बीकानेर, हिंदी विश्वभारती बीकानेर, कार्यकारिणी समिति उ० प्र० मारवाडी सम्मे०, संस्था० : भा० मित्र परि० बीकानेर एवं चंद्रश्री प्रकाशन मंदिर, कार्यवाहक अध्यक्ष : हाथरस नगरपालिका, संपा० मा० 'वीरपुत्र' अजमेर ; प्रका० स्फुट लेख : वि० हिंदी एवं राजस्थानी विद्वानों को प्रतिवर्ष १०१) का फूलचंद बाँठिया पुरस्कार प्रदान करते हैं ; प० रतनचंद हजारीमल, घंटाघर, हाथरस ।

हजारीलाल श्रीवास्तव, 'अधीर'—ज० '१२, ब्रह्मपुरी, चाँदा ; शि० मैट्रिक ; सा० मंत्री : प्रगतिशील साहित्य गोष्ठी, प्रचार मंत्री हिंदी कवि-मंडल, भूत० संपा०-प्रका० 'इंद्रधनुष' ; प्र० '३८ में ; प्रका० स्फुट लेख एवं कहानियाँ , अप्र० फैशनेबुल कालेज गर्ल (उप०); वर्त० प्रोपराइटर श्रीकृष्ण स्टोर्स, सीतावर्डी, नागपुर ; प० हंसापुरी, नागपुर २ ।

हनुमानप्रसाद पोद्दार, 'भाई जी'—ज० १५ सितंबर, १८९२, शिलांग (आसाम) ; शि० कलकत्ता ; जा० संस्कृत, बँगला, गुजराती, मराठी एवं अँगरेजी ; सा० बंगाल के क्रांतिकारी दल में सक्रिय सहयोग, '१४ में कलकत्ता में महात्मा गाँधी को मानपत्र भेंट किया, '१६ में अँगरेजी सरकार के विरुद्ध आंदोलन के अभियोग में नजरबंद, गोसेवा-आंदोलन के अग्रगण्य नेता, '२६ से मा० 'कल्याण' का प्रकाशन प्रारम्भ किया; प्रका० श्रीराधामाधव-चिंतन, कल्याण-कुंज (३ भाग), भगवच्चर्चा (६भाग), लोक-परलोक-सुधार (पत्रसंग्रह, ५ भाग), प्रेमदर्शन '३५, श्रीराधामाधव-रससुधा (पद) तथा लगभग ७००० पृष्ठों का मौलिक साहित्य, तुलसीदास जी के रामचरित मानस आदि ग्रंथों के संपा० एवं टीकाकार तथा पचासों पुस्तकों के संपा० ; वि० श्रीराधामाधव के स्वरूप एवं उनके परस्पर के पवित्रतम संबंध के तथा उनकी मधुर लीलाओं के मर्मज्ञ व्याख्याता ; प० गीताप्रेस, गोरखपुर ।

हरगोविंद त्रिपाठी, 'पुष्प'—ज० '३५, पृथ्वीपुर, टीकमगढ़ ; प्र० '५२ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० विरहिणी (खंड०), नया रास्ता (एकां०), जीवन की मोड़ें (कहा०), परिवर्तन (नाट०), प्रगति की ओर (लेख०), पुष्पांजलि (कवि०) आदि ; प० पुष्प साहित्यसदन, पृथ्वीपुर, टीकमगढ़ ।

हरगोविंद शास्त्री, आचार्य—ज० '१३ ; शि० साहित्यायुर्वेदाचार्य पटना, काव्यतीर्थ कलकत्ता, वैद्यविशारद एवं सा०रत्न सम्मे० प्रयाग, बी०ए० पटना ; सा० संस्था० : आरोग्य मंदिर एवं साहित्य-निकुंज सोलहंडा, आचार्य : परमानंद साहित्यसदन कचनामा से संबंधित स्नातकोत्तर

विद्यालय, भूत० संपा० मा० 'छात्रसंघ' गया, जहानाबाद उपमंडलीय पुस्तकालय-आंदोलन के प्रवर्त्तक एवं सफल संचा० ; प्रका० काव्य-निकुंज, भारत की सती नारियाँ, युग और धर्म ; अप्र० अनुभूतयोग सागर, विहार के कवि, संस्कृत व्याकरण. अरुणोदय ; वि० 'संस्कृत भाषा की विभक्तियों का विकासक्रम' तथा 'आयुर्वेदिक चिकित्सा-पद्धति का एलोपैथिक चिकित्सा पर प्रभाव' विषय पर शोधकार्य-रत ; प० सोलहंडा, गया।

हरदेवशर्मा त्रिवेदी—ज० १९०९ ; शि० ज्योतिषमार्तंड, ज्योतिषाचार्य, दैवज्ञशिरोमणि, उज्जैन तथा जयपुर ; सा० अनेक सार्वजनिक संस्थाओं के सम्मानित सद०, भूत० अध्यक्ष : उत्तर भा० ज्योतिष सम्मे०, उपाध्यक्ष : अ० भा० ज्योतिष परि० दिल्ली, भूत० सहसंपा० 'श्रीमार्तंड पंचांग', '४०-'५६ तक 'श्रीस्वाध्याय' का एवं बीस वर्षों से 'श्रीविश्व विजय पंचांग' का संपा०, संपा० 'ज्योतिष्मती' '५६-'६२ ; प्रका० चेतावनी समीक्षा अथवा सत्ययुग का स्वप्न' व्यापाररत्न (दो खंड०), अष्टग्रही का संसार पर प्रभाव, अनु० : श्रीसप्तपदी हृदय, श्रीपरशुराम स्तोत्र, श्रीराष्ट्रालोक ; वि० 'चेतावनी समीक्षा अथवा सत्ययुग का स्वप्न, की २००० प्रतियाँ बिना मूल्य वितरित की तथा २५०) का पारितोषिक महाराजा उदयपुर की ओर से प्राप्त ; प० ज्योतिष्मती निकेतक, सोलन, हिमाचल प्रदेश।

हरनारायण शर्मा, 'किंकर'—ज० १९०८ ; शि० हिंदी प्रभाकर ; सा० भूत० संपा० मा० 'अरावली' एवं 'बालसंदेश' ; प्र० '३४ मे ; प्रका० जीवन के मंत्र '३४ ; अप्र० भर्तृहरि शतकत्रय (हिंदी अनु०), स्वराज्य-शतक, कुणाल ; प० एफ ६१, कालिदास मार्ग, बनीपार्क, जयपुर।

हरप्रसाद शास्त्री—ज० १५ मई, '१९ : शि० एम० ए० हिंदी तथा संस्कृत, शास्त्री, सा०रत्न ; सा० संस्था० : सार्वदेशिक सत्यसमाज ; प्रका० दिनकर : सृष्टि और दृष्टि (लेख०), हिंदी उपन्यासों में नैतिक मूल्य (शोधकार्य), प० (१) संचालक, सार्वदेशिक सत्यसमाज, मेरठ रोड, गाजियाबाद। (२) प्राध्यापक, श्रीसनातन धर्म कालेज, गाजियाबाद।

हरवंशलाल शर्मा डा०—ज० १७ फरवरी, '१६, बड़ागाँव, बागपत, मेरठ ; शि० एम० ए० हिंदी (प्रथम) नागपुर वि०वि०, एम०ए० संस्कृत (प्रथम) '४१ मेरठ, (स्वर्णपदकप्राप्त), पी-एच० डी० आगरा वि०वि०, डी० लिट० नागपुर वि वि० ; सा० आजी० सद० : सम्मे० प्रयाग, भूत० सद० सीनेट, फैकल्टी आफ आर्ट्स एवं 'बोर्ड आफ स्टडीज इन हिंदी' आगरा वि०वि०, सद० 'रिसर्च डिग्री कमेटी' आगरा वि०वि०, अध्यक्ष : यू० पी० बोर्ड, हिंदी

समिति, सभा० : हिंदी साहि० समिति मेरठ जनपद, निबंध गोष्ठी भा०हिंदी परि०, हिंदी अनुसंधानपरि० दिल्ली, भूत० प्राध्यापक : मेरठ कालेज मेरठ, एन० आर० ई० सी० कालेज खुर्जा, प्र० '४८ में ; बीस से अधिक 'डाक्टर' इनके निर्देशन में हो चुके हैं, कई पत्र-पत्रिकाओ एवं 'रिसर्च जर्नल्स' के संपा० रह चुके हैं, प्रका० तुलसी-पंचरत्न '४८, सूर और उनका साहित्य '५४, सूर काव्य की आलोचना '५४, सूर-समीक्षा '५६, बिहारी और उनका साहित्य '५७, भागवत-दर्शन '५९, गल्प-विहार '५९, सूरसरोवर ; वि० 'श्रीमदभागवत महापुराण' पर पी-एच० डी० तथा 'सूरदास' पर डी० लिट की उपाधि प्राप्त, 'सूर और उनका साहित्य' तथा 'बिहारी और उनका साहित्य' उ०प्र० सरकार द्वारा पुरस्कृत ; प० डीन फैकल्टी आफ आर्ट्स एवं अध्यक्ष हिंदी-संस्कृत विभाग, वि०वि०, अलीगढ़ ।

हरशरण शर्मा, *'शिव'*—ज० २ जुलाई, १९०२ ; शि० माधवगढ़ तथा सतना ; सा० '४०; सा० रत्न भूत० मंत्री : रघुराज साहि० परि० रीवाँ ; प्र० '२५ में ; प्रका० मानस-तरंग '३२, सुषमा '३४, मधुश्री '४१, गाँव की पाठशाला (एकां०) '५६, रात्रिपाठशाला '५६ ; वि० अनेक स्फुट पुरस्कार एवं पदकों के साथ 'मधुश्री' पर विंध्यप्रदेश सरकार की ओर से पुरस्कार प्राप्त ; वर्त० सरकारी-सेवा से अवकाशप्राप्त ; प० माधवगढ़, सतना ।

हरस्वरूप निर्भीक—ज० १ जनवरी, १९०८ ; शि० एम० ए० आगरा, एल० टी० '३५, प्रयाग ; सा० सद० लेखकसंघ बरेली, कार्यकारिणी समिति 'एजुकेशनल स्टाफ यूनियन' बरेली, कार्यकारिणी यू० पी० एस० ई० ए०, 'आरबिट्रेशन बोर्ड' लखनऊ तथा बरेली '५१-'५६; मंत्री माध्यमिक अध्यापक दंड पीडित समिति, राष्ट्रीय शिक्षासंघ बरेली, 'उ०प्र० गाजिएंस एसोसिएशन' बरेली, क्षेत्रीय सुरक्षा मंत्री रुहेलखंड '५३-'५७ ; प्रका० प्रारंभिक गतिविज्ञान '५०, नियामक ज्यामिति '५९ ; अप्र० तीन पुस्तकें; वर्त० प्राध्यापक, गणित विभाग, दयाशंकर इण्टर कालेज, बरेली ; प० कोठी लंगूरीवाली, पीलीभीतरोड, बरेली ।

हरिकृष्ण, *'कमलेश'*, *वैद्य*—ज० १८९३, दीग, भरतपुर ; शि० वैद्यवर ; सा० संस्था० : श्रीहिंदी पुस्तकालय दीग एवं श्रीसुहारिणी समिति, जुरहरा ; प्र० '१३ में ; प्रका० कवि० मोहन-माधुरी, गीतगुच्छ, नवभक्ति मालिका, सोना बनाना, पतलून, उल्लू का पट्ठा, मुसाफिर, श्रीराधिकास्तवन, जीवनवीणा; अनु० : प्रेमसंपुट, श्री गोवर्धनशतक, स्वप्नविलास, चैतन्य

चंद्रोदय (नाट॰), हंसदूत (काव्य) तथा संस्कृत में तीन पुस्तकें ; वि॰ '२२ में 'कविरत्न' की उपाधि प्राप्त; प॰ कमलेश आयुर्वेद भवन, दीग, भरतपुर।

हरिकृष्ण त्रिपाठी—ज॰ ४ अगस्त, '३०, जबलपुर ; शि॰ एम॰ ए॰ जबलपुर ; सा॰ मंत्री . समाजवादीदल जबलपुर , भूत॰ उपसंपा॰ दै॰ 'नवभारत' जबलपुर ; प्र॰ '४८ मे ; प्रका॰ स्फुट आलो॰ लेख, संस्मरण आदि ; अप्र॰ गंगाप्रसाद अग्निहोत्री : जीवन और कृतित्व, गंगाप्रसाद अग्निहोत्री और साहित्य महारथियों का पत्राचार ; वि॰ पी-एच॰ डी॰ के लिए शोधकार्य-रत ; वर्त॰ आचार्य हि वि , एन॰ ई॰ एस॰ आर्ट्स कालेज जबलपुर ; प॰ बालमुकुंद त्रिपाठी मार्ग, दीक्षितपुरा, जबलपुर ।

हरिकृष्ण देवसरे—ज॰ ३ मार्च, '४० ; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी, रीवाँ; प्र॰ '५१ में ; प्रका॰ सफेद रसगुल्ले '५४ ; अप्र॰ गुब्बारे, तुलसी का गीत काव्य ; वि॰ 'सफेद-रसगुल्ले' पर विंध्यप्रदेश सरकार से २००) का 'पद्माकर पुरस्कार' एवं 'गुब्बारे' पर ३००) का 'रसनिधि पुरस्कार' म॰प्र॰ सरकार से प्राप्त ; 'हिंदी के ऐतिहासिक नाटक' विषय पर पी-एच॰ डी॰ उपाधि के लिए शोधकार्य-रत, प॰ आकाशवाणी, भोपाल ।

हरिकृष्ण वैश्य—ज॰ २ अप्रैल, '३०, मेरठ ; शि॰ मैट्रिक; प्र॰ '५२ में ; प्रका॰ स्फुट कहानियाँ एवं एकाकी , वि॰ रेडियो, टेलिविजन तथा स्टेज ड्रामा आर्टिस्ट ; वर्त॰ हिंदी स्टेनो, योजना आयोग, नई दिल्ली ; प॰ २१६७, तिलकबाजार, खारीबावली, दिल्ली ६ ।

हरिदत्त—ज॰ '१४; शि॰ वेदालंकार (सर्वप्रथम, स्वर्णपदकप्राप्त) गुरुकुलकाँगडी वि॰वि॰, एम॰ ए॰ संस्कृत एवं इतिहास, आगरा वि॰वि ; सा॰ भूत॰ धर्मविज्ञान एव इतिहास प्राध्यापक, गुरुकुल काँगडी वि॰वि॰ '४०-'४६, '५० से गुरुकुल संग्रहालय के पुरातत्व विभाग के अध्यक्ष, '६० से वहीं के संचालक, क्षेत्रविकास समिति सदस्य प्रशिक्षण केंद्र; प्रका॰ भारत की सांस्कृतिक दिग्विजय, हिंदू परिवार-मीमासा, हिंदू विवाह का इतिहास, भारत का सास्कृतिक इतिहास, भारतीय संस्कृति का सक्षिप्त इतिहास, भारत में समाज-कल्याण और सुरक्षा, भारतीय जनता तथा संस्थाएँ, भारतीय समाज संस्थाएँ, समाजशास्त्र के सिद्धात (दो खंड), समाजशास्त्र-प्रवेशिका भारतीय सामाजिक संगठन, अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध, अन्तर्राष्ट्रीय कानून, पाश्चात्य राजनीतिक चिन्तन का इतिहास आदि; वि॰ 'भारत की सास्कृतिक दिग्विजय' पर उ॰प्र॰ सरकार से २५००), 'हिंदू परिवार मीमांसा' पर बगाल हिंदी मडल से १२०० तथा हिन्दुस्तानी एकडेमी द्वार

१०००) एव 'हिंदू विवाह का इतिहास' पर बंगाल हिंदीमंडल से १२००) पुरस्कार प्राप्त; सभी पुरस्कार पांडुलिपियों पर मिले; प० संचालक विकास-समिति सदस्य प्रशिक्षण केन्द्र, गुरुकुल काँगडी, सहारनपुर।

हरिदत्त पालीवाल, *'निर्भय'*, डा०—ज० '२०; शि० एम० ए० नागपुर वि०वि०, पी-एच० डी० काशी वि०वि०, काव्यतीर्थ कलकत्ता, साहित्याचार्य काशी, प्रभाकर दिल्ली ; मा० संपा० साप्ता० 'सुपथ' '५९ से, सा० 'काव्या-लोक' कायमगंज' ५९ से एवं मा० 'पालीवाल संदेश' आगरा '३९ से ; प्रका० अर्चना, सुन्दर जीवन, निर्भय कैसे बना, पद्यमोद-तरंगिणी, जहाँ रहता हूँ, गाँधीवाद और साम्यवाद, कीचक-वध, रावणायन, स्वरोदय, निर्भयनीति, वंदे महापुरुषते, चरणारविंदम्, उलझे प्रश्न, पा लिए हैं स्मृति में, गीतो का व्यापार, कल्पना, कवि की वाणी, प्रियतमा, मैं पागल हूँ, एकाकी, चीन-यात्रा के संस्मरण, ऋतु-विलासम्, मातवंद, शारदाशतक, संस्कृत काव्येतिहास ; वि० श्याम पुरस्कार ५००) संस्कृत काव्य पर विद्वत परि० से, स्वर्णपदक अ० सं० सा० स० से एवं १००१) का पुरस्कार बंबई से प्राप्त ; प० शारदा साधना-मंदिर, कायमगंज, उ०प्र०।

हरिदत्त भट्ट, 'शैलेश, डा०—ज० १५ जून, '३० ; शि० कलकत्ता, काशी तथा देहरादून, एम० ए०, आनर्स-इन-संस्कृत, पी-एच० डी० आगरा वि०वि० ; सा० सद० : कार्यकारिणी-कहानीकार संसद, कार्यकारिणी हिंदी साहित्य समिति, प्रधानमंत्री तथा प्रचारक : संस्कृत विश्व परि० देहरादून शाखा, संस्था० एवं प्रधानमंत्री संस्कृत साहि० समिति, हिमालय लोक नाट्य संघ, मंत्री : साहित्य संसद, प्रधान : गढ़वाली जन साहि०परि०; प्रका० कालिदास : जीवन पथ पर, सुधीर खास्तगीर, कृष्ण-संबंधी लोककथाएँ, सूरज-चाँद सितारे, संस्कृत सोपान (संस्कृत), गद्य-प्रसूनम् (संस्कृत), नौबत (एकां०, गढ़वाली), हरी दूब (कहा०, गढ़वाली); संपा० : गढवाली साहित्य की भूमिका, गढ़वाली को नयो कदम, रैबार (गीत०); अप्र० कई कहानी तथा एकांकी-संग्रह; वि० अँगरेजी में भी लिखते हैं ; 'नौबत' पर प्रथम पुरस्कार तथा स्वर्णपदक प्राप्त ; प० (१) भट्टवाडी, अगस्त मुनि, गढ़वाल। (२) पो० बा० ३६, दूनस्कूल, देहरादून।

हरिदत्त शर्मा—ज० ६ अगस्त, '२४; शि० एम० ए०, बी० एड० ; प्र० '५८ में ; प्रका० हस्तरेखा ; अप्र० जनप्रदीप, हस्तरेखाओं का वैज्ञानिक अध्ययन; प० अध्यापक, नयाबास, सुजानगढ़ (राज०)।

हरिनारायण, 'विद्रोही'—ज० १४ नवंबर, '२८ ; शि० सा०रत्न; सा० राजनीतिक संघर्ष में कई बार कारावास ; प्र० '५० में ; प्रका० स्फुट ; वि० उ०प्र० काव्य-प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त ; वर्त० संपा० एक दैनिक तथा एक साप्ता० पत्र ; प० २१८, डरू भोंडेला, झाँसी ।

हरिनारायण व्यास—ज० १४ अक्टूबर, '२३ ; शि० एम० ए० हिंदी-संस्कृत ; प्र० '४२ में; प्रका० स्फुट कविताएँ; वि० 'दूसरा सप्तक' में कविताएँ संगृहीत; वर्त० ग्रंथपाल, आकाशवाणी, पूना; प० ११, बबई मार्ग, पूना ३ ।

हरिप्रकाश—शि० एम० ए० ; प्रका० मिट्टी की लोथ (कहा०); अप्र० दो आलो० लेख एवं कहानी-संग्रह; वर्त० प्राध्यापक, देहली स्कूल आफ सोशल वर्क, दिल्ली ; प० २/८२, रूपनगर, दिल्ली ।

हरिप्रसाद तिवारी—शि० बी० ए०, डिप-इन-एड पटना वि०वि० ; सा० बिहार सरकार की 'एसेसमेंट कमेटी' के परामर्शदाता; प्रका० बँगला से हिंदी में अनु० : अग्नि, स्वप्न-संभव आदि अनेक ग्रंथ; प० (१) बंदनवार, संताल परगना ; (२) प्रधानाध्यापक गवर्नमेंट हाईस्कूल, मिहिजाम. संतालपरगना ।

हरिप्रसाद शर्मा—ज० १९०९, सरसी म०प्र० ; शि० उज्जैन तथा वृन्दावन; प्रका० सुरभिसंताप '२८, महिला गीतरत्न '३४, श्रीमद्भगवद्गीता संगीत भाग एक '३९, भाग दो '४२, अमरवेलि '४४, शिव-संकल्प '४६, आनंदवर्षा '४६, क्रांतिगान '४७, माँ का स्वप्न '४९; अप्र० तीन-चार संग्रह; प० पर्णकुटी, नागदा जं०, उज्जैन ।

हरिप्रसाद शर्मा, 'अविकसित'—ज० ७ अप्रैल, १९०७, सहारनपुर; शि० सहारनपुर, मैट्रिक, सा०रत्न ; सा० भूत० मंत्री : जिला ब्राह्मण सभा सहारनपुर (छह वर्ष तक), ब्राह्मणकुमार सभा (तीन वर्ष तक) एवं ब्रजब्राह्मण हायर सेकेंडरी स्कूल सहारनपुर ; संस्था० हिंदी मित्र मंडल सहारनपुर, व्यवस्थापक : हिंदू कन्या विद्यालय सहारनपुर, प्रधान : उ०प्र० माध्यमिक शिक्षक संघ सहारनपुर शाखा, भूत० संपा० 'ब्राह्मण समाचार' ; प्र० '२९ मे; प्रका० कवि० : सौरभसद्भावना '४५, मंजरी '५०; अन्य : रचनारश्मि, रचनारत्न, रचनाप्रभाकर, निबंधनिधि, निबंध-निर्झर, नवीन हिंदी व्याकरण, भारत हिंदी व्याकरण, आदर्श हिंदी व्याकरण, संस्कृत व्याकरण, सामाजिक शिक्षा ; प० प्राध्यापक, जे० बी० जैन इण्टर कालेज- सहारनपुर ।

हरिप्रसाद, 'हरि' ज '१४ शि संस्कृत मध्यमा प्रथम खड' प्र

(महा०), वियोगिनी (गीत) एवं तीन अन्य पुस्तकें; प० गोविंदप्रसाद हरिप्रसाद जैन पालीवाल, ललितपुर, झाँसी ।

हरिमोहनलाल श्रीवास्तव, 'मोहन वर्मा'—ज० १३ अगस्त, '१७, जयपुर ; शि० एम० ए० '४४ आगरा वि०वि०, एल० टी० '४५ प्रयाग ; सा० सद० : पी० ई० एन०, भूत० प्रचार-अधिकारी : दतिया राज्य, विंध्यप्रदेश मे स्वातंत्र्य संग्राम के इतिहास की राज्य समिति में सचिव तथा अन्वेषक, भूत० प्राचार्य : उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जनपद सभा, होशंगाबाद, भूत० अध्यापक '४३-'५५ ; भूत० संपा० मा० 'आरोग्य मित्र', पाक्षि० 'विजय', अर्द्धवार्षिक 'गाँधी पुस्तकालय पत्रिका' एवं साप्ता० 'अमर आलोक' ; प्रका० झाँसी की रानी, हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, हिंदी की योग्यता कैसे बढावे, भारत-भक्ति, वीरांगना लक्ष्मीबाई, रासो और कहानी, हमारे गाँव : जागृति की ओर, दतिया-दर्शन, धन और धरती, राजनीतिक लोक-कथाएँ, मध्यप्रदेश : परिचय और प्रगति, आजादी का अमर देवता, फूलों जैसे नन्हे मुन्ने, नारी जीवन की लोककथाएँ, खुशियों से भरे त्योहार हमारे, गरजते गोले, जीता जागता हिंदुस्तान, शत्रुजीत रायसा आदि, वि० पाँच पुस्तकों पर विंध्यप्रदेश सरकार द्वारा तथा 'शत्रुजीत रायसा' पर म०प्र० सरकार द्वारा ५००)का 'ईसुरी पुरस्कार' प्राप्त; भारत सरकार द्वारा सम्मानित विद्वानों को दी जानेवाली सहायता के अंतर्गत मासिक वृत्ति प्राप्त ; प० संचालक, किताबघर, दतिया ।

हरिवंशराय, 'बच्चन', डा०—ज० २७ नवंबर, १९०७ ; शि० एम० ए० अँग्रेजी प्रयाग वि०वि०, पी-एच० डी० केंब्रिज वि०वि० इँग्लैंड ; सा० भूत० प्राध्यापक अँग्रेजी विभाग प्रयाग वि०वि० '४१-'५२, दो वर्ष इँग्लैंड में शोधकार्य किया '५२-'५४, एक वर्ष तक पुनः प्राध्यापक प्रयाग वि०वि० एव आकाशवाणी प्रयाग मे कार्य किया ; '५५ में भारत सरकार द्वारा विदेश मंत्रालय के हिंदी विशेषज्ञ रूप में नियुक्ति ; प्र० '३२ में ; प्रका० तेरा हार '३२, बच्चन के साथ क्षण भर (संक०) '३४, खैयाम की मधुशाला (अनु०) '३५, मधुशाला '३५, मधुबाला '३६, मधुकलश '३७, निशानिमंत्रण '३८, एकांतसंगीत '३९, प्रारंभिक रचनाएँ (दो भाग) '४३, आकुल अतर '४३, सतरंगिनी '४५, प्रारंभिक रचनाएँ (कहा०, तीसरा भाग) '४६, बंगाल का अकाल '४६, हलाहल '४६, सूत की माला '४८, खादी के फूल '४८, मिलनयामिनी '५०, सोपान (संक०) '५३, प्रणय-पत्रिका '५५ मैकबेथ (अनु०) '५७ धार के इधर-उधर ५७ जनगीता अनु) '५८,

आरती और अंगारे '५८, बुद्ध और नाचघर '५८, ओथेलो (अनु०) '५९, कवियों में सौम्य पंत (पंत-काव्य-समीक्षा) '६०, आज के लोकप्रिय हिंदी कवि० सुमित्रानदन पंत (संपा०) '६०, आधुनिक कवि : बच्चन त्रिभंगिमा' '६१, नेहरू राजनीतिक जीवनचरित '६१, चार खेमे चौसठ खूँटे '६२, नए-पुराने झरोखे (निबंध०) '६२ आदि ; अप्र० स्फुट रचनाओं के कई संग्रह ; वि० अनेक बार पुरस्कृत ; प० १३, विलिंगडन क्रिसेंट, नई दिल्ली ।

हरिवल्लभलाल—ज० १७ जनवरी, '३२ ; सा० भूत० संपा० त्रैमा० 'रश्मि' सहरसा ; प्र० '५७ मे ; प्रका० मूल्याकन (आलो०) '५८ ; अप्र० कामायनी-पर्यवेक्षण एवं दो-तीन पुस्तकें ; प० प्रधान मत्री, मातृभाषा सेवा केंद्र, गम्हरिया, वाया सुपौल, सहरसा ।

हरिशंकर—ज० ३१ जुलाई, '२४, वाराणसी ; शि० वाराणसी, सा०रत्न ; सा० मंत्री बंबई हिंदी विद्यापीठ '४५-'५४, परीक्षा मंत्री भा० हिंदी विद्यापीठ अहमदाबाद '६० से, संस्था० पश्चिम भारत हिंदी प्रचारक संघ, भूत० संपा० मा० 'आरती' '५०-'६२ ; प्र० '४३ में ; प्रका० दशमी, कुसुमांजलि, फूलपत्ते (तीन भाग, कहा०), इंद्रधनुष '४७, बालोपयोगी कहानियाँ '४८ तथा लगभग एक दर्जन अन्य पुस्तकों का संपादन किया ; वर्त० संपा०-प्रका० मासिक 'हिंदी शिक्षक' बंबई '५० से ; प० महाराजा बिल्डिंग्ज, १२५, गिरगाँवरोड, बंबई—४ ।

हरिशंकर परसाई—ज० २२ अगस्त, '२४ ; शि० एम० ए० हिंदी ; प्र० '४९ में ; प्रका० हँसते हैं रोते है (कहा०) '५१, तट की खोज (उप०) '५४, तब की बात और थी '५६, ज्वाला और जल (उप०) '५८, भूत के पाँव पीछे (लेख०) '६२, रानी नागफनी की कहानी (उप०) '६२, जैसे उनके दिन फिरे (कहा०, यंत्रस्थ) ; प० १५२३, नेपियर टाउन, जबलपुर ।

हरिशंकर शर्मा, 'हरीश', डा०—ज० ८ सितंबर, '३३ शंभूगढ ; शि० एम० ए०, डी० फिल० प्रयाग वि०वि ; प्र० '५० में ; प्रका० कबीर : व्यक्तित्व और कृतित्व '५६, आदिकाल के अज्ञात हिंदी रासकाव्य '६० एवं पाठ-विज्ञान ; अप्र० गीत० धड़कनों के बोल, आशा, झीलो के आँचल से, प्रणयिनी एवं प्यास और पनघट ; नाटक : बुद्धं शरणं गच्छामि, मामती मीनाबाजार · शोध आदिकाल का हिंदी गद्य साहित्य, आदिकाल का हिंदी जैन साहित्य ९५० स १४५० एव शोध क पन

गीत पर राजस्थान साहित्य अकेडमी द्वारा १०००) का पुरस्कार प्राप्त ; प० प्रोफेसर हिंदी विभाग, एम० वी० कालेज, उदयपुर।

हरिशंकर शुक्ल—ज० '३६ ; शि० एम० ए० हिंदी '५७ प्रयाग वि०वि० ; सा० भूत० संयोजक . साहित्य संगम प्रयाग तथा किजल्क वलिया, अ० भा० त्रिदिवसीय हिंदी लेखक समारोह '५७, भूप्र० प्राध्यापक : सतीशचंद्र महाविद्यालय बलिया, भूत० संपा० 'सृजन' तथा 'पारमिता' ; प्रका० उप० : पाषाण की लोच '५८, समाधान '६० ; अप्र० सूखा तालाब और कमल का फूल (कहा०), रस बरसे नील गगन से (लोकगीत), ये घर ये लोग (उप०), अतिथि क्षण (कवि०) ; वि० 'अवधी लोकगीतों का समाजशास्त्रीय अनुशीलन' विषय पर पी-एच० डी० उपाधि के लिए शोधकार्य-रत ; प० प्राध्यापक, हि०वि० दुर्गा महाविद्यालय, रायपुर।

हरिश्चंद्र अग्रवाल—ज० २० नवंबर, '३० ; शि० बी० एस-सी० '५१ आगरा वि०वि० ; सा० अमरीकी सरकार के निमन्त्रण पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान लेखक गोष्ठी मे भारत का प्रतिनिधित्व किया ; प्र० '५७ में ; प्रका० राकेट और चाँद की यात्रा, हमारा सूर्य, भारत के महान वैज्ञानिक तथा चट्टान और खनिज ; वर्त० महसंपा० 'नवभारत टाइम्स' दिल्ली तथा उसके विशिष्ट 'विज्ञान' स्तंभ के 'चंद्र' नाम से लेखक, प० २८/१७८ ए०, लाजपतनगर ४, नई दिल्ली—१४।

हरिश्चंद्र निगम—ज० २४ फरवरी, '३२ ; शि० एम० एस-सी०, एफ० आई० ए० जेड ; प्रका० जन्तुविज्ञान '५६, जंतुशास्त्र (कृषिक) '६०, हाईस्कूल जंतुविज्ञान '६१, हाईस्कूल वनस्पतिविज्ञान '६२, हाईस्कूल जीव विज्ञान '६३ तथा अँग्रेजी में दो पुस्तकें ; अप्र० विज्ञान-संबंधी दो लेख-संग्रह ; प० प्राध्यापक, जुआलोजी विभाग, क्रिश्चियन कालेज, लखनऊ।

हरिश्चंद्र प्रसाद—ज० ३० नवंबर, '३० , शि० पताही, मोतीहारी, बी० ए० '५२; प्र० '५२ में; प्रका० स्फुट; अप्र० चंपारन के साहित्यकार (दो भाग), चंपारन की साहित्य प्रगति; अप्र० दो पुस्तकें ; वर्त० अनुदेशक, जिला हिंदी प्रशिक्षण केंद्र, मोतीहारी , प० ठाकुर बारी, मोतीहारी, चंपारन।

हरिश्चंद्र शर्मा, डा०—ज० '२४, गाजियाबाद , शि० एम० ए०, पी-एच० डी० ; प्रका० सहलेखक : चदबरदाई और उनकी कविता, विद्यापति और उनकी कविता, 'हरिऔध' और उनकी कविता, 'निराला' और उनकी कविता ; यंत्रस्थ . खडीबोली के विकास का अध्ययन (शोधप्रबंध) ,
एव वि छायावादी कविता की शैली का वैज्ञानिक

विषय पर डी॰ लिट॰ उपाधि के लिए शोधकार्य-रत ; प॰ प्राध्यापक हिंदी विभाग, म॰त्रि॰ हरिजन कालेज, गाजियाबाद।

हरिश्चंद्र सिंह ठाकुर, 'संत'—सा॰ हरिद्वार से प्रका॰साप्ता॰ 'हिंदू' के लगभग २६ वर्षों से संपा॰ ; प्रका॰ भारतीय संस्कृति-संबंधी स्फुट लेख ; प॰ साप्ता॰ 'हिंदू' कार्यालय, हरिद्वार।

हरिहरप्रसाद द्विवेदी, 'कांतिप्रिय'—ज॰ १ फरवरी, '३०, बहोरा, नगवा, देवरिया , शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी, एल॰ टी॰, सा॰रत्न ; सा॰ सद॰ कार्यकारिणी, असम हिं॰सा॰ सम्मे॰ तिनसुकिया, कार्यकारिणी अंतर्राष्ट्रीय साहि॰ परि॰ नई दिल्ली, कृतिवेश्म पटना एवं गोमती परिवार लखनऊ; अध्यक्ष अ भा॰ हिंदी साहित्यकार कांग्रेस पूना, उपाध्यक्ष : हिंदी साहित्यकार परि॰ गौहाटी, संस्था॰ - अध्यक्ष : असम हिंदी प्रसार मंडल शिलांग '५७, संस्था॰-मंत्री असमिया हिंदी विनिमय परि॰ गौहाटी (शिलांग) '६१ ; प्रका॰ शराई की घाटी '६१, असम की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित काव्य, युग-विहान (कवि॰) '६१ ; अप्र॰ पाथर की परतें (उप॰), शिक्षा आजकल, इयारुइंगम (अनु॰ उप॰), युग-संक्रमण (कवि॰) , प॰ हिंदी अध्यापक, भारत सरकार, आकाशवाणी, लखनऊ।

हरिहरप्रसाद, 'रसिक'—ज॰ १ मार्च, १८९२, हरपुर नाग, महेसी, चंपारन , शि॰ बी॰ एम॰ सी॰ टी॰ ; सा॰ सद॰ : प्रांतीय कांग्रेस कमेटी पटना, बिहार प्रांतीय साहि॰ सम्मे॰ पटना, सभा॰ आर्यसमाज बेतिया, हिंदी साहि॰परि॰ बेतिया, हिंदी-उर्दू साहि॰ संगम बेतिया, मंत्री : हिं॰सा॰ सम्मे॰ चम्पारन, संपा॰ मा॰ 'प्रकाश' बेतिया; प्रका॰ गद्य-विनोद, प्रेम-प्रवाह, रसिक-कवितावली, श्रद्धांजलि, अंतर्ज्वाला, अभ्यर्थना, बेखटक बेतियावी, शाहजादी जहाँआरा, विजयवैजयंती, रानी शैव्या ; अप्र॰ दो लेख एवं कहानी-संग्रह ; प॰ हरपुरनाग, महेसी, चम्पारन।

हरिहरबख्शसिंह, 'हरीश'—ज॰ २८ अप्रैल, '१९, सिपाहमहेरी प्रतापगढ ; शि॰ बी॰ ए॰, एल-एल॰ बी॰ प्रयाग वि॰ वि॰ ; सा॰ भूत॰ सद॰ : कार्यकारिणी म॰ प्र॰ हिं॰सा॰सम्मे॰ '५९-'६०, संस्था॰ एवं अध्यक्ष : देश बंधुसंघ '४५-'५६, भूत॰ अध्यक्ष : हिंदी साहि॰ मंडल रायपुर '५३-'५६, प्रधानमंत्री म॰प्र॰ हिं॰सा॰सम्मे॰ '६१ से ; प्र॰ '५० में ; प्रका॰ राणाप्रताप (खंड॰) '६० ; अप्र॰ जीवन-प्रदीप एवं निर्घोष; प॰ गंजपड़ाव, रायपुर।

हरिहर विट्ठल त्रिवेदी, डा॰—ज॰ २६ नवंबर, १९०३ ; शि॰ बी॰ए॰ इंदौर, एम॰ए॰ संस्कृत, प्रयाग वि॰वि॰, बी॰ टी॰ '३५, डी॰ लिट॰ '४७ काशी

वि०वि०; सा०भूत० उपमंत्रा० म०प्र० पुरातत्वविभाग, भूत०सभा० वार्षिक सम्मे० 'न्यु मिस्मेटिक सोसाइटी आफ इंडिया' '६०, 'आलइंडिया ओरिएंटल कान्फ्रेंस आरक्रियालोजी सेक्सन' '५६ ; प्रका० मध्यप्रदेश चतुर्धाम '५८, गाँधीसागर का पुरातत्व '६० तथा अँग्रेजी में भी कई पुस्तकें ; वि० अनेक पदक प्राप्त ; वर्त० प्राध्यापक, प्राच्य इतिहास एवं संस्कृत विभाग, विक्रम वि०वि०, उज्जैन ; संपा० 'जर्नल आफ दि न्युमिस्मेटिक सोसाइटी आफ इंडिया', वाराणसी ; प० ३३, शंकरबाग कालोनी, वाणगंगा रोड, इंदौर।

हरीबाबू चतुर्वेदी—ज० १७ मार्च, '३४ ; शि० एम० ए०, सा०रत्न ; प्रका० आलो० लेख तथा कहानियाँ ; अप्र० पिंजर (कहा०) ; वि० 'महाकवि निराला . जीवनी और काव्य' पर पी-एच० डी० के लिए शोधकार्य-रत ; प० हिंदी विभाग, वि० वि०, बड़ौदा।

हरीश करुणा—ज० ८ नवबर, '३६, ढुढ़िके, पंजाब ; प्रका० स्मृति (खंड०); अप्र० हिमबाला, प्रणयोद्गार ; गीत : निराला-शोकशतक ; कवि० : स्वर्गंगा, विहान, केंचुली, मयूरपंख ; गद्यगीत : शतदल ; उप० : शक्ति; कहा० बूढ़ा जहाजी (अनु०) ; प० १८ ई०, सेक्टर-२१ डी०, चंडीगढ़।

हरीश जायसवाल—ज० १ नवंबर, '३० ; शि० बी० ए० ; मा० भूत० संपा० मा० 'आकाश' (उर्दू), '४८ में 'आहुति' फिल्म के कहा० तथा संवाद-लेखक, शीघ्र ही एक नई कहानी 'चट्टान' की फिल्म बनने जा रही है, प्र० '४२ में; प्रका० ठंडी चाय (कहा०) '५२, पैमाना (उप०) '५६, मेरी डार्लिंग (कहा०, यंत्रस्थ), एक अँग्रेजी कहानी-संग्रह अमेरिका में यंत्रस्थ ; अप्र० दो संग्रह ; प० रुक्मिनी बाग, क्लब रोड, मुजफ्फरपुर।

हरीश निगम—ज० ३ मई, '२८ ; शि० उन्हल, उज्जैन ; प्र० '५७ में ; प्रका० कुसुम-कुंज (कवि०) '५७, हरियालो आँचल (गीत) '६१, अप्र० दो संग्रह ; वि० मालवी लोकगीत, लोककथा एवं लोकोक्तियों के संग्रह में संलग्न ; प० ६०, देसाईनगर, उज्जैन।

हरीश भदानी—ज० ११ जून, '३३; शि० बी० ए०; सा प्रबंधसंपा० : त्रैमा० 'वातायन' ; प्र० '५५ में ; प्रका० अधूरेगीत '५९, सपन की गली '६१, राजस्थान के कवि० '६१ ; अप्र० योगी (खंड०) एवं तीन संग्रह ; प० ५, डागा बिल्डिङ्ग, बीकानेर।

हर्षनंदिनी भाटिया—ज० ७ जून, '३०, हाथरस ; शि० कानपुर, एम० ए० हिंदी, सा०रत्न, सरस्वती , प्रका० स्फुट निबंध ; अप्र० दो संग्रह ; प० प्रधानाचार्या, भारती महिला विद्यालय, गाधीपार्क, अलीगढ़।

हर्षनारायण—ज० '२१ ; शि० एम० ए० संस्कृत, नागपुर वि०वि० ; प्रका० स्फुट निबंध आदि, एक लेख अमेरिका मे भी प्रकाशित ; अप्र० इतिहास-दर्शन ; वि० 'हिंदी-साहित्य-कोश' के एक लेखक ; 'न्याय वैशेषिक पदार्थशास्त्र का विकास' विषय पर पी-एच० डी० के लिए शोधप्रबंध प्रस्तुत कर चुके हैं; प० सी०।४२।५८, रामरतनवाजपेयी मार्ग, नरही, लखनऊ ।

हवलदार त्रिपाठी, 'सहृदय' —ज० '१६ ; शि० साहित्यशास्त्री '३४, साहित्याचार्य '३६ ; सा० भूत० सद० : सोशलिस्ट पार्टी '५०-'५३, '४२ के आंदोलन मे सक्रिय भाग तथा 'आजाद दस्ते' का संगठन, एक वर्ष तक बक्सर और भागलपुर जेल में रहे, मा० 'बालक' लहेरियासराय के संपादकीय विभाग में पाँच वर्ष '३७-'४२, 'हिमालय' पटना तथा साप्ता० 'जनता' में कुछ समय तक कार्य किया ; प्र० '३५ मे ; प्रका० शशिदर्शन (कवि०) '४८, बौद्ध धर्म और बिहार '५८, दशकुमार चरितम् '६०, अभिव्यक्ति प्रकार (लेख०,यंत्रस्थ) ; वि० 'बौद्धधर्म के विकास में बिहार की देन' निबंध पर बिहार सरकार से ३००) का सम्मान पुरस्कार एवं 'बौद्ध धर्म और बिहार' पर १०००) का ग्रंथ पुरस्कार प्राप्त ; वर्त० सहायक प्रकाशनाधिकारी : बिहार राष्ट्रभाषा परि० पटना, सहसंपा० त्रैमा० 'परिषद पत्रिका' एवं मा० 'संस्कृत संजीवनम्'; प० बिहारराष्ट्रभाषापरिषद, पटना४।

हवलदारीराम गुप्त, 'हलधर'—ज० १ जनवरी, १८८२ हरिहर गंज, पलामू ; शि० राँची, प्रवेशिका ; सा० सद० अभ्युदय हिंदी साहित्य समाजकीय पुस्तकालय, भूत० सभा० अ० रौनियार वैश्य सम्मे०, भूत० उप सभा० पलामू जिला हिं०सा०सम्मे०, संयुक्तमंत्री : महावीर पुस्तकालय पुरनिया, मारवाडी पुस्तकालय डालटनगंज, '११ मे गवर्नमेंट मिडिल इंग्लिश स्कूल के हेडपंडित तथा गवर्नमेंट हाईस्कूल में हिंदी के प्रधानाध्यापक पद पर कार्य एवं '४७ से अवकाशप्राप्त, '४८ में 'हलधर प्रेस' की डालटन-गंज में स्थापना, भूत०संपा० सा० 'रौनियार बंधु' राँची १० वर्ष तक ; प्र० '१२ में ; प्रका० वीर लक्ष्मण, त्यागी भरत, कंगाल की बेटी, कलश-विनोद, कालिका-विनोद (एका०), कोंहड़ा पांडे, ऐंठूसिंह, छोटा नागपुर का इतिहास, पलामू का इतिहास, पत्र-प्रभाकर, स्वास्थ्यरक्षा, संगीत बालव्यायाम, सुलभ शुभंकरी, नूतन वर्ण-परिचय, आदर्श विवाह, रौनियार वैश्य-परिचय, वैश्य कर्म, जातीय संगठन, कुरीति-निवारण, सुनीति-संचारण आदि ; प संपा साप्ता 'हलधर', हलधर प्रेस, ——— 'बिहार' ।

हिमांशु जोशी—ज० ४ मई, '३५ ; शि० नैनीताल ; प्र० '५२ में ; प्रका० नई पौध : नई सूझ (अनु० नाट०) '६० ; अप्र० तीन उप०, तीन कहा० तथा शब्दचित्र-संग्रह ; प० डी-११६, नेताजी नगर, नई दिल्ली—३ ।

हिरण्मय, डा०—शि० एम० ए०, पी-एच० डी०, सा०रत्न, विद्वान, राष्ट्रभाषाविशारद, हिंदीप्रचारक ; सा० सद० 'बोर्ड आफ स्टडीज,' मैसूर वि० वि०, कार्यकारिणी समिति मैसूर, पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति मैसूर सरकार ; मैसूर, कर्नाटक एवं केरल विश्वविद्यालयों के स्नातकोत्तर परीक्षा समितियों के सद० ; संचा० : मैसूर रियासत हिंदी प्रचार समिति बेंगलूर, उपाध्यक्ष : हिंदी प्रचार सभा मैसूर, संस्था० : केंद्रीय हिंदी पुस्तकालय तथा ३० हिंदी प्रचार संस्थाएँ मैसूर राज्य में, '३२-'४८ तक दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा के कार्यकर्त्ता ; प्रका० हिंदी और कन्नड में भक्ति आंदोलन का तुलनात्मक अध्ययन (शोधग्रंथ), तथा कन्नड से हिंदी में अनेक अनु० ; 'हिंदी और कन्नड में भक्ति आंदोलन का तुलनात्मक अध्ययन' पर उ०प्र० सरकार तथा बिहार राष्ट्रभाषा परि० द्वारा क्रमशः ५००) तथा १०००) का पुरस्कार प्राप्त, कन्नड़ भाषा में भी दो पुस्तकें प्रकाशित की हैं ; वर्त० '४८ से महाराजा कालेज, मैसूर में हिंदी-प्राध्यापक, अब विभाग के अध्यक्ष ; प० अध्यक्ष हिं० वि०, महाराजा कालेज, वि०वि०, मैसूर ।

हीरादेवी चतुर्वेदी—ज० २ मई, '१५ ; सा० संपादिका मा० : 'मनोरमा' प्रयाग ; प्रका० मंजरी, नीलम, मधुवन, मधुमास, उलझी लड़ियाँ, गल्पगवाक्ष, रंगीनपर्दा, बुंदेलखंडी लोकगीत, घर की शोभा ; अप्र० चार पुस्तकें ; वि० 'उलझी लड़ियाँ' तथा 'मधुमास' पर उ०प्र० सरकार द्वारा दो पुरस्कार प्राप्त ; प० खासगी बाजार, लश्कर, ग्वालियर ।

हीरालाल जैन—ज० २५ अगस्त, '१६ ; शि० इंटर कोटा, बी०ए० आनर्स अर्थशास्त्र, कलकत्ता वि०वि०, बी०ए० आनर्स शांतिनिकेतन बंगाल '३५-'३७, सा० संपा० राजस्थान पार्टी के साप्ता० मुखपत्र 'जयहिंद' कोटा '४७-५५, '२५-'६७ तक विश्वभारती शांतिनिकेतन मे अध्यापक, राजस्थान मे सोशलिस्ट पार्टी के प्रमुख नेता, '५५ के गोआ सत्याग्रह में भी प्रमुख भाग लिया, विभिन्न जन-आंदोलनों में '४७ से चार बार कारावास ; प्र० '४० में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० अनेक संग्रह ; प० संपा० साप्ता० 'जयहिंद', कोटा ।

हीरालाल जैन, 'कौशल'—ज० ११ मई, '१४ ; शि० सा०रत्न, शास्त्री, न्यायतीर्थ, विद्याभूषण,प्रभाकर ; सा० अध्यक्ष : जैन विद्वान समिति, दिल्ली प्रका-मंत्री : जैन सिद्धांत ग्रंथमाला भूव संपा० मा 'जैनप्रचारक'

दिल्ली एवं 'उमंग' ; प्रका॰ अनेक सपा॰ ग्रंथ; प॰ हिंदी प्राध्यापक, हीरालाल जैन हायर सेकेंडरी स्कूल, सदरबाजार, दिल्ली—६ ।

हीरालाल दीक्षित, डा०—ज॰ ७ जुलाई, '१६ , शि॰ बी॰ए॰ '३६, एम॰ ए॰ '४०, पी-एच॰ डी॰ '५० ; सा॰ जुलाई '५१ से लखनऊ वि॰वि॰ मे हिंदी-प्राध्यापक, मंसादीन शुक्ल इंटर कालेज लखनऊ के उपप्रबंधक, भूत॰ संपा॰ वार्षिकी 'संकल्प' ; प्र॰ '४२ में ; प्रका॰ आचार्य केशवदास (शोधग्रंथ) '५२ ; अप्र॰ केशव के काव्य का सास्कृतिक अध्ययन ; वि॰ कई संग्रहो मे आलो॰ लेख संकलित, 'आचार्य केशवदास' पर उ॰प्र॰ सरकार की हिंदी समिति द्वारा ७००) पुरस्कार प्राप्त; प॰ ६४/२४२, यहियागंज, लखनऊ—३ ।

हीरालाल, 'निराश'—ज॰ १२ नवंबर, '३०; शि॰ बी॰ ए॰ '५१, एल-एल॰ बी॰ '५५ प्रयाग वि॰वि॰ ; प्रका॰ शरणार्थी (कहा॰) ४८, रात और बरसात (कवि॰) '६२ ; अप्र॰ मध्यभारत की साहित्यिक विभूतियाँ एवं दो संग्रह ; प॰ सिगीभवन, दानाओली, लश्कर ।

हीरालाल वर्मा, 'नवरत्न'—ज॰ '३८ ; शि॰ नोखा, कोविद '६२ वर्धा ; प्र॰ '५८ में ; प्रका॰ स्फुट ; अप्र॰ कविता-कहानी के दो संग्रह , प॰ ३।२३३, नोखामंडी, बीकानेर ।

हृदयनारायण—ज॰ २४ अगस्त, '२२, बिरनियाँ, संतालपरगना ; शि॰ पटना तथा प्रयाग वि॰ वि॰ ; सा॰ संस्था॰ : कन्याविद्यालय सारन '४८, सुहृद समाज पुरनिया '५२, सुहृदसंघ इस्लामपुर '५४, संचा॰-प्रका॰ मा॰'प्रगति' '५६, प्र॰ '५२ मे; प्रका॰ पूर्णिमा (कहा॰), जनता का राज्य (उप॰) '५४, एक दिन '५५, पचास हजार रुपये (कहा॰) '६०, दो रास्ते (उप॰), फिर एक दिन आयगा (उप॰), मुट्ठी भर राख (नाट॰), दो रास्ते (नाट॰) ; प॰ निरीक्षक केंद्रीय उत्पादनशुल्कविभाग, लालगंज, मुजफ्फरपुर ।

हृदयनारायण पांडेय, 'हृदयेश'—ज॰ दिसंबर, १८०५, शि॰ साहित्यालंकार दर्शनालंकार, उर्दू-फारसी में 'मुंशीफाजिल' ; सा॰ भूत॰ अध्यक्ष कौशलेंद्र स्मृति-समारोह आगरा '३३, मैनपुरी प्रांतीय हि॰सा॰सम्मे॰ '३२ तथा अनेक संस्थाएँ; सभा॰ : आचार्य श्रीमहावीर प्रसाद द्विवेदी परि॰ कानपुर ; प्र॰ '२४ में ; प्रका॰ शंखनाद (कवि॰) '२४, संकीर्त्तन (काव्य) '२४, प्रेमपत्र (खंड॰) '३१, इँग्लैंड की सैर '३२, पत्र-प्रबोध '३२, कसक (कवि॰) '३४ मधुरिमा (कवि॰) '३८, प्रेम-संदेश (खंड॰) '३८ करुणा (खंड) '३८ सुषमा कवि '४२, शैवालिनी कवि ६० सपा हिंदी-उर्दू-कोश

काव्य-विवेचन, हृदयमंदिर (कवि०), मल्लिका (कहा०), शिवाजी (महा०); वि० ओरछा, ग्वालियर, झालावाड, सैलाना, कोटा आदि के महाराजाओं द्वारा पुरस्कार एवं स्वर्णपदक प्राप्त, ओरछा दरबार से 'साहित्यभूषण' तथा निंबार्क विद्यापीठ वृन्दावन से 'कविरत्न' की उपाधि प्राप्त ; प० १०६-२७४, गांधीनगर, कानपुर।

हृदयानंद तिवारी, '*कुमारेश*'—ज० १५ जुलाई, '३६, रेवती, बलिया; शि० बी० एस-सी० '५६, प्रयाग वि०वि०, एम० ए० हिंदी '५८ आगरा वि०वि०; प्र० '५६ में ; प्रका० क्रांति-दूत (खंड०) '६१; अप्र० मुस्कराते आँसू एवं दो संग्रह; वि० वर्त० सहसंपा उ प्र० कृषि-विभाग द्वारा प्रकाशित मा० 'कृषि-समाचार' एवं मा० 'कृषि और पशुपालन'; प० सहसंपा० प्रचार, शिक्षा एवं प्रशिक्षण ब्युरो, कृषि-विभाग, ६ यूनीवर्सिटी रोड, लखनऊ।

हृषीकेश चतुर्वेदी—ज० २२ दिसंबर, १६०७; शि० इंटर ; सा० संस्था० : सरस्वती सदन पुस्तकालय '२२, ललित कला परि० '४० एवं रत्नदीप, '५६; भूत०संपा० मा० 'चतुर्वेदी' '४७-'५० ; प्र० '२१ में; प्रका० हृषीकेश-गीतांजलि (गीत०) '२५, रसरंग (गीत) '२५, वृद्ध नाविक (अनु०) '२६, श्रीगीतानुवाद '३०, समश्लोकी मेघदूत (ब्रजभाषा, अनु०) '३३, विजय-वाटिका (हास्य) '३६, भंग का लोटा (हास्य) '३७, संयुक्त वर्णविज्ञान '४०, श्रीरामकृष्णकाव्य '४३, श्रीरामकृष्णायन '५४, श्रीकृष्ण-ताडव स्तोत्रम् '५२, श्रीकृष्णनाममाला, चित्र-वैचित्र्य, ब्रजमाधुरी, छेड़छाड़ (हास्यकवि०) तथा अँग्रेजी में एक पुस्तक, प० चौबे जी का कटरा, आगरा।

हेमराज, '*निर्मम*'—ज० ५ अगस्त '३१; शि० एम० ए० जालंधर; प्र० '५१ में ; प्रका० गद्यकार द्विवेदी '५७, मुझे भूल जाना (उप०) '६०; आधुनिक शिक्षा का इतिहास, प्रयोग और समस्याएँ '६१; अप्र० नम्बर स्त्रीज (उप०), वि० भारतीय शिक्षा का इतिहास व आधुनिक शिक्षाशास्त्री '५७ एवं स्कूल-प्रबंध '६० के सहलेखक ; प० ई-१. ६०, सेक्टर १४, चंडीगढ़।

हेमलता देवी तैलंग—ज० '३४ ; शि० विशारद ; जा० अँग्रेजी, गुजराती, कन्नड एवं तेलुगु ; प्रका० बुन्देलखंड की राजनैतिक जागृति '५६, बुन्देलखंड की क्रांतिकारिणी महिलाएँ '५८, बुन्देलखंडी व्यंजन '६०; वि० वनिता-मंडल वल्लभविद्यानगर, महिला-मंडल अहमदाबाद, महिला-कल्याण भद्रावती एवं श्रीरुक्मिणी महिला समिति अजयगढ़ से प्रशंसापत्र प्राप्त ; प० डा० मुकर्जी क्वार्टर्स, बायरन बाजार, रायपुर।

होरीलाल शर्मा, 'नीरव'—ज० ८ फरवरी, '१३; शि० शाहजहाँपुर तथा बरेली, एम० ए० (संस्कृत, हिंदी तथा अँग्रेजी), सा०रत्न, शास्त्री; सा० अनेक साहि० संस्थाओं के संस्था० एवं पदाधिकारी; प्र० '३७ में; प्रका० कवि० : दीपदान, पथ-राल, प्रलापिनी, किरण-बधू ; अप्र० सलिलगीत, तारस्वर; एकां० : चंद्रकुमुद आदि; गृहस्वामिनी तथा दो संग्रह; वि० 'साहित्य-वाचस्पति' उपाधि प्राप्त; प० प्राध्यापक, राजकीय दीक्षाविद्यालय, बरेली ।

परिशिष्ट एक : अवशिष्ट परिचय

अंजनीकुमार—ज० १९०६; शि० एम०ए० अँग्रेजी, एल-एल० बी०; सा० '४२ तक राजनीति में रहे और सत्याग्रह-काल में छह-सात बार कारावास. द्विवेदी-स्मारक के निर्माण मे योग दिया, जायसी-स्मारक के लिए भी यत्नशील रहे; प्र० '२४ में; प्रका० स्फुट; अप्र० कई लेख एव कविता-संग्रह; प० स्टेशन रोड, रायबरेली।

अंबिकादत्त त्रिपाठी, 'दत्त' खेमीपुरी—ज० १८९४, खेमीपुर, फूलपूर, आजमगढ़; सा० संस्था० साहित्यसागर पुस्तकालय; प्र० '१६ मे; प्रका० सीय-स्वयंवर (नाट०), भंग में रग, आदर्श वीरागना (नाट०), चर्खा, चुगुल-चालीसा, अहिसा-संग्राम, एक न एक लगा रहता है, भीष्म-प्रतिज्ञा, नीति-निधि, पद्यात्मक गीता (अनु०), आदर्श बाला, स्वास्थ्य-रक्षा (नाट०), स्वराज-सीढी, वाल-गीतावली, सत्संग-महिमा एवं बाल-जीवन-सुधार; प० 'साहित्य-सागर' पुस्तकालय, सुइथा कलाँ, शाहगज, जौनपुर।

अच्युतानंद सरस्वती, 'स्वामी'—ज० १८६९; शि० काशी; सा० संस्था० आनदाश्रम; प्र० '३८ में; प्रका० 'शाति-साधन' आदि १३ ग्रंथ; वि० सन्यासी जीवन व्यतीत करते हुए हिदी माध्यम से आध्यात्मिक रहस्यों का प्रसार करना जीवन-व्रत बनाया है; प० आनंदाश्रम, बडवाहा।

अजायबसिंह—ज० '२५ के लगभग; प्रका० योद्धा नहीं कामगार, बुद्ध की कहानी; वि० पजाबी मे चार काव्य-संग्रह एवं लगभग ३० बालो० पुस्तके लिखी हैं; प० दशमेशनगर, मिलगंज, लुधियाना।

अजित पुष्कल—ज० ८ मई, '३५, पैगम्बरपुर, बाँदा; शिक्षा एम० ए०, एल० टी०; प्र० '५४ मे; प्रका० स्फुट; अप्र० तीन उपन्यास एव दो कविता-संग्रह; प० प्राध्यापक, के० पी० इंटर कालेज, इलाहाबाद।

अनंतगोपाल झिंगरन, डा०—ज० १२ अगस्त, १९०८; शि० एम एस-सी० (जिओलाजी) '३० काशी वि०वि०, पी-एच० डी० (जिओलाजी) '३८ डरहम वि०वि० (इंग्लैड); सा० भारतसरकार द्वारा आयोजित वैज्ञानिक पारिभाषिक शब्दावली निर्माण-कार्य मे योग '५१ से, त्रैमा० 'इडियन मिनरल्स' के हिंदी खंड के संपा० '५७ से; प्र० '३४ में; प्रका० 'भारत में प्राप्त खनिज' के साथ-साथ वैज्ञानिक विषयो पर स्फुट लेख प भारतीय

एवं तीन वर्ष का कारावास '४२-'४५; संचा॰ अँग्रेजी साप्ता॰ 'इंडिपेंडेंट' '३५ एवं अँगरेजी दै॰ 'नागपुर टाइम्स' '४८ ; प्र॰ '२५ में; प्रका॰ ईसाईबाला (उप॰) '३२, निशागीत (उप॰) '४८, मृगजल (उप॰) '४८, पूर्णिमा (उप॰) '५०, ज्वालामुखी (उप॰) '५५, तीसरी भूख (लेख॰) '५६, मंगला (उप॰) '५८, परिक्रमा या अधूरा सपना (उप॰) '६०, भग्न मंदिर (उप॰) '६१, संगम (लेखक तथा उसकी पत्नी की कथाओं का संग्रह) '६२, संतरों की डाली (कहा॰) '६३; वि॰ 'ज्वालामुखी' (उप॰) नेशनल बुक ट्रस्ट की ओर से भारत की चौदह भाषाओं में अनुवादित और प्रकाशित हो रहा है ; 'मंगला' (उप॰) भारत सरकार द्वारा ब्रेयल लिपि में प्रकाशित, कई उपन्यासों का गुजराती, मलयालम, मराठी, सिंधी एवं तेलुगू में प्रकाशन हो चुका है ; 'ईसाई बाला' पर सी॰पी॰ ऐंड बेरार लिटरेरी एकेडमी पुरस्कार '५२, 'मृगजल' पर म॰प्र॰ शासन साहित्य परिषद का पुरस्कार '५५, 'ज्वालामुखी' और 'तीसरी भूख' पर उ॰प्र॰ शासन का पुरस्कार '५६ एवं अखिल भारतीय महात्मा गाँधी पुरस्कार '६०-'६१, 'भग्न-मंदिर' पर उ॰प्र॰ शासन का पुरस्कार '६१ में प्राप्त; वर्त॰ प्रबंधसंपा॰दै॰ 'नागपुर टाइम्स'; प॰ खुर्शिदविला धरमपेठ, नागपुर ।

अनंतमराल शास्त्री—ज॰ १५ सितम्बर, '१५; शि॰ काशी विद्यापीठ, पटना वि॰वि॰, ओरिएंटल कालेज लाहौर एवं पंजाब वि॰वि, शास्त्री, एम॰ ए॰ (हिंदी एवं संस्कृत), ए॰ ओ॰ एल॰ (संस्कृत) ; सा॰ संपा॰ दै॰ 'हिंदी मिलाप', साप्ता॰ 'खरी बात', मा॰ 'आजकल', मा॰ 'शिक्षा', 'मध्यप्रदेश संदेश' एवं 'आनवर्ड'; बालो॰ मा॰ उर्दू 'नौनिहाल' एवं बालो॰ अँग्रेजी मा॰ 'हे डे' के संपा॰-मंडल के सद॰; सचिव : तानसेन समारोह समिति, शासन सा॰परि॰, टैगोर शताब्दी समारोह समिति एवं मालवीय शताब्दी समारोह समिति; संयुक्तसचिव कालिदास समारोह समिति ; प्र॰ '३४ में; प्रका॰ रामभक्तिशाखा, कविता-निकुंज, भारत-सुषमा, रघुवंश; वर्त॰ संचालक, म॰प्र॰ भाषाविभाग, भोपाल; प॰१२८,अमेरिकन हट,शाहजहानाबाद,भोपाल ।

अनंतराम दुबे, 'प्रभात'—ज॰ ४ अगस्त, '२४ ; शि॰ एम॰ ए॰ राजनीति, सा॰ र॰; सा॰ '४२ के आंदोलन में दो वर्ष का कारावास, भूत॰ संपा॰ मा॰ 'पपीहा', 'कामांजलि' और 'लोकमित्र'; वर्त॰ साहित्य-संपा॰ 'नवभारत' जबलपुर; प्र॰ '४० में ; प्रका॰ साहित्य-दर्शन, हिंदी-साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, बायोकेमिक शिक्षक, साहित्य-निर्माण और समालोचना; प॰ साहित्य-संपादक 'नवभारत', जबलपुर ।

अनंतलाल चौधरी—ज० '३०'; शि० एम० ए० हिंदी '५४ पटना वि०वि० ; सा० प्राध्यापक हिं०वि०, पटना कालेज पटना; प्रका० हिंदी साहित्य के सहस्र वर्ष '६०, वि० पटना वि०वि० से डी० लिट्० के लिए 'हिंदी व्याकरण' पर शोधकार्य-रत; प० चौधरी टोला, पटना ६ ।

अनिल राकेशी—ज० ६ अप्रैल, '३८; शि० एम० ए० हिंदी (प्रथम), पंजाब वि०वि०, सा० अध्यक्ष: अ०भा० नियामक समिति एवं तरुण-परिषद्, संस्था०-संचा० हिंदी साहित्य संगम, हिमाचल राज्य; सद० पंजाब प्रादेशिक हिंदी साहित्य संगम आदि; संपा० अँग्रेजी साप्ताहिक 'समाचार'; प्र० '५८ में; प्रका० स्फुट; अप्र० माटी की महक (कवि०) एवं दो संग्रह; वि० कुछ संकलनों में रचनाएँ संगृहीत हुई हैं; प० राकेशी कुटीर, नाहन (हिमाचल)।

अन्नपूर्णा ताँगड़ी—ज० दिसंबर, '१७; शि० एम०ए०, बी०ए० आनर्स, डी०टी०, शास्त्री, साहित्याचार्य (संस्कृत), सा० संस्था० भारतीय बालिकाविद्यालय, लखनऊ '४४ अब उसकी प्रधानाचार्या, प्र० '६१ में; प्रका० निर्धनता का अभिशाप '६१, मिलनाहुति (उप०),चिता की धूलि,(उप०), विजयिनी (उप०), भारत-संहति (नाट०); अप्र० पंक मे पंकज (उप०), रण-भेरी (नाट०), प० प्रधानाचार्या भारतीय बालिका विद्यालय, शाहनजफ रोड, लखनऊ ।

अप्पा साहब अ० सनदी, 'शैल'—ज० ४ जून, '३८; शि० प्रवेशिका मद्रास, राष्ट्र-भाषा-कोविद् वर्धा, बी० ए० (प्रथम); प्रका० स्फुट ; अप्र० शैल और सागर (कवि०), शहीद (संयुक्त कवि०) एवं 'माडिमडिदवर' (अनु०उप०); प० द्वारा श्री एस०बी० पहणशेट्टी, बालेकायी गली, धारवाड, मैसूर राज्य ।

अब्दुर्रशीद—ज० १८९८ ; शि० उर्दू मिडिल '१५, पी०टी०सी०; सा० भूत० अध्यापक प्रारंभिक विद्यालय; प्रका० स्फुट ; अप्र० चितचोर बावनी, गंगावतरण, झूरे का मारा किसान आदि; प० सैयद राज्य, रायबरेली ।

अमरनाथ, 'सरस'—ज० १ जनवरी, '२३ ; शि० एम० ए०, बी०टी०, प्रभाकर ; प्रका- घिर आए बदरवा (कहा०) एवं स्वाभिमान (एका०) ; अप्र० गीतों, कविताओं, कहानियों तथा लेखों के चार संग्रह ; प० प्रिंसिपल, सेठ मुकुंदलाल कालेज, गाजियाबाद ।

अयोध्याप्रसाद तिवारी—ज० १८९४ . शि० नार्मल '१३, विशारद '२३ ; प्रका० बीकानेर की ऐतिहासिक गाथाएँ, सरल बहीखाता, राजपूताने का भूगोल, अंकगणित (दो भाग), रहिमन-विनोद (संपा०), गोरा-बादल की कथा (संपा०), आठी संग्रह (संपा०), करणी-महिमा आदि ; अप्र० चार-पाँच पुस्तकें - प- त्रिपाठी भवन औरैया इटावा ।

अरविंदकुमार देसाई, डा०—ज० ४ अगस्त, '२० ; शि० विद्यालंकार, '४० गुरुकुल काँगडी, एम० ए० संस्कृत '५१ आगरा वि०वि०, एम० ए० हिंदी एवं गुजराती '५५ बड़ौदा वि०वि०, सा०रत्न '५२ प्रयाग, पी-एच० डी० '६२ आगरा वि०वि० ; सा० '४२ के आंदोलन में आठ मास का कारावास, '४० से कई वर्ष तक गुजरात मे हिंदी-प्रचार किया ; वर्त० अध्यक्ष हिं० वि०, एम० टी० बी० आर्ट्स कालेज, सूरत ; प्र० '३८ में ; प्रका० जनता की बोली (छह भाग), भारतीय इतिहास की विकास रेखा (अनु० गुजराती में) ; अप्र० भारतेंदु और नर्मद का तुलनात्मक अध्ययन (शोधग्रंथ) ; प० १७, महादेवनगर सोसायटी, सगरामपुरा, सूरत—२।

अरुणदेव शर्मा—ज० ५ मार्च, '४०, लखनऊ ; शि० एम० ए० '६० सा०रत्न ; सा० साहित्य-रत्नाकर संस्था का उज्जैन मे संगठन किया '६०-'६१, संस्था० एवं सभापति : नव साहित्य समिति नरसिंहगढ '६२ ; अध्यापक : शिक्षाविभाग म० प्र० '६० से ; प्र० '५८ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० एक उपन्यास एवं एक नाटक ; वर्त अध्यापक श्रीविक्रम हा० से० स्कूल, नरसिंहगढ़, ; प० ७५, लंकापुरी (वाया भोपाल), नरसिंहगढ़, राजगढ़ ।

अरुणमोहिनी मिश्र, 'गिरिजा'—ज० २ सितंबर, '२९ ; शि० विशारद सम्मे० प्रयाग, साहित्याचार्य पटना ; सा० संपा० त्रैमा० 'विश्वास' ; प्र० '५४ में ; प्रका० पाकशास्त्र '५४, नारी-जीवन '५६, मैके की ममता (कहा०) '५८, दीदी का प्यार (कहा०) '६० ; प० मिश्रबंधु-निवास, साहित्य मंदिर, सेवती, मखदुमपुर, गया ।

अवधेशकुमार, 'व्याकुल'—ज० १५ अप्रैल, '३९, भेंवर करमनपुर, मिर्जापुर; शि० एम० ए० भूगोल '५९ आगरा वि०वि० ; सा० स्थानीय हिंदी सभा के उपाध्यक्ष, संपा० वार्षिकी 'तपोभूमि' मिश्रिख ; प्र० '५७ में; प्रका० स्फुट ; अप्र० भारत की भौगोलिक समीक्षा, लोकप्रिय लोककथाएँ, ज्ञान-विज्ञान की बातें, वैज्ञानिक मनोरंजन ; अप्र० लेखों एवं कहानियों के तीन संग्रह ; प० प्राध्यापक, महर्षि दधीचि कालेज, मिश्रिख, सीतापुर ।

आदर्शकुमारी—ज० २२ सितंबर, '२० ; शि० बी० ए० आनर्स (हिंदी) '५८, एम० ए० '६० दिल्ली वि०वि० ; सा० भूत० प्राध्यापिका, जानकीदेवी कालेज, नई दिल्ली ; प्रका० पुण्य की जड़ हरी (कहा०), ब्रज की लोककथाएँ, हमारे मुस्लिम संत, जीवित तस्वीरें (अनु०) ; अप्र० लेखों-कहानियों के चार संग्रह ; प० ७/८, दरियागंज, दिल्ली ६ ।

आदित्यकुमार चतुर्वेदी—ज॰ २५ जून, '२४ ; शि॰ बी॰ ए॰ '४३ (स्वर्णपदकप्राप्त), एम॰ ए॰ अँग्रेजी '४२, एल-एल॰ बी॰ '४७, आगरा वि॰वि॰, सा॰ प्राध्यापक, सेंट जान्स कालेज, आगरा '४५-'४७, अँग्रेजी विभागाध्यक्ष अहीर क्षत्रिय डिग्री कालेज शिकोहाबाद '४७-'४९, '४९ में पुनः सेंट जान्स कालेज आगरा में अँगरेजी-प्राध्यापक, '५५ मे अँगरेजी विभागाध्यक्ष एवं उपप्रधानाचार्य महारानी लालकुँवरि डिगरी कालेज बलरामपुर, अब वही प्रधानाचार्य ; 'प्र॰ '४५ में ; प्रका॰ स्फुट , अप्र॰ दो कविता-संग्रह . वि॰ अँगरेजी में भी लिखते हैं ; प॰ प्रधानाचार्य, महारानी लाल कुँवरि डिग्री कालेज, बलरामपुर (गोंडा) ।

आनंदकुमार—ज॰ '१५ ; शि॰ बी॰ ए॰ इलाहाबाद वि॰वि॰ ; सा॰ कई वर्षो तक बालो॰ 'वानर' तथा 'कुमार' का संपादन किया ; प्र॰ '३२ मे ; प्रका॰ अंगराज (महा॰) ; कवि : पुष्पवाण, सारिका, मालिनी, लता एवं मधुवन ; आलो॰ लेख : हिंदी कविता का विकास, समाज और साहित्य (दो भाग), बातचीत (लेख) ; अन्य आत्म-विकास, मनुष्य का विराट् रूप, आपका व्यक्तित्व, आपका शरीर, मनोविनोद, खटोला, बीरबल की कहानियाँ ; अनु॰ एवं संक॰ : वाल्मीकि रामायण, अमृत की बूँदें, सूक्ति-रत्नावली, किसानों की कहावतें, घरेलू इलाज ; बालो॰ इनसे क्या सीखें, नई पुरानी कहानियाँ, इनकी भी कहानी है, क्या-क्यों-कैसे ? कहाँ-कौन-कितना ? अमर कथाएँ, लोक कथाएँ, नीति कथाएँ, मनोरंजक कथाएँ, जातक कथाएँ, भारतीय कथाएँ, सदाचार की कथाएँ, वीरगाथा, बहुत दिनों की बात है, बुद्धि-विनोद, नीति-प्रमोद, आदर्श कथाएँ, इतिहास की कहानियाँ, सरस कहानियाँ, अनमोल कहानियाँ आदि लगभग सत्तर पुस्तके ; वि॰ 'अंगराज' पर उ॰ प्र॰ सरकार से १६००) तथा 'आत्म-विकास' पर ८००) का पुरस्कार प्राप्त ; 'आपका व्यक्तित्व' तथा 'आपका शरीर' भी उ॰ प्र॰ सरकार द्वारा पुरस्कृत, 'इनसे क्या सीखें' दिल्ली सरकार द्वारा पुरस्कृत ; प॰ आनंद-निकेतन, सुलतानपुर ।

आनंद झा, आचार्य—ज॰ २२ सितंबर, '१४ ; शि॰ वाराणसी ; सा॰ भूत॰ संपा॰ 'वेदांत-दर्शन' कलकत्ता , प्र॰ '५० में ; प्रका॰ पदार्थशास्त्र (प्रथम भाग) '५० ; अप्र॰ पदार्थशास्त्र (द्वितीय भाग), चार्वाक-दर्शन घनश्याम (खंड॰), आचार्य-विजय (एकां॰), तर्क-संग्रह (अनु॰), वेदांत परिभाषा (अनु॰) आदि ; वि॰ कई स्फुट पुरस्कारों के साथ 'पदार्थशास्त्र (प्रथम भाग) पर उ प्र शासन द्वारा ६००) का पुरस्कार प्राप्त मैथिल

और संस्कृत में भी अनेक ग्रंथ लिखे हैं ; प० प्राध्यापक, प्राच्य संस्कृत विभाग, वि०वि०, लखनऊ।

आनंदप्रकाश मिश्र, 'अभय'—ज० ४ दिसंबर, '३१ ; शि० इंटर, विशारद ; सा० संस्था० भारती-संसद, जलालाबाद '५९, '६०-'६२ में उसके अध्यक्ष, मिशन हाईस्कूल शाहजहाँपुर में उपाध्यक्ष '४९-'५० ; प्र० '४९ में, प्रका० स्फुट ; अप्र० पथ'पर (गीत०), आनंद-तरंगिणी (कवि०), सप्त सप्तक, वि० स्फुट पदक प्राप्त ; प० नायब तहसीलदार, जलालाबाद, शाहजहाँपुर।

आनंदमोहन अवस्थी—ज० ६ नवंबर, '२७ ; शि० बी० ए० सागर वि०वि० ; सा० दै० 'जयहिंद' एवं 'नवभारत टाइम्स' बंबई के संपादकीय विभाग में कार्य किया, कुछ समय से स्थानीय हितकारिणी प्रेस के व्यवस्थापक ; प्र० '४२ में, प्रका० बंधनों की रक्षा (कहा०) '५०, दस कहानियाँ '५४ ; अप्र० दो पुस्तकें, प० तुलाराम चौक, जबलपुर।

आशाराम वर्मा—ज० १ जुलाई, '१६ ; शि० सा०रत्न ; सा० '४२ की क्रांति में भाग लिया, हिंदी शिक्षक : शासकीय बहुद्देशीय उ० मा० शाला, वर्धा ; प्र० '५६ में ; प्रका० पहली रोटी (गीत०), चंद्रलोक की यात्रा (नाट०) एवं तीन पुस्तकें मराठी में ; अप्र० दो-तीन संग्रह ; वि० स्फुट पुरस्कार प्राप्त ; प० बजाजवाडी, वर्धा।

'आशुतोष' पांडेय—ज० ३ जनवरी, '३६ ; शि० प्रवेशिका ; सा० भूत० मंत्री : श्री दामोदर-साहित्य परिषद एवं सहमंत्री 'त्रिवेणी' संस्था बगहा, चंपारन ; प्र० '५३ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० दो संग्रह ; प० कलिपत कैलाश, मलकौली, नरईपुर, चंपारण।

इंदिरा गुप्त—ज० २३ फरवरी, '१२ ; शि० सा०रत्न सम्मे० प्रयाग, एम० ए० प्रीवियस आगरा वि०वि०, प्रका० पुष्पांजलि तथा वन्या ; अप्र० दीपाधार ; प० द्वारा श्री वीरेश्वरप्रसाद गुप्त, प्लीडर, मोती मेंशन, इंदौर।

इंदुभूषण नेहरू, कुमार—ज० १ जनवरी, '३७ ; शि० एम० ए०, सीनियर बेसिक ट्रेंड, साहित्यालंकार ; सा० कई साहित्यिक संस्थाओं के संस्थापक, भागलपुर शिक्षक संघ एवं योगेश्वर नाट्य-समिति के सचिव; प्र० '५१ में ; प्रका० छाया नट (कवि०), धरती धान और हवा (कवि०), चलते-फिरते (कहा०), चुनौती (नाट०), मलेरिया का भूत० (नाट०); वि० 'धरती धान और हवा' पर बिहार सरकार से पुरस्कार प्राप्त : दोनों पैरों से लाचार दाहना हाथ कटा, बायाँ मुडा हुआ जिसमें केवल चार उँगलियाँ

अध्यवसाय के बल पर ही सारी सफलता प्राप्त की; प० अध्यापक, दिगंबर सरकार लेन, जोगसर, भागलपुर।

इंद्रदत्त शर्मा, डा०—ज० १९०९, मजीठा, पंजाब, शि० बी० ए० आनर्स, एम० ए०, पी-एच० डी० लखनऊ वि०वि०; सा लंदन, केंब्रिज एवं आक्सफोर्ड विश्वविद्यालयों में राजनीतिशास्त्र की शिक्षण एव अनुसंधान-प्रणाली के अध्ययन के लिए ब्रिटिश कौंसिल द्वारा आमंत्रित हुए; 'रिसर्च प्रोफेसर' के रूप में 'इंडियाना वि०वि०' (यू० एस० ए०) गये '६२, अमेरिका में अनेक भाषण दिये, देश-विदेश की अनेक पत्रिकाओं मे लिखते हैं. प्रका० आधुनिक संविधान '५३, राजनीतिक सिद्धांत तथा राज्य संरचना '५७, हिंदी साहित्य पर पश्चिमी विचारधारा का प्रभाव '६०; वि० राजनीति शास्त्र-संबंधी कई ग्रंथ अँगरेजी में भी लिखे हैं; प० अध्यक्ष : राजनीति विभाग, पंजाब वि०वि०, चंडीगढ़—३।

इलाचंद्र जोशी—ज० १३ दिसंबर, १९०२, अलमोडा; जा० प्राय सभी आर्यभाषाओ के साथ अँगरेजी और फ्रेंच; सा० हस्तलिखित मा० पत्रिका का संपा० '१५; भूत० संपा० 'विश्वमित्र', 'विश्ववाणी', साप्ता० 'संगम' इलाहाबाद एव 'धर्मयुग' बबई; प्र० '१५ मे; प्रका० उप० : लज्जा (पहले घृणामयी नाम से), संन्यासी, पर्दे की रानी, प्रेत और छाया, निर्वासित, मुक्तिपथ, जिप्सी, सुबह के भूले एवं जहाज का पंछी; कहा० खँडहर की आत्माएँ, दीवाली और होली, डायरी के पृष्ठ, कँटीले फूल एवं लजीले काँटे; आलो० लेख० . साहित्य-सर्जना, विवेचना, विश्लेषण, साहित्य-चिंतन एवं देखा-परखा; कवि : विजनवती; अन्य० दैनिक जीवन और मनोविज्ञान; अप्र० परदेशी (उप०) एवं लेखों-कहानियों के दो-तीन संग्रह, प० आकाशवाणी, लखनऊ।

उत्तमलाल गोस्वामी, 'छवैया भट्ट' — ज० १६ जुलाई, १९०१; शि० टाइप परीक्षा '२७ में एवं हिंदी शार्टहैंड परीक्षा '२९ मे बनारस से, इंटर '३५ राजपूताना बोर्ड; सा० भूत० कोषाध्यक्ष : श्री देशस्थ भट्ट महासभा बीकानेर, सभा० श्री गोस्वामी भट्ट महासभा बीकानेर, संरक्षक : श्री गोस्वामी नवयुवक परिषद् बीकानेर; प्र० '२८ में; प्रका० महाकवि गोरेलाल जी व उनके पूर्वजों की प्रामाणिक जीवनी; अप्र० कविताओ एवं लेखों के दो संग्रह; प० गोस्वामी चौक, बीकानेर।

उदयकरण शर्मा—ज० ९ अक्टूबर, '१५ · शि० काव्य-वेद-तीर्थ धर्मशास्त्र-पुराण-आचार्य व्याकरण शास्त्री, [illegible] शास्त्री सा लोक

मान्य ब्रह्मचर्याश्रम, मुजफ्फरपुर में हिंदी-संस्कृत के भूत० अध्यापक ; वर्त० अध्यापक, उच्चांग्ल विद्यालय, पहरपुर ; प्र० '२५ में ; प्रका० संगीत शिरोमणि, बाबू कुँवरसिंह का रण-प्रस्थान '२५, गँवई गीत, बाबू कुँवरसिंह की जवानी, ठंढी रोशनी (नाट०) ; अप्र० चार पुस्तकें ; त्रि० कई स्वर्णपदक एवं स्फुट पुरस्कार प्राप्त ; प० चारुघाट, उमरावगंज, शाहाबाद।

उदयचंद्र मिश्र—ज० १० फरवरी, '३४ ; शि० हाईस्कूल ; मा० भूत० संपा० मा० 'आजाद' तथा प्रबंध-संपा० मा० 'कालीघटा', भूत० मंत्री विद्यार्थी सेवा संघ सलकिया, सलकिया हिं० सा० गोष्ठी के एक संस्था० ; वर्त० राजकीय तसर बीज वितरण केंद्र में सहायक ; प्र० '४७ में ; प्रका० स्फुट; अप्र० दो संग्रह; प० तोपखाना बाजार, मुंगेर।

उदयनारायण तिवारी—ज० २ जुलाई, १९०३, पांडेयपुर (ननिहाल), पितृग्राम पीपरपाँती, बलिया ; शि० एम० ए० (चार विषयों में ; अर्थशास्त्र, हिंदी, पाली तथा तुलनात्मक भाषाशास्त्र), डी० लिट ; प्रयाग, आगरा तथा कलकत्ता वि०वि० ; सा० '२८ से सम्मे० प्रयाग की स्थायी समिति के सद० तथा सम्मे० के साहित्य एवं प्रधान मंत्री, भूत० हिंदी प्राध्यापक प्रयाग वि०वि०, भाषाशास्त्र के वरिष्ठ शोधकर्ता के रूप में पेंसिलवैनिया (फिलाडेलफिया), केलिफोर्निया (बर्कले) विश्वविद्यालयों एवं मिशिगन वि०वि० के भाषाशास्त्र के ग्रीष्मकालीन सत्रों में अमेरिका के प्रसिद्ध भाषा-शास्त्रियों के साथ कार्य किया '५९-'६० ; लंदन, एडिनबरा (स्काटलैंड), पेरिस (फ्रांस) एवं मास्को (रूस) वि०वि० के भाषाशास्त्रियों एवं प्राच्यविद्या-प्रेमियों की अध्ययन-अध्यापन-पद्धति का निरीक्षण किया ; वर्त० अध्यक्ष 'लिंग्विस्टिक सोसाइटी आफ इंडिया' मार्च '६३ से ; प्रका० वीर-काव्य '४६, भोजपुरी भाषा और साहित्य '५३, हिंदी का उद्गम और विकास '५५, कवितावली रामायण की भूमिका, रासपंचाध्यायी एवं भ्रमरगीत, भूषण-संग्रह (दो भाग), कहानी-कुंज ; भाषाशास्त्र की रूपरेखा '६३ एवं दो ग्रंथ अँगरेजी में : 'ए डाइलेक्ट आफ भोजपुरी' '३४-'३५, 'दि ओरिजिन ऐंड डेवलपमेंट आफ भोजपुरी' '६० ; प० (१) अध्यक्ष हिं० वि०, लैंग्वेज ऐंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, शहीद स्मारक, जबलपुर। (२) श्री वामन पुरोहित का मकान, राइटटाउन, जबलपुर।

उद्धवप्रसाद शुक्ल, 'उद्धव'—ज० '२०, लतीफनगर, हरौनी, , सा० मंदिर कानपुर श्रमिक शिक्षक

एलगिन मिल्स कानपुर , प्र० '४२ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० तीन कविता-संग्रह ; प० १२/१५३, ग्वालटोली, कानपुर ।

उर्मिला जौहरी, श्रीमती—ज० मई, '११ ; शि० एम० ए० हिंदी, आगरा वि०वि०, एम० ए० समाजशास्त्र, कोलंबिया वि०वि० (न्यूयार्क, यू० एस० ए०), बी० टी० पंजाब वि०वि० ; सा० '४२ के आंदोलन में कारावास, 'वीमेन-कौंसिल-आफ इंडिया' की कार्यकारिणी की सद० तथा 'इंटरनेशनल कौंसिल' की 'एजूकेशन कमेटी' की संयो० रही, सद० बुक परचेजिंग कमेटी, सोशल-एजूकेशन, शिक्षा-विभाग दिल्ली; भूत० प्रधानाचार्या (पाँच वर्ष तक) गवर्नमेंट महिला कालेज दिल्ली, अब संस्था० तथा उपसभा० स्टेट पी०टी०ए० दिल्ली; वर्त० प्रधानाचार्या : एस०डी० गर्ल्स हायर सेकेंड्री स्कूल, करौलबाग, दिल्ली ; प्रका० प्रौढ़ और सामाजिक शिक्षा के नये प्रयोग '५३ ; अप्र० दो पुस्तकें ; वि० कई स्वर्णपदक प्राप्त, विदेश में व्यापक भ्रमण किया, अँगरेजी में भी लिखती हैं ; प० ११, बाबरलेन, नई दिल्ली ।

उषादेवी गद्रे, श्रीमती—ज० २२ अक्टूबर, '२५ ; शि० इंटर, कोविद, मांटेसरी शिक्षा प्राप्त ; सा० संचा० विद्या-ग्रंथ-प्रकाशन ; प्रका० काव्य-क्रीडा, गृहखर्च-योजना, झुंज (कहा०), देव की देन, सुवर्ण बोल ; वि० मराठी में भी लिखती हैं ; प० ३३९, शंकरनगर, नागपुर ।

उषा पांडेय, डा०—ज० ९ सितंबर, '३१ ; शि० एम० ए० हिंदी, सा०रत्न, डी० फिल० प्रयाग वि०वि० ; प्रका० मध्ययुगीन हिंदी साहित्य में नारी-भावना (शोधप्रबंध) '५९ ; अप्र० लेखों एवं कहानियों के दो संग्रह ; वि० शोध प्रबंध पर उ० प्र० सरकार द्वारा ४००) का पुरस्कार प्राप्त, प० हिंदी प्राध्यापिका, इंद्रप्रस्थ कालेज, दिल्ली ।

ऋषि जैमिनि कौशिक बरुआ—ज० १९ जुलाई, '१९ ; शि० कासगंज ; सा० '५३ में महाकवि निराला के अभिनंदन का विराट् आयोजन किया एवं उनके जीवन-वृत्त के संबंध में एक घंटे में दिखायी जानेवाली 'डाक्युमेंट्री फिल्म' तैयार की जो एक दरजन से अधिक बार विभिन्न स्थानों पर दिखायी जा चुकी है ; प्र० '४२ में ; प्रका० शैले (कहा०) '४२, कलकत्ता के उर्दू कथाकार '५३, कलकत्ता के हिंदी कथाकार '५३, निराला-अभिनंदन-ग्रंथ '५३, राजा बलदेवदास बिड़ला '५४, अँखिया निहार के पग-धोरी झार के '५४, जर्जर हथौड़े '५४, माखनलाल चतुर्वेदी (शैशव की जीवनी) '५८ राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त अभिनंदन

ग्रंथ '५९, नाद-निनादश्री (संपा०) '६०, वृंदावनी हथेली नगरी कलकत्ता की (कवि०) '६१, श्री जमुनाप्रसाद पांडेय अभिनंदन-बीथी '६२, अप्र० आनंदीलाल पोद्दार-स्मृति-पुष्पि (राजस्थानी भित्ति-चित्रों पर पहला ग्रंथ); प० १२१, माधव भवन, ११६/१/२ महात्मा गाँधी मार्ग, कलकत्ता—७।

७ ●*आरिगपूडि रमेश चौधरी*—ज० २८ नवंबर, '२३; शि० गुरुकुल काँगड़ी हरिद्वार; सा० भूत० संपा० 'इंडियन रिपब्लिक' (अँग्रेजी) तथा 'दक्षिण भारत', भूत० संवाददाता 'हिंदुस्तान टाइम्स' (अँगरेजी) तथा विशेष संवाददाता : हिंदी 'नवभारत टाइम्स', अब संपा० 'चंदामामा', आंध्र सरकार की शिक्षा समितियों के सद०, दस वर्ष से मद्रास के फिल्म सेंसर-बोर्ड के सद०, विक्टोरिया पब्लिक हाल के ट्रस्टी; प्र० '५६ में; प्रका० उप० भूले भटके, दूर के ढोल, खरे-खोटे, धन्य भिक्षु, आदरणीय, पतित पावनी, मुद्राहीन, करनी अपनी, अपने-पराये, अपवाद, यह भी होता है, साँठ-गाँठ, सारा संसार मेरा, झाड-फानूस, उलटी गंगा एवं एक जीवन एक पात्र; कहा० जीने की सजा, बंद आँखें, आंध्र की लोककथाएँ, कुबड़ा धोबी, कोई न पराया (नाट०), नेपथ्य (एकां०), राहचलते, नारायणराव (अनु०); वि० हिंदी में प्रायः 'आरिगपूडि', 'वनजासन' एवं 'राजहंस' नामों से भी लिखते हैं; 'दूर के ढोल', 'खरे खोटे', 'अपवाद', 'आदरणीय', 'धन्यभिक्षु' और 'अपने पराये' पर उ० प्र० सरकार की हिंदी समिति से पुरस्कार प्राप्त; प० १३८, शेनोय नगर, मद्रास ३०।

एच० पद्मनाभन—ज० २४ फरवरी, '४०, शि० बी० एस-सी० भौतिक विज्ञान '६१, प्रवीण, द०भा० हिं०प्र० सभा०, विद्वान, केरल वि०वि०; सा० संस्था०-सद० निराला हिंदी कालेज, तिरुवनंतपुरम; वर्त० हिंदी पंडित, श्रीपरमकल्याणी हाईस्कूल आलवार कुरिच्ची, तिरुनेलवेलि; प्रका० पी० यू० सी० हिंदी छात्रों के लिए सहायक पुस्तकें तथा स्फुट लेख : प० निराला हिंदी कालेज, २९/३३५, फर्स्ट पुत्तन स्ट्रीट, तिरुवनंतपुरम ९ (केरल)।

एच० परमेश्वर—ज० ३ अप्रैल, '३६, कुषित्तुरै, कन्याकुमारी; शि० एम० ए० हिंदी '५९, केरल वि०वि०, सा०रत्न; '५७; सा० संस्था०-सद० निराला हिंदी कालेज, तिरुवनंतपुरम्; प्र० '५६ में; प्रका० भारतवर्ष का इतिहास : प्रश्नोत्तर '५६, राष्ट्रीय समस्याएँ और नये मजमून : समीक्ष '५६, सुबोध व्याकरण : प्रश्नोत्तर '५६ तथा स्फुट लेख; वि० 'हिंदी के अन्योक्ति काव्य उनका संस्कृत अन्योक्ति काव्यो से सामंजस्य' विषय पर

केरल वि वि० में शोधकार्य-रत; स्फुट पुरस्कार प्राप्त ; प० निराला हिंदी कालेज, २८।३३५ फर्स्ट पुत्तन स्ट्रीट, तिरुवनंतपुरम ८ (केरल)।

एन० रामन नायर—ज० '३१, त्रिवेंद्रम के पास; शि० बी० एस-सी०, केरल वि०वि०, एम०ए० हिंदी एवं अँग्रेजी, अलीगढ वि०वि०, एम०ए० मलयालम '६० केरल वि० वि०, सा० रत्न; सा० '४६ से केरल में हिंदी-प्रचार, आठ वर्षों से केरल के कालेजों में प्राध्यापक, वर्त० प्राध्यापक, कोल्लम एस०एन० कालेज, क्विलोन, प्रका० हिंदी-मलयालम कोष '५०, जवाहरलाल नेहरू (जीव०) '५२, कहानियाँ '५३, पत्रलेखन '६०; अप्र० चार मलयालम उपन्यासों के हिंदी अनु०; प० गीता-भवन, मुंडक्कल, क्विलोन (केरल)।

एस० चद्रमौलि—ज० १८ मई, '१६; शि० एम०ए० हिंदी, मद्रास वि०वि०; सा० बारह वर्ष तक प्रचारक विद्यालय के प्रधान अध्यापक रहे, पाँच वर्ष तक दक्षिण-भारत हिंदी प्रचार सभा मद्रास राज्य के शाखा मत्री और अब उसके शिक्षामंत्री; प्रका० स्फुट; अप्र० दो संग्रह ; प० शिक्षामंत्री, द०भा०हिं०प्र० सभा, त्यागरायनगर, मद्रास १७।

ओंकार शरद—ज० '२६; सा० सपा० 'लहर' एव 'समीक्षा', उपसंपा० 'संगम' एवं 'कादबिनी'; प्र० '४४ मे; प्रका० नाता-रिश्ता, दादा, चालीस बसंत मुरझाये आदि सात उपन्यास; लका महराजिन, खाँ साहब, कापर करौं सिंगार आदि पाँच कहानी-संग्रह एवं शरत ग्रथावली, दीवान गालिब, पृथ्वीराज कपूर-अभिनदन-ग्रंथ आदि संपा० ग्रंथ; अप्र० कहानियों, शब्दचित्रों एवं संस्मरणों के तीन-चार संग्रह ; वि० अब तक लगभग छह हजार पृष्ठ लिखे हैं ; प० मिटोरोड, इलाहाबाद २।

ओमप्रकाश दीपक—ज० २७ जनवरी, '२७ ; सा०संपा० साप्ता० 'संघर्ष' लखनऊ '५१-'५४ एवं साप्ता० 'चौखंभा' हैदराबाद '६१, साहित्य-संचा० भारतीय समाजवादी दल '५६-'५७ तथा संयुक्तमंत्री '५८-'५९; प्र० '४३ मे, प्रका० मानवी (उप०) ; अप्र० इतिहास-चक्र (अनु०), हिंदू बनाम हिंदू (अनु०), अमरीकी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, अंतर्राष्ट्रीय हास्य एवं आधुनिक विश्व साहित्य-लेखमाला ; प० ८७४४, शीदीपुरा, करौलबाग, नई दिल्ली—५।

ओमप्रकाश द्रोण—ज० ७ सितंबर, '३६; शि० मध्यमा (द्वितीय खंड); जा० नेपाली तथा उर्दू ; सा० संस्था० शारदा संतति सभा एवं सर्वोदय मंडल हाथरस, संस्था० एवं प्रधानमंत्री : अखिलभारतीय विद्यार्थी संघ हाथरस, वर्त० अध्यापक : एच० बी० के० कांस्यकार विद्यालय हाथरस ; प्रका० स्फुट

अप्र॰ स्वप्न-सुंदरी (गीत॰), प्रकृति मंजरी (शब्दचित्र॰), अनब्याही राधा (उप॰) एवं दो संग्रह ; प॰ द्रोण कुटीर, हाथरस।

कन्हैयालाल पांडेय—ज॰ २८ फरवरी, '३३, बलदेवनगर, मथुरा ; शि॰ एम॰ ए॰, आगरा वि॰ वि॰ ; सा॰ बलभद्र इंटर कालेज की प्रबंधसमिति के सद॰, संस्था॰ बलभद्र विद्यापीठ एवं कल्याण सेवासमिति, मंत्री : कल्याण पुस्तकालय ; प्र॰ '५४ में ; प्रका॰ श्रीहलधर अशीतिका' (संपा॰) ; अप्र॰ कविताओं के दो संग्रह ; प॰ बलदेव, मथुरा।

कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी, डा०—ज॰ १८८७ ; शि॰ बी॰ ए॰, एल-एल॰ बी॰, डी॰लिट् , एल-एल॰ डी॰ ; सा॰ भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भाग लिया एवं तीन बार कारावास, सद॰ भारतीय संसद '४७-'५२, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी '३१-'३६, वर्किंग कमेटी भा॰ रा॰ कांग्रेस '३०, साहित्य अकेडमी, भारतीय साहि॰ परिषद आदि; सेक्रेटरी : 'होमरूल लीग' बंबई '१८, कांग्रेस पार्लियामेंटरी बोर्ड, अनेक साहित्यिक तथा सांस्कृतिक संस्थाओं के सद॰, उपसभा॰, सभा॰ एवं ट्रस्टी; भारतीय विद्या-भवन, साहित्यसंसद, गुजरात साहित्य परिषद '३८ एवं '४८, हिंदीसाहित्य-सम्मे॰ '४६, भारतीय इतिहास कांग्रेस '५८ आदि के सभा॰ ; बंबई और बडौदा वि॰ वि॰ के क्रमशः '२६-'५३ तथा '५०-'५२ तक फेलो; आगरा, इलाहाबाद, गोरखपुर, लखनऊ और रुडकी वि॰वि॰ के कुलपति '५२-'५७; गृहमंत्री बंबई सरकार '३७-'३९, खाद्य एवं कृषिमंत्री भारतसरकार '५०-'५२, उ॰प्र॰ के राज्यपाल '५२-'५७ ; वि॰ गुजराती में पाँच उप॰, नौ नाट॰, पाँच जीवनियाँ तथा तीस अन्य ग्रंथ एवं अँगरेजी में बाईस ग्रंथ लिखे हैं ; प॰ भारतीय विद्या-भवन, बंबई—७।

कन्हैयालाल सेठिया—ज॰ '१९ ; शि॰ एम॰ ए॰ ; सा॰ सद॰ : सरस्वती सभा, राजस्थान साहित्य अकेडमी, 'राजस्थान स्टेट ट्रांसपोर्ट अथारिटी' 'वाटर बोर्ड' एवं कार्यकारिणीसमिति हरिजन-सेवक-संघ ; मंत्री : संयुक्त जल-योजना समिति ; प्र॰ '४० में ; प्रका॰ वनफूल, अग्नि-वीणा (गीत॰), मेरा युग (कवि॰), दीप-किरण (गीत॰), प्रतिबिंब, चौड़े रास्ते खुली खिड़कियाँ (कवि॰), चीन को ललकार, रक्त दो, जादूगर माओ आदि, वि॰ राजस्थानी में भी मींझर (कवि॰), गलगचिया (गद्यचित्र), रमणियें रा सोरठा, नेहरूजी ने पाती आदि कई पुस्तकें लिखी हैं ; स्फुट पुरस्कार प्राप्त प रतन निवास, सुजानगढ (राज)।

कपिलदेव गोस्वामी—ज० '१७; शि० एम० ए० (तीन विषयों मे हिंदी, सस्कृत एवं अँग्रेजी) राजस्थान वि० वि०; प्र० '४६ में ; प्रका० काव्य प्रदीप-दीपिका '५०, हिंदी गद्य-पद्य संग्रह की दीपिका '५५, ओलिवर ट्विस्ट की कुंजी '६०, संस्कृत अनुवाद-रचना और व्याकरण '६२ ; अप्र० चार पुस्तकें ; प० गोस्वामी चौक, बीकानेर ।

कपिलदेवसिंह परिहार—ज० १९०९, सुखपुरा, बलिया , शि० बी० ए० '६२, सा०रत्न ; प्रका० कहा० : अब भी बचाओ, प्रेमोपहार, यंत्रालय से मुक्ति ; अप्र० एक कहानी-संग्रह, दो उपन्यास एवं तीन अन्य पुस्तके ; प० एकाउटेट, जिला-परिषद, देवरिया ।

कपिल पांडेय—ज० २४ सितबर, '३० ; शि० बी० ए० काशी वि० वि० '५०, एम० ए० हिंदी, बिहार वि० वि० '५४ ; सा० निराला परि० पटना के साहित्य-मंत्री, सारन जिला हि०साहि०सम्मे० के संयुक्तमंत्री ; प्रका० आभास, हीरे के टुकड़े (कवि०), फूल और कलियाँ (कवि०), भारतरत्न (जीव०), आरा में दो मास (अनु०), नवीन सुबोध व्याकरण ; अप्र० हवा और पानी (कवि०), कुछ ऐसे कुछ वैसे, हिंदी रगमच के विकास में बिहार का स्थान ; वि० पी-एच०डी के लिए शोधकार्य-रत; वर्त० सहायक अनुवादक, बिहार सरकार ; प० २, ईस्ट गार्डिनर रोड, पटना—१ ।

कपिलेश्वरप्रसाद—ज० १२ जनवरी, '३३, महथी (नरहन) ; शि० बी० ए० आनर्स हिंदी '४४ एवं एम० ए० हिंदी '४६ पटना वि० वि० ; प्र० '४० में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० उड़िया साहित्य और साहित्यकार, उड़िया की प्रतिनिधि कहानियाँ एवं दो लेख-संग्रह ; वि० 'हिंदी और उड़िया का भक्ति-साहित्य' विषय पर शोधकार्य-रत ; प० हिंदी प्राध्यापक, श्रीकृष्णचंद्र गजपति कालेज, पारलाकिमेडी, गंजाम, उड़ीसा ।

कमलकिशोर गोयनका—ज० ११ अक्टूबर, '३८ , शि० एम० ए० ; सा० संयो० भारतीय साहित्यकारसंघ, कमलानगर; हिंदी प्राध्यापक, दिल्ली कालेज दिल्ली ; प्रका० स्फुट ; अप्र० दो लेख-संग्रह ; वि० 'प्रेमचन्द के उपन्यासों का शिल्प-विधान' विषय पर पी-एच० डी० उपाधि के लिए शोध-कार्य-रत ; प० ए-९२, कमलानगर, दिल्ली—६ ।

कमल कुलश्रेष्ठ, डा० (पृथ्वीनाथ)—ज० २१ अगस्त, '२० ; शि० एम० ए० हिंदी '४३ (सर्वप्रथम, स्वर्णपदक प्राप्त) एवं डी० फिल० हिंदी, प्रयाग वि० वि०, सा० सह०संपा० 'विश्ववाणी' प्रयाग, '४९-'५२ तक लंदन वि० वि० के 'स्कूल आफ ओरिएंटल ऐंड अफ्रीकन स्टडीज' में रहे प्र०

'४१ में : प्रका॰ युग मानव (कवि॰), मलिक मुहम्मद जायसी (आलो॰), धरती उपजाऊ है (जीव), कैसे समझें : किसको समझें (आलो॰ सिद्धांत तथा हिंदी साहित्य का इतिहास), हिंदी प्रेमाख्यानक काव्य (शोधग्रंथ); त्रि॰ उ॰ प्र॰ सरकार से 'हिंदी प्रेमाख्यानक काव्य' पर पुरस्कार प्राप्त '५५ ; प॰ प्रधानाचार्य राजकीय कालेज, उत्तरकाशी ।

कमलधारी सिंह, 'कमलेश'—ज॰ '१२, शेरग्राम, बलिया ; शि॰ सा॰रत्न '३० (प्रथम); सा॰भूत॰ अध्यापक हिंदी विद्यापीठ प्रयाग एवं काशी विद्यापीठ ; प्रका॰ मुसलमानों की हिंदी सेवा, बालपंचरत्न, वीर बालक, भारतीय आदर्श नारियाँ, त्रिपथगा (कवि॰), निबध-नवनीत एवं निबंधालोक ; अप्र॰ कविताओं एवं लेखों के दो संग्रह ; प॰ हिंदी विभागाध्यक्ष, हिंदी हाईस्कूल, १ मोएरा स्ट्रीट, कलकत्ता १६ ।

कमला चौधरी—ज॰ १९०८, लखनऊ ; शि॰ रत्न एवं प्रभाकर, पंजाब वि॰ वि॰ ; सा॰ '३० के असहयोग आंदोलन में भाग लिया, प्रादेशिक काँग्रेस कमेटी, शहर काँग्रेस कमेटी तथा प्रादेशिक महिला काँग्रेस कमेटी की निर्वाचित सदस्या, अखिल भारतीय काँग्रेस कमेटी के ५४वे अधिवेशन में वरिष्ठ उपसभा॰, सद॰ समाज कल्याण सहायक बोर्ड उ॰ प्र॰, अध्यक्षा सनातन धर्म धर्मार्थ औषधालय मेरठ, ग्राम-कल्याण-संघ जौनपुर तथा कालिना; प्रका॰ कहा॰ उन्माद, पिकनिक, यात्रा, बेलपत्र, हिंदी की चुनी हुई कहानियाँ, प्रसादी कमंडल, खैय्याम का जाम (अनु॰), अपना मरण जगत की हाँसी (कवि॰), चित्रों में लोरियाँ (बालो॰), गाँधी बन जाये (बालो॰) ; अप्र॰ मेरा गीत तुम्हारा दर्पण (दो भाग), सराय (उर्दू कवि॰) ; वि॰ कई भारतीय भाषाओं एवं जर्मन और अँगरेजी में भी रचनाएँ छपी हैं ; प॰ (१) कुंज, छीपी टैंक, मेरठ । (२) ६५, साउथ अवेन्यू, नई दिल्ली ।

कमला त्रिवेणीशंकर—ज॰ '२०, शि॰ हाईस्कूल प्र॰ '३८ में ; प्रका॰ पुकार एवं जयमाल (कहा॰) ; अप्र॰ दो कहानी-संग्रह एवं दो अन्य पुस्तकें ; प॰ विक्टोरिया पार्क. वाराणसी ।

कमलाप्रसाद अवस्थी, 'अशोक'—ज॰ १ दिसंबर, '१४ ; शि॰ विशारद '३३, बी॰ ए॰ '३६, बी॰टी॰ '४१, एम॰ ए॰ (प्रीवियस) '४५ काशी वि॰ वि॰ ; सा॰ भूल॰ सहसंपा॰ मा॰ 'गीताधर्म' काशी, प्रबंध-संपा॰ साप्ता॰ 'स्वदेश' गोरखपुर एवं दै॰ 'अग्रगामी' काशी, उपसंपा॰ दै॰ 'आज' काशी '४३ एवं 'संसार' काशी (एक वर्ष , पहले दै॰, बाद को साप्ता॰ 'सन्मार्ग' के संयुक्त संपा॰ ; संपा॰ 'अमृत पत्रिका' प्रयाग, 'भारत' काशी

(ढाई वर्ष) एवं 'भारत' प्रयाग ; वर्त॰ संपा॰ 'आज' काशी '६१ से ; बी॰ए॰ के उपरात बंगालीटोला हाईस्कूल मे अध्यापक रहे, बी॰टी॰ के पश्चात गोमती ऐंग्लोसंस्कृत पाठशाला के दो वर्ष तक प्राधानाध्यापक रहे , प्र॰ '३१ से ; प्रका॰ राग-त्रिराग (कवि॰) '५२ एव काव्य-दीप ; अप्र॰ चार-पाँच संग्रह ; वि॰ स्फुट पुरस्कार एवं पदक प्राप्त ; प॰ ८७, टेढीनीम, वाराणसी १।

कमलेश व्यास—ज॰ '३१ , सा॰ बर्मा में कई वर्ष तक ब्रह्मदेशीय हिंदी सा॰सम्मे॰ के माध्यम से हिंदी-प्रचार; भूत॰संस्था॰-संचा॰ हिंदी साहि॰ परिषद रंगून, भूत॰ उपाध्यक्ष एवं अब साहित्य मंत्री . हिंदी साहित्य संसद (राज॰), संस्था॰ शहीद प्रकाशन ; प्रका॰ जाग देश के जवान (कवि॰) ; वि॰ राजस्थानी मे भी लिखते हैं ; प॰ व्यास-बैठक, चुरू (राज॰)।

करतार सिंह शमशेर—ज॰ ५ अप्रैल, '१२, नौशहरा ; सा॰ संचा॰ मा॰ 'बिहार-सुधार' मुल्तान '२८, भूत॰ उप॰प्रधान : केंद्रीय लेखक सभा जालंधर तथा प्रधान लेखक सभा लुधियाना ; प्र॰ '३८ में ; प्रका॰ पंचनग '३८ (कवि॰), अमरबेल '३८, लोकगीत '४२, महान भारती (जीवनी), कच्चा-दूध, मेरी माँ के बोल एवं आठ बालो॰ पुस्तके ; वि॰ पंजाबी मे भी कई पुस्तकें लिखी हैं, 'लोकगीत' का अनुवाद रूसी में हुआ है ; प॰ २१० आर, माडल टाउन, लुधियाना।

करतारसिंह सूरी—ज॰ १६ अक्टूबर, '२७ ; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी तथा पंजाबी , प्र॰ '४५ मे ; प्रका॰ वेदना (कहा॰) ; वि॰ पंजाबी में भी सात पुस्तके लिखी हैं , वर्त॰ प्राध्यापक, पंजाबी विभाग, पंजाब वि॰ वि॰, चडीगढ ; प॰ ४८ डी॰, सेक्टर १४, चंडीगढ़ ३।

कलानिधि, 'चंचल'—ज॰ ८ मार्च, '३५ ; शि॰ बी॰ ए॰, संगीतरत्न साहित्य-विशारद ; सा॰ मंत्री म॰ भा॰ बाल साहित्य मंडल, मालव-सगीत-कला-समाज एवं दीपक-साहित्य-समिति, सद॰ : अखिल भारतीय लोक संस्कृति सम्मे॰ ; भूत॰ प्रतिनिधि : दै॰ 'जागरण' भोपाल, वर्त॰ प्रतिनिधि : दै॰ 'विश्वमित्र' बबई ; प्र॰ '५१ में ; प्रका॰ स्फुट ; अप्र॰ सरगम (गीत॰), उगते फूल (कहा॰), दो-दो बातें (पत्र॰), सहगान (गीत॰) ; वर्त॰ म॰ प्र॰ खादी ग्रामोद्योग परिषद में कार्यकर्ता ; प॰ साधना-कुटीर, सिंहपुरी,उज्जैन

कल्पना शर्मा—ज॰ २२ सितंबर, '४२ ; शि॰ इंटर ; सा॰ संपा॰ साप्ता॰ 'मजदूर' इंदौर ; प्र॰ '५८ में ; प्रका॰ स्फुट ; अप्र॰ दो संग्रह ; प॰ द्वारा श्री क॰ ए॰ वकील कार्तिक चौक, उज्जैन

कल्याणमल लोढ़ा—ज० २३ सितंबर, '२१, जोधपुर ; शि० एम० ए० हिंदी (प्रथम) '४३ प्रयाग वि० वि० ; 'डिप्लोमा इन फोटोग्राफी' ; सा० जोधपुर राज्य के मध्य-युगीन पट्टे-परवाने आदि की प्रामाणिकता एवं परीक्षा के भूत० अधिकारी, '४५ से जयपुरिया कालेज कलकत्ता के हिंदी विभागाध्यक्ष, कलकत्ता वि०वि० के हिंदी विभाग मे '४८ में प्राध्यापक, '६० में रीडर एव '६१ में अध्यक्ष बने; कलकत्ता वि०वि० की 'सिनेट', 'एकेडमिक कौंसिल' 'कालेज कौंसिल आफ आर्ट्स', कला संकाय, वाणिज्य संकाय, शिक्षा संकाय, आर्यभाषा-समिति एवं विश्वभारती वि० वि० के हिंदी बोर्ड के सदस्य तथा 'बोर्ड आफ स्टडीज इन हिंदी' के अध्यक्ष ; मंत्री राष्ट्रकवि मैथिलीशरण अभिनदनग्रंथ एवं समिति ; प्र० '४५ मे ; प्रका० स्फुट ; अप्र० चार संग्रह ; वि० स्फुट पुरस्कार प्राप्त ; प० ७० सी, हिंदुस्तान पार्क, कलकत्ता—२९।

कांतानाथ पांडेय, 'राजहंस', 'चोंच'—ज० '१४ ; शि० एम० ए० संस्कृत, एम० ए० हिंदी, काव्यतीर्थ, साहित्यशास्त्री तथा साहित्याचार्य, बिहार संस्कृत परिषद ; जा० संस्कृत, अँगरेजी और उर्दू ; सा० भूत० संपा० 'अलबेला' एव दै० 'सन्मार्ग' (रविवार विशेषाक के प्रधानसंपा० ५ वर्ष तक); संस्था० दीन सुकवि मंडल, विलक्षण गोष्ठी, तथा रसराज आदि संस्थाएँ; युक्तप्रातीय हिं०सा०सम्मे० की प्रबधसमिति के सद० तथा अखिल युक्तप्रातीय कवि सम्मे० आजमगढ अधिवेशन के सभा० ; प्रका० कवि० : चोंच-चालीसा, महाकवि साँड, गुरुघटाल, पानी पाँडे, छेड़छाड़, खरी-खोटी, मसलन, चूना-घाटी, बेचारे मुंशीजी, मौसेरे भाई, ठाकुर ठेगासिंह, कादबिनी, लक्ष्मीचरितामृत, भक्ति-भारती, बढ़े चलो बहादुरो, बंगाल की बेगमें (ऐति०); प० हिंदी विभागाध्यक्ष, हरिश्चन्द्र डिग्री कालेज, वाराणसी।

कान्ह महर्षि (कन्हैयालाल महर्षि)—ज० २० फरवरी, '२७ ; शि० सा०रत्न, आयुर्वेदरत्न सम्मे० प्रयाग ; सा० अध्यक्ष : स्थानीय राजस्थान साहित्यकार संसद ; प्रका० गुणवंती (कवि०) '५६ एवं '६०, उपहार '६१, मरु-मयंक (महा०) '६१, अप्र० अवधूत-वाणी, हितवर्धिनी, रसवंती आदि ; वर्त० राजकीय उच्चतर माध्यमिक शाला नोखा मे सहायक अध्यापक ; वि० राजस्थान साहित्य अकेडमी द्वारा साहित्यवेत्ता-वृत्ति से सम्मानित ; प० महर्षि साहित्य सदन, नोखा, बीकानेर।

कामताप्रसाद निगम—ज० २८ मार्च, १८९६ ; शि० इंटर ; सा० सहायक मंत्री एवं उपप्रधान यू० पी० सेकेंड्री एजूकेशन एसोसिएशन २५ वर्षो तक १८ से प्रयाग के डी ए वी कालेज में एव ६० में

अवकाश प्राप्त ; प्र० '२८ में ; प्रका० भारत भूमि '३०, भूगोल-विनोद, भूगोल-दिग्दर्शन, भूगोल-दर्पण, जिला भूगोल-परिचय, जीवो की कहानी, जीवों की जबानी, विचित्र दुनिया, बालकों की दुनियाँ, बदलती दुनियाँ, भूमंडल, भारत-दर्पण आदि ; प० गुरदयालबाग, हीवेट रोड, इलाहाबाद ।

कामेश्वरप्रसाद सिंह, डा०—ज० २५ अक्टूबर, १९०९, कोरमा, वारसलीगज, गया ; शि० एम० ए० '४२, पी-एच० डी० '५९, पटना वि०वि० ; सा० कई वर्ष तक देश-सेवा-कार्य किया, नालंदा कालेज को डिगरी कालेज बनवाने मे विशेष उद्योग किया ; प्रका० स्फुट ; अप्र० सतनामी संप्रदाय का साहित्य (शोधग्रंथ); वि० 'प्रसाद जी की नाट्यकला पर पुनर्विचार' विषय पर डी० लिट् की उपाधि के लिए शोधकार्य-रत ; प० अध्यक्ष, हिंदी-संस्कृत विभाग, नालंदा कालेज, बिहार शरीफ, पटना ।

कालीचरण बसेड़िया, 'कान्त'—ज० १ मार्च, '२० ; शि० इंटर, विशारद, सम्मे० प्रयाग ; सा० '४२ के आंदोलन मे एव '५५ के 'गोआ सत्याग्रह' में भाग लिया, कांग्रेस के सक्रिय कार्यकर्ता, संपा० साप्ता० 'युग-निर्माण', कोंच, जालौन ; प्र० '४२ में , प्रका० स्फुट ; अप्र० तीन काव्य एवं कहानी-संग्रह ; प० संपा० 'युग-निर्माण', लाजपतनगर, कोंच, जालौन ।

काशीनाथ त्रिवेदी—ज० १६ फरवरी, १९०६, दिगठान, धार ; शि० बी० ए० '२८ ; सा० संपा० 'श्रीगौड-हितैषी' '२५-'२६, 'हिंदी शिक्षण पत्रिका' '३४-'५३ एवं 'भूमिक्रांति' '५९-'६० ; सहसंपा० 'त्यागमूर्ति' अजमेर '२८ एवं 'हिंदी नवजीवन' '२९-'३१ ; शिक्षामंत्री : म० भा० शासन '४७-'४८, प्रांताध्यक्ष म० भा० कांग्रेस '४९-'५१ ; वर्त० संचा० ग्राम भारती आश्रम, टवलाई '५६ से ; प्रका० : मेरा घर, बाल जीवन की करुणता और हमारा कर्तव्य, पुराने बोध · नये मोड, गाँधी जी की आत्मकथा (अनु०), गांधी-विचार-दोहन (अनु०), दिवा स्वप्न (अनु०), प्राथमिक शाला में भाषा-शिक्षा, हिंदू धर्म की आख्यायिकाएँ (दो भाग) ; वि० इटली, स्विट्जरलैंड आदि की यात्रा '४९ में की ; प० ग्राम भारती-आश्रम, टवलाई, धार ।

काशीप्रसाद मिश्र—ज० २० फरवरी, '३५ ; शि० हाईस्कूल, सिद्धांत शास्त्री तथा सा०रत्न ; सा० संस्था० एवं मंत्री महाप्राण निराला स्मारक समिति, गढाकोला, सभा० राष्ट्रीय नवयुवक परिषद धमनीखेडा ; प्रका० स्फुट · अप्र० मानवती विप्लव के स्वर (कहा०), दूर के बोल (उप) दहेज

विप्लव (कवि०) एवं तीन-चार संग्रह ; वि० 'पूर्णिमा' में एक कहानी संकलित ; प० धमनी खेड़ा, उन्नाव ।

किशोरीरमण टंडन—ज० १ नवंबर, '१४ ; शि० सीतापुर, लखनऊ तथा कानपुर ; सा० हिं०सा०सम्मे० की स्थायी समिति के सद०, जोधपुर एवं बंबई की कई साहि० संस्थाओं से संबद्ध ; 'प्रजासेवक' जोधपुर, 'राष्ट्रपताका' जोधपुर, 'उदय' ग्वालियर, 'नवभारत टाइम्स' बंबई एवं 'धर्मयुग' बंबई के संपादकीय मंडल से संबद्ध रहे ; वर्त० सह० संपा० 'पराग' बंबई ; प्र० '२८ में ; प्रका० जीवन-संदेश, बटोही, आँसू और मुस्कान, वैशाली, नगरसुन्दरी, राजकन्या, भारत मेरा घर, हिंदी की श्रेष्ठ हास्य-कथाएँ ; अप्र० तीन-चार संग्रह ; प० ५००, सहकारनगर नं० २, चेंबूर, बंबई—७१ ।

कुंजबिहारी श्रीवास्तव—ज० ३ मार्च, '१७ ; शि० बी० ए०, मांटेसरी डिप्लोमा ; सा० '५० से मांटेसरी प्रशिक्षण केंद्रों से संबंधित, दिल्ली के पाँच आयोजित प्रशिक्षणों में सहायक, कुछ के संयोजक तथा मंत्री रहे ; वर्त० आचार्य बाल-भारती तथा शिक्षा निर्देशक नर्सरी टीचर्स ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट दिल्ली ; प्रका० बच्चों के भावगीत तथा अनेक बालो० रचनाएँ ; प० आचार्य, बाल भारती, गंगाराम हास्पिटल मार्ग, नई दिल्ली—५ ।

कुँवर जी अग्रवाल—ज० १२ अगस्त, '२२ ; शि० एम० ए० हिंदी, काशी वि वि०, बी० एड० ; सा० संपा० मा० 'विज्ञान विचित्रा', संस्था० अभिनय कला मंदिर तथा स्वतंत्र पुस्तकालय ; प्रका० स्फुट ; अप्र० चार पुस्तकें ; प० द्वारा आर्यभाषा पुस्तकालय, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।

कुसुम सिनहा—ज० १४ नवंबर, '२८, आगरा ; शि० एम० ए०, सा०रत्न ; प्रका० स्फुट ; अप्र० तीन-चार संग्रह ; वर्त० बुलंदशहर में अध्यापिका ; प० २९, शिवपुरी, बुलंदशहर ।

कृत्यानंद सिंह—ज० १ जनवरी, '२५ ; शि० साहित्यालंकार, बेसिक ट्रेंड ; सा० संस्था०-सद० 'पंकज-गोष्ठी' संताल परगना, संस्था० हिंदी साहित्य सदन, रायपुरा '५६ ; प्र० '४४ में ; प्रका० कलिका (कवि०) ; अप्र० चार पुस्तकें ; वि० 'अर्पणा' एवं 'अपनी धरती : अपने गीत' आदि कई कविता संकलनों में भी रचनाएँ संगृहीत ; प० शिक्षक-प्रशिक्षण विद्यालय, पबिया, (वाया जामताडा), संताल परगना ।

कृष्णकांत तैलंग—ज० ११ मार्च, '२२, बिलहरा, सागर; शि० मैट्रिक ; प्रका० फूलमाला, मौज-मजे (कवि०), परियों का नाच, फूल परी,

जादू की सरंगी, सोने की चिडिया आदि अनेक बालो॰ पुस्तकें; प॰ १६७/३' विद्यानगर, जी॰ सी॰ एफ॰ ए॰ स्टेट, जबलपुर।

कृष्णकुमार द्विवेदी—ज॰ २३ अगस्त, '२४ बर्डोद, अकबर जिला; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी; सा॰ '५१ में 'फील्ड पब्लिसिटी असिस्टेंट', '५८ मे 'इनक्वायरी आफिसर', अब जनसंपर्क अधिकारी, जैसलमेर; प्रका॰ स्फुट; अप्र॰ चाँदनी और चट्टान, राजस्थान के लोकनृत्य एवं दो पुस्तकें; प॰ जन संपर्क अधिकारी, जैसलमेर।

कृष्णकुमार मिश्र, 'मनीषी'—ज॰ ८ जुलाई, '३५, पैलावर, पुखरायाँ, कानपुर; शि॰ हाईस्कूल '५४; सा॰ दै॰ 'प्रताप' कानपुर के संपादकीय विभाग में संशोधक का कार्य '४६ में वार्ड काँग्रेस सेवादल के कई वर्षों तक शिक्षक एवं दै॰ 'अमर उजाला' आगरा के कानपुर में प्रतिनिधि रहे; वर्त॰ उ॰ प्र॰ सरकार रोडवेज के कानपुर रीजन में आफिस असिस्टेंट; प्र॰ '४८ में; प्रका॰ स्फुट; अप्र॰ कानपुर के शहीद, कानपुर के क्रांतिवीर, कानपुर के राष्ट्रीय कवि; प॰ १२।१०, ग्वालटोली, कानपुर।

कृष्णचंद्र अग्रवाल, डा॰—ज॰ २ मार्च, '३४; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी '५८, एम॰ ए॰ भाषा-विज्ञान '६०, पी-एच॰ डी॰ '६१; प्रका॰ स्फुट; अप्र॰ पृथ्वीराज रासो के पात्रों की ऐतिहासिकता (शोधग्रंथ); वि॰ 'प्राचीन हिंदी साहित्य की भाषा का अध्ययन' विषय पर लखनऊ वि॰ वि॰ की डी॰लिट॰ उपाधि के लिए शोधकार्य-रत; वर्त॰ प्राध्यापक, हि॰वि॰, लखनऊ वि॰ वि॰; प॰ अग्रवाल कंपाउंड, ऐशबाग रेलवे क्रासिंग के पास, लखनऊ।

कृष्णचंद्र शर्मा—ज॰ २७ सितंबर, '१८, पीलीभीत; शि॰ बी॰ ए॰ '४१, इलाहाबाद वि॰ वि॰, पत्रकारिता '४५, काशी विद्यापीठ; सा॰ पीलीभीत से प्रकाशित उर्दू साप्ता॰ 'इत्तहाद' तथा हिंदी साप्ता॰ 'देशभक्त' के संपादन में सहयोग दिया, भूत॰ उप॰-संपा॰ दै॰ 'अधिकार' एवं प्रधान संपा॰ साप्ता॰ 'हमारी बात' लखनऊ तथा प्रमुख उप॰संपा॰ दै॰ 'अमृत-पत्रिका' इलाहाबाद; वर्त॰ मा॰ 'कादंबिनी' दिल्ली के संपादकीय विभाग में कार्य; प्रका॰ स्फुट; अप्र॰ सांप्रदायिकता के विष-बीज एवं तीन-चार संग्रह; प॰ मासिक 'कादंबिनी'-कार्यालय, दिल्ली।

कृष्णा जी भटनागर—शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी, एम॰ ए॰ संस्कृत; प्रका॰ दो निबंध-संग्रह; अप्र॰ तीन-चार संग्रह; प॰ अध्यक्ष: हिंदी-संस्कृत विभाग, गुलाबसिंह हिंदू डिग्री कालेज, चाँदपुर, बिजनौर।

कृष्णदत्त—ज० १९ नवंबर, '१६ ; शि० एम० ए० हिंदी (प्रथम), बी० एड० ; सा० सहसंपा० साप्ता० 'आर्य-भानु' हैदराबाद, '४१ से अध्यापन कार्य, प्रधानाचार्य हिंदी अध्यापक प्रशिक्षण कालेज सिकंदराबाद '६१ ; प्र० '४० में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० तीन पुस्तकें ; वर्त० प्रधानाचार्य हिंदी महाविद्यालय, हैदराबाद ; प० ३-५-१०१९, नारायणगुडा, हैदराबाद ।

कृष्णदत्त ओझा—ज० '३०, पीसांगन, अजमेर ; शि० एम० ए० हिंदी, एम० ए० संस्कृत, बी० टी० ; प्रका० रूप के बादल ; अप्र० महाश्वेता, निराला आदि छह खंडकाव्य एवं दो काव्य-संग्रह ; प० हिंदी अध्यापक, राजकीय उ० मा० विद्यालय, काजड़ा, झुँझुनू (राज०) ।

कृष्णदत्त खांडल—ज० १२ अप्रैल, '१२ ; शि० एम० ए०, साहित्याचार्य, सा०रत्न ; सा० संस्कृत कालेज लक्ष्मणगढ में आठ वर्ष तथा गोयना हाईस्कूल मे दो वर्ष अध्यापन ; प्रका० प्राकृत-प्रकाश की टीका '३७, नीतिशतक का अनुवाद तथा काव्य-कुंज की कुंजी ; प० हिंदी संस्कृताध्यापक, श्री नवलगढ विद्यालय उ० मा० स्कूल, नवलगढ (राज०) ।

कृष्णदेव शर्मा—ज० १९०५, अतरौली, अलीगढ ; शि० एम० ए० हिदी '३६, आगरा वि०वि ; सा० पुस्तकाध्यक्ष आर्य कुमारसभा मेरठ, आर्यसमाज देहरादून ; उपप्रधान आर्य-कुमारसभा मेरठ, मंत्री आर्यसमाज कर्णपुर देहरादून तीन वर्ष एवं उपप्रधान छह वर्ष ; प्रधान कर्णपुर प्रारंभिक कांग्रेस कमेटी एक वर्ष, मंत्री हिंदू कुमारपार्लियामेंट एवं हिंदीसाहित्य समिति देहरादून, अनेक वर्षो तक ना० प्र० स० काशी एवं भा० हिं० सा० सम्मे० की स्थायी समिति के सद० रहे, भारतीय हिंदी परिषद के सद० पाँच वर्ष से ; संस्था० सद० सर्वोदय स्वाध्याय मंडल देहरादून '५० ; प्र० '४० में ; प्रका० सूर-वंश-निर्णय '४०, चरित्रनिर्माण '५०, बाल समाज-विज्ञान '५२ ; अप्र० अनंत की गोद में एवं तीन अन्य पुस्तके ; वि स्फुट पुरस्कार प्राप्त ; वर्त० उपप्रधानाचार्य, डी० ए० वी० इंटर कालेज, देहरादून ; प० २०/१, नेगी रोड, देहरादून ।

कृष्णनंदन सिनहा, डा०—ज० २२ दिसंबर, '२४ ; शि० बी० ए० आनर्स अँग्रेजी '४४ पटना वि०वि०, एम० ए० अँग्रेजी '४६ पटना वि०वि०, पी-एच० डी० अँग्रेजी '५६ युनिवर्सिटी आफ अरकंसस, अमरीका ; सा० पहले गया कालेज गया में, पश्चात् कुरुक्षेत्र वि०वि० में अँग्रेजी विभाग के अध्यक्ष. वर्त० रीडर एवं अध्यक्ष वि०वि० अँग्रेजी विभाग सी० एम० कालेज दरभगा बिहार वि वि , प्र '४१ में , प्रका० लाल (कहा

'४६, हरदम आग '५१, नृत्य का बुलावा '५३ ; वि॰ 'झलकियाँ' में एक कहानी संगृहीत, अँग्रेजी में भी एक उप॰ तथा कई कहानियाँ लिखी हैं; प॰ रीडर एव अध्यक्ष, अँगरेजी विभाग, सी॰ एम॰ कालेज, दरभंगा ।

कृष्णबलदेव वैद, डा०—ज॰ १ जुलाई, '२७ ; शि॰ एम॰ ए॰ अँग्रेजी '४७, पंजाब वि॰वि॰, पी-एच॰ डी॰ हारवर्ड वि॰वि॰, अमेरिका ; प्र॰ '४९ में ; प्रका॰ उसका बचपन (उप॰) '५७, बीच का दरवाजा (कहा॰) '६३, उसका बचपन (अँग्रेजी से अनु॰) '६२ ; वि॰ कई कहानियों के अनु॰ अँग्रेजी, जर्मन एवं इटैलियन भाषा में छपाये हैं, अपने उपन्यास का भी अँगरेजी मे अनुवाद किया है, दो बार विदेश-यात्रा की '५८-'६१ एव '६२ ; वर्त॰ रीडर, अँग्रेजीवि॰, पंजाबवि॰वि॰ चंडीगढ़; प॰ ४,सेक्टर २बी॰, चंडीगढ ।

कृष्णमोहन मित्तल—ज॰ २९ मार्च, '२३, मथुरा , शि॰ गाजियाबाद एवं मेरठ ; सा॰ सद॰ स्थायी समिति, अ॰ भा॰ ब्रज साहित्य-मंडल मथुरा ; प्रका॰ स्फुट ; अप्र॰ विवाह का इतिहास, प्रलय का इतिहास एवं तीन संग्रह ; प॰ मंत्री, ब्रज साहित्य मंडल, केंद्र माडल टाउन, दिल्ली ।

कृष्णबिहारी बाजपेयी, 'करुणेंद्र'—ज॰ २० जुलाई, '३३, न्योराजपुर, सीतापुर ; शि॰ प्रभाकर '५६, पंजाब वि॰वि॰, बी॰ ए॰ '६२, लखनऊ वि॰वि॰ ; प्र॰ '५० में ; प्रका॰ करुणांचल (कवि॰) '५७, इंसानियत फिर भी जीवित है (उप॰) '५७, मेघमाला (उप॰) '५९ ; अप्र॰ अमावस की पूनम (उप॰), बादल और घाटी (कवि॰), वे पत्र जो तुम्हारी याद में लिखे हैं (पत्रात्मक काव्योपन्यास) ; वि॰ 'बादल और घाटी' काव्य '५८ में धारावाहिक रूप में प्रकाशित हो चुका है ; वर्त॰ आकाशवाणी लखनऊ मे कार्य ; प॰ 'राजगढ', आर्यनगर, लखनऊ ।

कृष्णशंकर शुक्ल—ज॰ १९०५ ; शि॰ एम॰ ए॰ काशी वि॰वि॰ ; प्रका॰ केशव की काव्यकला, कविवर रत्नाकर, आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास, हमारे साहित्य की रूपरेखा, बेलि क्रिसन रुक्मिणी री (संपा॰) एवं कान्यकुब्ज ब्राह्मण ; अप्र॰ लेखों के चार संग्रह ; वर्त॰ हिंदी प्राध्यापक, हिंदू कालेज, दिल्ली ; प॰ एफ॰ ५/१२, माडलटाउन, दिल्ली—९ ।

के० कुमार—ज॰ २७ मार्च, '२८, दिल्ली ; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी ; प्र॰ '५३ में ; प्रका॰ दिशा॰ (संपा॰), शिक्षाशास्त्र (अनु॰) ; अप्र॰ तीन पुस्तकें ; प॰ एम॰ पी॰टी॰ ४२७, विनयनगर, नई दिल्ली ।

केदारनाथ मिश्र, 'चंचल'—ज॰ १९ फरवरी, '१९ ; शि॰ हाईस्कूल, सा॰रत्न ; सा॰ गोपाल गर्ल्स कालेज लाहौर में अध्यापक '४१-'४७ वर्त

'५० से हिंदी प्राध्यापक तिलक इंटरकालेज प्रतापगढ ; प्र० '४४ में ; प्रका० रिमझिम (कवि०) '४४, बलिदान (नाट०) '४६, गीता का पद्यानुवाद '४८, सरल रामायण '४८ ; अप्र० रसोई घाटी (कवि०) एवं अन्य तीन पुस्तकें ; प० हिंदी प्राध्यापक, तिलक इंटर कालेज, प्रतापगढ ।

केदारनाथ मिश्र, 'प्रभात'—ज० ११ सितंबर, १९०७; शि० एम० ए० '३७ पटना वि० वि०, साहित्याचार्य ; सा० बिहार के राज्यपाल द्वारा बिहार राष्ट्रभाषा परिषद के सदस्य मनोनीत '५१, बिहार हिं०सा० सम्मे० के मनोनीत सद० एवं अध्यक्ष '६३ ; वर्त० पुलिस जन-संपर्क पदाधिकारी एवं डिप्टी सुपरिंटेंडेंट आफ पुलिस ; अनेक साहि० संस्थाओं का सभापतित्व किया ; प्र० '२२ में ; प्रका० कवि० : कलेजे के टुकड़े '२८, कंपन '४२, कैकेयी (महा०) '५०, स्वरस्पर्श '५१, कर्ण (खंड०) '५१, तप्तगृह (प्रबंध०) '५४, ऋतंवरा (महा०) '५६ एवं बैठो मेरे पास '६० ; गीत० : ज्वाला '२९, श्वेत नील '३६, कलापिनी '३९, संवर्त '४४, काल दहन '४८ एवं स्वर्णोदय '५१ ; लेख० : सत्यं शिवं सुंदरं '५२ एवं पहिये की धुरी '५९ ; बालो० : समुद्र के मोती, मूर्खों की कहानियाँ, मनोरंजक कहानियाँ एवं आश्चर्यजनक कहानियाँ ; अप्र० सेतुबंध (कवि०) ; वि० अनेक स्फुट पुरस्कारों के अतिरिक्त 'ऋतंवरा' पर बिहार सरकार से एक सहस्र मुद्रा का '५७ में एवं उ० प्र० सरकार से ५००) का '५८ में, तथा 'बैठो मेरे पास' पर '६० में उ० प्र० सरकार द्वारा ५००) का पुरस्कार प्राप्त, '२८ में अयोध्या से 'कविरत्न' एवं '४२ में 'विद्यालंकार' उपाधि प्राप्त ; १५ अगस्त '६२ में प्रशंसनीय पुलिस-सेवा के लिए 'राष्ट्रपति पुलिस पदक' प्राप्त ; अँगरेजी में भी लिखते हैं ; प० २, हार्डिंज रोड, पटना—१ ।

केदारनाथ राय, 'दीन'—ज० २ जुलाई, '३० ; शि० मैट्रिक '४९ पटना वि०वि०, साहित्यभूषण ; सा० स्थानीय बहुधंधी सहयोग समिति के मुख्य सचिव, ग्राम-पंचायत के सरपंच तथा गोड्डा अनुमंडलीय पुस्तकालय संघ के उपाध्यक्ष, '५५ में कानपुर के एक जूनियर हाईस्कूल में तथा '५१ में कलकत्ता की अभिनव भारती संस्था में अध्यापन, '५५-'५६ में बुनियादी विद्यालय पालोजोर, संताल परगना में प्रधानाध्यापक, '५६ से सर्वोदय उच्च विद्यालय, बक्सरा (संताल परगना) में हिंदीसंस्कृताध्यापक ; प्र० '५१ में . प्रका० माधुरी (उप०) '५७ ; अप्र० नारी (उप०), गीत ये (कवि०) '६०, उषा (खंड०) आदि ; प० असारी माधुरी, संताल परगना ।

के० *नारायण*—ज० १५ अगस्त, '२५, केरल ; शि० मैट्रिक ; जा० मलयालम एवं तमिल ; प्र० '५२ में ; प्रका० स्फुट० ; वि० मलयालय से हिंदी में अनेक अनुवाद किये हैं; प० हिंदी पंडित, मुस्लिम हाईस्कूल, मद्रास—५।

क्षेमचंद्र, 'सुमन'—ज० '१६ ; शि० स्नातक ; सा० संपादक तथा सहसंपा० साप्ता० 'आर्य' '३६, 'आर्यसंदेश' तथा 'आर्यमित्र' आगरा, 'मनस्वी' अमेठी राज्य, 'शिक्षा-सुधा' मंडी धनौरा एवं दै० 'हिंदी मिलाप' लाहौर '४३ तक, '४२ के 'भारत छोड़ो' आंदोलन में कारावास, त्रै० 'आलोचना' के संपादन में सहयोग दिया, संस्था० सरस्वती सहकार संस्था '५०, वर्त० साहित्य अकेडमी नई दिल्ली के प्रकाशन-विभाग में कार्य, प्र० '४३ में ; प्रका० मौलिक : मल्लिका (कवि०) '४३, बंदी के गान (कवि०) '४५, कारा (खंड०) '४६, हमारा संघर्ष (इति०) '४६, नेता जी सुभाष (जीव०) '४६, कांग्रेस का संक्षिप्त इतिहास '४७, प्रभाकर निबंधावली '४८, नये भारत के निर्माता (जीव०) '४९, आजादी की कहानी (इति०) '४९, साहित्य सोपान (हिंदी साहित्य का इति०) '५०, सुमन-सौरभ '५०, साहित्य-विवेचन '५२, हिंदी साहित्य और उसकी प्रगति ; संपादित तथा संकलित : लाल किले की ओर (कवि०) '४६, गाँधी भजनमाला '४८, गल्प माधुरी (कहा०) '४८, राष्ट्रभाषा हिंदी (लेख) '४८, नीर-क्षीर (एका०) '४९, जैसा हमने देखा '५०, पंडित पद्मसिंह शर्मा (जीव०) '५१, गद्य सरोवर '५१, जीवन स्मृतियाँ (आत्मचरित्र) '५२, बापू और हरिजन (लेख०), हिंदी के लोकप्रिय कवि नीरज '६०, हिंदी के सर्वश्रेष्ठ प्रेमगीत '६१, आधुनिक हिंदी कवयित्रियों के प्रेमगीत '६२, चीन को चुनौती (कवि०) '६२, भारतीय साहित्य परिचय माला ; अप्र० हिंदी के लोकप्रिय गीतकार, सम्मे० के सभापति, नारी तेरे रूप अनेक ; वि० 'साहित्य विवेचन', 'बापू और हरिजन' तथा 'नये भारत के निर्माता' पर उ० प्र० सरकार द्वारा पुरस्कार प्राप्त ; प० अजय निवास, दिलशाद कालोनी, शाहदरा, दिल्ली—३२।

क्षेमेंद्र गुलेरी—ज० ३० नवंबर, '११ ; शि० बी० ए०, प्रभाकर, सा० संपा० मा० 'पंचायती राज्य', पंजाब, प्रका० स्फुट ; अप्र० रुपया-आना-पाई (उप०) तथा दो संग्रह ; प० लोकसंपर्क विभाग, पंजाब, चंडीगढ़।

गणपति सिंह—ज० १८९३, पचहीजैंदी ; शि० बी० ए० '१७, तीन वर्ष तक कानून का अध्ययन किया ; सा० भूत० हिंदी-मैथिली व्याख्यात कलकत्ता वि० वि० ; प्र० '१६ में ; प्रका० बाल मैथिली व्याकरण '२९, नर पशु (रूसी से अनु) '३२ प्रेमचक्र (फ्रेंच से अनु) '३२ शक्ति

(रूसी से अनु०) '३२, मैथिली साहित्य प्रवेशिका (संपा०), लघु मैथिली साहित्य (संपा०), बच्चाक माय (मैथिली उप०), सुशीला (मैथिली उप०), बाल स्वास्थ्य शिक्षा, मिथिला भाषा रामायण का सुंदरकांड (पाद-टिप्पणी सहित), भूगोल-परिचय, रामकृष्ण परमहंस (जीव) आदि, अप्र० दो-तीन पुस्तके ; प० नई डौढी, लखनौर, दरभंगा ।

गंगाप्रसाद श्रीवास्तव—ज० '२८ ; शि० एम० ए० हिंदी '५२ प्रयाग वि० वि० ; सा० भूत० संचा० साहित्यिकी संस्था प्रयाग, सेंट जोसेफ सेमीनरी और अग्रसेन कालेज प्रयाग में अध्यापन, शिक्षा-मंत्रालय दिल्ली में कार्य '५४, भारतीय मानक संस्था मे अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद पर कार्य '५५ से ; प्र० '४६ में ; प्रका० नाना की माँ (अनु० उप०) ; अप्र० स्फुट रचनाओं के दो संग्रह ; प० इडियन स्टैंडर्ड्स इंस्टीट्युशन, मानक भवन, ९ मथुरा रोड, नई दिल्ली —१ ।

गंडासिंह, डा०—ज० १५ नवंबर, १९०१, होशियारपुर, हरियाना, पंजाब ; शि० एम० ए० इतिहास, अलीगढ वि० वि० ; सा० आजीवन सद० : 'रायल एशियाटिक सोसाइटी' एवं 'रायल सेंट्रल एशियन सोसाइटी' लंदन, 'एशियाटिक सोसाइटी कलकत्ता' एवं 'इडियन हिस्ट्री कांग्रेस'; सैनिक सेवा, उत्तरी पश्चिमी सीमा प्रांत '१९-'२०, मेसोपोटामिया '२०-२१, 'ऐंग्लो परशियन आयल कंपनी' (अबदन, परशियन गल्फ) '२१-'३०, अध्यापक इतिहास विभाग, खालसा कालेज अमृतसर '३१-'४९, पंजाबी विभाग के निदेशक, पटियाला सरकार के अनुसचिव, '४९-'५६, प्रधानाचार्य खालसा कालेज पटियाला '६० ; प्रका० पंजाब और सिक्खों का इतिहास आदि विविध विषयों पर अँग्रेजी, हिंदी, पंजाबी, उर्दू और परशियन मे ५६ पुस्तकें ; प० लोवर माल, पटियाला ।

गजानन प्रसाद—ज० २ जनवरी, '३१, मीठापुर, पटना ; शि० एम० ए०, बी० एल, संगीत प्रभाकर, इलाहाबाद; प्र० '५४ मे ; प्रका० ललकी किरनियाँ के कोर, बढ़ो हिंद के वीर जवानो, रिमझिम, बाजे मोरा पायल ; अप्र० तीन-चार संग्रह ; वि० अनेक स्फुट पुरस्कार प्राप्त ; प० संगीत अनुदेशक, जनसंपर्क विभाग (बिहार), पटना ।

गजानन शर्मा, डा०—ज० '२२, राजस्थान ; शि० एम० ए० हिंदी '४८, आगरा वि० वि०, एम० ए० संस्कृत '५२ सागर वि० वि० ; सा० भारतीय हिंदी परिषद के दस वर्षों से एवं म० प्र० हिं०सा० सम्मे० भोपाल तथा छत्तीसगढ साहित्य-सम्म रामपुर के सद बिलासपुर की भारतेंदु सा

समिति के उपाध्यक्ष एवं नव सा० समाज के अध्यक्ष, सागर वि० वि० की सीनेट के भूत० सद० एवं पाठ्यक्रम समिति के छह वर्षों से सद०, भूत० संपा० 'उदय' ग्वालियर , प्रका० साहित्य के पृष्ठ, सप्तधारा, पद्य-पारिजात सौरभ, काव्यालोचन, काव्य-कल्लोल-अध्ययन, जीवन-रेखाएँ ; अप्र० गौतम बुद्ध (खड०), भक्तिकालीन काव्य में नारी (शोधग्रन्थ) एवं चार संग्रह ; वि० कुछ संकलनो मे आलो० लेख संगृहीत ; प० अध्यक्ष, हि०वि०, एस०बी० आर० कालेज, बिलासपुर।

गजेंद्रसिंह सोलंकी—ज० ६ अगस्त, '२३ ; शि० इटर '४४ ; सा० 'हिंदुस्तान-समाचार' के स्थानीय प्रतिनिधि ; प्र० '५१ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० उत्सर्ग (कवि०), गागर (कवि०), अंतेष्टि (कहा०) एवं एक उपन्यास ; वि० 'राजस्थान के कहानीकार' में एक कहानी संक० ; प० मैनेजर, कृपि-यत्र, नयापुरा, कोटा (राज०)।

गणेशशंकर शुक्ल, 'बंधु'—ज० '१६, रामनगर, कानपुर ; शि० एम० ए०, सा०रत्न ; सा० सस्था० हिंदी साहित्य परिषद पीलीभीत '५४, २२ वर्षो तक पीलीभीत शुगर फैक्ट्री मे कार्य किया ; प्र० '५० मे ; प्रका० कल्पना (कवि०) '५०, पीलीभीत का साहित्यिक इतिहास '५७, प्यार कर मुझे मनुज (कवि०) '६०, मा० 'नीरजा' (कहा०) '६१ ; अप्र० ककुआ का बियाहु ; प० सहायक लैबोरेटरीइंचार्ज, शुगरफैक्ट्री काशीपुर,नैनीताल।

गयाप्रसाद, 'सरोज'—ज० '१२, रामबरेली ; शि० प्रारंभिक ; सा० संस्था० एवं मंत्री : स्थानीय सार्वजनिक पुस्तकालय '३७, लखनऊ तथा इलाहाबाद के सरकारी कार्यालयों में कार्य किया, आजकल सुरक्षितालय माल कलक्ट्रेट, रायबरेली मे कार्य ; प्रका० स्फुट ; अप्र० सुमनांजलि, गीतांजलि, सुभद्रा आदि ; प० अटौरा बुजुर्ग, परगना, रायबरेली।

गिरिजादत्त त्रिपाठी—ज० १ अक्टूबर, '११ ; शि० एम० ए० संस्कृत '३६ काशी वि-वि०, एम० ए० हिंदी '३८ पटना वि०वि०, व्याकरणाचार्य '२४, न्यायाचार्य '३०, साहित्यशास्त्री '३५ ; सा० भूत० प्रधानाचार्य संस्कृत कालेज अलवर '३८-'४०, पश्चात् रामकृष्ण कालेज मधुबनी (दरभंगा) मे संस्कृत-हिंदी विभागाध्यक्ष ; वर्त० हिंदी अध्यक्ष तथा उपप्रधानाचार्य मुंशीसिह महाविद्यालय, मोतीहारी ; प्रका० काव्य-समीक्षा '५८ आदि अनेक पुस्तके : अप्र० साहित्य-मीमासा · वि० अनेक स्फुट पुरस्कार प्राप्त प हिंदी वि मुशीसिह महाविद्यालय, मोतीहारी

गिरिजादयाल, 'गिरीश'—ज० १८८६, कचनपुर-सरैया, बिसवाँ ; शि० बिसवाँ से एस० एल० सी०, परीक्षा परिषद लखनऊ से आयुर्वेदशास्त्री, (ए) क्लास रजिस्टर्ड वैद्य तथा लाहौर से एम० बी० एच० ; सा० स्थानीय हिंदी परिषद, साहित्य मडल आदि के अध्यक्ष तथा शतदल के उपाध्यक्ष, साहित्य मडल से प्रकाशित भूत० मा० 'माधवी' के संपा० रहे ; जुडीशल तथा चीफकोर्ट में '१८ से सरकारी नौकरी, इलाहाबाद हाईकोर्ट लखनऊ-बेंच से '५१ में स्टैप रिपोर्टर के पद से अवकाशग्रहण , प्र० '३२ में ; प्रका० वीणा-वादिनी, तरंगिणी (कवि०) ; अप्र० कालिदी, महिला-महत्व, विधवा-विलाप (ब्रज०, कवि०) बासंती, राका (कवि०) ; वि० कई स्फुट पुरस्कार प्राप्त , प० १५५।२६, महेशप्रसाद स्ट्रीट, मौलवीगंज, लखनऊ ।

गिरिराजप्रसाद विप्र तिवारी—ज० १५ अगस्त, '२३ ; सा० भूत० संपा० मा० 'सूरि संदेश' '४१ ; प्रका० मिठाई '४५ ; अप्र० अपहृत महिला, उपहास, पतिता और पतितपावन, मानव मानवता भूल गया, जब मानव मे मानवपन आया ; प० राजा जी का वास, अलवर (राज०) ।

गुरुदत्त—ज० ८ दिसंबर, १८८४ ; शि० एम० एस-सी० '१८, पजाब वि०वि० ; सा० भूत० डिमांस्ट्रेटर लाहौर गवर्नमेंट कालेज, एक नेशनल स्कूल में प्रधानाध्यापक रहे, एक एम० एल० सी० के व्यक्तिगत सचिव रहे '२६-'३१ ; वर्त० सद० कार्यकारिणी समिति भारतीय जनसंघ ; प्र० '४२ मे ; प्रका० स्वाधीनता के पथ पर '४२, विश्वासघात '५१, धरती और धान '५१ आदि ६३ उप०, एक नाटक एवं एक सत्य घटना ; अप्र० चार-पाँच संग्रह एवं दो उप० ; प० ३०/९०, कनाट सरकस, नई दिल्ली ।

गुरुदत्त शर्मा—ज० १९ जून, '३२, तलवंडीमाधो, जालधर ; शि० एम० ए० हिंदी एवं एम०ए० पंजाबी, पंजाब वि०वि०; जा० संस्कृत, पंजाबी तथा अँगरेजी; सा० आजी० सद० पंजाबी साहित्य अकेडमी लुधियाना, कार्यकारिणी के सदस्य हिं० सा० सम्मे०, मत्री पंजाब तथा हिमाचल संस्कृत विश्वपरिषद, भारत सरकार के भाषा-विभाग, पंजाब शिक्षा-विभाग तथा पंजाब भाषा-विभाग में उच्च पदों पर कार्य किया, आजकल हिंदी विभाग, पंजाब में अनुवाद-अधिकारी (राजपत्रित) के रूप में कार्य ; प्रका० छंदोलंकार मंजरी, संस्कृत-सुधा, हिंदी अरविंदमाला, साहित्य-शब्दावली; अप्र० गुरु नानक-विजय (संपा०) एवं चार-पाँच संग्रह ; वि० अँगरेजी, पंजाबी एवं उड़िया से अनेक अनुवाद किये हैं प अनुवाद-अधिकारी, हि वि पजाब सरकार, पटियाला

गुरुप्रसाद टंडन—ज० १९०६, प्रयाग; शि० मध्यमा (सर्वप्रथम, 'पूर्णपदक' प्राप्त) '२२, बी० ए० (स्वर्णपदकप्राप्त), एम० ए० (सर्वप्रथम, कई पदक प्राप्त) एवं एल-एल० बी० प्रयाग वि० वि०, एक वर्ष तक वहीं के शोधछात्र '३२-'३३; सा० प्रयाग में आयोजित द्विवेदी-मेला एवं हि० सा० सम्मे० के प्रबंधमंत्री '३३, चार बार 'मंगलाप्रसाद पारितोषिक' के निर्णायक '४५, '४६, '४८ एवं '६०; स० भा० हि०सा० सम्मे० के प्रधानमंत्री '५५-'६० एवं उसकी तथा शासकीय कला-परिषद की कार्यकारिणी के सद०, भा० हिंदी परिषद के सद०; केंद्रीय सरकार की राष्ट्रभाषा प्रचार योजना के तत्वावधान में मद्रास राज्य के पंद्रह प्रमुख केंद्रों मे व्याख्यान दिये, पहले लक्ष्मीबाई कालेज ग्वालियर में एवं '६१ से माधव कालेज, विक्रम वि०वि० में हिंदी विभागाध्यक्ष; प्र० ५ नवंबर, '२४ मे; प्रका० ब्रजभाषा का साहित्य, मीराबाई का गीतिकाव्य, ब्रज साहित्य के शृंगार रस की मीमांसा, गुप्तजी का उन्मुक्त काव्य, निबंध-ज्योति; संपा० काव्यधारा, गद्य-आलोक आदि; अप्र० आलो० लेखों के दो संग्रह; वि० अँगरेजी में भी कई शोधनिबंध लिखे हैं; प० अध्यक्ष, हिंदी विभाग, माधव कालेज, उज्जैन।

गुलाब खण्डेलवाल—सा० म्युनिसिपल कमिश्नर, गया; प्रका० बलि निर्वास (नाट०); अप्र० चार कविता-संग्रह; प० चौक बाजार, गया।

गुलाबचंद्र चौधरी, डा०—ज० २ अक्टूबर, '१७; शि० एम० ए० प्राचीन भारतीय इतिहास और संस्कृति, काशी वि०वि०, एम० ए० पालि, बिहार वि०वि०, पी-एच० डी० काशी वि०वि०, न्यायतीर्थ एवं काव्यतीर्थ बंगाल संस्कृतसम्मे०, सा०रत्न सम्मे० प्रयाग, व्याकरणाचार्य; सा० सहा० मंत्री भारतीय इतिहास परिषद् '४७-'५०, प्राध्यापक-पुस्तकाध्यक्ष : नव नालंदा महाविहार '५२-'६०; वर्त० प्राध्यापक (बिहार शिक्षा सेवा वर्ग), प्राकृत जैन शोध-प्रतिष्ठान; प्रका० पुराण सार-संग्रह '५४ (दो भाग, संपा०, अनु०), जैन शिलालेख-संग्रह '५७, उत्तरी भारत का राजनीतिक इतिहास '६३; वि० एक ग्रंथ अँगरेजी मे भी लिखा है, प० रमना, क्लब रोड, मुजफ्फरपुर।

गुलाबरत्न वाजपेई, 'गुलाब'—ज० २३ मार्च, १८९९, सुमेरपुर, उन्नाव; सा० संपा० व्यापार-परिचय (अखिल भारतीय हिंदी डाइरेक्टरी) कलकत्ता, प्रका० मनोविज्ञान आकर्षणशक्ति '३७, नयी रोशनी '४०, स्त्री-पुरुष '४०, अमर जीवन '४६, संजीवनी '५६, नर-नारी '५७, आत्म-ज्योति आदि; उप० समाज-विप्लव '४७, काँटा '३९, हेजाइल, नारंगी '४४, बसुन्धरा '६० मृत्युञ्जय '३०, आरती सत्याग्रही, सेवा और त्याग '५३

आदि ; लघुकथा : प्रेमपथ '४५, बारूद '४५, पपीहा '४१, गुलाब जी की श्रेष्ठ कहानियाँ '४७, तारा मडल ; अन्य : पागलखाना (हास्य०), कुमकुम '४६, ललिका (कवि०) आदि , चित्र-काव्य '२८ (कवि०), नारी-विद्रोह ; फिल्मी : भक्त के भगवान, नौटंकी पूरणमल, दिल की प्यास, शेखचिल्ली आदि ; स्टेज ड्रामा : डाक्टर साहब, हम एक हैं, कन्या-विजय, फिल्म की रानी, तिरछी चितवन, दानी कर्ण, स्वाधीन भारत, औरतों का जमाना, दहेज का जहर, घर जमाई, प्यारा देश, राजा भरथरी, झाँसी की रानी आदि , वि० बँगला, नेपाली आदि में अनेक पुस्तकों के अनु० छपे हैं ; प० संपा० व्यापार-परिचय (डाइरेक्टरी), विज्ञान मंदिर ऐंड कंपनी, ब्राह्मणपाडा लेन, कलकत्ता—६ ।

गोपाल जी भटनागर—ज० २१ जनवरी, '३८, मुरादाबाद ; शि० बी ए० (प्रथम), एम०ए० हिंदी (प्रथम, वि०वि० में तृतीय स्थान, कुलपतिपदक प्राप्त) आगरा वि०वि० ; प्रका० स्फुट ; अप्र० शोधनिबंधों का एक संग्रह ; वि० 'काव्य-सृजन और आस्वादन की प्रक्रिया' विषय पर शोधकार्य-रत , प० हिंदी प्राध्यापक, महाराजा (राजकीय) स्नातकोत्तर विद्यालय, छतरपुर ।

गोपालप्रसाद कौशिक, वैद्य—सा० भूत० संपा० 'स्वास्थ्य' मथुरा, 'वैदिक सर्वस्व' काजीवरम् , धर्मार्थ औषधालय केसरिया मथुरा में प्रधान चिकित्सक, बुन्देलखंड आयुर्वेदिक कालेज झाँसी मे प्रोफेसर तथा झाँसी आयुर्वेद वि०वि० में एडीशनल रजिस्ट्रार रहे ; प्रका० अष्टांगहृदय संपा०, शार्ङ्गधर संहिता (संपा०), भैषज रत्नावली (संपा०), भावप्रकाश (अनु०), रस हजारा (संक०), औषधसारसंग्रह (संक०), वैद्यक सारसंग्रह (संक०), प्रयोग रत्न-संग्रह (संक०), जाटों के जौहर (कवि०) ; अप्र० महावीर हनुमान, गिरिराज गोवर्द्धन, क्रांति-कथा आदि ; प० गोवर्द्धन, मथुरा ।

गोपाल शर्मा—ज० १६ मई, '१९ ; शि० एम० ए०, बी० टी ; सा० मध्यप्रदेश शासन की साहित्य परिषद् में उपसचिव रूप में तथा अन्य संस्थाओं में अनेक पदों पर कार्य किया ; प्र० '४१ में ; प्रका० किशोरमंच, मजे मे तो हैं, सौंदर्य-प्रतियोगिता, सात एकांकी तथा अन्य ग्रंथ '४६-'५९ ; प० उप-निदेशक, केंद्रीय हिंदी निदेशालय (शिक्षा मंत्रालय) भारत सरकार, १५/१६, नेताजी सुभाष मार्ग, दिल्ली—६ ।

गोपीनाथ, 'अमन'—ज० १८९९ ; शि० बी० ए०, अदीब फाजिल तथा मुंशी फाजिल ; जा० उर्दू ; सा० बीस वर्ष उर्दू पत्रकारिता में रहे, '२१ के पश्चात लखनऊ में तीन वर्ष तक मंडल कांग्रेस कमेटी के सेक्रेटरी

और जिला कांग्रेस कमेटी के सद० रहे, वर्त० सद० : दिल्ली विकास सलाहकार मंडल, उर्दू मा० 'आजकल' परामर्श मंडल, बुक ट्रस्ट आफ इंडिया (उर्दू विभाग), आकाशवाणी कार्यक्रम परिषद् ; महापौर (अंतरंग) परिषद् (राष्ट्रीय सुरक्षा के निमित्त), अंतरंग खुसरू अकेडमी, जफर शताब्दी समारोह समिति, भ्रमण सलाहकार समिति, परिवार नियोजन समिति ; सह० सद० गृहमंत्री की परामर्श परिषद्, उपप्रधान कांग्रेस रचनात्मक कार्यसमिति, अ० भा० अणुव्रत समिति, टैगोर शताब्दी सलाहकार समिति, विवेकानंद शताब्दी समिति ; प्रधान : जन-संपर्क समिति, ग्राम-विकास समिति, श्रम परिपालन समिति, गो-संवर्धन समिति, नशाबंदी प्रचार समिति, हरिजन एवं पिछडी जाति कल्याण समिति, उर्दू समाचार परिपत्र परामर्श मंडल, प्राकृतिक चिकित्सालय ट्रस्ट, महापौर परिषद् की जन-संपर्क समिति, कॉंग्रेस रचनात्मक कार्य समिति की जन-संपर्क समिति, अणुव्रत समिति दिल्ली आदि ; भूत० विकासमंत्री दिल्ली विधान सभा ; प्र० '२८ मे (उर्दू में) एवं '५३ मे (हिंदी में) ; प्रका० उर्दू साहित्य का इतिहास '५२ तथा अन्य पाँच पुस्तकें ; वि० लगभग एक दरजन पुस्तकें उर्दू में लिखी हैं ; प० (१) कमरा नं० ६४, पुराना सचिवालय, दिल्ली—६ । (२) फ्लैट नं० ४७, दरियागज, दिल्ली ।

गोपीवल्लभ गोस्वामी, 'उपेक्षित'—ज० २२ नवंबर, '३०, बीकानेर ; शि० इंटर, चित्रकारी परीक्षा उत्तीर्ण ; प्र० '५० मे ; प्रका० स्फुट कहानियाँ ; वि० 'जलते दीप' एवं 'राजस्थान के कहानीकार' में एक एक कहानी संगृहीत ; वर्त० सहायक अधिकारी : राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन विभाग, बीकानेर ; प० गोस्वामी चौक, बीकानेर ।

गोवर्धन महबूबाणी, 'भारती'—ज० १३ जनवरी, '२९ ; शि० बी० ए०, प्रभाकर ; प्र० '५३ में ; प्रका० अमर मारुई (नाट०) ; वि० बाल-साहित्य-प्रतियोगिता (शिक्षा-विभाग, दिल्ली) द्वारा दो बार पुरस्कार प्राप्त '५८ एवं '६२ में, मातृभाषा सिंधी में भी कई पुस्तकें लिखी हैं ; प० न्यू सिंध रेडियोज, कैसरगंज, अजमेर ।

गोविंद उपाध्याय—ज० ९ जनवरी, '२९ ; शि० एम० ए० इतिहास, फ्रेंच डिप्लोमा, काशी वि०वि० ; सा० तीन वर्षो से काशी की साहित्य-कला संस्था 'रचना' के संयोजक तथा मंत्री ; प्र० '६० में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० दो कविता-संग्रह ; वि० 'ऋचाएँ' में कुछ कविताएँ संगृहीत '६१ ; काशी वि०वि० में शोधकार्य-रत ; प० पुष्प-भवन, अस्सी, वाराणसी—५ ।

गोविंदप्रसाद हटवाल, डा०—ज० ५ सितंबर, १९०५, गिरगाँव, इडवालस्यूँ, पौडी, गढवाल ; शि० शास्त्री '२२ पंजाब वि०वि०, आचार्य '३५ संस्कृत वि०वि० काशी, बी० ए० '४१, सा०रत्न '५० सम्मे० प्रयाग, एम० ए० हिंदी '५२, एम० ए० संस्कृत '५४, पी-एच० डी० '६२ आगरा वि०वि० ; मा० भू०त० अध्यापक मेसमोर हाईस्कूल, पौडी '२४-'४३, एवीरिंघ हा० से० स्कूल '४३-'५१, रामजे इंटर कालेज अलमोड़ा '५२, लखनऊ क्रिश्चियन कालेज '५३ से ; प्र० '३५ में , प्रका० व्याकरण-नवनीत '३५, रस-छंद-अलंकार '५८, व्याकरण-सुबोध (तीन भाग) '६० ; अप्र० स्कंद-पुराणांतर्गत केदारखंड का भौगोलिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन (शोधग्रंथ) एवं संस्कृत साहित्य में करुणरस ; प० छोटा चाँदगंज, पजावा, लखनऊ ।

गोविंदशरण त्रिगुणायत (गोविंद त्रिगुणायत), डा०—ज० '२४, हाथरस ; शि० एम० ए० हिंदी, एम० ए० संस्कृत, पी-एच० डी० हिंदी '५१, डी० लिट० हिंदी '५७ ; सा० १४ वर्षों से के० जी० के० कालेज में संस्कृत विभागाध्यक्ष तथा हिंदी प्रोफेसर, ११ वर्षों से अनुसंधान निर्देशक हिंदी एवं संस्कृत, पंजाब तथा आगरा वि०वि० ; प्रका० कबीर की विचारधारा, कबीर और जायसी का रहस्यवाद, हिंदी दशरूपक, हिंदी की निर्गुण काव्यधारा और उसकी दार्शनिक पृष्ठभूमि (शोधग्रंथ), शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत (दो भाग), समीक्षाशास्त्र के सरल सिद्धांत, पद्मावत काव्य और दर्शन, हिंदी की श्रेष्ठ कहानियाँ आदि ; अप्र० चार आलो० ग्रंथ एवं संग्रह ; वि० 'कबीर की विचारधारा' पर २१००) का हरजीमल डालमिया पुरस्कार प्राप्त एवं 'कबीर और जायसी का रहस्यवाद' तथा 'हिंदी दशरूपक' उ०प्र० सरकार द्वारा पुरस्कृत ;प० भारती-भवन, सिविललाइंस, मुरादाबाद ।

गौतम सचदेव, *'सुमन'*—ज० ८ जून, '३९ ; शि० एम० ए० हिंदी (सर्वप्रथम, वि०वि० में तृतीय स्थान) दिल्ली वि० वि०; प्रका० सिंदूर की होली: कसौटी पर '६२, गबन समीक्षा '६३ , अप्र० दो आलो० पुस्तकें ; वर्त० प्राध्यापक, हिंदी विभाग, दिल्ली वि०वि० ; वि० पी-एच० डी० के लिए शोधकार्य-रत ; प० ६६६०, कोठी मेम, बाड़ा हिंदूराव, दिल्ली ।

गौरीशंकर 'आज़ाद'—ज० '२०, इंदौर ; शि० मैट्रिक, इंदौर ; सा० संस्था० ध्यानी गायन पार्टी '४०, '४२ के आंदोलन में कारावास, '४३ से '४५ तक २०३ व्यायामशालाओं की होलकर राज्य स्थापना की, '५२ से अनेक स्थानों में हिंदू-महासभा-शाखाओं की कई नगरो मे स्थापना की , भूत० संपा० साप्ता० 'प्रभात' '५३ मे एक वर्ष तक ; प्र० '३९ में

प्रका॰ हमारा काश्मीर '५३, अमेरिका पाकिस्तान '५७, हिंदू राष्ट्र बनकर ही रहेगा '६१ आदि ; वि॰ '५६ में हिंदू महासभा के जोधपुर अधिवेशन में ओजस्वी कविता पर 'हिंदू राष्ट्रकवि' उपाधि एवं रजत 'कप' प्राप्त, ७ जून '५७ को अ॰ भा॰ राजपूत संघ उदयपुर में महाराणा प्रताप जयंती पर समस्या पूर्ति पर लगभग २०००) पुरस्कार प्राप्त : प॰ विभागीय मंत्री, म॰ प्र॰ प्रांतीय हिंदू महासभा, भोपाल।

गौरीशंकरलाल, 'अख्तर'—ज॰ १८९२ ; सा॰ भूत॰ संपा॰ मा॰ 'शिव शंभु' लाहौर ; वर्त॰ संपा॰ 'मानसरोवर' ; प्रका॰ दो पद्य-संग्रह ; वि॰ बंगाली, मराठी, गुजराती, अँग्रेजी आदि देशी-विदेशी भाषाओं के सौ से अधिक उपन्यासों के अनु॰, अनेक फिल्मों के कथानक, संवाद एवं गीत-लेखक : प॰ संपा॰ 'मानसरोवर', २४२, जमना रोड, इलाहाबाद।

गौरीशंकर सिंह, 'सेंगर'—ज॰ १९०८, ग्राम॰ बलिया ; शि॰ एम॰ ए॰, सा॰रत्न, शास्त्राचार्य (साहित्य एवं आयुर्वेद) ; सा॰ शंकर औषधालय जौनपुर के अध्यक्ष, सम्मे॰ परीक्षाओं के संचा॰, संस्कृत प्राध्यापक, तिलकधारी महाविद्यालय जौनपुर ; प्र॰ '३५ में ; प्रका॰ स्फुट ; अप्र॰ चार संग्रह; प॰ संस्कृत प्राध्यापक, तिलकधारी महाविद्यालय, जौनपुर।

घनश्याम प्रसाद, 'शलभ'—ज॰ २१ अगस्त, '२९, शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी, आगरा वि॰ वि॰, एम॰ ए॰ अँगरेजी, राजकीय कालेज अजमेर, सा॰ रत्न ; सा॰ मेवाड़ प्रजामंडल उदयपुर के अंतर्गत आठ-दस वर्षों तक कार्य; एक वर्ष तक 'आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी' : मेवाड़ समाजवादी पार्टी, तीन वर्ष तक राजस्थान प्रगतिशील लेखक संघ उदयपुर के अध्यक्ष, संस्था॰ साहि॰भारती, भीलवाड़ा ; वर्त॰ प्राध्यापक हिं॰वि॰ राजकीय महाविद्यालय, भीलवाड़ा ; प्रका॰ धरती का सरगम, अँधेरे के जुगनूँ ; अप्र॰ बादल और बाँसुरी, संतोलन (लेख॰) ; प॰ प्रोफेसर, राजकीयमहाविद्यालय, भीलवाड़ा।

घासीराम परिहार—ज॰ २ जुलाई, '२२ ; शि॰ एम॰ ए॰ इतिहास, एम॰ ए॰ राजनीतिविज्ञान, विशारद, बी॰ एड॰ ; सा॰ सद॰ भारतीय संशोधन मंडल पूना, सह-संस्था॰ एवं स्थायी सद॰ भारत 'लाजिकल रिसर्च इस्टीट्यूट' गंगानगर (राज॰) ; प्र॰ '५३ में ; प्रका॰ सामाजिक अध्ययन, प्राचीन भारत के सांस्कृतिक केंद्र, राजपूताने का इतिहास (द्वितीय भाग) ; वि॰ 'मारवाड़ एवं मराठों के संबंध' विषय पर शोधकार्य-रत ; प॰ अध्यक्ष, इतिहास एवं राजनीतिविज्ञान विभाग, राजकीय कालेज, गंगानगर (राज॰)।

चंद्रकला त्यागी, श्रीमती, डा०—ज० १३ अप्रैल, '२२, बुलंदशहर ; शि० एम० ए० हिंदी, पी-एच० डी०, आगरा वि०वि० ; प्रका० स्फुट० ; अप्र० बुलंदशहर के संस्कार-संबंधी गीतों का अध्ययन, सौ गीत और संगीत तथा चार संग्रह ; प० शिवपुरी, बुलंदशहर ।

चंद्रकांत देवताले—ज० ७ नवंबर, '३६, जौलखेडा, बैतूल ; शि० एम० ए० हिंदी (प्रथम) ; प्रका० स्फुट, अप्र० दो० संग्रह ; वि० पी-एच० डी० के लिए शोधकार्य-रत ; प० हिंदी विभाग, माधव कालेज, उज्जैन ।

चंद्रकांतसिंह—ज० २ जनवरी, '३०, मुंगेर ; शि० एम० ए०, राँची कालेज, राँची ; सा० संस्था० स्थानीय सत्यप्रकाश पुस्तकालय तथा आदर्श पुस्तकालय ; प्र० '४८ में ; प्रका० डनकल्लावे चल एवं चार प्रहसन ; अप्र० लेख-प्रहसनों के दो संग्रह ; वि० पी-एच०डी० के लिए शोधकार्य-रत ; प० द्वारा जिला शिक्षण निरीक्षिका, राँची ।

चंद्रदत्त शर्मा, 'इंदु'—ज० '३४, लुहारी, मेरठ, ; शि० एम० ए० हिंदी, आगरा वि० वि० ; सा० पिछले छह वर्षों से भारत-सेवक-समाज में सक्रिय भाग, साप्ता० 'भारत सेवक' के माध्यम से पत्रकारिता में प्रवेश, अब संयुक्त संपा० मा० 'पचायत-सदेश', प्र० '५४ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० अँधेरे-उजाले (उप०), एक नाटक एवं पाँच प्रहसन, गीत, लेख, तथा कहानी-संग्रह ; वि० 'आपस के मीत' (उप०) धारावाहिक रूप से प्रकाशित ; प० आई २०४, विनयनगर मेन, नई दिल्ली ।

चंद्रदेवशर्मा—ज० १८०१ ; शि० वेद-व्याकरण-साहित्य-धर्म-शास्त्राचार्य, बिहार संस्कृत समिति, पुराणतीर्थ बंगीय संस्कृत समिति, सा०रत्न सम्मे० प्रयाग ; प्र० '३७ में ; प्रका० अंतर्जातीय विवाह और स्मृतियाँ, आध्यात्मिक शुद्धि, दिव्य चिंतन, दर्शनों के दिव्य सदेश, कल्याण-पथ, औपनिषद सदाचार, धर्म और अर्थ के तत्व, हमारे धर्म की राष्ट्रीयता, धर्म की अनिवार्यता, भारत अखंड क्योंकर हो, सामाजिक उत्थान की आर्य-परंपरा, अभ्युदय के मूल, वैदिक शिक्षा-प्रणाली, सच्चरित्रता के निदान, युद्धकालीन अध्यात्मवाद आदि ; वि० संस्कृत में भी अनेक ग्रंथों का प्रणयन ; बेलगाँव से 'कविकोकिल' एवं मथुरा से 'विद्यातीर्थ' उपाधियाँ प्राप्त ; प० प्रधानाध्यापक, राजसंस्कृत उच्चविद्यालय, बेतिया, चपारन ।

चंद्रदेव शर्मा—ज० '२८ ; शि० एम० ए०, एम० एड०, प्र० '५५ मे ; प्रका० स्फुट ; अप्र० दो संग्रह ; वि० 'आंध्रप्रदेश के कवि' ग्रंथ में रचनाएँ संकलित हैं, प० प्राध्यापक, राजकीय ट्रेनिंग कालेज, हैदराबाद ।

चंद्रप्रभा द्विवेदी—ज॰ १ अक्टूबर, '२२ ; शि॰ एम॰ ए॰, एल॰ टी॰, सा॰रत्न ; सा॰ स्थानीय राजकीय विद्यालय मे हिंदी प्राध्यापिका ; प्र॰ '३८ मे ; प्रका॰ नगर के पथ पर (कहा॰) '४६ , अप्र॰ कवि॰ विजय वैजयती, तुलसी-दल, ग्रथि-बधन, इंद्रप्रस्थ एवं दो कहानी-संग्रह ; वि॰ स्फुट पुरस्कार प्राप्त . प॰ द्वारा १९८६, बहादुरगंज, इलाहाबाद।

चंद्रभूषण—ज॰ २५ सितंबर, '३४ ; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी ; प्रका॰ भोजपुरी-सगम (संपा॰), भोजपुरी कहानी-संग्रह (संपा॰) ; वि॰ 'स्वातन्त्र्योत्तर हिंदी कविता के माध्यम से भारतीय समाज का अध्ययन' विषय पर शोध-कार्य-रत , प॰ हिंदी विभागाध्यक्ष, कोआपरेटिव कालेज, जमशेदपुर ।

चंद्रमौलि शुक्ल—ज॰ १८८२ , शि॰ एम॰ ए॰ संस्कृत, लखनऊ वि॰ वि॰, एल॰ टी॰ (सर्वप्रथम) प्रयाग ट्रेनिंग कालेज ; सा॰ कान्यकुब्ज सभा काशी के सभापति, आदर्श पुस्तकालय काशी के संस्थापको मे, काशी वि॰ वि॰ के हिंदी-बोर्ड, शिक्षा बोर्ड तथा कला संकाय के सद॰; भूत॰ उप-प्रधानाचार्य काशी ट्रेनिंग कालेज, भूत॰ सपा॰ 'कान्यकुब्ज' ; प्रका॰ रचना-विचार, बाल मनोविज्ञान, शरीर और शरीर-रचना, नाट्य-कथामृत, मानस-दर्पण, अकबर, करीमा (अनु॰), अंकगणित-शिक्षा-प्रणाली, हाईस्कूल हिंदी व्याकरण और रचना, नूतन-अरिथमेटिक (तीन भाग), बीज-गणित आदि अनेक पाठ्यग्रंथ ; वि॰ अँगरेजी मे भी कई लेख एवं ग्रंथ लिखे हैं ; प॰ अँतरौली, मोहनलालगज, लखनऊ ।

चाँदमल अग्रवाल, 'चंद्र'—ज॰ २१ फरवरी, '१६ ; शि॰ बी॰ए॰, एल-एल॰ बी॰, डी॰ काम॰, सा॰रत्न हिंदी, सा॰रत्न राजनीति ; सा॰ सद॰ औरंगाबाद कैंटूनमेंटबोर्ड एव हैदराबादगवर्नमेंट 'लेबर-वेजेज कमेटी', मंत्री . अखिल हैदराबाद राष्ट्रभाषा विकास समिति, भारतीय साहित्यमडल, साहित्य-संगम (औरंगाबाद), प्राचीन रामायण मंडल एवं छावनी काग्रेस कार्यालय; उपाध्यक्ष : हैदराबाद हिंदी प्रचार सभा, अध्यक्ष अग्रवाल सभा, राजस्थानी युवकमडल, हैदराबाद युवकमडल एवं औरंगाबाद जिला असेसर्स कमेटी, जूरर हैदराबाद गवर्नमेंट, होमडिपार्टमेंट, संस्था॰ अखिल हैदराबाद राष्ट्रभाषा विकास समिति, भारतीय साहित्य मंडल, साहित्य संगम औरंगाबाद, 'राजस्थानी' के संपा॰ , प्र॰ '२८ में; प्रका॰ चित्रांगदा (खंड॰) चंद्रकिरणें (बालो॰), जुगनूँ (कवि॰), सरल हिंदी (४ भाग), आंध्र के हिंदी कवि अप्र॰ पद्मिनी (खंड॰) सुवर्ण-तुला (नाट॰) बिखरे मोती (लेख)

कौमुदी (कवि०), श्रीकृष्ण-शतकार्थ (कवि०), चंद्रकवि-गाथा '३५, कैकेयी (महा०) ; प० चंद्र-भवन, छावनी, औरंगाबाद (महा०)।

चिट्टूरि लक्ष्मीनारायण शर्मा—ज० ३० दिसंबर, '१० ; शि० मुंगेर तथा काशी विद्यापीठ ; सा० बापू के असहयोग आंदोलन में भाग तथा कारावास '२२-'२८, मंत्री : द० भा०हिं०प्र०सभा, मद्रास की आंध्रप्रदेश-शाखा, संपा० मा० 'स्रवंती' हिंदी तथा तेलुगु '६०से, प्र० '४० मे; प्रका० स्फुट ; अप्र० दो संग्रह; प० मंत्री : द० भा० हिं०प्र०सभा-आंध्र, खैरताबाद, हैदराबाद—४।

चिम्मललाल गोस्वामी—ज०१६००, बीकानेर ; शि० एम ए० काशी वि० वि०, शास्त्री ; सा० फिरोजाबाद तथा बीकानेर के हाईस्कूलों में प्रधान-अध्यापक के रूप में कार्य, महाराजा बीकानेर के दीवान के सचिव, सह० संपा० मा० 'कल्याण', संपा० 'कल्याण कल्पतरु' '३४ से ; प्रका० श्रीमद्भगवद् गीता, रामचरितमानस, श्रीमद्भागवत का अँगरेजी में अनु० ; वि० अत्र 'वाल्मीक रामायण' के अँगरेजी अनुवाद में संलग्न , हिंदी-अँगरेजी की अनेक पुस्तकों का संपा० किया है ; प० गीता प्रेस, गोरखपुर।

चिरंजीलाल मिश्र—शि० एम० ए०, एटा, बीकानेर एवं कानपुर ; प्रका० स्फुट ; अप्र० सामयिक एवं साहित्यिक निबंधों के संग्रह ; प० अध्यक्ष हिंदी-विभाग, बी०जे० एस० रामपुरिया जैन कालेज, बीकानेर।

छगनलाल जैन—ज० '२४ , शि० एम० ए० अँगरेजी, कलकत्ता वि०वि०, एल-एल० बी० गौहाटी वि० वि० ; जा० बँगला, अँगरेजी, असमिया और संस्कृत ; सा० असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के पदाधिकारी, गौहाटी नगरपालिका के कमिश्नर, 'पूर्व ज्योति' तथा नवज्योति प्रेसों के स्वामी, संपा० साप्ता० 'पूर्व ज्योति' असम, असम हाईकोर्ट के ऐडवोकेट; प्रका० हँसते-हँसते जीना (कहा०), संघर्ष (नाट०), इंसान की खोज (नाट०), राह और रोड़े (उप०), राष्ट्रभाषा अभिधान (शब्द-कोश), राष्ट्रभाषा शब्दसंग्रह, राष्ट्रभाषा-व्याकरण-शिक्षा आदि ; अप्र० चार पुस्तकें ; वि० असमिया में भी अनेक पुस्तकें लिखी हैं ; प० फैंसी बाजार, गौहाटी।

छविनाथ पांडेय—ज० १८६२ ; शि० बी० ए०, एल-एल० बी०, इलाहाबाद वि०वि० , सा० मैनेजर : ज्ञानमंडल प्रेस '१६-'२०, कुटनी स्टेट (मुजफ्फरपुर) '२४-'३०, अँग्रेजी दै० 'सर्च लाइट' '३२-'४० एवं दै० 'यंत्र' काशी '४५-'४७ ; संपा० मा० 'साहित्य' (कलकत्ता) '२१-'२२, बिहार राज्य सरकार के प्रकाशन अधिकारी '४७-'५३, संप्रति अवकाश प्राप्त ; प्र '२० में प्रका सुशीला (उप०) २०, स्त्री-शिक्षा '२२ माँ का हृदय

(अनु०) '२३, समाज (नाट०) '२४, जंगल और तेल (अनु०) '३३, इन्द्रधनुष, अनोखा आदमी, अस्पताल, अंधकार, विद्रोही, चलता पुर्जा, कलंक, अटपटे चित्र, आपका बच्चा, अपनी बात आदि पुस्तकों के लेखक एवं अनु० ; प० प्रकाशन-अधिकारी, आर्यकुमार रोड, पटना—४ ।

छैलबिहारी दीक्षित, 'कंटक'—शि० एम०ए०, सा०रत्न; सा०भूत०सद० प्रांतीय तथा अ० भा० कांग्रेस कमेटी, हिं० सा०सम्मे० की स्थायी समिति, परीक्षा समिति, राष्ट्र-भाषा-परिषद एव कानपुर सिविल लीग ; प्रधान मंत्री : शहर काँग्रेस कमेटी, प्रांतीय 'सेफ्टी फर्स्ट एसोसिएशन' एवं हिंदी साहित्य समिति कानपुर ; अध्यक्ष : शहर काग्रेस कमेटी, 'इंफीरियर ग्रेड इम्प्लाईज एसोसिएशन', स्कूल-कालेज-कर्मचारी संघ, 'बैंक इंप्लाईज यूनियन', भारतीय विद्यालय इंटर कालेज एव सेवा-संघ ; हरिजन विद्यालय के एक संस्था० तथा संचा० , वर्त० सद० नगर महापालिका कानपुर, तीन वर्ष तक उसकी कार्यकारिणी में रहे; दै० 'वर्तमान' (कानपुर), दै०'संध्या' (कानपुर), दै० 'प्रभात' (लाहौर) आदि के प्रधान संपा० रहे, साप्ता० 'प्रताप' (कानपुर), 'कर्तव्य' (इटावा), 'नवसेवक' (कानपुर), 'वीरांगना', 'हलधर आदि के संपादकीय विभाग में कार्य किया ; राष्ट्रीय आंदोलनों में कई बार कारावास ; प्र० '२२ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० लेखों-कविताओं के कई संग्रह ; वि० अनेक स्फुट पुरस्कार प्राप्त ; प० नवाबगंज, कानपुर ।

छैलबिहारीलाल गुप्त, 'राकेश गुप्त', डा०—ज० २१ अगस्त, '१९; शि० एम० ए० '४१, पी-एच० डी० '४३, डी० लिट० '५२, प्रयाग वि०वि०; प्र० '५० में ; प्रका० रस का मनोवैज्ञानिक अध्ययन (शोधग्रंथ) '५० ; अप्र० नायक-नायिका-भेद (शोधग्रंथ) एवं आलो० लेखों के दो संग्रह ; वि० दोनों शोधग्रंथ अँगरेजी में लिखे गये थे ; प० अध्यक्ष, हिंदी विभाग, काशीनरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, ज्ञानपुर (वाराणसी) ।

छोटेलाल, 'आग्नेय—ज० २४ जनवरी, '३५ ; शि० एम० ए० इतिहास, एल-एल० बी० ; सा० त्रैमा० 'समवेत' के संपादक-मंडल के सद०, कम्युनिस्ट पार्टी के सद० एवं कुछ समय तक मंत्री रहे, आजकल प्रांतीय परिषद के सद०, सागर नगरपालिका के सद० रहे ; एक वर्ष अध्यापकी की ; प्र० '५६ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० दो संग्रह ; प० चितामणि भवन, सागर ।

जगत शंखधर—ज० ३१ जुलाई, १९०९ ; शि० इंटर ; सा० '२१ मे राष्ट्रीय कांग्रेस में स्वयंसेवक, '३० में अवज्ञा आंदोलन में कारावास ; वर्त० संपा० त्रैमा० 'संदर्भ'; प्रका० स्फुट तथा अनु० गीतांजलि एव मार्कोपोलो

(अँग० से अनु०), आँका-बाँका, घर-बाहर एवं बाँदी (बँगला से अनु०) ; अप्र० तीन-चार संग्रह ; प० डी-५३।८६ कमच्छा, वाराणसी ।

जगदीशचंद्र—प्रका० होमियोपैथिक रामायण, चीनियों का बर्बर आक्रमण ; अप्र० भगवद्गीता (पद्यानुवाद), औषध एवं नवग्रह ; प० आगरा होमियोपैथिक स्टोर्स, फव्वारा, आगरा ।

जगदीश मिश्र—ज० २८ दिसंबर, '१७, महद्दीपुर, मुंगेर ; शि० बी० ए०, साहित्याचार्य, व्याकरणाचार्य, काव्य तीर्थ, विशारद, शास्त्री, साहित्याचार्य ; जा० उर्दू, बँगला तथा मैथिली ; सा० भूत० प्रचार मंत्री : जिला हिं० सा० परिषद एवं जिला हिंदू महासभा, मुंगेर '४६ ; संपा० साप्ता० श्री नारद-मुंगेर-समाचार' '४०, सिविक गार्ड के प्लाटून कमांडर '४२, स्थानीय मुहल्ला कमेटी के सभापति, कांग्रेस की ओर से म्युनिसिपल कमिश्नर '५५, भारत-सेवक-समाज मुंगेर के सूचना एवं प्रसार-मंत्री, वर्त० संपा० साप्ता० 'दलित मित्र' '४८ से, अध्यापक, श्रीदुर्गा उच्च विद्यालय, मकससपुर, मुंगेर ; प्र० '३५ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० लेखों के तीन-चार संग्रह ; प-संपादक 'दलित मित्र', सरस्वतीप्रेस, मुंगेर ।

जगदीश सलिल, डा०—ज० १४ जुलाई, '३३ ; शि० बी०ए०, एच० एम० डी० एस०, एफ० पी० सी०, डी० एच० बी० , सा० मंत्री : आलोकन संस्था ग्वालियर, संचा० मा० 'अंशुमाली', संपा० त्रैमा० 'होमियोपैथिक विकास' ; प्र० '५२ में ; प्रका० स्फुट; अप्र० दो कविता-संग्रह एवं 'धूल तले रांगोली' (संयुक्त काव्यसंग्रह) ; वर्त० अध्यापक, वसुंधरा राजे मेडिकल कालेज, ग्वालियर ; प० 'आलोकन', दानावली, लश्कर, ग्वालियर ।

जगन्नाथ चौधरी, 'इच्छुक'—ज० ४ दिसंबर, '२५ ; शि० एम० ए० हिंदी, सा०रत्न ; सा० पाँच वर्ष तक भूत० सहसंपा० दै० 'नई दुनिया' एवं साप्ता० 'कांग्रेस संदेश', वर्त० श्रीमहेश सार्वजनिक वाचनालय एवं पुस्तकालय के मंत्री आठ वर्षों से, राष्ट्रभाषा-प्रचार समिति वर्धा के केंद्रव्यस्थापक, वर्त० संपा० दै० 'नवभारत' दो वर्षों से, मा० 'मध्यप्रदेश वस्त्र-व्यापार-पत्रिका' में भी कार्य करते हैं; प्र० '४६ में; प्रका० युगांकिनी (कहा०) '४६ तथा उस ओर (उप०, धारावाहिक रूप से) ; अप्र० स्फुट रचनाओं के चार संग्रह ; प० प्रचार-मंत्री, श्री महेश वाचनालय, १७, बड़ा सराफा, इंदौर ।

जगन्नाथ तुपकरी, 'भृंग'—ज० २७ फरवरी, '२७, नागपुर , शि० इंटर ; सा० सह० संपा० 'उद्यम', साप्ता० 'आलोक' एव दै० 'लोकमत' '४४-'४८, पहले आकाशवाणी नागपुर में और '५७ से बंबई मे सह-नियोजक ;

प्र॰ '३९ में ; प्रका॰ मिट्टी की महक (नाट॰) '५०, अमिताभ (छायानाट्य) और पंखुड़ियाँ (लघुकथा) '५६; अप्र॰ कविताओं, लघुकथाओं एवं निबंधो के तीन-संग्रह; प॰ ८।२८-२९, जानकी कुटीर, जुहू, बबई ५४।

जगन्नाथप्रसाद शर्मा, डा॰—ज॰ १० जुलाई, १९०५, उनचेहरा, नागौर; शि॰ एम॰ए॰, डी॰ लिट्॰ काशी वि॰वि॰ ; सा॰ कई वर्षो से काशी ना॰ प्र॰ सभा के मंत्री, काशी वि॰वि॰ में हिंदी-प्राध्यापक एवं रीडर रहे, अब प्रोफेसर और हिंदीविभागाध्यक्ष ; प्र॰ '२८ में ; प्रका॰ हिंदी की गद्यशैली का विकास '३०, प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन (शोधग्रंथ) '४३, हिंदी गद्य के युग-निर्माता '४८, कहानी का रचना-विधान '५३, हिंदी गद्य-साहित्य का इतिहास '५६ आदि; अप्र आलो॰ लेखों के तीन संग्रह; वि॰ अनेक संग्रहों मे लेख संक॰; प॰ औरंगाबाद, वाराणसी।

जगन्नाथप्रसाद सिंह पांडेय—ज॰ १९ मई, १९०५ ; शि॰ काशी वि॰वि॰ ; सा॰ सारन जिला हिं॰सा॰सम्मे॰ के तेरहवें अधिवेशन के अध्यक्ष '५९, प्रधान संपा॰ मा॰ 'ग्राम्यजीवन' , प्रका॰ घरौदा (कहा॰), भारत-गीत, (संक॰), बाल-विनय (संक॰); अप्र॰ गुरुदक्षिणा (कहा॰) एवं दो निबंध-संग्रह , प॰ २, ईस्ट गार्डिनर रोड, पटना—१।

जगेश्वरसिंह—ज॰ मई, १९०९, हैवतपुर खुर्द, रायबरेली ; शि॰ विशारद प्रयाग, वैदिक-धर्म-विशारद ; सा॰ '२८ में राष्ट्रीय कांग्रेस के सक्रिय सद॰, '४२ मे बंदी, जिला कांग्रेस कमेटी रायबरेली के उप-सभापति, तहसील कांग्रेस कमेटी के प्रधानमंत्री, '३२ से आर्य समाज के प्रधान, सस्था॰ अध्यक्ष व प्रधानमत्री द्विवेदी-स्मारक-समिति रायबरेली, संपा॰ : साप्ता॰ 'युगसंदेश' लालगंज, रायबरेली '५१ से ; संस्था॰ सद॰ बैसवारा इंटर कालेज, रायबरेली ; प्रका॰ अवतारवाद '३५, होली-धुनकर '५४ ; प॰ संपादक 'युगसंदेश', लालगंज, रायबरेली।

जनकराय—ज॰ '२४, पचकरवी, सारन ; शि॰ सा॰रत्न , सा॰ उपसभापति : तरुण-संघ पटना, संपा॰ 'नवप्रभा' पटना, '३९ से पचलखी माध्यमिक विद्यालय मे और अब एफ॰ एन॰ एस॰ अकेडमी पटना में हिंदी प्राध्यापक ; प्र॰ '४४ में ; प्रका॰ स्फुट ; अप्र॰ चाँद के धब्बे ; वि॰ स्फुट पुरस्कार प्राप्त ; प॰ हिंदी अध्यापक, एफ॰ एन॰ एस॰ एकेडमी, पटना ७।

जनार्दनस्वरूप अग्रवाल—ज॰ १६ जुलाई, '१७ ; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी, प्रयाग वि॰वि॰, एम॰ ए॰ संस्कृत तथा अँगरेजी, आगरा वि॰वि॰; प्रका॰ हिंदी में निबंध साहित्य, हिंदी भाषा-ज्ञान हिंदी साहित्य का इतिहास

रस, अलंकार और छंद, गद्य-रत्नाकर (संपा॰), काव्यरत्नाकर (संपा॰) ; प॰ प्रधानाचार्य, एम॰ बी॰ इंटर कालेज, हल्द्वानी, नैनीताल ।

जवरनाथ पुरोहित—ज॰ '३४, जोधपुर ; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी, बी॰ एड॰ सा॰रत्न ; प्रका॰ पुष्पांजलि (कवि॰), स्वरलहरी (कवि॰) ; अप्र॰ मंजिल की ओर एवं स्फुट रचनाओं के दो संग्रह; प॰ हिंदी प्राध्यापक, महेश टीचर्स कालेज, ५, सरदारपुरा मार्ग, जोधपुर ।

जयदेव शर्मा 'कमल'—ज॰ २९ जुलाई, '३१ ; सा॰ '४०-'४६ तक राजनैतिक जीवन, '४६-'४७ में ए॰ एम॰ सी॰ लखनऊ में सैनिक जीवन, '५५ से आकाशवाणी के शिमला एवं लखनऊ केंद्रों पर स्टाफ आर्टिस्ट ; प्र॰ '५५ में ; प्रका॰ मन के गीत अमित आभा (कवि॰), समर चयनिका (गीत॰), समाधि पर (नाट॰), समय के संकेत, रंगनाथ, राणाबेनीमाधो, समय तुम्हें ललकार रहा ; अप्र॰ दो कविता-कहानी संग्रह; वि॰ 'बर्फ के हीरे' में कहानियाँ संक॰ ; प॰ ५४, क्लेस्क्वायर, लखनऊ ।

जयपालसिंह, 'तरंग'—ज॰ १२ मार्च, '२९ ; शि॰ एम॰ ए॰ '६१, एल॰ टी॰ '५६ ; सा॰ सद॰ स्थानीय हि॰ सा॰ परिषद, क्षेत्रीय विकास परिषद तथा जनपद युवक मंगलदल परामर्शदात्री समिति, बुलंदशहर, संयोजक : जनपद स्तरीय टैगोर शताब्दी जयंती तथा विवेकानंद शताब्दी जयंती ; प्र॰ '४७ में ; प्रका॰ अभियान गान (गीत॰); अप्र॰ तीन कविता, कहानी एवं लेख-संग्रह ; वि॰ स्फुट पुरस्कार प्राप्त ; प॰ हिंदी अध्यापक, डी॰ ए॰ वी॰ इंटर कालेज, बुलंदशहर ।

जयशंकर देवशंकर शर्मा—ज॰ १९०४ ; शि॰ वैद्य-विशारद, सम्मे॰ प्रयाग ; जा॰ गुजराती, मराठी, उर्दू तथा अँग्रेजी ; सा॰ अध्यक्ष : नगर वैद्य सभा, बीकानेर; भूत॰संपा॰ पा॰'श्रीमाली नवजीवन', मा॰'श्रीमाली शुभेच्छुक', भूत॰ प्रधान चिकित्सक, मोहता धर्मार्थ एलोपैथिक डिस्पेंसरी बीकानेर, वर्त॰ सहायक चिकित्सक मथुराबाई फतेहचंद दमाणी प्रसूति-गृह बीकानेर, शार्दूल रिसर्च इंस्टीट्यूट बीकानेर के 'फेलो' ; प्रका॰ स्फुट ; अप्र॰ प्रकृति से वर्षा ज्ञान (यंत्रस्थ) एवं कई पुस्तकें ; वि॰ राज॰ साहित्य अकेडमी द्वारा पुरस्कार प्राप्त; प॰ राजस्थान महिलाचिकित्सालय, सोनगिरिमार्ग, बीकानेर

जयसिंह—ज॰ '२८, बगडावत, प्रतापगढ़ (राज॰) ; शि॰ हाई-स्कूल ; सा॰ सहसंपा दै॰ 'नई दुनियाँ' इंदौर ; प्र॰ '४५ में ; प्रका॰ कलावे (उप॰), सात स्वर एक आवाज (कहा॰), मानव के पंख (बालो॰) मोतीलाल

नेहरू (बालो॰); अप्र॰ बन्नी तीन बजे बुझी (उप॰) एवं मुन्नी (उप॰), वि॰ म॰ प्र॰ शासन साहित्य परिषद द्वारा 'सात स्वर : एक आवाज' पर ५००) पुरस्कार प्राप्त, 'मोतीलाल नेहरू' भी पुरस्कृत ; प॰ सहकारी संपादक 'नई दुनियाँ', एम॰ ई॰ ३, तिलकनगर, इंदौर।

जहूर बख्श—ज॰ ११ मई, १८९७, मछरियाही, सागर ; शि॰ मिडिल '१२, नार्मल ट्रेड , प्र॰ '१३ में ; प्रका॰ छोटे-बड़े लगभग पौने दो सौ ग्रंथ; वि॰'५५ में 'हम प्रिजीडेंट हैं' (कहा॰) पर म॰प्र॰ शासन-साहित्य-परिषद से ५००) का तथा '६१ में 'धन्य ये बेटियाँ' पर उ॰ प्र शासन की हिंदी समिति से डेढ़ सौ रुपये का पुरस्कार प्राप्त ; इनका विशाल पुस्तक संग्रह नष्ट हो गया है; प॰ ३०।१० दक्षिणी तात्याटोपे नगर, भोपाल।

जितराम पाठक—ज॰ २ सितंबर, '२८ ; शि॰ एम॰ ए॰ काशी वि॰वि॰ ; मा॰ शाहाबाद हि॰सा॰ सम्मे॰ के साहित्यमंत्री, संयुक्तमंत्री तथा कार्यसमिति के सद॰ ; अध्यक्ष ब्रह्मपुर थाना साहित्य सम्मे॰ ; प्र॰ '४३ में ; प्रका॰ हिंदी कवि-समीक्षा, बिहारी-बोधिनी , अप्र॰ राष्ट्रीयता की पृष्ठभूमि में आधुनिक काव्य का विकास (शोधग्रंथ), कला-सिद्धांत और स्वरूप आदि; वि॰ 'राष्ट्रीयता की पृष्ठभूमि में आधुनिक काव्य का विकास' पर पी-एच॰ डी॰ की थीसिस पटना वि॰वि॰ मे प्रस्तुत कर चुके हैं, स्फुट पुरस्कार प्राप्त. प॰ अध्यक्ष, हिंदी-विभाग, महाराजा कालेज, आरा।

जीवनलाल पांडेय—ज॰ १६ जुलाई, '३०, बलदेव, मथुरा ; शि॰ एम॰ ए॰, एल॰ टी॰, सा रत्न ; सा॰ सद॰ ब्रज साहित्य मंडल और ब्रजकला केंद्र ; संस्था मा॰ 'साहित्यालोक' तथा साहित्यालोक प्रेस ; प्र॰ '५२ में ; प्रका॰ हलधर-हिलोर (ब्रज॰, कवि॰), अनुपमा (कवि॰) ;अप्र॰ कविता, कहानी एवं निबंधों के तीन संग्रह; प॰ १०३, अशोकनगर, आगरा।

जीवनलाल प्रेम—ज॰ १८ सितंबर, '१८, लाहौर ; शि॰ बी॰ ए॰ पंजाब वि॰वि॰ ; सा॰ भूत॰ उपसंपा॰ 'स्वतंत्र भारत' लखनऊ ४ वर्ष तक, वर्त॰ उपसंपा॰ 'नवभारत टाइम्स' दिल्ली '५३ से, '४०-'४५ तक राजकीय सेवा, '४७ में लाहौर छोड़ना पड़ा, कुछ दिन आकाशवाणी दिल्ली के समाचार-विभाग में रहे ; प्र॰ '४४ में ; प्रका॰ पतझर '४४, तारावलि (कवि॰) '४४, गीतांजलि (अनु॰) '४५, गुरुगोविंदसिंह (जीव॰) ; अप्र॰ दो पुस्तकें; प॰ ३३-ए; नया गोविंदपुरा, पटपड़गंज रोड, दिल्ली—३१।

ज्वाला प्रसाद केशर—ज॰ १३ अक्टूबर, '३२ ; सा॰ भूत॰ सह-संपा॰ 'चिनगारी' '५०, संपा॰ 'चिनगारी' '५२ ; प्र॰ '४७ में ; प्रका

तीस उपन्यास एवं पाँच संपा० पुस्तकें ; अप्र० कहानियों, लेखों एवं एकांकियों के सात-आठ संग्रह ; प० बी- ८११, फीलखाना, वाराणसी ।

ज्ञानदेव अग्निहोत्री—ज० '३५, कानपुर ; शि० एम० ए० अँग्रेजी एवं समाजशास्त्र, साहित्यविशारद ; सा० कानपुर 'अकेडमी आफ ड्रैमेटिक आर्ट्स' के निदेशक, अँग्रेजी प्राध्यापक डी० ए० वी० कालेज, कनापुर ; प्रका० रोटी वाली गली (सक० एकां) ; अप्र० माटी जागी रे (नाट०) ; वि० स्फुट पुरस्कार प्राप्त; 'प्रतिनिधि रंगमचीय एकांकी' में एक एकांकी संकलित, 'माटी जागी रे' उ० प्र० राजकीय सूचनाविभाग द्वारा अनेक बार अभिनीत ; प० ८१७७, आर्यनगर, कानपुर ।

ज्ञानरंजन—ज० २१ नवंबर, '३६ ; शि० एम० ए० हिंदी '५७, प्रयाग वि० वि० ; सा० संयो० अरुण शलभ, प्रयाग , प्र० '५९ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० कविताओं-कहानियों के चार संग्रह ; प० हिंदी प्राध्यापक, जी० एस० कालेज, राइटटाउन, जबलपुर ।

झारखंडीप्रसाद, 'सुमन'—ज० फरवरी, १८९०, मुंगेर ; शि० बी० ए०, एल-एल० बी० ; सा० बेगूसराय वकीलसंघ के वार्षिकोत्सव के अध्यक्ष '४८, ब्रह्मदेव प्रसाद हाईस्कूल बेगूसराय में शिक्षक रहे, '२१ के असहयोग आंदोलन में भाग लिया, प्रधानाध्यापक, राष्ट्रीय उच्चविद्यालय समस्तीपुर '२२-'२३, '२५ में ब्रह्मदेवप्रसाद हाईस्कूल में प्रधानाध्यापक, 'रामचरित्रसिंह-अभिनंदन-ग्रंथ' के एक संपा०, नवंबर '३० से वकालत की; प्रका० स्फुट ; अप्र० पंचामृत, मानस-रहस्य, फारसी मामकीना तथा बूसिर्ता के हिंदी अनु० , वि० अनेक संग्रहों में लेख संगृहीत, अँगरेजी में भी लिखते हैं ; प० वकील, तिलकनगर, बेगूसराय ।

टीकमसिंह तोमर, डा०—ज ९ मार्च. '१३, बदायूँ ; शि० एम०ए० हिंदी '३८, एम० ए० संस्कृत '४५ आगरा वि०वि०, डी० फिल० '५२ प्रयाग वि वि०, सा० साहित्यमंत्री : भा० हिं० सा० परिषद प्रयाग, भूत०संपा० 'हिंदी 'अनुशीलन', '३८ से बलवंत राजपूत कालेज, आगरा में हिंदी तथा संस्कृत के प्राध्यापक प्रका० हिंदी वीर-काव्य (१६०० से ८०० तक); अप्र० आलो० लेखों के तीन संग्रह ; वि० 'हिंदी-साहित्य-कोश (वाराणसी) में 'वीरकाव्य', 'दोष विचार' एवं 'वीरकाव्य के कवियों और ग्रंथों का विवेचन', 'हिंदी-साहित्य' (भाग दो) में 'हिंदीवीरकाव्य' (प्रारम्भ से १८०० तक), 'हिंदी साहित्य-कोश' (उ०प्र० सरकार) में हिंदी वीरकाव्य पुस्तक-परिचय' (१६००

१८५०) आदि विस्तृत लेखों के लेखक ; '५५ में उ० प्र० सरकार द्वारा हिंदी वीरकाव्य (१६००-१८००) पर ८००) का पुरस्कार प्राप्त ; 'राजस्थान के राजदरबारों द्वारा हिंदी भाषा और साहित्य के विकास में योगदान' (१२००-१८००) विषय पर डी० लिट० के लिए शोधकार्य-रत ; प० अध्यक्ष हिंदी-संस्कृत-विभाग, बलवंत राजपूत कालेज, आगरा।

डी० स्वरूप, डा०—ज० १४ मार्च, १९०४ मेरठ, शि० बी०एस-सी० '२८ काशी वि०वि०, पी-एच० डी '३६, शेफील्ड वि० वि० (यू०के०) ; सा० सद० 'आइरन ऐंड स्टील इंस्टीटयुट', 'इंस्टीट्यूट आफ मेटल्स', 'इंस्टीट्युशन आफ मेटालरजिस्ट्स' (लंदन) एवं 'इंडियन आइरन ऐंड स्टील इंस्टीट्यूट' ; अनेक संस्थाओ के फेलो, योरोप, अमेरिका, आस्ट्रेलिया, नार्वे स्वेडन, रूस तथा पश्चिमी जर्मनी आदि देशों का व्यापक भ्रमण ; काशी वि० वि० मे '२८-'३०, '३१-'३७ तथा '३७-'४२ तक धातु विज्ञान के प्राध्यापक ; ई० आई० रेलवे वर्कशाप में '३०-'३१ तथा '३७ मे छह मास तक असिस्टेंट केमिस्ट एवं मेटालरजिस्ट के रूप में कार्य किया, '४२-'६२ तक काशी वि०वि० के धातु-विज्ञान के अध्यक्ष एवं '४४-'५२ तक 'कालेज आफ माइनिंग ऐंड मेटालरजी' के प्रिंसिपल रहे ; वर्त० चीफ 'इंडस्ट्रीज डिवीजन', प्लानिंग कमीशन, नई-दिल्ली ; प्रका० धातु विज्ञान '५१, औद्योगिक ईंधन '५२, इस्पात का उत्पादन '५८ ; वि० अनेक शोधपूर्ण लेख एवं ग्रंथ अँगरेजी मे भी लिखे हैं ; उ० प्र० सरकार से १०००) तथा 'ग्रेव्स मेडल' एवं 'औद्योगिक ईंधन' पर ८००) का पुरस्कार, ना०प्र० सभा काशी से 'धातु विज्ञान' पर २००) का पुरस्कार प्राप्त ; प० २१, मंडी हाउस, नई दिल्ली।

तारकेश्वरप्रसाद वाजपेयी—ज० ९५ मई, '२८, शि० हाईस्कूल, शास्त्री, आयुर्वेदाचार्य आदि ; प्र० '४७ मे ; प्रका० स्फुट ; अप्र० हास्यरस मे छीछाल्यादर, गद्य में अहिंसा-पथ, पद्य-सुमन-संग्रह, दंपति-दर्पण एवं दो संग्रह ; वर्त० अँगरेजी शिक्षक ई० ग्रे० जू० हाईस्कूल मलवाँ, फतेहपुर ; प० देवमयी, रेवाडी, फतेहपुर।

तुलसी, आचार्य—ज० '१४, लाडनूँ (राज०) ; सा० अणुव्रत-आंदोलन के प्रवर्तक '४४ तथा धार्मिक संघ 'तेरा पंथ' का नेतृत्व किया ; प्रका० कवि० अग्नि-परीक्षा, भरत-मुक्ति, आषाढ भूति, अणुव्रत-गीत, श्रद्धेय के प्रति, शांति के पथ पर (दो भाग), प्रवचन डायरी (दो भाग), पथ और पाथेय, नैतिक सजीव दो भाग) नैतिकता की ओर सूत्र

(संपा०), भिक्षु ग्रंथ-रत्नाकर (संपा०,दो भाग), प० द्वारा आदर्श साहित्य संघ १९९।५, महात्मा गाँधी रोड, कलकत्ता—७।

तोताराम शर्मा 'पंकज'—ज० २ जून, '२६, अजीलपुरा, धौलपुर (राज०) ; शि० आगरा ; मा० संस्था० सूर स्मारक समिति, साहित्य-संगम (आगरा) के एक संस्था०, भूत० संपा० मा० 'नवसाहित्यकार', संपा० मा० 'साहित्यालोक' आगरा ; प्र० '५० में ; प्रका० स्वरचित ब्रजभाषा लोकगीत '४६, सरल कृषिशास्त्र '५७, महाकवि सूरदास : जन्मभूमि और जीवन परिचय '५८, आगरा : एक सांस्कृतिक परिचय '५८ तथा प्रथमा, मध्यमा, सा०रत्न एवं विद्याविनोदिनी आदि के लिए बीस पुस्तकें, झिलमिला जोगी (लोककहा०) '६२, लाखा बंजारा (लोक कहा०); वि० 'आगरा के साहित्यकार' सम्मे० प्रयाग की 'साहित्य महोपाध्याय' उपाधि के लिए शोधप्रबंध तथा 'महाकवि सूरदास की जन्मभूमि' पर शोधकार्य-रत; वर्त० पुस्तकालयाध्यक्ष, नागरी प्रचारिणी सभा, आगरा ; प० संपादक 'साहित्यालोक', १३५७, डा० रांगेयराघव मार्ग, आगरा।

त्रिलोकीनाथ सिंह, डा०—ज० १३ अगस्त, '३६ ; शि० एम० ए० हिंदी, एम० ए० भाषा-विज्ञान, पी-एच० डी० '६२ ; प्रका० तुलसीदास-उत्तर काड '५९ ; अप्र० आलो० लेखों के दो संग्रह ; वि० 'सूदन-कृत सुजानचरित्र और उसकी भाषा' विषय पर पी-एच० डी० की उपाधि प्राप्त तथा 'हिंदी व्याकरण शास्त्र का इतिहास' विषय पर डी० लिट उपाधि के लिए शोधकार्य-रत ; वर्त० प्राध्यापक हिंदी विभाग, लखनऊ वि०वि० ; प० ३, पयागपुर हाउस ब्लाक, बीरबल साहनी मार्ग, लखनऊ।

दमयंती तालवार—ज० २ नवंबर, '३४ शि० एम०ए० हिंदी '५८, कलकत्ता वि० वि० ; सा० बंगीय हिंदी परिषद की सक्रिय सदस्या वर्त० शिक्षायतन कालेज के हिंदी-विभाग में व्याख्याता ; प्रका० स्फुट; अप्र० दो आलो० लेख-संग्रह , प० ८।१, हिंदुस्तान पार्क, कलकत्ता—२९।

दयानिधि शर्मा वैद्य—ज० १५ दिसंबर, १९०७; शि० 'आयुर्वेदाचार्य इन मेडिसन ऐंड सर्जरी' (ए० एम०एस०) '३५, काशी वि० वि० (प्रथम); भूत० सा० प्रधानमंत्री : उत्तर प्रदेशीय वैद्य-सम्मेलन एवं मंत्री अखिल भारतीय वैद्य सम्मेलन ; प्रका० पंचशील '६०, यम-नियम-नीति समन्वित वर्णन, मानवता-दिव्यता-समागान्वित राष्ट्रीयता-दिग्दर्शन ; अप्र० स्फुट लेखों के दो संग्रह ; प० भव्य कुटीर, गाँधीनगर गढ रोड, मेरठ।

दयाशंकर दीक्षित—ज० १ सितंबर, '१९, सहसवान, बदायूँ ; शि० शास्त्राचार्य (प्रथम) '५६, एम० ए० हिंदी, काशी वि०वि०, एम०ए० संस्कृत '६१ ; सा० भूत० प्रधान संपा० स्थानीय साप्ता० 'ताजा तार' आगरा '५९-'६०, उपनिदेशक 'इंडियन ऐस्ट्रोनोमिकल ऐंड संस्कृत रिसर्च इस्टीट्यूट' '६१ से, हिंदी अध्यापक सनातन धर्म डिग्री कालेज, गुड़गाँव (पंजाब) '५८ से, वर्त०हिंदी विभागाध्यक्ष सागवेद महाविद्यालय, नरवर, नरौरा, बुलंदशहर '६२ से; प्रका० हिंदी साहित्य के निबंधकारों का साहित्यिक परिचय '६२ ; अप्र० हिंदी साहित्य के प्रमुख कवियो की समीक्षा, संस्कृत कवियो की समीक्षा ; प० श्रीसागवेद महाविद्यालय, नरवर, नरौरा, बुलदशहर ।

दयाशंकर पांडेय, 'हरीश'—ज० २ अक्टूबर, '२८ ; शि० एम० ए०, बी० एड० काशी वि०वि०; सा० '४२ के आंदोलन में सक्रिय भाग लिया, स्थानीय साहि० संस्थाओं से संबद्ध,; संपा० साप्ता० 'सूर्य' '४४-'५०, मा० 'नई लहर' '५१ ; विगत पाँच वर्षो से उ०प्र० शिक्षा-विभाग में कार्य ; वर्त० प्राध्यापक रा० दीक्षा विद्यालय, जहाँगीराबाद ; प्र० '४९ मे ; प्रका० अधूरा स्वप्न, चौराहा, पथ की प्रेरणा, आँसुओ का मूल्य, बदलती तस्वीरे, दुनिया से दूर, नरक के देवता, इंसान, एक पहेली और बकवास (उप०), पथ के दावेदार तथा मानदड (बँगला उप०, अनु०), एक ही रास्ता (नाट०), किरणवती (कवि०), कागज की नाव, मुन्नू, किसान की दुनियाँ, गगा नदी की कहानी (बालो०), कामकला और दापत्य-विज्ञान, गर्भ-विज्ञान, गर्भ-निरोध (काम-विज्ञान), हिंदी के प्रमुख कवि तथा लेखक, हिंदी साहित्य की सफल आलोचना, रचना-रश्मि, काव्यांगदीपिका, प्रारंभिक व्याकरण तथा अनेक छात्रोपयोगी 'अध्ययन'; वि० 'गंगा नदी की कहानी' (बालो०) पर उ० प्र० सूचना-विभाग से २००) का पुरस्कार प्राप्त ; प० प्राध्यापक, राज० दीक्षा विद्यालय, जहाँगीराबाद, बाराबंकी ।

दाऊदत्त उपाध्याय—ज० १४ अगस्त, '१६, गोकुल (मथुरा) ; शि० काव्यतीर्थ, संस्कृत-साहित्यशास्त्री, हिंदी-साहित्यसुधाकर ; सा० भूत० संपा०साप्ता० 'प्रकाश'मथुरा '३९, पाक्षि०'राष्ट्रलक्ष्मी' मथुरा '४०-'४२, साप्ता० 'आवाज' बंबई '४५, साप्ता० 'संग्राम' बंबई '४६, प्रका० अंकुर (कवि०) '४५, मुहब्बत के माँउवेगे (कवि०) '६०, प्राथमिक व्याकरण और रचना (भाग २), यौवन (कवि०), बैजूबावरा (उप०) ; अप्र० दर्द की तस्वीरे (कवि०), आरामगाह (कहा०), अनुशीलन (लेख०); वर्त० हिंदी-संस्कृताध्यापक, आइडियल हाईस्कूल, बंबई प राजमहल ३ माला, भुवनेश्वर, बंबई २

दिवाकर शर्मा—ज० १८७६ ; शि० एम० ए० ; सा० भूत० उपाध्यक्ष : डूँगर कालेज भारती परिषद , वर्त० सद० हिंदी विश्वभारती की प्रबंध-समिति, टोंक के भूत० संस्कृत अध्यापक; प्रका० स्फुट ; अप्र० दो लेख-संग्रह ; प० द्वारा त्रैमा० 'विश्वंभरा' हिंदी विश्वभारती, बीकानेर ।

दीनदयाल, 'दिनेश'—ज० १ जनवरी, '१४ ; शि० एम० ए० हिंदी, नागपुर वि०वि०, सा०रत्न, सिद्धांतशास्त्री ; जा० अँग्रेजी, उर्दू, संस्कृत एवं गुजराती ; सा० भूत० प्रधानमंत्री : राजस्थान हिंदी साहित्य परिषद् अजमेर, भूत० अध्यक्ष : हिंदी कला केंद्र, शाहदरा (दिल्ली) ; भूत० संपा० साप्ता० 'नवज्योति', साप्ता० 'विजय' अजमेर तथा साप्ता० 'चलचित्र' ; मा० 'कैलाश' तथा मा० 'भारतसेवक', पाक्षि० 'परिवर्तन', दै० 'नया राजस्थान' आदि ; वर्त० संपा० मा० 'बरनवाल-चंद्रिका' ; वर्त० सेक्शन-इंचार्ज, विज्ञापन-विभाग, 'नवभारत टाइम्स', दिल्ली ; प्र० '३६ में ; प्रका० उस ओर (कवि०) '३६, आँसू और मुस्कान (कहा०), न्यायचक्र (उप०), सहकारिता के पथ पर, रोटी बनाम कला ; वि० अँग्रेजी में भी कई पुस्तकें लिखी हैं , वि० 'आँसू और मुस्कान' उर्दू, गुरुमुखी एवं बँगला में भी छपी है , अनेक पाठ्यपुस्तकों का संपा० किया है ; प० ३८५१/७, फर्शबाजार, शाहदरा, दिल्ली—३२ ।

'दीपक'—ज० '२६ ; शि० बी० ए०, प्रयाग वि वि० ; प्रका० लगभग एक दर्जन उपन्यास ; अप्र० चार कहानी - संग्रह ; प० मानसरोवर पब्लिकेशंस, २४२, जमना रोड, इलाहाबाद ।

दीपकचंद जैन—ज० '१७, देवेंद्रनगर, सतना ; शि० एम०ए० '४६, आगरा वि०वि० : प्रका० आनंद रघुनंदन (संपा०, नाट०) '६० ; अप्र० दो संग्रह ; प० हिंदी विभागाध्यक्ष, शासकीय विज्ञानमहाविद्यालय, रायपुर ।

दीपचंद—ज० २३ मार्च, '१२ ; शि० साहित्यशास्त्री ; जा० संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, गुजराती, बँगला तथा उर्दू ; प्रका० वृहत्स्वयंभू-स्तोत्र (पद्यानु०) '३८, पचपरमेष्ठी-पूजा '४८ (संपा०), जैनी संध्योपासना '५३, सावयधम्मु ५८ ; अप्र० जैन लक्षणावली कोश (संपा०), सम्मइसुत्त, झाणजयण आदि का अनु०; प० श्रीदिगम्बर जैन संगीतमंडल, केकड़ी, अजमेर ।

दीप्ति खंडेलवाल, श्रीमती—ज० '३० ; शि० सरस्वती, प्रयाग महिला विद्यापीठ ; प्र०'५२ में ; प्रका० स्फुट एवं कुछ पाठ्य पुस्तकें ; अप्र० कहानियों-कविताओं के दो संग्रह; वि० 'आंध्रप्रदेश के हिंदी कवि' एवं 'आधुनिक कवयित्रियों के प्रेमगीत' में रचनाएँ संक०, प० नल्लाकुंटा, हैदराबाद २० ।

देवकीनंदन शर्मा, 'अकिंचन'—ज० २४ अगस्त, '३१, वृन्दावन : शि० बी० ए०, सा०रत्न ; सा० भूत० मंत्री हिंदी सा० परिषद् (प० रेलवे) कोटा '५८ ; वर्त० सहसंचा० अ० भा० रेल साहित्यकार संसद अजमेर ; प्र० '५४ मे ; प्रका० कपट का सीना फाडो रे (कवि०) ; यंत्रस्थ : बादल प्यास अँगारे, केवल दर्द आचमन मेरा ; अप्र० दो कविता-संग्रह : प० हजारी मंजिल, पुरानी मंडी, अजमेर ।

देवीदत्त शुक्ल—ज० १८८८ ; शि० मैट्रिक, उन्नाव ; सा० भूत० संपा० 'बाल-सखा' तथा 'सरस्वती' '१९-'४५ ; वर्त० संचा० कल्याण मंदिर, प्रयाग; प्रका० आर्यों का मूल स्थान (अनु०), कालरात्रि (कहा०) , जादूगरनी (कहा०), स्वाधीनता के पुजारी, अवध के गदर का इतिहास, क्रांतिकारी (अनु०), हिंदुओं की पोथी, दुर्गा सप्तशती (पद्यानु०), बाल कवितामाला, जापान का हाल, बाल द्विवेदी, कुछ खरी-खरी, संपादक के पचीस वर्ष; वि० 'संपादक के पचीस वर्ष' पर उ०प्र० सरकार द्वारा ६००) का पुरस्कार प्राप्त ; प० ८३२, कल्याण मंदिर, कटरा, प्रयाग ।

देवीप्रसाद धवन, 'विकल'—ज० ८ अक्टूबर, १९०७; सा०संपा० 'सुमित्रा' 'सविता', 'सती', 'सुकवि' एवं 'वर्तमान'; प्रका० समस्या, कुवेर, तपस्या, भाभी, आत्महत्या, अरक्षिता, दिल्लीश्वरी, प्रभात की रानी, पाप और प्रकाश, दो विद्रोही, संसार डूब रहा है, दोषी कौन, उत्तराधिकार, पाखंडी, निरंजन शर्मा, सीधे-सादे रास्ते, जन्मपत्र, प्रदर्शनी आदि; नाट० : चंद्रशेखर आजाद, सरदार भगतसिंह, संत तुलसीदास, दिल्ली की रानी ; अन्य० साहित्यकार निकट से, पंडित नेहरू आदि; अप्र० पाँच पुस्तकें एवं संग्रह ; प० द्वारा बी० एन० वैजल, मेस्टन रोड कानपुर ।

देवीशंकर अवस्थी, डा०—ज० ५ अप्रैल, '३० ; शि० एम० ए० हिंदी '५३, आगरा वि०वि०, पी-एच० डी० '६०, आगरा ; सा० सद० संपादक-मंडल, 'वार्षिकी' '६१, भूत० संपा० मा० 'कलियुग' ; प्र० '४८ मे ; प्रका० कविताएँ १९५४ '५४ (संयुक्त संपा०) , आलोचना और आलोचना (लेख०) ; अप्र० अठारहवीं - उन्नीसवीं शताब्दी के ब्रजभाषा काव्य में प्रेमाभक्ति (शोधग्रंथ) ; प० प्राध्यापक हिं० वि०, वि०वि०, दिल्ली—६ ।

देवेंद्रनारायण वर्मा—ज० ५ जून, '२६ ; शि० एम० ए० हिंदी, सागर वि०वि ; सा० हिंदी-साहित्य-सभा ग्वालियर के अनेक वर्षों तक प्रधानमंत्री एवं अध्यक्ष, संस्था० सद० प्रगतिशील लेखकसंघ ग्वालियर, म० भा हिंदी-साहित्य-सभा, लश्कर की कार्यसमिति के सद रहे, उसके स्वर्ण-

जयंती-समारोह की स्वागतसमिति के सयुक्तमंत्री, साहित्य-साधना-संसद, ग्वालियर (साहित्य अकेडमी) के क्रमशः प्रधानमंत्री तथा अध्यक्ष, म॰प्र॰ कलापरिषद ग्वालियर की सामान्य एवं प्रकाशन समिति के भूत॰ सद॰, अनेक सांस्कृतिक आयोजनों के संयोजक रहे ; प्र॰ '४३ में ; प्रका॰ युगधारा (कवि॰) ; अप्र॰ कविताओं के दो संग्रह ; वि॰ 'राष्ट्रीय-गीत', 'प्रणय-गीत' और 'आस्था के शिखर' में रचनाएँ सकलित ; प॰ अध्यक्ष हिंदी विभाग, सिंधिया पब्लिक स्कूल, फोर्ट, ग्वालियर ।

देवेंद्रसिंह—ज॰ १९०३ ; शि॰ एम॰ ए॰ अँगरेजी (स्वर्णपदकप्राप्त) प्रयाग वि॰वि॰, एल-एल॰ बी॰ लखनऊ वि॰वि॰, आई॰ सी॰ एस॰ '२५ (अँगरेजी निबंध, अँगरेजी साहित्य तथा पाश्चात्य इतिहास में प्रथम और हिंदी भाषा तथा साहित्य में द्वितीय स्थान); सा॰ कई वर्षों तक दै॰ 'लीडर' प्रयाग के सह॰संपा॰ रहे ; प्रका॰ तुलसी का अंतर्जगत (आलो॰), अँगरेजी-हिंदी-कोश , अप्र॰ दो-तीन संग्रह ; वि॰ सात आलो॰ पुस्तकें, काव्य-संग्रह आदि अँगरेजी मे॰ प्रकाशित , वर्त॰ अध्यक्ष, अँगरेजी विभाग, सी॰ एम॰ पी॰ डिग्री कालेज, प्रयाग; प॰ १६६, सोहबतिया बाग, इलाहाबाद—६ ।

देवेंद्रसिंह ज॰ १३ जनवरी, '२६, कपूरथला ; शि॰ एम॰ ए॰ अँगरेजी, दिल्ली वि॰वि॰ ; सा॰ '४७-'४८ तक अँगरेजी अध्यापक रहे, '५८ में आकाशवाणी जालंधर में कार्य किया, '६० से आकाशवाणी दिल्ली में पंजाबी विभाग में कार्य ; प्र॰ '४२ मे ; प्रका॰ कहा॰ : दो किनारे, गीत और पत्थर, चानन दे घेरे ; उप॰ : खुशबू, कँडियाली वाड, चन्न दे दाग ; नाट॰ सबेरे शाम, नौ नाटक ; अन्य॰ जीवन और कला, जहाजरान ; प॰ गोवर्धन-निवास, तिलक स्ट्रीट, चूनामंडी, पहाडगंज, नई दिल्ली ।

दोनेपूडि राजाराव—१५ अक्टूबर, '२५, कृष्णा जिला ; शि॰ एम॰ ए॰ काशी वि॰वि॰, सा॰रत्न सम्मे॰ प्रयाग ; सा॰ सद॰ तेलुगु परिषद् एवं हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद, कई संस्थाओं के अध्यक्ष रहे, संपा॰ 'शिक्षक' विजयवाड़ा '५२-'५३, '४४ से '४७ तक कई ग्रामों में एवं '४७ से '५० तक हाईस्कूलों में हिंदी अध्यापक रहे, '५२ से वी॰ एस॰ आर॰ कालेज तेनाली (आंध्र) में अध्यापक ; प्रका॰ काव्य-सुधा (कवि॰), शतदल (गद्य॰), गूँगा भ्रमर (अनु॰), धर्मशाला (अनु॰) ; अप्र॰ आलो॰ लेखों के दो संग्रह ; वि॰ स्फुट पुरस्कार प्राप्त, तेलुगु मे भी लिखते हैं ; प॰ प्राध्यापक, हिंदी-विभाग, वी॰ एस॰ आर॰ कालेज, तेनाली (आंध्र) ।

द्वारकाप्रसाद माहश्वरी—ज० १ दिसंबर, '१६ ; शि० एम० ए हिंदी (प्रथम), आगरा वि०वि०, एल० टी० ; सा० '४३ से उ० प्र० राजकीय शिक्षा-विभाग में कार्य, हरिजनोद्धार के सक्रिय कार्यकर्ता रहे ; अनेक अ० भा० आयोजनो एवं यूनेस्को की गोष्ठियों मे भाग लिया, केंद्रीय शिक्षा-मत्रालय के अंतर्गत उ० प्र० शिक्षा-विभागीय प्रौढ साहित्य रचनाक्रम के सचालक ; प्र० '४४ में ; प्रका० कवि० क्रौंच-वध (खड०), दीपक, ज्योति-किरण, फूल और शूल ; बालो० कातो और गाओ, लहरें, बढे चलो ' प्रयाण गीत, माखन-मिश्री, सोने की कुल्हाडी, बुद्धि बडी या बल, शिक्षा मे वस्त्रोद्योग ; वि० 'माखन-मिश्री' पर उ० प्र० सरकार से पुरस्कार प्राप्त ; प० पाठ्य पुस्तक अधिकारी (उत्तर प्रदेश), ६, माल एवेन्यू, लखनऊ ।

द्वारकाप्रसाद शुक्ल, 'शंकर' —ज० १८८८ ; शि० बी० ए० '११, एल-एल० बी० '१३ प्रयाग वि०वि० ; सा० ५ वर्षो तक कुमार सनातनधर्म-सभा के सभापति, सनातनधर्म सभा एवं ब्राह्मण सभा, रायबरेली के मंत्री ; संस्था०-मंत्री नागरी प्रचारिणी सभा रायबरेली '१४, अनेक संस्थाओ का जीर्णोद्धार एवं कई की स्थापना की, '१८ में मुसिफ हुए, '४३ में डिस्ट्रिक्ट जजी से अवकाश ग्रहण किया, ; प्रका० श्रीदुःखहरन द्वादशी '२२, पार्वती-परिणय '५२, अप्र० शंकर-हृदय, श्रीशक्ति-शतक; एवं अन्य तीन-चार पुस्तकें और संग्रह; प० रिटायर्ड जज, प्रभुटाउन, रायबरेली ।

द्विजेंद्रनाथ मिश्र, 'निर्गुण'—ज० १२ फरवरी, '१५ ; शि० एम० ए०, साहित्याचार्य ; सा० सपा० मा० 'माया' '३६-'४०, मा० 'मनोहर कहानियाँ' ६ मास; '४१ में गवर्नमेट सस्कृत कालेज वाराणसी में प्राध्यापक हुए ; वर्त० वाराणसेय संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी में साहित्य-प्राध्यापक , प्र० '२० में ; प्रका० कहा० छाया, पूर्ति, बहूजी, टीला, कच्चा धागा, दो किनारे, प्यार के भूखे, टूटे सपने, जिदगी एवं खोज ; उप० चाँद बोला ; वि० इनकी कहानियों के अनु० बँगला, गुजराती, मराठी, तमिल, असमिया, डोगरी, उर्दू एवं रूसी में हो चुके हैं, बँगला से 'नवविधान' (उप०), 'शेषेर परिचय' (उप०) एवं गुजराती-अँगरेजी से अनेक कहानियों के अनुवाद किये, सस्कृत में भी लिखते हैं, '५६ में केंद्रीय शासन से १८००) की धनराशि प्राप्त ; प० ६।२१, रानी भवानी गली, मीरघाट, वाराणसी ।

द्विजेंद्रनाथ शुक्ल, डा०—ज० १५ सितंबर, '१६, शि० सा०रत्न '३६, काव्यतीर्थ '३६, बी० ए० आनर्स (प्रथम, स्वर्णपदकप्राप्त) '३८ एवं एम० ए० सस्कृत स्पेशल) ४० वि वि , साहित्याचार्य ३८ इन

जर्मन' '३८, पी-एच० डी० '५५, डी० लिट० '५८ (स्वर्णपदक तथा शोध पुरस्कार प्राप्त) ; सा० '२९ में कानपुर के 'नमक तोड़ो कानून' में भाग तथा युवक-रक्षक-संघ के सदस्य ; राष्ट्रीय पाठशाला लखनऊ के पुनर्प्रबंधक, 'बोर्ड आफ नेशनल टरमिनाल्जोजी' में तीन वर्ष तक रहे, 'आल इंडिया ओरियंटल कांफ्रेंस, के 'फाइन आर्टस् तथा टेक्निकल साइंस' विभाग के आगामी सत्र के लिए अध्यक्ष निर्वाचित; इलागढ़गुडी में कांजीपुरम् के शंकराचार्य द्वारा आयोजित कांफ्रेंस में आगमतंत्र और शिल्प-शास्त्र के 'एक्सपर्ट' ; वर्त० अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, पंजाब वि० वि० चंडीगढ़ ; प्रका० भारतीय वास्तु-शास्त्र, प्रतिमा-लक्षण, प्रतिमा-विज्ञान, हिंदू-प्रासाद, चित्र-लक्षण ; अप्र० समरांगण सूत्रधार (सटीक, ३ भाग), वास्तु-कोष, शिल्प-शास्त्र का इतिहास आदि ; वि० पी-एच० डी० एवं डी० लिट के शोधप्रबंधों के प्रकाशनार्थ वि०वि० आयोग से आर्थिक सहायता प्राप्त, दस खंडों में भारतीय वास्तुशास्त्र, शिल्पशास्त्र एवं चित्रशास्त्र लिखा है ; अनेक ग्रन्थ अँगरेजी में भी लिखे हैं ; 'भारतीय वास्तुशास्त्र' पर उ०प्र० सरकार से पुरस्कार प्राप्त; प० अध्यक्ष संस्कृत विभाग, पंजाब वि०वि०, चंडीगढ़ ।

धर्मेंद्र गुप्त—ज० '३३ ; शि० एम० ए० हिंदी, प्रयाग वि०वि० ; सा० भूत० प्रका०-संपा० मा० 'कथा-कहानी' '५९-'६२ ; प्र० '४८ में ; प्रका० सूत्रधार (नाट०) '५६ ; चंद रोमांसहीन कहानियाँ (कहा०) ; अप्र० संकलन-युग (एकां०), टूटे फ्रेम की साबुत तस्वीरें ; प० एल, ५६, कीर्तिनगर, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली—१५ ।

नगराज, मुनि—ज० '१७, सरदारशहर ; सा० ३२वें वर्ष से अणुव्रत-आंदोलन में भाग लिया ; प्रका० आचार्य भिक्षु और महात्मा गाँधी, जैन-दर्शन और आधुनिक-विज्ञान, अहिंसा-पर्यवेक्षण, अहिंसा-विवेक, महावीर और बुद्ध की समसामयिकता, जैन धर्म और बौद्ध धर्म, नवीन समाज-व्यवस्था में दान और दया, अणुव्रत-साहित्य, अणुव्रत जीवन-दर्शन, प्रेरणादीप, अणु से पूर्ण की ओर, अहिंसा के अंचल में, अणुव्रत -दिग्दर्शन, अणुव्रत-दृष्टि, अणुव्रत क्रांति के बढ़ते चरण, अणुव्रत आंदोलन और विद्यार्थीवर्ग, आचार्य श्री तुलसी : एक अध्ययन, अणुव्रत-विचार, युगप्रवर्तक भगवान श्रीमहावीर, युग-धर्म तेरा पंथ, तेरा पंथ-दिग्दर्शन, बाल-दीक्षा : एक विवेचन ; अप्र० चार-पाँच पुस्तकें एवं संग्रह; वि० कई पुस्तकें गुजराती, बँगला, कन्नड, उड़िया एवं अँगरेजी में भी लिखी हैं ; प० द्वारा संचालक, साहित्य-निकेतन, ४०९३, नयाबाजार, दिल्ली ।

नथमल, मुनि—ज० '२०, टमकोर, विष्णुगढ, राजस्थान ; जा० संस्कृत, प्राकृत एवं राजस्थानी ; सा० आगम-संपादन-कार्य के प्रधान-निर्देशक ; प्रका० जैन दर्शन के मौलिक तत्व (दो भाग), जैनधर्म और दर्शन, अहिंसा-तत्व-दर्शन, विजय-यात्रा, विजय के आलोक में, आचार्य श्री तुलसी : जीवन और दर्शन, अहिंसा की सही समझ, फूल और अंगारे (कवि), नयवाद, श्रमण संस्कृति की दो धाराएँ, अहिंसा और उसके विचारक, धर्म और लोक-व्यवहार, उन्नीसवीं सदी का नया आविष्कार, विश्व-स्थिति, जैन तत्वप्रवेश (दो भाग), संस्कृति और भारतीय संस्कृति, अणुव्रत और अणुव्रती संघ, तत्व-चर्चा, दयादान आदि चालीस पुस्तकें ; वि० प्राकृत मे तुलसीमंजरी (व्याकरण), संस्कृत में मुकुलम्, अश्रुवीणा, संबोधि, संस्कृत भारतीया संस्कृतिश्च, रत्नपाल तथा आगम साहित्य में दशवैकालिक सूत्र, उत्तराध्ययन सूत्र, स्थानांग सूत्र एवं समवायांग ग्रंथों की रचना की है ; प० द्वारा श्री कमलेश चतुर्वेदी, १९९/५, महात्मागांधी रोड, कलकत्ता—७।

नयनतारा सहगल, श्रीमती—ज० १० मई, '२७, इलाहाबाद ; शि० प्रारंभिक मसूरी में, बी० ए० वेलेसले कालेज, वेलेसले, मैसेच्युसेट्स (यू० एस० ए०) ; प्रका० मेरे बचपन की कहानी (अनु०) '५४ ; अप्र० दो-तीन संग्रह ; वि० अँग्रेजी मे भी कई पुस्तकें लिखी हैं ; प० ई ८, मफतलाल पार्क, भुलाभाई देसाई रोड, बंबई—२६।

नरसिंह पांडेय, 'पथिक'—ज० '१३, भरसर, बलिया ; शि० सा०रत्न '४१, काव्यतीर्थ, व्याकरणाचार्य '४३, एम० ए० संस्कृत '५६, आगरा वि०वि०; सा०संस्था० हिं० सा० समिति आसनसोल, भूत० अध्यापक डी० ए० वी० हाईस्कूल आसनसोल, '४८ से रामसिंहासन किसान विद्यालय, भरसर, बलिया में संस्कृत-हिंदी-शिक्षक रहे ; वर्त० संस्कृत प्राध्यापक कमलादेवी बाजोरिया डिग्री कालेज दुबहर, प्रका० स्फुट ; अप्र० पाथेय (कहा०), भारतीय पंचरत्न, वि० भोजपुरी मे भी लिखते हैं ; प० कमलादेवी बाजोरिया डिग्री कालेज, दुबहर, भरसर, बलिया।

नरसिंहप्रसाद श्रीवास्तव—ज० १२ मार्च, '३३ ; शि० बी० ए०, आनर्स ; 'प्रोडक्सन ऐंड कंट्रोल' का प्रशिक्षण प्राप्त ; प्र० '४७ में ; प्रका० इंसाफ (कहा०) '६२ ; अप्र० निबंधों एवं कहानियों के दो संग्रह ; वि० 'फूल और कलियाँ' में एक कविता संगृहीत ; प० प्लैनर, इंडियन ट्यूब कं० ('५३) लि० पो० बा० ८१, जमशेदपुर—१।

नरेंद्र चौधरी, डा०—ज० '२० ; शि० एम० ए०, डी० लिट० ; सा० अवै० सद० 'जनरल वेलफेयर मूवमेंट' (ब्रिटेन), अन्नानाइक्यो (जापान) आदि ; विभागीय मंत्री : अ० भा० ब्रज साहित्य मंडल ; अध्यक्ष विश्वज्ञान कोश प्रकाशन समिति , संस्था० 'भारती एसोसिएशस पब्लिकेशंस' एवं सप्तसिंधु प्रकाशन गाजियाबाद ; प्रका० कहा० ' उसने कहा, तूफान, भंगिमा तथा दो लेख-संग्रह एवं अनेक अनु० प्रकाशित ; संपा० 'लिटरेरी वर्ल्ड' (जनरल वेल्फेयर गुड लाइफ सीरीज), हिंदी गजेटियर (नगर कोश) ; वि० अँगरेजी में भी कई पुस्तके लिखी हैं; प० माडल टाउन २, गाजियाबाद।

नरेंद्रप्रसाद, 'नवीन'—ज० १४ अप्रैल, '३८ ; शि० बी० ए० '६२, मगध वि०वि० गया ; प्र० '४८ में ; प्रका० खिलते फूल चटकती कलियाँ (कवि०) '६०, कठपुतली (बालो०) '६०, नन्हा मुन्ना (बालो०) '६१, काठ का घोडा (अनु०) ; प० सहायक, शिक्षाविभाग, नया सचिवालय, पटना—१।

नर्मदेश्वर चतुर्वेदी—ज० ८ अप्रैल, '१५ ; सा० ओरियंटल कांफ्रेंस, भारतीय हिंदी परिषद्, भारतीय संस्कृत परिषद्, परिमल आदि के सद० ; क्रांतिकारी आदोलन से संबद्ध रहे ; वर्त० हिंदी-भवन, शांतिनिकेतन मे प्रकाशन अधिकारी ; प्र० '२८ में . प्रका० बापू का सपना, संगीतज्ञ कवियों की हिंदी रचनाएँ, कवि तानसेन और उनका काव्य, नेवाज-कृत शकुंतला नाटक, लखनसेन पद्मावती, इस्लाम के सूफी साधक, कुट्टनीमतं काव्यम्, हिंदी गाथा सप्तशती, वह पागल, भक्तिमार्गी बौद्धधर्म ; वि० उ० प्र० सरकार द्वारा 'संगीतज्ञ कवियों की हिंदी रचनाएँ' तथा 'कवि तानसेन और उनका काव्य' पुरस्कृत; प० साहित्य-भवन प्रा० लिमिटेड, इलाहाबाद।

नर्मदेश्वर प्रसाद, डा०—ज० १५ दिसंबर, '२२, गया ; शि० एम० ए० पटना वि०वि०, एम० ए० कोलंबिया वि०वि०, (अमरीका), डी० लिट० पटना वि०वि० ; सा० भूत० संपा० 'अपरंपरा' एवं 'रेलवेमैन', जनजातीय शोध संस्थान राँची में कई शोध-सर्वेक्षणों के प्रतिवेदनों का संपादन किया , आजकल 'पटना युनिवर्सिटी जर्नल' के संपा० ; प्रका० समाजशास्त्र के मूलतत्व '५८, भारतीय जनजाति और जीवन ; अप्र० आग और मोती (अनु० उप०) एवं अंतर्ध्वनि (कवि०) , वि० अँगरेजी मे भी कई पुस्तके लिखी हैं , प० अध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, वि०वि०, पटना - ५।

नर्मदेश्वर सहाय पांडेय—ज० ३ मार्च, '११ . शि० बी० ए०, बी० एल०, विशारद ; सा० पटना नगर-साहित्य-परिषद के अध्यक्ष, भोजपुरी परिवार के सचा भोजपुरी सम्मे के शिक्षा एव कलामंत्री, पाँच वर्ष तक

ला कालेज के आचार्य एवं एक विद्यालय के मंत्री , संपा० त्रैमा० 'अँजोर' पटना '५८ , प्र० '२८ में , प्रका० शतरूपा (कवि०) '५३, कानूनी प्रक्रिया बोध '४७, ऊषा (कहा०) '४५ ; अप्र० दो कविता-कहानी-संग्रह ; प० ऐडवोकेट, सालिमपुर, अहरा, पटना—३ ।

नवीननारायण अग्रवाल, डा०—ज० ७ जुलाई, '२२ ; शि० एम० ए० '४५ (सर्वप्रथम), प्रयाग वि०वि०, पी-एच० डी० '६०, आगरा वि०वि० ; सा० '५८-'६० में लगभग डेढ़ वर्ष 'ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट आफ इंटरनेशनल स्टडीज' जेनेवा (स्विटजरलैंड) में फेलो एवं रिसर्च आफिसर रहे ; प्र० '४७ में ; प्रका० नागरिकशास्त्र की रूपरेखा '४७, दुनिया के विधान (अनु०) '४८, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ क्या है '४८, बापू का बलिदान हमारे लिए खुली चुनौती है '४८, 'आजाद-हिंद' का प्रस्तावित विधान '४८ ; वर्त० अध्यक्ष, राजनीति विभाग, हिंदू कालेज, दिल्ली वि०वि० ; प० १५ ए, यूनिवर्सिटी रोड, दिल्ली—६ ।

नानकसिंह—ज० ४ जुलाई, १८९७, चकहमीद, पेशावर (पाकिस्तान); शि० उर्दू, हिंदी, बँगला, पश्तो आदि भाषाओं का स्वत. अध्ययन , प्र० '१५ मे ; प्रका० पवित्र पापी, जीवन संग्राम, कटी पतंग, आदमखोर, हँडिया भर खून, पाषाण के पंख, मृगतृष्णा आदि ११ अनूदित उप० ; वि० अनेक ग्रंथ पंजाबी में भी लिखे हैं, साहित्य अकेडमी से 'इक म्यान दो तलवारां' (पंजाबी) पुरस्कृत, पंजाब वि०वि० एवं पंजाबी विभाग, पटियाला द्वारा भी एक हजार का पुरस्कार प्राप्त ; प० प्रीतनगर, अमृतसर ।

नारायणसिंह भाटी—ज० '३० ; शि० एम० ए०, एल-एल० बी० ; सा० राजस्थानी शोध संस्थान के संस्था०-संचा०, राजस्थान साहित्य अकेडमी के 'गवर्निंग बोर्ड' के सद० ; प्र० '५१ में ; प्रका० कवि० : साँझ, मेघदूत एवं दुर्गादास ; संपा० लोकगीत, गोरा हट जा, डिंगल-कोश, जेठवेरा-सोरठा, राजस्थानी वात-संग्रह, रसराज, नीति-प्रकाश, ऐतिहासिक वार्ताँ, राजस्थानी साहित्य का आदिकाल, पिंगल-शिरोमणि, राठौर रतनसिंह री वेलि, राजस्थानी साहित्य का मध्यकाल आदि ; प० संचालक-राजस्थानी शोध संस्थान, रिसाला रोड, जोधपुर ।

निर्मलारानी पांडेय, श्रीमती—ज० १ जुलाई, '२८, तिलहर, शाहजहाँपुर , शि० इंटर, सा०रत्न ; प्र० '६० में ; प्रका० साहित्य-प्रभा '६०, पद्य-पारिजात टीका, आधुनिक काव्य-संग्रह टीका, पंत और रश्मिबंध

गद्य-पद्य,संग्रह-टीका आदि, अप्र० दो संग्रह ; प० द्वारा श्रीवेंकटेशचंद्र पांडेय, जौहरी निवास के सामने, अहियागंज, लखनऊ।

पद्मधर पाठक—ज० १२ जून, '३४; शि० एम० ए०; सा० साढ़े तीन वर्ष तक दिल्ली वि० वि० की ओर से हिंदी, राजस्थानी, गुजराती, संस्कृत आदि मध्यकालीन हस्तलिखित ग्रंथों की खोज की; प्रका० स्फुट, अप्र० पिकाट और उनका समय एवं दो पुस्तकें और संग्रह; प० प्रवर शोध-सहायक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, राजस्थान सरकार, जोधपुर।

पन्नालाल शर्मा—ज० १ जून, '२८; शि० सा०भूषण, सा० भूत० मंत्री : कम्युनिस्ट पार्टी अकोला '४१ एवं बाबूजी देशमुख वाचनालय विदर्भ '५४-'५६; '५७-'६० वाले स्वतंत्र विदर्भ राज्य के आंदोलन में सक्रिय भाग लिया, भूत० सह० संपा० 'मानवता' अकोला '५३-'५८; वर्त० मंत्री : भारत-रूस-सांस्कृतिक संघ शाखा (पाँच वर्षों से), '६२ से अकोला नगरपालिका के सद० तथा विरोधी दल के मंत्री; प्र० '५२ में; प्रका० स्फुट; अप्र० चार पुस्तकें एवं संग्रह; वर्त० संपा० साप्ता० 'जमाना' अकोला; प० जमाना प्रिंटिंग प्रेस, अकोला (विदर्भ)।

परमानंद, डा०—शि० एम० ए०, पी-एच० डी०, शास्त्री; सा० '६० से निदेशक हिंदी-विभाग, पंजाब सरकार, पंचनदीय संस्कृत साहित्य सम्मे० के प्रधान, सद० पंजाब राज्य शिक्षा सलाहकार बोर्ड तथा पंजाब राज्य भाषा सलाहकार बोर्ड, 'लैंग्वेजेज फैकल्टी' पंजाबी वि० वि० पटियाला एवं पंजाब वि० वि० चंडीगढ़; केंद्रीय निदेशालय की समन्वय समिति के पंजाब सरकार की ओर से सद० तथा 'बोर्ड आफ स्टडीज इन संस्कृत' के वर्त० संयोजक, पंजाब के कई कालेजों में '३७ से हिंदी-संस्कृत विभागाध्यक्ष रहे, भूत० संपा० साप्ता० 'आर्य जगत्' '३८-'४८, वर्त० संपा० मा० 'सप्त-सिंधु' तथा 'जन साहित्य' पटियाला, प्रका० निरुक्तरहस्यम्, पिंगल-पीयूष, शांति और क्रांति के कवि, स्वातंत्र्य संग्राम के महारथी, दिव्य विभूतियाँ, आदर्श नवरत्न, सुबोध व्याकरण; अप्र० ऋग्वेदादि भाष्य-भूमिका एवं चार पुस्तकें तथा संग्रह; प० निदेशक, हिंदीविभाग, पंजाब सरकार,पटियाला।

परमेश्वर सिंह—ज० १२ दिसंबर, '१२; शि० मैट्रिक '३०; सा० भूत० सह० संपा० दै० 'विश्वमित्र' '३१-'३५, संयुक्त संपा० दै० 'हिंदुस्तान' दिल्ली '३५-'३६, साप्ता० 'जनता' पटना '३८-'४०, '३७ से '३८ तक दै० 'प्रताप' कानपुर में संपादकीय टिप्पणियाँ लिखने का कार्य किया, वर्त० संपा० मा० 'ग्राम सेवक' '५३ से एवं '४० से किताबघर प्रकाशन संस्था के

संचा०; प्र० '२७ में; प्रका० विश्वसंस्कृति के स्तंभ, देश देश के रस्म-रिवाज, बालसमाजशिक्षा(चार भाग); प० किताबघर,कदमकुआँ, पटना—३।

परशुराम चतुर्वेदी—ज० २५ जुलाई, १८९४; शि० बी० ए०, एल० एल० बी०, प्रयाग वि० वि०; एम० ए० दर्शन, काशी वि० वि०; सा० सद० प्राच्यविद्या-सम्मेलन, काशी ना० प्र० सभा एवं हिंदुस्तानी एकेडमी; सभापति भारतीय हिंदी परिषद रायगढ अधिवेशन; काशी ना० प्र० सभा द्वारा प्रस्तावित इतिहास के एक खंड के संपादक, बलिया हिंदी प्रचारिणी सभा के अंतर्गत हिंदी विद्यालय के स्थायी आचार्य; प्र० '१४ में, प्रका० उत्तरी भारत की संत-परंपरा '५१, नव-निबंध '५१, सूफी काव्य-संग्रह '५१, मध्यकालीन प्रेम-साधना '५२, हिंदी काव्यधारा में प्रेम-प्रवाह '५२, सत काव्य '५२, गार्हस्थ्य जीवन और ग्रामसेवा '५२, वैष्णव-धर्म '५३, मानस की रामकथा '५३, कबीर साहित्य की परख '५४, भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक रेखाएँ '५५, मध्यकालीन शृंगारिक प्रवृत्तियाँ तथा नवनिबंध '५५, भारतीय प्रेमाख्यान की परंपरा '५६, बौद्ध साहित्य की सांस्कृतिक झलक '५८, संत-साहित्य की भूमिका '६०, भक्ति-साहित्य में मधुरोपासना '६१, मध्यकालीन शृंगारिक प्रवृत्तियाँ '६१, साहित्य-पथ '६१, हिंदी के सूफी प्रेमाख्यान '६२, रहस्यवाद '६३; अप्र० दादू-ग्रंथावली (यंत्रस्थ) एव आलो० लेखों के चार संग्रह ; वि० उत्तरप्रदेशीय एव मध्यप्रदेशीय सरकार, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् एवं हिंदुस्तानी एकेडमी द्वारा पुरस्कृत तथा हरजीमल डालमिया पुरस्कार भी प्राप्त ; प० जौही, भरसर, बलिया।

पारसनाथ सिन्हा—ज० '२४, बिहार , सा० १४ वर्षों से शाहाबाद के जिलाधीश-कार्यालय में कार्य ; प्रका० स्फुट ; अप्र० मधुकरी (कवि०), किरानी-जीवन (कवि०), दिलरुबा अपनी (गीत०), चीन की ओर आदि ; प० कोषागार, जिलाधीश-कार्यालय, आरा, शाहाबाद।

पीतांबर नारायण—ज० १० मई, '१९, नवादा, देहरादून ; शि० एम० ए०, हिंदी, एम० ए० संस्कृत, प्रभाकर, शास्त्री, एम० ओ० एल०, डिप्लोमा इन लाइब्रेरीसाइंस, पंजाब वि०वि० ; सा० पुस्तकालयाध्यक्ष तथा प्राध्यापक सनातनधर्म कालेज शिमला '४७-'५२ ; प्राध्यापक गुरुकुल काँगड़ी हरिद्वार '५२-'५८, अध्यक्ष हिंदी विभाग, वैदिक शोध सस्थान होशियारपुर '५८ से ; प्रका० दो हजार का बेबी (एका०) '६३ ; यंत्रस्थ-शादी का इंटरव्यू (एकां०), उन्माद (उप) वि 'जायसी पुरा-कथा'

विषय पर शोधकार्य-रत ; प० विश्वेश्वरानंद वैदिक शोध-संस्थान, साधु-आश्रम, होशियारपुर (पंजाब) ।

पी० दामोदर शास्त्री—ज० ४ अगस्त, १९०३, कोटा ; शि० बी० ए०, एल-एल० बी० (छात्रवृत्ति-पुरस्कारप्राप्त) नागपुर वि०वि०, विशारद ; ज्ञा० अँग्रेजी, मराठी, तेलगु, उर्दू एवं संस्कृत , सा० संस्था० तथा मंत्री अव्यवसायी कलाकार क्लब काँकरौली, संस्था० बहुभाषा ज्ञानकेंद्र राजस्थान ; मद्रास मे हिंदी प्रेमी मंडल के संयुक्त सचिव, रायपुर में पंचायत के पंच तथा मंत्री, सार्वजनिक पुस्तकालय के मंत्री रहे, ओरछा राज्य में प्रधान मंत्री के आफिस सुपरिंटेंडेंट एवं जुडीशियल असिस्टेंट रहे ; '२७-'२८ में मद्रास में प्रधानाध्यापक रहे, '३३ से '४० तक वकालत की, '४१-'४७ तक ओरछा-राज्य के स्टेट ऐडवोकेट, '४८ से '५८ तक उ० प्र० तथा विंध्य प्रदेश में असिस्टेंट कलेक्टर तथा मुंसिफ - मजिस्ट्रेट रहे, '५५ से पुनः वकालत, राजस्थान के सरकारी वकील भी हैं ; प्रका० समाज की वेदी (उप०) '२८, पद्मिनी (नाट०) '५४ ; इंदिरा (नाट०) '२९, भाई-बहिन '३०, अवध की नौकरशाही '५१, सुखी कुटुम्ब '५४, बहुभाषा साक्षरता की शास्त्रीय-पद्धति '५७, मश्विदे आरायजनवीसी '५७ ; अप्र० दो-एक शताब्दी में (नाट०), साथी (बालो०), प्रकृति से आठ पाठ, राजस्थान पचायत समिति अधिनियम एवं राजस्थान सहकारिता अधिनियम (हिंदी-टिप्पणी सहित) ; प० प्लीडर, काँकरोली (राज०) ।

पी० बी० एम० वारियार—शि० बी० ए०, विद्वान, राष्ट्रभाषाप्रवीण तथा प्रचारक, हिंदी पारंगत ; प्रका० स्फुट ; अप्र० दो-तीन लेख-संग्रह ; प० बी० एंड एम० सेकेंडरी स्कूल, परापन्नगदी, केरल ।

पुत्तूलाल अवस्थी—ज० ६ नवंबर, १९०६ ; प्रका० बापू के गीत, रामायण-सार, किसान-संदेश, पंचायत के पाँच फूल ; अप्र० अंगद-रावण-संवाद, बापू का जीवन ; प० पीनसवाली गली, राजाबाजार, लखनऊ ।

पूजाप्रसाद मिश्र—ज० '१८ ; शि० एम० ए०, शास्त्री, सा०रत्न, साहित्यालंकार ; सा० दै० 'आज' वाराणसी के संवाददाता, २० वर्षों से पत्रकार, मंत्री : श्री गोस्वामी तुलसीदास विद्यालय तथा माहेश्वरी खेतान पुस्तकालय, पडरौना ; प्र० '४५ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० श्रम का महत्व, शक्ति की धार पर ; प० पत्रकार, पडरौना, देवरिया ।

प्यारासिंह पद्म—ज० २२ दिसंबर, '२१, लुधियाना ; प्रका० कलाकार का बलिदान '४९, सिखधर्म का संदेश '५०, सिखधर्म की रूपरेखा '५०

महाकवि गुरु गोविंदसिंह '५२, गुरु अर्जुनदेव की वाणी '६०, गुरु रामदास की वाणी '६१, गुरु तेगबहादुर की वाणी '६२, गुरु गोविंदसिंह की काव्य-रचना '६२, पंजाब के हिंदी कवि '६३ ; वि० 'पंजाब में हिंदी साहित्य' विषय पर शोधकार्य-रत तथा पंजाबी भाषा के भी मुलेखक ; प० कलम मंदिर, लोवर माल, पटियाला ।

प्रकाशचंद्र गुप्त—ज० मार्च, १९०८ ; शि० एम० ए० अँग्रेजी (प्रथम) '३१, प्रयाग वि०वि० ; सा० मंत्री : अ० भा० हिंदी प्रगतिशील लेखक सम्मेलन '४७ एवं उ० प्र० प्रगतिशील लेखक सम्मेलन '५२, प्रधान मंत्री : उ० प्र० प्रगतिशील लेखक संघ ; '३१ से '४१ तक सेंट जांस कालेज, आगरा में अध्यापक रहे, '४१ से अँगरेजी प्राध्यापक प्रयाग वि वि० ; प्र० '३५ में ; प्रका० नया हिंदी साहित्य '३८, रेखाचित्र '४० एव '६१, पुरानी स्मृतियाँ '४७, आधुनिक हिंदी साहित्य '५२, हिंदी साहित्य की जनवादी परंपरा '५३, साहित्य धारा '५६, विशाख '५७ ; वि० अँग्रेजी मे भी कई पुस्तकें लिखी हैं ; रूसी से अनु० भी किये हैं ; प० १९८, ममफोर्ड गंज, इलाहाबाद ।

प्रताप, साहित्यालंकार—ज० '२० ; शि० सा० लं०, हिंदी विद्यापीठ देवघर ; सा० जिलासाहित्यसम्मेलन के सभापति एवं मंत्री ; संपा० साप्ता० 'प्रकाश' तथा 'राष्ट्रसंदेश' ; प्र० ३६ में ; प्रका० छायावाद, रश्मि की समीक्षा, कवि आरसी की काव्य-साधना, राम-राज्य (नाट०), शेरपा तेनसिंह (बालो०), द्विजदेवी-ग्रथावली (संपा०) ; अप्र० चार पुस्तकें एवं संग्रह ; प० लक्ष्मीपुर विषहरिया, (वाया-बिहारीगंज), पूर्णियाँ ।

प्रबोधकुमार मजूमदार—ज० ३० नवंबर, '२१, यशोहर (पूर्वीबंगाल); शि० इंटर, लखनऊ ; सा० दो वर्ष तक निखिल भारतीय बंग साहित्य सम्मेलन के संचालक बोर्ड के सद० रहे, भूत० संपा० बँगला मा० 'वंदना' लखनऊ '४०-'४१ , '४१ से '४६ तक सेना मे रहे, '४८ से रेलवे विभाग मे कार्य ; प्रका० अनु० : रगरूट, इस दुनियाँ का चिड़ियाखाना, मन की बातें, पद्मा नदी का माँझी, कठपुतलियों का इतिहास, परशुराम की चुनी हुई कहानियाँ, आनंदीबाई, काबुलीवाला, राजमोहन की स्त्री, यथार्थ समाजवाद, गृहस्थ-धर्म, राष्ट्रीयधर्म, विश्वधर्म, व्यावहारिक वेदांत, सफलता-सोपान, मृण्मयी, नवाब-नंदिनी, दुर्गादास, विश्व-परिचय, विदेशी-बालगीत (दो भाग), परशुराम की रचनाएँ ; वि० हिंदी से बँगला में भी कुछ अनु किये हैं , प० सी १०४२, महानगर लखनऊ ।

प्रभाकरप्रसाद राय—ज० १० दिसंबर, '३९ ; शि० बी० ए० '५९, बी० एल० '६२ पटना वि० वि०; सा० संस्था० मंत्री : निराला-परिषद् पटना; प्र० '५५ में; प्रका० स्फुट ; अप्र० दो कविता-संग्रह; वि० 'नवांजलि' में रचनाएँ संगृहीत ; प० २, साम्प्रदायिक विकास विभाग, सचिवालय, पटना–१ ।

प्रभातकुमार भट्टाचार्य, डा०—ज० ६ दिसंबर, '३२; शि० एम० ए०, पी-एच० डी० सागर वि वि०; सा० संस्था०-संचा० कुमार साहित्य परिषद् सागर, उज्जैन में हिल्लोल संस्था की स्थापना में योग, संपा० मा० 'कालिदास' उज्जैन ; प्र० '४४ में ; प्रका० दगार (नाट०) एवं राजनीतिशास्त्र-संबंधी अनेक ग्रंथ ; अप्र० दो संग्रह ; वर्त० प्रोफेसर, राजनीतिशास्त्र विभाग, विक्रम वि०वि०, उज्जैन ; प० कालिदास मार्ग, उज्जैन ।

प्रभुदयाल गोस्वामी—ज० १४ नवंबर '३६, दतिया ; शि० 'मेकेनिकल इंजीनियरिंग' ; प्रका० खलिहान की रात (लोककथा०), जंगल में मगल (लोककथा०) ; अप्र० चार पुस्तकें एवं संग्रह ; वि० 'जंगल में मंगल' पर राजस्थान सरकार से पुरस्कार प्राप्त ; वर्त० सुपरवाइजर, ग्वालियर इंजीनियरिंग वर्क्स, ग्वालियर ; प० पारखजी का बाडा, लश्कर, ग्वालियर ।

प्रयागदत्त शुक्ल—ज० १७ अगस्त, १८९८, नागपुर ; शि० मैट्रिक '१५, प्रयाग वि०वि० ; सा० सद० विदर्भ हिं० सा० सम्मे० की कार्यकारिणी ; स्वागत-मंत्री : अ० भा० हिं० सा० सम्मे० नागपुर अधिवेशन '३६, भूत० संपा० 'संकल्प', 'धर्मवीर', 'मानवता' एवं 'हमारे गाँव' ; वर्त० संपा० त्रैमा० 'रेखा' ; प्रका० दादाभाई नवरोजी, मध्यप्रदेश का इतिहास, नागपुर के भोंसले, नागपुर नेत्र, मध्यप्रांत मरीचिका, हुशंगाबाद हुंकार, भंडारा-भ्रमर, गोरक्षिणी, विध्याटवी के अचल में, सतपुड़ा की सभ्यता, क्रांति के चरण, आनद-दिग्दर्शन, विद्याविलास आदि ; अप्र० चार पुस्तकें एवं संग्रह ; प० द्वारा विदर्भ हिंदी साहित्य सम्मेलन, नागपुर ।

प्रेमनारायण शुक्ल, डा०—ज० २ अगस्त, '१४ ; शि० एम० ए० (प्रथम) '४१, सा०रत्न (सर्वप्रथम, 'श्रीधर स्वर्णपदक' प्राप्त) '४१, पी-एच० डी० '५२, डी० लिट० '६० आगरा वि०वि० ; सा० संस्था० आचार्य शुक्ल साधना समिति '४२ ; प्र० '४९ में ; प्रका० भारतेंदु की नाट्यकला, प्रेमचंद (आलो०), हिंदी गद्य-प्रभा (लेख०), हिंदी साहित्य मे विविधवाद (शोध ग्रन्थ), संत साहित्य ; अप्र० संत-साहित्य की भाषा (शोधग्रन्थ) एवं आलो० लेखों के कई संग्रह ; वि० 'हिंदी-साहित्य में विविधवाद' नामक ग्रं० पर

उ॰ प्र॰ सरकार द्वारा ८००) का पुरस्कार प्राप्त ; वर्त॰ अध्यक्ष, हिंदी विभाग, डी॰ ए॰ वी॰ कालेज, कानपुर ; प॰ ९/६८, आर्यनगर, कानपुर।

प्रेमप्रकाश गौतम, डा०—ज॰ १० फरवरी, '२९ ; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी (प्रथम), एम॰ ए॰ संस्कृत, पी-एच॰ डी॰ आगरा वि॰वि॰ ; सा॰ एक वर्ष राजपूत कालेज आगरा में, नौ वर्ष के॰ जी॰ के॰ कालेज मुरादाबाद मे तथा दो वर्ष फीरोज गाँधी कालेज रायबरेली मे हि॰ वि॰ के अध्यक्ष रहे, एक वर्ष से सनातनधर्म कालेज, दिल्ली वि॰वि॰ मे हिंदी प्राध्यापक, प्र॰ '४६ में ; प्रका॰ कवि॰ : नवनिर्माण '५३, मरुभूमि '५४, तरंगावलि '५४, हिंदी का प्राचीन और मध्यकालीन गद्य (शोधग्रंथ), वि॰ हिंदी-साहित्य का वृहत् इतिहास (षष्ठ भाग) तथा कई अभिनंदन-ग्रन्थों एवं संकलनो में लेख संगृहीत ; प॰ जे ९/५८, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

प्रेमबहादुरसिंह, 'अजय'—ज॰ ८ जुलाई, '४१, परमघाट, कानपुर; शि॰ हाईस्कूल ; प्र॰ '५६ में ; प्रका॰ स्फुट , अप्र॰ एक कविता-संग्रह तथा दो उपन्यास ; प॰ ११०, सेवानगर, ग्वालियर।

प्रेमलता गुप्त—ज॰ १७ दिसंबर, '३२ ; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी ; प्र॰ '५७ में ; प्रका॰ स्फुट , अप्र॰ दो सग्रह ; प॰ अध्यापिका, राजकीय कन्या हायर सेकेंड्री विद्यालय, मालवीयनगर नई दिल्ली।

फतहसिंह, डा०—ज॰ १४ जनवरी, '१४, पीलीभीत , शि॰ एम॰ ए॰, बी॰ टी॰, प्रयोगात्मक शिक्षा-विशेषज्ञ, डी॰ लिट॰, काशी वि॰वि॰ ; सा॰ केंद्रीय पारिभाषिक शब्दनिर्माणसमिति (समाजशास्त्र) के सद॰ ; प्राध्यापक रू॰ क्ष॰ कालेज हरदोई '४२-'४३, यु॰ द॰ कालेज ओयल '४३-'४५, ब॰ रा॰ कालेज आगरा '४५, हरबर्ट कालेज कोटा '४५-'५६, गवर्नमेट कालेज '५२-'५३ तथा गवर्नमेंट कालेज श्री गंगानगर '५६-'५९ में प्रिंसिपल रहे ; वर्त॰ प्रिंसिपल, स॰ ध॰ गवर्नमेट कालेज, ब्यावर '५९ से , प्र॰ '३४ में ; प्रका॰ वैदिक-दर्शन, कामायनी-सौंदर्य, भारतीय समाजशास्त्र, साहित्य और सौंदर्य, एशियाई संस्कृति को संस्कृत की देन, वैदिक समाज-शास्त्र में यज्ञ का स्थान ; वि॰ उ॰ प्र॰ तथा राजस्थान सरकार द्वारा पुरस्कृत, डालमिया पुरस्कार भी प्राप्त, अँग्रेजी में कई पुस्तके लिखी हैं, प॰ प्रिंसिपल, सनातनधर्म गवर्नमेंट पोस्ट ग्रेजुएटकालेज, ब्यावर (राज॰)।

फूलचंद्र—ज॰ १९०१, सिलावन, महरौनी, झाँसी ; शि॰ सिद्धांत-शास्त्री '२२, सोलापुर, साहित्यशास्त्री '२८, संस्कृत वि॰वि॰, बाराणसी ; सा॰ '२८ से '४२ तक राष्ट्रीय कांग्रेस के सक्रिय सद '२८ स

बीनानगर और सागर जिला कांग्रेस के एवं '३३ से '३८ तक सोलापुर जिला कांग्रेस के पदाधिकारी, '३६-'४० में अमरावती कांग्रेस के संयुक्त मंत्री, '४१ में कारावास ; भूत० संस्था-संचा० श्री गणेशप्रसाद वर्णी जैन ग्रंथमाला '४७, संस्था० श्री गणेशप्रसाद जैन इंटरकालेज झाँसी, श्री दि० जैन विद्वत्परिषद् के मंत्री, अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष ; '२३ से '३८ तक विभिन्न विद्यालयोंके धर्माध्यापक तथाप्रधानाध्यापक रहे; संप्रति ललितपुर इंटरकालेज, खुरई गुरुकुल, मलहरा सेकेंड्री जनता हाईस्कूल, श्रीस्याद्वाद महाविद्यालय वाराणसी आदि संस्थाओं की प्रबंधसमितियों के सद० ; संपा० मा० 'शांति-सिंधु' सोलापुर '३६-'३८ ; प्र० '२८ में ; प्रका० प्रमेय रत्नमाला (संपा०, संस्कृत) '२८, एवं षट्खंडागम (प्राकृत), 'कषाय प्राभृत' (प्राकृत) तथा महाबंध (प्राकृत) के अनेक भागों एवं खंडों के हिंदी सानु० संस्करण '३८-'६०, तत्वार्थ सूत्र (संपा०, हिंदी-विवेचन) '५०, पंचाध्यायी (संपा०) '५०, सर्वार्थसिद्धि (सानु०, संपा०) '५५, ज्ञानपीठ पूजांजलि (हिंदी-संस्कृत) '५७, श्रावक-प्रतिक्रमण (सानु०) '६०, जैन-तत्व-मीमांसा '६१, वर्ण जाति और धर्म (दो भाग, सानु०) '६३ आदि ; अप्र० संस्कृत-प्राकृत के कुछ महत्वपूर्ण ग्रंथ हिंदी अनुवाद और विवेचनासहित ; वि० 'जैन-तत्व-मीमांसा' पर १३०१) का पुरस्कार प्राप्त ; प० २/३८, भदैनी, वाराणसी।

बचन श्रीवास्तव—ज० १२ अप्रैल, '३१, दिल्ली ; शि० एम० ए० हिंदी ; सा० भूत० संपा० मा० 'कल्पना' दिल्ली, 'स्वतंत्र बालक' तथा 'राधिका' ; वर्त० दै० 'हिंदुस्तान' के फिल्म-समीक्षक, दै० 'जागरण' के विशेष प्रतिनिधि, साप्ता० हिंदुस्तान के स्तंभ-लेखक, फिल्म समीक्षक संघ के अवै० मंत्री ; प्र० '४६ में ; प्रका० भारत के नगर, भारतीय फिल्मों की कहानी; अप्र० चार पुस्तकें एवं संग्रह; प० ७, मीरदर्द लेन, नई दिल्ली—१।

बटेकृष्ण, डा०—ज० २० जनवरी, '२१; शि० एम० ए०, पी-एच० डी०, काशी वि०वि० ; प्र० '४५ में ; वर्त० अध्यक्ष हिंदी विभाग, गया कालेज (मगध वि०वि०) गया , प्रका० श्री शारदादेवी '५५, वीर रस का शास्त्रीय विवेचन '५७, खोज में उपलब्ध हस्तलिखित हिंदी ग्रंथों का त्रयोदश त्रैवार्षिक विवरण ('२६-'२८) '५३, गंग-कवित्त '६०; अप्र० 'भारतीय प्रेम-प्रबंधों की परंपरा' (शोधग्रंथ) एवं दो संग्रह ; वि० उ० प्र० सरकार से 'वीररस का शास्त्रीय विवेचन' पर पुरस्कार प्राप्त ; 'हिंदी की वीर काव्य-धारा' विषय पर डी० लिट० की उपाधि के लिए शोधकार्य-रत ; प० २, वाराणसी कोठी, गायत्री घाट, गया।

बनवारीलाल दीक्षित, 'वनवारी'—ज० '१७, रऊ, उन्नाव ; शि० उन्नाव एवं कानपुर ; सा० भूत० संपा० 'अमृता' '५८, अ० भा० रामराज्य परिषद् एवं धर्म०संघ, संचा० हिंदू कोड विरोधी आंदोलन ; प्रका० स्फुट ; अप्र० मंदाकिनी ; प० १५५, कैलास भवन, सदर बाजार, उन्नाव ।

बनारसीदास चतुर्वेदी—ज० २४ दिसंबर, १८९२, फीरोजाबाद, जिला आगरा ; शि० इंटर, आगरा , सा० फरुखाबाद हाईस्कूल में अध्यापक '१३-'१४, डेली कालेज इंदौर में हिंदी अध्यापक '१४-'२० ; शांतिनिकेतन में दीनबधु सी० ऐफ० ऐंड्रूज के साथ '२०-'२१ तथा गुजरात राष्ट्रीय विद्यापीठ अहमदाबाद मे हिंदी अध्यापक '२१-'२५, साबरमती आश्रम में प्रवासी भारतीयों का कार्य , 'आर्यमित्र' तथा 'अभ्युदय' के संपादकीय विभागों में '२७, 'विशाल भारत' के संपा० '२८-'३७, टीकमगढ़ की श्रीवीरेंद्र केशव साहि० परि० के प्रधान '३७, पाक्षि० 'मधुकर' के संपा० '४० से, प्रवासी भारतीयो के संबंध में आंदोलन '२४ '३६, इंडियन नेशनल कांग्रेस के प्रतिनिधि होकर पूर्वी अफ्रीका गए '२५, समय-समय पर प्रवासी भारतीय, घासलेट साहित्य विरोधी, विकेंद्रीकरण, जनपदीय कार्यक्रम, बुन्देलखंड प्रांत-निर्माण, पत्रकार और लेखक समस्या, अराजकतावाद आदि आदोलनों में सोत्साह कार्य किया, शांतिनिकेतन में हिंदी भवन, काग्रेस मे विदेशी विभाग तथा साहित्य सम्मे० में सत्यनारायण कुटीर की स्थापना मे योग, कुंडेश्वर (टीकमगढ़) में गांधी भवन की स्थापना की और दिल्ली में हिंदी भवन की ; प्रका० प्रवासी भारतवासी, भारतभक्त ऐंड्रूज, सत्यनारायण कविरत्न, रानाडे, केशवचंद्रसेन, हृदयतरग (संग्रह), फिजी की समस्या, फिजी में भारतीय प्रतिज्ञाबद्ध कुलीप्रथा, राष्ट्रभाषा, सेतुबंध, क्रांति की भावना, क्रांतिकारी क्रोपाटकिन; संस्मरण:हमारे आराध्य '५२, रेखाचित्र '५२, पद्मसिंह शर्मा के पत्र (संयुक्त संपादक), साहित्य और जीवन ; वि० मिशनरी ढंग से साहित्य सेवा की है , सभापति अखिल भारतीय हिंदी पत्रकार संघ एवं अ० भा० श्रमजीवी पत्रकार संघ, '५२ से राज्यसभा के सदस्य, अब शहीदों का श्राद्ध आपके जीवन का अंतिम मिशन है और उस पर १२ ग्रन्थ तथा विशेषांकों का संपादन कर चुके हैं, '५९ में रूस की यात्रा की और 'रूस की साहित्यिक यात्रा' नामक पुस्तक लिखी है ; प० ९९, नार्थ ऐवेन्यू, नई दिल्ली ।

बलभद्र मिश्र, 'आदिवासी'—ज० १ नवंबर, '३७० शि० एम० ए

इतिहास, एम०ए० बँगला, सा० लं०; प्र० '६३ में; प्रका० जंगल बोल उठा '६२; अप्र० दो संग्रह; प० अध्यापक, बहुद्देशीय जिलास्कूल दुमका, संतालपरगना।

बाबूलाल तिवारी—ज० '१२; शि०बी०टी०सी०, सा० रत्न (हिंदी एवं राजनीति); सा० मंत्री : शहर कांग्रेस सभा, प्रधानमंत्री : जनपद हिंदी सा० सम्मे०; हाईस्कूल के अध्यापक, बहरे-गूँगों के स्कूल के मैनेजर, संपा० साप्ता० 'शृंखला' झाँसी; प्र० '३० में; प्रका० स्फुट; प० गांधीनगर, टपरा, झाँसी।

बालकृष्ण मिश्र—ज० '३१, रायबरेली ; शि० एम० ए० हिंदी '५५, एल-एल० बी० '५६ लखनऊ वि०वि०; सा० साहित्य संगम रायबरेली के मंत्री एवं स्थानीय साहि० संस्थाओं के सद०; प्र० '५४ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० दो कविता-संग्रह ; प० वकील, सुरजूपुर, रायबरेली।

बिंदेश्वरी प्रसाद सिनहा—ज० २१ नवंबर, '२१ ; शि० एम० ए०, सा० लं०; सा० सभापति : भारती पुस्तकालय जमुई (मुंगेर) ; प्र० '३८ में; प्रका० स्फुट; अप्र० बयार के तिनके (कवि०), धरती के बेटे (गद्य-सं०), मील के पत्थर (शब्दचित्र); प० उच्चवर्गीय सहायक, नदी घाटी योजना विभाग (कोशी शाखा), बिहार सरकार, नया सचिवालय, पटना १।

बिहारीलाल वर्मा, 'साँवलिया'—ज० १८ जून, १८९६; शि० एम०ए० अर्थशास्त्र (प्रथम), एल-एल० बी०, पटना वि वि०, सा० सद० : अ० भा० हिं० सा० सम्मे० की स्थायी समिति '२३ से, सभा० बिहार प्रादेशिक हिं० सा० सम्मे० '२७ ; प्र० '१५ में; प्रका० गद्यचन्द्रिका तथा गद्यचन्द्रोदय '२३-'२४, लोकसेवक महेन्द्रप्रसाद (जीव०), बदरी-केदार-यात्रा, इस्लाम की झाँकी, रामेश्वर-यात्रा, दो आदर्श भाई (जीव०) '५५, विश्व-धर्म-दर्शन '५३ ; अप्र० गीता : समन्वयवादी भाष्य एवं उपनिषद-दर्शन ; प० ऐडवोकेट, गीता-भवन, सीतामढ़ी कोर्ट, मुजफ्फरपुर।

बुद्धमल्ल मुनि—ज० '२०, राजस्थान; जा० संस्कृत तथा राजस्थानी; प्र० '५८ में, प्रका० कवि० : मंथन, आवर्त, उस पार, आचार्य श्री तुलसी का जीवन-दर्शन ; अप्र० उठो ! जागो !! (अनु०), आँखों ने कहा, विचार-बिंदु, तेरा पंथ, तेरा पंथ के मौलिक मंतव्य और वर्तमान लोक-चिंतन, तेरा पंथ का इतिहास, मानवता का मार्ग : अणुव्रत आंदोलन, अणुव्रत-विचार-दर्शन, श्रमण संस्कृति के अंचल में, जयहिंदी व्याकरण, श्रीभिक्षु न्यायकर्णिका (अनु०), शिक्षाषण्णवति(अनु०), कर्तव्य षट्त्रिंशिका(अनु०); वि० राजस्थानी एवं संस्कृत में भी लिखते हैं, आशु कवि हैं; प० द्वारा श्रीसोहनलाल बाफणा, संचालक-साहित्य निकेतन, ४०८३ नया बाजार, दिल्ली

भँवरसिंह सुराणा, 'अमर'—ज० ६ मार्च, '३४, शि० सा० रत्न सम्मे० प्रयाग, साहित्य रत्नाकर जयपुर, राष्ट्रभाषा-रत्न वर्धा, प्रभाकर एवं प्राज्ञ दिल्ली, एम०ए० (प्रीवियस); सा० सह०संपा० 'ललकार' एवं 'तरुणजैन' (जोधपुर), संयुक्तसंपा० 'न्याय' अजमेर, संपा० तथा प्रधान संपा० 'राष्ट्रवाणी' एव 'परिषद-पत्रिका', अ० भा० नवलेखक संघ भीलवाडा के संयोजक, पश्चिम रेलवे हिंदी परिषद के महामंत्री; वर्त० पश्चिम रेलवे में हिंदी प्रशिक्षक ; प्र० '५२ में . प्रका० महाराज चतरसिंह और उनका काव्य, शहीदो की चिताओं पर (नाट०), जीवनगीत (कवि०); अप्र० चार पुस्तकें एवं सग्रह, प० कोठारी भवन, केसरगंज, अजमेर।

भगवतशरण अधोलिया—ज० १० जनवरी, '१९०६; शि० एम० ए० अर्थशास्त्र, एम० काम, विशारद; सा० भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भाग तथा कारावास; सद० निराश्रित राजनैतिक बंदी सहायक समिति एवं बिहार भूकंप सहायता कोष (वर्धा); संस्था-संयो० सूर्यकरण पारीक हिंदी साहित्य समिति पिलानी तथा सत्यार्थ भारती जबलपुर; संचा०गोविदराम सेकसरिया अर्थ-साहित्य प्रकाशनमंडल वर्धा; प्रधान संपा० 'अर्थ संदेश' वर्धा तथा जबलपुर यूनिवर्सिटी 'जर्नल आफ कामर्स', सह० संपा० डा० रघुवीर-कृत भारतीय-आंग्ल-महाकोश, पुस्तपालन तथा सेवा-कर्म, अर्थशास्त्र-शब्द-कोश, सांख्यिकी अर्थ-कोश; प्र० '३३ में; प्रका० बैंकिंग के सिद्धात, भारतीय बैंकिंग, व्यापारिक पत्र-व्यवहार (अनु०), शेखावाटी में भूधारणत्व - प्रथा, हमारी संस्कृतनिष्ठ शब्दावली और आलोचक, अर्थ का ऐतिहासिक अनुशीलन, अर्थ-विचार और अनुशीलन, शाश्वत अर्थशास्त्र और महात्मा गाँधी, प्रथम पंचवर्षीय योजना : एक समीक्षा, शरणार्थियों का पुनः संस्थापन, मुद्रा स्फीति कारण, परिणाम तथा निदान, मातृभाषा द्वारा शिक्षा ; वि० कई ग्रंथ अँगरेजी में भी लिखे हैं, अर्थशास्त्र के अधिकारी लेखक; वर्त० आचार्य दा० ना० जैन महाविद्यालय एवं अध्यक्ष वाणिज्य निकाय, जबलपुर वि०वि० ; प० ९१२, राइटटाउन, (सुभद्रानगर), जबलपुर।

भगवानदास वर्मा—ज० १८९९; शि०बी०एस-सी०, एल०टी०; सा० ३८ वर्ष शिक्षा विभाग में अध्यापक एवं प्रधानाध्यापक रहने के पश्चात् काशी ना०प्र० सभा के माध्यम से केंद्रीय सरकार द्वारा प्रकाशित 'हिंदी-विश्व-कोश' मे सह० संपा० का कार्य कर रहे हैं, प्रका० संतति-निग्रह तथा रत्न-विज्ञान; अप्र सात-आठ संग्रह प० २, देवकीनंदन की हवेली रामपुरा वाराणसी

भगीरथप्रसाद दीक्षित—ज० १३ जनवरी, '२८ ; शि० नार्मल ट्रेंड, विशारद, सा०रत्न ; सा० भूत० सद० सम्मेलन प्रयाग तथा ना० प्रचा० सभा काशी ; नार्मल स्कूल कोटाना के प्रधानाध्यापक तथा राज्य के जिला विद्यालय-निरीक्षक रहे, हिंदी विद्यापीठ प्रयाग तथा राजेंद्र विद्यालय सेवहरा पटना के भूत० आचार्य ; प्रका० भूषण-विमर्श, भारतीय समाज-विमर्श, वीर काव्य-संग्रह, पच प्रज्ञा, तुलसीदास, गिदन-चरित, ब्रज साहित्य में जीवन तत्व, वीर-काव्य-विवेचन, तुलसी-विमर्श, आध्यात्मिकता की ओर, हिंदू जाति की पाचन शक्ति, गाजी मियाँ आदि ; अप्र० आलो० लेखो के चार संग्रह ; प० गिदन साहित्य-मंदिर, डालीगंज, लखनऊ ।

भगीरथप्रसाद यादव—ज० २ अप्रैल, '३६, गौरा चौकी, सिमरिया, भागलपुर ; शि० बी० ए०, आनर्स '५७, एम० ए० हिंदी (प्रथम) '६१, बी० एल० '६२ , मा० '६१ में टी एन० बी० कालेज भागलपुर में एवं ६ नवंबर '६२ से मारवाडी कालेज में हिंदी प्राध्यापक, वर्त० प्राध्यापक हिंदी-विभाग गोड्डा कालेज गोड्डा , प्र० '६० में ; प्रका० अहिंदी भाषियों की समस्याएँ और उनके समाधान, कबीर की नारी भावना, भागलपुरी भाषा, श्रद्धा और उर्वशी : एक दृष्टि, साहित्य और विधिशास्त्र आदि ; वि० 'हिंदी ज्ञानाश्रयी संत साहित्य में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली' विषय पर शोधकार्य-रत; प० हिंदी प्राध्यापक, गोड्डा कालेज, गोड्डा, संताल परगना ।

भद्रशील शर्मा—ज० १ जुलाई '४५ ; शि० इंटर ; प्रका० चक्र-पूजा के स्तोत्र, मंत्रसिद्धि का उपाय, धनप्राप्ति के प्रयोग, सविधि आपदुद्धार, बटुक भैरव स्तोत्र आदि ; वर्त० कल्याण मंदिर द्वारा प्रकाशित चार पुस्तक मालाओं (साधनमाला, सिद्धि स्तोत्रमाला, दुर्लभतंत्र माला और प्रयोगमाला) के संपा० ; प० कल्याण मंदिर, कटरा, प्रयाग—२ ।

भवानीशंकर याज्ञिक,डा०—ज० २५ नवंबर, १८८८; शि० एम०बी०बी० एस०, डी० पी० एच० लखनऊ तथा अमेरिका ; सा० भूत० असिस्टेंट डाइरेक्टर, प्राविंशियल हाईजीन इंस्टीट्यूट, लखनऊ , अब अवकाशप्राप्त ; प्रका० स्फुट लेख तथा कविताएँ ; अप्र० रसखान-रत्नावली, गंग-रत्नावली, ब्रह्म-रत्नावली तथा अन्य प्राचीन कवियो की कृतियो के संपादित ग्रंथ ; वि० अनेक अभिनंदन ग्रंथों में लेख संगृहीत हुए हैं , प्राचीन कवियों की हस्तलिखित कृतियों का बहुमूल्य संग्रह आपके पास है, अनेक ग्रंथ काशी ना० प्र सभा को दे दिये हैं प शाहनजफ रोड लखनऊ ।

भानुशंकर मेहता, डा०—ज० २५ मई, '२१ ; शि० बी० एस-सी०, लखनऊ वि० वि० '४२, विशारद '४३, सम्मे० प्रयाग, एम० बी०, बी० एस० '४७ एवं डी० सी० पी० '५७, लखनऊ वि० वि० ; सा० सद० : श्रीनागर नाटक कंपनी, संगीत-परिषद वाराणसी एवं इंडियन मेडिकल एसोशिएशन ; 'बनारस' (पत्र) के संचालक मंडल मे रहे ; सह०संपा० 'तरग' '५२-'५४, संपा० 'आपका स्वास्थ्य' वाराणसी '५२ से ; प्र० '४० में ; प्रका० चिकित्सा की कहानी, वे सपनो के देश से लौट आये (नाट०), भारतेंदु नाट्य रूपक (नाट०) ; संपा० कही हवा न लग जाय, सुनो भाई पचो, डाक्टर के आने तक ; अप्र० लेखों एवं कहानियो के सात-आठ संग्रह तथा लगभग बीस पुस्तकें ; वि० गुजराती एवं अँगरेजी से अनुवाद भी किये हैं, अनेक उपनामो से लिखते हैं, 'चिकित्सा की कहानी' पर उ० प्र० सरकार से ४५०) का एवं युनेस्को पुरस्कार प्राप्त ; 'वे सपनों के देश से लौट आये' भी उ० प्र० सरकार से पुरस्कृत ; प० के ३७।२० मोरा कुआँ, बुलानाला, वाराणसी—१।

भारती विद्यार्थी, श्रीमती—शि० बी० ए०, एल० टी० ; सा० पहले कोचीन राज्य में शैक्षणिक सेवा की ; '४५ में बिहार के कस्तूरबा गाधी स्मारक ट्रस्ट के ग्राम सेविका विद्यालय में पाँच वर्ष तक संचालिका रही, कुछ समय तक लखीसराय के बालिका विद्यापीठ की प्रधानाचार्या रही, अब बिहार के एक एम० जी० बेसिक ट्रेनिंग स्कूल की प्रधानाचार्या हैं ; प्र० '४० में ; प्रका० हार या जीत (उप०) एवं पाँच बेंत (उप०) की सह लेखिका, अप्र० दो संग्रह ; प० भारती-सदन, मोतीहारी, चंपारण।

भालचंद्र आपटे—ज० २८ अगस्त, १९०७ ; शि० शास्त्री, काशी विद्यापीठ '३० ; सा० '२० मे असहयोग आंदोलन में भाग लिया, '३० तथा '४२ के आंदोलन में कारावास, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा की सेवा में '३१ से, इस समय सभा की दिल्ली शाखा के मंत्री हैं ; संपा० 'दक्षिण भारत' '३८-'३९, हिंदी प्रशिक्षण विद्यालय के आचार्य ; प्रका० लोकमान्य की जीवनी, हिंदी व्याकरण (अँगरेजी) आदि, अप्र० चार पुस्तकें एवं लेख-संग्रह ; प० ४-५६, डबल्यू० ई० ए०, करोलबाग, नई दिल्ली—५।

भालचंद्र जोशी—ज० '२० ; शि० एम० ए०, सा०रत्न; सा० भूत० प्रचार तथा साहित्यमंत्री : मध्यभारतीय हिंदी साहित्य समिति, '४८ से '५३ तक 'वीणा' (इंदौर) के संपा० ; वर्त० संपा० मा० 'वीणा' एवं अध्यक्ष हिंदी विभाग डेली कालेज इंदौर; प्र० '३८ में ; प्रका० बालो० : खट्टी-मिट्ठी कहानियाँ, पेड़-पौधों की कहानियाँ आल्हा दही-बड़े की चाट चंदू मियाँ,

चिथडों की करामात, शरारती बछडा, एक-एक पत्थर (कहा०); अप्र० पृथ्वी की कहानी, मीना बाजार (संगीत रूपक) एव दो कविता-कहानी-संग्रह ; प० अध्यक्ष, हिंदी-विभाग, डेली कालेज, इदौर ।

भालचंद्र राव तैलंग, डा०—ज० १ जनवरी, १९०९, दुरई, बाँदा ; शि० बी० ए० तथा संस्कृत मध्यमा काशी वि०वि०, एम० ए०, बी० टी० एवं पी-एच० डी०, नागपुर वि०वि० ; सा० भूत० अध्यापक गवर्नमेंट हाईस्कूल रायपुर, चीफ इंस्पेक्टर आफ स्कूल्स भोपाल, वर्त० अध्यक्ष हिंदी-विभाग गवर्नमेंट कालेज आफ आर्ट्स ऐंड साइंस, मराठवाड़ा वि०वि० औरंगाबाद, महाराष्ट्र, अध्यक्ष : छत्तीसगढ हिंदी सा० सम्मे० विलासपुर ; प्र० '२३ मे ; प्रका० कवि० : संकोच, मधुयामा, दीपक एवं मेघदूत ; जीवनी : पद्माकर, गोपालचंद्र मिश्र, जगन्नाथप्रसाद भानु, हरिनाथ दे, रामदयाल तिवारी, निपट निरंजन, संपा० भानु-अभिनदन-ग्रंथ '४५ ; आलो० महात्मा ईसा, उमरखैयाम, जीवन-संगीत, सव्यसाची ; अप्र० पद्माकर-पराग तथा खूब तमाशा (संपा०), भारतीय आर्यभाषा परिवार की मध्यवर्तिनी बोलियाँ, संतसंदोह ; प० सुषमा निकुंज, बेगमपुरा, औरंगाबाद (महा०) ।

भुवनेश्वर प्रसाद—ज० ९ सितंबर, १८९९ ; शि० बी० ए० आनर्स, (सर्वप्रथम, दो स्वर्णपदकप्राप्त) '२०, एम० ए० संस्कृत (सर्वप्रथम, स्वर्णपदक प्राप्त), बी० एल० '२४ पटना वि०वि० ; सा० '२८ से राजेंद्र कालेज छपरा में संस्कृत प्राध्यापक तथा उपप्रधानाचार्य रहे, '५९ में अवकाश-ग्रहण ; प्रका० स्फुट ; अप्र० पद्यमय भूगोल, गीतगोविंद (अनु०), मेघदूत आदि ; चार-पाँच पुस्तकें एवं संग्रह ; प० नबीगंज, छपरा, सारन ।

मंगलचंद भंडारी—ज० '२२ ; शि० विशारद ; प्र० '४० में , प्रका० हस्तरेखा विज्ञान; अप्र० दो कविता-कहानी-संग्रह; प० नयाबाजार, अजमेर ।

मथुराप्रसाद दीक्षित—ज० १८७८, भगवंतनगर, हरदोई ; शि० भगवंतनगर एवं वाराणसी ; सा० १९०२ में 'अभिधान राजेंद्र-कोश' (जैन इनसाइक्लोपीडिया) के निर्माण में तीन वर्ष तक योग, कुछ वर्ष बंबई एव नडियाद (गुज०) में अध्यापन किया ; 'सनातन धर्मोद्धार' ग्रंथ के लेखन में योग दिया, प्राकृत ग्रंथो के संपादन मे तीन-चार वर्ष संलग्न रहे, '३४ में 'अभिधान-राजेंद्र-कोष' (सात भाग) का संपा० समाप्त किया, अनेक साहि० विवाद के सफल संयोजक रहे, 'पृथ्वीराज रासो' के अधिकारी विद्वान एवं संपादक, '२१ के असहयोग आंदोलन मे भाग ; प्र० १९०२ में ; प्रका० नाट० वीर पृथ्वीराज-विजय शकर विजय भक्त सुदर्शन, गाँधी विजय,

भूभारोद्धरण, प्रताप-विजय, भारत-विजय, पाणिनीय-सिद्धांत-कौमुदी, पृथ्वीराजरासो प्रथम समय, केलि-कुतूहल (अनु०), मंदिर-प्रवेश-निर्णय, रोग-मृत्यु-विज्ञान, काव्य-कला, मातृ-दर्शन, नारायणबलि-निर्णय, कुतर्क-कुठार, दयानंद का शास्त्रार्थ, समाज-चिंतामणि, कलिदूत-मुख-मर्दन, कुडगोल-निर्णय ; वि० संस्कृत एवं प्राकृत के अनेक ग्रंथों का संपादन किया है, कुछ के हिंदी अनु० भी किये हैं ; '३६ में ओरियंटल कालेज लाहौर द्वारा 'महामहोपाध्याय' की उपाधि प्राप्त ; प० १८२, अस्सी, वाराणसी ।

मदनमोहन व्यास—ज० ३ जुलाई, '२७, तराना, उज्जैन ; शि० सा०रत्न ; सा० केंद्र पंचायत टोकखुर्द के मंत्री '५१ से , प्र० '४८ में ; प्रका० मालवी कविताएँ (भाग १) ; अप्र० मालवी कविताएँ (भाग २), बखत की बात, नये गीत, मालवी मुक्तक, म्हारो नाम बालयो है, हँसतो गातो म्हारो देस ; वि० स्फुट पुरस्कार प्राप्त ; प० टोकखुर्द, देवास ।

मनमोहन वाशिष्ठ—ज० २६ जनवरी, '३९, अलवर ; शि० एम० ए० हिंदी ; प्र० '६१ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० हिंदी साहित्य की संक्षिप्त रूपरेखा, शेर-रत्नाकर (उर्दू शेरों का संक०), मुस्कुराती रात का टूटा सपना (कहा०), पर्यायिकी (शब्द-कोश), संख्याबोधी शब्दकोश, हिंदी साहित्य के प्रमुख अवतरण ; प० ३४ (बी०) यू० ए०, जवाहरनगर, दिल्ली—६ ।

मनोहर पटोरिया, 'मधुर'—ज० २८ अगस्त, '४०, आमला ; सा० संस्था०-संचा० साहित्यालोक '६२, संपा० 'पल्लव'; प्र० '५४ में; प्रका० स्फुट ; अप्र० प्रियतमा, आशा और प्रत्याशा ; प० आकाशवाणी, भोपाल ।

मनोहरलाल गौड़, डा०—ज० '१८, बुलंदशहर ; शि० एम० ए० हिंदी तथा संस्कृत, व्याकरणाचार्य, संस्कृत वि०वि० वाराणसी, अलंकार-शास्त्री, पंजाब वि०वि०, काव्यतीर्थ बंगाल संस्कृत परिषद्, पी-एच० डी० ; प्रका० घनानंद और रीतिकाल की स्वच्छंद काव्यधारा (शोध-ग्रंथ), आचार्य क्षेमेंद्र, वक्रोक्ति जीवित, संस्कृत सारणी, संस्कृतानुवाद, हमारी सभ्यता और विज्ञानकला, आचार्य चाणक्य, घनानंद का भाष्य और हरिभक्ति-रसामृत सिंधु (अनु०) ; वि० 'भक्ति-रस' पर डी० लिट० के लिए शोधकार्य-रत ; प० हिंदी प्राध्यापक, धर्म समाज कालेज, अलीगढ़ ।

महावीरप्रसाद अग्रवाल—ज० १ नवंबर, '१२, जलेसर (एटा) ; शि० एम० ए० हिंदी (सर्वप्रथम) '३५, एल-एल० बी० (प्रथम) '३६, प्रयाग वि वि०; सा० भूत० सद० साहित्य अकेडमी '५४-'५७, 'बोर्ड आफ स्टडीज इन हिंदी' आगरा तथा सागर वि वि सयो हिंदी कमेटी सेंटल बोर्ड आफ

सेकेंड्री एजूकेशन' अजमेर ; अध्यक्ष, हिंदी विभाग, ठा० रणमतसिंह कालेज रीवाँ '३६-'५६, प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय टीकमगढ '५६-'६२ ; प्रका० कुछ आत्मकथाएँ, जीवन की स्मृतियाँ, बंदी-जीवन के अनुभव, साहित्यिक संस्मरण, गद्य के रूप, रामचंद्रिका-सार, आठ सेर चावल, प० आचार्य, महाकोशल कला महाविद्यालय, जबलपुर।

महावीरशरण अग्रवाल, डा०—ज० ७ अगस्त, '२८, बलंदशहर ; शि० नेत्र-विशेषज्ञ ; सा० देहली प्रादेशिक हिं० सा० सम्मे० की विशिष्ट समिति के सद० हैं, संचा डा० अग्रवाल इंस्टीट्यूट दिल्ली ; प्र० '४८ मे ; प्रका० नारी तुम केवल श्रद्धा हो (गद्य-काव्य), गुरुदेव (गद्य-काव्य), व्यथा (उप०), साथी (उप०), हमारी आँखे (नेत्र-विज्ञान) ; वि० 'हमारी आँखे' पर झाँसी आयुर्वेद वि-वि० द्वारा 'आयुर्वेद वाचस्पति' की उपाधि प्राप्त ; प० डा० अग्रवाल रोड, १५, दरियागंज, दिल्ली।

महेंद्रकुमार, शतावधानी मुनि, 'प्रथम'—ज० '३०, राजलदेसर, बीकानेर ; शि० व्याकरण, न्याय, दर्शन आदि की शिक्षा ; प्र० '५८ में ; प्रका० जैन कहानियाँ (सचित्र, बारह भाग), अक-स्मृति के प्रकार, जनपद विहार (दो भाग) ; संपा० श्री कालू यशोविलास, श्री कालू उपदेश-वाटिका, भरत-मुक्ति, अग्नि-परीक्षा, आषाढ भूति, श्रद्धेय के प्रति, नैतिक संजीवन (दो भाग), अंतर्ध्वनि, आचार्य श्री तुलसी जीवन-दर्शन, अहिंसा-पर्यवेक्षण, अहिंसा-विवेक, अणु से पूर्ण की ओर, अणुव्रत की ओर (दो भाग) ; प० द्वारा सोहनलाल, संचालक-साहित्यनिकेतन, ४०६३, नयाबाजार, दिल्ली।

महेशकृष्ण अग्रवाल—ज० '३२ ; शि० एम० ए० राजनीतिशास्त्र, सा०रत्न, सा० नवीन लेखक संघ, साहित्यसंगम आदि संस्थाओं के भूत० प्रधानमंत्री एवं कोषाध्यक्ष ; मा० 'नवीन' के प्रकाशक तथा 'अग्रबंधु' के संपा० रहे ; वर्त० संयोजक : साहित्य-संगम आगरा ; प्रका० स्फुट ; अप्र० दो उपन्यास तथा एक लेख-संग्रह; प० गोपाल-निकेतन, दोसी नं० २, आगरा।

महेशनारायण, 'भारतीभक्त', 'यात्रिक'—ज० '२७ ; जा० अँग्रेजी, बँगला, तमिल एवं असमिया ; सा० कुछ समय तक हैदराबाद एव त्रिचनापल्ली मे अध्यापन-कार्य ; '५० में महापंडित राहुल सांकृत्यायन के निजी सचिव रहे, दो वर्षो तक मद्रास में निःशुल्क बँगला-वर्ग का संचा० ; भूत० संयुक्त-मंत्री : टैगोर अकेडमी मद्रास '५७-'६० ; संपा० 'पुस्तक पत्रिका', साहित्य-विभाग, द० भा० हिं० प्र० सभा मद्रास '५२-'६१, सह० सपा 'मोहन मंत्र' गाँधी स्मारक निधि पटना '६२, वर्त संपा० मा०

'बालक' '६२ से एवं साप्ता० 'नवशक्ति' पटना ; प्र० '५१ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० दक्षिण की मीरा, तमिल की लोकगाथाएँ, तमिल के राष्ट्रकवि भारती आदि ; वि० 'चंदामामा' में गत सात वर्षों से धारावाहिक पद्यकथाएँ प्रकाशित होती रही हैं, लगभग एक दर्जन पुस्तकों का संपा० किया है : प० संपादक : साप्ताहिक 'नवशक्ति', पटना—१।

माधव जाउलकर—ज० ८ अक्टूबर, '३२, बैतूल ; शि० एम० ए० अर्थशास्त्र '५९, एम० ए० हिंदी (प्रथम) '६२ विक्रम वि० वि०, सा०रत्न '५४, सम्मे० प्रयाग , जा० मराठी एवं अँगरेजी , सा० मध्य प्रदेश भारत-समाज के मुखपत्र 'भारत सेवक समाचार' के संपादक रहे, भारत सेवक समाज के सक्रिय कार्यकर्ता, उसकी विविधि समितियों के सद० तथा भोपाल नगर भारत युवक समाज के वर्त० मंत्री ; प्रका० अल्प बचत योजना, लोकमान्य तिलक की राजनैतिक विचारधारा, शराब वदी, देश के विकास मे मद्य-निषेध की आवश्यकता, मध्यप्रदेश की तीसरी पंचवर्षीय योजना की समीक्षा, सोहाग सिंदूर व बलिदान, काव्य-निकुंज (कवि०) ; अप्र० महाकवि सूर की सौंदर्य भावना (शोधप्रबंध) एवं चार पुस्तके और संग्रह ; वि० भारत सरकार तथा मध्य प्रदेश राज्य-सरकार से दस बार पुरस्कार प्राप्त ; वर्त० प्राध्यापक, हिंदी विभाग, शासकीय हमीदिया महाविद्यालय, भोपाल ; प० ८२।१०७ एफ (१२५०), दक्षिण तात्या टोपे नगर, भोपाल।

मीठालाल हिम्मतराम ओझा—ज० ११ दिसंबर, '१९ ; शि० एम० ए० संस्कृत, ज्योतिषाचार्य, काव्यपुराण-ज्योतिष-तीर्थ, ज्योतिष-रत्न ; सा० '४५ से काशी की प्रतिष्ठित पाठशालाओं में अध्यापक, वर्त० प्राध्यापक ज्योतिष-शास्त्र, वाराणसी संस्कृत वि० वि० ; प्र० '४५ में ; प्रका० भारतीय कुंडली विज्ञान '५४ ; संपा० सिद्धांत-चूडामणिः, भंगी-विभंगी करणम् अर्थात् मुनीश्वर मुख चपेटिक, पलभाग खंडन, लोह गोल खडनं, लोह गोल समर्थनं, अप्र० चार पुस्तकें एवं लेख-संग्रह ; वि० प्राचीन ग्रंथों के संपादन मे संलग्न ; प० ३।३४ मीरघाट, वाराणसी।

मुकुंदीलाल श्रीवास्तव—ज० २५ अक्तूबर, १८९६ ; शि० बी० ए० '२०, प्रयाग वि०वि०, एम० ए० (प्रीवियस) नागपुर वि०वि० '२१ ; सा० १४ वर्ष तक काशी विद्यापीठ में ग्रंथमाला के संपादक तथा हिंदी के प्राध्यापक रहे ; दै० 'आज' काशी के सह०संपा० '२१, भूत० संपा० साप्ता० 'आज' '३८-'४२ एवं साप्ता० 'संसार', मा० 'स्वार्थ' तथा 'युगधारा', दै० 'संसार', एवं 'आज' · वर्त० संपा० हिंदी समिति, सूचना विभाग, उ० प्र० सरकार,

लखनऊ ; प्र० '१२ में ; प्रका० हिंदी-शब्द-संग्रह (कोश), बृहत् हिंदी कोश, ज्ञान शब्द-कोश, पारिभाषिक शब्द-कोश, साम्राज्यवाद ; अनु० पश्चिमी योरोप, ग्रीस और रोम के महापुरुष, मेरे बचपन की कहानी, कुछ स्मरणीय मुकदमे, आधुनिक पत्रकार कल्प, हिंदी की तीसरी पुस्तक, चौथी पुस्तक आदि ; संपा० ज्ञानमंडल ग्रंथमाला के तीस एव हिंदी समिति ग्रथमाला के सत्तर ग्रंथ संपादित किए ; अप्र० रणधीर-पराक्रम (नाट०) ; वि० अनेक बार पुरस्कृत; प० संपादक हिंदीसमिति, सूचना-विभाग, उ०प्र० सरकार,लखनऊ।

मुनिदेव उपाध्याय—ज० २७ जनवरी, '३६, धार ; शि० शास्त्री' काव्यतीर्थ, साहित्यायुर्वेदरत्न, आयुर्वेदाचार्य ; सा० राष्ट्रभाषा प्र० समिति वर्धा के पुराने सेवी, आर्यसमाज से संबद्ध, पाँच वर्ष तक म० प्र० शासन के संस्कृत महाविद्यालय धार तथा जहाँगीरिया उच्चतर विद्यालय भोपाल में अध्यापक रहे ; वर्त० चिकित्सक, राजकीय प्रधान आयुर्वेदिक चिकित्सालय अजमेर ; प्रका० संस्कृत सुभाषित-सौरभ, लोहे का फूल (कहा०), सपनों की दुल्हन (उप०), नया साहित्य-समीक्षा (आलो०), भारत की विलक्षण मूर्तियाँ, व्यक्तित्व और मूल्यांकन ; प० राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, अजमेर।

मुरलीधर जोशी, डा०—ज० १५ दिसंबर, १९०९ ; शि० एम० ए०, डी० लिट० , सा० रीडर अर्थशास्त्र विभाग, लखनऊ वि०वि० ; प्र० '३३ में ; प्रका० संपत्ति का उपभोग (सहलेखक), अर्थशास्त्र (सहलेखक), द्रव्यशास्त्र, आर्थिक पद्धतियाँ ; वि० 'अर्थशास्त्र, तथा 'द्रव्यशास्त्र' उ० प्र० शासन द्वारा पुरस्कृत ; प० ७५, बादशाहबाग, लखनऊ।

मेंहीं महर्षि, परमहंस—ज० १८८४ ; शि० मैट्रिक तक ; प्र० '३० में ; प्रका० रामचरित मानस-सार (सटीक) '३०, विनय-पत्रिका-सार (सटीक), सत्संग-योग (चार भाग), श्रीगीता-योग-प्रकाश, वेद-दर्शन-योग , प० महर्षि मेंही आश्रम, कुप्पाघाट, भागलपुर—२।

मोतीसिंह, डा०—शि० एम० ए० हिंदी, एल-एल०बी०, पी-एच०डी० ; सा० काशी ना० प्र० सभा की कार्यकारिणी के वर्त० सद०, कई वर्षों तक मुद्रण-संचालक रहे ; संपा० राजर्षि उदयप्रताप सिंह जू देव स्मृति अंक, राजर्षि-स्वर्ण-जयंती-समारोह ; प्रका० निर्गुण साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि '६२ (शोध-प्रबंध); प० प्राचार्य, डिग्री कालेज, गाजीपुर।

रतनलाल शर्मा—ज० '३१, शि० एम० ए० ; सा० कुछ समय तक जीवन बीमा निगम में कार्य किया ; प्र० '५५ में ; प्रका० शाप और वर (संपा० एका) आधुनिक निबंध (लेख०) अप्र० शुक्लोत्तर हिंदी आलोचना,

हिंदी साहित्य के कुछ वाद, वाचाल प्रश्न (उप०) तथा तीन संग्रह ; वि० 'हिंदीनाट्य शिल्प का विकास' विषय पर पी-एच० डी० के लिए शोधकार्य-रत ; प० ५०५, नई बस्ती, किशनगंज, दिल्ली—६ ।

रत्नाकर पांडेय—ज० १५ सितंबर, '३८, वाराणसी ; शि० एम० ए० हिंदी ; प्रका० बुद्धं शरणं गच्छामि '५७, विश्वास बडा है सपने से '५९, पीतल-उद्योग '६० ; यंत्रस्थ० हिंदी के सर्वश्रेष्ठ सानेट और चतुष्पदियाँ, हिंदी के सर्वश्रेष्ठ संस्मरण (दो खंड), खडी बोली के पाँच सौ गीत, इन्हे वादो मे मत बाँधो (संक० कवि०), मेरे कुछ निबध, संयोग (संक० कहा०, दो खंड) ; प० गोला दीनानाथ, वाराणसी ।

रमादत्त शुक्ल—ज० '२५ ; शि० एम० ए० संस्कृत, प्रयाग वि० वि० ; सा० भूत० संपा० पाक्षि० 'धुआँधार', मा० 'मधूलिका', मा० 'सरस्वती' (चार वर्ष) 'युगधर्म', 'चाँद', 'नई कहानियाँ', 'रसीली कहानियाँ' आदि के संपादकीय विभागों मे कार्य, साप्ता० 'श्रमजीवी', श्रम-विभाग, उ० प्र० का दो वर्षो तक संपा० किया, मा० 'चंडी' में अवै० संपा० रहे ; कल्याण-मंदिर के संचा० ; प्र० '४२ में ; प्रका हिंदी शाक्तानंद तरंगिणी, हिंदी तंत्रसार, हिंदी कौलावली निर्णय, श्री त्रिपुरा महोपनिषद्, सप्तशती मीमांसा, चंडी-चरितावली, श्री श्यामा-पूजा-पद्धति, श्री तारानिलार्चन, श्री बालास्तव मंजरी, श्री श्रीविद्यास्तव मंजरी, श्री कालीस्तव मंजरी, श्री तारास्तव मंजरी, बंदे मातरम्, काव्यकुसुम दीपिका आदि ; प० कल्याणमंदिर, सनातनधर्म की गली, पुराना कटरा, प्रयाग—१ ।

रमेशचंद्र लवानिया—ज० १ नवंबर, '४० ; शि० बी० ए० आगरा वि०वि०, सा० भूत० सह० संपा० दै० 'सैनिक' '५९-'६०, दै० 'अमर उजाला' में नगर-संवाददाता के रूप मे कार्य '६०-'६३ , वर्त० संपा० 'वीर तिरंगा' अप्रैल '६३ से ; प्र० '५८ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० दो कहानी-कविता-संग्रह ; प० 'वीर तिरंगा'-कार्यालय, ४०२, मानपाडा, आगरा ।

राजकुमार पांडेय, 'कुमार', डा०—ज० '२७, कानपुर ; शि० एम० ए० हिंदी (प्रथम) '४९, पी-एच० डी० '६० आगरा वि० वि० ; सा० संस्था० एवं निर्देशक : तुलसी-मंदिर मुरादाबाद ; संपा० 'प्रगति' (मुरादाबाद), 'शंखनाद' तथा 'मीरा' (कानपुर) ; विगत पंद्रह वर्षो से इंटर कालेज अलीगढ, हिंदू डिग्री कालेज मुरादाबाद, बुद्ध डिग्री कालेज कुशीनगर मे अध्यापन कार्य ; प्र०'४५ में ; प्रका० अश्रुतारा (कवि०) '५२, साहित्यधारा (लेख०)'५३; ब्रज-विहाग, रूमाल-शतक (संपा०)पीय-पाँय(संपा०), समीक्षांजलि

'५४, तुलसी का गवेषणात्मक अध्ययन '५६, मानस का काव्यशास्त्रीय अनुशीलन (शोधग्रंथ) '६३ ; वि० 'ब्रज-विहाग' पर ब्रजसाहित्य मंडल (मथुरा) से पुरस्कार प्राप्त '५४, 'मध्यकालीन संस्कृति एवं साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन' विषय पर डी० लिट० के लिए शोधकार्य-रत ; प० अध्यक्ष, हिंदी-विभाग, बुद्ध डिग्री कालेज, कुशीनगर, देवरिया।

राजकुमार मिश्र 'निर्मल'—ज० १३ जुलाई, '३८, कानपुर ; शि० कानपुर ; प्रका० स्फुट ; अप्र० नीलम एवं दो-तीन कविता-लेख-संग्रह ; प० द्वारा क्षेत्र-विकास अधिकारी, चौबेपुर, कानपुर।

राजमणि रायमणि—ज० १५ जून, '३६; शि० बी० ए०, समस्तीपुर ; प्र० '५४, मे ; प्रका० माणिकी (खड०), ताजमहल (खड०), धरती, आन और हवा, बढ़ो हिंद के वीरजवानो !, मेघ-स्वर (संक०) ; अप्र० कविताओं के दो संग्रह ; प० काशीपुरा, समस्तीपुर, दरभंगा।

राजाराम रस्तोगी, डा०—शि० एम० ए० हिंदी (प्रथम) '४७, पी-एच० डी० '५७, पटना वि० वि० ; जा० मगही, मैथिली, भोजपुरी, अवधी, राजस्थानी, रूसी तथा जर्मन . प्र० '४१ मे ; प्रका० हिंदी गद्य की अंतश्चेतना '५४, तुलसीदास : जीवनी और विचारधारा '५७, सात ग्रन्थों की शब्दानुक्रमणिका : बरवै रामायण, श्रीकृष्ण गीतावली, जानकी-मगल, पार्वती मंगल, रामलला नहछू, रामाज्ञाप्रश्न तथा दोहावली '५८, भारतीय साहित्य : परिशीलन और अन्वेषण '६०, प्रेमचद मुहावरा कोश (प्रथम भाग) '६१, हिंदी गद्य : व्यावहारिक आलोचना '६२, हिंदी लोक साहित्य '६३; संपा० तुलसी शब्दानुक्रमणिका ; अप्र० अर्थशास्त्र के मूल सिद्धान्त, मानसी (गद्य-संग्रह), रूप की प्यास (एका०), रामयात्रा का भूगोल, हिंदी-निबध, हिंदी निरुक्त, प्रेमचंद मुहावरा कोश (दस भाग) ; वि लगभग पचास शोधछात्रों के निर्देशक ; वर्त० प्राध्यापक, स्नातकोत्तर हिंदी-विभाग, पटना वि० वि ; प० ३४।१८८ राजेंद्रनगर, पटना—४।

राजेंद्र तायल—शि० बी० ए०, बी० टी ; सा० भूत० संपा० मा० 'धरती' खुर्जा ; वर्त० खुर्जा के एक इंटर कालेज मे प्राध्यापक ; प्रका० स्फुट ; अप्र० दो कहानी-संग्रह : वि० अनेक विदेशी कहानियों के अनुवाद किये हैं , प० १००, पदमसिंह गेट, खुर्जा।

राधाकृष्ण—ज ५२ सितंबर '१२ ; शि प्रारंभिक ; सा०भूत० सह संपा० 'महावीर' पटना '३० एवं 'माया' इलाहाबाद '३१; '३४-'३८ तक बस-कंडक्टर, '३९-'४० मे रामगढ़ कांग्रेस-अधिवेशन की स्वागतकारिणी समिति

के प्रचार-विभाग में हिंदी-विभागाध्यक्ष, '५५ से '५८ तक आकाशवाणी में नाटक विभाग में प्रोड्यूसर रहे ; संस्था॰ सहकारी प्रकाशन संघ '६२; वर्त॰ संपा॰ साप्ता॰ 'आदिवासी' बिहार सरकार '४६ से ; प्र॰ '२८ में ; प्रका॰ उप॰ रूपांतर एवं फुटपाथ ; नाट॰ भारत छोड़ो, कालिदास के अभिज्ञान-शाकुंतलम् का रंगमंच-रूपांतर, जक्कन बाबू (रेडियो-नाट॰) ; अन्य : कालिदास (समाज-शिक्षा), गल्पिका (लघु-कथा॰), अप्र॰ सात॰आठ कहानी-संग्रह ; वि॰ 'कालिदास' बिहार सरकार द्वारा एवं 'गल्पिका' उ॰प्र॰ सरकार द्वारा पुरस्कृत ; 'घोष-बोस-बनर्जी - चटर्जी', 'वसंत', 'भ्रमर', 'किताबी कीड़ा' अन्य उपनाम हैं . प २१, भट्टाचार्य लेन, राँची ।

राधारमण टंडन— ज॰ १ मार्च, '१२ ; शि॰ बी॰ ए॰ (आनर्स) मुजफ्फरपुर, एम॰ए॰ इतिहास तथा बी॰एल॰ पटना कालेज; सा॰सभा॰ उत्तर बिहार संवाददाता संघ, प्रेस क्लब, रोटेरी क्लब एवं कला-केंद्र, मुजफ्फरपुर ; वर्त॰ ऐडवोकेट तथा सरकारी सेल्स टैक्स विभाग के वकील, असिस्टेंट पब्लिक प्राजिक्युटर , प्र॰ '२८ में , प्रका॰ स्फुट ; अप्र॰ तीन॰ संग्रह ; वि॰ अँगरेजी में भी लिखते है ; प॰ ऐडवोकेट, मुजफ्फरपुर ।

राम आचार्य—ज १६ दिसंबर, '३५ ; शि॰ एम॰ ए॰ राजनीति ; प्र॰ '५८ में ; प्रका॰ स्फुट ; अप्र॰ दो कविता - संग्रह : वि॰ स्फुट पुरस्कार प्राप्त ; वर्त॰ रिसर्चआफिसर, पंचायतीराज रिसर्चप्राजेक्ट, राज॰ वि॰वि॰ जयपुर ; प॰ बी-१०, एम॰ एल॰ ए॰ क्वार्टर, इस्माइल रोड, जयपुर ।

रामकुमार खंडेलवाल, 'कुमार'—ज॰ २५ मार्च, '२७ ; शि॰ बी॰ ए॰ आनर्स, एम॰ ए॰ '५०, लखनऊ वि॰ वि॰ ; सा॰ भूत॰ शिक्षामंत्री हिंदी प्रचार सभा सिकंदराबाद, मंत्री 'कादंबिनी' हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद उपमंत्री ' प्राच्य महाविद्यालय हैदराबाद, लेफ्टिनेंट एन॰ सी॰ सी॰, तीसरी आंध्र बटालियन, '५० से हिंदी-विभाग उस्मानिया विश्वविद्यालय में प्राध्यापक , प्रका॰ हिंदी काव्य और प्रयोगवाद '५८ ; अप्र॰ आलो लेखों के दो संग्रह ; वि॰ 'भक्ति कालीन हिंदी काव्य में प्रेमभावना' विषयपर शोधकार्य समाप्तप्राय ; प॰ नल्लाकुंटा, हैदराबाद—२० ।

रामकुमार भारतीय, 'पागल'—ज॰ १९०६ ; शि॰ प्री-मैट्रिक ; प्र॰ '३० में ; प्रका॰ स्फुट ; अप्र॰ कविता, कहानी, संस्मरण एवं लेखों के चार संग्रह ; वि॰ जून, '३० में प्रकाशित इनकी 'रणभेरी' कविता का रिकार्ड भी बना है ; प॰ हर्षे का बाड़ा, दीक्षितपुरा, जबलपुर ।

रामकुमार वर्मा—ज० ६ दिसंबर, '२६, डुमराँव, शाहाबाद ; जा० अँगरेजी एवं उर्दू : सा० '४२ मे चर्खा प्रचार कार्यालय, देवेद्र चरखा संघ तथा '४६ मे बवार रचनात्मक कार्यकेद्र के प्रशिक्षण-संचा०, पटना मे 'पारिजात' संस्था के संस्था० तथा उपाध्यक्ष, संपा० मा० 'आलोक' डुमराँव ; '५० से बिहार सरकार-कल्याण विभाग के अधीन क्षेत्रीय सेवक तथा थाना कल्याण पदाधिकारी ; प्र० '४० मे ; प्रका० स्फुट ; अप्र० फुटबाल कैसे खेले तथा दो संग्रह ; प० के० जी० एस० लोबोर्ड, राँची।

रामकृपाल द्विवेदी—ज० १ सितबर, '२३, शि० बी० ए० आगरा वि० वि०, एम० ए० नागपुर वि० वि०, सा०रत्न (विशेषयोग्यता) सम्मे० प्रयाग, प्रभाकर पंजाब वि० वि० ; सा सिव प्रांतीय हिंदी सा० सम्मे० के प्रचारमत्री '४५-'४६, सम्मे० के कराँची अधिवेशन में समाजशास्त्र के संयो०, रा० सा० प्र समिति वर्धा में परीक्षा - विभाग से संबद्ध तथा प्रकाशन-व्यवस्थापक '४८-'५०, सह०सपा० मा० 'कृषि और पशुपालन' कृषि-विभाग, उ० प्र० सरकार '५०-'५७ ; संपा० मा० 'कृषि-समाचार' '५७ से; प्र० '३८ मे ; प्रका० टूटे सपने (कहा०) '५० ; प० केशरीपुर, लखनऊ।

रामकृष्ण शर्मा—ज० '३५, दुजाना, प्र '५६ मे ; प्रका० बहके कदम (उप०), बल्गेरिया की लोककथाएँ, वीर सिपाही, समझदार मुन्ना, गप्पी राजा, बिलाव राजा, रोचक कथाएँ, मनोरंजक कथाएँ, पुरखो की कथाएँ, प्राचीन कथाएँ, एस्कीमी लोककथाएँ; यत्रस्थ : बर्मा की लोककथाएँ, त्योहारों की लोक-कथाएँ, यूराल की लोककथाएँ ; अप्र० महात्मा कबीर एवं चार बालो० उपन्यास ; प० १३३, थामसन रोड, नई दिल्ली।

रामगोपाल 'रुद्र'—ज० १ नवंबर, '१२ ; शि० इंटर '३७, इलाहाबाद बोर्ड, सा० लं० ; सा० ना० प्र सभा (गया) के सहायक मत्री '३७-'४१ ; अवै० सह-संपा०साप्ता० 'ऊषा' (गया) '४२-'४५, 'चाणक्य' (पटना) के संपा०-प्रका० मे योग ; प्र० '२८ में, प्रका० शिंजिनी (कवि०) '४६, बोधिसत्व (संगीत-रूपक) '४८, द्रोग (खंड०) '५०, मूर्च्छना (गीत०) '५४, हिमशिखर (कवि०) '५४, भागीरथी (सगीत-रूपक) '६२, बालो० खट्टे हैं अंगूर, पचामृत, भग्गू भाई, अनोखी गाड़ी, रँगासियार ; अनु० चिकित्सा तत्व, नर भक्षकों का शिकार (यंत्रस्थ), जिंदगी मेरी नजर में (यत्रस्थ), साधना-पथ, कुछेक दिनों के संस्मरण (संपा०) ; अप्र० मींड (कवि०), वि० 'सत साहित्यदास', 'बाबा सुलफादास कबीरपथी', 'पीटन जी पटानिका', 'कूट मगहिका' आदि

उपनाम है; स्फुट पुरस्कार प्राप्त ; वर्त राजभाषा (अनुवाद) विभाग, बिहार सचिवालय, पटना में कार्य ; प॰ १३।२, गरदनीबाग, पटना—२ ।

रामचंद्र चतुर्वेदी, 'संपत'—ज॰ १ मार्च '३४, छिपैटी, इटावा ; शि॰ इंटर ; सा॰ नवोदित कलाकार मंडल ग्वालियर के उपाध्यक्ष '५७, प्र॰ '५३ में ; प्रका॰ स्फुट ; अप्र॰ दो कविता-संग्रह ; प॰ सहायक बोर्ड आफ सेकेंड्री एजूकेशन-कार्यालय (म॰ प्र॰), भोपाल ।

रामचंद्र त्रिपाठी—ज॰ २ अक्टूबर, '१८ ; शि॰ व्याकरणाचार्य, साहित्याचार्य, आयुर्वेदाचार्य, काव्यतीर्थ, मा॰रत्न, बी॰ ओ॰ एल॰ ; सा॰ सारन जिला सा॰ सम्मे॰ के सद॰ तथा दो वर्षों तक अर्थमंत्री, सारन जिला वैद्य सम्मे॰ के सद॰ तथा दो वर्षों तक प्रधानमंत्री, हिंदी साहित्य परिषद सीवान के प्रधानमंत्री दस वर्षों तक रहे, संस्कृत साहित्य परिषद सीवान के प्रधानमंत्री, अन्य कई संस्थाओं की कार्यसमिति के सद॰ ; प्र॰ '५६ में, प्रका॰ जीत में हार, तुलसी-चिंतन; अप्र॰ चार पुस्तकें एवं संग्रह; प॰ प्राचार्य, आर्य संस्कृत कालेज, सीवान (सारन) ।

रामचंद्र शर्मा, 'किशोर'—ज॰ १४ अक्टूबर, '२० : शि॰ विशारद, सम्मे॰ प्रयाग ; सा॰ विश्वभारती कला-मंदिर पटना के प्रचारमंत्री, 'परिमल' संस्था के सक्रिय सद॰, सर्वभाषा-संसद (पटना) के सभापति, साहित्य-संगम पटना के सद॰ तथा निराला परिषद पटना के भूत॰ उपाध्यक्ष, '४८ से बिहार राज्य सरकार के जन संपर्क-विभाग में हिंदी सहायक, अनुवादक एवं सहशोधक ; 'बिहार संदेश' के सहसंपा॰ तथा साप्ता॰ 'आदिवासी' राँची के भूत॰ संपा॰ ; प्र॰ '४१ में ; प्रका॰ अंतर्ध्वनि (कवि॰), मैं तुम्हें देता निमंत्रण प्यार का (कवि॰), बैरिन रात रुलाएँ (उप॰), अधूरे सपनों का देश ; अप्र॰ राह की प्रीत, दूब के फूल, तन का पंछी मन का पिंजड़ा (धारावाहिक प्रकाशित) ; वि॰ मगही एवं उर्दू में भी लिखते हैं ; बिहार सरकार से दो बार पुरस्कृत ; वर्त॰ साहित्यिक सहायक, जनसंपर्क विभाग, बिहार सरकार, सचिवालय, पटना—१ ।

रामजी सिंह—ज॰ ३० दिसंबर, '३१, इंद्ररुख, जमालपुर (मुंगेर); शि॰ एम॰ ए॰ दर्शन '५३ पटना वि॰वि॰ ; सा॰ आजीवन सद॰ : अ॰ भा॰ दर्शन परिषद एवं भारतीय दर्शन महासभा ; सद॰ 'रायल इंस्टीट्यूट आफ फिलासफी' (लंदन), 'माइंड एसोसिएशन' (आक्सफोर्ड), 'आस्ट्रेलियन सोसाइटी आफ फिलासफी ऐंड साइकालोजी' (सिडनी), 'इंडियन फिलासफिकल एशोसिएशन' (नागपुर), श्रीनगर, लंका आदि विभिन्न दर्शन-महासभाओं

में विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि ; संयुक्तमंत्री : अ०भा० दर्शन परिषद फरीदकोट एवं बिहार दर्शन-परिषद, मंत्री : डा० धीरेन्द्र मोहन दत्त अभिनंदन-ग्रन्थ-समिति, सहमंत्री : डा० जाकिरहुसेन-अभिनंदन-ग्रन्थ-समिति, छह वर्ष गणेशदत्त डिग्री कालेज बेगूसराय में प्राध्यापक तथा चार वर्ष बालीराम शर्मा कालेज बोका भागलपुर में प्राचार्य रहे ; वर्त० अध्यापक स्नातकोत्तर दर्शन विभाग, राँची वि० वि० ; प्रका० स्फुट ; अप्र० दर्शन-संबंधी लेखों के दो संग्रह ; वि० 'जैन दर्शन में सर्वज्ञता का विचार' विषय पर शोधकार्य-रत ; प० दर्शन विभाग, वि० वि०, राँची ।

रामदत्त राय शर्मा—ज० १८८०, गाजीपुर ; शि० मैट्रिक, कलकत्ता वि० वि० १९०८, सा० भूत० संपा० साप्ता० 'हिंदी बंगवासी' '१८-'२८, दै० 'भारतमित्र '२८-'३० एवं साप्ता० 'सिंहनाद' '३७-३८ कलकत्ता; प्र० '१८ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० आलो० महाभारत पर एक दृष्टि, रामायणसंदर्भ, गीतातत्व-मीमांसा आदि; प० कमपड़ी, टीकादेवरी (वाया रसड़ा), बलिया ।

रामदरश मिश्र, डा०—ज० '२४ ; शि० एम० ए०, पी-एच० डी० ; सा० साहित्य-संघ (काशी) के दो वर्षों तक मंत्री रहे ; वर्त० उपाध्यक्ष : गुजरात हिंदी प्राध्यापक परिषद ; अध्यक्ष हिंदी-विभाग, सेंटजेवियर्स कालेज अहमदाबाद तथा हिंदी अनुस्नातक केंद्र, गुजरात वि० वि० ; प्र० '४० में ; प्रका० पथ के गीत (कवि०), बैरंग बेनाम चिट्ठियाँ (कवि०), पानी के प्राचीर (उप०), साहित्य, संदर्भ और मूल्य (लेख०), ऐतिहासिक उपन्यासकार वृंदावनलाल वर्मा (आलो०), हिंदी आलोचना का इतिहास, ऊँची इमारत (यंत्रस्थ), हिंदी आलोचना : स्वरूप और विकास ; वि० 'ऐतिहासिक उपन्यासकार वृंदावनलाल वर्मा' और 'हिंदी आलोचना का इतिहास' पर उ० प्र० सरकार की हिंदी समिति से पुरस्कार प्राप्त ; प० ९१, समस्त ब्रह्म क्षत्रिय सोसाइटी, अहमदाबाद—७ ।

रामदेव—ज० १६ अक्तूबर, '२७ ; शि० मैट्रिक ; प्रका० लहरें (उप०) '५४, अमावस का चाँद (कहा०) '५६, अदृश्य बंधन (उप०) '५८, परतें (कहा०) '५८, चिर कथा के मोड़ (उप०) '६२, यंत्रस्थ : जाणे पीड पराई रे (कहा०) ; प० राधाबिहारी-निकुंज, १३७-एल०, माडल टाउन, होशियारपुर ।

रामनारायण त्रिपाठी, 'रमेश'—ज० १ जनवरी, '१६ ; शि० इंटर, सा०रत्न, सा०भूषण ; प्र० '३७ में ; प्रका० मेरी अभिलाषा (गद्य-काव्य) '४२ ; अप्र० दो लेख-कविता-संग्रह; वि० 'मेरी अभिलाषा' पर अयोध्या से 'साहित्य-भूषण' उपाधि प्राप्त ; प० राजकीय दीक्षा विद्यालय (बालक) झाँसी ।

राममूर्ति, 'रेणु'—ज॰ अप्रैल, '१७ ; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी (प्रथम) काशी वि॰ वि॰ ; सा॰ अखिल साहित्य कला वर्द्धक आंध्र संसद, गुंटूर के चार वर्ष तक प्रधानमंत्री रहे ; बीस वर्ष तक कालेज में अध्यापन '५५ तक, '५५ से हैदराबाद रेडियो में हिंदी प्रोड्यूसर हैं ; प्र॰ '४६ में ; प्रका॰ आंध्र प्रदेश के कबीर वेमना '५४, आदान-प्रदान (लेख॰) '५२ ; अप्र दो नाटक (संपा॰) एवं दो संग्रह , वि॰ 'आंध्र प्रदेश के कबीर वेमना' उ॰ प्र॰ सरकार से '५३ में पुरस्कृत; प॰ हिंदी प्रोड्यूसर, आकाशवाणी, हैदराबाद ।

रामरक्ष पाठक—ज॰ ३१ अक्टूबर, १६०५, छपरा, सारन ; शि॰ मैट्रिक '२०, मध्यमा '२३, आयुर्वेदाचार्य '२५ सा॰ '२१ और '४२ के असहयोग एवं भारत छोड़ो आंदोलनों में कारावास ; भूत॰ सद॰ भारत सरकार द्वारा नियुक्त चोपड़ा कमेटी तथा पंडित कमेटी क्रमशः '४५ तथा '४६-'५२ में एवं कार्यकारिणी परिषद आयुर्वेद महासम्मे॰ दिल्ली '४८ में ; मंत्री : प्रशास्तृ समिति तथा वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति, केंद्रीय आयुर्वेदान्वेषण संस्था (जामनगर) '५८-'६३ . प्रधानमंत्री : बिहार प्रांतीय वैद्य सम्मे॰ '४७ ; सभा॰ . मेरठ कमिश्नरी वैद्य सम्मे '४५, उप-सभा॰ : उत्तर प्रदेश वैद्य सम्मे॰ '४५ तथा बिहार प्रांतीय वैद्य सम्मे॰ '४८ ; संचा॰ केंद्रीय आयुर्वेदान्वेषण संस्था (जामनगर) '५३-'५८, 'इंस्टीट्यूट आफ आयुर्वेदिक स्टडीज ऐंड रिसर्च' जामनगर '६३ से ; प्रधान संपा॰ : 'आयुर्वेद महासम्मे॰ पत्रिका' '४८-'५०, केंद्रीय आयुर्वेदान्वेषण संस्था जामनगर की 'त्रैमासिक विवरणिका' (हिंदी तथा अँगरेजी) ; प्रधान वैद्य सारन जिला बोर्ड बिहार '२६-'४२, प्रधान चिकित्सक केंद्रीय आयुर्वेदान्वेषण संस्था, जामनगर '५३-'५८; प्राचार्य : आयुर्वेद महाविद्यालय, गुरुकुल कांगड़ी हरिद्वार '४३-'४७ तथा अयोध्या शिवकुमारी आयुर्वेद महाविद्यालय बेगूसराय '४७-'५३ ; प्रका॰ प्रमेह-विमर्श '४४, आहार '४४, त्रिदोषतत्व-विमर्श '४५ एवं '६१, पदार्थ-विज्ञान '४७, मर्म-विज्ञान '४६, कायचिकित्सा '६२ (प्रथम भाग), चरक-संहिता (चरक रहस्य टीका, यंत्रस्थ), पांडुरोग मोनोग्राफ '६३ ; अप्र॰ आयुर्वेदीय इतिहास की रूपरेखा ; वि॰ '४१ में 'अकेडमी आफ आयुर्वेदिक मेडिसिन' के फेलो चुने गये, '५१ में अ॰भा॰ आयुर्वेद महासम्मे॰ इंदौर में ५००) पुरस्कार तथा ताम्रपत्र प्राप्त, '५२ में 'त्रिदोष-तत्व-विमर्श' ग्रंथ पर झाँसी आयुर्वेद वि॰वि॰ से 'आयुर्वेद बृहस्पति' एवं '६० में श्रीद्वारका शारदा विद्यापीठ द्वारका से 'विद्याभास्कर' उपाधि

प्राम ; प० संचालक, 'दी इंस्टीट्यूट आफ आयुर्वेदिक स्टडीज ऐंड रिसर्च', (आई० ए० एस० आर०), पो० बा० नं० ५१३, जामनगर (गुज०)।

रामलाल सिंह, डा०—ज० १ जनवरी, '१८, बथावर, चंदौली, बनारस; शि० एम० ए० हिंदी '४२ काशी वि०वि०, बी०टी० '४५ टीचर्स ट्रेनिंग कालेज काशी वि वि०; सा० '४२-'४३ में मैसूर वि वि० एवं '४३ में रामेश्वरी गर्ल्स कालेज काशी में हिंदी प्राध्यापक, शिक्षा प्राध्यापक विद्याभवन-टीचर्स ट्रेनिंग कालेज उदयपुर '४५-'४६ तथा ट्रेनिंग कालेज नागपुर वि वि '४५-'४८ ; वर्त० प्राध्यापक हिंदी-विभाग सागर वि०वि० '४८ से ; संस्था० सर्जना गोष्ठी, सागर ; प्र० '४५ में ; प्रका० कामायनी-अनुशीलन '४५, समीक्षा-दर्शन (प्रथमभाग) '५२, समीक्षा दर्शन (द्वितीय भाग) '५४, आचार्य रामचंद्र शुक्ल के समीक्षा-सिद्धांत '५८, भाषा-दर्शन '६३, भाषा और साहित्य '६३ ; संपा० निबंध-निचय '५१, आधुनिक निबंध '५४, प्रज्ञा '६०, विचारणा '६२, काव्य-कुसुमाकर '६२, गद्य-कुसुमाकर '६२ ; अप्र० आलो० लेखों के चार संग्रह; वि० 'समीक्षा-दर्शन' तथा 'आचार्य रामचंद्र शुक्ल के समीक्षा-सिद्धांत' पुस्तकें उ० प्र० तथा विंध्यप्रदेश सरकार से पुरस्कृत ; प० प्राध्यापक, हिंदी-विभाग, वि० वि०, सागर।

रामसिंह, 'गहलौत गाजीपुरी'—ज० '११, बिलहरी, गाजीपुर ; शि० विशारद ; सा० '२८ से '३० तक क्रांतिकारी दल के गुप्त कार्यकर्ता ; '३२ में जजी कचहरी गाजीपुर में नौकरी, अब उसी न्यायालय में अभिलेखपाल ; प्र० '२९ में ; प्रका० गुदगुदी '५४, अप्र० कुकड़ूँकूँ, नारद ; वि० अनेक बार पुरस्कृत ; प० अभिलेखपाल, जजी कचहरी, गाजीपुर।

रामसिंहासन सहाय, 'मधुर'—ज० १९०३, सागरपाली, बलिया; शि० हाईस्कूल ; सा० हिंदी प्रचारिणी सभा बलिया के संस्था०-सद० एवं भूत० साहित्यमंत्री ; प्र० '१९ में ; प्रका० मधु-लहरी (कवि०), मधु-बिंदु (कवि०), बच्चों के गीत, बच्चों के मधुर गीत, ऐतिहासिक कथाएँ (गद्य) ; अप्र० दो-तीन संग्रह ; प० वकील, स्वागत सदन, बलिया।

रामस्वरूप शर्मा—ज० जंडूसाही, डस्का, स्यालकोट ; शि० शास्त्री, पंजाब वि०वि०, ज्योतिष शास्त्र का सर्वांगीण अध्ययन ; सा० संपा० मा० 'ज्योतिष-विज्ञान', निर्देशक : 'इंडियन इंस्टीट्यूट आफ ऐस्ट्रानामिकल ऐंड संस्कृत रिसर्च' ; प्र० '४५ में ; प्रका० (संपा०) त्रैलोक्य प्रकाश एवं वटेश्वर सिद्धांत ; यंत्रस्थ : ब्रह्मस्फुट सिद्धांत, वृद्ध यवन जातक, सम्राट सिद्धांत तथा पंचसिद्धांतिका ; वि० ग्रंथ प्रकाशनार्थ अनेक व्यक्तियों से

लगभग २५०००) सहायता प्राप्त ; प० संपादक 'ज्योतिष विज्ञान', २२३८, गुरुद्वारा रोड, करोलबाग, नई दिल्ली—५।

रामेश्वरसहाय सक्सेना—ज० २७ जुलाई, '२८, ललितपुर, झाँसी ; शि० बी० ए० '५६, एल-एल० बी० '५८ आगरा वि० वि०, एल० एस० जी० डी० '५७, 'आल इंडिया इन्स्टीट्यूट आफ लोकल सेल्फ गवर्नमेंट' बंबई ; सा० कानपुर की एक साप्ता० हिंदी पत्रिका के संपा० रहे, पीपुल लिमिटेड लखनऊ के डाइरेक्टर रहे, प्र० '२५ में ; प्रका० कई पुस्तकें : अप्र० चार संग्रह ; अँगरेजी के कई प्रतिष्ठित लेखकों की कृतियों के हिंदी में अनुवाद किये हैं ; प० ऐडवोकेट, १५।२७१, कृष्णभवन, सिविल लाइंस, कानपुर।

रीता चौधरी, श्रीमती—शि० बी० ए०, 'डिप्लोमा इन आर्ट्स' बंबई ; सा०अवै० सद-'अमेचर राइटर्स एसोसिएशन' अमरीका, जैक (लंदन), संचा० सप्तसिंधु प्रकाशन गाजियाबाद; संपा० मा० 'नारी लोक' एवं मा० 'त्यागी' गाजियाबाद, प्रका० नारी . घर और बाहर (दो खंड), स्त्री-शिक्षा, शिशु-पालन ; अप्र० चार पुस्तकें एवं संग्रह ; प० माडल टाउन २, गाजियाबाद।

लक्ष्मीनारायण गुप्त, डा०—ज० २६ जुलाई, '१५, इलाहाबाद ; शि० बी०ए० आनर्स '४१, एम०ए० '४२, एल०टी० '४४ इलाहाबाद, पी-एच० डी० '५७ लखनऊ वि० वि० ; सा० बेसिक ट्रेनिंग कालेज लखनऊ एवं इलाहाबाद में दस वर्षों तक प्राध्यापक रहे ; वर्त० प्राध्यापक जुबिली कालेज लखनऊ ; प्रका० हिंदी भाषा और साहित्य को आर्य समाज की देन '६२ (शोध-प्रबंध); अप्र० दो लेख-संग्रह ; वि० उ० प्र० सरकार से 'हिंदी भाषा और साहित्य को आर्य समाज की देन' पुस्तक पर ५००) का पुरस्कार प्राप्त ; प० प्राध्यापक गवर्नमेंट जुबिली इंटर कालेज, लखनऊ।

लखनलाल मिश्र—ज० '१० ; शि० साहित्याचार्य, व्याकरणाचार्य ; सा० '३३ से संस्कृत विद्यालय गया में प्रधानाध्यापक , प्र० '३४ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० दो कविता-संग्रह ; प० प्रधानाध्यापक, श्रीरामविनोद संस्कृत विद्यालय, उतरमानम, गया।

लाडलीमोहन—प्रका० चैत्र जाते जाते (उप०) तथा कई अन्य पुस्तकें, अप्र० चार-पाँच कहानी-संग्रह एवं एक उपन्यास ; वि० 'चैत्र जाते जाते' तथा अन्य तीन पुस्तकें उ०प्र० सरकार से पुरस्कृत, अँगरेजी मे भी कई ग्रंथ और लेख लिखे हैं ; प० ठठेरा वाड़ा, मेरठ।

लालमोहर उपाध्याय, 'विद्यार्थी'—ज० मदनपुर, आरा ; शि० बी० ए० पटना वि०वि०, एम० ए० हिंदी, पंजाब वि० वि०, एन० सी० सी० का

'सी' सर्टिफिकेट प्राप्त, प्रका॰ आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी और अशोक के फूल (आलो॰), अप्र॰ रसखान और उनका साहित्य, शृंगार काल के गौरव चिह्न एवं दो लेख-संग्रह, प॰ हिंदी विभाग, पंजाब वि॰वि॰, चंडीगढ़।

लोचन बख्शी—ज॰ १५ जनवरी, '२३, घुंगरीला, रावलपिंडी (प॰ पाकिस्तान); शि॰ बी॰ ए॰; प्रका॰ भरे मेले में (कहा॰) '६३; अप्र॰ दो कहानी-संग्रह; वि॰ पंजाबी में भी तीन ग्रंथ तथा अन्य रचनाएँ प्रकाशित, प॰ प्रोग्राम एग्जीक्यूटिव, आकाशवाणी, जम्मू।

वनमाला भवालकर, श्रीमती, डा॰—ज॰ ८ फरवरी, '१४; शि॰ बी॰ ए॰ (आनर्स) संस्कृत (प्रथम) बंबई वि॰वि॰, एम॰ ए॰ प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति तथा पुरातत्त्वविज्ञान (सर्वप्रथम, दो स्वर्णपदक प्राप्त) कलकत्ता वि॰वि॰, एम॰ ए॰ संस्कृत (प्रथम) नागपुर वि॰वि॰, पी-एच॰ डी॰, सागर वि॰वि॰, 'डिप्लोमा इन जर्मन' सागर वि॰वि॰; सा॰ पूना तथा कलकत्ता में 'आल इंडिया वीमेन कांफ्रेंस' में कार्य, पिछले पंद्रह वर्षों से सागर वि॰वि॰ में महिला छात्रावास की 'वार्डन'; प्रका॰ अनु॰ : उधार का पति (नाट॰); संपा॰ : आधुनिक संस्कृत काव्य (संक॰); अप्र॰ महाभारत में नारी (शोध-प्रबंध) एवं रूपांतरित एकांकियों के दो संग्रह; वि॰ संस्कृत एवं मराठी में भी लिखती हैं; 'संसाराचा सारीपाट' पर म॰ प्र॰ शासन सा॰ परिषद् से १०००) का पुरस्कार प्राप्त; प॰ प्राध्यापिका, संस्कृत विभाग, वि॰वि॰, सागर।

वाचस्पति गैरोला—ज॰ २० अप्रैल, '२७; प्र॰ '४९ में; प्रका॰ अक्षर अमर रहें, संस्कृत साहित्य का इतिहास, संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, कौटिलीय अर्थशास्त्र का अनुवाद, भारतीय दर्शन, भारतीय चित्रकला, भवभूति (आलो॰); वर्त॰ अध्यक्ष, पाण्डुलिपि विभाग, हिंदी सा॰ सम्मे॰ प्रयाग; प॰ ३३/९, करेलाबाग कालोनी, इलाहाबाद।

विकासचंद्र सिन्हा—ज॰ १६ जुलाई, '२३; शि॰ बी॰ ए॰ (आनर्स) हिंदी '४४, एम॰ ए॰ हिंदी '४६ पटना वि॰वि॰; सा॰ '४७ से टी॰ एन॰ बी॰ कालेज, भागलपुर में हिंदी प्राध्यापक, सद॰ भागलपुर वि॰वि॰ 'माडरेशन बोर्ड' तथा 'बोर्ड आफ स्टडीज'; प्र॰ '५५ में; प्रका॰ स्फुट; अप्र॰ दो संग्रह; प॰ हिंदी विभागाध्यक्ष, टी॰ एन॰ बी॰ कालेज, भागलपुर—६।

विद्याधर शास्त्री—ज॰ १९०१, शि॰ एम॰ ए॰ बीकानेर विद्या-वाचस्पति, विद्यारत्न; सा॰ भूत॰ अध्यक्ष बीकानेर साहित्य सम्मे॰ तथा राजस्थानी-साहित्य सम्मे॰ जयपुर; भूत॰ अध्यक्ष संस्कृत विभाग, डूँगर

कालेज बीकानेर ; वर्त० संपा० त्रै० 'विश्वभरा' ; उपकुलपति तथा शोध निर्देशक हिंदी विश्व-भारती, बीकानेर ; प्र० '१७ में ; प्रका० यथार्थदर्शन '२२, छात्रमित्र (लेख०) '२७, सनातनधर्म-दर्शन (संपा०) '३७, मरु-माधुरी (लेख०), संस्कृत संस्कृति का विश्व-संदेश ; अप्र० विश्वराज्य का प्रथम प्रधानमंत्री (उप०) तथा दो लेख-संग्रह ; वि० राजस्थान सरकार से १०००) का पुरस्कार प्राप्त ; प० सरस्वती सदन, अलखसागर, बीकानेर।

विनायक वासुदेव जोशी—ज० ६ अप्रैल, १९०६, शि० मैट्रिक, जा० मराठी एवं अँग्रेजी ; सा० 'नेशनल बुक ट्रस्ट' (इंडिया), दिल्ली के सद० ; संस्था० 'लोक साहित्य' विदर्भ, '६१ मे वन-विभाग की सेवा से अवकाश-प्राप्त, आजकल 'भारती' (चाँदा) मे सहसंपा ; प्र० '३० में, प्रका० 'देखि दुनिया' ; वि० २५ वर्ष तक सराहनीय सेवा के उपलक्ष में रजत-पदक प्राप्त '५६ ; महाराष्ट्र राज्य सरकार से '५८ से '६० तक ५०० रु० वार्षिक पारिश्रमिक प्राप्त, 'मराठी के मानचिह्न' पुस्तक पुरस्कृत ; बालको के साहित्यिक कार्यक्रमों मे भाग, मराठी तथा अँग्रेजी मे विविध विषयों पर लगभग बाईस पुस्तकें लिखी हैं ; प० सिविललाइंस, चाँदा (महा०)।

विनोदकुमार सिन्हा—ज० १७ जुलाई, '४० ; शि० आई० एस-सी० '४९ दरभंगा, फार्मेसिस्ट (चिकित्सा) '६० लखनऊ ; सा० सद० श्रीदुखहरण पुस्तकालय बेलाही, प्र० '४९ में ; प्रका० स्फुट, अप्र० औरत तेरी यही कहानी (कहा०) आदि ; प० बेलाही, (वाया बेलसंड), मुजफ्फरपुर।

विलास गुप्ते—ज० ६ नवंबर, '३८ ; शि० एम० ए० हिंदी ; जा० मराठी एवं अँगरेजी ; प्र० '५४ मे ; प्रका० स्फुट ; अप्र० दो कविता-कहानी-संग्रह, वि० 'आधुनिक हिंदी साहित्य को अहिंदी लेखकों का योगदान' विषय पर शोधकार्य-रत ; प० १४, लोधापुरा, इदौर – २।

विश्वंभरनाथ अग्रवाल—ज० २१ अक्टूबर, '१५, पुवायाँ (शाहजहाँपुर); शि० एम० ए० (इतिहास तथा अर्थशास्त्र), विशारद ; प्रका० शिक्षालय-संगठन, शिक्षा-सिद्धांत व नई-योजना ; प्र० '४० में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० दो लेख-संग्रह ; प० पुवायाँ, शाहजहाँपुर।

विश्वनाथ त्रिपाठी—ज० '२५ ; शि० साहित्याचार्य (प्रथम) काशी वि०वि०, विशारद सम्मे० प्रयाग '४१, सा० सेंट्रल हिंदू स्कूल, बनारस ऐडमिशन स्कूल तथा दीन महाविद्यालय के भूत० अध्यापक, शास्त्रार्थ महाविद्यालय मे साहित्य के प्रधानाध्यापक, भूत० संपा० साप्ता० 'सन्मार्ग' तथा 'विवेक', दै० 'साहित्य परिशिष्ट' एव मा० 'दर्शक' (काशी) · काशी

ना० प्र० सभा में कोश-विभाग के छह वर्ष तक सहसंपा० रहे; '६१ से ना० प्र० सभा में ही मुद्रण-व्यवस्थापक हैं; प्रका० आँधी के दीप (कहा); अप्र० अनु० हर्ष-चरित, वेणी-संहार आदि, प० बी० २/५०, भदैनी, वाराणसी।

वेंकटराव रायसम—ज० १९००, आंध्रदेश; शि० शास्त्री काशी विद्यापीठ; सा० कांग्रेस में रहकर '३० से '४७ तक सात-आठ बार कारावास, दो वर्ष से साक्षरता-प्रसार में रत; प्र० '४० में. प्रका० भर्तृहरि-वैराग्यशतक की टीका '५९, लोक-लिपि, पढ़ाई-महल, पंचतंत्र, भारत की सरकारी भाषा हिंदी; अप्र० प्रारंभिक पढ़ाई की रायसम विधि, सर्वभाषा-कोश, वि० तेलुगु में भी कई पुस्तकें लिखी हैं; साक्षरता-प्रसार के लिए सारे प्रदेश में इनकी पद्धति को अपनाया गया है; प० सचिव, हिंदुस्तानी हिंदी सभा, मुकर्रमजही रोड, हैदराबाद।

वेदव्रत शर्मा—ज० '११, शि० आयुर्वेदाचार्य जयपुर, सा० शास्त्री काशी, काव्यतीर्थ कलकत्ता, आयुर्वेदवाचस्पति झाँसी, विद्यासागर प्रयाग; सा० '२३ से कांग्रेस में कार्य, अनेक पत्रों के संपा० रहे; वर्त० चिकित्सा-व्यवसाय, साप्ता० सत्संग-मंडल का संचालन; प्र० '२३ में; प्रका० पंद्रह ग्रन्थ; वि० तुलसीदास जी की जीवनी के विषय में अन्वेषण-कार्य-रत, कई स्वर्णपदक प्राप्त; प० भारतीय साहित्य संघ, कासगंज (एटा)।

व्रजलाल गोस्वामी, डा०—ज० १ जून, '२३; शि० एम० ए०, पी-एच० डी०; प्रका० साहित्य का स्वरूप; अप्र० दो लेख-संग्रह एवं शोधग्रन्थ, प० अध्यक्ष, हिंदी-विभाग, गवर्नमेंट कालेज, लुधियाना।

शंभूनाथ झा, डा०—ज० जुलाई, '२०; शि० बी० एस-सी० '३९ लखनऊ वि० वि०, एल० टी० '४० प्रयाग वि० वि०, एम० ए० '४६ आगरा वि० वि०, एम० एड० '५४ एवं डी० एड० '५५ ओरिगान (यू० एस० ए०); सा० भूत० प्राध्यापक राजकीय ट्रेनिंग कालेज इलाहाबाद '४०-'४६, '४६ से लखनऊ वि० वि० में शिक्षाविभाग में प्राध्यापक, '५६ से यहीं रीडर, गूँगे-बहरों के अध्यापकों के प्रशिक्षण विभाग में '५१-'५३ तक पार्टटाइम प्राध्यापक रहे, 'प्लानिंग कमीशन' के प्रशिक्षण-कार्य-संबंधी 'पैनल' के सद० '६१ से; प्र० '४७ में; प्रका० सामान्य विज्ञान '४७, भारतीय शिक्षा की प्रगति '४९, शिक्षा-मनोविज्ञान '५२, पाठ-योजना की रचना '६०; वि० दो पुस्तकें अँगरेजी में लिखी हैं, 'डाक्टरेट' का शोधप्रबंध भी अँगरेजी में है, 'भारतीय शिक्षा की प्रगति' पर उ० प्र० सरकार से ६००) पुरस्कार प्राप्त '५०; प० २, फैजाबाद रोड, लखनऊ।

शंभूलाल शर्मा, डा०—ज० ५ जनवरी, १९०९; शि० एम० ए० हिंदी, बी० टी०, पी-एच० डी० ; सा मंत्री मेवाड़ हरिजन सेवक संघ ; संचा० मा० 'ज्ञानदीप', संयुक्तमंत्री मेवाड़ राज्य स्काउट एसोसिएशन '३८-'४४ ; डिवीजनल स्काउट कमिश्नर जयपुर, वर्त उप-संचालक शिक्षा-विभाग, राजस्थान ; प्रका० स्फुट , अप्र० शोधग्रंथ एवं दो कविता तथा लेख-संग्रह ; प० उप-संचालक, शिक्षा-विभाग (राजस्थान), जयपुर ।

शिवचंद्र—ज० ११ दिसंबर, १९०३, अलीगढ़ ; शि० अलीगढ़ एवं लखनऊ ; सा० '३२ से सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा दिल्ली के आजीवन सद० तथा पंद्रह वर्ष तक उपमंत्री, सार्वदेशिक आर्य रक्षा समिति के मंत्री रहे , हैदराबाद आर्य सत्याग्रह तथा सिंध प्रांत मे सत्यार्थप्रकाश-रक्षा सत्याग्रह आंदोलनों मे मंत्री तथा प्रचारमंत्री ; प्र० '२७ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र विदेशों मे आर्यसमाज '३३, राष्ट्र के कर्णधारों की सेवा मे '५० ; वि० अँगरेजी में भी पाँच-छह पुस्तके लिखी हैं ; प० महर्षि दयानंद भवन, रामलीला मैदान, नई दिल्ली—१ ।

शिवचंद्र नागर—ज० ३१ मार्च, '२६, मीरापुर, मुजफ्फरनगर ; शि० एम० ए० कूटनीति '५०, एल-एल० बी० '५१ इलाहाबाद वि वि०, सा०रत्न० '४६ सम्मे० प्रयाग ; जा० गुजराती, मराठी, बँगला एवं रूसी , सा० '५६ तक 'प्रवाह' के संपा० रहे ; वर्त० दै० 'मातृभूमि' अकोला के प्रधान व्यवस्थापक एवं कार्यकारी संपा० ; विदर्भ हिंदी सा० सम्मे० नागपुर के साहित्य-मंत्री तथा अकोला पी० ई० एन० ग्रूप के सचिव ; प्रका० ज्योत्स्ना (गीत०) '४५, प्रणयगीत '४५, उर्मि '५३, महादेवी : विचार और व्यक्तित्व '५४, परियों के देश में (बालो०) ; अप्र० काव्यरूपक एवं रेखाचित्रों के संग्रह , वि० 'उर्मि' पर उ० प्र० सरकार से '५४ मे ५००) तथा मध्यप्रदेश सरकार से '५५ में ५००) प्राप्त तथा उ० प्र० सरकार से 'महादेवी विचार और व्यक्तित्व' पर ४००) का पुरस्कार प्राप्त ; गुजराती से कई अनु० किए हैं; प० व्यवस्थापक दै० 'मातृभूमि', अकोला (महा०) ।

शिवप्रसाद भारद्वाज—ज० १५ अक्टूबर, '२४, पौड़ी, गढ़वाल शि० एम० ए०, एम० ओ० एल०, शास्त्री, प्रभाकर पंजाब वि०वि०, साहित्याचार्य काशी संस्कृत वि वि०, सा०रत्न सम्मे० प्रयाग ; प्र० '३८ मे , प्रका० शब्द-रचना-प्रदीप '५४, हिंदी शब्दानुशासन '५५, अशोक-पत्र-लेखन '५६, अशोक-निबंधमाला '५७, संस्कृत-निबंध-मणिमाला '६१, भारत-संदेश (कवि०) '६२ · यत्रस्थ · चारट (प्रहसन) गठबंधन (एकां)

कालिदास : एक अध्ययन (आलो०) ; वि० 'वाल्मीकि रामायण का साहित्यिक अध्ययन' विषय पर शोधकार्य-रत, संस्कृत में भी तीन-चार पुस्तकें लिखी हैं ; प० प्राध्यापक, विश्वेश्वरानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय, साधुआश्रम, होशियारपुर (पंजाब)।

शिवशरण अवस्थी, 'पंगु'—ज० '३८, खिरिया, मैनपुरी ; प्रका० सत्तावन जली चिताएँ '५७, ठगिनी चीन '६२ ; अप्र० दो संग्रह ; प० प्राध्यापक ज्ञानचंद्र दिगंबर जैन पाठशाला, लालपुरा, इटावा।

शिशुराम—ज० १८८३ ; शि० संस्कृत मध्यमा , प्र० '३५ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० लेखों एवं कविताओं के दो संग्रह ; वि० स्फुट पुरस्कार प्राप्त ; प० तुर्कीपुर, औरैया, इटावा।

श्यामनारायण कपूर—ज० १९०८, संभल, मुरादाबाद ; शि० बी० एस-सी, ए० एच० बी० टी० आई०, उन्नाव तथा कानपुर ; सा० 'साहित्य निकेतन' प्रकाशन संस्था के संस्था० ; प्रका० विज्ञान की कहानियाँ '३७, जीवट की कहानियाँ '३८, भारतीय वैज्ञानिक '४२, आविष्कारों की कहानियाँ (तीन भाग) '४३-'४५, साबुन-विज्ञान '४८, हिमनाहर शेरपा तेनसिंह '५४, महान वैज्ञानिक परिचय माला (तीन भाग) '६३; अप्र० प्रसाधन सामग्री विज्ञान, औद्योगिक रसायन, सरल रासायनिक धंधे, महान वैज्ञानिक परिचयमाला (भाग ४-७), प्राचीन भारत में विज्ञान और शिल्प ; प० साहित्य-निकेतन, श्रद्धानंद पार्क, कानपुर।

श्याममोहन दुबे—ज० ३१ मार्च, '३३ , शि० इंटर ; प्र० '५३ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० लेखों एवं कविताओं के दो संग्रह ; प० ८४२, कृष्णकुंज, बाई का बगीचा, जबलपुर।

श्रीकृष्ण वार्ष्णेय—ज० ८ नवंबर, '२७, मुरार, ग्वालियर ; शि० एम० ए० (प्रथम) '५२, ग्वालियर, एल-एल० बी० आगरा कालेज, सा०रत्न ; सा० '५२ से बारहसेनी कालेज, अलीगढ़ के हिंदी विभाग में प्राध्यापक एवं '५५ से अध्यक्ष ; प्रका० स्फुट ; अप्र० तुलसी और विद्यापति के गीति-काव्य एवं दो लेख-कविता-संग्रह , वि० 'माधवानल-कामकंदला की परंपरा' पर शोधकार्य-रत ; अनेक अभिनंदन-ग्रन्थो एवं संकलनों में रचनाएँ संगृहीत, स्फुट पुरस्कार प्राप्त, प० अध्यक्ष, हिंदीविभाग, बारहसेनीकालेज, अलीगढ।

श्रीराम तिवारी—ज० २१ जनवरी, '३८ ; शि० एम० ए० समाज शास्त्र, आरा और पटना ; सा० कला-मंडल, शाहाबाद लेखक कांग्रेस, सर्वोदय अध्ययन-मंडल आदि के भूत कार्य-मंत्री, प्र० '५८ में प्रका० स्फुट;

अप्र० मनीला के नाम पत्र (संवेगकथा), घर (कवि०), तिजहर की धूप (कहा०), कहानी के नये आधार (समीक्षा), भारतीय समाज में मूल्यों का निर्माण : प्रक्रिया और विकास (शोध-प्रबंध), मानव परिकल्पना आदि ; प० हनुमान टोला, आरा।

सरस्वती चौधरी—ज० '३५, मेरठ ; सा० स्थानीय साहित्य-संसद की भूत० मंत्राणी, अब सदस्या, दयानद वीमेंस कालेज में प्राध्यापिका हैं ; प्रका० स्फुट ; अप्र० दो कहानी-संग्रह ; प० १७, बलवीर रोड, देहरादून ;

सूर्यकांत, डा०—ज० १५ जुलाई, १९०१; शि० शास्त्री '१८ पंजाब वि०वि०, व्याकरणतीर्थ '१९ कलकत्ता, एम० ए० '२८ पंजाब वि वि०, डी० लिट० '३४ पजाब वि०वि०, डी० फिल० '३७ आक्सफोर्ड वि०वि०, 'आफिशियेर द अकादमी' फ्रास '४५; सा० पजाब कौंसिल के मनोनीत सद '५२-'५६, महाविद्यालय ज्वालापुर के प्रधान '५१-'५६, संस्कृत-हिंदी प्रोफेसर डी० ए० वी० कालेज, लाहौर '३०-'३६, लेक्चरर इन इगलिश, यूनिवर्सिटी ओरियंटल कालेज, लाहौर '२९-'३०, यूनिवर्सिटी टीचर इन सस्कृत, लाहौर '२७-'४५, यूनिवर्सिटी प्रोफेसर और अध्यक्ष संस्कृत-विभाग, लाहौर '४५-'४६, प्रिंसिपल वि०वि० ओरियटल कालेज, जालंधर '४७-'५१, मयूरगंज प्रोफेसर तथा अध्यक्ष संस्कृत-पालि-विभाग, काशी वि०वि० '५२-'६३ ; प्रका० हिंदी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास '३०, पद्मावत, तुलसीदास रामायण की पद-सूची, साहित्य-मीमांसा, भारतीय संविधान का हिंदी अनुवाद, भास के नाटकों का हिंदी अनुवाद, मार्क्स ओरेलियस के 'मेडीटेशन' का अनु० आदि लगभग साठ मौलिक एव अनु० पुस्तकें तथा संस्कृत में लगभग चालीस प्रामाणिक ग्रन्थ ; वि० 'हिंदी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास' पुस्तक पर पंजाब सरकार से ७५०) का पुरस्कार प्राप्त ; प० अध्यक्ष, संस्कृत-पालि विभाग, हिंदू वि०वि०, वाराणसी।

सोमा वीरा, कुमारी—ज० २० नवंबर, '३२ ; शि० एम० ए० राजनीतिशास्त्र ; प्रका० धरती की बेटी (कहा०) '६२ ; यंत्रस्थ : साथी हाथ बढाना (नाट०), तिन्नी (उप०) ; अप्र० अँगरेजी में एक कहानी-संग्रह ; वि० न्यूयार्क वि०वि० में पी-एच० डी० (राजनीतिशास्त्र) उपाधि के लिए शोध-कार्यरत ; प० इंटरनेशनल हाउस, ५०० रिवर साइड ड्राइव, न्यूयार्क २७, एन० वाई, (यू० एस० ए०)।

हसकुमार तिवारी—ज० '१८ ; सा० हिंदी० सा० सम्मे०, बिहार हिंदी सा० सम्मे०, राष्ट्रभाषा परिषद आदि के सद० ' भूत० संपा० 'बिजली'

'किशोर', 'छाया' एवं 'ऊषा' ; पिछले दस वर्षों से बिहार सरकार के नियुक्ति-विभाग के विशेष पदाधिकारी ; प्र॰ '३८ में, प्रका॰ कवि : रिमझिम, अनागत एवं नवीना; कहा॰ समानातर एवं बदला ; आलो॰ : साहित्यिका, साहित्यायन, संचयन, कला, बॅगला भाषा और साहित्य ; अनु॰ रवीद्र : आँख की किरकिरी, चित्रांगदा एव गीताजलि; शरत् : दत्ता, गृहदाह, पल्ली समाज एवं देवदास; अन्य : धरतीमाता, राहुकमल, राधा, आरोग्य-निकेतन, महाश्वेता, आरती, हरकारा, साहब-बीबी-गुलाम, हुस्नबानू, शरण्यक, नदी और नारी, बॅगला काव्य की भूमिका ; वि॰ बिहार राष्ट्र भा॰ परिषद तथा म॰ प्र॰ सरकार से कई पुस्तके पुरस्कृत; प॰ मानसरोवर, गया ।

हरदेव बाहरी, डा॰—ज॰ १२ सितबर, १९०८, तलागंग (अटक); शि॰ लाहौर एवं इलाहाबाद, एम॰ ए॰, एम॰ ओ॰ एल॰, पी-एच॰ डी॰, डी॰ लिट॰, शास्त्री ; सा॰ '३१ से अध्यापन कार्य , वर्त॰ प्राध्यापक प्रयाग वि॰वि॰ ; प्रका॰ हमारा नाट्य साहित्य '४५, हिंदी की काव्य शैलियों का विकास '४६, प्राकृत और उसका साहित्य '५३, हिंदी साहित्य की रूपरेखा '५४, प्रसाद साहित्य कोश '५७, प्रसाद-काव्य-विवेचन '५८, हिंदी-शब्दार्थ-विज्ञान '५९, बृहद् अँगरेजी-हिंदी-कोश '६०, हिंदी पर फारसी का प्रभाव '६१, लँहदी ध्वनि-विकास '६२, लँहदी ध्वनि-विचार '६३ ; अप्र॰ तीन-चार लेख-संग्रह; प॰ १०, दरभंगा रोड, इलाहाबाद—२ ।

हरिदत्त शर्मा—ज॰ १५ अगस्त, १९०६ ; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी एवं संस्कृत, व्याकरणाचार्य, वेदाताचार्य, आयुर्वेदाचार्य ; सा॰ भूत॰ अध्यक्ष संस्कृत विभाग डी॰ ए॰ वी॰ कालेज कानपुर ; वर्त॰ मुख्याधिष्ठाता, गुरुकुल महाविद्यालय ज्वालापुर ; प्र॰ '२४ में ; प्रका॰ छदोमंजरी की टीका, अंबिका-परिणय-चंपू , ऋक्-सूक्त-संग्रह, विक्रमांक देवचरितं टीका, काव्यप्रकाश-टीका ; वि॰ स्वर्णपदक एवं स्फुट पुरस्कार प्राप्त ; प॰ मुख्या-धिष्ठाता गुरुकुल महाविद्यालय, ज्वालापुर (सहारनपुर) ।

हरिशंकर उपाध्याय—शि॰ विशारद ; सा॰ हिंदी सा॰ सम्मे॰ प्रयाग के सद॰, सारन जिला हिं॰ सा॰ सम्मे॰ के साहित्य-मंत्री, संपा॰ 'यात्री' एवं साप्ता॰ 'अधिकार' (छपरा) ; प्र॰ '४४ में ; प्रका॰ आलो॰ : मूल्यांकन एवं अंकुश; उप॰ : धूप और छाया, दाग एवं आशियाना ; कहा॰ : राह के रोड़े, धरती की कहानियाँ, देश-विदेश की कहानियाँ, अमर कहानियाँ, नई

कहानियाँ, हिंदी मुहावरे, रस-अलंकार और छंद, आज की दुनिया ; वि॰ अनेक पाठ्यग्रंथ भी लिखे हैं; प॰ गिरिजा पुस्तकमंदिर, छपरा, सारन ।

हरिषेण वाशिष्ठ (हरिबाबू वाशिष्ठ)—ज॰ १७ जुलाई, '३०, अलवर; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी, एम॰ ए॰ राजनीति, एम॰ ए॰ इतिहास, अनुवाद-कला में स्नातकोत्तर प्रशिक्षण ; सा॰ संस्था॰ हिंदी छात्रसंघ '४६, मत्स्य हिंदी परिषद '४८, हिंदी युवक-संघ '५१ ; वर्त॰ अनुसंधान सहायक, केंद्रीय हिंदी निर्देशालय, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, दिल्ली ; प्र॰ '४६ मे , प्रका॰ राजस्थानी रा दूहा-सोरठा, हिंदी साहित्य के प्रमुख अवतरण, संख्याबोधी शब्द-कोश, पर्यायिकी, अनुवाद क्यो, कब और कैसे करें, मराठों की भू-राजस्व और राजवित्त-व्यवस्था, राबर्ट क्लाइव, स्वतंत्रता ; वि॰ अनेक स्फुट पुरस्कार प्राप्त ; वि॰ 'मराठो की राजस्व-व्यवस्था' विषय पर शोधकार्य-रत ; प॰ ३४ (बी॰) यू॰ए॰, जवाहरनगर, दिल्ली—६ ।

हीरालाल गुप्त, 'मधुकर'—ज॰ '२७ ; शि॰ बी॰ ए॰ ; सा॰ जबलपुर साहित्य संघ के उपमंत्री, पत्रकार संघ तथा भारत-रूस सांस्कृतिक संघ के सचिव, '५०-'५७ तक 'नवभारत' के संपादकीय विभाग मे कार्य, '५८ से हैं॰ 'नई दुनिया' के कार्यकारी संपा॰, प्र॰ '४५ में ; प्रका॰ स्फुट ; अप्र॰ तीन-चार पुस्तकें एवं लेख-कविता-संग्रह ; वि॰ स्फुट पुरस्कार प्राप्त ; प॰ २०, सदर बाजार, जबलपुर ।

परिशिष्ट दो : संकलित एवं अन्य परिचय

अंबिकाप्रसाद वर्मा, 'दिव्य'—ज० १६ मार्च, १९०७, आजमगढ़ ; शि० एम० ए० ; प्रका० दिव्य-दोहावली, मनोवेदना स्रोतस्विनी, निमियाँ निकुंज, उमर खैयाम की रुबाइयाँ (अनु०) ; अप्र० लेखों एवं कविताओं के चार संग्रह ; प० प्राध्यापक सवाई महेन्द्र इंटर कालेज, टीकमगढ़ ।

अतुलचंद्र बरुआ—ज० १ मार्च, '१९, शि० एम० ए० कलकत्ता वि०वि० ; प्रका० गल्प भारती '५१, प्रजा-पत्र निर्बन्ध '५७, उलट-पलट (कहा०) '५७, समालोचना साहित्य, साहित्य की रूप-रेखा '५७, काव्य-प्रभा '४० ; अप्र० दो संग्रह ; प० चाँदमारी, नवगिरि, गौहाटी ।

अत्तरसिंह कक्कड़—ज० १९ जुलाई, '३१, अलीगढ़ ; प्रका० बंधन-मुकुट '५६, ज्वलित रक्त (उप०) '५६, खंडहर बोल रहे हैं '५७, मंटो की महान कहानियाँ (अनु०) ; अप्र० तीन-चार संग्रह ; प० देव ऐंड पाल पब्लिकेशंस, ६५, एम० ब्यू०, नार्थ ऐवेन्यू, नई दिल्ली ।

अनंतभूषण वर्मा—ज० ७ जुलाई, '३३, बस्ती , शि० एम० ए० , प्रका० जिंदगी के घेरे (उप०) '५६, पछी जाल अहेरी (कवि०) '५९ . अप्र० दो संग्रह ; प० द्वारा श्री आर० एन० प्रसाद, महरी खावाँ, बस्ती ।

अमरनाथ गुप्त—ज० ३१ जुलाई, '१४, मेरठ ; शि० एम० ए० प्रयाग वि० वि० ; प्रका० हिंदी गद्य-निर्माता '५४, हिंदी एकांकी ; अप्र० दो संग्रह , प० अध्यक्ष, अँगरेजी विभाग राजकीय हमीदिया कालेज, भोपाल ।

अमरनाथ माथुर, 'चंचल'—ज० ९ नवंबर, '२४, काश्मीर ; शि० एम० ए०, एल-एल० बी० लखनऊ वि० वि० ; प्रका० संयुक्त राष्ट्रसंघ '५४, प्रकाशन का ललित पक्ष '५३; प० ७८२,चोपासनी रोड, शारदापुरा, जोधपुर।

अलखमुरारी हजेला—ज० १२ अक्तूबर, '१८ ; शि० एम० ए०, एल-एल० बी०, कानपुर एवं प्रयाग वि० वि० ; प्रका० उद्गार, रनिया, नेता, मजदूरिन, अब भी प्यासा हूँ, मनीआर्डर, लाली, उन्माद, समाज (कहा०), आरती, कुसुमित दीपावली, सौंदर्य, विहंग का वसंत, वे किस दिन आवेंगे, परिवार, मानव-सभ्यता के निर्माण मे युद्ध का योगदान, जनता के हित मे आँकडे, पैसा-हीन, भारतीय महिला, भारत में स्त्री-शिक्षा, सहशिक्षा. स्त्री समाज की स्वतंत्रता (लेख०) ; अप्र० वेश्यागामी; जरूरत, दारू, पगले की आँखमिचौनी (कहा०), गौतम का प्यार, जोगी, उम्मीद का चिराग (गद्य-काव्य); प० इनकमटैक्स आफिसर, आजादमारकेट, सीशामऊ, कानपुर।

अवधबिहारी त्रिपाठी—ज० २६ नवंबर, '१९, शहडोल ; शि० साहित्यरत्न ; प्रका० शिशु-भारती (तीन भाग) '५६. धरती के सुराख

(उप॰) '५७, पन्न-परिजात : एक अध्ययन '५३ ; अप्र॰ तीन-चार पुस्तकें एवं संग्रह ; प॰ मालती-मंदिर, १५३ मडन महल, जबलपुर ।

आर॰ पी॰ बहादुर, डा॰—ज॰ १ नवंबर, '१३, प्रतापगढ; शि॰ एम॰ ए॰, डी॰ फिल॰ प्रयाग वि॰ वि॰ ; प्रका॰ टूटे हुए दिल '४४, आँसू और पसीना (कहा॰) '४८, अप्र॰ दो संग्रह, प॰ अर्थशास्त्र विभाग, वि॰वि॰, प्रयाग ।

आर॰ पी॰ सिंह, डा॰ ज॰ १४ अप्रैल, '१३, खैराबाद ; शि॰ एम॰ ए॰, पी-एच॰ डी॰ ; प्रका॰ आधुनिक व्यापार-पद्धति '५२, भारत का आर्थिक भूगोल '५७ आदि ; प॰ राजकीय कालेज, कोटा (राज॰) ।

आर्येन्द्र शर्मा, डा॰—ज॰ १ अक्टूबर, '१०, बदायूँ ; शि॰ एम॰ ए॰, डी॰ फिल॰, शास्त्री ; प्रका॰ अँगरेजी हिंदी-शब्दकोश '५३ ; अप्र॰ दो संग्रह ; प॰ प्राध्यापक, संस्कृत विभाग, उस्मानिया वि॰ वि॰, हैदराबाद ।

इंदुकांत शुक्ल—ज॰ २६ मई, '२८ ; शि॰ एम॰ ए॰ ; प्रका॰ कला क्या है (अनु॰), फारसी साहित्य की रूपरेखा ; अप्र॰ चार-पाँच पुस्तकें एवं संग्रह ; प॰ प्राध्यापक डी॰ ए॰ वी॰ डिग्री कालेज, वाराणसी ।

इंदुबाला देवी—ज॰ '२६ ; प्र॰ '४० में, प्रका॰ जाट-जाटिन (लोकगीत, संपा॰) ; अप्र॰ कुंती का अभिशाप, देवयानी, पांचाली (प्रबंध॰), इंद्रलेखा ; प॰ लक्ष्मीपुर विषहरिया, वाया-बिहारीगंज, पूर्णियाँ ।

इंद्र—ज॰ १० दिसंबर, '१५, मुलतान, शि॰ एम॰ ए॰, एम॰ ओ॰ एल, विद्यालंकार, शास्त्री ; प्रका॰ कौटिल्य-अर्थशास्त्र, संसार के महान युगप्रवर्त्तक, भारत का सचित्र संविधान, अहिंसा योग (संस्कृत) ; अप्र॰ चार पुस्तकें एवं संग्रह ; वि॰ अँगरेजी एवं संस्कृत में भी लिखते हैं, प॰ सरस्वतीकुटीर, १३।५, पटेलनगर वेस्ट, नई दिल्ली—१२ ।

ईश्वरचंद्र जैन—ज॰ ४ अगस्त, '१८, इंदौर ; शि॰ एम॰ ए॰ हिंदी, एल-एल॰ बी॰ आगरा वि॰वि॰, सा॰ संपा साप्ता॰ 'मजदूर संदेश', मा॰ 'श्रम'; मध्य भा॰ सा॰ समिति के मंत्री, वीर सार्वजनिक वाचनालय के प्रचार मंत्री, स्थानीय राज प्रजामंडल एवं कांग्रेस के कार्यकर्ता ; प्रका॰ जीवनदीप (नाट॰) ; अप्र॰ अर्थ का अनर्थ तथा तीन-चार पुस्तकें एवं निबंध-एकांकी-संग्रह ; प॰ १५३, इमली बाजार, इंदौर ।

उग्रमोहन झा, 'धवल'—ज॰ '१६ ; शि॰ मिडिल '२८, रामायणाचार्य '३९, विशारद '४० सम्मे॰ प्रयाग ; प्र॰ '२८ में ; प्रका॰ कौमुदी (कवि॰) '२८, ; अप्र॰ तूणीर (कवि॰), कैदी (खंड॰), तरंग (गद्यकाव्य), माला (कहा॰) आदि; प॰ साहित्य-सदन, सोन्हौली, कहुआ (वाया तारापुर), मुंगेर ।

उच्चेश्वरप्रसाद सिंह, 'ईश्वर'—ज० १८८७; प्र० '२० में; प्रका०मंजरी (कवि०); अप्र० ईश्वर-शतक, कूजन, धर्म विवेचन (कवि०), अज्ञातवास(खंड०), प० साम्यवाद-आश्रम, नवगाई (वाया तारापुर), मुंगेर।

उपेंद्रनाथ, 'अश्क'—ज० १४ दिसंबर, '१०, जालंधर; शि० बी० ए०, एल-एल० बी० लाहौर; सा० लाला लाजपतराय के 'वंदे मातरम्' और 'वीर भारत' पत्रों के भूत० उपसंपा०; प्र० उर्दू मे '२७, हिंदी मे '३५ में; प्रका० गिरती दीवारें (उप०) '४७, दीप जलेगा (कवि०) '४८, गरम राख (उप०) '५२, बडी-बडी ऑखे '५४ आदि पचीस से अधिक उपन्यास, कहानी, कविता एव एकाकी-संग्रह; वि० उर्दू मे भी कई पुस्तके लिखी हैं; प० ५, खुसरोबाग, इलाहाबाद।

उमाकांत परमानंद शाह, डा० - ज० २० मार्च, '१५, बडौदा; शि० एम० ए०, पी-एच० डी०; प्रका० स्वर्णभूमि में कालकाचार्य '५६; अप्र० चार-पाँच पुस्तके एवं संग्रह; वि० गुजराती एवं अँगरेजी मे भी लिखते हैं; प० घडियाली पोल, कुबेरभाई चंद लेन, बडौदा।

उमाशंकर, 'सतीश' – ज० '२७: शि० एम०ए० देहरादून; प्रका० जौनसार बावर की लोककथाएँ '५९, पशुपक्षी-संबंधी लोककथाएँ '६०, अप्र० दो संग्रह; प० प्राध्यापक, ३, बलबीर एवन्यू, देहरादून।

एम० मोहन राकेश—ज० ८ जनवरी, '२६, अमृतसर; शि० एम०ए पंजाब वि० वि०; प्रका० इंसान के खंडहर '५०, आखिरी चट्टान तक '५३, नये बादल '५७, जानवर और जानवर '५८ (कहा०), अषाढ़ का एक दिन (नाट०) '५८; प० ४५३-आर, माडल टाउन, जालधर।

एस० कांत, 'श्रुतिकांत'—ज० ९ सितंबर, '२२, मिर्जापुर; शि एम० ए० आगरा वि० वि०; प्रका० आधुनिक हिंदी व्याकरण तथा रचना, हिंदी साहित्य और उसके अग, हिंदी कवियों के परिचय, हिंदी गद्य-निर्माता (संकलन); प० प्राध्यापक, राजकीय डिग्री कालेज, धर्मशाला (पंजाब)।

ओंकारनाथ दिनकर—ज० ६ जून, '१४, माखनपुर; शि० बी० ए० आनर्स, विशारद; प्रका० शरीर और स्वास्थ्य '४३, पाकिस्तान '४८, मुंजदेव '५४, विग्रहराज विशालदेव '५७, धरेश्वर भोज '५८, पवन-विजय '५८ आदि नाटक; प० राधाकृष्ण भवन, हाथीभात, अजमेर।

ओंकार प्रसाद—ज० १५ मई, '२४, होशंगाबाद; शि० साहित्य विशारद: प्रका० जागृति (नाट०) '४८, पंचायत-दर्पण '५२, आरोग्य नगर

की कहानी (उप०) '४८, संक्षिप्त हिंदी मुहावरे (संक०) '४८, अप्र० चार पुस्तकें एवं संग्रह ; प० गदरवारा, होशंगाबाद ।

कपिल व नारायणसिंह, 'कपिल'—ज० १ जनवरी, '१९, चाकी (मुंगेर) ; शि० एम० ए० ; सा० मंत्री हिंदी सा० परिषद एवं प्रगतिशील लेखकसंघ मुंगेर, संपा० 'शंखनाद', प्रका० बारह बातें '५०, ईंट और पत्थर '५२, सूरतें और सीरतें '५३, ह्वेनसांग (नाट०), श्रीकृष्ण-अभिनंदन-ग्रंथ ; अप्र० कवि भूषण, रेखाएँ, बूढ़ा झामलाल, दिनकर और उनकी काव्यकृतियाँ ; प० प्राचार्य, डी० जे० कालेज, मुंगेर ।

कपिलदेव सिंह, 'कपिल'—ज० ३१ मार्च, '१७, सहारी, पटना ; शि० एम० ए० पटना वि० वि० ; प्रका० मूल्यांकन (दो० भाग) '५० ; अप्र० दो संग्रह ; प० प्राध्यापक, बी० एन० कालेज, पटना ।

कमल जोशी—ज० '२०, अलवर ; शि० बी० ए० कलकत्ता वि० वि० ; प्रका० शीराजी '४१, चार के चार (कहा०) '५३, बहता तिनका (उप०) '५४, पत्थर की आँख '५५, फूलों की माला '५५, ब्रह्म और माया '५६, (कहा०) ; अप्र० दो संग्रह ; प० संपा० 'तिस्को समाचार', जमशेदपुर ।

कमल शुक्ल, श्रीमती—ज० १० सितंबर, '२९, हरदोई ; शि० बी० ए० ; प्रका० राग और त्याग '५४, काले नगर में '५४, पथ से दूर ५५, जिंदगी एक दान '५६, देवता '५७, शिल्प '५८ आदि उप० ; अप्र० दो उपन्यास एवं एक संग्रह; प० ७८।२५६, अनवरगंज, कानपुर ।

कमल साहित्यालंकार—ज० १५ मई, १९०९, गढ़वाल ; प्रका० संगिनी (कवि०) '४२, वीणा की झंकार '४३, सच्चा प्यार '४४, कलाकार (उप०) '४७, नया स्वर्ग (कवि०) '५४, क्रांति दीप '५८ ; अप्र० दो कविता-संग्रह ; प० सिविल लाइंस, बिजनौर ।

कमलारानी संघी, श्रीमती—ज० ३० नवंबर, '२२, दिल्ली ; प्रका० हैदराबाद के ऐतिहासिक और कला-स्थल, हैदराबाद और उसके निवासी, चाचा नेहरू, बाल पंचमी, खिलौनों की लाटरी ; प० बी।४।२७५, सुल्तान बाजार, गिरजा लेन, हैदराबाद ।

करतार सिंह दुग्गल—ज० ३ जनवरी, '१७ ; शि० एम० ए० पंजाब वि० वि० प्रका० स्वेर सर (कहा०) '४२, अंद्रान (उप०) '४८, लड़ाई नहीं '५३, फूल तोड़ना मना है (कहा०) '५४, सत नाटक (एकां०) '५५, करामात (कहा०) '५७ ; प० आकाशवाणी, नई दिल्ली ।

कांतिचंद्र सौनरेक्सा—ज० ४ अप्रैल, '१९, बरेली ; शि० बी० ए० '३९ प्रयाग वि० वि० ; जा० रूसी एव अँग्रेजी ; मा० साप्ता० 'विचार' कलकत्ता के संपा० मे सहयोग, सह० संपा० दै० 'वीर अर्जुन' दिल्ली '४०, उपसंपा दै० 'विश्वमित्र' दिल्ली '४१, फरवरी '४२ से भारत सरकार के सुरक्षा-सैन्य-मंत्रालय के मेडिकल और पश्चात फोटोफिल्म प्रचार-विभाग मे सहायक; संपा० 'फौजी अखबार (हिंदी) '४४, प्रचार-अनुसंधान सहायक : श्रममंत्रालय '४६ एव 'राजकीय पत्रकार प्रेस इनफरमेशन ब्युरो' मूचना मत्रालय ; मजिस्ट्रेट, मुन्सिफ और उपसंचा० समाज-कल्याण विभाग '४८-'५९ ; प्र० '३४ मे ; प्रका० करेंसी नोट (नाट०) '३९, रूपातर '४०, पूर्व के पुराने हीरे (अनु०), रूसी कहानी-संग्रह (अनु), अनातोले फ्रास की कहानियाँ (अनु०), चौराहा (कहा०) '४१, समुद्र पार के मोती '४२ ; अप्र सात-आठ पुस्तकें एव संग्रह ; वि० देश-विदेश के मूर्धन्य साहित्यकारो की चित्रावली बनाई है ; प० सी ४।२, रिवर बैंक कालोनी, लखनऊ।

काका कालेलकर (दत्तात्रेय बालकृष्ण)—ज० १ दिसंबर, १८८५, सतारा ; शि० बबई वि०वि० ; सा० राष्ट्रभाषा-प्रचार-समिति वर्धा की कार्यकारिणी के भूत० सद०, उपाध्यक्ष '३७-'४०, समिति की मुखपत्रिका 'सबकी बोली' के प्रारंभ से संपा०, उपाध्यक्ष 'इंडियन कौंसिल आफ कल्चरल रिलेशंस' नई दिल्ली, सद० साहित्य एकेडमी नई दिल्ली ; प्रका० जीवन-साहित्य (दो भाग) तथा अनेक ग्रंथो के अनु० ; प० राजघाट, दिल्ली।

काजी अशरफ महमूद—ज० १८ मार्च, १९०६, राजनंदगाँव, शि० मैट्रिक रायपुर, आई० एस-सी० कलकत्ता, बी० एस-सी० अलीगढ़ वि वि०, एम० एस-सी० नागपुर वि० वि० ; सा० 'असिस्टेंट माइकोलाजिस्ट' म० प्र सरकार, प्राध्यापक वनस्पतिशास्त्र ढाका वि०वि० (पाकिस्तान) ; प्र० '२४ में ; प्रका० कवि० : दर्शनोल्लास '२४, निमत्रण '३७, प्रसाद '४५, आराधना '५०, कुटज '५१ ; अप्र० दो-तीन संग्रह ; वि० उर्दू, बँगला एवं अँगरेजी में भी लिखते हैं ; प० १४३, सेगुन बगीचा, ढाका (पाकिस्तान)।

कामेश्वर शर्मा—ज० २६ जनवरी, '२६ ; शि० एम० ए० पटना वि० वि० ; प्रका० हिंदी साहित्य को बिहार की देन '५५, शिखडी (उप०) '५५ ; अप्र० दो० लेख-संग्रह; प० हिंदी प्राध्यापक, बिहार वि०वि०, पटना।

कालिका प्रसाद शुक्ल—ज० १५ अक्टूबर, '२१, बड़ौदा ; शि० एम० ए०, काव्यतीर्थ, व्याकरणाचार्य ; प्रका० त्रिवेणिका, चंद्रप्रभा-चरितम्, कुमार-संभव (आलो०) ; प० प्राध्यापक, बड़ोदा संस्कृत महाविद्यालय, बड़ौदा।

काशीकांत मिश्र, 'मधुप'—ज० ५ अप्रैल, '१५, दरभंगा ; प्रका० झंकार '४२, शतदल '४६, त्रिवेणी '५५ , प० कोथू, दरभंगा ।

कुमुदकुमार, 'कमल'—ज० '३६ ; शि० कला स्नातक तथा स्नातकोत्तर पुस्तकालय-विज्ञान में डिप्लोमा (सर्वप्रथम) नागपुर वि-वि० ; सा० संयो० 'पराग' जमशेदपुर, पुस्तकालयाध्यक्ष टाटा इंजीनियरिंग एवं लोकोमोटिव कंपनी जमशेदपुर ; प्र० ४६ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० दो-तीन कविता एवं लेख-संग्रह ; वि० 'फूल और कलियाँ' में रचना संकलित ; प० ३१, पुरुलिया हाई वे, आम बगान, साकची, जमशेदपुर ।

कृष्णकांत मिश्र, 'ईंद्र', 'भ्रमर'—ज० २५ अक्टूबर, '२८, इलाहाबाद ; शि० प्रयाग वि० वि० ; सा० अवै० सचिव वैदेही समिति दरभंगा ; प्रका० चयनिका '५३, गल्पांजलि '५४, मैथिली साहित्य का इतिहास '५५ ; अप्र० दो संग्रह ; प० वैदेही समिति, दरभंगा ।

कृष्णदेवप्रसाद गौड़, 'बेढब बनारसी'— ज० ११ नवंबर, १८६५, वाराणसी ; शि० एम० ए०, एल टी०, विशारद, प्रयाग एवं काशी ; सा० हिं० सा० सम्मे० के दो वर्ष तक मंत्री एवं स्थायी समिति के सद० रहे, काशी ना० प्र० सभा के तीन वर्ष तक प्रधानमंत्री तथा साहित्यमंत्री रहे, प्रसाद-परिषद काशी के तीन वर्ष तक उपसभापति, उत्तर प्रदेशीय 'सेकेंडरी एजुकेशन एसोसिएशन' के दो वर्ष तक सहमंत्री, हिंदुस्तानी एकेडमी के सद०, हिं० सा० सम्मे० के काशी अधिवेशन की स्वागतकारिणी समिति के प्रधानमंत्री, हास्यरस की कई पत्र-पत्रिकाओं के भूत० संपा० ; वर्त० संपा० 'प्रसाद' वाराणसी ; प्रका० शिवा जी की जीवनी, साहित्य-संयम, जापान वृत्तांत, बेढब जी की बहक, बनारसी इक्का, मसूरी वाली, हिंदी खड़ीबोली कविता की प्रगति तथा बाल पद्यावली, पिगसन की डायरी (संस्मरण), काव्य-कमल, अभिनेता (नाट०), टनाटन, गाँधी जी का भूत (कहा०) ; वि० हास्यरस के प्रतिष्ठित कवि ; प० सी० के० ६५/२८०, वारासणी ।

कृष्णवल्लभ द्विवेदी—ज० १० जनवरी, '१०, बड़नगर, मालवा ; शि० बी० ए० प्रयाग वि० वि० ; सा० भूत० सहकारी संपा० साप्ता० 'अभ्युदय' प्रयाग '३४-'३५, सितंबर '३८ में हिंदी विश्वभारती का आरंभ तथा उसके संपा० ; प्रका० तीन रूसी उपन्यासों के अनु० : बंदी, संघर्ष एवं बहिष्कार , अन्य० : भारत-निर्माता, हिंदी कोश, ज्ञानलोक '५४ ; अप्र० चार पुस्तकें एवं संग्रह ; प० कमला आश्रम, चारबाग, लखनऊ ।

कृष्णानंद गुप्त—ज० '१६०३, ललितपुर, झाँसी ; शि० झाँसी ; सा ओरछा नरेश के संरक्षण में बुंदेलखंडी कोश के संपादक, संस्था० बुंदेलखंड लोकवार्त्ता परिषद, संपा 'लोकवार्त्ता' पत्रिका ; प्रका० प्रसाद जी के दो नाटक, केन (उप०), पुरस्कार (कहा०), अंकुर (कहा०), पदार्थ-परिचय, जीव की कहानी, स्वास्थ्य-संलाप, बुंदेलखंडी कहावत-संग्रह, वृहत् हिंदी कहावत-कोश ; अप्र० चार संग्रह , प० गरौठा, झाँसी।

के० एस० श्रीनिवासाचार्य—ज० १५ फरवरी, '१२, कंदूर . शि० विद्वान मद्रास वि०वि० ; प्रका अनु० नारी (उप०) '४१, सप्त सरिता (लेख०) '४१, आत्मकथा (गाँधी जी का जीवन - चरित्र) '४५, तराजू आदि ; अप्र० चार संग्रह ; प० कलाईमगल, मद्रास—४।

के० सी० निमरैनिया, 'पियूष'—ज० १३ अक्टूबर, '१७ ; प्रका० ग्रामबाला '४१, सरितदीप '४२, अवगुंठन '४३, कपोति '४४, माडवी '५८ ; प० १८१२, समीप स्टेट बैंक, चाँदनी चौक, दिल्ली।

कैलाशबहादुर सक्सेना—ज० १ जनवरी, '२५, लखनऊ ; प्रका० दुनिया गोल है (उप०) '५५, साहित्य के साथी '५७, महिला साहित्यकारों से मिलिए, चारुचित्रा (उप०), प्रेम और वासना (कहा०), कवयित्री की पाती (एकांकी) ; अप्र० चार पुस्तकें एवं संग्रह . प० ६५ चक, इलाहाबाद।

गंगाप्रसाद, 'कौशल'—ज० १ जुलाई, '२१, फरुखाबाद ; शि० हाई-स्कूल (प्रथम) ; सा० '४२ की क्रांति में भाग एवं कई बार कारावास ; सा० भूत० संपा० साप्ता० 'प्रकाश', मा० 'बालविनोद' लखनऊ, 'स्वराज्य' तथा 'मजदूर आवाज' (पाँच वर्ष तक), ग्यारह वर्ष से साप्ता० 'आजाद मजदूर' जमशेदपुर के संपा० हैं ; प्र० '३७ में ; प्रका० सुषमा (कवि०) '३७, नयननीर (कवि०), बापू, बधाई, वीर बालक, बच्चों के फूल, अंतिम इच्छा (कहा०), गोविंदगुप्त (खंड०), ऐंडर्सन की कहानियाँ, शवरी (अनु० नाट०), चिनगारियाँ, दुरे अख्तर ; अप्र० तीन-चार पुस्तकें एवं संग्रह ; वि० 'वीर बालक' पुस्तक पर भारत सरकार से ५००) का पुरस्कार प्राप्त; प० संपादक, 'आजाद मजदूर', जमशेदपुर—२।

गिरीश अस्थाना—ज० २० अगस्त, '२०, गंगापुर ; शि० बी०ए० पंजाब वि० वि० ; प्रका० धूल भरे चेहरे (उप०) '५७, क्षितिज (लघुकथाएँ) '५७ ; अप्र० दो संग्रह ; प० किरणकुटीर, गोपालपुरा, आगरा।

गोपालप्रसाद व्यास—ज० ३० जनवरी, '१६, परासोली, मथुरा ; शि० सा०रत्न ; प्रका० कवि० : अजी सुनो, कदम कदम बढ़ाये जा, चले आ

रास्ते हैं ; निबंध : मैंने कहा, कुछ सच कुछ झूठ ; जीव० : हमारे राष्ट्रपति; यात्रा० . अरबों के देश में ; प० दै० 'हिंदुस्तान', नई दिल्ली ।

गोपाल व्यास—ज० १० अप्रैल, '१६, धर्मगढ़, मुरैना ; शि० एम०ए० (सर्वप्रथम), सा० रत्न, ग्वालियर एवं कानपुर ; प्रका० क्रौंच-वध (कवि०) '४८, द्वादशी (कहा०) '५६, कालिदास प्रेरित मूर्तिकला (अनु०), मुक्तावली (संपा०) '५०; प० हिंदी विभागाध्यक्ष, विक्रम वि० वि०, माधव कालेज, उज्जैन ।

गोपीकृष्ण शास्त्री द्विवेदी—ज० १७ अप्रैल, १९०३ ; शि० व्याकरण-आचार्य, काव्यतीर्थ, साहित्यशास्त्री ; प्रका० विक्रमादित्य की अनेकता, महाकविकालिदास, ऐतिहासिक अवंतिका, महाकवि श्रीहर्ष, संस्कृत साहित्य तथा रस-निरूपण, हिंदी-राजतरंगिणी (अनु०), संस्कृत साहित्य में उज्जयिनी, चाणक्य कौन था, नारायण-व्यास-चरित (जीव०) ; अप्र० तर्क संग्रह टीका ; लघुशब्देंदु टीका ; प० सराफा बाजार, मदनमोहन मंदिर के पास, उज्जैन ।

गौरीशंकर ओझा—ज० ८ नवंबर, '१५, गुना, ग्वालियर ; जा० गुजराती एवं बँगला ; सा० 'मिलाप' लाहौर, 'हंस' बनारस, 'जीवन' ग्वालियर के संपादन में योग दिया ; प्रका० अर्घ्य (कवि०) '३८, भारतीय साहित्य की रूपरेखा '५६, कालिका (उप०, गुज० से अनु०) ; अप्र० दो संग्रह; प० उपसंपादक, 'मध्यभारत संदेश'-कार्यालय, ग्वालियर ।

चंद्रकिरण सौनरेक्सा, श्रीमती—ज० १९ अक्टूबर, '२०, नौशहरा, पेशावर ; शि० सा० रत्न '३६, मेरठ ; जा० अँग्रेजी, बँगला, उर्दू एवं गुजराती; सा० '५७ से आकाशवाणी, लखनऊ में लेखिका; प्र० '३४ में; प्रका० आदमखोर (कहा०) '४६, चंदन चाँदनी (उप०) '६३ ; अप्र० चार उपन्यास तथा नाटक ; वि० 'आदमखोर' पर हिंदी सा० सम्मे० से 'सेकसरिया पुरस्कार' प्राप्त ; इनकी अनेक कहानियों के रूसी आदि विदेशी भाषाओं में अनुवाद हुए हैं ; 'आदमखोर' की प्रथम कहानी चेकोस्लोवाकिया की साहित्य अकेडमी से एशिया-अफ्रीका की सर्वश्रेष्ठ कहानी निर्वाचित; 'छाया', 'ज्योत्स्ना' उपनाम हैं ; प० सी० ४/२, रिवर बैंक कालोनी, लखनऊ ।

चक्रधर जोशी, आचार्य, 'पर्वतीय'—ज० देवप्रयाग, गढ़वाल ; सा० संस्था० ज्योतिर्विज्ञान-शोधकमंडल (वेधशाला), देवप्रयाग '५१ एवं लक्ष्मीधर विद्यामंदिर पुस्तकालय; अखिल भारतीय हरिदास सम्मे० बंबई की सुरसिंगार संसद के आजी० सद० एवं परामर्शदाता, 'दि हिमालय आस्ट्रोलोजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट' के संचा० ; प्रका० गदावली (मेडिकल आस्ट्रालाजी), ज्योतिषतत्त्वम् (दो भाग), ज्योतिषतत्त्वम् (भाष्य), बदरीनाथ

पथ-प्रदर्शक ; प० संचालक, ज्योतिर्विज्ञान शोधकमंडल (वेधशाला), देवप्रयाग, (बदरीनाथ, हिमालय)।

चतुर्भुजसिंह, 'भ्रमर'—ज० १८९६ , शि० मैट्रिक ; प्र० '२० में ; प्रका० राष्ट्रीय पद्य-कुसुम (कवि) '२७, हरिजन-हृदय-हार (कवि) '३२ ; अप्र० कवि० ' भ्रमर-भारती, राष्ट्रीय राग ; उप० : पथ-प्रदर्शक, भूतनाथ, जंजीर , प० भ्रमर-भारती-भवन, नवगाई (वाया तारापुर), मुंगेर।

चिरंजीलाल, 'एकाकी'—ज० १ अगस्त, '१९, अलीगढ़ ; शि बी० ए० ; प्रका० मदनमोहन मालवीय (जीव) '४०, नये निबंध '५८ , प० द्वारा श्री वी० पन्नालाल, अपरकोल, बनियापारा, अलीगढ़।

छगालाल मालवीय—ज० १८ अगस्त, १९०३, इलाहाबाद ; शि० एम० ए० हिंदी, एम० ए० फिलॉसफी (दर्शनशास्त्र) काशी, प्रयाग एवं लखनऊ वि०वि० ; सा० भूत० संपा० साप्ता० 'अभ्युदय' प्रयाग, 'हिंदू मिशन पत्रिका' लखनऊ एवं 'शिक्षा' लखनऊ, 'आयल प्रोडक्ट्स', 'महाराजकुमार ट्रेडर्स', 'साइंटिफिक रिसर्च' आदि के डाइरेक्टर्स बोर्ड के सद०, विद्यांत इंटर कालेज लखनऊ, शशिभूषण बालिका विद्यालय आदि शिक्षालयों के भूत० प्रबंधक अथवा कार्यकारिणी के सद०, 'जर्नल्स लिमिटेड' लखनऊ की हिंदी पुस्तकों के भूत० संपा० , प्रका० हिंदी व्याकरण और रचना, निकुंज (कहा०), गल्पहार, भारतीय विचारधारा में आशावाद (अनु०) ; अप्र० दो-तीन पुस्तकें एवं संग्रह ; प० सुन्दरबाग, लखनऊ।

जगदीशचंद्र माथुर—ज० १६ जुलाई, '१७, शाहजहाँपुर , शि० प्रारंभिक खुर्जा में, एम० ए० प्रयाग वि०वि०, आई० सी० एस० '४१; सा० सद संगीत नाटक एकेडमी, निदेशक आकाशवाणी केंद्र दिल्ली ; प्रका० भोर का तारा (एकां०) '४६, कोणार्क (नाट) '५०, ओ मेरे सपने (एका) '५२, कुँवरसिंह की टेक (नाट०) '५५, एक समदर्शी के अनुभव '५५, वैशाली अभिनंदनग्रंथ (संपा) ; प० आकाशवाणी केंद्र, नई दिल्ली।

जगदीशनारायण दीक्षित—ज० ५ अप्रैल, '१२, कानपुर ; शि० एम० ए०, एल-एल० बी०, सा-रत्न , सा० ग्रामरक्षासमिति के संयुक्त मंत्री (दस वर्ष तक), श्री विनोद संस्कृत पाठशाला की कार्यकारिणी के सद०, ब्रह्मावर्त (बिठूर) संस्कृत गुरुकुल-आश्रम के शिक्षामंत्री ; प्रका० प्रसाद के नाटकीय पात्र '४७, भारत की अमर आत्माएँ '४८, गबन : एक अध्ययन '४९, बापू की देन '४९, कर्जभार (नाट०) '५४ ; अप्र० चार पुस्तकें एवं संग्रह ; प० ५/१२ पुराना कानपुर कानपुर।

जगदीशकिशोर बलबीर, डा०—ज० १ जून, '२१, दिल्ली ; शि० एम० ए०, डी० लिट० दिल्ली तथा पेरिस वि०वि० ; प्रका० 'भाषा (अनु०) '५७ , हिंदी प्रदेश-भाषा-संबंधी इतिहास '५८ ; वि० अँगरेजी में भी कई ग्रन्थ लिखे हैं . प० प्रोफेसर एवं अध्यक्ष संस्कृत विभाग, डी० एस० बी० गवर्नमेंट कालेज, नैनीताल ।

जनार्दनप्रसाद झा, 'द्विज'—ज० २१ जनवरी, १९०४, रामपुरडीह, दरभंगा ; शि० एम० ए० काशी वि वि० ; जा० अँगरेजी, बँगला एव मैथिली ; प्रका० किसलय (कहा०) '३१, अनुभूति (कवि०) '३२, प्रेमचंद की उपन्यासकला (आलो) '३३, अतर्ध्वनि (कवि०) '४१, चरित्ररेखा '४३, मृदुदल, मालिका आदि ; प० प्रधानाचार्य, पूर्णिया कालेज, पूर्णिया ।

जनार्दनराय नागर—ज० १६ जुलाई, १९०१, उदयपुर ; शि० एम० ए०, एल-एल० बी०, सा०रत्न, विद्यालकार ; प्रका० नाट० : पतित का स्वर्ग, महाभारत, आचार्य चाणक्य, आधीरात , उप० : ध्रुवतारा, तिरंगा झंडा आदि ; प० शिवकृपा निवास, उदयपुर (राज०) ।

जफर अहमद—ज० १ जुलाई, '३८, राँची ; शि० मैट्रिक '५४ राँची, बी० ए० '५८ बिहार वि०वि० ; सा० संचा० प्रगतिशील समाज '५४, मत्री प्रेमचन्द सोसाइटी (छह-सात वर्ष तक), कुछ दिन आकाशवाणी मे 'स्क्रिप्ट राइटर एवं उर्दू पत्रिका 'सुरैल' के संपा० रहे, प्रबंधसंपा० मनोवैज्ञानिक पत्रिका 'हमारा मन' ; प्र० '५० मे ; प्रका० स्फुट ; अप्र० दो-तीन संग्रह ; वि० नेशनल स्कूल आफ ड्रामा से तीन वर्ष के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त ; अब वही ड्रामैटिक्स का अध्ययन कर रहे हैं, दो कहानी-सग्रहों मे रचनाएँ संकलित ; प० नेशनल स्कूल आफ ड्रामा, रवींद्र-भवन, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली ।

जयंत वाचस्पति—ज० २१ जुलाई, '१७, लुधियाना ; प्रका० उप० : मन का स्वर्ग '४८, रामदीतामल '४९ ; बालो० बच्चो के गीत '५० ; प० आइ०/सी० फिल्म सेक्शन, दिल्ली म्युनिसिपल कारपोरेशन, दिल्ली ।

जयशंकर त्रिपाठी—ज० ३१ दिसंबर, '२९, बेदौली, भारतगंज, इलाहाबाद ; शि० साहित्याचार्य, सा०रत्न, एम० ए० ; प्रका० आंजनेय (खड०) '५६, देवपुत्रो का स्वाभिमान (पौरा० कहा०) '५९, माताभूमि (शब्दचित्र), संवत् १८८२ शकाब्द '५९, जगद्गुरु - परिशीलन (आलो०) '६१, चरवाहो का देश (नाट०) '६२, मिट्टी के मानव (खंड०) '६२, मानक हिंदी कोश (संपा०) ; वि० 'आजनेय' उ० प्र० सरकार

से '५६ मे पुरस्कृत, 'संवत् १८८२ शकाब्द' एवं 'चरवाहों का देश' उ प्र० सरकार की सहायता से प्रकाशित; प० हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।

जवाहर चौधरी—ज० २६ मार्च, '२६, दिल्ली ; शि० प्रभाकर सा०रत्न ; प्रका० उप० स्कूली बच्चे (अनु०) '२८ ; प० २२०३, गली डकोटन, तुर्कमन गेट, दिल्ली।

जवाहरलाल चतुर्वेदी—ज० १८ नवबर, १८८०, मथुरा ; प्रका० कवि० : आँख और कविगण '३०, भक्त और भगवान '३३ ; आलो० : श्रीनगर-लतिका-सौरभ '३६, काव्य-निर्णय '५६, सपा० नंददास ग्रथावली '३८, पोद्दार-अभिनंदन-ग्रथ '५३, भॅवरगीत (नंददास), वि० प्राचीन ब्रजभाषा-साहित्य के मर्मज्ञ एवं संग्रहकर्ता ; प० कुआँ वाली गली, मथुरा।

जानकीशरण—ज० ८ जुलाई, '२४ ; शि० एम० ए०, सा०रत्न, सा० १५ वर्ष तक अध्यापन-कार्य, हिंदी साहित्य विद्यालय एव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झाँसी के संस्था० एवं प्रबधक ; आजकल साप्ता० 'लोकपथ' के संपादन विभाग मे कार्य ; प्रका० स्फुट ; अप्र० दो संग्रह ; प० मैनेजर, शिक्षक हायर सेकेंड्री स्कूल, झाँसी।

जैनेंद्रकुमार जैन—ज० १६०५, शि० जैन गुरुकुल ऋषि ब्रह्मचर्याश्रम हस्तिनापुर, हिंदू वि वि० काशी, सा० भूत० संपा० मा० 'हस' काशी, प्र० '२६ मे ; प्रका० परख '३०, सुनीता '३६, त्यागपत्र '३७, तपोभूमि, प्रस्तुत प्रश्न, वातायन, एक रात, दो चिड़ियाँ, फाँसी, स्पर्धा, राजकुमार का पर्यटन, पाजेब, जैनेंद्र के विचार '३७, पूर्वोदय (निबध) '५०, जैनेंद्र की कहानियाँ '५३ आदि ; प० ८ फैज बाजार, दिल्ली।

ज्योतिप्रसाद मिश्र, 'निर्मल'—ज० १० जनवरी, १६०३, सिंहगढ, इलाहाबाद; सा० भूत० संपा० मा० 'मनोरमा' एवं 'भारतेंदु', साप्ता० 'भारत' एवं 'देशदूत' ; वर्त० संपा० 'सम्मेलन-पत्रिका', हिंदी सा० सम्मे० के भूत० मंत्री ; प्रका० पिंगल-प्रबोध '२७, जीवन-मरण (अनु०) '२६, स्त्री-कवि-कौमुदी (शोधग्रथ) '३२, नवयुग-काव्य-विमर्श (आलो०) '३६, हजामत (नाट०) '३७, संक्षिप्त हिंदी साहित्य '३८, स्त्री का हृदय (अनु०) '३८, पटेल अभिनदन ग्रंथ (संपा०) आदि ; प० पुराना कटरा, इलाहाबाद।

ठाकुर प्रसाद सिंह, 'अग्रदूत'—ज० १ दिसंबर, '२४, वाराणसी ; शि० एम० ए० काशी हिंदू वि०वि० ; प्रका० विक्रम (नाट०) '४३, महामानव (कवि०) ४६ हिंदी निबध और निबंधकार (आलो) '५१ चौथी पीढ़ी

(कहा०) '५७, कठपुतली (नाट०) '५७ आदि बारह पुस्तकें ; अप्र० दो-तीन पुस्तकें एवं संग्रह; प० ६७।१२०, ईश्वरगंजी, वाराणसी।

तुकडोजी महाराज—ज० २९ अप्रैल, १९०९, अमरावती ; प्रका० अनुभव प्रकाश (दो भाग) '४४-'४६, राष्ट्रीय भजनावली '४७, जापानयात्रा '५६, क्रांतिदीप भजनावली '५७ ; अप्र० दो-तीन पुस्तकें ; वि० मराठी में भी कई पुस्तकें लिखी हैं ; प० गुरुकुंज, अमरावती, बरार।

तेजनारायण काक—ज० १ नवंबर, '१४, अमृतसर ; शि० बी० ए० प्रयाग वि वि०, एम० ए० नागपुर वि वि० ; प्र० '३० में, प्रका० मदिरा (गद्यकाव्य) '२५ ; निर्झर और पाषाण (कवि०) '४०, मुक्ति की मशाल (कवि०) '४५, जीवन - ज्वाला (कवि०) '४८, बाँसुरी (कवि०) '४९ आदि ; अप्र० दो संग्रह ; प० शिवाश्रम, चाँदपोल, जोधपुर।

तेजनारायण टंडन—ज० २३ सितंबर '२४, लखनऊ; शि० विशारद; सा 'विद्यामंदिर प्रकाशन' के आद्य संचालक ; भूत० संचा० पाक्षिक 'होनहार' एवं मा० 'रसवंती' ; प्रका० भारतीय विभूतियाँ, कबीरवाणी, कबीर संग्रह की टीका, सूरप्रभा-टीका आदि दो दर्जन सहायक पुस्तकों के सहलेखक ; प० अध्यक्ष हिंदी साहित्य-भंडार, अमीनाबाद, लखनऊ।

त्रिलोचन शास्त्री—ज० २० अगस्त, '१७, कटघरापट्टी, सुलतानपुर; शि० बी० ए० काशी वि०वि० ; जा० उर्दू, अँगरेजी, बँगला, गुजराती, मराठी, तमिल एवं बर्मी ; सा० संपा० मा० 'हंस' एवं मा० 'चित्ररेखा' तथा ज्ञानमंगल काशी द्वारा प्रका० शब्दकोश ; '४२ के राष्ट्रीय आंदोलन में सक्रिय सहयोग एवं कारावास ; प्रका० धरती '४५, गुलाब और बुलबुल '५६, दिगंत '५७, गीतगंगा, प्रवाह, खँडहर, दंड आदि कविता-संग्रह ; जीवित सपने (रेखाचित्र), मगध-पतन (नाट०), काव्यभूमि (आलो) आदि ; अप्र० दो-तीन पुस्तकें, प० नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी—१।

दत्तात्रेय बापले—ज० १९ जून, १९०९ ; प्रका० नागरिकशास्त्र '४९, ; वर्त० प्राधानाचार्य दयानंद कालेज अजमेर ; प० आर्यनगर, अजमेर।

दयाशंकर शर्मा, डा०—ज० ११ मार्च, '२४ ; शि० एम० ए०, पी-एच० डी० ; प्रका० ध्रुवतारा (नाट०) '४९, अँग्रेजी साहित्य-परिचय, हिंदी साहित्य-परिचय, दिन के सपने, बिखरी किरणें ; अप्र० दो-तीन संग्रह ; प० प्राध्यापक, अँगरेजी विभाग, आगरा कालेज, आगरा।

दिनेशनंदिनी डालमिया, श्रीमती—ज० १६ फरवरी, '१५, उदयपुर; शि० एम० ए० नागपुर वि० वि० ; प्रका० शबनम '३७, अनमन '४६, उरबसी

'४६, सारग '४७, स्पंदन '४७, परिचय '४९ एवं संपा॰ ग्यारह पुस्तके ; अप्र॰ दो-तीन संग्रह ; प॰ ३, सिकंदरा रोड, नई दिल्ली।

दुर्गाप्रसाद मिश्र—ज॰ ५ जनवरी, '३५, टाँडामिश्रान, रुदौली, बाराबंकी : शि॰ बी॰ ए॰ '५७ आगरा वि॰वि॰, सा॰रत्न '५९ सम्मे॰ प्रयाग, एल॰ टी॰ ६१ लखनऊ ; सा॰ अध्यापक कोटवाधाम (बाराबंकी) '५४-'५९, उप-विद्यालय निरीक्षक गोंडा '६१-'६२, अब काकोरी हा॰ से॰ स्कूल में प्राध्यापक, प्र॰ '६१ में ; प्रका॰ मजदूरी और सूद (एका॰) '६१ ; अप्र कविता-कौमुदी, अँगूठा छाप (एका॰) ; वि॰ स्फुट पुरस्कार प्राप्त ; अ॰ अध्यापक, हा॰ से॰ स्कूल, काकोरी, लखनऊ।

दुर्गाप्रसाद रस्तोगी, 'आदर्श'—ज॰ २२ सितंबर, '१४, प्रयाग ; प्रका॰ विरह गीत '४२, समरगीत '४४, प्रगतिगीत '५१, अखंड विश्व '५४, सप्त-दान '५५, पुष्प-नगर '५८, प॰ ६४४, दारागंज, इलाहाबाद।

देवकुमार मिश्र—ज॰ १२ अगस्त, '१७, पठार ; प्रका॰ महान विभूतियाँ (जीव॰), प॰ द्वारा ग्रंथमाला-कार्यालय, पटना—४।

देवनारायण द्विवेदी— ज॰ १८९७, भैसा, मिर्जापुर ; प्रका॰ देश की बात (इति) '२३ ; कर्त्तव्य घाट (उप॰) '२५, पश्चाताप (उप॰) '२८, प्रणय (उप॰) '३५, दहेज '२५, किसान-सुख-साधन '३५ ; अप्र॰ तीन-चार पुस्तकें एवं संग्रह ; प॰ बड़ा गणेश, वाराणसी—१।

देवराज—ज॰ २२ जनवरी, '२२, जाखल ; शि॰ साहित्यरत्न ; प्रका॰ अतरगीत (कवि॰)'४५, जीवन और जागृति (नाट॰) '४६, रावण (नाट॰) '४८ आदि ; अप्र॰ दो संग्रह ; प॰ द्वारा कृष्णलाल जीझवान, दि पंजाब नेशनल बैंक लि॰, ८, अंडर हिल रोड, सिविल लाइंस, दिल्ली।

देवेंद्रनाथ शर्मा—ज॰ ७ जुलाई, '१८, कीर्तिपुरा, सारन ; शि॰ एम॰ ए॰, साहित्याचार्य पटना वि॰ वि॰ ; सा॰ अध्यक्ष हिंदी विभाग विहार वि॰ वि॰ ; प्रका॰ अलंकार-मुक्तावली '४८, पारिजात-मंजरी (एकां॰) '४९, खट्टा-मीठा (लेख॰) '५०, साहित्य-समीक्षा (आलो॰) '५१, बिखरी स्मृतियाँ (एकां॰) '५७ आदि ; प॰ बी॰ एम॰ दास रोड, पटना—४।

देवेंद्र सत्यार्थी—ज॰ २८ मई, १९०८, भदवर, सँगरूर ; प्रका॰ धरती गाती है (निबंध) '४८, बाजत आवे ढोल (लोकगीत) '५२, चाँद-सूरज के बीरन (आत्मकथा) '५३, ब्रह्मपुत्र (उप॰) '५६, धीरे बहो गंगा आदि लगभग चालीस पुस्तकें ; अप्र॰ चार सग्रह ; वि॰ अँगरेजी, उर्दू एवं पंजाबी मे भी लिखते हैं ; प॰ 'कल्पना' ५ सी।४६, रोहतक रोड, नई दिल्ली।

द्वारिकाप्रसाद मिश्र, डा०—ज० १ अप्रैल, १९०१, उन्नाव ; शि० बी० ए०, एल-एल० बी०, डी० लिट० (सम्मानार्थ) सागर वि० वि० ; सा० म०प्र० में कांग्रेसी एम० एल० ए० और मन्त्रि, प्रांतीय हिं० सा० सम्मे० के सागर अधिवेशन के सभा० '३२ ; 'लोकमत' के जन्मदाता और मा० 'श्री शारदा' तथा साप्ता० 'सारथी' के भूत० संपा०, राष्ट्रीय आंदोलन में कई बार कारावास ; प्रका० हिंदुओं का स्वातंत्र्यप्रेम, कृष्णायन (प्रबंध०) आदि ; प० धर्मपेठ एक्सटेंशन, नागपुर।

धन्यकुमार जैन—ज० २१ दिसंबर, १९००, उत्तरपाडा (हुगली) ; सा० बँगला के शरत और रवींद्र की अनेक पुस्तकों के अनु० ; भूत० संपा० 'परिवार-बंधु' एवं मा० 'विशाल भारत' (कलकत्ता) ; प्रका० रवींद्र साहित्य (अठारह भाग), उदय की ओर, थर्ड क्लास (कहा०), आँख की किरकिरी (उप०), उलझन (उप०), डाकघर (नाट०), चित्रांगदा (नाट०), मेघ और धूप (कहा०), दृष्टिदान (कहा०) ; प० पी०-१५, कलाकार स्ट्रीट, बड़ा बाजार, कलकत्ता—७।

धर्मवीर भारती, डा०—ज० २५ दिसंबर, '२६, इलाहाबाद, शि० एम० ए०, पी-एच० डी० इलाहाबाद वि० वि०, प्रका० गुनाहों का देवता (उप०), ४९, सूरज का सातवाँ घोड़ा (उप०) '५१, ठंढा लोहा (कवि०) '५२, नदी प्यासी थी (नाट०) '५४ आदि, अप्र० सात-आठ पुस्तकें एवं संग्रह ; प० संपादक-'धर्मयुग', बंबई।

नगेंद्रनाथ उपाध्याय—ज० ७ मई, '३२, जौनपुर ; शि० एम० ए० काशी वि०वि० ; प्रका० तांत्रिक बुद्धसाधना और साहित्य '५८ ; प० द्वारा प्रोफेसर पद्मनारायण आचार्य, २/२२२, भदैनी, वाराणसी।

नरेंद्रनाथ कौल—ज० ८ जुलाई, '१६, काँगड़ा ; प्रका० भारत और अंतर्राष्ट्रीय श्रमसंस्था '५६, संयुक्त राष्ट्र-परिवार '५७ ; वि० अँग्रेजी में भी कई पुस्तकें लिखी हैं ; प० मंत्री अंतर्राष्ट्रीय श्रम-कार्यालय, भारत शाखा, मंडी हाउस, नई दिल्ली।

नरेश वेदी—ज० १६ जून, '३१, धार ; प्रका० प्रकाश की बातें '५५, ध्वनि की लहरें '५६, नेहरू जी का विद्यार्थी जीवन '५७, राजेंद्र बाबू का बचपन '५७, गर्मी की कहानी '५८ आदि; अप्र० दो-तीन संग्रह ; प० सस्ता साहित्य मंडल, कनाट सर्कस, नई दिल्ली—१।

निर्मला शेरजंग, श्रीमती—ज० ८ मार्च, '१४, लाहौर ; शि० एम० ए०, बी० टी०, एल-एल० बी०, सा० प्राध्यापिका : इंद्रप्रस्थ (महिला)

कालेज ; प्रका० मनोविज्ञान, बाल-विकास और उसकी समस्याएँ ; अप्र० तीन-चार पुस्तकें ; प० खैबर पास, दिल्ली—८ ।

नेमिचंद्र जैन, 'भावुक'—ज० '२८, जोधपुर ; शि० इंटर, सा०रत्न ; सा० संपा० मा० 'झरना' जोधपुर, परामर्शदाता त्रैमा० 'ज्योति'; 'नवभारत', 'प्रजा', 'आवाज' आदि के प्रतिनिधि ; प्रका० संक्षिप्त काव्यप्रकाश '५२, परीक्षा '५४, दिनकर की काव्य-साधना (आलो०) '५४ आदि ; अप्र० चार-पाँच पुस्तकें एवं संग्रह ; प० मिरची-बाजार, जोधपुर ।

पतराम गौड़—ज० १४ दिसंबर, '१३, पिलानी ; शि० एम० ए०, सा०रत्न, जयपुर ; सा० राज० वि०वि० उदयपुर के सद०, अन्वेषक बंगाल हिंदी-मंडल कलकत्ता, स्थानीय हिंदी सहायक समिति, पुस्तकालय, नगरपालिका आदि के कार्यकर्त्ता ; प्रका० रेगिस्तान (कवि०) '४३, चौबोली, वीरसतमई (संपा०) आदि ; वि० 'चौबोली' का गुजराती में भी अनुवाद छपा है ; प० प्रोफेसर, बिडला कालेज, पिलानी (राज०) ।

पन्नालाल बल्दुआ—ज० अप्रैल, '१६, मरदानपुर, होशंगाबाद ; शि० बी० काम० कानपुर, एम० ए० अर्थशास्त्र, आगरा वि०वि० ; सा० भूत० प्राध्यापक गोविंदराम सेक्सरिया वाणिज्य महाविद्यालय, संचा० सेक्सरिया अर्थ-साहित्य प्रकाशन मंडल ; भूत० संपा० 'अर्थ-संदेश' ; प्रका० पुस्तपालन तथा लेखा कर्म (दो भाग) '४८, वाणिज्य शब्दकोश '४८, अर्थशास्त्र शब्दकोश '४९, सांख्यिकी शब्दकोश '४९, अर्थशास्त्र '५७ आदि ; अप्र० तीन-चार पुस्तकें ; प० प्रधानाचार्य, गोविंदराम सेक्सरिया कालेज आफ कामर्स ऐंड इकनामिक्स, जबलपुर ।

परिपूर्णानंद पैन्यूली—ज० २४ दिसंबर, '२४ ; प्रका० विद्यार्थी-परामर्श '४१, देशी राज्य और जन-आंदोलन '४८, भारत और ब्रिटिश राष्ट्रमंडल, '४९, नेपाल का पुनर्जागरण '५१, संसद और संसदीय प्रक्रिया '५२ आदि ; अप्र० तीन-चार पुस्तकें ; प० टेहरी, गढ़वाल ।

पारसनाथसिंह, 'उषावल्लभ', 'तारनपुरी'—ज० ८ अगस्त, '१६, तारनपुर, पटना ; प्रका० पत्रकार '५४ ; अप्र० सात-आठ पुस्तकें एवं संग्रह ; प० देवदत्त-कुटीर, ४/३७, लालघाट, वाराणसी ।

पार्थसारथि डबराल—ज० २५ फरवरी, '३६, गढ़वाल ; शि० एम० ए० देहरादून ; प्र० '५३ में ; प्रका० रेत की छाया (कवि०) '६२, विविधा (कवि०) '६३ ; प० १२५ ए०, एलनगंज, इलाहाबाद ।

पालेश्वर प्रसाद शर्मा—ज० १ मई, '२८, जाँजगीर ; शि० एम० ए०, बी० टी० ; प्रका० प्रबंध-पटल (निबंध) '५५ ; अप्र० दो संग्रह ; प० द्वारा श्री नेबनाथ शर्मा, जाँजगीर, बिलासपुर।

पी० एन० पुष्प—ज० १६ सितंबर, '१७, काश्मीर ; शि० एम० ए० पंजाब वि०वि० , सा० साहित्य-एकेडमी दिल्ली के सद० ; प्रका० काश्मीरी साहित्य,क्षेमेंद्र ; वि० अँगरेजी में भी कई पुस्तकें लिखी हैं ; प० अध्यक्ष हिंदी एवं संस्कृत विभाग, ए० एस० कालेज, श्रीनगर (काश्मीर)।

पुरुषोत्तमलाल श्रीवास्तव—ज० ७ अगस्त, १९०७, छबीलेपुर, जौनपुर , शि० एम० ए० काशी वि०वि० ; प्रका० साहित्य में अश्लीलता '४३, साम्यवाद और कबीर '४६, रामचरित-मानस का अध्ययन '४९, कबीर की भाषा '५०, कामायनी-दर्शन '५२, काश्मीरी भाषा और संस्कृत '५३ आदि ; अप्र० चार संग्रह ; प० के० ७/२१, लालेश्वर की गली, वाराणसी।

प्यारेलाल शर्मा—ज० १३ अप्रैल, '१३ महतपुर, जालंधर ; शि० एम० ए०, एम० ओ० एल०, शास्त्री ; सा० हिंदी एवं संस्कृत विभागाध्यक्ष दोआबा कालेज, जालंधर ; प्रका० हिंदी छंद-रचना '५४, आलोचना-प्रवेश (आलो०) '५७ ; संस्कृत सौरभम् (संक०) ; अप्र० तीन-चार पुस्तकें एवं संग्रह ; प० २१५ ए/१, किशनपुरा, जालंधर।

प्रभाकर मिश्र—ज० १७ जून, '२३, बरेली ; शि० एम० एस-सी० ; सा० संपा० मा० 'आयुर्वेद अनुसंधान पत्रिका', प्रका० विवेचनात्मक सूचि-वेध-पद्धति '५२, एक्सरे और विद्युत-विज्ञान '५३ आदि ; अप्र० आयुर्वेद-संबंधी तीन-चार पुस्तकें ; प० ए० बी० एम० रिसर्च इस्टीट्यूट, हापुड़।

प्रभुदयाल वाजपेयी, 'अभिराम'—ज० ८ अगस्त, १९०५, कानपुर, सा० मंत्री साहित्य परिषद् कानपुर, सभापति प्रतिभा-परिषद, भूत० प्रबंधक डिस्काउंट बैंक आफ इंडिया कानपुर, अभिराम पुस्तकमाला का प्रकाशन ; प्रका० मुक्त संगीत विजया, सत्याग्रह बिगुल आदि ; अप्र० अंबर (कवि०) ; प० ५६/१८, सतरंगी महल, कानपुर।

प्राणनाथ शर्मा—ज० ३ फरवरी, '११, कुरुक्षेत्र , प्रका० उर्दू दाँ के लिए हिंदी तीस दिन में '४८, कब मास्टर बने' ५५, शेर बच्चा आदि ; अप्र० चार-पाँच पुस्तकें एवं संग्रह ; प० सारस्वत-भवन, ६९, दिलकुशा, नया कटरा, इलाहाबाद—२।

प्राणनाथ सेठ—ज० १ दिसंबर, '२३, लाहौर ; शि० एम० ए० पंजाब वि०वि० ; सा० लाहौर के 'वीर भारत' और 'विश्वबंधु' तथा दिल्ली

के 'अमर भारत' आदि दैनिकों के संयुक्त संपा० ; प्रका० आलो० हमारी कहानियाँ '५५, हमारा भारत '५६, मानव और उसकी दुनिया (समाजशास्त्र) '५८ आदि ; अप्र० चार-पाँच पुस्तकें एवं संग्रह ; वि० अँग्रेजी में भी लिखते हैं ; प० १७/१३. शक्तिनगर, सब्जीमंडी, दिल्ली ।

प्रीतमसिंह चारिल—ज० २६ दिसंबर, '१०, बपियाना, पटियाला ; शि० बी० ए०, एल-एल० बी० पंजाब वि०वि० ; प्रका० जीवनकला (निबंध) '५६ ; अप्र० चार संग्रह ; प० बाबा जस्सासिंह डेरा के पास, पटियाला ।

प्रेमकृष्ण भटनागर—ज० ७ मार्च, '३०, पटना ; शि प्रभाकर ; प्रका० चंद्रिका '५६, सितारों की सैर '५६ आदि ; अप्र० दो-तीन पुस्तकें एवं संग्रह ; प० ७ पचकुईं रोड, नई दिल्ली ।

प्रेमनाथ चतुर्वेदी—ज० ५ मार्च, '१२, भरतपुर ; शि० बी० ए आगरा वि० वि० ; प्रका० डाक टिकट संग्रह-कला '५६ आदि ; अप्र० चार पुस्तकें एवं संग्रह ; प० ४९८६, हैदर कुली, फतेहपुरी, दिल्ली ।

फतहचंद शर्मा—ज० १ जनवरी, '२३, रतनगढ, बिजनौर ; शि० शास्त्री, सा०रत्न ; प्रका० जननायक, जयहिंद निबंधमाला, आज की राजनीति, रुद्र पद्मांक, श्रीदत्त-अभिनंदन-ग्रंथ (संपा०), मालवीय अभिनंदन-ग्रंथ (संपा०) ; प० २१२३, मुकीमपुरा, सब्जीमंडी, दिल्ली ।

बच्चूलाल त्रिपाठी—ज० १७ जनवरी, '२४ ; शि० साहित्यरत्न ; प्रका० विद्रोही की कन्या (कहा०) '५५ आदि ; अप्र० दो-तीन पुस्तकें एवं कहानी-संग्रह ; प० संडीला, हरदोई ।

बटेश्वर झा, 'सरोज'—ज० १९०६ ; शि० हाई ग्रेड ट्रेनिंग '२२ ; प्र० '२१ में; प्रका० एकादशी (कहा०) '३७; अप्र० सरोज-सौरभ (कवि०), श्याम-सखा (कवि०) आदि ; प० साहित्य-सरोवर, दुर्गापुर, कमरगावाँ, मुंगेर ।

बलदेव उपाध्याय—ज० १० अक्टूबर, १८९९, सोनबरसा, बलिया ; शि० एम० ए०, साहित्याचार्य काशी वि० वि० ; सा० संस्कृत के अनेक ग्रंथों के शुद्ध संस्करण निकाले ; प्रका० शंकराचार्य (जीव०) '४८, भागवत संप्रदाय (दर्शन) '५३, भारतीय साहित्यशास्त्र (आलो०) '५५, वैदिक साहित्य और संस्कृति '५५, बुद्ध-दर्शन '५५, भारतीय दर्शन '५७, आर्य संस्कृति के मूलाधार, बौद्ध-दर्शन-मीमांसा, शंकर-दिग्विजय, आचार्य सायण, संस्कृत-कविचर्चा, रसिक गोविंद और उनकी कविता, सूक्ति-मुक्तावली आदि ; वि० 'बौद्ध-दर्शन-मीमांसा' पर उ०प्र० सरकार से १२००) तथा २५००) का डालमिया पुरस्कार प्राप्त ; प० प्राध्यापक, हिंदू वि०वि० वाराणसी ।

बलवीरसिंह, 'रंग'—ज० '०९, कटिला ; प्रका० कवि० प्रवेशगीत, साँझ-सकारे, संगम आदि ; प० कटिला-नागला, कासगंज, एटा ।

बालमुकुंद अर्श—ज० २० सितंबर, १९०८, मलसियाँ, जालंधर ; शि० बी० ए० पंजाब वि०वि० ; प्रका० मुहावरे और कहावतें '५६ ; अप्र० दो संग्रह ; वि० उर्दू में भी कई पुस्तकें लिखी हैं ; प० संपादक, प्रकाशन विभाग, पुराना सचिवालय, दिल्ली—८ ।

बुद्धिनाथ झा—ज० १८९६, मानोर, संतालपरगना ; प्रका० पश्चात्ताप (उप०) '२७, खादी लहरी (कवि०) '२८, लवनलीला (नाट०) '३१, अछूत '३४, उत्सर्ग '४१, साहित्य-साधना की पृष्ठभूमि (आलो०) '५३ ; प० कांग्रेस कार्यालय, गोड्डा, संतालपरगना ।

बूलचंद, डा०—ज० १ जून, १९०८, सधौरा, अंबाला ; शि० एम०ए० पी-एच०डी०, आई० ए० एस०, पंजाब एवं लंदन वि०वि० ; सा० व्यवस्थापक : बंबई प्रांतीय राष्ट्रभाषा प्रचार सभा, म्युनिसिपल स्कूल के हिंदी परीक्षा बोर्ड के अध्यक्ष, भारतीय विद्या-भवन के आचार्य, पेरिस में 'यूनेस्को' के प्रशिक्षण विभाग के अध्यक्ष '४९-'५० ; प्रका० सामाजिक पाषाण (अनु०) '५६ आदि ; अप्र० तीन-चार संग्रह , प० नव गुजरात, अँधेरी, बंबई ।

बैजनाथ सिंह, विनोद—ज० '१०, बासनी, वाराणसी ; प्रका० महावीर, गौतम बुद्ध, सम्राट अशोक, धारा, हिंदुस्तान की ओर, द्विवेदी-पत्रावली '५४ आदि ; प० डी ५०।१६०, काजीपुरा कलाँ, वाराणसी ।

बैजनाथ सोबती—ज० ८ जनवरी, '१५, आजमगढ़ ; शि० बी० एस-सी० ; प्रका० सरल वितन्तु, ज्ञान या नभवाणी '५५ ; अप्र० दो-तीन संग्रह; प० ४९ ए, कृष्णनगर, नई दिल्ली—१६ ।

भगवतशरण उपाध्याय, डा०—ज० '१०, उजियार, बलिया ; शि० एम०ए०, पी-एच० डी० ; प्रका० सबेरा '३९, संघर्ष '४०, गर्जना '४०, प्राचीन भारत का इतिहास '४९, विश्वसाहित्य की रूपरेखा '५७ आदि; अप्र० तीन-चार पुस्तकें एवं संग्रह ; वि० अँग्रेजी में भी कई पुस्तकें लिखी हैं ; प० संपादक, 'हिंदी विश्वकोश', नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी—१ ।

भगवतीचरण वर्मा—ज० ३० अगस्त, १९०३, शफीपुर, उन्नाव ; शि० बी० ए०, एल-एल० बी० इलाहाबाद वि० वि०, कुछ दिन फिल्म में काम किया एवं एक पत्र के संपा० रहे ; प्र० '२५ में ; प्रका० मधुकण (कवि०) '३१, चित्रलेखा (उप०) '३४, राख और चिनगारी (कहा०) '५३, रुपया तुम्हें खा गया (नाट०) '५५, त्रिपथगा '५६, अपने खिलौने '५७, प्रेम-

संगीत (कवि०), मानव (कवि०), पतन (उप०), तीन वर्ष (उप०), टेढ़े-मेढ़े रास्ते (उप०); दो बाँके (कहा०), हमारी उलझन (कहा०), इंस्टालमेंट (कहा०); वि० 'चित्रलेखा' उप० का कई भारतीय भाषाओं एवं अँग्रेजी में अनुवाद हो चुका है तथा फिल्म भी बना है, उ० प्र० तथा भारत सरकार से कई बार पुरस्कृत; प० महानगर, लखनऊ।

भगवतीप्रसाद वाजपेयी - ज० १५ अक्टूबर, १८९९, मंगलपुर; सा० अ० भार० हिंदी सा० सम्मे० के अध्यक्ष '४१; प्रका० दो बहनें '४४, चलते-चलते '५१, पतवार '५२, भूदान '५४, विश्वास-बल '५५, सूनी राह '५६ आदि अनेक ग्रन्थ; अप्र० सात-आठ संग्रह; वि० अनेक बार पुरस्कृत एवं सम्मानित; प० मंगलपुर, कानपुर।

भोलानाथ तिवारी, डा०—ज० ४ नवंबर, '२३; शि० एम० ए०, डी० फिल० इलाहाबाद वि० वि०; प्रका० भाषा-विज्ञान '५१, शब्दों का जीवन '५३, तुलसी शब्दसागर '५४, हिंदी मुहावरा कोश '५४, हिंदी नीति-काव्य '५८ कवि प्रसाद '५८ आदि; अप्र० सात-आठ पुस्तकें एवं लेख-संग्रह; प० अरिपुर, नोहनारा, गाजीपुर।

मधुकर केशव शेटे—ज० ८ फरवरी, '१२, शि० एम ए० नागपुर वि०वि०, प्रका० आर्थिक नियोजन '५२, बैंकिंग के सिद्धांत तथा भारतीय बैंक व्यवस्था '५३ आदि, अप्र० वाणिज्य-विषयक तीन-चार पुस्तकें एवं लेख-संग्रह; प० सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, वि०वि०, सागर।

मनमोहिनीकांत सिन्हा—ज० २ जनवरी, '२८, मोकार; शि० बी० ए०; प्रका० कविता '५६, मंथन (कवि०) '५७, कुँवरसिंह (नाट०) '५८ आदि; अप्र० चार पुस्तकें एवं संग्रह; प० मोकार, सासाराम, आरा।

मस्तराम कपूर—ज० ४ अगस्त, '२७, सकारी, काँगड़ा; शि० बी०ए०; प्रका० किशोर जीवन की कहानियाँ (दो भाग) '५६, स्पर्द्धा (नाट०) आदि; अप्र० चार पुस्तकें एवं संग्रह, प० ४१० ए, महताब बिल्डिंग, कुर्ला, बंबई।

महादेवी वर्मा- ज० १९०७, फर्रुखाबाद; शि० एम० ए०, अनेक कवि-सम्मे० की सभानेत्री, भूत० संपा० मा० 'चाँद' इलाहाबाद, प्र० २५ में, प्रका० नीहार (कवि०) '३०, रश्मि (कवि०) '३२, नीरजा (कवि०) '३४, अतीत के चलचित्र '४१, स्मृति के रेखाएँ '४३, शृंखला की कड़ियाँ (निबंध०) '५०, दीपशिखा, सांध्यगीत, 'महादेवी का आलोचनात्मक गद्य' (लेख०) आदि, अप्र० अनेक विचारशील और स्त्री समाज-संबंधी निबंधों और कविताओं के तीन चार संग्रह वि० कुशल चित्रकर्त्री भी हैं, नीरजा

पर ५००) पुरस्कार प्राप्त, आपके ग्रन्थों के सचित्र संस्करण बड़ी सजधज से प्रकाशित हुए हैं, जिनमे आपके हस्तलेख मे सारी रचनाएँ छपी हैं ; प० प्रधानाचार्या, प्रयाग महिला विद्यापीठ, प्रयाग।

महावीर अधिकारी—ज० १ जनवरी, '१८, पैगंबरपुर, बिजनौर, शि० बी ए०; प्रका० जीवन के मोड (कहा) '५१, प्राचीन भारत का चित्रमय इतिहास '५१, सिद्धार्थ (अनु०) '५६, गुलाब के दो फूल (अनु०) '५७ आदि ; अन० तीन-चार पुस्तकें एवं संग्रह , प० पैगंबरपुर, राहेर, बिजनौर।

महेंद्र—ज० १० जनवरी, १९००, आगरा ; सा० संस्था० साहित्य-विद्यालय आगरा एव कई पुस्तकालय, ग्रामसुधार-संबधी शिविर-योजना में सक्रिय भाग ; भूत० संपा० 'जैसवाल जैन' '१८-'२४, 'वीर-संदेश' '२७-'२८, 'सैनिक' '२९-'३२, दै० 'हिंदुस्तान समाचार' '३०, 'सत्याग्रह-समाचार', 'सिंहनाद' '३०-'३२, दै० 'आगरा-पंच' '३४-४०, मा० 'साहित्य संदेश' '३७ से ; प्रका० कुँवर गणेशसिंह (जीव०), साहित्य-प्रसून (संपा०), साहित्य सोपान (सपा , ४ भाग)आदि, प० 'साहित्य-संदेश'-कार्यालय, आगरा।

माखनलाल चतुर्वेदी, डा०, 'पद्मभूषण'—ज० ४ अप्रैल, १८८९, बाबई (होशंगाबाद) ; सा० भूत० संपा० 'प्रताप' एवं 'प्रभा' ; वर्त० सपा० साप्ता० 'कर्मवीर' खँडवा, हिंदी सा० सम्मे० के हरिद्वार अधिवेशन के सभा० '४६ , प्रका० कृष्णार्जुन युद्ध (नाट०) '१८, हिमकिरीटनी (कवि०) '४१, साहित्य० देवता (गद्यकाव्य) '४३, हिमतरगिणी (कवि०) '४८, हरसिंगार (कहा०) '४९, माता (कवि०) '५१, वनवासी आदि; वि० आपकी कविताएँ 'एक भारतीय आत्मा' के नाम से भी प्रकाशित हैं ; 'हरसिंगार' साहित्य एकेडमी दिल्ली द्वारा पुरस्कृत ; 'डी० लिट०' उपाधि से सम्मानित, २६ जनवरी, '६३ को भारत सरकार द्वारा 'पद्मभूषण' उपाधि प्राप्त ; प० कर्मवीर प्रेस, खँडवा।

मुंशीलाल पटेरिया—ज० १ सितंबर, '१३, झाँसी ; शि० एम० ए० सा० रत्न ; प्रका० पन्ना धाई (कवि०) '४०, कवि-काव्य-परिचय तथा शैलियाँ (आलो०) '५४ ; प० ६७, पुरानी कोतवाली, झाँसी।

मुकुंद केशव पांधे—ज० २० जून, १९०९, रायपुर ; शि० बी० ए० ; प्रका० रिहाई '५२, समाजशत्रु '५५, ग्रामसेवक '५५, विश्वबंधु '५५, शराबी '५५, दुर्दशा '५५ ; प० बुधपारा, रायपुर।

मुकुंदस्वरूप वर्मा—ज० १८९७, सिकंदराबाद ; शि० बी० एस-सी०, एम० बी० बी० एस० ; प्रका० मानव शरीर रहस्य '१८, स्वास्थ्य विज्ञान

'३४, शरीर-रचना-विधान '३८, स्वास्थ्य-प्रदीपिका '४०, शरीर-प्रदीपिका '५८, शल्य-प्रदीपिका '५८ ; प० प्राध्यापक, काशी वि०वि०, वाराणसी ।

मैथिलीशरण गुप्त, डा०—ज० ३ अगस्त, १८८६, चिरगाँव, झाँसी, सा० सद० : पार्लियामेंट एवं सा० एकेडमी दिल्ली ; प्र० १९०५ में, प्रका० मौलिक काव्य : रंग में भंग '१९०९, जयद्रथ-वध '१०, पद्य-प्रबंध '१२, भारत-भारती '१२, शकुंतला '१४, तिलोत्तमा '१५, चंद्रहास '१६, वैतालिक '१६, किसान '१६, अनघ (गीतनाट्य) '२५, पंचवटी '२५, स्वदेश-संगीत '२५, हिंदू '२७, शक्ति '२७, सैरंध्री '२७, वन-वैभव '२७, वक-संहार '२७, विकट भट '२८, गुरुकुल '२८, झंकार '२९, साकेत '३२, यशोधरा '३२, द्वापर '३६, सिद्धराज '३६, मंगल-घट '३७, नहुष '४०, कुणाल-गीत '४२, अर्जन और विसर्जन '४२, काबा और कर्बला '४२, विश्व-वेदना '४२, अजित '४६, प्रदक्षिणा '५०, पृथ्वीपुत्र '५०, हिडिंबा '५०, अंजलि और अर्घ्य '५०, जयभारत '५२, राजा-प्रजा '५६, विष्णुप्रिया '५७ आदि ; अनु० काव्य : ब्रजांगना, वीरांगना, पलासी का युद्ध एवं मेघनाद-वध बँगला से, स्वप्नवासवदत्ता '२९ संस्कृत से तथा रुबाइयात उमर खय्याम फारसी से; वि० 'साकेत' महाकाव्य पर 'मंगलाप्रसाद पुरस्कार' प्राप्त ; डी० लिट० की उपाधि सम्मानार्थ प्राप्त ; प० साहित्य-सदन, चिरगाँव, झाँसी ।

मोतीचंद्र, डा०—ज० २६ अगस्त, १९०९, वाराणसी ; शि० एम० ए० पी-एच० डी०, काशी एवं लंदन वि०वि० ; सा० निदेशक 'प्रिंस आफ वेल्स म्युजियम आफ वेस्टर्न इंडिया' ; प्रका० प्राचीन भारतीय वेश-भूषा '४९, सारथावह '५४ आदि; वि० अँगरेजी में भी कई पुस्तकें लिखी हैं ; प० ५१७, कालेज रोड, मटुंगा, बंबई ।

मोतीलाल मेनारिया, डा०—ज० १ जुलाई, १९०५, उदयपुर ; शि० बी० ए० '२९, एम० ए० '३१, पी-एच० डी० ; सा० स्थानीय विद्यापीठ की समस्त प्रवृत्तियों में सक्रिय सहयोग ; प्रका० मेवाड़ की विभूतियाँ (जीव०) '३५, राजस्थानी साहित्य की रूपरेखा '३९, राजस्थान में हिंदी के हस्तलिखित ग्रंथों की खोज '४२, राजस्थानी भाषा और साहित्य '४८, राजस्थान का पिंगल साहित्य '५२ आदि; अप्र० तीन-चार पुस्तकें ; वि० अँगरेजी में भी लिखते हैं, प० गनगोर घाट, उदयपुर ।

मोहनलाल गुप्त—ज० १ जुलाई, १४, वाराणसी; शि० एम० ए० प्रयाग वि० वि० ; प्रका० दो काली-काली आँखें '४३, मखमली जूती '५४, राम-झरोखा '५५, बनारसी रईस '५६ अनदेखे चित्र अनदेखे चेहरे '५७,

चिरकुमारी सभा '५८ आदि ; अप्र० सात-आठ पुस्तकें एवं संग्रह ; प० साहित्य-संपादक, दैनिक 'आज', वाराणसी।

मोहनलाल महतो, 'वियोगी'—ज० १९०२, गया ; प्रका० निर्माल्य, एकतारा, कल्पना (कवि०), आर्यावर्त (महा०), वंदनवार (गद्यकाव्य), अतीत के चित्र, जातक कालीन भारतीय संस्कृति, आरती के दीप, शेषदान, आदमखोर, धोखा (नाट०), तथास्तु (नाट०), उस पार (आत्मकथा) आदि लगभग ४५ पुस्तक ; वि० प्रसिद्ध कवि, व्यंग्य-चित्रकार तथा समीक्षक ; प० गार्डिनर रोड, फ्लैट नं० १५, पटना।

यज्ञदत्त शर्मा—ज० जनवरी, '१६, फरीदनगर, मेरठ ; शि० एम० ए० ; प्रका० उप० : दो पहलू '३८, झुलिया की शादी '५४, दीवान रामदयाल '५६, भारत-सेवक '५७ आदि एक अकेला प्यार (कवि०), हिंदी गद्य का विकास '५७ ; प० भारत-सेवक-समाज-कार्यालय, नई दिल्ली।

यशपाल—ज० ३ दिसंबर, १९०३ ; शि० बी० ए० प्रभाकर, काँगड़ी एवं लाहौर, सा० स्वतंत्रता-आंदोलन में सक्रिय भाग, कई बार कारावास, राजनीतिक साप्ता० पत्र 'विप्लव' के भूत० संपा०, सद० सा० एकेडमी दिल्ली ; प्रका० पिंजडे की उड़ान '३९, न्याय का संघर्ष '४०, गांधीवाद की शव-परीक्षा '५१, दिव्या (उप०) '५५, सिंहावलोकन (३ भाग) '५१, '५२, '५३, नशे-नशे की बात (नाट०) '५२, झूठा-सच (उप०) '५८, मार्क्सवाद, दादा कामरेड, वो दुनियाँ, चक्कर क्लब, ज्ञानदान, देशद्रोही, तर्क का तूफान, पार्टी कामरेड, मनुष्य का मूल्य, अभिशप्त, भस्मावृत्त चिनगारी, फूलों का कुर्ता, धर्मयुद्ध, पक्का कदम, बात बात में बात आदि अनेक पुस्तकें ; अप्र० राष्ट्रीय, राजनीतिक, साहित्यिक तथा सामाजिक लेखों एवं कहानियों के कई संग्रह ; प० २१ शिवा जी मार्ग, लखनऊ।

यशपाल—ज० १७ जून, '१९ ; शि० बी०ए० पंजाब वि०वि० ; प्रका० कारावास '४१, आग '४५, मैं पूछता हूँ '४८, व्यास के पुल पर (एकां०) '५८ आदि ; अप्र० चार-पाँच पुस्तकें एवं संग्रह ; प० दैनिक 'मिलाप' -कार्यालय, मिलाप रोड, जालंधर।

यादवचंद्र जैन—ज० ९ अगस्त, '२०, कानपुर, शि० एम० ए०, सा०रत्न ; प्रका० पाथर-पानी (उप०) '५५, मल्ल-मल्लिका '५६, उत्तर पथ '५७, आदि सम्राट '५८, नाना (उप०) आदि लगभग बीस पुस्तकें ; अप्र० दो-तीन संग्रह ; प० ४९।१०, जनरलगंज, कानपुर।

युगजीत नवलपुरी—ज० २२ नवंबर, '२२, नवलपुर (मुजफ्फरपुर), शि० बी० ए० ; प्रका० अंतहीन कहानी (अनु०, दो भाग) '५३, नख से शिख तक '५४, चार्ल्स डारविन (जीव०) '५७, अमृत संतान (उप०) '५१, राष्ट्र-भाषा (संपा०) ५१; अप्र० तीन-चार संग्रह; प० दिलशाद, शाहदरा, दिल्ली ।

रघुनाथ शंभुराव केलकर—ज० १४ अगस्त, '२३, बरेली ; शि० एम० ए० नागपुर वि० वि० ; सा० साहित्य एकेडमी दिल्ली के सहायकमंत्री ; प्रका० अनु० अपूर्व बंगाल, कला के लिए, भूमिकन्या सीता, सारस्वत, और भगवान देखता रहा, कोरी करामात (अनु० नाट०) आदि, अप्र० चार-पाँच पुस्तके एवं संग्रह ; प० लेक स्क्वायर, नई दिल्ली—१ ।

रजनी पन्निकर, 'श्रीमती'—ज० ११ सितंबर, '२४, लाहौर शि० एम० ए० ; प्रका० उप० : पानी की दीवार '५४, मोम का मोती '५४, प्यासे बादल, काली बदली '५८, जाड़े की धूप '५८ ; कहा० सिगरेट के टुकड़े '५६ आदि ; अप्र० सात-आठ पुस्तकें एवं संग्रह ; वि० कई बार पुरस्कृत ; प० आकाशवाणी, नई दिल्ली ।

रत्नमई देवी दीक्षित, श्रीमती—ज० २५ नवंबर, १९०९, पन्नलर (केरल) ; शि० एम० ए०, राष्ट्रभाषाकोविद मद्रास वि०वि० ; सा० संस्कृत-प्राध्यापिका एम० बी० गर्ल्स हा० से० स्कूल ; प्रका० कल्याणमल्ल (उप०) '५६, केरली साहित्य-दर्शन (इति०) '५७, केरलसिंह (अनु०उप०) '५६ ; मलयालम में भी लिखती हैं ; प० १० जोन स्क्वायर, गोल मारकेट, नई दिल्ली ।

रमाकांत, 'कांत'—ज० ९ अक्टूबर, '२७ ; शि० प्रभाकर, सा० रत्न ; प्रका० दर्द जो छिप न सका (कवि०), जानवर (अनु०, संपा०), '५५ की श्रेष्ठ कविताएँ '५५, तुरुपचाल, ढाक के तीन पात (कहा०), अप्र० चार संग्रह ; प० यंग पब्लिशिंग हाउस, ९२७६, मुल्तानी टाँडा, नई दिल्ली—१ ।

रमाशंकर त्रिपाठी, डा०—ज० १९०४, रायबरेली ; शि० बी० ए० आनर्स (प्रथम), एम० ए० लखनऊ वि० वि०, पी-एच० डी० लंदन वि०वि० ; प्रका० प्राचीन भारत का इतिहास . वि० अँगरेजी में भी कई पुस्तकें लिखी हैं; प० प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, इतिहास विभाग, हिन्दू वि०वि , वाराणसी ।

रमेशचंद्र रस्तोगी—ज० २० अगस्त, '२१, सिरसी, मुरादाबाद ; प्रका० राजा चुन चुन चंग '४५, मित्रों की खोज, नटखट पूसी '४६, नटखट बंदर '४६, मित्रों का घर '५२, चालाक भैंस '५२ आदि दस-बारह पुस्तकें ; अप्र० तीन-चार पुस्तकें एवं संग्रह , प० २४।२४, बालमंदिर, शक्तिनगर, सब्जी मंडी, दिल्ली ।

रमेश वर्मा—ज० १ मई, '३०, बाँदा ; शि० एम० ए०, बी० एस-सी० ; प्रका० सिसकती रात (उप०) '५३, इतिहास के आँचल से (एकां०) '५६, संसार का अंत कैसे होगा (लेख) '५८, जयजयंती (उप०) '५८, मन के बंधन (अनु०) '५६, समुद्र की कहानी '५८ आदि बारह तेरह पुस्तकें ; अप्र० तीन चार पुस्तकें एवं संग्रह ; प० बनवारा, सरकी, फतेहपुर।

रमेश शंकर चौधरी—ज० ०६ जुलाई, '२८, चँदौसी ; शि० एम०ए० एल-एल० बी० ; प्रका० एक बूँद आँसू (उप०) '५६ ; अप्र० दो-तीन संग्रह ; प० आनंद भवन, सुभाष रोड, चँदौसी।

राजनाथ शर्मा—ज० ८ फरवरी, २२, मैनपुरी ; शि० एम० ए० ; प्रका० साहित्यिक निबंध, हिंदी साहित्य के प्रमुख वाद, हिंदी साहित्य का सरल इतिहास, सूर-संचयन (आलो०), गोरकी की सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ (अनु०, दो भाग), चेखव की सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ (अनु०, दो भाग), पिता-पुत्र आदि दस-बारह पुस्तकें ; अप्र० सात-आठ पुस्तकें एवं संग्रह; प० द्वारा विनोद पुस्तक मंदिर, हास्पिटल रोड, आगरा।

राजेंद्र नारायण द्विवेदी—ज० ११ जुलाई, '२६, चकवा, इटावा ; शि० एम० ए०, सा० रत्न, प्रभाकर, विशारद ; प्रका० साहित्य शास्त्र का पारिभाषिक शब्दकोश '५५, शेक्सपियर की चतुर्दशपदियाँ (कवि०) '५८ आदि ; अप्र० तीन-चार संग्रह ; प० हवेली, चकवा बुजुर्ग, इटावा।

राजेंद्रनारायण शर्मा—ज० ११ मार्च, '१२ ; प्रका० प्रतिपदा (कवि०) '४३, युगदेवता '४८, सपूर्णानंद अभिनंदन-ग्रंथ (संपा०) ; अप्र० तीन-चार पुस्तकें एवं संग्रह ; प० सी ४/२३१, सराय गोवर्द्धन, वाराणसी।

राजेंद्रलाल हाँडा—ज० १५ फरवरी, '१२, शहजादपुर ; शि० एम० ए० प्रयाग वि०वि० ; प्रका० दिल्ली में दस वर्ष '५१, स्टूडेबेकर '५२ ; वर्त० भारतीय राष्ट्रपति के 'प्रेस-अटैची'; प० राष्ट्रपति-भवन, नई दिल्ली।

रामकुमार वर्मा, डा०, '*पद्मभूषण*'—ज० १५ नवंबर, १९०५, सागर; शि० एम० ए० प्रयाग वि०वि०, पी-एच० डी० नागपुर वि०वि० ; सा० भूत० संपा० पाक्षि० 'प्रकाश' ; प्रका० कवि० : अंजलि '३०, चित्रलेखा '३५, रूपराशि, चंद्रकिरण, वीर हम्मीर, चित्तौड़ की चिता, अभिशाप, निशीथ, एकलव्य (महा०) आदि ; गीत० हिमहास ; नाट० : पृथ्वीराज की आँखें, रेशमी टाई, शिवाजी, रजत-रश्मि (एकां०) '५०, दीपदान '५४ आदि ; आलो० हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास (शोधग्रंथ) '३८, साहित्य-समालोचना, कबीर का रहस्यवाद आदि ; संपा० हिंदी-गीतिकाव्य, कबीर-

पदावली, जौहर, आधुनिक हिंदी काव्य (डा० धीरेंद्रवर्मा के साथ), वि० 'चित्ररेखा' पर २०००) का देवपुरस्कार और 'चंद्रकिरण' पर ५००) का 'चक्रधर पुरस्कार' मिला ; २६ जनवरी '६२ को भारत सरकार द्वारा 'पद्मभूषण' उपाधि प्राप्त, रूस की यात्रा कर चुके हैं, अनेक बार पुरस्कृत, प० हिंदी विभागाध्यक्ष, वि वि, इलाहाबाद।

रामचद्र वर्मा, 'पद्मभूषण'—ज० ८ जनवरी, १८९०, वाराणसी, सा० १९०७ मे 'हिंदी-केसरी' के संपादक रहे ; तत्पश्चात् 'बिहार बंधु', 'नागरी-प्रचारिणी-पत्रिका' और दै तथा साप्ता० 'भारत-जीवन' के संपा० रहे ; भूतपूर्व सहायक संपादक 'हिंदी-शब्द-सागर', प्रका० काली नागिन, बरनियर की भारतयात्रा, झाँसी की रानी, महादेव गोविद रानाडे, आत्मोद्धार, सफलता और उसकी साधना के उपाय, बाल-शिक्षा, उपवास-चिकित्सा, वैधव्य कठोर दंड या शांति, भारत की देवियाँ, महात्मा गाँधी, गोपालकृष्ण गोखले, हम स्वराज्य क्यों चाहते हैं, आयर्लैण्ड का इतिहास, सुभाषित और विनोद, साम्यवाद, भूकंप '३१, राजा और प्रजा, मेवाड-पतन, सिंहलविजय, सूर्यग्रहण, करुणा, वर्तमान एशिया, जातक-कथामाला, वैज्ञानिक साम्यवाद, कर्तव्य, हिंदू राजतंत्र, प्राचीन मुद्रा, रवीद्र-कथाकुंज, भारत के स्त्रीरत्न, छत्रसाल, अकबरी-दरबार, भारतीय स्त्रियाँ, समृद्धि और शांति, सामर्थ्य, मधु-चिकित्सा, विधाता का विधान, मानव-जीवन, गोरों का प्रभुत्व, अमृतपान, अरब और भारत के संबंध, निबंधरत्नावली, असहयोग का इतिहास, संजीवनी विद्या, रूपक-रत्नावली, शिक्षा और देशी भाषाएँ, हिंदी दास-बोध, पुरानी दुनियाँ, मितव्यय, काश्मीर-दर्शन, लंका के मोती, आँखो देखा महायुद्ध, कविताकुंज, मँगनी के मियाँ, मानसरोवर और कैलाश, उर्दू-हिंदी-कोश '३६, हिंदी-कोश-रचना, ज्ञानेश्वरी, अंधकारयुगीन भारत, रमा, ग्रामीण-समाज, हिंदी-प्रयोग, अच्छी हिंदी, प्रामाणिक हिंदी कोश '५० आदि लगभग सौ पुस्तके ; वि भारत सरकार द्वारा 'पद्मभूषण' उपाधि प्राप्त ; प० २०, धर्मकूप, वाराणसी।

रामचंद्र श्रीवास्तव—ज०१९०४, धोलापुर, आगरा ; शि० एम० ए० एल-एल० बी, सा०रत्न, साहित्यभूषण ; प्रका० यादगार '४०, पाँच धागे '४३, रचना-रहस्य '४४, काव्य की परिभाषा '५१, कबीर-साखी-सुधा (आलो०) '५४ आदि आठ-दस पुस्तके ; अप्र० सात-आठ पुस्तकें एवं आलो० लेख-संग्रह ; प० हिंदी विभागाध्यक्ष, होल्कर कालेज, इंदौर।

रामजी लाल सर्वोटिया—ज० २० फरवरी, '१९; मथुरा ; शि० शास्त्री, सा०रत्न, एम० ए०, एल० टी०, एल-एल० बी० आगरा वि० वि० ; प्रका० हिंदी साहित्य का इतिहास '४१, गुरु के पत्र '४७, उपमन्यु के पत्र '४८, हिंदी काव्य में सूफी विचारधारा '५४, हिंदी साहित्य और विभिन्न वाद '५६ आदि बीस से अधिक पुस्तकें ; अप्र० चार-पाँच पुस्तकें एवं लेख-संग्रह ; प० शिक्षा विकास-विभाग, इलाहाबाद ।

रामज्ञान द्विवेदी—ज० २१ नवंबर, १९०२, आमिला, फैजाबाद ; शि० एम० ए० काशी हिंदू वि०वि० ; प्रका० सौरभ (कवि०) '२५, अवधी कोश '५५ आदि लगभग बीस पुस्तकें ; अप्र० तीन-चार संग्रह ; वि० अँगरेजी में भी कई पुस्तकें लिखी हैं ; प० प्रधानाचार्य, मारवाड़ी कालेज, कानपुर ।

रामदुलारे त्रिवेदी—सा० संपा० - संचा० साप्ता० 'टंकार' कानपुर ; प्र० '२२ में ; प्रका० सरदार भगतसिंह, चंद्रशेखर आजाद, काकोरी के दिल जले ; अप्र० आजादी के परवाने आदि दो-तीन पुस्तकें एवं संग्रह; प० द्वारा कृष्णकुमार मिश्र, १२।१०, ग्वाल टोली, कानपुर ।

रामधारीसिंह, 'दिनकर'—ज० १९०८, सिमरिया, मुंगेर ; शि० बी० ए० (आनर्स) पटना वि०वि०, सा० स्वतंत्रता-संग्राम में सक्रिय भाग लिया, बिहार प्रांतीय कवि-सम्मेलन के अध्यक्ष रहे, अब लोकसभा के सद० हैं ; प्रका० रेणुका, हुंकार, रसवंती, द्वंद्वगीत, सामधेनी, कलिंग-विजय, इतिहास के आँसू, प्रणभंग, कुरुक्षेत्र, रश्मिरथी, बारडोली-विजय, भारतीय संस्कृति के चार अध्याय, धूप-छाँह (बालो०), मिर्च का मजा (बालो०) आदि लगभग बीस पुस्तकें ; प० आर्यकुमार रोड, पटना—४ ।

रामप्रसाद त्रिपाठी, डा०—शि० एम० ए०, पी-एच० डी० ; सा० भूत० प्रधानमंत्री हि० सा- सम्मेलन, प्रयाग , भूत० संयोजक हिंदी कमेटी उ० प्र० बोर्ड, प्रयाग; भूत० प्राध्यापक प्रयाग वि वि०, भूत० उपकुलपति सागर वि०वि०, भूत० सभापति उ०प्र० शासकीय हिंदी-समिति ; प्रका० संक्षिप्त सूरसागर तथा कई पाठग्रंथ; वि० अँगरेजी में भी ग्रंथ लिखे हैं, इतिहास के प्रतिष्ठित विद्वान, आजकल इँगलैंड में हैं ; प० मालरोड, लखनऊ ।

रामनरेश वर्मा - ज० ९ जुलाई, '२९, बलरामपुर, गोंडा ; शि० एम० ए०, साहित्यशास्त्री काशी वि०वि० ; प्रका० वक्रोक्ति और अभिव्यंजना (शोधग्रंथ) '५१ ; अप्र० चार-पाँच पुस्तकें एवं आलो० लेख-संग्रह ; प० हिंदी प्राध्यापक, सेंट्रल हिंदू कालेज, वाराणसी ।

रामपालसिंह—ज० १५ जुलाई, '२६, रोशनखेरा (बिहार); शि० बी० ए०; प्रका० अन० पुराना नौकर (उप०) '५६, रेखा० (उप०) '५७; प० हिंदी संपादकीय विभाग, दै० 'नवभारतटाइम्स', १०, दरियागंज, दिल्ली

रामबहादुरसिंह—ज० १२ सितंबर, '१४, शि० एच० एम० डी० एस०, प्रका० पारिवारिक चिकित्सा, शरीर-रचना, सर्जरी चिकित्सा, स्त्रीरोग चिकित्सा, बालरोग चिकित्सा आदि लगभग पंद्रह पुस्तकें; प० प्राचार्य, साथी होम्यो मेडिकल कालेज ऐंड हास्पिटल, लहरियासराय, दरभंगा।

रामभूर्ति लुंबा—ज० ११ अगस्त, '१३, उज्जैन; शि० एम० ए०, एल-एल० बी० लखनऊ वि०वि०; प्रका० शिक्षा मनोविज्ञान-परिचय आदि कई पुस्तकें; अप्र० मनोविज्ञान-संबंधी शोधपूर्ण मौलिक निबंधों के दो-तीन संग्रह; वि० अँग्रेजी में भी कई पुस्तकें लिखी हैं, प० सहायक प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग, वि०वि०, लखनऊ।

राममूर्तिसिंह—ज० ८ दिसंबर, '१३, आजमगढ़; शि० एम० ए०, लखनऊ वि०वि०, प्रका० महात्मा गाँधी और विश्वशांति '४६, हमारे पड़ोसी राष्ट्र '४८ आदि, अप्र० तीन-चार संग्रह; प० आफिसर इंचार्ज, हिंदी विभाग, रेलवे मंत्रालय, नई दिल्ली।

रामरतन भटनागर, डा०—ज० ६ जनवरी, '१६, रामपुर; शि० बी० एस-सी०, एम० ए०, डी० फिल० इलाहाबाद एवं लखनऊ वि०वि०; प्रका० अंबपाली (उप०) '४०, टेढ़वा (कवि) '४२, हिंदी साहित्य की कहानी '५२, अध्ययन और आलोचन '५७ आदि लगभग सौ पुस्तकें; वि० अँग्रेजी में भी लिखते हैं; प० प्राध्यापक, हिंदीविभाग, वि०वि०, सागर।

रामवृक्ष बेनीपुरी—ज० १९००, बेनीपुर (बिहार); सा० जीवन में बारह बार कारावास, सोशलिस्ट पार्टी एवं किसान-सभा के संस्थापकों में एक; 'तरुण भारत', 'किसान मित्र', 'गोलमाल', 'बालक', 'युवक', 'लोकसंग्रह', 'कर्मवीर', 'योगी', 'जनता', 'हिमालय' आदि बारह-तेरह पत्रों के भूत० संपा०; प्र० '१७ में; प्रका० बालो० बगुलाभगत, सियार पाँडे, बिलाई मौसी, हीरामन तोता, आविष्कार और आविष्कारक, रंगबिरंग, चिड़ियाखाना, जानवरों का जीवन, क्यों और क्या, पँचमेल मिठाइयाँ, सतरंग धनुष, कविता-कुसुम, शिवा जी, गुरु गोविंदसिंह, विद्यापति, भगतसिंह आदि, किशोरोपयोगी० साहस के पुतले, जान हथेली पर, फूलों का गुच्छा, पदचिह्न, झोपड़ी के महल, बहादुरी की बातें प्रेम, आदि; टीकाएँ इत्यादि: बिहारी-सतसई विद्यापति-पदावली महाकवि इकबाल,

जोश के कलाम आदि ; राजनीति० : लाल चीन, लाल रूस, जयप्रकाश, रोजा लुक्जेम आदि उप०, नाटक तथा अन्य० : पतितों के देश में (उप) '३४, चिता के फूल (कहा०) '३७, माटी की मूरतें '४६, अंबापति (नाट०) '४६, गेहूँ और गुलाब' ५०, परियों में पंख बाँध कर '५३, जँजीरें और दीवारें '५६, लाल तारा, झोपडी का रुदन, दीदी, सात दिन, आँसू की तसवीरें, आदि लगभग अस्सी पुस्तकें ; वि० कई पुस्तकों के उर्दू संस्करण भी छपे हैं, बिहार के सशक्त हिंदी-शैलीकार ; प० बेनीपुर, भरथुआ, मुजफ्फरपुर ।

रामसिंह रावल—ज० १५ अगस्त, '२१, सोहद्रा, गुजराँवाला ; शि० बी० ए० ; प्रका० टोकियो से इंफाल '४६, ये थे नेता जी '५६, राजा महेंद्रप्रताप (जीव०) '४६, योरोप मे आजाद हिंद '४७, आज के हिंदी गीत (कवि०, संपा०) '४७ आदि ; वि० अँग्रेजी मे भी लिखते हैं ; प० द्वारा 'टाइम्स आफ इंडिया', १०, दरियागंज, दिल्ली ।

रामेश्वरनाथ गुप्त—ज० ६ जून, '२५, दिल्ली ; शि० बी० ए० दिल्ली वि०वि० ; प्रका० अनु० प्रारंभिक अर्थशास्त्र (दो भाग) '५४, अर्थशास्त्र के के सिद्धांत '५५, भारतीय अर्थशास्त्र '५६ आदि ; अप्र० अर्थशास्त्र-संबंधी कई पुस्तकें ; वि० अँगरेजी मे भी कई पुस्तकें लिखी हैं ; प० ८।८९८।१, काशी निकेतन, सरकुलर रोड, शाहदरा, दिल्ली ।

रामेश्वरप्रसाद गुरु, 'कुमारहृदय'—ज० ४ अप्रैल, '१४ ; शि० एम० एस-सी० इलाहाबाद वि०वि० ; प्रका० सरदर्द '३३, निशीथ '३४, भग्नावशेष '३८, नक्शे का रंग ४० आदि ; प० दीक्षितपुरा, जबलपुर ।

रामेश्वर शुक्ल, 'अंचल'—ज० १ मई, '१५, किशनपुर ; शि० बी० ए० लखनऊ वि०वि०, एम० ए० नागपुर वि०वि० ; प्रका० मधूलिका (कवि०), अपराजिता (कवि०) '३९, समाज और साहित्य (लेख०) '४४, चढती धूप (उप०) '४५, उल्का (उप०) '४७, बरसात के बादल (कवि०) '५४, विक्रम चिह्न (कवि०) '५७ आदि लगभग पंद्रह पुस्तके ; अप्र० चार-पाँच पुस्तकें एवं कविता-कहानी-निबंध-संग्रह ; भूत० हिंदी विभागाध्यक्ष, 'इंस्टीट्यूट आफ लैंग्वेजेज ऐंड रिसर्च', जबलपुर ; अनेक बार पुरस्कृत ; प० प्राचार्य, राजकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ ।

रामेश्वरसिंह काश्यप—ज० १६ अगस्त, '२७, सेमारा, शाहाबाद ; शि० एम० ए० ; प्रका० लोहासिंह (नाट०) '५५, सुवर्ण रेखा (उप०) '५७ आदि , प० —— हिंदीविभाग, बी एन० कालेज पटना ४।

रामेश्वरी शर्मा, श्रीमती—ज० १५ अप्रैल, '२४ ; शि० एम० ए०, बी० एड० ; प्रका० काली छाया (कहा०) ; अप्र० दो कहानी-संग्रह ; प० प्राध्यापिका, पैगंबरपुर, राहेर, बिजनौर।

रामदेवराय प्रियदर्शी—ज० २८ जनवरी, '३३, शेरपुर, गाजीपुर ; शि० सा०रत्न, साहित्यमहोपाध्याय ; प्रका० प्राची '४८, स्वर्गरश्मि '४९, काष्ठशिल्प की रूपरेखा '५५, श्यामा '५८ ; अप्र० दो संग्रह , वि० उर्दू में भी लिखते हैं , प० साहित्य-कला-केंद्र, दिलशाद गार्डेन, शाहदरा, दिल्ली।

रुद्रदेव त्रिपाठी—ज० २१ सितंबर, '२५, मदसौर ; प्रका० विनोदिनी कवि०) '५०, प्रेरणा (गीत०) '५१, पत्रदूतम् (कवि०) '५४ आदि ; अप्र० दो कविता-संग्रह ; प० श्री माहेश्वर प्रिटिंग प्रेस, मंदसौर (म० प्र०)।

रूपनारायण त्रिपाठी—ज० ५ जुलाई, '२१, जौनपुर ; प्रका० धरती के स्वर '५१, माटी की मुस्कान (कवि०) '५४ आदि ; अप्र० तीन-चार पुस्तकें एवं कविता-संग्रह ; प० कुद्दूपुर, जौनपुर।

लक्ष्मणप्रसाद भारद्वाज—ज० १ मार्च, '१२, नगला, बुलंदशहर; शि० एम ए०, एल० टी० ; सा० प्राध्यापक कालविन ताल्लुकदार कालेज लखनऊ ; प्रका० मनन, दिल्ली का सुल्तान, योरप का रावण हर हिटलर, बाल-रामायण, बाल-कादंबरी, बाल-शेक्सपियर, बाल-शकुंतला, बाल-सुदामा चरित, बाल-हरिश्चंद्र आदि , प० नई सिविल लाइंस, लखनऊ।

लक्ष्मीचंद्र वाजपेयी—ज० १० अगस्त, '१६, हरहा, उन्नाव ; शि० कानपुर , प्रका० रानी का रंग '४२, युगचित्र '४३, शहीद साहब '४८, सभ्यता की देन, श्रीमती विश्वास '५५, मेघ पुष्प '५६, अंतिम मिलन, जीवन-संघर्ष, नीला लिफाफा, मम की आँख , अप्र० अगस्त '४२ की कहानी, ज्वाला (गद्यका०); वि० अँगरेजी मे भी लिखते है, प० लाटूश रोड, कानपुर।

लक्ष्मीनारायण दीनदयाल अवस्थी—ज० १९०४, देवास, इंदौर ; शि० एम० ए० सा०रत्न , सा० मध्यभारत हिं०सा० समिति मे कार्य किया, 'वीणा', 'वाणी' एवं हितैषी' के भूत० संपा० , प्रका० महात्मा गौतम बुद्ध (नाट०) '२९, कर्म, एडिसन और उनके आविष्कार '४६, चीटी और दीमक प्रारंभिक भूतत्व-शास्त्र, प्राणाघातक कीटाणु, मधुमक्खी और उसके व्यवसाय, प्रेम-संबंधी रोग, काला पहाड़ (उप०), बाल-गल्पांजलि, बालवीर-गाथा, मेढ़क, प्राणिशास्त्र, भारतीय सर्प, सरल प्रसूति शास्त्र '५१, सार्वजनिक स्वास्थ्य, छुआछूत के रोग, पृथ्वी की जन्मकथा, दूध-दही, घी वनस्पति घी, मच्छर, खटमल, जूँ, पिस्सू, मक्खी, खाज के कीडे, कृमि

हवा, पानी, पृथ्वी, गृहनिर्माण, घर की सफाई, मध्यभारत का भूगोल, स्वास्थ्य पुस्तक (आठ भाग), प्रकृति - विज्ञान (आठ भाग), मध्यभारत के १६ जिलों के १६ भूगोल आदि लगभग चालीस पुस्तकें ; वि० अनेक बार पुरस्कृत ; प० १२, ऊषागंज, इंदौर।

ललित किशोर सिंह—ज० १ फरवरी. १९०२ ; शि० एम० एस-सी० काशी वि०वि ; प्रका० प्रोफेसर की डायरी (लघु कहा०) '४०, ध्वनि और संगीत (विज्ञान) '५५ ; अप्र० चार-पाँच पुस्तकें एवं संग्रह ; प० प्राध्यापक, न्यू एफ०ार्ड, हिंदू वि०वि०, वाराणसी।

ललित श्रीवास्तव—ज० १ जुलाई '१७, रेवती, बलिया ; शि० साहित्यरत्न, साहित्यालंकारः जा० बँगला, गुजराती एवं मराठी ; सा० रचनात्मक कार्य '३६-'३९, ४० में कारावास, भूत संपा० 'रामराज्य' एवं साप्ता० 'दलित-प्रकाश' ; प्रका० सेवाग्राम की विभूतियाँ (जीव०) '४८, सेवाग्राम '४९, ज्ञान-आलोक (दार्श०) '५०, राष्ट्र-प्राण '५० ; अप्र० चार-पाँच पुस्तकें एवं संग्रह ; प० द्वारा सरस्वती मंदिर, पटेलरोड, देहरादून।

लीला अवस्थी, कुमारी—ज० ८ मई, '२३, अहवाज, फारस ; शि० एम० ए० ; प्रका० दूब के फूल (कहा०) '५६, रेवा प्रागण (रेडियो नाट०) '५७, आँसू की क्यारी (कहा०) '५७, दो राहें (उप०), बिखरे काँटे (उप०) '५८ आदि ; प० ४८५९।अ, हरवंशसिंह स्ट्रीट, २४ दरियागंज, दिल्ली।

लीला प्रकाश, श्रीमती—ज० १८ मार्च, '१८, बरेली ; शि० बी० ए० काशी वि वि० ; प्रका० बुनाई के नमूने, नई बुनाई आदि ; अप्र० तीन-चार पुस्तकें एवं संग्रह ; प० ५, एग्रीकल्चर रोड, कानपुर।

वाचस्पति पाठक—ज० ५ अक्टूबर, १९०५ ; प्रका० द्वादशी, प्रदीप, एक्कीस कहानियाँ (संपा०) '३६, नये एकाकी (संपा०) '५२ आदि लगभग दस पुस्तकें ; प० व्यवस्थापक, भारती भंडार, लीडर प्रेस, इलाहाबाद।

विद्यानिवास मिश्र—ज० १४ जनवरी, २६, पाकेरडीहा, गोरखपुर ; शि० एम० ए० इलाहाबाद वि०वि० , प्रका० चितवन की चाह '५३, पंचशर (एकां०) '५१, कदम की फूली डाल '५५, तुम चंदन हम पानी '५७, शासन शब्दकोश (संपा०) '४८ ; प० प्राचार्य, संस्कृत विभाग, वि०वि०, गोरखपुर।

विद्याभास्कर, 'अरुण'—ज० ६ अप्रैल,'२०,हरगोविंदपुर (गुरुदासपुर, पंजाब) ; शि० एम० ए० हिंदी, शास्त्री, कलकत्ता वि० वि० ; सा० प्रोफेसर हिंदी एवं पंजाबी विभाग डी० ए०वी० कालेज, जालंधर ; प्रका० वीर काव्य और कविता '४५. निशात (कवि०) '४७. किरण बाला (कवि०) '४७. गद्य

मंजरी (संपा०) '४८, प्रबंध-पीयूष (लेख०) '५०, पद्म-पद्मिनी '५० ; अप्र० सवेरा और सामा, आधुनिक हिंदी साहित्य आदि चार-पाँच पुस्तकें एवं संग्रह ; प० गाँधी सदन, कोट किशनचंद, जालंधर।

विद्यावती मिश्र, श्रीमती, 'अरुण'—ज० २५ सितंबर '१८ कुरवाली, मैनपुरी ; शि० एम० ए० ; प्रका० रजनी (उप०) '४७, हमारा जवाहर (जीवनी) '५० ; प० विद्याविला, ८५ एस० ब्लाक ई०, न्यूअलीपुर, कलकत्ता।

विश्वनाथप्रसाद मिश्र—ज० १९०६, ब्रह्मनाल, काशी ; शि० एम०ए०, सा०रत्न काशी एवं प्रयाग ; सा० सत्रह-अठारह वर्ष तक भगवानदीन विद्यालय काशी में अवैतनिक अध्यापक रहे, भूत० संपा० 'वर्णाश्रम' एवं 'सनातन धर्म', अनेक साहि० संस्थाओं से संबधित, भूत० अध्यापक एवं रीडर, हिंदी विभाग, काशी वि०वि० ; प्रका० हिंदी में बाल-साहित्य का विकास, काव्यांग-कौमुदी (तीन भाग), पद्माकर-पंचामृत, बिहारी की वाग्विभूति, बुद्ध-मीमांसा, हम्मीर-हठ, रसिकप्रिया की टीका, काव्य-निर्णय की टीका, गीतावली की व्याख्या, प्रेमचंद की कहानी कला, रस-मीमांसा, वाङ्मय-विमर्श, केशव-ग्रंथावली (संपा०, तीन भाग), 'मानस' का काशि-राज संस्करण (संपा०) आदि अनेक पुस्तकें ; अप्र० सात-आठ पुस्तकें एवं आलो० लेख-संग्रह ; वि० मध्यकालीन हिंदी कविता के अधिकारी विद्वान ; प० हिंदी विभागाध्यक्ष, बिहार वि० वि०, गया।

विश्वनाथ राय—ज० '१०, सुहावल ; शि० एम० ए०, एल-एल० बी०, काशी वि०वि० ; सा० डी० ए० वी० कालेज वाराणसी में राजनीति एवं नागरिकशास्त्र के प्राध्यापक ; प्रका० प्रेम के आँसू '३७, मायावी संसार '३७, विनाश की ओर '३८, राणाप्रताप (जीव०) '३८, बाबू राजेंद्र प्रसाद '३९, व्यक्ति स्वातंत्र्य (राजनीति) '५७, भारत में म्युनिसिपल और डिस्ट्रिक्ट बोर्ड का विकास, मिश्र की स्वाधीनता का इतिहास, चीन की राज्यक्रांति, ग्राम्य अर्थशास्त्र, मुस्लिम लीग का षड्यंत्र, हिटलर, नेपोलियन, टाल्सटाय, शिवाजी, समर्थ गुरु रामदास आदि; प० सुहावल, गाजीपुर।

वीरबहादुर सिंह—ज० १ जुलाई, '२०, कोटवारी ; शि० बी० ए० ; प्रका० अकाल '४९, शांति '५०, नकली रईस '५४, साँप की मणि '५५, क्रांतिकारी जासूस '५४, काली कोठी '५६ ; प० कोटवारी, बलिया।

वीरेंद्र मिश्र—ज० ७ जनवरी, '२८, मुरैना ; प्रका० गीतम '५३, लेखनी-बेला '५८, प्रभात के पंछी (संक०) '५४ आदि छह-सात पुस्तकें ; अप्र० दो संग्रह ; प० अँग्रे का बाजार, लश्कर, ग्वालियर।

वीरेंद्रराज महेन्दिरत्ता—ज० २३ मई '३१, रावलपिंडी; शि० एम० ए० प्रयाग वि०वि० ; प्रका० शिमले की क्रीम '५३, पुरानी मिट्टी नये ढाँचे (लघु कहा०) आदि पाँच-छह पुस्तकें, अप्र० तीन-चार पुस्तकें एवं संग्रह, प० प्राध्यापक, राजकीय कालेज, चंडीगढ़ ।

वेंकटेशनारायण तिवारी—ज० १८८०, कानपुर ; शि० एम० ए० ; प्रका० चरित्र-चित्रण '३० ; अप्र० स्फुट लेखों के कई संग्रह ; वि० सामयिक विषयों के प्रतिष्ठित लेखक ; प० पुरा बाल्दी, हिवेगंज, इलाहाबाद ।

वैद्यनाथ मिश्र, 'नागार्जुन', 'यात्री'—ज० '१० तरौनी, दरभंगा ; प्रका० रतिनाथ की चाची '४८, युगधारा (कवि०) '५२, बलचनमा '५२, वरुण के बेटे '५६, दुखमोचन (उप०) '५७ आदि लगभग पैंतीस पुस्तकें, वि० मैथिली तथा संस्कृत में भी लिखते हैं, अनेक संग्रहों में रचनाएँ संकलित ; प० राष्ट्रीय प्रकाशन मंडल, मछुआटोली, पटना—४ ।

व्यथित हृदय—ज० १९०८, जगन्नाथपुर, वाराणसी ; शि० जगन्नाथपुर एवं बनारस स्टेट ; मा० 'मतवाला', 'मनोरमा', 'गृहलक्ष्मी', 'भविष्य', 'मदारी', 'तितली', 'लोकवाणी' आदि अनेक पत्र-पत्रिकाओं के संपादकीय विभागों में कार्य किया ; प्र० '२६ में ; प्रका० भाभी के पत्र, गृहस्थी की तस्वीरें, विवाह की कहानियाँ, हिंदी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास आदि के साथ-साथ बालोपयोगी एवं महिलोपयोगी लगभग पचास पुस्तकें ; वि० अनेक बार पुरस्कृत ; वर्त० हिंदी प्राध्यापक, हिंदू महिला विद्यालय कालेज, प्रयाग, प० २३८ ए, कटरा, इलाहाबाद ।

व्रजेंद्रकुमार सिंह—ज० २२ अगस्त '२८ ; शि० एम० ए०, साहित्यभूषण, विशारद, आई० जी० डी० ; सा० संस्था-संचा० लोक साहित्य मंडल, लखनऊ ; संपा० बालो० मा० 'बालवाटिका' '६१ से ; प्रका० स्फुट०, अप्र० भारतीय लोकनृत्य, लोककला, सोहर, भारतीय संस्कृति में पशु और पक्षी आदि प० लोकसाहित्यमंडल, १ लश्करी, रकाबगंज, लखनऊ ।

शंकरदेव विद्यालंकार—ज० १९०७, मालवदा, सूरत ; सा० '२८ में गुरुकुल के शिष्टमंडल में अफ्रीका जाकर हिंदी-प्रचार किया, गुरुकुल में अध्यापक एवं संपादक रहे ; शि० एम० ए०, गुरुकुल काँगड़ी तथा आगरा वि०वि० ; जा० संस्कृत, गुजराती एवं अँगरेजी ; प्रका० अन्तिम पथ '३८, रवीन्द्र-कथा (अनु० लघुकथा०) '५६, कोरिया की स्वातंत्र्य-कथा, धूमकेतु की कहानियाँ आदि ; प० अध्यापक, महिला कालेज, पोरबंदर, सौराष्ट्र ।

शंकर रघुनाथ पुलाम्बेकर—ज० २६ मई '२५ ; शि० एम० ए०, एल-एल० बी० आगरा वि०वि० ; प्रका० कल्याणी (एकां०) ५६ आदि ; अप्र० दो-तीन पुस्तकें एवं संग्रह ; प० प्राध्यापक, स्टेशन रोड, विदिशा (म०प्र०)।

शंकरलाल पारीक, 'राजेश्वरदेव'—ज० ५ नवबर, '२७ ; शि० बी०ए० प्रभाकर, सा०रत्न, विज्ञानरत्न ; प्रका० आदर्श की पगडंडियाँ (जीव०) '४५, मीरा प्रेम दिवानी (अनु० उप०) '४५, राजेश्वर-दोहावली '५५, एडिसन (जीव०) '५८ आदि ; प० पारीक निवास, पत्रालय लदनू, नागौर (राज०)।

शंकर शुक्ल—ज० ८ जून '२३, वाराणसी ; शि० एम० ए०, शास्त्री आगरा वि० वि० ; प्रका० ज्योति शिक्षा (पद्य), जब कलाकार थक गया (नाट०) आदि; अप्र० दो संग्रह, प० सी ४।२११, मगायगोवरधन, वाराणसी।

शंभुप्रसाद बहुगुणा—ज० २८ अप्रैल '१५, बरेली ; शि० एम० ए० लखनऊ वि० वि० ; प्रका० घनानद (सपा०, आलो०) '४४, मैथिल कोकिल विद्यापति (आलो०) '४६, विराट-ज्योति (लेख०) '५०, विराट हृदय (लेख०) '५०, मानस मन्दाकिनी (आलो०) '५१, नाट्यनन्दिनी '५३ आदि ; अप्र० चार-पाँच पुस्तके ; प० हिंदी प्राध्यापक, आई० टी० कालेज, लखनऊ।

शंभूनाथ सिंह, डा०—ज० १७ जून '१७, रावतपुर, देवरिया ; शि० एम० ए०, पी-एच० डी० काशी तथा इलाहाबाद वि०वि० ; प्रका० छायालोक (कवि०) '४५, हिंदी महाकाव्य का स्वरूप-विकास '५१, छायावाद-युग '५२ (आलो०), दिवालोक (पद्य) '४३, धरती और आकाश (नाट०) '५४, मध्यम-मनि (पद्य) '५७ आदि ; अप्र० तीन-चार पुस्तके एवं कविता लेख-संग्रह ; प० हिंदी विभागाध्यक्ष, संस्कृत वि०वि०, वाराणसी।

शची रानी गुर्टू, श्रीमती—ज० '२२ ; शि० एम० ए० हिंदी और ॲंगरेजी, साहित्याचार्या (संस्कृत) ; प्रका० साहित्य-दर्शन, कला-दर्शन, प्रेरणा (कहा०), विश्व की प्रधान नारियाँ टूटता धागा और रेखाचित्र (कहा०), अनार शाहजादी (बालो०), सीता-सावित्री (बालो०), अबोला रानी कैसे बोली (बालो०) आदि लगभग बीस पुस्तकें ; वि० तुलनात्मक अध्ययन-संबंधी कई ग्रंथ भी लिखे हैं; प० ३, दरियागंज, दिल्ली।

शमशेर सिंह नारुला—ज० १५ नवबर '१५, अमृतसर ; जा० हिंदी एवं पंजाबी ; शि० बी०ए० ; प्रका० हिंदी और प्रादेशिक भाषाओं का वैज्ञानिक इतिहास '५७ आदि ; ॲंगरेजी में भी : 'साइंटिफिक हिस्ट्री आफ दि हिन्दी लैंगुएज' '५६ मे लिखी हैं ; वर्त० सूचना-अधिकारी, सूचना एव प्रचार मंत्रालय नई दिल्ली ; प० २२ भार्गव लेन तीस हजारी दिल्ली

शांतिकुमार नानूराम व्यास—ज० ८ अगस्त '२१, जोधपुर ; प्रका० संक्षिप्त वाल्मीकि रामायण '५३, संस्कृत और उसका साहित्य '५७, क्या आप जानते हैं '५८, रामायण-कालीन संस्कृति '५८ आदि ; अप्र० चार-पाँच पुस्तकें ; प० द्वारा संपादक, साप्ताहिक 'हिंदुस्तान', नई दिल्ली।

शांतिप्रसाद, 'बालभद्र'—ज० ३ जनवरी, '१२, मेरठ ; शि० साहित्य-वाचस्पति, साहित्य-रत्न, साहित्य-शास्त्री, महापंडित, साहित्यालंकार ; जा० हिंदी तथा गुजराती ; मा० हिंदी-रंगमंच के उत्थान के लिए कल्पना-मंदिर की स्थापना की, आदर्श पुस्तकालय के जन्मदाता, 'रूपक', 'हृदय', 'भानु' तथा 'ललिता' आदि में संपा० कार्य ; प्रका० रचना सहचरी, भयंकर भूल, नरसी, हम लोग '४५, लखनऊ से दिल्ली '५४, मधु के साथ (उप०) '५६, आखिरी सलाम (कवि०) '५७, जय सोमनाथ (अनु० उप०), अजविलाप (अनु०) आदि ; अप्र० सात-आठ पुस्तकें एवं संग्रह ; प० अलगार निकेतन, ५८ बनियापारा, मेरठ।

शांतिप्रसाद वर्मा, डा०—ज० १० अक्टूबर '१०, भरतपुर ; शि० एम० ए०, डी० लिट्० आगरा तथा इलाहाबाद वि० वि० ; प्रका० हमारी राजनीतिक समस्याएँ '४५, स्वाधीनता को चुनौती '४८, आधुनिक योरप का इतिहास(अनु०) '५५ आदि; अप्र० तीन-चार पुस्तकें ; वि० अँगरेजी में भी लिखते हैं ; प० प्रधानाचार्य, राजस्थान कालेज, जयपुर।

शांतिभिक्षु शास्त्री— ज० २७ दिसंबर '१२, बिबलीपुर, लखनऊ ; प्रका० महायान '४८, बोधिचित्तोत्पद ((संस्कृत से अनु०) '५०, अभिधारमामृता (अनु०), ज्ञान-प्रस्थान-शास्त्र (अनु०) '५४, बोधिचर्यावित (अनु०) '५५, पंजस्कंधप्रकरण (अनु०) '५६ आदि ; अप्र० चार-पाँच पुस्तकें एवं संग्रह ; प० प्राध्यापक, विश्वभारती, शांतिनिकेतन (प० बंगाल)।

शोभालाल गुप्त—ज० ८ सितबर १९०४, उदयपुर, प्रका० सहयोग और संघर्ष (अनु०) '३५, समाजवाद : पूँजीवाद '४०, मालिक और मजदूर '४५, नीति और सदाचार '४५, महाभारत के पात्र, ग्रामोद्योग '५७ आदि ; अप्र० सात-आठ पुस्तकें एवं संग्रह ; प० सहसंपा० 'हिंदुस्तान', नई-दिल्ली।

श्यामसुंदर उपाध्याय, 'श्याम'—ज० २० जुलाई '२७, प्रतापगढ ; शि० एम० ए०, एल-एल० बी० इलाहाबाद वि०वि० ; प्रका० भक्त प्रह्लाद '५४, वीर अभिमन्यु '५४, विस्मृति की रेखाएँ (पद्य) '५५, लोकतंत्र मे सहकारिता '५५, लोकतंत्र और पंचायतें '५५ आदि ; अप्र० चार-पाँच

पुस्तकें ; वि॰ अँगरेजी में कई अनुवाद भी किये हैं ; प॰ रेलवे मंत्रालय, हिंदी विभाग, स्टेट इंट्रीरोड, नई दिल्ली ।

श्रीकृष्ण—ज॰ १५ अक्टूबर '३४, रठ, प्रका॰ तरकश के तीर (एकां॰) '५७, सोने का कंगन (लघु कहा॰) '५७, बहू-बेटी '५७, तिब्बत की लोककथाएँ '५७, सुबह का भूला (नाट) '५८, दैनिक गृहोपयोगी विज्ञान '५८ आदि ; अप्र॰ दो-तीन पुस्तकें , प ४२, रामनगर, मेरठ ।

श्रीकृष्णदास—ज॰ १२ मार्च '१७, जौनपुर , शि॰ एम॰ ए॰ काशी वि॰ वि॰ ; प्रका॰ अग्नि-पथ (उप), वञ्चिता (लघु कहा), धरती का लाभ (एकां॰), द्वादशी (लेख), लोकगीतों की सामाजिक व्याख्या (आलो), सात रातें (उप॰) आदि , अप्र॰ चार पुस्तकें , प॰ २।द, मिंटो रोड, इलाहाबाद ।

श्रीकृष्णलाल, डा॰—ज॰ १ अगस्त '१२, मिर्जापुर ; शि॰ एम॰ ए॰, डी॰ फिल॰ प्रयाग वि॰ वि॰ ; प्रका॰ आधुनिक हिंदी साहित्य का विकास १९००-१९२५ (शोधग्रंथ) '४२, मीराबाई '४९, मानस-दर्शन '५०, हिंदी-कहानियाँ (संपा॰) '४३, श्रीनिवास-ग्रंथावली (संपा॰)'५४, श्यामा-स्वप्न (संपा॰) ५४ आदि; अप्र॰ सात-आठ पुस्तकें एवं आलो लेख-संग्रह, वर्त॰ प्राध्यापक, हिंदी वि॰, हिंदू वि॰वि॰, वाराणसी । प॰ दुर्गाकुंड, वाराणसी ५ ।

श्रीनाथ दुबे—ज॰ १६ दिसंबर, १९३० ; शि॰ एम ए॰ '५३ (हिंदी) लखनऊ वि॰वि॰, साहित्यरत्न हि॰ सा॰ सम्मे॰ प्रयाग ; मा॰ भूत॰ सदस्य संपा॰ मंडल 'होनहार' लखनऊ ; प्र॰ '४९ में ; प्रका बापू की आत्मकथा (छात्रो॰), अचख मेरा कोई : एक अध्ययन तथा अन्य परीक्षोपयोगी पुस्तकें; वि॰ जायसी पर शोधकार्य में संलग्न ; वर्त॰ अध्यापक, कालीचरण इंटर कालेज, लखनऊ ; प॰ १०१, सराय मालीखाँ, चौक, लखनऊ—३ ।

श्रीनाथसिंह, ठाकुर—ज॰ १९०१ , मा॰ संपा॰ प्रयाग से प्रकाशित मा॰ 'गृहलक्ष्मी' '२४, मा॰ 'शिशु' '२४, 'देशबंधु' '२६, मा॰ 'बालसखा' '२६ से कई वर्ष तक, दै॰ एवं साप्ता॰ 'देशदूत' '३९ से कई वर्ष तक, हिंदी-उर्दू मा॰ 'हल' '३९, मा॰ 'दीदी' '४०, मा॰ 'बालबोध' आदि ; संस्था॰ 'दीदी' प्रेस ; प्रका॰ प्रजामंडल, जागरण, उलझन, एकाकिनी, स्त्री-दर्पण आदि, अप्र॰ चार-पाँच पुस्तकें ; प॰ ५६, सुन्दरनगर, नई दिल्ली ।

श्रीनिधि द्विवेदी—ज॰ १५ जून '१२ ; शि॰ आचार्य ; प्रका॰ यौवन (कवि॰) '३४, सौदामिनी '४४ आदि ; अप्र॰ दो-तीन पुस्तकें एवं संग्रह ; प भारती पुस्तक भंडार कालबादेवी रोड बम्बई २ ।

श्रीपतराय — ज० १६ जुलाई '१६, गोरखपुर ; शि० बी०ए० ; प्रका० गल्प-संसार माला (संपा०, आठ भाग) आदि ; अप्र० तीन-चार पुस्तकें एवं संग्रह ; प० ६, डाइमंड रोड, इलाहाबाद—१।

श्रीप्रकाश — ज० ३ अगस्त १८९०, वाराणसी ; शि० बी ए०, एल-एल० बी०, इलाहाबाद तथा कैम्ब्रिज वि वि० , सा० उच्चायुक्त पाकिस्तान '४७ से '४९, आसाम के राज्यपाल '४९-'५०, केन्द्रीय मंत्री '५०-'५२, मद्रास के राज्यपाल '५२-'५६, महाराष्ट्र के राज्यपाल आदि; प्रका० गृहस्थ-गीता (लेख०) '३७, मेरे विचार (संस्मरणात्मक लेख०) '४०, नागरिकशास्त्र '४१, भारत के समाज और इतिहास पर स्फुट विचार '४१ आदि ; वि० अँगरेजी में भी लिखते हैं ; प० सेवाश्रम, सिगरा, वाराणसी—१।

श्रीराम वर्मा, 'अमरकांत'—ज० १ जुलाई '२५ बलिया ; प्रका० जिन्दगी और जोंक (लघु कहा०) '५८ आदि ; प० स्टेशन रोड, बलिया।

श्रीराम शर्मा ज० १८९५ ; शि० बी०ए० ; भू० मा० 'विशालभारत' (कलकत्ता) के संपा० ; प्रका० शिकार, बोलती प्रतिमा, प्राणों का सौदा, हमारी गायें, झाँसी की रानी, पसीना, जीवन-कण, जंगल के गीत, अश्रमाल, १९४२ के संस्मरण, नेता जी सुभाष (अँगरेजी में) आदि अनेक ग्रंथ एवं संग्रह ; प० वस्कावस्ती, आगरा।

श्रीराम शर्मा—ज० १२ जुलाई '२०, अलवर ; शि० एम० ए० साहित्य रत्न काशी वि०वि० ; प्रका० तुलसीदास '५०, विषाद (कहा०) '५३, दक्षिण का पद्य और गद्य (साहित्य का इतिहास) '५३, बालकों की कहानियाँ '५४ , मधु रस (संपा०) '५४, अली आदिल शाह का दीवान '५८ आदि ; अप्र० तीन-चार पुस्तकें एवं संग्रह , वर्त० प्राध्यापक, उस्मानिया वि०वि०, हैदराबाद ; प० चार कमान, हैदराबाद—२।

संतप्रसाद टंडन, डा०—ज० ६ नवंबर १९०९, इलाहाबाद ; शि० एम एस-सी०, डी० फिल० इलाहाबाद वि०वि० ; प्रका० प्रारंभिक जीवविज्ञान '४१, वायुमंडल की सूक्ष्म हवाएँ '४५, प्रारंभिक कार्बनिक रसायन '५१, सरल रसायन - विज्ञान '५७ आदि ; अप्र० सात-आठ पुस्तकें एवं लेख-संग्रह , वि० विज्ञान-संबंधी विषयों के अधिकारी लेखक ; वर्त० कई वर्षों से प्राध्यापक, रसायन - शास्त्र विभाग, इलाहाबाद वि० वि० ; प० राम नारायण लाल अग्रवाल रोड, इलाहाबाद।

सच्चिदा[illegible] तिवारी—ज० १६ दिसंबर '१९, पछराव ; शि० एम० ए०, एल-एल० बी०, काशी हिंदू वि०वि० ; प्रका० हेमकण '२५, वेदना '४०

(कवि०), आधुनिक गीतिकाव्य (आलो०) '५१ आदि ; अप्र० चार-पाँच लग्न-कविता-संग्रह ; प० प्राध्यापक, पी० डी० एन० डी० कालेज, चुनार।

सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन, 'अज्ञेय'—ज० ७ मार्च '११, कसिया, देवरिया ; शि० बी० एस-सी० , सा० भूत० संपा० 'विशाल भारत' कलकत्ता एवं 'प्रदीप' दिल्ली , प्र० '२४ में ; प्रका० भग्नदूत (पद्य) '३३, विपथगा (लघुकथाएँ) '३७, शेखर : एक जीवनी (उप०, भाग १ तथा २) '४१, '४४, अरी ओ करुणा प्रभा माया '२९, त्रिशंकु, वातायन आदि ; संपा० सप्तक माला '४३, '५१, '५८ ; वि० अँगरेजी में भी कई ग्रंथ लिखे हैं, अनेक बार पुरस्कृत ; प० अ-७५, डी २, मोतीबाग, नई-दिल्ली।

सतीशचंद काला, डा०—ज० १६ जनवरी '१६, पौरी , शि० एम० ए०, पी-एच० डी० काशी तथा कलकत्ता वि०वि०; प्रका० मोहनजोदड़ो तथा सिंधु-सभ्यता '५० आदि ; अप्र० पुरातत्व-संबंधी लेखो के दो संग्रह , वि० अँगरेजी में भी कई पुस्तकें लिखी हैं ; प० क्युरेटर, म्युजियम, प्रयाग।

सत्यजीवन वर्मा, 'श्रीभारतीय'—ज० १८९८, बस्ती , शि० एम ए०, काशी वि०वि० ; सा० प्राध्यापक कायस्थ पाठशाला प्रयाग '२६, उत्तरप्रदेशीय हिंदुस्तानी अकेडमी के सुपरिंटेडेंट '२८, '४६ से पुन. कायस्थ पाठशाला में प्राध्यापक. '६१ मे अवकाशप्राप्त ; सस्था० हिंदी लेखक-संघ, प्रयाग '३४ ; संपा० मा० 'लेखक' '३५-'३७, संपा० 'दुनिया', संस्था० शारदा प्रेस, प्रयाग ; प्रका० बीसलदेव रासो (संपा०), मुनमुन (लघु कहा) '३५, मिस '२५ का पति-निर्वाचन (नाट०) '३५, एलबम (रेखाचित्र) '४१, सोलह कहानियाँ (लघु कहा०) '४५, प्रेम की पराकाष्ठा (आस्कर वाइल्ड से अनु०) '३१, मनोहर कहानियाँ (४ भाग—लघु कहा०) '४३, सूर-रामायण, चित्रावली, नयन, मुरली-माधुरी, प्रायश्चित, स्वप्नवासवदत्ता, चीनी यात्री ह्वेनच्वांग, व्याख्यानत्रयी, तार के खंभे, जानी दुश्मन, लेखनी उठाने के पूर्व या लेखक-बंधु, प्रसिद्ध उडाके, आकाश पर अधिकार, एशिया की कहानियाँ, नैषध-चरित्र, रूमानियाँ की कहानियाँ आदि लगभग तीस पुस्तकें; प० अन्तर्वेदी, १०।ब, बेलीरोड, इलाहाबाद।

सत्यदेव शर्मा—ज० २४ अक्टूबर '१२, बिलगा, जालंधर ; शि० बी० ए०, पंजाब वि०वि० ; प्रका० तस्वीर का फ्रेम (लघु कहा०) '५४, वह हार गये '५६, पंथ का अंत '५६ (उप०) आदि ; अप्र० तीन-चार पुस्तकें एवं संग्रह ; प० १८।२१, दरियागंज, दिल्ली।

सत्यनारायण, देसु—ज० १ जून '२५ दड्डलेम्ब (आंध्र) ; शि० विशारद, राष्ट्रभाषा प्रवीण (मद्रास) ; प्रका० आचार्य रंगा, राष्ट्र की विभूतियाँ, भारत के नवरत्न, बाल कथामंजरी, कथा-कुसुम, जीवन-सुधा ; वि० कई पाठ्यग्रंथों की टीकाएँ भी लिखी हैं, हाईस्कूल चिलकलूरिपेट में लगभग १७ वर्षों से हिंदी अध्यापक, लक्ष्मीहिंदी विद्यालय के संचालक ; प० कोथापेट, गुंटूर (आंध्र)।

सत्यवती मलिक, श्रीमती—ज० १ जनवरी १९०७, श्रीनगर ; प्रका० दो फूल (लघु कथाएँ) '४८, मानवरत्न (जीवनी) '४९, बैशाख की रात (लघु कहा०) '५१, अमिट रेखाएँ (रेखाचित्र) '५१, अमर पथ (निबंध) '५४, दिनरात (लघु कथाएँ) '५४ आदि ; अप्र० कहानियों, रेखाचित्रों एवं लेखों के तीन संग्रह ; प० ५।९०, कर्नाट-सर्कस, नई दिल्ली।

सत्येंद्र (गौरीशंकर), डा०—ज० १९०७ ; शि० एम० ए०, पी-एच० डी० आगरा वि०वि० ; सा० नागरी प्रचा० सभा आगरा के विशिष्ट आयोजनों के सक्रिय कार्यकर्ता, साहित्य सम्मे० प्रयाग की स्थायी समिति के सद०, हिं०सा० परि० मथुरा, सुहृद-सा० गोष्ठी एवं ब्रज-साहित्य-मंडल के संस्थापकों में, भूत० संपा० 'उद्धारक', 'ज्योति', 'साधना', 'ब्रजभारती' एवं 'आर्यमित्र', भूत० प्राध्यापक हिंदी विभाग, पोद्दार कालेज, नवलगढ़ एवं भूत० अध्यक्ष हिंदी विभाग, कलकत्ता वि०वि० ; प्रका० साहित्य की झाँकी, गुप्त जी की कला, नागरिक कहानियाँ, कुणाल, मुक्तियज्ञ, बसंत-स्वागत, बलिदान, विज्ञान की करामात, भारतवर्ष, ब्रज लोकसाहित्य का अध्ययन, सूर-साहित्य की झाँकी आदि ; अप्र० प्रेमचंद : व्यक्ति और कला, रचना-कौशल, मानव-बसंत, हिंदी-एकांकी, इतिहास और विवेचन, विक्रम का आत्ममेध ; प० प्राध्यापक, हिंदी विभाग, हिंदी इंस्टीट्यूट, वि०वि०, आगरा।

सरयूप्रसाद चौबे—ज० १ फरवरी '१९, वाराणसी ; शि० एम०ए०, एम० एड० काशी तथा इलाहाबाद वि०वि० ; प्रका० पाश्चात्य-शिक्षा का इतिहास '४९, शिक्षा-सिद्धांत की रूपरेखा '५०, मनोविज्ञान '५३, प्रयोगात्मक मनोविज्ञान '५३ आदि ; अप्र० तीन-चार पुस्तकें ; वि० अँगरेजी में भी लिखते हैं ; प० प्राध्यापक, शिक्षाशास्त्र विभाग, वि०वि०, लखनऊ,।

साहू कुमार, 'त्रिशंकु'—ज० १९२७, बालाघाट ; शि० साहित्याचार्य; प्रका० चट्टान के टुकड़े (लघु कहा०) '५० आदि ; अप्र० तीन पुस्तकें एवं संग्रह ; प० जोरापारा, रामपुर।

सीताचरण दीक्षित, 'विशालच', 'चंद्रधर', 'जिज्ञासु'—ज० १६०६, हरदा (होशगाबाद) ; प्रका० हृदयमंथन (उप०) '५०, आनंद का राजपथ (नाट०) '५७, वेदांत (अनु०) '४८, उपनिषद '४८, भगवद्गीता '४८, सम्पूर्ण गाँधी वाङ्मय (प्रथम भाग) '५८ आदि अप्र० तीन-चार पुस्तकें, प० १० जोन्स स्क्वायर (लेडी-टीचर्स क्वार्टर्स), गोल मार्केट, नई दिल्ली।

सीताराम जायसवाल, डा०—ज० १६ अप्रैल '१९, जौनपुर ; शि० एम० ए०, एम० एड०, पी-एच० डी० इलाहाबाद, आगरा, हार्वर्ड एंड मिचिगन वि०वि० ; प्रका० शिक्षा-शास्त्र '४९, पश्चिमी शिक्षा का इतिहास '५१, आधुनिक आलोचना और साहित्य (आलो०) '५१; अप्र० चार-पाँच पुस्तकें ; वि० अँगरेजी में भी लिखते हैं ; वर्त० प्राध्यापक शिक्षाशास्त्र विभाग, वि०वि०, लखनऊ ; प० पंचवटी, बी० २३, महानगर, लखनऊ।

सुधीरकुमार गुप्त, डा०—ज० १ मई '१७, अताली, गुडगाँव, शि० एम०ए०, पी-एच० डी०, दिल्ली वि० वि० ; प्रका० ऋग्वेद का धर्म '५० ; महर्षि दयानंद और 'देवता' शब्द का अर्थ '५३, मेघदूत की वैदिक पृष्ठ-भूमि और उसका संदेश (आलो०) '५४, संस्कृत साहित्य का सुबोध इतिहास '५७ आदि ; अप्र० चार पुस्तक ; प० संस्कृत-प्रोफेसर, वि० वि०, गोरखपुर।

सुभद्रा झा, 'प्रकाशदेव'—ज० १ मार्च १९०९, नागदह ; शि० पटना, कलकत्ता और पेरिस वि० वि० ; प्रका० प्रवास (यात्रा) '५०, मैथिली (अनु०) '४३ आदि ; अप्र० चार संग्रह एवं पुस्तकें ; वि० अँगरेजी में भी कई पुस्तकें लिखी हैं ; प० नागदाद, मधुबनी, दरभंगा।

सुमन वात्स्यायन—ज० '१९, उघाडा, दरभंगा ; प्रका० जातक की कहानियाँ, पूजाविधि, शील और मैत्रीभवन, चीन में भारतीय साहित्य आदि ; अप्र० तीन पुस्तकें; प० लद्दाखी प्रोग्राम्स-प्रसारणभवन, नई दिल्ली।

सुरेंद्र प्रसाद, 'तरुण'—ज० ९ अगस्त '३१, प्रका० मगध-मुकुट '५०, स्वर्णवितान '५०, मधुमालिका '५३ (कवि०) आदि ; अप्र० दो-तीन पुस्तकें ; प० पंडितपुर, राजगिरि, पटना।

सुरेश्वर पाठक—ज० १९०९, रतैथ, मुंगेर ; शि० विद्यालंकार, विशारद ; सा० संपा० 'देश' पटना, 'प्रभाकर', 'नवयुग' एवं 'साहु-मित्र' (मुंगेर); हरिजन-सेवक-संघ के कार्यकर्ता ; प्रका० बिहार-वैभव (कवि०) '३९, बदलती दुनिया (उप०) '५१, दयान (उप०) '५२, रूसी जीवन की कहानी '५१, रचना-मयक, व्याकरण-मयक, गौरव-गाथा, अरण्यडाड की टीका आदि : प० द्वारा ज्ञानपीठ लि०, खजाची रोड, पटना—४।

सुशीलचंद्र सिंह, डा०—ज० १० सितंबर, '१३, फीरोजपुर ; शि० एम ए०, पी-एच डी०, डी० लिट०, लखनऊ वि०वि० ; प्रका० राजनीति '५४, महत्वपूर्ण शासन प्रणालियाँ '५६ आदि ; अप्र० तीन-चार पुस्तकें ; प० प्राध्यापक, राजनीति विभाग, वि०वि०, सागर।

सूर्यदेव मिश्र—ज० १९०२ ; शि० शास्त्री, प्रका० ध्रुव चरित (कवि०) '४६ ; प० हिंदी प्राध्यापक, जयनारायण इंटर कालेज, वाराणसी।

सैयद एजाज हुसेन, 'एजाज', डा०—ज० १८९९ इलाहाबाद, शि० एम ए०, डी० लिट०, इलाहाबाद वि०वि०, प्रका० मीर-तकमीर '५४, उर्दू साहित्य का इतिहास '५७ आदि लगभग बारह पुस्तकें ; उर्दू में भी लिखते हैं, उ० प्र० सरकार से पुरस्कृत ; वर्त० उर्दू विभागाध्यक्ष, इलाहाबाद वि०वि० ; प० नगेनन, ७, मिंटो रोड, इलाहाबाद।

सैयद मुहम्मद रजा नकवी—ज० १ फरवरी '१५, कुझवा, सारन ; प्रका० उर्दू शायरी और विहार (शोधप्रबंध) '५५ आदि ; वि० उर्दू में भी कई पुस्तकें लिखी हैं ; प० रोड नं० ५।१६, गरदनी बाग, पटना।

सोमनाथ गुप्त, डा०—ज० १० जून १९०५, अमरोहा मुरादाबाद ; शि० एम ए० प्रयाग वि०वि०, पी-एच० डी० आगरा वि०वि०, सा०रत्न, सा० अजमेर, राजपूताना एजूकेशन बोर्ड, आगरा वि०वि० आदि की पाठ्यक्रम-निर्माण समितियों के सद०, संयोजक हिंदी-कमेटी राजपूताना वि०वि०, सद० स्थायी समिति हिं० सा० सम्मे० ; प्रका० आलो० हिंदीभाषा ज्ञान-प्रकाश, साहित्य-बोध, हिंदी नाट्य साहित्य का इतिहास, साहित्य-सिद्धांत, अष्टछाप-पदावली (संपा०), चयनिका (संपा०), प्रबंधकाव्य-संग्रह (संपा०), हिंदी आलोचनाएँ, कुछ साहित्यिक स्वप्न-माला '५२, प्राचीन कवियों का विवेचनात्मक अध्ययन '५५, पूर्व-भारतेंदु हिंदी नाटक (आलो०) '५८, वैज्ञानिक क्षेत्र के कुछ प्रकाश (अनु०) '५२ आदि लगभग बीस पुस्तकें ; प० प्रोफेसर तथा अध्यक्ष, हिंदी एवं संस्कृत विभाग तथा उपाचार्य, एस० एम० के० कालेज, जोधपुर।

सोमनाथ साधु—ज० २२ सितंबर, '२२ ; प्रका० आज का चीन (इति०) '५३, पत्थर की मूर्ति (आलो०) '५६ आदि ; अप्र० चार-पाँच पुस्तकें एवं संग्रह ; प० ६ अ, गुप्त-कालोनी, सिविल लाइंस, दिल्ली।

सोहनलाल द्विवेदी—ज० १९०५, बिंदकी, शि० एम० ए०, एल-एल० बी० काशी हिंदू वि० वि० ; सा० लखनऊ के दै० 'अधिकार' के कई वर्षों तक संपा० रहे; प्रका० भैरवी '४१, विषपान '४१, वासवदत्ता '४२,

कुणाल '४२, गाँधी अभिनंदन ग्रन्थ (संपा॰) '४४, युगाधार, बासंती, चित्रा '४४, सेवाग्राम, पूजागीत, प्रभाती '४५, बाँसुरी, झरना, बिगुल '४४, सात कहानियाँ '४५, बच्चों के बापू '४८, चेतना (कवि॰) '५४, बालभारती आदि लगभग पचीस पुस्तकें ; वि॰ अनेक बार पुरस्कृत ; प बिंदकी, फतेहपुर ।

स्वराज्यप्रसाद, '*देवकुमार*', '*स्वराज्य*'—ज॰ १ जुलाई '२०, कानपुर ; शि॰ बी॰ ए॰ ; मा॰ भूत॰ सहा॰ तथा अर्थमंत्री प्रांतीय हि॰ सा॰ सम्मे॰, भूत॰ संपा॰ 'आलोक', भूत॰ सह॰ संपा॰ 'अग्रदूत' ; प्रका॰ भूख '४६; अप्र॰ गौतम बुद्ध (नाट॰) तथा दो संग्रह; वि॰ स्फुट पुरस्कार प्राप्त, प॰ नयापाडा, रायपुर ।

स्वरूपकुमारी बख्शी—ज॰ २२ जून '०८, लखनऊ ; शि॰ बी॰ ए॰ ; प्रका॰ कौडियों का नाच '५६, रेडियम के अक्षर (लघु कहा॰) '५८ आदि ; अप्र॰ दो-तीन संग्रह ; वर्त॰ आचार्या, नारी शिक्षा निकेतन, लखनऊ ; प॰ राजभवन, टेलीफोन एक्सचेंज रोड, लखनऊ ।

हजारीप्रसाद द्विवेदी, '*व्योमकेश शास्त्री*', डा॰ —शि॰ शास्त्राचार्य, डी॰ लिट॰ (सम्मानार्थ) लखनऊ वि॰ वि॰ ; सा॰ शांति-निकेतन (बंगाल) के भूत॰ हिंदी अध्यापक एव काशी वि॰ वि॰ के भूत॰ हिंदी-विभागाध्यक्ष , ओरियंटल कांफ्रेंस (दरभंगा), सा॰ परिषद (सम्मेलन के कराची अधि॰) और उ॰प्र॰ नव संस्कृति संघ (वाराणसी) के सभापति ; संपा॰ 'हिंदी विश्वभारती' और 'अभिनंदन ग्रंथ माला' ; उत्तर भारतीय अनेक वि॰वि॰ की शिक्षा समितियों से संबद्ध , प्रका॰ कबीर, सूर-साहित्य, हिंदी साहित्य की भूमिका, अशोक के फूल, बाण भट्ट की आत्मकथा, प्राचीन भारत का कला-विकास, हमारी सामाजिक समस्याएँ, विचार और वितर्क, साहित्य का साथी, हिंदी साहित्य का आदि काल, पृथ्वीराज रासो (संयुक्त संपा॰), सूरदास की कविता, प्रबध चितामणि (अनु॰), नाथ-सम्प्रदाय, चारुचंद्र (लेख) आदि लगभग बीस पुस्तकें ; अप्र॰ कबीरपंथी साहित्य, पुरातन प्रबंध-संग्रह, दो बहनें, रवींद्र-ग्रंथावली, मालवीय जी का जीवन-वृत्त ; वि॰ 'सूर-साहित्य' पर म॰ भा॰ हिंदी परिषद की ओर से पुरस्कार और 'कबीर' पर हिंदी सा॰ सम्मे॰ की ओर से 'मंगलाप्रसाद पारितोषिक' प्रदान किया गया प॰ अध्यक्ष हिंदी विभाग, पंजाब वि॰वि॰, चंडीगढ ।

हरकिशन सिंह—ज॰ १३ सितंबर '१०, मीठा तिवाना, शाहपुर ; शि॰ बी॰ए॰, एल-एल बी॰, पंजाब वि॰ वि॰ ; प्रका॰ हेर-फेर (अनु॰ उप॰) '४१, लेनिन '४२, आजकल की पंजाबी नसर (संपा॰) '४६-'४७, पुष्पमाला (जीव॰) '५० नवीन मोड नवीन राह (लघु कहा) '५४ आदि ;

अप्र॰ सात-आठ पुस्तके एवं संग्रह ; प॰ म॰ न॰ ७१९०, मोहल्ला नं॰ २५, क्लाइव रोड, जलंधर कैंट (पंजाब)।

हरचरन सिंह—ज॰ '१४ ; शि॰ एम॰ ए॰ पजाब वि वि॰, प्रका॰ कमला कुमारी '३७, राजा पोरस '३८ (नाट॰), जीवन-लीला '३९, सप्त ऋषि '४२ (एका॰), सिधियाँ (लघु कहा॰) '४३, दोष (नाट॰) '४९ आदि, अप्र॰ चार-पाँच संग्रह ; वर्त॰ पंजाबी प्राध्यापक, कैम्प कालेज, नई दिल्ली ; प॰ ७ बीदोनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली ५।

हरद्वारी लाल शर्मा, डा॰—ज॰ ६ अप्रैल '०९, हसनपुर, मेरठ ; शि॰ एम॰ ए॰, पी-एच॰ डी॰, शास्त्री, मेरठ कालेज ; प्रका॰ कला-विज्ञान '५१, सौंदर्यशास्त्र '५३, विचार-विज्ञान (दर्शन॰) '५६ आदि ; अप्र॰ तीन-चार संग्रह ; प॰ जिला विद्यालय निरीक्षक, जौनपुर।

हरशरणदास, 'शरण'—ज॰ ३१ जनवरी, '२८, मेरठ ; शि॰ साहित्याचार्य, साहित्यरत्न, साहित्यशिरोमणि, सिद्धांत-वाचस्पति, प्रभाकर ; प्रका॰ शोले '४८, उसने कहा (उप॰) '५२, विचार और समस्याएँ '५२, आज के कलाकार (आलो॰) '५६, काला ब्राह्मण '५६, परिश्रम का फल (बालो॰) '५७, रत्नावली (अनु॰) '५८ आदि ; अप्र॰ तीन-चार संग्रह ; प॰ ३१५ लोठियाँ रोड, जी॰ पी॰ ओ॰ के पास, काश्मीरी गेट, दिल्ली—६।

हरिकृष्ण अवस्थी—ज॰ '१५ ; शि॰ एम॰ ए॰ (सर्वप्रथम) '४० लखनऊ वि॰वि॰ ; सा॰ लखनऊ वि॰वि॰ के तत्वावधान में प्रका॰ त्रैमासिक 'ज्ञानशिखा' के सहा॰ संपा॰, लखनऊ और सीतापुर की साहि॰ संस्थाओं के के पदाधिकारी और सक्रिय कार्यकर्ता, स्वतंत्रता आंदोलन में भाग एवं कारावास, '५७ से एम॰एल॰ सी॰ ; प्रका॰ तुलसीकृत-उत्तरकांड (विस्तृत भूमिका सहित), तुलसी-मंजरी (संपा॰); वि॰ डी॰ लिट॰ के लिए शोधकार्य-रत ; प॰ प्राध्यापक, हिंदी-विभाग, वि॰वि॰, लखनऊ।

हरिकृष्ण त्रिवेदी—ज॰ १ नवंबर '११, शि॰ अल्मोड़ा ; सा॰ 'सैनिक' आगरा, 'हंस' काशी एवं दै॰ 'हिंदोस्तान' दिल्ली के संपादकीय विभागों में कार्य किया, प्रका॰ सुभाषचंद्र बोस (जीव॰) '३८, महाप्रस्थान के पथ पर (बँगला से अनु)) '४१; प॰ सुपई, बडेछिना, अल्मोड़ा।

हरिकृष्ण, 'प्रेमी'—ज॰ गुना, ग्वालियर ; सा॰ भूत॰ सहा॰ संपा॰ 'त्यागभूमि', 'कर्मवीर' और मा॰ 'भारती' लाहौर; एक वर्ष बम्बई रहकर फिल्मों में कथा, संवाद और गीत लिखे, लाहौर में भारती प्रेस की स्था॰, मा॰ 'सेवा' भी निकाली, सामयिक साहित्य-सदन लाहौर के संस्था॰ में एक,

मा॰ 'शिक्षा' के भूत॰ संपा॰ ; प्रका॰ कवि॰ आँखों में, जादूगरिनी, अनत के पथ पर, अग्निगान, प्रतिभा आदि ; नाट॰ : पाताल विजय, रक्षाबंधन, शिवासाधना, प्रतिशोध, आहुति, विषपान, मित्र, उद्धार, छाया, बंधन आदि, एकां॰ : बादलों के पार, मंदिर आदि ; अप्र सात-आठ संग्रह ; प॰ द्वारा राजपाल ऐंड संस, पुस्तक प्रकाशक और विक्रेता, दिल्ली।

हरिभाऊ उपाध्याय—ज॰ १८९२, भोनसागा, देवास ; शि हिंदू कालेजिएट स्कूल, काशी ; प्र॰ '१३ में ; जा॰ अँग्रेजी, गुजराती, मराठी एवं उर्दू ; सा॰ भूत॰ संपा॰ 'नवजीवन', 'त्यागभूमि', 'मालव-मयूख', 'राजस्थान एवं 'जीवन साहित्य', स्वतंत्रता-प्राप्ति के आंदोलनों में सक्रिय भाग लिया, कई बार कारावास ; प्रका॰ मौलिक : स्वतंत्रता की ओर, मनन और स्वगत, स्वामी जी का बलिदान, युगधर्म (जब्त), पुण्यस्मरण आदि ; अनु॰ : जीवन का सद्व्यय, कांग्रेस का इतिहास, मेरी कहानी, आत्मकथा, सम्राट अशोक और रागिनी, काकर का जीवन-चरित आदि अनेक ग्रंथ , प॰ महिला शिक्षा-सदन, हटुंडी, अजमेर।

हरिशंकर शर्मा, डा०—ज॰ २१ अगस्त, १८९२, हरदुआगंज, अलीगढ ; सा॰ 'मंगलाप्रसाद पारितोषिक' और 'देवपुरस्कार' के निर्णायक, भूत॰ संपा॰ 'आर्यमित्र', 'भारतोदय', 'सैनिक', 'साधना', 'प्रभाकर' आदि ; उ॰ प्र॰ हिंदी-पत्रकार-सम्मेलन प्रयाग के अध्यक्ष '४७, अ॰ भा॰ हि॰ सम्मे॰ (वृंदावन) द्वारा आयोजित कवि-सम्मे के अध्यक्ष, '४२ में कारावास, आर्यसमाज के कार्यकर्ता ; प्रका॰ प्रतापी प्रताप, सूक्ति-सरोवर, जीवन-ज्योति, गौरवगाथा, पद्यप्रभा, वीरांगनाएँ, विचित्र-विज्ञान, रस-रत्नाकर, उर्दू-साहित्य-परिचय, चिड़ियाघर, पिंजरापोल, धर्म-काव्य का आदि स्रोत (अनु॰), घासपात और विक्रम (कवि॰), रत्नाकर (आलो॰), हिंदुस्तानी कोश (संदर्भ), चरित्र-चंद्रिका (जीव॰) आदि लगभग पचास पुस्तकें ; अप्र॰ आठ-दस संग्रह एवं पुस्तकें ; वि॰ घासपात पर २०००) रु॰ का देवपुरस्कार, विक्रम पर ५०१) पुरस्कार बम्बई अ॰ भा॰ कवि-सम्मेलन से प्राप्त, आगरा वि॰वि॰ से डी॰ लिट॰ की उपाधि सम्मानार्थ प्राप्त, वयोवृद्ध कवि और साहित्यकार ; प॰ लोहामंडी, आगरा।

हरिश्चंद्र कालिया—ज॰ १० अक्टूबर '२६, सियालकोट ; शि॰ बी॰ ए॰ ; प्रका॰ पुखराज (लघु कहा॰) आदि , अप्र॰ चार-पाँच पुस्तकें एवं संग्रह ; वि॰ अँगरेजी में भी कई पुस्तकें लिखी हैं ; प॰ टी॰ सी॰ २।१, राजाबाजार नई दिल्ली।

हरिश्चंद्र विद्यालंकार—ज० ३ सितंबर, १९०३, फरमाना, रोहतक ; शि० बी० ए० ; प्रका० माता का संदेश '३७, बालरामायण '३८, शिष्टाचार '४० (ग्रामो०), आर्यसमाज का इतिहास '३२, महर्षि दयानंद सरस्वती '५०, मिलजुलकर काम करो '५६, सामवेद (अनु०) '५६ आदि ; अप्र० सात-आठ पुस्तकें एवं संग्रह ; प० ५९९६, कटरा लच्छूसिंह, दिल्ली—६ ।

हरिहरप्रसाद गुप्त, डा०—ज० '१०, जौनपुर ; शि० एम० ए०, एल० टी०, डी० फिल इलाहाबाद वि० वि० ; सा० भूत० रीडर, स्नातकोत्तर हिंदी-विभाग, इलाहाबाद वि० वि० एवं भूत० हिंदी विभागाध्यक्ष काश्मीर वि० वि० ; प्रका० प्रयोग और उनकी शब्दावली '५६ आदि ; अप्र० तीन-चार पुस्तकें एवं संग्रह ; प० ७९, त्रिवेणी- रोड, इलाहाबाद ।

हरीश अग्रवाल—ज० २० नवंबर, '३०, कासगंज, एटा ; शि० बी० एस-सी० ; प्रका० चाँद की यात्रा और राकेट (वैज्ञा० उप०), सूर्य की कहानी '५८ आदि ; प० 'नवभारतटाइम्स', १०, दरियागंज, दिल्ली ।

हेमचंद्र जोशी, डा०—ज० २१ जून, १८९४, नैनीताल ; शि० डी० लिट० ; प्रका० स्वाधीनता के सिद्धांत '२२, भारत का इतिहास '४०, विक्रमादित्य '४४ आदि ; अप्र० कई ग्रंथ ; वि० अनेक भाषाओं के ज्ञाता, भाषा-विज्ञान के मान्य विद्वान ; प० कोश-विभाग, नागरी-प्रचारणी-सभा, वाराणसी ।

परिशिष्ट तीन : संशोधन एवं अन्य परिचय

अंबाप्रसाद, 'सुमन', डा०—(पृ० ९८) शि० के अंतर्गत तीसरी पंक्ति में 'अलीगढ़ और बुलंदशहर जिलों की बोलियों का तुलनात्मक अध्ययन' विषय पर आगरा वि०वि० से डी० लिट० की उपाधि '६२ में प्राप्त' बढ़ा लें।

अंबिकाप्रसाद वाजपेयी, साहित्यवाचस्पति, संपादकाचार्य—(पृ० ९८) ज० के अंतर्गत प्रथम पंक्ति के अंत में 'पुराना कानपुर', जा० के अंतर्गत दूसरी पंक्ति में 'मराठी', छठी पंक्ति में 'श्राद्ध-प्रकाश', संपा के अंतर्गत सातवीं पंक्ति में 'संपा०' से पूर्व 'भूत० सहा०', 'हिन्दी बंगवासी' के पूर्व 'साप्ता०' और पश्चात् 'कलकत्ता', 'नृसिंह' के पूर्व 'भूत० संपा० मा०' तथा पश्चात् 'कलकत्ता', 'स्वतंत्र' के पूर्व 'दै०' और पश्चात् 'कलकत्ता', तथा 'सभा० हिं० सा० सम्मे० '३० काशी अधिवेशन' बढ़ा लें।

अंशुमान शर्मा—(पृ० ९८) प्रथम पंक्ति में 'आचार्य' के पूर्व 'एम० ए० नागपुर वि०वि०, छठी पंक्ति में 'सा०' के पूर्व 'पत्नी या पापागी (उप०), भोग या योग (दर्शन), मधुचंदा (नाट०), नरेन्द्र नीलिमा (कहा०), सुधींद्र-सुधा (कहा०), विमल-विभा (कहा०)' बढ़ा लें।

अखिलेश शर्मा—ज० १९०८; शि० उर्दू और संस्कृत; प्रका० दयानंद-लहरी (कवि०); अप्र० मधुबन (कवि०) एवं चार कविता-संग्रह, प० अध्यापक, मछरेहटा, सीतापुर।

अजायबसिंह चित्रकार—(पृ० ४९२) प्रथम पंक्ति में '२५' के स्थान पर '१८ फरवरी '२४' पढ़ें, दूसरी में 'योद्धा नहीं कामगार' के स्थान पर 'युगजात' पढ़ें; इसी पंक्ति में 'काव्य-संग्रह' के आगे 'गीतांजलि एवं मेघदूत का अनु०, तीन पत्रिकाओं का संपा०' बढ़ा लें; तीसरी में 'मिलगंज' के स्थान पर 'गिल रोड' पढ़ें।

अनंतप्रसाद विद्यार्थी—ज० '१२, प्रयाग; शि० एम ए०; सा० भूत० संपा० 'न्यू आर्डर' '३६, 'अभ्युदय', 'जीवन-ज्योति', 'देशदूत', 'बालसखा', 'गृहलक्ष्मी', 'हल', 'नया युग' आदि; प्रका० कवि : अंतर्नाद आदि, उप० : अतृप्त, ऊर्ध्ववृत, जीवित समाधि, हृदय का कोना, निरपराधी आदि, कहा० : त्रिकोण, जीवन के सपने, झलकियाँ, ग्रामीण जीवन के चित्र, चुंबन, चंद्रग्रहण आदि; जीव० : च्यांगकाई शेक, महात्मा गाँधी, मिस्टर चर्चिल, कमालपाशा आदि; अनु० : धरती माता, कज्जाक, टाल्सटाय की कहानियाँ, इंदीवर, धूप-छाँह, तख्ती, महिलाओं से, अमृत या विष आदि लगभग चालीस पुस्तकें; प० 'नया युग'-कार्यालय, प्रयाग।

अनगुणाप्रसाद पाठक - (पृ॰ २२) प्रथम पंक्ति में ''११' के स्थान पर ''१९' पढ़ें।

अनिरुद्ध झा, 'चंद्र'—ज॰ २ जनवरी, '३७, बौंसी (मंदारहिल) भागलपुर, शि॰ बी॰ ए॰ भागलपुर '६२, सा॰ सामा॰ सेवा, स्काउट तथा एन॰ सी॰ सी॰ ट्रेंड महा॰ शिक्षक : उन्नतर माध्य॰ बहु॰ विद्यालय, गोड्डा '५८; प्रका॰ स्फुट : अप्र॰ चंद्रकिरण (कवि॰), सत्य हरिश्चन्द्र (काव्य), मानव, अन्तर्द्वन्द्व (खंड), श्रीकृष्णार्जुन ज्ञान-दर्शन (काव्य), संगम (उप॰), कलाकार (कहा॰), जीवन-दर्शन (नाट॰), भाव-लहरियाँ (लेख॰), गाँधी (काव्य) आदि, प॰ ग्रा॰ डाँडै, पत्रा॰ डाँडै, (दुमका), संतालपरगना।

अनिल गांधी (पृ॰ ४९४) चौथी पंक्ति में 'अँग्रेजी सामा॰, 'दि नदर्न टाइम्स' के संपा॰ रहे हैं', छठी पंक्ति में 'हुई है' के पश्चात् आकाश-वाणी में लेखन-कार्य' बढ़ा लें।

अमृतलाल टाकोरदास नाणावटी—(पृ॰ २५) तीसरी पंक्ति में ''३४' के स्थान पर' '३९' पढ़ें तथा चौथी पंक्ति में 'मंत्री' के पूर्व 'परीक्षा एवं संयुक्तमंत्री राष्ट्र-भाषा-प्रचार-समिति, वर्धा '४०-'५२' बढ़ा लें।

अवधनंदन—(पृ॰ २८) दूसरी पंक्ति में '३२ के स्थान पर ''५९ पढ़ें तथा पश्चात् 'द॰ भा॰ में हिंदी का प्रचार' बढ़ा लें; दूसरी पंक्ति में 'मंत्री' के पूर्व 'प्रांतीय, साहित्य, शिक्षा तथा संयुक्त' बढ़ा लें, तीसरी पंक्ति में 'हिंदी स्वबोधिनी, भगवान बुद्ध, तमिल साहित्य और संस्कृति' तथा इसी के पश्चात् 'संपा॰ कंब रामायण (तमिल) तथा रंगनाथ रामायण (तेलुगु) के हिंदी अनु॰' बढ़ा लें।

अश्विनीकुमार चित्तौड़ा—(पृ॰ ३०) दूसरी पंक्ति में 'बिजोलिया' के पश्चात् 'उपाध्यक्ष, साहित्य-भारती, भीलवाड़ा' एवं 'स्फुट' के पश्चात् 'द्वार और दो आँखें (कवि॰ संग्रह)' तथा तीसरी पंक्ति में 'प॰' के पश्चात् 'वरिष्ठाध्यापक, हिंदी विभाग' बढ़ा लें।

अरुणकुमार द्विवेदी (पृ॰ २७) दूसरी पंक्ति में 'मानव' के पश्चात् 'आगरा से प्रका॰ 'नये विज्ञापन' मासिक के प्रबंध संपादक अगस्त से नवंबर '६२ तक' बढ़ा लें।

आनंदनारायण शर्मा—(पृ॰ ३१) तीसरी पंक्ति में 'उपसभापति, हिंदी-साहित्य-सम्मेलन पटना' के स्थान पर 'उपसभापति, पटना नगर हिंदी-साहित्य-सम्मेलन' पढ़िए।

आनंदवर्धन रामचंद्र रत्नपारखी—(पृ० ३२) तीसरी पंक्ति में '५९ के के पश्चात् 'कुसुमलक्ष्मी' (संस्कृत उप०) '६१' एवं 'वि०' के पश्चात १००० रु० का 'गंगानाथ झा पुरस्कार' उ० प्र० सरकार से प्राप्त, तथा पाँचवी मे 'प०' के पश्चात् 'राज्य सभा सचिवालय मे तेरह वर्षो से सहायक' बढ़ा ले।

आर० पी० साह, स्वामी—(पृ० ३३) प्रथम पंक्ति में 'नाम' मे स्वामी के पूर्व 'येसुसमाजी', 'प्रवेशिका' के पश्चात 'साहित्य विशारद' बढ़ा लें, एवं आठवी पंक्ति मे 'प्रवेशिका ब्राह्मण' के स्थान पर 'प्रवेशिका व्याकरण' पढ़े।

आर० वीभ्क्षिनाथन—(पृ० ३३) प्रथम पंक्ति में 'प्रवीण' के पश्चात '(सर्वप्रथम)', द्वितीय पंक्ति में 'त्रिचनापल्ली में' के स्थान पर 'त्रिचिरापल्ली द्वारा कई स्थानो में', पाँचवी पंक्ति मे 'मद्रास' के स्थान पर 'के विभिन्न केन्द्रों' बढ़ा लें; सातवी पंक्ति मे 'तामिल और गुजराती' के स्थान पर 'तमिल' पढ़ें तथा सातवीं पंक्ति में 'अनु०' के पश्चात् 'तमिल लेखक संघम् मद्रास द्वारा तमिल-हिंदी साहित्य के आदान-प्रदान-कार्य के उपलक्ष में स्वर्णपदक प्राप्त '६२' बढ़ा ले।

ईश्वरशरण पाण्डेय—ज० १ जुलाई, '३१; शि० बी० काम, साहित्यभूषण; सा० उपसंचा० लोक साहित्य मंडल, लखनऊ, संपा० बालो० मा० 'बाल-वाटिका' '६१ मे; प्रका० स्फुट; अप्र० दो कहानी-संग्रह; प० ४२, लश्करी, रकाबगंज, लखनऊ।

ईश्वरीप्रसाद गुप्त—(पृ० ३६) प्रथम पंक्ति मे 'मोतीहारी' के आगे 'प्रवेशिका परीक्षोत्तीर्ण' बढ़ा लें; तीसरी पंक्ति में 'कमला '४०' के स्थान पर 'कमला '३८' पढ़ें; इसी के आगे 'प्रेतों के राज में, कानून के दायरे, वेला, समाधान आदि उप०' बढ़ा लें; चौथी पंक्ति में 'प' के पूर्व 'वि० अनेक कहानियो के कुशल लेखक, अनेक निबंध, कहानी एवं कविताओं का प्रकाशन '३६ से '४२ तक' बढ़ा लें।

उदयभानुसिंह—(पृ० ३७) तीसरी पंक्ति में '४१' के स्थान पर '५१' पढ़ें तथा इसी के पश्चात् 'द्वितीय संस्करण '६२' तथा अंतिम पंक्ति मे 'वर्त०' के पूर्व 'महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग' तथा 'हिंदी के स्वीकृत शोधप्रबंध' भी उ० प्र० सरकार द्वारा पुरस्कृत' बढ़ा लें।

उद्धवप्रसाद शुक्ल, 'उद्धव'—(पृ० ४९९-५००) पृ० ५०० की पहली पंक्ति में 'प्रका० स्फुट; अप्र० तीन संग्रह :' के स्थान पर 'प्रका० हम्मीर

बीरत्व '४९ ; अप्र गागर में सागर, आदमी के पास क्या है, गंगावतरण आदि , वि सनेही-स्कूल के कवि' पढ़िए।

उपेंद्रनाथ, 'अश्क'—(पृ० ५८०) चौथी पंक्ति में 'गिरती दीवारें' के पूर्व बढ़ा लें—'नौरत्न, औरत की फितरत, डाची '३९ आदि कहानी-संग्रह, सितारों के खेल '४७ आदि उपन्यास', पापी, जय-पराजय, स्वर्ग की झलक, देवताओं की छाया में, छै बेटे, प्रात प्रदीप आदि नाटक—सब लगभग पचास पुस्तकें लिखी हैं'।

उमादत्त सारस्वत, 'दत्त'—(पृ० ३९) द्वितीय पंक्ति में 'संपा० 'काव्य-कलाधर', कलकत्ता' के स्थान पर 'स्थानीय संपा० 'काव्य-कलाधर' (परिचयात्मक) कलकत्ता' पढ़ें , पाँचवीं पंक्ति में 'मंदोदरी' के पश्चात् 'भाई-बहन (कहा०), मिलन-मंदिर (नाट०), प्रवासीपति (काव्य)' बढ़ा लें।

उमाशंकरप्रसादसिंह, शंकर—(पृ० ३९) प्रथम पंक्ति में ''२५' के आगे 'शि मैट्रिक तक', दूसरी पंक्ति में 'संचा०' के पूर्व 'रश्मि' हस्त-लिखित पत्रिका का संपादन तथा बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना—३ का प्रचार-कार्य' तथा तीसरी पंक्ति में 'कुंज' के आगे 'प्र० '४४ में', एवं ''५१' के आगे 'अप्र० संगिनी, पूर्णिमा, गाँव की ओर, त्रिशूल, वृकोदर, जौहर-ज्वाला (काव्य), आँधी पानी, आलरीन (उप०)' बढ़ा लें।

उमाशंकर शुक्ल—ज० २३ जुलाई, '१८ ; सा० भूत० मंत्री हिंदी मंदिर, वर्धा ; 'युनाइटेड प्रेस आफ इंडिया' के वर्धा-स्थित प्रतिनिधि ; अनेक हिंदी पत्र-पत्रिकाओं के प्रतिनिधि, भारतेन्दु हिंदी-सिंडीकेट के संस्थापकों में, भूत संपा० साप्ता० 'संगम' '४२ एवं मा० 'कला' , प्रका० स्फुट ; अप्र० चार-पाँच पुस्तकें एवं संग्रह ; प० भारतेन्दु सिंडीकेट, वर्धा।

एच० बालसुब्रह्मण्यम, 'विद्वान'—(पृ० ४२) चौथी पंक्ति में 'मद्रास' के स्थान पर 'केरल', पाँचवी पंक्ति में 'शिक्षा परिषद्' के स्थान पर 'कार्यकारिणी' पढ़ें ; इसी पंक्ति में 'सद०' के पूर्व 'भूत०' बढ़ा लें ; छठी पंक्ति में 'मद्रास न्यू कालेज में हिंदी के प्राध्यापक' के स्थान पर 'गृह मंत्रालय की हिंदी शिक्षण योजना के अन्तर्गत सरकारी कर्मचारियों के हिंदी अध्यापक' तथा सातवीं पंक्ति में 'हिंदी कालेज' के स्थान पर 'भवन' तथा 'तिरुवनंतपुरम' के स्थान पर 'तिरुवनंतपुरम ९' पढ़ें।

एन० ई० विश्वनाथ अय्यर, डा०—(पृ० ४२) तीसरी पंक्ति में 'हिंदी-बोधिनी' पढ़ें · आठवीं पंक्ति में 'कथा-प्रदीप' के पश्चात् ''संक०)' बढ़ा

ले ; नवी पंक्ति में 'झाँकी (शोधप्रबंध)' के स्थान पर केवल 'झाँकी' पढ़ें, दसवीं पंक्ति मे 'मुख्य प्रवृत्तियाँ' के पश्चात 'शोध-प्रबध' बढ़ा लें।

एन० एस० सुन्दर रामन—(पृ ४३) प्रथम पंक्ति में ''२१' के स्थान पर ''३१' पढ़े।

एन० चन्द्रशेखरन नायर—(पृ० ४३) दूसरी पंक्ति में 'त्रिवेणी' के स्थान पर 'द्विवेणी' पढ़े, इसी पंक्ति मे 'प्रंशालोकम्' के पश्चात 'गत तेरह वर्षों से महात्मा गाधी कालेज, त्रिवेन्द्रम मे प्राध्यापक' बढ़ा लें।

एम० एस० कल्याण सुंदरम—(पृ० ४३) द्वितीय पंक्ति में 'वि०वि०' के स्थान पर 'हि० प्र० सभा' पढ़े, पंजाब वि०वि० के पश्चात 'विशारद, हिंदी सा० सम्मे० प्रयाग' बढ़ा लें, तृतीय पंक्ति में 'तेलुगु' के पश्चात् 'संस्कृत, जर्मन' बढ़ा ले; चौथी पंक्ति में 'मदुराई' के स्थान पर 'मदुरा', द्वितीय, चौथी पाँचवी, छठी पंक्तियों मे 'तामिल' के स्थान पर 'तमिल' पढ़ें।

ओंकार, 'राही'—ज० २० मई, '४० , शि० एम० ए० दिल्ली वि वि० ; सा० संपा० वार्षिक 'काँगड़ा' '६२ ; प्रका० स्फुट ; अप्र० लल्लू जी लाल के साहित्य में खड़ीबोली का स्वरूप एव दो उप० तथा दो० लेख-संग्रह ; प० प्राध्यापक, नेशनल कालेज, सिरसा (पंजाब)।

ओंकारलाल शर्मा, 'प्रमद'—(पृ० ४५-४६) पृ० ४५ की प्रथम पंक्ति मे '३० दिसंबर '३४' के पश्चात 'अशोकनगर (म०प्र०)' बढ़ा ले ; पृ० ४६ की तीसरी पंक्ति में 'प० पनली गली (जैन मंदिर), आगर, मालवा' के स्थान पर 'स्थायी पता—साहित्य कुटीर, भेलसा रोड, अशोकनगर (म०प्र०), वर्तमान पता—हिंदी व्याख्याता, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भानपुरा, पो० भानपुरा (मंडल मंदसौर) म० प्र०' पढ़े।

ओमप्रकाश पचरंगिया—ज० १६ जुलाई, '३८, चिड़ावा (राज०); शि० इटर, एच०एम० डी०, सा०रत्न; प्रका० अनंत-विजय (गीत) आदि; अप्र अक्षता (खंड०), अर्चना के फूल (गीत०) उत्सर्ग (महा०) आदि चार-पाँच पुस्तकें ; प० पचरंगिया भवन, चिड़ावा, झुँझनूँ (राज०)।

ओमप्रकाश माथुर—(पृ० ४७) प्रथम पंक्ति में '१९ मई' के स्थान पर '१० मई' पढ़ें।

ओमवती अग्रवाल—ज० '१६, नयागाँव, छावनी (झाँसी) ; शि० इटर, साहित्यरत्न ; जा० गुजराती, संस्कृत बँगला, उर्दू, पंजाबी और अँगरेजी ; प्रका० भारतीय कथाएँ, अभय-गान ; वि० 'संकटकाल मे नारी का सहयोग' पर शोधकार्यरत प० नया गाँव, छावनी, झांसी।

कमलाकांत पाठक, डा०—(पृ. ५२) चौथी पंक्ति में 'हिंदी-प्राध्यापक' के आगे ''४५-'४७' तथा पाँचवी पंक्ति में ''४७-'४८' के पूर्व 'असिस्टेट प्रोफेसर, हिंदी विभाग, सागर वि वि०' बढ़ा लें।

कमलेश जैन—ज० '१५, सा० कई वर्षों तक गुजरात एवं दक्षिण में हिंदी प्रचार किया ; प्रका० लगभग एक दर्जन पाठ्यपुस्तकें ; प० हिंदी पुस्तकघर, वनेलीपोल, उमरेठ, जिला खेड़ा।

कामताप्रसाद जैन (पृ० ५६) बारहवीं पंक्ति में 'धर्म का प्रसार' के पश्चात 'मिशन के संरक्षण में शोधकार्य को आगे बढ़ाने मे सहायता पहुँचाने एवं जैन साहित्य के अध्ययन को प्रोत्साहित करने के लिए 'अन्तर्राष्ट्रीय जैन विद्यापीठ' की स्थापना की', तथा सोलहवीं पंक्ति मे 'वि' क पश्चात्, 'एशियाटिक पब्लिकेशंस ने आपको अर्पित अँग्रेजी अभिनदन ग्रंथ प्रका० किया '६०' बढ़ा ले, अठारहवी पक्ति में 'डयूकमेनियन चर्च' के स्थान पर 'डयूकमेनियन चर्च' पढ़ें।

कालिकाप्रसाद दीक्षित 'कुसुमाकर'—शि० कानपुर ; सा० भूत० संपा० 'महारथी' दिल्ली एवं 'वीणा' इंदौर (लगभग पन्द्रह वर्ष) ; भूत० सद० कानपुर हिंदी सा० मंडल एवं पत्रकार संघ की कार्यकारिणी ; प्रका० गद्य-सुधा, गल्परत्न आदि ; अप्र० रुनझुन (कवि०) एवं चार-पाँच संग्रह, प० द्वारा राष्ट्रभाषा-प्रचार-समिति, वर्धा।

किशोरीलाल गुप्त, डा०—(पृ० ५८) पृ० ५८ की छठी पंक्ति में 'श्मामा' के स्थान पर 'श्यामा' पढ़े, पृ० ६० की तीसरी पंक्ति में 'विध्वस' के आगे 'कालिदास हजारा, गोसाईं चरित, हिंदी अमरुशतक' तथा इसी पक्ति में 'वि०' के आगे 'पी-एच० डी० के शोध प्रबंध का विषय 'शिवसिंह सरोज' में दिये गये कवियों-संबंधी तथ्यों एवं तिथियों का आलोचनात्मक परीक्षण' बढ़ा लें।

कुमार विमल, प्रो०—(पृ०६०) प्रथमपंक्ति में 'एम०ए०' के पूर्व 'बी०ए० आनर्स आर० डी० एण्ड डी० जे० कालेज, मुंगेर', सातवी पक्ति में 'विवेचन' के आगे 'सौन्दर्य-शास्त्र पर एक विस्तृत शोधप्रबंध का लेखन' तथा आठवीं पंक्ति मे 'मुंगेर' के पश्चात् 'बिहार' बढ़ा लें।

कुमुद झिंगरन, श्रीमती—ज० १ जनवरी '२५ ; प्र० '५७ में ; प्रका० अभिसार (खंड) '६३, अप्र० गद्य-गल्प, मुक्तक-माला, देश-गान (कवि०) आदि ; प० द्वारा श्रीत्रियुगीनारायण झिंगरन, मिर्जामंडी, लखनऊ।

कुलभूषण, 'अनुभवी'—ज० २ सितंबर, '२९, बन्नू (प० पाकिस्तान). शि० बी० ए०, सा०रत्न, प्रभाकर, एन० डी० (प्रा० चि शास्त्री) सा० भारतीय प्राकृतिक चिकित्सा संघ के मंत्री एवं भोपाल लेबर कालेज की प्रबंधक-समिति के सद० ; प्र० '५६ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र आजकल (एका०); वि० स्फुट पुरस्कार प्राप्त; प० ७।१५ मोची ओली, लश्कर, ग्वालियर।

कृत्यानंद सिंह—(पृ० ५०८) पाँचवी पंक्ति में 'संगृहीत' के आगे 'वि० ग्राम-गीत-संकलन में संलग्न' एवं 'प०' के आगे 'स्थायी पता—रायपुरा, चरनडीह, (वाया मुलतानगंज), जिला भागलपुर' बढ़ा ले ।

कृष्ण किशोर मिश्र—(पृ० ६३) दूसरी पंक्ति मे 'एल-एल० बी०' के आगे 'प्रीवियस' बढा लें ।

कृष्णचंद्र विद्यालंकार—(पृ० ६५-६६) प्रथम पंक्ति में '२९ नवबर' के स्थान पर '२८ नवंबर' पढे , पृ० ६६ पर दूसरी पंक्ति से 'श्रद्धा' निकाल दे एवं तीसरी पंक्ति मे 'कमाल' के आगे 'आदि' बढ़ा लें और 'अप्र०' को 'ग्रंथ' के पूर्व कर लें ।

कृष्णदत्त भारद्वाज—(पृ० ६६) तृतीय पक्ति मे 'प्रह्लाद' के स्थान पर 'प्रह्‌लाद' पढें, पृ० ६७ पर प्रथम पंक्ति मे 'वनमाला' के आगे '(टीका)' एव द्वितीय मे 'पर तत्व सूत्रम्' के पूर्व 'मौलिक कृति' बढा लें ।

कृष्णानंद व्यास, 'बेआस'—(पृ० ६९) प्रथम पक्ति में '१ जुलाई '३१' के स्थान पर '१ जुलाई '२१' पढे ; तीसरी पंक्ति में 'किस ओर जा रहे हो' के आगे 'बढो वीर हिमालय पार' बढा ले ; चौथी मे 'लोकगीत' के पूर्व 'सास्कृतिक', 'रुबाइयाँ' के पूर्व 'बेआस की' तथा इसी के आगे 'बेआस'-शतक, बाँसुरी-गागरी-संवाद ; यंत्रस्थ० ' ला० हरदौल तथा नगदनारायण की कथा' बढा लें ।

कृष्णलाल हंस, डा०—(पृ० ६९) तृतीय पंक्ति में 'सावित्री' के आगे '(खंड०)', पाँचवी पंक्ति में 'लोकसाहित्य' के आगे 'क्रांति की चिनगारियाँ, स्वातंत्र्य सेनानी (अनु०) आदि ४० पुस्तके', नवी पंक्ति में 'पुरस्कार' के पश्चात् 'सहसंपा० 'आलोक' एवं 'नवभारत जागरण'' बढा ले तथा इसी पंक्ति में 'देवास' के स्थान पर 'बैतूल' पढ़ें ।

कृष्णवंश सिंह बाघेल—(पृ० ६९) प्रथम पक्ति में 'रीवाँ' के पश्चात् 'प्रयाग और बनारस' बढ़ा ले ; दूसरी पंक्ति में 'प्रका०' के पूर्व 'जा अँगरेज एवं संस्कृत' बढा ले चौथी पंक्ति में 'प०' के पूर्व 'विश्व कवि

कालिदास ; वि नुतनमी पंच पत्र पर विध्यप्रदेश शासन से ५००) रु० का पुरस्कार प्राप्त' बढ़ा लें।

के० एस० चिदंबरम, भारद्वाजन—(पृ० ७०) प्रथम पंक्ति मे 'तिरुनेलवेलि' के स्थान पर 'कल्लिडैक्कुटिच्ची, तिरुनेलवेलि, जि० तमिलनाड' पढ़े, दूसरी पंक्ति में 'शि ' के पूर्व 'प्रारंभिक भारद्वाजाआश्रम-संचालित गुरुकुलम मे '२५ तक' बढ़ा ले, चौथी एवं पाँचवी पंक्तियों मे 'तामिल' के स्थान पर 'तमिल' पढ़े, छठी पंक्ति के अत में 'केरल' जोड लें।

के० गणपति भट्ट—(पृ० ७०) दूसरी पंक्ति में 'श्रीनिराला एकेडमी' के स्थान पर 'जयश्री निराला एकेडमी' पढ़ें ; पाँचवी पंक्ति मे 'लिटरेचर कपनी' के स्थान पर 'लिट को ' पढ़े ; इसी पंक्ति में 'हिंदी बोध' के आगे 'तथा एकाकी, नाटक आदि' बढा लें ; 'दक्षिक्ष' को 'दक्षिण' पढ़ें ; छठी-सातवी पंक्ति में 'दस वर्ष से मैसूर में हिंदी प्रचारक' के स्थान पर 'गत २५ वर्षों से हिंदी प्रचारक तथा सिनेमा-अभिनेता रह चुके हैं' पढ़े ; इसी पक्ति मे 'के० आर० लोटिनोडम' के स्थान पर 'के० आर० वनम' पढ़ें।

के० भुजबली शास्त्री—(पृ० ७२) प्रथम पंक्ति में 'काशिपहड' के स्थान पर 'मूडुबिद्री, कर्नाटक' पढ़े, इसी के आगे 'जा० प्राकृत, संस्कृत, अँग्रेजी तथा कन्नड' बढ़ा ले ; दूसरी पंक्ति में 'हिंदी-सेवा मे संलग्न' के आगे 'भूत० सद० ऋषभ ब्रह्मचर्याश्रम मथुरा, कार्यकारिणी समिति जैन विद्वत्परिषद्; भारतवर्षीय दि० जैन संघ मथुरा के अन्वेषण विभाग के मंत्री, अध्यक्ष आरा जैन भ्रातृ संघ, श्री जैन कन्या पाठशाला पणावेल तथा परस्पर सहायक संघ मूडुबिद्री, उपाध्यक्ष . आरा साहित्य परिषद तथा स्वागताध्यक्ष बिहार हि० सा० सम्मे०, वर्त० सद० ओरियटल रिसर्च इस्टीट्यूट मैसूर, वि वि० बहुमान निर्णय समिति मैसूर सरकार, मंत्री : वीर वाणी विलास जैन सिद्धान्त भवन, आदर्श ग्रथ माला के संचालक एव दो पत्रों के संपा०, 'दि सेट्रल जैन ओरियंटल लाइब्रेरी' आरा मे पुस्तकाध्यक्ष २३ वर्ष तक' बढ़ा लें ; सातवी पंक्ति में 'विचरिते' के आगे 'प्रका० स्फुट' तथा 'ज्ञान-कुज-मूदबिदरी (एस के०)' के स्थान पर 'मूडुबिद्री, कर्नाटक' पढ़ें।

कैलाश नाथ जैन, 'कमल'—(पृ० ७५) पाँचवी पक्ति में जैन भजनावलि' के स्थान पर 'जैन भजनांजलि', चौथी पंक्ति में 'मालव विद्यापीठ' के स्थान पर 'ग्वालव विद्यापीठ', छठी पंक्ति मे '१६२ चौक' के स्थान पर '१७२ चौक' पढ़ें।

कैलाशनाथ भटनागर, डा०—ज० ११ जुलाई १९०६ ; शि० एम० ए०, '२८, पी-एच० डी० '४१, सा० भूत० हिंदी अध्यापक सनातनधर्म कालेज, लाहौर ; पंजाब की प्रत्येक साहि० संस्था में अनेक वर्षों तक सक्रिय सहयोग दिया, भूत० सद० पंजाब वि०वि० संस्कृत बोर्ड ; प्रका० नाट्य-सुधा, भीम प्रतिज्ञा (नाट०), कुणाल, निकुंज (एकां०), श्रीवत्स (नाट०), गल्प-विनोद, गद्य-प्रसून (संक०), नवसतसई-सार (संक०), गद्य-चयनिका आदि ; अप्र० मृच्छकटिक (अनु०) एवं सात-आठ पुस्तकें और संग्रह, वि० संस्कृत में भी कई ग्रन्थ लिखे हैं, 'नाट्यसुधा' पंजाब टेक्स्टबुक कमेटी से पुरस्कृत; प० युनिवर्सिटी कैंप कालेज, दिल्ली ।

क्षेमचंद्र, 'सुमन'—(पृ० ५१४) प्रथम पंक्ति में '११६' के पश्चात् 'बाबूगढ, मेरठ'; 'स्नातक' के पश्चात् 'गुरुकुल, ज्वालापुर' बढा लें, तीसरी मे 'आगरा' के पश्चात् ''३८', 'राज्य' के आगे ''२९' तथा 'धनौरा' के बाद ''४०', चौथी मे 'लाहौर' के बाद ''४१-'४२' तथा 'आंदोलन' के आगे 'के सिलसिले मे मार्च '४३ में पंजाब सरकार द्वारा नजरबंद, १० महीने जन्म स्थान बाबूगढ़ (मेरठ) में नजरबंद' बढा लें, सत्रहवीं पंक्ति मे ' '६०' के आगे 'हिंदी के लोकप्रिय कवि-त्यागी '६१' बढ़ा लें ।

गंडासिंह, डा०—(पृ० ४१५) प्रथम पंक्ति में 'हरियाना, होशियारपुर' पढ़ें, दूसरी मे 'सा०' के पूर्व 'पी-एच० डी० इतिहास, पंजाब वि०वि०' बढा लें, छठी मे 'अवदन' के स्थान पर 'अवादान' और 'परशियन गल्फ' के स्थान पर 'ईरान' पढ़ें, सातवीं में 'पंजाबी' के पूर्व 'आर्काईवज व' बढा लें, अंतिम मे ''५६' के स्थान '६३' कर लें, 'पुस्तकें' के बाद 'वि० साहित्य तथा इतिहास-सेवा के लिए पंजाब सरकार की ओर से सम्मान '६३' बढा लें और 'लोवर' के स्थान पर 'लोयर' कर लें ।

गंगाप्रसाद गौड, 'नाहर'—(पृ० ७७) प्रथम पंक्ति में '१० अगस्त १९०२' के आगे 'भूपतिपुर चिरय्याकोट' तथा 'आजमगढ' के आगे 'यू पी०' बढा लें ; दूसरी पंक्ति मे 'उर्दू' के पूर्व 'हिंदी' बढ़ा लें ; तीसरी पंक्ति मे 'रेल विभाग मे कार्य-किया' के आगे 'इलाहाबाद हाईकोर्ट से मुख्तारी व रेवेन्यू एजेंट के डिप्लोमा लिए तथा नेशनल नेचुरोपैथिक कालेज लखनऊ से एन० डी व प्राकृतिक चिकित्सा-आचार्य की डिग्रियाँ ली, रेडियो कलाकार तथा प्राकृतिक चिकित्सक' बढ़ा लें; सातवीं पंक्ति में 'नवीन चैती का हीरा' के आगे 'डाक्टर मिट्टी और डाक्टर तुलसी' बढा लें ; नवीं पंक्ति में 'अन्य ग्रंथ' के आगे 'आकस्मिक दुर्घटनाओं की सरल चिकित्सा खाद्य-चिकित्स

चार्ट, हजार अनमोल-रत्न, मृगृहिणी, चुड़ैल चाय से बचो, ४० के बाद स्वस्थ रहने और लम्बी आयु पाने की कला, आदर्श रसोइया, नारी-स्वास्थ्य, सौदर्य और शृंगार, यौन रोग और उनकी प्राकृतिक चिकित्सा तथा समृद्धि-सुन्दरी आदि' बढ़ा लें।

गंगाप्रसाद पांडेय, 'बसंत'—(पृ० ७७) प्रका० के अंतर्गत सातवीं पंक्ति मे 'सात श्रेष्ठ एकाकी (संक०)' बढ़ा लें।

गंगाशंकर मिश्र—(पृ० ७८) प्रथम पंक्ति मे 'हरदोई' के पूर्व 'भगवतनगर', पाँचवी पंक्ति में 'सन्मार्ग' के पूर्व 'दै०', 'कलकत्ता' के पूर्व 'वाराणसी एवं' तथा आठवी पंक्ति मे 'वाराणसी' के पश्चात् 'एवं कलकत्ता' बढ़ा लें।

गंगाशरण शर्मा, 'शील'—(पृ० ७८) प्रथम पंक्ति में '१९०५' के आगे 'अमरोहा' तथा इसी पंक्ति में 'शि०' के आगे 'हाईस्कूल अमरोहा, इंटर चंदौसी' बढ़ा लें; तीसरी पंक्ति में 'प्रका०' के पूर्व 'प्र० '६० में' बढ़ा लें, इसी पंक्ति मे 'हिन्दी साहित्य परिषद' के आगे 'सुदर्शन' तथा 'संकीर्तन' का मेरठ से संपादन किया '२० तक' बढ़ा लें, छठी पंक्ति में 'रुचि लेते हैं' के आगे 'अखिल भारतीय विद्वत्परिषद द्वारा 'विद्याभूषण' की उपाधि प्राप्त, मानस तथा गीता-प्रचार मे रुचि' बढ़ा लें, सातवीं पंक्ति मे 'प्रेम-निवास' के आगे 'मुहल्ला श्रीकृष्णनगर' तथा 'चँदौसी' के आगे 'जि० मुरादाबाद' बढ़ा लें।

गणपतिचंद्र भंडारी—(पृ० ७९) तीसरी पंक्ति मे 'जोधपुरी' के स्थान पर 'जोधपुर', छठी में 'राखी' के स्थान पर 'राणी', ग्यारहवीं मे 'आलो०' के स्थान पर 'एका०' एवं ''५५' के स्थान पर ''५९' पढ़ें; नवीं पंक्ति से 'प्र० '३४ में' एवं बारहवीं से 'इंद्रधनुष' निकाल दें; पृ० ७९ की अंतिम पंक्ति मे 'वैज्ञानिक' के पूर्व 'भाषा' बढ़ा लें।

गयाप्रसाद द्विवेदी, 'प्रसाद'—(पृ० ८३) तीसरी पंक्ति में 'बद्री' के स्थान पर 'बदरी' और 'नन्द' के स्थान पर 'नन्दि' पढ़ें।

गयाप्रसाद शुक्ल, 'सनेही'—ज० १८८३; सा० हि० सा० सम्मे० के भरतपुर-अधिवेशन मे अ० भा० कवि-सम्मेलन के सभा०, संचा० संपा० 'सुकवि' कानपुर; प्रका० प्रेम पचीसी, कुसुमांजलि, कृषक-क्रंदन, मानस-तरंग, करुण भारती, संजीवनी आदि दस-बारह काव्य एवं संग्रह; वि० कानपुर के साहित्य-समाज मे 'गुरुवत्' सम्मानित, 'त्रिशूल' उपनाम से राष्ट्रीयता-प्रधान कविताओं के रचयिता, वयोवृद्ध सुकवि; प० सुकवि प्रेस, कानपुर।

गिरधारीलाल शर्मा, 'गर्ग'—शि० बी ए० (आनर्स), प्रका० विमान, कहानी-कला, आकाश की सैर आदि दस-बारह पुस्तके ; अप्र० चार-पॉच सग्रह; प० मिरचई गली, पटना।

गुरुनाथ महादेव जोशी, 'जोगु', 'नीलकंठ'—(पृ० ८६ ८७) चौथी पक्ति में 'कारावास' के बाद बढा ले 'कर्नाटक' प्रांतीय हिंदी प्रचार सभा (धारवाड), दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा मद्रास मे संचालित प्रशिक्षण प्रचारक विद्यालय के भूत० प्रधानाचार्य ; संपा० 'भारतवाणी' '६३, कर्नाटक प्रांतीय हिं० प्रचार सभा के मत्री '६३, इदौर हि० सा० सम्मे की 'स्टैंडर्ड कमेटी' के सदस्य, हिंदी ज्ञान यात्री मडल के मत्री '३५ से '३९ तक तथा केन्द्रीय सरकार की हिंदी योजना के सिलसिले मे बिहार मे '५८ मे हिंदी एवं कन्नड़ साहित्य पर व्याख्यान दिये' ; इसी पंक्ति मे 'जलतरग' के आगे 'गल्प-संसार-माला' (अनु० कन्नड़ कहा०) भी बढ़ा ले।

गुरुवचनसिंह—(पृ० ८७) पाँचवी पंक्ति के अंत में '९ अ, पंजाबी लाइन, रामदास भट्टा, जमशेदपुर—१' बढ़ा ले।

गोपाल जी, 'स्वर्णकिरण'—(पृ० ८९) पॉचवी पक्ति मे 'शोधकार्य-रत' के आगे बढा ले—'हिंदी मे समस्यापूर्ति की परंपरा तथा विकास पर पटना वि०वि० मे शोधकार्य, जैन कालेज आरा (बिहार), ठाकुरदेवसिंह विष्ट राजकीय महाविद्यालय नैनीताल, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् पटना द्वारा निबंध-पुरस्कार प्राप्त'।

गोपालदास गज्जा—(पृ० ८९) प्रथम पक्ति मे '१९०६' के स्थान पर '१९०७' पढ़े, तीसरी पंक्ति में 'गीता' के आगे 'उन्मा' बढा लें।

गोपालदास भार्गव—(पृ० ९०) तीसरी पंक्ति में 'प्र० '५८ में' के स्थान पर "५८ मे प्रका० आधुनिक राजनीतिक संविधान', चौथी पक्ति मे 'अर्गनाइजेशन' के स्थान पर 'आर्गनाइजेशन' तथा पाँचवीं पंक्ति मे 'पुस्तकालय-विज्ञान' के स्थान पर 'पुस्तकालय-विज्ञान-विभाग' पढ़े।

गोपालनारायण बहुरा—(पृ० ९०) प्रथम पक्ति मे 'जा०' के स्थान पर 'ज०' एवं '१२' के स्थान पर '११' पढे, चौथी पक्ति मे 'महास्तोत्र' के आगे 'सभाष्य', छठी पक्ति मे 'यात्रा' के आगे '(कर्नल टाड-कृत पुस्तक का हिंदी अनुवाद)' बढ़ा ले, तथा इसी पक्ति में 'दस वर्षों' के स्थान पर 'छह वर्षों' पढ़े।

गोपाल माहेश्वरी, 'प्रताप', डा०,—(पृ० ९१) दूसरी पक्ति में 'गौहाटी वि वि' के पश्चात् पी-एच डी (कामर्स दिल्ली वि वि बढा

लें; इसी पंक्ति में 'अर्थशास्त्ररत्न' के स्थान पर 'साहित्यरत्न (अर्थशास्त्र)', तथा 'साहित्य-प्रभाकर' के स्थान पर 'प्रभाकर (साहित्य)' पढ़े; तीसरी पंक्ति में 'स्फुट कविताएँ' के पश्चात् 'सुजाता, अँधेरा छा जाने पर (उप०), आधुनिक असमिया की श्रेष्ठ कहानियाँ, आधुनिक भारत की श्रेष्ठ कहानियाँ, आधुनिक बँगला की श्रेष्ठ कहानियाँ, भारत की श्रेष्ठ विद्रोही कविताएँ (संक) आदि, असमिया में : आधुनिक हिंदी श्रेष्ठ चुनि गल्प आदि तथा हिंदी में सहस्राधिक अनूदित कविताएँ, कहानियाँ, लेखादि प्रका०' बढ़ा लें; छठी पंक्ति में 'दिन बाजार, जलपाई गुड्डी, प० बंगाल' के स्थान पर 'राजस्थान हेवी केमिकल्स, झोटवाड़ा, जयपुर पश्चिम (राज०)' बढ़ा लें।

गोपीनाथ तिवारी—ज० '०३; शि एम० ए०, विद्योदधि; सा० भूत० हिंदी प्राध्यापक एम० एम० कालेज, बीकानेर, नमक-सत्याग्रह में कारावास; प्रका० भूतों की डिक्रिया, वृक्षों की सभा०, उड़नछू, प्रभापुंज, तुलसीदास, निबंध-निचय, केशव-काव्य आदि बारह से अधिक ग्रन्थ; प० रीडर, हिंदी विभाग, वि०वि०, गोरखपुर।

गोवर्द्धनलाल गुप्त—(पृ० ९४) प्रथम पंक्ति से 'शि० एम० ए०, बी० एल०' निकाल दें।

गोविंददास, सेठ—(पृ ९५) छठी पंक्ति में 'तीन' के स्थान पर 'दो' पढ़ें तथा नवीं में 'अध्यक्ष' के पश्चात् 'सन् १९४८ में अखिल भारतीय हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष' बढ़ा ले।

गोविन्द शर्मा—(पृ० ९५) दूसरी पंक्ति के अंत में 'कौशाकोल प्रखंड द्वारा संचालित सांस्कृतिक कला परिषद् के अवैतनिक मंत्री' बढ़ा ले तथा पाँचवीं पंक्ति में 'हिंदी प्राध्यापक, राजकीय महाविद्यालय, नैनीताल' के स्थान पर 'शिक्षक, प्रशिक्षण विद्यालय, पो० पबिया, जामताड़ा (संतालपरगना)' पढ़े।

गौरीशंकर गुप्त—(पृ० ९६) चौथी पंक्ति में 'ऋतु' के बाद का अर्द्धविराम निकाल दें; पाँचवीं में 'स्वास्थ्य' के पश्चात् 'पत्रकार वृहत्त्रयी' बढ़ा लें; छठवीं में 'सर्वोदय केंद्र' के पश्चात् 'और राष्ट्रकवि परिषद्' बढ़ा लें।

घनश्याम नारायणसिंह ठाकुर—(पृ० ९७) प्रथम पंक्ति में ''५५' के स्थान पर ''५३' पढ़े, प्रथम से 'नागपुर वि०वि०' एवं दूसरी से 'सम्मे प्रयाग' निकाल दें इसी में 'डाकुओं की रोमांचकारी कहानी

(यंत्रस्थ) के स्थान पर पिंडारा ठग और डाकू पढ़ें तीसरी में अनु० के पश्चात अँग्रेजी तथा उर्दू निकाल दें।

चंदूलाल वर्मा, 'चंद्र'—(पृ० ६८) प्रथम पंक्ति में 'क्षत्रियशाला' के स्थान पर 'क्षत्रिय गोशाला' एवं तीसरी पंक्ति में, 'प्रधान' के स्थान पर 'दलपति' पढ़ें; चौथी पंक्ति में 'अध्यक्ष' के पश्चात '४२ वर्ष से सेवा-समिति भिवानी के प्रधान मंत्री' तथा ग्यारहवीं पंक्ति में 'आदि' के पूर्व 'बिजली की सूखी बैटरियाँ, सुगंधित तैल-विज्ञान, दन्तमंजन-विज्ञान, नेत्राञ्जन-विज्ञान' बढ़ा लें।

चंद्रकांत मिश्र—ज० २९ नवंबर, '३४ शि० मैट्रिक '५२, जी० ए० एम० एस० उपाधि पटना से '५७, सा०मंत्री स्थानीय सर्वोदय पुस्तकालय; सद० संस्कृत सा० सम्मे०, करपीथाना हिंदी सा० सम्मे० एवं स्थानीय पुस्तकालय संघ की कार्यसमिति; प्र० ४७ से; प्रका० कमलेश-विलास '५५ (संपा०) आदि; प० नागार्जुन औषधालय, बाँसाटाँड़, केयाल, जिला गया।

चंद्रगुप्त वार्ष्णेय—(पृ० ९९) प्रथम पंक्ति में '३१' के स्थान पर '२१', ग्यारहवीं पंक्ति में 'व्यवस्थापक, राज० सहकारी मुद्रणालय' के स्थान पर 'निजी सचिव, वित्तमंत्री, राजस्थान' पढ़ें।

चंद्रनाथमिश्र, 'अमर'—(पृ० १००) आठवीं पंक्ति में 'अप्र०' के पूर्व 'मैथिली आन्दोलन : एक सर्वेक्षण (इति०)' बढ़ा लें।

चंद्रपाल सिंह यादव, 'मयंक'—(पृ० १००) तीसरी पंक्ति में 'मंत्री' के पश्चात् सहसंपा०मा० 'यादवेश' वाराणसी '४८-'५२, मा० 'यादव' वाराणसी '५३ से, संयो० अ० भा० बालकवि सम्मेलन, कानपुर '६१' बढ़ा लें, तथा पृ० १०१ पर 'मैंने दावत खाई' के स्थान पर 'दूध-मलाई' पढ़ें; दूसरी पंक्ति में 'चित्तौड़' के पश्चात् 'बज गया बिगुल, राजाबेटा, हिम्मत वाले', तथा इसी के पश्चात् 'अप्र० चाँद-सितारे, वंशी के स्वर, गुड्डू-गुड़िया' बढ़ा लें।

चंद्र भारद्वाज—(पृ० १०१-१०२) पृ० १०२ की प्रथम पंक्ति में 'स्फुट' के स्थान पर 'यात्रा-संस्मरण '५५, बालसाहित्य और फिल्म कला पर स्फुट लेख '५७, रेडियो नाटक-प्रहसन-लेखन, आजकल विनोदात्मक साहित्य-सृजन, ध्वनि-नाटकों का संग्रह (यंत्रस्थ)' बढ़ा लें।

चंद्रभूषण त्रिवेदी, 'रमई काका'—प्रका० बौछार, रतौंधी, भिनसार आदि कई पुस्तकें; अप्र०सात-आठ संग्रह; वि० सामयिक विषयों पर लिखनेवाले अवधी भाषा के लोकप्रिय कवि; प० आकाशवाणी, लखनऊ।

चंद्रवीर शर्मा, 'शैलज'—(पृ. १०२) पाँचवीं पंक्ति में 'किंकडी' के स्थान पर 'किंकणी' पढ़िए।

चंद्रिकाप्रसाद, 'जिज्ञासु'—(पृ. १०४) प्रथम पंक्ति में 'मैट्रिक' के आगे 'मध्यमा व ग्लिस्तां' बढ़ा लें; पाँचवीं पंक्ति में 'सभा' के आगे 'दो वर्ष हैहय क्षत्रिय' प्रयाग' बढ़ा लें; चौथी पंक्ति में 'कारावास' के पूर्व 'हिंदू समाज-सुधार ट्रैक्टमाला द्वारा राष्ट्रीय ट्रैक्टों के प्रकाशन व प्रचार के कारण १२४०-में' बढ़ा लें, नवीं पंक्ति में 'निवासी' के आगे 'सत उपदेश तथा बाबा नवीना सिंह बेदी के वेदान्तवचन, भगवद्गीता, रामचरित मानस, शिव-महिम्न' (अनु.), महाराणा-प्रताप, परमहंस स्वामी रामतीर्थ, सृष्टि और मानवसमाज का विकास, भारत के आदि निवासियों की सभ्यता, रावण तथा उसकी लंका, शिव-तत्व-प्रकाश, संतप्रवर रैदास साहब, बाबासाहब का जीवन संघर्ष' बढ़ा लें।

चंद्रेश्वरप्रसाद कर्ण—(पृ. १०४-१०५) पृ. १०५ की प्रथम पंक्ति में 'उपाध्यक्ष' के आगे 'मंत्री, आलोक संगम' बढ़ा लें, इसी पंक्ति में 'प्र० '५९' के स्थान पर 'प्र० '५४' पढ़ें।

चंपालाल सिंघई—(पृ. १०५) प्रथम पंक्ति में 'सिंघई' के पश्चात् 'पुरंदर', दूसरी पंक्ति में 'बी०एड०' के पश्चात् '६२' पढ़िए।

चक्रधर झा—(पृ. १०५) तीसरी पंक्ति में 'हिंदी व्याकरण' के पश्चात् 'संपा. द्वैमासिक पत्रिका (हस्तलिखित)' तथा दूसरी पंक्ति के आरंभ में 'बिहार-उड़ीसा में हिंदी परीक्षा में सर्वप्रथम तथा स्वर्णपदक प्राप्त' बढ़ा लें।

चक्रधर शर्मा—(पृ. १०५) दूसरी पंक्ति में 'साहित्यरत्न' के आगे 'सम्मे. प्रयाग' तथा छठी पंक्ति में 'पाई बिगहा' के पश्चात् 'जिला गया' बढ़ा लें।

चतुर्भुज—(पृ. १०५) तीसरी पंक्ति में 'की' के स्थान पर 'के' एवं 'त्रिपिटक-पत्रिका' के स्थान पर 'त्रिपिटक-प्रकाशन-योजना' पढ़ें, पाँचवीं पंक्ति के अंत में 'मोर्चे पर' तथा सातवीं पंक्ति में 'सहायता' के आगे 'इन दिनों आकाशवाणी की सेवा में', बढ़ा लें।

चतुर्भुजदास रावत—(पृ. १०५-१०६) पृ. १०६ पर सातवीं पंक्ति में 'विद्युत' के स्थान पर 'विद्वत्' पढ़ें, बारहवीं पंक्ति में 'सचिव' के आगे 'स्टेट म्यूजियम भरतपुर की स्थापना की '४४', क्युरेटर रहे, मांटेसरी स्कूल भरतपुर की स्थापना की '५० तथा संचालन किया '५८, टूरिस्ट विभाग की स्थापना की '५८, पी-एच० डी० के १८ शोध-विद्यार्थियों को उनके शोध

कार्यो में सहयोग दिया' बढा लें; सत्रहवी पंक्ति में तुलसी-पूजन के पश्चात 'गोपालदाम (प्रह०), अनन्त वर्मा या वेपेदी का लोटा (नाट), पानाजलि (अँग्रेजी पद्य), भरतपुर और अतीत के चिह्न (गद्य), विचित्रालय-विज्ञान (गद्य), ज्योतिष-चिन्तामणि वृहत ग्रथ, बाल-कथा-प्रकाश (चार भाग, गद्य), ब्रज-पद्मावली (दो भाग), व्याकरण-प्रवेश, काव्य-प्रवेश, काव्यालंकार, राजस्थान-परिचय मे भरतपुर की विभूतियाँ, लेखमाला, शर्वाणी (काव्य), महाकवि सोमनाथ-एक अध्ययन, ग्रामोद्धार (एका), गौ-महिमा, डा भगवान दास की देन, आक्रान्ता चीन (काव्य), राष्ट्र के धन बालक हैं, वीर बालक शिवा जी, भारत के साहसी बालक' बढा ले ;

चतुर्भुज मामोरिया—(पृ० १०६-१०७) प्रथम पंक्ति में 'नाथवाडा' के स्थान पर 'नाथद्वारा' पढ़िए, आठवी पंक्ति में 'सद०' के आगे 'मध्यप्रदेश भूगोलसमिति के सद०' बढा ले, नवी पंक्ति में 'श्रीनाथ द्वारे' के स्थान पर 'श्रीनाथ द्वारा', 'चित्तौग्गढ' के स्थान पर 'चित्तौडगढ', छठी तथा सातवी पंक्ति में 'बहो' के स्थान पर 'वही' पढिए, तेरहवी पंक्ति में 'पुन' के पश्चात् ''६२ में' बढा लें तथा चौदहवी पंक्ति में 'एवं' के स्थान पर 'डैश' लगा लें।

चलसानि सुब्बाराव—(पृ० १०७) प्रथम पंक्ति में '५ नवंबर, '२५' के स्थान पर '५ नवंबर, '२४' पढिए, इसी पंक्ति में 'सा०' के पूर्व 'देवघर हिन्दी विद्यापीठ और काशी वि०वि०' बढा लें, चौथी पंक्ति में 'विभागाध्यक्ष' के आगे 'अध्यक्ष, हिंदी पंडित परिषद्, मछलीपट्टणम' बढा लें, छठी पंक्ति में 'संत वेयना' के स्थान पर 'संत वेमना', इसी तथा आठवीं पंक्ति मे 'रुद्रइया' के स्थान पर 'रुद्रमा' पढिए, सातवीं पंक्ति में 'अप्र' के पूर्व 'तेलुगु मे भी लिखते हैं' बढा ले ; नवी पंक्ति में 'ग्रंथ' के आगे 'अप्र० तेलुगु-हिंदी कोश' बढा लें; तथा इसी पंक्ति में 'राम-भक्ति-साहित्य' के आगे 'का तुलनात्मक अध्ययन' बढा लें।

चावलि सूर्यनारायण मूर्ति—(पृ० १०७) दूसरी पंक्ति के अत में महानारा' के स्थान पर 'महानाश' पढ़िए, तीसरी पंक्ति में 'तीन आलो० लेख' के स्थान पर 'सत्य मेव जयते (नाट०)' पढ़िए, पृ० १०८ पर दूसरी पंक्ति से 'संग्रह' हटा दें और 'एम०ए०' के स्थान पर 'ए० एम०' पढ़ें ।

चिरंजीलाल माथुर, 'पंकज'—(पृ० १०८-११०) पृ० ११० की प्रथम पंक्ति में 'सहदेव (नाट०)'के आगे तथा 'घूमते हुए पहिए' (नाट०)' बढा लें।

चिरंजीलाल झा—(पृ० १०९) चौथी पंक्ति में 'संचालक' के स्थान पर 'प्रधान मंत्री' पढ़े, छठी पंक्ति में 'आर्ट्स' के आगे 'इन ड्राईंग एंड पेंटिंग' बढ़ा लें, दसवी पंक्ति में 'अप्र० कला के दार्शनिक तत्व (द्वितीय संस्करण), चीन की भित्ति-कला और फारस की भित्ति-कला' बढ़ा ले।

छैलविहारी अवस्थी, 'छैल'—ज० ८ जनवरी, '१२; शि० हाई-स्कूल, विशारद; सा० मंत्री श्याम भारतीभवन, पिहानी (हरदोई); प्र० '२९ में; प्रका० स्फुट; अप्र० काव्याग, गीतिका (काव्य); वि० स्फुट पुरस्कार प्राप्त; प० ग्रामसेवक, विकास खंड, हरगाँव, सीतापुर।

जगदीशशास्त्री, वैद्य—(पृ० ११५) प्रथम पंक्ति मे चाँदपुर' के आगे 'जिला बिजनौर' बढ़ा लें।

जगन्नाथप्रसाद मिश्र—(पृ० ५१६) प्रथम पंक्ति में '१८९६' के स्थान पर '१८९७' पढ़िए; तीसरी में 'कार्य' के आगे ''३१-'३२' और चौथी में 'विश्वमित्र' के पश्चात् ''३९-'३८' बढ़ा ले, पाँचवी से ''५०-'५१' निकालकर 'सह-संपा०' के आगे बढ़ा लें, बारहवी में 'पुस्तकालय' के आगे 'तथा विदेह' बढ़ा ले, बारहवी-तेरहवी पंक्ति मे 'तथा सद० बिहार विधान परिषद' के स्थान पर 'प्राचार्य, महिला कालेज, दरभंगा' पढ़ें।

जगन्नाथप्रसाद शुक्ल, वैद्य—(पृ० ११७) तीसरी पंक्ति में 'प्रधान मंत्री' के आगे 'संग्रहालय', आठवी में 'महिला विद्यापीठ' के पूर्व 'आयुर्वेद वृहस्पति' तथा 'सद०' के बाद 'त्रिवेणी' बढ़ा लें; पृ०११८ की पाँचवी पंक्ति में 'आदि साहित्य' के स्थान पर 'त्रिदोष-परिज्ञान, पुरुष-विज्ञान, बूढ़ों का आरोग्य' पढ़ें।

जगन्नाथराय शर्मा—(पृ० ११८) प्रथम पंक्ति में 'पटना' के स्थान पर 'बक्सर' तथा तीसरी में 'कई पदक' के स्थान पर 'कई स्वर्णपदक' पढ़ें; छठी में 'निर्णायक' के आगे 'स्थायी सद०, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद पटना, संचा० श्रीकृष्ण साहित्यिक अनुसंधान मन्दिर पटना—६, एवं अध्यक्ष संस्कृत हाईस्कूल बक्सर, हाईस्कूल एवं माध्मिक विद्यालय टिहरी' बढ़ा लें; ग्यारहवीं में 'चाई टोला' के स्थान पर 'मुसल्लहपुर' पढ़ें।

जगन्नाथप्रसाद शर्मा, डा.—(पृ० ५२८) दूसरी पंक्ति में 'नागौर' के स्थान पर 'नागौद' पढ़े।

जगन्नारायणदेव शर्मा, 'कविपुष्कर', 'भाषाभूषण'—ज० १८९६; शि० विशारद, साहित्यशास्त्री, व्यास; जा० संस्कृत, अँग्रेजी, उर्दू, गुजराती एवं बँगला, सा भूत० महाराज काशी नरेश के सम्मानित राजकवि० अ०भा० सना

तन-धर्म महासभा, काशी वि॰वि॰ के प्रचारक, प्रधान संपा॰ 'राम '२७, 'महाविद्या' '३५, श्री महेश्वरी सभा पुस्तकालय, कलकत्ता के पुस्तकाध्यक्ष '२०, सस्ता-साहित्य-मंडल अजमेर के कार्यकर्ता; प्रका॰ ब्रह्मचर्य-विज्ञान, कवि-विलास, माखन-मिश्री, मिठाई, नमकीन, राजतिलक, मनुष्य बनो, सती पंचरत्न, योगचिकित्सा, गीता-गीतांजलि आदि पचास पुस्तकें, अप्र॰ लगभग साठ पुस्तकें एवं कविता-संग्रह; वि॰ लगभग तीस हजार पृष्ठ लिख चुके हैं; प॰ महाविद्या-मंदिर, २४/३४, पाण्डेयघाट, वाराणसी।

जगमोहननाथ अवस्थी (आशुकवि)—(पृ॰ ११८) दूसरी पंक्ति में 'साहित्य मनीषी' के बाद 'ज्ञा॰ उर्दू, अँगरेजी एवं संस्कृत : सा संपा॰ ग्राम सन्देश (पाँच वर्ष), सभा॰ सार्व॰ आनन्द मंडल पुस्तकालय, अटौरा बुजुर्ग, जिला रायबरेली; सभा हिं॰ सा॰ पुस्तकालय, मनिकापुर (उन्नाव); सद॰ कार्य॰ समिति, तुलसी-साहित्य परिषद, कलकत्ता; महामंत्री मनोबल प्रचार-समिति, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद, लखनऊ; सभा॰ बैसवाड़ा-रायबरेली परिषद (लखनऊ)' बढ़ा लें ; पाँचवीं में 'संक॰ के बाद 'मंगला (काव्य-संग्रह), छन्द-रत्नाकर, सीमा-संग्राम ; वि॰ शिक्षा-प्रसार-विभाग में भूत॰ प्रोपेगेंडा आफिसर एवं भूत॰ असिस्टेंट साग पब्लिसिटी आफिसर उ॰ प्र॰, भूत॰ पत्रकार प्रदेशीय सरकारी सूचना विभाग, ३१ दिसंबर, '६१ को अवकाश ग्रहण किया' बढ़ा लें ।

जगमोहनलाल चतुर्वेदी—(पृ॰ ११८) प्रथम पंक्ति में '१८००' के आगे 'इटावा' बढ़ा लें, दूसरी में 'बालोपयोगी' के स्थान पर 'बालयोगी' पढ़ें तथा ''५४ में' 'सेवानिवृत्त, प्रिंसिपल, टीचर्स-ट्रेनिंग कालेज, औरंगाबाद' बढ़ा लें।

जयकिशनप्रसाद—(पृ॰ १२०-२१) पृ॰ १२१ की प्रथम पंक्ति में ''५६-'५८' के पूर्व 'गुड़गाँव (पंजाब)' बढ़ा लें, दूसरी में ''६० में' के स्थान पर ''६० से' पढ़ें, छठी में 'लेख-संकलन' के आगे 'संस्कृत साहित्य की प्रवृत्तियाँ (दो भाग, यंत्रस्थ)' बढ़ा लें।

जयकुमार, 'जलज' –(पृ॰ १६१) प्रथम पंक्ति में '२ अक्टूबर '४२' के स्थान पर '२ अक्टूबर '३४' और तीसरी में 'ध्वनिग्राम' के स्थान पर 'ध्वनिग्राम शास्त्र' पढ़ें ; इसी में 'नाट्यशास्त्र' के आगे ': एक पुनर्विचार' बढ़ा लें ; चौथी से 'संसार की श्रेष्ठ कहानियाँ (संक॰)' निकाल दें।

जयचंद्र विद्यालंकार—(पृ०१२२) चौदहवीं पंक्ति में 'का कारावास' के स्थान पर 'के लिए नजरबंद' पढ़ें, बीसवीं पंक्ति में "५५" के आगे बढ़ा लें— 'भारतवर्ष में जातीय शिक्षा '१९, प्राचीन भारत में राष्ट्रीय ऋण '२०, मण्डलीक काव्य '२२, भारतीय इतिहास का भौगोलिक आधार '२५, भारतवर्ष का एक राष्ट्रीय इतिहास '२६, भारतीय इतिहास में गुरु गोविंदसिंह का स्थान '२७, प्राचीन भारतीय अनुश्रुतिगम्य इतिहास '२७, इतिहास-पद्धति '२८, प्रमाद की राज्यश्री '३२, भारतीय वाङ्मय के अमर रत्न '३३, नकुल का पश्चिम दिग्विजय (अभि० ग्रंथ) '३४, उत्कीर्ण-लेखांजलि (संस्कृत) '३६, भारतमाता-मन्दिर '३६, सुराष्ट्र क्षत्रप इतिहास की पुन: परीक्षा '३७, मेरी जाति जिंदा है '३७, मर्ग औरखाल '३८, उन्नीसवी शती की कुछ आर्थिक-राजनीतिक संस्थाएँ '३९, बिहार : एक ऐतिहासिक दिग्दर्शन '४०, भारतीय राष्ट्र का विकास ह्रास और पुनरुत्थान '४१, हमारी आज की लड़ाई, बीरबल साहनी के जीवन का अज्ञात पहलू '५२, मनुष्य की कहानी '५४, पुरखो का चरित '५५, भारतीय संस्कृत नूँ पंजाब दी देन (पंजाबी), भारत के समकालिक आर्थिक इतिहास के कुछ पहलू '५७, भारतीय इतिहास का उन्मीलन '५७, भारतीय भाषाओं के विकास का ठीक मार्ग '५८, भागो वाली मूरत '५९, बड़भागी मूर्ति '५९, भारतीय स्थान-कोश '६०, भारतीय इतिहास की मीमांसा '६०, गोरखाली इतिहास की मुख्य धाराएँ, प्राचीन पंजाब '६२, ओझा अभिनंदन ग्रन्थ (संपा०) '३४'; बाईसवीं पंक्ति में 'पुरस्कृत' के आगे "भारतभूमि और उसके निवासी' पर ना० प्र० सभा का प्रथम द्विवेदी पदक प्राप्त '३३, पंजाब सरकार से हिंदी कृतियों के लिए ससम्मान ११००) रु० और शाल प्राप्त '५८' बढ़ा लें।

जयदेव शर्मा 'कमल'—(पृ० ५२९) चौथी पंक्ति में 'अमित आभा' के स्थान पर 'अमिताभ आभा' पढ़ें और 'समर चयनिका (गीत)' के आगे 'कवि० संग्रह' बढ़ा लें, पाँचवी मे 'रंगनाथ' के स्थान पर 'रंगनाद' पढ़ें; छठी से 'दो कविता' निकाल दें और पाँचवी से 'राणा बेनीमाधो (रेडियो रूपांतर)' निकालकर छठी पंक्ति में 'कहानी-संग्रह' के पूर्व पढ़ें।

जितेंद्रनाथ पाठक—(पृ०१२६) चौथी पंक्ति में 'पाटिल' के स्थान पर 'पाटलु' पढ़िए, आठवीं में 'शोध' के आगे 'ऐतिहासिक उपन्यासकार बृन्दावनलाल वर्मा और मृगनयनी '६३, काव्य-संकलन (यंत्रस्थ); अप्र० एक उपन्यास' बढ़ा लें।

जितेंद्रभारतीय, शास्त्री—(पृ० १२६-१२७) प्रथम पंक्ति में 'जितेंद्र' के बाद 'चन्द्र' और चौथी मे 'सेनापति' के आगे 'काव्य' बढ़ा लें, पाँचवी मे 'हरि' के स्थान पर 'टिहरी' पढ़िए, 'झाँकी' के आगे ''गौतमी' कहानी युक्तप्रांतीय लेखक संघ द्वारा पुरस्कृत' तथा इसी पंक्ति में 'निबंधालोक' के बाद 'कवि-लेखक-दर्पण' बढा लें, पृ १२७ पर प्रथम पंक्ति में 'नव साह लोक चरित' के स्थान पर 'नवसाहसाङ्क चरित' पढिए तथा 'चरित' के बाद 'महाकाव्य पर व्याख्या' तथा तीसरी मे 'प' के स्थान पर 'वर्त प्रवक्ता' तथा 'लखनऊ' के आगे 'प० १०६५ सी, गोपा निकुंज, महानगर, लखनऊ' बढा ले।

जी० पी० श्रीवास्तव—(पृ० १२७) प्रथम पंक्ति में '३३ अप्रैल' के स्थान पर '२३ अप्रैल' पढ़िए, तीसरी मे '४८' के स्थान पर '१५' पढिए, सातवीं में 'एकलौता जूता' के आगे 'आदि' बढा ले।

जीबछ ठाकुर, 'जीवन'-- (पृ० १२७) नाम मे 'जीवछ' के स्थान पर 'जीबछ' पढिए, पृ० १२८ की पहली पंक्ति मे 'आधुनिक समस्याएँ' के आगे 'अजेय भारत, जब ये बच्चे थे, संसार की खोज', तथा 'अँगड़ाई' के आगे 'गाँव के देवता, बिहार गाता है' बढा लें; दूसरी पंक्ति मे 'प्रखड विकास अधिकारी' के स्थान पर 'प्रखंड विकास पदाधिकारी' पढ़िए।

जुगमंदिर तायल—(पृ० १२८) प्रथम पंक्ति में 'शि' के पश्चात् 'एम० ए० (प्रथम) '५८, तीसरी में 'रचनाएँ' के आगे 'आधुनिक कवि : एक अध्ययन, कामना आलोचनात्मक अध्ययन, प्रेमचंद की सर्वश्रेष्ठ कहानियों का आलोचनात्मक अध्ययन, हर्ष (सेठ गोविन्ददास का नाटक) : एक अध्ययन आदि; वि० 'कविता १९६१' के संयुक्त संपादक', चौथी मे 'कहानियो' के बाद 'तीन कविता और दो कहानी-संग्रह' तथा इसी के बाद 'वर्त० हिंदी प्राध्यापक राजऋषि कालेज, अलवर' बढा ले।

जेठालाल जोशी—(पृ० १२८) दूसरी पंक्ति में 'विशारद' के आगे 'हि० सा० सम्मे० प्रयाग', चौथी में 'सद०' के पूर्व 'भूतपूर्व', तथा 'सम्मे०' के पूर्व 'हिं० सा०', सातवी में 'राष्ट्रभाषा' के पूर्व 'हमारी' बढ़ा लें, तथा 'पाठावली' के स्थान पर 'भा० १ से ६' पढिए।

जोगेंद्र सक्सेना—(पृ० १२८) प्रथम पंक्ति मे '१९' के स्थान पर '२०' एवं दूसरी मे ''४८' के स्थान पर' ''५०' पढिए तथा 'अजमेर' के आगे 'पुरालेख संरक्षण डिप्लोमा '५१' बढा लें, दूसरी-तीसरी में 'भवन निर्माण-कला' के स्थान पर 'पुरातत्व' तथा 'बूँदी' के आगे 'राष्टीय संग्रहालय

दिल्ली' बढा लें, पृ० १२८ पर दूसरी मे "'४६' के स्थान पर "'४८-'५०' तथा 'हरौली' के स्थान पर 'हाड़ौती' पढिए, दूसरी-तीसरी में 'मंत्री, बूँदी जि० कांग्रेस-समिति' निकाल दें, चौथी में 'सदस्य रीजनल ऐडवाइजरी आर्ट कमेटी फार राजस्थान' पत्रकार '५३-'६१, संग्रहालयाध्यक्ष, सी० वी० आर० आई० संग्रहालय, रुड़की, ग्रामोत्थान सास्कृतिक संग्रहालय, सॅगरिया (राज०), सयोजक आल इडिया फोक आर्ट्स कमेटी' तथा 'राष्ट्रदूत' के पूर्व 'दै०' तथा 'ग्रामोत्थान' के पश्चात् 'पत्रिका' बढा लें और 'त्रेत्रीय' के स्थान पर 'क्षेत्रीय' पढिए, आठवी मे 'इचार्ज साइंस पेवीलियन एग्जीविशन ग्राउंड्स, मथुरा रोड, नयी दिल्ली—१' के स्थान पर 'हिंदी एडिटोरिल सेक्शन, पब्लिकेशंस डायरेक्टोरेट, सी० एस० आई० आर०' रफी मार्ग, नई दिल्ली—१' पढिए।

ज्ञानवती दरबार—शि० एम० ए०, पी-एच० डी० ; सा० भूत० राष्ट्रपति डा० राजेंद्रप्रसाद की निजी सचिव ; प्रका० भारतीय नेताओं की हिंदी-सेवा, भारत की झाँकियाँ, विनोबा की ज्ञान-गगा मे, दुलहिन की जीत, सज्जनता की विजय, आत्मिक साहचर्य आदि; अप्र० तीन-चार पुस्तके; प० द्वारा रंजन प्रकाशन, ७ टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली १।

ठाकुरदत्त शर्मा, 'पथिक'—(पृ० १३१) चौथी पंक्ति मे 'आफिसर' के बाद 'बोधकथाएँ (प्रतीका० शैली), गद्यगीत एव भावचित्र लिखते हैं' बढा दें, इसी के अंत में 'स्थानीय साहित्य सलिला परिषद्' के संस्थापक, तथा स्थानीय कहानीकार सम्मेलन के संयोजक' बढा लें।

ठकुरदत्त शर्मा—(पृ० १३१) चौथी पक्ति में 'प्रका०' के आगे 'देश भक्तिपूर्ण', इसी के अंत में 'लेख, कवितावली की टीका' तथा पाँचवी के प्रारंभ में 'पूर्व सदस्य, स्थायी समिति हि० सा० सम्मेलन तथा प्र० समिति काशी ना० प्र० सभा' बढा लें।

डोमन साहु, 'समीर'—(पृ० १३२) प्रथम पक्ति मे '२४ जून' के स्थान पर '२० जून' पढ़िए, छठी मे 'सुधार' के बाद 'संताली लोकसाहित्य संकलन मे संलग्न, अखिल भारतीय लोक-संस्कृति-सम्मेलन प्रयाग से सम्बद्ध हैं' बढ़ा लें।

तनसुखराम गुप्त—(पृ० १३२) दूसरी पक्ति मे 'संचा०' के स्थान पर 'सहसंपादक एवं संचालक' पढिए, पाँचवी से 'चिंतन (संस्मरण) '६२' निकाल दें तथा अणों में के आगे संस्मरण '६२' बढा लें

तपेशचंद त्रिवेदी—(पृ० १३२) प्रथम पंक्ति मे 'तपेशच्चंद' के स्थान पर 'तपेशचंद्र', दूसरी में 'रसघट' के स्थान पर 'हलधर' पढिए तथा चौथी मे 'बिहार' के आगे 'सा०' बढा ले ।

तारणीचरणदास, 'चिदानंद'—(पृ० १३४) चौथी पंक्ति में 'कला और साहित्य '५९' के स्थान पर कला और साहित्य '६०' पढे ।

तुकडो जी महाराज—(पृ० ५८९) प्रथम पंक्ति में 'प्रका०' के पूर्व प्र० '३५ में' बढ़ा ले, द्वितीय मे ''५७' के आगे बढा ले —'लहर की बरखा, प्रार्थना-पद्धति, सक्रिय प्रार्थना-पाठ, जीवन-ज्योति, गाधीगील, सेवास्वधर्म, भूदानयज्ञगीत, समाज की भूल, भारत समाज की भूल, भारत साधुसमाज की सेवा-साधना, सुधासिंधु-भजनावली, ज्ञानदीप भजनावली, राष्ट्र-नौका, सद्विचार-प्रवाह, आत्म-प्रभा (सक०), भजन-रत्नावलि, नवप्रकाश आदि', इसी पंक्ति मे 'वि०' के अंतर्गत बढ़ा ले —'छह-सात-ग्रथ अँगरेजी मे और लगभग पैंतीस ग्रन्थ मराठी मे लिखे हैं'; शुद्ध पता यह है—श्री गुरुदेव-सेवाश्रम, गुरुकुंज, अमरावती (महा०)।

तेजनारायणलाल, डा०—(पृ० १३५) दूसरी पंक्ति में 'शि०' के बाद 'प्रवेशिका' तथा 'आश्रम' के बाद अर्द्धविराम बढा लें, सातवी मे 'विजयवाड़ा' के पूर्व 'हैदराबाद', बारहवी मे 'मशाल' के बाद 'पंख और पत्ते', चौदहवी मे 'शोधकार्य' के आगे 'इसके हेतु उ०प्र०सरकार द्वारा ६००) रु० की छात्रवृत्ति प्राप्त, तथा 'सेंट्रल इंस्टीट्यूट' के पूर्व 'असिस्टेट प्रोफेसर, सम्पादक 'समन्वय' बढा ले ।

त्रिभुवनसिंह, डा०—(पृ० १३६) दूसरी पंक्ति से ''४२ में राष्ट्रीय आदोलन में कारावास, आजमगढ जिला बोर्ड के सदस्य' निकाल दे; आठवीं में 'नये-स्वर (काव्य)' को 'प्रका० रच०' के अंतर्गत उसी में ''६२' के पूर्व पढ़िए।

त्रिलोकीनाथब्रजलाल—(पृ० १३७) शुद्ध नाम त्रिलोकीनाथ व्रजबाल पढिए ।

दयाशंकर मिश्र, 'सूर्य'—(पृ० १३९) छठी पंक्ति में 'प्रचार' के स्थान पर 'प्रधान तथा प्रधान' पढ़िए, तीसरी पंक्ति में 'समिति' के आगे 'हिंदी विश्वविद्यालय परिषद्, परीक्षा समिति' बढा लें, छठी में 'अध्यक्ष' के स्थान पर 'भूतपूर्व अध्यक्ष एवं प्रधान मंत्री' पढ़ें, आठवी मे 'कारावास' के आगे ''३२, '३३, '४१, '४२' बढा लें ।

दर्शनलाल गोयल, 'दादा'—(पृ॰ १३८) दूसरी पंक्ति से 'प्रभाकर' निकाल दें, तथा 'वरमाला' के स्थान पर 'वरमाल' (तीन एका॰) पढ़ें, तीसरी में 'अप्र॰ 'स्वतंत्रता-संग्राम एव चार संग्रह' निकाल दें तथा इसी के आगे 'अठारह सौ सत्तावन' बढ़ा दें।

दामोदर पाठक, 'युगलजोडी'—(पृ॰ १४१) दूसरी पंक्ति में 'सा॰' के पूर्व 'जा॰ हिंदी तथा संस्कृत' जोड़ लें एवं 'सा॰' के आगे 'नागरी-प्रचारिणी सभा दिलदारनगर के संस्थापक एवं प्रधान मंत्री,संरक्षक बापू विद्यालय हायर सेकेंड्री स्कूल पचोखर, प्रधान ग्राम सभा आलमगंज, अनेक संस्थाओं, पुस्तकालयों तथा स्कूलों की कार्यकारिणी समिति के सद॰' बढ़ा लें ; तीसरी में 'लघु-चरित' के स्थान पर 'रघुचरित' पढ़ें।

दानबहादुर पाठक, 'वर'—ज॰ १ जनवरी, '३३, भीमापार, सहजनवाँ, गोरखपुर; शि॰ एम॰ ए॰, सा॰रत्न, आगरा एवं लखनऊ वि॰वि॰; प्रका॰ जायसी की काव्य-साधना, जायसी और उनका पद्मावत, विनय-पत्रिका : समीक्षा, सूर का काव्यालोक, हिंदी भाषा का इतिहास, कबीर साहित्य की अंतश्चेतना, रत्नाकर और उनका काव्य, बिहारी-साहित्य की भूमिका, हिंदी सूफी और संत-साहित्य : तुलनात्मक अध्ययन, हिंदी सूफी काव्य की दार्शनिक पृष्ठभूमि, पूजा और प्यार (उप॰), अंतरिक्ष (उप॰), प्रेरणा (काव्य), साधना (काव्य), निबंधरश्मि ; वि॰ पी-एच॰ डी॰ के लिए शोधकार्य-रत ; प॰ सुधा-सदन, हसनगंज पार, लखनऊ।

दिनकर यादव मार्डीकर—(पृ॰ १४१) प्रथम पंक्ति में ''१८' के स्थान पर '१८८८' पढ़े, तथा छठी मे 'विद्वानगीता' के आगे 'आदि १७ ग्रंथों के लेखक' बढ़ा लें।

दीनानाथ व्यास—(पृ॰ १४३-१४४) पृ॰ १४३ की दूसरी पंक्ति में 'प्रयाग' के बाद 'सा॰ भूत॰ संपा॰ मा॰ 'सिनेमासीरीज' बंबई, भूत॰ संपा॰ साप्ता॰ 'स्वतंत्र भारत' उज्जैन, तथा पृ॰ १४४ की चौथी में ''६२' के पूर्व 'अरमानों की चिता (पुरस्कृत), हृदय का भार (पुरस्कृत)' बढ़ा लें।

दीनानाथ, 'शरण'—(पृ॰ १४४) तीसरी पंक्ति में 'संसद' के आगे 'प्रधान मंत्री, साहित्यसंगम पटना', सातवीं में 'लड़कियाँ (कहा॰)' के आगे 'अधूरे सपनों का देश' (उप॰), महाकवि तिलक का 'कालिदास' (आलो॰), शोभा-निबंध-नवनीत (लेख॰), महाकवि राकेश के लोकप्रिय गीत (संकलन) तथा नवीं में 'प्राप्त' के आगे 'प्रोफेसर हिंदी विभाग, एस॰ जी॰ जी॰ एस॰ कालेज, पटना' बढ़ा लें।

दुर्गाप्रसाद राव—(पृ० १४४) प्रथम पंक्ति मे 'राव' के आगे 'शिक्षक साहित्यकार, समालोचक एवं स्वतंत्र पत्रकार', 'ललितपुर' के आगे 'जि० झाँसी' तथा दूसरी में 'आगरा' के पूर्व गवर्नमेंट हाईस्कूल आगरा से मैट्रिक '११, सेंट जान्स कालेज आगरा से इंटर '१६,' इसी के आगे 'गार्जियन ट्युटर, राजकुमार व राजकुमारी, आवागढ़ स्टेट (एटा) '३३-३४', पाँचवी मे 'प्रका०' के पूर्व 'प्र० '१४ मे' तथा छठी में 'स्फुट लेख' के बाद 'भावात्मक एकता पर ग्यारह निबंध प्रका०' बढ़ा लें।

दुलारेलाल भार्गव—ज० १८०१, सा० भूत० संपा० मा० 'माधुरी', 'सुधा' एवं 'बालविनोद', गंगापुस्तकमाला एवं गंगाफाइन आर्ट प्रेस के संस्थापक ; प्रका० दुलारे-दोहावली ; वि सर्वप्रथम 'देव-पुरस्कार-विजेता, प० कवि-कुटीर, लाटूशरोड, लखनऊ।

दूधनाथसिंह—(पृ० १४५) पाँचवीं पंक्ति में 'सर्वोत्तम क्यों' के आगे 'उत्तरप्रदेश की प्रमुख फसलें '५८, मासाहारी पौधे, गूलर के फूल तथा अनेक कृषि-संबंधी पुस्तिकाएँ एवं लेख', छठी में 'लेख लिखे हैं' के स्थान पर 'राजनीतिक, धार्मिक और सामाजिक विषयों पर भी लेख प्रका०, बानस्पतिक खादों पर इनकी लेखमाला प्रका०,' सातवी मे '३, नटराज' के पूर्व 'ग्राम तथा पो० आ० करवल, मझगाँवाँ, जि० गोरखपुर' बढ़ा लें।

देवदत्त विद्यार्थी—(पृ० १५७-१४८) पृ० १४८ की प्रथम पंक्ति मे 'प्रचार-कार्य किया है' के आगे 'तथा इंडियन काउंसिल फार कल्चरल रिलेशंस' की ओर से लेक्चरर पद पर कार्य कर रहे हैं' बढ़ा लें।

देवीप्रसाद गुप्त—(पृ० १४८) प्रथम पंक्ति में '१७ अगस्त '६३' के स्थान पर '१७ अगस्त '३६' पढ़े।

देवीशंकर मिश्र, 'अमर'—(पृ० १५०) तीसरी पंक्ति मे 'जियोलाजिकल' के स्थान पर 'जुआलाजिकल' तथा चौथी में 'जियोलाजी' के स्थान पर 'जुआलोजी' पढ़ें ; छठी में 'स्था०' के आगे 'सपा० त्रैमा० 'प्राणिशास्त्र'' बढ़ा लें ; सातवी में 'काव्य : सुमार्ग' के स्थान पर 'सुमार्ग . काव्य' तथा आठवीं में 'विश्व-सूर्य-सम्मेलन' के स्थान पर 'विश्व-सर्प-सम्मेलन' पढ़े, इसी पंक्ति में 'प्राणीशास्त्र' को 'प्राणिशास्त्र' तथा नवी में 'कालीचरन' को कालीचरण' पढ़ें।

देवेंद्रकुमार जैन—(पृ० १५१) प्रथम पंक्ति में ''३२' के स्थान पर ''३३', पाँचवीं में 'हृदय' के स्थान पर 'मानस', छठी में 'नेमिनाथ-चरित' के स्थान पर 'जिनदत्त चरित', सातवीं में 'भविसयत्तकम्' के स्थान पर

'भविमयत्तकहा' तथ। आठवी में 'संस्कृतकालेज' के स्थान पर 'शासकीय विज्ञान महाविद्यालय' पढ़े ; 'वि' के अंतर्गत 'शोधग्रंथ प्रस्तुत कर चुके हैं' बढ़ा ले ।

देवेंद्र विज्ञानी—(पृ॰ १५२) प्रथम पंक्ति में 'देवेद' के स्थान पर 'देवेन्द्र', एवं तीसरी मे 'शक्तिपद' के स्थान पर'शक्तिपात' पढें; चौथी पंक्ति मे 'वैदिक योग परिचय '५८' के आगे 'सौन्दर्य-लहरी, एकसत्तावाद, पातञ्जल योग-दर्शन तथा रामचरित-नवनीत' और 'प॰' के आगे 'प्रधान' बढा लें ।

द्वारकाप्रसाद सेवक—(पृ॰ १५३-१५४) प्रथम पंक्ति में 'द्वारिका' के स्थान पर 'द्वारका' तथा '१८८०' के स्थान पर '१८८१' एवं चौथी में 'कन्या महिला विद्यालय, भारती भवन' के स्थान पर 'भारती-भवन, कन्या-महिला-विद्यालय मातृमन्दिर' पढे; पृ॰ १५४ की प्रथम पक्ति में 'होशियार-पुर आदि' के आगे 'को संचित साहित्य-सामग्री भेंट कर चुके हैं' तथा इसी के आगे और 'कई के आजीवन सद॰' बढ़ा ले ; दूसरी पक्ति से 'संचित साहित्य-सामग्री भेट कर चुके हैं' निकाल दें ।

द्वारिकाप्रसाद शास्त्री—(पृ॰ १५३) प्रथम पंक्ति में 'शाहाबाद' के स्थान पर 'इलाहाबाद' पढ़े, छठी पक्ति मे 'पुस्तक वर्गीकरण कला '५८' के आगे 'पुस्तक-सूचीकरण-कला' बढा लें ।

धनपतसिह टूंकालिया जैन, 'श्रमपति'—(पृ॰ १५४) प्रथम पंक्ति में 'धनपतसिह के स्थान पर 'धनपतिसिह' पढे ।

धर्मदेव, विद्यामार्तंड—(पृ॰ १५५) तीसरी पंक्ति से 'काँगड़ी' शब्द निकाल दें, चौथी में 'में' के आगे 'वैदिकधर्म तथा' बढा ले, पाँचवी मे 'संपा॰' के पूर्व 'सह' निकाल दें, सोलहवी में '६१' के पश्चात् 'महिला-मणि-कीर्तन (संस्कृत, भाषानुवाद सहित)' बढा लें, पाँचवी मे 'मंत्री' के पश्चात् 'गत कई मास से वे अमेरिका से लौटकर विदेशियों को संस्कृत, हिंदी तथा वेद-उपनिषदादि विषयक शिक्षा दे रहे हैं' तथा उन्नीसवी में 'पारिभाषिक' के पश्चात् 'तथा अन्य' बढ़ा लें ।

धर्मभानु श्रीवास्तव, डा॰—(पृ॰ १५६) दूसरी पंक्ति में 'वि' के आगे डी॰ ए॰ वी॰ कालेज' बढा ले, पृ॰ १५७ पर, तीसरी पंक्ति में 'वि॰ वि॰' के आगे 'उज्जैन', चौथी में 'आधुनिक विश्व' के बाद 'का इतिहास' बढ़ा ले, इसी पंक्ति से 'वि॰' हटा दे. पाँचवीं में 'लिखे हैं' के पश्चात् 'प्राचीन भारत

का राजनीतिक तथा सांस्कृतिक इतिहास '६३' बढा लें, छठी में 'श्रीवास्तव' के आगे '२००६' और 'वजीरपुर' के स्थान पर 'वजीरपुरा' पढ़े।

धर्मलाल सिंह—(पृ० १५६) 'धर्मपाल' के स्थान पर 'धर्मलाल' पढ़ें।

धर्मेंद्र ब्रह्मचारी शास्त्री, डा०—(पृ० १५७) प्रथम पंक्ति में '१९०६' के स्थान पर '१९०५' पढे, चौथी मे 'अध्यापक' के स्थान पर 'प्राध्यापक तथा प्राचार्य' और 'डिप्टी-डाइरेक्ट' के स्थान पर 'डिप्टी डाइरेक्टर' तथा छठी में 'परिषद' के स्थान पर 'परिषद्' पढ़ें।

नंदकुमारराय—(पृ० १५८) प्रथम पंक्ति मे 'जिला-ग, आरा' के आगे 'स्नातकोत्तर शिक्षा, बिहार वि वि०, मुजफ्फरपुर' पढे; दूसरी मे 'परिसंकलन' के आगे 'छायावाद और महादेवी '६३, विचार-विन्यास और परिसंकलन (यंत्रस्थ)' बढा ले तथा इसी पंक्ति मे 'बागर, शाहाबाद' के स्थान पर 'ग्राम एवं पत्रालय बागर, शाहाबाद, (आरा), बिहार' कर लें।

नंददुलारे वाजपेयी—(पृ० १५८) पाँचवी पंक्ति में 'क्रिया' के आगे 'अध्यापनकार्य, काशी-हिंदू-विश्वविद्यालय '४१-'४७' बढा लें'।

नगेन्द्र, डा०—(पृ० १६०) चतुर्थ पंक्ति में 'मानवकी' के स्थान पर 'मानविकी' पढ़ें, 'शोधमडल' के आगे '('६०-'६२)' बढा ले तथा उन्नीसवी पंक्ति मे 'संप्रह' के स्थान पर 'संग्रह' पढ़े।

नरसिंहराम शुक्ल, 'गुनहगार'—(पृ-१६१) प्रथम पंक्ति में '१९०८' के स्थान पर '१९०७' और तीसरी में 'कुटिया' के स्थान पर 'कुनिया' पढ़े, इसी पंक्ति में 'राजकुमारी' के पश्चात् 'अर्द्धविराम' लगा लें।

नरहरि पटेल—(पृ० १६१-६२) प्रथम पंक्ति में 'सैलाना' के पूर्व 'मैट्रिक' और पश्चात् 'म० प्र०' बढा ले; पृ० १६२ की दूसरी पंक्ति में 'एक कविता' के स्थान पर 'मालवी-काव्य-संग्रह, हिन्दी-काव्य-संग्रह' बढा लें; तीसरी में 'लिखते हैं' के आगे लोकभाषा मालवी मे विशेष रूप से लोकनाट्य, लोकनृत्य एवं लोकगीतों पर शोधकार्य-रत, नाट्य-संस्था 'यवनिका' के मंत्री एवं कलाकार' तथा तीसरी में 'गाँधी ऐंड कं०' के आगे 'चार्टर्ड एकाउटेंट्स' बढा ले।

नरेंद्रकुमार भानावत, डा०—(पृ०१६२) प्रथम पंक्ति में '१६ सितंबर, '३४' के स्थान पर '१३ सितंबर, '३४' पढ़ें, छठी-सातवीं का वाक्यांश—'विष से अमृत की ओर (एकां०), पूजा के बोल (गद्यकाव्य) एवं दो कविता संग्रह' निकालकर चौथी पंक्ति मे 'अन्तर्भारती (संक०)' के बाद पढ़ें

नरेंद्रदेव शर्मा—(पृ॰ १६२) तीसरी पंक्ति मे 'साहित्य-मंदिर' के पूर्व 'पंकज (काव्य) '६१' बढा लें।

नरेंद्रनारायणलाल—(पृ॰ १६२) दूसरी पंक्ति मे 'वि॰ वि॰' के आगे 'सा॰ '४२ के स्वतत्रता-आदोलन में भाग लेने के फलस्वरूप ११ माह का कारावास' बढ़ा ले।

नरेशचंद्र बंशल—(पृ॰ १६३) पाँचवीं पक्ति मे 'गुजराती' के स्थान पर 'अंग्रेजी' पढ़ें।

नरोत्तमदास स्वामी—(पृ॰ १६३-६४) पृ॰ १६४ की छठी पंक्ति में 'बाकीदाम री' के स्थान पर 'वाँकीदास-री' पढे. तथा छठी-सातवीं से 'प्राचीन राजस्थानी गल्पसंग्रह' निकाल दें, सातवी में 'कृष्ण-रुक्मिणी री' के स्थान पर 'कृष्ण-रुक्मिणी-री', बारहवीं-तेरहवीं मे 'वृहत्' को 'बृहत्' पढें तथा १५वी पंक्ति में 'मानसिंह पुरस्कार' के आगे 'एवं मारवाडी सम्मेलन, बम्बई का राजस्थानी पुरस्कार' बढा लें।

नलिनीकांत (तिवारी)—(पृ॰ १६५) प्रथम पंक्ति में '६० के स्थान पर '३०' पढें।

नवलकिशोर धवल—(पृ॰ १६६) प्रथम पंक्ति मे 'सरमेश' के स्थान पर 'सरमेरा' पढ़े; दूसरी से 'देवघर एव सा॰' निकाल दें; तीसरी में 'कार्यकारिणी' के स्थान पर 'स्थानीय समिति' पढ़ें; पाँचवीं में '४४' के तथा ''४२' के स्थान पर क्रमशः ''५१' और ''५४' पढे, छठी से 'मुँगेर' निकाल दे और ''४२' ''४४', ''४४' के स्थान पर क्रमशः ''५२, ''५४' तथा ''५४' पढें और 'लगभग' के पहले 'जमालपुर' बढा लें; सातवीं में '५१' के स्थान पर ''३१' पढे, आठवी, नवी और दसवीं में ''४६', ''४७', ''४६', ''४८' तथा ''४७' के स्थान पर क्रमश. ''५६, ''५७', '५६', ''५८' तथा ''५७' पढ़े, अंतिम पंक्ति मे 'रामभवन, पानदरीबा गली, पटना-७' के स्थान पर 'वासुदेवपुर (मुँगेर)' पढ़ें।

नवलबिहारी मिश्र, डा॰—(पृ॰ १६६) पाँचवी पंक्ति में '१४' के स्थान पर '५४' पढें।

नारायण प्रसाद, 'बिंदु'—(पृ॰ १६८) पाँचवीं पंक्ति मे 'हैं' के बाद 'अप्र॰ श्री अरविन्द साहित्य : एक अवलोकन, श्रीअरविन्द : संक्षिप्त जीवनी, तथा श्री अरविन्दोआश्रम (यंत्रस्थ)' बढ़ा ले।

निरंकारदेव सेवक—(पृ॰ १७१) 'अप्र॰' के अतर्गत लिखे गये 'केपोटेरो, ईसप की कहानियाँ चित्र की नारी, रोटी का राग, तूफानों की माँ,

पक्षियों का राजा. मटर के दाने, हाफिज का स्वप्न, टाफी-बिस्कुट, बाल-गीत-शिक्षा, विश्वकथा गीत' ग्रंथों को 'प्रका०' ग्रंथों के अतर्गत, तथा बारहवीं पंक्ति में 'वकील' के स्थान पर 'ऐडवोकेट' पढ़े ।

निरंजनलाल शर्मा—(पृ० १७१) दूसरी पक्ति मे 'प्राध्यापक' के स्थान पर 'अध्यापक' पढ़े ।

पद्मधर पाठक—(पृ० ५४३) चौथी पक्ति का 'अप्र' निकालकर उसी पक्ति में 'एवं' के स्थान पर लिख लें ।

पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी—शि० बी०ए०, खैरागढ; मा० भूत संपा० मा० 'सरस्वती' प्रयाग '२०-'२८ एवं मा० 'छाया' प्रयाग , तब से स्थानीय हाईस्कूल मे प्राध्यापक, अब अवकाशप्राप्त ; प्रका० पंचपात्र, हिंदी-साहित्य-विमर्श, विश्वसाहित्य, शतदल, पद्मवन आदि कविता-संग्रह; कुछ (लेख०) आदि ; अप्र० दो-तीन निबंध एवं कविता-संग्रह ; वि० आजकल आपकी आत्म कथा निबधमाला-रूप मे प्रकाशित हो रही है ; प० खैरागढ ।

परमात्माशरण बंसल—(पृ० १७५-७६) पृ० १७५ की दूसरी पंक्ति से 'पजाब वि० वि०' निकाल दे, पृ० १७६ की प्रथम पक्ति मे 'स्फुट' के स्थान पर 'अनुसन्धानात्मक' पढें एवं दूसरी पंक्ति मे 'शोध-कार्य-रत' के पश्चात् 'पंजाब वि० वि०' बढ़ा ले ।

परमानंद पांडेय—(पृ० १७६) प्रथम पक्ति से '१ जनवरी' निकाल दे और ''२५' के पश्चात् 'रामपुर' बढा लें, दूसरी पंक्ति से 'बी० ए० '४६' निकाल दे, तीसरी में ''६२' के पश्चात् 'देश के बढावड हो (अगिका कहा०) '६३' बढा ले, इसी पक्ति में (हास्य) के आगे 'कवि०' पढ़ें, छठी मे 'अध्ययन' के पूर्व 'लेखन' बढा ले तथा सातवीं से 'अध्यक्ष, अनुसंधान पुस्तकालय' निकाल दें ।

परमेश्वर द्विरेफ—(पृ० १७६) छठी पंक्ति में 'युगस्रष्टा प्रेमचंद' के आगे 'राजस्थान सरकार द्वारा ५०० रु० से पुरस्कृत' बढा ले ।

परमेश्वरीलाल गुप्त, डा०—(पृ० १७७) तीसरी पक्ति से 'से' निकाल दे और 'मे' के स्थान पर 'से' पढ़े, चौथी में ''४१' के स्थान पर ''२१' पढ़ें, पाँचवीं में 'मंत्री' के पूर्व और छठी में 'प्रधानमंत्री' के पूर्व 'भूतपूर्व' बढा ले, सातवी मे 'उ०प्र०' के पूर्व 'नागरी प्रचारिणी सभा काशी की प्रबंध समिति के भूत० सदस्य' बढ़ा लें, नवी में ''५५ से' के पश्चात् ''६३ तक' बढा लें, दसवी मे 'मुद्राध्यक्ष' के पश्चात् और 'पुरातत्व विभाग के सहायक संग्रहाध्यक्ष '६३ से पटना संग्रहालय के अध्यक्ष' बढा लें

पांडेय बेचन शर्मा, 'उग्र'—सा॰ भूत॰ संपा॰ मा॰ 'विक्रम' उज्जैन, वर्त॰ संपा॰ दै॰ 'उग्र' दिल्ली ; प्रका॰ चाकलेट, महात्मा ईसा (नाट॰); चुंबन, शराबी, बंटा, बुधुआ की बेटी, दिल्ली का दलाल, चंद हसीनों के खुतूत, माधव महाराज महान, चार बेचारे, जी जी जी, पंजाब की महारानी आदि लगभग बीस पुस्तकें ; प॰ संपादक दैनिक 'उग्र', १४८८८, शिवाश्रम, कबीसरोड, दिल्ली।

पी॰ आर॰ रुक्माजी, 'अमर'—(पृ॰ १७८-१८८) पृ॰ १७८ की छठी पंक्ति मे 'मद्रास ६' के स्थान पर 'मद्रास ३४' पढ़े।

पृथ्वीनाथ, 'मधुप'—(पृ॰ १८२) दूसरी पंक्ति में 'वि॰ वि॰' के पश्चात् 'एम॰ ए॰ (हिन्दी)' बढ़ा लें और 'प्रकाश' के आगे 'काश्मीरी कवि श्री-माला के सम्पादक एवं अनुवादक', तीसरी पंक्ति मे 'कविताएँ' के बाद 'कश्मीर की हिन्दी को देन (प्रबन्ध)' बढ़ा ले, पाँचवीं मे 'संक॰' के बाद 'काश्मीरी स्वयं-शिक्षक (यंत्रस्थ)' बढ़ा लें।

प्रकाशचंद्र यादव—(पृ॰ १८२) चौथी पंक्ति में 'पुस्तकालय' के स्थान पर 'विद्यालय' पढ़ें।

प्रकाशवती पाल, श्रीमती—शि॰ लाहौर, सा॰ कई वर्षों तक क्रांतिकारी दल की समस्या रहीं, 'विप्लव' एवं 'विप्लवी ट्रैक्ट' की भूत॰ प्रकाशिका ; 'विप्लव-पुस्तकमाला' की संचा॰, प्रका॰ स्फुट ; अप्र॰ चार-पाँच संगह ; प॰ 'विप्लव-कार्यालय', शिवाजी मार्ग, लखनऊ।

प्रतापसिंह सुराणा—(पृ॰ १८५) दूसरी पंक्ति में 'प्रका॰' के पूर्व 'संयुक्त-संपादक 'जनशिक्षण'' बढ़ा लें।

प्रतापनारायण श्रीवास्तव—(पृ॰ १८४) छठी पंक्ति मे 'वेदना' के स्थान पर 'वंदना' पढ़िए।

प्रफुल्लचंद्र पट्टनायक—(पृ॰ १८५) प्रथम पंक्ति में 'अंबलपुर' के स्थान पर 'संबलपुर', तीसरी में 'अबाल पहाड़ियाँ' के स्थान पर' 'संताल पहाड़ियाँ', छठी मे 'नए देवता (नाट॰)' के पूर्व 'मिट्टी के गीत (कवि॰)' तथा सातवी मे'मंगलराज' के स्थान पर 'मंगलराग' पढ़े।

प्रेमचन्द विजयवर्गीय—(पृ॰ १८१-८२) पृ॰ १८२ पर पाँचवी पंक्ति में 'वनस्थली विद्यापीठ' के पश्चात् 'महाविद्यालय' बढ़ा लें।

प्रेमलता वर्मा—(पृ॰ १८४) तीसरी पंक्ति में 'कहानियाँ' के पश्चात् 'अप्र॰ दो कविता तथा दो कहानी-संग्रह, वि॰ उर्दू भाषा और साहित्य के अध्ययन तथा बँगला से कहानी और कविताओं के अनुवाद में संलग्न'

बढ़ा लें; तीसरी पंक्ति से 'प्रधानाध्यापिका, सिंधी-सेवा-समिति विद्यालय' निकाल दें।

फाल्गुन गोस्वामी—(पृ० १९९५) चौथी पंक्ति में 'हिन्दी-भाषा-टीका' के पश्चात् 'मानस-शंका-समीक्षा' बढ़ा लें।

फूलचंद्र जैन, 'सारंग'—(पृ० १९९५) चौथी पंक्ति में 'प्राध्यापक' के स्थान पर 'प्रधानाध्यापक' पढ़ें, छठी से 'इंटर' तथा 'एवं' और सातवीं से 'प्रदीप' निकाल दें तथा इसी पंक्ति में 'प्रका०' के पश्चात् 'रचना-प्रदीप' बढ़ा लें, तेरहवीं में 'रात्रि' के स्थान पर 'रात', पंद्रहवीं में 'पंथ' के स्थान पर 'पथ' पढ़ें।

फूलदेव सहाय वर्मा—(पृ० १९९५-९६) तीसरी पंक्ति से 'सह' निकाल दें।

बच्चन पाठक, सलिल—(पृ० १९९६-९७) पृ० १९९७ की प्रथम पंक्ति में 'साधना' के पूर्व 'त्रैमा०' और 'संकल्प' के पूर्व 'मा०' बढ़ा लें, दूसरी में 'कहा० एवं निबंध' के आगे 'संपा० रच० फूल और कलियाँ (कवि०)' बढ़ा लें; 'वि०' के अंतर्गत बढ़ा लें—सात-आठ संकलनों एवं अभिनंदन - ग्रंथों में रचनाएँ संकलित'।

बच्चूलाल अवस्थी, 'ज्ञान', डा० (पृ० १९९७) तीसरी पंक्ति में 'हिंदी '५७' के पश्चात् पी-एच० डी० आगरा वि०वि० '३२' और 'कालेज' के पश्चात् ''४९-'५८' बढ़ा लें, पाँचवीं में 'प्रधान पंडित' के स्थान पर 'प्रधानाध्यापक '४७-'४९' पढ़ें, इसी में 'काव्यतत्वबोधिनी' के पश्चात् 'बासी-फूल (उप०)' बढ़ा लें, सातवीं में 'में प्रस्तुत कर चुके हैं' के स्थान पर 'से पी-एच०डी० के लिए स्वीकृत' पढ़ें तथा इसके आगे 'रहस्यवाद' और आठवीं में 'युवराजदत्त' के पश्चात् 'पोस्टग्रेजुएट' बढ़ा लें।

बजरंग वर्मा—(पृ० १९९७) तीसरी पंक्ति में 'सह-संपादक' के पश्चात् 'बिहार राष्ट्रभाषा परि० द्वारा पाँच खंडों में प्रकाशित होनेवाले बिहार के साहित्यिक इतिहास 'हिंदी-साहित्य और बिहार' के सहसंपादक' बढ़ा लें और 'संपा० त्रैमा०' के स्थान पर 'सदस्य संपादक-मंडल त्रैमा०' पढ़ें, 'उपाध्याय' के बाद का 'अर्द्धविराम' निकाल दें, उसी के आगे 'और' तथा 'एवं' के बाद 'रुनझुन-नूपुर बोल' बढ़ा लें।

बदरीनाथ शास्त्री, मधुकर'—(पृ० १९९७-९८) पृ० १९९७ की प्रथम पंक्ति में 'उर्दू' के स्थान पर 'हिंदी, अँग्रेजी' पढ़ें; पृ० १९९८ पर 'निबंध' के बाद 'कविता-कहानी' बढ़ा लें।

बद्रीनारायण जोशी, 'विद्यार्थी'—(पृ॰ १९८) दूसरी पंक्ति मे 'शिक्षणकार्य' के बाद 'साहित्य सदन के संस्थापक एवं संचालक '१५ वर्ष, ग्रामोद्योग संस्था के अवैतनिक मंत्री, ७ वर्ष' बढ़ा ले तथा चौथी से 'सा॰ सदन के भूत॰ अवै॰ मत्री' निकाल दें।

बनारसीलाल, 'आर्य', पांडेय—(पृ॰ १९९) प्रथम पंक्ति में 'आर्य' के बाद 'पांडेय' बढा ले, पाँचवी में 'डी॰ ९४/२२' के स्थान पर 'डी॰ १५/२२' पढ़े।

बनारसीलाल, 'काशी'—(पृ॰ १९९) चौथी पक्ति में 'प्रगतिराम-डिहरा' के स्थान पर 'प्रगतिशील पुस्तकालय, रामडिहरा' पढ़ें।

बब्बन मिश्र—(पृ॰ २००) चौथी पंक्ति में 'लय' के बाद 'संघ' बढा ले, पाँचवीं से 'बाल-विनोद, कविताकुंज' 'प्रका॰' से निकालकर 'अप्र॰' के अंतर्गत छठी पक्ति के प्रारंभ में पढ़ें।

बलदेवप्रसाद मिश्र, 'स्वतंत्र'—(पृ॰ २०१) पाँचवो पक्ति में 'सद॰' के बाद 'उपसंपादक, अध्यापक '५४' तथा नवी में आदि के पूर्व 'सन् १८५७ के स्वतंत्रता संग्राम के वीर श्री नरपतिसिंह की पद्यजीवनी और कुश्तीकला' बढ़ा लें।

बलदेवप्रसाद मेहरोत्रा—ज॰ '२३; शि॰ बी॰ ए॰ काशी वि॰वि॰, एम॰ ए॰ '५१; सा॰ क्वीस कालेज काशी मे प्राध्यापक रहे, गैरसरकारी विद्यालय हा॰ से॰ स्कूल डालीगंज (प्रतापगढ़) मे तीन वर्ष तक प्रधानाचार्य के रूप मे कार्य किया, राष्ट्रभाषा विद्यालय, काशी के संस्था एवं भूत॰ मंत्री; वर्त॰ प्राध्यापक, राजकीय इंटर कालेज, अल्मोडा; प्रका॰ स्फुट; अप्र॰ निराला का कथा-साहित्य एवं दो-तीन संग्रह; प॰ कलाभवन, जोशीटोला, अल्मोड़ा।

बलदेव शास्त्री—(पृ॰ २०२) प्रथम पंक्ति में '२५ मई, १९०२' के स्थान पर '२५ मार्च १९००', चौथी और छठी पंक्तियों में 'कहेवडकलाँ' के स्थान पर 'महेवड़कलाँ', छठी में ''२८' के बाद 'वीर बादल' बढ़ा ले।

बलभद्रनारायणसिंह, बालेंदु'—(पृ॰ २०३) दूसरी पक्ति मे 'जलालाबाद' के स्थान पर 'चटमा बाजार तथा एम॰ सी॰ भी॰ एम॰ गिद्धौर' पढ़े, तीसरी में 'केन्द्र' के बाद 'तथा पंकज-गोष्ठी', और 'सहयोग' के बाद 'बिहार राष्ट संगीत-नृत्य-वाद्य कलाकार परिषद् की स्थापना में सहयोग बढा लें तथा पाँचवी में 'एव' के पूर्व में कहानी पढ़ें

बादूलाल कोठारी—(पृ० २०५) पाँचवीं पंक्ति में 'वि०' के बाद 'प्रख्यात कहानी-लेखक' बढ़ा लें।

बादूलाल गर्ग—(पृ० २०५) आठवी पंक्ति मे 'संवाददाता' के आगे 'विभिन्न साहित्यिक पत्र-पत्रिकाओं के नियमित लेखक, 'दै० भारत' (इलाहाबाद) द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में नौ बार प्रथम तथा पाँच बार द्वितीय पुरस्कार प्राप्त, मंत्री चित्रकूट क्षेत्रीय पत्रकार-संघ, उपाध्यक्ष बाँदा जिला डाक-तार कर्मचारी-संघ, प्रचारमंत्री चित्रकूटधाम प्रतिरक्षा समिति, मंत्री जिला समाजवादी नियोजन गोष्ठी' बढ़ा ले।

बादूलाल शर्मा, 'प्रेम'—(पृ० २०६) प्रथम पंक्ति में 'प्रका०' के पूर्व मंत्री बाल-साहित्य संसद, बग्लेी', दूसरी में 'कविताएँ' के बाद 'आँचल के फूल' तथा चौथी में 'मढ़ीनाद मार्ग' के पूर्व 'कठघर' बढ़ा लें।

बालकृष्ण भट्ट—(पृ० २०७) प्रथम पंक्ति में '१८०१' के स्थान पर '१८०७' पढ़ें, दूसरी मे 'विद्यालंकार' के पूर्व 'सम्मानित उपाधियाँ', तीसरी में 'अयोध्या' के पूर्व 'पण्डित परिषद', चौथी में 'सा०' के पूर्व 'कर्म्मकाण्ड मणि-संस्कृत कार्यालय, अयोध्या' बढ़ा लें; सातवी से 'राजकीय' निकाल दे, दसवी मे 'दो भाग' के स्थान पर 'तीन भाग', ग्यारहवीं में 'पितकर्मपद्धति' के स्थान पर 'पितृकर्मपद्धति', बारहवीं में 'ज्योतिष-जातक-दीपिका' एक में पढ़ें और 'तात्रिक चंद्रिका' के स्थान पर 'ताजिक चंद्रिका' पढ़े; इसके पश्चात् 'देवी पूजा-पद्धति, गढवाल जाति-प्रकाश, अनुवाद-दीपिका, काव्य-प्रबंध, जातक-दीपिका' बढ़ा लें, तेरहवी पंक्ति में 'ऐति० गढ़वाल' एक में पढ़े, चौदहवी में 'वंश' के स्थान पर 'देश' पढ़े तथा 'भूविलास' के पश्चात् बढ़ा ले—'यंत्रस्थ : महाकवि कालिदास और गढ़वाल के प्राचीन देवीपीठ, व्रतार्चन-कथाविधि, साहित्य-कल्पकलिका, बाल-निबंध-वाटिका, आर्यों का आदि देश गढ़वाल, आत्मदर्शन-काव्य, नव्य भारत (संस्कृत नाट०)'; पंद्रहवी में 'अदालत' के पूर्व 'सद० राज्य प्रतिनिधि सभा (टिहरी) तथा 'तपोवन' के पूर्व 'बारस वर्ष', सत्रहवी में 'जाखल' को 'जारवाल' पढ़ें एवं इसी के पश्चात् 'भरदार, टिहरी' बढ़ा लें।

बालकृष्णराव—(पृ० २०७-२०८) प्रथम पंक्ति मे 'काशी' के बाद का 'एवं' निकाल दें; दूसरी में 'लखनऊ' के आगे 'तथा प्रयाग' बढ़ा लें; पाँचवी में 'उपन्यायाधीश' के स्थान पर 'उप-जिलाधीश' पढ़ें; पृ० २०८ की सातवी पंक्ति में 'के अध्यक्ष' के पूर्व 'तथा हिंदुस्तानी अकेडमी, प्रयाग'

बढा लें ; आठवी में 'विश्रांत सैम्सन' के स्थान पर 'विक्रांत सैम्सन' तथा नवी पक्ति में 'सहसंपा' के स्थान पर 'सहसंपा०' पढिए।

बालमुकुंद गुप्त, डा०—(पृ० २०८-२०९) दूसरी पंक्ति में 'सारत्न' को 'सा०रत्न, सम्मे० प्रयाग' पढें, आठवी में 'हिंदी परि' के स्थान पर 'हिंदी परि० कलकत्ता' पढ़िए ; इसी मे 'सम्मे०' के पूर्व 'हिं० सा०' बढा ले ; नवों मे 'प्राचार्य' के स्थान पर 'प्रधानाचार्य' पढिए , इसी पंक्तिमें 'गाजीपुर' को कोष्ठकबद्ध कर लें ; दसवी मे 'एन० आर० सी० कालेल' के स्थान पर 'एन० आर० ई० सी० कालेज' पढिए ; ग्यारहवी मे 'एव' के पश्चात् 'एसोशिएट प्रोफेसर' बढा लें , बारहवी में 'प्रका०' के पूर्व 'भूत० संपा०-संचा० मा० 'धूप-छाँह' और 'पुस्तकें' के आगे 'एवं लेख' बढ़ा लें ; पृ० २०९ की दूसरी पंक्ति में 'अशोकनगर' के पूर्व 'निसर्ग, १११।४१' बढ़ा लें तथा 'मोतीझील' को कोष्ठकबद्ध कर लें ।

बालशौरि रेड्डी—(पृ० २०९) तीसरी पक्ति में 'शबरी '६०' के पश्चात् 'यह बस्ती-ये लोग (उप०) '६३, तेलुगु की उत्कृष्ट कहानियाँ '६१, नई धरती (एका०) '६३, तेलुगु की लोककथाएँ '६१' ; चौथी में 'अप्र०' के पूर्व 'यत्रस्थ : रुद्रमदेवी (उप०), तेलुगु साहित्य का इतिहास, तेलुगु के पंच महाकाव्य, तेलुगु साहित्य के निर्माता' बढ़ा लें, तथा उक्त पुस्तकों को 'अप्र०' शीर्षक से निकाल दें ; छठी मे '(आलो०)' के पश्चात् 'जब आँखें खुली (एकां०)' बढा लें', १०वी पंक्ति मे '१७' के स्थान पर '३३' पढ़िए ।

बैजनाथ जगन्नाथ महोदय—(पृ० २११-१२) दूसरी पंक्ति में ''२९' के स्थान पर ''२१', पृ० २१२ की प्रथम पंक्ति में 'मंत्री' के स्थान पर 'सह-मंत्री', चौथी मे 'इंदौर के सर्वोदय सम्मेलन के स्वागताध्यक्ष' के स्थान पर 'प्रथम सर्वोदय सम्मे०, इदौर के स्वागताध्यक्ष', सातवीं में 'गोसंवधन' के स्थान पर 'गोसंवर्धन', दसवी मे 'विजय बारडोली' के स्थान पर 'विजयी बारडोली' तथा चौदहवी में 'क्रांति दर्शन' के स्थान पर 'क्रान्त दर्शन' पढिए ।

ब्रह्मदेव शास्त्री—(२१३) प्रथम पंक्ति से 'बी० ए०' निकाल दें, दूसरी में 'प्रभाकर' के पश्चात् '(;)' लगा दें, चौथी में 'मैंगरा' को 'भारती कुटीर' के पश्चात् पढ़िए, और 'की स्था०' के स्थान पर 'संस्थापक तथा संचालक' पढ़िए, पाँचवी पंक्ति में '(गया)' के पश्चात् का 'अर्द्धविराम' निकाल दें, इसी पक्ति में 'पब्लिकेशंस' और 'भूत०' के पश्चात् 'अर्द्ध-विराम' लगा लें, छठी में '४३ '४४' के पश्चात् 'कलाकृति पुरस्कृत '४६' और

'क्रंदन' के पश्चात '(का०)', 'निशीथ' के पश्चात् '(गद्यगीत)', 'नील-अंगार' के पश्चात् '(कथा०)' बढ़ा लें तथा आठवीं में 'दो संग्रह' के स्थान पर 'काव्य तथा यात्रा और गद्य-गीतों के कई संग्रह' पढ़िए।

ब्रह्मानंद शुक्ल, आचार्य—(पृ० २१४) सातवीं पंक्ति में 'मालवीय जी द्वारा 'कविरत्न' उपाधि प्राप्त' के स्थान पर ''कविरत्न' उपाधि भारत-धर्म-महामण्डल काशी से प्राप्त' पढ़िए।

भँवरलाल गर्ग अग्रवाल—(पृ० २१४-१५) पृ० २१५ की प्रथम पंक्ति में 'बनवारी' के स्थान पर 'बनवासी' पढ़ें, दूसरी में 'भीलवाड़ा' के बाद 'कपासन और चित्तौड़गढ़' बढ़ा लें तथा 'हाईस्कूल' के स्थान पर 'उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जाम्बा हरिसिंह' पढ़ें और 'प्रधानाध्यापक, हाईस्कूल भीलवाड़ा' बढ़ा लें, सातवीं पंक्ति में'सरल-अध्ययन' के पश्चात 'विश्व एवं भारत का नवीन भूगोल' बढ़ा लें।

भँवरलाल नाहटा—(पृ० २१५) प्रथम पंक्ति में ''११' के बाद 'बीकानेर' बढ़ा लें और 'श्रीराजगृह' के स्थान पर 'राजगृह' पढ़ें; दूसरी में '(सहलेखक)' के बाद 'दादाजिनकुशल सूरि, मणिधारी जिनचंद्रसूरि, युगप्रधान जिनदत्तसूरि (सहलेखक), ज्ञानसार-ग्रथावली' और तीसरी पंक्ति में, 'जैनकाव्यसंग्रह' के के बाद 'बीकानेर जैन लेख-संग्रह' बढ़ा लें, 'कुक्कुर' को 'ठक्कुर पढ़ें, 'हमीरायण' को 'हम्मीरायण', 'लघु पद्मिनी' को 'पद्मिनीचरित्र चौपई' एवं चौथी पंक्ति में 'विजयचंद्रकृत' के स्थान पर 'विनयचंद्रकृत', 'कुसुमांजलि' के स्थान पर 'कुसुमांजली' पढ़ें, इसी पंक्ति में 'समयसुंदर रामपंचक' के आगे 'समय सुंदर-कृत कुसुमांजली, कित्राम रासो' बढ़ा लें।

भगवतस्वरूप मिश्र, डा०—(पृ० २२०) प्रथम पंक्ति में '३०' के स्थान पर '२०' तथा 'एवं पिलानी' के स्थान पर 'एवं आगरा' और पाँचवीं में 'हिंदी साहित्य कोश' के स्थान पर 'हिंदी-साहित्य-इतिहास' पढ़ें।

भगवानदास निर्मोही—(पृ० २१६) प्रथम पंक्ति में '२५ मई, '३१' के स्थान पर '२६ मई, '३१' पढ़ें तथा छठी में 'करनाल' के आगे 'पंजाब' बढ़ा लें।

भगीरथ मिश्र, डा०—(पृ० २२०-२२१) पृ० २२१ की प्रथम पंक्ति में 'निरंजनी' के पश्चात् बढ़ा दें—'वि० विदर्भ राष्ट्रभाषा प्रचार-समिति, नागपुर का दीक्षान्त भाषण दिया '६३'।

भद्रसेन, आचार्य—(पृ० २२१) प्रथम पंक्ति में 'संस्कृत' के आगे 'हिन्दी' बढा लें', पाँचवीं में 'श्रोत्' और 'वैदिक' के बीच का अर्द्धविराम निकाल दें और आठवी मे 'अँगरेजी' के बाद 'भी' बढ़ा लें।

भरतराम भट्ट, शास्त्री—(पृ॰ २२१) प्रथम पक्ति में "२२' के पूर्व '१५ अगस्त', चौथी में 'मंत्री' के बाद संपा॰ 'युगमित्र' तथा मा॰ 'अब गाँव गाँव' '६२' बढ़ा लें ; पाँचवी मे 'टीका '६०' के आगे 'मानव-मानव एक हैं (एका॰) '६२, जिओ और जीने दो (एका॰) '६३, आधुनिक गौतम-अशोक (एकां॰) '६३; यत्रस्थ 'हम सन्यासी हैं (एका॰); वि॰ हिन्दी-शिक्षा-सदन' के संचालक '५२ से' बढ़ा लें।

भवदेव झा—(पृ॰ २२१२२) दूसरी पक्ति मे 'हिन्दी '५७' के स्थान पर 'हिन्दी '५८', तीसरी मे 'मा॰ हिं॰ सा॰ परि॰ पटना के सभा॰' के स्थान पर 'सा॰ स्थानीय हि॰ सा॰ परि॰ के सभा॰", पृ॰ २२२ की प्रथम पंक्ति में 'अलंकारों' के पूर्व 'साधर्म्य-मूलक' तथा तीसरी पक्ति में 'पटना' के आगे 'सिटी' बढ़ा ले।

भानुसिंह बाघेल—(पृ॰ २२३) प्रथम पंक्ति में 'शि॰' के पश्चात 'वर और स्वयं, 'साहित्य भूहण' उपाधि अयोध्या-संस्कृत-संस्था से प्राप्त' बढा ले, दूसरी पंक्ति में 'भ्वागर्श' के स्थान पर 'युत्रादर्श' पढ़े''

भास्करानंद लोहनी—(पृ॰ २२४-२५) पृ॰ २२५ की दूसरी पक्ति में 'भूले पन्ने' के आगे बढा दें-'पौराणिक साहित्य और संस्कृति, दुनियाँ' सैकडों वर्ष पहले (वेदकालीन भूगोल), ज्योतिर्विज्ञान : ब्रह्माण्ड परिचय (तीनों ग्रन्थों पर उ॰ प्र॰ सरकार से अनुदान प्राप्त) ; वि॰ अ॰ भा॰ संस्कृत वि॰वि॰ की परीक्षाओं के परीक्षा-व्यवस्थापक '५४-'५६, अ॰भा॰ ज्योतिर्विज्ञान तथा सास्कृतिक शोध परिषद' के संस्थापक तथा निर्देशक'।

भीखनलाल आत्रेय, डा॰—(पृ॰ २२५) छठी पंक्ति मे 'कांग्रेस' के आगे 'अर्द्धविराम' लगा लें; सत्रहवीं पंक्ति मे 'दर्शनशास्त्र' के स्थान पर 'दर्शन' पढ़ें ; अठारहवीं में 'दर्शनम्' के स्थान पर 'सारदर्शनम्' पढे तथा 'प्रकृतिवाद' के आगे 'आयोजना' के स्थान पर 'पर्यालोचना' पढ़ें ; बीसवी पक्ति में 'वर्त॰' के स्थान पर 'भूत॰', इक्कीसवीं में 'राजापुर' के स्थान पर 'राजपुर' पढें।

भीम पाँड़िया—(पृ॰ २२५) तीसरी पंक्ति मे 'हैं' के आगे 'आकाश-वाणी से अनेक स्वरचित राजस्थानी कविताएँ और गीत प्रसारित' बढ़ा लें चौथी पंक्ति में 'आशापुर' को 'आशापुरा' पढ़िए।

भीष्मसिंह चौहान—(पृ॰ २२६) सातवीं पंक्ति में 'भीम' के स्थान पर 'चीन' पढ़िए तथा '(बालो॰)' निकाल दीजिए; दसवी में 'चके' के स्थान पर 'चुक' पढिए

भुवनेंद्र, 'विश्व'—प्रथम पंक्ति में 'भुवनेंद्र' को 'भुवनेन्द्र' पढ़िए, तीसरी पंक्ति में 'प्रचारमंत्री' के आगे 'महावीर ब्रह्मचर्याश्रम कारंजा (बरार) के सहायक गृहपति और ऋषभ ब्रह्मचर्याश्रम चौरासी (मथुरा) के प्रधानाध्यापक व गृहपति पद पर चार-पाँच वर्ष कार्य किया' बढ़ा लें।

भुवनेश्वर मिश्र, 'भुवन—(पृ॰ २२७) छठी पंक्ति से 'अप्र॰ आलो॰' निकाल दें, सातवीं में 'संक॰' के स्थान पर 'मौलिक ग्रन्थ' कर लें एव 'हिं॰वि॰' के बाद 'राजकीय' बढ़ा लें।

मंगलदेव शास्त्री, डा०—(पृ॰ २३१) पाँचवीं पंक्ति में ''६१' के आगे 'भूत॰ संपादक 'सारस्वती सुषमा', संस्कृत कालेज सरस्वती भवन-ग्रन्थमाला, भूत॰ सद॰ केन्द्रीय संस्कृत बोर्ड, निर्देशक प्राच्य अनुसंधान परिषद वाराणसी' बढ़ा लें ; छठी पंक्ति में 'अनु॰' के आगे 'भारतीय संस्कृति का विकास (दो खंड), रश्मि माला, अमृत मन्थन, भारतीय आर्यधर्म की प्रगतिशीलता आदि' बढ़ा लें।

मंगलसक्सेना—(पृ॰ २३१) दूसरी पंक्ति में 'फीचर' के आगे 'कविताएँ बालसाहित्य' बढ़ा लें ; दूसरी-तीसरी पंक्ति में 'राज॰ साहि॰ एकेडमी द्वारा पुरस्कृत' के स्थान पर 'राज॰ साहि॰ एकेडमी द्वारा आयोजित कहानी प्रतियोगिता में पुरस्कृत' पढ़िए; इसी के आगे बढ़ा लें—'वि॰ पत्रकार, कई पत्रों का सम्पादन कर चुके हैं, साहित्योपजीवी, अ॰भा॰ एवं प्रांतीय प्रतियोगिता में पुरस्कृत'।

मक्खनलाल शर्मा—(पृ॰ २३१-३२) प्रथम पंक्ति में ''२५' के स्थान पर ''२६' पढ़िए; दूसरी में 'डा॰ मुंशीराम' के आगे 'शर्मा' बढ़ा लें, पृ॰ २३२ की प्रथम पंक्ति में ''६२' के स्थान पर ''६३' पढ़िए।

मगनलाल, 'जिनेश' (पंडित)—(पृ॰ २३२) प्रथम पंक्ति में 'सा॰' के स्थानपर 'साहित्याचार्य' पढ़िए तथा उसी के आगे 'फाजिले उर्दू, सा॰' बढ़ा लें; दूसरी में 'सूचना' के पश्चात् 'का छह वर्ष तक संपादन ('४७-'५३)', तीसरी पंक्ति में 'प॰' के आगे '२१, जिनेश भवन' बढ़ा लें।

मदनमोहन गुप्त, 'मदन'—(पृ॰ २३४-३५) पृ॰ २३४ की प्रथम पंक्ति में 'शिवहर' एवं 'अनुमंडलीय' के बीच ';' के स्थान पर 'और' पढ़िए ; नवीं पंक्ति में 'तूफान' के आगे 'वि॰ आध्यात्मिक दीक्षा, श्रीसद्गुरु सदन, गोलाघाट' बढ़ा लें।

मदनमोहन परिहार—(पृ॰ २३४) प्रथम पंक्ति में 'इटर' के बाद 'साइंस' बढ़ा लें ; पाँचवीं पंक्ति में 'माटी देवे हेलोरे, धरती हमें पुकारे'

के स्थान पर 'स्वरलहरी (संक०), प्रतिनिधि सामूहिक गान, प्रतिनिधि हास्य कविताएँ (संक०)' पढ़िए तथा 'दो संग्रह' के पश्चात् 'माटी देवे हिलोरे' (राज), धरती हमें पुकारे (हिंदी)' एवं छठी पंक्ति में 'जोधपुर' के बाद '(राज)' बढ़ा ले।

मदन मोहनलाल दीक्षित—(पृ० २३४–३५) पृ० २३५ की दूसरी पंक्ति में 'राम निवास, चारबाग' के स्थान पर 'प्रभु - निवास, विजय नगर, लखनऊ' पढ़े।

मदनस्वरूप, 'मनोज'—(पृ० २३६) तीसरी पंक्ति में 'कवि०-संग्रह' के पश्चात् 'गर्जना, पसीना बोलता है, बालभारती जिन्दाबाद, जूड़े के फूल' बढ़ा लें।

मधुसूदन वाजपेयी—(पृ० २३७) प्रथम पंक्ति में 'सा०' के पश्चात् 'स्था०' बढ़ा ले तथा ग्यारहवीं में 'आध्यात्म' के स्थान पर 'अध्यात्म पढ़े।

मनमोहन मदारिया—(पृ० २३८) प्रथम पंक्ति में '३ अक्टूबर' के स्थान पर '३ सितंबर' पढ़ें, तीसरी पंक्ति में 'प्रका०' के पूर्व 'संपा० मा० 'समाजसेवा' बढ़ा लें; पाँचवी में '(अनु०)' के आगे बढ़ा ले—'एक वासन्ती रात (कहा०) '६२, दुनियाँ की दुनियाँ (विज्ञान) '६२, सफलता के शिखर (विज्ञान) '६२, उजला मन, मैले हाथ (नाट०) '६२, नारंगी की फाँके (उप०) '६२, गुरुदेव रवीन्द्रनाथ (जीव०) '६२, नयी बानी कथा पुरानी (कहा०) '६२ तथा सातवीं पंक्ति में 'वि० के अन्तर्गत 'पुरस्कार प्राप्त' के आगे 'गुदड़ी का लाल' (बालो० उप०) पर मध्यप्रदेश शासन साहित्य परिषद् से ७०० रु० का 'पद्माकर पुरस्कार' प्राप्त, 'दुनियाँ की दुनियाँ' पर म० प्र० शिक्षा विभाग से १००० रु० का प्रथम पुरस्कार प्राप्त, 'गुरुदेव रवीन्द्रनाथ' पर 'धार रवीन्द्र शताब्दि समारोह समिति' से पुरस्कार प्राप्त'।

मनोहरलाल वर्मा—(पृ० २४०) सातवीं पंक्ति में '(बालो०)' के पश्चात् 'रेलगाड़ी' बढ़ा ले।

मनोहर वर्मा—(पृ० २४०) तीसरी पंक्ति में 'गाड़ी रुकी नहीं (एकां०)' के आगे 'पुरस्कृत' बढ़ा लें।

मनोहर वर्मा, 'परदेशी'—ज० ३ अप्रैल, '३७; शि० इंटर (प्रथम वर्ष), कन्नौद एवं इंदौर; सा० साधना हिंदी साहित्य समिति कन्नौद के '५६ से उपाध्यक्ष; प्र० '५५ में; प्रका० स्फुट; अप्र० मालवी लोकगीत (संक०) एवं दो संग्रह; प० आडिटर, सिंचाई विभाग, इंदौर।

मलयज—(पृ० २४१) प्रथम पंक्ति में ''३३' के स्थान पर ''३५' तथा तीसरी में 'संयोजक' के स्थान पर 'भून० संयोजक' पढ़े।

महाराज नारायण मेहरोत्रा—(पृ० २४२) तीसरी पंक्ति में 'पृथ्वी की आयु' के पूर्व 'अप्र०' तथा पश्चात् '(यन्त्रस्थ)' निकाल कर ''६२' बढ़ा दें।

महेंद्रनाथ पांडेय—(पृ० २४४) प्रथम पंक्ति में 'सा० विशारद, भूगोल रत्न' के स्थान पर 'आयुर्वेदवाचस्पति, आयुर्वेद-विशारद, आयुर्वेद महोपाध्याय' पढ़ें; पाँचवी से 'प्र०' निकाल दें, छठी से 'कल्प' के स्थान पर 'अपूर्व चिकित्सा-विधान' पढ़ें, सातवी से 'चिकित्सा नारी सहायक अचूक चिकित्सा' के स्थान पर 'अप्र० नारी सहायक, त्वचा के रोग, आकस्मिक घटनाएँ' पढ़ें; इसी पंक्ति में 'रामचरितमानस' के पश्चात् 'वात नाडी और वात-संस्थान के रोग' बढ़ा ले तथा आठवी में 'कटरा' के स्थान पर '२५ ममफोर्डगंज' पढ़ें।

महेंद्र भटनागर, डा०—(पृ० २४४) प्रथम पंक्ति से 'डा०' पर लगा उद्धरणचिह्न निकाल दे; दूसरी पंक्ति में 'एम० ए० '४९' नागपुर वि० वि०' को 'एल. टी०' के पूर्व पढ़े, इसी पंक्ति में 'देवास '५०' के स्थान पर 'देवास—म० प्र० शिक्षा-विभाग '५०' पढ़ें, पाँचवी मे 'संपा०' के पूर्व 'अध्यक्ष प्रबुद्ध भारती (ग्वालियर)' बढ़ा लें, नवी में 'जिजीविषा '६०' के स्थान पर 'जिजीविषा '६२' पढ़ें तथा इसी के आगे 'संतरण '६३' बढ़ा ले; ग्यारहवी में 'प्रेमचद '५७' के पश्चात् 'नाटककार हरिकृष्ण प्रेमी' और 'संवत्-प्रवर्त्तन '६१, साहित्य-परिशीलन '६३' बढ़ा ले; बारहवीं में 'एकांकी' के पश्चात् 'अजय आलोक '६२, नवसाक्षरान्तर्गत' बढ़ा ले; चौदहवी मे 'तथा' के स्थान पर अर्द्धविराम' पढ़े; सोलहवी में '५००) का' के आगे 'तथा '६० मे 'देश-देश की कहानियाँ' (किशोर साहित्य) की पांडुलिपि पर ५००) का' बढ़ा ले; सत्रहवी से 'माधव' निकाल दे; अठारहवीं में 'उज्जैन' के स्थान पर 'ग्वालियर' और उसी पंक्ति मे 'रामकुंज, विश्वविद्यालय मार्ग, माधवनगर, उज्जैन' के स्थान पर 'गोपाल भवन, जीवाजीगंज, लश्कर (ग्वालियर)' पढ़े।

महेंद्र भानावत—(पृ० २४५) प्रथम पंक्ति में 'उदयपुर' के स्थान पर 'कानोड' पढ़े, पाँचवी मे 'अध्ययन' के आगे 'राजस्थान के लोक-नाट्यों का सर्वेक्षण' बढ़ा लें तथा छठीं मे 'प्रबंध' के पश्चात् 'मेवाड़-प्रदेश के लोक साहित्य पर शोधकार्य-रत' बढ़ा लें।

महेशशरण जौहरी, 'ललित'—(पृ॰ २४३) प्रथम पंक्ति में ''२१' के स्थान पर ''२२' पढ़ें, पाँचवी में 'गीत' के स्थान पर 'गीत-संग्रह' पढ़े, इसी पंक्ति से 'और' निकाल दें, ग्यारहवी मे 'ऊर्म्मिका' के स्थान पर 'उर्मिका' पढें तथा बारहवी में 'संसार' और 'संत्र' के बीच 'हाइफन' लगा लें।

माताप्रसाद गुप्त, डा॰—(पृ॰ २४८) दूसरी-तीसरी पंक्ति में 'शोध-ग्रथ' के स्थान पर 'शोध-प्रबंध' पढ़ें; तीसरी पंक्ति से 'तुलसी-संदर्भ, कवितावली, पार्वती-मंगल' निकाल दे; चौथी पंक्ति में 'ग्रंथावली' के पश्चात् 'तुलसी-ग्रन्थावली, वीसलदेवरास, छिताईवार्त्ता, लोरकहा, पृथ्वी-राज रासउ, मधुमालती, रासो-साहित्य-विमर्श' बढ़ा लें; इसी पंक्ति से 'कविवर बनारसीदास जी के अर्द्धकथानक का' निकाल दें, पाँचवी पंक्ति मे 'संपा॰ अप्र॰' के स्थान पर 'तथा' पढ़ें; इसी पंक्ति मे 'शोध-निबंधों' के चार संकलन' के स्थान पर 'शोध-निबंध' पढ़े, छठी पंक्ति से 'रहे' निकाल दें, इसी पंक्ति मे 'अब' के स्थान पर '१९६१ से' पढें, सातवी पक्ति में 'हिंदी-विभागाध्यक्ष' के पूर्व 'प्रोफेसर' बढ़ा लें, इसी पंक्ति मे 'राजस्थान विश्वविद्यालय' के स्थान पर 'राजस्थान वि॰ वि॰' पढ़ें।

माधव शर्मा—(पृ॰ २४८) प्रथम पंक्ति में 'चुरू' को 'चूरू' तथा पाँचवी पंक्ति में 'प्रवाह (कवि॰)' के स्थान पर 'काव्यरश्मि (कवि॰)' पढे।

माधवसिंह, 'दीपक', कुँवर—(पृ॰ २४८) प्रथम पंक्ति में 'झालबाड' को 'झालावाड़' पढ़े; पाँचवी में 'चार संग्रह' के स्थान पर 'संग्रह और उपन्यास' पढ़ें, छठी में 'पी॰ ई॰ रन॰' को 'पी॰ ई॰ एन॰' पढ़े; सातवी से 'एव दिल्ली' निकाल दें, तथा 'नई दिल्ली-१२' के पश्चात् 'स्थायी पता—पीपाखेड़ी भवन, झालावाड (राजस्थान)' बढ़ा लें।

माधवाचार्य दीपचंद, आचार्य—(पृ॰ २४८) प्रथम पंक्ति में 'आचार्य' के पश्चात् 'सर्वतंत्र स्वतंत्र, विद्यामार्तण्ड' बढ़ा लें, बाईसवीं पंक्ति में 'वि॰ भूत॰ सद॰ संपादक-मंडल 'वैदिक सर्वस्व', कांची (मद्रास); सद॰ संपा॰ मंडल 'यूनीवर्सल-मदर' कलकत्ता, तथा संरक्षक 'आदि-गौड', 'आदिवासी ब्राह्मण-बधु' मथुरा' बढ़ा लें।

माधवी कुमारी—(पृ॰ ३४८) प्रथम पंक्ति में 'माधवी कुमारी' के स्थान पर 'कुमारी माधवी' पढें।

माहात्म्य सिंह चौहान—(पृ॰ २५१) प्रथम पंक्ति में '१९०८' के आगे 'ग्राम बाधीपाकर, पत्रालय धमार, शाहाबाद (आरा)' बढ़ा लें, और

'शि० सी० टी०, सा० रत्न' के स्थान पर 'शि० मैट्रिक आरा '२६, सी टी पटना '२९, इटर पटना '३४, साहि० रत्न '४६' पढ़ें; तीसरी पंक्ति में 'पुस्तकें' के पश्चात् 'तुलसी और मानस (यंत्रस्थ)' तथा चौथी पंक्ति में 'चाईबासा' के बाद 'सिंहभूम' बढ़ा लें।

मुंशीराम शर्मा, डा०—(पृ० २५२) प्रथम पंक्ति में '३० जनवरी' के स्थान पर '३० नवम्बर' पढ़ें, सत्रहवीं पंक्ति में 'दान दिया है' के आगे बढ़ा लें—'भारत सरकार ने आपको चार सहस्र रुपये की वार्षिक वृत्ति देकर राष्ट्रीय प्राध्यापक बना दिया है; आजकल आप वेदों पर अनुसंधान-कार्य कर रहे हैं'।

मुकुटबिहारी अग्रवाल—(पृ० २५३) प्रथम पंक्ति में 'अग्रवाल' के आगे 'विश्वहितैषी' बढ़ा लें, तीसरी में 'वैज्ञानिक लेखों के दो संग्रह' के स्थान पर 'जाति-व्यवस्था-विज्ञान और अपनी जीवनी और विचार' पढ़ें।

मुरलीधर झा—दूसरी पंक्ति में 'एम० ए०' के आगे '(प्रथम वर्ग)' बढ़ा लें, तीसरी में 'परिषद' के स्थान पर 'अधिषद' पढ़ें; चौथी में 'कहा०' के आगे 'व्यंग्य, स्केच' बढ़ा लें, पाँचवीं में 'संथाल' के स्थान पर 'संताल' पढ़ें और 'दुमका' के आगे '(संतालपरगना)' बढ़ा लें।

मुरलीधर नारायण प्रसाद—(पृ०२५४) प्रथम पंक्ति में 'जनवरी '१५' के आगे 'धनावा, पोस्ट परवलपुर, जि०पटना' बढ़ा लें, तीसरी में पुस्तकालय के बाद बढ़ा लें—'संस्थापक हिंदी विद्यापीठ देवघर परीक्षाकेन्द्र (१) कुतलुपुर (२) बिहार शरीफ, प्र०मंत्री श्री सरस्वती पुस्तकालय धनावा, पो०परवलपुर, जिला पटना; सभा० श्री हितैषी पुस्तकालय, बिहार शरीफ, पटना; प्र०संपा०मा० 'मगध' साहित्य परिषद, हरनौत (पटना)।

मूलचंद सेठिया—(पृ०२५६) प्रथम पंक्ति में '२२ जून '२४' के स्थान पर '२२ जून '२८ पढ़े।

मूलाराम जोशी—(पृ० २५७) प्रथम पंक्ति से 'अशोक', 'कृषक', 'अमर' और दूसरी से 'अँग्रेजी' निकाल दें; तीसरी में 'एवं चार संग्रह' के स्थान पर 'कहानी-संग्रह, रवींद्र के कुछ गीतों का अनुवाद (पद्य में), हिंदी उपन्यास (अनु० अँग्रेजी से)' बढ़ा लें तथा 'प्राध्यापक' के स्थान पर 'व्याख्याता' पढ़ें।

मैथिलीवल्लभ, 'परिमल'—(पृ० २५८) प्रथम पंक्ति में 'बी०ए०'५८' के स्थान पर 'आई० ए० '५५ बेसेंट कालेज, काशी' पढ़ें; दूसरी पंक्ति में 'राजेन्द्र' के पूर्व 'श्री' बढ़ा लें; और तीसरी में 'स्फुट' के स्थान पर 'पाँच

कदम पचायत के (कहा॰) '६३, शंखध्वनि (कवि॰) '६३, नवांजलि (कवि॰) '६३' पढ़े ।

मोतीलाल शर्मा, 'विजय'—(पृ॰ २५८) चौथी पक्ति में 'स्वर्णपदक-प्राप्त' के आगे 'हिंदी परिषद द्वारा 'कविकोकिल' उपाधि से सम्मानित '४०' बढ़ा ले तथा पाँचवी पंक्ति में 'वीयर' के स्थान पर 'नीयर' पढ़ें ।

मोहन अवस्थी—(पृ॰ २५८) प्रथम पक्ति मे 'पीपरगाँव' (दो बार प्रयुक्त) के स्थान पर 'पिपरगाँव' पढ़े ।

मोहनकुमार नाथूसिंह तँवर—(पृ॰ २५८) चौथी पंक्ति में 'आयुक्त' के स्थान पर 'कमिश्नर' पढ़ें और 'कांग्रेस कमेटी' के आगे बढ़ा ले—'सद॰ अजमेर जिला पुलिस ऐडवाइजरी कमेटी, नगरपालिका स्वास्थ्य ऐडवाइजरी कमेटी, राजस्थान पत्रिका (जयपुर), प्राकृतिक चिकित्सा परिषद, अ॰ भा॰ कोली राजपूत महासभा (प्र॰ मंत्री)' ।

मोहनराज भंडारी—(पृ॰ २६०) दूसरी पंक्ति में 'परिवर्तन' के आगे 'हमराही' बढा ले और तीसरी में 'शांति' के आगे 'वर्त॰ सा॰ सम्पा॰ दै॰ 'नवज्योति' बढा ले ।

मोहनलाल यादव, 'शशि'—(पृ॰ २६१) दूसरी पंक्ति में 'इंटर' के स्थान पर 'बी॰ ए॰ प्रथम वर्ष पढे और 'सास्कृतिक' के पूर्व 'साहित्यिक एव' तथा 'कार्य' के आगे 'तथा संयोजक' बढा ले ; तीसरी पंक्ति मे 'मिलन कार्यालय' के स्थान पर '६४७, दक्षिण मिलौनीगंज' पढ़ें ।

मोहनसिंह सेंगर—(पृ॰ २६१) तीसरी पक्ति से 'नया समाज' निकालकर दूसरी पंक्ति मे 'विशाल भारत (कलकत्ता)' के बाद पढे और 'एव' निकाल दें, छठी पक्ति में 'नरक का न्याय' के बाद '(स्कैण्डल)' जोड़ दें ।

यशपाल जैन—(पृ॰ २६२) प्रथम पंक्ति में जन्मतिथि '१ सितंबर '१२' पढें ; चौथी में 'यूरोप' के आगे 'तथा दक्षिण पूर्वी एशिया' बढा ले, पाँचवी मे 'भाग २' के स्थान पर 'भाग १-२' पढें और 'मैं मरूँगा नही' के आगे 'एक थी चिडिया, सेवा करे सो मेवा पावे, बैताल-पचीसी (२ भाग)' बढ़ा लें ; छठी में 'उत्तराखंड' को 'उत्तराखंड के पथ पर' पढे, 'कोणार्क' के आगे 'जगन्नाथपुरी, अजंता-एलोरा, गोमुख' बढ़ा ले ; सातवी में 'यंत्रस्थ' के स्थान पर 'पड़ोसी देशों में' पढें, आठवी मे 'अनु॰' के पूर्व 'स्फुट : सुख की कुजी, हारिये न हिम्मत (भारत सरकार द्वारा पुरस्कृत)' बढा लें और 'अपराचिता' के स्थान पर 'अपरिचिता' पढे,

तथा 'पत्र' के बाद 'नारीजीवन के चौबीस घंटे' बढ़ा लें, दसवीं में 'ग्रंथ' के आगे 'राजर्षि अभिनंदन ग्रंथ' बढ़ा लें, ग्यारहवीं मे '११०' के स्थान पर '१७३', बारहवीं में '७' के स्थान पर '१५' तथा 'दिल्ली' के स्थान पर 'दिल्ली—६' कर लें।

युगलसिंह—(पृ० २६३) दूसरी पंक्ति में 'लंदन' के आगे 'सा० संस्था एवं उपसभा० श्री नागरीभंडार' के स्थान पर 'संस्थापक श्रीनागरी-भंडार, बीकानेर' पढ़ें और तीसरी मे 'आगरा' के आगे 'सभापति श्रीगुण प्रकाशक सज्जनालय, बीकानेर और डाइरेक्टर आफ एज्युकेशन, बीकानेर राज्य' बढ़ा ले।

युधिष्ठिर मीमांसक—(पृ० २६४) चौदहवीं पंक्ति में 'पुरस्कार प्राप्त' के बाद 'राज० राज्य के संस्कृत-शिक्षा-विभाग की ओर से संस्कृत साहित्य में अनुसंधान-कार्य के उपलक्ष में २०००) रु० का पुरस्कार प्राप्त' बढ़ा लें।

योगी नर्मदेश्वर पांडेय—(पृ० २६४-६५) तीसरी पंक्ति में 'प्रदेश आयुक्त' के स्थान पर 'संगठन आयुक्त एवं राज्यमंत्री' पढ़ें, तीसरी-चौथी पंक्ति में 'आल इंडिया' ब्वाय स्काउट्स एसोसिएशन' के स्थान पर 'अ० भा० बालचर संघ, बिहार' पढ़ें, पाँचवी में 'संपा०' के पूर्व 'स्थान शिवसहाय कोठी, बलुआ (छपरा)' बढ़ा लें; पृ० २६५ की प्रथम पंक्ति के अंत में 'तड़पते गीत सिसकती कहानी' बढ़ा लें।

योगेंद्रप्रसाद चौधरी—(पृ २६५-६६) नाम 'योगेन्द्र चौधरी' पढ़ें, पृ० २६६ पर प्रथम पंक्ति में 'गया' के बाद 'सह० संपा० साप्ता० 'अंगार'', बढ़ा लें और दूसरी में 'गौतम मार्ग' के स्थान पर 'गौतमबुद्ध मार्ग' पढ़ें।

रघुवीरसहाय माथुर, डा०—(पृ० २७१) दूसरी पंक्ति में 'अमेरिका' के पूर्व 'वेस्ट वर्जीनिया वि० वि०' और तीसरी में 'स्फुट' के पूर्व 'पौधों के रोग' बढ़ा ले; इसी पंक्ति मे 'साठ' के स्थान पर 'सौ' पढ़ें; चौथी में 'अन्य लेखों एवं हास्य कहानियों के चार संग्रह' के स्थान पर 'अन्य लेख एवं हास्य-कहानियाँ' पढ़े।

रघुवीरसिंह, महाराजकुमार, डा०—(पृ० २७१) प्रथम पंक्ति में 'रघुवीर' के स्थान पर 'रघुबीर' तथा 'महराज' के स्थान पर 'महाराज' पढ़ें और चौदहवी से 'तथा मलयालम' निकाल दें।

रमापति शुक्ल—(पृ० २७४-७५) प्रथम पंक्ति में '१९०९' के स्थान बर ''११' पढ़ें, दूसरी पंक्ति में 'गोरखपुर तथा वाराणसी' के स्थान पर

'एम० ए० हिंदी (प्रथम) '३३ एवं बी०टी० काशी हिंदू वि०वि, एम० ए० (अर्थशास्त्र) आगरा वि०वि ' पढ़े ; पृ० २७५ की छठी पंक्ति में 'हुआ सवेरा '५८' के पश्चात् 'प्रगति की ओर '५६' और सातवीं में 'पुरस्कार' के पश्चात् 'दो बार बालसाहित्य-प्रतियोगिता में पुरस्कृत, हिंदी के ऐतिहासिक व्याकरण की समिति के मान्य सदस्य' बढ़ा ले . इसी पंक्ति में 'ट्रेनिंग कालेज' के बाद 'काशी के भगवानदीन साहित्य विद्यालय के प्रधानाचार्य' बढ़ा लें।

रमा विद्यार्थी, श्रीमती—(पृ० २७५) चौथी पंक्ति मे 'रवि' के स्थान पर 'हवि' और पाँचवीं में '७८६' के स्थान पर '७१८६' पढ़िए।

रमाशंकर पांडेय—(पृ० २७५) प्रथम पंक्ति मे '२७' के आगे 'जि० गाजीपुर' और छठी में 'भोजपुरी संगम '६२' के आगे 'फूल और कलियाँ (कवि०)' बढा लें।

रमेशचंद्र गुप्त—(पृ० २७६-७७) तीसरी पंक्ति मे 'इंस्टीट्यूट' के पूर्व 'दिल्ली' बढा लें, पृ० १७७ की दूसरी पंक्ति मे 'संग्रह' के पूर्व 'निबंध' बढ़ा लें।

रमेशचंद्र मेहरा—(पृ० २७७) दूसरी पंक्ति में 'मराठावाडा' के स्थान पर 'मराठावाडा' पढ़िए और छठी मे 'अप्र०' शब्द निकाल दीजिए।

रवींद्रकुमार जैन, डा०—ज० १५ दिसंबर, '२५, झाँसी; शि० झाँसी सागर, बनारस तथा आगरा, एम० ए० हिंदी, एम० ए० संस्कृत, सा० रत्न, शास्त्री, काव्यतीर्थ, पी-एच०डी० ('कविवर बनारसीदास-जीवनी और कृतित्व' विषय पर); सा० भूत० प्रवक्ता, हिंदी विभाग, बारहसैनी (पोस्ट ग्रेजुएट) कालेज, अलीगढ़ ; प्रका० स्फुट, अप्र० शोधप्रबंध एवं चार-पाँच लेख-संग्रह; वि० 'जैन एवं जैनेतर पुराण' विषय पर डी० लिट्० की उपाधि के लिए शोध कार्यरत; प० प्रवक्ता, हिंदी विभाग, एस० वी वि वि०, तिरुपति (आंध्र)।

रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, 'मेघदूत', 'अनादि'—(पृ० २७८) प्रथम पंक्ति में '१ जून, '४५' के स्थान पर '१ जून, '४३' पढ़े, दूसरी से 'मंत्री राजेन्द्राश्रम' और तीसरी से केन्द्र के आगे 'इलाहाबाद '५८-'६१' निकाल दें; चौथी मे 'तुलसीदास (खंड०)' के आगे 'ओस के बूंद (उप०), बन्द दरवाजे (कहा०)' बढ़ा लें।

रवींद्रप्रकाश कुलश्रेष्ठ—(पृ० २७८-७९) तीसरी पंक्ति में अँधेरे के बाहर (उप०)' के आगे 'यंत्रस्थ' तथा इसी के पश्चात् 'हिमालय आवाज देता है (ध्वनिरूपक-संग्रह, यंत्रस्थ)' बढ़ा लें, तीसरी पंक्ति मे 'झकियाँ'

के स्थान पर 'छलकियाँ' पढ़िए, पृ० २७९ की दूसरी पंक्ति में 'देवास' के आगे '(म० प्र०)' बढ़ा लें।

रसिकबिहारी ओझा, निर्भीक—(पृ० २७९) प्रथम पंक्ति में '२९ दिसंबर '३२' के आगे 'ग्राम तथा पोस्ट निमेज, शाहाबाद (बिहार)' बढ़ा लें।

रमेश मिश्र—(पृ० २८०) प्रथम पंक्ति में 'ज' के आगे '२५ नवंबर '३५' पढ़िए और 'मैट्रिक' के आगे 'लखनऊ' बढ़ा लें; दूसरी में 'स्फुट' के आगे 'गीत और निबंध' तथा तीसरी में 'ले लूँगा दुख-दर्द तुम्हारा' के आगे 'जनम बढ़िया : करम घटिया' बढ़ा लें तथा चौथी में 'रामनगर' के स्थान पर 'चन्द्रनगर' पढ़िए।

राजकिशोर पांडेय, डा०—(पृ० २८०) चौथी पंक्ति में 'मंत्री' के आगे 'अक्टूबर '६२ से केन्द्रीय हिन्दी-शिक्षा-समिति में आंध्र प्रदेश सरकार के मनोनीत सदस्य', और सातवीं में 'हिन्दी कवि '५९' के आगे 'भारतीय भाषाओं का आधुनिक-साहित्य '६१' बढ़ा लें।

राजकिशोर सिंह—(पृ० २८१) ग्यारहवीं पंक्ति में 'मुकुटराम' के स्थान पर 'मुक्ताराम पढ़िए।

राजकुमार आनंद—(पृ० २८१) चौथी पंक्ति में 'प्र० '५५ में' के स्थान पर 'प्र० '६१ में' पढ़िए, छठी में '(कहा०)' के पूर्व 'पाँच प्रधान एकां० यंत्रस्थ' तथा पश्चात् 'वि० पंजाब सरकार (हिन्दी तथा पंजाबी भाषा विभाग) की वार्षिक प्रतियोगिता में दोनों विभागों से अभिनीत एकांकी पुरस्कृत तथा कई एकांकी विभिन्न विद्यालयों में अभिनीत' बढ़ा लें।

राजदेव पांडेय—(पृ० २८३) पहली-दूसरी पंक्ति में 'साहित्याचार्य' के आगे बढ़ा लें—'सा० श्रीभारतेन्दु अभिनय परिषद के सभापति, श्रीसरस्वती भंडार पुस्तकालय स्टेट शिवहर के पुस्तकाध्यक्ष तथा राज्यपण्डित '३२-'४९, दो बार रजतपदक प्राप्त '३६ और '४४; मंत्री साहित्यिक गोष्ठी पताही मंडल '५४ तथा 'राजमुकुट' नाटक के सफल अभिनायक'।

राजबहादुर सिंह—(पृ० २८५) दूसरी पंक्ति में 'भूत०' के पश्चात् 'सह०' और छठी में 'कलाकार का प्रेम' के आगे 'आस-निराश' (गीति० उप०)' बढ़ा लें।

राजेंद्र अवस्थी, 'तृषित'—(पृ० २८८-८९) प्रथम पंक्ति में बी०ए० के आगे 'अर्द्धविराम' लगा लें, दूसरी से 'जबलपुर वि०वि०; प्र० '४८ में' निकाल दें; तीसरी में 'बादलों के आरपार '६२' के स्थान पर बादलों क

आरपार '६३' पढ़िए ; छठी से 'अप्र०' निकाल दें, 'छोटी-बड़ी लहर' और 'एक प्यास एक पहेली' के आगे ''६३' बढ़ा लें ; पृ० २८८ की प्रथम पंक्ति में 'लहरें' के आगे ''६२' तथा दूसरी में 'सपने जागे' के आगे 'छोटी-बड़ी लहर' बढ़ा लें एवं पाँचवीं में 'सह०संपा०' के स्थान पर 'संपा०' पढ़ें।

राजेंद्र तिवारी, 'तृषित'—(पृ० २९०) चौथी पंक्ति में 'स्फुट' के आगे 'अशोक नागो (अप्रकाश्य)' बढ़ा लें।

राजेंद्रप्रसाद मिश्र—(पृ० २९१) तीसरी पंक्ति में 'वाचनालय' के आगे 'द० भा० कान्यकुब्ज सभा आंध्रप्रदेश, हैदराबाद के उपाध्यक्ष, वैदिक धर्मप्रचार नगर-सभा के उपमंत्री' बढ़ा लें ; पाँचवीं में 'बालराम की यालीम, १४-१०५४६' के स्थान पर 'बालाराम की तालीम, १४-१०-५४६' पढ़िए।

राजेंद्रराय, 'राजेश'—(पृ० २९२) दूसरी पंक्ति में 'वि० वि०' के पश्चात् 'राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस, पटना द्वारा प्रकाशित 'कर्मी' के संपादक' बढ़ा लें।

राजेंद्रसिंह गौड, 'मुंशी'—(पृ० २९३) प्रथम पंक्ति में 'शि० फरुखाबाद' के आगे 'काशी' बढ़ा लें ; पाँचवीं में 'हमारे नाटककार '५३' के आगे 'संत कबीर-दर्शन '५५' बढ़ा लें ; आठवीं में 'प०' के आगे 'मूल निवास, निजामाबाद (आजमगढ़) बढ़ा लें तथा 'इलाहाबाद' के स्थान पर 'इलाहाबाद—३' पढ़िए।

राजेशदयालु, 'राजेश'—(पृ० २९३) पहली-दूसरी पंक्ति से 'शि० मैट्रिक लखनऊ' निकाल दें, तीसरी में 'भक्त-भवानी' के स्थान पर 'भक्त-भावनी' पढ़िए, छठी में 'विनयाष्टक' के आगे 'चिंता-मंगल' बढ़ा लें, आठवीं में 'आनंद' के आगे का 'अर्द्धविराम' निकाल दें, नवीं में 'तीन संग्रह' के आगे 'कहानी-सौरभ' बढ़ा लें।

राधाकुमारी—(पृ० २९५) प्रथम पंक्ति में 'राधाकुमारी' के स्थान पर 'कुमारी राधा' और 'जीवछपर' के स्थान पर 'जीवछपुर' पढ़िए तथा '(सहर्सा)' के पश्चात् 'बिहार' बढ़ा लें ; दूसरी में 'वि०वि०' के पश्चात् 'साहित्यरत्न' और चौथी में 'नगेश्वर' के पूर्व 'जीवछपुर, सहर्षा' बढ़ा लें।

राधाकृष्ण शर्मा—(पृ० २९६) प्रथम पंक्ति में 'पिठौरा' के स्थान पर 'पिठौरी' पढ़िए; पाँचवीं से 'सक्रिय' निकाल दें ; आठवीं में 'अशोक' के आगे ''६२' और नवीं में 'कथा' के आगे ''६३' बढ़ा लें ; आठवीं से 'अप्र०' निकालकर नवीं में 'भारत' के पूर्व कर लें ; दसवीं से 'एवं

ऐति० लेखों के दो संग्रह' निकाल दें ; बारहवीं में 'इतिहास' के आगे 'तथा प्रा० भा० इतिहास एवं संस्कृति' बढ़ा लें ।

राधेश्याम कौशिक, 'अधीर'—(पृ० २९८) तीसरी पंक्ति में 'बसनगेट' के स्थान पर 'बासनगेट' पढ़िए ।

राधेश्याम सिंह गौतम—(पृ० ३००) प्रथम पंक्ति में 'मझाभीटिया' के स्थान पर 'मझभिटिया' पढ़ें ।

रामअवतार चौरसिया, 'अनंत'—(पृ० ३००-३०१) दूसरी पंक्ति में 'मैट्रिक, लखनऊ' के स्थान पर 'मैट्रिक मंडीला' पढ़ें; पृ० ३०१ की सातवीं पंक्ति में 'दिल्ली' के स्थान पर 'वाराणसी' पढ़ें ।

रामअवधेश त्रिपाठी—(पृ० ३०५) चौथी पंक्ति में 'प्रका०' के स्थान पर 'प्रका०' पढ़ें ।

रामकुमारी चौहान, श्रीमती—(पृ० ३०२) दूसरी पंक्ति में 'संस्कृत प्रथमा' के पश्चात् 'हिंदी ऐडवांस' तथा तीसरी में 'झाँसी' के पश्चात् 'अध्यक्षा, बालसभा, झाँसी, अध्यक्षा महिलानगर काँग्रेस कमेटी, सभानेत्री अ० भा० हिं० सा० सम्मे०, महिला हिन्दी साहित्य सम्मेलन झाँसी '४५, खादी आंदोलनों में झाँसी के नारी समाज का नेतृत्व, हिं० सा० सम्मे की कई शाखाएँ खोलीं, वर्तमान महिला कल्याण बोर्ड की कार्यकारिणी की सदस्या तथा दिल्ली हिं० सा० सम्मे० की सभानेत्री' बढ़ा लें ।

रामकृष्ण आचार्य, डा०—(पृ० ३०३) प्रथम पंक्ति में 'एम०ए० हिंदी' के आगे 'एम० ए० संस्कृत' बढ़ा लें, छठी में 'गल्प-दीपिका' के स्थान पर 'काव्य-दीपिका' तथा सातवीं पंक्ति में '(भाष्य-शिखा)' के स्थान पर '(अष्टम-शिखा)' पढ़ें ।

रामकृष्ण शर्मा—(पृ० ३०४) तीसरी पंक्ति में 'चार संग्रह' के स्थान पर 'स्फुट रचनाएँ' तथा चौथी पंक्ति में 'प्राध्यापक' के स्थान पर 'सहा० प्रोफेसर' पढ़ें ।

रामखिलावन तिवारी—(पृ० ३०४) तीसरी पंक्ति में 'एम० ए०' के आगे '(प्रथम खंड)' बढ़ा लें, नवीं में 'गाँधी' के बाद 'स्मृति' तथा दसवीं में 'महाविद्यालय, इटारसी' के आगे 'जुलाई '५८ से' बढ़ा लें ।

रामगोपाल परदेसी—(पृ० ३०५) प्रथम पंक्ति में 'परदेशी' के स्थान पर 'परदेसी पढ़ें , पाँचवी पंक्ति में 'सरगम (कवि०)' के आगे 'शंखनाद, चल मस्तानी चाल, जरा देख तो लो, तुम क्या रुलाओगे मुझे (काव्य), मैं जा रहा हूँ (कहा) हिमशिखर बलिदान माँगता है, , हिंदी-मुक्तक,

पसीना बोलता है, जूहे के फूल, चालीस कहानियाँ' बढ़ा ले तथा पाँचवीं-छठी में 'अग्र०' पुस्तकों के अंतर्गत 'भूखा भेड़िया, साँप ग्वूनी ना डसे (कहा०)' ही पढ़ें ।

रामगोपाल मिश्र—(पृ० ३०६) तीसरी पंक्ति में 'बालवाडा' के स्थान पर 'बाँसवाडा', 'मंत्री' के स्थान पर 'मिनिस्टर' और चौथी में 'प्रबंधक' के स्थान पर 'मैनेजर' पढ़िए ; इसी पंक्ति में 'हिंदुस्तानी क्लब' निकाल दीजिए और 'विक्टी' के स्थान पर 'विक्ट्री' पढ़िए, पाँचवी में 'मेमोरियल' के आगे 'क्लब' बढ़ा लें, नवी में 'का भारत-बोध' के स्थान पर 'वा भारत-बोध' तथा 'सखूनिस्तान' के स्थान पर 'सखुनिस्तान' पढ़िए ।

रामगोपाल शर्मा, 'दिनेश', डा०—(पृ० ३०५-३०६) पृ० ३०६ की पाँचवी पंक्ति में 'अकेडमी से' के आगे 'सारथी (महाकाव्य)' पर बढ़ा लें, सातवीं में 'पुरस्कार प्राप्त' के पश्चात् 'मधुरंजनी (गीत०) पर १०००) का अकेडमी द्वारा 'काव्य पुरस्कार प्राप्त' तथा 'लोक देवता जागा' नाटक पर भारत सरकार द्वारा एवं 'हम धरती के लाल' पर राज० शिक्षाविभाग द्वारा पुरस्कार प्राप्त' बढ़ा लें, आठवीं में 'वि०' के अन्तर्गत ''हिन्दी काव्य में नियतिवाद' विषय पर आगरा वि०वि० द्वारा पी-एच० डी० की उपाधि प्राप्त' बढ़ा ले तथा 'हिन्दी शोधकार्य' के स्थान पर 'हिन्दी शिव-काव्य' पढ़िए ।

रामचंद्र चौरसिया—(पृ० ३०७) दूसरी पंक्ति में 'प्र०' के पूर्व 'सा० उप-संपा० दै० 'नवभारत' (नागपुर) '४७-'५०, अवै० उप-संपा० दै० 'नवभारत' (भोपाल) '५७-'५८' बढ़ा लें ; चौथी में 'अनुवादक' के स्थान पर 'प्रमुख-अनुवादक' तथा पाँचवी में '१४।८' के स्थान पर '१४।१८' पढ़िए ।

रामचंद्र शुक्ल—(पृ० ३०८) चौथी-पाँचवी पंक्तियों से 'भूत०' निकाल दें ; छठी में 'शिक्षानिदशक' के स्थान पर 'शिक्षानिर्देशक' पढ़िए, सातवी-आठवी से 'प्र० '३६ में' निकाल दें, नवी में ''५१' के स्थान पर ''५८' और दसवीं में ''६२' के स्थान पर ''६३' पढ़िए और 'अप्र० चित्रकला मे अलकरण' निकाल दें ; चौदहवी में '३' के स्थान पर '३५' पढ़िए ।

रामदत्त भारद्वाज, डा०—(पृ० ३१०-११) दूसरी पंक्ति में 'दर्शन' तथा 'हिंदी' को कोष्ठकबद्ध कर लें, तीसरी में 'दिलली' के आगे 'तथा' के स्थान पर 'अर्द्धविराम' लगा लें, चौथी, पाँचवी और छठी पंक्तियों से 'भूत०' निकाल दें, सातवीं में 'भूत० सह' के स्थान पर 'संयुक्त' पढ़िए ; पृ० ३११ की चौथी पंक्ति में 'का ———, परिवार दर्शन आदि पर तथा 'संत'

की परिभाषा पर शोध कार्यरत' के स्थान पर 'व्यक्तित्व, दर्शन, साहित्य ; काव्यशास्त्र की रूपरेखा' और छठी मे '१४।२९ के स्थान पर '११।९' पढ़े।

रामनरेश पाठक—(पृ॰ ३१२) पृ॰ ३१३ की प्रथम पंक्ति में 'बँगला' के आगे 'मगही, मैथिली, भोजपुरी' बढ़ा दें ; दूसरी मे 'मलाहकारमंडल' के आगे 'विविधा २' बढ़ा ले, चौथी से 'भूत॰' और पाँचवीं मे 'गद्य' निकाल दे ; इसी में 'साप्ता॰ 'उत्तरबिहार' पटना' को 'कार्यकारी संपा॰' के पश्चात् पढ़िए ; सातवी मे 'वि॰' के पूर्व 'अप्र॰ सीमांतक संध्या और केंचुल का नृत्य (कवि॰), एक पइसा के हरदी (मगही कवि॰), अल्पा (कवि॰)' बढ़ा लें ; दसवी पंक्ति में 'कुशललेखक' के पश्चात् 'और कवि' बढ़ा लें।

रामनारायण अग्रवाल—(पृ॰ ३१४) प्रथम पंक्ति मे 'सा॰' के आगे 'संस्था॰' पढ़े, दूसरी में 'मंडल मथुरा' के बीच 'अर्द्धविराम' लगा ले, तीसरी में 'कवि नाट्य' के स्थान पर 'कवि नाट्यम्' और छठी में 'हिंदी भाषा' के स्थान पर 'हिन्दी लावनी' पढ़िए, नवी में 'है' के आगे 'उस समय ब्रज-लोक-रंगमंच के पुनरुत्थान मे संलग्न, अनेक नाटक रंगमंच पर सफलतापूर्वक अभिनीत' बढ़ा ले।

रामनारायण त्रिपाठी, 'मित्र'—(पृ॰ ३१५) दूसरी पंक्ति मे 'प्र' के पूर्व 'सा॰ स्वातंत्र्य संग्राम के अन्तर्गत '४१ मे एक वर्ष का कारावास' बढ़ा ले ; तीसरी में 'किसान' के पूर्व 'मित्रगायन-रत्नाकर '२४' बढ़ा लें ; सातवी में 'पुरस्कार प्राप्त' के पश्चात् 'वर्त॰ प्रधानाचार्य, श्रीवागीश्वर संस्कृत विद्यालय, वगचन चतुरैया, सीतापुर' बढ़ा लें।

रामनिरंजन, 'परिमलेंदु'—(पृ॰ ३१५) प्रथम पंक्ति में 'शि॰' के पश्चात् 'आई॰ ए॰ गया कालेज, गया '५४', दूसरी-तीसरी मे 'पटना कालेज' के स्थान पर 'बी॰ एन॰ कालेज, पटना' पढ़िए, आठवी मे 'चार उप॰' के आगे 'अध्ययन और विश्लेषण' बढ़ा ले।

रामनिरंजन पांडेय, डा॰—(पृ॰ ३१५-१६) पृ॰ ३१६ की पाँचवी पंक्ति मे 'हिन्दी विभागाध्यक्ष' के स्थान पर 'प्राध्यापक, हिंदी विभाग' पढ़िए, नवीं में 'हैदराबाद' के बाद ''५५ मे' बढ़ा लें।

रामप्रसाद विद्यार्थी, 'रावी'—(पृ॰ ३१८-१९) पृ॰ ३१९ की आठवी पंक्ति में 'दो उपन्यास एवं दो कहानी-संग्रह' के स्थान पर 'पाँच-छः पुस्तकें' पढ़िए ; इसी पृष्ठ की दसवी पंक्ति मे 'रावी' शब्द पर लगे 'उद्धरणचिह्न निकाल दे।

राममनोहर ब्रजपुरिया, 'सम्राट'—(पृ॰ ३२०) प्रथम पंक्ति में नाम के अन्तर्गत छपे 'कजपुरिया' को 'ब्रजपुरिया' पढ़िए।

रामरीझन रसूलपुरी—(पृ॰ ३२१) सातवीं पंक्ति में ''६३' के स्थान पर ''६२' पढ़ें, नवीं में 'रणभेरी' के आगे ''३२' बढ़ा लें, बारहवीं में सहयोग' के पश्चात् ''३७' बढ़ा लें, पन्द्रहवीं-सोलहवीं से 'भैरव हुंकार (संपा॰कवि॰)' निकाल दें।

रामवचन द्विवेदी, 'अरविंद'—(पृ॰३२२) प्रथम पंक्ति में '१९०५' के स्थान पर '१९०४' पढ़ें।

रामविशाल शर्मा, 'विशाल'—(पृ॰३२३-२४) दूसरी पंक्ति में परमहंस विरक्त आश्रम' के आगे 'गया कुण्ड-समाज' बढ़ा लें तथा तीसरी से 'गया' निकाल दें, पृ॰ ३२४ की प्रथम पंक्ति में 'विशेषज्ञ' के आगे 'संपा॰ वार्षिकी 'बाल-बाटिका', सदस्य-'जबलपुर पत्रिका' सहकारी प्रकाशन जबलपुर' बढ़ा ले तथा तीसरी में 'मानवता की पुकार' के आगे 'भारती, बापू का मातृवाद, अविनाशी, निवेदन, माधुरी और मोहिनी, सुलझन की उलझन, ललकार, बालप्रकाशन, लोकरत्न, कुछ कहना था (कहा॰), रेखाचित्र आदि' बढ़ा लें, दूसरी में 'बाढ़' के दोनों ओर 'उद्धरणचिह्न' लगा ले तथा तीसरी में 'कटनी' को कोष्ठकबद्ध करके इसके आगे 'म॰प्र॰' बढ़ा लें।

रामशंकर भट्टाचार्य—(पृ॰ ३२४) छठी पंक्ति में 'पुरानाज' के स्थान पर 'पुराणाज' पढ़ें, नवीं में '१५ वर्ष' के स्थान पर '२ वर्ष' पढ़ें, इसी पंक्ति से 'क्षीर तरंगिणी' को 'अप्र॰' से निकाल कर 'प्रका॰' के अन्तर्गत लिख लें, ग्यारवीं में 'योगभाष्य-तत्व वैशाखी (संस्कृत)' के आगे '(यंत्रस्थ)' बढ़ा लें तथा पंद्रहवीं में '६/१५१ ए॰' के स्थान पर '२/१५१ ए॰' पढ़िए।

रामशरण उपाध्याय—(पृ॰ ३२५) प्रथम तथा छठी पंक्ति में 'हाँसी' के स्थान पर 'हाँसा' पढ़े।

रामसिंह—(पृ॰ ३२६) दूसरी पंक्ति में 'प्रका॰' के पूर्व 'सा॰ सदस्य, डिस्ट्रिक्ट बोर्ड जि॰ काँगड़ा, कोआपरेटिव सोसाइटी, घंडरा, जि॰ काँगडा के प्रधान तथा दयानन्द मठ दीनानगर (जि॰ गुरदासपुर) की परामर्शदात्री समिति के सद॰' बढ़ा लें; नवीं में 'उद्यान-विज्ञान, बागवानी' को 'उद्यान विज्ञान (बागवानी)' पढ़े, दसवीं में 'लेखक' के आगे 'फारसी कवि-चर्चा के लिए भाषा विभाग पटियाला पंजाब द्वारा ६५०) रु॰ की सहायता प्राप्त' बढ़ा ले।

रामसिंह यादव 'कँवर' (पृ॰ ३२६) तीसरी पंक्ति में मराठी के आगे गुजराती और चौथी में सद॰ के आगे 'संपा॰ अंकुर, बाल-सौरभ एवं माधविका' बढ़ा लें।

रामसुरेश त्रिपाठी, डा॰—(पृ॰ ३२६-२७) पृ॰ ३२७ में 'प्रका॰' के पूर्व 'संपा॰ अभिनव भारती (अलीगढ़ वि॰वि॰ की शोधपत्रिका)' बढ़ा लें; पृ॰ ३२७ की दूसरी-तीसरी पंक्ति में 'डी॰लिट॰ के लिए शोधकार्य-रत' के स्थान पर 'डी॰लिट॰ आगरा वि॰वि॰ '६० में' पढ़ें।

रामस्वार्थ चौधरी, *'अभिनव'*—(पृ॰ ३२८-२९) प्रथम पंक्ति में '१९, कुम्हारपट्टी' के स्थान पर '२३ 'कुम्हारपट्टी' पढ़ें; पृ॰ ३२९ की पाँचवीं पंक्ति में 'महाप्राण कबीर' के पश्चात् 'जय परशुराम (नाट॰)' बढ़ा लें।

रामानंद शर्मा—(पृ॰ ३३०) दूसरी पंक्ति में 'तामिल' के स्थान पर 'तमिल, हिंदी, मैथिली' पढ़ें; तीसरी में 'समिति' के आगे 'मद्रास' बढ़ा लें, चौथी में 'दक्षिण भारत' के आगे 'उत्कल, पूना, वर्धा, बिहार', तथा इसी के आगे 'प्राचार्य द॰ भा॰ हिंदी प्रचार सभा मद्रास के प्रचारक विशारद विद्यालय' बढ़ा लें, छठी में 'चयनिका' के बाद 'मधु-मंजरी (संक॰), अस्पृश्याश्रम (अनु॰), गौरीशंकर (उप॰), मन्थन (महा॰), कन्याकुमारी के के पथ पर, मरीचिका, उड़ते घनपटल, पीया चाहे प्रेम-रस, आँसू—एक अध्ययन, सपनों की संगिनी, जीत में हार (नाट॰), खँडहर की आवाज (एकां॰)' बढ़ा लें।

रामेश्वरनाथ तिवारी—(पृ॰ ३३३) तीसरी पंक्ति में 'समिति' के आगे 'तथा कार्यसमिति' बढ़ा लें और 'प्रधान मंत्री' के स्थान पर 'उपाध्यक्ष' पढ़ें, इसी के आगे 'संस्था॰ साधना परिषद आरा, अध्यक्ष सामान्य कक्ष तथा आचार्य नलिन विलोचन शर्मा-स्मारक सेमिनार, हरप्रसाददास जैन कालेज, आरा' बढ़ा लें।

रामेश्वर प्रसाद दुबे, *'मंजु'*—(पृ॰ ३३३-३४) प्रथम पंक्ति में 'मनु' के स्थान पर 'मंजु' और दूसरी में 'मैट्रिक' के स्थान पर 'इन्दौर और पिलानी (जयपुर)' पढ़ें; छठी पंक्ति में 'सर्वनाश' के आगे 'जौहर (कहा॰)' बढ़ा लें और 'धूनेपाल का इतिहास' के स्थान पर 'नेपाल का इतिहास' पढ़ें; पृ॰ ३३४ की दूसरी पंक्ति में 'पुरस्कृत' के आगे '(रंग-भारती प्रतियोगिता परिमल, इलाहाबाद)' बढ़ा लें, 'बाग रानवा' को कोष्ठकबद्ध कर लें तथा 'होशंगाबाद' के पश्चात् '(म॰ प्र॰)' बढ़ा लें।

रामेश बेदी—(पृ० ३३१) छठी पंक्ति में 'पीपल '६२' के आगे 'बहेड़ा '६२, पनीना '६२, त्रिफला '६२', चाल्मुग्रा '६३, नारियल, भिलावा '६२' बढ़ा लें और 'द्वि०' में दिये गये वाक्यांश के स्थान पर पढ़ें—'एक पुस्तक पर एक स्वर्णपदक और आठ पर पुरस्कार प्राप्त'।

रामेश्वर महतो– (पृ० ३३४) दूसरी पंक्ति में 'पाली आचार्य' के आगे 'एम० ए० पाली' बढ़ा लें और तीसरी में 'पुस्तकालय पुरनकाना' के स्थान पर 'पुस्तकालय-पुरनकामा' पढ़ें'।

लक्ष्मीनारायण दुबे--(पृ० ३४१) तीसरी पंक्ति में 'पी-एच० डी०' के पूर्व 'प्रभा तथा प्रताप के कवि और श्रीबालकृष्ण शर्मा 'नवीन' का विशेष अध्ययन' विषय पर' बढ़ा ले।

लक्ष्मीनारायण द्विवेदी, कविरत्न, '*श्रीराम*—(पृ० ३४२) चौथी पंक्ति मे 'तर्करत्नावली' के स्थान पर 'हिन्दी-तर्क-रत्नावली' पढ़ें।

लोकनाथ द्विवेदी सिलाकारी—(पृ० ३५०) 'नाम' में 'लोकमान्य' के स्थान पर 'लोकनाथ' पढ़ें, तीसरी पंक्ति मे ''३२' के पश्चात् 'बुन्देलखंड हिंदी साहित्य सम्मेलन के झाँसी-अधिवेशन के कवि-सम्मेलन के सभापति '४४, विंध्य प्रादेशिक हिन्दी साहित्य सम्मेलन के ओरछा-अधिवेशन के अध्यक्ष '५३' बढ़ा ले।

लक्ष्मीनारायण भारतीय—(पृ० ३४२) प्रथम पंक्ति में 'सा० रत्न' के पूर्व 'एम० ए०' बढ़ा लें; पाँचवी से 'कार्यकर्त्ता : श्रीकृष्ण प्रेस एवं सर्व-सेवा संघ वर्धा' निकाल दें; छठी में 'निजी सचिव' के पूर्व 'कार्यवाहक' बढ़ा लें, नवीं से 'भूत०' निकाल दें, ग्यारहवी मे 'प्राचीन भारतीय लिपि भाषा' के स्थान पर 'प्राचीन भारतीय लिपिमाला' पढ़िए और 'अनु०' के आगे 'साहित्य अकेडमी द्वारा' बढ़ा लें।

लक्ष्मीनारायण मिश्र—(पृ० ३४२-४३) दूसरी पंक्ति में 'काशी' के पूर्व ''३६' के स्थान पर ''२८' और पृ० ३४३ की सातवी पंक्ति मे 'दिल्ली' के स्थान पर 'विभिन्न' पढ़ें।

लक्ष्मीनिधि चतुर्वेदी—(पृ० ३४४-४५) प्रथम पंक्ति में '१९०३' के स्थान पर '१९०४' पढ़ें, तीसरी मे 'जगन्नाथप्रसाद' के पूर्व 'सा० रत्न परीक्षा में' बढ़ा लें, चौथी में 'मधुसूदन' तथा 'इंटर' के पश्चात् 'डैश' लगा ले; पाँचवी पंक्ति में 'कालेज' के पश्चात् 'सुलतानपुर' बढ़ा ले, पृ० '३४५ की छठी पंक्ति से 'अप्र०' निकाल दे और सातवीं में 'काव्य' के पश्चात् 'पर शोधकार्य' बढ़ा ले।

लक्ष्मीप्रसाद मिस्त्री, 'रमा'—(पृ० ३४५) दूसरी पंक्ति में 'कवि-रत्न' के पश्चात् 'आगरा' बढ़ा लें, पाँचवीं में 'लावनी और चौदह रत्न' के स्थान पर 'लावनी चौदह रत्न' पढ़ें और बारहवीं में 'दमोह' के पश्चात् 'म० प्र०' बढ़ा लें।

लक्ष्मीशंकर त्रिवेदी—(पृ० ३४५) प्रथम पंक्ति में '०ई' के पश्चात् नरही (नड़हा)' बढ़ा लें, चौथी पंक्ति में 'स्थानीय' के स्थान पर 'नरही' पढ़ें, इसी पंक्ति में 'छात्र पुस्तकालय' के पश्चात् 'अध्यक्ष, जिला श्रमजीवी पत्रकार-संघ' बढ़ा लें और आठवीं में 'प' के पश्चात् '(५) ग्राम नरही, जि० बलिया (२)' बढ़ा लें।

लीलाधर शर्मा, 'पर्वतीय'—(पृ० ३५०) प्रथम पंक्ति में 'काशी' के स्थान पर 'काशी विद्यापीठ' पढ़ें, सातवीं में '५३' के पश्चात 'भूतपूर्व सचिव हिंदी समिति, उ० प्र '६१'-६२' बढ़ा लें, आठवीं में 'राष्ट्रसंघ' के पश्चात् '(पुरस्कृत)' बढ़ा लें तथा '३०' के स्थान पर '३००' पढ़ें।

वंशीधर मिश्र—(पृ० ३५१) प्रथम पंक्ति में '२ जनवरी, १९०२' के स्थान पर '६ मई, १९०१' पढ़ें और आठवीं में '(लखीमपुर)' के पश्चात् 'उ० प्र० राज्य कांग्रेस के साप्ता० मुखपत्र 'नया भारत' के संचा०' बढ़ा लें।

वचनदेव कुमार, डा०—(पृ० ३५१) प्रथम पंक्ति में 'मुनिअपा' के स्थान पर 'मुनिअप्पा' पढ़ें और तीसरी में 'प्र०' के पूर्व 'संपा० 'विश्लेषण' '५८-'६०' बढ़ा लें।

वालजी गोविंदजी देसाइ—(पृ० २०८) प्रथम पंक्ति में 'वालजी' के स्थान पर 'वाल जी' और 'देसाई' के स्थान पर 'देसाइ' पढ़ें।

वासुदेव गोस्वामी—(पृ० ३५३) तीसरी पंक्ति में 'विद्रोही कानपुर' के स्थान पर 'विद्रोही बानपुर', 'राजा मरदान सिंह' के स्थान पर 'राजा मर्दन सिंह', छठी में '६२ तथा' के स्थान पर 'तथा' एवं नवीं में 'कानपुर' के स्थान पर 'बानपुर' पढ़ें और 'पुरस्कृत' के आगे 'अनेक पुस्तकें उत्तरप्रदेश, विन्ध्यप्रदेश, मध्यप्रदेश तथा राजस्थान सरकारों द्वारा पुरस्कृत' बढ़ा लें।

वासुदेव सिंह, डा०—(पृ० ३५४) प्रथम पंक्ति में 'बसुदेवसिंह' के स्थान पर 'वासुदेवसिंह' और तीसरी में 'पी-एच० डी० '६३' के स्थान पर 'पी-एच० डी० '६२' पढ़ें।

विंध्याचलप्रसाद गुप्त—(पृ० ३५४) पाँचवीं पंक्ति में 'ऐति० उप०' के आगे 'शमा जलती रही, राह का पत्थर (हास्य-व्यंग्य० उप०)' बढ़ा लें।

विजयचंद्र जैन—(पृ० ३५६) चौथी पंक्ति में 'स्वतन्त्रता के बाद की सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ' को 'प्रका०' के अन्तर्गत दूसरी पंक्ति में 'वेश्या' के पूर्व पढ़िए और प्रसिद्ध व्यक्तियों के हालचाल' के स्थान पर 'प्रसिद्ध व्यक्तियों के हास्य क्षण' पढ़िए, पाचवें में 'हिंदी कविताएँ' के आगे 'विद्रोह की कविताएँ (संपा०), नोबुल-पुरस्कार-विजेता उपन्यासकार (संपा०)' बढ़ा लें।

विजय चौहान—(पृ० ३५६) तीसरी पंक्ति में 'संयोजिका' के पूर्व 'तथा किताब क्लब दिल्ली', पाँचवी में 'प्रका०' के पश्चात् 'स्वर तथा अन्य कविताएँ' और सातवी में 'अनुवादिका' के आगे 'अप्र० एक बुतशिकन का जन्म (यंत्रस्थ)' बढ़ा लें।

विजयलक्ष्मी गौर, कुमारी, 'रंजना', 'विजया'—(पृ० ३५७) दूसरी पंक्ति में ''३५' के स्थान पर ''३७' पढ़िए और चौथी में 'अप्र०' के पूर्व 'अँधेरी गलियाँ और गुनाह (उप०), फारसरोड (उप०, यंत्रस्थ)' बढ़ा लें।

विजयेंद्र स्नातक, डा०—(पृ० ३५७-५८) छठी पंक्ति से 'भून०' निकाल दें और नवी में ''२८' के स्थान पर ''५८' पढ़िए।

विद्याभूषण विभु, डा०—(पृ० ३६०) तीसरी पंक्ति में 'एम० एल० जी०' के आगे 'एस' और नवीं में 'अतिथि' के बाद 'नचिकेत' बढ़ा लें, दसवी में 'खेल-खिलौने तथा लाल खिलौना खेलो भैया' को एक में पढ़िए, तेरहवी में 'लोरियाँ-मोरियाँ' को 'लोरियाँ-मौरियाँ' पढ़िए और 'चाँदतारा' के पूर्व 'नाट०' बढ़ा लें, ग्यारहवीं में 'भैया' के आगे 'जू' बढ़ा लें, बारहवी में 'चार-सासी' के स्थान पर 'चार साथी' और तेरहवीं में (भाग १)' के स्थान पर '(भाग २)' पढ़िए, इसी पंक्ति में 'चुनमुन' के पूर्व 'कोकाबेली' बढ़ा ले, बारहवीं में 'पाँच पँखुरियाँ' के स्थान पर पाँच अँगुरियाँ' तथा चौदहवीं में 'अभिधान-अनुशील' के स्थान पर 'अभिधान-अनुशीलन' पढ़ें।

विद्यावती श्रीवास्तव—(पृ० ३६१) तीसरी पंक्ति में 'प' के पूर्व 'वि० कला और छपाई की विशेषज्ञा' तथा 'प०' के पश्चात् 'द्वारा श्री निरंकारप्रसाद श्रीवास्तव' बढ़ा लें।

विश्वम्भरनाथ उपाध्याय—(पृ० ३६६) दूसरी पंक्ति में 'इटावा' के पूर्व 'जि०' बढ़ा लें और 'हिंदी' के बाद (प्रथम) आगरा कालेज आगरा '३५', 'संस्कृत' के बाद '(प्रथम) बी० आर० कालेज आगरा '५५', 'आगरा वि०वि०' के बाद ''५९' बढ़ा लें, तीसरी में 'भूत०' के पूर्व 'अध्यापन कार्य, आगरा कालेज '५३-'६० तथा '६० से राजकीय कालेज, नैनीताल में' बढ़ा लें:

ग्यारहवीं में '६५' के आगे 'ताज की छाया में (काव्य), हिन्दी की दार्शनिक पृष्ठभूमि, संत वैष्णव काव्य पर तात्रिक प्रभाव (शोधग्रंथ), हिंदी की तांत्रिक पृष्ठभूमि (आलो॰), सरस्वती के मगन (बालो॰), बारहवीं में '(शोध-प्रबंध)' के पश्चात् 'पंडित राव जगन्नाथ (नाट), रोछ और तलवे (उप॰)' तथा पंद्रहवीं में 'शोधकार्य-रत' के पश्चात् '७० से अधिक शोध लेख प्रकाशित' बढ़ा ले।

विश्वदेव शर्मा—(पृ॰ ३६७-६८) प्रथम पंक्ति में ''३१' के आगे 'प्रयाग, मूल निवास' तथा दूसरी में 'वि वि' के आगे 'एल॰एल बी॰ (दिल्ली)' बढ़ा लें; चौथी में 'सा॰ संयोजक : सत्याग्राम दिल्ली' निकाल दें : पृ॰ ३६८ में 'साहित्यकार' के बाद 'हितोपदेश (पद्यानुवाद)' बढ़ा दें; तीसरी में 'संहीत' को 'संगृहीत' पढ़ें, चौथी में 'हिंदी इंचार्ज, सेंट्रल स्टेटिस्टिकल आर्गनाइज़ेशन कैबिनेट, सेक्रेटेरियट, जनपथ, नई दिल्ली' के स्थान पर 'हिन्दी अधिकारी, परिवहन और संचार-मत्रालय, नई दिल्ली' पढ़े ; छठी में 'प' के आगे '४, आफिसर्स फ्लैट्स' बढ़ा ले।

विश्वनाथ टंडन—(पृ॰ ३६८) चौथी पंक्ति में 'खत्री हितैषी' के आगे '५८ से' बढ़ा ले; पाँचवी में ''५५' के स्थान पर ''५७' और 'अशोक के फूल : एक अध्ययन '५५' पढ़ें; पाँचवी में 'वर्त॰' के पूर्व 'अप्र॰ रस-छंद-अलंकार : एक समीक्षा, हिंदी-प्रबोध' बढ़ा ले।

विश्वनाथ द्विवेदी—(पृ॰३६८) ग्यारहवीं पंक्ति में 'प्राध्यापक, स्नातकोत्तर शिक्षणकेन्द्र, जामनगर' के स्थान पर 'प्राध्यापक द्रव्यगुण विज्ञानीय विभाग व विभागाध्यक्ष, आयुर्वेद शिक्षण व अन्वेषण मंदिर, जामनगर. (गुज॰)' पढ़ें।

विश्वनाथ शास्त्री—(पृ॰ ३७१) प्रथम पंक्ति में 'जहलम' के स्थान पर 'जेहलम' पढ़ें, तीसरी-चौथी में 'दयानंद : जीवनी और साहित्य' के स्थान पर 'दयानंद-जीवनी-साहित्य' पढ़ें।

विश्वनाथ शुक्ल—(३७१) चौथी पंक्ति में 'भक्त' के स्थान पर 'भक्ति' और 'श्रीमद्भागवत' के स्थान पर 'श्रीमद्भागवत' पढ़ें, छठी में 'वर्त॰' के पूर्व 'वि॰ रुचि संगीत एवं चित्रकला' बढ़ा लें।

विश्वबंधु शास्त्री—(पृ॰ ३७२) प्रथम पंक्ति में '१८८७' के आगे 'भेरा, जि॰ शाहपुर (पा॰)' बढ़ा ले ; दूसरी से 'सर्वप्रथम' निकाल दें और 'एम॰ ओ॰ एल॰' के आगे 'शास्त्री, सम्मानित उपाधि' बढ़ा लें ; तीसरी में '(इटल के आगे 'ज्ञा॰ हिंदी, पंजाबी, उर्दू, संस्कृत, अँग्रेजी फ्रेंच

तथा जर्मन' बढ़ा लें; 'सद०' के आगे 'इटालियन (टेम्पुल्स) एकेडमी, फ्रेंच एकेडमी' बढ़ा लें, चौथी में 'वि वि०' के आगे 'प्रति० पान पैसिफिक, बुद्धिस्ट कान्फ्रेन्स, तोकियो (जापान), अनन्तर भाषण-टूर जापान, कोरिया, मंचूरिया, चीन, हाँगकाँग, मलाया, थाईलैंड तथा बर्मा '३४' और 'महशरी' के पूर्व 'संस्था०' बढ़ा ले; आठवीं-नवीं में 'भारत-भारती' को 'भारती' पढ़ें, दसवीं में 'विश्वज्योति' के आगे 'अ० वा० विश्वेश्वरानन्द इंडोलॉजिकल जरनल' बढ़ा ले तथा 'सहसंपा' के स्थान पर 'संपा०' पढ़िए; तेरहवी में 'कौन' के आगे प्रश्नसूचक चिह्न लगा दें, इसी पंक्ति में 'हो' को 'ही' पढ़िए; बाईसवीं-तेईसवीं से 'त्रि० एक ग्रन्थ अँग्रेजी में भी लिखा है' निकाल दें।

विष्णुदेव शर्मा—(पृ० ३७४) प्रथम पंक्ति में 'जून '३१' के पश्चात् 'मौंठ, जि० झाँसी'; दूसरी में 'वृन्दावन' के आगे ''५३', 'एम० ए०' के बाद 'संस्कृत', 'आगरा वि० वि०' के बाद ''५६', 'सागर वि० वि०' के बाद ''६०', चौथी में 'मानव-आचार' के आगे 'शोध-प्रबंध', पाँचवीं के प्रारंभ में 'अप्र० ग्र० व० पथ, कलाकार की अर्थी (उप०); वि० 'वेदों में मानव जीवन की समस्याएँ' विषय पर डी लिट्० के लिए शोध-कार्यरत; वर्त० '६१ से संस्कृत प्राध्यापक, वनस्थली विद्यापीठ, जयपुर' बढ़ा लें।

विष्णुराम सनाढ्या, 'सुमनाकर'—(पृ० ३७५) पाँचवीं पंक्ति में 'विनम्र भारती' के स्थान पर 'विनम्र आरती', 'महारानी खुशीबाई' के स्थान पर 'महासती खुशीबाई', छठी में 'श्री भावगिरि-पूजन' के स्थान पर 'श्री पावागिरि-पूजन' पढ़ें, इसी पंक्ति में 'गायत्री मंत्र, बाबूराव जी परसाई' के स्थान पर 'गायत्री भक्त बाबूराव जी परसाई' पढ़ें।

वीरेंद्रकुमार पांडेय—(पृ० ३७७) आठवीं पंक्ति में 'समीक्षा' के आगे 'उ० प्र० सरकार द्वारा पुरस्कृत' बढ़ा दें; और पते में 'डी०' के स्थान पर 'ए' कर लें।

वीरेंद्रकृष्ण—(पृ० ३७८) दूसरी पंक्ति में 'पश्चिमबंग राष्ट्रभाषा प्रचार, बरहमपुर शाखा' के स्थान पर 'मुर्शिदाबाद जि० राष्ट्रभाषा प्रचार समिति बहरमपुर, प्रचा० पश्चिम बंग राष्ट्रभाषा प्रचार समिति कलकत्ता, प्रमाणिक प्रचा० राष्ट्रभाषा प्रचारसमिति वर्धा' पढ़ें; तीसरी में 'प्रधान संपा' के पूर्व 'सहसंपा० दै० 'विश्वमित्र' कलकत्ता' तथा इसी के बाद 'भूत० प्रधानाध्यापक, विमल विद्यामंदिर, भैरोंपुर-हाजीपुर, अध्यापक, हाईस्कूल परमागढ़, सारन' बढ़ाइए; चौथी में 'संस्कृत-संग्रह की सुलभ

दीपिका' के स्थान पर 'सुलभ-संस्कृत-दीपिका' पढ़िए तथा इसी के आगे 'रस और पिंगल, राष्ट्रभाषा-व्याकरण' बढ़ा लें।

वीरेंद्रपालसिंह बरुणा, 'बनवारी भइया'—(पृ० ३७८) प्रथम पंक्ति में 'वीरेन्द्रपाल' के बाद 'सिंह' बढ़ाइए, दूसरी में 'पंजाब' को 'कोष्ठकाबद्ध' कर लें, तीसरी में 'इंटर' के बाद 'राज' बढ़ाइए, चौथी में 'छह बार' तथा पाँचवीं पंक्ति में 'छह वर्ष तक' को 'कोष्ठकबद्ध' कर लें; ग्यारहवीं में 'प्राध्यापक' के स्थान पर 'अध्यापक' पढ़ें।

वैदनंदन—(पृ० ३८०) दूसरी पंक्ति 'पटना' के आगे 'सदस्य, शाहाबाद हिंदी साहित्य सम्मेलन की स्थायी एवं कार्यकारिणी समिति एवं अध्यक्ष, साहित्य-संगम, शीतलटोला, आरा' बढ़ा लें।

वैद्यनाथ शर्मा—(पृ० ३८१) दूसरी पंक्ति में 'पटना' के स्थान पर 'बिहार', पाँचवीं में 'चार संग्रह' के स्थान पर 'स्फुट रचनाएँ' और तीसरी की 'ज्यामितीय बनावट' को चौथी में 'भक्त प्रह्लाद (नाटक)' के बाद पढ़िए।

वैद्यनाथ शास्त्री, आचार्य—(पृ० ३८२) प्रथम पंक्ति में 'शि०' के बाद 'एम० ए०, शास्त्री, आचार्य' बढ़ाइए; और नवीं में 'प० पंचवटी नासिक' के स्थान पर 'जयेश कालोनी, फतेहगंज, बड़ौदा' पढ़िए।

व्यौहार राजेंद्रसिंह—(पृ० ३८२) आठवीं पंक्ति में 'अध्याय' के स्थान पर 'कल्याण' पढ़िए।

ब्रजकिशोर, 'नारायण'—(पृ० ३८२-८३) आठवीं पंक्ति में 'बाज का प्रेम' के स्थान पर 'आज का प्रेम' और तेरहवीं में 'समंदर' के स्थान 'समुन्दर' पढ़े; पृ० ३८३ की तीसरी पंक्ति से 'अप्र०' निकाल दें और 'विदेशिनी' के स्थान पर 'वैदेशिकी' पढ़ें।

ब्रजकिशोर वर्मा—(पृ० ३८३) प्रथम पंक्ति में 'वर्मा' के आगे 'मणिपद्म' तथा 'अग्निशर' बढ़ा ले।

ब्रजनंदन पाठक, 'प्राणेश'—(पृ० ३८३) पाँचवीं पंक्ति में 'अनेक' के पूर्व 'अप्रैल '५८ से उत्तर प्रदेशीय सरकार द्वारा आर्थिक सहायता प्राप्त' बढ़ा लें।

ब्रजभूषणदास अग्रवाल—(पृ० ३८३-८४) प्रथम पंक्ति से 'शि० मैट्रिक' निकाल दें तथा पृ० ३८४ की दूसरी में 'जीवनियाँ' के बाद 'श्री अद्वैत प्रकाश (बँगला से अनु०)' बढ़ा लें।

ब्रजभूषण सिंह 'आदर्श' (पृ० ३८४) सातवीं पंक्ति में 'आबू' के स्थान पर ... 'छत्तीसगढ़ (दो भाग)' के आगे 'महाकोशल के साहित्यकार एवं छत्तीसगढ़ के साहित्यकार' बढ़ा लें और नवीं में 'साहित्वकार' के स्थान पर 'साहित्यकार' पढ़ें।

ब्रजमोहन, डा०—(पृ० ३८४-८५) छठी पंक्ति में 'वि वि०' के आगे के '४५-'५८' को 'हिंदी-प्रकाशन मंडल' के पूर्व पढ़ें तथा 'वि०वि०' के बाद 'स्था० सचिव, गणित वि०, इंडियन साइंस कांग्रेस '४०' तथा 'गणित-विभाग' के पूर्व 'अभिभावक' बढ़ा लें; पृष्ठ ३८५ की प्रथम पंक्ति में 'वाराणसी-अधिवेशन '४४ तथा '५५ में' के स्थान पर 'स्था० सचिव, अ० भा० गणितीय सम्मेलन ''५५' पढ़ें; तथा 'साइंस कांग्रेस' के आगे ''५४ से '५६' बढ़ा लें।

ब्रजरत्नदास अग्रवाल—(पृ० ३८५) प्रथम पंक्ति में 'शि०' के पूर्व 'ज० १८९० और दूसरी में 'काशी वि वि०' के आगे 'सा० संपा० मा० 'श्रीगौरांग' वाराणसी' और छठी में 'जरासंधवध (महा०)' के आगे '(संपा०)' बढ़ा लें; बारहवीं से '(संपा)' निकाल दें, तेरहवीं पंक्ति में ''३३' के स्थान पर ''३४' तथा ''५२' के स्थान पर ''५३' पढ़ें।

ब्रजरानी जैन, श्रीमती—(पृ० ३८६) प्रथम पंक्ति में ''३३' के स्थान पर ''३६' पढ़ें और दूसरी में 'स्फुट कहानियाँ' के आगे 'हरे काँच का टुकड़ा, कफन, लँगड़े मोहताज को एक पइसा बाबा' बढ़ा लें।

ब्रजलाल वर्मा, डा०—(पृ० ३८६) तीसरी में 'तक' के स्थान पर 'में' पढ़ें, सातवीं से 'रज्जब-बानी (संपा०)' निकालकर छठी में ''६२' के बाद पढ़ें, सातवीं में 'अप्र०' के अन्तर्गत 'रज्जब जी की सर्वांगी (संपा०)' बढ़ा लें।

शंकरराव कप्पीकेरी—(पृ० ३९०) प्रथम पंक्ति में '७ नवंबर '३४ हैदराबाद' के स्थान पर '५ नवंबर '३४ उदगीर' और 'बी०ए०' के स्थान पर 'एम० ए०' पढ़िए, इसी पंक्ति में 'भूषण' के पूर्व 'हिंदी' बढ़ा लें, तीसरी में 'अध्यक्ष' के पूर्व 'अध्यक्ष, सैफाबाद साइंस कालेज, विद्यार्थी संघ, हिंदी संघ, कला एवं वाणिज्य-महाविद्यालय उस्मानिया वि०वि०, अन्तर्कालेज हिंदी-मंच तथा सभापति हिंदी सभा, कर्नाटक कला एवं विज्ञान महाविद्यालय धारवाड, मंत्री कर्नाटक एकीकरण परिषद जि० बीदर एवं संयुक्तमंत्री हिंदी अकेडमी हैदराबाद' बढ़ा लें; पाँचवीं में 'आदि' के आगे 'वि० कर्नाटक वि० वि० धारवाड़ से 'बसवेश्वर और कबीर का तुलनात्मक

अध्ययन' विषय पर शोधकार्य-रत' बढा ले एवं छठी में 'धारवाड' के बाद 'कॅपपता-हनुमान रोड, उदगीर (सी० आर०)' बढ़ा लें।

शक्तिपाल केवल—(पृ० ३८६) दूसरी पंक्ति में "५४' के स्थान पर "५८' पढे।

शमशेरसिंह, 'अशोक'—(पृ० ३८७) दूसरी पंक्ति में 'प्रभाकर' के आगे 'ज्ञानी' बढा लें, तीसरी में 'एस० जी० पी० कालेज' के स्थान पर 'शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी' पढिए और पाँचवी में "५७' के आगे 'पंजाबी हस्तलिखित पुस्तकों की विवरणात्मक सूची (दो भाग)' बढा लें।

शरण सक्सेना (परमात्माशरण सक्सेना—(पृ० ३८७) छठी पंक्ति मे 'वर्त०' के स्थान पर 'सह' तथा 'मध्यभारत टाइम्स' के स्थान पर 'मध्य प्रदेश टाइम्स' पढ़िए और सातवीं से "५७-'५८' निकाल दीजिए।

शरदचन्द्र शुक्ल, 'शरद', डा०— (पृ० ३८८) दूसरी पक्ति मे "४६' के स्थान पर "४४', चौथी में "५५' के स्थान पर "५०' और पाँचवी पंक्ति मे "५६' के स्थान पर "५८' पढ़िए, पाँचवी-छठी पंक्ति मे 'उसी विभाग मे कार्य' के स्थान पर 'म० प्र० सचिवालय के कर्मचारियों का नेतृत्व किया और मानव-सेवक-संघ की स्थापना जेल मे की' बढा लें, आठवीं में 'प० ३-सी' के पूर्व 'वि० इस समय राष्ट्र-भाषा विद्यालय और राष्ट्रीय बाल-मदिर का संचालन कर रहे हैं' तथा इसके पश्चात् 'केतकी-निकेतन' बढा लें।

शशिनाथ चौधरी—(पृ० ३८९) तीसरी पंक्ति में 'दरभंगा '३०' के आगे 'प्रचारक, राष्ट्रभाषा प्रचार सभा, वर्धा '४१-'४५' बढ़ा लें।

शांति अग्रवाल—(पृ० ४००) तीसरी पक्ति में 'शंखनाद' तथा चौथी मे 'शकुंतला' को क्रमशः 'गर्जन' और 'राधामाधव' पढिए।

शारदाप्रसाद वर्मा, 'भुशुंडि'—(पृ० ४०२) प्रथम पंक्ति में "११, सिराथू, प्रयाग' के स्थान पर 'गाँव कैमें, तह० सिराथू, जि० इलाहाबाद' पढ़े, इसी पंक्ति मे 'शि०' के पश्चात् 'कर्वी, जि०', बढा दें, चौथी मे "५१-'५२' के स्थान पर "५८-'५९' और पाँचवी में 'सहसंपा०' के स्थान पर 'संपा०' पढिए, इसी पंक्ति में 'विज्ञप्ति' के आगे 'नगर महापालिका' बढ़ा लें, सातवीं में 'चार सौ बीसी' के बाद 'दोहा' बढ़ा लें तथा आठवी मे 'नगरमहापालिका' के स्थान पर '२४६, राजेन्द्रनगर' पढ़िए।

शांति भटनागर, श्रीमती—(पृ० ४००) दूसरी पंक्ति में 'महिल साहित्यिक संस्था' के स्थान पर 'लेखिका-संघ' पढ़िए।

शांतिलाल जैन, 'बालेंदु'—(पृ० ४०१) दूसरी पंक्ति में 'बी० एस-सी०' के स्थान पर 'एम० एस-सी०' पढ़िए।

शांतिस्वरूप, 'कुसुम'—(पृ० ४०१) प्रथम पंक्ति मे 'धनौरा' के स्थान पर 'धनौरा सिलवरनगर' और तीसरी मे 'एक गीत-संग्रह' के स्थान पर 'पदचिह्न, साँझ-सवेरे आदि अनेक गीत-संग्रह' पढिए।

शिवकुमार शुक्ल—(पृ० ४०२) प्रथम पंक्ति में 'आचार्य' के स्थान पर 'शास्त्राचार्य', दूसरी में 'भारत पर प्रभाव' के आगे 'कुछ समाज व शिक्षा के संबध मे, गद्यकाव्य, लेख'; तीसरी में 'सूरदास' के पूर्व 'गीत गोविंद (अनु०)' और पाँचवी मे 'सीता (नाट०)' के आगे 'विचार-वीथी (गद्य-काव्य)' बढ़ा लें; छठी मे 'लिखते हैं' के आगे 'प्रकाशन की चिंता से निर्मुक्त' बढ़ा ले, पता यों कर लें—'शुक्ल सदन, धौलपुर, जि० भरतपुर (राज०)'।

शिवनाथ दुबे—(पृ० ४०६) प्रथम पंक्ति मे 'धामपुर' के स्थान पर 'धानापुर, वाराणसी' पढ़िए।

शिवनारायण खन्ना—(४०६-४०७) पृ० ४०७ की दूसरी पंक्ति से 'प्रवर सहायक (हिंदी)' निकाल दीजिए।

शिवनारायणलाल, डा०—(पृ० ४०७) प्रथम पंक्ति में '१६ अगस्त, '१६' के स्थान पर '३ अगस्त, '१२' पढ़िए, दूसरी पंक्ति मे 'एम० ए०' के आगे 'पी-एच० डी०' बढ़ा ले और 'एल० टी०' के स्थान पर 'बी० टी०' पढ़ें; तीसरी में ''४२-'४७' के स्थान पर ''३९-'४२' कर ले, इसी पंक्ति से ''४८' निकाल कर चौथी मे 'जौनपुर के आगे ''४८-'६२' तथा इसी के बाद 'जुलाई' '६२' से प्रधानाचार्य, डी० ए० वी० डिग्री कालेज, आजमगढ' बढ़ा ले; छठी में पता यो कर लें—'प्रधानाचार्य, डी०ए० वी० कालेज, आजमगढ़'।

शिवनारायण बोहरा, डा०—(पृ० ४०७) प्रथम पंक्ति में 'ओन' के स्थान पर 'भोन', दूसरी में ''४५' के स्थान पर ''३३' और चौथी में 'रोहतक' के स्थान पर 'रोपड़' जि० अम्बाला' पढ़िए; छठी में 'प०' के पूर्व 'वर्न० प्राध्यापक, राजकीय कालेज, रोहतक' बढा लें।

शिवप्रसाद गोयल—(पृ० ४०७-४०८) पृ० ४०८ की दूसरी पंक्ति में 'प्रधान' के पूर्व 'भूत०' बढा ले।

शिवबालक सिंह, 'निराश'—(पृ० ४०८) प्रथम पंक्ति में ''३४' के स्थान पर '३० दिसंबर. '३४. हमीरपुर' पढ़िए. दूसरी में 'इंटर' के आगे

'भगवंतनगर तथा' बढ़ा ले और तीसरी में 'पता' यों कर ले—'गुरक्त सदन, काकोरी कलाँ, उन्नाव'।

शिवाजीराय आर्य—(पृ० ४११) प्रथम पंक्ति में 'शिवाजीराय' के स्थान पर 'शिवाजीराव' पढ़े और आठवीं में ''६१' के आगे 'भारत की प्रशासनिक लोककथाएँ '६३' बढ़ा लें।

शुकदेव दुबे—(पृ० ४१२-१३) प्रथम पंक्ति में 'बँगला' के आगे 'उर्दू' और दूसरी में 'पटना' के आगे 'भारत' बढ़ा ले, पृ० ४१३ की प्रथम पंक्ति में 'प्रयाग' के आगे 'में' और तीसरी में 'निर्मा' के स्थान पर 'निर्माण' पढ़िए, बारहवीं से 'अप्र० सात-आठ पुस्तकें एवं संग्रह' निकाल दे, तेरहवीं में 'म० प्र०' के पूर्व 'विज्ञान की बातें, बच्चों की कहानियाँ' बढ़ा ले।

श्यामकिशोर मिश्र, 'श्रमजीवी', डा०—(पृ० ४५६) प्रथम पंक्ति से 'मिश्र' और दूसरी से 'इंटर लखनऊ' निकाल दें, तीसरी में 'कवि' के आगे 'एक क्षुद्र भू-स्वामी के पुत्र का मोह' बढ़ा लें।

श्यामसुंदर घोष—(पृ० ४१८) दूसरी पंक्ति में 'वि० वि०' के आगे 'सहसंपा० 'शांतिसंदेश', खगड़ियाँ, मुंगेर '५१-'५५, 'विविधा' (सा० संक०) पटना '५६-'५७ तक' बढ़ा लें, तीसरी में 'मधुमाया' के स्थान पर 'मधुयामा' और चौथी में 'अलो०' के स्थान पर 'आलो०' पढ़िए, पाँचवीं में 'नये रूप' के आगे 'आलो०' बढ़ा लें, सातवीं में 'वि०' के पूर्व 'आदिवासी लोककथाएँ (बालो०) बारहमासा, नटखट मुन्ना' बढ़ा ले।

श्यामसुंदर व्यास—(पृ० ४१८) दूसरी पंक्ति में '(प्रि०)' को निकाल दें, 'बी०ए०' के स्थान पर 'बी०एड०' कर ले, 'उदयपुर' को 'विशारद' के बाद पढ़िए, चौथी में 'प्राध्याध्यापक' को 'प्राध्यापक' कर लें।

श्यामसुंदर सुमन, आचार्य—(पृ० ४१८) प्रथम पंक्ति में 'समन' के स्थान पर 'सुमन' पढ़िए एवं दूसरी में 'प्र० '४३' के पश्चात् 'सहसंपा० 'न्यूजरील' आगरा' बढ़ा लें एवं ग्यारहवीं में 'प्रकाशक' के स्थान पर 'प्रकाशन' पढ़िए।

श्रीकृष्ण मौजी—(पृ० ४२४) प्रथम पंक्ति में 'मौजी' के आगे 'कविभूषण, इटावा निवासी' बढ़ा लें और ''३४' के स्थान पर '१९०२' पढ़िए, तीसरी में ''२१-'३०, शस्त्र-सत्याग्रह' के स्थान पर ''२१-'३० तक सत्यसत्याग्रह' पढ़िए तथा 'मंत्री' के आगे ''२६-'२७' बढ़ा लें, सातवीं में 'वर्धा' में 'मंत्री' के आगे 'म्यू० चेयरमैन, स्कूल बोर्ड, वर्धा' पढ़िए नवीं में

शिक्षक के आग म । उगते फन कृ गा निकुंज ज्ञान नीप बनियादी ब हु ग प उमाना ४ भ ग), व्यावहारिक आरोग्य (अनु०, १ से ४ भाग)' बढा लें।

श्रीगोपाल गोस्वामी—(पृ० ४२५) दूसरी पंक्ति में 'कध्यमा' के स्थान पर 'मध्यमा' और तीसरी मे 'स्फट' के स्थान पर 'स्फुट' पढ़िए, चौथी मे 'पश्चिमी' के स्थान पर 'सत परिचयी' और पाँचवीं मे 'अमिय हलाहल मद भरे' (संपा०)' को 'प्रका ' के अन्तर्गत पढ़िए, सातवी में 'शोध महायक' के स्थान पर 'शोध महायक' तथा आठवीं पंक्ति मे 'मँधडों' के स्थान पर 'मुँघडों' कर लें।

श्रीराम चिरानिया—(पृ० ४३२-३३) पृ० ४३२ की दूसरी पंक्ति में 'प०' के पूर्व 'वि पूना से बाइबिल का विशेष अध्ययन, 'अन्धेरे की सतह पर' (कहा०) पुरस्कृत '६१' बढा लें।

संतकुमार टंडन, 'रसिक'— (पृ० ४३५) दूसरी पंक्ति में 'शास्त्री' के बाद ''काव्यभूषणम्' उपाधि श्री संस्कृत कार्यालय, अयोध्या से प्राप्त' बढा लें; चौथी से 'बाल-मनोविकास' को निकाल कर 'प्रका०' के अन्तर्गत '(खंड०)' के बाद पढ़ें तथा पाँचवी मे '(काव्य)' के बाद 'तुलसी के बिरवे और नीरस घटाएँ, पुष्प, भ्रमर और मंजरी (कहा०)' ब ा लें।

संतराम- (पृ ४३६)—प्रथम पंक्ति में '१८८६' के स्थान पर '१८८७', तीसरी में 'विश्वजागृति' के स्थान पर 'विश्वज्योति', चौथी में 'महाराजाओं' के स्थान पर 'महात्माओं' तथा आठवीं में 'रवि-विलास' के स्थान पर 'रति-विलास' पढ़ें, बारहवीं मे 'कर्मयोग' के आगे 'हमारा समाज, जीने की कला, सुख और सफलता के साधन, अपनी बिक्री बढाएँ, उद्‌बोधिनी' बढा लें, तथा प्रका० पुस्तकों की सूची से 'आदर्श यात्रा, अतीत कथा, स्वर्गीय संदेश, बालक, अन्तर्जातीय विवाह और नीरोग कन्या' निकाल दें।

सतीश कुमार—(पृ० ४३८-३९) पृ० ४३९ की दूसरी पंक्ति में 'भारतवर्ष' के स्थान पर 'भारतसर्व' तथा 'के, ३३-४ गोलघर' के स्थान पर 'राजघाट' पढे।

सत्यदेव चौधरी, डा०—(पृ० ४४१) प्रथम पंक्ति मे ''३१' के स्थान पर ''२१' पढ़ें, तीसरी में ''५८' के पश्चात् 'हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास (षष्ठ भाग) में रीतिकाल विषयक सामग्री का समावेश '५८' बढ़ा लें

तथा पाँचवी में ''५८' के पश्चात् 'काव्य शास्त्रीय निबंध (परम्परा और सिद्धांत-पक्ष) '६३, हिंदी काव्यालंकार (रुद्रट, संग्रन्थ)' बढ़ा लें।

सत्यदेव शर्मा द्विवेदी—(पृ० ४४३) प्रथम पंक्ति में 'सत्यदेव शर्मा द्विवेदी' के स्थान पर 'द्विवेदी सत्यदेव शर्म्मा' पढ़ें।

सत्यनारायण मोटूरि—सा० भूत० प्रधानमंत्री राष्ट्रभाषा-प्रचार समिति वर्धा एवं दक्षिणभारत हिंदी-प्रचार-सभा मद्रास; भूत० संपा० 'हिंदुस्तानी समाचार' मद्रास; प्रका० अनेक पाठ्यग्रंथ; प० हिंदी-प्रचार-सभा-कार्यालय, त्यागरायनगर, मद्रास-१७।

सत्यव्रत शर्मा, 'अजेय'—(पृ० ४४७) तीसरी पंक्ति में 'त्रि त्रि' के आगे 'प्रधान संपा० 'ग्राम्या', सहारनपुर' बढ़ा लें।

स० रामचंद्र—ज० '१५; शि० शास्त्री, बी०ओ०एल०; सा० मद० तंजौर दक्षिणभारत हिंदी-प्रचार-सभा एवं मद्रास तथा मैसूर वि०वि० के शिक्षाबोर्ड; प्रका० हिंदुस्तानी-व्याकरण, सरल हिंदी-व्याकरण (तीन भाग) तथा कई पाठ्यग्रंथ; प० प्रधानमंत्री, दक्षिणभारत हिंदी-प्रचार-सभा, त्यागरायनगर, मद्रास-१७।

साधना प्रतापी (काश्मीरी लाल ओझा)—ज० १ अगस्त, '३८, शोरकोट; शि० प्रभाकर अम्बाला कैंट, सा० रत्न सम्मे० प्रयाग, प्र० '५८ में; प्रका० ठोकरे (उप०) '६०, आगे-पीछे, मैं बदला लूँगी, पाप का रास्ता, कच्ची दीवारें, चिता सुलगती रही (उप०) '६१, पूजा और पुजारिन, अमर साधना, पत्थर के देवता, प्यासी आत्मा, कानून और इन्सान, चूड़ियाँ और हथकड़ियाँ (उप०) '६२, खोटा सिक्का, मैं दुल्हन बनूँगी, धुँधले चित्र, विधवा और सुहागिन (उप०) '६३, खून की होली (कहा०), माँ के आँसू (कहा०); वर्त० मा० 'जगत' तथा साप्ता० 'एकता-संदेश' के संपा० विभाग में कार्य; प० १३।१६, शक्तिनगर, दिल्ली-६।

साधुराम—(पृ० ४५३) प्रथम पंक्ति में 'दुल्हन' के स्थान पर 'दूल्हा', दसवीं में 'हिंदी-अँग्रेजी' के स्थान पर 'अँग्रेजी' और ग्यारहवीं में 'अध्यक्ष' के स्थान पर 'अध्यापक तथा शोधार्थी' पढ़ें; इसी पंक्ति में 'प०' के पूर्व 'वि० अँग्रेजी में भी लिखते हैं' बढ़ा लें।

सियारामशरण प्रसाद—(पृ० ४५६) तीसरी पंक्ति में 'चट्टान' के आगे 'बागमती', सातवीं में 'कृतित्व' के आगे '१९६३' और 'बुद्ध' के पूर्व 'मोती और पत्थर '६३', आठवीं में 'प्रतिनिधि साहित्य (प्रत्येक वर्ष

की प्रतिनिधि रचनाओं का गेति॰ संकलन) के प्रधान सम्पादक हैं' बढ़ा लें; नवीं में 'मराग सैयदअली' को कोष्ठकबद्ध कर लें तथा 'मुजफ्फरपुर' के आगे 'बिहार' बढ़ा लें।

सीताराम चतुर्वेदी, 'अटल'—(पृ॰ ४५७) दूसरी पंक्ति में 'जे॰ टी॰ सी' के आगे 'बी॰ ए॰, विशारद', तीसरी में 'सक्रांति' के आगे 'आदर्श संबधित कला, किशोर-समारोह-मंजरी' तथा चौथी पंक्ति में 'हँसते आँसू (कवि॰)' के आगे 'मन की मौज (हास्य काव्य), विशाखदत्त (खंड॰)' बढ़ा लें।

सीताराम चतुर्वेदी, आचार्य—(पृ॰ ४५७-५८) प्रथम पंक्ति में 'दिसंबर' के स्थान पर ''२७ जनवरी', छठी में 'अछूतोद्धार' के स्थान पर 'अछूतोद्धार' और आठवी में 'संस्कृत' के स्थान पर 'हिंदी-पालि' पढ़ें, चौदहवीं मे '(जीव॰)' के पूर्व 'भक्त जीवनलाल' बढ़ा लें, उन्नीसवी में 'सोमनाथ' के आगे 'मंगलप्रभात, रजिया, अंगुलिमाल, मायावी, जागो फिर एक बार, नई बस्ती, मायावी, अनेक एकाकी' बढ़ा ले; बाईसवीं मे 'साधुवेला' को 'साधुनवेला' पढ़ें, पृ॰ ४५८ की प्रथम पंक्ति से 'पाश्चात्य' निकाल दें, तीसरी मे 'योरपीय' को 'और योरोपीय' पढ़ें तथा 'आदि' निकाल दें, चौथी मे 'मध्वाचार्य' को 'मद्वल्लभाचार्य' पढें और 'वि॰' के पश्चात् 'बहु प्रयोजन उ॰' बढ़ा लें तथा पाँचवीं से 'एक' निकाल दें।

सुदर्शन—सा॰ प्रतिष्ठित कहानी-लेखक, कुछ समय फिल्म क्षेत्र में गीत भी लिखे; प्रका॰ सुदर्शन-सुमन, सुदर्शन-सुधा, तीर्थयात्रा, सुप्रभात, पुष्पलता, गल्पमंजरी, चार कहानियाँ, भाग्यचक्र, बच्चों का हितोपदेश, राजकुमार सागर, झंकार आदि बीस से अधिक ग्रंथ; अप्र॰ चार-पाँच पुस्तकें एवं संग्रह; प॰ सिलवर्टन स्टेशन, महीम, बंबई।

सुदर्शन चक्र—(पृ॰ ४५९-६०) दूसरी पंक्ति में 'कथा' के पूर्व 'कम्युनिस्ट' बढ़ा लें, पाँचवी मे ''३६' के स्थान पर ''३७' पढ़ें।

सुमित्रादेवी अग्रवाल, श्रीमती—(पृ॰ ४६३-६४) प्रथम पंक्ति में '१३ जून, '४२' के स्थान पर '१३ मई, '४१' पढ़े, पृ॰ ४६४ की पहली पंक्ति मे 'वाटिका' के आगे 'चतुर-गृहिणी और शिशुपालन' बढ़ा ले, दूसरी में 'शाजापुर' के आगे 'म॰ प्र॰ (२) द्वारा अग्रवाल पुस्तक भंडार, पो॰ करवी, बाँदा (उ॰ प्र॰)' बढ़ा लें।

सुरेंद्रप्रसाद जमुआर—(पृ॰ ४६६) दूसरी पंक्ति में 'भूत॰' के आगे 'सह' तथा तीसरी में 'आत्मा' के आगे 'ज्योत्स्ना' और 'रहे अजेय हिमालय'

बढ़ा लें; इसी पंक्ति में 'स्फुट' के आगे 'राष्ट्रभाषा निबंधावली' तथा 'आलो०' के बाद 'एवं हास्य-व्यंग्य लेखों, गद्यगीतों एवं' बढ़ा लें।

सुरेश दुबे, 'सरस'—(पृ० ४६७--६८) प्रथम पंक्ति में '२८' के आगे 'दक्षिण बिहार', दूसरी में 'पटना' के पूर्व 'थाना गिरियक' तथा इसी के आगे 'शि० हिन्दी बी० ए०, साहित्यरत्न, साहित्यालंकार, सी एल एम० सी०' और 'साधना-कुटीर' के बाद 'अध्यक्ष मगही प्रतिष्ठान' बढ़ा लें, पृ० ४६८ की ग्यारहवीं पंक्ति में 'कलम की रोटी' के आगे 'अंत्रस्थ-तीन पुस्तकें (उपन्यास और नाटक)' बढ़ा लें, बारहवीं में '(उप०)' के आगे 'संपा० 'भाव-ग्रंथा' (त्रैमा० कविता-संकलन), रहे अजेय हिमालय तथा प्रतिनिधि मगही कवियों की श्रेष्ठ कविताएँ' बढ़ा लें; चौदहवीं में 'छात्रा-वस्था में प्राप्त' के आगे 'उडेन हार्स' का हिंदी रूपांतर 'कठघोड़ा' पुरस्कृत' बढ़ा लें।

सुरेशसिंह कुँअर—(पृ० ४६८--६९) दूसरी पंक्ति में 'गत आठ वर्षों से विधान सभा उ० प्र० के सदस्य' के स्थान पर 'गत ११ वर्षों से विधान परिषद उ० प्र० के सदस्य' पढ़ें, पृ० ४६९ की पाँचवीं पंक्ति में 'अप्र०' के पूर्व 'जानवरों का जगत '६१, कीड़े-मकोड़े '६२' बढ़ा लें; छठी में 'कीड़े-मकोड़े, स्तनपायी जीव' निकाल दें; नवीं में 'असली मृगछाप' के बाद 'जानवरों का जगत' तथा दसवीं में 'पुरस्कृत' के बाद 'जीवजगत' ग्रन्थ पर विज्ञान परिषद, प्रयाग द्वारा १००० रु० तथा एक रौप्यपदक पुरस्कारस्वरूप प्राप्त' बढ़ा लें।

सूरजदेव प्रसाद श्रीवास्तव—(पृ० ४७०) चौथी पंक्ति में 'एकांकी' के बाद '(दूसरा संग्रह)', 'फुलझड़ियाँ' के बाद 'कविता' तथा पाँचवीं में 'प्रधानाचार्य' के बाद 'रेलवे' बढ़ा लें, इसी में 'बहुउद्देश्य' के स्थान पर 'बहुउद्देशीय' पढ़ें।

सोहनलाल बाफणा- (पृ० ४७२) प्रथम पंक्ति में 'वर्मा' के स्थान पर 'बाफणा' पढ़ें, दूसरी में 'प्रका०' के पूर्व 'संचा० साहित्य-निकेतन' बढ़ा लें तथा तीसरी में 'कई' के स्थान पर 'लगभग ४०' पढ़ें।

हरिस्वरूप, 'निर्भीक'—(पृ० ४७७) प्रथम पंक्ति में 'आगरा' के पूर्व 'गणित-अँग्रेजी', तीसरी के अन्त में 'तथा', आठवीं में 'विभाग' के आगे 'तथा पत्रकार' और इसी पंक्ति के अंत में 'वि० व्यसन : दलितों के कानूनी-सहायक, 'लार्ड नार्थब्रुक तथा राजा रामसिंह पदक प्राप्त' बढ़ा लें।

हरीश करुण—(पृ॰ ४८५) प्रथम पंक्ति में '८ नवंबर, '३६' के स्थान पर '८ नवंबर, '३९' पढ़े।

हृदयनारायण पांडेय, 'हृदयेश'—(पृ॰ ४८८-८९) छठी पंक्ति में "२४' के आगे 'मनोव्यथा (गद्यकाव्य) '२५' और पृ॰ ४८९ की दूसरी पंक्ति में 'ओरछा' के बाद 'इंदौर' बढ़ा लें, चौथी मे 'उपाधि प्राप्त' के स्थान पर 'श्री चैतन्य महाप्रभु गौरांग, गौडेश्वरपीठ वृंदावन से 'काव्य कलाधर' उपाधि प्राप्त' पढ़े।

होरीलाल शर्मा, 'नीरव'—(पृ॰ ४९०) दूसरी पंक्ति मे 'संस्कृत, हिंदी' के आगे से 'तथा अँग्रेजी' निकाल दें, चौथी में 'प्रलापिनी' को 'दीपदान' के पूर्व पढ़े, 'पथराल' के स्थान पर 'पथशूल' पढ़े और इसी पंक्ति से 'अग्र' निकाल दे, 'पाँचवी मे 'तारस्वर' के आगे 'पढो कहानी, अच्छा कौन' बढा लें।

परिशिष्ट चार : शेष परिचय एवं संशोधन

अवधविहारीलाल अवस्थी, 'विमलेश'—ज० १९०२, लखनऊ ; सा० लखनऊ की प्रायः सभी साहि० संस्थाओं से संबंधित, राष्ट्रीय आंदोलनों में सक्रिय भाग, कई बार कारावास ; प्र० '२० में ; प्रका० क्रांति का सिंह-नाद '२०, राष्ट्रीय झंडा '२०, स्वदेश और खादी '२१, हैलेट की विदाई '३९, दिल्ली-पयान '४५, स्वतंत्रता की दीपमालिका '४२, आर० एस० एस० को चेतावनी, बापू के फूल, नारी-नवीन-रत्न (पाँच भाग), वेश्या-दोष-दर्शक जुआ दोष-दर्शक, नशा-दोष-दर्शक आदि, अप्र० विमलेश-हजारा, गंगा-गौरव, शंकराचार्य-बावनी आदि ; त्रि० फर्रुखाबाद, सिकंदरपुर और लखनऊ से अभिनंदन पत्र तथा कानपुर से मानपत्र प्राप्त; लखनऊ से शीघ्र ही अभिनंदन-ग्रंथ भेंट करने की योजना है ; प० सआदतगंज, बावली बाजार, लखनऊ।

कपिलेश्वरप्रसाद—(पृ० ५०४) दूसरी पंक्ति में ''४४', ''४६' और ''४०' को क्रमशः ''५४', ''५६' और ''५०' पढ़े अनेक चौथी से 'दो लेख-संग्रह' निकाल दें।

करतारसिंह 'शमशेर'—(पृ० ५०६) छठी पंक्ति के अंत में 'नीली ते रावी' '६१ मे केंद्रीय सरकार द्वारा पुरस्कृत' बढ़ा ले।

काशीनाथ त्रिवेदी—(पृ० ५७८) प्रथम पंक्ति मे 'काशीनाथ' को 'काशिनाथ' और तीसरी मे 'त्यागमूर्ति' को 'त्यागभूमि' पढ़िए, चौथी मे 'शिक्षामंत्री' के पूर्व 'हरिजन सेवक '४१-'४२' तथा 'शिक्षामंत्री' के आगे ''४६-४७' बढ़ा लें ; सातवीं पंक्ति में 'बोव' को 'बोल' तथा 'मोड़' को 'मोल' पढ़िए।

गिरिराजप्रसाद, 'विप्र' तिवारी—(पृ० ५१७) दूसरी पंक्ति मे 'अपहृत महिला' को 'प्रका० के अंतर्गत 'मिटाउ '४१' के आगे 'अपहृत मुस्लिम महिला और हिंदू' बढ़ा ले।

गुलाबचंद्र चौधरी—(पृ० ५१८) चौथी पंक्ति में 'संस्कृत सम्मे०' के आगे 'डिपलोमा-लाइ० सा० (काशी वि० वि०)' तथा छठी में 'सेवा वर्ग' के आगे 'प्रथम' बढ़ा लें।

चंद्रकांतसिंह—(पृ० ९८८-९८९) प्रथम पंक्ति मे '१ जुलाई, '३१' के आगे 'ग्रा० तथा पो० गौरा, 'वाया' बरौनी, जि० मुंगेर', और पृ० ९८९ की प्रथम पंक्ति में 'प०' के पूर्व 'इनकलाबे चंबल एवं चार प्रहसन' बढ़ा ले।

चंद्रभूषण त्रिवेणी, 'रमई काका'—(पृ० ६६५) प्रथम पंक्ति में नाम के अन्तर्गत 'त्रिवेणी' को 'त्रिवेदी' पढ़िए।

चांदमल अग्रवाल, 'चंद्र'—(पृ० ५२४-२५) प्रथम पंक्ति में 'बी० ए०' के स्थान पर 'एम ए०', तीसरी और नवीं में 'विकास-समिति' को 'सभा', मातवीं म 'हैदराबाद' को 'औरंगाबाद' पढ़े, बारहवीं में 'कवि' के आगे 'कुछ कविताएँ संकलित' तथा पृ० ५२५ की दूसरी पंक्ति में 'प०' के पूर्व 'वि० अयोध्या से 'काव्यमनीषी' एवं 'हिंदीरत्न' उपाधियाँ प्राप्त' बढ़ा लें।

जगदीशप्रसाद चतुर्वेदी—ज० '१७, जालौन ; शि० बी० ए०, एल-एल० बी०, मथुरा एवं कानपुर, प्र० '३७ में, सा० भूत० संपा० 'जागृति' '३६-'४० एवं 'ब्रजभारती' ४०-'४१, 'माया-सीरीज' का संपा० किया और 'माया' तथा 'मनोहर कहानियाँ' के संपा०-मंडल में रहे, कुछ समय तक 'मधुकर' (झाँसी) में काम किया, 'बुंदेलखंडी विश्वकोश' के भी संपा०-मंडल में रहे ; सहा० मंत्री हिंदी साहि० परि० एवं संयुक्त मंत्री ब्रज-साहित्य-मंडल मथुरा ; प्रका० स्फुट ; अप्र० कई संग्रह ; प० वकील, मथुरा।

जानकीवल्लभ शास्त्री—शि० साहित्याचार्य ; प्रका० काकली (संस्कृत कवि०), रूप और अरूप (कवि०), कानन और अर्पण (कहा०), साहित्य-दर्शन (आलो० लेख) आदि, अप्र० कविताओं, कहानियों एवं निबंधों के चार-पाँच संग्रह ; प० मैगरा (बिहार)।

तुलसी भाटिया, 'सरल'—सा० भूत० संपा० पाक्षि० 'आशा' दिल्ली, 'स्वयंसेवक' एवं 'अरुणोदय' लखनऊ ; प्रका० परिवर्तन, नीड-विसर्जन (कवि०) आदि ; अप्र० दो संग्रह ; प० रामनगर, आलमबाग, लखनऊ।

दमयंती तालवार—(पृ० ५३३) तीसरी पंक्ति में 'व्याख्याता' को 'प्राध्यापिका' पढ़ें तथा 'स्फुट' के आगे 'आलो० निबंध' बढ़ा लें।

नगराज, मुनि—(पृ० ५३९) दूसरी पंक्ति में 'अणुब्रत' को 'अणुव्रत' पढ़ें, पाँचवीं में 'अणुव्रत-साहित्य' के आगे, 'अर्द्धविराम' के स्थान पर 'कोलन' लगा दें, ग्यारहवीं में 'भी लिखी हैं' के स्थान पर 'अनूदित' पढ़ें और 'प०' के पूर्व 'वि० राजस्थानी एवं संस्कृत में भी लिखते हैं, आशुकवि हैं' बढ़ा लें तथा 'संचानक' को 'संचालक' पढ़ें।

नानकसिंह—(पृ० ५४२) प्रथम पंक्ति में 'पेशावर' के स्थान पर 'जेहलम', चौथी में 'पाषाण के पंख' को पाषाण-पंख' और '१६' को '१९' पढ़ें, तथा 'उप०' के आगे 'अब तक ८२ पुस्तकें प्रकाशित' बढ़ा लें, सातवीं में 'एक हजार का' को 'एक-एक हजार के' पढ़ें।

परमात्मा शरण—सा० अ० भा० राष्ट्रीय साहित्य-परिषद के व्यवस्थापक ; प्रका० जननायक (महा०), बंदी, प्रेरणा, फाँसी, बलिदान, परतंत्र, झनकार, इनकलाब, सुनो बच्चो, वीर बालक, महापुरुष, कालका आदि : प० २३२, सदर, मेरठ ।

पी० नारायण—ज० '२० ; शि० आगरा, इलाहाबाद और काशी ; सा० '४२ के स्वतंत्रता-आंदोलन में कारावास ; प्रका० स्फुट , अप्र० दो लेख-संग्रह ; प० प्राध्यापक, हिंदी प्रचारक-विद्यालय, पुथाननतार्ई, ट्रिवेंड्रम ।

पी० वेंकटाचल शर्मा—ज० १६०८, कोलार (मैसूर) ; शि० राष्ट्र भाषा-विशारद, बॅगलौर ; सा० '३० में हिंदी-प्रचारक, भूत० अध्यापक हिंदी विद्यालय अनतपुर (कर्नाटक) '४०-'४१, गाँधी जी के नेतृत्व में संपन्न भारतीय साहित्यकार-कलाकार-सम्मेलन में योग '४६, संपा० 'हिंदुस्तानी समाचार' ; प्रका० स्फुट , अप्र० दो-तीन संग्रह ; वि० कई पाठ्यग्रन्थ तैयार किये हैं ; प० दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, त्यागरायनगर, मद्रास ।

प्रभुदयाल गोस्वामी—(पृ० ५४७) दूसरी पंक्ति में 'प्रका०' के आगे 'जातककहानियों के सहलेखक' तथा 'खलिहान की रात (लोककथा)' के आगे 'विंध्य प्रदेश सरकार से बाल - साहित्य में पुरस्कृत' बढ़ा लें . पाँचवीं में 'पारख जी का बाड़ा, लश्कर, ग्वालियर' के स्थान पर '६५४ कुंजनपुरा, दतिया' पढ़िए ।

बद्रीप्रसाद सारस्वत—ज० '१५, अछनेरा (आगरा) , शि० एम० ए० इतिहास, एम० ए० हिंदी, एल-एल० बी० (प्रथम) आगरा वि वि ; सा० नागरी प्रचारिणी सभा के सभापति ; प्रका० सुदामाचरित्र (सपा) आदि, अप्र० दो-तीन संग्रह ; प० जयपुरा, इटावा ।

बद्रीविशाल पित्ती—सा० हैदराबाद हि० प्र० सभा के भूत० महामंत्री '४९, मारवाडी नवयुवक मंडल (प्रका० विभाग), कमर्शल प्रेस हैदराबाद, नवहिंद-प्रकाशन आदि के संचा , द्वैमा० 'कल्पना' के संपा०-मंडल के सद० ; प्रका० रजकण (कहा०) आदि ; अप्र० सप्तमी (कहा०), झांसी की रानी (नाट०) आदि ; प० सुल्तान बाजार, हैदराबाद ।

बुद्धिमल, मुनि—(पृ० ५५१) दूसरी पंक्ति मे 'तुलसी' के आगे 'का' के स्थान पर 'कोलन' लगा लें ; तीसरी से 'अप्र०' निकाल दें तथा 'आँखों ने कहा' के पूर्व 'उत्तिष्ठ ! जागृत !! (संपा०)' बढ़ा लें ; सातवीं मे शिक्षाषण्णत्तिवति' को '—————' पढ़ें

वैजनाथप्रसाद दुबे—ज० १९०७ ; शि० साहित्यरत्न ; सा० लेखक-संघ प्रयाग के सद०, सम्मे० की परीक्षाओं के केंद्र-व्यवस्थापक ; प्रका० हिंदी साहित्य के सप्त सुमन, बड़ों का विद्यार्थी-जीवन आदि; प० प्रांतीय संचालक, राष्ट्रभाषा-प्रचार-समिति, भोपाल।

भगीरथ प्रसाद दीक्षित—(पृ० ५३३) प्रथम पक्ति मे "'२८' के स्थान पर '१८८५'', दूसरी मे 'सद०'के स्थान पर 'अन्वेषक' तथा चौथी में 'कोटाना' के स्थान पर 'कोटा (राजस्थान)' पढ़े और 'जिला' निकाल दे।

भानुशंकर मेहता, डा०—(पृ० ५५४) तीसरी पक्ति में 'श्रीनगर' के स्थान पर 'श्रीनागरी', चौथी मे 'कपनी' के स्थान पर 'मंडली', पाँचवी में '(पत्र)' के स्थान पर 'दैनिक' और 'रहे' के स्थान पर 'हैं' एवं ग्यारहवी मे ४५०) के स्थान पर '१००)' पढें तथा बारहवी मे 'युनेस्को' के आगे 'से ४५० डालर अर्थात् २२५०)' बढा ले।

मन्मथनाथ गुप्त—ज० ७ फरवरी, १९०८, वाराणसी ; जा० बँगला एवं अँगरेजी ; सा० '२१ के असहयोग-आदोलन में बंदी, '२५ के काकोरी षड्यंत्र में बंदी और चौदह वर्ष का कारावास, '३७ में छूटे ; प्रका० पंद्रह-सोलह उपन्यास, कई सौ कहानियाँ, दर्शन, इतिहास और सेक्स पर दो पुस्तकें ; वि० 'पथेर पाचाली' का बँगला से अनुवाद किया है, भारतीय स्वतंत्रता-आदोलन की पृष्ठभूमि पर 'उपन्यास-सप्तक' लिख रहे हैं जिसके पाँच अश प्रकाशित हो चुके हैं ; प० पब्लिकेशस डिवीजन, ओल्ड सेक्रेटेरियट, दिल्ली।

महेंद्रकुमार शतावधानी मुनि 'प्रथम'—(पृ० ५५७) प्रथम पंक्ति मे '३०' के पूर्व '२७ जुलाई' बढा ले, चौथी में 'बिहार' को 'विहार' पढे, आठवीं मे 'प०' के पूर्व 'वि० संस्कृत के आशुकवि' बढ़ा ले।

मावली प्रसाद श्रीवास्तव—(पृ० २५०-५१) चौथी पक्ति में 'प्रका०' के आगे 'जीवन-संग्राम मे विजय-प्राप्ति के कुछ उपाय '१८', किसानों की भलाई के कुछ उपाय '३५; 'अप्र०' के बाद 'छत्तीसगढ़ का संक्षिप्त परिचय और उसकी समस्याओं पर विचार, सप्रे-स्मारक-संग्रह (संपा०), रोगी की सेवा आदि' और 'वि०' के आगे 'मराठी एवं अँगरेजी में भी कई ग्रथ लिखे हैं और अँगरेजी से अनेक अनुवाद किये हैं, अनेक ग्रन्थों का संशोधन-संपादन भी किया, आपके अप्र० ग्रंथों में अधिकाश 'माला'-रूप मे प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं' बढा लें।

मोहनवल्लभ पंत—ज० १९०५; शि० एम० ए०, बी टी, अल्मोड़ा एवं काशी; सा० सद० राजपूताना वि०वि० की 'सिनेट', 'फैकल्टी आफ आर्ट्स' एवं 'अकेडेमिक कौंसिल', भूत० हिंदी विभागाध्यक्ष महाराणा भोपाल कालेज, उदयपुर; प्रका० कवितावली की टीका, दोहावली की टीका, अन्योक्ति-कल्पद्रुम, सूर-पंचरत्न, नहुष का स्वाध्याय, कारक-दीपिका (पाणिनि के तत्संबधी सूत्रों की व्याख्या) आदि, प० अध्यक्ष हिंदी विभाग, वल्लभविद्यानगर वि०वि०, आणंद (गुज०)।

रघुवीरशरण, 'व्यथित'—ज० खुर्जा; शि० शास्त्री, सा० रत्न, प्रभाकर, साहित्यभूषण; प्रका० स्फुट; अप्र० तीन-चार संग्रह, वि० कई पाठ्यग्रन्थ तैयार किये हैं; वि० हिंदी विभागाध्यक्ष, सेंट थामस कालेज, पालाई (केरल)।

राजगोपाल कृष्णय्या उन्नव—ज० १९०४; शि० विशारद, सा० '२२-'२७ तक आंध्र के अनेक स्थानो मे और '२७-'३९ तक कलाशाला (मछलीपट्टम) मे हिंदी अध्यापक; '३९-'४० मे आंध्रराष्ट्र हिंदी-पचार-संघ का संगठन किया और '४० से कई वर्ष तक आंध्रराष्ट्र हिंदी-प्रचार-संघ बेजवाडा के मंत्री रहे: प्रका० गीताबोध और मंगलप्रभात (तेलुगु में अनु०) आदि; वि० पिछले वर्ष आपको सराहनीय हिंदी-सेवा के लिए 'अभिनंदन-ग्रन्थ' भेंट किया गया; प० मंत्री, दक्षिणभारत हिंदीप्रचारसभा, खैरताबाद, हैदराबाद।

राजबली दुबे, 'तरल'—शि० एम० ए०, बी० एड०, साहित्यरत्न; प्रका० गाऊँ-गिराऊँ (भोजपुरी गीत), सीमा और चौराहे (एका०); वि० भोजपुरी में भी लिखते है; वर्त० अध्यापक, भारतीय हायर सेकेंड्री स्कूल परसीपुर; प० द्वारा राधाकृष्ण चौबे, ६७।९४, ईश्वरगगी, वाराणसी।

राजाराम रस्तोगी, डा०—(पृ० ५६१) प्रथम पंक्ति मे ''४७' के स्थान पर ''४३', तीसरी मे 'गद्य' के स्थान पर 'काव्य' और चौथी मे सात के स्थान पर 'आठ' पढे, सातवीं में 'प्रेमचंद' के पूर्व 'वैराग्य संदीपनी, हिंदी-साहित्य परिशीलन और अन्वेषण '६०, तीन तस्वीरें (एका०), हिंदी साहित्य : बोध और विवृत्ति '६३' बढ़ा ले; आठवीं मे 'गद्य' के स्थान पर 'काव्य', '६२' के स्थान पर '६३' और दसवी पंक्ति में 'गद्य-संग्रह' के स्थान पर 'काव्य-संग्रह' पढ़ें; दसवी-ग्यारहवी पंक्ति से 'हिंदी-निबंध' निकाल दें, बारहवीं मे 'प्राध्यापक' के स्थान पर 'स्थानापन्न अध्यक्ष' और तेरहवी में '३४।१९८८' के स्थान पर '२४।१९८८' पढें।

राजेन्द्रकुमार—ज० १२ मार्च '३८ ; शि० बी० ए०, सा०रत्न, संपादन कला-विशारद, शिक्षाविशारद, भिण्ड, उज्जैन एवं ग्वालियर ; प्र० '५६ में ; प्रका० नए हस्ताक्षर (कवि०), हिन्दी की श्रेष्ठ कहानियाँ, बढ़ते चरण (संपा०), हिन्दी साहित्य के इतिहास की रूपरेखा, कविता, बातचीत, अभिनय और कहानियाँ (बालो०, ५ भाग) ; प० प्रचार संगठक, आदिमजाति कल्याण संचालनालय, भोपाल।

राधेश्याम शर्मा—ज० २० जुलाई, '२७ ; शि० एच० टी० सी० मथुरा ; सा० मंत्री ब्रज-साहित्य-मंडल, मंत्री ब्रजमंडल अध्यापक सभा ; प्र० '४६ में ; प्रका० स्फुट ; अप्र० ब्रह्मचर्य-रहस्य, जादू के खेल, ब्रह्मचर्य नाश के कारण, वर्णी (खंड०) ; वि० स्फुट पुरस्कार प्राप्त ; प० प्रधानाध्यापक, प्राइमरी स्कूल, ओल, मथुरा।

रानी टंडन, श्रीमती—ज० २० फरवरी '१९ ; शि० बी० ए०, एल० टी०, एम० एड० काशी वि० वि० ; प्रका० शिक्षा-मनोविज्ञान और शिक्षा-सिद्धांत '४६, शरीर-विज्ञान और स्वास्थ्य '४८, परिचर्या और गृह-प्रबंध '४८, पाठशाला-प्रबंध '५२, मनुष्य-शरीर और स्वास्थ्य '५६ आदि ; वि० अनेक बार पुरस्कृत ; प० प्रधानाचार्या, राजकीय होमसाइंस कालेज, इलाहाबाद।

रामउजागर दुबे—ज० १९०८, गानेपुर, फैजाबाद, शि० बी० ए० लखनऊ वि० वि०, सा०रत्न सम्मे० प्रयाग ; सा० हिन्दुस्तानी अकेडमी की साहित्यिक पुस्तकों के अनुवाद में सहायता दी '३२-'३५', हिंदुस्तान स्काउट एसोसिएशन में कर्मचारी '३५-'४०, जि० ग्राम-सुधार इंस्पेक्टर '४१-'४३, सहायक अधीक्षक पंचायतघर-कार्यक्रम, आकाशवाणी लखनऊ '४४-'४६, उ०प्र० की प्रायः सभी साहित्यिक संस्थाओं के सक्रिय सहयोगी, साकेत साहित्य सदन के प्रारंभिक सद० ; प्रका० धरमू सरपंच, पुरखों की थाती, श्रमजीवी आदि नाटक ; वि० सभी ग्रंथ उ० प्र० सरकार द्वारा पुरस्कृत ; प० साकेत-साहित्य-सदन, चारबाग, लखनऊ।

रामगोपाल, 'रुद्र'—(पृ० ५६३) दूसरी पंक्ति में 'लं०' के आगे ''४२' बढ़ा लें, सातवीं में 'चिकित्सा-तत्व' और 'नरभक्षकों' को मिलाकर पढ़िए ; नवीं में 'साहित्यदास' को 'साहिलदास', दसवीं में 'पटानिका' को 'पटानिया' तथा 'मगहिका' को 'मगहिया' पढ़िए।

रामचंद्र तिवारी, डा०—शि० एम० ए०, पी-एच० डी० लखनऊ वि० वि० ; प्रका० हिंदी का गद्य-साहित्य, मध्यकालीन काव्य आदि ; अप्र०

पी-एच० डी० का शोधग्रंथ एवं आलो० लेखों के दो संग्रह ; प० प्राध्यापक हिंदी विभाग, वि०वि०, गोरखपुर ।

रामनाथ, 'सुमन'—सा० प्रयाग की साहि० संस्थाओं से संबद्ध, संस्था० साधना-सदन नामक प्रकाशन-संस्था, प्रका भाई के पत्र, प्रसाद की काव्यकला, घर की रानी, गाँधी-वाणी आदि तीस से अधिक पुस्तकें, प० द्वारा साधना-सदन, प्रकाशक, इलाहाबाद ।

राममूर्ति मेहरोत्रा—(पृ० ३२०) 'नाम' में 'मूनि' के स्थान पर 'मूर्ति' कर लें ।

राममूर्ति शर्मा, डा०—ज० १५ फरवरी, '३२ ; शि० बी० ए० '५४, एम० ए० संस्कृत '५६, हिंदी '५८, आगरा वि वि०, पी-एच० डी '६१ आगरा वि० वि० (विषय शंकराचार्य के मायावाद का आलोचनात्मक अध्ययन), शास्त्री (व्याकरण) '५२ वाराणसेय संस्कृत वि वि०, सा०रत्न '५८ सा० सम्मेलन प्रयाग, सा० संपा० वार्षिक 'विश्वसंस्कृति', अध्यक्ष, सांस्कृतिक परिषद, मुरादाबाद ; प्रका० स्फुट ; अप्र० काल (संस्कृत), मध्यवर्ग और पंचवर्षीय योजना आदि ; वि० दोनों पुस्तकें उ०उ० सरकार से पुरस्कृत ; 'अद्वैत वेदांत : उसके इतिहास एवं सिद्धांतों का आलोचनात्मक अध्ययन' विषय पर डी० लिट० के लिए शोधकार्य-रत ; प० प्राध्यापक हिंदी-संस्कृत विभाग, के० जी० के० कालेज, मुरादाबाद ।

रामुलु गुप्त वैसनि—शि० हिंदीविद्वान, राष्ट्रभाषा विशारद ; सा० अध्यापक आंध्रजातीय कला-शाला एवं वैश्यसमाज रात्रिपाठशाला ; संस्था० लोकमान्य हिंदी-मंदिर ; प्रका० डा० पट्टाभि सीतारमैया (जीव), हिंदी-तेलुगु-स्वयंबोधिनी आदि ; प० द्वारा लोकमान्य हिंदी-मंदिर, गवर्नरपेट, विजयवाडा ।

रेवतीरंजन सिंह—शि० साहित्यरत्न, जा० बँगला, उर्दू, संस्कृत और अँगरेजी ; सा० सम्मे० प्रयाग की स्थायीसमिति, राष्ट्रभाषा-प्रचार-समिति वर्धा की कार्यकारिणी एवं ना० प्र० सभा काशी के सद० ; प्रका० राष्ट्रभाषा प्रचार-सोपान, प्रारंभिक अनुवाद-शिक्षा, नीलम की अँगूठी (अनु०) आदि ; प० २० ए, अमृत बैनर्जी रोड, कालीघाट, कलकत्ता ।

लक्ष्मीनिधि—ज० ३ अगस्त, '३६ ; शि० एम०ए० अर्थशास्त्र, बी० एल० बिहार वि०वि० ; सा० नेपाल डिग्री कालेज के अर्थशास्त्र के भूत० अध्यापक तथा 'तुलसी-स्मारक' के संस्था०, सभा० जमशेदपुर कल्याण 'फ्रेंडशिप सिंडीकेट' सद० गाँधीस्मारकनिधि जमशेदपुर, बिहारराज्य सर्वोदय

विद्यार्थी-अधिवेशन के स्वागताध्यक्ष, विद्यार्थी - आंदोलन के संबंध में कारावास '४५ ; प्रका स्फुट ; अप्र नयी लहर एवं कविताओं, कहानियों और एकांकियों के तीन संग्रह ; प वकील, बार लाइब्रेरी, जमशेदपुर।

वंशीधर पाठक, 'जिज्ञासु'—ज २ फरवरी, '३४ ; शि० मैट्रिक '५०, शिमला : प्र० '५५ ; ज्ञा० अँगरेजी, संस्कृत एवं पंजाबी ; सा० आकाशवाणी के शिमला-केंद्र से संबंधित '५५-'५९ ; प्रका० स्फुट ; अप्र० कवि : आग और आँसू, शब्द और स्वर, गुड़िया (लघु उप०), त्रिकोण का बिंदु, साकार स्वप्न, कमला (कहा) ; प० ५४, क्लेरक्वायर, लखनऊ।

विपिनबिहारी त्रिवेदी, डा०—ज० १ अगस्त, '१५, असनी (फतेहपुर); शि० एम० ए०, डी० फिल कलकत्ता वि वि० ; प्रका चंदबरदायी और उनका काव्य (शोधग्रन्थ), रेवातट समय (संपा०), काव्य-विवेचन (संयुक्तलेखक) आदि ; वि एक ग्रन्थ अँगरेजी में भी लिखा है ; अप्र० आलो० लेखों के दो-तीन संग्रह ; वि० 'पृथ्वीराज रासो' के संपादन में संलग्न ; प० प्राध्यापक हिंदी विभाग, वि० वि०, लखनऊ।

शंकरप्रसाद गुप्त—ज० '१२ ; शि विशारद; सा० वंग प्रादेशिक हिंदी साहि सम्मे० के आसनसोल-अधिवेशन में सहयोग '५३, सभापति-हिंदी साहित्य समिति आसनसोल '५७, वर्द्धमान जनपद हि० सा० सम्मे० के आसनसोल-अधिवेशन के स्वागतमंत्री '६२, मंत्री : आसनसोल नगर कल्याण-समिति, भारत-सेवक-समाज (बाजारयूनिट) आदि तथा सद० कार्यकारिणी समिति जुहारमल जालान हा० सेकें० स्कूल, आसनसोल ; प्र० '४१ में ; प्रका स्फुट ; अप्र० दो कहानी-संग्रह ; प० पक्काबाजार, आसनसोल।

शिवदत्त शास्त्री—ज० १८८९ ; शि० शास्त्री ; प्रका० यजुर्वेदिनीम् आह्निक कर्मसूत्रावलि (संपा०), शार्ङ्गधर - संहिता - टीका, प्रयोगशती (आयुर्वेद ग्रंथ), मयूरशतक का भाषांतर (उपोद्घातसहित), नवरत्नमाला एवं श्यामला दण्डक भाषांतर ; वि० स्टेट नरेशों से अर्थ और मान प्राप्ति, जगद्गुरु शंकराचार्य 'ज्योतिष्पीठ' द्वारा दो अवसरों पर क्रमशः 'वाङ्मयालंकार' तथा 'व्याख्यानभास्कर' उपाधियाँ प्राप्त, भारतीय दर्शन एवं स्वर-विज्ञान में रुचि ; प० संस्कृत वाङ्मय-प्रसारण केंद्र, संभल, जिला मुरादाबाद।

शिवरतन तैलंग—ज० २९ सितंबर, '२५, औरंगाबाद ; शि० विशारद, हिंदीराष्ट्रभाषारत्न ; ज्ञा० तेलगु तथा हिंदी ; प्र० '५२ में ; प्रका० धरती की पूजा, कीर्ति के फूल (नाट०), पाँच राष्ट्रीय एकांकी, सूरजमुखी के

फूल (कहा०), कसम (म०प्र० सरकार द्वारा पुरस्कृत) ; प० पंचायत एवं समाजसेवा संचालनालय, इंदौर।

शिवसिंह, 'सरोज'—सा० कई पत्रों के संपा० विभाग में कार्य किया; प्रका० रोली (कवि०), आनंदभवन, लाल किले से आदि कई काव्य; अप्र०सात आठ पुस्तकें एवं संग्रह ; वि० अनेक बार पुरस्कृत; प० दैनिक 'नवजीवन'-कार्यालय, कैसरबाग, लखनऊ।

श्यामसुंदर, 'श्यामू संन्यासी'—जा० मराठी, गुजराती, उर्दू एवं अँग्रेजी; सा० भूत० संपा० 'आपबीती' और 'मजदूर', 'हंस' और 'कहानी' के संपा० में योग, रियासती जन-आंदोलन के संबंध में तीन वर्ष कारावास; प्रका० कोयले. ईंट-रोड़े, मजदूर, नये नाटक, नये मोती, यह समय आराम का नहीं, चित्रलेखा, यशोधरा, काँटामारा, रूसी लोककथाएँ, शहादत, स्नेहपट्टा, कँटीले तार आदि; अप्र० सात-आठ पुस्तकें एवं संग्रह; प० द्वारा राजकमल प्रकाशन, लिंक हाउस, नई दिल्ली।

श्रीमोहनशरण मिश्र—ज० १ जनवरी '१५ ; शि० '३२ में शास्त्री, '३९ मे साहित्यशास्त्री तथा व्याकरणाचार्य, '३८ में पालितीर्थ, '४५ मे बी० ए०, सा० '२८ में साइमन कमीशन के बहिष्कार में एवं '३०-'३१ मे नमक-सत्याग्रह मे भाग लिया, '३३-'३४ मे सार्वजनिक चंद्रशेखर संस्कृत विद्यालय में अवै० प्रधानाध्यापक रहे, '४०-'४९ तक गया हाईस्कूल मे महापंडित, '३३-'६२ तक अनेक पुस्तकालयों के सदस्य, '४४-'५२ तक सद० जिला-शिक्षक-संघ गया, प्रा० शि० संघ एवं प्रा० हि० सा० सम्मेलन; संपा० 'कमलेश-विकास' पटना '५५ ; प्रका० स्फुट ; अप्र० कबीर का भाव-वैभव, वैदिक-वाङ्मय ; वर्त० '४० से चिकित्सक एवं सहायक शिक्षक निर्भयनरेंद्र हाईस्कूल, निरंजनपुर (गया) ; प० श्रीकमलेश-औषधालय, सकरीखुर्द, पो० सकरी, गया।

संपूर्णदत्त मिश्र—(पृ० ४३७) संशोधित परिचय : शि० एम० ए० (संस्कृत तथा अँग्रेजी) ; प्रका० दो मौलिक संस्कृत काव्य 'ऋतूल्लास : (उ० प्र० सरकार द्वारा पुरस्कृत '५९), सूक्तिपंचामृतम् एवं स्फुट हिंदी रचनाएँ ; प० उल्लास-श्रीभवनम्, गोपालगढ, भरतपुर (राज०)।

संपूर्णानंद, माननीय—(पृ० ४३७-३८) पाँचवीं पंक्ति मे ''२२' को ''२२-'४६ पढ़ें।

स० त्रिगुणायत, श्रीमती, डा०—ज० '२०, बिजनौर ; शि० एम० ए०, पी-एच० डी० '५८ ; प्रका० मध्ययुगीन हिंदी साहित्य पर बौद्धधर्म का

प्रभाव (शोधग्रंथ) ; अप्र० दो आलो० लेख-संग्रह ; वर्त० प्रोफेसर, गोकुलदास गर्ल्स डिग्री कालेज, मुरादाबाद ; प० भारती-भवन, सिविल लाइंस, मुरादाबाद ।

सावित्री जायसवाल, श्रीमती—(पृ० ४५३) तीसरी पंक्ति में 'नारायण काटेज' के स्थान पर 'सावित्री-निकुंज' पढ़े ।

सुखनिधानसिंह चौहान—(पृ० ४५९) चौथी पंक्ति में 'वकील' के स्थान पर 'ऐडवोकेट' पढ़ें ।

सुनीति कुमार चाटुर्ज्या, डा०, 'पद्मविभूषण'—ज० २६ नवंबर, सीवपुर, हावड़ा, प० बंगाल ; शि० इंट्रेंस परीक्षा १९०७, इंटर (कला) १९०९, स्काटिश चर्च कालेज; बी०ए० आनर्स (प्रथम) '११, प्रेसीडेंसी कालेज; एम ए० अँगरेजी-भाषाविज्ञान ग्रुप (प्रथम) '१३ , सा० सहायक अँगरेजी प्रोफेसर कलकत्ता वि० वि० '१४ - '५२, प० बंगाल सरकार के संस्कृत बोर्ड से वेद में इंटर परीक्षा उत्तीर्ण की, कलकत्ता वि०वि० द्वारा भाषाविज्ञान-संबंधी कार्य के लिए अनेक बार पुरस्कृत, संस्कृत के वैज्ञानिक अध्ययन के लिए भारत सरकार से छात्रवृत्ति प्राप्त '१९, २ वर्ष योरप और २ वर्ष लंदन में रहे जहाँ विभिन्न भाषाओं तथा भाषाविज्ञान का अध्ययन किया, ध्वनिविज्ञान में डिप्लोमा तथा डी० लिट० की उपाधि लंदन वि-वि० द्वारा प्राप्त (विषय : बंगली भाषा की उत्पत्ति एवं विकास), भारत सरकार तथा वि वि० के प्रतिनिधि के रूप में 'अन्तर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक काँग्रेस' में भाग लेने के लिए पेन्सिलवानिया वि०वि० (फिलाडेल्फिया) गये, सम्मानित सद० 'फारेन साइंटिफिक ऐंड रिसर्च इंस्टीट्यूट', 'भंडारकर ओरियंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट' पूना, नागरी प्रचारिणी सभा वाराणसी, सादूल इंस्टीट्यूट बीकानेर, 'सोसाइटे एशियाटिक' पेरिस, 'लिंग्विस्टिक सोसाइटी आफ अमेरिका', 'श्याम सोसाइटी आफ बैंकाक', 'दि फ्रेंच स्कूल फार दी फार ईस्ट', 'नार्वेजीयन एकेडमी आफ साइंसेज' ; प्र० '३८ में ; प्रका० भारत की भाषाएँ और भाषा-समस्याएँ, ऋतंभरा, भारतीय आर्यभाषा और हिंदी, राजस्थानी भाषा, भारत में आर्य और अनार्य आदि , वि० हिंदी सा० सम्मे० द्वारा 'राजस्थानी भाषा' पर 'रत्नाकर पुरस्कार' तथा 'साहित्य-वाचस्पति' की उपाधि प्राप्त तथा भारत सरकार से 'पद्मभूषण' तथा 'पद्म-विभूषण' उपाधियाँ प्राप्त ; वर्त० गत ग्यारह वर्षों से अध्यक्ष, विधान परिषद, प० बंगाल , प० सुधर्म, १६ हिंदुस्तान पार्क कलकत्ता २९ ।

सुरेंद्र माथुर, डा०—ज० २३ फरवरी, '३५ ; शि० एम० ए० (प्रथम) '५७, पी-एच० डी० '६०, शास्त्री '६० लखनऊ वि० वि० ; मा० '५९ से सेंट ऐंड्रूज कालेज गोरखपुर में हिंदी-प्राध्यापक ; प्र० '६० में ; प्रका० प्रसाद और ध्रुवस्वामिनी '६०, यात्रा-साहित्य का उद्भव और विकास (शोधग्रंथ) '६२ , अप्र० आधुनिक काव्य-अनुशीलन (गंग्रन्थ), कविवर तोष और उनका कृतित्व ; प० प्राध्यापक, हिंदी विभाग, सेंट ऐंड्रूज कालेज, गोरखपुर ।

सुरेशचंद्र सेठ—(पृ० ४५७) प्रथम पंक्ति में ''११ जुलाई '२८' के आगे 'बुलन्दशहर' और तीसरी में 'अध्यापक-संघ' के आगे ''६०' बढ़ा लें ; चौथी में 'स्फुट' के स्थान पर 'जय हनुमान : एक अध्ययन', चुने निबंध' पढ़ें ।

हरिप्रसाद तिवारी—(पृ० ४८०) दूसरी पंक्ति में 'परामर्शदाता' के आगे 'केंद्रीय एवं बिहार सरकार की शिक्षा-संबंधी प्रश्नावली के चुने हुए उत्तरदाताओं में एक' एवं तीसरी पंक्ति में 'स्वप्नसंभव' के आगे 'श्रीसीतारामदास ओंकारनाथ के धार्मिक ग्रन्थ 'श्री महामंत्र संकीर्तन वाणीमाला' तथा 'तू और मैं', और इसी के आगे 'वि० शिक्षाशास्त्र एवं साहित्य में रुचि' बढ़ा लें, तीसरी तथा चौथी पंक्तियों में 'संताल' के स्थान पर 'संथाल' पढ़ें ।

हरिशंकर शर्मा, डा०—(पृ० १२०) चौथी पंक्ति में 'आदि' के आगे ''संपा० काल २१ वर्ष' और ''४७' के आगे ''४८' बढ़ा लें, पाँचवी में ''४२' को ''४३' पढ़ें तथा इसी के आगे 'हैदराबाद, कलकत्ता, लाहौर, बम्बई, कानपुर, रुड़की, प्रयाग, दानापुर, दिल्ली आदि स्थानों के विराट कवि-सम्मेलनों में भाग लिया तथा कई के अध्यक्ष भी रहे ; आगरा नागरी प्रचारिणी सभा के अध्यक्ष रहे तथा '२३ से पूर्ण सहयोग दिया' बढ़ा लें ; छठी में 'प्रका०' के पूर्व 'प्र० १९०८ में' बढ़ा लें, आठवीं में 'आदि स्रोत' के आगे 'राम-राज्य, महर्षि-महिमा (कवि०), विदुषी विद्यावती (उप०) '२३, छंद-विज्ञान की व्यापकता '५९, उर्दू शब्दों का हिंदी में कोश' बढ़ा लें ; ग्यारहवीं में 'देव-पुरस्कार' के आगे ''४७' बढ़ा लें, दसवीं में 'पचास पुस्तकें' को 'अठहत्तर पुस्तकें' पढ़ें, बारहवीं में 'विक्रम' को 'विक्रम-विजय' पढ़ें, तेरहवीं में 'सम्मानार्थ प्राप्त' के पश्चात् 'अनेक सभा-संस्थाओं द्वारा 'कविराज', 'विद्यावाचस्पति', 'काव्यभूषण' आदि उपाधियाँ प्राप्त' बढ़ा लें ।

हरिश्चंद्र अग्रवाल—(पृ० ४८३) छठी पंक्ति में 'विज्ञान-स्तंभ' के स्थान पर "विज्ञान जगत' स्तंभ' और '२८।१७६' ग' के स्थान पर '२६।१८०' कर ले।

हरिहरनाथ टंडन, डा०—शि० एम० ए०, पी-एच० डी० आगरा वि वि , प्रका वार्ता-साहित्य (शोधग्रंथ), पद्मावती समय (संपा०) आदि ; प अध्यक्ष हिंदी-विभाग, सेंट जास कालेज, आगरा।

हीरालाल गुप्त, 'मधुकर'—(पृ० ५७१) पाँचवी पंक्ति से 'तीन-चार पुस्तकें निकाल दें।

हीरालाल वर्मा, रायसाहब—ज० २६ सितंबर १८८२ ; शि० बी०ए० १६०३, जा उर्दू तथा अँग्रेजी ; सा० अवकाशप्राप्त कलेक्टर '३६, भूत० मद० इम्पीरियल असेम्बली, दिल्ली '३७, भूत०मंत्री सरगुजा राज्य, जयपुर '३७ से '४१ तक, भूत० सीनियर आफिसर, सीकर राज्य, जयपुर (छह माह तक), भूत० प्रधानसचिव पूर्वीराज्य संघ, रायगढ ; प्रका० सब ग्रंथन को रस '४८, रामचरितमानस में वेदांत-दर्शन '४६, 'मानस' में विज्ञान '५०, गुरुवर श्रीराम '५१, गीता का मोक्ष मार्ग '५२; यंत्रस्थ : श्रीमद्भागवत की अमृतवाणी ; वि० कई ग्रंथ मराठी और अँगरेजी में भी लिखे हैं ; प एम० बी० ई०, अवकाशप्राप्त कलेक्टर, निर्मल-निकेत, धनतोली, नागपुर।

नामानुक्रमणिका

अ (६३ परिचय)

आ (३२ परिचय)

इ (१५ परिचय)

ई (५ परिचय)

उ (३७ परिचय)

ऋ (५ परिचय)

ए (२४ परिचय)

ओ (२६ परिचय)

क (२१३ परिचय)

ख (१ परिचय)

ग (१३० परिचय)

घ (५ परिचय)

च (७२ परिचय)

छ (१२ परिचय)

ज (१२८ परिचय)

झ (३ परिचय)

ट (३ परिचय)

ठ (५ परिचय)

ड (२ परिचय)

त (३८ परिचय)

द (१०८ परिचय)

ध (२३ परिचय)

न (८६ परिचय)

प (१३४ परिचय)

फ (८ परिचय)

ब (६५ परिचय)

भ (८७ परिचय)

म (१८६ परिचय)

य (२१ परिचय)

र (३७६ परिचय)

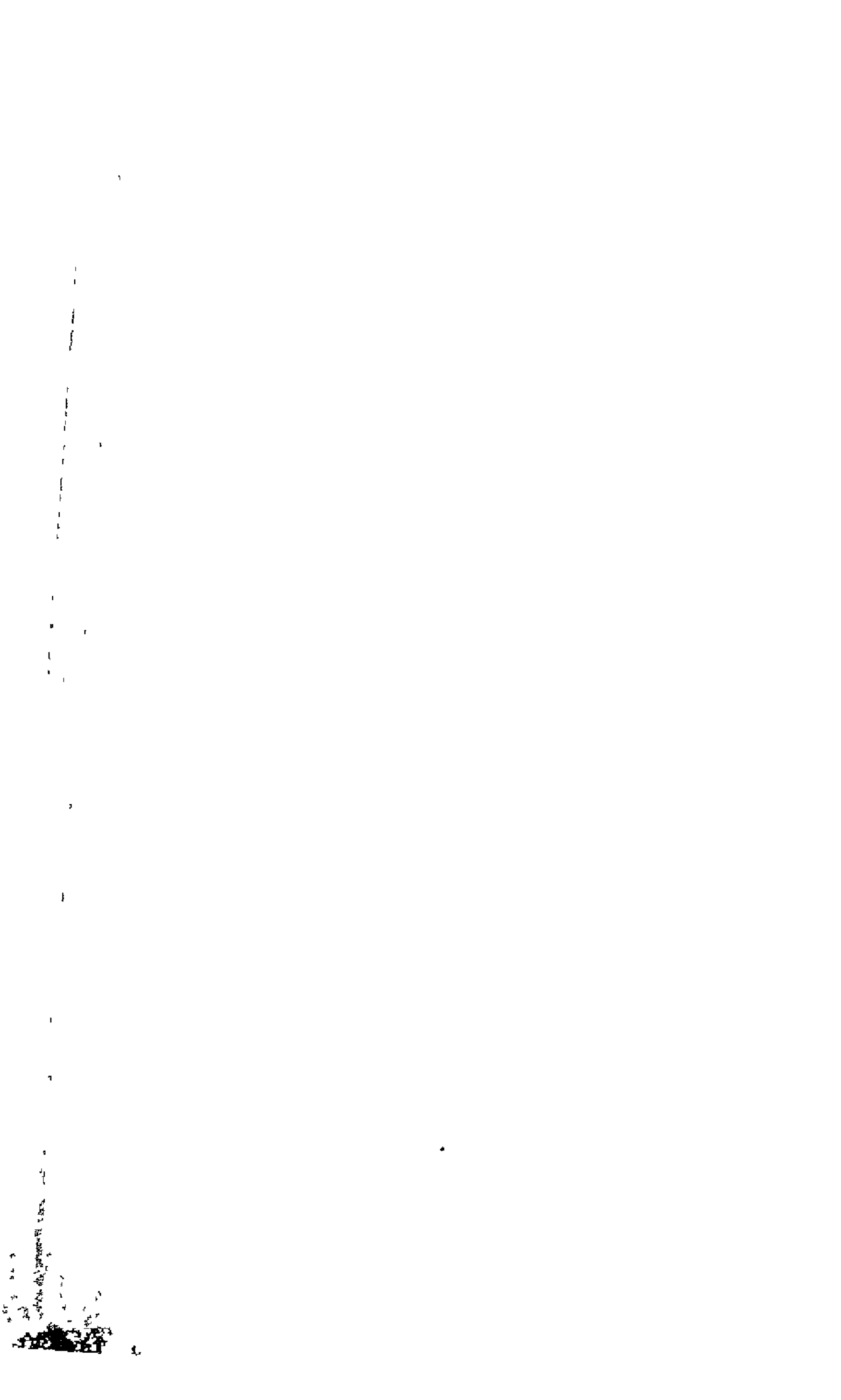
ल (५६ परिचय)

व (१८३ परिचय)

श (२३५ परिचय)

स (१६६ परिचय)

ह (६३ परिचय)



किताबघर, ग्वालियर के कुछ महत्वपूर्ण प्रकाशन

१. कतिपय प्रमुख राजनीतिक विचारक—विक्रम-विश्वविद्यालय तथा सागर विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमानुसार। लेखक. प्रो० द्वारिकाप्रसाद श्रीवास्तव एम० ए०। पृष्ठ संख्या ४१८, डिमाई साइज, सजिल्द, मूल्य ८.५० न० पै०।

२. सामान्य विज्ञान (गणित खंड सहित)—मध्य प्रदेश की माध्यमिक कक्षाओं के लिए। लेखक: प्रो. वीरेन्द्र भटनागर, एम. एस-सी.। डिमाई साइज, सजिल्द, संशोधित संस्करण (प्रेस में)।

३. भारतीय संस्कृति की रूपरेखा—सचित्र: संशोधित एवं परिवर्द्धित संस्करण। आगरा विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत। लेखक: डा. गुलाबराय। पृष्ठ संख्या २३४, साइज क्राउन, सजिल्द, मूल्य ४.००।

४. गौतम नन्द— ऐतिहासिक नाटक) नवम संस्करण। यू० पी० तथा मध्यप्रदेश द्वारा स्वीकृत। लेखक: श्री जगन्नाथ प्रसाद मिलिन्द। पृष्ठ संख्या १३६, साइज क्राउन। मूल्य १.५० न. पै.।

५. भूमि की अनुभूति—(कविता संग्रह) द्वितीय संस्करण। मध्य भारत-कला-परिषद द्वारा पुरस्कृत। रचयिता: श्री जगन्नाथ प्रसाद मिलिन्द। पृष्ठ संख्या १२४, साइज डिमाई, सजिल्द, ४.०० रु०।

६. मधुरिमा—(कविता संग्रह) लेखक: डा. महेन्द्र भटनागर। पृष्ठ संख्या ९६, साइज डिमाई, सजिल्द, मूल्य ३.००।

७. काव्यांग-निरूपण—(काव्य के विविध अंगों का सरल और रोचक वर्णन) विक्रम विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत। लेखक: श्री राकेश एम. ए., साहित्यरत्न। पृष्ठ संख्या १४०, साइज क्राउन, मूल्य १.२५ न. पै.।

८. आत्म-निर्माण (चरित्र गठन संबंधी पुस्तक) पृष्ठ संख्या १३६, साइज क्राउन, मूल्य १.५० न. पै.।

९. विकृत रेखाएँ (एक मौलिक मनोवैज्ञानिक उपन्यास) सजिल्द, लेखक: डा. कोमलसिंह सोलंकी, पृष्ठ संख्या २३६, साइज क्राउन, मू० ४.००।

१० चार आँखें—(हास्य रस की १५ सचित्र अभूतपूर्व कहानियों का अनूठा संकलन) लेखक: श्री आनन्दप्रकाश जैन। पृष्ठ संख्या १८४, साइज डिमाई, सजिल्द, मूल्य रु० ५.००।

११. उनका पथ हमारे चरण—राष्ट्र की नई पीढ़ी किशोरों और तरुणों के विमल मानस के स्वस्थ-आदर्श निर्माण के लिए स्फूर्तिदायक। लेखक: श्री फूलचन्द जैन सारंग, एम. ए., साहित्यरत्न, पृ० संख्या १६१, साइज क्राउन, मू० २.५० न. पै.।

१२. मृगनयनी में कला और कृतित्व—(संशोधित संस्करण) लेखक: डा. सत्येन्द्र, पृष्ठ संख्या १३६- साइज क्राउन, मूल्य २.५० न पै

अशोक प्रकाशन, दिल्ली के उपयोगी ग्रन्थ

थीसिस (शोधप्रबन्ध)

१—मुक्तक काव्य परम्परा और बिहारी (डा० रामसागर त्रिपाठी)
(२१०० रु० का प्रथम डालमियाँ पुरस्कार प्राप्त)
१—बँगला पर हिंदी का प्रभाव (डा० ब्रह्मानन्द)

सटीक काव्य

३—कबीर ग्रन्थावली सटीक (प्रो० पुष्पपालसिंह)
(कबीर के काव्य की आलोचना तथा साखियाँ, पदावली एवं रमैनी की मूल सहित प्रामाणिक व्याख्या)
४—मीराबाई और उनकी पदावली सटीक (प्रो० देशराजसिंह भाटी)
५—विद्यापति और उनकी पदावली सटीक (प्रो० कृष्णदेव शर्मा)
६—जायसी ग्रन्थावली सटीक (डा० श्रीनिवास शर्मा)
७—बिहारी सतसई सटीक (प्रो० विराज एम. ए)
८—कबीर साखी समीक्षा (प्रो० पुष्पपाल सिंह)

टीकाएँ

६—दिनकर और उनका कुरुक्षेत्र (देशराजसिंह भाटी)
१०—दिनकर और उनकी उर्वशी (देशराजसिंह भाटी)
११—पंत और उनका रश्मिबंध (देशराजसिंह भाटी)
१२—रत्नाकर और उनका उद्धवशतक (देशराजसिंह भाटी)
१३—साकेत की टीका (प्रो० ब्रजभूषण शर्मा)
१४—भ्रमरगीतसार समीक्षा एवं व्याख्या (प्रो० पुष्पपालसिंह)
१५—निराला और उनकी अपरा (देशराजसिंह)

निबन्ध

१६—साहित्यिक निबन्ध (डा० गणपतिचन्द्र गुप्त)
(७५ मौलिक साहित्यिक निबन्धों का संग्रह, द्वितीय परिवर्धित संस्करण, पृष्ठ ६४०, डिमाई, सजिल्द, एम. ए. स्तर।)
१७—अशोक निबन्ध सागर (विजयकुमार एम. ए.)
(उच्चकोटि के १२८ साहित्यिक, सामाजिक एवं सामयिक निबंध, चतुर्थ संस्करण, पृ० ६२४, बी. ए. स्तर।)
१८—अशोक निबन्ध माला (प्रो० शिवप्रसाद शास्त्री)
(११६ विविध प्रकार के निबंध, मैट्रिक व इंटर स्तर।)
१९—निबन्ध सौरभ (प्रो० कृष्णानन्द) (मिडिल स्तर)
२०—विचार-बिन्दु (प्रो० नरेन्द्र एम. ए.)

साहित्यिक

२१—बिहारी मीमांसा (डा० रामसागर त्रिपाठी) १०.००
२२—भारतीय मुक्तक परम्परा (डा० रामसागर) ७.५०
२३—हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ (प्रो० शिवकुमार एम.ए. हिंदी व संस्कृत) ८.००
२४—हिंदी साहित्य : समस्याएँ और समाधान (डा गणपतिचंद्र गुप्त) ५.००
२५—जायसी का पदमावत : काव्य और दर्शन (डा० गोविन्द त्रिगुणायत, डी.लिट०) १५.००

आलोचनात्मक

२६—मीरा की काव्य-कला (देशराजसिंह भाटी) २.५०
२७—हिंदीसाहित्य का नूतन इतिहास (आचार्य बटुक) ३.५०
२८—प्रमुख कवियों की काव्य-साधना (प्रो. देशराजसिंह भाटी) ३.५०
२९—चिन्तामणि-विवेचन (प्रो० कृष्णलाल एम. ए.) २.५०
३०—गोदान समीक्षा (डा० रामगोपाल शर्मा) २.५०
३१—गबन समीक्षा (श्रीरमेशचन्द्र एम. ए.) २.५०
३२—कवि प्रसाद (प्रो० भारत भूषण 'सरोज') २.५०
३३—हिंदी साहित्य का इतिहास (डा० राजेश्वर प्रसाद) २.५०
३४—महादेवी वर्मा (प्रो० देशराजसिंह भाटी) २.५०
३५—मैथिलीशरण गुप्त (विनयकुमार) २.५०
३६—वृन्दावनलाल वर्मा (आचार्य बटुक) २.५०
३७—चन्द्रगुप्त समीक्षा (कृष्णदेव) २.५०
३८—साकेत समीक्षा (प्रो० ब्रजभूषण) २.५०
३९—कामायनी समीक्षा (आचार्य कुसुम) २.५०
४०—प्रियप्रवास समीक्षा (प्रो० कृष्णकुमार) २.००
४१—रसछंद अलंकार (आचार्य कुसुम) १.५०
४२—अशोक के फूल : एक विवेचन (प्रो० कृष्णकुमार) १.५०
४३—पाश्चात्य काव्य-समीक्षा (प्रो० ब्रजभूषण शर्मा) ३.००
४४—भाषा-विज्ञान-समीक्षा (प्रो० शिवशंकर एम. ए.) २.५०
४५—साहित्यिक वाद (भारतभूषण सरोज) २.५०
४६—कविपरिचय (प्रो० विराज एम. ए.) १.५०
४७—छन्द चार्ट (विजयकुमार एम. ए.) ०.४०
४८—अलंकार चार्ट (विजयकुमार एम. ए.) ०.४०
४९—समीक्षा चार्ट (कृष्णदेव शर्मा एम. ए) ०.४०
५०—अशोक लोकोक्तियाँ और मुहावरे (अमोल शुक्ल) १.५०
५१—शब्द रचना प्रदीप (शिवप्रसाद शास्त्री) १.५०
५२—अशोक पत्र लेखन (प्रो० शिवप्रसाद शास्त्री) २.५०
५३—अशोक वैद्य विशारद गाइड 'प्रथम भाग' (ज्ञानेन्द्र पाण्डेय) ६.००
५४—अशोक वैद्य विशारद गाइड द्वितीय भाग ,, ८.००

अशोक प्रकाशन, नई सड़क, दिल्ली ६

हिंदी में पूर्णतः वैज्ञानिक

स्वस्थ्य जीवनोपयोगी एवं सेक्स साहि

इसके लेखक हैं—डा० सुरेन्द्र नाथ गुप्ता एम. बी. बी. एस, ए
पी. एम. एस. जो आजकल लखनऊ के बलरामपुर अस्पताल के
मेडिकल सुपरिटेंडेंट हैं।

(१) विवाहित जीवन में यौन संप्रयोग (चौथा संस्करण)
(२) सयानी कन्याओं से (बिलकुल नवीन प्रकाशन)
(३) यौन मनोविकार : कारण और निवारण (दूसरा संस्करण
(४) नारी की यौन समस्याएँ ,, ,, ,,
(५) आपके बच्चे की खूराक ,, ,,
(६) राजा बेटा कैसे बनाएँ (लेखिका—पुष्पा सुरेंद्रनाथ)
(७) सुंदर दाँत और उनकी देख रेख
(८) गर्भवती स्त्री और प्रसव-पूर्व व्यवस्था
(९) विटामिन हीनता जनित रोग (दूसरा संस्करण)
(१०) भोजन : क्या, कब और कैसे ,,
(११) संततिनिरोध ,, ,, (तीसरा संस्करण)

देखिए, आचार्य नरेंद्रदेव क्या कह गए हैं—

"उपर्युक्त सूची में से दो-एक पुस्तकें मैंने पढ़ी हैं। अच्छी हैं
स्तुत्य है। सार्वजनिक शिक्षा के लिए इनकी उपयोगिता है।"

सुविधा—कोई भी दो पुस्तकों का मूल्य मनीआर्डर से भे
दीजिए। सारा डाकव्यय हम देंगे।

प्राप्तिस्थान

हिंदी-साहित्य-भंडार, अमीनाबाद, लखनऊ।

डा० प्रेमनारायण टंडन के प्रमुख ग्रंथ

मौलिक

सूर की भाषा (शोधप्रबंध)	२०)
हिंदी साहित्य : कुछ विचार	७॥)
सूर-साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन	७॥)
भाषा-अध्ययन के आधार	७॥)
सूर-सारावली : एक अप्रामाणिक रचना	१२॥)
व्रजभाषा व्याकरण की रूपरेखा	६)
द्विवेदी-मीमांसा	२॥)
प्रेमचंद और ग्राम-समस्या	१॥)
प्रेरणा (एकांकी संग्रह)	२॥)
संकल्प (एकांकी संग्रह)	२॥)
कर्मपथ (एकांकी संग्रह)	२॥)
अजातशत्रु (एकांकी संग्रह)	२॥)
दिवास्वप्न (एकांकी संग्रह)	२॥)
कृष्ण जन्म (नाटक)	२॥)
निराला : एक झलक (नाटक)	२॥)
हीरे की बात (गद्यकाव्य)	२॥)
सप्त स्वर (सात विधाओं का संग्रह)	५)
साधना-पथ (कविता)	१॥)
प्रेमचंद और ग्राम समस्या	१॥)
हमारे गद्य-निर्माता	२॥)
हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास	४)
बीसवीं शताब्दी के पूर्व हिंदी गद्य	५)
गोदान : एक अध्ययन	२॥)
चंद्रगुप्त : एक अध्ययन	२॥)
स्कंदगुप्त : एक अध्ययन	३॥)
अजातशत्रु : एक अध्ययन	२॥)
रसिकशतक (रसिकबिहारीलाल के दोहे)	२॥)

संपादित

- व्रजभाषा सूरकोश (दो भाग)
- हिंदी साहित्यकार कोश (हिंदी
- मैत्री-संसार : प्रथम खंड)
- संक्षिप्त सूरसागर
- पुण्य स्मृतियाँ
- साहित्यिकों के संस्मरण
- प्रेमचंद : कृतियाँ और कला
- गोपी-विरह : भँवरगीत (सूरदास
- भँवरगीत (नंददास)
- सुदामाचरित (नरोत्तमदास)
- साहित्यिक शब्दावली
- साहित्यिक पारिभाषिक शब्दावलं
- पद्मावती समय (रासो)
- प्रताप-समीक्षा
- साकेत-समीक्षा
- कामायनी-मीमांसा
- हिंदी के दो वाद
- सूर-रामायण
- सूर विनय-पदावली
- पांडेय-स्मृति-ग्रंथ
- प्राचीन हिंदी कवियों की काव्यक
- रासपंचाध्यायी (नंददास)
- अनूप शर्मा : व्यक्तित्व-कृतित्व
- आधुनिक हिंदी कवियों की काव्यकला
- निराला : व्यक्तित्व और कृतित
- सूर-सुधा
- सूर-सारावली
- सूर-बालकृष्ण

पता हिंदी-साहित्य भंडार, अमीनाबाद, लखनऊ

भारतीय ज्ञानपीठ

[स्थापित सन् १९५४ ई०]

सांस्कृतिक जागरण, साहित्यिक विकास उन्नयन,
और राष्ट्रीय ऐक्य एवं राष्ट्र-प्रतिष्ठा की साधिका
तथा
भारतीय भाषाओं में से सर्वश्रेष्ठ सर्जनात्मक
साहित्यिक कृति पर
प्रतिवर्ष एक लाख रुपये पुरस्कार-योजना की
प्रवर्तिनी विशिष्ट संस्था

जिसका उद्देश्य है :

ज्ञान की विलुप्त, अनुपलब्ध और अप्रकाशित
सामग्री का अनुसन्धान एवं
लोक-हितकारी
मौलिक साहित्य का निर्माण ।

★

प्रधान एवं सम्पादकीय कार्यालय :
भारतीय ज्ञानपीठ, ९ अलीपुर पार्क प्लेस, कलकत्ता २७

विक्रय एवं विज्ञापन कार्यालय :
भारतीय ज्ञानपीठ, ३६२०/२१ नेताजी सुभाष मार्ग, दिल्ली ६

भारतीय ज्ञानपीठ, दुर्गाकुण्ड रोड, वाराणसी ५

★

हिंदी साहित्य भंडार, अमीनाबाद, लखनऊ के प्रकाशन

कोश-ग्रंथ

साहित्यिक शब्दावली

(Glossary of Literary words)

(संपादक—डा० प्रेमनारायण टंडन पी-एच० डी०)

इस अंग्रेजी-हिन्दी शब्दावली में लगभग बीस हजार ऐसे विशिष्ट शब्दार्थ हैं जिनका प्रयोग व्याकरण, भाषा विज्ञान, मनोविज्ञान, दर्शन, संस्कृति, राजनीति, भूगोल धर्म, समाजशास्त्र, और ललित कला आदि में आवश्यक होता है। डबल क्राउन साइज। मूल्य १०)

साहित्यिक पारिभाषिक शब्दावली

(Glossary of Literary Terms)

यह भी अंग्रेजी-हिंदी में है और इसमें पारिभाषिक शब्दों की अधिकता है। क्राउन साइज। मूल्य—३)५०.

थीसिस-शोध ग्रंथ

हिंदी काव्य में मानव और प्रकृति

(लेखक—डा० ललिताप्रसाद सक्सेना पी-एच० डी०)

प्रस्तुत शोधपूर्ण प्रबंध लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा पी-एच० डी० के लिए स्वीकृत है। विद्वान लेखक ने अनेक वर्षों के अथक परिश्रम के उपरांत यह शोध ग्रंथ प्रस्तुत किया है। आप इसकी विस्तृत विषय-सूची से ही इसकी महानता आँक सकते हैं—(१) मानव तथा प्रकृति-विषयक विभिन्न दृष्टिकोण (२) मानव तथा प्रकृति के विभिन्न संबंध (३) मानवीय रूप तथा प्रकृति, (४) मानवीय भाव तथा प्रकृति (५) मानवीय गुण तथा प्रकृति (६) मानवीय अवगुण तथा प्रकृति (८) मानव-व्यापार तथा प्रकृति (९) मानवीय उपदेश तथा प्रकृति (१०) रहस्यवादी भावना तथा मानव और प्रकृति। रायल साइज, बढ़िया प्लास्टिक जिल्द। मूल्य १६)

अष्टछाप काव्य का सांस्कृतिक मूल्यांकन

(लेखिका—डा० मायारानी टंडन पी-एच० डी०)

हिंदी साहित्य में अष्टछाप काव्य का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है प्रस्तुत प्रबंध में विषय प्रवेश और मूल्यांकन के अतिरिक्त सांस्कृतिक अध्ययन के नौ पक्षों प्राकृतिक

सामान्य, पारिवारिक, सामाजिक, व्यावसायिक, राजनैतिक, धार्मिक, दार्शनिक, जीवन चित्रण एवं साहित्य कला एवं विज्ञान संबंधी विचार प्रस्तुत किए गए है। इस शोध ग्रंथ पर भी लखनऊ विश्वविद्यालय से डाक्टरेट मिली है तथा उ० प्र० सरकार द्वारा पुरस्कृत है। रायल साइज। मूल्य २७)

अष्टछाप काव्य का सांस्कृतिक मूल्यांकन (संक्षिप्त)

इस संक्षिप्त संस्करण मे बड़े ग्रंथ मे दिए गए उद्धरण तथा फुटनोटों को हटा दिया गया है ताकि यह विद्यार्थियो के लिए उपयोगी प्रमाणित हो सके। दाम भी बहुत कम कर दिए है। डिमाई साइज। मूल्य ८)

हिंदी उपन्यास में कथा-शिल्प का विकास

(लेखक — डा० प्रतापनारायण टंडन पी-एच डी०)

हिंदी उपन्यास साहित्य के इतिहास के कालगत शिल्प रूपो और प्रयोगो की दृष्टि से यह सर्वप्रथम वैज्ञानिक अध्ययन है। यह शोध प्रबंध आठ अध्यायो मे विभाजित है—(१) उपन्यास का साहित्य मे स्थान—परिभाषा, स्वरूप और महत्व, (२) उपन्यास के मूल तत्व : उनमें कथानक की प्रधानता तथा विशिष्टता (३) हिंदी उपन्यास के प्रेरणा-स्रोत तथा कथा-शिल्प के आदि रूप; (४) हिंदी उपन्यास का उद्भव और प्रारंभिक विकास तथा उसमे कथा-शिल्प का स्वरूप (५) कथा-विकास की विविध पद्धतियां (६) रचना-उद्देश्य के अनुरूप कथा का संगठन (७) कथा-शिल्प के अभिनव प्रयोग और ज्योतिस्तंभ (८) उपसंहार। द्वितीय परिवर्धित संस्करण प्रेस में है। उ० प्र० सरकार द्वारा पुरस्कृत। मूल्य १५)

सूर की भाषा

(लेखक — डा० प्रेमनारायण टंडन पी०-एच डी०)

पी-एच० डी० की उपाधि के लिए स्वीकृत प्रस्तुत प्रबंध मे निम्नलिखित विषयों की विवेचना है—(१) ब्रजभाषा और सूर की भाषा के अध्ययन का इतिहास (२) ब्रजभाषा—उसका विकास और सूर का भाषा ज्ञान (३) सूर की भाषा का वैज्ञानिक अध्ययन (४) सूर की भाषा का व्याकरणिक अध्ययन (५) सूर की भाषा का व्यावहारिक और शास्त्रीय अध्ययन (६) सांस्कृतिक दृष्टि से सूर की भाषा का महत्व (७) उपसंहार—समकालीन और परवर्ती ब्रजभाषा कवियो से सूर की भाषा की तुलना एवं अध्ययन का साराश। (८) परिशिष्ट (१) सूर काव्य में प्रयुक्त शब्दो की संख्या (२) सूर साहित्य और उसकी संपादन-समस्या (३) नामानुक्रमणिका। रायल साइज। उ० प्र० सरकार द्वारा पुरस्कृत। मूल्य २०)

हिंदी साहित्य भंडार, अमीनाबाद, लखनऊ द्वारा प्रकाशित

अन्य महत्वपूर्ण आलोचना ग्रंथ

महाकवि निराला : व्यक्तित्व और कृतित्व

इसमें महाकवि निराला संबंधी ४१ लेखों और १ संपूर्ण नाटक का महत्व-पूर्ण संग्रह है। कुछ प्रसिद्ध लेखकों के नाम इस प्रकार हैं—डा० [illegible] मिश्र, आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, आचार्य शिवपूजन सहाय, डा० शिवगोपाल मिश्र, डा० विश्वम्भरनाथ उपाध्याय, डा० देवकीनंदन श्रीवास्तव, डा० भोलानाथ, डा० सरला शुक्ल, डा० शिवनाथ, डा० भगीरथ मिश्र, डा० विद्या मिश्र, डा० अंबा प्रसाद सुमन, डा० विजयेन्द्र स्नातक, डा० सुरेशचन्द्र गुप्त, डा० किशोरीलाल गुप्त, डा० पुत्तूलाल शुक्ल, डा० मायारानी टंडन एवं डा० प्रेमनारायण टंडन। आदि डिमाई साइज। मूल्य १०)

हिंदी-साहित्य-विवेचन

(लेखक—श्री योगेंद्रनाथ शर्मा 'मधुप')

इसमें उच्च कक्षाओं के उपयुक्त ३८ शोधपूर्ण निबंध हैं। कुछेक की सूची देखिए—साहित्य की परिभाषा एवं उद्देश्य, साहित्य और समाज, कला का स्वरूप एवं भेद, कला और जीवन, सत्यं शिवं सुन्दरम्, काव्य-तत्व-विवेचन, काव्य के भेद, शब्द शक्तियां, काव्य में गुण वृत्ति-रीति, काव्य के दोष, काव्य में अलंकारों का स्थान, साहित्य में रस तत्व, हिंदी काव्य में प्रकृति चित्रण, छायावाद, रहस्यवाद और समानता, दुखवाद, यथार्थवाद, हालावाद, प्रगतिवाद, नयी कविता और प्रयोगवाद, नयी कविता की विशृंखलता, दृश्य काव्य, रेडियो नाटक, उपन्यास, कहानी, हिंदी निबंध, कविता और छंद विधान, गीत काव्य, संगीत तथा काव्य कला, तुलसी का काव्य सौंदर्य, सूर का वात्सल्य वर्णन आदि। डिमाई साइज। मूल्य १५)

सोने में सुगंध (ललित निबंध-संग्रह)

(लेखक—प्रो० प्रभुदास भोपटकर एम० ए०, पुणे)

इसमें १५ ललित निबंध हैं। काव्य में जो स्थान गीति काव्य का होता है वही स्थान ललित निबंध का गद्य में होता है। गद्य में इस प्रकार के निबंध आत्माभिव्यक्ति के उत्कृष्ट माध्यम समझे गए हैं। अधिकांश निबंधों के शीर्षक फिल्मी गानों, कविता की पंक्तियों अथवा लोकोक्तियों को लेकर हैं जैसे सोने में सुगंध, लातों के भूत, जल बोतल, चिड़िया शक्कर खाती है, मुफ्त हुए बदनाम, सूर की गति, मुझे तुमसे कुछ न चाहिए, मोहे लागी लगन, पर उपदेश कुशल बहुतेरे, भाव संप्रदाय बनाम दास संप्रदाय, हास्य भक्ति प्रशंसा मृत्यु है, कोई हमदम

न रहा, रजत महोत्सव, शूली ऊपर सेज पिया की आदि। डिमाई साइज। मूल्य ४)

सूर सारावली: एक अप्रामाणिक रचना

(लेखक—डा० प्रेमनारायण टंडन पी०-एच० डी)

प्रस्तुत पुस्तक मे सूर सारावली की प्रामाणिकता के सभी समर्थको के तर्कों का समाधान करते हुए सिद्ध किया गया है कि सूर सारावली किसी भी दृष्टि से अष्टछापी सूरदास की रचना नही हो सकती। इस प्रकार प्रस्तुत प्रकाशन के द्वारा समस्त हिंदी जगत और सूर-साहित्य अध्ययन-क्षेत्र मे लगभग १०० वर्षों से फैले हुए एक बडे भ्रम का निराकरण किया गया है। डिमाई साइज। मूल्य १२) ५०

सूर सारावली

(संपादक—डा० प्रेमनारायण टंडन)

इसमे सूर सारावली का संपादित पाठ और सक्षिप्त भूमिका है। मूल्य ३) ५०

कवि अनूप शर्मा : कृतियाँ और कला

डा० टंडन द्वारा संपादित इस अभिनदन ग्रथ मे विभिन्न योग्य विद्वानों द्वारा सुकवि अनूप शर्मा को श्रद्धाजलि अर्पित की गई है। इससे कवि के व्यक्तित्व और कृतित्व पर पूर्ण प्रकाश पड़ता है। डिमाई साइज। मूल्य ५)

भाषा अध्ययन के अधार

(लेखक—डा० प्रेम नारायण टंडन)

प्रस्तुत पुस्तक हिंदी में कदाचित अपने ढंग की प्रथम रचना है और वाक्य विन्यास अथवा रचना का विवेचन तो सर्वथा मौलिक है। इसमें (१) काव्य के अग और भाषा (२) भाषा के रूप (३) भाषा का विकास या उसकी परिवर्तनशीलता (४) भाषा के अग (५) शब्द शक्ति (६) ध्वनि (७) गुण वृत्ति और रीति (८) रस और भाषा (९) छद और भाषा (१०) अलकार और भाषा (११) वाक्य-रचना (१२) विषय का भाषा और वाक्यविन्यास पर प्रभाव (१३) काव्य भाषा के दोष आदि निबंध हैं। मूल्य ७) ५०

सूर साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन

अपने ढग की अकेली पुस्तक। प्रथम सस्करण समाप्त। द्वितीय संस्करण में अभी देर है मूल्य ५)

हिंदी साहित्य : कुछ विचार

(लेखक—डा० प्रेमनारायण टंडन, पी-एच० डी०)

इसमें के १४ परीक्षोपयोगी साहित्यिक निबंध हैं। प्रथम खंड में हिंदी कविता संबंधी ९ निबंध हैं तथा द्वितीय खंड में हिंदी गद्य संबंधी पाँच निबंध हैं। प्रथम संस्करण समाप्तप्राय है। मूल्य ७) ५०

संक्षिप्त सूर सागर

सूरसागर में कुल ५१०० पद हैं जिनमें से डा० टंडन ने १८०१ पद चुनकर संकलित कर दिए हैं। दूसरा संस्करण। ६)

हिंदी-साहित्य : पिछला दशक

(लेखक—डा० प्रतापनारायण टंडन पी-एच० डी०)

इसमें १९४७ से १९५७ तक हिंदी कविता, उपन्यास, कहानी, नाटक, एकांकी, निबंध, एवं आलोचना में जो प्रगति हुई है उसका सही मूल्यांकन किया गया है। डिमाई साइज। मूल्य ४) ५०

आधुनिक साहित्य

डा० प्रतापनारायण टंडन लिखित निबंधों का संग्रह जो काफी समय से अप्राप्य है। मूल्य ४)

हिंदी उपन्यास : उद्भव और विकास

यह डा० प्रतापनारायण टंडन की पी-एच० डी० लिखित थीसिस का संक्षिप्त रूप है। इसमें हिंदी उपन्यास के प्रारंभ और विकास को स्पष्ट किया गया है और इसमें प्रत्येक युग में होने वाली औपन्यासिक प्रगति का विवरण है जो उच्च परीक्षा के विद्यार्थियों के लिए उपयोगी है। क्राउन साइज। मूल्य ५)

शिवराज भूषण (सटीक)

डा० प्रतापनारायण टंडन द्वारा सुसंपादित यह सटीक संस्करण अब समाप्त है। अभी छपने की कोई आशा नहीं। मूल्य १) ५०

उर्दू साहित्य का सरल इतिहास

डा० प्रतापनारायण टंडन ने हिंदी लिपि में उर्दू साहित्य के इतिहास का सरल सुबोध विवेचन किया है। मूल्य २) ५०

भँवरगीत (नंददास सटीक

डा० प्रेमनारायण टंडन द्वारा सुसंपादित सटीक संस्करण। मूल्य ७५ न०पै०

रासपंचाध्यायी (नंददास) सटीक

डा० प्रेमनारायण टंडन द्वारा सुसंपादित सटीक संस्करण। मूल्य ३) ५०

सूर रामायण

डा० प्रेमनारायण टंडन द्वारा सुसंपादित सटीक संस्करण। मूल्य १)५०

नरोत्तमदास कृत सुदामा चरित (सटीक)

श्री बालबंधु द्वारा सुसंपादित सटीक संस्करण। मूल्य ०) ७५

प्रेमचंद : उनकी कृतियाँ और कला

(संपादक—डा० प्रेमनारायण टंडन पी-एच० डी०)

श्री प्रेमचंद जी की कृतियों तथा कला के संबंध में लिखे हुए प्रतिष्ठित विद्वानों के आलोचनात्मक २६ लेखों का संकलन। प्रमुख लेखकों के नाम ये हैं—डा० मुंशीराम शर्मा, डा० हजारी प्रसाद द्विवेदी, डा० सत्येन्द्र, डा० गुलाबराय, डा० राम विलास शर्मा, डा० भगीरथ मिश्र आदि। पृष्ठ ३०८, मूल्य ३)५०

रूपनारायण पांडेय स्मृति ग्रंथ

पं० रूपनारायण पांडेय द्विवेदी युग के प्रसिद्ध लेखक थे। लखनऊ की 'माधुरी' के जरिए आपने हिंदी साहित्य की प्रशंसनीय सेवा की। कुशल संपादक तथा अनुवादक होने के साथ-साथ आप एक सफल लेखक भी थे। उनकी स्मृति-स्वरूप यह अभिनंदन ग्रंथ हमने प्रकाशित किया है। लगभग ३० सुप्रसिद्ध साहित्यकारों के अभिनंदन से युक्त यह ग्रंथ अनुपम सिद्ध हुआ है। मूल्य ५)

हिंदी साहित्यांगों का विकास

डा० प्रेमनारायण टंडन ने हिंदी साहित्यांगों-उपांगों का सर्वांगीण विवेचन प्रस्तुत किया है। मूल्य २)

काव्यांग-परिचय (रसछंद अलंकार)

डा० प्रेमनारायण टंडन द्वारा बहुत ही सरल भाषा में विवेचित। अब तक कई संस्करण हो चुके हैं। मूल्य १) ५०

पता हिंदी साहित्य भंडार, , लखनऊ

हमारे अन्य उपयोगी प्रकाशन

मानस की रूसी भूमिका

(मूल लेखक—श्रीबरान्नीकोव ; अनुवादक—डा० केसरीनारायण शुक्ल)

रूस के प्रसिद्ध विद्वान श्री बरान्नीकोव ने रूसी भाषा में रामचरित मानस का अनुवाद किया था। प्रारंभ में भूमिका में उन्होंने 'मानस' की सारगर्भित समालोचना की थी। उसी भूमिका को मूल भाषा से डा० शुक्ल जी ने अनुवादित किया। अतः यह पुस्तक अतर राष्ट्रीय महत्व की बन गई है। मूल्य ३)५०

प्रसाद पंत रत्नाकर

(लेखक—डा० लक्ष्मी नारायण टंडन एवं श्री रामखेलावन चौधरी)

तीनों प्रसिद्ध कवियों की काव्यकला तथा भाषा शैली की आलोचना मूल्य २)

अनुपम काव्य-ग्रंथ

तू और मैं (काव्य)—प० दीनानाथ व्यास	१॥)
व्यंग्य विनोद (हास्यरस)—व्यग्यविनोदी मिश्र, राजनाँदगाँव	१)
श्रीकृष्ण चरित्र अथवा रुक्मिणी मंगल—स्व० रूपनाराण पाडेय	४॥)
रसिक शतक (ब्रजभाषा)—रसिकबिहारीलाल	२॥)
चित्रकूट के पथ पर (खंड काव्य)—डॉ० देवकीनंदन श्रीवास्तव	१)
रामराज्य (महाकाव्य)—डॉ० बलदेवप्रसाद मिश्र	५)
दयानंद लहरी (खंड काव्य)—श्री अखिलेश शर्मा त्रिवेदी	१)
साधना पथ (अतुकांत)—डॉ० प्रेम नारायणटंडन	२॥)
तुमने निहारा (गीत संग्रह)—जगदीश शर्मा	४)
हम तिनुका हन [अवधी कविताएँ]—कवि दिवाकर	॥)

पाठ्य-पुस्तकें

अध्ययन (निबंध संग्रह)—डा० भगीरथ मिश्र एम० ए०, पी-एच० डी०	३)
काव्य शास्त्र की रूपरेखा—डा० मायारानी टंडन पी० एच० डी०	१॥)
सप्तपर्णी (प्रतिनिधि एकांकी संग्रह)—सं० काशीराम शास्त्री	३)
हिंदी गद्य प्रवेश—डा० प्रेमनारायण टंडन	१॥)
काव्य कुसुमावली—सं० डा० प्रेमनारायण टंडन	३)
हिंदी गद्य सौरभ—सं० डा० लक्ष्मीनारायण टंडन	१॥)
सूरप्रभा—सं० डा० दीनदयालु गुप्त	१॥)
गद्य कुसुमाञ्जलि स० डा० प्र टंडन	१।)
हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास (तमा सशोधित)	२।)

हिन्दी भाषा और साहित्य का परिचयात्मक इतिहास—
(संशोधित संस्करण) सं० डा० प्रेमनारायण टंडन २।)
हिन्दी पद्य कुसुमावली ,, ,, १॥)
हिन्दी गद्य कुसुमावली ,, ,, १॥)
हिन्दी भाषा साहित्य का संक्षिप्त इतिहास ,, ४॥)
संक्षिप्त विद्यापति पदावली - डा० त्रिलोकीनारायण दीक्षित ३)
साहित्य ज्योति—सं० प्रेमनारायण टंडन २।)
काव्य कौमुदी—सं० प्रेमनारायण टंडन २॥)
उर्दू साहित्य का सरल इतिहास— डा० सरला शुक्ला ॥)
उत्तर कांड (रामचरितमानस) सं० हरिकृष्ण अवस्थी १॥)
चित्रा—(प्रतिनिधि कहानी संग्रह) सं० हरिशंकर २)

निबंध एवं व्याकरण

हिन्दी रचना उनके अंग—ले० सं० प्रेमनारायण टंडन (सातवां संस्करण) ३)
प्रबंध प्रभा—(निबंध संग्रह) ,, ,, १॥)

एकांकी नाटक संग्रह एवं नाटक

सबसे छोटा आदमी (एकांकी नाटक) प्रो० शंकर पुणतांबेकर २)
निराला : एक झलक (नाटक—)-डा० प्रेमनारायण टंडन २॥)
प्रेरणा तथा अन्य एकांकी— डा० प्रेमनारायण टंडन २)
अजातशत्रु ,, ,, ३)
संकल्प ,, ,, २॥)
कर्मपथ ,, ,, २॥)
दिवा स्वप्न ,, ,, २॥)
सप्त स्वर (विविध) ,, ४)
कृष्ण जन्म (अभिनेय नाटक) ,, २॥)
निर्माण (नाटक)—सैयद कासिम अली साहित्यालंकार १)

उपन्यास एवं कहानी-संग्रह

उल्कापात (कहानी संग्रह)—डा० भगवानदास तिवारी २)
चमकता सितारा : चुभन भरा काँटा (उपन्यास) सुभाष पल २॥)
पिंजरा और पंछी—रामखेलावन चौधरी (कहानी संग्रह) ३)
महात्मा गाँधी से क्या सीखें —बालबंधु एम० ए० (किशोरोपयोगी) ६)
बदलते इरादे कहानी संग्रह डा० प्रतापनारायण टंडन

उच्चकोटि के पुस्तकालयों, विश्वविद्यालयों के शिक्षा-विभागों, और प्रशिक्षण महाविद्यालयों के लिए यह पुस्तक अमूल्य निधि सिद्ध होगी। शिक्षा में अभिरुचि रखने वाले उच्च कक्षा के विद्यार्थी और साधारण जनता भी इससे लाभ उठा सकते हैं। सुन्दर गेट अप, साइज डिमाई, पृ० सं० [illegible], मूल्य १२)

भारतीय शिक्षा की समस्याएँ

(ले०—रामखेलावन चौधरी, एम० ए०, एम० एड०)

आज भारत जैसे विशाल देश के सामने सबसे बड़ी समस्या यह है कि वह अपनी अपार जनसंख्या के लिए किस प्रकार शिक्षा की व्यवस्था करे। स्वतन्त्रता के नये युग में पदार्पण कर चुकने के बाद भी भारत की शिक्षा-व्यवस्था पुरानी है। इसलिए शिक्षा के क्षेत्र में अनेक समस्याओं ने जन्म ले लिया है। शिक्षा की उत्तमता प्रत्येक स्तर पर गिरती जा रही है। जनता में शिक्षा के प्रति अभिरुचि बढ़ी है परन्तु राज्य इस ओर से उदासीन है। शिक्षा का उद्देश्य अस्पष्ट है। बच्चों की शिक्षा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से परिवार, विद्यालय, समाज, सिनेमा, आकाशवाणी, साहित्य, समाचार पत्र, धर्म आदि पर निर्भर है परन्तु इन शैक्षिक संस्थाओं में परस्पर सहयोग नहीं है। पाठ्यक्रम के पुनर्संगठन की आवश्यकता है। विद्यार्थियों में अनुशासन-विहीनता बढ़ती जा रही है और वे देश की उत्तरदायित्वपूर्ण सेवाओं का भार सहन करने में असमर्थ हो रहे हैं। वर्तमान परीक्षा-प्रणाली त्रुटिपूर्ण है। भाषाओं की शिक्षा के सम्बन्ध में वाद-विवाद चल रहा है।

उपर्युक्त सभी समस्याओं पर लेखक ने इस पुस्तक में मौलिक विचार प्रस्तुत किये हैं। शिक्षा-जगत में होने वाले सम्भावित क्रान्तिकारी परिवर्तनों की सूचना देने वाली यह पुस्तक अन्यत्र अलभ्य है। साइज ~क्राउन, पृ० सं० १६० मूल्य ५)

२. आधुनिक विद्यालय-संगठन

(ले०—रामखेलावन चौधरी, एम० ए० एम० एड०)

आज का विद्यालय निश्चित रूप से प्राचीन विद्यालयों से भिन्न है। पहले विद्यालय व्यावसायिक या परोपकार की दृष्टि से व्यक्तिगत आधार पर चलाये जाते थे। आज परिस्थिति बदल चुकी है। हमारे देश में प्रजातन्त्र शासन है और हमने समाजवादी साँचे में नवयुवकों को ढालने का निश्चय किया है। इसलिए शिक्षा का स्वरूप बदलना चाहिए और तदनुरूप विद्यालयों के संगठन और प्रबन्ध में परिवर्तन अपेक्षित है। आज का विद्यालय निरंकुश शासन द्वारा नहीं चलाया जा सकता। उसे राष्ट्र, जनता, अध्यापक और विद्यार्थियों के सहयोग से चलाना आवश्यक है। अतः विद्यालय संगठन का एक नये दर्शन का प्रतिपादन किया जा रहा है विदेशों

में इस दिशा में अनेक क्रान्तिकारी परिवर्तन हो चुके है । उन सबके प्रकाश में भारतीय विद्यालय के संगठन का क्या स्वरूप हो, यह बताना इस पुस्तक का उद्देश्य है। विषय के प्रतिपादन में विद्वत्ता के साथ-साथ लेखक के व्यक्तिगत अनुभवो का योग होने से पुस्तक का आकर्षण कई गुना अधिक बढ गया है ।

आधुनिक विद्यालय संगठन शिक्षा साहित्य का एक विशेष अग है। इसके अन्तर्गत, प्रधानाध्यापक, अध्यापक वर्ग, अभिभावक, विद्यार्थी तथा राज्य के सगठनात्मक कर्तव्य आ जाते हैं। इनके अतिरिक्त, अनुशासन, पाठ्यक्रम, परीक्षा, पाठ्यक्रम सहायक क्रियाओ (Co curricular activities), अर्थ-व्यवस्था, सहायक उपकरणो और सर्वान्तिम शिक्षण विधियो के प्रयोग आदि विषय आ जाते है। इन सब विषयो पर अलग-अलग अध्यायो मे परिचयात्मक और आलोचनात्मक ढग से प्रकाश डाला गया है। एल० टी०, बी० टी०, बी० एड० और एम० एड० कक्षाओ के विद्यार्थी इस पुस्तक मे पूरा लाभ उठा सकते है। पृ० स० ३६०, मूल्य ६)

शिक्षा-सीरीज की पुस्तकें

१. हरबार्ट तथा पंचपदी शिक्षण-विधि .... १॥)
२. प्रगतिवादी शिक्षा मे इन्द्रिय शिक्षण-किंडरगार्टेन तथा मांटेसरी विधियाँ १॥)
३. शिक्षण मे मनोवैज्ञानिक क्रांति—डाल्टन तथा प्रोजेक्ट विधियाँ .... १॥)
४. शिक्षा मे नवीन प्रयोग —स्वय ज्ञान तथा खेल विधियाँ . १॥)
५. शिक्षा में गांधीवादी योजना - बुनियादी शिक्षण विधि .... २॥)
६. शिक्षण मे आधुनिक प्रयोग ... २॥)

भारत तथा उत्तर प्रदेश में प्रजातांत्रिक उच्चतर माध्यमिक शिक्षा की ऐतिहासिक भूमिका

ले०—डा० राघव प्रसाद सिंह, शिक्षा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय

यह पुस्तक बरमिंघम विश्वविद्यालय के लिए प्रस्तुत प्रबंध का हिन्दी अनुवाद है। इसमे हमारे देश मे नवोदित प्रजातन्त्र के अनुकूल प्रजातान्त्रिक माध्यमिक शिक्षा के सिद्धान्तों पर प्रकाश डालते हुए लेखक ने वर्तमान शैक्षिक गतिविधि का विश्लेषण किया है। उत्तर-प्रदेश में इस दृष्टि से कितनी प्रगति हुई है, इसका सिंहावलोकन भी पुस्तक मे प्राप्त होने से, इस प्रदेश के शिक्षा-विशारदो, शासको और शिक्षा मे रुचि रखनेवाले अन्य जनों के लिए विशेष रूप से यह पुस्तक उपयोगी और पठनीय है। प्रारभ के अध्यायों पर प्रजातन्त्र के दार्शनिक पहलू को स्पष्ट करते हुए, लेखक ने यह यह संकेत किया है कि वर्तमान शिक्षा पद्धति कितनी खोखली है और उसमें कहाँ तक परिवर्तन अपेक्षित है। यह पुस्तक विश्वविद्यालयो और प्रशिक्षण महाविद्यालयों की उच्च कक्षाओं के लिए अवश्य उपयोगी सिद्ध होगी मूल्य ६)